जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

39वाँ
वार्षिक प्रतिवेदन

(1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 तक)

नई दिल्ली–110067

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
मुख्य अंश	**1 - 11**
आख्यान	**12 - 15**
↳ **शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश**	**16 - 21**
↳ **विश्वविद्यालय के निकाय**	**22 - 25**
↳ **संस्थान और केन्द्र**	**26 - 245**
↳ कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	26 - 35
↳ जैव प्रौद्योगिकी संस्थान	36 - 40
↳ कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	41 - 45
↳ पर्यावरण विज्ञान संस्थान	46 - 53
↳ अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	54 - 89
↳ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	90 - 94
↳ भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	95 - 123
↳ जीवन विज्ञान संस्थान	124 - 136
↳ भौतिक विज्ञान संस्थान	137 - 144
↳ सामाजिक विज्ञान संस्थान	145 - 227
↳ विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	228 - 236
↳ संस्कृत अध्ययन केन्द्र	237 - 241
↳ आणविक चिकित्सा-शास्त्र केन्द्र	242 - 245
↳ **अकादमिक स्टाफ कालेज**	**246 - 249**
↳ **छात्र गतिविधियाँ**	**250 - 256**
↳ **कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं**	**257 - 262**
↳ **विश्वविद्यालय प्रशासन**	**263 - 265**
↳ **विश्वविद्यालय वित्त**	**266 - 268**
↳ **पाठ्येत्तर गतिविधियां**	**269 - 275**
↳ यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति (जीएसकैश)	
↳ पूर्व छात्रों से संबंधित मामले	
↳ जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान	
↳ अन्तरराष्ट्रीय सहयोग	
↳ **केन्द्रीय सुविधाएं**	**276 - 284**
↳ विश्वविद्यालय पुस्तकालय	
↳ विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र	
↳ उच्च यंत्रीकरण सुविधा	
↳ विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो	

- ***शिक्षकों के प्रकाशन*** **285 – 364**
- ***शिक्षकों की शोध परियोजनाएं*** **365 – 381**

परिशिष्ट **382 – 393**

- ***विश्वविद्यालय निकायों की सदस्यता***
  - *विश्वविद्यालय कोर्ट* 382 – 386
  - *कार्य परिषद* 387
  - *विद्या परिषद* 388 – 392
  - *वित्त समिति* 393
- ***शिक्षक*** **394 – 407**
  - *शिक्षक* 394 – 403
  - *इमेरिट्स/ऑनरेरी प्रोफेसर* 404
  - *शिक्षकों की नियुक्तियां* 405 – 406
  - *पुनर्नियुक्ति के बाद अंतिम रूप से सेवानिवृत्त शिक्षक* 406
  - *त्यागपत्र देने वाले शिक्षक* 406
  - *स्थायी हुए शिक्षक* 407
  - *स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक* 407
- ***शोध छात्र*** **408 – 439**
  - *पी–एच.डी.* 408 – 423
  - *एम.फिल.* 423 – 438
  - *एम.टेक* 439

....

विश्वविद्यालय के अधिकारी
(31.3.2009 को)

प्रो. यशपाल	कुलाधिपति
प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य	कुलपति
प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	कुलदेशिक
प्रो. रामाधिकारी कुमार	कुलदेशिक
प्रो. वी.के. जैन	कुलसचिव और डीन (छात्र)
श्रीमती रेवती बेदी	वित्त अधिकारी
डॉ. एस. चन्द्रसेकरन	समन्वयक (मूल्यांकन) कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष

अध्ययन संस्थानों के डीन

प्रो. एच.एस. शिवा प्रकाश	डीन, क.सौ. शा. सं.
प्रो. अपर्णा दीक्षित	डीन, जै.प्रौ.सं.
प्रो. एन. परिमाला	डीन, कं. व प.वि.सं.
प्रो. के.जी. सक्सेना	डीन, प.वि.सं.
प्रो. वाई.के. त्यागी	डीन, अं.अ.सं.
प्रो. इंदिरा घोष	डीन, सू.प्रौ.सं.
प्रो. शंकर बासु	डीन, भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. आर. मधुबाला	डीन, जी.वि.सं.
प्रो. रूपमंजरी घोष	डीन, भौ.वि.सं.
प्रो. हरजीत सिंह	डीन, सा.वि.सं.

अध्ययन केन्द्रों के अध्यक्ष

प्रो. अनुराधा एम. चिनॉय	अध्यक्ष, रू.म.ए.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. चिन्तामणि महापात्रा	अध्यक्ष, क.यूएस.ले.अ..अ.के./अं.अ.सं.
डॉ. संगीता बंसल	अध्यक्ष, अं.व्या.वि.के/अं.अ.सं.
प्रो. अजय कुमार दुबे	अध्यक्ष, प.ए.अ.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. पी. सहदेवन	अध्यक्ष, द.म.द.पू.ए.द.प.म.अ.के./अं.अ.सं.
डॉ. श्रीकांत कोंडापल्ली	अध्यक्ष, पू.ए.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. राजेश राजगोपालन	अध्यक्ष, अं.रा.सं.नि.के./अं.अ.सं.
प्रो. भरत एच. देसाई	अध्यक्ष, अं.वि.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. आर.के. जैन	अध्यक्ष, यू.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. चन्द्रजीत सिंह	अध्यक्ष, रू.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. एस.ए. रहमान	अध्यक्ष, अ.अ.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. शंकर बासु	अध्यक्ष, स्पे.पु.इ.ले.अ.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. अन्विता अब्बी	अध्यक्ष, भा.वि.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. चमन लाल	अध्यक्ष, भा.भा.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. अख्तर महदी	अध्यक्ष, फा.म.ए.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. अनिता खन्ना	अध्यक्ष, जा.उ.पू.ए.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. प्रियदर्शी मुखर्जी	अध्यक्ष, ची.द.पू.ए.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. एन. कमला	अध्यक्ष, फ्रे.फ्रें.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. राजेन्द्र डेंगले	अध्यक्ष, ज.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. एस.के. सरीन	अध्यक्ष, अं.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. गीता बी. नाम्बिसन	अध्यक्ष, जा.हु.शै.अ.के./सा.वि.सं.
डॉ. पी.एन. देसाई	अध्यक्ष, वि.नी.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य	अध्यक्ष, ऐ.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. सी.पी. चन्द्रसेखर	अध्यक्ष, आ.अ.नि.के./सा.वि.सं.

प्रो. तिलपुत नांग्रब्री	अध्यक्ष, सा.प.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. मोहन राव	अध्यक्ष, सा.चि.सा.स्वा.के./सा.वि.सं.
प्रो. आर.के. शर्मा	अध्यक्ष, क्षे.वि.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. वी. रोड्रिग्ज	अध्यक्ष, रा.अ.के./सा.वि.सं.
डॉ. भगत ओइनाम	अध्यक्ष, द.शा.के./सा.वि.सं.
प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	अध्यक्ष, वि.अ.अ.के.
डॉ. आर.के. त्यागी	अध्यक्ष, आ.चि.शा.के.
प्रो. शंकर बासु	अध्यक्ष, सं.अ.के.
प्रो. सरस्वती राजू	निदेशक, महिला अध्ययन कार्यक्रम
प्रो. कुणाल चक्रबर्ती	निदेशक, अकादमिक स्टाफ कॉलेज

विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी

डॉ. सचिदानन्द सिन्हा	एसोसिएट डीन (छात्र)
श्रीमती दमयंती वी. ताम्बे	उप निदेशक (शारीरिक शिक्षा)
डॉ. गौतम पात्रा	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
प्रो. हिमाद्री बी. बोहिदार	मुख्य कुलानुशासक
डॉ. अरुण के. मोहन्ती	अध्यक्ष, विदेशी छात्र सलाहकार
प्रो. के.सी. उपाध्याय	निदेशक (प्रवेश)
प्रो. आदित्य मुखर्जी	निदेशक, ज.ने.उच्च अध्ययन संस्थान
प्रो. आनन्द कुमार	मुख्य सलाहकार, पूर्व छात्रों से संबंधित मामले
श्रीमती पूनम एस. कुदेसिया	जन–सम्पर्क अधिकारी

सम्पादकीय मण्डल (वार्षिक प्रतिवेदन)

प्रो. जी.जे.वी. प्रसाद,	अध्यक्ष
डॉ. देवेन्द्र कुमार चौबे	सदस्य
डॉ. एन्ड्रयू लिन	सदस्य
डॉ. रोहिनी मुथुस्वामी	सदस्य
श्रीमती पूनम एस. कुदेसिया	सदस्य सचिव

मुख्य अंश

महान राजनेता और विचारक पं. जवाहरलाल नेहरू के राष्ट्रीय स्मारक के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1966 में की गई थी। विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन 14 नवम्बर 1969 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री वी.वी. गिरी द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

> *'अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान, प्रज्ञान एवं समझदारी का प्रसार व अभिवृद्धि करना तथा विशिष्टतः उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यन्त काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तरराष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।'*

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और शिक्षकों को विश्वविद्यालय में सम्मिलित होने और उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और अध्यापकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें ऐसी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- विश्वविद्यालय में अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तरराष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और
- विभिन्न देशों से आए छात्रों और शिक्षकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु सुविधाएं प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय के संस्थानों, केन्द्रों और अन्य निकायों की गतिविधियों का 1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 तक का विवरण नीचे दिया गया है।

संस्थान

विश्वविद्यालय की स्थापना विशेष रूप से एक स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय की विद्या सलाहकार समिति ने यह निर्णय लिया था कि विश्वविद्यालय में मूलतः संस्थान और इनमें केन्द्र होंगे। विश्वविद्यालय में इस समय 10 संस्थान हैं :

- कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान
- जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान
- कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण विज्ञान संस्थान
- अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
- जीवन विज्ञान संस्थान
- भौतिक विज्ञान संस्थान
- सामाजिक विज्ञान संस्थान

इनके साथ–साथ निम्नलिखित विशेष केन्द्र हैं :

- विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र
- आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र
- संस्कृत अध्ययन केन्द्र

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान की स्थापना वर्ष 2001 में हुई और यह निरन्तर वृद्धि की ओर अग्रसर है। अपनी स्थापना के अल्पकाल में ही यह संस्थान पारम्परिक और समसामयिक प्रकृति के कला एवं व्यवहार के भिन्न सिद्धान्तों के क्षेत्रों में अन्तरविषयक अध्ययन और शोध को उन्नत कराने वाला केंद्र बन गया है।

संस्थान ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अनेक सुप्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए, जिनमें शामिल हैं – डॉ. पेद्रो मौरा कार्वाल्हो, हार्वर्ड विश्वविद्यालय; जेनेट लिल्ली, ओल्सोई, डेनमार्क आदि। संस्थान के शिक्षकों ने लगभग 45 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भाग लिया। पुरस्कार एवं सम्मान पाने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – पारुल दवे मुखर्जी; कविता सिंह; एन.पी. अहूजा और रजनी मजुमदार।

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान को वर्ष 2006 में एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण द्वारा जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए पूरे देश में प्रथम स्थान पर घोषित किया गया। संस्थान जैव–प्रौद्योगिकी में एम.एस–सी. और पी–एच.डी. दोनों पाठ्यक्रम चलाता है। संस्थान, जैव–प्रौद्योगिकी, जैव–रसायन, जैव–भौतिकी, सूक्ष्म जीवविज्ञान, अणु जीवविज्ञान के भौतिक–रसायनिक पक्षों के शिक्षण पर बल देता है और एन्जाइम विज्ञान, जैव–रसायन इंजीनियरी, फर्मनटेशन टेक्नोलाजी और प्रतिरक्षा प्रौद्योगिकी में विशेषीकृत कोर्स भी चलाता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान में व्याख्यान देने आए सुप्रसिद्ध विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. क्रिस्टोफर फ्रेंको; फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया; डॉ. लालजी सिंह, सी.सी.एम.बी., हैदराबाद, माटिया सिलो, स्विट्जरलैण्ड दूतावास। संस्थान के शिक्षकों ने 27 शोध परियोजनाएं शुरू की तथा 17 शोध आलेख प्रकाशित कराए।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान (1975) उन श्रेष्ठ संस्थानों में से एक है जहां कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान एम.सी.ए., एम.टेक. और पी–एच.डी. उपाधियों के लिए अध्ययन एवं शोध पाठ्यक्रम चलाता है।

पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं टी.वी. विजय कुमार। संस्थान के शिक्षकों ने लगभग 20 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और 10 शोध आलेख प्रस्तुत किए। संस्थान के प्रकाशनों में डी.पी. विद्यार्थी द्वारा "शैड्यूलिंग इन डिस्ट्रीब्युटिड कंप्यूटिंग सिस्टम : एनालिसिस डिजाइन ऐंड मॉडल्स" शीर्षक प्रकाशन शामिल हैं।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान (1974) की शोध रूचि विभिन्न भू, वातावरणीय और जीव–वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में विभक्त हैं। पारिस्थितिक और सामाजिक प्रक्रियाओं के बीच संयोजन संस्थान को एक अतिरिक्त आयाम प्रदान करते हुए सुसंगत बनाता है। इसलिए पाठ्यचर्या में भौतिक विज्ञान, भू एवं वातावरणीय विज्ञान, पर्यावरणीय जीव विज्ञान और पर्यावरणीय मानिटरिंग एवं प्रबंधन जैसे अन्तरविषयक क्षेत्र शामिल हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शिक्षकों के लगभग 72 शोध आलेख प्रकाशित हुए और उन्होंने 38 शोध परियोजनाएं शुरू कीं। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – एस. भट्टाचार्य, के. कुमार, डी. मोहन, के.जी. सक्सेना और ए.एल. रामनाथन।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (1969) की शुरू में स्थापना वर्ष 1955 में भारतीय अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संथान के नाम से हुई थी। यह विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। अपनी स्थापना के 54 वर्षों के दौरान संस्थान ने अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों और क्षेत्रीय अध्ययन के लिए पूरे देश में अपने को एक विशिष्ट संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित किया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान संस्थान में अनेक चेयरों की स्थापना हुई हैं। इनमें शामिल हैं – अप्पादुराई चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, पर्यावरण विधि एवं अन्तरिक्ष विधि में चेयर, भारतीय स्टेट बैंक चेयर और राजीव गांधी चेयर। अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों पर पं. हृदय नाथ कुंजरू स्मारक व्याख्यानमाला का आयोजन संस्थान का एक नियमित वार्षिक कार्यक्रम बन गया है।

संस्थान में नौ केन्द्र हैं, जिनमें विभिन्न विषयों में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

- **कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमेरीकी अध्ययन केन्द्र –** केन्द्र में व्याख्यान देने आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं –

प्रो. ब्रिंसले सामारू, यूनिवर्सिटी ऑफ त्रिनिदाद और टोबागो; प्रो. मारिया मैक एड्रयू, यूनिवर्सिटी ऑफ मोट्रियल; डॉ. पीटर जोंस, यूनिवर्सिटी ऑफ ओटावा। केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 11 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं प्रीति सिंह।

- **पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र के दौरे पर आए विशिष्ट विद्वानों में शामिल हैं – डॉ. वोंग, तमकांग यूनिवर्सिटी; प्रो. इलियट स्पर्लिंग इण्डियाना यूनिवर्सिटी, प्रो. क्लाज लेंग, आई.टी.एस.; जर्मनी। वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 7 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – श्रीकांत कोंडापल्ली और लालिमा वर्मा। शिक्षकों के लगभग 6 शोध आलेख प्रकाशित हुए।

- **यूरोपीय अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 17 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले में शामिल हैं – उम्मु सलमा बावा, गुलशन सचदेवा और भास्वती सरकार। केन्द्र के शिक्षकों के लगभग चार शोध आलेख प्रकाशित हुए।

- **अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र** – समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में व्याख्यान देने आए विद्वान हैं – श्री शिशिर प्रियदर्शनी, डबल्यू टी.ओ., जिनेवा; डॉ. वैद्यनाथ गुंडलपत, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी; प्रो. डेनियल डार्च, यार्क यूनिवर्सिटी। केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 20 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं मौसमी बासु और जयती श्रीवास्तव।

- **अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र** – केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 30 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – संगीता बंसल, ए.एस. राय और अपर्णा साहनी। केन्द्र के शिक्षकों ने 6 शोध परियोजनाएं शुरू कीं। शिक्षकों के लगभग 7 शोध आलेख प्रकाशित हुए।

- **रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र में व्याख्यान देने आए विद्वानों में शामिल हैं – डॉ. एलेग्जेंडर लुमकिन, मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी; डॉ. एंड्रयु जेंक्स, केलोफोर्निया स्टेट यनिवर्सिटी। केन्द्र के शिक्षकों ने 44 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षकों ने 31 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया। शिक्षकों ने 10 शोध परियोजनाएं शुरू की और उनके 8 शोध आलेख प्रकाशित हुए।

- **पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र** – केन्द्र के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. हुसैन सोलोमन, सी.आई.पी.एस.; दक्षिण अफ्रीका; प्रो. फ्रेड हैंड्रिक, ह्यूमेनिटीज यूनिवर्सिटीज; प्रो. अब्दुलवहित काकिर और प्रो. रफीक तुरन, गाजी विश्वविद्यालय। वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 40 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र**

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान – वर्ष 2001 में स्थापित हुए इस संस्थान में तीन केंद्र हैं। संस्थान मुख्यतः शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देता है।

- **अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केन्द्र** – यह केन्द्र जीव विज्ञान और जीवन विज्ञान के सभी क्षेत्रों में शोध कर रहे शोधार्थियों को सूचनाएं और अभिकलनात्मक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 1988 से कार्य कर रहा है।

- **संचार और सूचना सेवाएं** – विश्वविद्यालय ने अपनी विशिष्टता को बनाए रखने की परंपरा का निर्वाह करते हुए अपने शिक्षण एवं शोध कार्यक्रमों में आधुनिक इंटरनेट प्रौद्योगिकी को शामिल करते हुए एक और महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है।

- **उच्च निष्पादन कंप्यूटर केन्द्र** – उच्च स्तरीय क्लस्टर कम्यूटिंग सिस्टम की स्थापना की गई है। जिसका अनुरक्षण सी–डेक कम्पनी कर रही है। इसका वित्त पोषण जेएनयू – यू.पी.ओ.ई. योजना के माध्यम से किया गया है।

  संस्थान के दौरे पर आए विद्वानों में प्रमुख हैं – प्रो. मार्टिन कार्पल्स, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल; डॉ. राजीव अरोड़ा, सेंट लुइस यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. और डॉ. विजय चंद्रु, आई.आई.एस.सी., बंगलौर। संस्थान के शिक्षकों द्वारा सात शोध परियोजनाएं चलायी जा रही हैं। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं आर. रामास्वामी और प्रदीप्त बंदोपाध्याय।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान (1971) में विभिन्न शास्त्रीय, आधुनिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान, विश्वविद्यालय के सभी जरूरतमंद छात्रों के लिए विशेष सहायता के रूप में विभिन्न भाषाओं विशेषकर अंग्रेजी भाषा में उपचारात्मक कोर्स चलाता है, जिनमें प्रत्येक वर्ष काफी छात्र भाग लेते हैं।

संस्थान में ग्यारह केंद्र और एक मल्टीमीडिया भाषा प्रयोगशाला है। यह प्रयोगशाला समूह आडियो–वीडियो रिकार्डिंग, एज्यूकेशनल साफ्टवेयर प्रोडक्शन की आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

- **अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग नौ राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शिक्षकों के लगभग सात शोध आलेख प्रकाशित हुए।
- **चीनी और दक्षिण पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र** – वर्ष के दौरान केन्द्र के दौरे पर आए विद्वानों में शामिल हैं डॉ. सुन पिंग, एन.सी.ई.पी.यू., बीजिंग और डॉ. हर प्रसाद रे। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं प्रियदर्शी मुखर्जी। शिक्षकों के लगभग आठ शोध आलेख प्रकाशित हुए।
- **अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र** – केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 33 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया। केन्द्र के दौरे पर आए विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. वोल्फगांग जाख, यूनिवर्सिटी ऑफ इंसब्रुक, आस्ट्रिया; प्रो. आर्थर फ्लावर्स, सिराकुस यूनिवर्सिटी न्यूयार्क, डॉ. पाल शाराद, वोलोंगोंग यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं मकरंद प्रांजपे। शिक्षकों ने लगभग 4 शोध परियोजनाएं चलायी।
- **फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र** – वर्ष के दौरान पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं किरण चौधरी और आशिष अग्निहोत्री। शिक्षकों ने दो शोध परियोजनाएं चलाईं और उनके 6 शोध आलेख प्रकाशित हुए।
- **जर्मन अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र के दौरे पर आए विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. कीपलर, फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन, मैथ्यू बेल, लंदन; प्रो. मार्टिन आर., डीन स्विट्जर लैंड। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – आर.सी. गुप्ता और परनल चिरमुले। वर्ष के दौरान शिक्षकों के लगभग 5 शोध आलेख प्रकाशित हुए।
- **भारतीय भाषा केन्द्र** – केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 36 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा सम्मेलनों में भाग लिया। केन्द्र के दौरे पर आए विद्वानों में शामिल हैं गिलियन राइट, प्रो. अब्दुल बिस्मिल्लाह, डॉ. ताशमिर्जा खालमीरजाव। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – के. नाचिमुथु। वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा तीन शोध परियोजनाएं चलाई गईं। शिक्षकों के लगभग 14 शोध आलेख प्रकाशित हुए।
- **जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र** – केन्द्र के दौरे पर आए विद्वानों में प्रमुख हैं – प्रो. कोबायाशी, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रो. ओकामोतो, जापान। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – जनश्रुति चंद्रा।
- **भाषा विज्ञान केन्द्र** – केन्द्र के शिक्षकों ने 12 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। पुरस्कार एवं सम्मान पाने वाले शिक्षकों में शामिल हैं आय्यशा किदवई। शिक्षकों द्वारा 2 शोध परियोजनाएं चलाई गईं।
- **फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र** – वर्ष के दौरान पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – अख्तर महदी और अखलाक अहमद अंसारी। केंद्र के शिक्षकों ने लगभग 6 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।
- **रूसी अध्ययन केन्द्र** – केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 14 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। केन्द्र में आए प्रमुख वक्ताओं में शामिल हैं – डॉ. सर्गे वी. चेर्कास, रशियन सेंटर ऑफ साइंस ऐंड कल्चर; प्रो. ए.एस. कातसेव, किर्गीज रशियन स्लावोनिक यूनिवर्सिटी; प्रो. तातियाना लारिना, फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी।
- **इस्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा लगभग दो शोध परियोजनाएं चलाई गईं। शिक्षकों के चार शोध आलेख प्रकाशित हुए और उन्होंने आठ राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

जीवन विज्ञान संस्थान (1970) एक अग्रणी बहु–विषयक शोध एवं शिक्षण विभाग रहा है। संस्थान ने आधुनिक जीव विज्ञान के चुने हुए क्षेत्रों में नवीनतम शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं। संस्थान पादप अणु जीव विज्ञान, आनुवांशिकी, कोशिका और अणु जीव विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान, विकिरण, प्रकाश–जैविकी, कैंसर जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान में उच्च स्तरीय एवं महत्त्वपूर्ण

शोध कार्यक्रम चलाता है। संस्थान की भावी योजनाओं में तंत्रिका जीव विज्ञान, अणु जैव–भौतिकी और संरचनात्मक जीव विज्ञान के क्षेत्रों में अध्ययन के लिए केंद्रीयकृत सुविधाएं विकसित करने के साथ–साथ पादप जीवाणुओं और उष्णकटिबंधीय तथा आनुवंशिक रोगों की जीन प्रौद्योगिकी पर गहन शोध के लिए उपलब्ध सुविधाओं में वृद्धि करना शामिल है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. ए. रोजर, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, साउथ आस्ट्रेलिया; डॉ. सचिन कोटक, यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रेंकफुर्त; डॉ. सिग्रिड रोबर्ट, पैसिक यूनिवर्सिटी। पुरस्कार और सम्मान पाने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – आर.के. सक्सेना, पी.के. यादव, एन.बी. सरीन, ए.के. जौहरी, जे. पाल और आर. मधुबाला। शिक्षकों द्वारा लगभग 78 शोध परियोजनाएं चलाई गईं।

भौतिक विज्ञान संस्थान (1986) पिछले वर्षों में संस्थान ने एम.एस–सी. और प्री पी–एच.डी. स्तरों पर महत्त्वपूर्ण शिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं। संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्यतः क्लासिकल ऐंड क्वांटम केआस, कंप्यूटेशनल फिजिक्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम, नॉनलिनियर डायनेमिक्स, क्वांटम फील्ड थीअरि, क्वांटम आप्टिक्स और स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स के सैद्धान्तिक क्षेत्रों तथा केमिकल फिजिक्स, कंप्लेक्स फ्लुइड्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स और नानलिनियर आप्टिक्स के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – एस. घोष, बृजेश कुमार, पी. मुखोपाध्याय, एस. पटनायक और आर. रामास्वामी। वर्ष के दौरान शिक्षकों के 50 से अधिक शोध आलेख प्रकाशित हुए। संस्थान के दौरे पर आए प्रमुख वक्ताओं में शामिल हैं – दान फ्रेंकल, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज, स्टीफन थीसेन, अल्बर्ट आइनस्टाइन इंस्टीट्यूट; मार्को जेनेती, यूनिवर्सिटी ऑफ सलेरनो।

सामाजिक विज्ञान संस्थान (1969) के 9 केंद्रों में चलाए जा रहे एम.ए., एम.फिल. / पी–एच.डी. और पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 450 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्थान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित 'महिला अध्ययन कार्यक्रम' तथा प्रौढ़, अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार की एक विशेष यूनिट भी है। संस्थान में समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार और शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट भी है। संस्थान के सभी केंद्रों में शोध पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जबकि एम.ए. पाठ्यक्रम केवल पाँच केंद्रों में ही चलाए जाते हैं। इन केंद्रों सहित जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुदान राशि प्राप्त हो रही है।

- **आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र –** समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित 16वें और 17वें कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान के वक्ता थे क्रमश : डॉ. गारेथ आस्टिन, लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स और प्रो. इरफान हबीब, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, केन्द्र के दौरे पर आए। विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. अनानीश प्रदीप्त चौधरी, यूनिवर्सिटी ऑफ आकलैण्ड; डॉ. जेनेत हंटर, लंदन स्कूल ऑफ इकानोमिक्स। केन्द्र के शिक्षकों के लगभग 27 शोध आलेख प्रकाशित हुए। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं – प्रवीण झा, के.जी. दस्तीदार और विकास रावल।
- **दर्शनशास्त्र केन्द्र –** केन्द्र के दौरे पर आए मुख्य वक्ताओं में शामिल हैं – प्रो. डेविड वेबरमैन, सेंट्रल यूरोपीय यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट; प्रो. हार्वर्ड दुचारमे, यूनिवर्सिटी ऑफ एकरॉन, यू.एस.ए.; प्रो. एवांड्रो अगाज्जी, जिनोवा यूनिवर्सिटी। शिक्षकों ने लगभग 12 राष्ट्रीय / अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया।
- **राजनीतिक अध्ययन केन्द्र –** केन्द्र के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. एस. कविराज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, प्रो. इंग्रीड रोबिंस, इरासमस यूनिवर्सिटी; प्रो. ए रिचर्ड हिग्गोत, वारविक यूनिवर्सिटी। समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित चौथा निर्माण फाउंडेशन व्याख्यान प्रो. मार्क गलांटर, जोन और रायला बोस्सार्ड (प्रो. इमिरेट्स), यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोसिन ने दिया। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं – बलवीर अरोड़ा, अजय गुडावर्थी और टी.जी. सुरेश। केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 17 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भी भाग लिया।
- **सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –** वर्ष के दौरान केन्द्र के दौरे पर आए विद्वानों में शामिल हैं – आलिवर रजुम, यूनिवर्सिटी ऑफ बेलेफील्ड, जर्मनी; प्रो. सेवल इकगुण, बेसकंट यूनिवर्सिटी, टर्की। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – रामा बारु। केन्द्र के शिक्षकों ने 17 राष्ट्रीय / अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।
- **क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र –** समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र ने चौथे सतपाल मित्तल व्याख्यान के अन्तर्गत डॉ. अनरुद्ध के. जैन, द पाप्युलेशन काउंसिल, न्यूयार्क, का व्याख्यान आयोजित किया। केन्द्र में आए विद्वानों में प्रमुख हैं – डॉ. उलरिख कैम्प, यूनिवर्सिटी

ऑफ मोंटाना; डॉ. लुईस ओवेन, यूनिवर्सिटी ऑफ सिंसिनाती; डॉ. सुसेत समिद्त, यूनिवर्सिटी ऑफ हीडलबर्ग। केन्द्र के शिक्षकों के लगभग 26 शोध आलेख प्रकाशित हुए और उन्होंने लगभग 86 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं – डी.के. मिश्रा; एस. राजीव और हरजीत सिंह।

- **विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र** – केन्द्र के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. हेलमुथ लेंग, जर्मनी; प्रो. माइकल वॉरबायज, यू.के.; डॉ. वालट्राट रिटर, हाँगकाँग। केन्द्र के शिक्षकों के 6 शोध आलेख प्रकाशित हुए और उन्होंने लगभग 17 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया।
- **सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. लारा बाल्बो, यूनिवर्सिटी ऑफ पादोवा; प्रो. एस.टी. हैटिग, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया; प्रो. अरी सितास, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वाजुलु; प्रो. घनानाथ ओबेसिकरे, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं – योगेन्द्र सिंह, टी.के. ऊमन और विवेक कुमार। केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 50 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया।
- **शैक्षिक शोध रिकार्ड यूनिट** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र ने चौथा जे.पी. नायक स्मारक व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एस.के. थोरट ने दिया। केंद्र के शिक्षकों ने लगभग 6 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया और तीन शोध परियोजनाएं चलाई।
- **प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप** – समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में आए प्रमुख विद्वान हैं – प्रो. रूप, कुलपति और डॉ. प्रोफेसर ग्रेगॅर लांग – वोजतासिक, यूनिवर्सिटी ऑफ एज्युकेशन, वींगार्टन, जर्मनी। ग्रुप के शिक्षकों ने लगभग 35 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया और तीन शोध परियोजनाएं चलाई।
- **महिला अध्ययन कार्यक्रम** – पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – जी अरुणिमा। केन्द्र के दौरा पर आए प्रमुख विद्वान हैं – डॉ. रश्मि सदाना, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी; डॉ. शेफाली चंद्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, डॉ. आरोन गुडफेलो, जान हापकिंस यूनिवर्सिटी। केन्द्र के शिक्षकों ने लगभग 19 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया।
- **जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक हैं – दीपक कुमार, मिनाती पाण्डा और ध्रुव रैना। केंद्र के दौरे पर आए प्रमुख वक्ताओं में शामिल हैं – प्रो. जेम्स अलविस, यूनिवर्सिटी ऑफ हडर्सफील्ड; डॉ. सिद्धार्थ चंद्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ पीट्सबर्ग; प्रो. टिम अलेण्डर, सिडनी यूनिवर्सिटी।
- **भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान व्याख्यान देने आए प्रमुख विद्वानों में शामिल हैं – डॉ. रामनारायण रावत, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवानिया; प्रो. जी. कृष्णा रेड्डी, उस्मानिया विश्वविद्यालय।
- **ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र** –

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र (2000) – केन्द्र के शैक्षिक कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी उच्च स्तरीय शोध संस्था विकसित करना है जो शैक्षिक प्रकाशनों में चल रहे वाद–विवाद तथा मामलों में सहयोग कर सके। केन्द्र नीति विषयक मामलों पर बहस शुरू करके एक व्यावहारिक प्रशिक्षण भी देता है ताकि वह परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सके।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र के दौरे पर आए प्रमुख विधिवेत्ताओं में शामिल हैं – ओरलांडा रुथवेन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी; फिलिप्पा विलियम्स, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज; डेनियल ड्रेचे, योर्क यूनिवर्सिटी आदि। पुरस्कार और सम्मान पाने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – अमिता सिंह और अमित प्रकाश। केन्द्र के शिक्षकों द्वारा आठ शोध परियोजनाएं चलाई गईं।

आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र (1999) केन्द्र का उद्देश्य मानव रोगों के अध्ययन में आणविक और कोशिकीय जीव विज्ञान के सीधे अनुप्रयोग के साथ इस क्षेत्र में शोध कार्य को प्रोत्साहन देना है। वर्ष के दौरान केन्द्र में आए विद्वानों में शामिल हैं – डॉ. पूनम तनेजा, माइक्रोडिसेक्शन सिस्टम, यू.एस.ए.; डॉ. नीरजा करनानी, यूनिवर्सिटी ऑफ विर्जिनिया; डॉ. एस. दास गुप्ता और लीफ किर्सेबम, उपासला यूनिवर्सिटी। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – आर.के. त्यागी और एस.के. धर। वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षक दस शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे।

संस्कृत अध्ययन केन्द्र (2001) – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र में अनेक प्रतिष्ठित विद्वान आए और व्याख्यान दिए। इनमें शामिल हैं – डॉ. सी.बी. पटेल, भुवनेश्वर; डॉ. अने कुंगा, वाशिंगटन यूनिवर्सिटी और वी.एन. शुक्ला, सी–डेक नोएडा। केन्द्र के शिक्षकों द्वारा 4 शोध परियोजनाएं चलाई गईं और वर्ष के दौरान लगभग 21 शोध आलेख प्रकाशित हुए।

रक्षा/अनुसंधान और विकास संस्थान

जेएनयू ने देशभर के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध संस्थानों को मान्यता प्रदान की है। यह विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय चरित्र को दर्शाता है। इन संस्थानों के प्रतिनिधि जेएनयू के विभिन्न शैक्षिक और सांविधिक निकायों में रहते हैं। इसके साथ ही जेएनयू के शिक्षक भी इन संस्थानों के शैक्षिक निकायों और सांविधिक निकायों में भाग लेते हैं। इसके साथ ही जेएनयू के शिक्षक भी इन संस्थानों के शैक्षिक निकायों में भाग लेते हैं।

रक्षा संस्थान

- सेना कैडेट महाविद्यालय, देहरादून
- सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे
- सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद
- सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू
- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे
- नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला

अनुसंधान और विकास संस्थान

- कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद
- विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवनन्तपुरम्
- केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट्स, लखनऊ
- सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़
- अंतरराष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- अन्तर–विश्वविद्यालय त्वरित केंद्र, नई दिल्ली
- रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर
- राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुम्बई

छात्र

विश्वविद्यालय में देश के सभी भागों से छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। ये छात्र भारतीय समाज की भाषिक, धार्मिक, जातिगत और आर्थिक भिन्नता को दर्शाते हैं। इस संबंध में वर्ष 2008–2009 के आंकड़े नीचे दिए गए हैं। छात्र–शिक्षकों का अनुपात 12 : 1 है।

जेंडर प्रोफाइल		सोशल प्रोफाइल		पाठ्यक्रम	
• पुरूष	3659	• अनुसूचित जाति	837	• शोध (पी–एच.डी./एम.फिल./एम.टेक.)	3699
		• अनुसूचित जनजाति	461	• स्नातक (एम.ए./एम–एस.सी./एम.सी.ए.)	1598
• महिला	2366	• शारीरिक रूप से विकलांग	132	• पूर्व स्नातक (बी.ए. ऑनर्स)	728
		• विदेशी छात्र	278		
		• अन्य पिछड़ा वर्ग	772		
		• अन्य	3545		
कुल	**6025**				

प्रवेश

विश्वविद्यालय छात्रों को प्रवेश–परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है। यह प्रवेश परीक्षा देश के विभिन्न भागों में स्थित 69 केन्द्रों और एक विदेश में स्थित केन्द्र – काठमांडु (नेपाल) में आयोजित की जाती है। प्रवेश संबंधी सूचना अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं के सभी मुख्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में दी जाती है। प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में उपलब्ध सीटों की निश्चित संख्या के आधार पर दिया जाता है।

विश्वविद्यालय जेएनयू सहित 43 संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए एम–एस.सी. (जैव–प्रौद्योगिकी) में संयुक्त प्रवेश परीक्षा भी आयोजित करता है।

वर्ष 2008–2009 के दौरान विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में निम्नलिखित छात्रों को प्रवेश दिया गया।

जेएनयू प्रवेश परीक्षा

बेचे व प्राप्त किए गए आवेदन पत्र

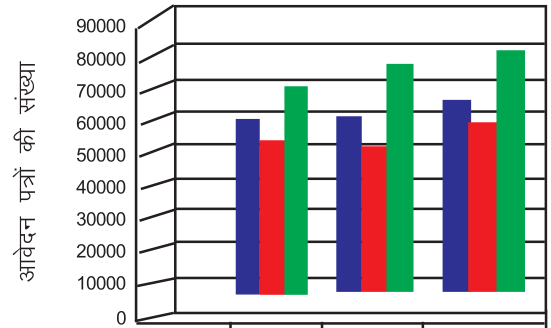

	2006	2007	2008
बेचे गए कुल आवेदन पत्र	61342	66314	66265
कुल प्राप्त पूर्ण आवेदन पत्र	52870	57525	57100
विकल्प सहित आवेदन पत्र	77596	83026	81726

प्रवेश–परीक्षा में बैठे/प्रस्ताव भेजे/प्रवेश लिया

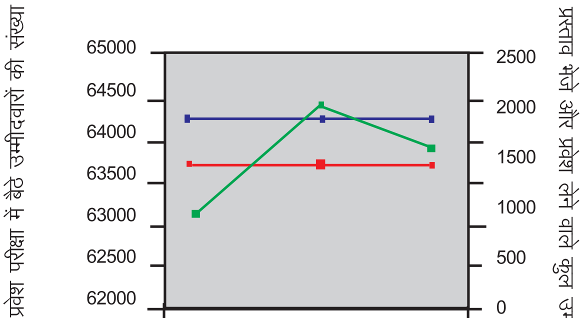

	2006	2007	2008
प्रवेश परीक्षा में बैठे कुल उम्मीदवार	63139	64507	64144
प्रवेश हेतु भेजे गए कुल प्रस्ताव	1951	2012	2081
प्रवेश लेने वाले कुल उम्मीदवार	1484	1492	1535

प्रवेश लेने वाले कुल विदेशी छात्र

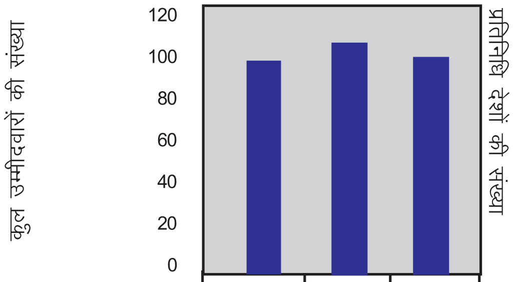

	2006	2007	2008
प्रवेश लेने वाले कुल विदेशी छात्र	109	101	109
देशों की संख्या	34	36	36

पाठ्यक्रम वार उम्मीदवारों की संख्या

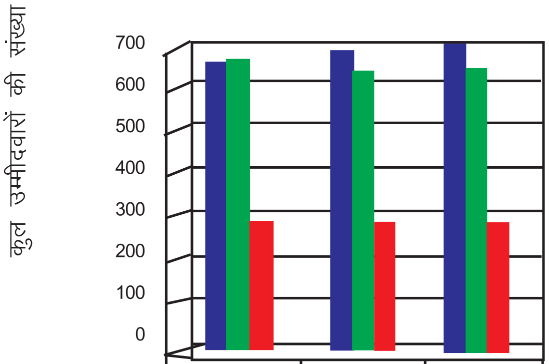

	2006	2007	2008
एम.फिल./पी–एच.डी.	631	680	635
एमए/एमएस–सी./एमसीए	603	562	620
बी.ए. (ऑनर्स)	250	250	280

शिक्षक

जेएनयू में लगभग 497 शिक्षक हैं। छात्रों की तरह शिक्षक भी हमारे देश की विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुल शिक्षकों में से लगभग एक चौथाई महिला शिक्षक हैं। पूर्ण विवरण निम्न प्रकार से है :

वर्तमान संख्या (31.3.2009 को)	497	पुरुष महिला	357 140
प्रोफेसर 228	एसोसिएट प्रोफेसर 138	सहायक प्रोफेसर 131	
प्रोफेसर इमेरिटस 19		मानद प्रोफेसर 04	

शैक्षिक उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषता इसके शिक्षकों द्वारा विकसित किए गए नवीनतम अध्ययन पाठ्यक्रम और कोर्स हैं। शिक्षक अपने परम्परागत विशेषीकृत क्षेत्रों की सीमाओं के पार शिक्षण, मार्ग–दर्शन और शोध के अतिरिक्त, पुस्तकों के लेखन, संपादन और पुस्तकों के लिए अध्याय लेखन, शोध आलेख प्रकाशित करने, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने और इनमें भाग लेने, व्याख्यान देने और शोध परियोजनाओं के प्रबंधन में भी संलग्न रहे। वर्ष 2008–2009 के दौरान उनकी संयुक्त उपलब्धियाँ निम्नलिखित थीं :

• पुस्तकें	135
• पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय	219
• पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख	478
• संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता	1138
• विश्वविद्यालय से बाहर दिए गए व्याख्यान	665
• शोध परियोजनाएं	307

विश्वविद्यालय पुस्तकालय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 9153 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के विद्वानों ने पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठाया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने 4698 पुस्तकें प्राप्त कीं। इनमें से 1115 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं। समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में पुस्तकालय में कुल संग्रह 551463 था। पुस्तकों की खरीद पर रु. 31.65 लाख की राशि खर्च हुई और पत्रिकाओं पर रु. 3.32 करोड़ खर्च किए गए। पुस्तकालय ने 941 पत्रिकाएं मंगाई और 105 पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं।

अकादमिक स्टाफ कॉलेज

जेएनयू में अकादमिक स्टाफ कालेज की स्थापना वर्ष **1989** में हुई थी। यह कॉलेज शिक्षकों के लिए निम्नलिखित विषयों में पुनश्चर्या कोर्स आयोजित कर रहा है : अंतरराष्ट्रीय संबंध, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, जीवन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी। यह सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों में अनुशीलन कोर्स भी आयोजित करता है।

अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित कोर्सों के लिए वरिष्ठ शिक्षक कोर्स समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं। जेएनयू तथा अन्य संस्थानों के विद्वान विशेषज्ञ के रूप में कार्य करते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 09 पुनश्चर्या और 04 अनुशीलन कोर्स आयोजित किए गए।

परियोजनाएं

वर्ष 2008–2009 के दौरान विभिन्न भारतीय और अन्तरराष्ट्रीय वित्तपोषक एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित 286 परियोजनाओं से संबंधित आय और व्यय क्रमशः रु. 300255331 और रु. 212906241 था।

उच्च यंत्रीकरण सुविधाएं

विश्वविद्यालय ने 'यूसिक' के अन्तर्गत उच्च यंत्रीकरण की सुविधाओं की स्थापना की है। ये सुविधाएं अत्याधिक आधुनिक किस्म की है तथा इनका प्रयोग भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में शोध कार्यों के लिए किया जाएगा। उपकरण प्राप्त हो गए हैं और इनकी स्थापना के लिए स्थान का नवीकरण किया जा रहा है। उच्च यंत्रीकरण सुविधाओं में शामिल विश्लेषणात्मक उपकरण – टाइम रिजोल्वड ल्युमिनिसेंस/फ्लोरेसेंसस्पेक्ट्रोमीटर की स्थापना हो गई है और इसकी सुविधाओं का उपयोग किया जा रहा है।

इन सुविधिाओं के लिए प्राप्त किए गए उपकरण हैं – लेजर स्केनिंग कनफोकल माइक्रोस्कोप,एक्स.आर.डी. फार मेक्रोमोलक्यूल्स ऐंड प्रोटीन क्रिस्टेलोग्राफी, एक्स.आर.डी. फार पाउडर ऐंड थिन फिल्म्स, एफ.टी.आई.आर. स्पेक्ट्रोमीटर विद लेजर रमन एटैचमेंट, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप (टी.ई.एम.),स्कैनिंग इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप (एस.ई.एम.), हाई ऐंड लो वेक्यूम, डब्ल्यू.डी.एक्स.आर. स्पेक्ट्रोमीटर, ई.डी.एक्स.आर.एफ.स्पेक्ट्रोमीटर, सरकुलर डायक्रोइज्म ऐंड फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर विद स्टाप फ्लो एटेचमेंट्स ऐंड असेसरीज, लिक्विड नाइट्रोजन प्लांट, जी.सी. – मास स्पेक्ट्रोमीटर, केपिलरि इलेक्ट्रोफोरेसिस, हाई परफार्मेंस सेल सार्टर ऐंड फ्लो साइटोमीटर, सर्फेस प्लासमोन रिसोनेंस एनालाइजर, टाइम रिजोलव्ड ल्युमिनिसेंस/फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर।

विश्वविद्यालय के निकाय

विश्वविद्यालय के कार्य का सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्य परिषद्, विद्या परिषद् जैसे निकाय और वित्त समिति जैसी सांविधिक समितियाँ हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार कार्य परिषद् द्वारा निर्धारित तिथि को होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की पिछले वर्ष की रिपोर्ट, आय और व्यय का विवरण, लेखा–परीक्षित तुलन–पत्र और अगले वित्तीय वर्ष के बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट को कार्य परिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों की समीक्षा करने का अधिकार उन परिस्थितियों में है, यदि इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो और विश्वविद्यालय की शक्तियों, जो अधिनियमों या संविधियों में नहीं दी गई हैं, का प्रयोग करने का अधिकार है।

विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक – 20 जनवरी, 2009

विश्वविद्यालय कोर्ट ने 20 जनवरी, 2009 को हुई अपनी बैठक में विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर 01 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च 2008 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2007–2008 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2008–2009 का बजट प्राप्त किया। इसने विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्राप्त किया।

कार्य परिषद

कार्य परिषद् विश्वविद्यालय की एक उच्चतम और महत्त्वपूर्ण कार्य निकाय है; इसे चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर शिक्षकों और अन्य ग्रुप 'ए' के अधिकारियों की नियुक्ति, उनकी परिलब्धियाँ और उनकी ड्यूटी निश्चित करने की शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। कार्य परिषद् को विश्वविद्यालय की संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ के बीच अनुशासन बनाए रखने तथा विश्वविद्यालय के वित्त, लेखाओं और अन्य प्रशासनिक मामलों का प्रबंध और विनियमन करने की शक्तियाँ प्राप्त हैं।

कार्य परिषद् की बैठकें – 21 अप्रैल, 2008
– 31 सितम्बर, 2008
– 16 दिसम्बर, 2008

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्य परिषद् ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और उन पर महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए। इसने संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुलपति द्वारा कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करके उनका अनुमोदन भी किया। परिषद् ने शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए

विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों पर कुलपति द्वारा किए गए अनुमोदनों का भी अनुमोदन किया।

विद्या परिषद्

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की मुख्य शैक्षिक निकाय है। विद्या परिषद् को अन्य के साथ–साथ विभाग, विशेष केन्द्र, विशेषीकृत प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए कार्य परिषद् को सुझाव देने की शक्तियाँ प्राप्त हैं। विद्या परिषद् को शैक्षिक पदों के सृजन और समाप्त करने, उनका वर्गीकरण करने, प्रवेश और परीक्षाओं पर मसौदा अध्यादेश तैयार करने, परीक्षकों की नियुक्ति और उनके शुल्क का निर्धारण करने, मानद उपाधियाँ और अध्येतावृत्तियाँ, छात्रवृत्तियाँ आदि स्थापित करने की शक्तियाँ प्राप्त हैं। विद्या परिषद् को अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के डिप्लोमा और डिग्रियों को मान्यता प्रदान करने, विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु समितियाँ गठित करने, परीक्षाओं के आयोजन और उन्हें आयोजित करने की तिथि निर्धारित करने और विभिन्न विश्वविद्यालय परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने आदि की व्यवस्था करने की शक्ति भी प्राप्त है।

विद्या परिषद् की बैठकें	–	30 अप्रैल, 2008
	–	05 जून, 2008
	–	24 नवम्बर, 2008

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् ने अपनी बैठक में विभिन्न संस्थानों से सदस्यों को सहयोजित किया, विभिन्न संस्थानों/विशेष केन्द्रों के अध्ययन मण्डलों/विशेष समितियों में शिक्षक/विशेषज्ञ नामित किए, और वर्ष 2008–2009 में प्रवेश का तथ्यात्मक डाटा प्राप्त किया।

वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती है। इसकी सिफारिशें कार्य परिषद् को अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

वित्त समिति की बैठक	–	30 जून, 2008
	–	25 नवम्बर, 2008

वित्त समिति ने अपनी बैठक में विश्वविद्यालय के वर्ष 2008–2009 के लिए 'अनुरक्षण' खाते में 13316.55 लाख रुपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

आख्यान

"विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानवता, सहनशीलता, तर्कशीलता, चिन्तन प्रक्रिया और सत्य की खोज की भावना को स्थापित करना होता है। इसका उद्देश्य मानव जाति को निरन्तर महत्तर लक्ष्य की ओर प्रेरित करना होता है। अगर विश्वविद्यालय अपने कर्तव्य ठीक से निभाएं तो यह देश और जनता के लिए अच्छा होगा।"

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री द्वारा 13 दिसम्बर 1947 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की हीरक जयंती के अवसर पर दिए गए उपर्युक्त वक्तव्य से यह परिलक्षित होता है कि पं. नेहरू ने भारत में विश्वविद्यालीय शिक्षा को विशेष महत्त्व दिया है। नेहरू का दृढ़ विश्वास था कि विश्वविद्यालय अपने छात्रों के मन में आधारभूत मूल्यों को बैठाते हुए, जिनमें वे विश्वास रखते हैं, राष्ट्र के स्वरूप को बदलने और उसे शक्तिशाली बनाने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ऐसे महान राजनेता के विचारों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना जेएनयू अधिनियम 1966 (1966 का 53) के अन्तर्गत वर्ष 1966 में की गई थी। पं. जवाहरलाल नेहरू को और अधिक सम्मान देने की दृष्टि से विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. श्री वी.वी. गिरी द्वारा पं. नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर 14 नवम्बर 1969 को किया गया था। संयोगवश यह वर्ष महात्मा गाँधी का जन्मशती वर्ष भी था।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं –

अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान का प्रसार व अभिवृद्धि करना, उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यंत काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तरराष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और शिक्षकों को उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और शिक्षकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी के साथ–साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तरराष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और
- शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु विभिन्न देशों से आए छात्रों और शिक्षकों के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की अद्वितीयता का प्रमाण इसके मूल दर्शन, नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों से मिलता है, जिनका उल्लेख विश्वविद्यालय के अधिनियम में स्पष्ट रूप से किया गया है। तदनुसार, विश्वविद्यालय का हमेशा यही प्रयास रहा है कि ऐसी नीतियां और अध्ययन कार्यक्रम विकसित किए जाएं जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहले से उपलब्ध सुविधाओं में मात्र विस्तार न होकर राष्ट्रीय संसाधनों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि करें। इस तरह विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है जो राष्ट्र की उन्नति और विकास के लिए संगत हों। इस संबंध में, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रयास किए हैं –

- विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, जैसे विचारों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जीवन के प्रति विश्वव्यापी और मानववादी दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयास किए हैं।
- विश्वविद्यालय ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों और शिक्षकों का चयन करके अपने राष्ट्रीय चरित्र को बनाए रखा है।
- ज्ञान की अविभाज्यता को स्वीकारते हुए अन्तर–विषयक शिक्षण तथा शोध को बढ़ावा दिया गया है और तदनुसार अध्ययन

संस्थानों और केन्द्रों की स्थापना की गई है।

- विश्वविद्यालय में अपरम्परागत क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध पर बल देते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि जहां तक संभव हो सके अन्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की पुनरावृत्ति न हो।
- विश्वविद्यालय में भारतीय और विदेशी भाषाओं के शिक्षण और शोध का एक मॉडल भाषा संस्थान स्थापित करने पर ध्यान दिया गया है। इसमें विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित भाषा प्रयोगशालाएं और केन्द्र हैं जहाँ सम्बन्धित देशों के साहित्य, संस्कृति और सभ्यता का अध्ययन काफी उपयुक्त और प्रभावी ढ़ंग से होता है।
- विश्वविद्यालय में एक ऐसी पद्धति विकसित की गई है, जिसके अन्तर्गत पढ़ाए जाने वाले कोर्स, उन कोर्सों की संक्षिप्त विषय–वस्तु और मूल्यांकन पद्धति जैसे मूल शैक्षिक निर्णय स्वयं शिक्षकों द्वारा ही लिए जाते हैं।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश देश भर में फैले 69 केंद्रों और विदेशों में स्थित एक केन्द्र पर आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश–परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट सूची के आधार पर दिया जाता है।
- भारत सरकार की नीति के अनुसार, विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रवेश में और शिक्षकों को भर्ती में आरक्षण दिया जाता है।
- विश्वविद्यालय में मेरिट–कम–मींस छात्रवृत्तियों/अध्येतावृत्तियों के लिए उदार प्रावधान हैं। छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों को उनके शोध कार्य के लिए देश–विदेश का दौरा करने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- विश्वविद्यालय अन्तरराष्ट्रीय समझ को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विदेशों के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेता है। विश्वविद्यालय ने कई विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए हैं।
- छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है।
- एक स्वच्छ सामाजिक वातावरण और जेएनयू समुदाय में सुरक्षा की भावना विकसित करने की दृष्टि से विश्वविद्यालय ने यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति का गठन किया है।
- बाबा साहेब अम्बेडकर चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, अप्पादुरई चेयर, राजीव गांधी चेयर, आर.बी.आई. चेयर, एस.बी.आई. चेयर, ग्रीक अध्ययन में चेयर जैसी कई चेयर स्थापित की गई हैं।
- विश्वविद्यालय के दलित छात्रों के शैक्षिक/वित्तीय सम्बन्धी मामलों की देख–रेख के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है।
- विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में वेटेज देने से संबंधित महत्त्वपूर्ण कदम वर्ष 1995 में उठाए थे।
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षों से 43 प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी. – जैव–प्रौद्योगिकी, एम.एस–सी. – कृषि जैव–प्रौद्योगिकी, एम.वी.एस–सी. (एनिमल) जैव–प्रौद्योगिकी और एम.टेक. जैव–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव–प्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित कर रहा है। यह प्रवेश–परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना विशेष रूप से एक स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय की विद्या सलाहकार समिति ने यह निर्णय लिया था कि विश्वविद्यालय में मूलतः 9 संस्थान होंगे :

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
2. सामाजिक विज्ञान संस्थान
3. अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
4. जीवन विज्ञान संस्थान
5. पर्यावरण विज्ञान संस्थान
6. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान
7. भौतिक विज्ञान संस्थान

8. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इनमें से पहले चार अध्ययन संस्थानों ने वर्ष 1971 में नई दिल्ली में अपनी गतिविधियां आरम्भ कीं। वर्ष 1974 और 1975 में क्रमशः पर्यावरण विज्ञान संस्थान तथा कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना हुई। भौतिक विज्ञान संस्थान वर्ष 1986 में शुरू हुआ। वर्ष 2001 में कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान शुरू हुए। वर्ष 2006 में जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र को जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में अपग्रेड किया गया। वर्ष 1972 में इंफाल (मणिपुर) में स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई। अंततः वर्ष 1981 में यह केन्द्र मणिपुर विश्वविद्यालय का एक हिस्सा बन गया।

पिछले लगभग 41 वर्ष के दौरान निम्नलिखित अध्ययन केन्द्र सृजित किए गए और इन्हें सम्बन्धित संस्थानों को सौंपा गया :

1. सामाजिक विज्ञान संस्थान	– सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र – ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र – राजनीतिक अध्ययन केन्द्र – क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र – सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र – विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र – आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र – दर्शनशास्त्र केन्द्र – प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप
2. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	– फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र – जर्मन अध्ययन केन्द्र – स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र – अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र – भारतीय भाषा केन्द्र – भाषा–विज्ञान केन्द्र – अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र – फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र – जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र – चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र – रूसी अध्ययन केन्द्र
3. अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	– कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र – अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र – पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र – रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र – अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र – दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र – पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र – अंतरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र – यूरोपीय अध्ययन केन्द्र – राजनीतिक सिद्धान्त और तुलनात्मक राजनीति ग्रुप

4. कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान	–
5. जीवन विज्ञान संस्थान	–
6. पर्यावरण विज्ञान संस्थान	–
7. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	–
8. भौतिक विज्ञान संस्थान	–
9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	– जैव–सूचना–विज्ञान केन्द्र – संचार और सूचना सेवाएं – कंप्यूटर केन्द्र
10 जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान	–
11. संस्कृत अध्ययन केन्द्र	–
12. आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र	–
13. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	–

इनके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपने राष्ट्रीय चरित्र के अनुसार देश भर के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध संस्थानों को विशेष डिग्रियाँ प्रदान करने के लिए मान्यता प्रदान की है।

1. रक्षा संस्थान	– सेना कैडेड महाविद्यालय, देहरादून – सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे – सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकंदराबाद – सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू – राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे – नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला
2. अनुसंधान और विकास संस्थान	1. कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद 2. विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम 3. केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 4. सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट, लखनऊ 5. सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़ 6. अन्तरराष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली 7. राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली 8. अंतर–विश्वविद्यालय त्वरित केन्द्र, नई दिल्ली 9. रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर 10. राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली. 11. भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, ट्राम्बे, मुम्बई

शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश

अध्ययन पाठ्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने 64 विषयों में पी–एच.डी., एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./ पी–एच.डी. और एम.पी.एच/पी–एच.डी. कोर्स चलाए।

पाँच विषयों में एम.एस–सी./एम.सी.ए., 23 विषयों में स्नातकोत्तर तथा 9 विदेशी भाषाओं में स्नातक पाठ्यक्रम (प्रथम और द्वितीय वर्ष) चलाए। इनके अतिरिक्त, विभिन्न भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च डिप्लोमा कोर्स भी चलाए।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए गए :

कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान

- एम.फिल. : कला और सौन्दर्य–शास्त्र
- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम दृश्य और अभिनय कला के सैद्धांतिक और आलोचनात्मक अध्ययन पर केन्द्रित है।

कंप्यूटर और पद्धति–विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न पक्षों पर केन्द्रित है।
- एम.टेक./पी–एच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) : यह 2–वर्षीय पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम जानकारी प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। एम.टेक. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीद्वार पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।
- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) : इस 3–वर्षीय पाठ्यक्रम को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरी के क्षेत्र में कंप्यूटर अनुप्रयोग सम्बन्धी सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि एवं व्यावहारिक अनुभव की आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके तथा डाटा प्रोसेसिंग के क्षेत्र में मानव–शक्ति की बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : चार विस्तृत क्षेत्रों में शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। (विस्तृत विवरण इस संस्थान के अध्याय में दिया गया है।)
- एम.एस–सी. – पर्यावरण विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम वायुमंडलीय, भूमि, प्रदूषण और जीव–विज्ञानों के क्षेत्र में विशेषीकरण सहित पर्यावरण के मुख्य आयामों से सम्बद्ध है।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : कोर्स कार्य और शोध सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं : अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, अन्तरराष्ट्रीय संगठन, राजनीतिक भूगोल, युद्ध और शांति अध्ययन (निरस्त्रीकरण और राजनयिक अध्ययन), अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास, दक्षिण एशियाई अध्ययन, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन, मध्य एशियाई अध्ययन, चीनी अध्ययन, जापानी अध्ययन और कोरियाई अध्ययन, पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन, उप–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन, अमरीकी अध्ययन, लेटिन अमरीकी अध्ययन, यूरोपीय अध्ययन, कनाडियन अध्ययन तथा रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन।
- एम.ए. राजनीति (अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें अन्तरराष्ट्रीय मामलों, क्षेत्रीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, तुलनात्मक राजनीति और आर्थिक विकास के क्षेत्र शामिल हैं। इनसे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन की गहन जानकारी प्राप्त होती है।
- एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें छात्रों को अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की ठोस सैद्धांतिक पृष्ठभूमि उपलब्ध होती है और वे विश्व अर्थव्यवस्था के विकास को विश्लेषणात्मक ढंग से समझने के लिए तैयार होते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

- एम.टेक. : कंप्यूटेशनल ऐंड सिस्टम्स बायोलॉजी

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : अरबी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, हिन्दी, हिन्दी अनुवाद, भाषा–विज्ञान, रूसी, चीनी, फारसी, स्पेनी और उर्दू।
- एम.फिल. : पुर्तगाली।
- एम.ए. : अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, जापानी, भाषा–विज्ञान, फारसी, रूसी, स्पेनी और उर्दू।
- बी.ए. (ऑनर्स) : अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और स्पेनी (प्रथम और द्वितीय वर्ष में प्रवेश सहित)। यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीद्वार सम्बन्धित भाषा के एम.ए. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।

अंशकालिक पाठ्यक्रम

- जन–संचार माध्यम में उच्च डिप्लोमा (उर्दू)
- पुर्तगाली और पश्तो में उच्च प्रवीणता डिप्लोमा
- भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, पुर्तगाली और पश्तो में प्रवीणता डिप्लोमा।
- भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, मंगोली, पश्तो, उर्दू और पुर्तगाली में प्रवीणता प्रमाण–पत्र।

जीवन विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : जीवन विज्ञान के निम्नलिखित क्षेत्रों में : रेग्यूलेशन आफ जीन एक्सप्रेशन, न्यूक्लेइक एसिड थेराप्यूटिक्स, प्लांट फीजियोलॉजी ऐंड बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक्स, फंक्शनल जीनोमिक्स, मोलक्यूलर पैरासिटोलॉजी, मोलक्यूलर बायोफिजिक्स ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, इम्युनोलॉजी, रेडिएशन बायोलॉजी ऐंड न्यूरोफिजियोलॉजी आदि।
- एम.एस–सी. – जीवन विज्ञान : बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स, माइक्रोबॉयोलाजी, मैथेमैटिक्स, कैमिस्ट्री और फिजिक्स में फाउंडेशन के बाद निम्नलिखित कोर्स चलाए जाते हैं : एप्लाइड मोलक्यूलर बायोलॉजी, वीरोलॉजी, बायोइफॉर्मेटिक्स, बायोटेक्नोलॉजी ऐंड ह्यूमन जैनेटिक्स, सेल सिग्नेलिंग ऐंड जीन एक्सप्रेशन इन सेल डिफरेंसिएशन ऐंड डिसीज्स, मोलक्यूलर बायोफिजिक्स, स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, एडवांस्ड माइक्रोबायल फीजियोलॉजी, मोलक्यूलर बायोलॉजी आफ स्ट्रेस आदि।

भौतिक विज्ञान संस्थान

- पी–एच.डी. : संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्यतः नॉन–लिनियर डायनेमिक्स, क्लासिकल ऐंड क्वांटम केओस, केमिकल फिजिक्स, केंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम्स, नॉन–इक्वीलिब्रियम, स्टेटिस्टीकल मैकेनिक्स, क्वांटम फील्ड थीअरि ऐंड पार्टिकल फिजिक्स, मैथमेटीकल फिजिक्स, क्वांटम आप्टिक्स, स्टेटिस्टीकल न्यूक्लियर फिजिक्स के सैद्धांतिक क्षेत्रों तथा कंप्लेक्स फ्लूइड्स, मैग्नेटिज्म और नॉन–लिनियर आप्टिक्स के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केन्द्रित हैं।
- एम.एस–सी. – भौतिक–विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है। इसमें भौतिक विज्ञान, रसायन–विज्ञान और गणित स्ट्रीम के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : निम्नलिखित विषयों में शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं :

  आर्थिक अध्ययन और नियोजन; शैक्षिक अध्ययन (मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षा का इतिहास); ऐतिहासिक अध्ययन; राजनीतिक अध्ययन; क्षेत्रीय विकास (भूगोल, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन); सामाजिक पद्धति; सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य; विज्ञान नीति और दर्शन शास्त्र।
- जन–स्वास्थ्य स्नातकोत्तर (एम.पी.एच.)/पी–एच.डी. : इस पाठ्यक्रम में तीन मुख्य क्षेत्र शामिल है – सामाजिक चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग।
- एम.ए. – (4–सत्रीय) : अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान और समाजशास्त्र।

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

- पी–एच.डी. : संस्थान के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक प्रकृति के हैं। कोर्स कार्य और सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं :

  प्रोटीन इंजीनियरी; प्रोकारियोटिक/यूकारियोटिक जीन अभिव्यक्ति; संक्रामक रोग – अणु जीव–विज्ञान; अणु प्रतिरक्षा विज्ञान; प्रोटीन स्टेबिलिटी, कन्फरमेशन ऐंड फोल्डिग; बायोप्रोसेस स्केल–अप ऐंड आप्टिमाइजेशन; यूकोरियोटिक जीन का अनुलेखन।

- एम.एस–सी. – जैव प्रौद्योगिकी : 4–सत्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा छात्रों को आनुवंशिकी इंजीनियरी और जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति से अवगत कराने और इनका उपयोग उद्योग, कृषि और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में करने की दृष्टि से तैयार की गई है।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम : विधि और अभिशासन में।

संस्कृत अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल./पी–एच.डी. : संस्कृत में।
- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम भारतीय बौद्धिक परम्परा, संस्कृत भाषा–विज्ञान परम्परा, कंप्यूटेशनल भाषा–विज्ञान का परिचय और संस्कृत साहित्य पर केन्द्रित है।

आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र

- पी–एच.डी. शोध गतिविधियां मोलक्यूलर मेडिसिन पर तथा शिक्षण और शोध गतिविधियां मेटाबोलिक डिसआर्डर, इनफेक्शस डिजीज और डायग्नोस्टिक्स पर केन्द्रित हैं।

शैक्षिक सत्र 2008–2009 (प्रवेश और छात्रों की संख्या)

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थित 69 केन्द्रों पर 15–18, मई 2008 को जे.एन.यू. प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई। ये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश हैं – आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, उड़ीसा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। इनके अतिरिक्त, सार्क देश में स्थित एक केंद्र – काठमांडू (नेपाल) – में भी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई।

1) विश्वविद्यालय ने 66,265 आवेदन–पत्र बेचे। इनमें से प्रवेश के इच्छुक उम्मीद्वारों से पूर्ण रूप से भरे हुए 57,100 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। उम्मीद्वारों द्वारा अपने आवेदन–पत्रों में विभिन्न विषयों/अध्ययन पाठ्यक्रमों के लिए भरे गए विकल्पों के आधार पर यह संख्या बढ़कर 81,726 हो गई।
2) उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों और प्रवेश नीति के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई योग्यताक्रम सूची के आधार पर 2081 उम्मीद्वारों को प्रवेश प्रस्ताव भेजे गए। इनमें से 1535 उम्मीद्वारों ने विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।
3) 22.5% (अ.जा. 15% और अ.ज.जा. 7.5%) आरक्षित सीटों में से 23.88% (अ.जा. 14.90% और अ.ज.जा. 8.41%) उम्मीद्वारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।
4) शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए 3% आरक्षित सीटों में से 2.52% उम्मीद्वारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।
5) विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 1535 उम्मीद्वारों में :
   - 635 उम्मीद्वारों ने एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.पी.एच./पी–एच.डी. और 620 उम्मीद्वारों ने एम.ए./ एम.एस–सी./एम.सी.ए. और शेष 280 उम्मीद्वारों ने विदेशी भाषाओं में बी.ए. (आनर्स) के अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया;
   - प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों में 778 पुरुष और 757 महिला उम्मीद्वार थीं;

➢ कुल 306 अ.पि. वर्ग से संबंधित उम्मीद्वारों (लगभग 20.26% उम्मीद्वार) का विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन हुआ।

6) विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों ने अपनी अर्हक परीक्षा 139 भारतीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/बोर्डों से पास की थी।

7) प्रवेश पाने वाले 1535 उम्मीद्वारों में से 552 उम्मीद्वार निम्न और मध्यम आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 6,000 रुपये से कम थी और 983 उम्मीद्वार उच्च आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 6,000 रुपये से अधिक थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से छात्रों का अनुपात क्रमशः 591 : 944 था। केवल 423 उम्मीद्वारों ने अपनी स्कूली शिक्षा पब्लिक स्कूलों से प्राप्त की थी और शेष 1112 ने नगर–निगम और अन्य स्कूलों से।

8) विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 1535 उम्मीद्वारों के अलावा 195 उम्मीद्वार निम्नलिखित वर्गों से थे :

विदेशी छात्र (36 देशों से)	:	84*+25**
सीधे पी–एच.डी. में प्रवेश	:	60
गत वर्ष ज्वाइन न कर पाने वाले छात्र	:	15
'नेट' परीक्षा उतीर्ण (कनिष्ठ शोधवृत्ति धारक)	:	36
		195

(* एब्सेंसिया श्रेणी में)
(** 25 उम्मीद्वार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से आए और ये 1535 में शामिल हैं)

संयुक्त प्रवेश परीक्षा

पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय ने 18 मई 2008 को देश–भर में 79 केन्द्रों पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित 43 प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस-सी. (बायोटेक्नोलॉजी), एम.वी.एस-सी. (एग्रीकल्चर)/एम.एस-सी. (एनीमल बायोटेक्नोलॉजी) और एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव-प्रौद्योगिकी प्रवेश-परीक्षा आयोजित की।

शैक्षिक वर्ष 2008-2009 के लिए विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक उम्मीद्वारों से कुल 23955 आवेदन-पत्र (एम.एस-सी. (बायोटेक्नोलॉजी) – 21799; एम.एस-सी. (एग्रीकल्चर) और एम.वी.एस-सी. – 854 तथा एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) – 1302) प्राप्त हुए। इनमें से 21216 उम्मीद्वार (एम.एस-सी. (बायोटेक्नोलॉजी) – 19438, एम.एस-सी. (एग्रीकल्चर) और एम.वी.एस-सी. – 764 तथा एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) – 1014) प्रवेश-परीक्षा में बैठे और 499 उम्मीद्वारों को प्रवेश-प्रस्ताव भेजे गए।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में अंशकालिक पाठ्यक्रम

संस्थान के डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पूर्ण रूप से भरे हुए कुल 517 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 142 उम्मीद्वारों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया – सी.ओ.पी. में 57, डी.ओ.पी. में 42 और ए.डी.ओ.पी. में 43।

छात्रों की संख्या

1.9.2008 को विश्वविद्यालय में 6025 पूर्णकालिक छात्र पंजीकृत थे। विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों का विवरण इस प्रकार है – 3699 छात्र शोध कर रहे थे और 1598 छात्र एम.ए./एम.एस–सी./ एम.सी.ए. और 728 छात्र (अंशकालिक पाठ्यक्रम सहित) स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत थे।

प्रदान की गई उपाधियां/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त संस्थानों के 2848 छात्रों को अपने–अपने पाठ्यक्रम

सफलतापूर्वक पूरा करने पर उपाधियां/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्रदान किए गए :

(1)	पी–एच.डी.	:	318
(2)	एम.फिल.	:	349
(3)	एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान)	:	24
(4)	एम.ए.	:	551
(5)	एम.एस–सी./एम.सी.ए./एम.पी.एच.	:	90
(6)	बी.ए. (ऑनर्स)/(पास)	:	189
(7)	उच्च डिप्लोमा/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट	:	103
(8)	बी.ए. (ऑनर्स)/(पास)/(मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	218
(9)	बी.एस.–सी. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	448
(10)	बी.टेक. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	553
(11)	एम.टेक. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	05
	कुल	:	**2848**

प्रवेश प्रक्रिया

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्क्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् द्वारा समय–समय पर अनुमोदित प्रवेश नीति और प्रक्रिया के अनुसार दिए जाते हैं।

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में सीटों (एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों सहित) की संख्या का निर्धारण संबंधित केन्द्रों/संस्थानों की सिफारिशों के आधार पर विद्या परिषद् द्वारा किया जाता है। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों की सीटें केन्द्रों/संस्थानों द्वारा एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित की गई सीटों के अतिरिक्त होती हैं।

प्रवेश में आरक्षण : विश्वविद्यालय अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रों को आरक्षण उपलब्ध कराता है। 22.5% स्थान अ.जा./अ.ज.जा. (क्रमश : 15% और 7.5%, आवश्यक होने पर सीटों के अनुपात में परिवर्तन किया जा सकता है) और 12% स्थान अ.पि.व.तथा 3% स्थान शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में निश्चित सीटों के अलावा 15% सीटें विदेशी छात्रों के लिए आरक्षित हैं। विदेशी छात्रों के लिए निर्धारित 15% सीटों में से 7.5% सीट प्रवेश–परीक्षा के माध्यम से तथा 7.5% सीट 'एब्सेंसिया' में भरी जाती हैं। आवश्यक होने पर सीटों के अनुपात में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रवेश सूचना : प्रवेश संबंधी सूचना अखिल भारतीय स्तर पर प्रमुख समाचार–पत्रों में प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के लगभग दूसरे सप्ताह में प्रकाशित की जाती है।

लिखित–परीक्षा : विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु देश भर में फैले विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर लिखित–परीक्षा आयोजित की जाती है। यह लिखित परीक्षा प्रत्येक वर्ष मई माह के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाती है। प्रत्येक पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए तीन घंटे की अवधि वाला एक प्रश्न–पत्र तैयार किया जाता है। प्रवेश–परीक्षा तीन दिन चलती है। प्रत्येक दिन दो सत्रों में परीक्षा होती है, जिनमें तीन–तीन घंटे के प्रश्न–पत्र होते हैं। उम्मीद्वार को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिखित–परीक्षा में प्राप्त अंकों तथा मौखिक–परीक्षा (जहाँ निर्धारित हो) के आधार पर दिया जाता है। जहाँ मौखिक–परीक्षा लागू है वहाँ लिखित परीक्षा 70 अंकों की होती है।

प्रवेश–परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अपेक्षित पात्रता : प्रवेश–परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अपेक्षित पात्रता (सामान्य वर्ग एवं आरक्षित वर्ग दोनों के लिए) विश्वविद्यालय द्वारा इस संबंध में बनाए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार निर्धारित होती है। पाठ्यक्रम विशेष में प्रवेश हेतु निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को भी प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है। परन्तु प्रवेश हेतु चुन लिए जाने की स्थिति में उनका प्रवेश अर्हक परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त करने तथा प्रवेश के समय अर्हक परीक्षा की अंतिम अंक तालिका सहित सभी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर ही मान्य होता है। किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि वर्ष की 14 अगस्त होती है। इसके बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता।

मौखिक परीक्षा : एम.फिल./पी–एच.डी./प्री–पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों और विदेशी भाषाओं (अंग्रेजी को छोड़कर) में एम.ए. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों को एक मौखिक–परीक्षा देनी होती है। इस परीक्षा के लिए 30% अंक आबंटित है। केवल उन्हीं

उम्मीद्वारों को एम.फिल./पी–एच.डी./ प्री–पी–एच.डी. और एम.ए. (विदेशी भाषाओं) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मौखिक परीक्षा मे बुलाने के लिए पात्र माना जाता है जिन्होंने लिखित परीक्षा में न्यूनतम क्रमशः 35% और 25% अंक प्राप्त किए हों। अ.जा.,/ अ.ज.जा. और शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए 10% अंकों की छूट होती है। प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में सामान्यतः विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित सीटों से तीन गुना उम्मीद्वारों को ही मौखिक–परीक्षा के लिए बुलाया जाता है।

उम्मीद्वारों का चयन : प्रत्येक कोर्स/अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए सामान्य, अ.जा./अ.ज.जा., शारीरिक रूप से विकलांग और विदेशी उम्मीद्वारों की अलग–अलग योग्यता–क्रम सूची तैयार की जाती है। विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में उम्मीद्वारों को अंतिम रूप से प्रवेश उम्मीद्वारों से संबंधित वर्गों में इंटर से–मेरिट के आधार पर दिया जाता है। यह मेरिट उम्मीदवार की लिखित परीक्षा और मौखिक परीक्षा (जहाँ निर्धारित हो) में प्राप्त अंकों और अतिरिक्त अंकों (जहाँ लागू हो) के आधार पर तैयार की जाती है।

पंजीकरण : जो उम्मीद्वार प्रवेश के लिए चुन लिए जाते हैं, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा बनाई जाने वाली समय–सारणी के अन्दर ही अपने पंजीकरण संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर लें।

विश्वविद्यालय निकाय

विश्वविद्यालय के कार्य का सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, विद्या परिषद, कार्य परिषद और वित्त समिति जैसे निकाय हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट की कार्यपरिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों की समीक्षा करने का अधिकार उन परिस्थितियों में है, जब इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो।

विश्वविद्यालय कोर्ट की पिछली वार्षिक बैठक 20 जनवरी, 2009 को हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर 1 अप्रैल 2007 से 31 मार्च 2008 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2007–2008 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2008–2009 के बजट अनुमान भी प्राप्त किए। मा.सं.वि.मं. और वि.अ.आ. के निदेशों और विश्वविद्यालय की वित्त समिति के निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे प्रोद्भूत लेखा पद्धति के आधार पर तैयार किए गए।

आरम्भ में कुलपति ने विश्वविद्यालय और कोर्ट के सदस्यों की ओर से कुलाधिपति प्रो. यशपाल का स्वागत किया। कुलाधिपति ने कोर्ट के सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया तथा कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुई विभिन्न गतिविधियों के लिए उनका धन्यवाद किया।

कुलपति ने 1.4.2007 से 31.3.2008 के दौरान विश्वविद्यालय में हुए निम्नलिखित कार्यों के बारे में कोर्ट को जानकारी दी कि :

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने आवृत्ति अनुदान के अन्तर्गत रु. 144.14 करोड़ और अनावृत्ति अनुदान के अन्तर्गत रु. 70.04 करोड के अनुदान का अनुमोदन किया तथा 280 शिक्षकों की भर्ती के लिए भी मंजूरी दी; इनमें से 95 शिक्षकों के पद (20 प्रोफेसर, 40 एसोसिएट प्रोफेसर और 35 सहायक प्रोफेसर) केन्द्रीय शैक्षिक संस्थानों (प्रवेश अधिनियम–2006 में आरक्षण) में अ.पि.व. के आरक्षण को लागू करने के लिए प्रथम वर्ष में भरे जाने हैं। उपरोक्त अनुदान/शिक्षकों के पदों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 11वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत नई शैक्षिक गतिविधियाँ शुरू करने के लिए 53 शिक्षकों के पदों सहित रु. 147.80 करोड़ की राशि भी मंजूर की है।
- *550 छात्रों की क्षमता वाले एक नए छात्रावास 'कोयना' का उपयोग जल्दी ही शुरू होने वाला है। इसमें बॉलकनी, बड़े कमरे, फर्नीचर, सोलर हीटिंग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, छात्रों और छात्राओं के लिए अलग–अलग जिमनेजियम और कॉमन रूप जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। 550 छात्रों की क्षमता वाले एक नए छात्रावास का निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू होगा।*
- *शिक्षकों और अधिकारियो के लिए 112 मकानों (प्रत्येक मकान का 1500 वर्ग फिट कारपेट क्षेत्र) के आवासीय परिसर का निर्माण शीघ्र शुरू होने वाला है।*
- *गोमती अतिथि गृह की पूर्ण रूप से मरम्मत की गई है और 35, फिरोजशाह रोड पर स्थित आडिटोरियम की मरम्मत की योजना भी है।*
- *आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न छः सैटेलाइट व्याख्यान कक्षों वाले व्याख्यान थिएटर परिसर का निर्माण कार्य पूरा होने वाला है।*
- *कला और सौन्दर्यशास्त्र में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में दृश्य अध्ययन, निष्पादन अध्ययन और फिल्म अध्ययन जैसी तीन पृथक स्टीमों की शुरुआत।*
- *भौतिक विज्ञान संस्थान में गणित में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की शुरूआत।*
- *तमिल में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की शुरुआत जुलाई, 2009 से। इस पाठ्यक्रम का विस्तार करके तमिल में एम.फिल./पी–एच.डी. किया जाना है।*
- *उत्तर–पूर्वी भारत अध्ययन, भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम, मानवाधिकार कार्यक्रम, महिला अध्ययन कार्यक्रम में शोध कार्यक्रम बढ़ाना।*

- *11वीं योजना पर वि.अ.अ. की विजिटिंग विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर विश्वविद्यालय भी नए केन्द्र खोलने पर विचार कर रहा है। ये केन्द्र हैं : सेंटर फार नैनो साइंस, सेंटर फार कॉम्पलेक्स सिस्टम्स ऐंड सिस्टम्स बायोलाजी, स्पेशल सेंटर फार मीडिया रिसर्च, और सेंटर फार स्माल ऐंड मीडियम एंटरप्राइजिज; और*
- *विचाराधीन नई चेयर है : मा.सं.वि.मं. से वित्तपोषित सामाजिक विज्ञान संस्थान के आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र में आईपीआर चेयर; महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्तपोषित मराठी चेयर; पंजाब सरकार द्वारा वित्तपोषित पंजाबी चेयर।*

विद्या परिषद्

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्राधिकरण है। विद्या परिषद् सामान्य विनियमों पर नियन्त्रण रखती है और यह विश्वविद्यालय में अनुदेश, शिक्षा और परीक्षा का मानक बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् की तीन बैठकें 30.04.2008, 05.06.2008 और 24.11.2008 को हुईं। परिषद् ने विभिन्न शैक्षिक मामलों पर विचार–विमर्श करने के अतिरिक्त, शिक्षकों/विशेषज्ञों को विभिन्न संस्थानों के अध्ययन मण्डलों और विज्ञान संस्थानों/विशेष केन्द्रों की विशेष समितियों में नामित किया। परिषद् ने विश्वविद्यालय में वर्ष 2008–2009 के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित तथ्यात्मक डाटा भी नोट किए। परिषद् द्वारा अपनी उपरोक्त बैठकों में अनुमोदित किए गए कुछ महत्त्वपूर्ण मामले इस प्रकार हैं :

- शैक्षिक सत्र 2008–2009 से प्रौढ़ शिक्षा में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करना।
- शैक्षिक सत्र 2009–2010 से सामाजिक विज्ञान संस्थान के महिला अध्ययन कार्यक्रम में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करना।
- शैक्षिक सत्र 2009–2010 से सामाजिक विज्ञान संस्थान के भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करना।
- कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के साथ एम.फिल. पाठ्यक्रम को समन्वित करना।
- शैक्षिक सत्र 2009–2010 से सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केन्द्र में दो–सत्रीय प्री–पीएच.डी. कोर्स कार्य शुरू करना।
- अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर शामिल नहीं है) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए प्रवेश में 12% आरक्षण लागू करना।
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र में जापानी साहित्य में एम.ए. पाठ्यक्रम शुरू करना।
- शैक्षिक सत्र 2009–2010 से भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र में कोरियाई में एम.ए. पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश शुरू करना।
- सामाजिक विज्ञान संस्थान के सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एम.पी.एच. पाठ्यक्रम की वर्तमान 03 सत्र की अवधि को बढ़ाकर 04 सत्र की करना।
- महाराष्ट्र सरकार से 1.5 करोड़ रुपये का वन टाइम अनुदान स्वीकार करके भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के भारतीय भाषा केन्द्र में मराठी चेयर स्थापित करना।
- सामाजिक विज्ञान संस्थान के आर्थिक और नियोजन केन्द्र में आई.पी.आर. चेयर की स्थापना प्रस्ताव में उल्लिखित सभी पदों और गतिविधियों के लिए मा.सं.वि.मं. से आवश्यक निधि प्राप्त होने के बाद की जाएगी।

कार्य परिषद्

कार्य परिषद् विश्वविद्यालय की कार्य निकाय है और यह सामान्य प्रबंधन और प्रशासन की प्रभारी है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसकी तीन बैठकें हुईं। ये बैठकें 21.04.2008, 03.09.2008 और 16.12.2008 को हुईं। इन बैठकों में परिषद् ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और उन पर महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके अतिरिक्त, परिषद ने संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुलपति द्वारा कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करते

हुए उनका अनुमोदन किया। परिषद ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों की नियुक्ति के लिए विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों का अनुमोदन किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान लिए गए कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं :

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त दिनांक 15.02.2008 के पत्र सं. एफ. 3–1/94(पीएस)/पीटी के अनुसार 65 वर्ष की आयु के बाद सेवानिवृत्त शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति के लिए बनाए गए मॉडल दिशा–निर्देशों को उसी समिति को भेजने का निर्णय लिया जिसने शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति के लिए पहले से ही दिशा–निर्देश तैयार किए थे। समिति मॉडल दिशा–निर्देशों व विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए जा रहे दिशा–निर्देशों का निरीक्षण करने के बाद जो उपयुक्त सिफारिश करेगी उसे कार्य परिषद् को भेजा जाएगा और जो निर्णय लिया जाएगा उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेज दिया जाएगा। परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि भविष्य में पुनर्नियुक्ति के सभी मामलों पर विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् द्वारा अनुमोदित किए जाने वाले दिशा–निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाएगा।
- विश्वविद्यालय में निम्नलिखित व्यक्तियों को विश्वविद्यालय की तरफ से बिना किसी वित्तीय उत्तरदायित्वों के एडजंक्ट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया। विवरण निम्न प्रकार से है :

  क) प्रोफेसर अमिताभ चट्टोपाध्याय, एडजंक्ट प्रोफेसर, आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र।

  ख) प्रोफेसर सुभाशीष गंगोपाध्याय, एडजंक्ट प्रोफेसर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान।
- अ.पि.व. अनुदान के अन्तर्गत सभी लेन–देन/व्यय के लिए भारतीय स्टेट बैंक, जेएनयू शाखा में "जेएनयू इंफ्रास्ट्रक्चर डिवलपमेंट अकाउंट" नामक नया बैंक खाता खोलने का निर्णय लिया।
- साउथ एशियन यूनिवर्सिटी को पूर्णतः अस्थायी आधार पर ओल्ड सीआरएस बिल्डिंग में कुछ खाली कमरों का उपयोग करने की अनुमति दी बशर्ते इससे जेएनयू के कार्य में किसी भी स्तर पर बाधा उत्पन्न न हो।
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के भारतीय भाषा केन्द्र में मराठी चेयर स्थापित करने का सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन किया। इस चेयर की स्थापना के लिए सभी प्रकार के खर्चों के लिए महाराष्ट्र सरकार रु. 1.50 करोड़ का 'वन टाइम' अनुदान देगी।
- शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्तावों और मानविकी विषयों सहित एम.फिल./पीएच.डी. शोध प्रस्तावों की भी समीक्षा करने के लिए इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड–जेएनयू (आईईआरबी–जेएनयू) का गठन करने के प्रस्ताव का अनुमोदन करने का निर्णय लिया। इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड उक्त समीक्षा के बाद एथिकल क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जारी करने के लिए उत्तरदायी होगा।
- प्रारंभिक निधि को छोड़कर, सभी शिक्षकों, चाहे वो विज्ञान, मानविकी या सामाजिक विज्ञान स्ट्रीमों में कार्य कर रहे हों, को 31 मार्च, 2012 तक 'कैपिसिटी एनहांसमेंट' हेतु विज्ञान स्ट्रीम में कार्य कर रहे शिक्षकों को रु. 10.00 लाख और मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान स्ट्रीम में कार्य कर रहे शिक्षकों को रु. 3.00 लाख आबंटित करने का निर्णय लिया।

अपनी सेवानिवृत्ति की उम्र तक निम्नलिखित चार शिक्षा संस्थानों में से कम–से–कम दो संस्थानों के फेलो शिक्षकों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पात्रता शर्तें पूरी करने पर 1.11.2008 से रु. 15000/– प्रतिमाह विशेष मानदेय देने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अपने दिनांक 1.11.2008 के अ.शा. पत्र सं. एफ–I–14/2006 (सीपीसी–II) द्वारा प्रेषित योजना को अपनाने का अनुमोदन किया :

क) राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद
ख) भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर
ग) भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली
घ) भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरी अकादमी, नई दिल्ली

- निर्णय लिया गया कि कुलपति को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद अन्य सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों की तरह चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।,
- विजिटिंग प्रोफेसर/विजिटिंग फेलो/विजिटिंग स्कॉलर की नियुक्ति हेतु अद्यतन दिशा–निर्देशों का अनुमोदन करने का निर्णय लिया।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अपने दिनांक 21.06.2007 के पत्र संख्या एफ. 2–2/2007/(सीयू/जेआरसी) द्वारा सम्प्रेषित कुक की सीधी भर्ती के पदों के लिए संशोधित मॉडल भर्ती नियमों को अपनाने का निर्णय लिया।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय से आदेश प्राप्त होने के बाद कुलपति को शिक्षकों के छठे

वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान लागू करने के लिए प्राधिकृत करने का निर्णय लिया।

- विभिन्न प्रमाण–पत्र, छात्रों को सरकारी प्रतिलिपियाँ जारी करने और विभिन्न नियोजकों से विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त शैक्षिक दस्तावेजों के प्रमाणीकरण आदि के लिए शुल्क ढांचे में संशोधन के लिए कुलपति द्वारा गठित समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने का निर्णय लिया।
- सामाजिक विज्ञान संस्थान के आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र में आईपीआर चेयर की स्थापना, प्रस्ताव में उल्लिखित सभी पदों और गतिविधियों के लिए मा.सं.वि.मं. से आवश्यक निधि प्राप्त होने के बाद, करने का सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन करने का निर्णय लिया।

वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती है। इसकी सिफारिशें कार्य परिषद् के अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

वित्त समिति ने विश्वविद्यालय के वर्ष 2008–2009 के लिए 'अनुरक्षण खाते' में 13,316,55 लाख रुपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान दृश्य कला, रंगमंच, निष्पादन कला और सिनेमा अध्ययन के क्षेत्र में कला अध्ययन के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभरा है। संस्थान में प्रवेश लेने के लिए पूरे विश्व से छात्र आते हैं। कई अन्तरराष्ट्रीय विद्वानों ने संस्थान का दौरा किया और व्याख्यान दिए। इनमें शामिल हैं – हंस बेल्टिंग (जर्मनी के प्रसिद्ध कला इतिहासकार), प्रो. देबोराह क्लिमबर्ग–साल्टर, वियना यूनिवर्सिटी; मेलिसा चिऊ (डायरेक्टर, एशिया सोसायटी म्यूजियम और वाइस प्रेजिडेंट, ग्लोबल आर्ट प्रोग्राम्स इन न्यूयार्क), निल्स रोलर, अकादमी आफ आर्ट इन ज्यूरिख; ज्योति भट्ट और ज्योत्सना भट्ट (सुप्रसिद्ध कलाकार, बड़ौदा), जेनित लिल्ली, ओसोल, डेनमार्क। संस्थान के तीन छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई। छात्रों ने संस्थान में आयोजित कार्यशालाओं और सम्मेलनों सहित बाह्य संस्थानों विशेषकर बड़ौदा, शांति निकेतन में आयोजित कार्यशालाओं में भी भाग लिया। संस्थान भविष्य में भी 'स्पीयर' परियोजना के अंतर्गत विभिन्न विद्वानों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित करना चाहता है ताकि छात्रों को उनके शोध अनुभवों के संबंध में विचारों का आदान प्रदान करने का अवसर मिल सके। संस्थान अगले वर्ष में 'द आर्किटेक्चर्स आफ इरोटिका : पालिटिकल, सोशल – रिचुअल्स' विषयक एक अन्तरविषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। इसमें तीनों विषयों की परस्पर सम्बद्धता पर चर्चा की जाएगी।

संस्थान तीन विषयों – दृश्य अध्ययन, रंगमंच एवं निष्पादन अध्ययन और सिनेमा अध्ययन – में समन्वित एम.ए. पाठ्यक्रम और इसके बाद प्रत्येक विषय में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। वर्ष 2008–2009 की मुख्य गतिविधियां निम्न प्रकार से हैं –

- प्रत्येक क्षेत्र में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का सक्रिय रूप से आयोजन किया गया।
- संस्थान ने संगोष्ठियां, जन व्याख्यान और शैक्षिक व्याख्यान आयोजित किए।
- संस्थान ने इस वर्ष 'स्पीयर' परियोजना चलाई है। यह एक तीन–वर्षीय परियोजना है जिसका मुख्य उद्देश्य कला के तीनों सत्रों में सहायक सामग्री और संसाधन उपलब्ध कराने की योजना तैयार करना है। परियोजना के तीन वर्षों के दौरान संस्थान प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित करेगा, निरन्तर कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करेगा, शोध कार्यों के लिए अन्य संस्थानों का सहयोग प्राप्त करेगा; जन व्याख्यानों का आयोजन करेगा और प्रतियोगिताओं के आधार पर छात्र अध्येतावृत्तियों का वितरण करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य तीन वर्षों के गहन अनुभव के माध्यम से कला शिक्षा की गति को बढ़ाना। परियोजना की उपलब्धियां अन्य संस्थानों के लिए एक माडल का कार्य करेगी। 'स्पीयर' परियोजना का वित्त पोषण टाटा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा किया जाता है।
- प्रो. शिवप्रकाश के मार्गदर्शन में संस्थान और अन्य विभागों के 20 छात्रों ने उर्मिमाला सरकार द्वारा निर्देशित नृत्य कला का प्रदर्शन किया। इस नृत्य मंडली ने 27 सितम्बर से 26 अक्टूबर 2008 के दौरान जापान के कुछ शहरों – टोक्यो, क्वाचिनागानो, याओ, नारा, कैजुका, हाशिमोता और नारूताकी का दौरा किया। इनके आयोजन की व्यवस्था ओसाका इन द वर्ल्ड कमेटी द्वारा की गई। इन प्रस्तुतियों का उद्देश्य दो भिन्न संस्कृतियों के बीच आदान–प्रदान को बढ़ावा देना था। इस प्रस्तुति का मंचन जेएनयू समुदाय के लिए 18 जनवरी 2009 को जेएनयू वार्षिक दिवस अवसर पर भी किया गया।
- डा. कविता सिंह नमन आहुजा और शुक्ला सावंत ने देवी आर्ट फाउंडेशन में 'वेअर इन द वर्ल्ड' शीर्षक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसमें समसामयिक कला के प्रचुर निजी संग्रह को प्रस्तुत किया गया। मुख्यतः इसमें पिछले दस वर्षों में सृजित भारतीय समसामयिक कला की परम्परा और मुख्य बिंदुओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें मुख्य विषय थे वैश्वीकरण, भूमण्डलीकरण, कला बाजार की आर्थिक तेजी, कला कार्य का शोषण और ऐसे सामाजिक, पर्यावरणीय तथा राजनीतिक मामले जिन पर कलाकारों को आघात पहुँचा।
- संस्थान ने इण्डियन सोसायटी थिएटर रिसर्च की रंगमंच और निष्पादन विषयक सम्मेलन आयोजित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- संस्थान ने इस वर्ष मार्च में 'सर्किट्स आफ द पाप्यूलर' विषयक पहले अन्तरराष्ट्रीय 'स्पीयर' अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

रिपोर्ट का विस्तृत विवरण नीचे प्रस्तुत है :

संस्थान द्वारा शुरू किए गए नये कोर्स (नियमित और उपचारात्मक)

- डॉ. नमन आहूजा ने एम.ए. स्तर पर 4 क्रेडिट का 'द आर्ट आफ गंधार : आइकोनोग्राफी, न्यूमिसमेटिक्स और आर्किओलाजी' शीर्षक वैकल्पिक कोर्स चलाया।

संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशालाएं :

- पारूल दवे मुखर्जी और कविता सिंह ने 10–11 अक्टूबर 2008 को मैक्समुलर भवन, नई दिल्ली के सहयोग से हेंस बेल्टिंग और पीटर वेबल द्वारा 'ग्लोबल आर्ट ऐंड म्यूजियम : द ग्लोबल टर्न ऐंड आर्ट इन कन्टेम्पोरेरि इण्डिया' का आयोजन करने में सहयोग किया।
- रजनी मजुमदार ने एम.फिल. छात्रों के लिए 'यूरोपीयन आर्ट सिनेमा ऐंड रेस' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया और इसमें व्याख्यान देने के लिए मार्क बेट्स, किंग्स कालेज, लंदन, यू.के. को आमंत्रित किया।
- शुक्ला सांवत और पारूल दवे मुखर्जी ने 24 जनवरी 2009 को सुमन गोपीनाथ और ग्रांट वाटसन के सहयोग से 'नासरीन मोहम्मदी' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।
- ईरा भास्कर ने बंगलादेश के सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता तनवीर मोकम्मल के सहयोग से एक कार्यशाला आयोजित की और इसमें उनकी फिल्म – स्वप्नभूमि की स्क्रिनिंग पर चर्चा की। यह फिल्म बाटवारे पर आधारित है और बंगलादेश के सृजन तथा देश में बिहारी मुसलमानों की हालत का विवरण प्रस्तुत करती है।
- एच.एस. शिव प्रकाश और विष्णुप्रिय दत्त ने 28 से 30 जनवरी 2000 तक इण्डियन सोसायटी फार थिएटर रिसर्च के लैंग्यूवेज(स) आफ थिएटर' 5वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।
- एच.एस. शिव प्रकाश ने फरवरी 2009 के प्रथम सप्ताह में डेनमार्क से आए जेनेत लिल्ली की नृत्य कार्यशाला और ओलसोल की रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया।
- नमन आहूजा ने 28 फरवरी 2009 को 'स्पीयर' के अन्तर्गत 'रिसर्च आन न्यू सल्तनत ऐंड मुगल आर्ट' विषयक एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें डा. पैड्रो मौरा कार्वाल्हो (आगा खां विजिटिंग प्रोफेसर, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी), डा. उर्सुला विकेज (विजिटिंग प्रोफेसर, जेएनयू) डा. जत्ता जैन न्युबाउर (इंडिपेंडेंट स्कालर), डा. अशोक दास (सेवानिवृत्त निदेशक, सवाई मानसिंह म्यूजियम, जयपुर), डा. नमन आहूजा और सुश्री आभा सेठ ने आलेख पढ़े और इसके एम.फिल. पाठ्यक्रम की दो वरिष्ठ छात्राओं – श्रीनयनी रेड्डी और पारूल सिंह ने प्रस्तुति पेश की।
- एच.एस. शिव प्रकाश, पारूल दवे मुखर्जी, रजनी मजुमदार ने संस्थान में 16–18 मार्च को 'सर्किट्स आफ द पाप्यूलर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रचलित संस्कृति के मुद्दों : इसके प्रचार–प्रसार, परिचालन और लोक उत्पति पर चर्चा करते हुए समाज पर इसके प्रभाव, इसके संरक्षण की अद्वितीय अनूठी प्रकृति, इसके विश्वस्तरीय परिचालन के धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव की जानकारी हासिल करना था।

संस्थान द्वारा आयोजित व्याख्यान

- हेंस बेल्टिन, आधुनिक यूरोपीय कला के मध्य तथा प्राचीन कालीन कला के साथ–साथ समसामयिक कला और सिद्धान्त के कला इतिहासकार, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी, ने 13 अक्टूबर 2008 को 'इमेज एंथ्रोपोलाजी : डेथ ऐंड द मेकिंग आफ पिक्चर्स' विषयक व्याख्यान दिया। इसका आयोजन मैक्समूलर भवन, दिल्ली के सहयोग से किया गया था।
- देबोराह क्लिमबर्ग – साल्तर, वियना यूनिवर्सिटी में एशियन आर्ट हिस्ट्री के प्रोफेसर और नेशनल रिसर्च नेटवर्क के डायरेक्टर ने 23 अक्टूबर 2008 को जेएनयू में 'द कल्चर हिस्ट्री आफ द वेस्टर्न हिमालय फ्राम 8थ सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया। यूरोपीय एसोसिएशन आफ साउथ एशियन आर्कियोलाजी के प्रेजिडेंट, अफगानिस्तान सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए गणित यूनेस्को इंटरनेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी के सदस्य (वर्ष 2003 से इसकी स्थापना से) ने बामियान, द हिन्दुकुश और ककराक क्लिमबर्ग विषयक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान उच्च अध्ययन संस्थान, जेएनयू के सहयोग से 'गंधार आर्ट ऐंड अफगानिस्तान' विषयक विशेष कोर्स के संबंध में आयोजित किया गया।
- मलिसा चियू डायरेक्टर, एशिया सोसायटी म्यूजियम और वाइज प्रेजिडेंट, ग्लोबल आर्ट प्रोग्राम, न्यूयार्क और फाउंडिंग डायरेक्टर, एशिया–आस्ट्रेलिया ने 23.10.08 को 'कंटेम्पोरेरि आर्ट इन चाइना : वेयर हेस इट कम फ्राम ऐंड वेयर इज इट हेडिंग' विषय पर व्याख्यान दिया।

- नीलस रोलर, प्रोफेसर फार मीडिया थीअरि, अकादमी आफ आर्ट इन ज्यूरिख, ने 27 अक्टूबर 2008 को 'ट्रेंड्स इन मीडिया थीयरी ऐंड मीडिया आर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- राक मीडिया कोलेक्टिव (जीवेश बागची, सुधाब्रत सेनगुप्ता और मोनिका नरूला) ने 7 नवम्बर 2008 की स्थापना के सभागार में 7थ एडिशन आफ मेनिफेस्टा, द यूरोपीयन बाइनिअल आफ कंटेम्पोरेरि आर्ट' के लिए एक विस्तृत व्याख्यान दिया और साथ ही उन्होंने अपने क्यूरेशन के लिए व्यक्तिगत प्रस्तुति भी दी।
- सावित्री प्रीता नायर, न्यू इण्डिया फाउंडेशन फेलो 2008–2009 ने 2 फरवरी 2009 को 'ऐट द इंटरफेस बिटवीन आर्ट ऐंड साइंस : तंजोर रिस्पोंस टु द क्लोनिअल एनकांउटर 1798–1832' विषयक व्याख्यान दिया।
- तेपिओ मकेला, ए.एच.आर.सी. रिसर्च फेलो, क्रिएटिव टेक्नोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ साल्फोर्ड, यू.के. ने 5 फरवरी 2009 को 'टेक्नोलाजीस आफ लोकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- जान और एलिदा आसमैन, प्रोफेसर्स इन इजिप्टोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी ने 17 फरवरी 2009 को 'कल्चरल मैमोरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिल हस्टन, एक सुप्रसिद्ध एबस्ट्रेक्ट पेंटर ने 20 फरवरी 2009 को 'अंडरस्टेंडिंग ऐन आल्टर्नेटिव ट्रजेक्टरी आफ माडर्नीज्म : कनटेम्पोरेरि अफ्रीकन अमरीकन आर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।

संस्थान द्वारा आयोजित प्रदर्शिनियां, परिचर्चाएं और फील्ड ट्रिप्स

- संस्थान के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा 21 मार्च 2009 को देबी आर्ट फाउंडेशन में आयोजित 'वेअर इन द वर्ल्ड' विषयक प्रदर्शनी के अवसर पर 'आइडियास, एग्जिक्यूशन ऐंड टुडे'स आर्टिस्ट' विषयक परिचर्चा आयोजित की गई। फोटोग्राफर वास्वो एवस वास्वो अपने अभ्यास के सहयोगात्मक कार्य के बारे में वक्तव्य दिया और आल्टर्नेटिव ला फारेन के लारेंस लियांग ने 'न्यू सब्जेक्टिविटी आफ द आर्टिस्ट' विषयक चर्चा की और एक छात्र क्यूरेटर द्वारा इसकी प्रस्तुति पेश की गई।
- संस्थान के गैलरी में 18 मार्च को अर्चना हांडा द्वारा आर्काइवल फोटोग्राफ की एक प्रदर्शनी लगाई गई।
- संस्थान ने कई फील्ड ट्रिप आयोजित किए। थिएटर ऐंड परफार्मेंस स्टडीज प्रभाग ने पुरूलिया शान्तिनिकेतन और सानदति के लिए फील्ड ट्रिप आयोजित किए। इसका मुख्य उद्देश्य एम.फिल. छात्रों के क्षेत्रीय अध्ययन की परिचर्चा के लिए स्थानीय लोक कला की प्रोफेशनल और सेमी प्रोफेशनल महिला कलाकारों पर एक प्रलेखन तैयार करना था।
- विजुअल स्टडीज प्रभाग ने विजुअल स्टडीज के एम.फिल. छात्रों की साइट परिचर्चा के लिए आगरा, मथुरा, मोर्ट सोंख के प्राचीन ऐतिहासिक और मध्यकालीन स्थलों के लिए एक फील्ड ट्रिप आयोजित किया।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता/प्रदर्शनियों का आयोजन/प्रस्तुतियां

- शिव प्रकाश ने 28–30 जनवरी 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'लैंग्यूवेज आफ थिएटर' विषयक आई.एस.टी.आर. के 5वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- शिव प्रकाश और उर्मिमाला सरकार ने 27 सितम्बर से 26 अक्टूबर 2008 के दौरान 20 छात्रों के एक ग्रुप के साथ जापान का दौरा किया और नृत्यकला का प्रदर्शन किया। इसका निर्देशन प्रो. शिव प्रकाश के मार्गदर्शन में उर्मिमाला सरकार द्वारा किया गया। नृत्यकला की प्रस्तुतियां तोक्यो, कावाचिनागानो, याओ, नारा, कौजुका, हाशीमातो, नारूताकी आदि शहरों में पेश की गई।

शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियो/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- पारूल दवे मुखर्जी ने 9–11 जुलाई 2008 को यूनिवर्सिटी आफ मानचेस्टर, यू.के. में आयोजित 'आर्ट हिस्ट्री आफ्टर इंडिपेडेंस : साउथ एशियन रिकनफिगरेशंस' विषयक ई.सी.एम.एस.ए.एस. सम्मेलन की पैनल परिचर्चा का संयोजन किया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 10 अक्टूबर 2008 को मैक्समुलर भवन में आयोजित कार्यशाला (हंस बेल्टिंग एंड्रिया बुडडनसिएग द्वारा चलाई गई 'ग्लोबल आर्ट ऐंड द म्यूजियम' विषयक परियोजना पर आधारित) में भाग लिया और 'हाऊ ग्लोबल इज आर्ट हिस्ट्री टुडे' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- पारूल दवे मुखर्जी ने 15 नवम्बर 2008 को जेएनयू में आयोजित 20वें इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन आफ एशिया में 'परफार्मिंग सोलो : परफार्मोटिव मिमेसिस इन एन पुष्पमाला'स फोटो परफार्मेंस' में जैंडर डिस्कोर्स इन एशियन हिस्ट्री इमेजिंग फैमिनिटी ऐंड मैसक्युलिनिटी विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 19 नवम्बर 2008 को दर्शनशास्त्र दिवस के अवसर पर दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फिलास्फी ऐंड एस्थेटिक्स एक्सपिरियंस' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में 'ईस्ट–वेस्ट डिवाइड इन स्टडी आफ इंडियन एस्थेटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 7–9 दिसम्बर 2008 को रणथम्बोर, राजस्थान में आस्ट्रेलियन–इण्डियन कांउसिल, आस्ट्रेलियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस और आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द स्टेट आफ नालेज इन आर्ट हिस्ट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 18–21 दिसम्बर को बनारस में आयोजित 'डेमोक्रेसी इन अवर टाइम : द पास्ट ऐंड फ्यूचर आफ एनलाइनमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'पाप्यूलर फेस्टिवल्स, पाप्यूलिस्ट विजुअल कल्चर ऐंड द मोदी मास्क्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 7 फरवरी 2009 को नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यू कल्चर्स आफ इंटिमेसी ऐंड टुगेदरनेस इन एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 24 फरवरी 12009 को गेटी रिसर्च इंस्टीट्यूट, ला में आयोजित 'आर्ट हिस्ट्री ऐज ए डिवलपिंग प्रैक्टिस' विषयक एक–दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 25–28 फरवरी 2009 को लास एंजलिस, यूएसए में आयोजित कालेज आर्ट एसोसिएशन सम्मेलन में 'द केरियर आफ ए क्लासिकल आर्ट ट्रीटीज, द सित्रा सूत्र इन इण्डियन आर्ट हिस्ट्री' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 27 फरवरी 2009 को सी.ए.ए., लास एंजलिस में इफ्तिकार दादी द्वारा आयोजित 'आर्ट ऐंड ट्रांसनेशनलिज्म' विषयक गोलमेज चर्चा में भाग लिया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 18 मार्च 2009 को कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'सर्किट्स आफ द पाप्यूलर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'विजुअल कल्चर, नरेशन ऐंड द इमर्जिंग मोड्स आफ विजुअल्टी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 14 मई 2008 को सेल्जबर्ग, आस्ट्रिया में मैकग्रेगर और माइकल कनफोर्टी द्वारा आयोजित सेल्जबर्ग ग्लोबल सेमिनार के 'अचीविंग द फ्री सर्कुलेशन आफ कल्चर आर्टिफैक्ट्स' विषयक 453वें सत्र में 'यूनिवर्सल म्यूजियम्स : द व्यु फ्राम बिलो' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 9 जुलाई 2008 को मानचेस्टर यूनिवर्सिटी में यूरोपीयन कमेटी फार मार्डन साउथ एशियन स्टडीज कांफ्रेंस द्वारा आयोजित 'आर्ट हिस्ट्री आफ्टर इंडिपेंडेंस साउथ एशियन रिकनफिग्रेशन' विषयक पैनल में थ्री नेशनल म्यूजियम्स : इण्डिया, पाकिस्तान, बंगलादेश शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 11 जुलाई 2008 को यूनिवर्सिटी मानचेस्टर यूनिवर्सिटी, यू.के. में यूरोपीयन कमेटी फार माडर्न साउथ एशियन स्टडीज कांफ्रेंस द्वारा आयोजित 'पब्लिक पर्सेप्शंस आफ ए रिलिजन काल्ड हिन्दुइज्म' विषयक पैनल में 'एटर्नल रिटर्न आफ द टेम्पल : दिल्ली'स अक्षरधाम' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 11 अक्टूबर 2008 को मैक्समुलर भवन में प्रो. हंस बेल्टिंग और डा. एंड्रिया बुडडनसेग, जैड के एम काल्सरूहे, जर्मनी द्वारा आयोजित 'ग्लोबल आर्ट म्यूजियम वर्कशाप में 'म्युजियम्स आफ तिब्बेतियन एक्साइल कम्युनिटी ऐंड द प्रोडक्शन आफ एथनिसिटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 14 दिसम्बर 2008 को 'सियाही' जयपुर द्वारा आयोजित 'द नरेटिव टेक्सटाइल्स आफ मिथ' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के 'मेंटल्स आफ मिथ' विषयक सत्र में 'अनचैंजिंग इमेज इन ए चैंजिंग वर्ल्ड : फड़ पैंटिंग्स आफ राजस्थान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- कविता सिंह ने 13 जनवरी 2009 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दीपांकर गुप्ता द्वारा आयोजित 'माई फवरेट लेवि स्ट्रास' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'मिथ आन द वाल : एनालाइजिंग फड़ पेंटिंग्स आफ राजस्थान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 26 फरवरी 2009 को आई.सी.सी.आर. और हेबिआर्ट फांउडेशन द्वारा आयोजित 'साउथ एशियन आर्ट : प्रजेंट सिनारिओ ऍंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'नेशनलीज्मस ऍंड म्यूजियम्स इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता सिंह ने 14 फरवरी 2009 को देवी आर्ट फांउडेशन में 'आर्ट ऍंड शाक' विषयक कला प्रदर्शनी आयोजित की।
- कविता सिंह ने 21 मार्च 2009 को जेएनयू में 'आर्ट ओनरशिप ऍंड आर्थरशिप' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- सांवत शुक्ल ने 11 अप्रैल को पी.एसबी.टी. और आई.एच.सी. गुलमोहर हाल, इण्डिया हैबिटेट सेंटर के सहयोग से मैक्समूलर द्वारा इण्डिया और जर्मनी वृत्तचित्र महोत्सव के अवसर पर आयोजित 'आर्ट ऍंड पावर' विषयक कार्यशाला में 'डिजेनरेट आर्ट ऍंड नाजी आइडिओलाजी' शीर्षक परिचर्चा की अध्यक्षता की।
- सांवत शुक्ल ने 21–22 अगस्त 2008 को ज्यूरिख, स्विटजरलेण्ड में आयोजित प्रो. देलवितीआ क्यूरेटर्स प्लेटफार्म संगोष्ठी में भाग लिया और 'रिसेंट प्रोजेक्ट्स ऍंड एक्सपिरियंसिस विद इंटरनेशनल आर्टिस्ट ऍंड पार्टनर इंस्टीट्यूशंस' विषयक सत्र में उनके कृतित्व का प्रदर्शन किया।
- सांवत शुक्ल ने 2 अक्टूबर 2009 को इमामी चेसिल आर्ट में श्री अमित मुखोपाध्याय द्वारा आयोजित 'द ट्रेंड्स/टेंडेंसिज आफ डि–कनटेक्सचुअलाइजिंग आर्ट टुडे' विषयक इंटरएक्टिव सत्र में 'इंस्टालेशन ट्रम्प आफ लेबर पार्ट–II' में उनके कृतित्व की प्रस्तुति की। इसका उद्घाटन श्री प्रयाग शुक्ल ने किया।
- सांवत शुक्ल ने 11 अक्टूबर 2008 को मैक्समुलर भवन, नई दिल्ली में प्रो. हंस वेल्टिंग और डा. एड्रिया वुड्डनसेग, जे.के. एम. कार्ल्सरूहे, जर्मनी द्वारा आयोजित ग्लोबल आर्ट म्यूजियम कार्यशाला में 'द ग्लोबल टर्न ऍंड आर्ट इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक सत्र में 'द टेंशन बिटवीन लोकल ऍंड द ग्लोबल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सांवत शुक्ल ने 16 अक्टूबर 2008 को सप्रु हाउस, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया–स्पेन डायलाग फोरम' की चौथी बैठक में भाग लिया और 'कल्चर : कंटेम्पोरेरि आर्ट ऍंड फिल्म' विषयक गोलमेज–IV परिचर्चा में भाग लिया।
- सांवत शुक्ल ने 27 फरवरी 2009 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में हैबिआर्ट फांउडेशन और आई.सी.सी.आर द्वारा आयोजित 'साउथ एशियन आर्ट – प्रजेंट सिनरिओ : फ्यूचर विजंस' विषयक कार्यशाला में 'द यूनिवर्सिटी ऐज ए साइट आफ पब्लिक आर्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सांवत शुक्ल ने 8 मार्च 2009 को महरौली में सुहेल हाशमी के साथ मिलकर साइट कार्यशाला आयोजित की और 10 मार्च 2009 को 'आर्किटेक्चर हेरिटेज आफ द साइट' विषयक जांच की।
- सांवत शुक्ल ने 7–30 मार्च 2009 को कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान में 'स्पीयर' परियोजना के अन्तर्गत कलाकारों – अर्चना हांदे और सुरेश पांचाल के साथ फर्स्ट आर्टिस्ट रेसिडेसी, एग्जीविशन आफ मल्टी मीडिया इंस्टलेशन रेलिक्स आफ ग्रे, और अर्चना हांदे के जन व्याख्यान का समन्वयन किया।
- सांवत शुक्ल ने 16–18 मार्च 2009 तक कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान द्वारा आयोजित 'सर्किट्स आफ द पाप्यूलर' विषयक संगोष्ठी के 'पाप्यूलर पब्लिक 'स्पीयर ऍंड एग्जिबिट्री स्पेसिस' विषयक पैनल में 'लाइसेंस टु लाइबल : हूज आर्ट इज इट एनीवे ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.पी. आहूजा ने 18 अप्रैल 2008 को येल यूनिवर्सिटी में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए पैथिअन रिडिस्कवर' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 9–11 जुलाई 2008 को इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ द मानचेस्टर, यू.के. में आयोजित ई.सी.एम.एस.ए.एस. सम्मेलन में हिस्टोरियोग्राफी आफ इण्डियन टेरीकोटा 'आर्ट हिस्ट्री आफ्टर इंडिपेंडेंस : साउथ एशियन रिकनफिगरेशंस' आलेख प्रस्तुत किया।

- एन.पी. आहूजा ने 17 नवम्बर 2008 को जेएनयू में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ द हिस्टोरियन आफ एशिया के सम्मेलन में 'द एवरीडे इमेजिस ऐंड रिचुअल्स आफ गंधार' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.पी. आहूजा ने 28 फरवरी 2009 को 'स्पीयर' के तत्वावधान में आयोजित 'द न्यू रिसर्च आन द सल्तनत ऐंड मुगल आर्ट' विषयक कार्यशाला में 'द सल्तनत चंदायन मैन्युस्क्रिप्ट्स : ए रिअसेसमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.पी. आहूजा ने 19 फरवरी 2009 को जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान में आयोजित 'द डायनेमिक्स आफ रिलिजस प्लुरलीज्म : कनफ्लिक्ट, असिमिलेशन ऐंड इनोवेशन इन प्री–माडर्न इण्डिया' विषयक सम्मेलन में 'द सूफी येट हिन्दी, फोक येट रायल – चंदायन : ए केस स्टडी आफ द पाप्यूलर सल्तनत इलस्ट्रेटिड स्टोरी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.पी. आहूजा ने जेएनयू में 16 मार्च 2009 को 'स्पीयर' के तत्वावधान में आयोजित 'सर्किट्स आफ द पाप्युलर' विषयक सम्मेलन में 'आर्ट इन द प्रिमिटिव डोमेन : द पाप्युलर आइकोनोग्राफीज आफ अर्ली – हिस्टोरिक अर्बन सिटीज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.पी. आहूजा ने 23 मार्च 2009 को बिहार पटना में 'बुद्धिज्म' पर आयोजित यूनेस्को इनटेक गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला में 'द आर्ट ऐंड हिस्ट्री आफ बुद्धिज्म इन इण्डिया' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- रजनी मजुमदार ने जून 2008 में रिसर्च इंस्टीट्यूट फार कास्मोपोलिटन कल्चर्स, यूनिवर्सिटी आफ मानचेस्टर, यू.के. में आयोजित 'मल्टीप्लिसिटीज : वर्ल्ड सिनेमा, ग्लोबलाइज्ड मीडिया ऐंड कास्मोपोलिटन कल्चर्स' विषयक सम्मेलन में 'ए कास्मोपोलिटन आइकोन आफ बाम्बे सिनेमा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनी मजुमदार ने जुलाई 2008 में सेंटर फार रिसर्च ऐंड एज्यूकेशन इन आर्ट्स ऐंड मीडिया, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टमिंस्टर, लंदन, यू.के. द्वारा आयोजित 'इण्डियन सिनेमा' विषयक सम्मेलन में 'बाम्बे सिनेमा'स डांसिंग क्वीन : द केस आफ हेलन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनी मजुमदार ने जुलाई 2008 में सेंटर फार रिसर्च इन मीडिया ऐंड कल्चर स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ सुंदरलैण्ड, यू.के. द्वारा आयोजित 'इण्डियन सिनेमा डे' के अवसर पर 'इण्डियन सिनेमा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनी मजुमदार ने नवम्बर 2008 में डे बाले, अमस्टडर्म द्वारा आयोजित 'बाई–पास : एवरीडे लाइफ ऐंड कंटेम्पोरेरि अबर्नीज्म इन इंडिया ऐंड चाइना' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'द अर्बन फ्रिंज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनी मजुमदार ने नवम्बर 2008 में हेनरिक बॉल फांउडेशन, इण्डिया हेबिटेट सेंटर, मैक्समुलर भवन और जुबान द्वारा आयोजित 'पार्टिशन : द लोंग शेडो' विषयक संगोष्ठी में गर्म हवा की पटकथा लेखिका शमा जैदी के साथ परिचर्चा में भाग लिया।
- रजनी मजुमदार ने मार्च 2009 में जेएनयू में आयोजित 'सर्किट्स आफ पाप्यूलर : विजुअल आर्ट्स, सिनेमा थिएटर ऐंड परफार्मेंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय अन्तरविषयक संगोष्ठी में 'स्टारडम और परफार्मेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई.एस. अलोन ने अक्टूबर 2008 में प्रो. हंस बेल्टिंग के साथ गोएथे इंस्टीट्यूट, मैक्समुलर भवन, जेएनयू और सेंटर फार आर्ट ऐंड मीडिया काल्सरूहे, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'ग्लोबल आर्ट ऐंड द म्युजियम – द ग्लोबल टर्न ऐंड आर्ट इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई.एस. अलोन ने 23–24 जनवरी 2009 को सामाजिक कार्य संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा आयोजित 'द रेलिवेंस आफ अम्बेडकर'स थाट इन सोशल वर्क ऐंड सोशल साइंसिस' विषयक सम्मेलन में 'डिस्प्लेसिंग द प्रोसेस आफ सिग्निफिकेशन : अम्बेडकर ऐंड सोशल साइंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई.एस. अलोन ने 5–7 फरवरी 2009 को एसोसिएशन आफ अकादमिक, आर्टिस्ट्स ऐंड सिटीजन्स फार यूनिवर्सिटी आटोनोमी, बदोदरा (इंडिया फांउडेशन आफ आर्ट्स, बंगलौर के सहयोग से) में आयोजित 'आर्काविंग द आर्ट हिस्ट्रीज : एक्सिजेंसीज ऐंड चैलेंजिस इन पैडागागी ऐंड रिसर्च' विषयक सम्मेलन में 'आर्काइवल डाक्युमेंटेशन : कनटेस्टिंग हेगेमनी ऐंड एक्सक्लुजस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- वाई.एस. अलोन ने 14–16 फरवरी 2009 को अम्बेदकर स्टडी सेंटर, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित 'द चैंजिंग नेचर आफ दलित मूवमेंट्स' विषयक सम्मेलन में 'नेगोसिएटिंग ट्रेडिशन : रिक्रिएटिंग कल्चर स्पेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई.एस. अलोन ने 5–6 मार्च 2009 को सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मैनस्ट्रीमिंग डिजास्टर मैनेजमेंट इन सोशल वर्क एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशलवर्क बुद्धिस्ट पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई.एस. अलोन ने 10 मार्च 2009 को डिपार्टमेंट आफ आर्ट हिस्ट्री ऐंड आर्ट एप्रिसिएशन, फेक्लटी आफ फाइन आर्ट्स, जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आर्ट हिस्टोरिकल एंगेजमेंट इन फाइन आर्ट इंस्टीट्यूशन' विषयक सम्मेलन में 'हिस्टिरियोग्राफी, लैंग्वेज : इंटरवेंशन ऐंड इटरप्रिटेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ईरा भास्कर ने अप्रैल 2008 में विसकेम्प (वुमन इन सिक्युरिटी, कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन फार पीस ऐंड मल्टीकल्चरलीज्म' विषयक शिक्षाविदों की राष्ट्रीय कार्यशाला में 'द यूज आफ फिल्म्स इन एज्यूकेशन फार पीस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ईरा भास्कर ने सितम्बर 2008 में यूनिवर्सिटी आफ सुंदरलैण्ड, यू.के. में आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र 'साउंडिंग आउट 4' में 'द सांग इन इण्डियन सिनेमा' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- ईरा भास्कर ने फरवरी 2009 को गार्गी कालेज में आयोजित संगोष्ठी 'अंतराल' में 'हिस्ट्री ऐंड सिनेमा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ईरा भास्कर ने (क्रिश्टिना ग्लेडहिल के साथ) 26–28 मार्च 2009 को एसोसिएशन आफ एशियन स्टडीज, शिकागो के सम्मेलन में 'माइग्रेट्री मेलोड्रामा : द केस आफ इण्डियन सिनेमा' शीर्षक सत्र में 'मेलोड्रामा डायलाग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- शिव प्रकाश ने 21–24 नवम्बर 2008 को रामपुर, गोलपारा, आसाम में आसाम सरकार के संस्कृति विभाग के सहयोग से कन्हैयालाल द्वारा आयोजित उत्तर–पूर्व से आदिवासियों के समारोह 'अंडर साल ट्रीज' विषयक उत्सव में मुख्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और समापन सत्र की अध्यक्षता की।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 6 मई 2008 को यूनिवर्सिटी आफ फाइन आर्ट्स, हमबर्ग, जर्मनी में 'परफार्मेटिव मिमेसिस : ए कनटेम्पोरेरि रिटेक आन इण्डियन एस्थेटिक्स बाई एन पुष्पमाला' विषयक व्याख्यान दिया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 11 नवम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी आफ वियना, आस्ट्रिया में 'सित्रा सूत्र ऐंड द पालिटिक्स आफ एथेंटिसिटी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 10 जनवरी 2009 को ज्ञान प्रवाह, मुम्बई में 'अजंता मुरल्स ऐंड द सित्रा सूत्र आफ विष्णु धर्मोत्तरा पुराण' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- पारूल दवे मुखर्जी ने 6 फरवरी 2009 को ललित कला, नई दिल्ली में 'सेल्फ इन स्टिल्स : फोटो परफोर्मेंस बाई एन. पुष्पमाला' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने 1 अप्रैल 2008 को कुवैत नेशनल म्यूजियम, कुवैत में 'फेंतासिस आफ हिस्ट्री इन इण्डियन पैंटिंग' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने 10 जुलाई 2008 को मानचेस्टर म्यूजियम, यू.के. में 'आर वी रेडी फार फ्री सर्कुलेशन आफ आर्टिफेक्ट्स ?' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने 22 जनवरी 2009 को जयपुर इंटरनेशनल लिट्रेरी फेस्टिवल, जयपुर में 'फड़ पैंटिंग्स आफ कास्ट पालिटिक्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने 23 फरवरी 2009 को इण्डिया हेबिटेट सेंटर में 'फड़ पैंटिंग्स आफ राजस्थान : आर्ट, कास्ट ऐंड स्टाइल' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- सावंत शुक्ल ने 25 अक्टूबर 2008 और 24 मार्च 2009 को एस.आई.टी. के 'इण्डिया : आर्ट्स ऐंड कल्चर ऐंड हिमालयन बुद्धिस्ट आर्ट ऐंड आर्किटेक्चर' विषयक कोर्स के छात्रों के लिए 'कनटेम्पोरेरि आर्ट इन इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 22 अप्रैल 2008 को जार्ज लुसी फंड, डिपार्टमेंट आफ आर्ट ऐंड द हिस्ट्री आफ आर्ट, डिपार्टमेंट आफ एशियन लैंग्यूवेज ऐंड सिविलाइजेशन द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में 'ए पैथोन रिडिस्कवर्ड : न्यू रिसर्च आन अर्ली इण्डियन आइकोनोग्राफी ऐंड रिचुअल' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 18 जून 2008 को एस.ओ.ए.एस., लंदन यूनिवर्सिटी में 'राम किंकर ऐंड द आल्टरनेटिव ट्रांजेक्ट्रीज आफ माडर्ननीज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 19 सितम्बर 2008 को ज्ञान प्रवाह, मुम्बई में 'द हैंड लीड्स द आई लीड्स, द हैंड : द आर्ट आफ दस मोड लजारो' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 8 नवम्बर 2008 को एशिया हाउस, लंदन में 'द आर्ट ऐंड हिस्ट्री आफ बुद्धिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 11 नवम्बर 2008 को एस.ओ.ए.एस. लंदन यूनिवर्सिटी में 'सूफी पोइट्री ऐंड इण्डियन सल्तनत पैंटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 12 नवम्बर 2008 को एस.ओ.ए.एस., लंदन यूनिवर्सिटी में 'इंट्रोड्यूसिंग इण्यिन लिट्रेचर आन असथेटिक थीअरीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने (डा. शन्नो खुराना के साथ) 18 नवम्बर 2008 को कलाधर्मी, श्रीराम सेंटर, दिल्ली में 'अस्थेटिक वेल्युज इन द चैंजिम सिनारियो आफ द परफार्मेंग आर्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.पी. आहूजा ने 9 फरवरी 2009 को एस.ओ.ए.एस., लंदन यूनिवर्सिटी में 'एनशिएंट ऐंड मिडिवल इण्डियन ज्वैलरी–1 और 2' व्याख्यान दिए।
- एन.पी. आहूजा ने 20 मार्च 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय में 'आर्ट ऐंड आर्किटेक्चर इन एनशिएंट इण्डिया भाग–1 और 2' व्याख्यान दिए।
- विष्णु प्रिय दत्त ने थिएटर परफार्मेंस ऐंड कल्चर स्टडीज, वारबिक यूनिवर्सिटी में 'इंगलिश पायनिअर एक्ट्रेस इन इण्डिया 1789–1840' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- विष्णु प्रिय दत्त ने 26–28 फरवरी 2009 में डिपार्टमेंट आफ थिएटर ऐंड परफार्मेंस स्टडीज, लंकास्टर यूनिवर्सिटी, यू.के. में 'द एक्ट्रेस आइडेंटिटी ऐंड द इण्डियन माडर्निटी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- रंजनी मजूमदार ने जून 2008 में नेशनल फिल्म आर्काइव, पुणे के वार्षिक फिल्म एप्रीसिएशन कोर्स के लिए 'फिल्म जेनरे और सिनेमा ऐंड द सिटी' विषयक व्याख्यान दिए।
- वाई.एस अलोन ने दिसम्बर 2008 में यूनेस्को – इनटेक और भारत कला भवन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'बुद्धिस्ट हेरिटेज गाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम' विषयक कार्यशाला में विशेषज्ञ के तौर पर चार – इण्डिया, अस्पेक्ट्स आफ अर्ली बुद्धिस्ट आर्ट और लाइफ आफ बुद्धा इन इण्डियन स्कल्पचर विषयक व्याख्यान दिए।
- वाई.एस अलोन ने 23 दिसम्बर 2008 में राजनीतिक विज्ञान विभाग, आर.टी.एम. नागपुर यूनिवर्सिटी, नागपुर में रिकनटेक्चुअलाइजिंग आर्ट कल्चर, पालिटिक्स ऐंड इंटरप्रिटेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- वाई.एस अलोन ने 7 मार्च 2009 को डिपार्टमेंट आफ फाइन आर्ट्स, आर.टी.एम. यूनिवर्सिटी, नागपुर में फाइन आर्ट्स में पुनश्चर्या कोर्स के लिए 'अजंता क्रोनोलाजी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वाई.एस अलोन ने 7 मार्च 2009 को डिपार्टमेंट आफ फाइन आट्स, आर.टी.एम. यूनिवर्सिटी, नागपुर में फाइन आर्ट में पुनश्चर्या कोर्स में 'कनटेक्चुअलाइजिंग फिर रिप्रजेंटेशंस इन कनटेम्पोरेरि आर्ट' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वाई.एस अलोन ने 25 मार्च 2009 को इनटेक–यूनेस्को के गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.सी.ए.आर., फुलवारी शरीफ, पटना, बिहार में 'बुद्धिज्म आउटसाइड इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- ईरा भास्कर ने जून 2008 में फिल्म और टेलिविजन इंस्टीच्युट आफ इण्डिया, पुणे के वार्षिक फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स में 'मेलोड्रामा : थीअरि, हिस्ट्री ऐंड फार्म्स' और 'द सिनेमा आफ रिल्डि घटक' शीर्षक व्याख्यान दिए।
- ईरा भास्कर ने 18 दिसम्बर 2008 को सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन (सी.आई.ई) दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कम्युनल स्टिरिओटाइप्स ऐंड एज्यूकेशन : द रोल आफ सिनेमा' विषयक व्याख्यान दिया।
- ईरा भास्कर ने 18 दिसम्बर 2008 को जतिन दास सेंटर फार द आर्ट्स, भुवनेश्वर में आयोजित 'आर्ट ऐंड आर्टिस्ट' विषयक फिल्म समारोह में 'द सांग इन इण्डियन सिनेमा' विषयक कार्यशाला चलाई।

मंडलों / समितियों की सदस्यता

- शिव प्रकाश, सहायक सम्पादक, इण्डियन लिट्रेचर, साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, 35 फिरोजशाह रोड़, नई दिल्ली; सदस्य, राजा राम मोहन राय पुस्तकालय; और सदस्य, कर्नाटक साहित्य अकादमी।
- पारूल दवे मुखर्जी, सदस्य, अध्ययन मण्डल, फाईन आर्ट संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा; सदस्य, कालेज आर्ट्स एसोसिएशन, यूएसए; और इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एस्थेटिक्स के कार्यकारी मंडल पर लार्ज (इण्डिया) शिष्टमण्डल के सदस्य।
- कविता सिंह, सदस्य, हाईलेवल विजन कमेटी फार द बाइसेंचुरी सेलिब्रेशन आफ इण्डियन म्यूजियम, कोलकाता; सदस्य, बोर्ड आफ ट्रस्टी आफ इण्डियन म्यूजियम; अध्यक्ष, आर्ट हिस्ट्री टीचिंग ऐंड रिर्सोसिस ट्रस्ट, बंगलौर।
- सावंत शुक्ल, सदस्य, अध्ययन मण्डल, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ मारिशस, मोका, मारिशस; सदस्य, संचालन समिति, नेहू, शिलांग और सदस्य, चयन समिति संस्कृति फाउंडेशन का संस्कृति पुरस्कार।
- रंजनी मजूमदार, सेज द्वारा 2009 से प्रकाशित 'बायोस्कोप' पत्रिका के सहयोगी सम्पादक, सदस्य, फिल्मशार्ट लिस्टिंग कमेटी आफ दूरदर्शन; सदस्य, दिल्ली स्कूल आफ सोशिओलाजी इंटरनेशनल एथनोग्राफिक फिल्म फेस्टिवल एडवाइजरी कमेटी; मीडियास्ट्रोम के फाउंडर सदस्य, राजनीतिक वृत्तचित्रों के निर्माण एवं वितरण में संलग्न 6 महिला फिल्म निर्माताओं का संगठन, सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ कल्चरल स्टडीज, ब्रमिंघम, यू.के. और सोसायटी फार सिनेमा ऐंड मीडिया स्टडीज, यू.एस.ए.।
- एन.पी. आहूजा, सदस्य, सोसायटी आफ साउथ एशियन स्टडीज, यू.के.; फेलो, रायल एशियटिक सोसायटी, लंदन; सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स, रेलिगारे आर्ट्स इनिशिएटिव, नई दिल्ली।
- वाई.एस. अलोन, इण्डियन सोसायटी फार प्री–हिस्टोरिक ऐंड क्वार्टनरी स्टडीज; सदस्य, सोसायटी आफ साउथ एशियन आर्कियोलाजी, पुणे; सदस्य, अध्ययन मण्डल, डिपार्टमेंट आफ आर्ट हिस्ट्री, फैकल्टी आफ फाइन आर्ट्स, जामिया मिल्लिया इस्लामिया; सदस्य, रिसर्च कमेटी, एम.एफ.ए. बाई रिसर्च प्रोग्राम, बाम यू., औरंगाबाद और सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, द जर्नल आफ साउथ एशियन आर्कियोलाजी।
- ईरा भास्कर, सदस्य, समीक्षा समिति का सलाहकार मण्डल, फिल्म फेस्टिवल आन आर्ट ऐंड आर्टिस्ट, जतिन दास सेंटर फार द आर्ट्स, नई दिल्ली और भुवनेश्वर; सदस्य, फिल्म शार्ट लिस्टिंग कमेटी आफ दूरदर्शन; सदस्य, प्रीवियु कमेटी फार द इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आफ इण्डिया, इसकी वार्षिक बैठक गोवा में होती है; सदस्य, सोसायटी फार सिनेमा ऐंड मीडिया स्टडीज (यू.एस.ए.)

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- शिव प्रकाश, बहुरूप के लिए लाइफ आफ ग्लेलिओ के उर्दू अनुवाद में निर्माण एवं इसका निदेशन किया। इस फिल्म को वर्ष 2007 के दौरान दिल्ली में निर्मित 8 सर्वोत्तम फिल्मों में से एक के रूप में चुना गया और इसे मई 2009 में साहित्य कला परिषद उत्सव में प्रदर्शित किया गया।
- पारूल दवे मुखर्जी, गैटी रिसर्च इंस्टीट्यूट और नेशनल कमेटी फार द हिस्ट्री आफ आर्ट, यूएसए द्वारा फरवरी 2009 में सी.ए.ए. सम्मेलन और गैटी रिसर्च इंस्टीट्यूट, ला, यूएसए का दौरा स्वीकृत किया गया।
- कविता सिंह को मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट पार्टर ग्रुप की अध्यक्ष चुना गया।

- एन.पी. आहूजा, गैटी रिसर्च इंस्टीट्यूट और नेशनल कमेटी फार द हिस्ट्री आफ आर्ट, यूएसए द्वारा फरवरी 2009 में सी.ए.ए. सम्मेलन और गैटी रिसर्च इंस्टीट्यूट, ला, यूएसए का दौरा स्वीकृत किया गया।
- एन.पी. आहूजा को जून–जुलाई 2009 के दौरान सेंट एंटनी'स कालेज में एशमोलीन द्वारा संग्रहीत एनशिएंट इण्डियन आर्ट संग्रह पर शोध कार्य करने के लिए आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी (एश्मोलीन म्यूजियम) द्वारा रिसर्च फेलोशिप प्रदान की गई।
- रंजनी मजूमदार को ग्रीष्मकाल 2008 के दौरान यूनिवर्सिटी आफ वेस्टमिनिस्ट, लंदन, यू.के. से सम्बद्ध ब्रिटिश अकादमी (बी.ए.)/इकोनामिक ऐंड सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (ई.एस.आर.सी.) की विजिटिंग स्कालर चुनी गईं।
- रंजनी मजूमदार को 'आनंद केनटिश कुमार स्वामी' बुक अवार्ड आफ द एसोसिएशन आफ एशियन स्टडीज के लिए यूनिवर्सिटी आफ मिनिसोटा प्रेस द्वारा नामित किया गया, 2009, यूएसए।
- रंजनी मजूमदार को 'कैथरीन सिंगर कोवाक्स' बुक अवार्ड आफ द एसोसिएशन आफ एशियन सोसायटी फार सिनेमा ऐंड मीडिया स्टडीज, यूएसए द्वारा यूनिवर्सिटी आफ मिनिसोटा प्रेस द्वारा नामित किया गया।
- बिष्णु प्रिय दत्त को नवम्बर–दिसम्बर 2008 में 'इंग्लिश एक्ट्रेस इन इण्डिया (1789–1842)' विषय पर यू.के. में शोध कार्य करने के लिए चार्ल्स वालेस फेलोशिप प्राप्त हुई।

अन्य कोई सूचना

फील्ड ट्रिप

- एन.पी. आहूजा ने अक्टूबर 2008 में जेएनयू के एम.ए. छात्रों, काबुल म्यूजियम के क्यूरेटरों और वियना यूनिवर्सिटी के विजिटिंग प्रोफेसर को मार्ट, सोंख और मथुरा के प्री–कुशान और कुशान साइट के लिए फील्ड ट्रिप आयोजित किया।

प्रदर्शनी और उत्सव/सम्मेलनों का आयोजन

- कविता सिंह, सावंत शुक्ला और नमन आहूजा ने दिसम्बर 2008 – मई 2009 के दौरान देवी आर्ट फाउंडेशन, गुड़गांव में संस्थान के छात्रों की कलाकृतियों के साथ 'वेयर इन द वर्ल्ड : कनटेम्पोरेरि इण्डियन आर्ट इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संयुक्त प्रदर्शिनी का आयोजन किया।
- ईरा भास्कर ने न्यूयार्क यूनिवर्सिटी'स न्यू इंस्टीट्यूट के लिए आबू दाबी में आए 26 फरवरी – 20 मार्च 2009 के दौरान आयोजित द मुस्लिम कल्चर्स आफ बाम्बे सिनेमा पर फिल्म महोत्सव में न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रिचर्ड एलेन के साथ सहक्यूरेटर और सह निर्देशक के रूप में सहयोग किया।
- ईरा भास्कर ने न्यूयार्क यूनिवर्सिटी आबू दाबी इंस्टीट्यूट में 20–21 मार्च 2009 को आयोजित 'इस्लामिकेट कल्चर्स आफ बाम्बे सिनेमा' विषयक सम्मेलन में न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के प्रो. रिचर्ड एलेन के साथ सह–निदेशक के रूप में सहयोग किया।
- सावंत शुक्ल ने गायत्री सिन्हा द्वारा अनंत आर्ट में क्यूरेट की गई 'द स्वीट लाइफ इन म्यूटेंट ब्यूटी' विषयक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

जवाहरलाल नहेरू विश्वविद्यालय भारत के उन पहले 6 विश्वविद्यालयों में से एक है जिसने वर्ष 1985 में जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्नातकोत्तर शिक्षण और शोध पाठ्यक्रम शुरू किए। यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 1985 से यह संस्थान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के जैव–प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित जैव–प्रौद्योगिकी के एक विशेष केन्द्र के रूप में कार्य कर रहा था। इसकी शुरूआत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन विकसित करने के उद्देश्य से की गई ताकि देश में मानव संसाधनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित मानव–शक्ति उपलब्ध कराई जा सके। जैव प्रौद्योगिकी के अन्तरराष्ट्रीय संवर्धन, जीवन के सामान्य क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोग और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के शिक्षकों के महत्त्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने वर्ष 2006 में जैव प्रौद्योगिकी विशेष केंद्र को जैव प्रौद्योगिकी संस्थान में परिवर्तित करने का निर्णय लिया। पिछले वर्षों में जेएनयू के जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम ने शिक्षण और शोध के स्तर पर इसे एक अग्रणी शिक्षण कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया है। संस्थान के शिक्षकों द्वारा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए शोध के मौलिक और अनुप्रयुक्त पक्षों में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

संस्थान निम्नलिखित विशेषीकृत क्षेत्रों में शोध कार्य चलाता है :

- मोलक्यूर बायोलाजी आफ इनफेक्शस डिसीजिस
- इम्यूनोलाजी आफ इनफेक्शस डिसीजिस
- ट्रांसक्रिप्शन ऐंड ह्यूमन बायोलाजी
- ट्रांसक्रिप्शन कंट्रोल ऐंड जीन रेग्यूलेशन
- प्रोटीन स्टेबिलिटी, कनफर्मेशन ऐंड फोल्डिंग
- बायो प्रोसेस मानिटरिंग ऐंड माडलिंग आफ रिकम्बिनेंट कल्चर्स; मेटाबोलिक इंजीनियरिंग ऐंड स्केल अप आफ रिकम्बिनेंट प्रोटींस
- मोलक्यूलर बायोफिजिक्स, स्ट्रक्लचरल ऐंड कंप्युटेशनल बायोलाजी
- बायोकेमिकल इंजीनियरिंग
- वायरस मिडिएटिड सिग्नल ट्रांसडक्शन
- मोलक्यूलर सेल बायोलाजी
- रिकम्बिनेंट डी.एन.ए. टेक्नोलाजी ऐंड सेल बायोलाजी आफ जेनटिक डिसार्डर

शोध सुविधाएं

संस्थान में जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान के आधुनिक क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए महत्त्वपूर्ण यंत्रीकरण सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें शामिल हैं :

- केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाएं
- जी.एल.पी. स्टेण्डर्ड की रिकाम्बिनेंट प्रोडक्ट डिवलपमेंट सुविधाएं
- स्पेक्ट्रोस्कोपी सुविधा
- प्रोडक्शन माइक्रोकलोरिमेट्रिक सुविधा
- माइक्रोस्कोपिक सुविधा
- प्रोटीन प्रोडक्शन ऐंड प्यूरिफिकेशन सुविधा
- बायोसेफ्टी लेवल 3 सुविधा (स्थापित की जा रही है)

वर्ष 2008–2009 के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित व्याख्यान

- डा. विकास के. गोयल, स्टाफ साइंटिस्ट, सिग्नल ट्रांसडक्शन डिविजन, बर्नहम इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल रिसर्च ला जोला, सी.ए., यूएसए ने 1 अगस्त 2008 को 'माडलिंग ह्यूमन मेलानोमा : द वी 600ई माइस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. पंकज अलोन (पी–एच.डी.) यू.सी.डी. स्कूल आफ मेडिसन यू.सी. डेविस, सी.ए. ने 6 अगस्त 2008 को 'फंक्शनल इंप्लिकेशन आफ इ.एल.एफ. 2 जी इन ट्रांसलेशन इनिसिएशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. फ्रेंक होलिंजर, वाइस प्रेजिडेंट कंप्यूटेशन ऐंड इंफार्मेटिक्स स्फाइरा फार्मा प्रा.लि. ने 11 अगस्त 2008 को 'फ्रेगमेंट बेस्ड ड्रग डिजाइन' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. प्रवीण कुमार, डिपार्टमेंट आफ सेल ऐंड टीशू बायोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, सेन फ्रांसिस्को, यूएसए, ने 12 अगस्त 2008 को 'रेग्यूलेशन आफ 'क्लास्प' ऐंड माइक्रोटयूबल डायनेमिक्स बाई जी.एस.के3 बीटा इन प्लानर पोलराइज्ड एपिथेलिअल सेल' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. बिभू जैन, एप्लीकेशन साइंटिस्ट, मिलिपोर इण्डिया प्रा.लि., ने 13 अगस्त 2008 को 'द साइंस आफ वेस्टर्न ब्लाटिंग–ब्लाट इन ए स्नेप' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. श्री प्रकाश पाण्डेय, डिपार्टमेंट आफ प्लांट माइक्रोब इंटरएक्शन मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फार प्लांट ब्रीडिंग रिसर्च ने 5 सितम्बर 2008 को 'मोलक्यूलर रेग्यूलेशन आफ प्लांट प्लास्टिसिटी ड्यूरिंग स्ट्रेस : स्माल आर.एन.ए.एस. विद बिग रोल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. कृष्णामूर्ति नरसिम्हाराव, बायोलाजी डिपार्टमेंट नेशनल लेबोरेट्री, न्यूयार्क, यूएसए, 'हाईथ्रूआउट स्ट्रक्चर डिटर्मिनेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ न्यू प्रोटीन फैमिलीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- देवाशीष रथ, मोलक्यूलर बायोलाजी डिविजन, भाभा आटोमिक रिसर्च सेंटर, मुम्बई, ने 20 नवम्बर 2008 को 'एबसेंस आफ सी.एस.पी.सी. प्रोटीन कनफर्स ग्रोथ एडवोटेज टु ई. कोली के 12 स्ट्रेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. महेंद्र के. सिंह, फोक्स चेज कैंसर सेंटर, डब्ल्यू 406 टयूमर सेल बायोलाजी प्रोग्राम 333 काटमैन ऐव, फिलाडेल्फिया पी.ए. 19111, ने 11 दिसम्बर 2008 को 'कास फैमिली प्रोटींस ऐंड देअर रेलिवेंस टु कैंसर सेल सिग्नलिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. पंकज गुप्ता, डिपार्टमेंट आफ बायोलाजिकल साइंस, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, ने 22 दिसम्बर 2008 को 'करेक्ट्राइजेशन आफ एम.डी.ए.–7/आई.एल.–24, ए प्रोमिसिंग केंडिडेट फार कैंसर जीन थैरपी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. हेनरीक हासकान, सी.ए.पी.पी. डेनमार्क, ने 21 जनवरी 2009 को 'आटोमेशन आफ लिक्विड हेडलिंग सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. ग्लेनिस मैथ्यू मेहरा, टेक्नीकल डायरेक्टर, सेफलेब, न्यूयार्क, यूएसए, ने 3 फरवरी 2009 को 'आर.एन.ए. 1 ऐंड एक्सप्रेशन नाकडाउन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. पाल लेहमन, सी.ई.ओ. सी.टी.एल.; यूएसए ने 25 फरवरी 2009 को 'एलिस्पोट टेक्नीक फार मानिटरिंग टी. सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. टी.पी. सिंह, प्रतिष्ठित बायोटेक्नोलाजिस्ट, एम्स, नई दिल्ली ने 26 फरवरी 2009 को एस.बी.टी. की मासिक संगोष्ठी सीरीज 26 में 'हाई–थ्रूपुट प्रोटीन स्ट्रक्चर डिटर्मिनेशन ऐंड स्ट्रक्चर – बेस्ड लिजेण्ड डिजाइन : फ्यूचर आफ न्यू ड्रग डिसकवरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. लालजी सिंह, निदेशक, सेंटर फार सेल्यूलर ऐंड मोलक्यूलर बायोलाजी, हैदराबाद, ने 30 मार्च 2009 को एस.बी.टी. मासिक संगोष्ठी व्याख्यान 'जैनटिक डायवर्सिटी इन इण्डियन पाप्यूलेशन ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस इन हैल्थ ऐंड डिसीज' विषयक व्याख्यान दिया।

वर्ष 2008–2009 के दौरान संस्थान में आए विद्वान

- 8 अगस्त 2008 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एक विशेषज्ञ टीम ने विश्वविद्यालय की 11वीं पंच वर्षीय योजना की अपेक्षाओं की समीक्षा करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी संस्थान सहित विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों एवं केंद्रों का दौरा किया।
- आस्ट्रेलियन एज्यूकेशन इंटरनेशनल के एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 9 सितम्बर 2008 को संस्थान का दौरा किया।
- प्रो. क्रिस्टोफर, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट आफ मेडिकल बायोटेक्नोलाजी – फाइंडर्स यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया ने 9 सितम्बर 2009 को संस्थान का दौरा किया।
- म्यानमार, श्रीलंका, फिलिपाइंस, थाईलेण्ड और इथोपिया जैसे देशों के एक शिष्टमंडल ने 23 अक्टूबर 2008 को संस्थान का दौरा किया।
- जर्मन रेक्टर्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष प्रो. डा. मार्गेट विंटरमेंटल ने 4 फरवरी 2009 को संस्थान का दौरा किया।

- प्रो. डा. डब्ल्यू.ई. हेनिक, फेकल्टी आफ फारमेस्युटिकल साइंसिस, डिपार्टमेंट आफ फारमेस्युटिक्स, ने 4 फरवरी 2009 को संस्थान का दौरा किया।
- माधुरी ककराला, एम.डी., पी–एच.डी., क्लिनिकल लेक्चरर, यूनिवर्सिटी आफ मिचिगन हैल्थ सिस्टम ने संस्थान का दौरा किया।
- माटिया सिला, कांउसलर फार साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, स्विटजरलैण्ड दूतावास, नई दिल्ली, ने संस्थान का दौरा किया।
- डा. आर.एस. द्विवेदी, पूर्व निदेशक, एन.आर.सी.जी., आई.सी.ए.आर., जूनागढ़, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, ने संस्थान का दौरा किया।
- बर्त हैंड्रिक्स, डायरेक्टर, कैथोलिके यूनिवर्सिटी ल्युवेन, बेल्जियम, ने संस्थान का दौरा किया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- आर. भट्ट ने 7–10 जुलाई 2008 को जर्मनी, हिडलबर्ग में आयोजित 'एप्लीकेशन आफ बायोटेक्नोलाजी' विषयक छठवें वार्षिक सम्मेलन में 'केलोरिमिट्रिक इनवेस्टिगेशन आफ स्टेबलाइजेशन आफ द टु–डोमेन प्रोटीन यीस्ट हेक्सोकाइनेस ए बाई ओसमोलाइट्स आफ ग्लाइसिन सीरीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भट्ट ने 22–24 अप्रैल 2008 शेनजेन चीन में आयोजित बीट'स के पहले वार्षिक प्रोटीन/पेपटाइड (पेपकान 2008) विषयक सम्मेलन में 'एनहासिंग रिफोल्डिंग यील्ड्स आफ प्रोटींस यूजिंग स्माल मोलक्यूल कैमिकल चेपरान्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. दीक्षित, प्रभा पी. और आर. सौंद्रारंजन (2008) ने 25–27 सितम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास एम.डी. अंडरसन केंसर सेंटर, हयूस्टन टैक्सास, यूएसए द्वारा आयोजित ल्यूकेमिआ–2008 विषयक चौथे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्रेनुलोसाइटिक डिफ्रेंशिएशन आफ एच.एल. 60 सेल्स फ्रेंक्शनेटिड एम. चरेंसिया एक्सट्रेक्ट ऐंड पासिबल मकेनीज्म आफ एक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. दीक्षित, वी. शर्मा और सी. नरबेनिनांग (2008) ने 10–12 सितम्बर 2008 को विला रिअल (पुर्तगाल) में आयोजित 'एरोमोनास/प्लेसिओमोनास' विषयक 9वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्लोनिंग ऐंड एक्सप्रेशन एरोमोनस हाइड्रोफिला आउटर मैम्ब्रेन प्राटीन (ए.एच.पी. 27)' फार द डिवलपमेंट आफ वैक्सीन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भट्ट ने 4 मार्च 2008 को रसायनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंडो–फ्रेंच सेमिनार आन बायोमोलक्यूलर कैमिस्ट्री' में 'हाउ डज सोल्वेंट एनवायरनमेंट एफेक्ट द स्ट्रक्चर, स्टेबिलिटी ऐंड फोल्डिंग आफ प्रोटींस ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भट्ट ने 12 फरवरी 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रेंड्स इन बायोसाइंसिस' संगोष्ठी में 'बाई स्टडी प्रोटीन फोल्डिंग : ओल्ड इश्यूज ऐंड न्यू चैलेंजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भट्ट ने 22–24 जनवरी 2009 सी.सी.एम.बी. हैदराबाद में आयोजित 'सेल्युलर ऐंड मोलक्यूलर बायोफिजिक्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अंडरस्टेंडिंग सोल्वेंट – मिडिऐटिड प्रोटीन स्टेबिलिटी इफेक्ट्स : स्पेक्ट्रोस्कोपिक ऐंड केलोरिमिट्रिक स्टडीज आन ग्लुकोज ओक्सीडेज इन द प्रजेंस आफ पोलिओन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भट्ट ने 16 जनवरी 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू के जीवन विज्ञान के पुनश्चर्या कोर्स में 'रिसेंट चैलेंजिस इन इनवेस्टिगेटिंग प्रोटीन फोल्डिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भट्ट ने 5–7 जनवरी 2009 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'एडवांस्ड एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन ऐंड एप्लिकेशंस 2009' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'प्रिंसिपल ऐंड एप्लिकेशंस आफ स्टाप्ड फ्लो स्पेक्ट्रोस्कोप टेकनीक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भट्ट ने 13 फरवरी 2009 को आयोजित 'फरंटीयर्स इन मोलक्यूलर मेडिसन' विषयक जेएनयू–उपासला विश्वविद्यालय संयुक्त संगोष्ठी के 'साइंटिफिक सेशन II : में 'प्रोटीन : स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. दीक्षित ने 25–26 सितम्बर 2008 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा के.वी.ए.एफ.एस.यू. कालेज आफ फिशरीज, मंगलौर में आयोजित इण्डो–नावेइयन प्लेटफार्म आन फिश ऐंड शेलफिश वैक्सीन डिवलपमेंट प्रोजेक्ट इनसेप्शन वर्कशाप में भाग लिया।

- एम.एस. रजाला ने 'एम्स' नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'माइक्रोबायोलोजी विंटर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.एस. रजाला ने जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'फरंटीयर्स आफ मोलक्यूलर्स मेडिसन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.एस. रजाला ने जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'एडवांस्ड इंस्ट्रूमेंटेंशन फेसिलिटी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.एस. रजाला ने जेएनयू में आयोजित 'नावल स्ट्रेटिजिस फार टार्गेटिड प्रीवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर. आर्य ने 6–7 मार्च 2009 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'एनुअल रिसर्च फैस्टिवल, बायोस्पार्क एस.एल.एस.' में भाग लिया।
- आर. आर्य ने 5–7 जनवरी 2009 को जेएनयू में आयोजित 'एडवांस्ड इस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी' विषयक कार्यशाल में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. भट्ट ने 18 फरवरी 2009 को एन.डी.आर.आई. करनाल में आयोजित 'प्रोटेमोइक्स ऐंड बायोइनफार्मेटिक्स' विषयक कार्यशाला में 'स्टेबिलाइजिंग प्रोटींस ऐंड प्रोटीन एसेम्बलीज यूजिंग सोलवेंट मिडिऐटिड एप्रोच : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. कार ने 6–9 मार्च को मुम्बई में आयोजित मोलक्यूलर इम्यूनोलाजी फोरम बैठक में 'इम्प्रूव्ड बायोएवेलिबिलिटी एनेबल्स करकुमिन फार्मुलेशन टू क्यूर प्लेजमोडियम योऐली ऐंड प्लेजमोडियम बरगेई इनफेक्शन इन माइस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. कार ने 22–24 दिसम्बर 2008 को मुम्बई में आयोजित 'लाइफ साइंस सिम्पोजियम बी.ए.आर.सी.' में 'करकुमिन नेनोपार्टिकल्स वेन फेड ओरली क्यूर्स प्लेजमोडियम योऐली इनफेक्शन इन माइस' विषयक व्याख्यान दिया।
- उत्तम पति ने यूनिवर्सिटी आफ वियना, आस्ट्रिया में एक व्याख्यान दिया, 2009
- उत्तम पति ने 2009 में हिसार विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान दिया।
- उत्तम पति ने किट यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल सिम्पोजिम आफ बायोलाजिकल साइंस, 2008 में एक व्याख्यान दिया।
- एस. तिवारी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली में आयोजित एज्यूकेशनल कम्युनिकेशन विषयक संगोष्ठी में 'सेल कम्युनिकेशन इन एनिमल्स' विषयक व्याख्यान दिया।

मंडलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- राजीव भट्ट, सदस्य, अध्ययन मण्डल, इंटरडिसिप्लीनरी बायोटेक्नालाजी यूनिट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ; सदस्य, अध्ययन मंडल, सेंटर फार इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बैसिक साइंसिस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, डाक्टरल कमेटी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्युनोलाजी, नई दिल्ली, 'एम्स' और आई.आई.टी., नई दिल्ली; सदस्य, इण्डो–जर्मन टास्क फोर्स फार कोलोब्रेशन प्रोजेक्ट, डी.बी.टी, नई दिल्ली; सदस्य, साइंटिस्ट ऐंड स्टाफ सलेक्शन कमेटी, एन.आई.आई., नई दिल्ली।
- राकेश भटनागर, सम्पादक, इण्डियन जर्नल बायोटेक्नोलाजी; सम्पादक, इण्डियन जर्नल आफ माइक्रोबायोलाजी; समीक्षक, एप्लाइड माइक्रोबायोलाजी ऐंड बायोटेक्नोलाजी; समीक्षक, मोलक्यूलर फार्माकोलाजी; समीक्षक, अचीवर आफ बायोकेमिस्ट्री ऐंड बायोफिजिक्स; समीक्षक, एफ.ए.एस.इ.बी. जर्नल; आजीवन सदस्य, इण्डियन इम्युनोलाजी सोसायटी आफ इण्डिया; कार्यपालक सदस्य, आल इण्डिया बायोटेक एसोसिएशन, नई दिल्ली; सदस्य, टीचिंग एडवाइजरी कमेटी, 'एम्स' नई दिल्ली; सदस्य, अमेरीकन सोसायटी फार सेल बायोलाजी; सदस्स, अमरीकन सोसायटी आफ माइक्रोबायोलाजी; सदस्य, इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च कमेटी, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, नई दिल्ली; सदस्य, सर्च–कम–सलेक्शन कमेटी फार द अवार्ड आफ एसोसिएटशिप फार स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग आफ यंग साइंटिस्ट इन नाइस एरियाज आफ बायोटेक्नोलाजी, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नालाजी, नई दिल्ली; सदस्य, वैक्सीन ऐंड डायग्नोस्टिक टास्क फोर्स, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, नई दिल्ली; सदस्य, डी.बी.टी. – यू.जी.सी. टास्कफोर्स आन ह्यूमन रिर्सोस डिवलपमेंट, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, नई दिल्ली; सदस्य, स्क्रिनिंग कमेटी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एनिमल बायोटेक्नोलाजी, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, नई दिल्ली; सदस्य, टेक्नीकल स्क्रिनिंग कमेटी, सेंटर फार सेल्युलर ऐंड मोलक्यूलर बायोलाजी, हैदराबाद; और सदस्य, सलाहकार समिति, श्री वैंकटेश्वरा कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

- उत्तम पति, सदस्य, नेशनल बोर्ड आफ एक्रिडिटेशन; सदस्य, आई.सी.एम.आर. रिव्यु कमेटी; सदस्य, यूजीसी रिव्यु कमेटी; सदस्य, ए.आई.सी.टी.ई. रिव्यु कमेटी; सलाहकार, जिनोम इण्डिया इंटरनेशनल; सदस्य, पी.एच.डी. कमेटी; संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट; सदस्य, पी.एच.डी. कमेटी, न्यूरोलाजी, 'एम्स'; और सदस्य, पी.एच.डी. कमेटी, किंग जार्ज मेडिकल कालेज, लखनऊ।
- अपर्णा दीक्षित, सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मैरीन बायोटेक्नोलाजी की स्थापना के लिए एक विस्तृत परियोजना तैयार करने के लिए गठित समिति; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली; विशेषज्ञ सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली की ओर से बायोटेक्नालोजी कर्सोटियका इण्डिया लि. द्वारा लघु उद्योग अनुसंधान प्रयासों के अन्तर्गत परियोजना तैयार करने के लिए गठित समीक्षा समिति; सदस्य, टास्क फोर्स आन एक्वा कल्चर ऐंड मैरीन बायोटेक्नोलाजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी आन रिर्सोस – स्पेसिफिक नेटवर्क प्रोग्राम, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली; विशेषज्ञ सदस्य, समीक्षा दल, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ फ्रेशवाटर एक्वा कल्चर, भुवनेश्वर। इसका गठन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान में किया गया। विशेषज्ञ सदस्य, रिसर्च एडवाइजरी कमेटी, नेशनल ब्यूरो आफ फिश जैनेटिक रिर्सोसिस, लखनऊ; विशेषज्ञ सदस्य, सलाहकार समिति, एम.एस–सी. बायोटेक्नोलाजी कार्यक्रम, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद; विशेषज्ञ सदस्य, सलाहकार मण्डल, एम.एस–सी. प्रोग्राम इन मोलक्यूलर ऐंड ह्यूमन जैनेटिक, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; विशेषज्ञ सदस्य, साइंटिफिक ऐंड रिसर्च एडवाइजरी कमेटी, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी ऐंड मोलक्यूलर मेडिसन, पं. बी.डी. शर्मा पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसिस, यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साइंस, रोहतक; विशेषज्ञ सदस्य, स्क्रिनिंग कमेटी, जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर कोर्स और अल्पावधि प्रशिक्षण कोर्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली; विशेषज्ञ सदस्य, सेल बायोलाजी कोर्स संशोधन के लिए गठित समिति, विज्ञान संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, यूनिवर्सिटी स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी, गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली; बाह्य विशेषज्ञ सदस्य, प्रोजेक्ट सलेक्शन कमेटी, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, विशेषज्ञ समिति शोध/संगोष्ठियों/सम्मेलनों के प्रस्तावों का मूल्यांकन हेतू गठित समिति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली; सदस्य, सोसायटी आफ बायोलाजिकल कैमिस्ट्स, इण्डिया; सदस्य, इण्डिया वुमन साइंटिस्ट्स एसोसिएशन; और सदस्य, सोसायटी आफ सेल बायोलाजी, इण्डिया।
- के.जे. मुखर्जी, सदस्य, सोसायटी आफ जनरल माइक्रोबायोलाजी, यू.के.; सदस्य, अध्ययन मण्डल, गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी, भोपाल; और एसोसिएट सदस्य, सीनियर कम्बिनेशन रूम (सीनियर फेलो) गोनविले ऐंड कैअस कालेज, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यू.के.।
- एस.एस. मैत्रा को इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ कैमिकल इंजीनियर्स कके सदस्य।
- एम.एस. राजाला, सदस्य, यूनिवर्सिटी अकादमिक काउंसिल।

पेटेंट्स फाइल किए

- एस.के. कार – करस्यूमिन नेनोपार्टिकल्स ऐंड मैथड्स आफ प्रोड्यूसिंग द सेम
- आर आर्य हीट्रोलोगस एक्सप्रेशन ऐंड प्यूरिफिकेशन आफ ह्यूमन एस.वाई.के. काइनेस इन डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोडियम, इण्डियन एप्लीकेशन नं 417/डीईएल/2009, 4–3–2009

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1975 में कंप्यूटर विज्ञान में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ हुई। यह देश में एम.सी.ए. पाठ्यक्रम शुरू करने वाले पहले कुछ संस्थानों में से एक है। संस्थान कंप्यूटर के क्षेत्र में स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम यानी एम.टेक. (एम.फिल.) और पी–एच.डी. शोध पाठ्यक्रम भी चलाता है। प्रत्येक वर्ष लगभग एम.सी.ए. (46) और एम.टेक (31) पाठ्यक्रमों की कुल 77 सीटों के लिए लगभग दस हजार उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में बैठते हैं। इस तरह पूरे देश से सर्वोत्तम एवं प्रतिभाशाली छात्र हमारे संस्थान में प्रवेश लेते हैं। संस्थान के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों की धीरे–धीरे बढ़ रही संख्या इसके पाठ्यक्रमों के महत्त्व, विशिष्टता और लोकप्रियता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। इसी तरह की प्रवृत्ति पड़ौसी देशों और अन्य देशों से प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के संबंध में भी झलकती है।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को समाज और उद्योग–जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है। इस तरह संस्थान अपने छात्रों को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। कोर्स और पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए जाते हैं जिनमें अन्तरविषयक कोर्स के साथ–साथ सैद्धान्तिक और प्रायोगिक पक्षों को भी कवर किया जाता है। इस तरह की कोर्स संरचना से छात्र अपने कैरियर के लिए सूचना प्रौद्योगिकी या उच्च शैक्षिक अध्ययन के क्षेत्रों को चुन सकते हैं। संस्थान से उपाधि प्राप्त करने के बाद हमारे छात्र सूचना प्रौद्योगिकी जगत में प्रवेश करने या खुले बाजार में नौकरियां पाने के लिए पूर्णतः सक्षम हैं। संस्थान, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों के लिए परम्परागत और विशेष कोर्स भी चलाता है।

कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हो रहे नवीनतम विकास से छात्रों को अवगत कराने के लिए समय–समय पर संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। यह बहुत गर्व और महान उपलब्धि की बात है कि हमारे छात्रों ने भारत और विदेशों के उद्योगों में संस्थान के नाम को ऊँचा किया है जो इस तथ्य की पुष्टि करता है कि यह संस्थान देश की अग्रणी संस्थानों में से एक है। संस्थान से एम.सी.ए. और एम.टेक उपाधि प्राप्त करने के बाद छात्रों ने अग्रणी साफ्टवेयर कंपनियों में नौकरियां प्राप्त कीं।

संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान ने 8–9 दिसम्बर, 2008 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'मेथड्स ऐंड मॉडल्स इन द कंप्यूटिंग (एनसीएम^2 सी) विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह संस्थान द्वारा आयोजित तीसरा सम्मेलन है। इस सम्मेलन का उद्देश्य कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों विशेषकर कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरी क्षेत्रों के शोधार्थियों को परस्पर विचारों के आदान–प्रदान के लिए मंच उपलब्ध कराना था। सम्मेलन की विषय–वस्तु कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हुए विकास की जानकारी हासिल करते हुए अन्तरविषयक शोध की संभावनाओं का पता लगाने की दृष्टि से काफी विस्तृत थी। सम्मेलन के लिए देश ार में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत शोधार्थियों से अनेक आलेख प्राप्त हुए और इनमें से चुने हुए आलेखों को सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित किया गया। आलेखों की विषय–वस्तु के आधार पर सम्मेलन को तीन विस्तृत क्षेत्रों में बांटा गया – साफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर सिस्टम्स ऐंड नेटवर्क्स, और डाटाबेस। सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में आमंत्रित वक्ताओं में कंप्यूटर विज्ञान जगत के जाने–माने देश–विदेश के शिक्षाविद और प्रोफेशनल शामिल थे। इन तकनीकी सत्रों में विचारों का आदान–प्रदान हुआ। इसमें छात्रों, शोधार्थियों, उद्योग जगत के व्यवसायियों और शिक्षाविदों ने पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया।

छात्रों द्वारा आयोजित तकनीकी समारोह

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान के छात्रों ने 17–18 जनवरी, 2009 को टेक्नोफिलिया–2009 आयोजित किया। संस्थान द्वारा यह महोत्सव तीसरी बार मनाया जा रहा है। कुल मिलाकर इसमें आई.आई.टी., रूड़की, आई.आई.टी. दिल्ली, आई.आई.सी. दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया हमदर्द जैसे 20 ख्यातिप्राप्त संस्थानों से 39 टीमों ने भाग लिया। इसमें छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाता है। इस महोत्सव में लिनक्स प्लेटफार्म पर सी++ लैंग्युवेज टेक्नीकल क्विज, डिबगिंग चैलेंज, वेबसाइट डिजाइनिंग, एल्गोरिदम डिजाइनिंग, पजल कनटेस्ट के अतिरिक्त कुछ रूचिकर नान–टेक्नीकल गतिविधियां भी आयोजित की गई।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- कर्मेषु ने 14 जनवरी 2009 को वी.एम.ए.एस. इंजीनियरिंग कालेज, आगरा में आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेस आफ माडलिंग आफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजिकल प्रोब्लम तथा 9थ बाइएनियल नेशनल कांफ्रेंस आफ इण्डियन सोसायटी आफ इंडस्ट्रियल ऐंड एप्लाइड मैथमेटिक्स' में भाग लिया।

- कर्मेषु ने 30 मार्च 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'रिसेंट ट्रेंड्स इन मैथमेटिक्स ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- के.के. भारद्वाज ने 15–16 जनवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ कंप्यूटर साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, लिंगाया'स इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट ऐंड टेक्नोलाजी, फरीदाबाद, हरियाणा में आयोजित 'साफ्ट कंप्यूटिंग ऐंड आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंसी (एन.सी.एस.सी.ए.आई.–09)' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- के.के. भारद्वाज ने 13–14 जनवरी को आई.डी.सी. फाउंडेशन में आयोजित 'माडर्न ट्रेंड्स इन आई.टी.' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. बालासुंदरम ने 26–28 सितम्बर 2008 को आयोजित 'मैथमेटिकल टेकनीक्स : इमर्जिंग पैराडिग्मस फार इलेक्ट्रोनिक्स ऐंड आई.टी. इंडस्ट्रीज' विषयक दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. बालासुंदरम ने 12–14 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सोनझाारिया मिंज ने दिसम्बर 2008 में आयोजित 'पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डी.के. लोबियाल ने 8–9 दिसम्बर 2008 में आयोजित 'मैथड्स ऐंड माडल्स इन कंप्यूटिंग' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक थे।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 7–10 जुलाई 2008 को फ्लोरिदा, यूएसए में आयोजित 'हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग नेटवर्क ऐंड कम्युनिकेशन सिस्टम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 12–14 दिसम्बर 2008 को इण्डिया हेबिटेट सेंटर, दिल्ली में आयोजित 'पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 6–7 फरवरी 2009 को ए.बी.ई.एस. इंजीनियरिंग कालेज, गाजियाबाद में आयोजित 'एडवांस्ड कंप्यूटिंग ऐंड कम्युनिकेशन टेक्नोलाजी' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. अग्रवाल ने 12–14 दिसम्बर 2008 को इण्डिया हेबिटेट सेंटर, दिल्ली में आयोजित 'पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. अग्रवाल ने 16–19 दिसम्बर को भुवनेश्वर में आयोजित 'कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स ऐंड इमेज प्रोसेसिंग' विषयक 6ठे भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 21 जून 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'साफ्टवेयर सिक्युरिटी' विषयक वेलिडेशन वर्कशाप में भाग लिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 24–25 अक्टूबर 2008 को हैदराबाद में आयोजित 'क्वांटिटेटिव मैथड्स आपरेशंस ऐंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 8–9 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'मैथड्स ऐंड माडल्स इन कंप्यूटिंग' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 12–14 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 10–11 फरवरी को गाजियाबाद में आयोजित 'डाटा मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 12–13 मार्च 2009 को गाजियाबाद में आयोजित 'इनफार्मेशन टेक्नोलाजी ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- जाहिद राजा ने 12–14 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- अदिति शरण ने 16–18 जुलाई 2008 को नागपुर में आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक पहले आई.ई.ई.ई. प्रायोजित सम्मेलन में भाग लिया।
- अदिति शरण ने 10–11 फरवरी 2009 को आई.एम.टी. गाजियाबाद में आयोजित 'डाटा मैनेजमेंट' विषयक दूसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- कर्मेषु ने 14 दिसम्बर 2008 को दयालबाग एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा में आयोजित 'क्वांटम ऐंड नेनो कंप्यूटिंग सिस्टम्स ऐंड इट्स एप्लीकेशंस' विषयक इण्डो–यूएस एडवांस्ड स्कूल में 'क्लासिकल इनफोर्मेशन सिस्टम्स वर्सिस क्वांटम इंफोरमेंशन सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 24 दिसम्बर 2008 को एम.डी.आई., गुड़गांव में 'कंटीन्युअस टाइम फाइनेंस माडलिंग फेकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 5 जनवरी 2009 को इण्डियन साइंस कांग्रेस, शिलांग में 'पावर ला बिहेवियर इन कम्युनिकेशन नेटवर्क्स : परफार्मेंस माडलिंग ऐंड क्वालिटी आफ सर्विस' विषयक प्लैटिनम जयंती व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 14 जनवरी 2009 को बी.एम.ए.एस. इंजीनियरी कालेज में आयोजित '9थ बाइएनियल नेशनल कांफ्रेस आफ इण्डियन सोसायटी आफ इंडस्ट्रियल ऐंड एप्लाइड मैथमेटिक्स' और 'माडलिंग आफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजिकल प्राब्लम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्टडी आफ इफेक्ट आफ लांग रेंज डिपेंडेंस आफ पाकेट ट्रेफिक इन कम्युनिकेशन नेटवर्क टी–सोलिस एंट्रोपी फ्रेमवर्क' शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 19 फरवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ ट्रेनिंग प्रोग्राम इन बायोइनफार्मेटिक्स, कंप्यूटर साइंस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'एप्लिकेशंस आफ प्रोबेब्लिटिक एप्रोचिस टु इनफार्मेशन थीअरि इन बायोइनफार्मेटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 28 फरवरी 2009 को जे.पी. इंस्टीट्यूट टेक्नोलाजी यूनिवर्सिटी, नोएडा, में 'एंट्रोपी ऐंड मैक्सिमम एंट्रोपी फ्रेमवर्क फार स्टडी आफ प्रोबेबिलिस्टिक सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 4 मार्च 2009 को सेंटर फार इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसिस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'माडलिंग बायोलाजिकल सिस्टम्स : सम कंप्यूटेशनल एप्रोच' विषयक व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने भास्कराचार्य कालेज, द्वारका, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'बायोइंफार्मेटिक्स एन इन सिलिको एप्रोच टु बायोलाजी' विषयक संगोष्ठी में 'इनफार्मेशन थीअरि ऐंड कंप्यूटेशनल बायोलाजी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 30 मार्च 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'रिसेंट ट्रेंड्स इन मैथमेटिक्स ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंटेग्रेटिड ब्राडबैंड नेटवर्क्स ऐंड क्वालिटी आफ सर्विसिस – टीसेलिस एंट्रोपी फ्रेमवर्क' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.के. भारद्वाज ने 15–16 जनवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, लिंगाया'स इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट ऐंड टेक्नोलाजी, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा आयोजित 'साफ्ट कंप्यूटिंग ऐंड आर्टिफिशल इंटेलिजेंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'हेरारकिकल सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स (एच.सी.पी.आर.एस) सिस्टम–ए फ्रेमवर्क फार इंटेलिजेंट सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.के. भारद्वाज ने 13–14 जनवरी 2009 को आई.डी.सी. फाउंडेशन, नई दिल्ली में आयोजित 'माडर्न ट्रेंड्स इन आई.टी.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वैब रिकोमेंडर सिस्टम्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. बालासुंदरम ने 26–28 सितम्बर 2008 को आयोजित 'मैथमेटिकल टेकनीक्स : इमर्जिंग पैराडिग्म्स फार इलेक्ट्रोनिक्स ऐंड आई.टी. इंडस्ट्रीज' विषयक दूसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सालिंग सपोर्ट वेक्टर रिग्रेशन प्राब्लम्स यूजिंग न्यूटॉन मैथड' विषयक व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने अप्रैल 2008 में नेशनल काउंसिल आफ वाई.एम.सी.ए'स गोवा में आयोजित 5वीं नेशनल वुमन एसेम्बली में 'स्ट्राइनिंग टुगेदर फार जेंडर–जस्ट ऐंड जेंडर–सेंसिटिव सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने अक्टूबर 2008 में इण्डियन एग्रीकल्चरल स्टेटिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित 'डाटा माइनिंग इन एग्रीकल्चर' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'डाटा–प्रोसेसिंग फार डाटा–माइनिंग' विषयक व्याख्यान दिया।

- डी.के. लोबियाल ने 28 दिसम्बर 2008 में आई.पी यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 'एनर्जी कंजर्वेशन इन मोबाइल एडहाक नेटवर्क्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.के. लोबियाल ने मई 2008 में आदित्य इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (पोलिटेक्नीक), वसन्त कुंज, नई दिल्ली में 'सेकेण्ड्री स्ट्रक्चर प्रिडिक्शन यूजिंग एन.एल.पी. टेक्नीक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 14 अक्टूबर 2008 को ए.बी.वी. इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, ग्वालियर में आयोजित 'फैकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम आन नेटवर्क टेक्नोलाजी ऐंड वायरलेस नेटवर्क्स' में 'चैनल एलोकेशन इन मोबाइल कंप्यूटिंग यूजिंग जी.ए.' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 24 दिसम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी स्कूल आफ इनफार्मेशन टेक्नोलाजी, गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली में आयोजित 'फैकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम आन मोबाइल ऐंड वायरलेस नेटवर्क टेक्नोलाजी' में 'इम्प्रूव्ड जी.ए. फार चैनल एलोकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 6–7 फरवरी 2009 को ए.बी.ईएस. इंजीनियरिंग कालेज, गाजियाबाद में आयोजित 'एडवांस्ड कंप्यूटिंग ऐंड कम्युनिकेशन टेक्नोलाजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'माडीफाइड जेनेटिक एल्गोरिद्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने 25 फरवरी 2009 को भाई परमानंद इंस्टीट्यूट आफ एन.सी.टी. आफ दिल्ली, दिल्ली में आयोजित 'न्यू पैराडिग्म इन कंप्यूटिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में जी. ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने कल्याणी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कालेज, वेस्ट बंगाल में आयोजित टी.ई.क्यू.आई.पी. द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी में 'इमेज प्रोसेसिंग ऐंड इट्स एप्लिकेशन टु जी.आई.एस.' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने सी.डेक मोहाली में 'इंट्रुजन डिटेक्शन यूजिंग साफ्ट कंप्यूटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने इण्डियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूसा रोड, नई दिल्ली में 'सपोर्ट वेक्टर मशीन ऐंड इट्स एप्लिकेशन टु पैटर्न रिकागनिशन प्राब्लम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी.वी. विजय कुमार ने 21 फरवरी 2009 को आयोजित 'वेब टेक्नोलाजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेटिरियलाइजिंग व्युज ओवर द वेब फार बिजनेस डिसीजन मैकिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- अदिति शरण ने आनंद इंजीनियरी कालेज, आगरा में आयोजित 'रिसर्च इश्युज इन साफ्ट कंप्यूटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान अध्येतावृत्तियां

- टी.वी. विजय कुमार (आलोक घोषाल के साथ) को 12–13 मार्च 2009 में आयोजित 'इंफार्मेशन सिस्टम्स टेक्नोलाजी ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत 'ए रेड्यूस्ड लैटीस ग्रीडी एल्गोरिदम फार स्लेक्टिंग मटिरियालाइज्ड व्युज' विषयक आलेख को सर्वोत्तम आलेख का पुरस्कार मिला।

अध्ययन मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- कर्मेषु, अध्यक्ष, कमेटी फार मैथमेटिकल साइंस, सी.एस.आई.आर., नई दिल्ली; सदस्य, स्थायी समिति, नेशनल मिशन फार एज्यूकेशन थ्रू आई.सी.टी., एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली; वाइज प्रेजिडेंट, इण्डियन सोसायटी फार मैथमेटिकल माडलिंग ऐंड कंप्यूटर सिम्युलेशन; सदस्य, सिनेट, आई.आई.टी., रूड़की; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, इंजीनियरिंग, जी.एस.आई.पी. यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
- के.के. भारद्वाज, सदस्य, विद्या परिषद, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानद विश्वविद्यालय), कुतुब इंस्टीट्यूश्नल एरिया, नई दिल्ली।
- एस. बालासुदरम, सदस्य, विद्या परिषद, सेना संचार इंजीनियरी कालेज, महू, मध्य प्रदेश; सदस्य, स्कूल बोर्ड आफ मैथमेटिक ऐंड कंप्यूटर साइंस, पाण्डिचेरी यूनिवर्सिटी, पाण्डिचेरी।
- सोनझारिया मिंज, सदस्य, विद्या समिति, सेना कैडेट कालेज, विंग, आई.एम.ए. देहरादून; सदस्य, मण्डल, इवेंजेलिकल फेलोशिप आफ इण्डिया कमीशंड फार रिलीफ; और सदस्य, प्रबन्धन समिति, गुड समारितन स्कूल (झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए विद्यालय)

- डी.पी. विद्यार्थी, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल आफ कंप्यूटर साइंस ऐंड टेक्नोलाजी (आई.एस.एस.एन. 0973–3019) फ्राम रिसर्च वेस इंटिलेक्चुअल फोरम; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, रिसर्च जर्नल आफ टेलिकम्युनिकेशन ऐंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी (आई.एस.एस.एन 1816–2738) फ्राम इसलनेट पब्लिकेशंस; सदस्य, इंटरनेशनल सोसायटी आफ रिसर्च इन साइंस ऐंड इंफार्मेशन आफ कंप्यूटर साइंस ऐंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी, सिंगापुर (सीनियर); सदस्य, इंटरनेशनल प्रोग्राम कमेटी, इंटरनेशनल कांग्रेस आन पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट, 12–14 दिसम्बर 2008, इण्डिया हेबिटेट सेंटर, लोदी रोड़, नई दिल्ली; सदस्य, इंटरनेशनल प्रोग्राम कमेटी इन कांफ्रेंस आन हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग, नेटवर्क ऐंड कम्युनिकेशन सिस्टम्स 7–10 जुलाई 2008, ओरलांडो, यूएसए।
- आर.के. अग्रवाल, सदस्य, प्रोजेक्ट रिव्यु ऐंड स्टिअरिंग ग्रुप फार प्रोजेक्ट, सी.डेक, मोहाली; सदस्य, प्रोजेक्ट रिव्यु ऐंड स्टिअरिंग ग्रुप फार द प्रोजेक्ट, तेजपुर विश्वविद्यालय; सदस्य, प्रोजेक्ट रिव्यु ऐंड स्टिअरिंग ग्रुप फार द प्रोजेक्ट, मिजोरम यूनिवर्सिटी; सदस्य, आरगेनाइजिंग कमेटी, थर्ड इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन पैटर्न रिकोग्निशन ऐंड मशीन इंटेलिजेंस प्रेमी09 नई दिल्ली, और सदस्य, कार्यक्रम समिति, नेशनल कांफ्रेंस आन कंप्यूटर विजन पैटर्न रिकाग्निशन, इमेज प्रोसेसिंग ऐंड ग्राफिक्स, एन.सी.वी.पी.आई.जी., जयपुर।
- अदिति शरण, सदस्य, कमेटी आफ कोर्सिस (साइंस फैकल्टी), दयालबाग एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूट, मानद विश्वविद्यालय, आगरा।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

पर्यावरण विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1974 में हुई थी। संस्थान, पर्यावरण विज्ञान में एम.एस–सी. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। संस्थान का चरित्र बहुविषयात्मक है। इसमें पर्यावरण के भौतिक, रसायनिक, भू–वैज्ञानिक और जैविक पक्षों पर अध्ययन किया जाता है। संस्थान के शिक्षक (11 प्रोफेसर, 6 एसोसिएट प्रोफेसर और 7 सहायक प्रोफेसर) भू, पर्यावरण, पारिस्थितिकी और जैविक प्रक्रियाओं और मानव जाति के विकास को प्रभावित करने वाले इनके परस्पर प्रभावों की समझ हेतु अपेक्षित रूचि एवं विशेषीकृत जानकारी रखते हैं।

संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्य चार विस्तृत क्षेत्रों से संबंधित हैं :

क्षेत्र–I इसमें सैद्धांतिक भौतिकी, नान लिनियर डायनेमिक्स, गणितीय भौतिकी, खगोल भौतिकी तथा जैविक पद्धतियों के साथ इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेडिएशन और अल्ट्रासाउंड के बायोलाजिकल सिस्टम के पारम्परिक प्रभाव, प्लाज्मा भौतिकी, ध्वनि प्रदूषण और ऊर्जा का अध्ययन पर्यावरण के संबंध में किया जाता है।

क्षेत्र–II इसमें भूवैज्ञानिक भू–भौतिकीय और भू–रसायनिक प्रक्रियाओं, हिम विज्ञान, जैव भूरसायनिक साइक्लिंग, पर्यावरणीय अध्ययन में रिमोट सेंसिंग/जीआईएस तकनीकों का अनुप्रयोग, जल विज्ञान, भू संसाधन प्रबन्धन पर अध्ययन किया जाता है।

क्षेत्र–III इसमें पर्यावरणीय प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के रासायनिक आयाम, बायोफ्यूल्स और बायो रिफाइनरीज, भूरसायनशास्त्र और पर्यावरणीय प्रबन्धन पर अध्ययन किया जाता है।

क्षेत्र–IV इसमें व्यक्तियों और जन समूह के माध्यम से आणविक और कोशिकी स्तर पर जीव–पर्यावरण के परस्पर प्रभावों पर अध्ययन किया जाता है। इसमें विसतार करते हुए अनेक समुदायों और सम्पूर्ण परिस्थितिकी तंत्र, विश्व स्तर पर पर्यावरणीय परिवर्तनों के जैविक और मानवीय आयामों का अध्ययन किया जाता है।

संस्थान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित विशेष सहायता कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित 'फीस्ट' कार्यक्रम और भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय के द्वारा प्रायोजित 'एनविस' केंद्र जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों को लागू करने के साथ अपनी प्रतिष्ठा में वृद्धि की है। शिक्षकों की शैक्षिक गतिविधियों को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। संस्थान के कई शिक्षकों को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और संस्थाओं के प्रतिष्ठित पुरस्कार और अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त हुई हैं। संस्थान के कई शिक्षक केंद्र और राज्य स्तर पर गठित विभिन्न समितियों में शामिल हैं।

संस्थान के शिक्षकों की विभिन्न शोध परियाजनाओं का वित्तपोषण डी.एस.टी; डी.बी.टी.,डी.ओ.डी., यू.जी.सी., आई.सी.एम.आर.सी. एस.आई.आर., एम.ओ.ई.एफ., ग्लोबल एनवायरनमेंट फेसिलिटी, यूनेस्को, एन.आई.सी., डी.टी.आर.एल., एम.ओ.डब्ल्यू.आर. जैसी सरकारी और अन्तरसरकारी संस्थाओं द्वारा किया जाता है। संस्थान की केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाएं छात्रों और शिक्षकों को शोध के लिए आधुनिक किस्म की विश्लेषणात्मक सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं। वर्ष 2008–2009 के दौरान संस्थान की उपलब्धियों का विवरण नीचे प्रस्तुत है :

संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठियां

- ए.एल. रामानाथन ने 17–18 मार्च 2009 को संस्थान में 'इंटाग्रेटिड प्रोग्राम आन डायनेमिक्स आफ ग्लेशियर्स इन द हिमालया'स' विषयक विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा प्रायोजित तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की।
- के.जी. सक्सेना ने 10–11 जनवरी 2009 को जी.बी. पंत इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन एनवायरनमेंटल ऐंड डिवलपमेंट, गढ़वाल यूनिट डेमोंस्ट्रेशन साइट गढ़वाल में ट्रापिकल सायल बायोलाजी और फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट (टीएसबीएफ/यूएनईपी/जीईएफ प्रोग्राम द्वारा प्रायोजित 'हिमालयन बिलोग्राउंड बायो डायवर्सिटी डाटा आरगेनाइजेशन ऐंड एनालिलिस' विषयक केपिसिटी बिल्डिंग कार्यशाला आयोजित की।
- के.जी. सक्सेना, 11 फरवरी 2009 को पर्यावरण अध्ययन संस्थान में आस्ट्रेलिया साझा कार्यक्रम के अन्तर्गत निधि प्राप्त करने के लिए अन्तरविषयक/बहुविषयक संस्थान शोध कार्यक्रम की बहुरूपरेखा करने के लिए शोध ग्रुप की एक बैठक का आयोजन किया।
- के.जी. सक्सेना ने 12–14 जनवरी 2009 को ट्रापिकल सायल बायोलाजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट, द्वारा प्रायोजित 'अर्थवार्म

टेक्सोनामी ऐंड फंक्शनल ग्रुप' विषयक राष्ट्रीय कैपिसिटी बिल्डिंग कार्यशाला संस्थान में आयोजित की।

- के.जी. सक्सेना ने 8–10 अगस्त 2008 को ट्रापिकल सायल बायोलाजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट, नेरोबी द्वारा प्रायोजित 'अर्थवार्म टेक्सोनामी ऐंड इकोलाजी' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला संस्थान में आयोजित की।
- के.जी. सक्सेना ने 15–17 अक्टूबर 2008 को संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालयों द्वारा प्रायोजित और जूलाजिकल सर्वे आफ इण्डिया हाई अल्टीट्यूट रिसर्च स्टेशन, सोलन में आयोजित 'एनवायरनमेंट कंजर्वेशन ऐड सस्टेनेबल लिवलिहूड्स इन द कोल्ड डेजेर्ट रीजन आफ एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- के.जी. सक्सेना ने 4–6 मार्च 2009 को पर्यावरण विज्ञान संस्थान में 'कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट आफ बिलोग्राउंड बायोडाइवर्सिटी' विषयक टीएसबीएफ/यूएनई/जीईई की राष्ट्रीय मानिटरिंग और मूल्यांकन कार्यशाला तथा संचालन समिति की बैठक का आयोजन किया।
- के.जी. सक्सेना ने 1–2 फरवरी 2009 को भुवनेश्वर/संबलपुर में टीएसबीएफ कार्यक्रम की संचालन समिति और राष्ट्रीय परियोजना मानिटरिंग तथा मूल्यांकन कार्यशाला आयोजित की।
- आई.एस. ठाकुर ने 2008 में 'कनटम्पोरेरि एनवायरनमेंटल प्रोब्लम्स ऐंड बायोटेक्नालोजी एप्लिकेशंस इन देअर मैनेजमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

विकसित की गई प्रौद्योगिकी

- आई.एस. ठाकुर, टेनरी एंफ्लुऐंट फार रिमूवल आफ क्रोमियम (सीआर III) बाई फंगस (एस्पर्जिलस निगर फिस्ट1) ऐंड बेक्टेरियम (सिरतिया मेर्कासेंस) ऐंड डिग्रेडेशन आफ बायोसाइड, पेटाक्लोरो फिनाल बाई स्टेबल बेक्टिरिअल कर्सोटियम के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की।
- आई.एस. ठाकुर, पल्प ऐंड पेपर मिल इफ्लुएंट फार रिमूवल आफ कलर बाई फंग्स (बासोक्लेमिससनिविया) ऐंड डिग्रेडेशन आफ क्लोरिनेटिड फिनोल्स बाई अल्कालोफिलिक बैक्टिरिअल कंसोर्टियम के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की।
- आई.एस. ठाकुर, प्रिप्रेशन आफ लैदर बाई एंजाइम टेक्नोलाजी (प्रोटिऐस ऐंड लिपासे) ऐंड 'क्रामियम केक' फार टेनिंग आफ लेदर के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की।
- आई.एस. ठाकुर, प्रिप्रेशन आफ एंटीआक्सीडेंट्स फ्राम मेलानोइडिन–लाइक कंपाउंड्स इन डिस्टिलिरी एफ्लुएंट के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की।
- आई.एस. ठाकुर, प्रोडक्शन आफ बायोइथानोल फ्राम द शुगर केन बागासे वेस्ट आफ मीडियम स्केल पल्प ऐंड पेपर मिल के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की।

पेटेंट : क्लेम जमा किए

- आई.एस. ठाकुर, पेटेंट संख्या – आईपीआर/6.16.1/080105/2007 प्रोसिस फार बायोरिमिडिएशन ऐंड बायोकनवर्जन ऑफ पेंटाक्लोरोफिनोल सब्सटिट्यूट्स ऐंड क्रोमियम इन टैनरी इफ्ल्युएन्ट।
- आई.एस. ठाकुर, पेटेंट संख्या – आईपीआर/4.16.2/08059/2008 बायोलाजिकल प्रोसिस फार डिकलरिजेशन ऐंड डिटाक्सिफिकेशन आफ पल्प ऐंड पेपर मिल इफ्ल्युएन्ट इन स्टेप वाइज सिक्वेंसियल बायोरिएक्टर।
- आई.एस. ठाकुर, पेटेंट संख्या, प्रोसिस फार बायोपल्पिंग ऐंड बायोब्लीचिंग ऑफ बैजस आई क्राइटोकोकस एल्बिडस।
- आई.एस. ठाकुर, पेटेंट संख्या, बायोलाजिकल प्रोसिस फार प्रोडक्शन आफ बायोथेनाल फ्राम बैजस ऑफ पल्पऐंड पेपर मिल एफ्ल्युएन्ट (प्रस्तुत करना है।)

विदेशी अतिथियों के व्याख्यान

- रोडे एच., प्रोफेसर और डायरेक्टर, इटरनेशनल मीटिरिओलाजीकल इंस्टीट्यूट, स्टाकहोम यूनिवर्सिटी, स्टाकहोम, स्वीडन ने 2 दिसम्बर 2008 को 'सोर्सिस, अबेंडेंस ऐंड इम्पेक्ट आफ सूट इन द साउथ एशियन एटमासफियर' विषयक व्याख्यान दिया।
- फिलेण्डर जी नोक्स टेलर, प्रोफेसर, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, साउथ अफ्रीका ने 13 मार्च 2009 को 'हाऊ पालिओ–क्लाइमेट स्टडीज केन इम्प्रूव ग्लोबल वार्मिग फोरकास्ट' विषयक व्याख्यान दिया।

शोध आलेख

- यू.सी. कुलश्रेष्ठा, 'एटमासफरिक डस्ट इन इण्डिया – ए नेचुरल जिओ–इंजीनियरिंग टूल टु काम्बेट क्लाइमेट चैंज, एनविस न्यूजलेटर' एस.ई.एस, जेएनयू, आई.एस.एस.एन–0974–1364 (प्रकाशनाधीन)
- एस. यादव, 'डु क्लीन एनवायरनमेंट एग्जिस्ट ऐनिवेयर ? एनविस, जेएनयू न्यूज लेटर, आईएसएसएन–0974–1364
- एस. यादव और वी.के. जैन, 'एरोसोल्स इन अवर एनवायरनमेंट विद रेफ्रेंस टु बायोजिओकेमेस्ट्री, एनविस, जेएनयू न्यूज लेटर।

मीडिया आलेख

- यू.सी. कुलश्रेष्ठा, जनवरी–फरवरी 2009 में इलोक्ट्रोनिक इंटरव्यू 'हायर एज्यूकेशन' – ओवरवियु, एनवायरनमेंटल साइंस' – द टाइम्स आफ इण्डिया में प्रकाशित हुई।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान और आईएमआई, स्वीडन के बीच अन्तरराष्ट्रीय करार

एटमास्फरिक कैमिस्ट्री पर संयुक्त शोध कार्य के लिए पर्यावरण अध्ययन संस्थान और इंटरनेशनल मिटिअरोलाजिकल इंस्टीट्यूट आफ स्टाकहोम यूनिवर्सिटी, स्वीडन के बीच एक करार पर हस्ताक्षर किए गए। इस करार के अनुसार दो संस्थानों के शिक्षकों और छात्र परस्पर संस्थानों का दौरा एवं शोध कार्य के लिए आ जा सकेंगे।

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाएं द्वारा प्रदान की गई विश्लेषणात्मक सेवाएं

संस्थान में उपलब्ध केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाओं के अन्तर्गत कई आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। तकनीकी स्टाफ – डा. पी.डी. गायकवाड (तकनीकी अधिकारी), श्री बी.डी. शर्मा (वरिष्ठ तकनीकी सहायक) और श्री आर. भारद्वाज (तकनीकी सहायक) संस्थान के शिक्षकों एवं छात्रों को उनके शोध कार्यों के लिए तकनीकी एवं विश्लेषणात्मक तत्परता से सहयोग करते हैं। संस्थान के शिक्षकों द्वारा चलायी जा रही शोध परियोजनाओं के कई नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप परियोजनाओं की रिपोर्ट समय पर जमा की जा सकी। इसके अतिरिक्त, भौतिक विज्ञान संस्थान और जीवन विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्यों और उनकी शोध परियोजनाओं के लिए एएएस, एक्आरडी और यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर इंस्ट्रुमेंटल तकनीकों का प्रयोग करते हुए सहयोग किया। अल्ट्रा सेंट्रिफ्युज, आईस मैकर और मिलीपोर वाटर सिस्टम जैसी सामान्य सुविधाएं भी विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों को मुहैया करायी गई।

राष्ट्रीय / अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- के. मुखोपाध्याय, आई. घोष और कस्तूरी दत्ता ने 27–30 सितम्बर 2008 को हैदराबाद में आयोजित ह्यूमन जिनोम मीटिंग, द इण्डियन जिनोम वेरिएशन कंर्सोटियम विषयक संगोष्ठी में 'एलीले फ्रीक्वेंसी ऐंड हेप्लोटाइप डाइवर्सिटी इन थ्री हयालुरोन मेटाबोलिक जींस इन 24 इण्डियन पाप्युलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. मुखोपाध्याय, पी. कनौजिया और टी. शिरीन ने 26–27 फरवरी 2009 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी, नई दिल्ली में आयोजित दूसरी इण्डियन पेप्टाइड संगोष्ठी में 'इन विट्रो एंटी माइक्रोबायल एक्टिविटी आफ एल्फामिलानोसाइट स्टिम्युलेटिंग हार्मोन अगेंस्ट पोटेंट ह्यूमन पैथाजन केनडिडा अल्बीकेंस' आलेख प्रस्तुत किया।
- के. मुखोपाध्याय और माधुरी, टी शिरीन ने 26–27 फरवरी 2009 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी, नई दिल्ली में आयोजित दूसरी इण्डियन पेप्टाइड संगोष्ठी में 'एंटीमाइक्रोबायल एक्टिविटी आफ एल्फामिलानोसाइट स्टिम्युलेटिंग हार्मोन ऐंट इट्स कार्बोक्सि टर्मिनल फ्रेगमेंट्स अगेंस्ट मेजर ह्यूमन पैथोजेन स्टेफीलोकोकस आर्यिस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भट्टाचार्य ने 23–24 अप्रैल 2008 को विलेज रिसोर्ट, मानेसर में आयोजित 'इनफेक्शस एजेण्ट' विषयक कार्यशाला में 'रेग्यूलेशन आफ राइबोसोमल आर.एन.ए. सिंथेसिस इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका, एच.जैड.आई.' जेएनयू
- एस. भट्टाचार्य ने 13 सितम्बर 2008 को भारतीय विज्ञान अकादमी के तत्वावधान में सेंट जेवियर कालेज, अहमदाबाद में आयोजित 'वुमन केरियर इन साइंस : केरियर इन साइंस' विषयक संगोष्ठी में 'मोलक्यूलर स्टडीज विद एंटामोइबा हिस्टोलिटिका – द काजेटिव एजेंट आफ ह्यूमन एंटामोइबा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भट्टाचार्य ने 4–6 दिसम्बर 2008 को आगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे में आयोजित आल इण्डिया सेल बायोलाजी कांफ्रेंस में एक्युमुलेशन आफ प्री राइबोसोमल आर.एन.ए. इन ग्रोथ – स्ट्रेस्ड एंटामोइबा हिस्टोलिटिका सेल्स : इज ए स्माल आर.एन.ए. इनवाल्वड ?' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस. भट्टाचार्य ने 7–9 फरवरी 2009 को जेएनयू में आयोजित 'बायोइनफार्मेटिक्स आफ इंट्रासेल्यूलर पैथाजंस' विषयक कार्यशाला में यूएस–इण्डिया संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- एस. भट्टाचार्य ने 13–14 फरवरी 2009 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'फ्रंटीयर्स इन मोलक्यूलर मेडिसिन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'पैथाजन बायोलाजी ऐंड रोल आफ न्यूट्रिऐंट्स इन डिसीजिस' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- आई. घोष ने 16–17 जनवरी 2009 को पी.जी.आई.एम.आर., चण्डीगढ़ में आयोजित 'टोबाको कंट्रोल लाज ऐंड रिलेटिड इश्युज इन इण्डिया' (नार्थन रीजन) विषयक रीजनल एडवोकेसी वर्कशाप में 'केन यूथ स्मोकिंग बी प्रीवेंटिड' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. कुमार, वी. गुप्ता पी. चांदना, जे.के. लाडा और पी.के. गुप्ता ने 13–20 जुलाई को मोंट्रियल, कनाडा में 37थ कोर्स पर साइंटिफिक एसेम्बली में मिथेन एमिशन एस्टिमेंट्स फ्राम राइज फील्ड्स यूजिंग ग्राउंड ट्रूथ्स ऐंड जी.आई.एस./आर.एस. एप्रोच फार करनाल इन हरियाणा – इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. कुमार, वी. गुप्ता, एस. सिंह, ए. तिवारी, पी. चांदना, के. कुमार, जे.के. लाडा, आर.के. गुप्ता और पी.के. गुप्ता ने 4–7 फरवरी 2009 को कृषि विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंजर्वेशन एग्रीकल्चर : इनोवेशन फार इम्प्रूविंग एफिशिएंसी, इक्विटी ऐंड एनवारनमेंट' विषयक चौथी विश्व कांग्रेस में 'मिटिगेटिंग मीथेन एमिशन इन रासइ विद रिर्सोस कंजर्विंग टेक्नोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एस. ठाकुर और जी. कौशिक ने 6–8 नवम्बर 2008 को बायोटेक्नोलाजिकल रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया, हैदराबाद में आयोजित संगोष्ठी में 'आइसोलेशन ऐंड प्रोसेस पैरामीटर्स अप्टिमाइजेशन आफ स्ट्रेंस फार डीकलराजेशन ऐंड डिटाक्सिफिकेशन आफ डिस्टिलरी मील एफ्लुऐंट इन सिक्वेंसिएल बायोरिएक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एस. ठाकुर और ए. मिश्रा ने 'करेक्ट्राइजेशन आफ पेंटाक्लोरोफिनाल मोनोआक्सिजिनेस, टेटराक्लोरो–पी.–हाइड्रो क्यूनोन रिडक्टिव डीहालोजिनेस आफ एसिनेक्टोवेक्टर एस.पी. स्ट्रेन आईएसटी3' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एस. ठाकुर, ए. शर्मा, ए. मिश्रा ने 6–8 नवम्बर 2008 को बायोटेक्नोलाजी रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया, हैदराबाद में 'आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ इंट्राडायल रिंग क्लिवेज क्लोरो हाइड्रोलेस एनजाइम इन एसिनेटोबेक्टर एस.पी.आई.एस.टी. 3 फार डिग्रेडेशन आफ पेनटेक्लोरोफिनाल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एस. ठाकुर और एस. श्रीवास्तव ने 6–8 नवम्बर 2008 को बायोटेक्नोलाजी रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया, हैदराबाद में 'हेक्सावेलेंट करोमियम–इंडयूस्ड एपोप्टोसिस इन ह्यूमन हेपाटिक सेल लाइन्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एस. ठाकुर, पी.के. जैशवाल, पी.के. साहनी और एम. गोपाल ने 6–8 नवम्बर 2008 को बायोटेक्नोलाजी रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया, हैदराबाद में 'आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ ए नवल एंथ्रोनाइलेट डिआक्सिजिनेस कम्पोनेंट फ्राम ए डिवेंजोफ्यूरान–डिग्रेडिंग एल्कोफिलिक बैक्टरियम सुडोनोमस एसगिनोसा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एस. ठाकुर, बायोटेक्नोलाजी रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया, हैदराबाद, 2009
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 7–8 जनवरी 2008 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित 'टाइगर्ज डाटा' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 11–12 नवम्बर 2008 को एसोचेम इण्डिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'क्लाइमेट चैंज बिजनेस सस्टेनेबिलिटी ऐंड सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 4 नवम्बर 2008 को पर्यावरण विज्ञान संस्थान में आयोजित 'क्लाइमेट चैंज ऐंड इण्डस्ट्री पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 25 मार्च 2009 को रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, बेलुर मठ, कलकत्ता द्वारा आयोजित 'रोल आफ ग्रीनहाउस गैसिस ऐंड देअर मैनेजमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस मुखर्जी ने 17–19 मार्च 2009 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'प्लेनेट अर्थ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्लेनेट अर्थ चैंजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस मुखर्जी ने 26–29 अगस्त 2008 को यूसीएआर'स सेंटर ग्रीन फैसिलिटी, बाउल्डर, कोलोराडो, यूएसए में आयोजित 'होल हीलिओस्फिर इंटरवल डाटा ऐंड माडलिंग वर्कशाप' विषयक कार्यशाला में 'रिमोट सेंसिंग आफ एनवारयनमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस मुखर्जी ने 16–18 नवम्बर 2008 को लंदन स्कूल आफ इकोनामिक और इंस्टीट्यूट आफ इकोनोमिक ग्रोथ द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'एनवायरनमेंट सस्टेनेबिलिटी ऐंड क्लाइमेट चैंज' विषयक ईएसआरसी–आईसीएसएसआर कार्यशाला में 'सन–अर्थ एनवायरनमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस मुखर्जी और एस.एस. राजपूत ने 7–8 नवम्बर 2008 को डिपार्टमेंट आफ माइनिंग इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट इन माइनिंग इण्डस्ट्रीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में 'मिनरल एक्सप्लोरेशन बाई रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस. इन ए पार्ट आफ रवांडा, अफ्रीका' शीर्षक आलेख प्रकाशित हुआ।
- एस मुखर्जी (पी. श्रीवास्तव और एम. गुप्ता के साथ) 19–22 मार्च 2009 को जयपुर में आयोजित इंटरनेशनल ग्राउंडवाटर कांफ्रेस में 'ग्राउंडवाटर क्वालिटी एसेसमेंट ऐंड इट्स रिलेशन टु एलयूएलसी यूजिंग रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एल. रामनाथन 4 अप्रैल 2008 को 'सिदा' स्वीडन राजदूतावास और 'टेरी' द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित 'कोस्टल' अर्बन सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक इण्डो–स्विडिश कार्यशाला में 'स्टेटस आफ ग्राउंडवाटर क्वालिटी' विषयक परिचर्चा की।
- ए.एल. रामनाथन ने 10–12 सितम्बर 2008 को अन्ना विश्वविद्यालय और एलओआईसीजैड द्वारा अन्ना विश्वविद्यालय में आयोजित 'कोस्टल न्यूट्रिऐंट बजटिंग : एल.ओ.आई.सी.जैड. एप्रोच' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में परिचर्चा की।
- ए.एल. रामनाथन ने 21–24 सितम्बर 2008 लांजाओ चीन में आयोजित 'ग्लेशियर इनवेंट्री' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'ट्रेसर तकनीक्स फार सर्फेस हाइड्रोलाजिकल स्टडीज इन गंगोत्री ग्लेशियर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एल. रामनाथन ने 12–16 जनवरी 2009 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजास्टर मैनेजमेंट नई दिल्ली में आयोजित 'एनवायरनमेंट ऐंड डिजास्टर' विषयक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कोर्स में कोस्टल एनवायनमेंटल सेटिंग्स ऐंड हेजार्डस (इंक्लुडिंग डेलटाइक, एस्टुराइन, स्माल आईसलैण्ड्स)' विषयक परिचर्चा की।
- ए.एल. रामनाथन ने 4–5 मार्च 2009 को सी.जी.डब्ल्यू.बी. भारत सरकार द्वारा आई.ए.आर.आई. नई दिल्ली में आयोजित 'ग्रांउडवाटर' विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला में 'हाइड्रोजिओकैमिकल टूल्स फार आइडेंटिफाइंग द जिओजिनिक सोर्सिस आफ ग्राउंडवाटर इन दिल्ली' विषयक परिचर्चा की।
- ए.एल. रामनाथन ने 15–17 दिसम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी सेंस मलेशिया, पेनांग द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एल. रामनाथन ने 7–14 जुलाई 2008 को एन.आई.एच., रूड़की द्वारा आयोजित 'वाटरक्वालिटी' कार्यशाला–व–प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिचर्चा में भाग लिया।
- ए.एल. रामनाथन 10–12 दिसम्बर 2008 को कुआलालमपुर, मलेशिया में आयोजित 'एनवायरनमेंटल मैनेमेंट ऐंड टेक्नोलाजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला व एक्सपो में आलेख प्रस्तुत किया।
- के.जी. सक्सेना ने 9–16 मार्च 2009 तक यूनिवर्सिटी आफ गोटिंजन, जर्मनी और यूनिवर्सिटी आफ सैम रतुलांगी, इण्डोनेशिया द्वारा मनाडो में आयोजित 'इम्पेक्ट आफ क्लाइमेट चैंज आन बायोडाइवर्सिटी : डज नेचर कंजर्वेशन नीड न्यू स्ट्रेटिजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'एग्रोबायोडावर्सिटी, क्लाइमेट चैंज ऐंड सस्टेनेबल लिवलिहुड' विषयक आलेख प्रस्तुत किया तथा जर्मन अलुमिनी समर स्कूल में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- के.जी. सक्सेना ने 12–18 दिसम्बर 2008 तक नेशनल एग्रीकल्चर ऐंड फारेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी, लुआंग प्राबांग, ला पीपल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक यूनिवर्सिटी, लुआंग प्राबांग, लाओ पीपल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित फील्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम में विषय–विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- के.जी. सक्सेना 17–22 नवम्बर 2008 तक वर्ल्ड एग्रोफोरेस्ट्री सेंटर, नेरोबी में आयोजित 'कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेट आफ बिलोग्राउंड डायवर्सिटी' विषयक जीईएफ/यूएनईपी/टीएसबीएफ प्रोग्राम और संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।
- के.जी. सक्सेना ने 9–11 दिसम्बर 2008 तक नेशनल एग्रीकल्चरल ऐंड फारेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनाइटिड नेशंस यूनिवर्सिटी इन लुआंग प्राबांग, लाओ पीपल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'ससटेनेबल लैंड मैनेजमेंट इन द माउटेंस रीजन आफ मैनलैण्ड साउथीस्ट एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- जे.के. त्रिपाठी, 23–24 मार्च 2009 को अलमोडा, उत्तराखण्ड में आयोजित 'एनविस रिव्यु कमेटी मीटिंग में और चैलेंजिग हिमालयन एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- जे.के. त्रिपाठी, 23–25 मार्च 2008 को वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जिओलाजी, देहरादून, इण्डिया में आयोजित 'माउंटेन बिल्डिंग ऐंड क्लाईमेट – टेक्नीक इंटरएक्शन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस. यादव ने 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2008 को शिमादुजु एनालिटिकल प्रा. लि. मुम्बई में 'बैसिक फंडामेंटल्स आफ जी.सी. 2010, जी.सी. सोल्यूशन साफ्टवेयर ऐंड मैनटेनस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. यादव ने 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2008 को शिमादजु एनालिटिकल प्रा.लि., मुम्बई में 'बैसिक फंडामेंटल्स आफ जी.सी.एम.एस.क्यूपी. 2010, जी.सी.एम.एस. सोल्युशन साफ्टवेयर ऐंड मैटेनेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. यादव ने 25 अगस्त से 19 सितम्बर 2008 तक अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू नई दिल्ली में 'ओरिएंटेशन कोर्स' में व्याख्यान दिए।
- एस. यादव ने 24 और 25 नवम्बर 2008 को साह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लिएर फिजिक्स, कोलकाता में 'स्कूल कम वर्कशाप आन ट्रेस एलिमेंट स्पेसिएशन' में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- जे. बिहारी ने अगस्त 2008 में यू.आर.एस.आई मीट (शिकागो) में परिचर्चा की।
- जे. बिहारी ने 21–24 नवम्बर 2008 को जयपुर राजस्थान में आयोजित 'रिसेंट एडवांसिस इन माइक्रोवेव थीअरि ऐंड एप्लिकेशन माइक्रोवेव 2008' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इफेक्ट आफ मोबाइल फोन रेडिएशन एक्सपोजर आन प्रोडक्टिविटी सिस्टम आफ मेल रेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- जे. बिहारी ने 14–16 जनवरी 2009 को कोलकाता में आयोजित 'माइक्रोवेव ऐंड मिलीमीटर वेक्स : बेसिक ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइक्रोवेव मिजरमेंटस ऐंड एप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- जे. बिहारी ने 10–13 मार्च 2009 को कम्पाला–युगांडा में आयोजित 'सस्टेनेबल यूटिलाइजेशन आफ एनर्जी ऐंड बायोडाइवर्सिटी रिर्सोसिस फार बैल्थ क्रिएशन डिवलप ऐंड डिवलपमेंट' विषयक गोलमेज सम्मेलन में 'आप्टिमाइजिंग ग्रीन एनर्जी : रिसाइप फार सस्टेनेबल डिवलपमेंट विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. भट्टाचार्य ने 24–28 फरवरी 2009 को सिटी आफ गुआनजुआतो, मैक्सिको में आयोजित 16वीं संगोष्ठी सोबरे एमिबिआसिस 2009 ईएमबीओ कार्यशाला : एमिबिआसिस मोलक्यूलर एप्रोचिस इन एन इम्पोर्टेंट वाट निग्लेक्टिड डिसीज' में प्री राइबोसोमल आर.एन.ए. एक्यूमुलेशन इन ग्रोथ–स्ट्रेस्ड एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका सेल्स : ए नावेल रेग्यूलेट्री मकैनिज्म' विषयक परिचर्चा की।
- बी. गोपाल ने 22–24 अप्रैल 2008 को हेरिटेज विलेज रिर्सोट, मानेसर में आयोजित 'इनफेक्शंस एजेंट्स' विषयक एच.जैड.आई. – जेएनयू कार्यशाला में भाग लिया।
- बी. गोपाल 17 जून 2008 को साह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिनिक्स कोलकाता में आयोजित मोलिक्यूलर मैकेनिज्म आफ डिसीजिस ऐंड ड्रग एक्शन' विषयक एम.एम.डी.डी.ए. संगोष्ठी में एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइडस : प्रोमिसिंग केंडीडेट्स फार द ट्रीटमेंट आफ स्टेफिलोकोकस आरिएस इनफेक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.के. जैन ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ में व्याख्यान दिया।
- वी.के. जैन ने देवी अहिल्याबाई यूनिवर्सिटी, इंदौर में व्याख्यान दिया।
- वी.के. जैन ने गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में व्याख्यान दिया।
- वी.के. जैन ने जम्मू विश्वविद्यलाय, जम्मू में व्याख्यान दिया।

- वी.के. जैन ने नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 11–12 नवम्बर 2009 को एसोचेम द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'क्लाइमेट चैंज बिजनेस सस्टेनेबिलिटी ऐंड सोसायटी' विषयक सम्मेलन में 'क्लाइमेट चैंज : वेस्ट, कार्बन इमिशंस ऐंड इण्डियन सिनारियो' विषयक व्याख्यान दिया।
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 7–8 जनवरी 2009 को आई.आई.टी. दिल्ली में आयोजित टिगर्ज डाटा कार्यशाला में 'अंडरस्टेंडिंग स्केवेजिंग आफ क्रस्टल ऐंड एंथ्रोपोजेनिक एरोसोल्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- यू.सी. कुलश्रेष्ठ ने 25 मार्च 2009 को रामाकृष्णा मिशन विद्या मंदिर, बेलुर मठ, कोलकाता द्वारा आयोजित 'रोल आफ ग्रीनहाउस गैसिस ऐंड देअर मैनेजमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'रोल आफ ग्रीनहाउस गैसिस ऐंड देअर मैनेजमेंट इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. मित्रा ने 23–26 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय में वरिष्ठ संकाय सदस्य के लिए 'क्लाइमेट चैंज फूड सिक्यूरिटी ऐंड सोशल चैंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. मित्रा ने 2 मार्च 2009 को बेपटिस्ट मिशनरी सोसायटी, कोलकाता में चर्च आक्सीलरी फार सोशल एक्शन (सी.ए.एस.ए) द्वारा आयोजित 'क्लाइमेट चैंज' विषयक कार्यशाला में 'क्लाइमेट चैंज ऐंड इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. मित्रा ने 3 मार्च 2009 को हुडको, नई दिल्ली में आई.सी.ई.सी/एस.सी.ए.ए.पी. के अन्तर्गत मैनेजिंग सिटीज इन डिवलपिंग कंट्रीज – एनवायरनमेंट ऐंड इनफ्रास्ट्रक्चर फ्रेमवर्क' विषयक अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीलिंग विद क्लाइमेट चैंज टु एनश्योर सस्टेनेबिलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. मित्रा ने 12–14 फरवरी 2009 को सी.एस.आई द्वारा नेशनल काउंसिल आफ चर्चिस इन इण्डिया के सहयोग से चैन्नई में आयोजित 'नेशनल कंसलटेशन आन ग्लोबल वार्मिंग' विषयक संगोष्ठी में 'इम्पेक्ट आफ क्लाइमेट चैंज इन एग्रीकल्चर' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वी. राजमणि ने 25 मार्च 2009 को जिओलाजिकल सोसायटी आफ इण्डिया, आटोमिक मिनरल डिविजन, नई दिल्ली में 'पेट्रोजेनी वर्सिस मेट्रोजेनी इन जिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. राजमणि ने 27–28 फरवरी 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'एटमास्फरिक साइंस ऐंड क्लाइमेट चैंज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कैमिकल करेक्ट्रस्टिक्स आफ जिओजेनिक एरोसोल्स/डस्ट इन दिल्ली रीजन ऐंड देअर इंप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. राजमणि ने 3 फरवरी 2009 को आईआईटी मुम्बई में 'राक वेदरिंग इन ए ट्रापिकल रीवर कैचमेंट इन साउदर्न इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. राजमणि ने 18 मई 2008 को यूनिवर्सिटी आफ म्यूंस्टर (जर्मनी) में 'राक वेदरिंग इन ए ट्रापिकल रीवर कैचमेंट इन साउदर्न इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन.जे. राजू ने 21 नवम्बर 2008 को भू विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में 'आर्टिफिशल रिचार्ज ऐंड रेनवाटर हार्वेस्टिंग ऐंड ग्राउंडवाटर प्रोस्पेक्टिंग' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियां

- एस. भट्टाचार्य, चयनित फेला, नेशनल अकादमी आफ साइंस, इलाहाबाद (2008)
- के. कुमार, समर रिसर्च फेलो, इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस, 1 मई 2008 – 30 जून 2008
- डी. मोहन, 10–11 नवम्बर 2008 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की में आयोजित तीसरे उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस के लिए उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी नामित किया गया।
- ए.एल. रामनाथन, फेलो, ग्लेसिलाजी सोसायटी
- ए.एल. रामनाथन, कार्यकारी सचिव, इंटरनेशनल सोसायटी फार ग्राउंड वाटर फार ससटेनेबल डिवलपमेंट, स्वीडन
- के.जी. सक्सेना, फेलो, नेशनल अकादमी आफ एग्रीकल्चर साइंसिस (1 जनवरी 2009 से)

मण्डल/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- एस. भट्टाचार्य, सदस्य, भारतीय विज्ञान अकादमी की विभागीय समिति, बैंगलौर; सदस्य, इंस्टीट्यूशनल बायो–सेफ्टी कमेटी, एम्स, नई दिल्ली और सदस्य, रिसर्च एडवाइजरी कमेटी, इंस्टीट्यूट आफ पैथोलाजी, नई दिल्ली; अकादमिक कमेटी, सी.डी.आर.आई. लखनऊ
- आई. घोष, सदस्य, इलेक्ट्रान, माइक्रोस्कोप सोसायटी आफ इण्डिया (ई.एम.एस.आई.)
- बी. गोपाल, सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड आफ हाइड्रोबायोलोजिआ (क्लुबर अकादमिक पब्लिकेशन; नीदलैण्ड्स) (1988 से आज तक); सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, रिवर रिसर्च ऐंड एप्लिकेशन (पूर्व रेग्यूलेटिड रिवर्स : रिसर्च ऐंड मैनेजमेंट) (जान विले, यूके) (1991 से वर्तमान); सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, द साइंटिफिक वर्ल्ड जर्नल – फ्रेशवाटर सिस्टम्स डोमेन, (2000 – वर्तमान) इलेक्ट्रोनिक जर्नल; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, फ्रेशवाटर रिव्युज (फ्रेशवाटर बायोलाजी एसोसिएशन, यूके) 2007–वर्तमान; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, वेटलैण्ड इकोलाजी ऐंड मैनेजमेंट (एस.पी.बी. अकादमिक नीदरलैण्ड्स) 1990 –वर्तमान; सम्पादक, इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस (1947–वर्तमान); सदस्य, निदेशक मण्डल, इंटरनेशनल सोसायटी फार रिवर साइंस, 2006–वर्तमान; सदस्य, वेटलेण्ड ग्रुप आफ इंटेकोल, 1980–वर्तमान; महासचिव, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इकोलाजी (इण्डिया) 1978–2009; अध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लिम्नोलाजी (एस.आई.एल.) वेटलेण्ड वर्किंग ग्रुप (1983–वर्तमान); अध्यक्ष, रिव्यू टीम फार द नेशनल रिसर्च सेंटर आन कोल्डवाटर फिशरीज, भीमताल (आई.सी.ए.आर.), 2008; (सचिव द्वारा नियुक्त, डी.ए.आर.ई तथा महानिदेशक, आई.सी.ए.आर); कार्यकारी उपाध्यक्ष (विकासशील देश) 2007–2010, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लिम्नोलाजी (एस.आई.एल.); सदस्य, विशेषज्ञ समिति, हिमाचल प्रदेश, उच्च न्यायालय द्वारा गठित; और सदस्य, हाइड्रोलाजिकल इनफार्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट ग्रुप – डाटा यूज ऐंड डाटा डिसेमिनेशन, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, 2007–जारी।
- दिनेश मोहन, सदस्य, एल्सवायर द्वारा प्रकाशित और सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, पोलिश जर्नल आफ एनवायरमेंटल स्टडीज, एन इंटरनेशनल जर्नल आफ एनवायरनमेंटल।
- वी.के. जैन, सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मुख्य समितियां; सदस्य, चयन समितियां, सी.एस.आई.आर.आर.ए.बी. और सी.एस.आई.आर. – एच.आर.डी.जी. और सदस्य, भारत सरकार की विभिन्न प्रतिष्ठित समितियां।
- यू.जी. कुलश्रेष्ठ, सदस्य, सी.एस.आई.आर. नेट गोपनीय समिति और सदस्य, पैनल आफ ज्यूरीज फार द इवेल्युएशन आफ जे.आर.एफ. पोस्टर कम्पीटिशन, एन.पी.एल.; नई दिल्ली, 2 फरवरी 2009
- के. मुखोपाध्याय, सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल आफ बायोसाइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी; सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल आफ लाइफ साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी, और सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल आफ मेडिकल साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी।
- वी. राजमणि, सी.एस.आई.आर; अध्यक्ष नेट–एग्जाम इन अर्थ/ए.टी.एम./ओशन साइंसिस और डी.एस.टी. (सब सर्फेस स्टडीज); अध्यक्ष, शोध सलाहकार समिति।
- ए.एल. रामनाथन, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, इण्डियन जर्नल मैरिन साइंसिस, सी.एस.आई.आर. (जून 2008 से)
- के.जी. सक्सेना, सदस्य, अध्यक्ष मण्डल, इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस, असम यूनिवर्सिटी, सिल्चर (2007–2009); सदस्य, अध्ययन मण्डल, डिपार्टमेंट आफ बॉटनी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (2007–2009); सदस्य, अध्ययन मण्डल, पर्यावरण प्रबंधन संस्थान, गुरु गोविन्द सिंह, इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली (2009); सदस्य, एनवायरनमेंट इनफार्मेशन सिस्टम प्रोग्राम (एनविस) – एनवायरनमेंट ऐंड सोसायटी, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (2008–2010); सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली (2008–2010); सदस्य, स्कूल बोर्ड आफ ह्यूमन ऐंड एनवायरनमेंट साइंसिस, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, (2008–2010) और सदस्य, संचालन समिति ग्लोबल एनवायरनमेंटल फेसिलिटी/यूनाइटिड नेशंस एनवायरनमेंटल प्रोग्राम मल्टी–कंट्री प्रोग्राम आन कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट आफ बिलो ग्राउंड बायोडाइवर्सिटी, ट्रापिकल सायल बायोलाजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट, नैरोबी (2003–2009)
- आई.एस. ठाकुर, सदस्य, शासन मण्डल, बायोटेक्नोलाजिकल रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

वर्ष 1955 में स्थापित अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। पिछले 54 वर्षों से अन्तरराष्ट्रीय संबंधों और क्षेत्रीय अध्ययन के शिक्षण एवं शोध में संलग्न इस संस्थान ने अपने को पूरे देश में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

संस्थान ने भारत में अन्तरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन को एक शैक्षिक विषय के रूप में विकसित करने और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के ज्ञान और समझ को एक अन्तर–विषयक परिप्रेक्ष्य में उन्नत करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संस्थान पूरे देश में 'क्षेत्रीय अध्ययन' को प्रोत्साहित करने और विश्व के विभिन्न देशों एवं क्षेत्रों के बारे में विशेष जानकारी विकसित करने वाला भी पहला संस्थान है। संस्थान ने उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है।

लम्बे समय तक संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रम केवल शोध पर आधारित रहे और संस्थान केवल पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करता रहा। संस्थान के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़ने के शीघ्र बाद ही वर्ष 1971–72 में एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू किया गया। वर्ष 1973–74 में संस्थान ने दो वर्षीय एम.ए. (राजनीति : अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शुरू किया। बहुत बाद में वर्ष 1995–96 में संस्थान के राजनय, अन्तरराष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र के अर्थशास्त्र प्रभाग द्वारा अर्थशास्त्र में एक नया और अद्वितीय एम.ए. पाठ्यक्रम (विश्व अर्थशास्त्र में विशेषीकरण के साथ) शुरू किया गया। वर्ष के दौरान संस्थान के पुनर्गठन पर एक विस्तृत अध्ययन किया गया। अध्ययन मण्डल की सिफारिशें विश्वविद्यालय को भेजी गईं। इन सिफारिशों में मुख्य रूप से शामिल था – राजनय, अन्तरराष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र को दो केंद्रों – (1) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र और (2) अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र में बांटना तथा राजनय अध्ययन भाग को अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन एवं निरस्त्रीकरण केंद्र में शामिल करना। यूरोपीय केंद्र के नाम से एक नए केंद्र का गठन भी किया गया, जिसमें पश्चिमी यूरोपीय और पूर्वी यूरोपीय के वर्तमान प्रभागों को शामिल किया गया। नए केन्द्रों ने अपना कार्य कुछ महत्त्वपूर्ण घटनाओं से शुरू किया। यूरोपीय अध्ययन केन्द्र ने इटली के पूर्व प्रधानमंत्री और नीदरलैण्ड के वर्तमान प्रधानमंत्री के व्याख्यानों का आयोजन किया। नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री ने केन्द्र को इसकी गतिविधियों में सहायता करने हेतु 50,000/– यूरो प्रदान किए। अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स के साथ मिलकर "एचिविंग द मिलेनियम डिवलपमेंट गुड्स" और सामाजिक विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर "गवर्नेंस" विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र ने भी "राइट्स ऑफ ट्राइबल्स" और "ह्यूमन राइट्स इन द ग्लोबल इकोनामी" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित कीं।

हमारे एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के अनेक छात्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अध्येतावृत्ति प्राप्त करने के लिए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं। इसके अतिरिक्त, सभी राज्य सरकारों ने एक–एक अध्येतावृत्ति (कुछ मामलों में एक से अधिक) संबंधित राज्यों के 'निवासी' होने की शर्तों को पूरा करने वाले छात्रों के लिए शुरू की हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2007 से सभी पंजीकृत एम.फिल./ पी–एच.डी. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के छात्रों को कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों और सरकारों द्वारा भी कुछ प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। 31 मार्च, 2009 की स्थिति के अनुसार संस्थान ने 1114 शोधार्थियों को पी–एच.डी. और 2886 को एम.फिल. डिग्री प्रदान की है।

हाल ही के वर्षों में संस्थान में कई चेयरों की स्थापना हुई हैं। ये चेयर हैं – अप्पादुरई चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, भारतीय स्टेट बैंक चेयर, राजीव गाँधी चेयर और पर्यावरण विधि एवं अन्तरिक्ष विधि में चेयर। संस्थान के शिक्षकों ने अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन में ज्ञान के विकास एवं प्रसार के लिए न केवल अपने शिक्षण एवं शोध मार्गदर्शन के माध्यम से सहयोग किया, अपितु अन्तरराष्ट्रीय स्तर की पुस्तकें तथा शोध आलेख भी प्रकाशित कराए।

संस्थान प्रत्येक वर्ष समसामयिक अन्तरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े विषयों पर एक व्याख्यानमाला का भी आयोजन करता है। फरवरी 1989 में विद्या परिषद द्वारा लिए गए एक निर्णय के अनुसार यह व्याख्यानमाला "अन्तरराष्ट्रीय संबंधों पर पं. ह्रदयनाथ कुंजरू स्मारक (विस्तार) व्याख्यान" के रूप में जानी जाती है। एशिया पब्लिशिंग हाउस, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित वृत्तिदान के तहत महान कवयित्री और देशभक्त सरोजनी नायडु की स्मृति में एक व्याख्यानमाला आयोजित की जाती है। इसमें प्रतिष्ठित विद्वान या राजनेताओं को स्मारक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

संस्थान 'इंटरनेशनल स्टडीज' नामक एक त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। जुलाई 1959 से प्रकाशित हो रही इस पत्रिका ने एक प्रमुख भारतीय शैक्षणिक पत्रिका के रूप में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। इसमें अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों तथा क्षेत्रीय

अध्ययनों से संबंधित समसामयिक समस्याओं तथा मामलों पर लिखे मौलिक शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। एक संदर्भ पत्रिका होने के कारण इसमें न केवल संस्थान के शिक्षकों तथा अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों/शोध संस्थानों के शिक्षकों अपितु विश्व भर के विद्वानों के आलेख प्रकाशित होते हैं।

संस्थान निम्नलिखित शोध क्षेत्रों में एम.फिल./पी–एच.डी. अध्ययन पाठ्यक्रम चलाता है :

i) अमरीकी अध्ययन
ii) लैटिन अमरीकी अध्ययन
iii) कनाडियन अध्ययन
iv) यूरोपीय अध्ययन
v) अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन
vi) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार एवं विकास
vii) चीनी अध्ययन
viii) जापानी और कोरियाई अध्ययन
ix) अन्तरराष्ट्रीय राजनीति
x) अन्तरराष्ट्रीय संगठन
xi) राजनयिक अध्ययन
xii) निरस्त्रीकरण अध्ययन
xiii) राजनीतिक भूगोल
xiv) रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन
xv) दक्षिण एशियाई अध्ययन
xvi) दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन
xvii) मध्य एशियाई अध्ययन
xviii) पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन
xix) सब–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन।
xix) तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत समूह

इन एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण संबंधित केंद्रों के प्रोफाइल में दिया गया है।

एम.ए. राजनीति (अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन)

संस्थान में एम.ए. राजनीति (अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शैक्षिक वर्ष 1973–74 में शुरू किया गया था। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने की मांग काफी समय से की जा रही थी। इस पाठ्यक्रम में राजनीतिशास्त्र के मुख्य विषयों के अतिरिक्त अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन से संबंधित मुख्य कोर्सों के साथ विषयपरक तथा क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित बहुत से ऐच्छिक कोर्स चलाए जाते हैं। यह विश्वविद्यालय का सर्वाधिक लोकप्रिय तथा विस्तृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है। फिलहाल इसमें 69 सीटें हैं।

एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषज्ञता के साथ)

यह पाठ्यक्रम अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र द्वारा चलाया जाता है। इस अध्ययन पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र के प्रोफाइल में दिया गया है।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र बहुविषयात्मक विभाग है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षण, शोध को बढाना और यूरोप तथा इण्डो–यूरोपीयन संबंधों में समझ को बढ़ाना है।

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में यह एक नया केन्द्र है जो वर्ष 2005 में पुराने पश्चिमी यूरोपीय तथा पूर्वी यूरोपीय अध्ययन कार्यक्रमों को मिलाकर बनाया गया था। केन्द्र में इस समय 6 शिक्षक हैं जो अपने विषयों के विशेषज्ञ हैं।

केंद्र यूरोप और यूरोपीय संध दोनों पर कोर्स चला रहा है। एम.फिल. स्तर पर छात्रों के लिए यूरोपियन इकोनामिक इंटीग्रेशन, यूरोपियन सिक्योरिटी, ई.यू. इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स, आइडेंटिटी इश्यूज इन यूरोप और पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन सेंट्रल ऐंड ईस्टर्न यूरोप और यूरोपियन समाज पर कोर्स चलाए जा रहे हैं। क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रमों में भाषा प्रवीणता की आवश्यकता को पहचानते हुए केंद्र जर्मन भाषा में अनिवार्य कोर्स चला रहा है, और जल्दी ही फ्रेंच भाषा में दूसरा कोर्स शुरू करने जा रहा है। रिसर्च मेथडोलाजी विषयक कोर्स सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है।

केन्द्र के शिक्षक अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के एम.ए. पाठ्यक्रम के शिक्षण में भी सहयोग करते हैं। वे जर्मन, यूरोपीय संघ, विदेश नीति, और पूर्वी यूरोपीय देशों की राजनीतिक प्रणाली पर कोर्स चलाते हैं। इनके अतिरिक्त आगामी वर्षों में नए एम.ए. कोर्स चलाने की भी योजना है।

व्याख्यान–व–संगोष्ठी कक्ष और इरासमस पुस्तकालय

20 जनवरी, 2006 को नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री और महामहिम डॉ. श्री जॉन पीटर बाल्कैननडे अपनी भारत यात्रा के दौरान जेएनयू आए और उन्होंने "द यूरोपियन यूनियन ऐंड इंडिया : यूनिटी इन डाइवर्सिटी" विषयक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक व्याख्यान–व–संगोष्ठी कक्ष तथा पुस्तकालय स्थापित करने के लिए केन्द्र को 50,000 यूरो की राशि उपहार के रूप में देने की घोषणा की। इन दोनों का उद्घाटन 2 दिसम्बर, 2008 को कुलपति प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य और नीदरलैण्ड के राजदूत श्री बॉब हींश्च द्वारा किया गया। इस पुस्तकालय में 500 से अधिक पुस्तकें हैं। छात्र और शिक्षक इस पुस्तकालय का उपयोग कर सकते हैं। इसमें समसामयिक यूरोप और अंतरराष्ट्रीय राजनीति से संबंधित पुस्तकें हैं। इससे शिक्षण और शोध के स्तर में सुधार होगा। नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री से प्राप्त अनुदान का समन्वयन प्रो. यू.एस. बावा द्वारा किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अध्ययन

मार्च, 2009 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केन्द्र के यूरोपीय क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रमों का अनुमोदन किया। केन्द्र की यह मान्यता इसके प्रोफाइल को बढ़ाएगी और इसकी क्षमता विकसित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान करेगी। केन्द्र की शोध और संगोष्ठी गतिविधियाँ चलाने, अद्यतन पुस्तकें प्राप्त करने और शोध प्रकाशनों के लिए सहयोग करने का प्रस्ताव है।

अगले कुछ वर्षों में केन्द्र की यूरोप पर कार्य कर रहे विश्वभर के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के साथ मिलकर परियोजना तैयार करने की योजना है। केन्द्र यूरोप और पहले से विचाराधीन मामलों से संबंधित विषयों पर शैक्षिक सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करता है। केन्द्र यूरोप विषय पर जन–व्याख्यान भी आयोजित कर रहा है। इसमें नीदरलैण्ड, इटली और हंगरी आदि के प्रधानमंत्री और मंत्रियों सहित भारत और यूरोप से वक्ता व्याख्यान देने के लिए आते हैं। केन्द्र में यूरोप फोरम 'यूरोप विषय पर' वाद–विवाद और परिचर्चाओं के लिए नियमित रूप से प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है।

थ्रस्ट एरिया

केन्द्र ने आगामी वर्षों में अपनी शैक्षिक गतिविधियों के थ्रस्ट एरियाओं की पहचान निम्नलिखित दो वर्गों में की है :

शिक्षण और शोध के विकास के लिए यूरोप के निम्नलिखित नए क्षेत्रों की पहचान की गई है :

- पॉलिटिक्स सोसाइटी ऐंड इकोनॉमी ऑफ मेजर यूरोपियन कंट्रीज सच एज फ्रांस, ब्रिटेन ऐंड जर्मनी देशों पर विशेष कोर्स।
- नार्डिक ऐंड मेडिटेरिनियन रीजन्स पर कोर्स

अंतःक्षेत्रीय समस्याएं और मुद्दे

- इस्यूज आफ माइग्रेशन ऐंड एसिलम
- यूरोपियन लीगल सिस्टम
- प्रॉब्लम्स ऑफ इनर्जी ऐंड इनवायरनमेंट इन यूरोप
- यूरोपियन आउटसॉर्सिंग
- इण्डिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन

तैयार किए गए कोर्स

- शीतल शर्मा, "सोशल स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स इन यूरोप", एम.फिल. स्तर पर (वैकल्पिक), शीतकालीन सत्र के दौरान।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र अपनी स्थापना के प्रारंभिक वर्षों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास प्रभाग के रूप में जाना जाता था। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास के क्षेत्र में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चलाए। वर्ष 1995 में केन्द्र में अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकरण के साथ) में एक पूर्ण रूप से एम.ए. पाठ्यक्रम शुरू किया गया। परिणाम स्वरूप वर्ष 2005 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र का सीएसडीआईएलई से विभाजन हुआ और यह स्वतन्त्र केन्द्र बन गया। केन्द्र ने अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और आर्थिक विकास के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध में अपने लिए जगह बनाई है। पिछले वर्षों के दौरान केन्द्र ने अपने क्षेत्र को भी बढ़ाया है तथा अर्थशास्त्र में कई अन्य क्षेत्रों को शामिल किया है।

वर्तमान में केन्द्र अर्थशास्त्र में तीन शैक्षिक पाठ्यक्रम चलाता है – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, एम.फिल. पाठ्यक्रम और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम/एम.ए. और एम.फिल. पाठ्यक्रमों के कोर्सों की संरचना सर्वोत्तम ढंग से की गई है। केन्द्र एम.ए. अंतरराष्ट्रीय संबंध के शिक्षण में भी योगदान देता है।

केन्द्र में एक सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है इसमें 13 डेस्क टॉप, लेन कनेक्शन के साथ उच्च क्षमत वाला सर्वर, एक स्केनर के साथ 2 नेटवर्क प्रिंटर और ई.व्यूज, एसपीएसएस, जीएएमएस और एसटीएटीए 10 जैसे साफ्टवेयर पैकेजों के अधिकृत संस्करण हैं।

केन्द्र के पास फोर्ड फाउंडेशन का वृत्तिदान है। इससे केन्द्र छात्रों को छात्रवृत्ति दे सकेगा, इसके पास स्वयं का सुसज्जित पुस्तकालय है और शिक्षण तथा शोध गतिविधियों में भाग लेने के लिए फोर्ड फेलो भी नियुक्त करेगा। केन्द्र को अपने पिछले फोर्ड फेलो पर गर्व है, जिनमें से कई उच्च अर्थशास्त्र विभागों में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और प्रोफेसर हैं।

केन्द्र में इस समय 35 छात्र एम.ए. में, 07 छात्र एम.फिल. में और 12 छात्र पी–एच.डी. में हैं। केंद्र का एम.ए. पाठ्यक्रम बहुत ही सफल और लोकप्रिय पाठ्यक्रम सिद्ध हुआ है। हमारे छात्रों ने अपने आपको शैक्षिक और कार्पोरेट जगत में एक सफल अर्थशास्त्री के रूप में स्थापित किया है। शैक्षिक वर्ष 2008 में केन्द्र से पास होने वाले एम.ए. के 15 छात्रों में से तीन छात्रों ने पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया तथा 10 छात्रों ने प्रसिद्ध संगठनों में नौकरियां पाईं हैं। इस प्रकार, हम गर्व कर सकते हैं कि केन्द्र से सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद हमारे एम.ए. के 80 प्रतिशत से अधिक छात्रों को नौकरियाँ प्राप्त हुई हैं। चालू बैच के एम.ए. (अंतिम वर्ष) के 16 छात्रों में से 7 छात्रों को पहले ही प्रसिद्ध संगठनों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो गए हैं। हमारे शोध छात्र भी भारत और विश्व में शैक्षिक जगत में भी पूर्ण रूप से स्थापित हैं। अप्रैल, 2008 से अप्रैल, 2009 के दौरान 11 छात्रों ने अपनी एम.फिल. और 2 छात्रों ने पी–एच.डी. उपाधि पूरी की।

केन्द्र में 9 शिक्षक हैं जो विविध पाठ्यक्रमों के शिक्षण में संलग्न हैं और शोध में भी सक्रिय रूप से संलग्न हैं। शोध रुचि के क्षेत्रों में अर्थशास्त्र का लगभग प्रत्येक क्षेत्र शामिल है। इनमें शामिल है – अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, प्रतियोगिता नीति, अनुपर्युक्त अर्थमिति, वित्त, अंतरराष्ट्रीय वित्त, वित्तीय अर्थशास्त्र, विकास का अर्थशास्त्र, प्रौद्योगिकी और शोध एवं विकास, बौद्धिक सम्पदा अधिकार, औषधी और स्वास्थ्य सुरक्षा, शिक्षा, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, संसाधन अर्थशास्त्र, राजनीतिक अर्थशास्त्र, सतत विकास, विश्व व्यापार संगठन, पर्यावरणीय परिचर्चा औद्योगिक संगठन, खेल पद्धति आदि।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र में विस्तार हुआ। इसने अपनी सभी प्रकार की शैक्षिक गतिविधियाँ सफलतापूर्वक पूरी कीं।

डॉ. अभिजीत सेन गुप्ता और डॉ. मंदिरा शर्मा ने केन्द्र में क्रमशः 1 जनवरी, 2009 और 1 अप्रैल, 2009 को पूर्णकालिक शिक्षक के रूप में ज्वाइन किया। केन्द्र में प्रोफेसर बी.बी. भट्टाचार्य, प्रोफेसर सुभाशीष गंगोपाध्याय एडजंक्ट प्रोफेसर और प्रोफेसर के.एल. कृष्णा विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में हैं। केन्द्र की प्रोफेसर पुलाप्ते बालकृष्णन को छः माह की अवधि के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित करने की योजना है। श्री सप्तर्षि मुखर्जी ने केन्द्र में फोर्ड फेलो के रूप में ज्वाइन किया।

केन्द्र ने इंडिया डिवलपमेंट फाउंडेशन के साथ मिलकर 17 मार्च, 2009 को "फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड रिसेसन" विषयक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्रियों ने वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यशाला में अधिक से अधिक लोगों ने भाग लिया तथा अपनी रुचि दिखाई। कार्यशाला का आयोजन डॉ. संगीता बंसल, प्रोफेसर सुभाशीष गंगोपाध्याय, डॉ. गुरबचन सिंह और डॉ. अभिजीत सेनगुप्ता ने किया।

केन्द्र ने परिचर्चा आलेख श्रृंखला को पुनः शुरू किया तथा संगोष्ठी श्रृंखला भी शुरू की। पिछले वर्ष केन्द्र में निम्नलिखित वक्ताओं ने संगोष्ठी आयोजित की :

- लारेंस एच. वाइट, यूनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी – सेंट लुइस, यूएसए
- मेसिमो फिलिपिनी, ईटीएच, स्विटजरलैण्ड
- अरुणावा सेन, इंडियन स्टेटिस्टीकल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- मनोज पंत, अ.व्या.वि.के., नई दिल्ली
- गुरबचन सिंह, अ.व्या.वि.के., नई दिल्ली
- मोनिका दास, स्किडमोर कॉलेज, एनवाई, यूएसए
- सप्तर्षि मुखर्जी, जेएनयू और इंडियन स्टेटिस्टीकल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- बर्षि गुहा, सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, सिंगापुर
- विजय प्रकाश ओझा, श्रीाम कालेज ऑफ कॉमर्स और एनसीएईआर,, नई दिल्ली
- कौशिक देब, टेरी यूनिवर्सिटी

शैक्षिक वर्ष 2009–2010 में केन्द्र की एम.ए. के छात्रों के लिए तीन नए वैकल्पिक कोर्स (प्रत्येक चार क्रेडिट का) शुरू करने की योजना है। ये कोर्स हैं – इंफॉर्मेशन इकोनामिक्स ऐंड इट्स एप्लिकेशंस (संगीता बंसल), इंटरनेशनल ट्रेड, एनवायरनमेंट ऐंड मल्टीलेटरलिज्म (अपर्णा साहनी) और टाइम सीरिज एनालिसिस (मंदिरा शर्मा)

शैक्षिक वर्ष 2008–2009 के दौरान केन्द्र के शिक्षकों ने तीन पुस्तकें लिखी, नौ पुस्तकों में आलेख प्रकाशित हुए, बीस से अधिक शोध आलेख लिखे, आदि। इसके अलावा कुछ शिक्षक दो अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मण्डल में सदस्य हैं और आठ सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा कई राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भाग लिया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

केन्द्र की स्थापना वर्ष 1960 में चीनी और जापानी अध्ययन केन्द्र के रूप में हुई थी। पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र में कोरियाई अध्ययन को भी शामिल किया गया। केन्द्र एम.फिल. स्तर पर चीन, जापान और कोरिया के ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक, आर्थिक और विदेश नीति पक्षों पर कोर्स चलाता है, जबकि पी–एच.डी. शोधार्थी पूर्वी एशियाई क्षेत्र से संबंधित अपनी रुचि के विशेष क्षेत्र पर शोध कार्य करते हैं। केन्द्र के शिक्षक भी संस्थान के एम.ए. स्तर पर कोर्स चलाते हैं। केन्द्र के शिक्षकों ने 64 से अधिक शोध प्रबंधों (लगभग 39 चीनी अध्ययन, 23 जापानी अध्ययन और 2 कोरियाई अध्ययन) और लगभग 233 (115 चीनी, 87 जापानी, 31 कोरियाई) एम.फिल. लघु शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण किया। एम.फिल./पी–एच.डी. स्तर पर कुल 62 छात्रों का पंजीकरण हुआ। केन्द्र नियमित रूप से संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएं और बैठकें आयोजित करता है। केन्द्र शोधार्थियों के आलेखों का भी आयोजन करता है। केन्द्र क्षेत्र विशेष के बारे में जानकारी बढ़ाने हेतु विदेशों से विद्वानों को आमंत्रित करता है। केन्द्र के शिक्षकों की पुस्तकें प्रकाशित हुई तथा इनके पुस्तकों और पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित हुए और कुछ शिक्षकों ने भारत और विदेश के प्रसिद्ध संस्थानों में परामर्शदाता, सलाहकार और मानद फेलो के रूप में सेवा की। केन्द्र के कुछ छात्रों को जापान फाउंडेशन, मोम्बुसो (शिक्षा मंत्रालय, जापान सरकार) साबुरो ओकिता मेमोरियल फेलोशिप, निप्पन फाउंडेशन, कोरिया फाउंडेशन, नेहरू मेमोरियल फेलोशिप और चीनी और ताईवान सरकार द्वारा दी जाने वाली प्रसिद्ध शोध अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, जापान के छात्र भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् से अध्येतावृत्ति प्राप्त करते हैं। पूर्वी एशियाई देशों की रूपरेखा और विकासमान अर्थव्यवस्था के अनुसार केन्द्र शिक्षण, शोध और शैक्षिक सहयोग में नई प्रवृत्तियों के अनुसार अपने आपको अनुरूप बनाने की प्रक्रिया में है।

केन्द्र द्वारा चलाए गए कोर्स : मानसून सत्र : 2008–09 (प्रत्येक 3 क्रेडिट का)

ईए–618	:	रिसर्च मेथडोलॉजी, प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली
ईए–611	:	एज्यूकेशन ऐंड सोसाइटी इन जापान, प्रो. लालिमा वर्मा
ईए–622	:	इश्यूज ऐंड थीम्स इन चाइनीज हिस्ट्री, डॉ. डी. वाराप्रसाद शेखर
ईए–607	:	इंडस्ट्रिएलाइजेशन ऐंड फॉरेन ट्रेड ऑफ जापान, डॉ. एस.आर. चौधरी
ईए–602	:	चाइनीज पॉलिटीकल सिस्टम, रितु अग्रवाल
ईए–608	:	पॉलिटीकल ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट इन कोरिया 1945–1975, डॉ. जितेन्द्र उत्तम
ईए–609	:	मॉडर्न हिस्ट्री ऑफ कोरिया, डॉ. जितेन्द्र उत्तम
ईए–623	:	पॉलिटीकल इकोनॉमी ऑफ जापान (एम.ए. के लिए), डॉ. एच.एस. प्रभाकर

शीतकालीन सत्र : 2008–2009 (प्रत्येक 03 क्रेडिट का)

ईए–603 : चाइना'ज फॉरेन पॉलिसी ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस, प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली
ईए–613 : कंटेम्पोरेरी फॉरेन पॉलिसी ऑफ जापान, प्रो. लालिमा वर्मा
ईए–606 : गवर्नमेंट ऐंड पॉलिटिक इन जापान, डॉ. एच.एस. प्रभाकर
ईए–619 : आर्गेनाइजेशन ऐंड मैनेजमेंट इन जापान, डॉ. एस.आर. चौधरी
ईए–620 : सोसाइटी ऐंड कल्चर इन पोस्ट माओ–चाइना, डॉ. रितु अग्रवाल
ईए–624 : साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी इन चाइना'ज डिवलपमेंट, डॉ. डी. वाराप्रसाद शेखर
ईए–612 : कोरियन पेनिनसुला इन इंटरनेशनल अफेयर्स सिंस 1945, डॉ. जितेन्द्र उत्तम
आईएस–567 : फॉरेन पॉलिसी ऑफ चाइना (एम.ए. के लिए), प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली

केन्द्र द्वारा शुरू किए गए नए कोर्स

मानसून सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली द्वारा एम.ए. स्तर पर "चाइना ऐंड ईस्ट एशियन सिक्योरिटी : ट्रेडिशनल ऐंड नॉन–ट्रेडिशनल आस्पेक्ट्स" विषयक एक नया वैकल्पिक कोर्स शुरू किया गया। यह चार क्रेडिट का है।

केन्द्र द्वारा नियमित रूप से आयोजित संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/प्रदर्शनियाँ

- फेंग ली कुक, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर ने 24 अप्रैल, 2008 को "रोल ऑफ गवर्नमेंट इन द राइज ऑफ कंपीटिटवनेस ऑफ चाइनीज इंडस्ट्रीज–एक्जाम्पल्स ऑफ द आटोमोटिव ऐंड आईटी इंडस्ट्री" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. झेंग शुलन ने बुधवार,16 जुलाई, 2008 को "चाइना'ज एनवायरनमेंटल सिक्योरिटी इश्यूज" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. राबर्ट डी. एल्ड्रीज, एसोसिएट प्रोफेसर, ओसाका यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल पब्लिक पॉलिसी को 28 जुलाई, 2008 को केन्द्र में "जापान–यूएसए एलाइंस इन एशिया : चैलेंजिज ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. लियु फु कुओ, रिसर्च फेलो, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नेशनल चेंगची यूनिवर्सिटी, ताइपेई को 30 जुलाई, 2008 को "ईस्ट एशिया ऐंड न्यू ताईवान : मुविंग बैक टु द राइट कोर्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- केन्द्र ने 13 अगस्त, 2008 को केन्द्र के शोधार्थियों के लिए "कंटेम्पोरेरी डिवलपमेंट्स इन ईस्ट एशिया" विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- केन्द्र ने 15 से 17 अक्टूबर, 2008 तक ताइपेई इकोनॉमिक ऐंड कल्चरल सेंटर (टीईसीसी) के सहयोग से ताईवान फोटो प्रदर्शनी के तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया जिसमें लगभग 40 फोटो फ्रेम शामिल थे।
- केन्द्र ने 8 अक्टूबर, 2008 को प्रो. इलियट स्परलिंग, डिपार्टमेंट ऑफ सेंट्रल यूरेशिया स्टडीज, इंडियाना यूनिवर्सिटी को "हिस्ट्री मॉबीलाइज्ड : द 1986–1987 साइनो–इंडियन बॉर्डर क्लाशेस ऐंड द यूज ऑफ टेक्स्ट्स ऐंड मेमोयर्स इन द पीआरसी" विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
- प्रो. फुकागावा और वासेदा यूनिवर्सिटी, जापान से छात्रों के प्रतिनिधि मण्डल ने 24 अक्टूबर, 2008 को "जापान–इंडिया इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- केन्द्र ने 5 से 7 नवम्बर, 2008 तक कोरियन ट्यूरीज्म आर्गेनाइजेशन के सहयोग से कोरियाई फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।
- केन्द्र ने 6 नवम्बर, 2008 को श्री सुइमित्सु दाइकी को "जापानीज इकोनॉमी आफ्टर द बबल बुस्ट : स्पेशन रिफरेंस टु मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस" विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
- केन्द्र ने 14 नवम्बर, 2008 को प्रो. अलेक्जेंडर बुख, एसोसिएट प्रोफेसर, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ ह्यूमैनीटीज ऐंड सोशल साइंस को "जापान'स आइडेंटिटी ऐंड रूसो–जापानीज रिलेशंस" विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
- केन्द्र ने यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, अ.अ.सं. के साथ मिलकर प्रो. वेई–वेई–झांग, सीनियर रिसर्च फेलो, मॉडर्न एशिया रिसर्च सेंटर, जिनेवा और गेस्ट प्रोफेसर, फुदान यूनिवर्सिटी और सिनगुआ यूनिवर्सिटी "इंडिया, यूरोप ऐंड द राइज ऑफ चाइना" विषयक व्याख्यान का आयोजन किया।

- जापान से छात्रों का एक समूह 15 जनवरी, 2009 को केन्द्र के शिक्षकों और छात्रों के साथ शैक्षिक विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए केन्द्र में आया।
- केन्द्र ने 22 जनवरी, 2009 को डॉ. राजीव नारायणन, एमनेस्टी इंटरनेशनल, लंदन को "नॉर्थ कोरिया एट क्रास रोड" विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
- केन्द्र ने 12 फरवरी, 2009 को डॉ. ताकेव होशी, यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया को आमंत्रित किया।
- केन्द्र ने 5 मार्च, 2009 को 'भारत–जापान गोलमेज' का आयोजन किया तथा प्रो. किमुरा मासाके (डीन, वर्ल्ड अफेयर्स, क्योटो सांगयो यूनिवर्सिटी और प्रोफेसर इमेरीटस, क्योटो यूनिवर्सिटी) को "रिपॉजीशनिंग जापान इन ए चेंजिंग ईस्ट एशिया विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए अतिथि

- डॉ. वोंग मिंग सियन, ताम कांग यूनिवर्सिटी गेर मिओं कुआंग और इचोंग के साथ 28 अप्रैल, 2008 को केन्द्र में आए।
- श्री लियु जियानवेई, सिचुआन यूनिवर्सिटी, चीन 2 मई, 2008 को केन्द्र में आए।
- माइकल वानविमोलिंक, न्यूजीलैण्ड उच्चायोग 27 मई, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. विनसेंट वांग 27 मई, 2008 को केन्द्र में आए।
- सुश्री प्रियंका आर. दुबे 27 मई, 2008 को केन्द्र में आईं।
- सुश्री लिवुन चेंग, डॉ. फ्रेंक यी–हुआ कान और डॉ. फु कुओ लिन, रिसर्च फेलो, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, नेशनल चेंगची यूनिवर्सिटी, ताइपेई 30 जुलाई, 2008 को केन्द्र में आए।
- श्री लियु झायोमिंग 6 अगस्त, 2008 को केन्द्र में आए।
- डॉ. लियु शिगनाना 6 अगस्त, 2008 को केन्द्र में आए।
- कर्नल एन.डी. प्रसाद 8 अगस्त, 2008 को केन्द्र में आए।
- श्री जस्टिन मिल्लर 3 सितम्बर, 2008 को केन्द्र में आए।
- श्री एल. डेविडसन 15 सितम्बर, 2008 को केन्द्र में आए।
- कर्नल डिनु 15 सितम्बर, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. इलियट स्परलिंग, डिपार्टमेंट ऑफ सेंट्रल यूरेशिया स्टडीज, इंडियाना यूनिवर्सिटी, यूएसए 8 अक्टूबर, 2008 को केन्द्र में आए।
- श्री फिलिप ओंग, रिप्रिजेंटेटिव, ताइपेई'स इकोनामिक ऐंड कल्चरल सेंटर और श्री पॉल शेक, नई दिल्ली 15 अक्टूबर, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. फुकुगावा और छात्र प्रतिनिधि मण्डल, वासेदा यूनिवर्सिटी, जापान 24 अक्टूबर, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. क्लाउस लंगे, आईटीएस जर्मनी 29 अक्टूबर, 2008 को केन्द्र में आए।
- अलेक्जेंडर बुख, एसोसिएट प्रोफेसर, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ ह्यूमैनीटीज ऐंड सोशल साइंस, सुकुबा यूनिवर्सिटी (जापान) 14 नवम्बर, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. ली वेन वु, सुश्री ली मो क्यू युन, श्री सुई फुमिन और प्रो. वेन, चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज, बीजिंग 28 दिसम्बर, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. एन्ड्रू सेठ, ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी 3 फरवरी, 2009 को केन्द्र में आए।
- जापान से छात्रों का एक समूह 15 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आया।
- प्रो. मुमिन चेन, नेशनल युंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी, ताइवान 11 फरवरी, 2009 को केन्द्र में आए।
- प्रो. ताकेव होशी, आईआरपीएस, यूसीएसडी 2 फरवरी, 2009 को केन्द्र में आए।
- प्रो. सी चेन ली 27 मार्च, 2009 को केन्द्र में आए।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- हमारे केन्द्र के कोरियाई अध्ययन प्रभाग में एम.फिल./पी–एच.डी. शोधार्थी श्री जोजिन वी. जॉन वर्ष 2008 में कोरियाई अध्ययन में मेरिट में आए। उन्हें रुपये पन्द्रह हजार का नकद पुरस्कार दिया गया तथा कोरिया गणराज्य की मेडम किम मांग शिक द्वारा स्थापित टैगोर पुरस्कार के लिए संस्तुत किया गया।
- सुश्री भावना सिंह (एम.फिल. छात्रा), रित्युशा मणि तिवारी (एम.फिल. छात्र), श्री राजीव रंजन (पी–एच.डी. छात्र) और श्री जॉय थॉमस (पी–एच.डी. छात्र) को युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित चीन के लिए युवा प्रतिनिधि मण्डल हेतु चुना गया। यह हू जीन ताओ और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बीच 29 जून से 9 जुलाई 2008 के दौरान ज्ञापन पर किए गए हस्ताक्षर के अनुसार किया गया।
- श्री के. जॉय थॉमस, पी–एच.डी. छात्र का चयन वर्ष 2008–2009 के लिए जेएनयू–येल एक्सचेंज प्रोग्राम तथा जेएनयू येल फोक्स फेलोशिप प्रोग्राम के लिए हुआ। उन्होंने "विजिटिंग एफिलिएटिड रिसर्च स्टुडेंट" के रूप में ज्वाइन किया।
- श्री शमशाद अहमद खान इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस द्वारा रिसर्च असिस्टेंट के रूप में चुने गए।
- सुश्री संगीता यादव एकेडमी ऑफ कोरियन स्टडीज से एक माह की छात्रवृत्ति के लिए चुनी गईं।

अन्य कोई सूचना

- एम.फिल. और पी–एच.डी. छात्रों की सिनोप्सिस (सार–संक्षेप) का प्रारूप और उनके शोध प्रबंध की पाण्डुलिपि के प्रारूप पर केन्द्र के शिक्षकों और छात्रों की चर्चा हुई। डॉ. एस.आर. चौधरी ने इन गतिविधियों का समन्वयन किया। केन्द्र ने शोधार्थियों द्वारा उनका पी–एच.डी. शोध प्रबंध प्रस्तुत करने से पहले प्रारूप प्रस्तुत करने की प्रणाली शुरू की है।
- सैमसुंग इलेक्ट्रोनिक्स कंपनी लिमिटेड ने केन्द्र को तीन प्लाज्मा टेलीविजन सेट उपहार के रूप में भेंट किए।
- डॉ. ओह ह्वा सियोक, विजिटिंग शिक्षक का कार्यकाल 30 जून, 2009 तक बढ़ाया गया।

भावी योजनाएं

केन्द्र के वेबपेज को अद्यतन किया जा रहा है और http://jnu.ac.in/Academics/Schools/School of International Studies/CEAS/default.htm पर अपलोड किया जाएगा। केन्द्र की इसे आगे समृद्ध करने की योजना है।

- चूंकि पूर्वी एशियाई क्षेत्र का चहुँमुखी विकास (जारी वित्तीय संकट के बावजूद) हो रहा है, इसलिए केन्द्र क्षेत्र का विस्तृत अध्ययन और मूल्यांकन करने के लिए अपने मानव और बौद्धिक संसाधन बढ़ाने की योजना है ताकि लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। केन्द्र ने इस क्षेत्र से संबंधित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया ताकि छात्रों और शिक्षकों को जानकारी दी जा सके। केन्द्र ने नियमित रूप से परिचर्चाएं, संगोष्ठी, कार्यशालाएं आयोजित कीं, समय–सारणी में बदलाव किया तथा औपचारिक सार–संक्षेप (सिनोप्सिस)/लघु शोध प्रबंध/शोध प्रबंध और प्रस्तुतियों में भी सुधार किया। केन्द्र ने एक नई वेब साईट भी तैयार की है जिसमें शिक्षकों, छात्रों, कोर्सों, संबंधित शोध संस्थानों और शोध सामग्री से संबंधित जानकारी है। केन्द्र की पूर्वी एशिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने की योजना है।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र में भिन्न–भिन्न परन्तु परस्पर सम्बद्ध चार प्रभाग हैं :

- अन्तरराष्ट्रीय राजनीति
- अन्तरराष्ट्रीय संगठन
- राजनयिक और निरस्त्रीकरण
- राजनीतिक भूगोल

केन्द्र का उद्गम, वर्ष 1955 में स्थापित इंडियन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज से खोजा जा सकता है। केन्द्र मूलरूप से आईएसआईएस के दो अलग–अलग विभागों के रूप में अस्तित्व में आया। इसमें अन्तरराष्ट्रीय संबंध और राष्ट्रमण्डल से संबंधित अध्ययन होता था। जब वर्ष 1970 में आईएसआईएस को नए स्थापित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के साथ मिलाया गया तो उस समय विद्यमान अन्तरराष्ट्रीय संबंध राष्ट्रमण्डल विभाग में से अन्तरराष्ट्रीय राजनीति और संगठन का सृजन किया गया। केन्द्र में उस समय अन्तरराष्ट्रीय संबंध के तीन भिन्न–भिन्न लेकिन परस्पर गहन रूप से सम्बद्ध पहलुओं – अन्तरराष्ट्रीय राजनीति,

अन्तरराष्ट्रीय संगठन और निरस्त्रीकरण को शामिल किया गया। संबंधित शोध और शिक्षण क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए और विशेषज्ञ शिक्षकों को नियुक्त करते हुए इनमें से प्रत्येक पहलू को पृथक शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ प्रभाग के रूप में शामिल किया गया है। फिर भी, प्रभाग–वार गठन करके अन्तरराष्ट्रीय संबंधों के विस्तृत क्षेत्र में अन्तर विषयक दृष्टिकोण की जानकारी हेतु पहचान बनाना था। यह विचारणीय है कि केन्द्र के तीन मूल प्रभाग, जिनमें से दो – अन्तरराष्ट्रीय संगठन और निरस्त्रीकरण – पूर्ण रूप से नए थे और आज विश्वविद्यालयीय प्रणाली में ये विरले हैं। इसके तुरंत बाद, केन्द्र में राजनीतिक भूगोल पर एक अलग प्रभाग भी सृजित किया गया। अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के वर्ष 2005 में किए गए पुनर्गठन में एक नए प्रभाग – राजनयिक अध्ययन (जो पहले अन्य केन्द्र का भाग था) – को अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र के साथ मिलाया गया। राजनयिक अध्ययन प्रभाग, वर्ष 1970 में अपनी स्थापना से राजनयिक में ऐतिहासिक और समसामयिक मुद्दों पर शिक्षण और शोध कार्यक्रम चला रहा है। बाद में वर्ष 2007 में, राजनयिक अध्ययन और निरस्त्रीकरण अध्ययन कार्यक्रम को एक प्रभाग में मिला दिया गया है, इसे राजनयिक और निरस्त्रीकरण अध्ययन प्रभाग के रूप में जाना जाएगा।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 119 एम.फिल. और पी–एच.डी. छात्र थे। इनमें 35 अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में, 28 अन्तरराष्ट्रीय संगठन में, 32 राजनयिक और निरस्त्रीकरण अध्ययन में, और 24 राजननीतिक भूगोल में थे। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान के केन्द्र ने 2 छात्रों को सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया और 31 छात्रों को एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में : 9 छात्रों को अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में, 7 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संगठन में, 9 छात्रों को राजनयिक और निरस्त्रीकरण अध्ययन में और 6 छात्रों को राजनीतिक भूगोल में प्रवेश दिया।

केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

- डॉ. अर्चना नेगी, सहायक प्रोफेसर, अ.रा.सं.नि.के. / अ.अ.सं. / जेएनयू ने 2 अप्रैल, 2008 को "कोहरेंस इन ग्लोबल गवर्नेंस : द केस ऑफ ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री यासुयुकी इशिदा, रिसर्च स्कॉलर, अ.रा.सं.नि.के. / अ.अ.सं. / जेएनयू ने 9 अप्रैल, 2008 को "द न्यूक्लियर नॉन प्रॉलिफ्रेशन ट्रीटी इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- शिशिर प्रियदर्शिनी, डायरेक्टर, ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट डिविजन, वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन सेक्रेटेरियट, जिनेवा ने 13 अगस्त, 2008 को "द प्रॉमिज ऑफ 'डिवलपमेंट' इन द दोहा राउंड ऑफ ट्रेड निगोसिएशंस" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री नील जोयक (लारेंस लिवरमोर लैब्स, यूएस) और श्री एस. डेविस जाचरी (नवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल, मांटेरे, यूएस) ने 23 सितम्बर, 2008 को "ए डिफेंड ऑफ न्यूक्लियर लर्निंग इन इंडिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. वैद्यनाथ गुंदुलपेट, पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च एसोसिएट, प्रिंसट इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल ऐंड रीजनल स्टडीज, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी ने 6 जनवरी, 2009 को "बिग स्टिक्स ऐंड कैटेस्टिड कैरट्स : ए पॉवर सेंट्रिक थीअरि ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशंस" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री नयनचन्दा, येल सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ग्लोबलाइजेशन ने 7 जनवरी, 2009 को "प्रॉमिसिस ऐंड पेरिल्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन : ए हिस्टोरीकल पर्सपेक्टिव" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. मीनल श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर और एकेडमिक कॉर्डिनेटर, सेटर फॉर ग्लोबल ऐंड सोशल एनालिसिस, अथाबास्का यूनिवर्सिटी ने 7 जनवरी, 2009 को "ग्लोबलाइजेशन स्टडीज : पुशिंग द बाउंड्रीज ऑफ ए 'ग्लोबल पैराडिग्म'" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रोफेसर डेनियल ड्रेच, एसोसिएट डायरेक्टर, राबर्टस सेंटर फॉर कनाडियन स्टडीज और प्रोफेसर, पॉलिटीकल साइंस, यार्क यूनिवर्सिटी ने "डेफिएंट पब्लिक्स ऐंड नियोलिबरलिज्म'स फाइव ओ' क्लाक शेडो : द वेक्सिंग इश्यू ऑफ न्यू सिटीजनशिप प्रेकटीसेज" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 13 मार्च, 2009 को कंट्रोल आर्म्स फाउंडेशन ऑफ इंडिया (सीएएफआई), नई दिल्ली के सहयोग से "10 इयर्स ऑफ एंट्री इन टु फोर्स ऑफ माइन बैन ट्रीटी ऐंड अंडरस्टेंडिंग द ऑनगोइंग यूनाइटिड नेशंस प्रोसस फार एन आर्म्स ट्रेड ट्रीटी ऐंड अदर डिसार्मामेंट ट्रीटीज" विषयक सम्मेलन आयोजित किया।
- श्री नियामतुल्लाह नजुमी, सेंटर फॉर वर्ल्ड रिलिजंस, डिप्लोमेसी ऐंड कनफ्लिक्ट रिजोल्यूशन, जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी ने 31 मार्च, 2009 को "रीजनल स्टेबिलिटी ऐंड द यूएस पॉलिसी इन साउथ ऐंड सेंट्रल एशिया" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र जेएनयू में रूस, मध्य एशिया और पूर्व सोवियत संघ के अन्य गणराज्यों पर अंतरविषयात्मक शोध और अध्ययन का एक प्रमुख केन्द्र है। इसने एक स्वतन्त्र शैक्षिक केन्द्र के रूप में कार्य करना 1960 के अंत में शुरू किया। प्रारंभ में यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में अंतरराष्ट्रीय राजनीति और राष्ट्रमण्डलीय अध्ययन कार्यक्रम का भाग था। यह 1970 के प्रारंभ में जब भारतीय अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान को नए स्थापित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के साथ मिला दिया गया और इसका नाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान रखा गया, तब से केन्द्र ने स्वतंत्र और नियमित इकाई के रूप में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में कार्य करना शुरू किया।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सामाजिक विज्ञानों के विषयों में प्रशिक्षित व्यक्तिगत विद्वानों को साथ लेकर इस क्षेत्र से संबंधित अन्तरविषयक पूरी जानकारी को विकसित करना है। केन्द्र के पास योग्य शिक्षक और विद्वान हैं जो रूसी भाषा और साहित्य में राजनीति विज्ञान, अंतरराष्ट्रीय संबंध, इतिहास, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र के विशेषज्ञ हैं। एम.फिल. स्तर पर चार कोर्स और स्नातकोत्तर स्तर पर एक कोर्स शुरू करने के अतिरिक्त केन्द्र ने अपने कोर्सों का हाल ही में पुनर्गठन किया है। साइबेरिया ऐंड रशियन फॉर ईस्ट, ट्रांसकाकेसिया/कैस्पियन, सिक्योरिटी ऐंड कंफ्लिक्ट इश्यूज, इनर्जी सिक्योरिटी, जेंडर इश्यूज, ह्यूमन सिक्योरिटी इश्यूज और एनवायरनमेंटल इश्यूज जैसे कुछ नए क्षेत्र और विषय हैं जिन्हें पहचाना गया है तथा निकट भविष्य में जिन पर ध्यान दिया जाना है। केन्द्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- रूस, मध्य एशिया और अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के मुद्दों पर शोध और शिक्षण जारी रखना। यह उत्तर–सोवियत राज्यों की अर्थव्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था, समाज, संस्कृति, भाषा और विदेश नीति का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा सृजित करना चाहता है। क्षेत्र पर पुस्तकों, माइक्रोफिल्म्स, जर्नलस, अखबारों और संदर्भ दस्तावेजों के रूप में पर्याप्त प्राथमिक और द्वितीय शोध सामग्री के संग्रह सहित शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण और शोध को प्रोत्साहन देना। क्षेत्र पर प्रामाणिक और विस्तृत डाटाबेस तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।
- रूस, मध्य एशिया और अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों में सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी विकसित करना।
- रूस, मध्य एशिया और अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के बदल रहे अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य के कारण उभरती चुनौतियाँ और इन देशों का भारत के साथ सहयोग का अध्ययन करना।
- पूर्व सोवियत गणराज्यों में नए उभर रहे शैक्षिक संस्थानों के साथ संबंध बढ़ाना।
- भारत में अन्य शैक्षिक संस्थानों में रूस, मध्य एशिया और अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों की अर्थव्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था, सुरक्षा, समाज, संस्कृति, भाषा और विदेश नीति पर शोध और अध्ययन को प्रोत्साहित करना।
- एक तरफ भारत और दूसरी तरफ रूस, मध्य एशिया और अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के क्षेत्र में अर्थपूर्ण शोध को प्रोत्साहन देना। इन देशों के साथ भारत के संबंधों का अध्ययन हमारे शिक्षण और शोध का महत्त्वपूर्ण भाग है।
- भारत, रूस और अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों से संबंधित विभिन्न पक्षों पर अन्तरविषयात्मक ढांचे में शोध और छात्रवृत्तियों को बढ़ाना।

शिक्षण

केन्द्र एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए दो अनिवार्य कोर्स, दो कोर कोर्स और कई वैकल्पिक कोर्स चलाता है। छात्र प्रत्येक सत्र में एक कोर कोर्स और एक अनिवार्य कोर्स के साथ दो वैकल्पिक कोर्स ले सकते हैं। एक छात्र दो सत्रों में कुल तीन वैकल्पिक कोर्स ले सकता है। स्टेट ऐंड रीजनल सिक्योरिटी इन सेंट्रल एशिया, इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ रशिया, युक्रेन ऐंड बेलारूस, जियोपॉलिटिक्स, सिक्योरिटी ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन द कैस्पियन रीजन ऐंड पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन द बाल्टिक स्टेट जैसे नए कोर्स पिछले पाँच वर्ष में शुरू किए गए। इन कोर्सों के अतिरिक्त, कंटेम्पोरेरी डेमोक्रेसिज, ग्लोबलाइजेशन ऐंड नेचर ऑफ सिविल सोसाइटी सेंट्रल एशियन एक्सपिरियंस (एम.ए. अंतरराष्ट्रीय संबंध के लिए विशेष कोर्स) और साइबेरिया ऐंड रशिया'ज फॉर ईस्ट : सोसाइटी, पॉलिटिक्स ऐंड सिक्योरिटी (एम.फिल. के लिए), को आने वाले सत्र में शुरू करने के लिए केन्द्र द्वारा अनुमोदन किया गया। केन्द्र द्वारा चलाए जाने वाले एम.फिल./पी–एच.डी. कोर्स निम्नलिखित हैं :

- रशियन लैंग्वेज (एसई 610, अनिवार्य कोर्स, प्रथम वर्ष, मानसून और शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 6, कोर्स शिक्षक : डॉ. प्रीति डी. दास)

- रशियन लैंग्वेज (एसई 610, अनिवार्य कोर्स, द्वितीय वर्ष, मानसून सत्र, नॉन क्रेडिट, कोर्स शिक्षक : डॉ. प्रीति डी. दास)
- रिसर्च मेथडोलॉजी (एसई 611, अनिवार्य कोर्स, शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. राजन कुमार)
- पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन रशिया (एसई 618, कोर कोर्स, मानसून सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : प्रो. अनुराधा मित्रा चिनॉय और डॉ. अर्चना उपाध्याय)
- पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन मॉडर्न सेंट्रल एशिया (एसई 619, कोर कोर्स, मानसून सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : प्रो. अजय कुमार पटनायक और डॉ. नलिन कुमार महापात्रा)
- इंटरनेशनल कम्युनिस्ट मूवमेंट ड्यूरिंग सोवियत ऐंड पोस्ट – सोवियत पीरियड (एसई 613, वैकल्पिक कोर्स, मानसून सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : प्रो. तुलसी राम)
- इकोनामिक डिवलपमेंट ऑफ सेंट्रल एशिया (एसई 615, वैकल्पिक कोर्स, मानसून सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. ताहिर असगर)
- फॉरेन पॉलिसी ऑफ सेंट्रल एशियन स्टेट्स (एसई 628, वैकल्पिक कोर्स, मानसून सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. संजय पाण्डेय और डॉ. फूल बदन)
- स्टेट ऐंड रीजनल सिक्योरिटी इन सेंट्रल एशिया (एसई 631, वैकल्पिक कोर्स, शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. अजय कुमार पटनायक)
- पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन ट्रांसकाकेसिया (एसई 617, वैकल्पिक कोर्स, शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : प्रो. तुलसी राम)
- फॉरेन पॉलिसी ऑफ रशिया (एसई 608, वैकल्पिक कोर्स, शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : प्रो. अनुराधा मित्रा चिनॉय और डॉ. राजन कुमार)
- पॉलिटिक्स ऑफ मॉडर्नाइजेशन इन सेंट्रल एशिया (एसई 629, वैकल्पिक कोर्स, शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. फूल बदन)
- इकोनामिक ट्रांसफॉर्मेशन इन रशिया, युक्रेन ऐंड बेलारूस (एसई 632, वैकल्पिक कोर्स, शीतकालीन सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. अरुण कुमार मोहन्ती)
- जियोपॉलिटिक्स, सिक्योरिटी ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन द कैस्पियन रीजन (एसई 633, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. नलिन कुमार महापात्रा)
- पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन बाल्टिक स्टेट्स (एसई 634, वैकल्पिक कोर्स, मानसून सत्र, क्रेडिट संख्या 3, कोर्स शिक्षक : डॉ. के.वी. ऊषा)
- कई एम.फिल./पी–एच.डी. कोर्सों के अतिरिक्त केन्द्र के शिक्षक संस्थान के एम.ए. राजनीति (अंतरराष्ट्रीय संबंध) पाठ्यक्रम के भाग के रूप में कोर और वैकल्पिक कोर्स चलाते हैं; जैसे :
- जेंडर ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस (कोर्स शिक्षक : प्रो. अनुराधा मित्रा चिनॉय)
- फॉरेन पॉलिसी ऑफ न्यू रशिया (आईएस 564 एन, कोर्स शिक्षक : डॉ. संजय पाण्डेय)
- रशियन पॉलिटीकल सिस्टम (आईएस 514 एन, कोर्स शिक्षक : प्रो. अनुराधा मित्रा चिनॉय और डॉ. अरुण कुमार मोहंती)
- ग्लोबलाइजेशन, डेमोक्रेसी ऐंड सिविल सोसाइटी इन कंटेम्पोरेरी सेंट्रल एशिया (कोर्स शिक्षक : प्रो. अजय कुमार पटनायक और डॉ. नलिन कुमार महापात्रा)
- रिसर्च मेथडोलॉजी (कोर्स शिक्षक : डॉ. राजन कुमार)

छात्र प्रोफाइल

केन्द्र के नियमित एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम है और यह अंतरराष्ष्रीय अध्ययन संस्थान के एम.ए. पाठ्यक्रमों के लिए भी विशेष कोर्स चलाता है। केन्द्र के एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रतिवर्ष लगभग पच्चीस सीटें होती हैं। पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर

पर आयोजित प्रवेश परीक्षा और उसके बाद केन्द्र के शिक्षकों द्वारा ली जाने वाली मौखिक परीक्षा के आधार पर दिया जाता है। केन्द्र की स्थापना से अब तक 350 से अधिक एम.फिल. उपाधि और 135 पी–एच.डी. उपाधि प्रदान की गई है।

2008–2009 के दौरान केन्द्र में आए अतिथि

- डॉ. एलेक्जेंडर लुमकिन, डायरेक्टर, सेंटर फॉर ईस्ट एशियन ऐंड एससीओ स्टडीज, मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस 03 नवम्बर, 2008 को केन्द्र में आए और "रशिया–चाइना रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. एन्ड्रू जेन्क्स, केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी 29 जून, 2008 को केन्द्र में आए और शिक्षकों के साथ विचारों का आदान–प्रदान किया।

वर्ष 2008–2009 के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

- 10 से 12 नवम्बर, 2008 तक "ग्लोबलाइजेशन ऐंड यूरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।
- 9 नवम्बर, 2008 को 'सिविल सोसाइटी इन इंडिया ऐंड उजबेकिस्तान' विषयक एक दिवसीय गोलमेज संगोष्ठी आयोजित की गई। इस गोलमेज संगोष्ठी में भारत और उजबेकिस्तान के विद्वानों ने भाग लिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र द्वारा शुरू किए गए नए कोर्स

- डॉ. बंशीधर प्रधान ने कोर्स संख्या–627, "गवर्नमेंट ऐंड पॉलिटिक्स इन द फर्टाइल क्रिसेंट कंट्रीज" (इराक, इजरायल, जार्डन, लेबनान, सीरिया, पैलेस्टिन)" शुरू किया।

केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

- खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, प.ए.अ.अ.के., अ.अ.सं. ने 24 से 26 मार्च, 2009 तक "गल्फ ऐंड इमर्जिंग एशिया : डिफाइनिंग रीजनल आर्किटेक्चर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की (संगोष्ठी संयोजक : प्रो. ए.के. पाशा)।
- खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, प.ए.अ.अ.के., अ.अ.सं. ने 27 मार्च, 2009 को "डेमोक्रेटाइजेशन इन द गल्फ : चैलेंजिज अहेड" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की (संगोष्ठी संयोजक : प्रो. गुलशन डायटल)।
- खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, प.ए.अ.अ.के., अ.अ.सं. ने 23 मार्च, 2009 को "कंटेम्पोरेरी यूनाइटिड अरब इमिरेट्स ऐंड द इमर्जिंग इण्डो–यूएई टाईज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की (संगोष्ठी संयोजक : प्रो. ए.के. पाशा)।
- खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, प.ए.अ.अ.के., अ.अ.सं. ने 24 मार्च, 2009 को "इंडियन डायसपोरा इन द गल्प कंट्रीज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की (संगोष्ठी संयोजक : प्रो. प्रकाश सी. जैन)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए अतिथि

एसएएच डिविजन

- प्रो. हुसैन सालोमन, डायरेक्टर, सीआईपीएस साऊथ अफ्रीका।
- महामहिम इबयान मोहमद सालाह, राजदूत, सोमालिया।
- प्रो. फ्रेड हेंडरिक, डीन, ह्यूमैनटीज यूनिवर्सिटी।
- प्रो. क्रिस दे वेट, रोड्स यूनिवर्सिटी (दक्षिण अफ्रीका)

डबल्यूएएस डिविजन

- श्री डेविड बरसामियन, डायरेक्टर, अल्टरनेटिव रेडियो, यूएसए
- श्री जॉयल सी. इहरेंडरिख, यूएसए
- श्री ए.ए. मणिक्कन, ज्वाइंट सेक्रेटरी खाड़ी, विदेश मंत्रालय, (भारत)
- प्रो. अब्दुलवाहित कैकिर और प्रो. रेफिक तुरान (गाजी यूनिवर्सिटी)
- डॉ. डायटरिख जुंग (डेनिश इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज)
- श्री एस.के. भुटानी
- श्री पी. हरीश, भारतीय विदेश सेवा (पूर्व अध्यक्ष, भारतीय मिशन, गाजा)

- श्री अनिल त्रिगुणायत (संयुक्त सचिव खाड़ी, विदेश मंत्रालय, भारत)

भावी योजनाएं

- 'अफ्रीकन स्टडीज ऐंड डायसपोरा स्टडीज' विषयक पत्रिका शुरू करना

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत समूह

- नए और संशोधित एम.ए. अनिवार्य कोर्स (प्रत्येक 4 क्रेडिट)
- कंपेरेटिव पॉलिटीकल एनालिसिस, आईएस 403 एन – प्रो. कमल मित्रा चिनॉय
- इंडियन पॉलिटीकल सिस्टम, आईएस 404 एन – प्रो. कमल मित्रा चिनॉय
- पॉलिटीकल थॉट I, आईएस 201 एन – प्रो. निवेदिता मेनन
- पॉलिटीकल थाट II, आईएए, प्रो. निवेदिता मेनन

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत समूह में आए विशेष अतिथि

- प्रो. पीटर कस्टर्स, विजिटिंग स्कॉलर, एम्सटर्डम
- प्रस्तुत पी–एच.डी. शोध प्रबंध – मोहनलाल गोस्वामी, "रूरल लोकल सेल्फ गवर्नमेंट इन डिवलपिंग कंट्रीज, ए स्टडी ऑफ हनुमानगढ़ डिस्ट्रिक्ट, राजस्थान, 1993–2004", प्रो. कमल मित्रा चिनॉय।
- संस्थान मंडल द्वारा समूह की पूर्ण केन्द्र बनाने की सिफारिश की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा मंजूर दो सहायक प्रोफेसर के पदों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भी दो एसोसिएट प्रोफेसर के पद मंजूर किए हैं। समूह/केन्द्र इस विस्तार से अधिक एम.ए. वैकल्पिक कोर्स चलाएगा तथा एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू करेगा।
- समूह ने अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के एम.ए. राजनीति (अंतरराष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम के लिए के लिए मुख्य प्रशासनिक उत्तरदायित्व लिया है। एम.ए. पाठ्यक्रम के 12 कोर कोर्सों में से चार कोर्स समूह द्वारा पढ़ाए जाते हैं।

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र में आए अतिथि

- महामहिम राजदूत जोस बेलेंसिया, वाइस मिनिस्टर ऑफ फॉरेन अफेयर्स, ट्रेड ऐंड इंटीग्रेशन, इक्वेडोर गणराज्य 17 जुलाई, 2008 को केन्द्र में आए और "न्यू सोशलिज्म ऐंड साउथ अमरीकन इंटीग्रेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- यूनिवर्सिटी ऑफ डिवलपमेंट स्टडीज, सेंटियागो, चिली से प्रतिनिधि मण्डल 21 जुलाई, 2008 को केन्द्र में आया।
- प्रो. विंसटन डूकरन, अर्थशास्त्री, ट्रिनिडाड अैर टोबेको 24 दिसम्बर, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. ब्रिंसले समारू, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रिनिडाड ऐंड टोबेगो 12 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए।
- श्री जोस कार्लोस फोनसेका, भारत में ब्राजील के मिनिस्टर काउंसलर 15 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए।
- श्री साइमन मेजेदिमी, इटली दूतावास, नई दिल्ली 27 मार्च, 2009 को केन्द्र में आए।
- डॉ. पीटर जोनस, यूनिवर्सिटी ऑफ ओटावा, 14 अगस्त, 2008 को केन्द्र में आए।
- प्रो. मैरी मैकएन्ड्रू, चेयर, एथनिक रिलेशंस, यूनिवर्सिटी ऑफ मांट्रियल क्यूबेक केन्द्र में दिसम्बर 2008 से जनवरी, 2009 तक विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।
- डॉ. अश्विनी पीतुश, डिपार्टमेंट ऑफ फिलोस्फी, विल क्रिड लौरीर यूनिवर्सिटी 2 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए।

केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

- चिंतामणि महापात्रा ने 30–31 मार्च, 2009 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में "चेंजिंग पैराडिग्म ऑफ यूएस–साउथ एशियन रिलेशंस" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- चिंतामणि महापात्रा ने 25–26 अप्रैल, 2008 को बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "यूएस रोल इन ताईवान क्राइसिस" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 14 अक्टूबर, 2008 को महावीर खुला विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित "रिकंसेप्चुअलाइजिंग साउथ एशियन सिक्योरिटी" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 25–26 मार्च, 2009 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, अ.अ.सं. में आयोजित "पर्सियन गल्फ" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "चेंजिंग डायनेमिक्स ऑफ गल्फ सिक्योरिटी : यूएस पर्सपेक्टिव" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 16 सितम्बर, 2008 को आर्मी वार कॉलेज, महु में आयोजित "इमर्जिंग यू.एस. रोल इन ग्लोबल स्ट्रेटिजिक एनवायरनमेंट ऐंड इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया" विषयक संगोष्ठी में "यूएस टाइज विद चाइना ऐंड पाकिस्तान; इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 16–17 अक्टूबर, 2008 को अं.अ.सं., जेएनयू में आयोजित "इंडिया'ज फॉरेन पॉलिसी इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : इमर्जिंग इश्यूज" विषयक पहली अं.अ.सं. की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के भाग के रूप में आयोजित "रशिया ऐंड द शंघाई कॉपरेशन आर्गेनाइजेशन" शीर्षक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "पैराडिग्म शिफ्ट इन यूएस–रशियन रिलेशंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 17 सितम्बर, 2008 को रूसी अध्ययन प्रभाग द्वारा अं.अ.सं. में आयोजित "जॉर्जिया कंफ्लिक्ट" विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 2–3 फरवरी, 2009 को जयपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित "इंडियन फॉरेन पॉलिसी : चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन भाषण दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 18 मार्च, 2009 को सुरक्षा अध्ययन समूह, अं.अ.सं. में "नार्थ कोरियन न्यूक्लियर इश्यूज" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 7 अगस्त, 2008 को ओआरएफ में डॉ. आर. राजगोपालन द्वारा प्रस्तुत "यूएस मिलिट्री स्ट्रेटिजिज" विषयक आलेख की परिचर्चा में भाग लिया। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री बृजेश मिश्रा ने अध्यक्षता की।
- प्रीति सिंह ने 3 से 5 दिसम्बर, 2008 तक नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, सामाजिक विज्ञान संस्थान, इग्नू द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरेरी लेकिन अमेरिका ऐंड कैरेबियन" विषयक लेटिन अमेरिकन स्टडीज काउंसिल ऑफ एशिया ऐंड ओसियाना के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडीजिनस आइडेंटिटी विद फोकस आन लेटिन अमेरिका" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा ने 19–20 जून, 2008 को वाल्टर एच. शोरेंसटीन एशिया पेसिफिक रिसर्च सेंटर और आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित और प्रायोजित "डज साउथ एशिया एक्जिस्ट ? प्रास्पेक्ट्स फार रीजनलीज्म इन साउथ एशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कंपेरेटिव हिस्ट्रीज ऑफ रीजनल इंटीग्रेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 15–16 सितम्बर, 2008 को गीगा जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल ऐंड एरिया स्टडीज, हम्बर्ग, जर्मनी द्वारा आयोजित पहले रीजनल पॉवर्स नेटवर्क सम्मेलन में "आइडियाज ड्राइवन फॉरेन पॉलिसी फॉर इंडिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 17 से 19 सितम्बर, 2008 तक हेनरिक बॉयेल फाउंडेशन, बर्लिन, जर्मनी द्वारा आयोजित "यूरोपियन गवर्नेंस ऑफ माइग्रेशन : द पॉलिटीकल मैनेजमेंट ऑफ मॉबीलिटी, इकोनॉमी ऐंड सिक्योरिटी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "माइग्रेशन इन एन इंटरकनेक्टिड वर्ल्ड" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- यू.एस. बावा ने 25–26 नवम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट डी'एत्यूडेज यूरोपियनेस, यूनिवर्साइट लिबरे द ब्रुसेल्स, ब्रुसेल्स, बेल्जियम द्वारा आयोजित "द ईयू ऐंड ईस्ट एशिया विदिन एन इवाल्विंग ग्लोबल आर्डर : आइडियाज, एक्टर्स ऐंड प्रोसेसिज" विषयक ईयू–नेस्का के सम्मेलन में "एन इंडियन पर्सपेक्टिव ऑन द ईयू'ज इंटरनेशनल रोल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 13–14 दिसम्बर, 2008 को नई दिल्ली, भारत में सीईआरआई (पेरिस), एसडब्ल्यूपी (बर्लिन), एफईएस (बर्लिन, नई दिल्ली) द्वारा आयोजित 'ईयू–इंडिया' वार्ता में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 23 फरवरी, 2009 को द इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) और यूरोपियन यूनियन इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज (ईयूआईएसएस), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इंडिया ऐंड ईयू एप्रोचिज टु सिक्योरिटी" विषयक पेनल परिचर्चा में "इंडिया'ज एप्रोच टु सिक्योरिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 28 मई, 2008 को सीएपी, मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स, पेरिस द्वारा आयोजित "इंडिया–ईयू सम्मिट, सितम्बर 2008" विषयक ब्रेन स्टार्मिंग सत्र में भाग लिया।
- आर.के. जैन ने 8 से 11 जुलाई, 2008 तक स्टनले फाउंडेशन, स्टॉकहाम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीड्यूट, स्वीडिश फाउंडेशन फॉर इंटरनेशनल कॉपरेशन इन रिसर्च ऐंड हायर एज्यूकेशन, स्टोरा ब्राम्बो कांफ्रेंस सेंटर, सिंगतुना, स्वीडन द्वारा आयोजित "चैलेंजिज टु एफेक्टिव मल्टीलेटरलिज्म कंपेयरिंग एशियन ऐंड यूरोपियन एक्सपिरिएंसिज" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. जैन ने 25 से 27 सितम्बर, 2008 तक द नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन यूरोप द्वारा द यूरोपियन यूनियन सेंटर्स नेटवर्क ऐंड द ईयू स्टडीज एसोसिएशन एशिया – पेसिफिक, क्रिस्टचर्च, न्यूजीलैण्ड के सहयोग से आयोजित "यूरोप इन द चेंजिंग वर्ल्ड : चैलेंजिज, प्रायोरिटीज ऐंड रिसर्च कॉलेब्रेशंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "यूरोप इन द चेंजिंग वर्ल्ड : चैलेंजिज, प्रायोरिटीज ऐंड रिसर्च कॉलेब्रेशंस" शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन 6 नवम्बर, 2008 को सेंटर फॉर यूरोपियन रिफॉर्म, लंदन में आयोजित गोलमेज में मुख्य वक्ता रहे।
- आर.के. जैन ने 6 से 8 नवम्बर, 2008 तक द डियले फाउंडेशन, आक्सफोर्ड शायर, यू.के. द्वारा आयोजित "हाउ कैन द ईयू डिलियर एन इफेक्टिव ग्लोबल स्ट्रेटजी ?" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- आर.के. जैन ने 24–25 नवम्बर, 2008 को द इंस्टीट्यूट ऑफ यूरोपियन स्टडीज, यूएलबी; सीईआरआई, साइंसेज पीओ द्वारा इगमोंट पैलेस, ब्रुसेल्स में आयोजित "जापान, यूरोप, एशिया : स्ट्रेटिजिक पार्टनर शिप्स ऐंड रीजनल इंटीग्रेशन" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. जैन ने 25–26 नवम्बर, 2008 को द इंस्टीट्यूट ऑफ यूरोपियन स्टडीज, यूएलबी, ब्रुसेल्स, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऐंड रीजनलाइजेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, इगमोंट पैलेस, ब्रुसेल्स; इंस्टीट्यूट ऑफ यूरोपियन स्टडीज ऑफ मकाउ; साइंसेज पीओ और सीईआरआई, ब्रुसेल्स द्वारा आयोजित "यूरोप ऐंड ईस्ट एशिया विदिन एन इवाल्विंग ग्लोबल" विषयक ईयू–नेस्का सम्मेलन में भाग लिया तथा पेनल के अध्यक्ष रहे।
- आर.के. जैन ने 9 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट ऑफ यूरोपियन डेमोक्रेट्स द्वारा रिनेसाँ होटल में आयोजित "ईयू'ज रिलेशंस विद इमर्जिंग पॉवर्स ऑफ एशिया" विषयक संगोष्ठी में "द यूरोपियन यूनियन ऐंड द इमर्जिंग एशियन पॉवर्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 13–14 मार्च, 2009 को इंस्टीट्यूट ऑफ यूरोपियन स्टडीज ऑफ मकाऊ द्वारा जस्टस गिसेन यूनिवर्सिटी; बीलफेल्ड यूनिवर्सिटी; सेंटर फॉर जर्मन ऐंड यूरोपियन स्टडीज, सेंट पीटर्सबर्ग मकाऊ के सहयोग से आयोजित" स्टेट्स, रीजन्स, ऐंड द ग्लोबल सिस्टम : नार्थर्न एशिया पेसिफिक, यूरोप ऐंड टुडे'ज ग्लोबलाइजेशन" शीर्षक ईयू–नेस्का सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. जैन ने 19–20 अगस्त, 2008 को द क्लाउस्ते गुलबेनकिचन फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित और आईईई–यूएलबी, इंस्टीट्यूट फॉर यूरोपियन स्टडीज, ब्रूसेल्स; फ्री यूनिवर्सिटी, बेल्जियम; यूएनयू–मेरिट, मास्ट्रिएट इकोनामिक ऐंड सोशल रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग सेंट ऑफ इनोवेशन ऐंड टेक्नोलॉजी, नीटरलैण्ड; ईयूआईएसएस, इंस्टीट्यूट फॉर सिक्यूरिटी स्टडीज, पेरिस और जेएनयू के सहयोग से द इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटिजिक ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, लिस्बन द्वारा आयोजित "डायलॉव फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट : इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन" विषयक उच्च स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।

- आर.के. जैन ने 28 नवम्बर, 2008 को फ्रेंच प्रेसिडेंसी के तहत यूरोपियन सघ राज्यों के पॉलिटीकल काउंसिलर की मासिक बैठक में "इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन आफ्टर द मार्सेल्स सम्मिट" विषयक व्याख्यान दिया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- संगीता बंसल ने 22–23 फरवरी, 2009 को सिंगापुर में "इकोनामिक कंसीड्रेशंस रिलेटिड टु बायोटेक लेबलिंग इश्यूज" विषयक व्याख्यान दिया।
- संगीता बंसल ने 25 से 27 जून 2008 तक गोटेन बर्ग, स्वीडन में आयोजित ईएईआरई के वार्षिक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता मेहरा ने 12–13 दिसम्बर 2008 को सीईआरआई, पेरिस में आयोजित 'इण्डियन–यूरोप डायलाग 2008' में 'क्लाइमेट चेंज ऐंड एनर्जी सिक्यूरिटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता मेहरा ने जून, 2008 में अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित तथा अंकटाड द्वारा वित्त पोषित "न्यू डिवलपमेंट इन द थीअरि ऐंड पॉलिसी ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड" विषयक कार्यशाला में "इंटरनेशल ट्रेड एनवायरनमेंट" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- मनोज पंत ने 28 फरवरी, 2009 को इस्कान इनवेस्टमेंट कंपनी और ओमान चैम्बर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री, मस्कट, ओमान द्वारा आयोजित "ग्लोबल रिसेशन ऐंड इट्स इम्पैक्ट ऑन द रियल एस्टेट सेक्टर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनोज पंत ने 2008 में भारतीय प्रतियोगिता आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "प्रमोटिंग कंपीटिटिवनेस इन इंडिया'ज मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर : ए केस स्टडी ऑफ द स्टील ऐंड टायर सेक्टर" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.एस. रे ने 18 नवम्बर, 2008 को एशियन डिवलपमेंट बैंक इंस्टीट्यूट, टोकियो में आयोजित "एशिया'ज रिसपांस टु द ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस" विषयक ब्रेनस्टॉर्मिंग कार्यशाला में भाग लिया।
- ए.एस. रे ने 4–5 अगस्त, 2008 को जाहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित "डिवलपिंग कंट्रीज ऐंड द फ्यूचर ऑफ द डब्ल्यूटीओ" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "शिफ्टिंग कॉर्डीनेट्स ऑफ इंडिया'ज स्टांस एट द डबल्यूटीओ" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 28 मार्च, 2009 को इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया–ईस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल, कोलकाता द्वारा आयोजित "फोरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज" विषयक व्याख्यान व संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.एस. रे ने 12 मार्च, 2009 को आईसीआरआईईआर और यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो द्वारा नई दिल्ली में आयोजित "एक्सलरेटिंग इनोवेशन : कालेब्रेटिव मॉडल्स' विषयक संगोष्ठी में "यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री कॉलेब्रेशन फॉर एक्सलरेटिंग इनोवेशन इन इंडिया" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ए.एस. रे ने 12 मार्च, 2009 को आईसीआरआईईआर और द यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो द्वारा नई दिल्ली में आयोजित "एक्सलरेटिंग इनोवेशन : कालेब्रेटिव मॉडल्स" विषयक गोलमेज में मुख्य परिचर्चाकर्ता रहे।
- ए.एस. रे ने 4 मार्च, 2009 को आईसीआरआईईआर और कॉनराड एडेन्योर स्टिफतुंग (केएएस) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित "टेक्नोलॉजी" विषयक कार्यशाला में "इंडिया'ज ट्राइस्ट विद टेक्नोलॉजी : द वे फारवर्ड" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 24 फरवरी, 2009 को द जॉर्ज वाशिंग्टन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल और कंफिड्रेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई), नई दिल्ली द्वारा आयोजित आईपी सिम्पोजियम 2009 (सिक्सथ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी ऐंड कार्पोरेट ला डिलिगेशन) में "द बेम–डॉल टाइप लेजिस्लेशन इन इंडिया इन द लाइट ऑफ यूएस एक्सपिरियंस" विषयक पेनल परिचर्चा की।
- ए.एस. रे ने 13 फरवरी, 2009 को श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "द डब्ल्यू टी ओ ऐंड इंडिया" विषयक व्याख्यान व कार्यशाला आयोजित की।
- ए.एस. रे ने 11 दिसम्बर, 2008 को नेशनल केमिकल लेबोरेट्री (एनसीएल), पुणे में आयोजित एनसीएल इनोवेशन सेमिनार सिरीज (द्वितीय वार्ता) में "पब्लिक फंडेड रिसर्च ऐंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर : इंप्लिकेशंस ऑफ द बेय–डॉल एक्ट इट्स इंडियन इक्विलेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ए.एस. रे ने 27 से 29 नवम्बर, 2008 तक आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "ग्रोथ, इक्विटी ऐंड इंस्टीट्यूशंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "द इंटरफेस बिटवीन इकोनामिक डिवलपमेंट, हेल्थ ऐंड एनवायरनमेंट इन इंडिया : एन इकोनामेट्रिक इनवेस्टीगेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 18 सितम्बर, 2008 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में "द इंटरफेस विटवीन इकोनामिक डिवलपमेंट, हेल्थ ऐंड एनवायरनमेंट इन इंडिया : एन इकोनामेट्रिक इनवेस्टीगेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 17 सितम्बर, 2008 को आईसीआरआईईआर की विश्व व्यापार संगठन संगोष्ठी श्रृंखला में उद्घाटन संगोष्ठी में "शिफ्टिंग कॉर्डीनेट्स ऑफ इंडिया'ज स्टांस एट द डब्ल्यूटीओ : अंडर स्टेंडिंग द डोमेस्टिक्स ऐंड इंटरनेशनल इकोनॉमिक ड्राइवर्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 28 जुलाई 2008 को आईसीआरआईईआर, नई दिल्ली में आयोजित "इमर्जिंग थ्रू टेक्नोलॉजीकल कैपेबिलिटी : एन ओवरव्यू ऑफ इंडिया'ज टेक्नोलॉजीकल स्ट्रेटिजी" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.एस. रे ने 14 अक्टूबर, 2008 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित व्याख्यान में "इंडिया इन द वर्ल्ड इकोनॉमी टु ए डेलिगेशन ऑफ मारीशस पार्लियामेंटेरियंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- अभिजीत सेनगुप्ता ने मार्च, 2009 में बैंकाक में आयोजित "फिस्कल ऐंड डेबिट सस्टेनेबिलिटी इन द मिडस्ट ऑफ ए ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस" विषयक विश्व बैंक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "इंडिया इन द मिडस्ट ऑफ ए ग्लोबल क्राइसिस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत सेनगुप्ता ने मार्च, 2009 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड रिसेंशन" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्लोबल क्राइसिस ऐंड इंडिया'ज प्रास्पेक्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत सेनगुप्ता ने अक्टूबर, 2008 में वर्ल्ड एकेडमी ऑफ आर्ट्स ऐंड साइंसेज, जनरल एसेम्बली 2008, हैदराबाद में "कैन द एशियन करेंसी यूनिटलीड टु ग्रेटर एक्सचेंज रेट कॉर्डीनेशन ?" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत सेनगुप्ता ने सितम्बर, 2008 में नई दिल्ली में आयोजित "कैपिटल फ्लोज" विषयक डीईए–एनआईपीएफपी प्रोग्राम की तीसरी बैठक में "ट्रेड मिसइनवॉयसिंग : ए चैनल फॉर दे फैक्टो कैपिटल अकाउंट ओपननेस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत सेनगुप्ता ने जुलाई, 2008 में ब्रुकिंग इंस्टीट्यूशन और एनसीएईआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंडिया पॉलिसी फोरम "कोस्ट ऑफ होल्डिंग एक्सेस रिजर्वस : एविडेंस फ्रॉम इंडिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अलोकेश बरुआ ने 11–12 नवम्बर, 2008 को मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल में 'स्ट्रेटिजीज ऐंड प्रिपेयर्डनेस फॉर ट्रेड ऐंड ग्लोबलाइजेशन इन इंडिया' विषयक अंकटाड–डीएफआईडी–जीआईआई प्रोग्राम/प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित "इंगेजमेंट्स ऑफ डिवलपिंग कंट्रीज इन रीजनल ट्रेडिंग एरेंजमेंट्स (आरटीएज)" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- गुर बचन सिंह ने 17 मार्च, 2009 को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड रिसेशन" विषयक कार्यशाला में "बैंकिंग क्राइसिस ऐंड लिक्विडिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुर बचन सिंह ने अक्टूबर, 2008 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू में "द फाइनेंश्यिल क्राइसिस" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुर बचन सिंह ने 19 मार्च, 2009 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में "द फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड रिसेशन" विषयक व्याख्यान दिया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अलका आचार्य ने 27–28 नवम्बर, 2008 को द चाइना इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, बीजिंग (सीआईआईएस) द्वारा जीयामन, पीआरसी में आयोजित आठवें एकेडमिक ट्राइलेटरल चाइना–इंडिया–रशिया सम्मेलन में "द करंट इंटरनेशनल सिचुएशन ऐंड प्रास्पेक्ट्स फॉर ट्राइलेटरल कॉपरेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अलका आचार्य ने 26 अक्टूबर, 2008 को कनाडा में आयोजित "इंटरनेशनल गवर्नेंस इनोवेशन (सीआईजीआई' 08) आन चाइना इन द शिफिटिंग वर्ल्ड ऑर्डर इन वाटरलू" विषयक चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "एडजस्टिंग टु चाइना द ब्रिकसेम पर्सपेक्टिव (इंडिया)" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अलका आचार्य ने 17 से 19 सितम्बर, 2008 तक द स्टिफतुंग विजेनखाफ्ट उंड पॉलितिक (एसडब्ल्यूपी), बर्लिन और द सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) जकार्ता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "एशियन सिक्योरिटी 2008, आन चाइना इन एशिया'ज फ्यूचर : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम एशिया, द यूनाइटिड स्टेट्स ऐंड यूरोप" विषयक बर्लिन सम्मेलन में "द इंडियन पर्सपेक्टिव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अलका आचार्य ने 15–16 सितम्बर, 2008 को हम्बर्ग में जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल ऐंड एरिया स्टडीज (जीआईजीए), द्वारा आयोजित "आइडियाज, इंटरेस्ट्स, रिसॉर्सिज ऐंड स्ट्रेटिजीज ऑफ रीजनल पॉवर्स–एनालिटीकल कंसेप्ट्स इन कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव" विषयक पहले रीजनल पॉवर्स नेटवर्क (आरपीएन) सम्मेलन में "द फॉरेन पॉलिसीज ऑफ इंडिया ऐंड चाइना इन कंपेरीजन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अलका आचार्य ने 4–5 सितम्बर, 2008 को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित "डायनेमिक्स ऑफ ग्लोबल डिफेंस ट्रेड" विषयक दो दिवसीय कार्यशाला में "करंट ट्रेंड्स इन इंटरनेशनल पॉलिटिक्स : राइजिंग चाइना" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अलका आचार्य ने 23–24 मई, 2008 को बैंकाक में आयोजित "सस्टेनेबल डिवलपमेंट" विषयक दूसरदे आईसीएसएसआर–टीएसएआर सम्मेलन में भाग लिया।
- अलका आचार्य ने 19–20 अप्रैल, 2008 को बीजिंग, पीआरसी में द चाइना इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (सीआईआईएस) और द भण्डारनायके सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (बीसीआईएस) द्वारा आयोजित "चाइना ऐंड सार्क : टुवर्डस ए पार्टनरशिप ऑफ कॉमन प्रॉसपेरिटी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "साउथ एशियन रीजनल कॉपरेशन इन द कांटेक्स्ट आफ एशियन इकोनॉमिक इंटीग्रेशन : लेशंस फ्रॉम एसियान" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु अग्रवाल ने 28 फरवरी, 2009 को इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवलपिंग सोसाइटी, दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "डुइंग रिसर्च ऑन रूरल/माइनोरिटी/जेंटर इश्यूज इन चाइना" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- येशी शोयदन ने 1 जून, 2008 से 13 सितम्बर, और 28 सितम्बर से 21 दिसम्बर, 2008 तक "द जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बॉन में आयोजित "मैनेजिंग ग्लोबल गवर्नेंस" विषयक एडवांस ट्रेनिंग ऐंड डायलॉक प्रोग्राम में भाग लिया।
- येशी शोयदन ने 15 से 26 सितम्बर, 2008 तक द फेडरल फॉरेन आफिस ऑफ द फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी में आयोजित "इंटरनेशनल फ्यूचर" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- येशी शोयदन ने 4 दिसम्बर, 2008 को बॉन में द बॉन इंटरनेशनल सेंटर फॉर कनवर्सन (बीआईसीसी) और डच बेले द्वारा आयोजित "आफ्टर द इलेक्शंस इन द यूनाइटिड स्टेट्स : न्यू चांसेज फॉर ए कम्प्रोमाइज इन द न्युक्लियर डिसप्यूट विद ईरान" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- येशी शोयदन ने 10 दिसम्बर, 2008 को जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बॉन में आयोजित "इमर्जिंग पॉवर्स इन ए चेंजिंग वर्ल्ड : शेयरिंग रिस्पांसीबिलिटी फॉर ग्लोबल गवर्नेंस इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- राजेश राजगोपालन ने 9 दिसम्बर, 2008 को द सोशलिस्ट ग्रुप इन द यूरोपियन पार्लियामेंट, ब्रुसेल्स, बेल्जियम द्वारा आयोजित "पीस ऐंड डिसार्मामेंट : ए वर्ल्ड विदआउट न्यूक्लियर वेपंस ?" विषयक सम्मेलन में "पॉलिसी आप्शंस फॉर पीसफुल न्युक्लियर प्रोग्राम्स : मल्टीलेटरलाइजेशन ऑफ द न्युक्लियर फ्यूल साइकिल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 29 सितम्बर, 2008 को टोकियो में द ईस्ट–वेस्ट सेंटर, वाशिंग्टन और जापान इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स द्वारा आयोजित "मुथैया अलगप्पा'ज न्युक्लियर वेपंस ऐंड सिक्योरिटी इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी एशिया" विषयक बैठक में "इंडिया" चैप्टर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 3 से 5 सितम्बर, 2008 तक एशिया–यूरोप फाउंडेशन, सिंगापुर द्वारा आयोजित "द हिल डायलॉक, सेंकशन, इनसेंटिव ? कॉर्डीनेटिंग एन एशिया–यूरोप रिसपांस टु ट्रबल्ड स्टेट्स" विषयक 12वीं एशिया–यूरोप फाउंडेशन वार्ता में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 21 से 24 जुलाई, 2008 तक विल्टन पार्क द्वारा विस्टन हाउस, यू.के. में आयोजित "न्युक्लियर स्टेबिलिटी इन एशिया" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजेश राजगोपालन ने 30 मई से 1 जून, 2008 तक द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटिजिक स्टडीज, लंदन द्वारा सिंगापुर में आयोजित "द शंगरि–ला डायलॉक" विषयक वार्ता में भाग लिया।
- राजेश राजगोपालन ने 11 से 13 अप्रैल, 2008 तक द इंस्टीट्यूट ऑफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली और द इंटरनेशनल डिवलपमेंट रिसर्च सेंटर, कनाडा द्वारा बैंकाक, थाइलैण्ड में आयोजित "सिक्योरिटी सेक्टर गवर्नेंस इन साउथ एशिया" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 5 से 7 जून, 2008 तक बॉन, जर्मनी में आयोजित "एकेडमिक काउंसिल आन यूनाइटिड नेशंस सिस्टम" विषयक वार्षिक सम्मेलन में "द यूनाइटिड नेशंस ऐंड द ग्लोबल डिवलपमेंट आर्किटेक्चर" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- जे. मदन मोहन ने 12–13 मार्च, 2009 को वुमंस क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई में आयोजित "ह्यूमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसेज इन इंडिया : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज इन द ईरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में "इरेक्टिंग बैरियर्स ऑफ बिल्डिंग बैरियर्स ? एनालाइजिंग साइंस विदिन द स्टडी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जे. मदन मोहन ने 14 मार्च, 2009 को लॉयोला कॉलेज, चेन्नई में आयोजित "इंडिया'ज फॉरेन पॉलिसी इन द आफ्टरमथ ऑफ 26/11" विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- जे. मदन मोहन ने 20 जून, 2008 को इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली में आयोजित "अल कायदा ऐंड न्यूक्लियर वेपंस : अंडरस्टेंडिंग द क्वेस्ट" विषयक संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- जे. मदन मोहन ने 19 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली में "पाकिस्तान'स एचईयू–वेस्ड न्यूक्लियर वेपंस प्रोग्राम ऐंड न्यूक्लियर टेररिज्म : ए रिएल्टी चेक" विषयक संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- जयती श्रीवास्तव ने 3 से 5 अक्टूबर, 2008 तक आईएमडी और द फ्रेडरिक–एबर्ट स्टिफतुंग, एट लौसाने, स्विटजरलैण्ड में एवियन ग्रुप द्वारा आयोजित "ट्रेड ऐंड क्लाइमेट चेंज : कनफ्रंटेशन आर कॉलेब्रेशन ?" विषयक मल्टी स्टेकहोल्डर डायलॉक में "फूड ऐंड इनर्जी सिक्युरिटी चैलेंजिज" शीर्षक पैनल की अध्यक्षता की।
- जयती श्रीवास्तव ने 17 से 19 सितम्बर, 2008 तक द इंस्टीट्यूट द' एत्यूडेज पॉलिटिक्स दे बॉरडॉक्स, बॉरटॉक्स, फ्रांस द्वारा आयोजित "पैपिंग इंटीग्रेशन ऐंड रीजनलिज्म इन ए ग्लोबल वर्ल्ड : द ईयू ऐंड रीजनल गवर्नेंस आउटसाइड द ईयू" विषयक तीसरे वार्षिक गारनेट सम्मेलन में "द डायनेमिक्स ऑफ रीजनलिज्म इन साउथ–ईस्ट एशिया" शीर्षक पेनल की अध्यक्षता की।
- अर्चना नेगी ने 24 जुलाई, 2008 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रस्तावित 'नेशनल बायोटेक्नोलॉजी रेग्यूलेटरी बिल' पर गठित विधि विशेषज्ञ की बैठक में भाग लिया।
- अर्चना नेगी ने 25 जून, 2008 को द यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ डिवलपमेंट ऐंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जिनेवा, स्विटरजरलैण्ड के 12वें आम सम्मेलन में "कोहरेंस इन ग्लोबल गवर्नेंस : द केस ऑफ ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अर्चना नेगी ने 10 अप्रैल, 2008 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल लीगल एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च, नोयडा मं आयोजित "वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन" विषयक संगोष्ठी में "ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- गंगनाथ झा ने 23 अप्रैल, 2008 को द नेशनल मेरिटाइम फाउंडेशन, नई दिल्ली में आयोजित " करंट सिचुएशन ऐंड प्राग्नोसिस इन म्यानमार" विषयक गोलमेज सम्मेलन में "क्राइसिस ऑफ डेमोक्रेसी इन म्यानमार : इंप्लिकेशंस फॉर रीजनल ऐंड इंटरनेशनल कम्युनीटीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गंगनाथ झा ने 13 से 15 अक्टूबर, 2008 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति में आयोजित संगोष्ठी में "इंडिया ऐंड एसियान : इवाल्विंग ए न्यू कल्चर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 23 जून, 2008 को अल फराबी कजाख़ नेशनल यूनिवर्सिटी, अल्माती द्वारा आयोजित "अस्ताना : द ट्रिएम्फ ऑफ कजाकिस्तान" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "रशिया इन द फॉरेन पॉलिसी स्ट्रेटिजी ऑफ प्रेसिडेंट एन नज़रबायेव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- के. वारिकू ने 14 से 21 सितम्बर, 2008 तक आयोजित ह्यूमन राइट काउंसिल, जिनेवा के 9वें सत्र में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 16–17 अक्टूबर, 2008 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित "इंडिया'ज फॉरेन पॉलिसी इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "रशिया'ज सेंट्रल एशिया पॉलिसी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 17–18 नवम्बर, 2008 को आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "चेंजिंग पैटर्न्स ऑफ इण्डो–रशियन कॉपरेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "रशिया ऐंड इंडिया इन सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 4 से 6 फरवरी, 2009 तक मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित "यूरेशियन पर्सपेक्टिव्स : इन सर्च ऑफ अल्टरनेटिव्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
- के. वारिकू ने 9 से 19 मार्च, 2009 तक ह्यूमन राइट काउंसिल, जिनवा के 10वें सत्र में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 24 मार्च, 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "पोस्ट–इलेक्शन काश्मीर : चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 31 मार्च, 2009 को सीआरआरआईडी, चण्डीगढ़ और इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित "इंडिया कजाकिस्तान स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनमोहिनी कौल ने 18 मार्च, 2009 को नेशनल मेरिटाइम फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन में "इंडिया ऐंड एसियान रिलेशंस" शीर्षर्क आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहिनी कौल ने 31 अक्टूबर, 2008 को इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली में इड्सा फेलोज संगोष्ठी में प्रस्तुत "द चैलेंज ऑफ पॉलिटीकल ट्रांजीशन इन म्यानमार : रेजिम चेंज आर रेजिम रिफॉर्म" विषयक आलेख के लिए बाह्य परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- मनमोहिनी कौल ने 8 अगस्त, 2008 को इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में बर्मा में जन–आंदोलन की स्मृति में बर्मा के लोगों द्वारा आयोजित सम्मेलन में "इंडिया–म्यानमार रिलेशंस" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- मंदिरा दत्ता ने 18–19 मार्च, 2009 को मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इंडीजीनाइजेशन ऑफ अफगान रिकंसट्रक्शन : इम्पावरिंग ग्रासरूट्स इन पोस्ट कंफ्लिक्ट सिचुएशंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इम्पावरिंग ग्रासरूट्स थ्रू कैपेसिटी बिल्डिंग मेजर्स : इंडियन इनिशिएटिव्स इन अफगानिस्तान" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मंदिरा दत्ता ने 7 मार्च, 2009 को द इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ वुमन द्वारा अशोका होटल में आयोजित संगोष्ठी में "एक्ससेलेंस इन एज्यूकेशन ऐंड वुमंस डिवलपमेंट" विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- मंदिरा दत्ता ने दिसम्बर, 2008 में नेटवर्क ऑफ एशिया पेसिफिक स्कूल्स ऐंड इंस्टीट्यूट्स ऑन पाब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इनोवेशन ऐंड इम्पावरमेंट : द पंचाचुली वुमन वीवर्स ऑफ अल्मोड़ा हिमालया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मंदिरा दत्ता ने 19 से 21 मई, 2008 तक द चाइनीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, बीजिंग द्वारा आयोजित "डीपनिंग कॉपरेशंस आमंग एससीओ मेम्बर ऐंड आब्जर्वर स्टेट्स" विषयक बैठक में "एससीओ–इंडिया : अपरच्युनिटीज ऐंड डिलेमाज" शीषर्क आलेख प्रस्तुत किया।
- मंदिरा दत्ता ने 27–28 मार्च, 2009 को भूगोल विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "नेचुरल रिर्मार्स, इनक्लुसिव ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जेंडर ऐंड नेचुरल रिर्सासिज – मेकिंग ग्रोथ इनक्लुसिव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अम्बरीश ढाका ने 23–24 अगस्त, 2008 को सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक स्टडीज, मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स, काबुल, अफगानिस्तान द्वारा आयोजित "द एस्टाब्लिशमेंट ऑफ द मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स ऐंड डिवलपिंग मॉडर्न डिप्लोमेसी द इन इनफ्लुएंस ऑफ ए.एम. तारजी ऐंड एस.डब्ल्यू.के. दरवाज़ी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंस्टीट्यूशन, मॉडर्नाइजेशन ऐंड रिबिल्डिंग ऑफ अफगानिस्तान : ए ट्राइब्यूट टु द विजंस ऑफ अल्लामा महमूद तारज़ी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अम्बरीश ढाका ने 12–13 फरवरी, 2009 को नेहरू अध्ययन केन्द्र, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित "रिलिवेंस ऑफ नेहरू'ज आइडियाज इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन" विषयक संगोष्ठी में "नेशन बिल्डिंग, नेचुरल रिसॉर्सिज ऐंड रीजनल डिवलपमेंट : ए ट्राइब्यूट टु द विजन ऑफ जवाहरलाल नेहरू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अम्बरीश ढाका ने 13–14 मार्च, 2009 को दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित "इमर्जिंग डेमोक्रेसीज इन साउथ एशिया : पैटर्नस, चैलेंजिस ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अफगानिस्तान'स क्वेस्ट फॉर डेमोक्रेसी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अम्बरीश ढाका ने 16 जनवरी से 6 फरवरी, 2009 तक अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भूगोल और पर्यावरण अध्ययन में 11वें पुनश्चर्या कोर्स में भाग लिया।
- एस.के. सोनी ने 4 से 6 फरवरी, 2009 तक द मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा कोलकाता में आयोजित "यूरेशियन पर्सपेक्टिव्स इन सर्च ऑफ अल्टरनेटिव्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "पोस्ट सोवियत माइग्रेशन ऑफ मंगोलियन–कजाख्स टु कजाकिस्तान" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. पासवान ने 21–22 फरवरी, 2009 को द फाउंडेशन फॉर इंडिया डिवलपमेंट इनिशिएटिव्स (आईसीएसएसआर और एनआरसी) द्वारा इंडियन इंटरनेशनल सेंटर कांफ्रेंस हाल में आयोजित "इंडियन डायसपोरा इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन : इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया" विषयक सम्मेलन में "इंडियन डायसपोरा एज ए पोटेंशल इकोनामिक एसेट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. पासवान ने 16 अप्रैल, 2008 को मध्य एशियाई अध्ययन कार्यक्रम, अं.अ.सं./जेएनयू द्वारा अं.अ.सं. सम्मेलन कक्ष में आयोजित "तजाकिस्तान" विषयक संगोष्ठी में "इंडिया–तजाकिस्तान ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट रिलेशंस : स्टेटस ऐंड पोटेंशल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मंदिरा दत्ता ने 8 नवम्बर, 2008 को बचपन बचाओ आंदोलन के बाल पंचायत कार्यक्रम के बारे में "वन वर्ल्ड साउथ एशिया" विषयक रेडियो पर साक्षात्कार दिया।
- मंदिरा दत्ता का सितम्बर, 2008 में टेलीग्राफ में "अफगान रिफ्यूजीज इन दिल्ली" विषयक लघु आलेख छपा।
- मंदिरा दत्ता का अगस्त, 2008 में स्टेट्समैन में "इंडिया आफ्टर 100 इयर्स इनडिपेनडेंस" विषयक लघु आलेख छपा।
- मंदिरा दत्ता का मई 2008 में जेएनयू न्यूज बुलेटिन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पर "रिकंसट्रक्शन प्रोसस इन अफगानिस्तान" विषयक आलेख प्रकाशित हुआ।
- मंदिरा दत्ता ने अप्रैल, 2008 में आकाशवाणी पर दरी सर्विसेज को साक्षात्कार दिया।
- मंदिरा दत्ता ने 23–24 अप्रैल, 2008 को जेएनयू, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तथा विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "रिकंसट्रक्शन प्रोसस इन अफगानिस्तान" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मेलन समन्वयक रहीं।

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने 13–14 मार्च, 2009 को इड्सा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रशिया–इंडिया' वार्ता में भाग लिया।
- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने 17 मार्च, 2009 को आयोजित "इंडिया ऐंड सीआईएस" विषयक सीआईआई सम्मेलन में भाग लिया।
- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने 2009 में यूएन पीस कीपिंग सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित "द रोल ऑफ यूएन पीस कीपर्स इन पीस बिल्डिंग" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने 10 से 12 नवम्बर, 2008 तक आयोजित "डेमोक्रेसी, पीस ऐंड डिवलपमेंट इन एशिया" विषयक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने वर्ष, 2008 में द एशिया यूरोप पीपल्स फोरम, बीजिंग में व्याख्यान दिया।
- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने 16 जुलाई, 2008 को ल्युवेन में आयोजित इंटरनेशनल पीस रिसर्च एकेडमी की बैठक में व्याख्यान दिया।
- अनुराधा मित्रा चिनॉय ने 2008 में वुमन इन इंटरनेशनल सिक्योरिटी ऐंड पीस, नई दिल्ली में आयोजित "डायलॉक प्रोसस" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

- अजय कुमार पटनायक ने 4 से 6 फरवरी, 2009 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशिया स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित "यूरेशियन पर्सपेक्टिव्स : इन सर्च ऑफ अल्टरनेटिव्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "कंपीटिंग जियोपॉलिटीकल इंटरेस्ट्स ऐंड कंफ्लिक्ट्स इन द काकेसस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 24 से 26 मार्च, 2009 तक खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "गल्फ ऐंड इमर्जिंग एशिया : डिफाइनिंग रीजनल आर्किटैक्चर" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ईरान ऐंड सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 29–30 मई, 2008 को द इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटिजिक ऐंड रीजनल स्टडीज, ताशकंद, उजबेकिस्तान द्वारा आयोजित "सिक्योरिटी ऐंड स्टेबिलिटी इन सेंट्रल एशिया इन द कांटेक्स्ट ऑफ पॉलिटीकल ऐंड इकोनॉमिक मॉडर्नाइजेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पोस्ट–सोवियत मॉडर्नाइजेशन ऐंड रीजनल स्टेबिलिटी इन सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 17 जून, 2008 को द ऑल युक्रेनियन एसोसिएशन ऑफ इंडोलॉजीस्ट द्वारा द इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस, कीप, युक्रेन में आयोजित "युक्रेन–इंडिया : अपरच्युनिटीज फॉर कांटेक्ट्स ऐंड कॉपरेशन अंडर मॉडर्न सिचुएशन" विषयक गोलमेज सम्मेलन में "इंडिया–युक्रेन रिलेशंस" शीषर्क आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 18 से 21 सितम्बर, 2008 तक आयोजित द सेंट्रल युरेशियन स्टडी सोसाइटी, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, डीसी के 9वें वार्षिक सम्मेलन में "एक्सपोर्ट ऑफ डेमोक्रेसी : यूएस जियोपॉलिटीकल मूव्स इन सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 1 से 3 अक्टूबर, 2008 तक द डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल कल्चरल रिलेशंस ऑफ मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर ऐंड टेलीविजन ऐंड रेडियो ब्राडकास्टिंग ऑफ तुर्कमेनिस्तान, अश्गाबात द्वारा आयोजित" तुर्कमेन लैंड इज ए क्रेडल ऑफ एनशियंट कल्चर्स ऐंड सिविलाइजेशंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडिया–तुर्कमेनिस्तान रिलेशंस : कल्चरल लिंक्स फ्राम पास्ट टु प्रजेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 15 से 18 अक्टूबर, 2008 तक मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर में आयोजित "डायनेमिक्स ऐंड रिवाइवल ऑफ सिल्क रूट : पर्सपेक्टिव, चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "सिक्योरिटी चैलेंजिज इन सेंट्रल एशिया ऐंड न काकेसस : कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 28–29 अक्टूबर, 2008 को द इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिटीकल ऐंड इंटरेशनल स्टडीज, तेहरान द्वारा आयोजित "कंफ्रेंटेशन इन द काकेसस : रूट्स डाइमेंशंस ऐंड इंप्लिकेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "सेंट्रल एशिया ऐंड द काकेसस" विषयक 16वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में द यूएस ऐंड सिक्योरिटी चैलेंजिज इन द काकेसस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक 9 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "जियोपॉलिटिक्स ऑफ इनर्जी इन युरेशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ताहिर असगर ने 8 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने फरवरी, 2009 में वियना, आस्ट्रिया में आयोजित "यूरोपियन सिक्योरिटी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "यूरोपियन सिक्योरिटी : व्यू फ्राम इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने 2009 में आईएनडीएपीआरआईवाईएएल द्वारा दिल्ली में आयोजित "विंडोज टु रशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "द इमर्जिंग मिडल क्लास आफ रशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने 2008 में इड्सा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "लिमिट्स टु इण्डो–रशियन ट्रेड ऐंड इकोनामिक कॉपरेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अरुण कुमार मोहंती ने मई, 2008 में मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कंटूर्स ऑफ पुतिन इकोनॉमिक्स" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने जून, 2008 में मास्को में "रशिया'ज इंटरनेशनल इमेज" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडियन मीडिया ऐंड रशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने जुलाई, 2008 में मास्को में आयोजित "रशिया ऐंड इस्लाम" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इस्लामिक फैक्टर इन डिवलपमेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने 2008 में दिल्ली में आयोजित "रशिया ऐंड शंघाई कॉपरेशन आर्गेनाइजेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडिया'ज पॉलिसी टुवर्डस एससीओ" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने 8 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं. जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "रशिया'ज लोंग टर्म डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी अप टु 2020" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार मोहंती ने 2008 में रोड्स में आयोजित रशिया एज युरेशियन पॉवर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 24 मार्च, 2009 को नागालैण्ड विश्वविद्यालय, लुमनी, नागालैण्ड में "पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी ऐंड सेल्फ डिटर्मीनेशन : ए कम्पेरीजन ऑफ नागा ऐंड मिजो मूवमेंट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 3 दिसम्बर, 2008 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थन, जेएनयू में "सेप्रेटिज्म एट इंडिया'ज पेरिफरी : कम्पेरिंग द नागा ऐंड मिजो एक्सपिरियंसिज" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 8 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनूय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "फेडरेलिज्म इन रशिया : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने नवम्बर, 2008 में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "रशिया एज एन इनर्जी सुपरपॉवर्स : प्रास्पेक्ट्स ऐंड लिमिटेशंस" विषयक कुंजरू स्मारक व्याख्यान दिया।
- अर्चना उपाध्याय ने 7 नवम्बर, 2008 को द इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "लुकिंग "ईस्ट" थ्रू इंडिया'ज नार्थ–ईस्ट : आइडेंटीफाइंग पॉलिसी "चैलेंजिज" ऐंड आउटलाइनिंग द रिस्पांसिज" इड्सा फेलोज संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- फूल बदन ने 7–8 मार्च, 2009 को राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सांगीपुर, प्रतापगढ़, उत्तरप्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एनवायरनमेंटल प्रॉब्लम्स ऐंड इंटरनेशनल एफर्टस" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- फूल बदन ने 17 से 19 मार्च, 2009 तक द मालटेप यूनिवर्सिटी (टर्की), द यूनिवर्सिटी ऑफ टोकियो, इस्लामिक एरिया स्टडीज (जापान) और द यूनिवर्सिटी ऑफ सुकुषा (जापान), द्वारा मालटेप यूनिवर्सिटी कैम्पस, टर्की में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "डेमोक्रेसी इन सेंट्रल एशिया : रिएलिटी आर मिरेज ?" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फूल बदन ने 9 से 11 अक्टूबर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्टेट ऐंड डेमोक्रेसी इन सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फूल बदन ने 21 से 23 अक्टूबर, 2008 तक द एकेडमी ऑफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "इंडिया ऐंड सेंट्रल एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रीति डी. दास ने 25 से 27 मार्च, 2009 तक आयोजित "रिमेम्बरिंग चिंगिज़ एत्मातोव – सोशलिस्ट रिएलिज्म टु ग्लोबल ह्यूमैनिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "किरगिज वुमन इन द वर्क्स ऑफ चिंगिज़ एत्मातोव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रीति डी. दास ने 9 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, जेएनयू नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "ग्लोबजाइजेशन : सोशियो कल्चरल कंफ्लिक्ट्स ऐंड इंप्लिकेशन फॉर रशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- प्रीति डी. दास ने 10 से 12 दिसम्बर, 2008 तक आईएनडीएपीआरवाईएएल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "विंडो इन टु रशिया : आर्ट ऐंड सोसाइटी इन द XXI सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "क्राइसिस ऑफ कल्चरल आइडेंटीटिज इन मल्टीकल्चरल ऐंड मल्टीलिंगुअल कंट्रीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजन कुमार ने अप्रैल, 2008 में द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एशिया पेसिफिक स्टडीज द्वारा द इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में "इण्डो–रशिया डिफेंस कॉपरेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नलिन कुमार मोहपात्रा ने 21–22 अक्टूबर, 2008 को द इंस्ऑीट्यूट ऑफ सिविल सोसाइटी, बुखारा उजबेकिस्तान द्वारा आयोजित "डिवलपिंग ऑफ द सिविल सोसाइटी इन उजबेकिस्तान : कंडीशंस, एचिवमेंट्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कम्युनीटेरियन गवर्नेस ऐंड नेचर ऑफ पॉलिटीकल प्रोसेसिज : ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड उजबेकिस्तान" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नलिन कुमार मोहपात्रा ने 9 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "इंडिया'ज इनर्जी डिप्लोमेसी इन द सीआईएस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.बी. ऊषा ने 9 से 12 नवम्बर, 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "सोशल इंपेक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन आन बाल्टिक स्टेट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने "ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वागत वक्तव्य दिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- ए.के. दुबे ने 11 से 21 मई 2008 तक रोड्स यूनिवर्सिटी और विट्स यूनिवर्सिटी में निम्नलिखित शैक्षिक कार्यशाला कार्यक्रमों में भाग लिया।
  - आईडेंटीफाई इश्यूज ऑफ इंडियन डायसपोरा (रोट्स यूनिवर्सिटी)
  - चैलेंजिज ऑफ इंडियन डायसपोरा (विट्स यूनिवर्सिटी)
- ए.के. दुबे ने 17–18 सितम्बर, 2008 को मुम्बई विश्वविद्यालय में आयोजित "इमर्जिंग सेक्टर्स इन इंडिया–अफ्रीका कॉपरेशन" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ए.के. दुबे ने 22–23 सितम्बर, 2008 को नॉर्डिक अफ्रीका इंस्टीट्यूट, उप्पासला, स्वीडन द्वारा आयोजित "चाइना ऐंड इंडिया इन अफ्रीका : न्यू स्ट्रेटिजिक एनकाउंटर्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- ए.के. दुबे ने 18–19 फरवरी, 2009 को द एकेडमिक ऑफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इंडिया ऐंड नॉर्थ अफ्रीका अंडर ग्लोबलाइजेशन" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. दुबे ने 25–27 फरवरी, 2009 तक दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "इंडिया–अफ्रीका सुम्मन्त फॉर इकोनामिक ऐंड ट्रेड इंगेजमेंट : ए न्यू विजन फॉर म्यूचुअल एक्सपीडिशन" विषयक दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन कार्यक्रम में भाग लिया।
- जी. डायटल ने 4 अप्रैल, 2008 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में एम.फिल. पाठ्यक्रम के लिए कोर्स संरचना हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- जी. डायटल ने 24–25 अप्रैल, 2008 को इड्सा में आयोजित "इंटरनेशनल ऐंड रीजनल सिक्योरिटी डायनेमिक्स : इंडियन ऐंड ईरानियन पर्सपेक्टिव्स" विषयक इड्सा–आईपीआईएस द्विपक्षीय वार्ता में "डायनेमिक्स ऑफ इन सिक्योरिटी इन टु ऐंड फ्रॉम वेस्ट एशिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. डायटल ने 6 से 8 जून 2008 तक मेंटन, फ्रांस में आयोजित "द स्टेट ऑफ सऊदी अरबिया" विषयक सम्मेलन में "इण्डो–सऊदी रिलेशंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. डायटल ने 11 जून, 2008 को द फाउंडेशन डे ला मेसन डेज साइंसेज डे एल' हॉम, पेरिस में "द ट्रांस नेशनल गैस पाईप–लाईन : ग्लोबल कांटेक्स्ट, इंडियन एक्सपिरियंस" विषयक व्याख्यान दिया।

- जी. डायटल ने 15 से 18 अक्टूबर, 2008 तक मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "डायनेमिक्स ऐंड रिवाइवल ऑफ सिल्क रूट : पर्सपेक्टिव, चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसनेशनल गैस–पाईप–लाईन्स : स्क्रेम्बल फॉर रूट्स ऐंड रिसॉर्स" विषयक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की सह–अध्यक्षता की।
- जी. डायटल ने 22–23 अक्टूबर, 2008 को द एकेडमी ऑफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित "इंडिया ऐंड द मेजर पॉवर्स इन सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशिया : चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "इंडिया, ईरान ऐंड द रीजन" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- जी. डायटल ने 30–31 अक्टूबर, 2008 को पेरिस में आयोजित द यूरोपियन यूनियन इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी स्टडीज के वार्षिक सम्मेलन (2008) में "इंटरप्ले विटवीन रीजनल ऐंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी : द केस ऑफ द गल्फ रीजन" विषयक पेनल के लिए "न्युक्लियर ईरान, सऊदी अरबिया ऐंड द जीडब्ल्यूएमडीएफजैड" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. डायटल ने 12 नवम्बर, 2008 को आईआईसी द्वारा रणजीत सिंह काला की पुस्तक "द अल्टीमेट प्राइज : ऑयल ऐंड सद्दाम'स इराक (एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, 2008) पर आयोजित परिचर्चा में भाग लिया।
- जी. डायटल ने 2–3 दिसम्बर, 2008 को आईसीडब्ल्यूए – एफआईसीसीआई द्वारा आयोजित "इंडिया–अरब हिस्टोरीकल लिंकेजिज ऐंड सिविलाइजेशनल डायलॉक" विषयक गोलमेज में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- जी. डायटल ने 17 से 20 दिसम्बर, 2008 तक एस्पेन इंस्टीट्यूट इंडिया द्वारा आयोजित "आइडियाज इंडिया 2008" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी. डायटल ने 9 जनवरी, 2009 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान की शिक्षक बैठक में "इजरायली अटैक आन गाजा" विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 21–22 जनवरी, 2009 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित "सिविल सोसाइटी, डेमोक्रेसी ऐंड स्टेट इन वेस्ट एशिया" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- जी. डायटल ने 2 से 4 फरवरी, 2009 तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित "इंडिया, ईरान, अरब्स, टर्की रिलेशंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 24 फरवरी, 2009 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में "ईरान सिंस द रिवाल्यूशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 24 फरवरी, 2009 को द दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और द यूरोपियन यूनियन इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज द्वारा आयोजित "इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन कंट्रीब्यूशंस टु पीस कीपिंग ऐंड पीस बिल्डिंग : प्रिंसिपल्स, सिनेरियो'ज ऐंड प्रासपेक्ट फॉर कॉपरेशन" विषयक गोलमेज में भाग लिया।
- जी. डायटल ने 27 मार्च, 2009 को "डेमोक्रेटाइजेशन इन द गल्फ : चैलेंजिज अहेड" विषयक जीएसपी राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- पी.सी. जैन ने 23 मार्च, 2009 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "कंटेम्पोरेरी यूनाइटिड अरब इमिरेट्स ऐंड द इमर्जिंग इण्डो–यूएई टाईज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इंडियंस इन द यूनाइटिड अरब इमिरेट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. जैन ने 24 मार्च, 2009 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "इंडियन डायसपोरा इन द गल्फ कंट्रीज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द थट्टाई भाटिया'ज ऑफ दुबई" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. जैन ने 25 से 26 मार्च, 2009 तक खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "गल्फ ऐंड इमर्जिंग एशिया : डिफाइनिंग रीजनल आर्किटेक्चर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "आन द सक्सेस ऑफ एनआरआई एंटरप्रिन्योरशिप इन द गल्फ : द केस ऑफ द यूनाइटिड अरब अमिरात'स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. जैन ने 21–22 फरवरी, 2009 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित "इंडियन डायसपोरा इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन : इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जैन डायसपोरा ऐंड इट्स लिंकेजिज दि इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एं.के. पाशा ने 3 नवम्बर, 2008 को डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटीकल साइंस, कुवैत यूनिवर्सिटी में "इंडिया एज एन इमर्जिंग ग्लोबल प्लेयर" और 3 नवम्बर, 2008 को सेंटर फॉर स्टडीज आन कुवैत में "इंडिया'ज हिस्टोरीकल रिलेशंस विद कुवैत" कल्चरल डाइमेंशंस विषयक व्याख्यान दिए।
- ए.के. पाशा ने 1 नवम्बर, 2009 को सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक स्टडीज, कुवैत यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित "डेमोक्रेसी इन कुवैत" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 17 दिसम्बर, 2008 को कतर यूनिवर्सिटी'ज ऑफ हिस्ट्री डिपार्टमेंट द्वारा दोहा, कतर में आयोजित राष्ट्रीय दिवस समारोह के अवसर पर "शेख जसीम'स एटेम्पट्स टु हैव गुड रिलेशंस विद इंडियंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 21 दिसम्बर, 2008 को द सेंटर फॉर स्टडीज ऐंड रिसर्च ऑन बहरीन (बहरीन यूनिवर्सिटी), पनामा, बहरीन द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "इंडिया जीसीसी कॉपरेशन टु कांबेट पायरेसी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 6–7 जनवरी, 2009 को द गल्फ रिसर्च सेंटर और इंस्टीट्यूट फॉर डिप्लोमेटिक स्टडीज, सऊदी मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स इन रियाध, सऊदी अरबिया द्वारा आयोजित "यूएस – गल्फ रिलेशंस : पोस्ट इलेक्शन, द गल्फ फोरम 2009" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इण्डो गल्फ रिलेशंस इन द सिक्योरिटी स्फेयर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 3 दिसम्बर, 2008 को द इंडिया काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स/फिक्की, नई दिल्ली में आयोजित "इंडिया–अरब हिस्टोरीकल लिंकेजिज ऐंड सिविलाइजेशन डायलॉक" विषयक गोलमेज वार्ता में "इण्डो–अरब मेरीटाइम ट्रेड ऐंड कॉमर्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 5–6 दिसम्बर, 2008 को सेंट फ्रांसिस और सेंट मैरी कॉलेज, हैदराबाद, आ.प्र. द्वारा आयोजित "क्रिटिकल एरियाज इनस्योरिंग इनर्जी सिक्योरिटी" विषयक संगोष्ठी में "थ्रेट्स टु गल्फ इनर्जी : इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा इसी संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र में डॉ. टिमोथी डॉयले, कील यूनिवर्सिटी, यू.के. द्वारा प्रस्तुत आलेख की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा को 29 दिसम्बर, 2008 को राजनीति विज्ञान विभाग, तिरुवनंतपुरम्, केरल में "ए स्टडी ऑन द प्रॉब्लम्स ऑफ क्रास बॉर्डर टेरोरिज्म इन इण्डो पाक रिलेशंस" विषयक शोध प्रबंध पर खुली चर्चा कराने के लिए केरल विश्वविद्यालय द्वारा अध्यक्ष नामित किया गया।
- ए.के. पाशा ने 21–22 जनवरी, 2009 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "सिविल सोसाइटी डेमोक्रेसी ऐंड स्टेट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिविल सोसाइटी ऐंड डेमोक्रेसी इन जीसीसी स्टेट्स : स्टेटस ऐंड चैलेंजिज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 22 जनवरी, 2009 के पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "सिविल सोसाइटी डेमोक्रेसी ऐंड स्टेट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में चौथे शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 26 फरवरी, 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "इंडिया–अफ्रीका सम्मिट फॉर इकोनामिक ऐंड ट्रेड इंगेजमेंट्स : ए न्यू विजंस फॉर इकोनामिक कॉपरेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इण्डो मोरक्कन ट्रेड ऐंड इकोनामिक कॉपरेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 23 मार्च, 2009 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं.,जेएनयू द्वारा आयोजित "कंटेम्पोरेरी यूएई ऐंड द इमर्जिंग इण्डो–यूएई टाइज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मेजर फॉरेन पॉलिसी एचिवमेंट्स ऑफ यूएई" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 24 से 26 मार्च, 2009 तक खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अं.अ.सं.,जेएनयू द्वारा आयोजित "गल्फ ऐंड इमर्जिंग एशिया : डिफाइनिंग रीजनल आर्किटेक्चर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "गल्फ एशिया कांटेक्ट्स : ए हिस्टोरीकल ओवर व्यू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक रहे।
- ए.के. पाशा ने 11 फरवरी, 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित "ईरान ड्यूरिंग 30 इयर्स ऑफ इस्लामिक रिवोल्यूशन" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में "इण्डो–ईरानियन रिलेशंस : द यूएस फैक्टर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सीमा बैद्य ने 23 से 25 जनवरी, 2009 तक जेएनयू में द इंडियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज के सौजन्य से "प्लानेट अर्थ, पीपल्स, सोसाइटी ऐंड साइंस" विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- चिंतामणि महापात्रा ने 15 मई, 2008 को भारतीय सेना, पट्टन, श्रीनगर में "ह्यूमन राइट्स इन काश्मीर : पर्सेप्शंस ऐंड रिएलिटी" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 31 जुलाई, 2008 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय में "अमेरिकन हिगमनी" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 1 अगस्त, 2008 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय में "इण्डो–यूएस रिलेशंस : क्रिटिकल डाइमेंशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 15 अक्टूबर, 2008 को 21 आर्मर्ड ब्रिगेड, भारतीय सेना, झांसी में "इण्डो–यूएस डिफेंस ऐंड सिक्योरिटी कॉपरेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने फरवरी, 2009 में भगत सिंह सायंकालीन कॉलेज में "ओबामा एडमिनिस्ट्रेशन : वाट इट मींस फॉर इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 4 फरवरी, 2009 को एफएसआई में यूएस फॉरेन पॉलिसी इन ए चेंजिंग वर्ल्ड" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 4 फरवरी, 2009 को एफएसआई में इण्डो–यूएस रिलेशंस : चैलेंजिज अहेड" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने एसएपी प्रोग्राम, राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में "यूएस पॉलिसी टुवर्डस एशिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 17 मार्च, 2009 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में "यूएस हिगमनी इन पोस्ट कोल्डवार इरा" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 23 मार्च, 2009 को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर में "इण्डो–यूएस रिलेशंस इन कंटेम्पोरेरी ईरा" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 24 मार्च, 2009 को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर में "अमेरिकन फॉरेन पॉलिसी : चैलेंजिज ऐंड डायरेक्शंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 9 मार्च, 2009 को मिलिट्री इंटेलीजेंस ट्रेनिंग स्कूल, पुणे में "यूएस–पाक ऐंड यूएस चाइना रिलेशंस ऐंड इंप्लिकेशंस फार इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रीति सिंह ने 9 अप्रैल, 2008 को सेंटर फॉर वुमनंस ऐंड जेंडर स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलम्बिया, वेंकावर, कनाडा में "इश्यूज आफ जेंडर, सोसियो–इकोनामिक इक्विटी ऐंड जस्टिस फॉर गवर्नेंस ऑफ ट्राइबल्स इन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा ने 6 फरवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में "इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन" विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 22 सितम्बर, 2008 को राजनीति विज्ञान विभाग, पटना विश्वविद्यालय में "रशिया, जार्जिया ऐंड द क्राइसिस इन नार्थ ओसेतिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 23 सितम्बर, 2008 को के.पी. जायसवाल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना में "रिफ्लेक्शंस ऑन ट्वेंटियथ संेचुरी रशियन हिस्ट्री" विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 24 नवम्बर, 2008 को राजनीति विज्ञान विभाग, पटना विश्वविद्यालय में "इश्यूज ऐंड ट्रेंड्स इन कंटेम्पोरेरी इंटरनेशनल पॉलिटिक्स" विषयक व्याख्यान दिया।

- शशिकांत झा ने 30 जनवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, भारत सरकार में "यूरोपियन इंटीग्रेशन–प्रॉस्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिज" विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 4 फरवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, भारत सरकार में "इंडिया'ज रिलेशंस विद द यूरोपियन यूनियन" विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 6 फरवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, भारत सरकार में "इंडिया'ज रिलेशंस विद द यूनाइटिड किंगडम" विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 9 फरवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, भारत सरकार में "इंडियन ऐंड ईस्टर्न यूरोप" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 10 अप्रैल, 2008 को वाशिंगटन और जेफरसन कॉलेज, पीट्सबर्ग में "द यूरोपियन यूनियन ऐंड इंडिया/पाकिस्तान रिलेशसं" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 14 अप्रैल, 2008 को फ्रीमैन स्पॉग्ली इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में "द यूरोपियन यूनियन ऐंड ऑफ शिंदिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 15 अप्रैल, 2008 को सेनफ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, सेन फ्रांसिस्के में "यूरोप ऐंड द राइज ऑफ एशियन जाइंट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 16 जून, 2008 को फिनिश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, हेलसिंकी में "द यूरोपियन यूनियन ऐंड द राइज ऑफ चाइना ऐंड इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 29 सितम्बर, 2008 को द नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर और द इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में "द यूरोपियन यूनियन ऐंड द राइज ऑफ चाइना ऐंड इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 25 अप्रैल, 2008 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में सूडानी राजनयिकों के लिए विशेष कोर्स में "इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 29–30 अप्रैल, 2008 को द डेलिगेशन ऑफ द कमिशन ऑफ द यूरोपियन यूनियन, फोर्ट रायचेक, कोलकाता द्वारा आयोजित "द ईयू फॉर द इंडियन मीडिया" विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 1 सितम्बर, 2008 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में एसियान राजनयिकों के लिए विशेष कोर्स में "इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 20 जनवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में नार्वेजियन राजनयिकों के लिए विशेष कोर्स में "इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 5 मार्च, 2009 को द इंस्टीट्यूट ऑफ सोसियोलॉजी ऐंड सोशल पॉलिसी, कार्विनस यूनिवर्सिटी ऑफ बुडापेस्ट में "सिचुएशन इन अफगानिस्तान : टाइम फॉर ए रीजनल एप्रोच ?" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 3 मार्च, 2009 को द बुडापेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ऐंड इकोनामिक्स में "इमर्जिंग इंडिया इन राइजिंग एशिया ?" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 26 फरवरी, 2009 को द इंस्टीट्यूट ऑफ सोसियोलॉजी ऐंड सोशल पॉलिसी, कार्विनस यूनिवर्सिटी ऑफ बुडापेस्ट में "इंडिया ऐंड द ईयू : नीड टु डी–ब्यूरोक्रेटाइज स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 24 फरवरी, 2009 को डिपार्टमेंट ऑफ इकोनामिक्स, कार्विनस यूनिवर्सिटी ऑफ बुडापेस्ट में "राइजिंग इंडिया : लिमिट्स ऑफ यूरोपियन इंगेजमेंट" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 23 फरवरी, 2009 को सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट में "सिचुएशन इन अफगानिस्तान : टाइम फार ए रीजनल एप्रोच ?" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 19 फरवरी, 2009 को द इंस्टीट्यूट ऑफ सोसियोलॉजी ऐंड सोशल पॉलिसी, कार्विनस यूनिवर्सिटी ऑफ बुडापेस्ट में "डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी फॉर इंडियन नार्थईस्ट" विषयक व्याख्यान दिया।

- गुलशन सचदेवा ने 19 फरवरी, 2009 को एत्वोस लोरांड यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट में "रिसेंट इकोनामिक डिवलपमेंट्स इन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 12 फरवरी, 2009 को द इंस्टीट्यूट ऑफ सोसियोलॉजी ऐंड सोशल पॉलिसी, कार्विनस यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट में "राइजिंग इंडिया : मेजर इंटरनल ऐंड एक्सटर्नल डिवलपमेंट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 7 जनवरी, 2009 को द यूरोपियन एकेडमी, बोल्ज़ानो/बोज़ेन, इटली में "सिचुएशन इन अफगानिस्तान : टाइम फॉर ए रीजनल एप्रोच ?" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 11 दिसम्बर, 2008 को फैकल्टी ऑफ सोसियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रेंटो, इटली में "राइजिंग इंडिया : मेजर इंटरनल ऐंड एक्सटर्नल डिवलपमेंट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 12 दिसम्बर, 2008 को फैकल्टी ऑफ सोसियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रेंटो, इटली में" रीजनल डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी फॉर द इंडियन नार्थईस्ट" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 12 दिसम्बर, 2008 को फैकल्टी ऑफ सोसियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रेंटो, इटली में" इकोनॉमिक डिवलपमेंट इन ए कंफ्लिक्ट जोन : द केस ऑफ अफगानिस्तान" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 11 जून, 2008 को कैम्ब्रिज सेंट्रल एशिया फोरम, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज में "इंडिया ग्रेटर सेंट्रल एशियन लिंकेज्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- भास्वती सरकार ने 10 जून, 2008 को नेशनल यूरोप सेंटर में "रिविजिटिंग सिटीजनशिप इन ए ग्लोबलाइज्ड बार्डर्ड वर्ल्ड" विषयक व्याख्यान दिया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- संगीता बंसल ने अक्टूबर, 2008 में एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में "इंफॉर्मेशन इकोनामिक्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- मीता मेहरा ने फरवरी, 2009 में टेरी यूनिवर्सिटी, वसंतकुंज संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली में "रेग्युलेटरी इकोनामिक्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.एस. रे ने 12 नवम्बर, 2008 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फॉर फॉरेन डिप्लोमेट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.एस. रे ने 29 मई, 2008 को अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में अंकटाड कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में"टेस्टिंग ट्रेड थीअरिज" विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरबचन सिंह ने 17 अक्टूबर, 2008 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में "द फाइनेंशल क्राइसिस" विषयक व्याख्यान दिया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 21 अप्रैल, 2008 को यूनाइटिड सर्विसेज ऑफ इंडिया में "तिब्बत ऐंड साइनो–इंडियन रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 28 अप्रैल, 2008 को सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज, दिल्ली में "इमर्जिंग सिक्योरिटी सिचुएशन इन द एशिया पेसिफिक रीजन : इंप्लिकेशंस टु इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 30 मई, 2008 को द इंटरनेशनल ऑनर्स प्रोग्राम फॉर यू.एस. स्टुडेंटस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इंडिया ऐंड चाइना रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 6 जून, 2008 को गोरखा ट्रेनिंग सेंटर, सुबाथु (हिमाचल प्रदेश) में वरिष्ठ सेना अधिकारियों (2 कॉर्प्स) के लिए आयोजित संगोष्ठी में "इंडिया ऐंड चाइना : पार्टनर्स आर कंपिटिटर्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 22 जुलाई, 2008 को द इंटरनेशनल ऑनर्स प्रोग्राम फार यूएस स्टुडेंट्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इमर्जिंग इंडिया ऐंड चाइना" विषयक व्याख्यान दिया।

- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 26 जुलाई 2008 को 4 कॉर्प्स हेडक्वार्टर्स, तेजपुर द्वारा भारतीय सेना अधिकारियों के लिए आयोजित "इंडिया–चाइना मिलिट्री बैलेंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 6 अगस्त, 2008 को द सेंटर फॉर एयर पॉवर स्टडीज, नई दिल्ली में भारतीय सेना अधिकारियों के लिए "चाइना'ज न्युक्लियर डॉक्ट्रिन ऐंड स्ट्रेटिजी" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 19 अगस्त, 2008 को इड्सा में बीएसएफ अधिकारियों के लिए "बॉर्डर डिसप्यूट ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 20 अगस्त, 2008 को आईपीसीएस में "रीजनल सिक्योरिटी ऐंड चाइना'ज न्युक्लियर डॉक्ट्रिन" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 22 अगस्त, 2008 को आर्मीवार कॉलेज, महू में "चाइना'ज वार पोटेंशल पोस्ट माडर्नाइजेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 28 अगस्त, 2008 को यूनाइटिड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन में "ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट : आइडियोलॉजी, आर्गेनाइजेशन ऐंड मूवमेंट" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 28 अगस्त, 2008 को नेशनल डिफेंस कॉलेज में "चाइना'ज राइज ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 2 सितम्बर, 2008 को मिलिट्री इंटेलीजेंस ट्रेनिंग स्कूल ऐंड डिपो, पुणे में "चाइना" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 10 सितम्बर, 2008 को आर्मी वार कॉलेज, महू में "चाइना'ज न्युक्लियर डॉक्ट्रिन" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 22 नवम्बर, 2008 को मिलिट्री इंटेलीजेंस ट्रेनिंग स्कूल ऐंड डिपो, पुणे में चाइना'ज लोकल वार अंडर इंफॉर्मेशनाइज्ड कंडीशंस ऐंड इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 25 नवम्बर, 2008 को सीएपीएस में "चाइना'ज न्युक्लियर ऐंड मिसाइल कैपेबिलिटीज" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 27 नवम्बर, 2008 को पीआरसी दूतावास, नई दिल्ली में "चाइना'ज रिफॉर्म्स ऐंड इंडियन रिस्पांसिज" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 10 दिसम्बर, 2008 को शानडोंग यूनिवर्सिटी, जिनान में शिक्षकों और छात्रों को "चाइना'ज रिफॉर्म्स इन 30 इयर्स ऐंड इंडिया–चाइना रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 23 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, सिचुआन यूनिवर्सिटी, चेंगदु, चीन में "चाइना–इंडिया रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 24 दिसम्बर, 2008 को द इंस्टीट्यूट ऑफ एशिया–पेसिफिक स्टडीज, चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज, बीजिंग में "चाइना–इंडिया रिलेशंस : रिसेंट डायनेमिक्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 25 दिसम्बर, 2008 को द चाइना इंस्टीट्यूट फॉर कंटेम्पोरेरी इंटरनेशनल रिलेशंस, बीजिंग में "इंडिया–चाइना रिलेशंस" विषयक परिचर्चा की।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 8 जनवरी, 2009 को द कॉलेज ऑफ नवल वारफेयर, मुम्बई में हायर कमाण्ड कोर्स के लिए "चाइना'ज नवल माडर्नाइजेशन ऐंड इंडिया ओशन रीजन" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 14 जनवरी, 2009 को सीएपीएस, नई दिल्ली में हायर कमाण्ड कोर्स के लिए "चाइना'ज न्युक्लियर ऐंड बैलेस्टिक मिसाइल मॉडर्नाइजेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 28 से 30 जनवरी, 2009 तक स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई में स्कॉलर इन रेजिडेंस प्रोग्राम के भाग के रूप में "चाइना'ज फॉरेन पॉलिसी" विषयक व्याख्यान दिया।

- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 10 फरवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए "इंडिया'ज पॉलिसी टुवर्डस चाइना" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 4 मार्च, 2009 को एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली में "चाइना'ज इंटरेस्ट्स इन वेस्ट एशिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीकांत कोंडापल्ली ने 28 मार्च, 2009 को द सेंटर फॉर साउथ–ईस्ट एशियन ऐंड पेसिफिक स्टडीज, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरूपति में "एरिया स्टडीज ऐंड ईस्ट एशियन सिक्योरिटी" विषयक दो व्याख्यान दिए।
- अलका आचार्य को 30 अक्टूबर, 2008 को ओटावा, कनाडा में कनाडा'ज इंटरनेशनल डिवलपमेंट रिसर्च सेंटर द्वारा आयोजित भारत व्याख्यान माला में "चाइना ऐंड इंडिया : पेरिल्स, प्रोमिजेज ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- अलका आचार्य ने 17 मई, 2008 को इंडिया चाइना सेंटर, कोलकाता द्वारा आयोजित विचार–विमर्श कार्यशाला में "सम कंसर्न्स रिगार्डिंग चाइनीज स्टडीज इन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.आर. चौधरी ने आईआईएफटी, नई दिल्ली में "क्रास कल्चरल इश्यूज इन मैनेजमेंट" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.आर. चौधरी ने राजीव गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, नई दिल्ली में "एनवायरनमेंटल कंसर्न्स ऑफ जापान : पॉलिसी एजेंडा ऐंड इंप्लिमेंटेशन मेथड्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 26 मार्च, 2009 को आयोजित "गल्फ ऐंड इमर्जिंग एशिया–डिफाइनिंग रीजनल आर्किटेक्चर" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "जापान ऐंड ईरान–इमर्जिंग रिलेशंस" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 30 मार्च, 2009 को श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति में "ग्लोबलाइजेशन ऐंड ईस्ट एशिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 31 मार्च, 2009 को श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति में "ईस्ट एशिया ऐंड इंडिया–फोकसिंग ऑन इंडिया जापान रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- येशी शोयदन ने 27 जनवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में "यूएन एज इंस्ट्रूमेंट ऑफ मल्टीलेटरल डिप्लोमेसी" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 30 अप्रैल, 2009 को द नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली में "सर्वे ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी स्ट्रक्चर्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 7 मार्च, 2009 को द हेडक्वार्टर्स, ईस्टर्न कमाण्ड, कोलकाता और दिल्ली पॉलिसी ग्रुप, कोलकाता में "द कंसेप्ट ऑफ न्युक्लियर डिटरेंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 12 से 15 जनवरी, 2009 तक विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए "इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 12 जनवरी, 2009 को द न्युक्लियर ऐंड मिसाइल डिटरेंस कैप्सूल, सेंटर फॉर एयर पॉवर स्टडीज, नई दिल्ली में "डिटरेंस थीअरि ऐंड प्रैक्टिस" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 12 दिसम्बर, 2008 को नवल वार कॉलेज, मुम्बई में "डिटरेंस थीअरिज ऐंड इट्स एप्लिकेबिलिटी इन द इंडियन कांटेक्स्ट" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 24 अगस्त, 2008 को न्युक्लियर ऐंड मिसाइल डिटरेंस कैप्सूल, सेंटर फॉर एयर पॉवर स्टडीज, नई दिल्ली में "डिटरेंस थीअरि ऐंड प्रैक्टिस" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 15 सितम्बर, 2008 को आर्मी वार कॉलेज, महू में आयोजित "इंडिया–यूएस स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप : चैलेंजिज ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक संगोष्ठी में "यूएस इंटरेस्ट्स ऐंड इमर्जिंग रियल पॉलिटिक" शीर्षक व्याख्यान दिया।

- राजेश राजगोपालन ने 26 अगस्त, 2008 को इड्सा, नई दिल्ली में बीएसएफ अधिकारियों के लिए "न्युक्लियर स्ट्रेटिजीज ऑफ इंडिया, पाकिस्तान ऐंड चाइना" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 19 अगस्त, 2008 को द इंस्टीट्यूट ऑफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में "न्युक्लियर रेजिम्स, ट्रीटीज ऐंड आर्गेनाइजेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 4 अगस्त, 2008 को द न्युक्लियर ऐंड मिसाइल डिटरेंस कैप्सूल, सेंटर फॉर एयरपॉवर स्टडीज, नई दिल्ली में "डिटरेंस थीअरि ऐंड प्रैक्टिस" विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 9 जून, 2008 को द सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, नई दिल्ली और द इंडियन काउंसिल फॉर वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "टुवर्डस ए वर्ल्ड फ्री ऑफ न्युक्लियर वेपंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "न्युक्लियर वेपंस ऐंड इंटरनेशनल टेरोरिज्म" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 16 मई, 2008 को द इंस्टीट्यूट फॉर पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इंडिया–पाक न्युक्लियर टेस्ट्स : टेन इयर्स आफ्टर" विषयक पेनल परिचर्चा में "इंटरनेशनल न्युक्लियर रेजिक : द लॉस्ट टेन इयर्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 12 मई, 2008 को द सेंटर फॉर एयर पॉवर स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ए डिकेड आफ्टर पोखरन 2 : इंडिया'ज चैलेंजिज, नीड्स ऐंड फ्यूचर ओरिएंटेशन" विषयक संगोष्ठी में "द डोमेस्टिक डिबेट : एनएफयू वर्सेज फर्स्ट यूज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेश राजगोपालन ने 16 अप्रैल, 2008 को नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली में नेशनल सिक्योरिटी ऐंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज" विषयक 48वें कोर्स में "सर्वे ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी स्ट्रक्चर्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 8 से 10 अप्रैल, 2008 तक द इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "नान स्टेट आर्म्ड ग्रुप्स ऐंड इंडियन सिक्योरिटी इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक सम्मेलन में "इंडिया'ज काउंटरइनसर्जेंसी डॉक्ट्रिन ऐंड प्रैक्टिस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अर्चना नेगी ने 15 मई, 2008 को "इंटरनेशनल कॉपरेशन, लॉज ऐंड कनवेंशन आन फोरेस्ट्री ऐंड एनवायरनमेंट" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "इंटरफेस बिटवीन ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट" विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती श्रीवास्तव ने 17 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट द'एत्युदेज पॉलिटिक्स दे बॉरडॉक्स, बॉरडॉक्स, फ्रांस में 'ग्लोबल सिविल सोसाइटी : चैलेंजिज ऐंड पॉसिबिलिटीज" विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती श्रीवास्तव ने 11 दिसम्बर, 2008 को द इंस्टीट्यूट द'एत्युदेज पॉलिटिक्स दे बॉरडॉक्स, ग्रेनोबल, फ्रांस में "रोल ऑफ एनजीओज इन ग्लोबल गवर्नेंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 5 मई, 2008 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में "रोल ऑफ यूएन इन द टॅवेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक व्याख्यान दिया।"
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 15 मई, 2008 को विदेश सेवा संस्थान में "इंडिया'ज रोल इन यूएन पीस कीपिंग ऑपरेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 4 सितम्बर, 2008 को विदेश सेवा संस्थान में "यूएन रिफॉर्म्स : एन इंडियन पर्सपेक्टिव" विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 26 अगस्त, 2008 को आफिस ऑफ द हाई कमिशन ऑफ द रिपब्लिक ऑफ मालदीव्स में "यूएन ऐंड इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 18 नवम्बर, 2008 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में "कंसेप्ट ऑफ नेशनल इंटरेस्ट" विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 2 दिसम्बर, 2008 को इग्नू, नई दिल्ली में आयोजित पेनल परिचर्चा में "सोशल साइंस रिसर्च ऑन आस्ट्रेलिया आर इन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- मंदिरा दत्ता ने 12 नवम्बर, 2008 को इंडियन इंस्टीट्यूट पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली में भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "वुमन ऐंड वर्क : ए सिचुएशनल एनालिसिस इन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता बतरा ने 14 नवम्बर, 2008 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 'साउथ–साउथ कॉपरेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता बतरा ने 11 अगस्त, 2008 को पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में "रीजनलीज्म इन ईस्ट एशिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता बतरा ने 12 जून, 2008 को उच्चायोग, मालदीप गणराज्य, दिल्ली के वरिष्ठ राजनयिक अधिकारियों के लिए "हैंडलिंग रीजनल कॉयरे (सार्क रीजन) एट ए डिप्लोमेटिक मिशन" और "इश्यूज रिलेटिंग टु रीजनल कॉपरेशन" विषयक व्याख्यान दिए।
- अमिता बतरा ने 14 अप्रैल, 2008 को स्कूल ऑफ इकोनामिक्स, योनसेई यूनिवर्सिटी सियोल में ग्रेजुएट रिसर्च वर्कशॉप स्टुडेंट्स के लिए "इंडिया : इकोनॉमिक ग्रोथ ऐंड रिफॉर्म्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता बतरा ने 4–5 मार्च, 2009 को द सोसाइटी फॉर इंडियन ओशन स्टडीज और नेहरू मेमोरियल म्यूजियम ऐंड लाइब्रेरी द्वारा एनएमएमएल, नई दिल्ली में आयोजित तथा आईएसईएएस, सिंगापुर और विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "कल्चर, ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट इन साउथ ईस्ट एशिया ऐंड इंडिया'ज रिस्पांस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडिया–एसियान इकोनामिक रिलेशंस : अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिज फॉर एशियन इकोनामिक इंटीग्रेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता बतरा ने 18 अगस्त, 2008 को द इंडियन काउंसिल फॉर वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत–नाइजीरिया ट्रेक–II वार्ता में "रिसर्जिंग इंडियन इकोनॉमी" विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. विजयचन्द्र नायडु ने 6 अगस्त, 2008 को नेशनल डिफेंस कॉलेज में "इंडिया ऐंड ईस्ट एशिया : द लुक ईस्ट पॉलिसी" विषयक व्याख्यान दिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रकी अध्ययन केन्द्र

- ए.के. पाशा ने 12 नवम्बर, 2008 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में "इंडिया'ज फॉरेन पॉलिसी : कंटीन्युटी ऐंड चेंज" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 12 नवम्बर, 2008 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की ओमान और कतर की विदेश यात्रा पर आकाशवाणी पर हिंदी कार्यक्रम पर आयोजित पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 3 नवम्बर, 2008 को डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटीकल साइंस, कुवैत यूनिवर्सिटी में "डेमोक्रेटिक चैलेंजिज बिफोर इंडिया ऐंड द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 23 जनवरी, 2009 को आकाशवाणी पर करंट अफेयर्स वार्ता में "न्यू यूएस एडमिनिस्ट्रेशन पॉलिसी एजेंडा डाक्यूमेंट" विषयक वार्ता की।
- ए.के. पाशा ने 21 जनवरी, 2009 को बीबीसी हिंदी पर 'गाजा वार' विषयक वार्ता की।
- ए.के. पाशा ने 13 जनवरी, 2009 को आकाशवाणी पर "गाजा वार ऐंड इजरायल" विषयक हिंदी और अंग्रेजी में वार्ता की।
- ए.के. पाशा ने 3 फरवरी, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में भारतीय पुलिस सेवा के 21 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 'इंडिया ऐंड द अरब वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 29 जनवरी, 2009 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अनुशीलन कोर्स (पश्चिमी एशिया) में व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 23 फरवरी, 2009 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "इंडिया ऐंड वेस्ट एशिया" और "वेस्ट एशिया : एन ओवरव्यू" विषयक व्याख्यान दिए।
- ए.के. पाशा ने 26 फरवरी, 2009 को अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "इंडिया ऐंड अफ्रीका सम्मिट फॉर इकोनामिक ऐंड ट्रेड इंगेजमेंट्स : ए न्यू वीजन फॉर इकोनामिक कॉपरेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्लोबल ट्रेडिंग सिस्टम : इंडिया अफ्रीका पार्टनरशिप" विषयक तकनीकी सत्र–III की अध्ययक्षता की।

- ए.के. पाशा ने 26 फरवरी, 2009 को अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "इंडिया ऐंड अफ्रीका सम्मिट फॉर इकोनामिक ऐंड ट्रेड इंगेजमेंट्स : ए न्यू वीजन फॉर इकोनामिक कॉपरेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्लोबल ट्रेडिंग सिस्टम्स ऐंड अफ्रीका" विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 5 मार्च, 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "चेंजिंग डायनेमिक्स आफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 14–15 फरवरी, 2009 को नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित भारतीय महासागरीय नौसेना संगोष्ठी में भाग लिया तथा "जीसीसी–गल्फ–इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 9 अगस्त, 2008 को आर्मी वार कालेज, महू में "जियो–स्ट्रेटिजिक इंपोर्टेंस ऑफ वेस्ट एशिया ऐंड अफगानिस्तान" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 21 अगस्त, 2008 को विदेश सेवा संस्थान में एसियान राजनयिकों के लिए "डिवलपमेंट्स इन द गल्फ रीजन" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 22–23 अक्टूबर, 2008 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "डिवलपमेंट्स इन वेस्ट एशिया : इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया विद स्पेशल फोकस ऑन इंडियन मुस्लिम्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 27 से 29 अक्टूबर, 2008 तक कुवैत में आयोजित "टुडे'ज वर्ल्ड : कल्चर्स ऐंड इंटरेस्ट्स" विषयक अल बाब्तेन फाउंडेशन की संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 10 से 12 नवम्बर, 2008 तक पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित "एरिया स्टडीज इन इंडिया : चैलेंजिज अहेड" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्टेट ऑफ वाना स्टडीज इन इंडिया : आरिजिंस, स्टेट ऐंड फ्यूचर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 10 से 12 नवम्बर, 2008 तक पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित "एरिया स्टडीज इन इंडिया : चैलेंजिज अहेड" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "11 नवम्बर, 2008 को तृतीय सत्र की अध्यक्षता की। 21–22 जनवरी, 2009 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "सिविल सोसाइटी, डेमोक्रेसी ऐंड स्टेट इन वेस्ट एशिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिविल सोसाइटी ऐंड डेमोक्रेसी इन जीसीसी स्टेट्स : स्टेट्स ऐंड चैलेंजिज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 22 जनवरी, 2009 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "सिविल सोसाइटी, डेमोक्रेसी ऐंड स्टेट इन वेस्ट एशिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में IV शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 5 मार्च, 2009 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 87वें अनुशीलन कार्यक्रम में "चेंजिंग डायनेमिक्स ऑफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी" विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. जैन ने 8 नवम्बर, 2008 को अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "हाउ टु प्रिपेयर ए गुड रिसर्च प्रपोजल" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- प्रीति सिंह, विजिटिंग स्कॉलर, सेंटर फार वुमंस ऐंड जेंडर स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलम्बिया, वेंकावुर, मार्च–अप्रैल, 2008
- प्रीति सिंह को शास्त्री इण्डो कनाडियन इंस्टीट्यूट की मई से जुलाई 2008 तक कनाडियन स्टडीज फेकल्टी रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा, विजिटिंग फेलो, फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग, न्यूयार्क, यूएसए, 14 मई–15 जून, 2008
- गुलशन सचदेवा, विजिटिंग प्रोफेसर, द यूनिवर्सिटी ऑफ एंटवर्प, बेल्जियम, यूरोपियन मास्टर प्रोग्राम, इंटरनेशनल ट्रेड ऐंड यूरोपियन इंटीग्रेशन, अप्रैल–जुलाई, 2008

- गुलशन सचदेवा, विजिटिंग प्रोफेसर, द यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रेंटो (इटली) और कार्विनस यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट, यूरोपियन मास्टर प्रोग्राम, कंपेरेटिव लोकल डिवलपमेंट, दिसम्बर 2008–फरवरी, 2009
- भास्वती सरकार, विजिटिंग फेलो, नेशनल यूरोप सेंटर, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा, आस्ट्रेलिया, 19 मई–19 जून, 2008

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- संगीता बंसल को एन डब्ल्यूओ (नीदर आर्गेनाइजेशन फार सांइटीफिक रिसर्च) द्वारा तिलबर्ग यूनिवर्सिटी का दौरा करने हेतु अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
- ए.एस. रे, फेलो, द रॉयल सोसाइटी ऑफ हेल्थ, यूके (एफआरएसएच)
- अपर्णा साहनी, बाह्य विशेषज्ञ, व्यापार और पर्यावरण पर गठित परामर्श समिति, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2007–2010

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- श्रीकांत कोंडापल्ली, मानद प्रोफेसर, शेंदोंग यूनिवर्सिटी, जीनान, दिसम्बर 2008
- श्रीकांत कोंडापल्ली, स्कॉलर इन रेजिडेंस, स्टेला ऐंड मेरी'ज कॉलेज, चेन्नई, जनवरी 2009
- लालिमा वर्मा ने 26 सितम्बर, 2008 को चीनी अध्ययन संस्थान द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इंडिया–जापान ऐंड एशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मैपिंग द कंटूर्स ऑफ ए न्यू एशिया" विषयक सत्र की अध्यक्षता की।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- मौसमी बसु को यूके में ईस्ट इंडिया कंपनी पर अध्ययन करने के लिए चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट रिसर्च ग्रांट प्राप्त हुई।
- जयती श्रीवास्तव को "पॉलिटिक्स ऑफ एंटी–ग्लोबलाइजेशन प्रोटेस्ट इन इंडिया ऐंड फ्रांस" विषयक परियोजना पर कार्य करने के लिए द फाउंडेशन मेसन डेज साइंसेज दे अल' हॉम, पेरिस द्वारा वर्ष 2007–2008 के लिए हर्मेज फेलोशिप प्रदान की गई।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चित महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- गंगनाथ झा, उच्च अध्ययन और शोध पर गठित समिति, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ
- के. वारिकू, सदस्य, शोध अध्ययन मंडल, एकेडमी ऑफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर; और सदस्य, इड्सा कार्य दल, जल सुरक्षा।
- मनमोहिनी कौल, आस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैण्ड अध्ययन केन्द्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के लिए गठित सलाहकार समिति में वि.अ.आ. नामिति, जुलाई, 2008; सदस्य, कोर टीम, आर्गेनाइजेशन फार डायसपोरा इनिशिएटिव्स (ओडीआई), नई दिल्ली; सदस्य, वुमन इन फारेन पॉलिसी ग्रुप, अमरीकी दूतावास, नई दिल्ली।
- मंदिरा दत्ता, सदस्य, साइंटीफिक एडवाइजरी रिसर्च ऐंड एथिक्स कमिटी, आल इंडिया हर्ट फाउंडेशन, नई दिल्ली; सदस्य, एथिक्स कमिटी, 2008 से, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग ऐंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी), नई दिल्ली; और दिल्ली–III, साक्षात्कार मंडल, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली, 8–11 अगस्त, 2008।
- एस.के. सोनी, एसोसिएशन ऑफ एशिया स्कॉलर, नई दिल्ली और ताईवान नेशनल यूनिवर्सिटी, ताइपेई द्वारा वर्ष 2008 में संयुक्त रूप से चलाई गई "चाइना स्टडीज इन इंडिया" विषयक परियोजना में दल सदस्य।
- एन.के. पासवान, संयोजक, XXXIIIवीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस (2009–2011)

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- प्रीति सिंह, सदस्य संपादकीय सलाहकार मण्डल, 'थेसिस इलेवन : क्रिटिकल थीअरि ऐंड हिस्टोरीकल सोसियोलॉजी' विषयक पत्रिका (सेज : लंदन, दिल्ली, थाउजैंड ओक्स, सीए); सदस्य संपादकीय मण्डल, आस्ट्रेलियन पर्सपेक्टिव्स, इलेक्ट्रोनिक जर्नल, आस्ट्रेलियन स्टडीज–स्कालर्स, लॉ ट्रॉब यूनिवर्सिटी, मेलबॉर्न, आस्ट्रेलिया द्वारा जारी; और सदस्य, कार्य समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ आस्ट्रेलिया (आईएएसए), नई दिल्ली।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार सदस्य, रूटलेज बुक सीरीज, यूरोप इन द वर्ल्ड; और सदस्य, संपादकीय मण्डल, सेज पत्रिका, इंटरनेशनल स्टडीज।
- आर.के. जैन, अध्यक्ष, यूरोपियन यूनियन स्टडीज एसोसिएशन – एशिया पेसिफिक, 2009–2010

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- संगीता बंसल, सदस्य, संपादकीय मण्डल, 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट इकोनॉमिक्स' विषयक पत्रिका, जनवरी, 2009 – दिसम्बर, 2011; सदस्य, संपादकीय मण्डल, 'रिसॉर्स ऐंड इनर्जी इकोनामिक्स' विषयक पत्रिका, 2006–2009; और बाह्य विशेषज्ञ, साक्षात्कार पेनल, एमबीई प्रवेश, 2009–2011
- ए.एस. रे, सदस्य, इनडिपेंडेंट कमिशन आन डिवलपमेंट ऐंड हेल्थ इन इंडिया (आईसीएचडीआई), दिल्ली।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- श्रीकांत कोंडापल्ली, अतिथि संपादक, वर्ल्ड फोकस आन चाइना रिलेटिड इश्यूज, 2006 से (मासिक परिचर्चा पत्रिका); सदस्य, संपादकीय सलाहकार मण्डल, इंडिया ऐंड ग्लोबल अफेयर्स (त्रैमासिक पत्रिका), नई दिल्ली; और सदस्य, इंडिया सेंट्रल एशिया फाउंडेशन, नई दिल्ली।
- लालिमा वर्मा, कार्यकारी सदस्य, इंडिया–जापान फ्रेंडशिप फोरम, फिक्की, नई दिल्ली।
- डी. वाराप्रसाद शेखर, सदस्य, संपादकीय मण्डल, 'इंटरनेशनल स्टडीज' विषयक पत्रिका।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- सिद्धार्थ मल्लावारपु, सदस्य, इंटरनेशनल रिलेशन (एम.ए.) पाठ्यचर्या प्रारूप समिति, सिक्किम विश्वविद्यालय और 17–18 मार्च, 2009 को गंगटोक में आयोजित गोष्ठी में भाग लिया।
- जयती श्रीवास्तव, सदस्य, 17 से 19 सितम्बर, 2008 तक इंस्टीट्यूट द' एत्युदेज पॉलिटिक्स दे बॉरडॉक्स, फ्रांस द्वारा आयोजित "मैपिंग इंटीग्रेशन ऐंड रीजनलीज्म इन ए ग्लोबल वर्ल्ड : द ईयू ऐंड रीजनल गवर्नेंस आउटसाइड द ईयू" विषयक तीसरे वार्षिक गारनेट सम्मेलन की विषय निर्वाचन समिति; सदस्य, शासी मण्डल, द इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन इंडिया ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज (आईआरआईआईएस), गुड़गाँव; और सदस्य, पुस्तकालय समिति, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली।

रूसी और मध्य ऐशियाई अध्ययन केन्द्र

- अनुराधा मित्रा चिनॉय, सदस्य, प्रबंधन मण्डल, थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, 2007–2009
- अजय कुमार पटनायक, सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम, वि.अ.आ.; सदस्य, प्रोग्राम कमिटी, साउथ–ईस्ट बुद्धिस्ट, चाइनीज स्टडीज, ईस्ट एशियन ऐंड सेंट्रल एशिया डिविजन, इंदिरा गाँधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स, नई दिल्ली; कुलाधिपति नामिति, भाषा विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, और बाह्य सदस्य, बीओआरएस, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर।
- ए.के. मोहन्ती, सदस्य, रशियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज, बाद में पीटर द ग्रेट के नाम पर, मास्को; सदस्य, रशियन एकेडमी ऑफ नेचुरल साइंसेज; सदस्य, रशियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज; और सदस्य, रशिया–सीआईआई कमिटी।
- संजय कुमार पाण्डेय, सदस्य, स्नातक अध्ययन मण्डल, राजनीति विज्ञान, नागालैण्ड विश्वविद्यालय, कोहिमा, 2009।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- सीमा बैद्य, संयुक्त सचिव, इंडियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज, दिल्ली, समिति संयोजक, इंटरनेशनल रिलेशंस, 17 से 22 दिसम्बर, 2008 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोशल साइंस कांग्रेस; और 1 अप्रैल, 2008 से 30 मार्च, 2009 तक आयोजित साप्ताहिक गुरुवार केन्द्र संगोष्ठी आयोजित की और अध्यक्षता की।

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत समूह

- कमल मित्रा चिनॉय, सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

विश्वविद्यालय में वर्ष 2001 में स्थापित हुए सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में तीन केन्द्र हैं –

- अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना विज्ञान केंद्र,
- उच्च निष्पादन कंप्यूटर केंद्र और
- संचार एवं सूचना सेवाएं।

संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देना है। संस्थान मुख्यतः यह इस बात पर बल देता है कि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अद्यतन सूचनाओं, चाहे ये जैविक, भौतिक, भू–वैज्ञानिक, आर्थिक आदि हों – का शैक्षिक संदर्भ में कैसे कारगर प्रयोग किया जा सकता है।

शोध प्रवृत्ति और प्रगति को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने वर्ष 2006 में दो–वर्षीय एम.टेक. पाठ्यक्रम शुरू किया है। संस्थान में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम वर्ष 2001 में शुरू हुआ और इसी वर्ष छात्रों को जैव–सूचना–विज्ञान में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। संस्थान ने मानसून सत्र 2009 में इस विवेचित क्षेत्र में मानव संसाधन बढ़ाने की दिशा में विस्तार के भाग के रूप में एक नया प्री–पी–एच.डी. पाठ्यक्रम भी शुरू किया है। इस केन्द्र का शोध कार्य मुख्यतः कंप्यूटेशनल एप्रोचिस टु जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस, इवोल्युशनरी बायोलाजी, सिस्टम्स बायोलॉजी, लार्ज स्केल डाटा माइनिंग, नेटवर्क एनालिसिस और मोलिक्यूलर मॉडलिंग इन ड्रग डिजाइनिंग पर केंद्रित है। मानविकी में संगत कोर्सों से संस्थान के छात्रों को परिचित कराने के लिए संस्थान के छात्रों को विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र द्वारा चलाए जाने वाले "इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स : ए फाउंडेशन कोर्स" विषयक वैकल्पिक कोर्स पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

संस्थान की मुख्य विशेषता इसका अन्तर–विषयात्मक शोध पर बल देना है। इस संदर्भ में वर्ष 2008–09 के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी XI वीं योजना में संस्थान के सेंटर फॉर कंपलेक्स सिस्टम्स शुरू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

वर्ष 2008–2009 के दौरान पाँच छात्रों ने 'कंप्यूटेशनल बायोलॉजी ऐंड बायोइंफॉर्मेटिक्स' में पी–एच.डी. पूरी की और पाँच छात्रों ने 'कंप्यूटेशनल ऐंड सिस्टम्स बयोलॉजी' में एम.टेक. उपाधि प्राप्त की।

वर्ष 2008–09 के दौरान विश्वविद्यालय ने संस्थान के नए भवन के निर्माण करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी और कार्य शुरू किया।

भविष्य की योजनाएं

- संस्थान में शोध और पारस्परिक क्रिया के नए क्षेत्रों में सहायता हेतु शिक्षण रखना।
- कांप्लेक्स सिस्टम्स में शोध गतिविधियों का विस्तार करना।
- नए भवनों की योजना बनाना अैर पुनर्स्थापना करना।

नए कोर्स

'कंप्यूटेशनल बायोलॉजी ऐंड बायोइंफार्मेटिक्स' में प्री–पी–एच.डी. में कोर्स की रूपरेखा को विद्या परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया। छात्रों को मानसून सत्र 2009–10 से इसमें प्रवेश दिया जाएगा।

संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेल/संगोष्ठियाँ

- स्क्रोडिंगर प्लक. के सहयोग से 17–18 जुलाई, 2008 तक "कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन' विषयक व्याख्यान व प्रदर्शन का आयोजन किया।
- 3 से 6 नवम्बर, 2008 तक सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जेएनयू में "डाटा माइनिंग इन बायोलॉजी : एप्लिकेशंस ऑफ एस.वी.एम., जेनेटिक अल्गोरीथम्स, आंट कॉलोनी आप्टिमाइजेशन ऐंड फ्यूजी सेट्स ऐंड फ्यूजी लॉजिक" विषयक कार्यशाला आयोजित की गई।
- 12 दिसम्बर, 2008 को "हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग" विषयक कार्यशाला आयोजित की गई।
- 7 से 9 फरवरी, 2009 तक जीवन विज्ञान संस्थान, आईसीजीईबी, एसबीआरआई और वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीटल, यूएसए (जीआईडी 2009) के साथ संयुक्त रूप से "बायोइंफार्मेटिक्स ऑफ इंट्रासेलुलर पैथोजन" विषयक इण्डो–यूएस कार्यशाला का आयोजन किया।

- 12 फरवरी, 2009 को विकासवादी विज्ञान के जनक चार्ल्स डार्विन के व्याख्यानों और डाक्यूमेंट्रिज के माध्यम से 200वीं जन्मशती मनाई गई।

संस्थान में आए अतिथि

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की XIवीं योजना की समिति के सदस्य अध्यक्ष सहित 8 अगस्त, 2008 को संस्थान में एचपीसी सुविधा में आए और शिक्षकों के साथ विचार–विमर्श किया।
- डॉ. फ्रेंक होलिंजर, वायस प्रेसिडेंट, कंप्यूटेशन ऐंड इंफॉर्मेटिक्स, स्फेइरा प्रो. लिमिटेड, 11 अगस्त, 2008 को संस्थान में आए और "फ्रेगमेंट बेस्ड ड्रग डिजाइन" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. अमित के. चट्टोपाध्याय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 नवम्बर, 2008 को संस्थान में आए और "ए मैथमैटिकल मॉडल ऑफ इम्यूनोलॉजीकल सिनेटस" विषयक व्याख्यान दिया।
- वसंत होनावर, आर्टीफिसियल इंटेलीजेंस रिसर्च लेबोरेट्री डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस ऐंड सेंटर फॉर कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस, लर्निंग ऐंड डिसकवरी, लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी आमेस, लोवा–यूएसए, 10 से 12 दिसम्बर, 2008 तक संस्थान में आए और "टुवर्डस ए सेमांटिक–इनेबल्ड डिस्ट्रीब्यूटिड इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर कॉलेबरेटिव डिसकवरी" विषयक व्याख्यान दिया।
- सुश्री राशि गुप्ता, डीएनए माइक्रोएरे लैब इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी हेलसिंकी, फिललैण्ड, जनवरी–मार्च, 2009 के दौरान संस्थान में विजिटिंग साइंटिस्ट के रूप में रहीं।
- प्रो. एस. थोरट, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 5 जनवरी, 2009 को संस्थान को एच.पी.सी. फेसिलिटी को देखने आए।
- प्रो. प्रदीप्त चौधरी, आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, ने 9 जनवरी, 2009 को संस्थान में "पॉलिटीकल इकोनॉमी ऑफ कास्ट : एन एनालिसिस ऑफ मैक्रो–लेबल क्वांटीटेटिव इविडेंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. मार्टिम कार्पलस, हारवर्ड मेडिकल स्कूल, 17 जनवरी, 2009 को संस्थान में आए और शिक्षकों तथा विद्वानों के साथ विचारों का आदान–प्रदान किया।
- डॉ. राजीव अरोड़ा, डिपार्टमेंट ऑफ मोलक्यूलर माइक्रोबायोलॉजी ऐंड इम्युनोलॉजी, सेंट लुइस यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए, 17 फरवरी, 2009 को संस्थान में आए और "इनफेरंस ऐंड वेलिडेशन ऑफ ए नॉवल फंक्शन ऑफ आस्टियोक्लास्ट्स एज एंटीजन प्रिजेंटिंग सेल्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. विजय चन्द्रु, प्रोफेसर, आईआईएससी, बंगलौर और सह–संस्थापक, स्ट्रांड लाइफ साइंस, बंलौर, 3 मार्च, 2009 को संस्थान में आए।
- डॉ. राजा बनर्जी, डब्ल्यूबीयूटी, कोलकाता, 3 मार्च, 2009 को संस्थान में "एप्लिकेशन ऑफ मास स्पेक्ट्रोस्कॉपी इन पेप्टाइड ऐंड प्रोटीन सिक्वेंसिंग" विषयक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- प्रदीप्त बंदोपाध्याय ने जनवरी, 2009 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित "थीअरिटीकल कैमिस्ट्री सिम्पोजियम" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रदीप्त बंदोपाध्याय ने फरवरी, 2009 में एनसीबीएस, में आयोजित 'यग इनवेस्टीगेटर' की बैठक में भाग लिया।
- इंदिरा घोष ने 4 से 6 दिसम्बर, 2008 तक बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित "इंटीग्रेटिंग फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथमेटिक्स ऐंड बायोलॉजी टु अंडरस्टेंड लिविंग सिस्टम्स (आईपीसीएमबी–2008)" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- इंदिरा घोष ने 21 जनवरी, 2009 को श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "ड्रग डिसकवरी ऐड डिवलपमेंट" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- इंदिरा घोष ने 22 से 24 जनवरी, 2009 तक आईबीएस, हैदराबाद में आयोजित "सेलुलर ऐंड मोलक्युलर बायोफिजिक्स" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- इंदिरा घोष ने 9 से 14 फरवरी, 2009 तक जेएनसीएएसआर, बंगलौर में आयोजित "12 सीएएम" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- इंदिरा घोष ने 7 से 9 फरवरी, 2009 तक सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जेएनयू में आयोजित "बायोइंफॉर्मेटिक्स ऑफ इंट्रासेलुलर पैथोजन–विद जीआईडी–एस–आईबीआरआई" विषयक अंतर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- आर. रामास्वामी ने 17 से 22 जुलाई, 2008 तक बंगलौर में आयोजित "नॉन लिनियर डायनेमीकल सिस्टम्स ऐंड टर्ब्यूलेंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "एंप्लिच्यूड डेथ इन कपल्ड नॉनलिनियर सिस्टम्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 9 नवम्बर, 2008 को चेन्नई में आयोजित "स्टेटिस्टीकल फिजिक्स ऑफ स्माल सिस्टम्स" विषयक भारत–बेलजियम सम्मेलन में "सिंक्रोनी इन स्टोकेस्टिक प्रोसेसिज" शीर्षक आलेख और 15 नवम्बर 2008 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित डायनेमिक्स दिवस पर "पैरामीटर सेंसिटिविटी एक्सपोनेंट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किए।
- आर. रामास्वामी ने 18 नवम्बर, 2008 को कल्याणी में आयोजित "सिस्टम्स बायोलॉजी" विषयक कार्यशाला में "इंट्रोडक्शन टु सिस्टम्स ऐंड क्वांटीटेटिव बायोलॉजी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 5 दिसम्बर, 2008 को बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित "स्टोकेस्टिक सिम्युलेशन आफ एमआई आरएनए रेग्युलेशन" विषयक संगोष्ठम में भाग लिया।
- आर. रामास्वामी ने 5 जनवरी, 2009 को वाराणसी में आयोजित डिसकॉम्ब–II में "इंटरसेलुलर सिंक्रोनाइजेशन" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 19 जनवरी, 2009 को बंगलौर में आयोजित "थीअरिटीकल कैमिस्ट्री सिम्पोजियम–2009" में "स्टोकेस्टिक कैमिकल काइनेटिक्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुभाष अग्रवाल, रिसर्च एसोसिएट ने जून, 2008 के दौरान फ्रांस में आयोजित "केमोइंफॉर्मेटिक्स" विषयक स्ट्रासवर्ग समर स्कूल में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- प्रदीप्त बंदोपाध्याय ने सितम्बर, 2008 में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, इरविन में "काइनेटिक्स ऑफ प्रोटीन क्रास लिंकिंग रिएक्शंस ऐंड मोंटे कार्लो सिम्युलेशन विद ड्युअल रिजोल्युशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त बंदोपाध्याय ने 16 से 20 नवम्बर, 2008 तक एनआईपीईआर, मोहाली में आयोजित "न्यू डिवलपमेंट्स इन ड्रग डिसकवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स ऐंड ट्रेडिशनल मेडिसिंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कनफॉरमेशनल डायनेमिक्स ऑफ एचआईवी–प्रोटीज" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त बंदोपाध्याय ने दिसम्बर, 2008 में कोलकाता विश्वविद्यालय में "काइनेटिक्स ऑफ प्रोटीन क्रास लिंकिंग रिएक्शंस ऐंड मोंटे कार्लो सिम्युलेशन विद ड्युअल रिजोल्यूशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त बंदोपाध्याय ने जनवरी, 2009 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित 'थीअरिटीकल कैमिस्ट्री' की संगोष्ठी "मॉडलिंग द काइनेटिक्स ऑफ क्रास लिंकिंग रिएक्शंस इन प्रोटींस" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- इंदिरा घोष ने 5 सितम्बर, 2008 को एसजीबी अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में "हाइपोथेसिस बेस्ड बायोलॅजी : ए न्यू ईरा" विषयक व्याख्यान दिया।
- इंदिरा घोष ने 28 फरवरी, 2009 को सेंटर फॉर इनर्जी स्टडीज, आईआईटी, दिल्ली में "बायो इंफॉर्मेटिक्स ऐंड इट्स इमर्जिंग इंडस्ट्रीयल एप्लिकेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- इंदिरा घोष ने 16–17 मार्च, 2009 को बायोइंफॉर्मेटिक्स सेंटर, आईबीएसडी, इम्फाल में आयोजित "सिक्वेंस अलाइनमेंट ऐंड फाइलोजेनेटिक एनालिसिस" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- इंदिरा घोष ने 23 से 28 फरवरी, 2009 तक एनआईआरआरएच, मुम्बई में आयोजित "क्लिनीकल डाटा मैनेजमेंट" विषयक आईसीएमआर कार्यशाला में भाग लिया।
- ए. कृष्णामाचारी ने 21 से 23 अक्टूबर, 2008 तक राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल (हरियाणा) द्वारा आयोजित "जीनोम एनालिसिस ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में "पी^{53} बाइंडिंग साइट मॉडल" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ए. कृष्णामाचारी ने 12–13 मार्च, 2009 को डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग ऐंड बायोटेक्नोलॉजी, आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा आयोजित "बायो इंफार्मेटिक्स" विषयक अल्पकालिक कोर्स में "एन ओवरव्यू ऑफ सिक्वेंस एनालिसिस" शीर्षक व्याख्यान दिया।

- ए. कृष्णामाचारी ने 18 मार्च, 2009 को माँ वैष्णों देवी विश्ववद्यालय, कटरा (जम्मू और काश्मीर) द्वारा आयोजित "बायोइंफार्मेटिक्स" विषयक कार्यशाला में "ओवरव्यू ऑफ कंप्यूटेशनल मेथड्स इन बायोइंफार्मेटिक्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 7 अक्टूबर, 2008 को टोकियो विश्वविद्यालय में "रूट्स टु जनरेलाइज्ड सिंक्रोनी" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 8 अक्टूबर, 2008 को टोकियो विश्वविद्यालय में "सिंक्रोनाइजेशन ऑफ जेनेटिक ओसिलेटर्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 8 अक्टूबर, 2008 को टोकियो विश्वविद्यालय में "इंट्रोडक्शन टु बायोलॉजीकल सिक्वेंस एनालिसिस" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 5 दिसम्बर, 2008 को साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में "द टेलर काउटे एक्सपेरीमेंट" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 12 दिसम्बर, 2008 को वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली में "इंट्रोडक्शन टु नॉनलिनियरटी" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 15 दिसम्बर, 2008 को दिल्ली विश्वविद्यालय में "इट्रोडक्शन टु नॉनलिनियरटी" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 2 से 5 फरवरी, 2009 तक एसईआरसी स्कूल, गुवाहाटी में "इंट्रोडक्शन टु केओस" विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- एस. नरीन्दर साहनी ने 5–6 मार्च, 2009 को महिला महाविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में "बायोइंफार्मेटिक्स : एप्रोचिज ऐंड एप्लिकेशंस इन बायोसाइंसेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- एस. नरीन्दर साहनी ने दिसम्बर, 2008 में रामलाल आनंद कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में यूज ऑफ स्टेटिटिक्स ऐंड डाटा माइनिंग इन बायोलाजी" विषयक व्याख्यान दिया।
- एन. सुब्बाराव ने 18–19 अक्टूबर, 2008 को जैव–रसायन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट, भारत द्वारा आयोजित 'एसबीटीआई 2008' में "स्ट्रक्चर बेस्ड रेशनल ड्रग डिजाइनिंग" विषयक व्याख्यान दिया।
- एन. सुब्बाराव ने 16 से 20 नवम्बर, 2008 तक एनआईपीईआर, एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब में आयोजित "न्यू डिवलपमेंट इन ड्रग डिसकवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स ऐंड ट्रेडिशनल मेडिसिंस" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "रेशनल स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिजाइनिंग अगेंस्ट डेंगु एनवेलॉय प्रोटीन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एन. सुब्बाराव ने 9–10 जनवरी, 2009 को सेंटर फार कनवर्जिंग टेक्नोलॉजीस, राजस्थान विश्वविद्याकलय, जयपुर (राज.) में आयोजित "बायोलॉजीकल सिक्वेंस एनालिसिस" विषयक कार्यशाला में "प्रोटीन स्ट्रक्चर–प्रिडिक्शन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एन. सुब्बाराव ने 23–24 फरवरी, 2009 को वनस्पति विज्ञान विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदम्बरम में आयोजित "बायोकंप्यूटिंग 2009" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रिडिक्शन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एन. सुब्बाराव ने 3–4 मार्च, 2009 को डिपार्टमेंट ऑफ बायोइंफार्मेटिक्स, एसआरएम यूनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित "बायोइंफार्मेटिक्स" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आइडेंटीफिकेशन ऑफ इनहीबिटर्स ऑफ डेंगु वायरस ई प्रोटीन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सुप्रतिम सेनगुप्ता ने जुलाई, 2008 में डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी, इवाल्यूशन ऐंड मरीन बायोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया, सांता बारबरा में "इवोल्यूशन ऑफ द जेनेटिक कोड" विषयक व्याख्यान दिया।
- सुप्रतिम सेनगुप्ता ने नवम्बर, 2008 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'डायनेमिक्स डे' दिल्ली बैठक में "हाउ डज ई–कोली फाइंड इट्स मिडल" विषयक व्याख्यान दिया।
- सुप्रतिम सेनगुप्ता ने जनवरी, 2009 में एनसीबीएस, बंगलौर में "इवोल्यूशन ऑफ द जेनेटिक कोड" विषयक व्याख्यान दिया।
- सुप्रतिम सेनगुप्ता ने जनवरी, 2009 में जेएनसीएएसआर, बंगलौर में "इबोल्यूशन ऑफ द जेनेटिक कोड" विषयक व्याख्यान दिया।
- सुप्रतिम सेनगुप्ता ने जनवरी, 2009 में रमन अनुसंधान संस्थान बंगलौर में "हाउ डज ई–कोली फाइंड इट्स मिडल ?" विषयक व्याख्यान दिया।
- लवकेश विज ने 12 अक्टूबर, 2008 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में "कॉलीशन फॉर्मेशन इन मल्टी रोबोट सिस्टम्स" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

- प्रदीप्त बंदोपाध्याय, इण्डो–यूएस रिसर्च फेलोशिप।
- आर. रामास्वामी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की जेसी बोस अध्येतावृत्ति, 2009 प्राप्त हुई।
- आर. रामास्वामी, फेलो, टीडब्ल्यूएएस, द एकेडमी ऑफ साइंसेज फॉर द डिवलपिंग वर्ल्ड।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- इंदिरा घोष, संपादकीय मण्डल, द ओपन एप्लाइड इंफार्मेटिक्स जर्नल, बेंथम साइंस पब्लिशर्स; आमंत्रित सदस्य, 29 जून से 05 जुलाई, 2008 तक बुखारेस्ट, रोमानिया में आयोजित "बायोकंप्यूटेशन, बायोइंफार्मेटिक्स ऐंड बायोमेडिकल टेक्नोलॉजीज, बायोटेक्नो 2008" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन; और सदस्य, मूल्यांकन समिति, मेसर्स लीडइनवेंट टेक. प्रा.लि., टीबीआईयू के तहत चलाई जाने वाली कंपनी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2009.
- एन. सुब्बाराव, आजीवन सदस्य, सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजीस्ट, भारत

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

वर्ष 1969 में स्थापित भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय के प्रारम्भिक संस्थानों में से एक है। यह देश में विदेशी भाषाओं के अध्ययन और भाषा विज्ञान, विभिन्न भाषाओं के साहित्य और संस्कृति अध्ययन में उच्च अध्ययन और शोध हेतु देश में एक प्रमुख संस्थान है।

संस्थान में 12 इकाइयाँ हैं। इनमें ग्यारह केंद्र हैं :

- अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र
- चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र
- अंग्रेजी अध्ययन केंद्र
- फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र
- जर्मन अध्ययन केंद्र
- भारतीय भाषा केंद्र
- जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र
- भाषा विज्ञान केंद्र
- फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र
- रूसी अध्ययन केंद्र
- स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र।

इनके अतिरिक्त एक भाषा प्रयोगशाला और मल्टिमीडिया समूह है।

संस्थान के केंद्रों द्वारा विभिन्न विषयों में अनेक प्रकार के पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, मंगोलियन, पुर्तगाली, पश्तो और उर्दू में प्रमाण–पत्र, डिप्लोमा और उच्च–प्रवीणता डिप्लोमा तथा उर्दू में मास मीडिया कोर्स चलाया जाता है। संस्थान अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और स्पेनी जैसी विदेशी भाषाओं में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल. /पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। संस्थान अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू साहित्य तथा भाषा विज्ञान में एम.ए. और एम.फिल./ पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान पुर्तगाली में एम.फिल., हिन्दी अनुवाद में एम.फिल./ पी–एच.डी. और तमिल में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम भी चलाता है।

इन वर्तमान पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान ने हाल ही में ग्रीक, हिब्रु और टर्की भाषाओं में कोर्स शुरू किए हैं तथा संस्थान में इस समय बंगाली भाषा में प्रोफेसर का पद और असमी तथा मराठी भाषाओं में मंजूर पद खाली हैं। संस्थान शीघ्र ही अन्य मुख्य भारतीय भाषाओं में शिक्षकों की नियुक्तियां करना चाहता है। इन औपचारिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, अन्तरविषयक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा विभिन्न भाषाओं/विषयों में टूल/वैकल्पिक कोर्स भी चलाए जाते हैं। संस्थान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी में कमजोर छात्रों की भाषाई दक्षता को उन्नत करने की दृष्टि से अंग्रेजी भाषा में एक उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है।

शिक्षण और शोध गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान 'जर्नल आफ स्कूल आफ लैंग्वेजिज' शीर्षक पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इसका प्रकाशन सत्तर के दशक में शुरू हुआ था। इसमें साहित्य, भाषा, संस्कृति अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन और अनुवाद पर महत्त्वपूर्ण शोध–पत्र प्रकाशित हुए हैं और इसमें भाषाई सीमाएं टूटी हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान के कुछ केंद्रों की अपनी पत्रिकाएं भी प्रकाशित होती हैं। रूसी अध्ययन केंद्र 'क्रिटिक' और स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र 'हिस्पानिक होरिजन' नामक पत्रिका प्रकाशित करते हैं।

संस्थान, भाषा, शिक्षण, भाषा विज्ञान, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन क्षेत्रों में उच्च स्तरीय विद्वान और अन्तरराष्ट्रीय पहचान के अनुवादक और दुभाषिए तैयार करता है। जैसा कि रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है कि इस वर्ष भी सभी केंद्रों के शिक्षकों ने न केवल उच्च स्तरीय शोध के लिए सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया है, अपितु विभिन्न शोध कार्यों तथा प्रकाशनों की गुणवत्ता एवं अन्य उपलब्धियों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

थ्रस्ट एरिया और संदर्श परियोजनाएं

वर्ष 2008–2009 के दौरान संस्थान के विभिन्न केंद्रों की वर्तमान शैक्षिक गतिविधियों और प्रस्तावित भावी योजनाओं का विवरण नीचे प्रस्तुत है :

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

केंद्र अरबी भाषा में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों के छात्रों के लिए अंग्रेजी में 'हिस्ट्री एंड कल्चर आफ द अरब वर्ल्ड' विषयक चार टूल कोर्स और 'माडर्न हिब्रु लैंग्यूवेज' विषयक दो वैकल्पिक कोर्स चलाता है। केंद्र विश्वविद्यालय के अन्य केन्द्रों के छात्रों के लिए वर्ष 2008–2009 से 'एलिमेंट्री अरेबिक लैंग्वेज' विषयक दो नए कोर्स चला रहा है।

केंद्र की तीन थ्रस्ट एरिया विकसित करने की योजना हैं, ये एरिया हैं : शास्त्रीय अरबी भाषा और साहित्य, समसामयिक साहित्यिक आदान–प्रदान के क्षेत्रों में भारत–अरब सम्बन्ध और भारत–अफ्रीकी अध्ययन : सांस्कृतिक और साहित्यिक आयाम। केंद्र की स्व–वित्त पोषण योजना के अन्तर्गत 'स्पीकिंग अरेबिक' शीर्षक 45 दिवसीय कैप्सूल कोर्स और अरबी भाषा में प्रवीणता प्रमाण–पत्र तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने की योजना है। इसके अतिरिक्त, हिब्रु भाषा में एक डिग्री स्तर का नया पाठ्यक्रम भी शुरू करने की योजना है। केंद्र की स्वाहिली भाषा में एक सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा कोर्स भी शुरू करने की योजना है और इसे 11वीं पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों के अन्तर्गत शामिल किया गया है।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

केंद्र चीनी भाषा में बी.ए. ऑनर्स, एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम तथा बहासा इंदोनेशिया में सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स चलाता है।

उल्लेखनीय है कि भावी योजनाओं के अनुसार केंद्र में कनफ्युशियस इंस्टीट्यूट की स्थापना करने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और नेशनल ऑफिस फार टीचिंग चाइनीज एज फॉरेन लैंग्यूवेज, चीन के बीच एक समझौता हुआ है। इसका मूल उद्देश्य भारत में चीनी भाषा के शिक्षण को सुदृढ़ बनाना और चीन एवं चीनी संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी देना है।

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी अध्ययन केंद्र का विभाजन करके अब दो केंद्र बनाए गए हैं – अंग्रेजी अध्ययन केंद्र में इनमें से एक है। यह केंद्र अंग्रेजी में एम.ए. तथा एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक और पार विषयक प्रकृति के हैं – जिनमें भाषा–विज्ञान, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धान्तिक और तुलनात्मक शोध कार्य कराया जाता है। केंद्र अपने संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में वैकल्पिक तथा टूल कोर्स के साथ–साथ विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के लिए अंग्रेजी में उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है। केंद्र के थ्रस्ट एरिया में शामिल हैं – ब्रिटिश साहित्य, भारत, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, कनाडा और अमरीका जैसे देशों के अंग्रेजी साहित्य, समसामयिक साहित्यिक और सांस्कृतिक सिद्धान्त, लोकगीत और लोक प्रचलित संस्कृति अध्ययन, प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्र और व्याकरणिक परम्परा तथा अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार।

केंद्र के पास 'अंग्रेजी साहित्य के प्रति भारतीय दृष्टिकोण' विषय पर विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत संगोष्ठियां एवं शैक्षिक कार्यक्रम चलाता है।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

केंद्र फ्रेंच भाषा में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र 46 फ्रेंकाफोन (फ्रेंच भाषी) देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक यथार्थ के बारे में बहुविषयक शोध कार्यक्रम चलाता है। केंद्र अपने थ्रस्ट एरिया में भविष्य में विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों/संस्थानों के साथ–साथ देश–विदेश के अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ फ्रेंकाफोन में अंतरविषयक तथा सहयोगात्मक शोध कार्यक्रम चलाना चाहता है। केंद्र अपने फ्रेंकाफोन अध्ययन, अनुवाद एवं भाषान्तरण पाठ्यक्रमों में चल रही शैक्षिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के कार्य को जारी रखेगा।

जर्मन अध्ययन केंद्र

जर्मन अध्ययन केंद्र जर्मन में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इन पाठ्यक्रमों में जर्मन अध्ययन के साथ–साथ जर्मन संस्कृति – अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता है। इसमें जर्मन भाषा–भाषी देशों और भारत के बीच तुलनात्मक तथा व्यतिरेकी अध्ययन और संस्कृति, अनुवाद, विदेशी भाषा के रूप में जर्मन शिक्षण, अनुप्रयुक्त भाषा–विज्ञान के क्षेत्रों में अध्ययन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियां जैसे – मीडिया अध्ययन, फिल्म अध्ययन, मौखिक संस्कृति अध्ययन और भारत–यूरोपीय अध्ययनों के आयाम आदि क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों से उभरे शोध के नए क्षेत्र भी शामिल हैं। केंद्र को जर्मनी, आस्ट्रिया और स्विटजरलैण्ड की सरकारों और संस्थानों से सहयोग मिल रहा है। केन्द्र में इस वर्ष की शैक्षिक

गतिविधियों की मुख्य विशेषता यह रही है कि केन्द्र ने डिपार्टमेंट आफ जर्मन ऐंड डच फिलोलॉजी के साथ मिलकर फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किए जिसके अन्तर्गत केन्द्र ने कई शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की।

भारतीय भाषा केंद्र

भारतीय भाषा केंद्र, हिन्दी साहित्य में एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, हिन्दी अनुवाद में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, उर्दू में सर्टिफिकेट, एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, तमिल में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और उर्दू में जन–संचार में उच्च डिप्लोमा कोर्स चलाता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों के छात्रों के लिए हिन्दी और उर्दू में वैकल्पिक और टूल कोर्सों के साथ–साथ इन भाषाओं को सीखने के इच्छुक विदेशी छात्रों के लिए अल्पकालीन कोर्स भी चलाता है।

भारतीय भाषा केंद्र की स्थापना वर्ष 1974 में विभिन्न भारतीय भाषाओं में सामाजिक रूप से संगत और बौद्धिकता की दृष्टि से शोध एवं उच्च अध्ययन करने के लिए की गई थी। ऐसे केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य जेएनयू और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के सामान्य अभिविन्यास के रूप में भारतीय भाषा और साहित्य में अन्तरविषयक दृष्टिकोण तथा तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य को उन्नत करना था। भारतीय भाषा केन्द्र लम्बे समय तक केवल हिंदी और उर्दू भाषाओं के अध्ययन अध्यापन तक ही सीमित रहा। इस तरह यह केवल उत्तर भारतीय भाषाओं का केन्द्र बनकर रह गया था। लेकिन अब केन्द्र में तमिल पाठ्यक्रम की शुरुआत और बंगला, आसामीज और मराठी पदों की मंजूरी से स्थितियों में सुधार हुआ है। केन्द्र ने इंस्टीट्यूट आफ इंडोलॉजी ऐंड तमिल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ कॉलोन, जर्मनी के साथ एजीसी पर हस्ताक्षर किए हैं, यह भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

केंद्र जापानी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, कोरियाई में बी.ए. (ऑनर्स), और एम.ए. पाठ्यक्रम और मंगोलियन में सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है।

जेएनयू द्वारा किए गए करार के अन्तर्गत केंद्र और जापान के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों सहित ओटनी विश्वविद्यालय और रित्सुमेकान विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम चल रहे हैं। केंद्र के शिक्षकों एवं छात्रों के लिए नियमित रूप से अध्येतावृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। केंद्र जापान फाउंडेशन, भारत में जापानी भाषा शिक्षक संघ, मुमबुशो स्कालर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया आदि के साथ मिलकर जापानी अध्ययन से सम्बन्धित सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

धीरे–धीरे भविष्य में इसी तरह की गतिविधियां कोरियाई भाषा में भी शुरू की जाएंगी और केंद्र निकट भविष्य में कोरियाई पाठ्यक्रमों को विकसित करने की आशा करता है और कोरिया में विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों और शिक्षकों के विनिमय कार्यक्रम पहले से चल रहे हैं।

भाषा विज्ञान केंद्र

भाषा विज्ञान केंद्र हाल ही में भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र से अलग होकर एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है। यह केंद्र भाषा विज्ञान में एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए भाषा विज्ञान में वैकल्पिक कोर्स भी चलाता है।

भाषा विज्ञान केंद्र पूरे भारत में भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के अग्रणी केंद्रों में से एक है। केंद्र स्वर विज्ञान, स्वन प्रक्रिया, रूप विज्ञान और वाक्य विन्यास जैसे मुख्य क्षेत्रों के साथ–साथ मनो भाषा विज्ञान और समाज भाषा विज्ञान जैसे अन्तरविषयक भाषाई अध्ययन के क्षेत्रों पर बल देता है, पिछले कई वर्षों से केन्द्र संकेत विज्ञान और भारतीय व्याकरणिक परम्परा के विशेषज्ञ रखने के रूप में भी जाना जाता है। शिक्षकों द्वारा शामिल किए गए शोध के कुछ अन्य क्षेत्र हैं – भाषा प्रारूप विज्ञान और संकेत भाषा विज्ञान के साथ–साथ जैव भाषा विज्ञान, जोकि सामान्य रुचि का एक उभरता हुआ क्षेत्र है। केंद्र का अपनी विस्तार योजनाओं के अनुसार अलग से एक 'भाषा विज्ञान संस्थान' स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिस पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्तरों पर विचार–विमर्श चल रहा है।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

केंद्र फारसी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और पश्तो में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स तथा तुर्की में वैकल्पिक कोर्स चलाता है। केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – आधुनिक और मध्यकालीन फारसी साहित्य, फारसी

से अंग्रेजी और अंग्रेजी से फारसी में अनुवाद, इण्डो–ईरान सम्बन्ध और क्षेत्रीय अध्ययन – ईरान, अफगानिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान।

केंद्र की भावी योजनाओं में शामिल हैं – पश्तो अध्ययन पाठ्यक्रमों को डिग्री स्तर का पाठ्यक्रम बनाना और टर्की और उज्बैक भाषाओं में पाठ्यक्रम शुरू करना।

रूसी अध्ययन केंद्र

रूसी अध्ययन केंद्र रूसी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इसकी स्थापना वर्ष 1965 में रूसी अध्ययन के एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में हुई और बाद में यह वर्ष 1969 में जेएनयू का एक स्थापना घटक बन गया। केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – रूसी भाषाशास्त्र, रूसी साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन। केंद्र अपनी 'क्रिटिक' नामक पत्रिका का प्रकाशन भी करता है। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी केंद्र अपने वर्तमान अध्ययन पाठ्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने में संलग्न रहा।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र और किरगिज रशियन स्लाविक यूनिवर्सिटी बिशकेक, किरगिज गणराज्य के बीच 24 मार्च, 2009 को बिशकेक के उच्च अधिकार प्राप्त प्रतिनिधि मंडल की उपस्थिति में सहयोग के समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

केंद्र स्पेनी में बी.ए. (ऑनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, पुर्तगाली में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, उच्च प्रवीणता डिप्लोमा और एम.फिल. पाठ्यक्रम तथा इतालवी में सर्टिफिकेट और प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स चलाता है। केंद्र अपनी 'ओला सर्वांतेज' नामक सुविधा के अन्तर्गत स्पेनी भाषा एवं संस्कृति अध्ययन के लिए आधुनिक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराता है। केन्द्र ने इस वर्ष पहली बार एम.ए. पाठ्यक्रम में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना अनिवार्य किया।

केन्द्र अपनी भावी योजनाओं के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम (सेप) के तहत लेटिन अमरीकी अध्ययन में एक विशेष कार्यक्रम चलाने के अपने पूर्व प्रस्ताव पर भी विचार–विमर्श कर रहा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र को अमरीका और यूरोप के चार महत्त्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ इरासमस मुंडस के तहत एम.फिल स्तर पर 'मल्टिकल्चरलिज्म' विषयक विशेष पाठ्यक्रम में सहयोगात्मक संस्थान के रूप में चुना गया।

भाषा प्रयोगशाला और मल्टीमीडिया समूह

भौतिक विज्ञान संस्थान से सटे एक ध्वनिप्रूफ एवं वातानुकूलित भवन में स्थित भाषा प्रयोगशाला और मल्टीमीडिया समूह पूरे एशिया में एक सर्वोत्तम प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला का नया भवन भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के पास है। इसमें एक मल्टीमीडिया भाषा प्रयोगशाला, तीन आडियो–एक्टिव भाषा प्रयोगशालाएं, एक फोनेटिक प्रयोगशाला, चार ऑडियो–विजुअल रूम, छात्रों हेतु एक इंटरनेट रूम, फिल्म प्रोजेक्शन सुविधायुक्त एक आडिटोरियम है। भाषा प्रयोगशाला में ऑडियो–वीडियो हेतु रिकार्डिंग, एडिटिंग और डुप्लिकेशन सुविधा वाला एक स्टुडियो है। भाषा प्रयोगशाला की सभी इकाइयों का उपयोग शिक्षण एवं शोध कार्य के लिए सभी कार्य–दिवसों में प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, भाषा प्रयोगशाला ने भाषा, चार ऑडियो–विजुअल रूम्स को नए भवन में स्थानांतरित कर दिया तथा एक और मल्टीमीडिया भाषा प्रयोगशाला की खरीद की जिसका प्रचालन शुरू किया जाएगा। भाषा प्रयोगशाला की अधिकतर इकाइयों को नए भवन में स्थानांतरित किया जाएगा। भाषा प्रयोगशाला की शीघ्र ही मल्टीचैनल साइमलटेनियस इंटरप्रिटेशन इनेबल्ड कांफ्रेंस सिस्टम खरीदने की योजना है।

शुरू किए गए नए कोर्स :

वर्ष 2008–2009 के दौरान विभिन्न केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित नए कोर्स शुरू किए गए :

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

एक नया 4 क्रेडिट का एम.ए. वैकल्पिक कोर्स शुरू किया गया :

- डिसएबिलिटी स्टडीज ऐंड लिट्रेचर

भाषा विज्ञान केन्द्र

तीन नए 4 क्रेडिट के एम.ए. वैकल्पिक कोर्स शुरू किए गए :

- लैंगवेज टेक्नोलॉजी

- लैंगवेज डॉक्यूमेंटेशन ऐंड डिसक्रिप्शन
- पोस्ट स्ट्रक्चरलिस्ट एप्रोचिज टु लैंगवेज ऐंड कल्चर

रूसी अध्ययन केन्द्र

एक नया 4 क्रेडिट का एम.ए. वैकल्पिक कोर्स शुरू किया गया :

- थीअरी ऑफ ट्रांसलेशन

संस्थान/केन्द्र द्वारा आयोजित किए गए सम्मेलन

वर्ष 2008–2009 के दौरान विभिन्न केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित सम्मेलन आयोजित किए गए :

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- जीजेवी प्रसाद और सौगाता भादुरी ने 5 से 9 जनवरी 2009 तक यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकास्ल तथा लीवन हुम फाउंडेशन के सहयोग से "ट्रांसलेशन ऐंड मल्टीलिंगुआलिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला व संगोष्ठी आयोजित की।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- आशिष अग्निहोत्री और आशापुरी ने 19 मार्च, 2009 को फ्रेंकाफोन दिवस गोलमेज संगोष्ठी (थीम कंट्री : बेलजियम) आयोजित की।
- शिवशंकरन शोबा ने राहुल लक्ष्मण इंटरप्रेटर, लियोन, फ्रांस के साथ मिलकर "कंसिकयुटिव ऐंड साइमल टेनियस इंटरप्रिटेशन" विषयक कार्यशाला आयोजित की।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- चित्रा हर्षवर्धन ने 13 सितम्बर, 2008 को "टेक्निकल राइटिंग" विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- चित्रा हर्षवर्धन और प्रोफेसर उरसुला कोचर, फ्री यूनिवर्सिटी बर्लिन ने 24–25 सितम्बर, 2008 को "ट्रांसलेशन स्टडीज ऐंड एडिटिंग" विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डाड) द्वारा 10–11 अक्टूबर, 2008 को जर्मन अध्ययन केन्द्र में जर्मन अध्ययनके क्षेत्र में आने वाले शोधार्थियों के लिए वार्षिक संगोष्ठी आयोजित की।

भारतीय भाषा केन्द्र

- चमनलाल ने 15 अप्रैल, 2008 को "1857" और "भगत सिंह" पर दो व्याख्यान आयोजित किए।
- चमनलाल ने 31 जुलाई, 2008 को प्रथम प्रेमचन्द स्मारक व्याख्यान आयोजित किया।
- केन्द्र ने 31 अक्टूबर, 2008 को भारतीय भाषा केन्द्र स्थापना दिवस व एलुमनी संगोष्ठी आयोजित की।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अनिता खन्ना ने 26–27 सितम्बर, 2008 को "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- रविकेश और नीरजा समाजदार ने 13 से 17 अक्टूबर, 2008 तक हंगुल सप्ताह (कोरिया सप्ताह) का समन्वयन किया।
- वैजयंती राघवन ने 15 अक्टूबर, 2008 को हंगुल सप्ताह के भाग के रूप में "कोरिया ऐंड इंडिया इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- 5 से 7 नवम्बर, 2008 तक कोरियाई फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- जापानीज लैंगवेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 19–20 दिसम्बर, 2008 को "जापानीज लैंगवेज टीचिंग : टीचिंग मेथड्स ऐंड इवाल्युएशन" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। जापान फाउंडेशन ने इस संगोष्ठी में सहायता की। संगोष्ठी का आयोजन सुषमा जैन और नीरा कोंगरी ने किया।
- वैजयंती राघवन ने 19–20 जनवरी, 2009 को "कोरियन कल्चर इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : सम आस्पेक्ट्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- 23–24 फरवरी, 2009 को जापानी सांस्कृतिक समारोह "बुंकासाई" आयोजित किया गया।
- 4 मार्च, 2009 को "ड्रम ऐंड फैंटेसी इन जापानीज लिट्रेचर" विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- पी.ए. जॉर्ज, एम.वी. लक्ष्मी और रूपा पोपली ने 6 से 8 मार्च, 2009 को जापान फाउंडेशन के सहयोग से "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल और जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख़तर महदी ने 30 मई, 2008 को 'इण्डो–ईरान' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- अख़तर महदी और फोकाल ने 25 जुलाई, 2008 को संगोष्ठी का आयोजन किया तथा "मकालात–ए–मौलाना आरशी ऐंड असेफी रामपुरी : शख्सियत और शायरी" विषयक पुस्तक का विमोचन किया।
- अख़तर महदी और इण्डो–ईरान सोसाइटी ने 10 फरवरी, 2009 को "थर्टी ईयर्स ऑफ इरानियन रिवोल्युशन" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

रूसी अध्ययन केन्द्र

- 23–24 मार्च, 2009 को दो रूसी फिल्मों का आयोजन किया गया।
- केन्द्र द्वारा 25 से 27 मार्च, 2009 तक मनु मित्तत के निर्देशन में "सोशलिस्टिक रिएलिज्म टु ग्लोबल ह्यूमैनीज्म" (महान लेखक चिंगिज एत्यातोव को समर्पित) विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.पी. गांगुली और अपराजित चट्टोपाध्याय ने यूनिवर्सिटी और रोविरा आई वर्जिली, स्पेन के सहयोग से 29 से 31 जनवरी, 2009 तक "मल्टीकल्चरलिज्म : स्पेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- मार्च, 2009 के अंतिम सप्ताह में स्पेन की विजिटिंग लेक्चरर मारिया रेपेज गोंजालेज पोरटेला के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा एक शाम स्पेनी भाषा में कविता, संगीत और नाटकों का आयोजन किया गया।

केन्द्रों में आए अतिथि

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान के विभिन्न केन्द्रों में निम्नलिखित अतिथि आए :

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- डॉ. सुन पिंग, एसोसिएट प्रोफेसर, साइंटीफिक सोशलिज्म, एनसीईपीयू, बीजिंग, चीन 19 फरवरी, 2009 को केन्द्र में आए और "सिनिसीसेशन ऑफ मॉक्सीज्मि" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. हरप्रसाद रे, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनयू 6 मार्च, 2009 को केन्द्र में आए और केन्द्र के शिक्षकों तथा छात्रों के साथ शैक्षिक परिचर्चा की।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- प्रोफेसर वॉल्फगांग जैक, यूनिवर्सिटी ऑफ इंसब्रुक, आस्ट्रिया 24 अप्रैल, 2008 को केन्द्र में आए और "जैक डेविस, द आस्ट्रेलियन प्लेराइट" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- प्रो. अमृतजीत सिंह, लैंग्सटन ह्यूज्स प्रोफेसर, अंग्रेजी ओैर अमरीकी साहित्य, ओहिया यूनिवर्सिटी, यूएसए 5 अगस्त, 2008 को केन्द्र में आए और "पोस्टकॉलोनियल थीअरि ऐंड एथनिक लिट्रेचर्स ऑफ अमरीका" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- अरका मुखोपाध्याय, आर्विस्टिक डायरेक्टर, लॉगोस थिएटर, बंगलौर 26 सितम्बर, 2008 को केन्द्र में आईं और 'पोइट्री परफॉर्मेंस' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- स्टेफनोज स्टेफनीडेज, ख्यातिप्राप्त कवि, अनुवादक और नृजाति विज्ञानी 5 दिसम्बर, 2008 को केन्द्र में आए और "एथनोग्रामी ऐंड ट्रांसलेशन फार एक्विटी" विषयक व्याख्यान दिया।
- डेविड बरसामियन, निदेशक, अल्टरनेटिव रेडियो बौल्डर, कोलरेडो 22 दिसम्बर, 2008 को केन्द्र में आए और "ट्रांसलेटिंग पॉवर" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।

- शारोन रूंडले, लेखक और शिक्षक, आस्ट्रेलिया 23 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए और "इंगलिश एज सी इज स्पोकन इन कंटेम्पोरेरी फिक्शन" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर आर्थर फ्लोवर्स, डिपार्टमेंट ऑफ इंगलिश, सायरेकस यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क 27 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए और "द अफ्रीकन रूट्स इन अफ्रीकन–अमेरिकन म्यूजिक ऐंड लिट्रेचर" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- डॉ. पॉल शर्‌राड, वोलोंगोंग यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया 4 फरवरी, 2009 को केन्द्र में आए और "अबॉरीजीनल राइटिंग फ्रॉम कॉलिन जॉनसन टु एलेक्सिस राइट्" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- प्रो. कीपलर, फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी अक्टूबर, 2008 में केन्द्र में आए।
- प्रो. मैथ्यू बैल, लंदन नवम्बर, 2008 में केन्द्र में आए।
- प्रो. विनफ्रिड क्रेगलेदर, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, आस्ट्रिया फरवरी, 2009 में केन्द्र में आए।
- प्रो. वोल्फगांग विल्डजन, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमन, जर्मनी फरवरी, 2009 में केन्द्र में आए।
- डॉ. हेलमुट स्मित्ज, यू.के. फरवरी, 2009 में केन्द्र में आए।
- प्रो. हेराल्ड ह्यूजमान, जर्मनी म्रवरी–मार्च, 2009 में केन्द्र में आए।
- प्रो. मार्टिन आर. डीन, बेसल, स्विटजर लैण्ड मार्च, 2009 में केन्द्र में आए।
- प्रो. एलेक्जेंडर होनोल्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ बेसल, स्विटजरलैण्ड मार्च, 2009 में केन्द्र में आए।

भारतीय भाषा केन्द्र

- प्रो. नित्यानंद तिवारी 4 अप्रैल, 2008 को केन्द्र में आए और "मध्यकालीन काव्य" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी 15 अप्रैल, 2008 को केन्द्र में आए और "मध्यकालीन कवियों की विशेषताएं" विषयक व्याख्यान दिया।
- गिलियन राइट 22 अप्रैल, 2008 को केन्द्र में आए और "माई एक्सपिरियंसेज, इन ट्रांसलेटिंग राग दरबारी" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. के.एन. सिंह 22 अप्रैल, 2008 के केन्द्र में आए और "निराला और छायावाद" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अब्दुल बिसमिल्लाह 29 अगस्त, 2008 को केन्द्र में आए और "प्रेमचन्द का हिंदी–उर्दू लेखन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल 19 सितम्बर, 2008 को केन्द्र में आए और "हमारे समय में धर्म और साहित्य" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. गिरीश नाथ झा 23 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए और "डिवलपमेंट ऑफ टेक्नोलॉजी इन इंडियन लैंगवेजिज" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. तशमिर्जा खालमिरजेव 27 मार्च, 2009 को केन्द्र में आए और "हिंदी उर्दू स्टडीज इन उजबेकिस्तान" विषयक व्याख्यान दिया।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- 11 सितम्बर, 2008 को बुनकयो यूनिवर्सिटी से एक प्रतिनिधि मण्डल केन्द्र में आया।
- 17 अक्टूबर, 2008 को फुकुओका प्रिफेक्चर, जापान के गवर्नर सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल केन्द्र में आया।
- प्रो. के. कोवायासी, विजिटिंग प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय 23 अक्टूबर, 2008 को केन्द्र में आए और "सुनेतो यासुशी'ज आइडियोलॉजी ऑफ हैपीनेस ऐंड सोरो ऑफ द वर्ल्ड कम्युनिटी" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. ओकोमोतो, जापान 23 जनवरी, 2009 को केन्द्र में आए और "इंडिया थ्रू द आइज ऑफ जापानीज : रिफलेक्शंस ऑन पास्ट, प्रजेंट ऐंड फ्यूचर ऑफ इण्डो–जापान रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- 17 फरवरी, 2009 को शिनयोन, जापान से एक प्रतिनिधिमण्डल केन्द्र में आया।
- प्रो. इतो, एनआईजेएल, टोटियो 5 मार्च, 2009 को केन्द्र में आया।

रूसी अध्ययन केन्द्र

- डॉ. सर्गेय वी. चरकास, डिप्टी डायरेक्टर, रशियन सेंटर ऑफ साइंस ऐंड कल्चर ने 3 अप्रैल, 2008 को केन्द्र में प्रसिद्ध रूसी भौतिक विज्ञानी इगोर वसीलयेविच कुरचातोव पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. गिरधर राठी ने 7 नवम्बर, 2008 को विख्यात हंगरी के लेखक श्री जानोस हे के आगमन के अवसर पर 'मीट द राइटर' कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान दिया।
- प्रो. ए.एस. कतसेव, चेयरपर्सन, सेंटर ऑफ इंटरनेशनल जर्नलिज्म ऑफ द किरगिज रशियन स्लावोनिक यूनिवर्सिटी, किरगिज रिपब्लिक, किरगिस्तान केन्द्र में 27 जनवरी, 2009 से 3 माह की अवधि के लिए विजिटिंग, प्रोफेसर के रूप में रहे और "रशियन, सोवियत ऐंड कंटेम्पोरेरी लिट्रेचर" पर व्याख्यान माला आयोजित की।
- श्रीमती लिलिया कतसेव, किरगिस्तान ने 18, 19, 20 और 27 मार्च, 2009 को विशेष व्याख्यानमाला आयोजित की।
- प्रोफेसर तातियाना लरिना, प्रोफेसर, कंट्रास्टिव लिंग्विस्टिक्स, रशियन पीपल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी 25 फरवरी, 2009 को केन्द्र में आए और व्याख्यान दिया।

स्पेनी, पुर्तगाली इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- प्रोफेसर डेबरा ए. कास्तिलो, कार्नेल विश्वविद्यालय, यूएसए ने लेटिन अमरीकी साहित्य पर व्याख्यानमाला आयोजित की और "बॉर्डस, आइडेंटिटीज ऐंड ऑब्जेक्ट्स" विषयक 22वां एंटोनियो बिनिमेलिस स्मारक व्याख्यान भी दिया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

निम्नलिखित केन्द्रों के निम्न छात्रों को अद्वितीय उपलब्धियों के लिए पंजीकृत किया गया :

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- श्री मधुरेन्द्र कुमार झा को एम.ए. (चीनी) में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए विमला शरण स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल. की दो शोधार्थियों शिवानी मंगरूलकर और मैथिली गटने को अपनी परियोजना के लिए सामग्री एकत्रित करने के लिए फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन के साथ साझेदारी कार्यक्रम के तहत छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

भारतीय भाषा केन्द्र

- एम.फिल. छात्र श्री विजय कुमार साव को उनकी कविता के लिए अगस्त, 2008 में भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- श्री आल्विन थॉमस, एम.ए. प्रथम वर्ष (जापानी), सुश्री मधुरा डी. प्रांजपे, एम.ए. प्रथम वर्ष (जापानी), श्री सूरज कुमार, एम.ए. प्रथम वर्ष (जापानी), श्री राकेश रोशन, एम.ए. प्रथम वर्ष (जापानी) और श्री प्रवीण कुमार, एम.ए. प्रथम वर्ष (जापानी) को अक्टूबर, 2007 से सितम्बर, 2008 के दौरान एक वर्ष के लिए जापान सरकार की मेक्स्ट छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।
- श्री युक्ति भास्कर, एम.ए. द्वितीय वर्ष (जापानी), श्री अनुप कुमार, एम.ए. द्वितीय वर्ष (जापानी), सुश्री बुलबुल झा, बी.ए. तृतीय वर्ष (जापानी) और श्री दीपक सिंह, बी.ए. तृतीय वर्ष (जापानी) को जुलाई, 2008 से एक वर्ष के लिए जापान सरकार द्वारा शिन्नयो–एन छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।
- सुश्री दीपशिखा, बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष (कोरियाई), श्री कृष्ण गोपाल गोखले, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई), श्री सुभाष कुमार, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई), श्री संजय कुमार, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई), सुश्री क्रिस्तिना नेमलालचावी, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई), सुश्री जिनालियु गोलमेई, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई), श्री सतीश चन्द्र सत्यार्थी, बी.ए., द्वितीय वर्ष (कोरियाई), श्री किशोर कुमार कन्हैया, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई), श्री अंजनी कुमार सिन्हा, बी.ए., द्वितीय वर्ष (कोरियाई) और सुश्री दिव्या सेठी, बी.ए., द्वितीय वर्ष (कोरियाई) को पोस्को एशियन छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- सुश्री रीशांगफी कशक, एम.ए. प्रथम वर्ष (कोरियाई) का कोरिया में "2008 एशियन यूथ कैम्प" में भाग लेने के लिए चयन किया गया।
- श्री रवि कुमार रंजन, बी.ए., तृतीय वर्ष (कोरियाई) और श्री शैलेन्द्र कुमार, एम.ए. प्रथम वर्ष (कोरियाई) को वर्ष 2008 के लिए किम यांग शिक पुरस्कार प्रदान किया गया।

रूसी अध्ययन केन्द्र

- सुश्री बुलबुल जेम्स को केन्द्र में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पाण्डे पादक 2009 प्राप्त हुआ। इसमें एक स्वर्ण पदक और एक प्रशस्ति पत्र होता है।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- सुश्री खुशबू अग्रवाल को बी.ए. स्तर पर छात्रा के रूप में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए जूही प्रसाद पुरस्कार, 2007–2008 प्रदान किया गया।
- सुश्री देबब्राती ब्याब्रात्ता को एम.ए. (स्पेनी) में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए राफेल उरुजुबिता पुरस्कार, 2007–2008 प्रदान किया गया।
- श्री अमल कुमार वर्मा को एम.ए. (स्पेनी) में द्वितीय अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए वर्ष 2007–2008 के लिए इरेने पैलेज पुरस्कार प्रदान किया गया।

कोई अन्य सूचना

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- रिज़वानुर रहमान, संपादक, थकाफतुल हिंद, आईसीसीआर की अरबी भाषा में पत्रिका, मई 2002 से दिसम्बर 2008 तक।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- जीजेवी प्रसाद, संपादक, पत्रिका, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, सदस्य, संपादकीय मंडल, जेएनयू न्यूज और संपादक, जेएनयू के पूर्व छात्रों के मिलन समारोह के दौरान जारी पत्रिका, आज 2008 ।
- धनंजय सिंह, सहायक संपादक, एनसाइक्लोपीडिया, इंडियन पोइटिक्स, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- आशिष अग्निहोत्री, सह–संपादक, रेनकोंत्रे एपेकएल, इंदे, आईसीसीआर, भाग–35, अंक–1, 2008 और भाग–37, अंक–2, 2008 एन स्पेशल : "एल 'इंदे एट ले थिएटर : इंफ्लुएंसिज एट कनफ्लुएंसिज"
- शोभा शिवशंकरन, इंटरप्रेटर, फिक्की द्वारा नई दिल्ली में आयोजित इण्डो–अफ्रीका सम्मिट, जनवरी, 2009

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- सुषमा जैन, सह–संपादित, हिंदी पत्रिका, सकुरा की बयार, ओसाका यूनिवर्सिटी, मिमोह कैम्पस, 2008
- मंजुश्री चौहान ने 8 नवम्बर, 2008 को मोम्बुसो स्कालर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (मोसाई) द्वारा आयोजित 21वीं उत्तर क्षेत्रीय जापानी भाषा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के आयोजन में जापान दूतावास और जापान एसोसिएशन, दिल्ली ने सहायता की।
- वैजयंती राघवन, ऑफिशियल इंटरप्रेटर, एडमिरल जुंग, चीफ ऑफ नवल ऑपरेशंस, आर ओ के नेवी और एडमिरल मेहता, नौ सेना प्रमुख, भारत के बीच 19 मई 2008 को साउथ ब्लाक, नई दिल्ली में आयोजित बैठक।
- रूपा पोपली, 2008 में नई दिल्ली में जापानी भाषा शिक्षक संघ, भारत द्वारा आयोजित जापानी भाषा निबंध प्रतियोगिता में संयोजक रहीं।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख़तर महदी ने 29 अप्रैल, 2008 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल की ईरान के राष्ट्रपति श्री महमूद अहमदीनिजाद के साथ वार्ता में इंटरप्रेटर के रूप में कार्य किया।
- अख़तर महदी ने 9 फरवरी, 2009 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में संस्कृति मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी की ईरान के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ वार्ता में इंटरप्रेटर के रूप में कार्य किया।
- अख़तर महदी, संपादक, राहे इस्लाम, त्रैमासिक, नई दिल्ली।
- अख़तर महदी, सहायक संपादक, बयाज़, त्रैमासिक, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.ए. रहमान ने 16–17 मार्च, 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "अल मा' जिम अल अरबिया अबरा अल उसूर" विषयक संगोष्ठी में "तारीफ़ मूजाज़ ली अल मुंजिद–कैफ़ियात इस्तिखदामी ही" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मुजिबुर रहमान ने 20 अगस्त, 2008 को इंडिया अरब कल्चरल सेंटर द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित "पैलेस्टिनियन रेसिस्टांस पोइट महमूद दारविश" विषयक संगोष्ठी में "रिमेम्बरिंग महमूद दारविश" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मुजिबुर रहमान ने 8 से 10 मार्च, 2009 तक फैकल्टी ऑफ दार–अल–उलूम, मीनिया यूनिवर्सिटी, मीनिया, मिश्र में आयोजित "द कंट्रीब्यूशन ऑफ मुस्लिम स्कालर्स टु द वर्ल्ड सिविलाइजेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "टुवर्डस ए फ्यूचर प्रोजेक्ट फार इस्लामिक सिविलाइजेशन : इन्वाकिंग इकबाल'स एप्रोच टु द वेस्ट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मुजिबुर रहमान ने 31 मार्च, 2009 को अरबी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लॉस्ट इन ट्रांसलेशन ऐंड कल्चरल सेंसीबिलिटीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रिजवानुर रहमान ने 14 से 16 नवम्बर, 2008 तक रिसर्च सेंटर फॉर इस्लामिक हिस्ट्री, आर्ट ऐंड कलचर, इस्तांबुल और विदेश मंत्रालय, बंगलादेश सरकार, ढाका द्वारा ढाका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "शरफुद्दीन अहमद याहया मनेरी : पैट्रॉन सेंट ऑफ बिहार" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रिजवानुर रहमान ने 14 से 16 दिसम्बर, 2008 तक नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च इन प्री–हिस्ट्री, एंथ्रोपॉलॉजी ऐंड हिस्ट्री ऑर द मिनिस्ट्री ऑफ कलचर, गवर्नमेंट ऑफ अल्जीरिया द्वारा तिजी वाउ जु, अल्जीरिया में आयोजित "सूफीज्म–कल्चर–म्यूजिक" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में" हजरत निजामुद्दीन औलिया : द ग्रेट सेंट ऑफ इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रिजवानुर रहमान ने 23 से 26 मार्च, 2009 तक द अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ काइरो, काहिरा, मिश्र में आयोजित "अरेबिक ऐंड इंगलिश एप्लाइड लिंग्विस्टिक्स ऐंड टिटोरिक ऐंड राइटिंग चैलेंजिज इन टीचिंग लैंगवेज ऐंड टिटोरिक" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "टीचिंग अरेबिक लैंगवेज ऐंड लिट्रेचर टु इंडियन स्टुडेंटस : ए चैलेंज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहम्मद कुतबुद्दीन ने 16–17 मार्च, 2009 को अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "अरेबिक लेक्सिकोग्राफी थ्रू द एजिज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एकेडमी ऑफ अरेबिक लैंगवेज इन काइरो ऐंड इट्स रोल इन प्रिपेयरिंग द डिक्शनरी अल–मोजाम अल वसीत" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहम्मद कुतबुद्दीन ने 31 मार्च, 2009 को अरबी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "ट्रांसलेशन : टेक्नीक्स, प्रॉब्लम्स ऐंड स्कॉप" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हुनैन बिन इशाक ऐंड हिज मेथड्स ऑफ अरेबिक ट्रांसलेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 26–27 सितम्बर, 2008 तक जापान फाउंडेशन द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "द रोल ऑफ लिट्रेचर इन टीचिंग ऑफ जापानीज/फॉरेन लैंगवेजिज इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रिटोरिक्स 5 ए पाथ टुवर्डस कल्चरल अंडरस्टेंडिंग" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 22–23 नवम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट फार साइनो–इंडियन कम्पेरेटिव स्टडीज, जीनान यूनिवर्सिटी, गुआंगजाउ, चीन की उद्घाटन बैठक और "बुद्धिज्म ऐंड साइनो–इंडियन कल्चरल लिंकेज' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "द सिनीसाइजेशन ऑफ ओरिजीनल इंडियन संस्कृत कंसेप्ट्स : इन एटीमोलॉजीकल स्टडी" (चीनी में) शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- सबरी मित्रा ने 28–29 नवम्बर, 2008 को द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में आयोजित "इंडिया–चाइना इंटरफेस ऐंड द रोड अहेड" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "फ्राम द 'लोकल' टु द 'ग्लोबल' इन चाइनीज कल्चर : रिफ्लेक्शंस ऐंड इमेज्स इन चाइनीज लिट्रेचर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सबरी मित्रा ने 5–7 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, सीएसडीएस और काला कोसा, आईजीएनसीए, नई दिल्ली द्वारा प्रो. तान चुंग के सम्मान में आयोजित "न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन इंटरकल्चरल स्टडीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

में "द चाइनीज एक्सपिरियंस ऑफ थियोराइजिंग वुमन थ्रू इंटरकल्चरल डायलॉक : कंट्रीब्यूशन ऑफ ली जीयाओजियांग" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- डॉ. बी.आर. दीपक ने 22–23 सितम्बर, 2008 को जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "लिटरेरी टेक्स्ट ऐंड फॉरेन लैंगवेज टीचिंग" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "चैलेंजिज ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट्स इन फॉरेन लैंगवेज टीचिंग : ए केस स्टडी ऑफ सीसीएसईएएस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. बी.आर. दीपक ने 12 से 14 अक्टूबर, 2008 तक द इंस्टीट्यूट फॉर कम्पेरेटिव लिट्रेचर ऐंड कल्चरल स्टडीज और बीजिंग लैंगवेज ऐंड कल्चर यूनिवर्सिटी, बीजिंग द्वारा आयोजित "लिटरेरी डायलॉक इन द कांटेक्स्ट ऑफ मल्टीकल्चरल इंटरएक्शन ऐंड चाइनीज कंपेरेटिव लिट्रेचर इन द पास्ट 30 इयर्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडियन स्टडीज इन चाइना ऐंड जी जीयालिन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. बी.आर. दीपक ने 28–29 नवम्बर, 2008 को द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में आयोजित "इंडिया–चाइना इंटरफेस ऐंड द रोड अहेड" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "बिहाइंड द 3–14 ल्हासा रायट्स : इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया ऐंड इंडिया'ज आप्शंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. बी.आर. दीपक ने 5–6 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, सीएसडीएस काला कोसा, आईजीएनसीए, नई दिल्ली द्वारा प्रो. तानचुंग के सम्मान में आयोजित "न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन इंटरकल्चरल स्टडीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "जी जीयालिन सिविलाइजेशन डायलॉक ऐंड इंटरकल्चरल स्टडीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. बी.आर. दीपक ने 2–3 मार्च, 2009 को चीनी और तिब्बती भाषा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित "चाइना सिंस 1949" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बीजिंग, धर्मशाला ऐंड न्यू दिल्ली : कॉट इन ए पेरेनियल डेडलॉक" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. बी.आर. दीपक ने 4–5 मार्च, 2009 को विदेशी भाषा अध्ययन केन्द्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित "फॉरेन लैंगवेज टीचिंग इन इंडिया : चैलेंजिज ऐंड स्ट्रेटिजीज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लिटरेरी टेक्स्ट्स इन एफएलटी (फॉरेन लैंगवेज टीचिंग)" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता कोचर ने 13–14 दिसम्बर, 2008 को बीजिंग विश्वविद्यालय, चीन में आयोजित चीनी भाषा शिक्षण के युवा शिक्षकों के द्वितीय अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन में "द डिफिकलटीज ऐंड चैलेंजिज ऑफ टीचिंग चाइनीज इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- एस.के. सरीन ने 11–12 सितम्बर, 2008 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित "नेशनल ऐंड प्लुरलिज्म, आस्ट्रेलिया ऐंड इंडिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "मैपिंग आस्ट्रेलिया ऐंड इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. सरीन ने 24–25 अक्टूबर, 2008 को नेशनल लाइब्रेरी, केनबरा, आस्ट्रेलिया में आयोजित "होम ऐंड अवे : राइटिंग अबाउट प्लेस" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "दिसपर्सड इंडिया : होम थैट ट्रेवल्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. सरीन ने 2 से 6 दिसम्बर, 2008 तक इनसब्रुक यूनिवर्सिटी, आस्ट्रिया में आयोजित "रेसिज्म, स्लेवरी ऐंड लिट्रेचर" विषयक अंतरराष्ट्रीय एवं अंतरविषयात्मक संगोष्ठी में "रेसिज्म, स्लेवरी ऐंड एथनीसिटी एज नॉन इश्यूज इन इंडियन सोसाइटी ऐंड लिट्रेचर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 3 से 5 अप्रैल, 2008 तक गाँधी अध्ययन केन्द्र, बंगलौर विश्वविद्यालय में आयोजित 'यूनाईटिंग इन रिसपांसीबिलिटीज इन ए कल्चर ऑफ राइट्स : लोकेटिंग पॉसीबिलिटीज" विषयक संगोष्ठी में "इंडियन नोशंस ऑफ रिसपांसीबिलिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा इस संगोष्ठी में दो सत्रों की अध्यक्षता भी की।
- मकरंद प्रांजपे ने 19 से 21 जून, 2008 तक ला ट्राब यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया के सहयोग जीन गेवसर सोसाइटी द्वारा आयोजित "इंटीग्रेटलिटी : ट्रूथ, रिएलिटी ऐंड ग्लोबलाइजेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "नरचरिंग ट्रांसपरेंसी : रिफलेक्शंस आन गेबसर, इंटीग्रेलिटी ऐंड ग्लोबलाइजेशन" शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 9 से 11 जुलाई, 2008 तक आयोजित जीपीएसएस समर वर्कशॉप, नेरिस में "साइंस ऐंड स्पिरीचुएलिटी इन हीलिंग : द अरबिन्दो आश्रम एक्सपेरीमेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मकरंद प्रांजपे ने 26 से 29 जुलाई, 2008 तक आयोजित जीपीएस वर्कशॉप, पेविलॉन हेनरी IV, जरमैन एन लाए, पेरिस में "साइंस ऐंड स्पिरीचुएलिटी इन मॉडर्न इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 8 से 10 नवम्बर, 2008 तक सीनेट हॉल, बंगलौर विश्वविद्यालय में साहित्य अकादमी द्वारा राजा राव की जन्मशती के उपलक्ष में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "रिमेम्बरिंग राजा राव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 22–23 दिसम्बर, 2008 को डेरेजियो बाइसेंटेनियल सेलेब्रेशन कमिटी द्वारा प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता में आयोजित "द लिगेसी ऑफ हेनरी लुइस विवियन डेरेजेओ : ए रिएप्रेजल" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ईस्ट इंडियन कास्मोपोलिटन ? द फकीर ऑफ जंघीरा ऐंड द बर्थ ऑफ इंडियन मॉडर्निटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 25–26 दिसम्बर, 2008 को चिनमय मिशन, चेन्नई में आयोजित "नेशनल रिकंसट्रक्शन" विषयक सम्मेलन में "द क्राइसिस इन हायर एज्यूकेशन : चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 9–10 जनवरी, 2009 को राजनीति विज्ञान विज्ञाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित "द पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी : अल्टरनेटिव विजंस ऐंड फार्मेशंस फ्राम इंडिया" विषयक सम्मेलन में "अहम–इदाम : इंडियन रिफलेक्शंस आन द मेटाफिजिक्स ऐंड पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 9–10 फरवरी, 2009 को एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में आयोजित "फ्राम बाम्बे टु एल.ए. : द ट्रेवल्स ऑफबालीवुड सिनेमा" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कल्चरल फ्लॉज, ट्रेवलिंग शोज : बाम्बे टॉकीज, ग्लोबल टाइम्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 11 से 13 फरवरी, 2009 तक गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "हिंद स्वराज : 100 इयर्स ऐंड आफ्टर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "गाँधी'ज विजन ऑफ सोसाइटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 19 से 21 फरवरी, 2009 तक पीपल ट्री, फायरफ्लाइज इंटरकल्चरल सेंटर, बंगलौर में आयोजित "रिलिजंस ऐंड गवर्नेंस" विषयक सम्मेलन में "धर्म ऐंड गवर्नेंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 20 से 23 मार्च, 2009 तक नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग में आयोजित "नेशनल इंटीग्रेशन ऐंड आइडेंटिटी–वायलेंस" विषयक राष्ट्रीय कार्यशालाओं में "द मेटाफिजिक्स ऐंड पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जीजेवी प्रसाद ने 3 से 5 सितम्बर, 2008 तक यूनिवर्सिटी ऑफ स्टरलिंग, स्काटलैण्ड में आयोजित "रीडिंग आफ्टर एम्पायर : लोकल, ग्लोबल ऐंड डायसपोरा आडिएंसिज" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "रीडिंग डायसपोरा" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और रीडिंग इंडिया : लोकल ऐंड ग्लोबल आडिएंसिज" विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- जीजेवी प्रसाद ने 20 सितम्बर, 2008 को विश्व भारती, शांतिनिकेतन में आयोजित "अर्ली इंडियन इंगलिश राइटिंग : टैगोर ऐंड हिज कनटेम्पोरेरीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "वेस्टर्न प्लॉट्स : तोरू दत्त, यूरोप ऐंड द नवल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा सत्र की अध्यक्षता भी की।
- जीजेवी प्रसाद ने 10–11 जनवरी, 2009 को एमआईसीए, अहमदाबाद द्वारा मुम्बई में आयोजित चटनीफाइंग इंगलिश : इंडिया का पहला कांफ्रेंस आन हिंगलिश में "हिंदी, इंगलिश, तमिल : द न्यू मिनेस ए ट्राइस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जीजेवी प्रसाद ने 29 से 31 जनवरी, 2009 तक यूनिवर्सिटी ऑफ रोविरा आई वर्जिली, स्पेन और सीएसपीआईएलएएस, एसएलएल ऐंड सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयाजित "मल्टीकल्चरलिज्म : स्पेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "आइडेंटिटी पॉलिटिक्स ऐंड मल्टीलिंग्विज्म : द केस ऑफ तमिल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। एक सत्र की अध्यक्षता की तथा सत्र के पेनेलिस्ट रहे।
- जीजेवी प्रसाद ने 8 जनवरी, 2009 को लीवरह्यूम रिसर्चनेटवर्क इन पोस्ट कॉलोनियल ट्रांसलेशन : द केस ऑफ साउथ एशिया, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकास्ल, यू.के. और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र द्वारा भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित "ट्रांसलेशन ऐंड मल्टीलिंग्विलिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'तमिल' विषयक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- जीजेवी प्रसाद ने 19 जनवरी, 2009 को इग्नू और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित "कंटेम्पोरेरी इंडियन राइटिंग इन इंगलिश : एसिमीलेशन ऐंड डीनायल" विषयक संगोष्ठी में "नरेटिव्स ऑफ द नेशन" विषयक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

- सौगाता भादुरी ने 29 मई से 7 जून, 2008 तक परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आयोजित "प्रिपेयरेशन ऑफ द एनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिंदुइज्म" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- सौगाता भादुरी ने 20 से 22 अक्टूबर, 2008 तक महिला अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित "द फ्यूचर एज कनसीव्ड इन द पास्ट : द इवाल्विंग विजंस ऑफ वुमंस इमांसीपेशन" विषयक संगोष्ठी में "वुमन'स मूवमेंट्स इन द एज ऑफ टेक्नोलॉजी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सौगाता भादुरी ने 26–27 अक्टूबर, 2008 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में भारतीय काव्य का एनसाइक्लोपीडिया तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- सौगाता भादुरी ने 22 दिसम्बर, 2008 को कथा द्वारा भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में आयोजित डेविड बरसामियन, निदेशक, अल्टरनेटिव रेडिया, बौल्डर, कोलेराडो द्वारा "ट्रांसलेटिंग पावर" विषयक संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता की।
- सौगाता भादुरी ने 8 जनवरी, 2009 को "लीवरह्यूम रिसर्च नेटवर्क इन पोस्टकॉलोनियल ट्रांसलेशन द केस ऑफ साउथ एशिया" न्यूकास्ल यूनिवर्सिटी, यू.के. और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र द्वारा भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "ट्रांसलेशन ऐंड मल्टीलिंगवालिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'बंगाली' विषयक सत्र में "ट्रांसलेटिंग वैष्णब पदावली इन टु इंग्लिश : सम रिफलेक्शंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा "ट्रांसलेशन ऐंड पॉवर" विषयक पेनल परिचर्चा में मुख्य पेनेलिस्ट रहीं।
- सौगाता भादुरी ने 29 से 31 जनवरी, 2009 तक यूनिवर्सिटी ऑफ रोविरा आई वर्जिनी, स्पेन और स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र, भा.सा.सं.अ.सं., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मल्टीकल्चरलिज्म : स्पेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "द इबेरियन कनेक्शन टु बंगाली मल्टीकल्चरलिज्म" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- सौगाता भादुरी ने 17 से 20 मार्च, 2009 को भाषा विज्ञान विभाग, नेहु, शिलांग में आयोजित "वर्ल्ड लैंग्वेज ऐंड नॉर्थ ईस्ट लैंग्वेजिज : कनवर्जेंस, एनरिचमेंट आर डेथ ? विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ए नॉर्थ–ईस्ट लैंग्वेज इन टाईम्स ऑफ कनवर्जेंस : द क्युरियस केस ऑफ सिलहेती" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पदमिनी मोंगिया ने फ्रेंकलिन ऐंड मार्शल कालेज, लंकास्टर, पेंसिलवानिया में आयोजित "इंटीग्रेटिंग बिजनेस इन टु द लिबरल आर्टस" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- पदमिनी मोंगिया ने 8 जनवरी, 2009 को लिवरह्यूम रिसर्च नेटवर्क इन पोस्ट कालोनियल ट्रांसलेशन : द केस ऑफ साउथ एशिया', न्यू कैशल यूनिवर्सिटी, यू.के. और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र द्वारा भा.सा.सं.अ.सं., जेएनयू में आयोजित "ट्रांसलेशन ऐंड मल्टीलिंग्वालिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "कंटेम्पोरेरी राइटिंग" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- धनंजय सिंह ने 23–24 सितम्बर, 2008 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में आयोजित "एथिक्स ऐंड एस्थेटिक्स इन इंडियन लिटरेरी प्रेकटीसिज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द डिसकर्सिव फेबल्स ऑफ द क्लासीकल इंडियन ट्रेडिशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- धनंजय सिंह ने 17 से 19 जनवरी, 2009 तक हेमचन्द्राचार्य उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन में आयोजित "रिकनेक्टिंग गुजराती डायसपोरा विद इट्स ोमलैण्ड : कंट्रीब्यूशन टु इट्स डिवलपमेंट विद द फोकस ऑन बिल्डिंग ए नॉलेज सोसाइटी" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "पोइट्री एज द लैंग्वेज ऑफ डायसपोरा : रीडिंग मंकी शेडोज ऑफ सुजाता भट्ट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- धनंजय सिंह ने 26–27 फरवरी, 2009 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित "लिट्रेचर ऐंड फिलास्फी : ट्रेसिंग द पाथवेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मेटाफर्स इन द इंडियन फिलास्फी ऑफ लैंग्वेज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- किरण चौधरी ने 26 से 28 मार्च, 2009 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्यूबेक स्टडीज, एआईटीएफ और भारतीदशन महिला महाविद्यालय, पाण्डीचेरी द्वारा आयोजित "क्यूबेक स्टडीज" विषयक वि.अ.आ. की राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ट्रेडुरे लेस टेक्स्ट्स हाइब्रिडेज अन सेकुलर हिंदी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- किरण चौधरी ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जापान फाउन्डेशन द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "द रोज ऑफ लिट्रेचर इन टीचिंग ऑफ जापानीज/फारेन लैंग्वेजिज इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "डिवलपिंग रीडिंग स्किल्स थ्रू ए टास्क बेस्ड एप्रोच टु लिटरेरी टेक्स्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. कमला ने 26 से 28 मार्च, 2009 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्यूबेर स्टडीज, एआईटीएफ और भारतीदशन महिला महाविद्यालय, पाण्डीचेरी द्वारा आयोजित "क्यूबेक स्टडीज" विषयक वि.अ.आ. की राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इमेज डेज त्रेदकचर्स दांस ला लिटरेचुर क्यूबेकॉइज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत कारकून ने 7 से 9 अगस्त, 2008 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में सेंटर फॉर न्यू लिटरेचर्स, कल्चर ऐंड कम्युनीकेशन के सहयोग से लॉ स्कूल, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "ग्लोबल पीस ऐंड सिक्यूरिटी–लीगल पर्सपेक्टिव्स ऐंड ह्यूमन राइट्स : कनाडा ऐंड इंडिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अभिजीत कारकून ने 25 से 28 सितम्बर, 2008 तक इंदिरा गाँधी मानव संग्रहालय, भोपाल और आदिवासी लोक कला परिषद् के सहयोग से कनाडियाई अध्ययन केन्द्र, अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषाएं विभाग, डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर द्वारा खजुराहो में आयोजित "इंडीजिनस आर्ट ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट इन कनाडा ऐंड इंडिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "एन इनक्लुसिव डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी फार द फर्स्ट नेशन पीपल ऑफ क्यूबेक" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत कारकून ने 5 से 7 नवम्बर, 2008 तक यूजीसी एरिया स्टडी सेंटर फॉर कनाडियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ केरला में आयोजित "मैनेजिंग डाइवर्सिटी इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन : कल्चर, एनवायरनमेंट ऐंड ट्यूरिज्म इन कनाडा ऐंड इंडिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "सस्टेनेबल डिवलपमेंट : ए क्यूबेकर एप्रोच" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिजीत कारकून ने 28 से 31 जनवरी, 2009 तक कंपेरेटिव लिट्रेचर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सीआईआईएल, मैसूर, साहित्य अकादमी, हैदराबाद विश्वविद्यालय और ईएफएलयू द्वारा हैदराबाद में आयोजित "डाइवर्स हारमॅनीज : लिटरेरी ऐंड कल्चरल कनफ्लुएंसिज" विषयक 9वें द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मौलाउड फेराउन'स पुअर मैन'स सन : द कंसट्रक्शन आफ अलजेरियानिटी इन नॉर्थ अफ्रीकन फ्रेंकाफोन लिट्रेचर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शोभा शिवशंकरन ने 17 मार्च 2009 को भारत में फ्रांस दूतावास द्वारा भा.सा.सं.अ.सं., जेएनयू में आयोजित पेनल परिचर्चा में "त्रेदक्शन : उन वायेज द'यूने लैंगुए अ उने आत्रे, द'यूने कल्चुरे अ उने आत्रे" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशिष अग्निहोत्री ने 26 से 28 मार्च, 2009 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्यूबेक स्टडीज, एआईटीएफ और भारतीदशन महिला महाविद्यालय, पांडीचेरी द्वारा आयोजित "क्यूबेक स्टडीज" विषयक वि.अ.आ. की राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Fugues pour un cheval et un piano : a propos d'un mythe e ternal (entre jadis et naguere)" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- रेखा वी. राजन ने 14 से 25 जुलाई, 2008 तक इंटरनेशनल समर स्कूल, हेल, जर्मनी के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में "रिप्रिजेंटेशंस ऑफ इंडिया इन मिशन रिपोर्टस ऑफ द 18थ सेंचुरी" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- रेखा वी. राजन ने 12 से 14 मार्च, 2009 तक समाज–शास्त्र और जर्मन विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा अयोजित सम्मेलन में "द कंट्रीब्यूशन ऑफ जर्मन मिशनरीज टु इण्डो–जर्मन रिलेशंस इन द 18र्थ सेंचुरी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र डेंगले ने 24–25 सितम्बर, 2008 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "एडिटिंग ऐंड ट्रांसलेशन" विषयक कार्यशाला में "द टास्क ऑफ लिटरेरी ट्रांसलेटर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र डेंगले ने 10–11 अक्टूबर, 2008 को जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (दाद) द्वारा जर्मन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में जर्मन अध्ययन के क्षेत्र में आनेवाले शोधार्थियों हेतु आयोजित वाषिक संगोष्ठी में "द रोल ऑफ कल्चरल टर्न्स इन थिअरी ऑफ लिट्रेचर टुडे" विषयक व्याख्यान दिया।
- चित्रा हर्षवर्धन ने 6 अक्टूबर, 2008 को फ्री यूनिवसिटी, बर्लिन, दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू द्वारा नई दिल्ली में आयोजित "थीअरीज ऑफ लिटरेरी ट्रांसलेशन" विषयक कार्यशाला में "द एडवेंचर ऑफ ट्रांसलेटिंग एलिस इन वंडरलैण्ड इन टु जर्मन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

भारतीय भाषा केन्द्र

- चमनलाल ने 21 जुलाई, 2008 को बारानगली समर कैम्पस, पेशावर यूनिवर्सिटी में आयोजित "हायर एज्यूकेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- चमनलाल ने 6 सितम्बर, 2008 को केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित "हिंदी लैंग्वेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- चमनलाल ने 18 अक्टूबर, 2008 को खालसा कॉलेज, अमृतसर में आयोजित "भगत सिंह'ज थॉट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- चमनलाल ने 24 अक्टूबर, 2008 को बुओ मा थुओट, वियतनाम में आयोजित "वियतनामीज एपिक" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- चमनलाल ने 11 दिसम्बर, 2008 को शांतिनिकेतन में आयोजित "हिस्ट्री ऑफ लिट्रेचर" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- चमनलाल ने 11 फरवरी, 2009 को विश्व हिंदी सचिवालय, मारीशस में "पोटेंशल ऑफ हिंदी एज वर्ल्ड लैंग्वेज" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- चमनलाल ने 21 मार्च, 2009 को महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट, मारीशस में "अभिमानु अनत'स नॉवल मीरा निर्णय" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- चमनलाल ने 23 मार्च, 2009 को कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में "कनटेस्टेशंस ऑन भगत सिंह" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. नाचिमुथू ने 6 अप्रैल, 2008 को तमिल भाषा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय में आयोजित "तोलकाप्पियम" विषयक कार्यशाला में "एप्रोचिज टु द स्टडी ऑफ तोलकाप्पियम" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. नाचिमुथू ने 17–18 मई, 2008 को अखिल भारतीय तमिल शिक्षक संघ भरतियार विश्वविद्यालय, कोयमबटुर में "मणिप्रवालम इन तमिल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. नाचिमुथू ने 1 जून, 2008 को शिवकासी में आयोजित ग्नालत तानिल्प पनपट्टु मनरम के वार्षिक सम्मेलन में समापन व्याख्यान दिया।
- के. नाचिमुथू ने 19 से 21 जून, 2008 तक श्री वासावी महाविद्यालय, इरोड में आयोजित द्राविड़ियन लिंग्विस्ट्स के 36वें वार्षिक सम्मेलन में अभिनंदन वक्तत्य दिया।
- के. नाचिमुथू ने 26 से 28 सितम्बर, 2008 तक एमजीएम कॉलेज, पोल्लाची में आयोजित "द इम्पैक्ट ऑफ एलटी आन तमिल लैंग्वेज" विषयक संगोष्ठी में "द रोल ऑफ एलटी इन तमिल टीचिंग ऐंड लर्निंग" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. नाचिमुथू ने 21 दिसम्बर, 2008 को वर्ल्ड तमिल एज्यूकेशनल मूवमेंट द्वारा तमिलुर, तिरूनेलवेली डिस्ट्रिक्ट द्वारा आयोजित "क्लासीकल तमिल" विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- के. नाचिमुथू ने 8 जनवरी, 2009 को भा.सा.सं.अ.सं., जेएनयू में लिवरह्यूम रिसर्च नेटवर्क इन 'पोस्ट–कॉलोनियल ट्रांसलेशन : द केस ऑफ साउथ एशिया', यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकास्ल, यू.के. और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित "ट्रांसलेशन ऐंड मल्टीलिंगवालिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "ट्रांसलेशंस प्राब्लम्स इन तमिल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. नाचिमुथू ने 1 से 3 मार्च, 2009 तक तमिल विभाग, एनजीएम कॉलेज, पोल्लाची में आयोजित "शिलप्पतिकारम" विषयक संगोष्ठी में "फीचर्स ऑफ द वेस्टर्न डायलेक्ट ऑफ तमिल इन शिलप्पतिकारम" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. नाचिमुथू ने 11 से 14 मार्च, 2009 तक द्राविड़ियन विश्वविद्यालय, कुप्पम में आयोजित "द रिलिवांस ऑफ मलयालम टु द स्टडी ऑफ संगम लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संगम हेरिटेज ऑफ केरला" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामबक्ष जाट ने 24 नवम्बर, 2008 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

- रामबक्ष जाट ने 11 से 13 फरवरी, 2009 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आडियो–विजुअल कार्यक्रम तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- रामबक्ष जाट ने 27–28 मार्च, 2009 को महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "डिसटेंस एज्यूकेशन इन इंडिया : चैलेंजिज ऐंड पॉसीबिलिटीज" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 15 से 20 अक्टूबर, 2008 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा उर्दू पाठ्य पुस्तकें तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 16–17 दिसम्बर, 2008 को उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "डॉ. अब्दुल अलीम : लाइफ ऐंड वर्क्स" विषयक संगोष्ठी में "प्रो. अब्दुल अलीम : बहैसियात नज़रिया साज़" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 17 दिसम्बर, 2008 को उर्दू विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रोग्रेसिव राइटर्स मूवमेंट इन उर्दू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 26 से 31 दिसम्बर, 2008 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा उर्दू पाठ्य पुस्तकें तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 20–22 मार्च, 2009 तक साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मासिर उर्दू शायरी" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मासिर उर्दू नज़्म" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एम. अनवार आलम ने 31 मार्च, 2009 को उर्दू विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्याकलय, मेरठ में आयोजित "जदीद अदब में असरी हिसियात" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उर्दू फिक्शन में असरी हिसियात" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 13–14 जून, 2008 को हिंदी विभाग, राजकीय महाविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) में आयोजित "हिंदी आलोचना : कुछ जरूरी सवाल" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 31 जुलाई, 2008 को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित "1857 के नायक और लोकसाहित्य" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 21–22 अगस्त, 2008 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "हिंदी का भविष्य और भविष्य की हिंदी" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 25–26 सितम्बर, 2008 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा अयोजित "दलित साहित्य की अवधारणा : कुछ सवाल, कुछ संदर्भ" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 14 से 17 नवम्बर, 2008 तक इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियन ऑफ एशिया, के जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "कंसेप्ट ऑफ मार्जिनलिटी ऐंड द मार्जिनल पीपल इन हिंदी लिट्रेचर" विषयक 20वें सम्मेलन में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 27 से 29 नवम्बर, 2008 तक साहित्य अकादमी और शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा आयोजित "दलित साहित्य : एक नए सौन्दर्यशास्त्र की जरूरत" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 17–18 जनवरी, 2009 को साहित्य अकादमी और इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित "हरिबंश राय बच्चन की बैचारिकता" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 20–21 मार्च, 2009 को गोबिन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद द्वारा आयोजित "मार्जिनलिटी ऐंड क्रिएटिविटी" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 25–26 मार्च, 2009 को गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में आयोजित "आईएलसीआई–इंडियन लैंग्वेजिज कॉरपॉर्न इनिशिएटिव" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ओ.पी. सिंह ने 14–15 जून, 2008 को हल्दवानी, नैनीताल में आयोजित "उत्तराखंड का लोकसाहित्य और हिंदी की मुख्यधारा" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रेम मोटवानी ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानी'ज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "डिडएक्टिक्स ऑफ लिट्रेचर इन टीचिंग जापानीज लैंग्वेज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रेम मोटवानी ने 6 से 8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मोटर ओगई ऐंड मॉडर्नाइजेशन ऑफ जापानीज कल्चर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा "जापानीज सोसाइटी ऐंड कल्चर" विषयक 7वें सत्र की अध्यक्षता भी की।
- सुषमा जैन 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिपोर्टर रहीं।
- सुषमा जैन ने 15 अक्टूबर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "इंडिया ऐंड कोरिया इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "मीडिया डिप्लोमेसी ऐंड कल्चर" विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- सुषमा जैन ने 4 मार्च, 2009 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "ड्रीम ऐंड फैंटेसी इन जापानीज लिट्रेचर" विषयक संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- सुषमा जैन ने 6 से 8 मार्च, 2008 तक जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ रिफलेक्सिव बाइंडिंग इन जापानीज ऐंड हिंदी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा जापानीज एक्विजीशन ऐंड टीचिंग मेकडोलॉजी" विषयक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- मंजुश्री चौहान ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रॉब्लम्स ऑफ ट्रांसलेटिंग जापानीज पोइट्री इन ट हिंदी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "डिडएक्टिक्स ऑफ लिट्रेचर इन एडवांस लेवल ऑफ एफएलटी : टीचिंग ऑफ लिट्रेचर टु एम.ए. स्टुडेंट्स ऑफ जापानीज इन जेएनयू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 15 अक्टूबर, 2008 को जा.को.उ.पू.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "इंडिया ऐंड कोरिया इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- पी.ए. जॉर्ज ने 28–29 नवम्बर, 2008 को जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के`सहयोग से द इंडिया चैप्टर आफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ताकुबोकु स्टडीज द्वारा "इशीकावा ताकुबोकु" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "वुड पेकर इन ताकुबोकु'ज अकोगारे ऐंड केंजी'ज राकुयोशु नो होजिन ला" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 19–20 जनवरी, 2009 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "कोरियन कल्चर इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : सम आस्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोरियन वेव इन इंडिया ऐंड जापान : ए कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 6 से 8 मार्च, 2009 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मियाजावा केंजी'ज वेजेटेरिएनिज्म ऐंड कंसेप्ट ऑफ नॉन वायलेंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.ए. जॉर्ज ने 14–15 मार्च, 2009 को रिहसुमेकन यूनिवर्सिटी, क्योटो, जापान में आयोजित "द पैसेज ऑफ साउथ ईस्ट एशिया : कंस्ट्रक्टिंग इंटरनेशनल कल्चर स्टडीज थीअरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "जापानीज स्टडीज इन कंटेम्पोरेरी इंडिया : इट्स प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरा कोंगरी ने 6 से 8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" चेंजिंग ट्रेंड्स इन जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- वैजयंती राघवन ने 25–26 नवम्बर, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइसंज ऐंड ह्यूमैनटीज, हनोई, वियतनाम में आयोजित कोरियन स्टडीज के 9वें पेसिफिक एशिया (पैक्स) सम्मेलन में द लेसर अंडरस्टुड डाइमेंशंस ऑफ कोरिया'ज इंडियन इंगेजमेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'कोरिया ऐंड एशिया इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : इश्यूज ऐंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- वैजयंती राघवन ने 29 नवम्बर, 2008 को आईआईसी, नई दिल्ली में ग्रांट्स इन ए फॉर साइंटीफिक रिसर्च इंटरनेशनल कांफ्रेंस, टोकियो द्वारा आयोजित "डाइना ऐंड इट्स नेबर्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "चाइना–ज राइज ऐंड द कोरियन पेनिनसुला" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वैजयंती राघवन ने 16–17 फरवरी, 2009 को कांफ्रेंस कांपलेक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरी 'कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेटर्स" की संगोष्ठी में "क्रास कल्चरल डिफरेंसिज इन द लर्निंग ऑफ कोरियन लैंग्वेज : द केस ऑफ पर्सनल प्रोनाउंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'मल्टीकल्चरलिज्म ऐंड टीचिंग मेथडोलॉजी इन कोरियन लैंग्वेज टीचिंग" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- वैजयंती राघवन ने 6–8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "जापान कोरिया रिलेशंस : स्टेट्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रविकेश ने 16–17 फरवरी, 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरी कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेटर्स की संगोष्ठी में "द रोल ऑफ कलचर इन कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया ऐंड इट्स रिफलेक्शन इन करिकुलम एट जेएनयू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और "मल्टीकल्चरलिज्म ऐंड टीचिंग मेथडोलॉजी इन कोरियन लैंग्वेज टीचिंग" विषयक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- रविकेश ने 25–26 नवम्बर, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज ऐंड ह्यूमेनटीज, हनोई, वियतनाम में आयोजित कोरियन स्टडीज के 9वें पेसिफिक एशिया (पैक्स) सम्मेलन में "हल्लयु इन इंडिया : इट्स रिसेप्शन, पर्सेप्शन ऐंड प्रास्पेक्टस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और इस सम्मेलन में 'कोरियन वेव रिव्यूड' विषयक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- रविकेश ने 19–20 जनवरी, 2009 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "कोरियन कल्चर इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : सम आस्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोरिया कल्चर टीचिंग इन इंडिया : सम रिफलेक्शंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.वी. लक्ष्मी ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जपानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बैलेंस बिटवीन लिटरेचर ऐंड लैंग्वेज : टीचिंग जापानीज लिटरेचर टु द इंटरमिडिएट स्टुडेंट एट जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.वी. लक्ष्मी ने 6 से 8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानी'ज स्टडीज" में "द इंडियन एलिमेंट इन अकुतागावा रियुनोसुके'ज स्टोरीज कुमो नो इतो, मजुत्सु ऐंड अगुनी नो कामी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 11 जुलाई, 2008 को सीजेएलसी, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान में आयोजित "जापानी'ज अराउंड द वर्ल्ड सिरीज" विषयक लघु संगोष्ठी में "इंट्रोड्यूसिंग स्कूल टेक्स्टबुक्स ऑफ जापानीज यूज्ड इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 27 जुलाई, 2008 को हितोत्सुबाशी यूनिवर्सिटी, टोकियो, जापान में निहोन्गोकयोइकु बुनपोयु ओ कत्सुयोउसुरा, निहोन्गोकयोइकु केंकयुउकइ" में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 18 अक्टूबर, 2008 को वासेदा यूनिवर्सिटी, टोकियो में "ताइगुयु कम्युनीकेशन गक्काइ (ऑटम)" में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लिट्रेचर इन फारेन लैंग्वेज क्लासरूम ऐंड लिट्रेचर फार रिसर्च–सम आब्जरवेशंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 1–2 नवम्बर, 2008 को नागोया विश्वविद्यालय, जापान में आयोजित "जापान एज़ सीन फ्राम डिफरेंट कल्चरल पर्सपेक्टिव्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- जनश्रुति चन्द्र ने 6–7 दिसम्बर, 2008 को मेइकई विश्वविद्याकलय, टोकियो, जापान में आयोजित 11वीं 'एप्लाइड लिंग्विस्टिक्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 12–14 दिसम्बर, 2008 तक टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोकियो, जापान में आयोजित "हिंदी–उर्दू एज्यूकेशन इन जापान" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 6 फरवरी, 2009 को जापान फाउंडेशन, क्योटो, जापान में आयोजित "ग्लोबलाइजेशन, आइडेंटिटी ऐंड ट्रेडिशनल कल्चर" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र ने 10 मार्च, 2009 को ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान में "डाइवर्सीफिकेशन ऑफ जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन वियतनाम" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- रूपा पोपली ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लिट्रेचर ऐंड लैंग्वेज लर्निंग" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रूपा पोपली ने 6 से 8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.ए.के.अ.के., जेएनयू में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पोस्ट वार कोलेप्स ऑफ जापानीज पीरेज : दजाई ओसामु'ज शापो" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

भाषा विज्ञान केन्द्र

- अन्विता अब्बी ने 7 से 9 नवम्बर, 2008 तक थेसालोनिकी, यूनान में आयोजित "लैंग्वेज डाक्यूमेंटेशन ऐंड ट्रेडिशन विद ए स्पेशन इंटरेस्ट इन द खालसा ऑफ द हिंदूकुश वैलीज, हिमालयाज" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "डाक्यूमेंटिंग ए डाइंग लैंग्वेज : चैलेंजिज ऐंड साल्यूशंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अन्विता अब्बी ने 21–22 नवम्बर, 2008 को मार्टिन लूथर यूनिवर्सिटी, हेल विटनबर्ग में आयोजित "वेयर लिंग्विस्टिक्स ऐंड पॉलिटिक्स मीट : डिपाइनिंग हिंदी" विषयक कार्यशाला में "एक्सेप्टेंस ऑफ हिंदी इन इंडिया" और "हिंदी ऐंड द एट्थ शिड्यूल" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वैश्ना नारंग ने 2008 में कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित 'पर्सपेक्टिव्स इन लिंग्विस्टिक्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्सपेक्टिव्स इन लिंग्विस्टिक्स' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- वैश्ना नारंग ने 26–27 सितम्बर, 2008 को जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "द रोल ऑफ लिटरेरी टेक्स्ट इन द टीचिंग ऑफ जापानीज/एफएल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द रोल ऐंड सिग्निफिकेंस ऑफ लिट्रेचर इन लैंग्वेज टीचिंग" शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- वैश्ना नारंग ने फरवरी, 2009 में द डीफ एसोसिएशन ऑफ दिल्ली द्वारा मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के साथ मिलकर "डीफ राइट्स एज पर 61/106 कनवेंशन ऑन द राइट्स ऑफ पर्सस विद डिसएबिलिटीज, रिजोल्यूशन एडॉप्टिड बाइ द जनरल एसेम्बली, यूनाइटिड नेशंन, 61स्ट सेशन : एजेंडा आइटम 67(बी)" विषयक संगोष्ठी में "साइन लैंग्वेज ऐंड डीफ एज्यूकेशन : ए बेसिक ह्ययूमन राइट्स इश्यू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वैश्ना नारंग ने 6 से 8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोफाइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मेथड्स ऑफ टीचिंग ए फॉरेन लैंग्वेज : केस ऑफ जापानीज इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वैश्ना नारंग ने मोहित सक्सेना, एस. सेंथिल कुमारन, एस. सिंह और एम. बिहारी ने 2 से 5 फरवरी, 2009 तक आईआईसीटी, हैदराबाद में आयोजित "मेग्नेटिक रिजोनेंस ऐंड बायोमोलक्यूलर मिमेटिक्स" और 'नेशनल मेग्नेटिक रिजोनेंस सोसाइटी' की 15वीं बैठक में "रोल ऑफ स्टॉप कोंसोनेंट्स इन आर्टिक्यूलेटरी स्पीच डिसफंक्शन इन पर्किन्संस डिजीज यूजिंग एफएमआरआई" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वैश्ना नारंग ने मोहित सक्सेना, एस. सेंथिल कुमारन, एस. सिंह और एम. बिहारी ने एशियन ऐंड ओसिनियन पर्किन्संस डिजीज ऐंड मूवमेंट डिसऑर्डर्स' की दूसरी कांग्रेस में "आर्टीक्यूलेटरी डिसफंक्शन इन पर्किन्संस डिसीज : एनएफएमआरआई स्टडी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- पी.के.एस. पाण्डेय ने 3–4 अक्टूबर, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ हेम्बर्ग, जर्मनी में आयोजित "इमप्योर लैंग्वेजिज" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "हाइबिडिटी ऐंड लिंग्विस्टिक कैपेसिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने अक्टूबर, 2008 में यूनिवर्सिटी ऑफ परिमोरस्का, कोपेर, स्लोवेनिया में उजेंस यूनिवर्सिटी दे ला फ्रेंकाफोनी, पेरिस के सहयोग से आयोजित "अल' हिस्टोरिक दे अल' डबली (द हिस्ट्री ऑफ फोरगेटिंग) विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कल्चर एट पॉलिटिक दांस ले रोमन 'सुर लेज राइव्स दु फ्लुव माहे" (कल्चर ऐंड पॉलिटिक्स इन द नॉवल, 'आन द बैंक ऑफ द रीवर माहे') शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने 12–13 जनवरी, 2009 को भारत में फ्रांस दूतावास द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित "माई फेवरिट लेवी स्ट्रास" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑन लैंग्वेज ऐंड द एज्युम्ड युनिटी ऑफ द ह्यूमन साइंसेज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फ्रेंसन मंजली ने 22 से 24 जनवरी, 2009 तक ला मेसन दे ला रिसर्च, पेरिस में यूनिवर्सिटी दे पेरिस–4 (सोरबॉन) और कालेज इंटरनेशनल दे फिलास्फी, पेरिस द्वारा आयोजित "जीन–लक नेंस : लेज फीगर्स दे देहोर्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ले कॉर्प्स दु सेंस, ले सेंस दु कॉर्प्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख़तर महदी ने 25–26 फरवरी, 2009 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित "फेसिंग ग्लोबल ऐंड लोकल चैलेंजिज : द न्यू डायनेमिक्स फार हायर एज्यूकेशन" विषयक उच्च शिक्षा पर दक्षिण, दक्षिण–पश्चिम और मध्य एशिया के उप क्षेत्रीय सम्मेलन में इंटरप्रेटर के रूप में भाग लिया।
- अख़तर महदी ने 2009 में तेहरान विश्वविद्यालय, तेहरान में आयोजित फारसी भाषा के शिक्षकों की अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में "ट्रेडिशन ऐंड मॉडर्निज्म इन पर्सियन पोइट्री" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अख़लाक अहमद अंसारी ने 10 से 12 अप्रैल, 2008 तक बेथनी कॉलेज, डब्ल्यू वी, यूएसए में आयोजित "ह्यूमन राइट्स, इनडिविजुएलिटी ऐंड ग्लोबलाइजेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "रिफलेक्शन ऑफ चेंज इन वुमन'स राइटिंग ऑफ कंटेम्पोरेरी ईरान" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अख़लाक अहमद अंसारी ने 18 से 25 जुलाई, 2008 तक पेशावर विश्वविद्यालय, पेशावर, पाकिस्तान में "हायर एज्यूकेशन : टेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "पर्सियन इन हायर एज्यूकेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अख़लाक अहमद अंसारी ने 22–23 नवम्बर, 2008 को बापू समाज सेवा सदन, नई दिल्ली में मूल निवासी संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्घाटन किया।
- अख़लाक अहमद अंसारी ने 17 से 20 दिसम्बर, 2008 तक ताज पैलेस होटल, नई दिल्ली में एस्पेन इंस्टीट्यूट इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित "आइडिया इंडिया 2008" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

रूसी अध्ययन केन्द्र

- वरयाम सिंह ने 27–28 फरवरी, 2009 को पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित "ट्रांसलेशन ऑफ कल्चर ऐंड कल्चर ऑफ ट्रांसलेशन" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ट्रांसलेशन ऑफ फॉरेन लिटरेचर इन टु हिंदी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शंकर बासु ने 22 से 25 अप्रैल, 2008 तक पेडागॉगीकल इंस्टीट्यूट आन ह्यूमैनटीज, मास्को में इंटरनेशनल एज्यूकेशनल सोसाइटी, मास्को द्वारा आयोजित "लैटेस्ट डिवलपमेंट्स इन टीचिंग रशियन लैंग्वेज" विषयक सम्मेलन में "ट्रांजीशन इन सोसियो–कल्चरल लाइफ इन रशिया ऐंड इट्स रिफलेक्शन इन टीचिंग रशियन टु फारेनर्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शंकर बासु ने 10 से 12 दिसम्बर, 2008 तक आईएनडीएपीआरवाईएएल द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित "विंडो इन टु रशियन आर्ट ऐंड सोसाइटी इन द XXI सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ए ट्राइब्यूट टु अलेक्जेंडर सालझेनितसिन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शंकर बासु ने 29 से 31 जनवरी, 2009 तक यूनिवर्सिटी ऑफ रोविरा आई वर्जिली, स्पेन और सीएसपीआईएलएएस, एसएलएलसीएस, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा अयोजित 'मल्टीकल्चरलिज्म : स्पेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "मल्टीकल्चरलिज्म : इंडियन पर्सपेक्टिव" विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।

- शंकर बासु ने 4 से 6 फरवरी, 2009 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित "यूरेशियन पर्सपेक्टिव्स : इन सर्च ऑफ अल्टरनेटिव्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "लिंग्विस्टिक ट्रांसफार्मेशंस" विषयक शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
- शंकर बासु ने 6 से 8 मार्च, 2009 तक जा.को.उ.पू.ए.अ.के., जेएनयू में आयोजित "चेंजिंग ग्लोबल प्रोइल ऑफ जापानीज स्टडीज : ट्रेंड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- शंकर बासु ने 26 मार्च, 2009 को रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चिंगिज एत्मातोव : सोसिएलिस्ट : सोशलिस्ट रिएलिज्म टु ग्लोबल ह्यूमैनिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "रिमेम्बरिंग चिंगिज एत्मातोव" शीर्षक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- रितु एम. जेरथ ने 13 से 16 मार्च, 2009 तक "द ग्लोबल नेटवर्क फार डायनेमिक रिसर्च ऐंड पब्लिशिंग, यूके द्वारा सेजबर्ग, आस्ट्रिया में आयोजित "फोरगिवनेस : प्रॉबिंग द बाउंड्रिज" विषयक दूसरे ग्लोबल सम्मेलन में "वाई कैन रशिया नो लोंगर फोरगिव" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु एम. जेरथ ने 25 से 27 मार्च, 009 तक रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चिंगिज एत्मातोव : सोशलिस्ट रिएलिज्म टु ग्लोबल ह्यूमैनिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "द सोवियत 'न्यूमैन' – ए ग्लोबल ह्यूमैनिस्ट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता नारायण ने 10 से 12 दिसम्बर, 2008 तक आईएनडीएपीआरवाईएएल द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित "विंडो इन टु रशियन आर्ट ऐंड सोसाइटी इन द XXI सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "रशिया देन ऐंड नाउ" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मीता नारायण ने 25 से 27 मार्च, 2009 तक रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चिंगिज एत्मातोव : सोशलिस्ट रिएलिज्म टु ग्लोबल ह्यूमैनिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "अंडरस्टेंडिंग चिंगिज एत्मातोव थ्रू द कंसेप्ट ऑफ चेंज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रंजना बनर्जी ने 10 से 12 दिसम्बर, 2008 तक आईएनडीएपीआरवाईएएल द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित "विंडो इन टु रशियन आर्ट ऐंड सोसाइटी इन द XXI सेंचुरी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "एन अनालिसिस ऑफ एंद्रेइ वोलोस'ज नावल 'हुर्रामाबाद'" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रंजना बनर्जी ने 25 से 27 मार्च, 2009 तक रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "चिंगिज एत्मातोव : सोशलिस्ट रिएलिज्म टु ग्लोबल ह्यूमैनिज्म" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसनेशनल मॉटिफ इन सी. एत्मातोव'स मिथोएपिकल टेल 'पीबल्ड डॉग रनिंग अलोंग द शोर'" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशुतोष आनंद ने फरवरी, 2009 में अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "सम प्राब्लम्स ऑफ ट्रांसलेटिंग बिलिकल फ्रेजिज फ्रॉम रशियन टु हिंदी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.पी. गांगुली ने 6–7 सितम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज ऐंड रिसर्च ऑन लेटिन अमरीका, दनकूक विश्वविद्यालय, सियोल में आयोजित "वालेजॉय एशिया" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "सीजर वालेजो वाई ला इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.पी. गांगुली ने 27 अक्टूबर, 2008 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् और कोलम्बिया दूतावास द्वारा आईसीसीआर आडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित कोलम्बियाई लेखकों के साथ "गार्सिया मार्केज ऐंड हिज इनफ्लुएंस ऑन इंडियन राइटर्स" विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- एस.पी. गांगुली ने 28 अक्टूबर, 2008 को साहित्य अकादमी, इंस्टीट्यूटो सर्वेतेज और कोलम्बियाई दूतावास द्वारा साहित्य अकादमी आडिटोरियम में आयोजित" कोलम्बियन कंटेम्पोरेरी लिट्रेचर बियोंड गार्सिया मार्केज" विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कोलम्बियाई लेखकों के साथ मिलकर की।
- एस.पी. गांगुली ने 5–6 दिसम्बर, 2008 को ललित कला अकादमी और मेक्सिको दूतावास द्वारा ललित कला अकादमी में आयोजित "पॉज अफ्टर पॉज" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "इंडिया इन आक्टेवियो पाज ऐंड आक्टेवियो पॉज अन इंडिया" विषयक सत्र की अध्यक्षता की तथा पाँच अन्य सत्रों में भाग लिया।

- एस.पी. गांगुली ने 29 से 31 जनवरी, 2009 तक यूनिवर्सिटी ऑफ नोविरो आई वर्जिली, स्पेन और स्पे.पु.इ.ले.अ.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मल्टीकल्चरलिज्म : स्पेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पेनेलिस्ट रहे।
- अनिल धींगरा ने 4 से 5 मार्च, 2009 को हैदराबाद में आयोजित "फारेन लैंग्वेज टीचिंग इन इंडिया—चैलेंजिज ऐंड स्ट्रेटिजीज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ट्रेनिंग ऑफ कांफ्रेंस इंटरप्रेटर्स – न्यू चैलेंजिज फॉर एफएलटी इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनिल धींगरा ने 29 से 31 जनवरी, 2009 तक यूनिवर्सिटी ऑफ रोविरा आई बर्जिली, स्पेन और स्पे.पु.इ.ले.अ.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मल्टीकल्चरलिज्म : सपेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्लुरी नेशनलिज्म ऐंड इंडीजीनस सिटीजनशिप इ पेरू" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजीव सक्सेना ने 13 से 15 अगस्त, 2008 तक द हेलीडे सेंटर फॉर इंटेलीजेंट एप्लिकेशंस ऑफ लैंग्वेज स्टडीज, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग द्वारा आयोजित "ट्रांसलेशन, लैंग्वेज कांटेक्ट ऐंड मल्टीलिंग्वल कम्युनीकेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "प्राब्लेमेटिक्स ऑफ स्पेनिश ट्रांसलेशन इन इंडियन मल्टीलिंग्वल कांटेक्स्ट : कल्चरल आस्पेक्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.ए. रहमान ने 4 मार्च, 2009 को महद उम्मूल मोमीनीन आइशा सिद्दका लिल बनात, आलम गंज, पटना, बिहार के छात्रों के लिए "यूटीलिटी ऑफ लर्निंग अरेबिक टुडे" विषयक व्याख्यान दिया।

चीनी और दक्षिण—पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 12 सितम्बर, 2008 को नेताजी इंस्टीट्यूट फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता में "सुभाष चन्द्र बोस इन ईस्ट एशिया : ए न्यू डाइमेंशन" विषयक सरत बोस स्मारक व्याख्यान दिया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 4 दिसम्बर, 2008 को डिपार्टमेंट ऑफ चाइनीज पेडागॉगी एज फॉरेन लैंग्वेज, नोरमाल कॉलेज, शेनझेन यूनिवर्सिटी, चीन में "द टीचिंग ऑफ चाइनीज इन इंडिया" (चीनी में) विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 26 दिसम्बर, 2008 को इंटरनेशनल स्टुडेंट्स डिपार्टमेंट, शेनझेन यूनिवर्सिटी, चीन में "द थीअरिटीकल ऐंड प्रकटीकल आस्पेक्ट्स ऑफ टीचिंग चाइनीज इन इंडिया" (चीनी में) विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने अक्टूबर 2008 से जनवरी 2009 के दौरान आईसीसीआर द्वारा प्रतिनियुक्ति पर विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में शेनसेन यूनिवर्सिटी, चीन में एम.ए., बी.ए. और शोध छात्रों के लिए 'इंडियन स्टडीज' विषयक 15 व्याख्यान दिए।
- सबरी मित्रा ने 11 सितम्बर, 2008 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आईसीएस ईस्ट एशिया प्रोग्राम के अन्तर्गत आईआईसी—आईसीएस व्याख्यान माला के तहत "वुमन राइटर्स इन पोस्ट—माओ चाइना : ए जर्नी ऑफ एक्टिविज्म ऐंड क्रिएटीविटी" विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.आर. दीपक ने 16 फरवरी, 2009 को द शंघाई इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस ऐंड ला, शंघाई में "तिब्बत फैक्टर इन इंडिया—चाइना रिलेशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- गीता कोचर ने 4 फरवरी, 2009 को द इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, नई दिल्ली में "पाप्यूलेशन मूवमेंट इन चाइना : ए ह्यूमन सिक्योरिटी इश्यू" विषयक व्याख्यान दिया।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- मकरंद प्रांजपे ने 29—30 मई, 2008 को द 2008 पोस्ओ एशिया फोरम – एशियन लिट्रेचर, सियोल, दक्षिण कोरिया में "द सिटी इन इंडियन लिट्रेचर" विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 1 जून, 2008 को डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, योनशेई यूनिवर्सिटी, सियोल, दक्षिण कोरिया में "द ऐंड ऑफ पोस्ट—कॉलोनिएलिज्म" विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 1 जून, 2008 को सगनाम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, सियोल, दक्षिण कोरिया में इण्डो—कोरियन राइटर्स फोरम के लिए "इम्पेरिएलिज्म : वेस्टर्न ऐंड ईस्टर्न" विषयक व्याख्यान दिया तथा इसके बाद कविता पाठ किया।

- मकरंद प्रांजपे ने 11 जून, 2008 को द एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी, वेस्टर्न आस्ट्रेलिया में "द सेकर्ड ऐंड द सेक्युलर इन आस्ट्रेलिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- मकरंद प्रांजपे ने 11 जून, 2008 को मर्डोक यूनिवर्सिटी, पर्थ, आस्ट्रेलिया में "द सेकर्ड ऐंड द सेक्युलर इन आस्ट्रेलिया" विषयक "द कृष्णा सोमर्स पब्लिक" व्याख्यान दिया।
- सौगाता भादुरी ने 7 से 11 जुलाई, 2008 तक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद में "एस्थेटिक्स" विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- सौगाता भादुरी ने 25 से 28 अगस्त, 2008 तक 6 विभिन्न टीवी न्यूज चैनलों–एनडीटीवी इंडिया, स्टार न्यूज, न्यूज 24, लाइव इंडिया, सहारा समय और सहारा एनसीआर – पर "द इश्यू ऑफ रिप्रिजेंटेशन ऑफ सेक्सुअलिटी इन बालीवुड आइटम नम्बर्स" विषय पर वार्ता की तथा साक्षात्कार दिए।
- सौगाता भादुरी ने 15 नवम्बर, 2008 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित अंग्रेजी के पुनश्चर्या कोर्स में कालेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए "लिगेसी ऑफ द डेड ? द इंफ्लुएंस ऑफ वेस्टन फिलोस्फी ऑन पोस्ट मॉडर्निज्म" विषयक व्याख्यान दिया।
- सौगाता भादुरी ने 18 नवम्बर, 2008 को अंग्रेजी विभाग, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "पॉप्यूलर कलचर स्टडीज" विषयक व्याख्यान दिया।
- सौगाता भादुरी ने 22 और 24 नवम्बर, 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, कोलकाता विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के पुनश्चर्या कोर्स में कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए "यूरोपियन रिनेशाँ रिकंसीडर्ड" और "बंगाल रिनेशाँ रिकंसीडर्ड" विषयक दो व्याख्यान दिए।
- सौगाता भादुरी ने 9 फरवरी, 2009 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के पुनश्चर्या कोर्स में कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए "कंटेम्पोरेरी कंसर्न्स इन जेंडर स्टडीज" विषयक व्याख्यान दिया।
- सौगाता भादुरी ने 24 मार्च, 2009 को पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में अंग्रेजी के पुनश्चर्या कोर्स में कालेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए "कंपेरेटिव लिट्रेचर" विषयक दो व्याख्यान दिए।
- पद्मिनी मोंगिया ने फ्रेंकलिन और मार्शल कॉलेज, लंकास्टर, पेंसिलवानिया में "रोमांटीसिज्म : लुकिंग बैक एट द 18थ सेंचुरी" विषयक व्याख्यान दिया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- किरण चौधरी ने 22 अक्टूबर, 2008 को विदेशी भाषा विभाग, दिल्ली पब्लिक स्कूल में "रीडिंग ऐंड राइटिंग स्किल्स" विषयक कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- आशिष अग्निहोत्री ने 4 अप्रैल, 2008 को फ्रेंच भाषा विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में "ला फ्लोरेसन लिटरेरे दांस ले दसर्ट मेगरेबिन : यासिन जे बार एट जेलाउन" विषयक व्याख्यान दिया।
- आशा पुरी ने 18 मार्च, 2009 को जेएनयू में "ट्रांसलेशन" विषयक व्याख्यान दिया।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- चित्रा हर्षवर्धन ने 28 नवम्बर, 2008 को डिपार्टमेंट ऑफ जर्मेनिक ऐंड रोमंस स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली में "द यूरोपियन यूनियन" विषयक व्याख्यान दिया।

भारतीय भाषा केन्द्र

- चमनलाल ने 9 अप्रैल, 2008 को साहित्य अकादमी, दिल्ली में "छंग्या रूख, आटोबायोग्राफी ऑफ बलबीर माधोपुरी" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल ने 28 सितम्बर, 2008 को गोहाना, हरियाणा में "भगत सिंह" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल ने 16 नवम्बर, 2008 को सेक्यूलर हाउस, नई दिल्ली में "करतार सिंह सराभा" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल का 28 सितम्बर, 2008 को पंजाबी रेडियो, वेंकावुर, कनाडा में 'भगत सिंह' विषयक एक घंटे का साक्षात्कार प्रसारित हुआ।

- चमनलाल का 16 नवम्बर, 2008 को पंजाबी रेडियो, वेंकावुर, कनाडा में 'भगत सिंह' विषयक एक घंटे का साक्षात्कार प्रसारित हुआ।
- चमनलाल ने 7 फरवरी, 2009 को हिंदी स्पीकिंग यूनियन, मारीशस में "नौबत सिंह'स बुक राम बिरिछ" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल ने 19 फरवरी, 2009 को हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी संस्थान, मारीशस में "आन ट्रांसलेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल ने 25 फरवरी, 2009 को हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी संस्थान, मारीशस में "हिंदी पोइट्री" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल ने 3 मार्च, 2009 को यूनिवर्सिटी ऑफ मारीशस में "भगत सिंह : हीरो ऑफ द यूथ" विषयक व्याख्यान दिया।
- चमनलाल ने 24 मार्च, 2009 को पंजाबी रेडियो, एडमंटन, कनाडा में 'भगत सिंह' पर दो घंटे का लाइव साक्षात्कार दिया।
- के. नाचिमुथू ने 31 मई, 2008 को मारटनडम में डॉ. वी. केशवराज स्मारक बैठक और उनकी 'द हीरो स्टोन्स ऑफ साउथ इंडिया' के विमोचन के अवसर पर व्याख्यान दिया।
- के. नाचिमुथू ने 10 जून, 2008 को अन्नामलाई विश्वविद्यालय में प्रो. एस.वी. शनमुगम की प्लेटिनम जयंती के अभिनंदन समारोह में व्याख्यान दिया।
- के. नाचिमुथू ने 14 सितम्बर, 2008 को रेशनलिस्ट फोरम में "सोशल रिफॉर्म मूवमेंट्स इन केरला" विषयक व्याख्यान दिया।
- के. नाचिमुथू का 28 दिसम्बर, 2008 को आकाशवाणी कोयमबटूर पर साक्षात्कार
- के. नाचिमुथू ने 18 फरवरी, 2009 को दिल्ली तमिल संगम, दिल्ली द्वारा आयोजित अभिनंदन बैठक में "मिनकाराप्पू, ए शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन ऑफ मेलनमई पोन्नुस्वामी, द साहित्य अकादमी अवार्ड विनर फार 2008" विषयक व्याख्यान दिया।
- के. नाचिमुथू ने 15 मार्च, 2009 को तमिल भाषा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित तमिल में पुनश्चर्या कोर्स में "द इंडियन ग्रामेटिकल ट्रेडिशन ऐंड तोलकाप्पियम" और "द मलयालम ग्रामेटिकल ट्रेडिशन" विषयक दो व्याख्यान दिए।
- राम बक्ष जाट ने 9 दिसम्बर, 2008 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित हिंदी में पुनश्चर्या कोर्स में व्याख्यान दिया।
- राम बक्ष जाट ने 20 फरवरी, 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में हिंदी में पुनश्चर्या कोर्स में व्याख्यान दिया।
- राम बक्ष जाट ने 25 मार्च, 2009 को यूजीसी डीआरएस प्रोग्राम, दिल्ली विश्वविद्यालय में "हिंदी आलोचना के इतिहास की समस्याएं" विषयक व्याख्यान दिया।
- राम बक्ष जाट ने 7 मार्च, 2009 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में व्याख्यान दिया।
- एस.एम. अनवर आलम ने 2 जून, 2008 को उर्दू विभाग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय में "उर्दू लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर : चैलेंजिज अहेड" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एम. अनवर आलम ने 18 नवम्बर, 2008 को साहित्य अकादमी में "कंटेम्पोरेरी पोइट्री ऐंड कौसर मजहरी की शायरी" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एम. अनवर आलम ने 3 जनवरी, 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "उर्दू नासरी असनाफ का तारुफ" विषयक व्याख्यान दिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 15 अप्रैल, 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इंडियन लिट्रेचर" विषयक व्याख्यान दिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 24 अप्रैल, 2008 को हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ में "नए दौर की कहानियाँ" विषयक व्याख्यान दिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 27 मई, 2008 को सेंटर फार स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड एक्सक्लुसिव पॉलिसी, पटना यूनिवर्सिटी, पटना में "भारतीय समाज की संरचना और दलित साहित्य" विषयक व्याख्यान दिया।
- देवेन्द्र कुमार चौबे ने 26 मार्च, 2009 को हिंदी विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में "आधुनिक हिंदी कथा समीक्षा" विषयक व्याख्यान दिया।
- ओ.पी. सिंह ने 14 जून, 2008 को हल्दवानी में "हिंदी साहित्य में लोक की उपस्थिति" विषयक व्याख्यान दिया।
- ओ.पी. सिंह ने 15 जून, 2008 को हल्दवानी में "मुख्य धारा का साहित्य और लोक" विषयक व्याख्यान दिया।

- ओ.पी. सिंह ने 21 अक्टूबर, 2008 को एमजीकेवी, वाराणसी में “आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का अनुवाद कर्म” विषयक व्याख्यान दिया।
- ओ.पी. सिंह ने 13 दिसम्बर, 2008 को यू.पी. कॉलेज, वाराणसी में “राष्ट्रीय आंदोलन और जयशंकर प्रसाद के उपन्यास” विषयक व्याख्यान दिया।
- ओ.पी. सिंह ने 18 दिसम्बर, 1008 को एमजीकेवी, वाराणसी में “आचार्य शुक्ल के व्यक्तित्व की निर्मिती और बनारस” विषयक व्याख्यान दिया।
- ओ.पी. सिंह ने 19 दिसम्बर, 2008 को एमजीकेवी, वाराणसी में “हिंदी और रोजगार के अवसर” विषयक व्याख्यान दिया।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- वैजयंती राघवन ने 20 जून, 2008 को डिफेंस एचक्यूआईडीएस/डीआईए, कश्मीर हाउस, नई दिल्ली में “सिक्योरिटी सिचुएशन इन द कोरियन पेनिनसुला : इट्स इम्पैक्ट ऑन द रीजन ऐंड इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया” विषयक व्याख्यान दिया।
- वैजयंती राघवन ने 13 अक्टूबर, 2008 को उत्सव हॉल, वसंत कांटीनेंटल होटल, नई दिल्ली में थोरिया ट्रेंड एसोसिएशन, डिलिगेशन, मैनेजमेंट ट्रेनिज, आरओके के लिए “प्रॉब्लम्स अराइजिंग आउट ऑफ कल्चरल डिफरेंसिज फॉर कोरियन इनवेस्टर्स ऐंड बिजनेसमैन इन इंडिया” विषयक व्याख्यान दिया।

भाषा विज्ञान केन्द्र

- अन्विता अब्बी ने 20 नवम्बर, 2008 को मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट, लीपजिग, जर्मनी में “पसेसिव कंस्ट्रक्शंस इन ग्रेट अण्डमानी’ज” विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 11 अप्रैल, 2008 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में “वेनिशिंग वायसिज ऑफ द ग्रेट अण्डमानीज : द फर्स्ट लैंग्वेज फेमिली ऑफ इंडिया” विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने जुलाई, 2008 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई में “इज ग्रेट अण्डमानीज द सिक्सथ लैंग्वेज फेमिली ऑफ इंडिया ? ए प्रॉब इन टु हिस्टोरीकल, टाइपोलॉजीकल ऐंड एथनोसेमांटिक पैरामीटर्स” विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 14 अगस्त, 2008 को इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉयी ऐंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे में “रिकंसट्रक्टिंग ग्रेट अण्डमानीज : द सिक्सथ लैंग्वेज फेमिली ऑफ इंडिया” विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 11–12 दिसम्बर, 2008 को दिल्ली विश्वविद्यालय में “मल्टीलिंगअल एज्यूकेशन इन फेजिज क्वेश्चनिंग द थ्री लैंग्वेज फार्मूला मल्टीलिंग्वालिज्म ऐंड इंटरकल्चरल डायलॉक इन ग्लोबलाइजेशन” विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 25 फरवरी, 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या कोर्स में “अनुवाद की बारीकियाँ और भाषा विज्ञान” विषयक व्याख्यान दिया।
- अन्विता अब्बी ने 13 मार्च, 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या कोर्स में “एरियल यूनिवर्सल्स ऐंड लैंग्वेज निगोसिएशन इन ट्रांसलेशंस” विषयक व्याख्यान दिया।
- वैश्ना नारंग ने कालिकट विश्वविद्यालय में फ्रंटियर व्याख्यानमाला के तहत “फ्रंटियर्स ऑफ नॉलेज : लैंग्वेज ऐंड काग्निशन” विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रमोद पाण्डेय ने फरवरी, 2009 में आईएसटीएम, नई दिल्ली में “न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग” विषयक व्याख्यान दिया।
- फ्रेंसन मंजली ने 19 मई, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस–7, जुसियु, पेरिस में “वाट इज ए लैंग्वेज ? रिफ्लेक्शंस आन ग्लोबलाइजेशन ऑफ इंग्लिश इन द इंडियन लिंग्विस्टिक कांटेक्स्ट” विषयक वीडियो कांफ्रेंस व्याख्यान दिया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख़्तर महदी ने दिसम्बर, 2008 में तेहरान, ईरान में ईरानियन टीवी, चैनल–I पर “द स्टेटस ऑफ पर्यिन इन इंडिया” विषयक डाक्यूमेंटरी पर साक्षात्कार दिया।
- अख़लाक अहमद अंसारी ने 19 जून, 2008 को उर्दू मजलिस, आकाशवाणी में “रुबायल–ए–उमर खय्याम के तरज़िम” विषयक व्याख्यान दिया।

- अख़लाक अहमद अंसारी ने 19 फरवरी, 2009 को अदाबी निशास्त, आकाशवाणी में "उर्दू और फारसी गज़लों का मौज़ना" विषयक व्याख्यान दिया।

रूसी अध्ययन केन्द्र

- शंकर बासु ने 23 से 30 दिसम्बर, 2008 तक महाराजा सयाजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में "रशियन लिट्रेचर ऑफ द गोल्डन पीरियड" 6 व्याख्यान दिए।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- अनिल धींगरा ने 22 मई, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ सालामांका, सालामांका में "ला मुजेर इंडिया एंतर ला ट्रेडिसियोन वाइ मॉडर्निदाद" विषयक व्याख्यान दिया।
- अनिल धींगरा ने 27 मई, 2008 को यूनिवर्सितात दे लेज इलेस, बलीयर्स, पालमा, स्पेन में "इंग्लिश इन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- अनिल धींगरा ने 1 जुलाई, 2008 को कासा एशिया, मेड्रिड में "रिलिजन वाई सेक्युलरिजेसियोन अन इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियाँ

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी को 27 अक्टूबर से 21 जनवरी, 2009 तक भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा शेनझेन यूनिवर्सिटी, गुआंगडांग, चीन में 'इंडियन स्टडीज' में प्रसिद्ध चेयर के लिए डिप्यूट किया गया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी को 2009 में शेनझेन यूनिवर्सिटी में इंडियन स्टडीज में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में की गई सेवा के लिए शेनझेन यूनिवर्सिटी द्वारा आजीवन अल्युमनी ऐसोसिएशन की सदस्यता और सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर दिया गया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी को इंटरनेशनल बायोग्राफीकल सेंटर, कैम्ब्रिज, इंगलैण्ड द्वारा वर्ष 2008 के लिए सर्वोच्च 100 एज्यूकेटरों में से एक के रूप में चुना गया तथा सूची में नाम लिखा गया।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- मकरंद प्रांजपे, अध्यक्ष, राष्ट्रमण्डलीय पुरस्कार की जूरी, यूरोप और दक्षिण एशिया।
- मकरंद प्रांजपे, जुलाई, 2008 में मर्डोक यूनिवर्सिटी, पर्थ, आस्ट्रेलिया में कृष्णा सोमर्स विजिटिंग फेलो के रूप में रहे।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- किरण चौधरी को फ्रांस सरकार द्वारा फ्रेंच भाषा, साहित्य और संस्कृति में शोध और शिक्षण में योगदान के लिए वर्ष 2008–2009 के लिए "ऑफिशियर डांस एल'आर्डर देज पॉम्स एकेडमिक्स" नियुक्त किया गया ("द आर्डर ऑफ द एकेडमिक पॉम्स") फ्रांस में एक बहुत ही प्राचीन और उच्च सिविल सम्मान है जो 1808 में नेपोलियन द्वारा शुरू किया गया था।
- आशिष अग्निहोत्री को 6 से 18 जुलाई, 2008 तक विदेश मंत्रालय फ्रांस से पेरिस और विची में समर ट्रेनिंग स्कॉलरशिप "प्रोफ्स. अन फ्रांस" प्राप्त हुई।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- आ.सी. गुप्ता को शोध कार्य हेतु शोध सामग्री एकत्रित करने के लिए फ्री यूनिवर्सिटी, वर्लिन की विजिटरशिप प्राप्त हुई।
- पी. चिरमुले को शोध कार्य हेतु शोध सामग्री एकत्रित करने के लिए फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन की विजिटरशिप प्राप्त हुई।

भारतीय भाषा केन्द्र

- के. नाचिमुथू को 14 मई से 16 मई, 2008 तक नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में द वैल्यू तमिल मनरम द्वारा "आयवुसम्मल" की उपाधि से सम्मानित किया गया।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- जनश्रुति चन्द्र, जापान फाउंडेशन फेलो 2008–2009 और ओसाका विश्वविद्यालय में विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर के रूप में रहीं।

भाषा विज्ञान केन्द्र

- आयशा किदवई को बेगम अनीस किदवई की 'आजादी की छावों में' के अनुवाद के लिए न्यू इंडिया फाउंडेशन फेलोशिप प्राप्त हुई।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख़तर महदी को ईरान कल्चर हाउस, नई दिल्ली से उस्ताद मोताहरी पुरस्कार, 2008 प्राप्त हुआ।
- अख़लाक अहमद अंसारी को 2005 से भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला की एसोसिएटशिप प्राप्त हुई।
- अख़लाक अहमद अंसारी को "हिंदुस्तान में फारसी सहफत की तारीख" विषयक पुस्तक प्रकाशित करने के लिए राष्ट्रीय उर्दू भाषा और साहित्य उन्नयन परिषद् (मा.सं.वि.मं.) द्वारा अनुदान प्राप्त हुआ।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय के बाहर)

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.ए. रहमान, सदस्य, अरबी कोर्स ए, बी और सी स्तर पर चर्चा करने और तैयार करने के लिए गठित समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, नई दिल्ली, सदस्य, कक्षा IX, X, XI और XII के लिए अरबी में पाठ्यचर्या और पुस्तकें तैयार करने हेतु गठित समिति, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड; और सदस्य, मॉडरेशन कमिटी, अरबी प्रश्न–पत्र, पटना विश्वविद्यालय।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी, सदस्य, चीनी छात्रवृत्ति विशेषज्ञ समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा परिषद्; सदस्य, परीक्षा परिषद्, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; और विषय विशेषज्ञ, चयन समिति, विश्वभारती, शांति निकेतन।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- एस.के. सरीन, संस्थापक अध्यक्ष, द इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ आस्ट्रेलिया (आईएएसए); सदस्य, संकाय समिति, मानविकी और भाषाएं, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; और सदस्य, चयन समिति, राष्ट्र मण्डलीय छात्रवृत्ति, मा.सं.वि.मं., 2008।
- जीजेवी प्रसाद, इंडियन एसोसिएशन ऑफ कॉमनवेल्थ लिट्रेचर ऐंड लैंग्वेज स्टडीज के सचिव चुने गए, (2005 से अभी तक); सदस्य, संपादकीय मण्डल, आईजेओडब्ल्यूएलएसी (पोस्टकॉलोनियल साहित्य को समर्पित पत्रिका); सदस्य, संपादक मण्डल, म्यूस इंडिया, वेब पत्रिका; सदस्य, कार्यसमिति, आईएएसए, 2005 से अभी तक; और सदस्य, विशेषज्ञ समिति, गुरु तेग बहादुर इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- सौगाता भादुरी, विषय विशेषज्ञ, पुस्तकालय सलाहकार समिति, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली; सदस्य, संपादकीय सलाहकार मंडल, जर्नल ऑफ इंडियन फॉकलॉरिस्टिक्स, पत्रिका, इंडियन फॉकलोर कांग्रेस; सदस्य, जूरी, अखिल भारतीय लोक सेवा प्रसारण पुरस्कार, आकाशवाणी, 2008; सदस्य, जूरी, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, अगस्त, 2008; सदस्य, जूरी, अखिल भारतीय प्लेटिनम जयंती स्मारक वाद–विवाद प्रतियोगिता, सिंधिया स्कूल, कोर्ट ग्वालियर; 13 सितम्बर, 2008; विषय विशेषज्ञ, चयन समिति, पीजीटी (अंग्रेजी) सितम्बर, 2008 और फरवरी, 2009 और टीजीटी (अंग्रेजी), केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मॉडरेशन समिति, वार्षिक परीक्षाएं, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, फरवरी, 2009
- पदमिनी मोंगिया, विषय विशेषज्ञ, चयन समिति, पीजीटी (अंग्रेजी), केन्द्रीय विद्यालय संगठन, सितम्बर 2008
- धनंजय सिंह, विषय विशेषज्ञ, चयन समिति, पीजीटी (अंग्रेजी), केन्द्रीय विद्यालय संगठन, सितम्बर 2008

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- किरण चौधरी, सदस्य, अध्ययन मंडल, सेंटर फॉर स्पेनिश, यूरोपियन ऐंड लेटिन अमेरिकन स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 2007–2009; सदस्य, अध्ययन मण्डल, इंटरनेशनल कॉलेज फॉर गर्ल्स, जयपुर, 2007–2009; सदस्य शोध उपाधि समिति, विदेशी भाषाएं, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 2008–2009; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत, 2009–2011

- एन. कमला, सदस्य, अध्ययन मण्डल, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा।
- अभिजीत करकून, सदस्य, अध्ययन मण्डल, फ्रेंच विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर; निर्वाचित सदस्य, कार्य समिति, द कंपेरेटिव लिट्रेचर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 2007–2010, सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर क्यूबेक स्टडीज, कनाडा; सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल रिसर्च, फ्रीबर्ग, स्विटजरलैण्ड; और सदस्य, इंटरनेशनल कंपेरेटिव लिट्रेचर एसोसिएशन।

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- रेखा वी. राजन, सदस्य, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार मण्डल, द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जर्मेनिस्ट्स (आईवीजी)

भारतीय भाषा केन्द्र

- चमनलाल, सदस्य, सदस्य, विद्या परिषद, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; सदस्य, तदर्थ अध्ययन मण्डल (हिंदी), केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गुलबर्गा, कर्नाटक।
- राम बक्ष जाट, सदस्य, अध्यन मण्डल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, महर्षि दयानंद विश्वविद्याकलय, रोहतक; सदस्य, चयन समिति, कालिन्दी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, यूएनटीपीसी, नई दिल्ली।
- एस.एम. अनवार आलम, सदस्य, अध्ययन मण्डल, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र.।
- देवेन्द्र कुमार चौबे, सदस्य, राजभाषा विभाग, केबिनेट सचिवालय, बिहार सरकार, 2008 से।
- ओ.पी. सिंह, सदस्य, अध्ययन मण्डल, उदयप्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- मंजुश्री चौहान, सदस्य, कोर्स समिति, जापानी भाषा, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, अक्टूबर 2008 से; सदस्य, फॉकलोर सोसाइटी ऑफ जापान; महासचिव, इण्डो–जापान एक्सचेंज डिवलपमेंट फाउंडेशन, इंडिया चैप्टर; संस्थापक सदस्य, सदस्य कार्य समिति और कोषाध्यक्ष, जापानीज लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, द इंडियन कांग्रेस ऑफ एशियन ऐंड पेसिफिक स्टडीज; आजीवन सदस्य, इंडियन साइंटीफिक ट्रांसलेटर्स एसोसिएशन; आजीवन सदस्य और कार्य समिति सदस्य, मोम्बुशो स्कालर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया; और संस्थापक सदस्य, भारत जापान मैत्री परिषद्।
- पी.ए. जॉर्ज, सदस्य, कोर्स समिति, जापानी भाषा, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, अक्टूबर, 2008 से; सदस्य, अध्ययन मण्डल (जापानी भाषा में), विदेशी भाषा विभाग, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 22.4.2008 से; सदस्य, सलाहकार मण्डल, ट्रांसलेशन असिस्टेंस प्रोजेक्ट, इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर जापानीज स्टडीज, क्योटो जापान, अगस्त 2007 से; सदस्य, मियाजावा केंजी गक्काई, हानामाकी, इवाते, जापान; सदस्य, अकोगारे नो काई (इंडियन चैप्टर ऑफ कोकुसाई ताकुबोकु गक्काई, मोरियोका, इवाते, जापान); संस्थापक सदस्य और सदस्य, कार्य समिति, जेएएलटीएआई; आजीवन सदस्य, आईसीएपीएस; आजीवन सदस्य, आईएसटीए; आजीवन सदस्य, एमओएसएआई; और संस्थापक सदस्य, भारत–जापान मैत्री परिषद्।
- नीरा कोंगरी, विशेषज्ञ समिति सदस्य, जापानी भाषा, इग्नू; सदस्य, जापानी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स के लिए पाठ्य पुस्तकें तैयार करने हेतु गठित समिति, इग्नू; सचिव, जेएएलटीएआई; आजीवन सदस्य और कार्य समिति सदस्य, एमओएसएआई।
- वैजयंती राघवन, सदस्य, कार्य समिति, पेसिफिक एशिया सम्मेलन, कोरियन स्टडीज (पैक्स), 9वाँ पैक्स सम्मेलन, हनोई, 26 नवम्बर, 2008; सह–निर्देशक, तीसरी कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेटर्स संगोष्ठी, कांफ्रेंस कांपलेक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16–17 फरवरी, 2009; और बाह्य सदस्य, अध्ययन मण्डल, विदेशी भाषा विभाग, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय।
- रविकेश, सदस्य, आयोजन समिति, तीसरी कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेटर्स संगोष्ठी, कांफ्रेंस कांपलेक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16–17 फरवरी, 2009।
- एम.वी. लक्ष्मी, सदस्य, के.मा.शि.बो. के सहयोग से जापान फाउंडेशन द्वारा जापानी भाषा की स्कूल की कक्षा 8, 9, 10 की पाठ्यपुस्तकें तैयार करने हेतु गठित कार्यदल; आजीवन सदस्य, जेएएलटीएआई और आजीवन सदस्य एमओएसएआई।

- जनश्रुति चन्द्रा, सदस्य, के.मा.शि.बो. के सहयोग से जापान फाउंडेशन द्वारा जापानी भाषा की स्कूल की कक्षा 8, 9, 10 की पाठ्य पुस्तकें तैयार करने हेतु गठित कार्यदल; आजीवन सदस्य, जेएएलटीएआई और आजीवन सदस्य एमओएसएआई।
- रूपा पोपली, संयुक्त सचिव और कार्य समिति सदस्य, जेएएलटीएआई; आजीवन सदस्य एमओएसएआई; आजीवन सदस्य, भारत जापान मैत्री परिषद्।
- नीरजा समाजदार, सदस्य, कोरियन लैंग्वेज टीचिंग एसोसिएशन, सियोल, कोरिया; सदस्य, कोरिया लैंग्वेज एज्यूकेशन फाउंडेशन, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, कोरिया; और सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर कोरियन लैंग्वेज एज्यूकेशन, कोरिया।

भाषा विज्ञान केन्द्र

- अन्विता अब्बी, सदस्य, सलाहकार मण्डल, साहित्य अकादमी, शास्त्रीय भाषा के दर्जा प्रदान करने हेतु।
- वैश्ना नारंग, सदस्य, कार्य समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर विजुअली हैंडीकेप्ड, देहरादून; सदस्य, कार्य समिति, ब्रेल काउंसिल ऑफ इंडिया; सदस्य, दिल्ली कमिशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार; XIवीं योजना समीक्षा समिति, वि.अ.आ., कालिकट विश्वविद्यालय हेतु; सदस्य, अध्ययन मण्डल, भाषा विज्ञान, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर; और सदस्य, अध्ययन मण्डल अंग्रेजी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 2008–2010
- पी.के.एस. पाण्डेय, सदस्य, अध्ययन मण्डल, अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, 2008–10

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख़तर महदी, सलाहकार, फारसी, विदेशी भाषा विभाग, इग्नू, नई दिल्ली; सदस्य, संपादकीय मण्डल, "कंद–ए–फारसी", त्रैमासिक, नई दिल्ली; संयुक्त सचिव, ऑल इंडिया पर्सियन टीचर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली; और महासचिव, इण्डो–पर्सियन सोसाइटी, नई दिल्ली।
- अखलाक अहमद अंसारी, सदस्य, शब्दकोष संकलन बोर्ड, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली (फारसी और उर्दू हेतु); सदस्य, विशेषज्ञ समिति, सीएचडी, नई दिल्ली; सदस्य, संपादकीय मण्डल, सार–संसार, त्रैमासिक, ईएफएलयू, हैदराबाद; संस्थापक सदस्य और अध्यक्ष, फाउंडेशन ऑफ कल्चर ऐंड लिट्रेचर (फोकाल); सदस्य, आल इंडिया पर्सियन टीचर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली और सदस्य, इण्डो–ईरान सोसाइटी, नई दिल्ली।

रूसी अध्ययन केन्द्र

- वरयाम सिंह, सदस्य, अध्ययन मण्डल, विदेशी भाषाएँ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; और सदस्य, नियंत्रण मण्डल, विदेशी भाषाएँ, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
- शंकर बासु, सदस्य, अध्ययन मण्डल, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, और विशेषज्ञ सदस्य, अध्ययन मण्डल, कला संकाय, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.पी. गांगुली, अध्यक्ष, संपादकीय सलाहकार मण्डल, विसलुमब्रेस, वार्षिक पत्रिका, डिप्लोमेटिक मिशंस ऑफ स्पेनिश ऐंड पुर्तगीज स्पीकिंग कंट्रीज इन इंडिया।
- अनिल धींगरा, सदस्य, मण्डल, विदेशी भाषा संस्थान, इग्नू, नई दिल्ली; और सदस्य, सलाहकार समिति, विदेशी भाषा अध्ययन केन्द्र, मानविकी संस्थान, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद।
- राजीव सक्सेना, सदस्य, पाठ्यचर्या तैयार करने हेतु गठित समिति, इग्नू, 2008
- गौरव कुमार, सदस्य, पाठ्यचर्या तैयार करने हेतु गठित समिति, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, 2009

जीवन विज्ञान संस्थान

जीवन विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1970–71 के दौरान हुई थी। यह संस्थान अपनी स्थापना से अब तक जीवन विज्ञान में देश के एक अग्रणी बहु–विषयक शोध एवं शिक्षण विभाग के रूप में रहा है। संस्थान देश के सभी क्षेत्रों से छात्रों को प्रवेश दे रहा है। संस्थान कक्षाओं में विचार–विमर्श, परीक्षाओं, क्विज, संगोष्ठी आलेखों, शोध पत्रों की प्रस्तुति एवं संक्षिप्तीकरण, मूल शोध परियोजनाएं चलाने, संबद्ध क्षेत्र के सामयिक विषयों पर विचार–विमर्श और सम्मेलन आयोजित करता है ताकि छात्र अधिकतम जानकारी हासिल कर सकें। इसके अतिरिक्त, संस्थान छात्रों के साथ सम्प्रेषण की सभी संभव प्रद्धतियों का प्रयोग करता है। चार दशकों से संस्थान ने मुख्यतः निम्नलिखित क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण शोध कार्यक्रम तैयार किए हैं :

- सेल बायोलाजी, इम्यूनोलाजी ऐंड डिवलपमेंटल बायोलाजी
- जिनेटिक्स, जिनोमिक्स, जीन रेग्युलेशन ऐंड आरएनए बायोलाजी
- मोलिक्युलर बायोलाजी ऐंड बायोकेमिस्ट्री आफ पैथोजीन्स ऐंड डिसिजिस
- न्यूरोबायोलाजी ऐंड बिहेवियरल बायोलाजी
- प्लांट मोलिक्युलर बायोलाजी, बायोटेक्नोलाजी ऐंड फोटोबायोलाजी
- रेडिएशन ऐंड कैंसर बायोलाजी
- बायोफिजिकल केमिस्ट्री, मोलिक्युलर बायोफिजिक्स ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलाजी।

शोध में जीवाणुओं, पादपों और पशुओं को मॉडल सिस्टम के रूप में प्रयोग किया गया है और न्यूरोबायोलाजी, सेलुलर ऐंड मोलिक्युलर बायोलाजी, जिनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स, मोलिक्युलर बायोफिजिक्स, स्ट्रक्चरल और सिस्टम बायोलाजी के क्षेत्र में केन्द्रीयकृत सुविधाएं विकसित करने के लिए सहायता प्रदान करती है।

शिक्षकों के विशेषीकृत शोध क्षेत्र निम्न प्रकार से हैं :

- आर.एन.के. बामजेई, सस्सेप्टिबिलिटी मैकेनिज्म्स ऐंड इटिओलॉजी ऑफ ह्यूमन डिजीज्स ऐंड डिसाडर्स, स्टडी ऑफ ब्लूम 4 सिंड्रोम बायोलॉजी स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल ह्यूमन जीनोमिक्स।
- स्नेहलता भदौरिया, मोलक्यूलर बेसिस ऑफ मल्टी–ड्रग रेसिस्टेंस इन केनडिडा अल्बिकेंस।
- आलोक भट्टाचार्य, जिनोमिक्स ऑफ एंटामोइबा हिस्टोलिटिका, कैल्शियम–बाइंडिंग प्रोटीन फ्रॉम ई. हिस्टोलिटिका।
- एस.एम. कौशिक, स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स; स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स आफ न्यूरोपेप्टाइड्स इंप्लाइंग इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी।
- एस. चक्रबर्ती, मोलक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट वायरसिस, होस्ट – वायरस इंटरएक्शन, जीन साइलेंसिंग इन वायरसिस।
- एस.के. गोस्वामी, यूकारियोटिक जीन एक्सप्रेशन : ट्रांसक्रिप्शन कंट्रोल ऑफ कार्डियोवस्कुलर डिवलपमेंट ऐंड डिसीजीस।
- एस. गौरीनाथ, स्ट्रक्चरल स्टडीज ऑफ सेल्यूलर प्रोटींस।
- एस.के. झा, स्लीप ऐंड न्यूरोनल प्लास्टीसिटी।
- ए.के. जौहरी, बेक्सिन डिवलपमेंट फॉर ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस ऐंड अदर इनफेक्शस एजेंट्स यूजिंग रिवर्स वैक्सिनोलॉजी एप्रोच।
- आर.के. काले, इफेक्ट्स ऑफ लोनीजिंग रेडिएशन, स्टडीज इन रेडियोप्रोटेक्शन ऐंड सेंसीटाइजेशन, रोल ऑफ फ्री रेडिकल्स इन कैमिकल ऐंड रेडिएशन कार्सिनोजेनेसिस।
- एस.एस. कामथ, जीपीआई एंकर स्ट्रक्चर ऐंड बायोसिंथेसिस; लेक्टिन – कार्बोहाइड्रेट इंटरएक्शंस; प्रोटीन फोल्डिंग।
- आर. मधुबाला, सेल्यूलर ऐंड मोलक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम, लिश्मेनिया, कैंसर : ड्रग टार्गेट्स ऐंड एप्लिकेशंस।
- बी.एन. मलिक, इलेक्ट्रोफिजिओलॉजीकल ऐंड बायोकेमिकल स्टडीज ऑन न्यूरोफिजिओलॉजी ऐंड फंक्शंस ऑफ स्लीप वेकफुलनेस।
- एन. मंडल, ट्रांसक्रिप्शन रेग्यूलेशन ऑफ पी^{53} ऐंड इट्स फेमिली मेम्बर्स, फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ जाइरेस फ्रॉम प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम।
- आर. मुथुस्वामी, प्रोटीन–डीएनए इंटरएक्शंस स्टडीज, जीपीआई बायोसिंथेसिस पाथवे।
- ए.के. नंदी, मोलक्यूलर प्लांट फिजियोलॉजी, प्लांट पैथोजन इंटरएक्शन, सिस्टेमिक एक्वायर्ड रेसिस्टेंस इन प्लांट्स।

- के. नटराजन, मैकेनिज्म्स ऑफ ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेशन इन यूकारियोट्स; न्यूट्रिएंट कंट्रोल ऑफ जीन रेग्यूलेशन; यीस्ट फंक्शनल जिनोमिक्स।
- ए. पारिक, क्राप बायोटेक्नोलॉजी, फंक्शनल जिनोमिक्स ऑफ एबियोटिक स्ट्रेसिस।
- आर. प्रसाद, लिपिड स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन ऑफ यीस्ट मेम्ब्रेन; बायोइनर्जेटिक्स ऑफ अमिनो एसिड ट्रांसपोर्ट इन यीस्ट; मल्टीड्रग रेसिस्टेंस जीन्स ऑफ ए पैथोजनिक यीस्ट।
- नीति पुरी, मोलक्यूलर मैकेनिज्म्स ऑफ रेग्यूलेटिड एक्सोसाइटोसिस फ्राम मास्ट सेल्स; इंट्रासेल्यूलर प्रोटीन ट्रेफिक इन इम्यून सेल्स।
- पी.सी. रथ, फंक्शनल जिनोमिक्स ऑफ रिपीट सिक्वेंसिज ऐंड आइडेंटीफिकेशन ऑफ नॉवल कंडीडेट जींस साइटोकाइनेज, ट्रांसक्रिप्श्न फैक्टर्स ऐंड सिग्नल ट्रांसडक्शन इन मैमेलियन सेल।
- एस. सरन, सेल डिफ्रेंसिएशन ऐंड डिवलपमेंटल प्रोग्राम इन डिक्टिओस्टेलियन।
- एन.बी. सरीन, प्लांट डिवलपमेंटल बायोलॉजी; स्ट्रेस बायोलॉजी, प्लांट सेल ऐंड टिश्यू कल्चर फॉर बेसिक ऐंड एप्लाइड रिसर्च।
- आर.के. सक्सेना, लंग इम्युनिटी ऐंड माड्यूलेशन बाई एनवायरनमेंटल फैक्टर्स। इम्युनोलॉजी ऑफ टुबरकुलोसिस, नेचुरल किलर सेल्स।
- ए.के. सक्सेना, मैक्रोमोलक्यूलर क्रिस्टेलोग्राफी ऑन ह्यूमन डिसीज रिलेटिड प्रोटींस, रेशनल स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिजाइन ऐंड वेक्सिन डिवलपमेंट।
- डी. शर्मा, मैकेनिज्म ऑफ एक्शन ऑफ एंटी एजिंग ड्रग्स इन रैट ब्रेन।
- एम. शकराद, बिहेवियर बायोलॉजी ऑफ सोशल इनसेक्ट्स ऐंड कॉपरेटिव बर्ड्स, इवाल्यूशन ऑफ लाइफ–हिस्ट्री ट्रेट्स इन ड्रोसोफिला।
- आर.पी. सिंह, माड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ फाइटोकेमिकल्स ऑन कार्सिनोजेनेसिस ऐंड जिनोटाक्सिस सिटी इन ड्रोसोफिला ऐंड माउस माडल्स।
- आशुभान टिक्कू, माड्यूलेशन ऑफ कैंसर प्रोग्रेशन बाई प्लांट एक्सट्रेक्ट्स।
- बी.सी. त्रिपाठी, क्लोरोप्लास्ट बायोजेनेसिस; बायोकैमेस्ट्री ऐंड मोलक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट पिगमेंट्स। प्रोटीन टार्गेटिंग इन टु क्लोरोप्लास्ट्स, फोटोडायनेमिक हर्बीसाइड्स, रूट–शूट इंटरएक्शन इन ग्रीनिंग प्रोसस।
- के.सी. उपाध्याय, मोलक्यूलर कास्केड (स) इन ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिवेशन ऑफ स्ट्रेस–इनड्यूसीबल प्लांट जींस। प्लांट जीनोमिक्स : मोलक्यूलर मार्कर्स, रिट्रोट्रांसपोजंस ऐंड फंक्शनल जीनोमिक्स।
- पी.के. यादव, डिवलपमेंट ऑफ एक्सप्रेशन ऐंड डिलिवरी सिस्टम फॉर टार्गेटिड राइबोजाइम्स ऐंड आरएनए आप्टामर्स, रिकंबीनेंट मीजल्स वायरसिस।

संस्थान की गतिविधियाँ

बायोस्पार्क 2009 – संस्थान के छात्रों ने 6–7 मार्च 2009 को बायोस्पार्क 2009 विषयक एक अद्वितीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें जीवन विज्ञान के क्षेत्र में हुए वर्तमान शोध कार्यों को प्रस्तुत किया गया।

समर रिसर्च प्रोग्राम–2008

युवा छात्रों में सामान्य और आधारभूत विज्ञान के साथ–साथ जीवन विज्ञान के क्षेत्रों विशेषकर जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रुचि उत्पन्न करने के लिए 21 मई से 27 जून 2008 तक एक 'एज्यूकेशन आउटरीच प्रोग्राम' के रूप में समर रिसर्च प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

संस्थान में आए अतिथि

- प्रो. पी. कोंडैया, डिपार्टमेंट आफ मोलिक्युलर प्रोडक्शन, डिवलपमेंट ऐंड जिनेटिक्स, आईआईएससी, बंगलौर ने 1 अप्रैल 2008 को 'डिफ्रेंसियल रेग्युलेशन आफ जीन्स बाई टीजीएफ इन नार्मल ऐंड ट्यूमर सेल्स – रोल आफ मल्टिपल सिग्नेलिंग पथवेज' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. ए. रोजर अध्यक्ष, स्कूल आफ एग्रीकल्चर, फूड ऐंड वाइन, द वेट कैम्पस, पीएमबी–1, ग्लीन ओसमांड, साउथ आस्ट्रेलिया ने 23 अप्रैल 2008 को 'हियर, देयर ऐंड एवरीवेयर : एसिमेट्रिक स्टोरेज आफ न्यूट्रिएन्ट्स ऐंड अदर आयोन्स इन लीफ सेल वेकोलस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. देवकी भाया, कार्नेजीक इंस्टीट्यूशन, वाशिंग्टन, स्टेंडफोर्ड, यूएसए ने 28 अप्रैल 2008 को 'एक्सप्लाइटिंग जिनोमिक्स ऐंड मेटाजिनोमिक्स टु एक्सप्लोर माइक्रोबायल डायवर्सिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- कौस्तुव सान्याल, मुख्य अन्वेषक, मोलिक्युलर माइकोलाजी लेबोट्री, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फार एडवांस्ड साइटिफिक रिसर्च बंगलौर ने 29 अप्रैल 2008 को 'मेकिंग सेन्स'स : कम्पैरटिव जिनोमिक एनालिसिस आफ सेंट्रोमेरिस इन टु क्लोजलीरिलेटिड पैथेजेनिक यीस्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. राम एस सिंह, डिपार्टमेंट आफ बायोलाजी ऐंड सेंटर फार पीस स्टडीज, मैक–मास्टर यूनिवर्सिटी, हेमिल्टन, कनाडा ने 'डार्विन'स सेसक्वीसेंटेनियल : ए थीअरि आफ मेल सैक्स ड्राइव ऐंड इवोल्युशन इन द सैक्सचुअल वर्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. डेजिंग झोऊ, इलुमिनिया आईएनसी यूएसए ने 7 मई 2008 को 'इनएब्लिंग जिनोम बायोलाजी बाई इलुमिनिया'स सोलेक्स सिक्वेंसिंग टेक्नोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. मधुसुदन डे, लैबोरेट्री आफ जीन रेग्युलेशन ऐंड डिवलपमेंट, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ चाइल्ड हैल्थ ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट, एनआईएच, बथेस्दा, मैरिलैण्ड, यूएसए ने 14 मई 2008 को 'मकेनिस्टिक लिंक बिटवीन पीकेआर डिमेरिजेशन, आटोफास्फोरिलेशन ऐंड इएलएफ 2 अल्फा सब्सट्रेक्ट फास्फोरिलेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. अरमांडो जुनिजा, टीम लीटर, वैक्सीन्स रिसर्च, बेर्ना बायोटेक्स लिमिटेड, स्वीटजरलैण्ड ने 3 जून 2008 को 'डिवलपमेंट आफ ए रिकम्बीनेंट मीजल्स वायरस ऐज वैक्सीन प्रोटोटाइम अगेंस्ट एचआईवी–1' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. पीटर ए बी ओरलियन, प्रोफेसर माइक्रोबायोलाजी और बुरोध्स वेलकम स्कालर मोलिक्युलर पैथोजेनिक माइकोलाजी, डिपार्टमेंट आफ माइक्रोबायोलाजी ने 1 जुलाई 2008 को 'ग्लाइकोसल्फासफेटिडी लाइनोसिटोल एकरिंग आफ प्रोटीन : एज इसेसनल ट्रांसमेम्ब्रेन्स पथवे विद पोटेंशल ऐज ए एन्टिफंगल ड्रग टार्गेट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सचिन कोटक, यूनिवर्सिटी आफ फ्रेंकफुट ने 14 जुलाई 2008 को 'द अरेबिडोप्सिस एचएसएफ फैमिली, वेयर कम्पलेक्सिटी मीट्स स्पेसिफिसिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- नीलकान्तन वसुदेवन, पीएचडी डिपार्टमेंट आफ मोलिक्युलर कार्डिओलाजी, लर्नर रिसर्च इंस्टीट्यूट क्लीवलैण्ड क्लिनिक फाउंडेशन, यूएसए ने 18 सितम्बर 2008 को 'नावल रेग्युलेशन आफ बीटा एडरएर्निक रिसेप्टर फंक्शन बाई फास्फोइनोसिटाइड–3 काइनेस (पी 13 के)' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. संजय गुप्ता, कार्टर किसले एसोसिएट प्रोफेसर आफर रिसर्च डायरेक्टर, डिपार्टमेंट आफ यूरोलाजी जिन ऐंड ईलीन डाइक रिसर्च लैबोरट्री केस, वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी हास्पिटल केस सेंटर 10900 यूकलिड एवेन्यु क्लीवलैण्ड, ओहियो 441.6–4931 ने 12 अगस्त 2008 को 'रोल आफ इनफ्लेमेशन इन द डिवलपमेंट आफ प्रोस्टेट कैंसर' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. उमेश सी. यादव, डिपार्टमेंट आफ बायोकेमिस्ट्री ऐंड मोलिक्युलर बायोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास मेडिकल ब्रान्च, यूएसए ने 3 अक्टूबर 2008 को 'इनहिबिशन आफ एलडोज रिडक्टेस प्रिवेंट्स आटोइम्यून ऐंड बैक्टेरियल इण्डोटाक्सिन इंड्यूस्डइंफ्लेमेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. अमिता सहगल, प्रोफेसर आफ न्यूरोसाइंस, होवर्ड ह्युज्स मेडिकल इंस्टीट्यूट, स्कूल आफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, फिलाडेल्फिया, यूएसए ने 7 अक्टूबर 2008 को 'द जिनेटिक बेसिस आफ स्लीप–वेक साइकिल' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. कैलाश गुलशन, डिपार्टमेंट आफ मोलिक्युलर फिजिओलाजी ऐंड बायोफिजिक्स, यूनिवर्सिटी आफ लोवा, लोवा यूएसए ने 15 अक्टूबर 2008 को 'रोल आफ फास्फोलिपिड्स इन कंट्रोलिंग एक्सप्रेशन ऐंड एक्टिविटी आफ एबीसी ट्रांसपोर्टर्स इन यीस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रितु कुलश्रेष्ठ, दाना फार्बर इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, एमए, मेसचुसेट्स यूएसए ने 4 नवम्बर 2008 को 'हाइपोक्सिस रेग्युलेशन आफ माइक्रोआरएनए'स : इम्प्लिकेशंस फार कैंसर बायोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।

- अनिन्दय बागची, सहायक प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ जिनेटिक्स ऐंड सेल बायोलाजी, मैसोनिक कैंसर सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोटा, यूएसए ने 12 नवम्बर 2008 को 'फंक्शनल जिनोमिक्स अप्रोच इन डिसेक्टिंग कापी नम्बर वैरिएशन इन ह्युमन कैंसर ऐंड शिहजोफ्रेनिआ' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. तेज के पंडित, डिपार्टमेंट आफ रेडिएशन ओंकोलाजी, वाशिंग्टन यूनिवर्सिटी, यूएसए ने 17 नवम्बर 2008 को 'हिस्टोन कोड ऐंड द यूकारियोटिक जीन एक्सप्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. के. नटराजन, द इंटरनेशनल सेंटर फार जिनेटिक इंजीनियरिंग ऐंड बायोटेक्नोलाजी, नई दिल्ली 67 ने 18 नवम्बर 2008 को 'माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस एन्टीजन एक्टिवेटिड डेंड्रिटिक सेल्स : इम्यून सेवर्स आर अचिलेस हील्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सुरेश बी अम्बुडकर, पीएचडी, सीनियर इनवेस्टिगेटर और चीफ, ट्रांसपोर्ट बायोकेमिस्ट्री सैक्सन, लैबोरेट्री आफ सेल बायोलाजी, सीसीआर, नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, एनआईएच, बथेस्दा, मैरिलैण्ड, यूएसए ने 21 नवम्बर 2008 को 'एबीसी ड्रग इफ्लक्स पम्पस ऐंड मल्टि ड्रग रसिस्टेन्स इन कैंसर : जिनोमिक्स टु मकेनिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. माइक सिबर्ट, कोलोरेडा, यूएसए ने 24 नवम्बर 2008 को 'सस्टेनेबल हाइड्रोजन प्रोडक्शन फ्राम वाटर बाई बायोलाजिकल आर्गेनिज्मस टु कम्बेट ग्लोबल वार्मिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- बच्चु लाल, पीएचडी, फैकल्टी, डिपार्टमेंट आफ न्यूरोलाजी, जान हापकिन्स यूनिवर्सिटी, न्यूरो ओंकोलाजी लैब, कैनेडी क्रिगर इंस्टीट्यूट, हयुगो डब्लु मोसर रिसर्च इंस्टीट्यूट, कैनेडी, क्रिगर, बाल्टिमोर, एमडी 21205, यूएसए ने 1 दिसम्बर 2008 को 'रिसेप्टर टाइरोसिन काइनेस टार्गेटिड थैरपीज फार ग्लाइओब्लास्टोमा' विषयक व्याख्यान दिया।
- डेविड शरमन, सिएटल बायोमेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसबीआरआई), सिएटल, यूएसए ने 2 दिसम्बर 2008 को 'बिलियन्स सर्व्ड सक्सेस स्टोरीज आफ एम ट्युबरक्लोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. प्रशान्त शर्मा, नेशनल इंस्टीट्यूटस आफ हैल्थ, यूएसए ने 5 दिसम्बर 2008 को 'स्माल यूबिक्विटिन लाइक मोडिफायर (सुमो) पोस्ट ट्रांसलेशनल मोडिफिकेशन इन इम्ब्रिओनिक डिवलपमेंट ऐंड कैंसर' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. जेफरी फील्ड, डिपार्टमेंट आफ फार्माकोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया स्कूल आफ मेडिसिन, फिलाडेल्फिया, यूएसए ने 6 जनवरी 2009 को 'स्मोकिंग ऐंड टुबैको कार्सिनोजेनसिस : ए मर्डर सिस्ट्री इन रेड काइट ऐंड पिंक' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सिगरिड रोबर्ट, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल आफ फार्मेसी, पेसिफिक यूनिवर्सिटी, ओरेगन, यूएसए ने 30 जनवरी 2009 को 'करेक्ट्राइजेशन आफ द पालिएमाइन पथवे इन लीश्मैनिया ऐज ए पोटेंशल थेराप्युटिक टार्गेट', विषयक व्याख्यान दिया।
- विजय के. तिवारी, पीएचडी, फ्रिडरिक माइस्चर इंस्टीट्यूट फार बायोमेडिकल रिसर्च, ए पार्ट आफ द नोवर्टिस रिसर्च फाउन्डेशन, मौलबीर स्ट्रेसिस 66 सीएच–4058 बेसल स्विटजरलैण्ड ने 9 फरवरी 2009 को 'द एपिजिनेटिक आफ हायर आर्डर क्रोमेटिन कंफरमेशन : नावल मकेनिज्म आफ ट्रासक्रिप्शनल रेग्युलेशन ऐंड इट्स इम्प्लिकेशन इन डिसीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. राव पैपिनेनी, सीनियर प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर रिसर्च ऐंड डिवलपमेंट केयरस्ट्रीम हैल्थ, इंक 4, साइंस पार्क, न्यू हैवन, सीटी 06511, यूएसए ने 10 फरवरी 2009 को 'मल्टिमाडल अप्रोचिस इन मोलिक्युलर इमेजिंग ऐंड इमेज गाइडिड थेरंगनोस्टिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. गोविन्द जी, यूनिवर्सिटी आफ इलिनोइस, यूएसए ने 12 फरवरी 2009 को 'इवैल्युएशन आफ फोटोसिंथेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. श्री हर्ष प्रधान, डिविजन हैड, आरएनए बायोलाजी, न्यूजीलैण्ड बायोलैब्स, यूएसए ने 19 फरवरी 2009 को 'अंडरस्टेंडिंग इपिजिनेल्टिक मकेनिज्म आफ डीएनए मैथाइलेशन फ्राम प्लांट्स ऐंड मैमल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुश्री मैरी रिली, मार्केटिंग डायरेक्टर, मोलिक्युलर बायोलाजी, लोंजा ने 24 फरवरी 2009 को 'फ्लेश जैल सिस्टम ऐंड प्रिकास्ट गेट्स फार न्यूक्लिक एसिड ऐंड प्रोटीन इलैक्ट्रोफोर्सिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. माइकल फ्राइड, सिएटल बायोमेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट यूएसए ने 5 मार्च 2009 को 'स्टडीज आफ मलेरिया पैथोजेनसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. कासचन्द्र जी रगोथमा, डिपार्टमेंट आफ हार्टिकल्चर ऐंड लैण्डस्केप आर्किटेक्चर, परड्यु यूनिवर्सिटी, वेस्ट लफायत, इण्डियाना, यूएसए ने 16 मार्च 2009 को 'मोलिक्युलर रेग्यूलेशन आफ रूट आर्किटेक्चर बाई फास्फोरस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. विश्वनाथ अय्यर, एसोसिएट प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट आफ सेलुलर ऐंड मोलिक्युलर बायोलाजी, द यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास, आस्टिन, यूएसए ने 16 मार्च 2009 को 'जिनोम अप्रोचिस फार एनालाइजिंग जीन रेग्युलेट्री नेटवर्क्स ऐंड क्रोमेटिन रिमाडलिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सरत के. दलाई, पीएचडी, एसोसिएट इंवेस्टिगेटर, वाल्टर रीड आर्मी इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च डिविजन आफ मलेरिया वैक्सीन डिवलपमेंट, सिल्वर स्प्रिंग एमडी, यूएसए ने 27 मार्च 2009 को 'एनर्जी : ए मकेनिज्म फार रेग्युलेटिंग मेमोरी टी सेल रिस्पांस' विषयक व्याख्यान दिया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित संगोष्ठी आयोजित कीं

- आर. प्रसाद ने 23 से 25 अप्रैल 2008 तक हेल्महोट्ज जेंट्रम फर इंफेक्टिओंसफारस्चुंग और इण्डो जर्मन साइंस सेंटर फार इंफेक्सस डिसीज द्वारा संयुक्त रूप से मानेसर हैरिटेज विलेज, हरियाणा में 'इंफेक्सस एजेंट्स' विषयक एचजेडआई–जेएनयू कार्यशाला का आयोजन किया।
- आर.पी. सिंह ने 19 से 20 दिसम्बर 2008 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

छात्रों की उपलब्धियां

- तुलिका प्रसाद को वर्ष 2008 का रैनीबेक्सी साइंस पुरस्कार प्रदान किया गया।
- तुलिका प्रसाद को वर्ष 2008 का आइवा पुरस्कार, डीबीटी, प्रदान किया गया।
- तुलिका प्रसाद को वर्ष 2008 का वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित रिसर्च एसोसिएटशिप (आर ए–3) का पुरस्कार प्रदान किया गया।
- ख्याति कपूर को 22–27 मार्च 2009 को गल्वेस्टोन, यूएसए में गॉर्डन रिसर्च कांफ्रेस जीआरसी में भाग लेने के लिए सीएसआईआर ट्रेवल पुरस्कार प्रदान किया गया।

अन्तरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय बैठकों/सम्मेलनों में छात्रों की प्रतिभागिता

- तुलिका प्रसाद और अंतरेश कुमार ने 23–24 अप्रैल 2008 को Helmhaltz zentrum fur Infektins forschung और इण्डो जर्मन साइंस सेंटर फार इंफेक्सस एजेंट्स' विषयक एचजेडआई – जेएनयू की कार्यशाला में भाग लिया।
- मोनिका शर्मा ने 19–20 दिसम्बर 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- इंद्रेश कुमार ने 26–27 फरवरी 2009 को इण्डियन इंस्टीट्यूटी आफ इम्यूनोलाजी, नई दिल्ली में द्वितीय इण्डियन पेप्टाइड संगोष्ठी 2009 में भाग लिया।
- अंतरेश कुमार ने 22–27 मार्च 2009 को गैल्वेस्टोन, यूएसए में गॉर्डन रिसर्च कांफ्रेस जीआरसी 2009 में भाग लिया।

आलेख/परियोजनाएं

- ए.के. जौहरी, इंफैक्शन इम्यूनिटी, बायोमेटिरियल्स, पीएलओ'स मेडिसिन, करंट साइंस, इण्डियन जर्नल आफ माइक्रोबायोलाजी, सीएसआईआर, इण्डो–आस्ट्रेलियन बायोटेक्नोलाजी फंड, इजराइल यूएसए फंड्स, वैक्सीन एडिटर, इण्डियन जर्नल आफ माइक्रोबायोलाजी।
- एस.एल. पवार, आर पसरीजा, आर प्रसाद, मेम्ब्रेन होमोइओस्टेसिस ऐंड मल्टिड्रग रसिस्टेंस इन यीस्ट, बायोसाइंस रिप 28(4), 217–28, 2008

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- आर. प्रसाद ने 23 से 24 अप्रैल 2008 तक Helmhaltz zentrum fur Infektins forschung और इण्डो साइंस सेंटर फार इंफेक्सस डिसीज द्वारा संयुक्त रूप से मानेसर हैरिटेज विलेज, हरियाणा में आयोजित 'इंफेक्सस एजेंट्स' विषयक एचजेडआई–जेएनयू की कार्यशाला में भाग लिया।
- आर प्रसाद ने 24 अगस्त 2008 को सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'केमिस्ट्री' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर प्रसाद ने 2 से 8 सितम्बर 2008 तक ब्रागा, पुर्तगाल द्वारा आयोजित 'यीस्ट ट्रांसपोर्ट ऐंड एनर्जेटिक्स (एसएमवाईटीई)' विषयक 26 वीं बैठक में भाग लिया।
- आर प्रसाद ने 22 से 27 मार्च 2009 तक गल्वेस्टोन, यूएसए में आयोजित गॉर्डन रिसर्च कांफ्रेस जीआरसी 2009 में भाग लिया।
- के सी उपाध्याय ने 13 से 14 फरवरी 2009 तक नई दिल्ली में आयोजित 'प्रास्पेक्ट्स इन द चैलेंजिस इन प्लांट बायोटेक्नोलाजी' विषयक एसोकेम की 6ठी ग्लोबल नालेज मिलेनियम समिट 2009 में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया।
- के सी उपाध्याय ने 18 फरवरी 2009 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'द पास्ट ऐंड फ्युचर आफ बायोटेक्नोलाजी इन एग्रीकल्चर' विषयक संगोष्ठी में वक्ता के रूप में भाग लिया।
- आर के सक्सेना, पी वी ललिता, एस बिस्वास और सी आर पिल्लई ने 17 से 20 नवम्बर 2008 तक राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रांसलेशनल मेडिसिन ऐंड इंफेक्सस डिसीज्स' विषयक इण्डो–यूएस सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एक्सप्रेशन, प्यूरिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ ए रिकंबिनेंट मलेरिया वैक्सीन वेस्ड आन एपिकल्ड मेम्ब्रेन एंटिजन–1 एक्टोडोमेन फ्राम इण्डियन पी फाल्सिपेरम एलिलेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर के सक्सेना, पी वी ललिता, एस बिश्वास और सी आर पिल्लई ने दिसम्बर 2008 में भुवनेश्वर में आयोजित 'इम्यूनोजेनिसिटी आफ बैक्टेरियली एक्सप्रेस्ड एमएसपी–142 अलेलिक वैरिएन्ट्स फ्राम इण्डियन पी. फाल्सिपेरम आइसोलेट्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- पी.के. यादव ने 19 से 20 दिसम्बर 2008 तक जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.के. यादव ने नवम्बर 2008 में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आरएनएआई' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- पी.के. यादव ने नवम्बर 2008 में बल्लभ विद्यानगर द्वारा आयोजित 'पैशन टु मिशन इन मोलिक्युलर बायोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.के. यादव ने राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- पी.के. यादव ने सीएएस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 'जीन्स टू एनवायरनमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एन.बी. सरीन ने आईएचबीटी, पालमपुर में आयोजित 'प्लांट टिश्यू कल्चर ऐंड मोलिक्युलर बायोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस.के. गोस्वामी ने 2 से 5 मार्च 2009 तक आईएमटेक में आयोजित 'डीएनए प्रोटीन ट्रांसैक्शंस ऐंड द 12थ ट्रांसक्रिप्शन एसेम्बली' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंटिग्रेशन आफ आयोडोक्स सिग्नेलिंग ऐंड जीन एक्टिविटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. गोस्वामी ने 6 से 8 दिसम्बर 2008 तक एमएसीएस आगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूणे में आयोजित 'स्टेम सेल्स ऐंड पैटर्न फार्मेशन' विषयक 32वीं आल इण्डिया सेल बायोलाजी सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एसज2 एनए, इन इमर्जिंग मास्टर रेग्युलर आफ सेल्स डिफ्रेंसिएशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. रथ ने जनवरी 2009 में बायोटेक्नोलाजी डिपार्टमेंट, बी.डी. शर्मा मेडिकल यूनिवर्सिटी, रोहतक में आयोजित 'इंटरफेरान

ऐंड टीएनएफ पाथवे जीन्स, कैंसर सिग्नेलिंग नेटवर्क्स ऐंड मोलिक्युलर थेराप्युटिक्स मेडिकल बायोटेक्नोलाजी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- के. नटराजन ने 26 से 29 नवम्बर 2008 तक सेंटर फार सेलुलर ऐंड मोलिक्युलर बायोलाजी, हैदराबाद में आयोजित 'न्यूक्लियर आर्किटेक्चर ऐंड क्रोमेटिन डायनेमिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- के. नटराजन ने 1 से 3 मार्च 2009 तक नेशनल अकादमी आफ साइंसिस/आईयूएसएसटीएफ1, आगरा में आयोजित इण्डो–यूएस फ्रंटियर्स आफ साइंस की तीसरी संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेट्री नेटवर्क्स इन ह्युमन पैथोजेनिक फंग्स कैनडिडा अल्बिकेंस' शीर्षक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- ए.के. नन्दी ने 18 से 20 नवम्बर 2008 तक एसोसिएशन आफ माइक्रोबायोलाजिस्ट आफ इण्डिया द्वारा दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित 'माइक्रोबायल बायोटेक्नोलाजी : डायवर्सिटी, जिनोमिक्स ऐंड मेटोजिनोमिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस. चक्रवर्ती ने 15 से 18 अप्रैल 2008 तक फूड–एन–सीओ द्वारा वार्सा, पोलैण्ड में आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग कार्यशाला में भाग लिया।
- एस. चक्रवर्ती ने 27 से 29 अक्टूबर 2008 तक फूड–एन–सीओ द्वारा बुडापेस्ट, हंग्री में आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग' कार्यशाला में भाग लिया।
- ए.के. सक्सेना ने 22 से 27 जून 2008 तक साल्व स्टेट यूनिवर्सिटी, न्यूपोर्ट, आरआई, यूएसए में आयोजित 'होस्ट पैरासाइट इंटरएक्शन बायोलाजी आफ' विषयक गॉर्डन रिसर्च सम्मेलन में भाग लिया तथा 'प्लाज्मोडियम पी25 ऐंड पी28, इसेंसल प्रोटीन्स फार सरवाइवल आफ द मलेरिया पैरासाइट इन द मास्क्वीटो आर टाइल लाइक ट्राइएंग्युलर प्रिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. सक्सेना ने 22 से 24 अप्रैल 2008 तक मानेसर, हरियाणा में आयोजित 'इंफेक्शंस एजेंट्स' विषयक एचजेडआई, जेएनयू की कार्यशाला में भाग लिया तथा 'स्ट्रक्चर आफ प्लाज्मोडियम ट्रांसमिशन ब्लाकिंग वैक्सीन ऐंड देयर कम्पलेक्सिस विद रिसेसेप्टर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. सक्सेना, शान्ति पी. गंगवार और सीता आर. मीणा ने 27 से 28 जनवरी 2009 तक एनआईएच, यूएसए में आयोजित 'प्रोटीन मिस्फोल्डिंग ऐंड मिसप्रोसेसिंग इन डिसीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नावल रिफोल्डिंग ऐंड स्ट्रक्चर एनालिसिस आफ ईआरजी ओंकोप्रोटीन : ए प्रोटेंशल टार्गेट टु डिवलपमेंट प्रोस्टेट कैंसर ड्रग्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. सक्सेना, सीता आर. मीणा और शांति पी. गंगवार ने 2008 में जेएनयू में आयोजित 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्ट्रक्चर एनालिसिस आफ ट्रांसपोर्टर एसोसिएटिड विद एन्टिजन प्रोसेसिंग (टीएपी)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. सक्सेना, शान्ति पी. गंगवार और सीता आर. मीणा ने 2008 में जेएनयू में आयोजित 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्ट्रक्चर एनालिसिस आफ आरजी ओंकोप्रोटीन : ए पोटेंशल टार्गेट टु डिवलप प्रोस्टेट कैंसर ड्रग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. शर्मा, अमर ज्योति और रामेश्वर सिंह ने 28 से 29 नवम्बर 2008 तक गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में आयोजित सोसायटी फार न्यूरोमिस्ट्री की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'इफैक्ट आफ डाइट्री करकुमिन आन द बायोकेमिस्ट्री ऐंड इलैक्ट्रोफिजिओलाजी आफ एफईसी 13 – इंड्यूरुड पोस्ट–ट्रावमेटिक इपिलेप्सी इन रैट मौलिक्युलर आस्पेक्ट्स आफ ब्रेन एजिंग ऐंड न्यूरोलाजिकल डिस्आर्डर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. शर्मा, प्रदीप कुमार, एन.जेड. बाकर और आर.के. काले ने 28 से 29 नवम्बर 2008 तक गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित सोसायटी फार न्यूरोकेमिस्ट्री (इण्डिया) की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'मोलिक्युलर आस्पेक्ट्स आफ ब्रेन एजिंग ऐंड न्यूरोलाजिकल डिस्आर्डर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. मधुबाला ने 9–11 जुलाई 2008 को वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, मेचींगन में आयोजित 'पोलीएमाइन ऐंड पेरासाइट' विषयक गोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया।
- आर. मधुबाला ने 22 से 26 मार्च 2009 तक कालाराडो, यूएसए में आयोजित 'ड्रग्स ऐंड प्रोटोजोआन पैरासाइट' विषयक मुख्य संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- आर.पी. सिंह ने 1 मार्च 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित 'इंटरप्ले आफ केमिकल ऐंड बायोलाजिकल साइंसिस : इम्पैक्ट आन हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक 13वीं आईएससीबी के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 13 जनवरी 2009 को कोट्टायम, केरल में आयोजित 'कैंसर 2009' विषयक वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लिया।
- एस. गौरीनाथ, एस. कुमार ने 9 से 14 नवम्बर 2008 को एनसीएल, पुणे में आयोजित 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन मैक्रोमोलिक्युलर क्रस्टेलोग्राफी' विषयक इएमबीओ वर्ल्ड लैक्चर कोर्स में भाग लिया तथा 'कस्टल स्ट्रक्चर आफ कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन 1 फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका इन कम्पलेक्स विद फेनिलेलेनाइन : विजुअलाइजेशन आफ मोड आफ टार्गेट बाइंडिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. गौरीनाथ, सुधीर कुमार और एस. गौरीनाथ ने 11 से 13 फरवरी 2009 तक मैसूर में आयोजित 'क्रस्टेलोग्राफी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'क्रेस्टेलाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रेस्टेलोग्राफिक डाटा आफ सीरीन एसिटिलट्रांफ्रेस फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन. मण्डल ने 21 से 24 फरवरी 2009 तक आईआईएससी, बंगलौर द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग चैलेंजिस ऐंड अप्रोचिस इन कैंसर बायोलाजी' विषयक इण्डियन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च की 28वीं वार्षिक बैठक और अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.बी. टिक्कु ने 19 से 20 दिसम्बर 2008 तक 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एन. पुरी ने 12 से 14 दिसम्बर 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ लाइफ साइंसिस, भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की 'इंफेक्शन विद बीसीजी काजिस इन इन्फेमेट्री रिस्पांस इन लंग इपिवेलियल सेल्स' विषयक 35वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- एन. पुरी ने मार्च 2009 में जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'रोल आफ स्नार'स इन रेग्यूलेटिड एक्सोसाइटोसिस फ्राम मास्ट सेल्स रिवील्स हेट्रोजिनिटी इन मास्ट सेल सेक्रेटरी ग्रेनुलस' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- जे. पाल और सुरनजीत के प्रसाद ने 18 से 20 दिसम्बर 2008 तक बिट्स, पिलानी, गोवा कैम्पस में आयोजित एनवायरनमेंटल रिसर्च (आईसीईआर 08) की अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस में 'करेक्ट्राइजेशन आफ ए न्यू किमोलिथोयुटोट्रोफिक आर्सेनाइट आक्सिडाइजिंग बैक्टेरियम आइसोलेट फ्राम ए वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट' विषयक व्याख्यान दिया।
- जे. पाल, रेखा रानी और स्वेता श्रीवास्तव ने 23 से 25 मार्च 2009 तक डिपार्टमेंट आफ माइक्रोबायोलाजी ऐंड माइक्रोबायल टेक्नोलाजी, इलाहाबाद द्वारा आयोजित 'एन्टिमाइक्रोबायल रसिस्टेंस : फ्राम इमर्जिंग थ्रेट टु रिएल्टी' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'माड्युलेशन आफ रेजिडेंट फ्लोरा बाई मेट्रोनाइडेजोल ड्यूरिंग अमोइबाइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. प्रसाद ने 26 जून 2008 को आईआईएससी, बंगलौर में 'फंगल इंफैक्शंस इन इण्डिया : मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ इमर्जिंग एन्टिफंगल रसिस्टेंस' विषयक 16वां डा. जी.जे. राव स्मारक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 22 अगस्त 2008 को सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ एन्टिफंगल रसिस्टेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 2 से 8 सितम्बर 2008 तक ब्रागा, पुर्तगाल में 'यीस्ट ट्रांसपोर्ट ऐंड एनर्जेटिक्स (एसएमवाईटीई)' विषयक 26वीं बैठक में 'एमडीआरएलपी, ए एमएफएस मल्टिड्रग ट्रांसपोर्टस आफ ह्युमन पैथोजेनिक यीस्ट कैनडिडा अल्बिकेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 19 सितम्बर 2008 को नेशनल केमिकल लेबोरेट्री, पुणे में 'मल्टिड्रग रसिस्टेंस : फ्राम माइक्रोब्स टु मैन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 30 सितम्बर 2008 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी, रूड़की में 'एन्टिफंगल रसिस्टेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 16 अक्टूबर 2008 को इज्जतनगर, बरेली में 'मल्टिड्रग रसिस्टेंस : एन इमर्जिंग थ्रेट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 22 से 27 मार्च 2009 तक ग्लेवस्टोन, यूएसए में 'स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन एनालिसिस आफ कैनडिडा अल्बिकेंस सेकेंड्री मल्टिड्रग ट्रांसपोर्टर' विषयक व्याख्यान दिया।

- के.सी. उपाध्याय ने 28 अगस्त 2008 को एनबीआरआई, लखनऊ में 'प्लांट जिनोमिक्स' विषयक सीएसआईआर फाउंडेशन व्याख्यान दिया।
- के.सी. उपाध्याय ने 16 नवम्बर 2008 को फ्रेडरिक शिल्लर यूनिवर्सिटी, जैना, जर्मनी में 'प्लांट रेट्रोट्रांसपोसोंस : एजेंट्स आफ जिनोमिक रिस्ट्रक्चरिंग ऐंड इवोल्युशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.सी. उपाध्याय ने 26–27 फरवरी 2009 को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में (1) जिनोमिक्स और (2) प्लांट रेट्रोट्रांस्पोसोन्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- के.सी. उपाध्याय ने 20–21 मार्च 2009 को जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 'जीन्स ऐंड जिनोमिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. सक्सेना ने 21 अगस्त 2008 को यूएस एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी, रिसर्च ट्राइऐंगल पार्क, नार्थ कैरोलिना, यूएसए में 'डिपोजिशन ऐंड क्लियरेंस आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकल्स फ्राम नार्मोटेंसिव ऐंड स्पोंटेनिअसली हाइपरटेंसिव रैट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. सक्सेना ने 16 दिसम्बर 2008 को पर्यावरण विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इंटरएक्शंस आफ नैनो पार्टिकल्स विद लंग सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. सक्सेना ने दिसम्बर 2008 में बीएआरसी, मुम्बई में 'नैनो पार्टिकल्स ऐंड देयर इंटरएक्शंस विद सेल्स इन कल्चर' विषयक बीएआरसी लाइफ साइंस संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- आर.के. सक्सेना ने 27 मार्च 2009 को नेशनल यूनिवर्सिटी आफ एज्यूकेशनल प्लानिंग ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली में 'ड्राइनिंग इवोल्युशन ऐंड द फेट आफ ह्युमैनिटी' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 28 अप्रैल 2008 को नेशनल इंस्टीट्यूट फार रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव हैल्थ, मुम्बई में आयोजित 'जिनोटाइपिंग टेक्नीक्स इन क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स' विषयक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में 'डिसेक्टिंग कम्पलेक्स डिसीज्स इन पोस्ट जिनोमिक ईरा' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 23 अगस्त 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'ह्युमन्स ऐज जिनोटाइप्स मोसेइक्स शो डिफ्रेंसिअल इंटरएक्शन आफ द पथवे बायोलाजी जीन्स टु एक्सप्लेन कम्पलेक्स डिसीज फिनोटाइप्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 25 अक्टूबर 2008 को स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी, केआईआईटी, यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा में 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन बायोलाजिकल साइंसिस' विषयक तकनीकी सत्र–4 (जिनोमिक्स ऐंड प्रोटेओमिक्स) अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में जीन वैरिएशन इंटरएक्शन इन पोस्ट जिनोम वाइड स्टडीज टु अंडरस्टेंड कम्पलेक्स डिसीज्स विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 10 नवम्बर 2008 को डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ साइकोलाजी और एलाइड साइंसिस, डीआरडीओ, मिनिस्ट्री आफ डिफेंस, लखनऊ रोड, दिल्ली में 'द रिसेंट एडवांसिस इन जिनोमिक्स ऐंड प्रोटेओमिक्स रिसर्च' विषयक अनुवर्ती शिक्षा कार्यक्रम में 'रिसेंट एडवांसिस इन जिनोमिक्स ऐंड प्रोटेओमिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 13 नवम्बर 2008 को मणिपाल लाइफ साइंसिस सेंटर, मणिपाल यूनिवर्सिटी, मणिपाल में 'मांइटोकोड्रियाल रिसर्च ऐंड मेडिसिन' विषयक द्वितीय इण्डो–यूएस कार्यशाला में 'होल माइटोकोंड्रिया जिनोम स्टडीज इन नार्थ इण्डियन पाप्यूलेशन डायवर्सिटी ऐंड कम्पलेक्स डिसीज्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 29 जनवरी 2009 को सेंटर फार प्रोफेशनल डिवलपमेंट इन हायर एज्यूकेशन, डिपार्टमेंट आफ जूलाजी, यूनिवर्सिटी आफ दिल्लीद में 'जीवन विज्ञान' में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'डिटेक्शन आफ फंक्शनल वैरिएशंस इन ह्युमन जिनोम – ए की टु अंडरस्टेंडिंग डिसीज ससेप्टिबिलिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 13 फरवरी 2009 को कामिनेनी एज्यूकेशन सोसायटी, 103, कंचनजंगा, किंग कोटी रोड, अब्दिस, हैदराबाद में 'जिनेटिक ऐंड मोलिक्युलर डायग्नोसिस इन माडर्न मेडिसिन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिटेक्शन ऐंड अंडरस्टेंडिंग आफ डिसीज – बायोलाजी – कुसियल टु थेराप्युटिक इंटरवेंशन ऐंड प्रिवेंशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर.एन.के. बामजेई ने 13 फरवरी 2009 को कामिनेनी एज्यूकेशन सोसायटी, 103, कंचनजंगा, किंग कोटी रोड, अब्दिस, हैदराबाद में 'जिनेटिक ऐंड मोलिक्युलर डायग्नोसिस इन माडर्न मेडिसिन – (जीएमडीएमएम–09)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया तथा क्लिनिकल जिनेटिक ऐंड इपिजिनेटिक्स आस्पेक्ट्स आफ कैंसर' विषयक तीसरे सत्र की अध्यक्षता की।
- आर.एन.के. बामजेई ने 21 से 24 फरवरी 2009 तक नेशनल साइंस कम्पलेक्स, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर में इण्डियन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च के 28 वीं वार्षिक बैठक और 'इमर्जिंग चैलेंजिस ऐंड अप्रोचिस इन कैंसर बायोलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जीन वैरिएशन इंटरएक्शन ऐंड रीयल टाइम एक्सप्रेशन स्टडीज आफ द कैंडिडेट जीन एसोसिएटिड विद क्रोमेटिन डीएनए डैमेज रिस्पांस, अपोपटोसिस, इम्यून रिस्पांस ऐंड माइटोक्रोंड्रिया इन स्पोरडिक ब्रेस्ट कैंसर' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 21 से 24 फरवरी 2009 तक नेशनल साइंस सेमिनार कम्पलेक्स, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर में इण्डियन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च की 28वीं वार्षिक बैठक और 'इमर्जिंग चैलेंजिस ऐंड अप्रोचिस इन कैंसर बायोलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा (श्री सीताराम जोगलकर/श्रीमती मंगला बामने अवाडे) 8वें सत्र की अध्यक्षता की।
- आर.एन.के. बामजेई ने 17 से 20 मार्च 2009 तक 'ऐथिक्स, कल्चर ऐंड पाप्यूलेशन जिनोमिक्स' विषयक आईएसएचजी 2009 अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी और इण्डियन सोसायटी आफ ह्युमन जिनेटिक्स के 34वें वार्षिक सम्मेलन में 'इंटरएक्शन ऐंड रीयल टाइम एक्सप्रेशन आफ न्यूक्लियर कैंडिडेट जिनेस ऐंड माइटोकोंड्रियल जिनोम स्टडीज इन कम्पलेक्स जिनेटिक डिसीज्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एन.के. बामजेई ने 17 से 20 मार्च 2009 तक नई दिल्ली में 'ऐथिक्स, कल्चर ऐंड पाप्यूलेशन जिनोमिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी और इण्डियन सोसायटी आफ ह्युमन जिनेटिक्स के 34वें वार्षिक सम्मेलन में 'बायोएथिकल इश्यूज इन ह्यूमन जिनोम रिसर्च – इन द पर्सपेक्टिव आफ प्रिइम्प्लिमेंटेशन जिनेटिक डायग्नोसिस (पीआईजीडी)' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.के. यादव ने जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 'रि सिक्वेटिंग जिनोमिक्स : नेक्स्ट जीन सिक्वेंटिंग टेक्नोलाजीस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.के. यादव जनवरी 2009 में कमला नेहरू इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में 'थेराप्युटिक एप्लिकेशंस आफ न्युक्लिड एसिड्स' विषयक प्रमोद यादव फाउंडर स्मारक व्याख्यान दिया।
- पी.के. यादव ने जनवरी 2009 में अकादमिक स्टाफ कालेज, लाइफ साइंसिस में 'रोल्स आफ आरएनए : प्रि ऐंड पोस्ट सेलुलर पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. मधुबाला ने 9 से 11 जुलाई 2008 तक वेने स्टेट यूनिवर्सिटी, मिचिगन में 'पालिएमाइन ऐंड पैरासाइट' विषयक बैठक में व्याख्यान दिया।
- आर. मधुबाला 22 से 26 मार्च 2009 तक कोलाराडो, यूएसए में 'ड्रग्स ऐंड प्रोटोजोआन पैरासाइट' विषयक संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एन.बी. सरीन ने प्लांट बायोटेक्नोलाजी, क्यूबा में इम्प्रूविंग एबिओटिक स्ट्रेस टालरेन्स ऐंड वैल्यु एडिशन इन प्लांट्स थ्रू मैनिपुलेशन आफ टोकोफेरल बायोसिंथेटिक पथवे' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. रथ ने अक्टूबर 2008 में स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी, बीएचयू में 'स्ट्रक्चर ऐंड आर्गेनाइजेशन आफ प्रोकारियोटिक ऐंड यूकारियोटिक जीन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. रथ ने अक्टूबर 2008 में स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी, बीएचयू में 'जीन एक्सप्रेशन ऐंड इट्स रेग्युलेशन इन यूकारियोटेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. नटराजन 3 दिसम्बर 2008 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 'इंटरएक्शन आफ ट्रांस्क्रिप्शन आफ फैक्टर्स विद द बेसल ट्रांस्क्रिप्शन मशीनरी ऐंड विद अदर रेग्यूलेट्री प्रोटीन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. नटराजन ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 'रोल आफ हिस्टोन मोडिफिकेशंस ऐंड क्रोमेटिन रिमाडलिंग इन रेग्युलेशन आफ ट्रांस्क्रिप्शन' विषयक व्याख्यान दिया।

- के. नटराजन ने 8 दिसम्बर 2008 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 'रेग्युलेशन आफ आरएनए प्रोसेसिंग : कैपिंग स्पिलिसिंग पालिएडिनाइलेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. नटराजन ने 25 मार्च 2009 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'मोलिक्युलर मेडिसिन ऐंड बायोटेक्नोलाजी' विषयक संगोष्ठी में 'जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग ऐज टूल फार फंक्शनल जिनोमिक्स इन यीस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. नन्दी ने 18 से 20 नवम्बर 2008 तक एसोसिएशन आफ माइक्रोबायोलाजिस्ट आफ इण्डिया द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'माइक्रोबायल बायोटेक्नोलाजी : डायवर्सिटी, जिनोमिक्स ऐंड मेटाजिनोमिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मोबाइल सिग्नल इन सिस्टेमिक एक्वायर्ड रसिस्टेंन्स ए कन्टिन्यूइंग क्वेस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. चक्रबर्ती 28 अक्टूबर 2008 को एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलाजी सेंटर, बुडापेस्ट, हंगरी में फूड–एन–सीओ प्रशिक्षण सत्र और सूचना दिवस के अवसर पर 'फूड, एग्रीकल्चर, फिशरीज ऐंड बायोटेक्नोलाजी लैण्डस्केप इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सिंह ने 1 मार्च 2009 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंटरप्ले आफ केमिकल ऐंड बायोलाजिकल साइंसिस : इम्पैक्ट आन हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक 13वें आईएससीबी की अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कीमोप्रिवेंशन आफ प्रोस्टेट ट्यूमर ग्रोथ ऐंड प्रोग्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सिंह ने 13 जनवरी 2009 को कोट्टायम, केरल में 'कैंसर 2009' विषयक वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लिया तथा 'एन्टिएंजिओजेनिक इंटरवेंशन आफ कैंसर बाई फाइटोकेमिकल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. गौरीनाथ 15 से 16 जनवरी 2009 तक बायोइंफार्मेटिक्स सेंटर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'एक्सप्लोरिंग प्रोटीन्स विद बायोइंफार्मेटिक्स' विषयक कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- एस. गौरीनाथ 12 से 13 मार्च 2009 तक बीटीआईएस डिस्ट्रिब्यूटिड इंफार्मेशन सब सेंटर में 'बायोइफार्मेटिक्स' विषयक अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- एन. मंडल ने 21 से 24 फरवरी 2009 तक इण्डियन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च की 28वीं वार्षिक बैठक और 'इमर्जिंग चैलेंजिस ऐड अप्रोचिस इन कैंसर बायोलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पी–53 ऐंड रिलेटिड जीन्स : ट्रांक्रिप्शनल एक्टिवेशन ऐंड माड्युलेशन इन कैंसर सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एल. पंवार ने मार्च 2008 में अमेरिकन सोसायटी फार माइक्रोबायोलाजी, न्यू जर्सी में आयोजित सम्मेलन में 'कैनडिडा ऐंड कैनडिडिआसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. झा ने डिमार्पमेंट आफ फिजिओथेरेपि, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।
- एन. पुरी ने 12 से 14 दिसम्बर 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ लाइफ साइंसिस, भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की 35वीं वार्षिक बैठक में 'डिस्टिंक्ट सेक्रेटरी ग्रेनुल सब्सेट्स इन मास्ट सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. जौहरी ने 2009 में रसायन शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'यूज आफ प्रोटेओमिक्स इन वैक्सीन डिवलपमेंट अगेंस्ट ग्रुप वी स्ट्रेपटोकोकस काजिंग मोरटेटिी इन इनफेन्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. जौहरी ने 2009 में पीडीएम कालेज आफ फार्मेसी, बहादुरगढ़ हरियाणा में 'यूज आफ अल्ट्रा लो साइज नैनो पार्टिकल्स फार द डायग्नोसिस आफ माइक्रोआर्गेनिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. जौहरी ने 2008 में ग्वालियर कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट, मध्य प्रदेश में 'यूज आफ नैनो टेक्नोलाजी इन ड्रग ऐंड जीन डिलीवरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन जेड बाकर ने कामिनेनी एज्यूकेशन सोसायटी, हैदराबाद में आयोजित 'जिनेटिक ऐंड मोलिक्युलर डायग्नोसिस इन माडर्न मेडिसिन (जीएमडीएमएम 2008)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्लुकोज होमिओस्टेसिस, इट्स रेग्यूलेशन ऐंड कंट्रोल इन डायबिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

- आर.के. सक्सेना, 9 जुलाई 2008 – 22 अगस्त 2008 के लिए यूएस एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी (ईपीए) रिसर्च ट्राइएंगल पार्क, नार्थ कैरोलिना, यूएसए में विजिटिंग साइंटिस्ट चुने गए।
- आर.के. सक्सेना, 1 अक्टूबर 2008 से प्रतिनियुक्ति पर न्यू साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली (सार्क देशों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय) में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) (अकादमिक ऐंड प्लानिंग) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर गए।
- पी.के. यादव, इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस, इलाहाबाद में उपाध्यक्ष चुने गए।
- पी.के. यादव, पीपल्स काउंसिल आफ एज्यूकेशन के संस्थापक सदस्य चुने गए।
- एन.बी सरीन ने क्यूबा में 'बायोटेक्नोलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।
- के. नटराजन अमेरिकन सोसायटी फार बायोकेमिस्ट्री और मोलिक्युलर बायोलाजी के पूर्णकालिक सदस्य चुने गए।
- ए.के. जौहरी को 2009 में हारवर्ड यूनिवर्सिटी और टफ्ट्स यूनिवर्सिटी में कार्य करने के लिए डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, भारत सरकार, बायोटेक्नोलाजी ओवरसीज फेलोशिप 2008–09 प्राप्त हुई।
- जे. पाल को गुवानाजुआटो, मैक्सिको में XVI सेमिनारिओ सोबरो एम्बियासिस 2009 और ईएमबीओ वर्कशाप की एम्बियासिस की बैठक में भाग लेने के लिए ईएमबीओ फेलोशिप प्राप्त हुई।
- आर. मधुबाला, सीटल बायोमेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूटी, सीटल, यूएसए में एफिलिएट साइंटिस्ट नियुक्त की गईं।
- आर. मधुबाला 2009 में इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस, बैंगलौर की सदस्य चुनी गईं।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. प्रसाद, क्षेत्रीय सम्पादक, जर्नल आफ बायोलाजिकल साइंसिस; क्षेत्रीय सम्पादक, माइकोपैथोलाजिया; सदस्य सम्पादकीय मण्डल, एफईएमएस यीस्ट रिसर्च; सदस्य, अकादमिक समिति, इमटैक, चण्डीगढ़; सदस्य, अकादमिक समिति, सीमेप, लखनऊ; सदस्य, अकादमिक समिति, आईसीजीबी, नई दिल्ली; सदस्य अकादमिक समिति, एनआईआई, नई दिल्ली; सदस्य शासी परिषद, द इंस्टीट्यूट आफ लिवर ऐंड बाइलरी साइंसिस (आईएलएसबी) और सदस्य, शासी परिषद, अम्बेदकर इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- के.सी. उपाध्याय, सदस्य विद्या परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, एमपी स्टेट बायोडाइवर्सिटी बोर्ड, भोपाल; सदस्य, अध्ययन मण्डल, जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय; सदस्य अध्ययन मण्डल, जीवन विज्ञान संस्थान, हैदराबाद विश्वविद्यालय; सदस्य, सलाहाकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय; सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी सलाहकार समिति और अध्ययन मण्डल; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, सदस्य अध्ययन मण्डल और शोध सलाहकार समिति, इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबायल टेक्नोलाजी एमिटी यूनिवर्सिटी; और सदस्य, अकादमिक समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ प्लांट जिनोम रिसर्च, नई दिल्ली; और इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबायल टेक्नोलाजी, चण्डीगढ़।
- आर.एन.के. बामजेई, सदस्य, कार्य परिषद, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, पाण्डिचेरी; सदस्य, विद्या परिषद, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय; प्रवर रूरल यूनिवर्सिटी (पूर्व में प्रवर इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसिस के नाम से), लोनी अहमदनगर, महाराष्ट्र; संकाय सदस्य, फैकल्टी आफ इंटर डिसिप्लिनरी ऐंड एप्लाइड साइंसिस, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली, साउथ कैम्पस, नई दिल्ली; सदस्य, रैपिड ग्रांट फार यंग इनवेस्टिगेटर्स–इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च कमेटी, डीबीटी; सदस्य, संवीक्षा समिति, विशेष सहायता कार्यक्रम (यूजीसी एसएपी) हैदराबाद विश्वविद्यालय; सदस्य, सलाहकार मण्डल, विशेष सहायता कार्यक्रम (यूजीसी – एसएपी); जम्मू विश्वविद्यालय; श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, आईआईएससी बंगलौर, मद्रास विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार; सदस्य, विषय विशेषज्ञ जीवन विज्ञान, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; प्राणी विज्ञान विभाग, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (चयन समिति); सदस्य, योजना व प्रबन्धन मण्डल, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ; सदस्य, क्वेनिक्वेनियल रिव्यू टीम (आईसीएआर) – नेशनल ब्यूरो आफ एनीमल जिनेटिक रिसोर्सिस, करनाल; सदस्य, एथिक्स कमेटी एस्कोर्ट हर्ट इंस्टीट्यूट ऐंड रिसर्च सेंटर; पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, पुणे विश्वविद्यालय, मनोनमणियम सुन्दरनर विश्वविद्यालय की 11वीं पंचवर्षीय योजना की संवीक्षा के लिए गठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति के सदस्य;

विश्वविद्यालय के लिए दक्षता सम्पन्न – मद्रास विश्वविद्यालय के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य; विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन केन्द्र जैसे – पुणे विश्वविद्यालय, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय; बृहत और लघु शोध परियोजनाओं के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शोध निधि परिषद हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य; विशेषज्ञ सदस्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों में गठित सलाहकार समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग – ज्ञान एवं शिक्षण की वर्तमान स्थिति के लिए विज्ञान शिक्षकों के साथ विचारों के आदान–प्रदान हेतु गठित संवीक्षा समिति; विशेषज्ञ सदस्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों में गठित अध्ययन मण्डल; जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू विश्वविद्यालय; डिपार्टमेंट आफ मोलिक्युलर ऐंड ह्युमन जिनेटिक्स, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय; मानव अनुवंशिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय; विशेषज्ञ सदस्य, नियंत्रण मण्डल, मानव अनुवंशिकी विभाग, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव हैल्थ मुम्बई; और सदस्य, एथिकल कमेटी (आईईआरबी, जेएनयू); अध्यक्ष संचालन समिति, जेएनयू कोर्ट के सदस्य, सदस्य, विद्या परिषद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय।

- पी.के. यादव, रेफरी, जैव प्रौद्योगिकी के लिए पाठ्यक्रम विकास समिति, आसाम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर; सदस्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान के लिए गठित पाठ्यक्रम विकास समिति, सिक्किम विश्वविद्यालय; सदस्य, अध्ययन मण्डल, जीव विज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय; सदस्य, शोध अध्ययन मण्डल, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर; सदस्य, शोध अध्ययन मण्डल, जीवन विज्ञान संस्थान, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी में विशेष सहायता कार्यक्रम के लिए गठित समीक्षा समिति; पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़; रेफरी, युवा विज्ञानी पुरस्कार के लिए गठित विज्ञान और प्रौद्योगिकी की जम्मू और कश्मीर की परिषद; सदस्य, चयन समिति, जीवन विज्ञान संस्थान, हैदराबाद विश्वविद्यालय; सदस्य, चयन समिति, जीवन विज्ञान, एनआईएसईआर, भुवनेश्वर; सदस्य, चयन समिति, आसाम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर; सदस्य, चयन समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यलय, और सदस्य, चयन समिति, जीवन विज्ञान संस्थान, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक।
- एन.बी. सरीन, सदस्य, क्राप साइंसिस सोसायटी आफ अमेरिका।
- पी.सी. रथ, गोष्ठी सलाहकार समिति, सदस्य, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि प्रवर्तन परियोजना, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल।
- के. नटराजन, डाक्टरल समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी।
- ए.के. नन्दी, सम्पादकीय सदस्य, इण्डियन जर्नल आफ माइक्रोबायोलाजी, 2008 से।
- ए.के. सक्सेना, सदस्य, अमेरिकन क्रिस्टेलोग्राफिक एसोसिएशन; और अमेरिकन सोसायटी आफ बायोकेमिस्ट्री ऐंड मोलिक्युलर बायोलाजी।
- एस. सरन, आजीवन सदस्य, आल इण्डिया सेल बायोलाजी ग्रुप; और आजीवन सदस्य, आल इण्डिया जीरोन्टोलाजी ग्रुप।
- आर.पी. सिंह, सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल, बायोसाइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी (2008); सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल, मेडिकल साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी (2008); और सदस्य, सम्पादक मण्डल इंटरनेशनल जर्नल, लाइफ साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी (2008)।
- एस.के. झा, सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल, लाइफ साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी; सदस्य, सम्पादक मण्डल इंटरनेशनल जर्नल, बायो साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी; सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल, बायोसाइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी; सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल बायोलाजिकल साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजी; सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल बायो साइंसिस, साइकेट्री ऐंड टेक्नोलाजी; और सदस्य, सम्पादक मण्डल इंटरनेशनल जर्नल, बायोसाइंसिस, अल्टरनेटिव ऐंड होलिस्टिक मेडिसिन।
- ए.के. जौहरी, सदस्य, अमेरिकन सोसायटी फार माइक्रोबायोलाजिस्ट्स आफ इण्डिया; सदस्य, कार्य समिति, एसोसिएशन आफ माइक्रोबायोलाजिस्ट्स आफ इण्डिया 2008, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007; और सदस्य, कार्य समिति, इंटरनेशनल कैंसर सिम्पोजियम, जेएनयू 2008
- एन.जेड. बाकर, एचएलए प्रोफाइलिंग आफ राइका कम्यूनिटी इन राजस्थान, 2 फरवरी 2009; सदस्य, विद्या परिषद, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, दो वर्ष के लिए मार्च 2008 में नामित; और सदस्य अध्ययन समिति, सेंटर फार फिजिओथेरपि ऐंड रिहेबिलिटेशन साइंसिस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

भौतिक विज्ञान संस्थान

भौतिक विज्ञान संस्थान भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में भारत का शोध एवं शिक्षण का एक विशिष्ट विभाग है। संस्थान के शिक्षकों ने भौतिक विज्ञान के परम्परागत क्षेत्रों के अतिरिक्त, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के अन्तर–विषयक क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्थान की शोध गतिविधियाँ मुख्यतः थीअरिटीकल ऐंड एक्सपेरीमेंटल कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स ऑफ कंपलेक्स सिस्टम्स, नॉन–लिनियर डायनेमिक्स और क्वांटम आप्टिक्स के सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित रही हैं। हाल ही के वर्षों में नैनो मैटेरियल्स और नैनो टेक्नोलॉजी, बायो मैटेरियल्स और क्वांटम इफॉर्मेशन तथा इनसे संबंधित कई सीमांत क्षेत्रों में गहन शोध हुआ है। संस्थान के शिक्षक इन नए विकासों से अवगत है और उपरोक्त क्षेत्रों में बहुत सक्रिय है। इनके अतिरिक्त, भौतिक विज्ञान संस्थान में रसायन विज्ञान और गणित पर केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

संस्थान वर्तमान में केमिकल फिजिक्स, इनआर्गेनिक और फिजिकल केमिस्ट्री, कंप्यूटेशनल फिअजिक्स, कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, डिस्आर्डर्ड सिस्टम्स, ग्रेनुलर मैटेरियल्स, मैथमेटिकल फिजिक्स, नान–इक्विलिब्रियम स्टेटिस्टिकल मकेनिक्स, नान–लीनियर डायनेमिक्स, प्रोबबिलिटी मीजर, क्वांटम केआस, क्वांटम आप्टिक्स, स्टेटिस्टिकल न्यूक्लियर फिजिक्स और स्ट्रिंग थीअरि जैसे विषयों के शोध पर बल देता है। प्रयोगात्मक क्षेत्रों में कम्पलेक्स फ्लुइड्स, सुपर मोलिक्युलर केमिस्ट्री, मैटेरियल्स साइंस, सुपर कंडक्टिविटी, मैग्नेटिज्म, नान–लीनियर आप्टिक्स, सेमिकंडक्टर्स, पालिमर्स ऐंड नैनोपार्टिकल फिजिक्स तथा बायो और नैनो–मैटेरिल्य में अल्ट्राफास फोटोफिजिकल प्रक्रिया के क्षेत्र शामिल हैं। संस्थान ने अब पीएचडी (भौतिकी विज्ञान/रसायन विज्ञान/गणितीय विज्ञान में और एम–एससी भौतिक विज्ञान) पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

संस्थान नवम्बर–दिसम्बर 2008 के दौरान जेएनयू के मुख्य अकादमिक परिसर में 40,000 स्क्वायर फिट फ्लोर क्षेत्र के नए भवन में स्थानान्तरित हो गया है और 6 जनवरी 2009 को नए भवन में शीतकालीन सत्र के लिए कक्षाएं शुरू हो गईं हैं।

सस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन

संस्थान ने 5–7 मार्च 2009 को अपने भवन में 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन क्वांटम कंडेंस्ड मेटर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

संस्थान में आए विद्वान

भौतिक विज्ञान संस्थान में पूरे विश्व से ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिक आते हैं और संस्थान में महत्त्वपूर्ण विषयों पर संगोष्ठियां आयोजित करना इसकी मुख्य विशेषता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान में आए भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के कुछ निम्नलिखित सुप्रसिद्ध विद्वान हैं :

- डान फ्रेंकल (यूनिवर्सिटी आफ कैम्ब्रिज), केम्ब्रिज
- शिवाजी सोंधी (प्रिन्सटन यूनिवर्सिटी)
- स्टिफन थीसेन (मैक्स प्लेंक इंस्टीट्यूट फार ग्रविटेशनल फिजिक्स – एल्बर्ट आइनस्टाइन इंस्टीट्यूट, गोल्म)
- डेविड टोंग (यूनिवर्सिटी आफ कैम्ब्रिज, कैम्ब्रिज, लन्दन)
- संजय रामगुलाम (क्वीन मैरी कालेज, लन्दन)
- स्टेफेनो कोवास (ट्रीन्टी कालेज, डब्लिन)
- राहुल बसु (इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल साइंसिस, चेन्नई)
- सुशान्त दत्तागुप्ता (आईआईएसईआर, कोलकाता)
- अजीत श्रीवास्तव (इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स, भुवनेश्वर)
- मार्को जेनेटी (यूनिवर्सिटी आफ सैलेरनो, सैलेरनो)
- मार्टिन मस्कोल (यूनिवर्सिटी आफ साउथ फ्लोरिडा)

और गणित विषय के निम्नलिखित विद्वान हैं :

- एस.जी. दानी (टाटा इंस्टीट्यूट आफ फण्डामेंटल रिसर्च, मुम्बई)
- इन्द्राणी बिश्वास (टाटा इंस्टीट्यूट आफ फण्डामेंटल रिसर्च, मुम्बई)
- आर्नाल्डो नोजुइरा (इंस्टीट्यू डे मैथमेटिग्यूस डे ल्यूमिनी, मार्सिलेस)
- चन्दन सिंह दलावत (हरीश चन्द्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद)

संस्थान ने क्वांटम फाउंडेशंस, क्वांटम आप्टिक्स ऐंड क्वांटम इंफार्मेशन विषयों पर साप्ताहिक जेएनयू संगोष्ठी श्रृंखला शुरू की है।

छात्रों की उपलब्धियां

- सुश्री जोई घोष, पीएचडी छात्रा, प्रोफेसर रूप मंजरी घोष के मार्गदर्शन में शोधरत, को 14 से 17 दिसम्बर 2008 तक आईआईटी, दिल्ली द्वारा हैबिटेट वर्ल्ड कंवेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित फोटोनिक्स–2008 के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इलैक्ट्रोमैग्नेटिकली इंडयूस्ड ट्रांसपरेंसी ऐंड स्लो लाइट इन द हाट वेपर आफ[4] ही अंडरगोइंग कोलिजिन्स' विषयक उत्कृष्ट आलेख प्रस्तुत करने के लिए अमेरिका की आप्टिकल सोसायटी द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण–पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।
- सुश्री डी श्रीकला, पीएचडी छात्रा, डा. सत्यब्रत पटनायक के मार्गदर्शन में शोधरत, को 16 से 21 दिसम्बर 2008 तक भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर, मुम्बई में आयोजित डीएई सालिड स्टेट फिजिक्स विषयक संगोष्ठी में सर्वोत्तम पोस्टर संगोष्ठी पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री सचिन देव वर्मा, पीएचडी छात्र, डा. सोभन सेन के मार्गदर्शन में शोधरत, को 7 से 24 मार्च 2009 तक टाटा इंस्टीट्यूट आफ फण्डामेंटल रिसर्च, मुम्बई में आयोजित एफसीएस–09 कार्यशाला में स्क्रेच से पूर्णतः फंक्शनल लेजर–बेस्ड फ्लोरेंस कोरिलेशन स्पेक्टोमीटर तैयार करने के लिए प्लोरसेंस कोरिलेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफसीएस) के इंवेंटर प्रोफेसर इलियट एल्सन, वाशिंग्टन यूनिवर्सिटी, यूएसए से प्रशंसा प्रमाण–पत्र प्राप्त हुआ।

संस्थान की शोध और शिक्षण उपलब्धियों को पर्याप्त रूप से मान्यता मिली है। संस्थान से डिग्री प्राप्त (प्री–पी–एच.डी./पी–एच.डी. और एम.एस–सी) छात्रों को महत्त्वपूर्ण पदों पर नौकरियाँ प्राप्त हुई हैं। कई शिक्षकों ने नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए हैं। संस्थान के शिक्षक और छात्रों के आलेख नियमित रूप से ख्यातिप्राप्त अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं। कुछ शिक्षकों ने प्रसिद्ध राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं और वे महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक अकादमियों में फेलो चुने गए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी संस्थान की शोध विशिष्टता को मान्यता प्रदान करते हुए वर्ष 1994 में शोध सहयोग विभाग (चरण– I) योजना के अन्तर्गत अनुदान मंजूर किया है। वर्ष 1999 में इस योजना का स्तर बढ़ा कर शो.स.वि. (चरण–II) और वर्ष 2004 में शो.स.वि. (चरण–III) कर दिया गया है। यह योजना वि.अ.आ.– कासिस्ट योजना के अन्तर्गत 2000–2004 तक चालू रही है। वि.अ.आ. की सहायता के अतिरिक्त, संस्थान को 'फिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से वर्ष 2002 और पुनः 2007 में वित्तीय अनुदान प्राप्त हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि संस्थान के शिक्षकों को डी.एस.टी., डी.बी.टी., सी.एस.आई.आर. आदि से शोध परियोजनाओं के माध्यम से पर्याप्त रूप में व्यक्तिगत स्तर पर भी अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- शंकर पी. दास ने जेम्स फ्रेंक इंस्टीट्यूट, द यूनिवर्सिटी आफ शिकागो, शिकागो, इलिनोइस, यूएसए में आयोजित 'ग्लास ट्रांजिशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नान–इक्विलिब्रियम डायनेमिक्स आफ अमोरफस सालिड्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- शंकर पी. दास ने नवम्बर 2008 में युकुवा इंस्टीट्यूट, क्योटो, जापान में आयोजित 'यूनिफाइंग कंसेप्ट्स इन ग्लास फिजिक्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा नानइक्विलिब्रियम डायनेमिक्स आफ अमोरफस सालिड्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 30 जून 2008 को आईयूएसी, नई दिल्ली में आयोजित 'स्कूल आन आप्टिकल करेक्ट्राइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नानलिनियर आप्टिक्स विद फोटोनिक क्रस्टल्स' और 'मेकिंग आपेक मैटेरिअल्स ट्रांसपैरेंट यूजिंग नानलिनियर आप्टिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 20 सितम्बर 2008 को जेपी इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलाजी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित 'फंडामेंटल्स ऐंड एप्लिकेशंस आफ आप्टिक्स' विषयक कार्यशाला में 'क्वांटम आप्टिक्स : वाई ऐंड हाऊ' विषयक व्याख्यान दिया तथा एसजीटीबी खालसा कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन फिजिक्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 7 से 10 जनवरी 2009 तक दिल्ली में आयोजित 'लेस्टिक' विषयक राष्ट्रीय लेजर संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मैन्युपुलेटिंग लेजर नाइज' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 17 से 18 जनवरी 2009 तक विश्व भारती शांति निकेतन में आयोजित 'मैटेरियल्स रिसर्च विद फ्रंटियर स्टेट आफ आर्ट फैसिलिटीज' विषयक बैठक में भाग लिया तथा 'कंट्रोलिंग मैटेरियल्स प्रापर्टीज विद लाइट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 10 से 13 फरवरी 2009 तक इंटर यूनिवर्सिटी एक्सिलरेटर सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'स्टामिक ऐंड

मोलिक्युलर फिजिक्स' विषयक 17वें डीएईवीआरएनएस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कोहरन्ट आप्टिकल मैनिपुलेशन इन थ्री लेवल एटामिक इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- एस. घोष ने 12 से 14 मार्च 2009 तक एस एन बोस सेंटर फार बेसिक्स साइंसिस, कोलकाता में आयोजित नैनो मिशन डीएसटी की राष्ट्रीय संवीक्षा और समन्वयन बैठक 2009 में भाग लिया तथा 'फैब्रिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ मोलिक्युल बेस्ट नैनोस्ट्रक्चर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने 22 से 23 दिसम्बर 2008 तक आईआईटी, दिल्ली में आयोजित 'सेंसर्स' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला और परिचर्या बैठक में भाग लिया तथा 'सिंगल आर्गेनिक मोलिक्युल बेस्ड नैनोसेंसर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने 4 अप्रैल 2008 को आईआईटी, दिल्ली में आयोजित रेसोनेन्स–08 में भाग लिया तथा 'फर्स्ट स्टेप टुवर्डस नैनोइलेक्ट्रानिक्स : नैनो डिवाइसिस यूजिंग आर्गेनिक मोलिक्यूल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. घोषाल ने 2 से 30 जून 2008 तक टाटा इंस्टीट्यूट आफ फण्डामेंटल रिसर्च, मुम्बई में आयोजित 'स्ट्रिंग थीअरि' विषयक मानसून कार्यशाला में भाग लिया।
- डी. घोषाल ने 1 से 2 नवम्बर 2008 तक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'न्यू ट्रेन्ड्स इन फील्ड थीअरि' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- डी. घोषाल ने 6 से 13 दिसम्बर 2008 तक पाण्डिचेरी में आयोजित 'इण्डियन स्ट्रिंग्स' विषयक आईएसएमओ–08 की बैठक में भाग लिया।
- डी. घोषाल ने 21 से 22 जनवरी 2009 तक भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'थर्ड इण्डियन नेशनल फ्रंटियर्स आफ साइंस' संगोष्ठी में भाग लिया।
- बृजेश कुमार ने 9 से 22 दिसम्बर 2008 तक इंटरनेशनल सेंटर फार थीअरेटिकल साइंसिस, टीआईएफआर, मुम्बई के तत्वावधान में महाबलेश्वर में आयोजित 'इण्डियन कंडेस्ड मैटर' कार्यशाला में भाग लिया।
- बृजेश कुमार ने 17 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2008 तक आईएमएससी, चेन्नई में आयोजित 'इंनटेगलमेंट इन क्वांटम कंडेंस्ड मैटर सिस्टम्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 9 से 10 नवम्बर 2008 तक आईआईटी, मद्रास में आयोजित 'द स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ स्माल सिस्टम्स' विषयक इण्डो–बेल्जियम संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द डिफ्यूजन आफ इंटरएक्टिंग पार्टिकल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 1 से 2 दिसम्बर 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल साइंसिस, चेन्नई में आयोजित के.एस. कृष्णन वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'क्वांटम इंफार्मेशन प्रोसेसिंग यूजिंग इलैक्ट्रोमैग्नेटिकली इंडयूस्ड ट्रांसपेरेंसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी. मोहन्ती, एम.के. जैसवाल और डी. कांजीलाल ने 25 से 28 फरवरी 2009 तक तंजावुर (भारत) में आयोजित 'फोटोनिक्स नैनोटेक्नोलाजी ऐंड कंप्यूटर एप्लिकेशंस (आईसीओपीएनएसी–2009)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'आप्टिकल चेन्जस इन मेटल आक्साइड थिन फिल्म्स अंडर डेन्स इलैक्ट्रानिक एक्साइटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी. मोहन्ती, एम.के. जैसवाल और डी कांजीलाल ने 18 से 20 नवम्बर 2008 तक एनपीएल, नई दिल्ली में आयोजित 'स्टेट आफ मैटेरियल्स रिसर्च ऐंड न्यू ट्रेन्ड्स इन मैटेरियल साइंस' विषयक चौदहवीं एशिया पेस्फिक अकादमी आफ मैटेरियल्स के सम्मेलन, प्राब्लम्स आफ नैनो साइंस ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'फार्मेशन आफ कंट्रोल्ड टिन आक्साइड नैनोस्ट्रक्चर्स बाई आयन बम्बार्डमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी. मोहन्ती एम.के. जैसवाल, ए. त्रिपाठी और कांजीलाल ने 24 से 25 अक्टूबर 2008 तक हिसार, हरियाणा में आयोजित 'फोनेटिक्स ऐंड मैटेरियल्स साइंस (एनसीपीएमएस–2008)' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फ्लुएन्स डिपेंडेंट मोडिफिकेशन इन मार्फोलाजी आफ टिन नैनोक्रस्टल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. मुखोपाध्याय और एम.आर. अजयकुमार ने 6 से 8 फरवरी 2009 तक 'केमिस्ट्री' विषयक 11वें सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेफ्थालिन – बाइस – हाइड्राजिमिड : आईसीटी ऐंड रेडिकल एनिअन्स ऐज बाइमाडल प्रोब्स फार कोलोरिमेट्रिक सेंसिंग आफ एमिनीज' शीर्षक पोस्टर आलेख प्रस्तुत किया।

- एस.एस.एन. मूर्ति ने 6 से 8 नवम्बर 2008 तक थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला में आयोजित 'फेरोइलैक्ट्रानिक्स ऐंड डाइलैक्ट्रिक (XV)' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- एस. पटनायक ने 9 से 11 जनवरी 2009 तक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित 'मेसोजेनिक ऐंड फेरोइक मैटेरिल्स' अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मल्टिफेरोसिटी इन स्पिन फ्रस्टेटिड बीआई$_2$ एफई$_4$ ओ$_9$ ऐंड एनआई$_3$ बी$_2$ ओ$_8$' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पटनायक ने 22 से 24 फरवरी 2009 तक एस एन बोस नेशनल सेंटर फार बेसिक साइंसिस, कोलकाता में आयोजित 'फिजिक्स ऐंड केमिस्ट्री आफ आक्साइड्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग यिा तथा 'अपर क्रिटिकल फील्ड, सुपरकंडक्टिंग एनर्जी गैप्स, सीबैक ऐंउ हाल कोइफिसिएन्ट इन आक्सिप्निकसाइड सुपरकंडक्टर्स : ए कम्पैरिजन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पटनायक ने 6 से 7 मार्च 2009 तक सीएसआर इन्दौर में आयोजित 'लो टेम्प्रेचर हाई मैग्नेटिक फील्ड मेजरमेंट्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'करंट ट्रेंड्स इन मैटेरियल साइंस ऐट लो टेम्प्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने जुलाई 2008 में काठमाण्डु, नेपाल में आयोजित 'पोस्टग्रेजुएट टीचिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'टीचिंग स्टेटिस्टिकल फिजिक्स ऐंड मैथमेटिकल फिजिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने नवम्बर 2008 में जफात, इजराइल में आयोजित 'कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स' विषयक चौथे इण्डो–इजराइली सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कूलिंग इन फ्रीली–इवाल्विंग ग्रेनुलर गैसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने नवम्बर 2008 में डायनेमिक्स डे दिल्ली, नई दिल्ली में आयोजित 'कूलिंग इन फ्रीली –इवोल्विंग ग्रेनुलर गैसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने जनवरी 2009 में वाराणसी में आयोजित 'डिस्आर्डर, कम्पलेक्सिटी ऐंड बायोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'काइनेटिक्स आफ कूलिंग इन ग्रेनुलर गैसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने फरवरी 2009 में नई दिल्ली में आयोजित साइंस फैस्टिवल 2009 में भाग लिया तथा 'पैटर्न फार्मेशन इन फिजिकल सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने अक्टूबर 2008 में इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी एजेन्सी, वियना, आस्ट्रिया में आयोजित 'फिसिल मैटेरियल (कटआफ) ट्रीटी, स्कोप ऐंड वैरिफिकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 22 से 25 अक्टूबर 2008 तक बीजिंग, चीन में आयोजित 'फिसिल मैटेरियल्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय पैनल की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'द फ्युचर आफ आईपीएफएम' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- आर. राजारमण ने 26 से 31 अक्टूबर 2008 तक किंगडाओ, चीन में आयोजित 'सिक्युरिटी' विषयक 11वीं पीआईसीसी बीजिंग संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'न्यूक्लियर नान–प्रालिफरेशन : रीजनल साल्युशंस ऐंड डिलेमास' विषयक सत्र की अध्यक्षता की 'द न्यू प्रोमाइज आफ ए न्यूक्लियर वेपन फ्री वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 6 से 7 दिसम्बर 2008 तक कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित 'न्यूक्लियर बम्बस ऐंड न्यूक्लियर वेपन्स' इण्डिया–चीन–पाकिस्तान की त्रिपक्षीय वार्ता में भाग लिया तथा 'फिसिल मैटेरियल (कटआफ) ट्रीटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 8 से 9 दिसम्बर 2008 तक कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित 'इण्डिया–पाकिस्तान सिमुलेशन जैम एक्सरसाइज' विषयक शांति वार्ता बैठक में भाग लिया।
- आर. राजारमण ने 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2008 तक आईआईटी, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यूक्लियर एनर्जी : करंट स्टेट्स ऐंड फ्युचर प्रास्पेक्ट्स' विषयक 74वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'द इण्डियन अकादमी आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 29 दिसम्बर 2008 को उदयपुर में आयोजित द इण्डियन इकोनामिक्स एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'द इण्डो–यूएस न्यूक्लियर एग्रीमेंट ऐंड इट्स रैमिफिकेशंस' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 17 से 22 जुलाई 2008 तक बंगलौर में आयोजित 'नान–लीनियर डायनेमिकल सिस्टम्स ऐंड टब्युलेंस' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एम्पिलिट्युड डैथ इन कपल्ड नानलीनियर सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर. रामास्वामी ने 9 नवम्बर 2008 को चेन्नई में आयोजित 'द स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ स्माल सिस्टम्स' विषयक इण्डो–बेल्जियम सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सिंक्रोनी इन स्टोकेस्टिक प्रोसेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 15 नवम्बर 2008 को दिल्ली में आयोजित डायनेमिक्स दिवस पर 'पैरामीटर सेंसिटिविटी एक्सपोनेंट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर. रामास्वामी ने 18 नवम्बर 2008 को कल्याणी में आयोजित 'सिस्टम्स बायोलाजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इंट्रोडक्शन टु सिस्टम्स ऐंड क्वांटिटेटिव बायोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 5 दिसम्बर 2008 को बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित 'स्टोकेस्टिक सिमुलेशन आफ एमआईआरएनए रेग्युलेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर. रामास्वामी ने 5 जनवरी 2009 को वाराणसी में आयोजित डिस्काम्ब II के 'इंटरसेलुर सिंक्रोनाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर. रामास्वामी ने 19 जनवरी 2009 को बंगलौर में आयोजित 'स्टोकेस्टिक केमिकल काइनेटिक्स' थीअरेटिकल केमिस्ट्री संगोष्ठी 2009 में भाग लिया।
- ए. सेन डे. ने 5 से 7 मार्च 2009 तक आयोजित 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन क्वांटम कंडेस्ड मैटर' विषयक एसपीएस संगोष्ठी 2009 में भाग लिया तथा 'एरिया ला ऐंड क्वांटम स्पिन माडल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सेन और एस.डी. वर्मा ने 7 से 24 मार्च 2009 तक टीआईएफआर, मुम्बई द्वारा भौतिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'प्लोरसेन्स कोरिलेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफसीएस) विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा स्क्रेच से एफसीएस स्थापित करने के लिए इस कार्यशाला को चुना।
- एस. सेन ने 5 से 7 जनवरी 2009 तक एआईएफ, जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'एडवांस्ड एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन ऐंड एप्लिकेशंस' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इट्स आल एबाउट अल्ट्राफास्ट फ्लोरसेन्स स्पेक्ट्रोस्कोपी : एप्लिकेशंस इन डीएनए ऐंड लिपिड वेसिल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. शाह ने 15 से 19 दिसम्बर 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल साइंसिस (आईएमएससी), चैन्नई में आयोजित इंडो–फ्रेंच सम्मेलन में भाग लिया।
- आर शाह ने 16 से 20 मार्च 2009 तक हरीश चन्द्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद में आयोजित 'मैथमेटिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- एच बी बोहिदार ने 17 से 19 फरवरी 2009 तक मणिपुर विश्वविद्यालय में आयोजित 'साफ्ट कंडेंस्ड मैटर सिस्टम्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'यूनिवर्सल ग्रोथ आफ माइक्रो–डोमेन्स इन जेलिंग सोल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- शंकर पी दास ने अप्रैल 2008 में भौतिक विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 'टाइम कोरिलेशंस इन डेन्स फ्लुइड्स ऐंड एजिंग बिहेवियर' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुभाशीष घोष ने 10 से 12 फरवरी 2009 तक शाह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में 'मल्टिफंक्शनल डिवाइसिस बेस्ड आन आर्गेनिक सेमिकंडक्टर्स' विषयक 2009 एमआरएसआई मेडल व्याख्यान दिया।
- सुभाशीष घोष ने 2 सितम्बर 2008 को शाह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स में 'फिजिक्स ऐंड टेक्नोलाजी (मल्टिफंक्शनल डिवाइस) आफ आर्गेनिक सेमिकंडक्चर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. घोषाल ने 2 नवम्बर 2008 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'न्यू फ्रेन्ड्स इन फील्ड थीअरि' विषयक सम्मेलन में 'करेक्टर्स आफ लोगारिथमिक कनफर्मल फील्ड थीअरीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. घोषाल ने 11 नवम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी आफ बान, बान, जर्मनी में 'कंटूर इंट्रिगलफार करेक्टर्स आफ लागेरिथिक सीएफटीएस' विषयक तथा 24 मार्च 2009 को एसएन बोस नेशनल सेंटर फार बेसिक साइंसिस, कोलकाता में व्याख्यान दिए।
- डी. घोषाल ने 26 मार्च 2009 को आईआईटी, मद्रास में और 27 मार्च 2009 को शाह इंस्टीट्यूट फार न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में 'ट्रेवलिंग फ्रंट आफ द डिकेइंग ब्रेन' विषयक व्याख्यान दिए।

- बृजेश कुमार ने महाबलेश्वर में इण्डियन कंडेस्ड मैटर (आईसीएमडब्ल्यु 08) की कार्यशाला में 'न्यू अप्रोच टु द हबर्ड माडल' विषयक व्याख्यान दिया।
- बृजेश कुमार ने चेन्नई में आयोजित 'इनटेंगलमेंट इन क्वांटम कंडेस्ड मैटर सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 15 से 18 दिसम्बर 2008 तक एस एन बोस सेंटर फार बेसिक साइंसिस, कोलकाता में 'इलैक्ट्रानिक ट्रांसपोर्ट इन डिस्आर्डर सिस्टम्स' विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- टी. मोहन्ती ने भुवनेश्वर, भारत में आयोजित 'फंक्शनल मैटेरियल्स : फ्युचर डायरेक्शंस' विषयक यूजीसी–डीआरएस की संगोष्ठी में 'नैनोटेक्नोलाजी फार द एनवायरनमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी. मोहन्ती ने 26 फरवरी से 1 मार्च 2009 तक भुवनेश्वर में आयोजित 'नैनोस्ट्रक्चरिंग आन आयन बीम्स' विषयक इण्डो–फ्रेंच सम्मेलन में 'आयन इंफ्लुएन्स इंडयूस्ड रेजिंग आफ सेमिकंडक्टिंग आक्साइड नैनोक्रिस्टेलिन थिन फिल्मस्' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी. मोहन्ती ने 31 मार्च से 4 अप्रैल 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स, भुवनेश्वर, भारत में आयोजित 'मैटेरियल्स करेक्ट्राइजेशन ऐंड सर्फेस मोडिफिकेशन इन रिसर्च ऐंड इंडस्ट्री यूजिंग आयन एक्सिलरेटर्स' विषयक डीएईबीआरएनएस द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी व कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- पी. मुखोपाध्याय ने 26 नवम्बर 2008 को रसायन शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'नैपथालिनिडिमाइड ऐज ए बिल्डिंग ब्लाक टुवर्डस मोलिक्युलर सेंसर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. मुखोपाध्याय ने 5 जुलाई 2008 को आईआईएससी बंगलौर में इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस की 19वीं अर्धवार्षिक बैठक में 'सेल्फ असेम्बली प्रोसिस इन आर्गेनोजिल ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पटनायक ने 6 से 19 सितम्बर 2008 तक इंटर यूनिवर्सिटी एक्सिलरेटर सेंटर, नई दिल्ली में 'इंट्रोडक्शन टु एप्लाइड सुपरकंडिक्टविटी' विषयक 10 व्याख्यान दिए।
- एस. पुरी ने अगस्त 2008 में भौतिक विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'पैटर्न फार्मेशन इन द काइनेटिक्स आफ फेज ट्रांजिशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने सितम्बर 2008 में जवाहरलाल नेहरू सेंटर फार एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर में 'पैटर्न फार्मेशन इन द काइनेटिक्स आफ फेज टांजिशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 13 मार्च 2009 को इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ एस्ट्रोफिजिक्स बंगलौर में आयोजित संगोष्ठी में 'हंस अल्ब्रेचिट बेथ : ए गेन्ट इन फिजिक्स ऐंड ए स्टेट्समैन इन न्यूक्लियर डिस्आर्मामेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 17 नवम्बर 2008 को इंस्टीट्यूट फार डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यूक्लियर इश्यूज' विषयक आईपीसीएस–आईडीएसए की कार्यशाला में 'बेसिक्स आफ न्यूक्लियर रिएक्टिर्स ऐंड देयर फ्युल' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 19 नवम्बर 2008 को इंस्टीट्यूट आफ डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यूक्लियर इश्यूज' विषयक आईपीसीएस–आईडीएसए की कार्यशाला में 'इण्डो–यूएस न्यूक्लियर डील' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 20 मई 2008 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'अहमादिनेजाद विजिट्स हिज सेंट्रिफ्ग्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 18 अगस्त 2008 को इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में 'न्यूक्लियर वेपन्स ऐंड टेररिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 7 अक्टूबर 2008 को टोकियो विश्वविद्यालय में 'रूट्स आफ जेनरेलाइज्ड सिक्रोनी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 8 अक्टूबर 2008 को टोकियो विश्वविद्यालय में 'सिंक्रोनाइजेशन आफ जिनेटिक ओसिलेटर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 8 अक्टूबर 2008 को टोकियो विश्वविद्यालय में 'इंट्रोडक्शन टु बायोलाजिकल सिक्वेंस एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर. रामास्वामी ने 4 दिसम्बर 2008 को शाह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में 'द टेलर एक्सपेरिमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 12 दिसम्बर 2008 को वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली में 'इंट्रोडक्शन टु नानलीनियरिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 15 दिसम्बर 2008 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इंट्रोडक्शन टु नानलिनियरिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 2 से 5 फरवरी 2009 तक एसिईआरसी स्कूल गुवाहटी में 'इंट्रोडक्शन टु केआस' विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- ए. सेन डे ने 30 दिसम्बर 2008 को जवाहरलाल नेहरू सेंटर फार एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर में 'वाट इन क्वांटम कोरिलेशन ? वाट आर इट्स इंप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सेन ने 10 मार्च 2008 को टीआईएफआर, मुम्बई में आयोजित 'फ्लोरसेसेंस कोरिलेशन स्पैक्ट्रोस्कोपी (एफसीएस)' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इट्स आल एबाउट अल्ट्राफास्ट फ्लोरसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी : एप्लिकेशंस इन डीएनए ऐंड लिपिड वेसिल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. शाह ने 15 जुलाई 2008 को इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, बंगलौर में आयोजित संगोष्ठी में 'इम्बेडिंग लिमिट्स आफ ट्राइएंगुलर सिस्टम्स आफ प्रोबेबिलिटी मेजर्स आन लोकली कम्पैक्ट ग्रुप्स' विषयक व्याख्या दिया।
- आर. शाह ने 26 नवम्बर 2008 को इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में 'डिस्टल एक्शंस आन ग्रुप्स ऐंड शिफ्टिड कन्वोल्युशन प्रापर्टी आफ प्रोबेबिलिटी मीजर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. शाह ने 16 से 20 मार्च 2009 तक हरीश चन्द्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद में आयोजित 'मैथमेटिक्स–2009' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिस्टल एक्शंस आन ग्रुप्स' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

- सुभाशीष घोष, एमआरएसआई मेडल, 2009
- बृजेश कुमार को साइंटिस्ट्स–2009 के लिए इंशा मेडल प्राप्त हुआ (दिसम्बर 2009 में प्रदान किया जाना है)
- बृजेश कुमार, इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस, बंगलौर के एसोसिएट चुने गए।
- पी. मुखोपाध्याय, इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस, बंगलौर के एसोसिएट चुने गए।
- एस. पटनायक को 2008 में स्कोप्स यंग साइंटिस्ट्स पुरस्कार (फिजिक्स) प्राप्त हुआ।
- एस. पटनायक को 2009 में केम्ब्रिज विश्वविद्यालय की कामनवेल्थ फैलोशिप प्राप्त हुई।
- आर. रामास्वामी को 2009 में डिपार्टमेंट आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी की जेसी बोस अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- आर. रामास्वामी विकासशील देशों के लिए अकादमी आफ साइंसिस के फैलो चुने गए।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- एच.बी. बोहिदार, सदस्य, विद्या समिति, एमसीईएमई, हैदराबाद
- आर. घोष, सदस्य, विद्या समिति, सी.डी.आर.आई. लखनऊ; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, कोल्ड एटम्स (आईसीसीए) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएसईआर, कोलकाता, 12–16 दिसम्बर 2008; सदस्य, तकनीकी कार्यक्रम समिति, फोटोनिक्स, 2008; फाइवर आप्टिक्स ऐंड फोटोनिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली; 14–17 दिसम्बर 2008' सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति मैटेरियल्स रिसर्च विद फ्रंटियर स्टेट आफ आर्ट – फैसिलिटीज विश्व भारती शांति निकेतन, 17–18 जनवरी 2009; सदस्य कार्यक्रम समिति एटामिट ऐंड मोलिक्युलर फिजिक्स (एनसीएएमपी) विषयक 17वाँ डीएई–बीआरएनएस का राष्ट्रीय सम्मेलन, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सिलरेटर सेंटर, नई दिल्ली, 10–13 फरवरी 2009; सदस्य, दिल्ली समन्वयक, किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई), डीएसटी, 1999; और सदस्य, विभागीय सलाहकार मण्डल, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशन इन साइंस ऐंड मैथमेटिक्स, नेशनल काउंसिल आफ एज्यूकेशनल रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) 2008
- डी. घोषाल, एसोसिएट एडिटर, जनरल रिलेटिविटी ऐंड ग्रेविटेशन स्प्रिंगर वेरलाग; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति प्लाज्मा, हाई एनर्जी, न्यूक्लियर फिजिक्स, एस्ट्रोनामी ऐंड एस्ट्रोफिजिक्स ऐंड नानलीनियर डायनेमिक्स डीएसटी; और सदस्य, योजना समिति, थीअरेटिकल हाई एनर्जी फिजिक्स विषयक एसईआरसी स्कूल द्वारा गठित।

- टी. मोहन्ती, सदस्य, संपादकीय संवीक्षा मण्डल, साइंटिफिक जर्नल इंटरनेशनल; और सदस्य, यूएफयूपी परियोजना संवीक्षा समिति 2008–11, आईयूएसी, नई दिल्ली।
- पी. मुखोपाध्याय, दिल्ली विश्वविद्यालय के डीएसटी जेआरएफ रिसर्च फेलोशिप के साक्षात्कार के लिए गठित दो समितियों के लिए सदस्य।
- एस. पुरी, सदस्य, फिजिकल ऐंड मैथमेटिकल साइंसिस में युवा विज्ञानियों के लिए 'फास्ट ट्रेक स्कीम' विषयक डीएसटी का विशेषज्ञ पैनल, जून 2005
- आर. राजारमण, सह अध्यक्ष, फिसिल मैटेरियल्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय पैनल; सदस्य, सम्पादक मण्डल, साइंस ऐंड ग्लोबल सिक्यूरिटी, टेलर ऐंड फ्रांसिस पब्लिशर्स, यूएसए और सदस्य, कार्यकारी मण्डल, इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली।
- आर. शाह, सह समन्वयक, इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस द्वारा प्रायोजित 'वुमन इन साइंस : ए कैरियर इन साइंस' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी के सह–समन्वयक (वुमन इन साइंसिस विषयक पैनल), सेंट जेवियर कालेज, अहमदाबाद, 13 सितम्बर 2008

सामाजिक विज्ञान संस्थान

सामाजिक विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर संस्थान है। इसके विभिन्न केंद्रों के एम.ए./एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 550 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में कोई भी स्नातक पाठ्यक्रम नहीं है, तथापि संस्थान अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए कुछ स्नातक कोर्स चलाता है। वर्ष 2008–2009 के अन्त में संस्थान में लगभग 160 शिक्षक थे।

संस्थान में कुल नौ केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से दो विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं – पहला 'महिला अध्ययन' तथा दूसरा 'भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम' और प्रौढ़ अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार की एक विशेष यूनिट है। संस्थान में समसामयिक इतिहास पर एक अभिलेखागार और शैक्षिक शोध–रिकार्ड यूनिट भी है। संस्थान में निम्नलिखित 9 केंद्र हैं –

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
- ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
- दर्शनशास्त्र केंद्र
- राजनीतिक अध्ययन केंद्र
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
- सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र
- सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
- जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

इन सभी केंद्रों में एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में छात्र पंजीकृत हैं। निम्नलिखित पांच केंद्रों में एम.ए. पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं –

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
- ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
- राजनीतिक अध्ययन केंद्र
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
- सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

प्रत्येक केंद्र सामान्यतः सप्ताह में एक बार नियमित रूप से सेमिनार आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान स्तर पर प्रतिष्ठित अतिथि विद्वानों द्वारा कभी–कभी संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। वर्ष के दौरान संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा भी सम्मेलन/संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

सामाजिक विज्ञान संस्थान के शिक्षकों की अनेक पुस्तकें और शोध कार्य पर आधारित कई आलेख पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शिक्षकों के 300 से अधिक शोध आलेखों सहित पुस्तकों में अध्याय भी प्रकाशित हुए। संस्थान के कई शोध छात्रों के आलेख व्यावसायिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। प्रकाशकों द्वारा कई पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध भी प्रकाशित किए गए।

संस्थान के शिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रमों में नवप्रवर्तनकारी तत्व मिलते हैं। किसी एक विषय में गहन प्रशिक्षण के साथ–साथ बहुविषयक अध्ययनों व शोध में रूचि उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए एक केंद्र के एक विषयक पाठ्यक्रमों के छात्रों को अन्य केंद्रों के विषय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसा करते समय छात्र की अभिक्षमता के साथ–साथ मुख्य विषय के साथ उन विषयों की सम्बद्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस अनुभव से पता चलता है कि छात्रों ने विशेषकर एम.फिल. स्तर पर इसका पर्याप्त लाभ उठाया है। इसके फलस्वरूप शोध कार्य का क्षेत्र काफी विस्तृत हो गया है।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र की स्थापना हुए 36 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस दौरान केंद्र ने नवप्रवर्तनकारी शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए और समाज का भिन्न–भिन्न ढ़ंग से योगदान किया। विवेचनात्मक ढंग से आर्थिक सिद्धान्त को अनुप्रयुक्त कार्य के

साथ जोड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतर समझ उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। केंद्र के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों और शिक्षकों के शोध कार्यों में अर्थशास्त्र के विभिन्न विशेषीकृत क्षेत्रों को विस्तार से कवर किया गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदान किया गया विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम 31 मार्च 2009 को समाप्त हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केंद्र को 2005 से 2010 तक (5 वर्ष) के लिए आसिस कार्यक्रम के अंतर्गत चुना है।

छात्र

इस अवधि के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 295 छात्र पंजीकृत थे – एम.ए. में 95 और एम.फिल./पी–एच.डी. और पी–एच.डी. में 150 छात्र।

एम.ए. उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र	–	47
एम.ए. में प्रवेश लेने वाले छात्र	–	52
एम.फिल./पी–एच.डी. में प्रवेश लेने वाले छात्र	–	23
सीधे पी–एच.डी. में प्रवेश लेने वाले छात्र	–	9
एम.फिल लधु शोध प्रबन्ध जमा किए गए	–	21
पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध जमा किए गए	–	15

निम्नलिखित वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए :

रंजन राय स्मारक पुरस्कार	–	सुश्री समृधा सरकार
अवानी भट्ट स्मारक पुरस्कार	–	श्री प्रतीक

कोर्स

एम.ए. पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य कोर्स और 20 वैकल्पिक कोर्स चलाए गए। एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम (जिसमें एक वर्ष का कोर्स वर्क शामिल है) में 2 अनिवार्य कोर्स और 9 वैकल्पिक कोर्स चलाए गए।

डॉ. प्रवीण झा के मार्गदर्शन में कुछ उपचारात्मक कोर्स चलाए गए। छात्रों ने विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी में चलाए गए उपचारात्मक कोर्सों का लाभ उठाया।

एग्जिम बैंक पुस्तकालय

प्रतिवर्ष पुस्तकों की खरीद के लिए केन्द्र के पास लगभग 10.5 लाख रुपये की राशि उपलब्ध है। पिछले कई वर्षों से केन्द्र के पास अर्थशास्त्र की पुस्तकों का पर्याप्त मात्रा में संग्रह था। केंद्र इस संग्रह में वृद्धि करने के लिए प्रयासरत है।

आर्थिक सिद्धान्त में भा.रि.बैं. यूनिट

यह यूनिट भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जेएनयू के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के माध्यम से सृजित की गई। प्रो. अंजन मुखर्जी इसके चेयर प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। यूनिट का शोध कार्य निम्नलिखित क्षेत्र पर केंद्रित है – इकोनामिक डायनेमिक, ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट। इस शोध क्षेत्र से सम्बन्धित प्रकाशनों का विवरण रिपोर्ट में दिया गया है। यूनिट में चल रहे शोध कार्य के अतिरिक्त मैथमेटिकल मैथड्स ऐंड इकोनामिक थीअरी पर पाठ्यपुस्तक तैयार करने की परियोजना विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान

इस वर्ष 17 मार्च 2009 को 17वां कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान प्रोफेसर इरफान हबीब, प्रसिद्ध इतिहासकार, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने दिया। वह इकोनोमिक्स ऐंड हिस्टोरियन विषय पर बोले।

16वां कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान 9 अप्रैल 2008 को डा. गेरेथ आस्टिन, डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक हिस्ट्री' लंदन स्कूल आफ इकोनामिक ऐंड पालिटिकल साइंस ने दिया। वह 'कमर्शियलाइजेशन ऐंड कैपिटलिज्म इन वेस्ट एशिया' विषय पर बोले।

आधारभूत संरचना

केन्द्र ने छात्रों के लिए दो कंप्यूटर लैब स्थापित की हैं। इनमें डेवियन/लीनक्स पर सरवर द्वारा सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। सभी छात्रों को सरवर पर एकाउन्ट्स और सीमित स्टोरेज सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उबुन्तु लीनक्स पर बीस कंप्यूटर टर्मिनल कार्य

कर रहे हैं। सरवर उपलब्ध कराने वाले एनआईएस के प्रमाणीकरण और एनएफएस पर आधारित फाइल शेयरिंग की मदद से किसी भी टर्मिनल से छात्र अपनी फाइल देख सकते और इनके सुरक्षित भंडारण भी सुनिश्चत हैं।

पिछले कुछ वर्षों से केंद्र का सर्वर डाटाबेस भी होस्ट कर रहा है। इसमें एनुअल सर्वेज आफ इण्डस्ट्री से यूनिट–लेवल डाटा, नेशनल सेम्पल सर्वे के विभिन्न राउड से प्राप्त यूनिट–लेबल डाटा, वर्ष 1991 और 2001 की जनगणना प्राप्त डाटा, नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वेक्षण, अखिल भारतीय स्कूल शिक्षा सर्वेक्षण आदि डाटा शामिल हैं। सर्वर के माध्यम से ये डाटाबेस जेएनयू में सभी के लिए उपलब्ध हैं।

केंद्र में आए अतिथि

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में कई अतिथियों ने दौरा किया –

- डॉ गेरेथ आस्टिन, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, लंदन, यूके ने 3.4.2008 से 17.4.2008 तक दो सप्ताह के लिए विजिटिंग स्कालर के रूप में दौरा किया।
- डा. कोलिन मैरिट लुइस, रीडर, डिपार्टमेंट आफ इकोनोमिक हिस्ट्री, लंदन स्कूल आफ इकोनोमिक्स ऐंड पालिटिकल साइंस, लंदन, यू.के. ने 1.9.2008 से 15.9.2008 तक विजिटिंग फैलो के रूप में केंद्र का दौरा किया।
- प्रो. एम. मिडले, हैड आफ कनसेर्टियम फार द यूरोपीयन मास्टर प्रोग्राम आन ग्लोबल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लिपजिंग, सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज, लिपजिंग, जर्मनी ने 26.10.2008 से 2.11.2008 तक केंद्र का दौरा किया।
- प्रो. जैनेट एलिजाबेथ हंटर लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, लंदन, यूके ने 6.3.2009 से 21.3.2009 तक केंद्र का दौरा किया।

केंद्र में आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में अनेक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इनमें शिक्षकों, छात्रों के अतिरिक्त देश विदेश के विद्वानों ने भी भाग लिया।

वर्ष 2008–2009 के दौरान आयोजित संगोष्ठियां

- डा. परीक्षित घोष, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली ने 15 अप्रैल 2008 को 'मैकिंग द पनिशमेंट फिट द क्राइम और तालिबान जस्टिस ? आप्टिमल पैनल्टिज विदाउट कमिटमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री रामिओ मैथ्यू बालनक्विट ने 2 मई 2008 को 'गेम थिओरेटिक एप्रोच इन द स्टडी आफ फाइनेंशियल क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री मारिओ नेगरे ने 24 जुलाई 2008 को 'कनसेप्च्युलाइजिंग ऐंड मिजरिंग प्रो–पुअर ग्रोथ' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. चेतन घाटे, इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली ने 12 अगस्त 2008 को 'वी फैक्टर' डिस्ट्रीब्युशन, टाइमिंग ऐंड कोरिलेट्स आफ द ग्रेट इण्डियन ग्रोथ टर्न अराउंड' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. कोलिन लुइस, डिपार्टमेंट आफ इकोनोमिक हिस्ट्री, एल.एस.ई., ने 4 सितम्बर 2008 को 'माडर्नाइजेशन ऐंड इण्डस्ट्रियलाइजेशन इन लैटिन अमरीका : 1870–1930' विषयक व्याख्यान दिया।
- मो. जकरिया सिद्दिकी ने 16 सितम्बर 2008 को 'डिमाण्ड रिस्पोंस इन स्पाट मार्किट फार इलेक्ट्रीसिटी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. सत्य पी. दास, आई.एस.आई., दिल्ली, ने 11 नवम्बर 2008 को 'गेम आफ आरगेनाइजिंग इंटरनेशनल क्रिकेट : को–एग्जिस्टेंस आफ काउंटी–लाइन ऐंड क्लब–लाइन गेम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सीमान्ती बंदोपाध्याय, एन.आई.पी.एफ.पी., नई दिल्ली ने 11 नवम्बर 2008 को 'मैथड्स बेस्ड आन डाटा एनविलपमेंट एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सीमान्ती बंदोपाध्याय, एन.आई.पी.एफ.पी., नई दिल्ली, ने 18 नवम्बर 2008 को 'मिजरमेंट आफ एफिशिएंसी आफ आर्म्स विद एनवायरनमेंटल कांस्ट्रेंटस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. राम रामास्वामी, भौतिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, ने 25 नवम्बर 2008 को 'व्हाट इज केआस थीअरि ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति, जेएनयू, ने 6 दिसम्बर 2008 को 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. पी. एंथनी, डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल इकोनोमिक्स ऐंड मैनेजमेंट कोपहेगन बिजनेस स्कूल, डेनमार्क, ने 15 जनवरी 2009 को 'द बारबेरियंस आर हेअर : हाऊ जेपनीज इंस्टीट्यूशनल बैरिअर्स ऐंड इमिग्रेशन पालिसिज कीप एशियन टेलेंट अवे' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अनानीश चौधरी, यूनिवर्सिटी आफ आकलेण्ड, न्यूजीलेण्ड, ने 3 फरवरी 2009 को 'क्रेडिबल असाइनमेंट्स ऐंड प्रेफरेंस बोनसिस इन द मिनियम इफेक्ट कोआर्डिनेशन गेम' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जेक्यूस ड्रेज, प्रोफेसर इमिरेट्स, कोर, यूनिवर्सिटी कैथोलिक टे, लौयूवेन, बेल्जियम ने 4 फरवरी 2009 को 'इंडिविजुअल डिसीजन मैकिंग अंडर अनसर्टेनिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता, सी.ई.एस.पी., जेएनयू ने 5 फरवरी 2009 को 'एनर्जी पावर्टी ऐंड एनर्जी सिक्युरिटी आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. के. कृष्णा लड्ढ़ा, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, ने 24 फरवरी 2009 को 'जस्टिस इन एन एडवर्सरिएल सिस्टम विद ए डिफेंडेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. जेनेट हंटर, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, यूके, ने 12 मार्च 2009 को 'यू.के. डिजास्टर्स ऐंड मार्किट : कोमोडिटीज ऐंड ऐंड ट्रांजेक्शंस आफ्टर द ग्रेट कांतो अर्थक्वेक आफ 1923' विषयक व्याख्यान दिया।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र (विशेष सहायता कार्यक्रम)

प्रो. सुखमय चक्रवर्ती की अध्यक्षता में गठित समिति ने वर्ष 1988 में केंद्र का दौरा किया और इसके बाद केंद्र में पहली बार वर्ष 1988 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम की शुरूआत हुई। शोध के थ्रस्ट एरिया थे – (1) नियोजन और औद्योगिकीकरण और (2) व्यापार और औद्योगीकरण, ये विशेषकर ऐसे क्षेत्र हैं जो देरी से हुए औद्योगीकृत देशों के अनुभवों से उभरे हैं। प्रो. कृष्णा भारद्वाज पहली समन्वयक थी और अनुदान राशि की पहली किस्त 22 फरवरी 1990 को प्राप्त हुई। वर्ष 1992 में प्रो. कृष्णा भारद्वाज के अकाल निधन के बाद प्रो. प्रभात पटनायक ने समन्वयक का पद संभाला।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कार्यक्रम का दूसरा चरण सितम्बर 2000 में शुरू हुआ। प्रो. दीपक नैय्यर 30 सितम्बर 1997 को समन्वयक बने और उनके दिल्ली विश्वविद्यालय में कुलपति का पद सम्भालने के बाद प्रो. अभिजीत सेन इसके समन्वयक बने।

इस कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की टीम लम्बे समय के बाद यानी 30 अगस्त 2004 को केंद्र में आयी। इस टीम की सिफारिशों के आधार पर केंद्र को विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 1.4.2004 से 31.3.2009 तक पाँच वर्ष के लिए विशेष अनुदान राशि प्राप्त हुई।

केंद्र को 2 प्रोजेक्ट फेलो के पदों के साथ 33 लाख रुपये (9 लाख अनावर्ती और 24 लाख आवर्ती) की अनुदान राशि मंजूर की गई।

थ्रस्ट एरिया में शामिल हैं :

(1) नियोजन और औद्योगिकीकरण
(2) व्यापार और विकास; (3) भारतीय कृषि के स्थायीकरण के परिणाम।

तीसरे चरण के प्रथम भाग के कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. प्रभात पटनायक थे और प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर ने जुलाई 2007 में समन्वयक का पद सम्भाला। तीसरा चरण 31 मार्च 2009 को समाप्त हुआ।

शोध गतिविधियां पर्याप्त रूप से जारी रहीं और केंद्र के शिक्षकों की कई पुस्तकें एवं शोध आलेख प्रकाशित हुए। शोध छात्रों ने भी आलेख प्रकाशित कराए।

केंद्र में एक सर्वर है जो डाटाबेस, फाइलशेयरिंग, यूजर एप्लिकेशन, इंट्रा–नेट वेबसर्वर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त एक डाक्यूमेंट सर्वर भी है जो सी.डी.एस. – इनवेनिओ पर आधारित है। केंद्र के छात्र विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत खरीदे गए कंप्यूटरों का प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट साफ्टवेयर का प्रयोग और फाइलों को सुरक्षित ढंग से संरक्षित करने की सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। लिनेक्स ओपरेटिंग सिस्टम पर सर्वर और डेस्कटाप कंप्यूटर चलाने से साफ्टवेयर खरीदने और उनके अनुरक्षण पर होने वाले खर्च में राहत मिली है। केंद्र के सभी कंप्यूटरों को 3के.वी.ए. यूपीएस सिस्टम द्वारा चलाया जाता है। इस सिस्टम में एक घंटे की वैकअप सुविधा उपलब्ध है। हमने विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत उपलब्ध अनुदान राशि से प्रिंटर्स, रिप्रोग्राफिक मशीन और एल.सी.डी. प्रोजेक्टर्स जैसे कई पेरिफिरल खरीदे हैं। ये सभी नेटवर्क से जुड़े हैं और हरेक इनका प्रयोग कर सकता है।

विशेष अनुदान राशि के अन्तर्गत आवर्ती खर्च के लिए प्राप्त राशि को केंद्र ने निम्नलिखित शीर्ष के अन्तर्गत खर्च किया : आकस्मिकताएं, उपकरणों को अनुरक्षण, पुस्तकों की खरीद, इलेक्ट्रोनिक डाटाबेस की खरीद, सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन; सचिवालीय/तकनीकी कार्यक्रमों के रिकार्ड का अनुरक्षण तथा थ्रस्ट एरिया पर संगोष्ठियों का आयोजन आदि।

दर्शनशास्त्र केंद्र

दर्शनशास्त्र केंद्र ने वर्ष 2008–2009 के दौरान कई संगोष्ठियां और व्याख्यान आयोजित किए। यह आयोजन केंद्र की नियमित शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त हैं। केंद्र में विजिटिंग फेलो के रूप में कई शिक्षक आए।

वर्तमान में केंद्र अपने एम.फिल. पाठ्यक्रम में संलग्न है। केंद्र मुख्यतः भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए दर्शनशास्त्र कोर्स भी चलाता है। केंद्र आगामी शैक्षिक सत्रों में एम.ए. पाठ्यक्रम चलाना चाहता है, लेकिन इसके लिए और अधिक शिक्षकों की नियुक्तियां करनी होगी।

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

- प्रो. डेविड वेबरमैन, डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी, सेंट्रेल यूरोपीयन यूनिवर्सिटी, बुदापेस्ट, ने 23 मार्च 2009 को 'रिकागनाइजिंग द चैलेंजिस आफ प्लुरलिज्म इन इंटरपीटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विजयानंद कार, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ने 17–18 मार्च 2009 को 'चारवाक/लोकायत : ए फिलास्फीकल रिकन्स्ट्रक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रामाकृष्णा पुलिगंदला ने 26 फरवरी 2009 को आई.सी.पी.आर. द्वारा प्रायोजित 'निगेशन, नालेज ऐंड रिएलिटी इन बुद्धिस्ट लाजिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. होवर्ड दुकार्मे, यूनिवर्सिटी आफ एक्रोन, यूएसए ने 19 फरवरी 2009 को 'इज साइंस वेल्यू फ्री ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. थामस वालग्रेन, फिलास्फी विभाग, हेलसिंकी यूनिवर्सिटी, फिनलेंड, ने 16 फरवरी 2009 को 'विटजेनस्टाइन'स रेलिवेंस फार मारेल ऐंड सोशल फिलास्फी : थ्री पैराडिग्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. पुरूषोत्तम बिल्लीमोरिया, डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी, यूनिवर्सिटी आफ मेलबोर्न, मेलबोर्न, ने 27 जनवरी 2009 को 'एथिक्स आफ पर्सनल ला विज–ए–विज यूनिफार्म सिविल कोड' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जोसफ प्रभु केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, ने 22 जनवरी 2009 को 'ह्यूमन राइट्स इन क्रासकल्चरल पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. इवेती फ्रेड, यूनिवर्सिटी आफ प्युअर्तो रिको, रिओ पीद्रास कैम्पस, ने 19 जनवरी 2009 को 'कांट ऐंड ए प्रिओरी नालेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. इवेती फ्रेड, यूनिवर्सिटी आफ प्युअर्तो रिको, रिओ पीद्रास कैम्पस, ने 21 जनवरी 2009 को 'वांट केन वी नो फ्राम ए वर्क आफ आर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अकील बिलग्रामी, प्रोफेसर आफ फिलास्फी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क ने 9 जनवरी 2009 को आई.सी.पी.आर. प्रायोजित 'वैल्युज ऐंड वीकनेस आफ द विल' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. गेल एम. प्रेसवे, यूनिवर्सिटी आफ दित्रोएट मर्सी, यूएसए, 30 दिसम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'गांधी आन द मारेल इम्पेरिटिव आफ नान–वायलेंट एक्शन' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रो. भुवन चंदेल, सेंटर फार स्टडीज इन सिवलाइजेशंस, नई दिल्ली, ने की।
- प्रो. ऐवान्द्रो आगाजी, जिनोवा यूनिवर्सिटी, ने 22 दिसम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'एथिकल डायमेंशंस आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. ऐवान्द्रो आगाजी, जिनेवा यूनिवर्सिटी, ने 23 दिसम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'फिलास्फी ऐज सेल्फ कांशसनेस आफ कल्चर्स ऐंड ऐज कंडीशंन फार इंटरकल्चरल डायलाग' विषयक व्याख्यान दिया और प्रो. भुवन चंदेल ने अध्यक्षता की।
- प्रो. माइकल क्राज मिल्टन सी. नाम, प्रोफेसर आफ फिलास्फी, बाइन मौर कालेज, यूएसए ने 27 नवम्बर 2008 को 'मैपिंग रिलेटिवीज्म्स' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रो. भुवन चंदेल, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली ने की।

- प्रो. जोन हाव्स, प्रेजीडेंट, लर्निंग गिल्ड, आस्ट्रेलिया, ने 17 नवम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'टी.एच. ग्रीन ऐंड इसाह, बर्लिन : टु कनसेप्ट आफ फ्रीडम' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रो. भुवन चंदेल, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली ने की।
- प्रो. भुवन चंदेल, (पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस. शिमला), विजिटिंग प्रोफेसर, सेंटर फार फिलास्फी, ने 8 अक्टूबर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'जस्टिस इन प्लुटो'स रिपब्लिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. भुवन चंदेल, (पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस. शिमला), विजिटिंग प्रोफेसर, सेंटर फार फिलास्फी, ने 1 अक्टूबर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'जस्टिस इन प्लुटो'स रिपब्लिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. भुवन चंदेल, (पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस. शिमला), ने 10 सितम्बर 2008 को 'एन इंट्रोडक्शन टु कांट' विषयक आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित व्याख्यान सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली में दिया।
- राजीव मल्होत्रा, प्रेजिडेंट इनफिनिटी फाउंडेशन, यू. मास, डार्टमाउथ, यूएस ने 26 सितम्बर 2008 को 'इण्डिक इंफ्लुऐंसिस आन पेनएंथीज्म इन द माडर्न वेस्ट' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रोफेसर भुवन चंदेल, पूर्व निदेशक, आई.आई.एस.एस. , शिमला ने की।
- डा. मेरिआनो, इतुर्बे (यूनिवर्सिटी आफ नावारा, स्पेन), ने 3 सितम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'एथिकल थीअरि आफ एक्वेंस इन द लीगेसी आफ एरिस्टोटल' विषयक व्याख्यान सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली में दिया।
- डा. वेसिलिओस साइरोस (डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, हेलसिंकी यूनिवर्सिटी), विजिटिंग फेलो, सी.एच.एस./जेएनयू ने 22 अगस्त 2008 को सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली में 'आन कम्पेरिटिव पालिटिकल फिलास्फी, एरिस्टोटल ऐंड कौटिल्य' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. वेसिलिओस साइरोस (डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, हेलसिंकी यूनिवर्सिटी), विजिटिंग फेलो, सी.एच.एस./जेएनयू ने 27 अगस्त 2008 को 'आन कम्पेरिटिव पालिटिकल फिलास्फी – अबू फजल ऐंड मैकाइवली' विषयक व्याख्यान दिया।

विजिटिंग प्रोफेसर

- प्रो. भुवन चंदेल, पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस., शिमला और वर्तमान में परियोजना निदेशक, 'प्रोजेक्ट आफ हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर' नई दिल्ली।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

राजनीतिक अध्ययन केंद्र एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र छात्रों को सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में भी छात्रों को प्रवेश देता है। केंद्र के शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम राजीनीतिक विज्ञान के तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर बल देते हैं – राजनीतिक दर्शनशास्त्र, भारतीय राजनीतिशास्त्र और तुलनात्मक राजनीतिशास्त्र/अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध। शैक्षिक वर्ष के दौरान केंद्र के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्र अमरीका, ब्रिटेन, चीनी, श्रीलंका,नेपाल, अफगानिस्तान, थाईलैण्ड, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, बंगलादेश, कीन्या, फ्रांस, और ईरान जैसे देशों से थे।

शुरू किए गए नये कोर्स (2008–2009)

- इण्डियन पालिटिक्स I : पालिटिकल आइडिआज इन माडर्न इण्डिया (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. गोपाल गुरु और डा. रिंकु लाम्बा।
- इण्डियन पालिटिक्स II : पालिटिकल इंस्टीट्यूशंस (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. बलवीर अरोड़ा और प्रो. प्रलय कानूनगो
- इण्डियन पालिटिक्स III : पालिटिकल प्रोसेस (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. जोया हसन और डा. आशा सारंगी
- इण्डियन पालिटिक्स IV : डिवलपमेंट पालिटिक्स ऐंड पब्लिक पालिसी (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. सुधा पई और राजर्षि दासगुप्ता

पालिटिकल फिलास्फी

- पालिटिकल फिलास्फी : की कनसेप्ट्स I (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. विधु वर्मा, डा. अजय गुडावर्थी और डा. रिंकु लाम्बा।
- पालिटिकल फिलास्फी : की कनसेप्ट्स II (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. वी. रोड्रिग्स, डा. शैफाली झा और डा. अमीर अली
- रीडिंग्स इन पालिटिकल थाट (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. गुरप्रीत महाजन, डा. अमीर अली और डा. राजर्षि दासगुप्ता

कम्पेरिटिव ऐंड इंटरनेशनल पालिटिक्स

कम्पेरिटिव पालिटिक्स (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : डा. टी.जी. सुरेश और डा. अनुपमा राय।

इंटरनेशनल पालिटिक्स (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. राकेश गुप्ता

रिसर्च मैथड्स

- मैथड्स इन सोशल साइंसिस (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : डा. एम.एन. ठाकुर और प्रो. गोपाल गुरु।

नये वैकल्पिक कोर्स और उनके शीर्षक :

- क्लासिकल पालिटिकल फिलास्फी (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. वी. रोड्रिग्स और डा. रिंकु लाम्बा।
- अर्ली मार्डन पालिटिकल थाट (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. विधु वर्मा, डा. शेफाली झा और डा. अमीर अली
- पोलिटिकल फिलास्फी आफ कांट ऐंड हीगल (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. गुरप्रीत महाजन और शेफाली झा।

केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन

- केंद्र ने 3–4 अप्रैल 2008 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के सहयोग से 'रिप्रजेंटिंग डाइवर्सिटी : आइडियास ऐंड इंस्टीट्युशंस' विषयक 3 दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया। (संयोजक : प्रो. गुरप्रीत महाजन)
- केंद्र ने 25–26 सितम्बर 2008 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, वि.अ.आ. – विशेष सहायता कार्यक्रम के सहयोग से 'स्टेट्स रिआरगेनाइजेशन : कनटेम्पोरेरि कंसर्स' विषयक 2 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। (संयोजक : प्रो. सुधा पई और डा. आशा सारंगी)
- केंद्र ने 19–20 नवम्बर 2008 को आर्ट्स ऐंड ह्युमेनिटीज रिसर्च काउंसिल, यू.के. इण्डियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम के सहयोग से 'हिंदू नेशनलिस्ट आरगेनाइजेशंस इन सोशल ऐंड पालिटिकल कन्टेक्स्ट' विषयक 3 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। (संयोजक : प्रो. प्रलय कानूनगो)
- केंद्र ने 15–17 जनवरी 2009 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से 'सोशल जस्टिस इन इण्डिया : थीअरि, मूवमेंट, इंस्टीट्यूशंस ऐंड पालिसी' विषयक 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। (संयोजक : प्रो. वी. रोड्रिग्स)
- केंद्र ने 12–14 फरवरी 2009 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्यूमन सिविलाइजेशन इन द टंवटीफर्स्ट सेंचुरी टु आब्जर्व द सेंचुरी आफ हिंदू स्वराज' विषयक 3 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इसका आयोजन सामाजिक विकास परिषद, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, नेल्सन मंडेला सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, इंस्टीट्युट आफ सोशल ऐंड हैल्थ साइंस, यूनिवर्सिटी आफ साउथ अफ्रीका; :'रिग्गेन', फेडरल फ्लोमिनेंस, यूनिवर्सिटी आफ ब्राजील, ओफेलिआ सेंटर फार ग्लोबल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज और यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, सांता बारबरा के संयुक्त सहयोग से किया गया था। (संयोजक : प्रो. वी. रोड्रिग्स और डा. एम.एन. ठाकुर)

विशेष व्याख्यान और साप्ताहिक संगोष्ठियां

- प्रो. एस. कविराज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, ने 28 जुलाई 2008 को 'एडवर्ड सेड ऐंड द फार्म्स आफ इंटिलेक्चुअल हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विजय प्रसाद, ट्रीनिटी कालेज, यूएसए, ने 20 जुलाई 2008 को 'देसिस लाइक देट : पालिटिकल कल्चरल आफ इंडियंस इन द यूनाइटिड स्टेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सुबीर सिन्हा, लंदन यूनिवर्सिटी, ने 27 अगस्त 2008 को 'थिओराइजिंग द डिवलपमेंट स्टेट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. विनय लाल, यू.सी.एल.ए., ने 15 अक्टूबर 2008 को 'गांधी'स वेस्ट ऐंड वेस्ट'स गांधी : द पालिटिक्स आफ बार्डर क्रासिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. संजीब मुखर्जी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, ने 22 अक्टूबर 2008 कासे 'द लेफ्ट गवर्नमेंट'स डिवलपमेंट स्ट्रटिजी ऐंड द पालिटिक्स आफ द (इम) पासिबल' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. जी. कृष्णा रेड्डी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, ने 11 सितम्बर 2008 को 'दलित ऐंड जस्टिस : डिफ्रेंट स्ट्रेंड्स इन द डिस्कोर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रामनारायण रावत, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, ने 5 नवम्बर 2008 को 'रिक्लेमिंग द पास्ट : द फामुलेशन आफ ए दलित एजेण्डा बाई चमार्स इन अर्ली टंवटिएथ सेंचुरी, यू.पी.' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. बी.एस. चिमनी, अ.अ.सं., जेएनयू, ने 12 नवम्बर 2008 को 'प्रोलेगोमेना टु ए क्लास एप्रोच टु इंटरनेशनल रिलेशन/ला' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. इनग्रिड रोबिंस, इरासमस यूनिवर्सिटी, रोटर्डम, ने 17 दिसम्बर 2008 को 'सोशल जस्टिस ऐंड वेलफेयर स्टेट्स इन यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. मोहिंदर सिंह, आई.आई.ए.एस.; शिमला, ने 4 फरवरी 2009 को 'द सोशल इन 19थ सेंचुरी नार्थ इण्डिया : ए कनसेप्चुअल–हिस्टोरिकल एनालिसिस आफ हिन्दी वर्नाकुलर' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रिचर्ड ए. हिगोत, वारविक यूनिवर्सिटी, ने 10 फरवरी 2009 को 'चैलेंजिस फार ग्लोबल इकोनामिक गवर्नेंस' विषयक व्याख्यान दिया।

निर्माण फाउंडेशन व्याख्यान

- चौथा निर्माण फाउंडेशन व्याख्यान 15 जनवरी 2009 को प्रो. मार्क गलांटर, जोन और राइला बोसार्ड, प्रोफेसर आफ इमिरेट्स आफ ला ऐंड साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ विसकोंसिन मेडिसन और सेंटेनिअल प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ ला, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स ऐंड पालिटिकल साइंस द्वारा 'पब्लिक इंस्टीट्युशंस ऐंड सोशल जस्टिस इन इण्डिया' विषय पर दिया गया।

विजिटिंग फेला/फेकल्टी

- प्रो. मार्क गलांटर, प्रोफेसर आफ साउथ एशिया ऐंड ला, यूनिवर्सिटी आफ विस्कोसिन और लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, 12–18 जनवरी 2009
- प्रो. वी.के. नटराज, पूर्व निदेशक, 'मिड्स', चैन्नई और पूर्व प्रोफेसर, विकास अध्ययन केंद्र, मैसूर यूनिवर्सिटी, 16 फरवरी 2008 – 15 अप्रैल 2008

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र ने लगभग चार दशक पहले वर्ष 1971 में भारत में क्षेत्रीय विकास के सम्पूर्ण क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध अध्ययन के अन्तरविषयक पाठ्यक्रमों पर बल देने के उद्देश्य से अपनी गतिविधियां आरम्भ की थीं। पिछले वर्षों से विद्वानों का एक अन्तरविषयक दल इन गतिविधियों को जारी रखने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है।

मार्च 2004 में (अप्रैल 2003 से) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के चरण–2 के अन्तर्गत केंद्र को उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में अपग्रेड किया गया। पूरे भारत में भूगोलशास्त्र में इस स्तर को प्राप्त करने वाला यह पहला और अकेला केंद्र है। उच्च अध्ययन केंद्र घोषित होने से इसकी संरचनागत सुविधाओं में विकास होने के साथ–साथ वर्तमान एवं नए शोध क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध गतिविधियों में वृद्धि हुई है।

केंद्र एम.ए. (भूगोल) और निम्नलिखित तीन मुख्य क्षेत्रों – अर्थशास्त्र, भूगोल और जनसंख्या अध्ययन में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। अन्तरविषयक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए केंद्र के इन पाठ्यक्रमों में सामाजिक–आर्थिक, मानव, संस्थागत, प्रौद्योगिकीय, संरचनागत और पर्यावरण पक्षों के साथ–साथ विभिन्न ढंग से क्षेत्रीय विकास के मामलों में अध्ययन भी किया जाता है। भूगोल की प्राचीन परम्पराओं में क्षेत्रीय कार्य का महत्त्वपूर्ण स्थान है, अतः एम.ए. छात्रों को दो अनिवार्य कोर्स पूरे करने होते हैं, जो पूर्णरूप से क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित हैं। (प्रायः ग्रामीण क्षेत्रों में) ग्रुप में रह कर छात्र विशेष सिद्धान्त प्रणालियों का प्रशिक्षण हासिल करते हैं और प्रारम्भिक क्षेत्रीय जानकारी हासिल करते हैं। इस तरह लम्बे समय तक ग्रुप में रहने से छात्रों में परस्पर अन्तरवैयक्तिक दक्षता और मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध विकसित होते हैं। एम.फिल. तथा एम.ए. पाठ्यक्रमों की पुनर्संरचना करना केंद्र की एक निरन्तर प्रक्रिया है।

केंद्र के शिक्षकों की 5 पुस्तकें और पुस्तकों में 32 अध्याय प्रकाशित हुए। शिक्षकों के 27 शोध आलेख प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

संरचनागत सुविधाएं :

केंद्र में एक परम्परागत कार्टोग्राफिक लेबोरेट्री, कंप्यूटर–ऐडिड डाटा प्रोसेसिंग लेबोरेट्री, रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. लेबोरेट्री, फोटोग्रामेट्री ऐंड डिजिटल मैपिंग यूनिट, जिओमार्फोलाजी लेबोरेट्री और एक विभागीय पुस्तकालय है। केंद्र शिक्षण एवं शोध के लिए शिक्षकों तथा छात्रों के लिए इंटरनेट की सुविधाएं उपलब्ध है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र ने शिक्षण के लिए एक आडिओ–विजुअल उपकरण, प्राप्त किया। रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. लेबोरेट्री तथा मूनिस रजा स्मारक समिति कक्ष में एल.सी.डी. और कंप्यूट्रीकृत स्क्रीन लगाई गई।

पृष्ठभूमि नोट :

केंद्र के शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत भूगोलशास्त्र में एम.ए. तथा भूगोलशास्त्र, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन में एम.फिल. और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। केंद्र भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के एम.ए. 5वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत छात्रों के लिए स्नातक स्तर के शिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है।

एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम

एम.फिल./पी–एच.डी. एक सतत पाठ्यक्रम है और विश्वविद्यालय के नियमानुसार छात्रों को एम.फिल. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पी–एच.डी. में प्रवेश दिया जाता है। यदि किसी छात्र के पास एम.फिल. उपाधि या इसके समतुल्य शोध अनुभव/प्रकाशन है तो उसे सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में दाखिल छात्रों को अपने शोध विषय से संबंधित कोर्स करने की सलाह दी जाती है।

एम.फिल. शिक्षण और शोध कार्यक्रम को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है :

- अर्थशास्त्र विषय
- भूगोल विषय
- जनसंख्या विषय

शिक्षकों द्वारा प्रत्येक स्ट्रीम में कुछ कोर्स चलाए जाते हैं जो अन्य स्ट्रीम के छात्रों के लिए भी उपलब्ध होते हैं। केंद्र के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए इसके कोर्सों की विषयवस्तु अन्तरविषयक है जिसमें अर्थशास्त्र, भूगोलशास्त्र और क्षेत्रीय विकास के मुद्दों से सम्बद्ध जनसांख्यिकीय क्षेत्र शामिल हैं। इस तरह कई शिक्षक एक से ज्यादा स्ट्रीम के शिक्षण एवं शोध गतिविधियों से जुड़े रहते हैं।

उपचारात्मक कोर्स

पढ़ाई में अन्य छात्रों की तुलना में जो छात्र स्वयं को कमजोर महसूस करते हैं, केंद्र उनके लिए उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है।

वर्ष 2008 के दौरान फील्ड वर्क

एम.ए. (भूगोलशास्त्र) के छात्रों के लिए भारत के पर्वतीय क्षेत्र में फील्डवर्क पर आधारित एक अनिवार्य कोर्स करना अपेक्षित है। इस कोर्स में छात्र को लगभग 25 दिनों का क्षेत्रीय सर्वेक्षण करना होता है। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भूगोलशास्त्र में फील्डवर्क की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण देना है ताकि उन्हें हिमालय क्षेत्रों की कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया जा सके। इसके अतिरिक्त छात्र इस क्षेत्र से सम्बन्धित भू–पर्यावरणीय/सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों

के बारे में अपनी पूर्व धारणा की प्रमाणिकता से पुष्टि कर सकें। वैश्विक तापमान और शीत तथा अन्य सम्बन्धित आपदाओं के सम्बन्ध में सिक्किम एक अद्वितीय क्षेत्र है। वर्ष 2008 में 41 छात्रों ने हिमालय के सिक्किम क्षेत्र में 'फील्ड सर्वे मैथड्स फिजीकल' (आर.डी. 415) कोर्स पूरा किया। डा. एस. श्रीकेश और डा. एम.सी. शर्मा इस फील्डवर्क के लिए छात्रों के साथ गए।

शीतकालीन सत्र के दौरान कोर्स सं. – आर.डी. 413 के अन्तर्गत भूगोलशास्त्र (सामाजिक–आर्थिक) में एक अन्य फील्डवर्क राजस्थान के दो जिलों – जोधपुर और जैसलमेर में किया गया। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण स्तर के सामाजिक–आर्थिक पहलुओं से अवगत कराना था। इस फील्डवर्क में डा. बी. जुत्शी और डा. बी. दास छात्रों के साथ गए।

केंद्र द्वारा आयोजित गतिविधियां

- डा. उलरिख कैम्प, डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, यूनिवर्सिटी आफ मोनटाना, यूएसए, ने 13 अगस्त 2008 को केंद्र में 'द 2005 कश्मीर अर्थक्वेक : इम्पेक्ट्स आन एनवायरनमेंट ऐंड सोसायटी' विषयक व्याख्यान आयोजित किया।
- डा. अनिरूद्ध के. जैन, वाइस प्रेजिडेंट, द पाप्यूलेशन काउंसिल, न्यूयार्क, ने 15 सितम्बर 2008 को केंद्र में 'ए ट्राइस्ट विद डेस्टिनी : डेमोग्राफी केन हैल्प रिएलाइज द ड्रीम' विषयक चौथा सेंटपाल स्मारक व्याख्यान दिया।
- डा. सुसेन स्मित, यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी ने 7 अक्टूबर 2008 को 'नागा पर्बत : ग्लेशियर चैंजिस ओवर द लास्ट 70ईयर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. लुईस ओवेन, प्रोफेसर आफ जिओग्राफी, यूनिवर्सिटी आफ सिनसिनेती, यूएसए, ने 22 अक्टूबर 2008 को 'ग्लेशिएशन आफ तिब्बत ऐंड द हिमालय' विषयक व्याख्यान दिया।
- केंद्र ने 23–27 दिसम्बर 2008 को सेवारत सीनियर लेवल आई.एस.एस. अधिकारियों के लिए 'डिवलपमेंट इकोनामिक्स ऐंड इण्डियन सिनेरियो' विषयक एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम को सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया। कुल मिलाकर 9 अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। इसमें कुछ एम.फिल./ पी–एच.डी. छात्रों को भी भाग लेने की अनुमति दी गई थी। विषय के विशेषज्ञ वक्ताओं को प्रमुख विषयों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। डा. एस. बाथला और प्रो. ए. दुबे ने कार्यक्रम को समन्वित किया।
- केंद्र ने अगस्त 2008 के दौरान कालेज के शिक्षकों के लिए अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स का समन्वयन किया। प्रो. ए. दुबे और डा. हिमांशु ने इसका आयोजन किया।
- डा. एम. पुनिया ने 24 अक्टूबर 2008 से 8 दिसम्बर 2008 तक एस.आई.टी./जेएनयू से एडुसेट सुविधाओं के सहयोग से 'बेसिक्स आफ रिमोट सेंसिंग, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम ऐंड जिओग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम' विषयक एडुसेट बेस्ड आऊटरीच तीसरे कार्यक्रम को समन्वित किया। इसके लिए लगभग 35 छात्र पंजीकृत थे।
- डा. एम. पुनिया ने 11 अप्रैल 2008 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के सहयोग से 'ओ.जी.सी. स्टेण्डर्स फार सेंसर नेटवर्क्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य ओ.जी.सी. से संबंधित प्रशिक्षण में प्रतिभागी क्षेत्रों की पहचान करना है। निम्नलिखित चार उप–विषयों की पहचान की गई है – (क) सेंसर युक्त सिस्टम/पर्यावरण के लिए ओ.जी.सी. स्टेण्डर्डस; (ख) ओ.जी.सी. आधारित सेंसर नेटवर्क में वर्तमान प्रवृत्तियां; (ग) एस.डब्ल्यू.ई. में केस स्टडीज/एप्लीकेशंस; (घ) नीति और मानक मुद्दे। इस संगोष्ठी में विभिन्न संस्थानों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, जेएनयू, प्रो. हारलान जे. आसार्ड, मेन यूनिवर्सिटी, यूएसए, जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम का आयोजन डा. एम. पुनिया ने किया।

केंद्र को उच्च अध्ययन का दर्जा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अप्रैल 2003 में विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत उच्च अध्ययन केंद्र का दर्जा प्रदान किया। ऐसा केंद्र के विशेष सहायता कार्यक्रम के दो चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करने तथा वर्तमान में उच्च स्तरीय शोध कार्य की क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। निम्नलिखित शोध के थ्रस्ट एरिया की पहचान की गई है :

- क्षेत्रीय विकास एवं नियोजन
- सामाजिक भूगोलशास्त्र/जनसंख्या भूगोलशास्त्र
- जी.आई.एस. का विकास/रिमोट सेंसिंग कोर्स और अनुप्रयोग सुविधाएं

इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. अतिया हबीब किदवई थी और उप–समन्वयक थे प्रो. हरजीत सिंह। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समीक्षा करने के बाद उच्च अध्ययन केंद्र में विस्तार किया जाएगा। प्रो. एस. राजू को इस कार्य को देखेने के लिए अनुरोध किया गया है।

प्रलेखन यूनिट

केंद्र की प्रलेखन यूनिट ने अब तक लगभग 300 पुस्तकें, मोनोग्राफ और शोध आलेख प्राप्त किए हैं। वर्ष 2008 के मानसून और शीतकालीन सत्रों के दौरान कुल 3650 शोधार्थी/छात्र/संकाय सदस्य ने केंद्र की प्रलेखन यूनिट की सुविधाओं का लाभ उठाया। वर्ष 2008 के दौरान यूनिट के संग्रह में निम्नलिखित वृद्धि हुई :

दस्तावेज	वर्ष 2008 में वृद्धि	कुल
➢ यू.जी.सी. सी.ए–एस के अन्तर्गत प्राप्त पुस्तकें	05	2000
➢ यू.जी.सी. – सी.ए.एस. के अन्तर्गत प्राप्त पुस्तकें		
➢ प्रक्रिया के अन्तर्गत है	08	08
➢ शिक्षकों से प्राप्त पुस्तकें	10	594
➢ जर्नल इकोनामिक्स ऐंड पालिटिकल वीकली, 1995–2008	52	714
केंद्र के शिक्षकों से प्राप्त पुस्तकें		
➢ डेमोग्राफी इण्डिया : 1995–2001	08	38
➢ पाप्युलेशन ऐंड डिवलपमेंट रिव्यु 2000–04	250	115
➢ स्टडीज इन फैमिली प्लानिंग 1990–2003	10	70
➢ अमरीकन इकोनोमिक रिव्यु 1986–96	10	95
➢ जर्नल आफ इकोनामिक लिट्रेचर 1981–96	05	45
➢ जर्नल आफ लेबर इकोनोमिक्स 2003–04	05	30
➢ जर्नल आफ पालिटिकल इकोनामी 1985	12	36
➢ पी–एच.डी. थीसिस	10	231
➢ एम.फिल डिजर्टेशन	45	845
➢ कानफ्रेंस पेपर्स/प्रोसिडिंग्स (नई + पुरानी)	50	1000
➢ शिक्षकों एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त जिरोक्स मैटिरियल	50	1000
➢ यू.एन. गर्वनमेंट पब्लिकेशंस आदि	05	390
➢ सर्कुलेशन आफ डाक्यूमेंट्स	11843	11843
➢ शिक्षकों, स्नातकोत्तर छात्रों/अतिथियों को उपलब्ध प्रलेखन सुविधाएं	3656	

सभी दस्तावेजों को अब वर्गीकृत कर लिया गया है। उपभोक्ताओं के रीडिंग रूम सभी कार्यदिवसों में सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक तथा शनिवार और रविवार को 6 घंटे तक खुला रहेगा। उच्च अध्ययन केंद्र के छात्र सम्बद्ध कार्यक्रम से प्राप्त वित्तीय सहयोग के कारण प्रलेखन यूनिट को और अधिक समय तक खुला रखना सम्भव हो सका है। प्रत्येक सत्र में पढ़ाए जा रहे कोर्सों से सम्बन्धित पठन सामग्री यदि प्रलेखन यूनिट में उपलब्ध नहीं होती तो उसे छात्रों के प्रयोग के लिए जेएनयू पुस्तकालय से उधार पर लिया जाता है। अन्य पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों के अध्यायों/सम्बन्धित सामग्री की अनेक फोटोकापियां यूनिट में उपलब्ध हैं। उच्च अध्ययन केंद्र कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुदान राशि से वर्तमान पुस्तकों में वृद्धि करने की योजना है।

छात्रों की गतिविधियां

प्रकाशन

➢ जगन्नाथ बेहरा, 'इनफेंट मोर्टेलिटी अमंग द मार्जिनलाइज्ड पीपल इन इण्डिया' विषयक अध्याय एस. राजन पद्यी और विश्वजीत द्वारा सम्पादित पुस्तक 'ट्राइबल डिवलपमेंट इन इण्डिया : कंटेम्पोरेरि इश्युज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' में प्रकाशित हुआ, मंगलम पब्लिर्श, दिल्ली, इण्डिया, 2009

- शिबब्रत दास, 'चाइल्डहुड अंडर न्यूट्रिशन : ए कम्पेरिटिव एनालिसिस आफ शेडयूल्ड ट्राइब्स ऐंड अदर्स मिडइण्डियन ट्राइबल रीजन' सोशल चैंज भाग 38, अंक 1, पृ. 64–83, 2008
- शिबब्रत दास, 'पावर्टी, हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट नेक्सस : ए केस स्टडी आफ कम्युनिटी फारेस्ट्री इन इण्डिया' (प्रताप चंद्र मोहन्ती के साथ), एस.के. पाल (सं.) पावर्टी, हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, कामनवेल्थ पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009
- शर्मिष्ठा बासु और शिव नारायण सिंह, 'वर्क स्टेटस ऐंड हैल्थ आफ वुमन : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ नार्थर्न ऐंड साउदर्न स्टेट्स आफ इण्डिया' इंटरनेशनल जर्नल आफ वर्ल्ड हैल्थ ऐंड पाप्युलेशन, भाग–10, अंक–2, 2008
- सरिला दास गुप्ता, शुद्धमिता मुखर्जी, सम्पूर्णा सिंह, रोहिनी पांडे और शर्मिष्ठा बासु, 'नाट रेट्डी लुकिंग बिहाइंड लेसंस फ्राम इंटरवेंशंस डिलेइंग मैरिज आफ गर्ल्स इन इण्डिया' आई.सी.आर.डब्ल्यू., सितम्बर 2008
- क्लेयर नरोहना, रोजर जेफरी, पेट्रिसिया जेफरी और शर्मिष्ठा बासु, 'आउटकम्स आफ एज्यूकेशन फार द हैल्थ ऐंड फर्टिलिटी डिसिजन मैकिंग आफ पुअर इन इण्डिया प्रिलिमिनरी रिजल्ट्स फार अलवर ऐंड देवास' आनलाइन पब्लिकेशन इन रिकूप साइट, 2008
- एन.आर. मिश्रा और एच. साहू, 'ऐज ऐट मैरिज ऐंड इट्स कोरिलेट्स इन मध्य प्रदेश, पाप्युलेशन ऐंड हैल्थ इण्डिया 2007' आलोक रंजन (सं.), भोपाल, श्याम इंस्टीट्यूट, पृ. 103–109, 2008
- एच. साहू, 'रीजंस आफ नान अक्सेप्टेंस ऐंड फ्यूचर इनटेंशन टु यूज कंट्रोसेप्टिव मैथड इन इण्डिया : इनसाइट्स फ्राम एन.एफ.एच.एस. डाटा' इण्डियन जर्नल आफ सोशल डिवलपमेंट, भाग–8, अंक–1, पृ. 1–18, 2008

कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता

- दिशा तिवारी (नियाती जोयी के साथ सह–लेखक) ने 8 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित 6ठे आई.ए.एस.एच. अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'फादरहुड इनफेंट डेथ्स, एम.डी.जी. गोल्स, पाप्युलेशन पालिसी एचीवमेंट इन इण्डिया : एन एनालिसिस आफ एन.एफ.एच.एच. 3' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- दिशा तिवारी ने 7 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित आई.ए.एस.एस.एच. अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत 'द आई.एम.एन.सी.आई. अप्रोच टुवर्डस रिएलाइजिंग द एम.डी.जी. गोल : टेकिंग चाइल्डकेयर टु द डोरस्टेप्स आफ द कम्युनिटी इन द शिवपुरी डिस्ट्रिक्ट आफ मध्य प्रदेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 7–9 अप्रैल 2008 को जेवियर इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट में आयोजित 5वीं आल इण्डिया आई.ए.एस.एस.एच. सम्मेलन में 'डिस्पेरिटी इन इनफेंट मार्टेलिटी अमंग कास्ट इन उड़ीसा ऐंड इट्स कोजिज : इविडेंस फ्राम एन.एफ.एच.एस. ' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 17–19 अक्टूबर 2008 को आई.ए.एस.पी. की 30वीं वार्षिक संगोष्ठी में 'ट्रेंडस इन जेंडर डिस्पेरिटी इन चाइल्डहुड इम्युनाइजेशन इन फाइव मेजर लो चाइल्ड रेशिओ स्टेट्स आफ इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 27–29 जनवरी 2009 को श्याम इंस्टीट्यूट, भोपाल में 'चैंजिंग सोशल ग्रुप डिस्पेरिटी इन इनफेंट मेर्टिलिटी इन मध्य प्रदेश ऐंड इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 7–8 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित छठी आई.ए.एस.एस.एच. अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर डिस्पेरिटी ट्रेंडस इन चाइल्ड मोर्टिलिटी इन इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शिवब्रत दास (2008) ने 25–26 सितम्बर 2008 को बी.आर. अम्बेडकर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'डा. अम्बेडकर ऐंड हिज कंट्रीब्युशन : एन इंटरडिसीप्लिनरी पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बिटवीन डिवलपमेंट ऐंड डेप्रिवेशन : ए स्टडी आफ मार्जिनेलाइज्ड ग्रुप्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शिवब्रत दास ने 1–3 अक्टूबर 2008 को क्रोनिक पावर रिसर्च सेंटर इण्डिया और सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'इराडिकेटिंग क्रोनिक पावर्टी इन इण्डिया : पालिसी इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशिआ–स्पेशिएल डायमेंशंस आफ पावर्टी : चाइल्ड हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट द केस आफ उड़ीसा' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शर्मिष्ठा बासु, क्लेयर नोरोनहा, अनुराधा दे और रोजर जेफरी, ने 3–5 दिसम्बर 2008 को 'न्यूपा' में आयोजित 'एज्यूकेशन एक्सेस,

एक्सक्लुजन ऐंड आउटकम्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फर्टिलिटी डिक्लाइन : इज इट एन आउटकम आफ वुमन स्कूलिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मशखूर अहमद ने 27–29 जनवरी 2009 को भूगोलशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'रिर्सोस डिवलपमेंट ऐंड एनवायरनमेंटल चैंज : इमर्जिंग इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्पेशिएल पैटर्नस आफ इंटरबल माइग्रेशन इन उत्तर प्रदेश' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ईश्वर सिंह (मिलाप शर्मा के साथ) ने 23–25 अक्टूबर 2008 को वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जिओलाजी में आयोजित 'माउंटेन बिल्डिंग ऐंड क्लाइमेट टेक्टोनिक इंटरएक्शन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिफाइनिंग टाइमिंग्स आफ द गंगोत्री ग्लेशियर एक्सपेंशन ऐंड फ्लुक्चुऐशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

स्टाफ की विविध गतिविधियां

- एस. कुमार, हैल्थ इनफार्मेशन सर्विसिज इन टवंटीफर्स्ट सेंचुरी, गगनदीप पब्लिकेशंस, दिल्ली, जनवरी 2009
- एस. कुमार ने 18–20 दिसम्बर 2008 को जे.आई.आई.टी., नोएडा में आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स ऐंड टेक्नालाजिस इन लाइब्रेरी ऐंड इनफार्मेशन सर्विसिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिफाइनिंग टाइमिंग्स आफ द गंगोत्री ग्लेशियर एक्सप्रेशंस ऐंड फ्लक्चुएशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.टी. सेलवान ने 24–28 सितम्बर 2008 को बिजिंग, चीन में 'एशिया–यूरोप मीटिंग' में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट्स इनिशिएटिव्स इन इण्डिया : द 2008 माडल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 1971 में समाजशास्त्र के दो मुख्य क्षेत्रों – (1) सामाजिक संरचना और (2) सामाजिक प्रक्रिया, में तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाने के उद्देश्य से हुई थी। केंद्र को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक तथा अन्य ऐसी उप–पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक पद्धति के अध्ययन में एक अन्तरविषयक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता थी। मेकरो और माइक्रो स्तरों पर सामाजिक पद्धतियों और इसकी सह–पद्धतियों के अध्ययन हेतु तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य विकसित करने की योजना थी। इसके लिए केंद्र के शिक्षकों, छात्रों और शोध स्टाफ ने पिछले कई वर्षों से निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है :

- आधुनिकीकरण और विकास का समाजशास्त्र
- व्यवसाय और व्यावसायिकता का समाजशास्त्र
- सामाजिक स्तरीकरण का समाजशास्त्र
- सामाजिक आंदोलन और सामाजिक लामबंदी का समाजशास्त्र
- सीमांत वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित अध्ययन
- आदिवासी और नरजातीय का समाजशास्त्र
- शिक्षा का समाजशास्त्र
- ज्ञान का समाजशास्त्र
- जैंडर और जैंडर सम्बन्धों का समाजशास्त्र
- भारतीय डायस्पोरा का समाजशास्त्र
- धर्म का समाजशास्त्र और
- संस्कृति अध्ययन का समाजशास्त्र

विश्वविद्यालय की विद्या परिषद ने अपनी दिनांक 21 अप्रैल 2006 को हुई बैठक में जेएनयू में उत्तर–पूर्व भारत पर अध्ययन शुरू करने का अनुमोदन किया। यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति को भेजा गया। इस समिति ने प्रो. टी. रामाराव की अध्यक्षता में 8–10 अगसत 2008 के दौरान विश्वविद्यालय का दौरा किया। विशेष समिति की सिफारिशों के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 12 अन्य कार्यक्रमों के साथ जेएनयू में उत्तर पूर्वी अध्ययन कार्यक्रम शुरू करने के लिए अपनी मंजूरी भेजी।

उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के अध्ययन को शामिल करते हुए इसकी अन्तरविषयक संरचना तैयार की गई और इसे विश्वविद्यालय के पांच संस्थानों में पढ़ाया जा रहा है। ये संस्थान हैं – भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, सामाजिक विज्ञान संस्थान, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और कला और सौंदर्यशास्त्र अध्ययन संस्थान। इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर–पूर्वी अध्ययन के लिए विभिन्न संस्थानों के माध्यम से गहन शोध कार्य किया जा सके। इस अध्ययन कार्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलदेशिक और उपरोक्त पांच संस्थानों के डीन को शामिल करते हुए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया। कुलपति को पांच संस्थानों के डीन में किसी को समन्वयक के रूप में नियुक्त करने के लिए प्राधिकृत किया गया।

वर्तमान में उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान संस्थान के डीन (जो इसके समन्वयक हैं) के मार्गदर्शन में चल रहा है।

उपलब्धियां

समीक्षाधीन अवधि के दौरान उत्तर–पूर्वी भारत अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय और पांच विभागीय संगोष्ठियां आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त एक जन व्याख्यन और फिल्म शो पैनल परिचर्चा के साथ आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 13 से 15 मार्च 2009 के दौरान मणिपुर अध्ययन केंद्र, मणिुपर विश्वविद्यालय के सहयोग से इम्फाल में 'वुमन इन द ट्रेडिशनल इंस्टिट्यूशंस ऐंड वर्ल्ड वियुज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु ट्राइबल सोसायटीज आफ नार्थीस्ट इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसके लिए जेएनयू ने एक लाख रुपये और आदिवासी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने रुपये 50,000 की राशि वित्तीय सहायता प्रदान की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान आयोजित संगोष्ठियां

- श्री लिपो कुमार दुविचु, सी.एच.एस. ने 26 सितम्बर 2008 को आयोजित संगोष्ठी में 'आन द मैप आफ द माइंड : ए हिस्ट्री आफ रोड बिल्डिंग्स इन द हिल ट्रेक आफ ब्रिटिश इण्डिया'स नार्थीस्ट फ्रंटीयर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री जान थामस, ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, ने 10 अक्टूबर 2008 को आयोजित संगोष्ठी में 'मिशनरीज, कोलोनिआलिज्म ऐंड द राइटिंग्स आफ हिस्ट्री अमंग द नागास' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री लागुलियन, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र ने 24 अक्टूबर 2008 को आयोजित संगोष्ठी में 'द डायनेमिक्स आफ एथनिक आइडेंटिटी : ए सोशिओ–हिस्टोरिकल एनालिसिस आफ द चिन–कुकी–मिजो पीपल आफ नार्थीस्ट इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुश्री ई. लालरामलुनी, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, ने 20 फरवरी 2009 को आयोजित संगोष्ठी में 'क्रिटिकल एसेसमेंट आफ द रोल आफ रीजनल पालिटिकल पार्टीज इन द स्टेट फार्मेशन इन द नार्थीस्ट : ए स्टडी आफ मिजोरम, नागालेण्ड ऐंड मेघालय' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री ए.एस. शिमरीवुंग, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र ने 20 फरवरी 2009 को आयोजित संगोष्ठी में 'परफार्मिंग कल्चर आफ द नागा'स : म्युजिकल परफार्मेंस आफ द तंगखुल नागास' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

जन व्याख्यान

- प्रो. ए.सी. सिन्हा, (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, नेहू, शिलांग) ने 23 जनवरी 2009 को 'इमर्जिंग आइडेंटिटी फार्मेशन इन सिक्किम' विषयक व्याख्यान दिया।

प्रलेखन

समीक्षाधीन अवधि के दौरान उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम ने जेएनयू के सभी संस्थानों में अब तक लिखे गए एम.फिल./पी–एच.डी. शोध प्रबंधों का प्रलेखन कार्य शुरू किया है। यह कार्य शीघ्र ही पूरा हो जाने की संभावना है।

केंद्र का शिक्षण और शोध कार्यक्रमों में एक तरफ तो सिद्धान्त और पद्धतियों का अध्ययन है और दूसरी तरफ सामाजिक पद्धतियों की संरचना और प्रक्रिया का विश्लेषण शामिल है। एम.ए. और एम.फिल. स्तर के कोर्सो की संरचना और विषय वस्तु अन्तरविषयक है। एम.ए. स्तर के कोर्स में भारतीय समाज से संबंधित मूल मुद्दों के अध्ययन में सैद्धांतिक और पद्धतिपरक पक्ष शामिल हैं। एम.

फिल. स्तर के कोर्सों में तुलनात्मक और अन्तरविषयक परिप्रेक्ष्य पर बल दिया जाता है। एम.ए. और एम.फिल. स्तर पर विविध विषयों पर आधारित वैकल्पिक कोर्स भी चलाए जाते हैं। विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों के अनेक छात्र इन कोर्सों को पढ़ने के लिए पंजीकरण कराते हैं। इनके अतिरिक्त केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए समाजशास्त्र/समाज मानव विज्ञान में दो वैकल्पिक कोर्स चलाता है।

केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

- प्रो. आनंद कुमार, डा. विवेक कुमार, डा. जी. श्रीनिवास ने संयुक्त रूप से 1–3 अक्टूबर 2008 को 'इराडिकेटिंग क्रोनिक पावर्टी इन इण्डिया : पालिसी इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आनंद कुमार, प्रो. तिपलुत नोंगब्री, डा. विवेक कुमार ने संयुक्त रूप से 7–8 मार्च 2009 को 'इकोनामी, सोसायटी ऐंड सोशिओलाजी' विषयक प्रो. एम.एन. पाणिनी अभिनन्दन अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आनंद कुमार ने 26–28 मार्च 2009 को 'डायनेमिक्स आफ माडर्नाइजेशन : अंडरस्टेंडिंग द गांधी एन अप्रोच' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. तिपलुत नोंगब्री ने जेएनयू के उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम की ओर से 13–15 मार्च 2009 को मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में 'वुमन इन ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशन ऐंड वर्ल्ड व्युज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु द ट्राइबल सोसायटीज आफ नार्थ–ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी का संयुक्त रूप से आयोजन किया।
- डा. रेणुका सिंह ने 4–5 मार्च 2009 को आई.आई.सी., दिल्ली में 'फोसवालु के लिए बुद्धिज्म ऐज ए पीस–मैकर इन पोस्ट–माडर्न सार्क' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- डा. वी. सुजाता ने 30–31 मार्च 2009 को पी–एच.डी. रिसर्च स्कालर्स सेमिनार का आयोजन किया।
- डा. वी. सुजाता ने 1–2 मई 2008 को जेएनयू में 'द पालिटिक्स आफ मेडिकल प्लुरलिज्म इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

इनके अतिरिक्त, केंद्र में साप्ताहिक संगोष्ठियों का भी आयोजन हुआ। इनके समन्वयक थे डा. बिमल एकोईजम और डा. जी. श्रीनिवास। इसमें देश विदेश से आए विद्वानों ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

- डा. लारा बाल्बो, यूनिवर्सिटी आफ पादोवा, इटली, ने 3 अप्रैल 2008 को 'द सोशियोलाजी आफ डेली लाइफ : ए रिसेंट री–डिस्कवर इन द सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. प्रीति मोंगा, शर्राफ आई होस्पिटल, ने 4 सितम्बर 2008 को '2120 एटिट्युड, फेसिंग चैलेंजिस : द सोशल कंटेक्स्ट आफ एवरीडे सर्वाइवल फार द विजुअलि हैंडिकेप्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री राकेश कुमार, निदेशक, आल्टरनेटिव फ्यूचर्स, नई दिल्ली, ने 11 सितम्बर 2008 को 'मीडिया क्रिएटिविटी ऐंड सोसायटी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. लारेंट अबर्ट, क्यूरेटर, जिनेवा एथनोग्राफिक म्युजियम, ने 22 सितम्बर 2008 को 'द म्युजिक आफ द अदर – द चैलेंजिस फार एथनोम्यूजिकोलाजी इन ए ग्लोबल ऐज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सर्वचेतन कटोक, जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 25 सितम्बर 2008 को 'इंटेरोगेटिंग इण्डियन डायस्पोरा' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. एम.जी. चतुर्वेदी, पूर्व प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी. ने 16 अक्टूबर 2008 को 'फिलास्फिकल फाउंडेशंस आफ वल्लभ सम्प्रदाय (ए डिवोशनल मूवमेंट आफ नार्थ–वेस्टर्न इण्डिया)' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रोलेण्ड लार्डिनायज, फेलो, नेशनल सेंटर फार साइंटिफिक रिसर्च, पेरिस, ने 3 नवम्बर 2008 को 'हिस्ट्री आफ द सोशिओलाजी आफ इण्डिया इन फ्रांस 19थ–20थ सेंचुरीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. नंदुराम ने सी.एस.एस.एस. सा.वि.सं., जेएनयू में 6 नवम्बर 2008 को 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री जोन जरजन, दर्शनशास्त्री, यू.एस.ए., ने 11 नवम्बर 2008 को 'जोन जरजन : ए क्रिटिक आफ सिविलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. नीलिका मेहरोत्रा, सी.एस.एस.एस., सा.वि.सं., जेएनयू ने 20 नवम्बर 2008 को 'रिविजिटिंग ट्राइबल डिवलपमेंट : ए केस आफ बस्तर' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अरी सितास, यूनिवर्सिटी आफ कावाजुलु नाताल डर्बन, साउथ अफ्रीका, ने 24 नवम्बर 2008 को 'माडर्निटी विदाउट वेबर ऐंड डुरखिम : फ्रीइंग सोशिओलाजी ऐंड गाजिंग डेविऐंस/रेसिस्टेंस इन ए श्रीकिंग वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री क्रिश्चियाना वास्तोस, पुर्तगाल ने 22 जनवरी 2009 को 'माइग्रेट'स, सेटलर्स ऐंड क्लोनिस्ट्स – द बायोपालिटिक्स आफ डिस्प्लेस्ड बाडीज' विषयक व्याख्यान दिया।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

सामाजिक विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर संस्थान है। इसके विभिन्न केंद्रों के एम.ए./एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 550 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में कोई भी स्नातक पाठ्यक्रम नहीं है, तथापि संस्थान अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए कुछ स्नातक कोर्स चलाता है। वर्ष 2008–2009 के अन्त में संस्थान में लगभग 160 शिक्षक थे।

संस्थान में कुल नौ केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से दो विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं – पहला 'महिला अध्ययन' तथा दूसरा 'भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम' और प्रौढ़ अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार की एक विशेष यूनिट है। संस्थान में समसामयिक इतिहास पर एक अभिलेखागार और शैक्षिक शोध–रिकार्ड यूनिट भी है। संस्थान में निम्नलिखित 9 केंद्र हैं –

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
- ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
- दर्शनशास्त्र केंद्र
- राजनीतिक अध्ययन केंद्र
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
- सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र
- सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
- जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

इन सभी केंद्रों में एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में छात्र पंजीकृत हैं। निम्नलिखित पांच केंद्रों में एम.ए. पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं –

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
- ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
- राजनीतिक अध्ययन केंद्र
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
- सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

प्रत्येक केंद्र सामान्यतः सप्ताह में एक बार नियमित रूप से सेमिनार आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान स्तर पर प्रतिष्ठित अतिथि विद्वानों द्वारा कभी–कभी संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। वर्ष के दौरान संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा भी सम्मेलन/संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

सामाजिक विज्ञान संस्थान के शिक्षकों की अनेक पुस्तकें और शोध कार्य पर आधारित कई आलेख पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शिक्षकों के 300 से अधिक शोध आलेखों सहित पुस्तकों में अध्याय भी प्रकाशित हुए। संस्थान के कई शोध छात्रों के आलेख व्यावसायिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। प्रकाशकों द्वारा कई पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध भी प्रकाशित किए गए।

संस्थान के शिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रमों में नवप्रवर्तनकारी तत्व मिलते हैं। किसी एक विषय में गहन प्रशिक्षण के साथ–साथ बहुविषयक अध्ययनों व शोध में रूचि उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए एक केंद्र के एक विषयक पाठ्यक्रमों के छात्रों को अन्य केंद्रों के विषय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसा करते समय छात्र की अभिक्षमता के साथ–साथ मुख्य विषय के साथ उन विषयों की सम्बद्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस अनुभव से पता चलता है कि छात्रों ने विशेषकर एम.फिल. स्तर पर इसका पर्याप्त लाभ उठाया है। इसके फलस्वरूप शोध कार्य का क्षेत्र काफी विस्तृत हो गया है।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र की स्थापना हुए 36 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस दौरान केंद्र ने नवप्रवर्तनकारी शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए और समाज का भिन्न–भिन्न ढ़ंग से योगदान किया। विवेचनात्मक ढंग से आर्थिक सिद्धान्त को अनुप्रयुक्त कार्य के

साथ जोड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतर समझ उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। केंद्र के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों और शिक्षकों के शोध कार्यों में अर्थशास्त्र के विभिन्न विशेषीकृत क्षेत्रों को विस्तार से कवर किया गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदान किया गया विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम 31 मार्च 2009 को समाप्त हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केंद्र को 2005 से 2010 तक (5 वर्ष) के लिए आसिस कार्यक्रम के अंतर्गत चुना है।

छात्र

इस अवधि के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 295 छात्र पंजीकृत थे – एम.ए. में 95 और एम.फिल./पी–एच.डी. और पी–एच.डी. में 150 छात्र।

एम.ए. उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र	–	47
एम.ए. में प्रवेश लेने वाले छात्र	–	52
एम.फिल./पी–एच.डी. में प्रवेश लेने वाले छात्र	–	23
सीधे पी–एच.डी. में प्रवेश लेने वाले छात्र	–	9
एम.फिल लधु शोध प्रबन्ध जमा किए गए	–	21
पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध जमा किए गए	–	15

निम्नलिखित वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए :

रंजन राय स्मारक पुरस्कार	–	सुश्री समृधा सरकार
अवानी भट्ट स्मारक पुरस्कार	–	श्री प्रतीक

कोर्स

एम.ए. पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य कोर्स और 20 वैकल्पिक कोर्स चलाए गए। एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम (जिसमें एक वर्ष का कोर्स वर्क शामिल है) में 2 अनिवार्य कोर्स और 9 वैकल्पिक कोर्स चलाए गए।

डॉ. प्रवीण झा के मार्गदर्शन में कुछ उपचारात्मक कोर्स चलाए गए। छात्रों ने विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी में चलाए गए उपचारात्मक कोर्सों का लाभ उठाया।

एग्जिम बैंक पुस्तकालय

प्रतिवर्ष पुस्तकों की खरीद के लिए केन्द्र के पास लगभग 10.5 लाख रुपये की राशि उपलब्ध है। पिछले कई वर्षों से केन्द्र के पास अर्थशास्त्र की पुस्तकों का पर्याप्त मात्रा में संग्रह था। केंद्र इस संग्रह में वृद्धि करने के लिए प्रयासरत है।

आर्थिक सिद्धान्त में भा.रि.बैं. यूनिट

यह यूनिट भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जेएनयू के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के माध्यम से सृजित की गई। प्रो. अंजन मुखर्जी इसके चेयर प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। यूनिट का शोध कार्य निम्नलिखित क्षेत्र पर केंद्रित है – इकोनामिक डायनेमिक, ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट। इस शोध क्षेत्र से सम्बन्धित प्रकाशनों का विवरण रिपोर्ट में दिया गया है। यूनिट में चल रहे शोध कार्य के अतिरिक्त मैथमेटिकल मैथड्स ऐंड इकोनामिक थीअरी पर पाठ्यपुस्तक तैयार करने की परियोजना विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान

इस वर्ष 17 मार्च 2009 को 17वां कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान प्रोफेसर इरफान हबीब, प्रसिद्ध इतिहासकार, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने दिया। वह इकोनोमिक्स ऐंड हिस्टोरियन विषय पर बोले।

16वां कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान 9 अप्रैल 2008 को डा. गेरेथ आस्टिन, डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक हिस्ट्री' लंदन स्कूल आफ इकोनामिक ऐंड पालिटिकल साइंस ने दिया। वह 'कमर्शियलाइजेशन ऐंड कैपिटलिज्म इन वेस्ट एशिया' विषय पर बोले।

आधारभूत संरचना

केन्द्र ने छात्रों के लिए दो कंप्यूटर लैब स्थापित की हैं। इनमें डेवियन/लीनक्स पर सरवर द्वारा सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। सभी छात्रों को सरवर पर एकाउन्ट्स और सीमित स्टोरेज सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उबुन्तु लीनक्स पर बीस कंप्यूटर टर्मिनल कार्य

कर रहे हैं। सरवर उपलब्ध कराने वाले एनआईएस के प्रमाणीकरण और एनएफएस पर आधारित फाइल शेयरिंग की मदद से किसी भी टर्मिनल से छात्र अपनी फाइल देख सकते और इनके सुरक्षित भंडारण भी सुनिश्चत हैं।

पिछले कुछ वर्षों से केंद्र का सर्वर डाटाबेस भी होस्ट कर रहा है। इसमें एनुअल सर्वेज आफ इण्डस्ट्री से यूनिट–लेवल डाटा, नेशनल सेम्पल सर्वे के विभिन्न राउड से प्राप्त यूनिट–लेबल डाटा, वर्ष 1991 और 2001 की जनगणना प्राप्त डाटा, नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वेक्षण, अखिल भारतीय स्कूल शिक्षा सर्वेक्षण आदि डाटा शामिल हैं। सर्वर के माध्यम से ये डाटाबेस जेएनयू में सभी के लिए उपलब्ध हैं।

केंद्र में आए अतिथि

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में कई अतिथियों ने दौरा किया –

- डॉ गेरेथ आस्टिन, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, लंदन, यूके ने 3.4.2008 से 17.4.2008 तक दो सप्ताह के लिए विजिटिंग स्कालर के रूप में दौरा किया।
- डा. कोलिन मैरिट लुइस, रीडर, डिपार्टमेंट आफ इकोनोमिक हिस्ट्री, लंदन स्कूल आफ इकोनोमिक्स ऐंड पालिटिकल साइंस, लंदन, यू.के. ने 1.9.2008 से 15.9.2008 तक विजिटिंग फैलो के रूप में केंद्र का दौरा किया।
- प्रो. एम. मिडले, हैड आफ कनसेर्टियम फार द यूरोपीयन मास्टर प्रोग्राम आन ग्लोबल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लिपजिंग, सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज, लिपजिंग, जर्मनी ने 26.10.2008 से 2.11.2008 तक केंद्र का दौरा किया।
- प्रो. जैनेट एलिजाबेथ हंटर लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, लंदन, यूके ने 6.3.2009 से 21.3.2009 तक केंद्र का दौरा किया।

केंद्र में आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में अनेक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इनमें शिक्षकों, छात्रों के अतिरिक्त देश विदेश के विद्वानों ने भी भाग लिया।

वर्ष 2008–2009 के दौरान आयोजित संगोष्ठियां

- डा. परीक्षित घोष, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली ने 15 अप्रैल 2008 को 'मैकिंग द पनिशमेंट फिट द क्राइम और तालिबान जस्टिस ? आप्टिमल पैनल्टिज विदाउट कमिटमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री रामिओ मैथ्यू बालनक्विट ने 2 मई 2008 को 'गेम थिओरेटिक एप्रोच इन द स्टडी आफ फाइनेंशियल क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री मारिओ नेगरे ने 24 जुलाई 2008 को 'कनसेप्च्युलाइजिंग ऐंड मिजरिंग प्रो–पुअर ग्रोथ' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. चेतन घाटे, इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली ने 12 अगस्त 2008 को 'वी फैक्टर' डिस्ट्रीब्युशन, टाइमिंग ऐंड कोरिलेट्स आफ द ग्रेट इण्डियन ग्रोथ टर्न अराउंड' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. कोलिन लुइस, डिपार्टमेंट आफ इकोनोमिक हिस्ट्री, एल.एस.ई., ने 4 सितम्बर 2008 को 'माडर्नाइजेशन ऐंड इण्डस्ट्रियलाइजेशन इन लैटिन अमरीका : 1870–1930' विषयक व्याख्यान दिया।
- मो. जकरिया सिद्दिकी ने 16 सितम्बर 2008 को 'डिमाण्ड रिस्पोंस इन स्पाट मार्किट फार इलेक्ट्रीसिटी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. सत्य पी. दास, आई.एस.आई., दिल्ली, ने 11 नवम्बर 2008 को 'गेम आफ आरगेनाइजिंग इंटरनेशनल क्रिकेट : को–एग्जिस्टेंस आफ काउंटी–लाइन ऐंड क्लब–लाइन गेम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सीमान्ती बंदोपाध्याय, एन.आई.पी.एफ.पी., नई दिल्ली ने 11 नवम्बर 2008 को 'मैथड्स बेस्ड आन डाटा एनविलपमेंट एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सीमान्ती बंदोपाध्याय, एन.आई.पी.एफ.पी., नई दिल्ली, ने 18 नवम्बर 2008 को 'मिजरमेंट आफ एफिशिएंसी आफ आर्म्स विद एनवायरनमेंटल कांस्ट्रेंटस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. राम रामास्वामी, भौतिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, ने 25 नवम्बर 2008 को 'व्हाट इज केआस थीअरि ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति, जेएनयू, ने 6 दिसम्बर 2008 को 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. पी. एंथनी, डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल इकोनोमिक्स ऐंड मैनेजमेंट कोपहेगन बिजनेस स्कूल, डेनमार्क, ने 15 जनवरी 2009 को 'द बारबेरियंस आर हेअर : हाऊ जेपनीज इंस्टीट्यूशनल बैरिअर्स ऐंड इमिग्रेशन पालिसिज कीप एशियन टेलेंट अवे' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अनानीश चौधरी, यूनिवर्सिटी आफ आकलेण्ड, न्यूजीलेण्ड, ने 3 फरवरी 2009 को 'क्रेडिबल असाइनमेंट्स ऐंड प्रेफरेंस बोनसिस इन द मिनियम इफेक्ट कोआर्डिनेशन गेम' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जेक्यूस ड्रेज, प्रोफेसर इमिरेट्स, कोर, यूनिवर्सिटी कैथोलिक टे, लौयूवेन, बेल्जियम ने 4 फरवरी 2009 को 'इंडिविजुअल डिसीजन मैकिंग अंडर अनसर्टेनिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता, सी.ई.एस.पी., जेएनयू ने 5 फरवरी 2009 को 'एनर्जी पावर्टी ऐंड एनर्जी सिक्युरिटी आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. के. कृष्णा लड्ढ़ा, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, ने 24 फरवरी 2009 को 'जस्टिस इन एन एडवर्सरिएल सिस्टम विद ए डिफेंडेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. जेनेट हंटर, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, यूके, ने 12 मार्च 2009 को 'यू.के. डिजास्टर्स ऐंड मार्किट : कोमोडिटीज ऐंड ऐंड ट्रांजेक्शंस आफ्टर द ग्रेट कांतो अर्थक्वेक आफ 1923' विषयक व्याख्यान दिया।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र (विशेष सहायता कार्यक्रम)

प्रो. सुखमय चक्रवर्ती की अध्यक्षता में गठित समिति ने वर्ष 1988 में केंद्र का दौरा किया और इसके बाद केंद्र में पहली बार वर्ष 1988 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम की शुरूआत हुई। शोध के थ्रस्ट एरिया थे – (1) नियोजन और औद्योगिकीकरण और (2) व्यापार और औद्योगीकरण, ये विशेषकर ऐसे क्षेत्र हैं जो देरी से हुए औद्योगीकृत देशों के अनुभवों से उभरे हैं। प्रो. कृष्णा भारद्वाज पहली समन्वयक थी और अनुदान राशि की पहली किस्त 22 फरवरी 1990 को प्राप्त हुई। वर्ष 1992 में प्रो. कृष्णा भारद्वाज के अकाल निधन के बाद प्रो. प्रभात पटनायक ने समन्वयक का पद संभाला।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कार्यक्रम का दूसरा चरण सितम्बर 2000 में शुरू हुआ। प्रो. दीपक नैय्यर 30 सितम्बर 1997 को समन्वयक बने और उनके दिल्ली विश्वविद्यालय में कुलपति का पद सम्भालने के बाद प्रो. अभिजीत सेन इसके समन्वयक बने।

इस कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की टीम लम्बे समय के बाद यानी 30 अगस्त 2004 को केंद्र में आयी। इस टीम की सिफारिशों के आधार पर केंद्र को विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 1.4.2004 से 31.3.2009 तक पाँच वर्ष के लिए विशेष अनुदान राशि प्राप्त हुई।

केंद्र को 2 प्रोजेक्ट फेलो के पदों के साथ 33 लाख रुपये (9 लाख अनावर्ती और 24 लाख आवर्ती) की अनुदान राशि मंजूर की गई।

थ्रस्ट एरिया में शामिल हैं :

(1) नियोजन और औद्योगिकीकरण
(2) व्यापार और विकास; (3) भारतीय कृषि के स्थायीकरण के परिणाम।

तीसरे चरण के प्रथम भाग के कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. प्रभात पटनायक थे और प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर ने जुलाई 2007 में समन्वयक का पद सम्भाला। तीसरा चरण 31 मार्च 2009 को समाप्त हुआ।

शोध गतिविधियां पर्याप्त रूप से जारी रहीं और केंद्र के शिक्षकों की कई पुस्तकें एवं शोध आलेख प्रकाशित हुए। शोध छात्रों ने भी आलेख प्रकाशित कराए।

केंद्र में एक सर्वर है जो डाटाबेस, फाइलशेयरिंग, यूजर एप्लिकेशन, इंट्रा–नेट वेबसर्वर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त एक डाक्यूमेंट सर्वर भी है जो सी.डी.एस. – इनवेनिओ पर आधारित है। केंद्र के छात्र विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत खरीदे गए कंप्यूटरों का प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट साफ्टवेयर का प्रयोग और फाइलों को सुरक्षित ढंग से संरक्षित करने की सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। लिनेक्स ओपरेटिंग सिस्टम पर सर्वर और डेस्कटाप कंप्यूटर चलाने से साफ्टवेयर खरीदने और उनके अनुरक्षण पर होने वाले खर्च में राहत मिली है। केंद्र के सभी कंप्यूटरों को 3के.वी.ए. यूपीएस सिस्टम द्वारा चलाया जाता है। इस सिस्टम में एक घंटे की वैकअप सुविधा उपलब्ध है। हमने विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत उपलब्ध अनुदान राशि से प्रिंटर्स, रिप्रोग्राफिक मशीन और एल.सी.डी. प्रोजेक्टर्स जैसे कई पेरिफिरल खरीदे हैं। ये सभी नेटवर्क से जुड़े हैं और हरेक इनका प्रयोग कर सकता है।

विशेष अनुदान राशि के अन्तर्गत आवर्ती खर्च के लिए प्राप्त राशि को केंद्र ने निम्नलिखित शीर्ष के अन्तर्गत खर्च किया : आकस्मिकताएं, उपकरणों को अनुरक्षण, पुस्तकों की खरीद, इलेक्ट्रोनिक डाटाबेस की खरीद, सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन; सचिवालीय/तकनीकी कार्यक्रमों के रिकार्ड का अनुरक्षण तथा थ्रस्ट एरिया पर संगोष्ठियों का आयोजन आदि।

दर्शनशास्त्र केंद्र

दर्शनशास्त्र केंद्र ने वर्ष 2008–2009 के दौरान कई संगोष्ठियां और व्याख्यान आयोजित किए। यह आयोजन केंद्र की नियमित शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त हैं। केंद्र में विजिटिंग फेलो के रूप में कई शिक्षक आए।

वर्तमान में केंद्र अपने एम.फिल. पाठ्यक्रम में संलग्न है। केंद्र मुख्यतः भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए दर्शनशास्त्र कोर्स भी चलाता है। केंद्र आगामी शैक्षिक सत्रों में एम.ए. पाठ्यक्रम चलाना चाहता है, लेकिन इसके लिए और अधिक शिक्षकों की नियुक्तियां करनी होगी।

केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

- प्रो. डेविड वेबरमैन, डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी, सेंट्रेल यूरोपीयन यूनिवर्सिटी, बुदापेस्ट, ने 23 मार्च 2009 को 'रिकागनाइजिंग द चैलेंजिस आफ प्लुरलिज्म इन इंटरपीटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विजयानंद कार, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ने 17–18 मार्च 2009 को 'चारवाक/लोकायत : ए फिलास्फीकल रिकन्स्ट्रक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रामाकृष्णा पुलिगंदला ने 26 फरवरी 2009 को आई.सी.पी.आर. द्वारा प्रायोजित 'निगेशन, नालेज ऐंड रिएलिटी इन बुद्धिस्ट लाजिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. होवर्ड दुकार्मे, यूनिवर्सिटी आफ एक्रोन, यूएसए ने 19 फरवरी 2009 को 'इज साइंस वेल्यू फ्री ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. थामस वालग्रेन, फिलास्फी विभाग, हेलसिंकी यूनिवर्सिटी, फिनलेंड, ने 16 फरवरी 2009 को 'विटजेनस्टाइन'स रेलिवेंस फार मारेल ऐंड सोशल फिलास्फी : श्री पैराडिग्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. पुरूषोत्तम बिल्लीमोरिया, डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी, यूनिवर्सिटी आफ मेलबोर्न, मेलबोर्न, ने 27 जनवरी 2009 को 'एथिक्स आफ पर्सनल ला विज–ए–विज यूनिफार्म सिविल कोड' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जोसफ प्रभु केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, ने 22 जनवरी 2009 को 'ह्यूमन राइट्स इन क्रासकल्चरल पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. इवेती फ्रेड, यूनिवर्सिटी आफ प्युअर्तो रिको, रिओ पीद्रास कैम्पस, ने 19 जनवरी 2009 को 'कांट ऐंड ए प्रिओरी नालेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. इवेती फ्रेड, यूनिवर्सिटी आफ प्युअर्तो रिको, रिओ पीद्रास कैम्पस, ने 21 जनवरी 2009 को 'वांट केन वी नो फ्राम ए वर्क आफ आर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अकील बिलग्रामी, प्रोफेसर आफ फिलास्फी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क ने 9 जनवरी 2009 को आई.सी.पी.आर. प्रायोजित 'वैल्युज ऐंड वीकनेस आफ द विल' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. गेल एम. प्रेसवे, यूनिवर्सिटी आफ दित्रोएट मर्सी, यूएसए, 30 दिसम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'गांधी आन द मारेल इम्पेरिटिव आफ नान–वायलेंट एक्शन' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रो. भुवन चंदेल, सेंटर फार स्टडीज इन सिवलाइजेशंस, नई दिल्ली, ने की।
- प्रो. ऐवान्द्रो आगाजी, जिनोवा यूनिवर्सिटी, ने 22 दिसम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'एथिकल डायमेंशंस आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. ऐवान्द्रो आगाजी, जिनेवा यूनिवर्सिटी, ने 23 दिसम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'फिलास्फी ऐज सेल्फ कांशसनेस आफ कल्चर्स ऐंड ऐज कंडीशंन फार इंटरकल्चरल डायलाग' विषयक व्याख्यान दिया और प्रो. भुवन चंदेल ने अध्यक्षता की।
- प्रो. माइकल क्राज मिल्टन सी. नाम, प्रोफेसर आफ फिलास्फी, बाइन मौर कालेज, यूएसए ने 27 नवम्बर 2008 को 'मैपिंग रिलेटिवीज्म' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रो. भुवन चंदेल, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली ने की।

- प्रो. जोन हाव्स, प्रेजीडेंट, लर्निंग गिल्ड, आस्ट्रेलिया, ने 17 नवम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'टी.एच. ग्रीन ऐंड इसाह, बर्लिन : टु कनसेप्ट आफ फ्रीडम' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रो. भुवन चंदेल, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली ने की।
- प्रो. भुवन चंदेल, (पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस. शिमला), विजिटिंग प्रोफेसर, सेंटर फार फिलास्फी, ने 8 अक्टूबर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'जस्टिस इन प्लुटो'स रिपब्लिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. भुवन चंदेल, (पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस. शिमला), विजिटिंग प्रोफेसर, सेंटर फार फिलास्फी, ने 1 अक्टूबर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'जस्टिस इन प्लुटो'स रिपब्लिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. भुवन चंदेल, (पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस. शिमला), ने 10 सितम्बर 2008 को 'एन इंट्रोडक्शन टु कांट' विषयक आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित व्याख्यान सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली में दिया।
- राजीव मल्होत्रा, प्रेजिडेंट इनफिनिटी फाउंडेशन, यू. मास, डार्टमाउथ, यूएस ने 26 सितम्बर 2008 को 'इण्डिक इंफ्लुऐंसिस आन पेनएंथीज्म इन द माडर्न वेस्ट' विषयक व्याख्यान दिया। इसकी अध्यक्षता प्रोफेसर भुवन चंदेल, पूर्व निदेशक, आई.आई.एस.एस. , शिमला ने की।
- डा. मेरिआनो, इतुर्बे (यूनिवर्सिटी आफ नावारा, स्पेन), ने 3 सितम्बर 2008 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'एथिकल थीअरि आफ एक्वेंस इन द लीगेसी आफ एरिस्टोटल' विषयक व्याख्यान सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली में दिया।
- डा. वेसिलिओस साइरोस (डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, हेलसिंकी यूनिवर्सिटी), विजिटिंग फेलो, सी.एच.एस./जेएनयू ने 22 अगस्त 2008 को सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली में 'आन कम्पेरिटिव पालिटिकल फिलास्फी, एरिस्टोटल ऐंड कौटिल्य' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. वेसिलिओस साइरोस (डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, हेलसिंकी यूनिवर्सिटी), विजिटिंग फेलो, सी.एच.एस./जेएनयू ने 27 अगस्त 2008 को 'आन कम्पेरिटिव पालिटिकल फिलास्फी – अबू फजल ऐंड मैकाइवली' विषयक व्याख्यान दिया।

विजिटिंग प्रोफेसर

- प्रो. भुवन चंदेल, पूर्व निदेशक, आई.आई.ए.एस., शिमला और वर्तमान में परियोजना निदेशक, 'प्रोजेक्ट आफ हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर' नई दिल्ली।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

राजनीतिक अध्ययन केंद्र एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र छात्रों को सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में भी छात्रों को प्रवेश देता है। केंद्र के शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम राजीनीतिक विज्ञान के तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर बल देते हैं – राजनीतिक दर्शनशास्त्र, भारतीय राजनीतिशास्त्र और तुलनात्मक राजनीतिशास्त्र/अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध। शैक्षिक वर्ष के दौरान केंद्र के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्र अमरीका, ब्रिटेन, चीनी, श्रीलंका,नेपाल, अफगानिस्तान, थाईलैण्ड, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, बंगलादेश, कीन्या, फ्रांस, और ईरान जैसे देशों से थे।

शुरू किए गए नये कोर्स (2008–2009)

- इण्डियन पालिटिक्स I : पालिटिकल आइडिआज इन माडर्न इण्डिया (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. गोपाल गुरु और डा. रिंकु लाम्बा।
- इण्डियन पालिटिक्स II : पालिटिकल इंस्टीट्यूशंस (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. बलवीर अरोड़ा और प्रो. प्रलय कानूनगो
- इण्डियन पालिटिक्स III : पालिटिकल प्रोसेस (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. जोया हसन और डा. आशा सारंगी
- इण्डियन पालिटिक्स IV : डिवलपमेंट पालिटिक्स ऐंड पब्लिक पालिसी (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट), कोर्स शिक्षक : प्रो. सुधा पई और राजर्षि दासगुप्ता

पालिटिकल फिलास्फी

- पालिटिकल फिलास्फी : की कनसेप्ट्स I (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. विधु वर्मा, डा. अजय गुडावर्थी और डा. रिंकु लाम्बा।
- पालिटिकल फिलास्फी : की कनसेप्ट्स II (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. वी. रोड्रिग्स, डा. शैफाली झा और डा. अमीर अली
- रीडिंग्स इन पालिटिकल थाट (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. गुरप्रीत महाजन, डा. अमीर अली और डा. राजर्षि दासगुप्ता

कम्पेरिटिव ऐंड इंटरनेशनल पालिटिक्स

कम्पेरिटिव पालिटिक्स (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : डा. टी.जी. सुरेश और डा. अनुपमा राय।

इंटरनेशनल पालिटिक्स (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. राकेश गुप्ता

रिसर्च मैथड्स

- मैथड्स इन सोशल साइंसिस (एम.ए. अनिवार्य कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : डा. एम.एन. ठाकुर और प्रो. गोपाल गुरु।

नये वैकल्पिक कोर्स और उनके शीर्षक :

- क्लासिकल पालिटिकल फिलास्फी (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. वी. रोड्रिग्स और डा. रिंकु लाम्बा।
- अर्ली मार्डन पालिटिकल थाट (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. विधु वर्मा, डा. शेफाली झा और डा. अमीर अली
- पोलिटिकल फिलास्फी आफ कांट ऐंड हीगल (एम.ए. वैकल्पिक कोर्स, 4 क्रेडिट) कोर्स शिक्षक : प्रो. गुरप्रीत महाजन और शेफाली झा।

केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन

- केंद्र ने 3–4 अप्रैल 2008 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के सहयोग से 'रिप्रजेंटिंग डाइवर्सिटी : आइडियास ऐंड इंस्टीट्युशंस' विषयक 3 दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया। (संयोजक : प्रो. गुरप्रीत महाजन)
- केंद्र ने 25–26 सितम्बर 2008 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, वि.अ.आ. – विशेष सहायता कार्यक्रम के सहयोग से 'स्टेट्स रिआरगेनाइजेशन : कनटेम्पोरेरि कंसर्स' विषयक 2 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। (संयोजक : प्रो. सुधा पई और डा. आशा सारंगी)
- केंद्र ने 19–20 नवम्बर 2008 को आर्ट्स ऐंड ह्युमेनिटीज रिसर्च काउंसिल, यू.के. इण्डियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम के सहयोग से 'हिंदू नेशनलिस्ट आरगेनाइजेशंस इन सोशल ऐंड पालिटिकल कन्टेक्स्ट' विषयक 3 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। (संयोजक : प्रो. प्रलय कानूनगो)
- केंद्र ने 15–17 जनवरी 2009 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से 'सोशल जस्टिस इन इण्डिया : थीअरि, मूवमेंट, इंस्टीट्यूशंस ऐंड पालिसी' विषयक 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। (संयोजक : प्रो. वी. रोड्रिग्स)
- केंद्र ने 12–14 फरवरी 2009 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्यूमन सिविलाइजेशन इन द टंवटीफर्स्ट सेंचुरी टु आब्जर्व द सेंचुरी आफ हिंदू स्वराज' विषयक 3 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इसका आयोजन सामाजिक विकास परिषद, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, नेल्सन मंडेला सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, इंस्टीट्युट आफ सोशल ऐंड हैल्थ साइंस, यूनिवर्सिटी आफ साउथ अफ्रीका; :'रिग्गेन', फेडरल फ्लोमिनेंस, यूनिवर्सिटी आफ ब्राजील, ओफेलिआ सेंटर फार ग्लोबल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज और यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, सांता बारबरा के संयुक्त सहयोग से किया गया था। (संयोजक : प्रो. वी. रोड्रिग्स और डा. एम.एन. ठाकुर)

विशेष व्याख्यान और साप्ताहिक संगोष्ठियां

- प्रो. एस. कविराज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, ने 28 जुलाई 2008 को 'एडवर्ड सेड ऐंड द फार्म्स आफ इंटिलेक्चुअल हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. विजय प्रसाद, ट्रीनिटी कालेज, यूएसए, ने 20 जुलाई 2008 को 'देसिस लाइक देट : पालिटिकल कल्चरल आफ इंडियंस इन द यूनाइटिड स्टेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सुबीर सिन्हा, लंदन यूनिवर्सिटी, ने 27 अगस्त 2008 को 'थिओराइजिंग द डिवलपमेंट स्टेट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. विनय लाल, यू.सी.एल.ए., ने 15 अक्टूबर 2008 को 'गांधी'स वेस्ट ऐंड वेस्ट'स गांधी : द पालिटिक्स आफ बार्डर क्रासिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. संजीब मुखर्जी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, ने 22 अक्टूबर 2008 कासे 'द लेफ्ट गवर्नमेंट'स डिवलपमेंट स्ट्रटिजी ऐंड द पालिटिक्स आफ द (इम) पासिबल' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. जी. कृष्णा रेड्डी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, ने 11 सितम्बर 2008 को 'दलित ऐंड जस्टिस : डिफ्रेंट स्ट्रेंड्स इन द डिस्कोर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रामनारायण रावत, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, ने 5 नवम्बर 2008 को 'रिक्लेमिंग द पास्ट : द फामुलेशन आफ ए दलित एजेण्डा बाई चमार्स इन अर्ली टंवटिएथ सेंचुरी, यू.पी.' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. बी.एस. चिमनी, अ.अ.सं., जेएनयू, ने 12 नवम्बर 2008 को 'प्रोलेगोमेना टु ए क्लास एप्रोच टु इंटरनेशनल रिलेशन/ला' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. इनग्रिड रोबिंस, इरासमस यूनिवर्सिटी, रोटर्डम, ने 17 दिसम्बर 2008 को 'सोशल जस्टिस ऐंड वेलफेयर स्टेट्स इन यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. मोहिंदर सिंह, आई.आई.ए.एस.; शिमला, ने 4 फरवरी 2009 को 'द सोशल इन 19थ सेंचुरी नार्थ इण्डिया : ए कनसेप्चुअल–हिस्टोरिकल एनालिसिस आफ हिन्दी वर्नाकुलर' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रिचर्ड ए. हिगोत, वारविक यूनिवर्सिटी, ने 10 फरवरी 2009 को 'चैलेंजिस फार ग्लोबल इकोनामिक गवर्नेंस' विषयक व्याख्यान दिया।

निर्माण फाउंडेशन व्याख्यान

- चौथा निर्माण फाउंडेशन व्याख्यान 15 जनवरी 2009 को प्रो. मार्क गलांटर, जोन और राइला बोसार्ड, प्रोफेसर आफ इमिरेट्स आफ ला ऐंड साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ विसकोंसिन मेडिसन और सेंटेनिअल प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ ला, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स ऐंड पालिटिकल साइंस द्वारा 'पब्लिक इंस्टीट्युशंस ऐंड सोशल जस्टिस इन इण्डिया' विषय पर दिया गया।

विजिटिंग फेला/फेकल्टी

- प्रो. मार्क गलांटर, प्रोफेसर आफ साउथ एशिया ऐंड ला, यूनिवर्सिटी आफ विस्कोसिन और लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, 12–18 जनवरी 2009
- प्रो. वी.के. नटराज, पूर्व निदेशक, 'मिड्स', चैन्नई और पूर्व प्रोफेसर, विकास अध्ययन केंद्र, मैसूर यूनिवर्सिटी, 16 फरवरी 2008 – 15 अप्रैल 2008

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र ने लगभग चार दशक पहले वर्ष 1971 में भारत में क्षेत्रीय विकास के सम्पूर्ण क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध अध्ययन के अन्तरविषयक पाठ्यक्रमों पर बल देने के उद्देश्य से अपनी गतिविधियां आरम्भ की थीं। पिछले वर्षों से विद्वानों का एक अन्तरविषयक दल इन गतिविधियों को जारी रखने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है।

मार्च 2004 में (अप्रैल 2003 से) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के चरण–2 के अन्तर्गत केंद्र को उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में अपग्रेड किया गया। पूरे भारत में भूगोलशास्त्र में इस स्तर को प्राप्त करने वाला यह पहला और अकेला केंद्र है। उच्च अध्ययन केंद्र घोषित होने से इसकी संरचनागत सुविधाओं में विकास होने के साथ–साथ वर्तमान एवं नए शोध क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध गतिविधियों में वृद्धि हुई है।

केंद्र एम.ए. (भूगोल) और निम्नलिखित तीन मुख्य क्षेत्रों – अर्थशास्त्र, भूगोल और जनसंख्या अध्ययन में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। अन्तरविषयक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए केंद्र के इन पाठ्यक्रमों में सामाजिक–आर्थिक, मानव, संस्थागत, प्रौद्योगिकीय, संरचनागत और पर्यावरण पक्षों के साथ–साथ विभिन्न ढंग से क्षेत्रीय विकास के मामलों में अध्ययन भी किया जाता है। भूगोल की प्राचीन परम्पराओं में क्षेत्रीय कार्य का महत्त्वपूर्ण स्थान है, अतः एम.ए. छात्रों को दो अनिवार्य कोर्स पूरे करने होते हैं, जो पूर्णरूप से क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित हैं। (प्रायः ग्रामीण क्षेत्रों में) ग्रुप में रह कर छात्र विशेष सिद्धान्त प्रणालियों का प्रशिक्षण हासिल करते हैं और प्रारम्भिक क्षेत्रीय जानकारी हासिल करते हैं। इस तरह लम्बे समय तक ग्रुप में रहने से छात्रों में परस्पर अन्तरवैयक्तिक दक्षता और मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध विकसित होते हैं। एम.फिल. तथा एम.ए. पाठ्यक्रमों की पुनर्संरचना करना केंद्र की एक निरन्तर प्रक्रिया है।

केंद्र के शिक्षकों की 5 पुस्तकें और पुस्तकों में 32 अध्याय प्रकाशित हुए। शिक्षकों के 27 शोध आलेख प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

संरचनागत सुविधाएं :

केंद्र में एक परम्परागत कार्टोग्राफिक लेबोरेट्री, कंप्यूटर–ऐडिड डाटा प्रोसेसिंग लेबोरेट्री, रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. लेबोरेट्री, फोटोग्रामेट्री ऐंड डिजिटल मैपिंग यूनिट, जिओमार्फोलाजी लेबोरेट्री और एक विभागीय पुस्तकालय है। केंद्र शिक्षण एवं शोध के लिए शिक्षकों तथा छात्रों के लिए इंटरनेट की सुविधाएं उपलब्ध है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र ने शिक्षण के लिए एक आडिओ–विजुअल उपकरण, प्राप्त किया। रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. लेबोरेट्री तथा मूनिस रजा स्मारक समिति कक्ष में एल.सी.डी. और कंप्यूट्रीकृत स्क्रीन लगाई गई।

पृष्ठभूमि नोट :

केंद्र के शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत भूगोलशास्त्र में एम.ए. तथा भूगोलशास्त्र, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन में एम.फिल. और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। केंद्र भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के एम.ए. 5वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत छात्रों के लिए स्नातक स्तर के शिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है।

एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम

एम.फिल./पी–एच.डी. एक सतत पाठ्यक्रम है और विश्वविद्यालय के नियमानुसार छात्रों को एम.फिल. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पी–एच.डी. में प्रवेश दिया जाता है। यदि किसी छात्र के पास एम.फिल. उपाधि या इसके समतुल्य शोध अनुभव/प्रकाशन है तो उसे सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में दाखिल छात्रों को अपने शोध विषय से संबंधित कोर्स करने की सलाह दी जाती है।

एम.फिल. शिक्षण और शोध कार्यक्रम को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है :

- अर्थशास्त्र विषय
- भूगोल विषय
- जनसंख्या विषय

शिक्षकों द्वारा प्रत्येक स्ट्रीम में कुछ कोर्स चलाए जाते हैं जो अन्य स्ट्रीम के छात्रों के लिए भी उपलब्ध होते हैं। केंद्र के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए इसके कोर्सों की विषयवस्तु अन्तरविषयक है जिसमें अर्थशास्त्र, भूगोलशास्त्र और क्षेत्रीय विकास के मुद्दों से सम्बद्ध जनसांख्यिकीय क्षेत्र शामिल हैं। इस तरह कई शिक्षक एक से ज्यादा स्ट्रीम के शिक्षण एवं शोध गतिविधियों से जुड़े रहते हैं।

उपचारात्मक कोर्स

पढ़ाई में अन्य छात्रों की तुलना में जो छात्र स्वयं को कमजोर महसूस करते हैं, केंद्र उनके लिए उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है।

वर्ष 2008 के दौरान फील्ड वर्क

एम.ए. (भूगोलशास्त्र) के छात्रों के लिए भारत के पवर्तीय क्षेत्र में फील्डवर्क पर आधारित एक अनिवार्य कोर्स करना अपेक्षित है। इस कोर्स में छात्र को लगभग 25 दिनों का क्षेत्रीय सर्वेक्षण करना होता है। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भूगोलशास्त्र में फील्डवर्क की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण देना है ताकि उन्हें हिमालय क्षेत्रों की कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया जा सके। इसके अतिरिक्त छात्र इस क्षेत्र से सम्बन्धित भू–पर्यावरणीय/सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों

के बारे में अपनी पूर्व धारणा की प्रमाणिकता से पुष्टि कर सकें। वैश्विक तापमान और शीत तथा अन्य सम्बन्धित आपदाओं के सम्बन्ध में सिक्किम एक अद्वितीय क्षेत्र है। वर्ष 2008 में 41 छात्रों ने हिमालय के सिक्किम क्षेत्र में 'फील्ड सर्वे मैथड्स फिजीकल' (आर.डी. 415) कोर्स पूरा किया। डा. एस. श्रीकेश और डा. एम.सी. शर्मा इस फील्डवर्क के लिए छात्रों के साथ गए।

शीतकालीन सत्र के दौरान कोर्स सं. – आर.डी. 413 के अन्तर्गत भूगोलशास्त्र (सामाजिक–आर्थिक) में एक अन्य फील्डवर्क राजस्थान के दो जिलों – जोधपुर और जैसलमेर में किया गया। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण स्तर के सामाजिक–आर्थिक पहलुओं से अवगत कराना था। इस फील्डवर्क में डा. बी. जुत्शी और डा. बी. दास छात्रों के साथ गए।

केंद्र द्वारा आयोजित गतिविधियां

- डा. उलरिख कैम्प, डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, यूनिवर्सिटी आफ मोनटाना, यूएसए, ने 13 अगस्त 2008 को केंद्र में 'द 2005 कश्मीर अर्थक्वेक : इम्पेक्ट्स आन एनवायरनमेंट ऐंड सोसायटी' विषयक व्याख्यान आयोजित किया।
- डा. अनिरूद्ध के. जैन, वाइस प्रेजिडेंट, द पाप्यूलेशन काउंसिल, न्यूयार्क, ने 15 सितम्बर 2008 को केंद्र में 'ए ट्राइस्ट विद डेस्टिनी : डेमोग्राफी केन हैल्प रिएलाइज द ड्रीम' विषयक चौथा सेंटपाल स्मारक व्याख्यान दिया।
- डा. सुसेन स्मित, यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी ने 7 अक्टूबर 2008 को 'नागा पर्बत : ग्लेशियर चैंजिस ओवर द लास्ट 70ईयर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. लुईस ओवेन, प्रोफेसर आफ जिओग्राफी, यूनिवर्सिटी आफ सिनसिनेती, यूएसए, ने 22 अक्टूबर 2008 को 'ग्लेशिएशन आफ तिब्बत ऐंड द हिमालय' विषयक व्याख्यान दिया।
- केंद्र ने 23–27 दिसम्बर 2008 को सेवारत सीनियर लेवल आई.एस.एस. अधिकारियों के लिए 'डिवलपमेंट इकोनामिक्स ऐंड इण्डियन सिनेरियो' विषयक एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम को सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया। कुल मिलाकर 9 अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। इसमें कुछ एम.फिल./ पी–एच.डी. छात्रों को भी भाग लेने की अनुमति दी गई थी। विषय के विशेषज्ञ वक्ताओं को प्रमुख विषयों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। डा. एस. बाथला और प्रो. ए. दुबे ने कार्यक्रम को समन्वित किया।
- केंद्र ने अगस्त 2008 के दौरान कालेज के शिक्षकों के लिए अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स का समन्वयन किया। प्रो. ए. दुबे और डा. हिमांशु ने इसका आयोजन किया।
- डा. एम. पुनिया ने 24 अक्टूबर 2008 से 8 दिसम्बर 2008 तक एस.आई.टी./जेएनयू से एडुसेट सुविधाओं के सहयोग से 'बेसिक्स आफ रिमोट सेंसिंग, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम ऐंड जिओग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम' विषयक एडुसेट बेस्ड आऊटरीच तीसरे कार्यक्रम को समन्वित किया। इसके लिए लगभग 35 छात्र पंजीकृत थे।
- डा. एम. पुनिया ने 11 अप्रैल 2008 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के सहयोग से 'ओ.जी.सी. स्टेण्डर्स फार सेंसर नेटवर्क्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य ओ.जी.सी. से संबंधित प्रशिक्षण में प्रतिभागी क्षेत्रों की पहचान करना है। निम्नलिखित चार उप–विषयों की पहचान की गई है – (क) सेंसर युक्त सिस्टम/पर्यावरण के लिए ओ.जी.सी. स्टेण्डर्डस; (ख) ओ.जी.सी. आधारित सेंसर नेटवर्क में वर्तमान प्रवृत्तियां; (ग) एस.डब्ल्यू.ई. में केस स्टडीज/एप्लीकेशंस; (घ) नीति और मानक मुद्दे। इस संगोष्ठी में विभिन्न संस्थानों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, जेएनयू, प्रो. हारलान जे. आसार्ड, मेन यूनिवर्सिटी, यूएसए, जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम का आयोजन डा. एम. पुनिया ने किया।

केंद्र को उच्च अध्ययन का दर्जा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अप्रैल 2003 में विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत उच्च अध्ययन केंद्र का दर्जा प्रदान किया। ऐसा केंद्र के विशेष सहायता कार्यक्रम के दो चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करने तथा वर्तमान में उच्च स्तरीय शोध कार्य की क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। निम्नलिखित शोध के थ्रस्ट एरिया की पहचान की गई है :

- क्षेत्रीय विकास एवं नियोजन
- सामाजिक भूगोलशास्त्र/जनसंख्या भूगोलशास्त्र
- जी.आई.एस. का विकास/रिमोट सेंसिंग कोर्स और अनुप्रयोग सुविधाएं

इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. अतिया हबीब किदवई थी और उप–समन्वयक थे प्रो. हरजीत सिंह। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समीक्षा करने के बाद उच्च अध्ययन केंद्र में विस्तार किया जाएगा। प्रो. एस. राजू को इस कार्य को देखेने के लिए अनुरोध किया गया है।

प्रलेखन यूनिट

केंद्र की प्रलेखन यूनिट ने अब तक लगभग 300 पुस्तकें, मोनोग्राफ और शोध आलेख प्राप्त किए हैं। वर्ष 2008 के मानसून और शीतकालीन सत्रों के दौरान कुल 3650 शोधार्थी/छात्र/संकाय सदस्य ने केंद्र की प्रलेखन यूनिट की सुविधाओं का लाभ उठाया। वर्ष 2008 के दौरान यूनिट के संग्रह में निम्नलिखित वृद्धि हुई :

दस्तावेज	वर्ष 2008 में वृद्धि	कुल
✎ यू.जी.सी. सी.ए–एस के अन्तर्गत प्राप्त पुस्तकें	05	2000
✎ यू.जी.सी. – सी.ए.एस. के अन्तर्गत प्राप्त पुस्तकें		
✎ प्रक्रिया के अन्तर्गत है	08	08
✎ शिक्षकों से प्राप्त पुस्तकें	10	594
✎ जर्नल इकोनामिक्स ऐंड पालिटिकल वीकली, 1995–2008	52	714
केंद्र के शिक्षकों से प्राप्त पुस्तकें		
✎ डेमोग्राफी इण्डिया : 1995–2001	08	38
✎ पाप्युलेशन ऐंड डिवलपमेंट रिव्यु 2000–04	250	115
✎ स्टडीज इन फैमिली प्लानिंग 1990–2003	10	70
✎ अमरीकन इकोनोमिक रिव्यु 1986–96	10	95
✎ जर्नल आफ इकोनामिक लिट्रेचर 1981–96	05	45
✎ जर्नल आफ लेबर इकोनोमिक्स 2003–04	05	30
✎ जर्नल आफ पालिटिकल इकोनामी 1985	12	36
✎ पी–एच.डी. थीसिस	10	231
✎ एम.फिल डिजर्टेशन	45	845
✎ कानफ्रेंस पेपर्स/प्रोसिडिंग्स (नई + पुरानी)	50	1000
✎ शिक्षकों एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त जिरोक्स मैटिरियल	50	1000
✎ यू.एन. गर्वनमेंट पब्लिकेशंस आदि	05	390
✎ सर्कुलेशन आफ डाक्यूमेंट्स	11843	11843
✎ शिक्षकों, स्नातकोत्तर छात्रों/अतिथियों को उपलब्ध प्रलेखन सुविधाएं	3656	

सभी दस्तावेजों को अब वर्गीकृत कर लिया गया है। उपभोक्ताओं के रीडिंग रूम सभी कार्यदिवसों में सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक तथा शनिवार और रविवार को 6 घंटे तक खुला रहेगा। उच्च अध्ययन केंद्र के छात्र सम्बद्ध कार्यक्रम से प्राप्त वित्तीय सहयोग के कारण प्रलेखन यूनिट को और अधिक समय तक खुला रखना सम्भव हो सका है। प्रत्येक सत्र में पढ़ाए जा रहे कोर्सों से सम्बन्धित पठन सामग्री यदि प्रलेखन यूनिट में उपलब्ध नहीं होती तो उसे छात्रों के प्रयोग के लिए जेएनयू पुस्तकालय से उधार पर लिया जाता है। अन्य पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों के अध्यायों/सम्बन्धित सामग्री की अनेक फोटोकापियां यूनिट में उपलब्ध हैं। उच्च अध्ययन केंद्र कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुदान राशि से वर्तमान पुस्तकों में वृद्धि करने की योजना है।

छात्रों की गतिविधियां

प्रकाशन

- जगन्नाथ बेहरा, 'इनफेंट मोर्टेलिटी अमंग द मार्जिनलाइज्ड पीपल इन इण्डिया' विषयक अध्याय एस. राजन पद्यी और विश्वजीत द्वारा सम्पादित पुस्तक 'ट्राइबल डिवलपमेंट इन इण्डिया : कंटेम्पोरेरि इश्युज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' में प्रकाशित हुआ, मंगलम पब्लिर्श, दिल्ली, इण्डिया, 2009

- शिबब्रत दास, 'चाइल्डहुड अंडर न्यूट्रिशन : ए कम्पेरिटिव एनालिसिस आफ शेडयूल्ड ट्राइब्स ऐंड अदर्स मिडइण्डियन ट्राइबल रीजन' सोशल चैंज भाग 38, अंक 1, पृ. 64–83, 2008
- शिबब्रत दास, 'पावर्टी, हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट नेक्सस : ए केस स्टडी आफ कम्युनिटी फारेस्ट्री इन इण्डिया' (प्रताप चंद्र मोहन्ती के साथ), एस.के. पाल (सं.) पावर्टी, हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, कामनवेल्थ पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009
- शर्मिष्ठा बासु और शिव नारायण सिंह, 'वर्क स्टेटस ऐंड हैल्थ आफ वुमन : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ नार्थर्न ऐंड साउदर्न स्टेट्स आफ इण्डिया' इंटरनेशनल जर्नल आफ वर्ल्ड हैल्थ ऐंड पाप्युलेशन, भाग–10, अंक–2, 2008
- सरिला दास गुप्ता, शुद्धमिता मुखर्जी, सम्पूर्णा सिंह, रोहिनी पांडे और शर्मिष्ठा बासु, 'नाट रेट्डी लुकिंग बिहाइंड लेसंस फ्राम इंटरवेंशंस डिलेइंग मैरिज आफ गर्ल्स इन इण्डिया' आई.सी.आर.डब्ल्यू., सितम्बर 2008
- क्लेयर नरोहना, रोजर जेफरी, पेट्रिसिया जेफरी और शर्मिष्ठा बासु, 'आउटकम्स आफ एज्यूकेशन फार द हैल्थ ऐंड फर्टिलिटी डिसिजन मैकिंग आफ पुअर इन इण्डिया प्रिलिमिनरी रिजल्ट्स फार अलवर ऐंड देवास' आनलाइन पब्लिकेशन इन रिकूप साइट, 2008
- एन.आर. मिश्रा और एच. साहू, 'ऐज ऐट मैरिज ऐंड इट्स कोरिलेट्स इन मध्य प्रदेश, पाप्युलेशन ऐंड हैल्थ इण्डिया 2007' आलोक रंजन (सं.), भोपाल, श्याम इंस्टीट्यूट, पृ. 103–109, 2008
- एच. साहू, 'रीजंस आफ नान अक्सेप्टेंस ऐंड फ्यूचर इनटेंशन टु यूज कंट्रोसेप्टिव मैथड इन इण्डिया : इनसाइट्स फ्राम एन.एफ. एच.एस. डाटा' इण्डियन जर्नल आफ सोशल डिवलपमेंट, भाग–8, अंक–1, पृ. 1–18, 2008

कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रतिभागिता

- दिशा तिवारी (नियाती जोयी के साथ सह–लेखक) ने 8 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित 6ठे आई.ए.एस. एच. अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'फादरहुड इनफेंट डेथ्स, एम.डी.जी. गोल्स, पाप्युलेशन पालिसी एचीवमेंट इन इण्डिया : एन एनालिसिस आफ एन.एफ.एच.एच. 3' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- दिशा तिवारी ने 7 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित आई.ए.एस.एस.एच. अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत 'द आई.एम.एन.सी.आई. अप्रोच टुवर्डस रिएलाइजिंग द एम.डी.जी. गोल : टेकिंग चाइल्डकेयर टु द डोरस्टेप्स आफ द कम्युनिटी इन द शिवपुरी डिस्ट्रिक्ट आफ मध्य प्रदेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 7–9 अप्रैल 2008 को जेवियर इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट में आयोजित 5वीं आल इण्डिया आई.ए.एस.एस. एच. सम्मेलन में 'डिस्पेरिटी इन इनफेंट मार्टेलिटी अमंग कास्ट इन उड़ीसा ऐंड इट्स कोजिज : इविडेंस फ्राम एन.एफ.एच.एस. ' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 17–19 अक्टूबर 2008 को आई.ए.एस.पी. की 30वीं वार्षिक संगोष्ठी में 'ट्रेंडस इन जेंडर डिस्पेरिटी इन चाइल्डहुड इम्युनाइजेशन इन फाइव मेजर लो चाइल्ड रेशिओ स्टेट्स आफ इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 27–29 जनवरी 2009 को श्याम इंस्टीट्यूट, भोपाल में 'चैंजिंग सोशल ग्रुप डिस्पेरिटी इन इनफेंट मेर्टिलिटी इन मध्य प्रदेश ऐंड इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जगन्नाथ बहेरा ने 7–8 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित छठी आई.ए.एस.एस.एच. अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर डिस्पेरिटी ट्रेंडस इन चाइल्ड मोर्टिलिटी इन इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शिवब्रत दास (2008) ने 25–26 सितम्बर 2008 को बी.आर. अम्बेडकर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'डा. अम्बेडकर ऐंड हिज कंट्रीब्युशन : एन इंटरडिसीप्लिनरी पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बिटवीन डिवलपमेंट ऐंड डेप्रिवेशन : ए स्टडी आफ मार्जिनेलाइज्ड ग्रुप्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शिवब्रत दास ने 1–3 अक्टूबर 2008 को क्रोनिक पावर रिसर्च सेंटर इण्डिया और सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'इराडिकेटिंग क्रोनिक पावर्टी इन इण्डिया : पालिसी इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशिआ–स्पेशिएल डायमेंशंस आफ पावर्टी : चाइल्ड हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट द केस आफ उड़ीसा' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शर्मिष्ठा बासु, क्लेयर नोरोनहा, अनुराधा दे और रोजर जेफरी, ने 3–5 दिसम्बर 2008 को 'न्यूपा' में आयोजित 'एज्यूकेशन एक्सेस, एक्सक्लुजन ऐंड आउटकम्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फर्टिलिटी डिक्लाइन : इज इट एन आउटकम आफ वुमन स्कूलिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मशखूर अहमद ने 27–29 जनवरी 2009 को भूगोलशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'रिर्सोस डिवलपमेंट ऐंड एनवायरनमेंटल चैंज : इमर्जिंग इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्पेशिएल पैटर्नस आफ इंटरबल माइग्रेशन इन उत्तर प्रदेश' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ईश्वर सिंह (मिलाप शर्मा के साथ) ने 23–25 अक्टूबर 2008 को वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जिओलाजी में आयोजित 'माउंटेन बिल्डिंग ऐंड क्लाइमेट टेक्टोनिक इंटरएक्शन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिफाइनिंग टाइमिंग्स आफ द गंगोत्री ग्लेशियर एक्सपेंशन ऐंड फ्लुक्चुऐशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

स्टाफ की विविध गतिविधियां

- एस. कुमार, हैल्थ इनफार्मेशन सर्विसिज इन टवंटीफर्स्ट सेंचुरी, गगनदीप पब्लिकेशंस, दिल्ली, जनवरी 2009
- एस. कुमार ने 18–20 दिसम्बर 2008 को जे.आई.आई.टी., नोएडा में आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स ऐंड टेक्नालाजिस इन लाइब्रेरी ऐंड इनफार्मेशन सर्विसिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिफाइनिंग टाइमिंग्स आफ द गंगोत्री ग्लेशियर एक्सप्रेशंस ऐंड फलक्चुएशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.टी. सेलवान ने 24–28 सितम्बर 2008 को बिजिंग, चीन में 'एशिया–यूरोप मीटिंग' में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट्स इनिशिएटिव्स इन इण्डिया : द 2008 माडल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 1971 में समाजशास्त्र के दो मुख्य क्षेत्रों – (1) सामाजिक संरचना और (2) सामाजिक प्रक्रिया, में तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाने के उद्देश्य से हुई थी। केंद्र को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक तथा अन्य ऐसी उप–पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक पद्धति के अध्ययन में एक अन्तरविषयक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता थी। मेकरो और माइक्रो स्तरों पर सामाजिक पद्धतियों और इसकी सह–पद्धतियों के अध्ययन हेतु तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य विकसित करने की योजना थी। इसके लिए केंद्र के शिक्षकों, छात्रों और शोध स्टाफ ने पिछले कई वर्षों से निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है :

- आधुनिकीकरण और विकास का समाजशास्त्र
- व्यवसाय और व्यावसायिकता का समाजशास्त्र
- सामाजिक स्तरीकरण का समाजशास्त्र
- सामाजिक आंदोलन और सामाजिक लामबंदी का समाजशास्त्र
- सीमांत वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित अध्ययन
- आदिवासी और नरजातीय का समाजशास्त्र
- शिक्षा का समाजशास्त्र
- ज्ञान का समाजशास्त्र
- जेंडर और जेंडर सम्बन्धों का समाजशास्त्र
- भारतीय डायस्पोरा का समाजशास्त्र
- धर्म का समाजशास्त्र और
- संस्कृति अध्ययन का समाजशास्त्र

विश्वविद्यालय की विद्या परिषद ने अपनी दिनांक 21 अप्रैल 2006 को हुई बैठक में जेएनयू में उत्तर–पूर्व भारत पर अध्ययन शुरू करने का अनुमोदन किया। यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति को भेजा गया। इस समिति ने प्रो. टी. रामाराव की अध्यक्षता में 8–10 अगसत 2008 के दौरान विश्वविद्यालय का दौरा किया। विशेष समिति की सिफारिशों के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 12 अन्य कार्यक्रमों के साथ जेएनयू में उत्तर पूर्वी अध्ययन कार्यक्रम शुरू करने के लिए अपनी मंजूरी भेजी।

उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के अध्ययन को शामिल करते हुए इसकी अन्तरविषयक संरचना तैयार की गई और इसे विश्वविद्यालय के पांच संस्थानों में पढ़ाया जा रहा है। ये संस्थान हैं – भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, सामाजिक विज्ञान संस्थान, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और कला और सौंदर्यशास्त्र अध्ययन संस्थान। इसका मुख्य

उद्देश्य उत्तर–पूर्वी अध्ययन के लिए विभिन्न संस्थानों के माध्यम से गहन शोध कार्य किया जा सके। इस अध्ययन कार्यक्रम को शुरू करने के लिए कुलदेशिक और उपरोक्त पांच संस्थानों के डीन को शामिल करते हुए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया। कुलपति को पांच संस्थानों के डीन में किसी को समन्वयक के रूप में नियुक्त करने के लिए प्राधिकृत किया गया।

वर्तमान में उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान संस्थान के डीन (जो इसके समन्वयक हैं) के मार्गदर्शन में चल रहा है।

उपलब्धियां

समीक्षाधीन अवधि के दौरान उत्तर–पूर्वी भारत अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय और पांच विभागीय संगोष्ठियां आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त एक जन व्याख्यन और फिल्म शो पैनल परिचर्चा के साथ आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 13 से 15 मार्च 2009 के दौरान मणिपुर अध्ययन केंद्र, मणिपर विश्वविद्यालय के सहयोग से इम्फाल में 'वुमन इन द ट्रेडिशनल इंस्टिट्यूशंस ऐंड वर्ल्ड वियुज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु ट्राइबल सोसायटीज आफ नार्थीस्ट इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसके लिए जेएनयू ने एक लाख रुपये और आदिवासी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने रुपये 50,000 की राशि वित्तीय सहायता प्रदान की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान आयोजित संगोष्ठियां

- श्री लिपो कुमार दुविचु, सी.एच.एस. ने 26 सितम्बर 2008 को आयोजित संगोष्ठी में 'आन द मैप आफ द माइंड : ए हिस्ट्री आफ रोड बिल्डिंग्स इन द हिल ट्रेक आफ ब्रिटिश इण्डिया'स नार्थीस्ट फ्रंटीयर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री जान थामस, ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, ने 10 अक्टूबर 2008 को आयोजित संगोष्ठी में 'मिशनरीज, कोलोनिआलिज्म ऐंड द राइटिंग्स आफ हिस्ट्री अमंग द नागास' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री लागुलियन, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र ने 24 अक्टूबर 2008 को आयोजित संगोष्ठी में 'द डायनेमिक्स आफ एथनिक आइडेंटिटी : ए सोशिओ–हिस्टोरिकल एनालिसिस आफ द चिन–कुकी–मिजो पीपल आफ नार्थीस्ट इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुश्री ई. लालरामलुनी, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, ने 20 फरवरी 2009 को आयोजित संगोष्ठी में 'क्रिटिकल एसेसमेंट आफ द रोल आफ रीजनल पालिटिकल पार्टीज इन द स्टेट फार्मेशन इन द नार्थीस्ट : ए स्टडी आफ मिजोरम, नागालेण्ड ऐंड मेघालय' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री ए.एस. शिमरीवुंग, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र ने 20 फरवरी 2009 को आयोजित संगोष्ठी में 'परफार्मिंग कल्चर आफ द नागा'स : म्युजिकल परफार्मेंस आफ द तंगखुल नागास' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

जन व्याख्यान

- प्रो. ए.सी. सिन्हा, (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, नेहू, शिलांग) ने 23 जनवरी 2009 को 'इमर्जिंग आइडेंटिटी फार्मेशन इन सिक्किम' विषयक व्याख्यान दिया।

प्रलेखन

समीक्षाधीन अवधि के दौरान उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम ने जेएनयू के सभी संस्थानों में अब तक लिखे गए एम.फिल./पी–एच.डी. शोध प्रबंधों का प्रलेखन कार्य शुरू किया है। यह कार्य शीघ्र ही पूरा हो जाने की संभावना है।

केंद्र का शिक्षण और शोध कार्यक्रमों में एक तरफ तो सिद्धान्त और पद्धतियों का अध्ययन है और दूसरी तरफ सामाजिक पद्धतियों की संरचना और प्रक्रिया का विश्लेषण शामिल है। एम.ए. और एम.फिल. स्तर के कोर्सों की संरचना और विषय वस्तु अन्तरविषयक है। एम.ए. स्तर के कोर्स में भारतीय समाज से संबंधित मूल मुद्दों के अध्ययन में सैद्धांतिक और पद्धतिपरक पक्ष शामिल हैं। एम.फिल. स्तर के कोर्सों में तुलनात्मक और अन्तरविषयक परिप्रेक्ष्य पर बल दिया जाता है। एम.ए. और एम.फिल. स्तर पर विविध विषयों पर आधारित वैकल्पिक कोर्स भी चलाए जाते हैं। विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों के अनेक छात्र इन कोर्सों को पढ़ने के लिए पंजीकरण कराते हैं। इनके अतिरिक्त केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए समाजशास्त्र/समाज मानव विज्ञान में दो वैकल्पिक कोर्स चलाता है।

केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

- प्रो. आनंद कुमार, डा. विवेक कुमार, डा. जी. श्रीनिवास ने संयुक्त रूप से 1–3 अक्टूबर 2008 को 'इराडिकेटिंग क्रोनिक पावर्टी इन इण्डिया : पालिसी इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आनंद कुमार, प्रो. तिपलुत नोंगब्री, डा. विवेक कुमार ने संयुक्त रूप से 7–8 मार्च 2009 को 'इकोनामी, सोसायटी ऐंड सोशिओलाजी' विषयक प्रो. एम.एन. पाणिनी अभिनन्दन अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आनंद कुमार ने 26–28 मार्च 2009 को 'डायनेमिक्स आफ माडर्नाइजेशन : अंडरस्टेंडिंग द गांधी एन अप्रोच' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. तिपलुत नोंगब्री ने जेएनयू के उत्तर–पूर्वी भारतीय अध्ययन कार्यक्रम की ओर से 13–15 मार्च 2009 को मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में 'वुमन इन ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशन ऐंड वर्ल्ड व्युज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु द ट्राइबल सोसायटीज आफ नार्थ–ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी का संयुक्त रूप से आयोजन किया।
- डा. रेणुका सिंह ने 4–5 मार्च 2009 को आई.आई.सी., दिल्ली में 'फोसवालु के लिए बुद्धिज्म ऐज ए पीस–मैकर इन पोस्ट–माडर्न सार्क' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- डा. वी. सुजाता ने 30–31 मार्च 2009 को पी–एच.डी. रिसर्च स्कालर्स सेमिनार का आयोजन किया।
- डा. वी. सुजाता ने 1–2 मई 2008 को जेएनयू में 'द पालिटिक्स आफ मेडिकल प्लुरलिज्म इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

इनके अतिरिक्त, केंद्र में साप्ताहिक संगोष्ठियों का भी आयोजन हुआ। इनके समन्वयक थे डा. बिमल एकोईजम और डा. जी. श्रीनिवास। इसमें देश विदेश से आए विद्वानों ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

- डा. लारा बाल्बो, यूनिवर्सिटी आफ पादोवा, इटली, ने 3 अप्रैल 2008 को 'द सोशियोलाजी आफ डेली लाइफ : ए रिसेंट री–डिस्कवर इन द सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. प्रीति मोंगा, शर्राफ आई होस्पिटल, ने 4 सितम्बर 2008 को '2120 एटिट्युड, फेसिंग चैलेंजिस : द सोशल कंटेक्स्ट आफ एवरीडे सर्वाइवल फार द विजुअलि हैंडिकेप्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री राकेश कुमार, निदेशक, आल्टरनेटिव फ्यूचर्स, नई दिल्ली, ने 11 सितम्बर 2008 को 'मीडिया क्रिएटिविटी ऐंड सोसायटी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. लारेंट अबर्ट, क्यूरेटर, जिनेवा एथनोग्राफिक म्युजियम, ने 22 सितम्बर 2008 को 'द म्युजिक आफ द अदर – द चैलेंजिस फार एथनोम्यूजिकोलाजी इन ए ग्लोबल ऐज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सर्वचेतन कटोक, जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 25 सितम्बर 2008 को 'इंटेरोगेटिंग इण्डियन डायस्पोरा' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. एम.जी. चतुर्वेदी, पूर्व प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी. ने 16 अक्टूबर 2008 को 'फिलास्फिकल फाउंडेशंस आफ वल्लभ सम्प्रदाय (ए डिवोशनल मूवमेंट आफ नार्थ–वेस्टर्न इण्डिया)' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रोलेण्ड लार्डिनायज, फेलो, नेशनल सेंटर फार साइंटिफिक रिसर्च, पेरिस, ने 3 नवम्बर 2008 को 'हिस्ट्री आफ द सोशिओलाजी आफ इण्डिया इन फ्रांस 19थ–20थ सेंचुरीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. नंदुराम ने सी.एस.एस.एस. सा.वि.सं., जेएनयू में 6 नवम्बर 2008 को 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री जोन जरजन, दर्शनशास्त्री, यू.एस.ए., ने 11 नवम्बर 2008 को 'जोन जरजन : ए क्रिटिक आफ सिविलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. नीलिका मेहरोत्रा, सी.एस.एस.एस., सा.वि.सं., जेएनयू ने 20 नवम्बर 2008 को 'रिविजिटिंग ट्राइबल डिवलपमेंट : ए केस आफ बस्तर' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अरी सितास, यूनिवर्सिटी आफ कावाजुलु नाताल डर्बन, साउथ अफ्रीका, ने 24 नवम्बर 2008 को 'माडर्निटी विदाउट वेबर ऐंड डुरखिम : फ्रीइंग सोशिओलाजी ऐंड गाजिंग डेविऐंस/रेसिस्टेंस इन ए श्रीकिंग वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।

- श्री क्रिश्चियाना वास्तोस, पुर्तगाल ने 22 जनवरी 2009 को 'माइग्रेट'स, सेटलर्स ऐंड क्लोनिस्ट्स – द बायोपालिटिक्स आफ डिस्प्लेस्ड बाडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. एस.टी. हेटिग, चेयर प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ सोशिओलाजी, यूनिवर्सिटी आफ कोलम्बो, ने 29 जनवरी 2009 को 'एज्यूकेशन आइडेंटिटी फार्मेशन ऐंड सिटीजनशिप इन श्रीलंका' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. बिमल अकोईजम, सी.एस.एस.एस., सा.प.वि., जेएनयू ने 5 फरवरी 2009 को 'नेशन ऐंड इट्स अदर्स : ए सोशल साइकोलाजी आफ आइडेंटिटी पालिटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. आर. रोबिंसन, सी.एस.एस.एस., सा.वि.सं., जेएनयू ने 12 फरवरी 2009 को 'प्रोटेस्टेटीज्म ऐंड प्रोटेस्ट : इण्डियन क्रिश्चियन थिओलाजी इन द नाइनटींथ सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अंजन घोष, सी.एस.एस.एस., सा.वि.सं., जेएनयू ने 19 फरवरी 2009 को 'कंटेस्टिंग पीपल स्पेस इन कलकता : दुर्गा पूजा ऐज परफार्मेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुश्री सुपर्णा घोष, ट्रिबुनल एडजुडिकेटर, कनाडा, ने 25 फरवरी 2009 को 'माइग्रेशन टु नार्थ अमरीका : क्वेश्चन आफ रेस, क्लास ऐंड जैंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. एलिस डब्ल्यू. क्लार्क, सेंटर फार साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, बार्कले, ने 26 फरवरी 2009 को 'यंग वुमन इन हाई–टेक इण्डिया : नरेटिव्स आफ इंडिविजुऐशन ऐंड अपर्च्युनिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. डेटलेफ ब्रिसेन, प्रोफेसर, जेएलयू यूनिवर्सिटी, डिर्पाटमेंट आफ हिस्ट्री गिसेन, ने 5 मार्च 2009 को 'फ्राम माडर्निटी टु पोस्ट–माडर्निटी : फिफ्टी फाइव इयर्स आफ न्यूट्रीशन इन जर्मनी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जी. ओबेसेकरे, इमिरेट्स प्रोफेसर आफ एंथ्रोपोलाजी, प्रिसंटन यूनिवर्सिटी, ने 12 मार्च 2009 को 'केनिनबलिज्म, क्वार्टरिंग ऐंड द मैन : इटिंग मिथ इन द यूरोपीयन एक्सप्लोरेशन आफ द साउथ पेसिफिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जी. ओबेसेकरे, इमिरेट्स प्रोफेसर, एंथ्रोपालोजी, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, ने 19 मार्च 2009 को 'हू वर द वेदास ? ए री–एग्जामिनेशन आफ एब ओरिजनेलिटी ऐंड प्रीमिटिवनेस इन द एथनोग्राफिक रिप्रेजेंटेशन आफ श्रीलंकन हंटर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. हेलमुट, इमिरेट्स प्रोफेसर ऑफ एनवायरनमेंटल सोसियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमन ने 26 मार्च 2009 को 'थर्ड वर्ल्ड' एण्ड 'फर्स्ट वर्ल्ड' एनवायरनमेंटलिज्म : सम रिमार्क्स ऑन एनवायरनमेंटल प्रॉब्लम्स एंड एनवायरनमेंटल सोसियोलॉजी विषयक व्याख्यान दिया।

केंद्र में आए अतिथि

- डा. गेरनाट सालमन, एल्बर्ट लुदविग यूनिवर्सिटी, फ्रीबर्ग, जर्मनी, 17 मार्च 2008 से 13 अप्रैल 2008 तक केंद्र के दौरे पर आए।
- प्रो. अंजन घोष, सी.एस.एस.एस. कोलकाता, 12 से 16 फरवरी 2009 तक केंद्र के दौरे पर आए।
- प्रो. हेलमुथ लांग, जर्मनी, 9 से 31 मार्च 2009 तक केंद्र के दौरे पर आए।

कोई अन्य महत्त्वपूर्ण सूचना

केंद्र को उच्च अध्ययन केंद्र का दर्जा प्राप्त होने से उपलब्ध अनुदान राशि से इसका पुस्तकालय काफी समृद्ध हुआ है। पुस्तकालय आकार में छोटा होने के बावजूद अपने अद्वितीय संग्रह के कारण शिक्षकों एवं छात्रों को आकर्षित करता है। इसमें समसामयिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत और सामाजिक विज्ञान के उभरते हुए क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध हैं। वर्तमान में इसके संग्रह में 2781 पुस्तकें हैं जो विशेष सहायता विभाग/उच्च अध्ययन केंद्र कार्यक्रमों के तहत खरीदी गई हैं। केन्द्र में एक डॉ. अम्बेडकर चेयर भी है। इसके अन्तर्गत अम्बेडकर के चिंतन और दर्शन के साथ–साथ दलित और अल्पसंख्यक विषयक पुस्तकों का संग्रह है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च अध्ययन केन्द्र कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र का चयन किया है और केन्द्र के संरचनागत ढांचे को मजबूत बनाने हेतु 5 वर्ष के लिए 59.50 लाख रुपये की अनुदान राशि भी मंजूर की है। केन्द्र ने इंस्टीच्युट ऑफ सोशिओलॉजी, एल्बर्ट लुदबिग्स यूनिवर्सिटी (फ्रीबर्ग, जर्मनी) और क्वाजुलु नटाल यूनिवर्सिटी (डर्बन, दक्षिण अफ्रीका) के साथ 2002 से विशेष रूप से सहयोगात्मक कार्य शुरू किया है। वैश्विक अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत अध्ययनरत 29 छात्र विभिन्न देशों यानी आस्ट्रेलिया,

कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, टर्की, जर्मनी, मेक्सिको, बोस्निया, यू.के., यू.एस.ए., जापान, इक्वाडोर, बंगलादेश, आइसलैण्ड, ब्राजील, अर्जेनटिना, दक्षिण कोरिया, इटली, ग्वाटेमाला और चीन से है।

केन्द्र में समाजशास्त्र में डॉ. अम्बेडकर चेयर की स्थापना वर्ष 1992 में डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी। यह चेयर जारी है और डॉ. अम्बेडकर स्मारक वार्षिक व्याख्यानों का पुस्तक रूप में एक संग्रह प्रकाशित किया गया, जिसका शीर्षक है – 'अम्बेडकर, दलित्स ऐंड बुद्धिज्म'।

केन्द्र प्रत्येक वर्ष एम.ए. समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को रु. 5000 का नकद पुरस्कार प्रदान करता है। इस पुरस्कार की स्थापना डॉ. टी.के. ऊमन द्वारा वर्ष 2003 में की गई थी। इस वर्ष सर्वोच्च सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने वाले दो छात्रों – सुश्री भक्ति अजीत पाटिल और सुश्री इशा भटनागर को दिया गया।

भावी योजनाएँ

केन्द्र के शिक्षकों द्वारा थ्रस्ट एरिया में व्यक्तिगत रूप से चलायी जा रही कुछ परियोजनाओं के पूरा हो जाने की सम्भावना के अतिरिक्त केन्द्र अपनी संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए परस्पर रुचि के विषयों पर संगोष्ठियां एवं परिचर्चाएं आदि का आयोजन करना चाहता है। इस सम्बन्ध में अन्य संस्थानों के साथ बातचीत चल रही है। केन्द्र को आशा है कि डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन और जेएनयू के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से अम्बेडकर चेयर की गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र पूरे देश में अन्तरविषयक शिक्षण एवं शोध के लिए भारतीय विश्वविद्यालय सिस्टम में एक अकेला केन्द्र है। शिक्षण एवं शोध प्रयासों के साथ साथ केन्द्र का मुख्य उद्देश्य विज्ञान प्रौद्योगिकी – समाज के अंतरापृष्ठ के विभिन्न आयामों का पता लगाना है। केन्द्र के शोध कार्यक्रम में ऐसे प्रश्न व चुनौतियां शामिल की गई हैं जो समसामयिक नीति विषयक मामलों से सम्बन्ध रखती हैं। केन्द्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तनकारी नीतियों और सम्बन्धित क्षेत्रों – जैसे विश्वविद्यालय – उद्योग सम्बन्ध; बौद्धिक सम्पदा अधिकार; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जेंडर सम्बन्ध; नवप्रवर्तनकारी नीतियों का वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण, संगठनों में विज्ञानी; प्रौद्योगिकी भविष्य अध्ययन में शोध कार्यक्रम चलाना चाहता है।

केन्द्र में सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों, प्रौद्योगिकी अध्ययन, इंजीनियरी, चिकित्सा विज्ञान, विधि और प्रबन्धन आदि क्षेत्रों के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

केन्द्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति विश्लेषण से संबंधित क्षेत्रों के शिक्षण एवं शोध पर विशेष बल देता है। इसमें शामिल हैं – नवप्रवर्तनकारी नीतियां; विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र; विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सामाजिक इतिहास; प्रौद्योगिकीय परिवर्तन का अर्थशास्त्र और नवप्रवर्तनकारी अध्ययन; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जेंडर अध्ययन; विकास हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अन्तरराष्ट्रीय मामले और बौद्धिक सम्पदा अधिकार का प्रबंधन।

केंद्र विश्वव्यापी ज्ञान के आदान–प्रदान, सूचना प्रसारण और शोध सम्प्रेषण के लिए अपना एक ब्लाग – सीएसएसपी रिसर्च अपडेट्स – चला रहा है।

केन्द्र एम.फिल./पी–एच.डी. तथा सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। एम.फिल. पाठ्यक्रम के लिए छात्रों को चार सत्रों में 24 क्रेडिट पूरे करने पड़ते हैं। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में उन छात्रों को प्रवेश दिया जाता है, जिनके पास सामाजिक या प्राकृतिक विज्ञान के विषयों में से एक विषय में एम.फिल. उपाधि है या छात्र ने विज्ञान नीति अध्ययन में एम.फिल. उपाधि के समतुल्य प्रकाशित कार्य के माध्यम से अपनी शोध क्षमता का प्रदर्शन किया हो। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम कर रहे छात्रों को शोध कार्य के दौरान 2 सत्रों के लिए एम.फिल. स्तर के कोर्स पूरे करने होते हैं। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश केवल मानसून सत्र में दिया जाता है, जोकि प्रत्येक वर्ष जुलाई से शुरू होता है।

छात्रों को अपना शोध कार्य करते समय राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अध्येतावृत्ति, जवाहरलाल नेहरू स्मारक निधि अध्येतावृत्ति, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद आदि की वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई हैं।

वर्तमान में वर्ष 2008–09 के दौरान विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र में 55 से अधिक शोध छात्र पंजीकृत हैं जो एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. में शोध कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केन्द्र के छात्र सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों में नियुक्त हुए हैं।

अध्ययन कार्यक्रम

वर्ष 2008 से केन्द्र द्वारा मानसून और शीतकालीन सत्र में चलाए गए कोर्स।

मानसून–सत्र

एस.पी. 601पी : एनालिसिस इन साइंस ऐंड टेक्नालाजी पालिसी, (अनिवार्य 4 क्रेडिट)
एस.पी. 604पी : रिसर्च मैथडोलाजी, (अनिवार्य 4 क्रेडिट)

शीतकालीन सत्र

एस.पी. 602पी : साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन सोशल कनटेक्स्ट, (अनिवार्य, 4 क्रेडिट)
एस.पी. 605पी : टेक्नोलाजी फ्यूचर्स एनालिसिस, एम.फिल., (वैकल्पिक, 4 क्रेडिट)
एस.पी. 606पी : इकोनामिक्स आफ टेक्नोलाजिकल चैंज ऐंड इनोवेशन सिस्टम, (वैकल्पिक, 4 क्रेडिट)
एस.पी. 608पी : टेक्नोलाजी, एनवायरनमेंटलिज्म ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, (वैकल्पिक, 4 क्रेडिट)
एस.पी. 609पी : इंटिलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट (आई.पी.आर.) : ए फाउंडेशन कोर्स, (वैकल्पिक, 4 क्रेडिट)

भाषा संस्थान, जेएनयू के छात्रों के लिए केन्द्र द्वारा चलाए जा रहे स्नातक स्तर का अतिरिक्त कोर्स :

एस.पी. 210पी : साइंस ऐंड टेक्नालाजी ऐंड सोसायटी इंटरएक्शन

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

केन्द्र ने 31 मार्च से 10 अप्रैल, 2008 तक टेक्नालाजी फोरसाइट मैथडोलाजीस इन एग्रीकल्चरल इनोवेशन सिस्टम "विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला समन्वयक : प्रणव एन. देसाई

- 6 अगस्त 2008 को ब्रुन पायरसन, नेशनल एंडोमेंट फार साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड आर्ट, यू.के. द्वारा 'न्यू फ्रंटियर्स : इनोवेशन पालिसी इन द यूनाइटिड किंगडम' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- 11 अगस्त, 2008 को जोन मैथ्यु, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, डिपार्टमेंट ऑफ द हिस्ट्री ऑफ साइंस, हारवर्ड यूनिवर्सिटी, यू.के. ने इंटरडिसीप्लिनरिटी ऐंड द हिस्ट्री ऑफ साइंस : टु फैशन ए फाना फॉर ब्रिटिश इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- 27 अगस्त 2008 को आर. मनोनित्य और राजबीर सिंह, सीएसएसपी, जेएनयू ने "अकादमिशियन ऐंड पॉलिसी मैकर्स : केन द ट्वेन मीट ?" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- 10 सितम्बर, 2008 को डॉ. देवदत्त राय, पॉवर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड, नयी दिल्ली ने ह्यूमन रिसोर्सिस इन द पॉवर सेक्टर : ए पालिसी फ्रेमवर्क फॉर डिवलपिंग सेक्टर पर्सनल" विषयक व्याख्यान दिया।
- 10 सितम्बर, 2008 को डॉ. मालती गोयल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नयी दिल्ली और डॉ. राजेश भाखर ने "इण्डियन एस. ऐंड टी. सिस्टम्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- 26 सितम्बर 2008 को वृतचित्र निर्माता पंकज एच. गुप्ता ने "अपना आलू बाजार बेचा : फ्रॉम सबस्टेंस इकोलाजी टु द मार्किट" विषयक लघु चित्र दिखाया और चर्चा की।
- 15 अक्टूबर, 2008 को प्रो. मारिना फिशर–कोवास्की, इंस्टीच्युट फॉर सोशल इकोलाजी, कालगेनफुर्त यूनिवर्सिटी आस्ट्रिया ने "एनर्जी ऐंड मेटिरियल मेटाबोलिज्म ऑफ सोशल सिस्टम" विषयक व्याख्यान दिया।
- 18 नवम्बर, 2008 को डॉ. सुशांता गुनातिलेक, रायल एशियाटिक सोसायटी, कोलम्बो, श्रीलंका, ने नीड फॉर इंडिक कल्चरल इनपुट्स टु द बायोएथिक्स डिबेट" विषयक व्याख्यान दिया।
- 5 फरवरी, 2009 को डॉ. वालट्राट रिटर, रिसर्च डायरेक्टर, नालेज एन्टरप्राइजिस, हांग–कांग और एडजंक्ट फैकल्टी, इंटरनेशनल स्कूल ऑफ इनफार्मेशन मैनेजमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, ने "इमर्जिंग नॉलेज इकोनोमी इण्डिया : ए यूरोपीयन व्यु ऑफ द इण्डियन नेश्यानल नॉलेज कमीशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- 18 फरवरी, 2009 को जे.पी. सिंह, ग्रुप फॉर फोरकास्टिंग ऐंड एनालिसिस ऑफ सिस्टम्स ऐंड टेक्नालाजीस, डी.आर.डी.ओ. ने "आर. ऐंड डी. मैनेजमेंट ऐंड फोरकास्टिंग इन डी.आर.डी.ओ. विषयक व्याख्यान दिया।

- 24 फरवरी, 2009 को किम बिजले, डिपार्टमेंट ऑफ जिओग्राफी, डार्विन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज, यू.के., 'पावरलेस' आउस्टीस ऐंड द टाइगर रिजर्व : चैलेंजिंग कनवेंशनल थिअरीज आन डिसप्लेसमेंट ऐंड सोशियो–पालिटिकल चैंज इन इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- 18 मार्च, 2009 को डॉ. किरण अशर, क्लार्क यूनिवर्सिटी, यूएसए, ने 'रेस्डनेचर्स' जैण्डर्ड एनवायरनमेंट्स : द पालिटिकल इकोनोमी ऑफ बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- 27 मार्च 2009 को प्रो. हेलमुथ लेंज, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमन, जर्मनी ने क्लाइमेट चैंज ऐंड पालिटिकल डिसीजन मैकिंग अंडर अनसर्टेनिटी : द केस ऑफ फ्लड प्रोटेक्शन ऐट द जर्मन नार्थ सी कास्ट" विषयक व्याख्यान दिया।

केन्द्र में आए अतिथि

- इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग ऐंड इनोवेशन साइंसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नीटरलैण्ड से 2 प्रोफेसर और 22 छात्रों के एक शिष्टमण्डल ने केन्द्र का दौरा किया।
- प्रो. हेलमुथ लेंज, जर्मनी
- प्रो. मेरीना किशर – क्वालस्की, आस्ट्रिया
- प्रो. माइकल वॉरबायज, यू.के.
- सुश्री ब्रुन पायर्सन, यू.के.
- डॉ. जॉन मैथ्यू, यूएसए
- डॉ. किम बिंजले, यू.के.
- डॉ. किरण अशर, यू.एस.ए.
- डॉ. सुशांता गुनातिलके, श्रीलंका
- डॉ. वालट्राट रिटर, हांककांग

छात्रों की उपलब्धियां

- प्रवीण अरोड़ा (पी–एच.डी. छात्र) ने 2–7 फरवरी, 2009 को यूएन.यू0–'मेरिट', सी.डी.एस. और 'निस्तादस', नयी दिल्ली द्वारा आयोजित "डिजाइन ऐंड इवेल्युएशन ऑफ इनोवेशन पॉलिसी इन डिवलपिंग कंट्रीज" विषयक प्रशिक्षण कोर्स में भाग लिया।
- निमेशचंद्र (पी–एच.डी. छात्र) ने 12–14 नवम्बर 2008 को जवाहरलाल नेहरू अध्ययन केन्द्र जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली में आयोजित "नेहरूवियन लिगेसी इन ए नेशनल इरा" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एन एक्सप्लोरेशन इन टु मोड्स ऑफ नॉलेज प्रोडक्शन ऐंड ट्रांसफर ऐट अकेडमिक रिसर्च इंस्टीच्युट इन इण्डिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया
- निमेशचंद्र (पी–एच.डी. छात्र) ने 4–6 फरवरी 2009 को आईआईटी, कानपुर में आयोजित "लिबरलाइजिंग/रिसर्च इन साइंस ऐंड टेक्नालाजी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नालेज ट्रांसफर स्ट्रेटिजीस ऐट इण्डियन इंस्टीच्युट्स ऑफ टेक्नालाजी" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- निमेशचंद्र (पी–एच.डी. छात्र) ने 22–24 सितम्बर, 2008 को मैक्सिको सिटी, मैक्सिको में आयोजित "न्यू इन साइट्स फॉर अंडरस्टैंडिंग इनोवेशन ऐंड कम्पिटेंस बिल्डिंग फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड सोशल जस्टिस" विषयक छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पुटिंग रिसर्च रिजल्ट्स इन टु यूज : इटेरोगेटिंग नालेज ट्रांसफर पालिसीज ऐट द इण्डियन इंस्टीच्युट ऑफ टेक्नालाजी" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण कुमार कुशवाहा (पी–एच.डी. छात्र), "डिजास्टर स्टडीज ऐंड डिवलपमेंट : ए क्रिटिकल रिव्यु ऑफ इण्डिया'ज डिजास्टर मैनेजमेंट फ्रेमवर्क", जे.टी.सी.डी.एम. वर्किंग पेपर सीरीज नं. 5, मुम्बई : टाटा इंस्टीच्युट ऑफ सोशल साइंस, 2008
- राहुल सुधाकर माने (एम.फिल. छात्र) ने 2–7 फरवरी 2009 को यू.एन.–यू–'मैरिट', सी.डी.एस. और 'निस्तादस' द्वारा नयी दिल्ली में आयोजित "डिजाइन ऐंड इवेल्युएशन ऑफ इनोवेशन पालिसी इ डिवलपिंग कंट्रीज" विषयक प्रशिक्षण कोर्स में भाग लिया।
- आर. मनोनित्य (एम.फिल. छात्र) ने मई से अगस्त 2008 तक राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री की इंटर्नशिप पूरी की।
- स्वप्न कुमार पात्रा (पी–एच.डी. छात्र) ने 2–7 फरवरी, 2009 को नयी दिल्ली में आयोजित यू.एन.यू. – 'मैरिट', सी.डी.एस. और 'निस्ताद'स' द्वारा नयी दिल्ली में आयोजित 'डिजाइन ऐंड इवेल्युएशन ऑफ इनोवेशन पॉलिसी इन डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक प्रशिक्षण कोर्स किया।

- स्वप्न कुमार पात्रा (पी–एच.डी. छात्र) ने 17–20 सितम्बर, 2008 को वियना, आस्ट्रिया में आयोजित 'साइंस ऐंड टेक्नालाजी इंडिकेटर्स" विषयक 10वीं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एसेसिग कंपीटेंसी इन बायोटेक्नालाती : ए केस स्टडी ऑफ इण्डिया" विषयक संगोष्ठी में "असेसिंग कम्पीटेंसी इन बायोटेक्नालाजी : ए केस स्टडी ऑफ इण्डिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वप्न कुमार पात्रा (पी–एच.डी. छात्र) ने 28 जुलाई से। अगस्त 2008 को बर्लिन, जर्मनी में आयोजिकत "वेबोमिट्रिक्स, इनफर्मिट्रिक्स ऐंड साइंटोमिट्रिक्स और 9वीं कोलनेट बैठक में भाग लिया और इज इण्डिया डिवलपिंग कम्पीटेंस इन हाई टेक्नोलाजी ? केस स्टडी बेस्ड ऑन इण्डियन पेटेंटिंग" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी. रेनी (एम.फिल. छात्र), "चेंजिंग सोशल कनट्रेक्ट ऑफ साइंस ऐंड सोसायटी : फ्रॉम अकादमिक टु द पोस्ट–अकादमिक साइंस कल्चर", साइंस ऐंड सोसाइटी, भाग–6, अंक–2, पृ. 191–195
- टी. रेनी (एम.फिल. छात्र), 21–23 नवम्बर 2008 को सैक्रिड हार्ट कालेज, द्वारा कोचीन, केरला में आयोजित 35वीं आल केरला सोशिओलाजिकल सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- टी. रेनी (एम.फिल. छात्र), 27–29 दिसम्बर 2008 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 34वीं "आल इण्डिया सोशिओलाजिकल कांफ्रेंस' में 'सोशल कांट्रेक्ट बिटवीन साइंस ऐंड सोसायटी : द सोशियोलाजिकल एनालिसिस ऑफ ए सिनारियो" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिनन्दन सैकिया (सरदिन्दु भादुरी के साथ) (पी–एच.डी. छात्र) ने 21–22 नवम्बर 2008 को सेंट जोसफ कॉलेज, नागालैण्ड में आयोजित "रूरल डिवलपमेंट इन इण्डिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "काग्निटिव फ्रेम ऐंड इम्प्लायमेंट अपर्चुनिटी द केस ऑफ झुम कल्टीवेटर्स इन नागालैण्ड" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अभिराम शर्मा (एम.फिल. छात्र) ने 21–23 नवम्बर 2008 को सेक्रिड हार्ट कॉलेज, केरला द्वारा आयोजित '35वीं आल केरला सोशिओलाजिकल कांफ्रेंस' में "यूथ ऐंड ससटेनेबल डिवलपमेंट" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजबीर सिंह (पी–एच.डी. छात्र) ने 17–21 नवम्बर 2008 को 'यूनिडो' द्वारा प्राग, चैक रिपब्लिक में आयोजित "माडल–2 : टेक्नोलाजी, फोरसाइट फॉर प्रेक्टिशनर्स ए स्पेशिएलाइज्ड कोर्स ऑन रोड–मैपिंग" विषयक प्रशिक्षण कोर्स पूरा किया।
- राजबीर सिंह (पी–एच.डी. छात्र) ने मई से अगस्त, 2008 तक राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री की इंटर्नशिप पूरी की।
- शशांक शेखर तिवारी (एम.फिल. छात्र) ने एथिक्स ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च इन डिवलपिंग कंट्रीज" विषयक योजना के अन्तर्गत 'वेलकम ट्रस्ट डॉक्टरल स्टुडेंटशिप अवार्ड 2009' प्राप्त किया।

कोई अन्य सूचना

विज्ञान नीति में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र निम्नलिखित शोध क्षेत्रों में अध्ययन कर सकते हैं –

- अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीतियां, सरकार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी और भारत और अन्य देशों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति तथा विकास के मुद्दे;
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक अध्ययन, प्रौद्योगिकी का सामाजिक निर्माण; प्रयोगशालाओं और संगठनों में विज्ञानी; वैज्ञानिक समुदाय और विज्ञान का व्यवसायीकरण;
- प्रौद्योगिकीय परिवर्तन का अर्थशास्त्र और नवप्रवर्तनकारी अध्ययन; राष्ट्रीय, आंचलिक और क्षेत्रीय नवप्रवर्तनकारी पद्धतियां; समूह एवं प्रौद्योगिकीय परिवर्तन;
- प्रौद्योगिकी भविष्य विश्लेषण; जोखिम, शोध एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी; प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, नवप्रवर्तन, पद्धति विज्ञान आदि से सम्बन्धित आपदा प्रबन्धन सहित प्रौद्योगिकी और संकट आदि;
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जेंडर मामले;
- वैश्वीकरण और नई प्रौद्योगिकी : टी.एन.सी.'एस, एफ.डी.आई. और शोध एवं विकास पर प्रभाव; विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अन्तर्राष्ट्रीय मामले और संबंध; विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीतियों में क्षेत्रीय अध्ययन तथा विकासशील एवं विकसित देशों सहित विकास।

भावी योजनाएं

वर्ष 2009–2012 के दौरान किए जाने वाले शोध क्षेत्रों में शामिल हैं – शोध और विकास भूमंडलीकरण एवं अन्तर्राष्ट्रीयकरण तथा उच्च अध्ययन संस्थान : उद्योग पर प्रभाव विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता का साइंटोमिट्रिक्स और मूल्यांकन

- मानव संसाधन नियोजन का एकीकरण और प्रौद्योगिकीय नवप्रर्वन
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी अध्ययन में जोखिम एवं नीतिशास्त्र
- प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और सतत् विकास
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार और डी–रेग्यूलेशन के युग में अन्य रेग्यूलेट्री मकैनिज्म

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

वर्तमान कोर्सो में संशोधन

- सोशल साइंसिस – टुवर्डस ऐंड इंडिग्रेटिड अप्रोच
- कम्युनिटी हेल्थ ऐंड इट्स आरगेनाइजेशन इन इण्डिया।
- अर्बनाइजेशन ऐंड पब्लिक हेल्थ
- पाप्यूलेशन हेल्थ ऐंड डिवलपमेंट

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन

- प्रो. ओलिवर रजूम और प्रो. सेवल एकगुन ने 4–5 फरवरी 2009 को "एपिडेमिओलाजी" विषयक कार्यशाला आयोजित की।

केन्द्र में अतिथि

- प्रो. ओलिवर नजूम, यूनिवर्सिटी ऑफ बिलेफेल्ड – जर्मनी
- प्रो. सेवल एकगुण, वासकेंट यूनिवर्सिटी, अंकारा, टर्की

केन्द्र द्वारा आयोजित व्याख्यान

- एस.पी. शुक्ला, (अध्यक्ष, नीति–विश्लेषण केन्द्र, नई दिल्ली) ने 13 फरवरी 2009 को "फ्राम जी.ए.टी.टी. ऐंड बियोंड" विषयक व्याख्यान दिया।
- ब्रेन डन डोनेगन ने 24 फरवरी 2009 को "स्पेसिस फॉर निगोसिएशन ऐंड मास एक्शन विदिन द नेशनल रूरल हेल्थ मिशन : क्युनिटी मानिटरिंग प्लस" ओर "पीपल्स आरगेनाइजेशंस इन ट्राइबल एरिया ऑफ महाराष्ट्र" विषयक व्याख्यान दिया।
- सिमरन जीत सिंह, सीनियर रिसर्चर और लेक्चरर, इंस्टीच्युट फॉर सोशल इकोलाजी, यूनिवर्सिटी ऑफ कलागेनफुर्त, आस्ट्रिया, ने 13 मार्च 2009 को "साइंस, सोसायटी इंटरफेस : एन इंट्रोडक्शन टु फार्मल अप्रोच" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रवीण झा, (एसोसिएट प्रोफेसर, सेटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज ऐंड प्लानिंग, जेएनयू) ने 27 मार्च 2009 को "लेबर मार्किट इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया : सम इम्प्लिकेशन्स फॉर सोशल ऐंड हैल्दी पालिसी" विषयक व्याख्यान दिया।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र ने सामाजिक विज्ञानों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के अध्ययन के लिए एक अन्तर विषयात्मक अध्ययन कार्यक्रम के रूप में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया था, जो विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संस्थान के बीच इसके अस्तित्व की पुष्टि करता है। इस पाठ्यक्रम की अन्तर–विषयात्मक प्रकृति विश्वविद्यालय पद्धति के अन्य शिक्षा विभागों/संकायों की तुलना में अद्वितीय है। एम.फिल. पाठ्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में समसामयिक विश्व द्वारा की जा रही चुनौतियों पर नियन्त्रण पाने में सफल रहा है। केन्द्र पिछले दो वर्षो से पूर्णतः संशोधित एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चला रहा है। केन्द्र ने शैक्षिक वर्ष 2006–2007 के दौरान अपने एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में शैक्षिक अध्ययन क्षेत्र में हुए नवीनतम विकासों को शामिल करते हुए इनका पुनर्गठन किया और इसके अन्तर–विषयक परिप्रेक्ष्य को सुदृढ़ बनाया।

वर्ष 2008–09 ने केन्द्र को शिक्षा के अध्ययन में महत्त्वपूर्ण तथ्यों की खोज करने के लिए एक अज्ञात पथ की ओर अग्रसर किया है। केन्द्र ने अपने नये पाठ्यक्रम को 21 कोर्सों से समृद्ध बना कर एक नया अनुभव हासिल किया। हमारे केन्द्र के शोधार्थियों ने शैक्षिक अध्ययन के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण नवप्रवर्तनकारी योगदान दिया है। संकाय सदस्यों ने अपने अपेक्षाकृत कुछ नए क्षेत्रों में पदार्पण करके शोध के क्षेत्रों को और अधिक गहन बनाया है। पिछले वर्षों की तरह, शिक्षकों के शोध और प्रकाशन तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

सहयोगात्मक परियोजनाओं तथा सम्मेलनों में उनकी प्रतिभागिता सराहनीय रही है। इसके अतिरिक्त शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों का भी आयोजन किया। शिक्षा, सांस्कृतिक विभिन्नता और भूमंडलीकरण को भविष्य में थ्रस्ट एरिया के रूप में स्वीकृत किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत आगामी 5 वर्षों की अवधि – 1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2014 तक मिलने वाली अनुदान राशि कार्यक्रम के अन्तर्गत चुना गया है।

केन्द्र के शिक्षक

केन्द्र ने अपने शैक्षिक अध्ययन में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के शिक्षण के लिए इतिहासकारों, मनोविज्ञानियों, अर्थशास्त्रियों और समाजशास्त्रियों को एक मंच पर ला दिया है ताकि शैक्षिक अध्ययन को सामाजिक विज्ञान परिप्रेक्ष्य में किया जा सके और छात्रों तथा शोधार्थियों को अगली पीढ़ी के लिए तैयार किया जा सके। वर्तमान में केन्द्र में 10 शिक्षक हैं। इनमें एक मानद प्रोफेसर तापस मजुमदार शामिल हैं।

केन्द्र के कार्यक्रम

विशेष सहायता विभाग

शैक्षिक अध्ययन के क्षेत्र में केन्द्र के योगदान को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत इसे विशेष सहायता विभाग (चरण–3 के स्तर पर जारी रखने के लिए) का दर्जा प्रदान किया गया। समीक्षा समिति की बैठक 20 अक्टूबर 2008 को हुई। समीक्षा समिति ने प्रो. अजीत कुमार मोहन्ती को इस कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में चुना। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चुने गए शोध क्षेत्र हैं शिक्षा, संस्कृति, विभिन्नता और भूमंडलीकरण। जिन थ्रस्ट एरिया की पहचान की गई, वे हैं – (i) भूमंडलीय विश्व में समानता, विविधता और शिक्षा नीति, (ii) संस्कृति, संज्ञान और स्कूली शिक्षा, (iii) निजीकरण, भूमंडलीकरण और अन्तरराष्ट्रीय देशान्तरण और (iv) ज्ञान के पूर्व सिद्धान्त। इन थ्रस्ट एरिया को एक सूत्र में पिरोने के लिए समसामयिक विश्व में उभरते अन्तर–विषयक परिप्रेक्ष्य में बदलते ज्ञान के चरित्र तथा संस्थानों में शिक्षा नीति तैयार करना और इसे लागू करना होगा। भूमण्डलीकरण के समान प्रभावों और स्थानीकरण की विविध शक्तियों, बाजार की स्थिति के समान प्रभावों तथा मानवीय प्रकृति के सांस्कृतिक निर्माण की भिन्न–भिन्न भूमिका ऐसी महत्त्वपूर्ण ताकते हैं जो इन विवादों का निराकरण करती है। इस तरह विषय–वस्तु विस्तृत रहती है और इसके विभिन्न पक्ष कक्षा में शिक्षण, शोध कार्य के क्षेत्रों, संगोष्ठियों और शिक्षकों द्वारा चलाई जा रही शोध परियोजनाओं में परिलक्षित होते हैं। शोध के ये क्षेत्र केन्द्र की भावनाओं, बचनबद्धता और अन्तरविषयक शिक्षण और शोध में लगातार हो रही वृद्धि को दोहराते हैं।

'आसिस' कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जाकिर हुसैन शैक्षणिक अध्ययन को मानविकी और सामाजिक अध्ययन की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र को पांच वर्ष की अवधि के लिए अनावृति और आवृति अनुदान के रूप में क्रमशः रु. 21 लाख और रु. 2.2 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षा नीति अध्ययन की पहचान थ्रस्ट एरिया के रूप में की गई। यह संकल्पना की गई थी कि शिक्षा नीति अध्ययन का क्षेत्र शैक्षिक शोध कार्य के लिए एक अन्तर–विषयक कार्यक्रम होगा। इसमें नीति निर्माण के सैद्धान्तिक संदर्भ और संस्थागत संरचना के माध्यम से इसकी मध्यस्थता की प्रक्रिया और इसके स्कूली/उच्च शिक्षा की दिनचर्या को प्रभावित करने की रीति पर विशेष बल दिया जाता है। ऐसा महसूस किया गया था कि इस क्षेत्र में शोध कार्य स्थानीय और वैश्विक आकांक्षाओं पर विशेष ध्यान देते हुए समानता, विविधता और अवसर के मामलों पर बल देगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र को पांच वर्ष के लिए शिक्षा नीति में प्रोफेसर का एक पद भी दिया गया है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों में उल्लेखनीय दो गतिविधियां हैं – (i) 13–14 मार्च 2009 को "एज्युकेशन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस : इमर्जिंग सिनारियो' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। (ii) एम.फिल./ पी–एच.डी. के 'एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक कोर्स के लिए एक सत्रीय व्याख्यान माला आयोजित की गई।

केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/सम्मेलन/व्याख्यान

एज्युकेशन इन इण्डिया – व्याख्यान माला

"एज्युकेशन इन इण्डिया : सोशल साइंस पर्सपेक्टिव" विषयक कोर्स के लिए मानसून सत्र 2008–2009 के प्रत्येक सप्ताह में इस कोर्स से सम्बद्ध भिन्न–भिन्न विषयों पर व्याख्यान आयोजित किए गए। व्याख्यान देने वाले विद्वानों का विवरण निम्नलिखित है :

- प्रो. इरफान एस. हबीब, निस्ताद, नई दिल्ली, ने 3 सितम्बर, 2008 को "भगतसिंह रिवोल्युशनरी आइडियाज ऐंड प्रोजेंट डे एज्युकेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. कृष्ण कुमार, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., ने 18 अगस्त, 2008 को "कनसेप्ट ऑफ एज्युकेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. करुणा चानना ने 10 सितम्बर 2008 को सोशल कनटेक्स्ट ऑफ एज्युकेशन ऐंड जेंडर विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. योगेन्द्र सिंह इमिरेटस प्रोफेसर, जेएनयू ने 17 सितम्बर, 2008 को "कल्चर ऐंड एज्युकेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्री अरशाद आलम सेंटर फॉर जवाहरलाल नेहरू स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 24 सितम्बर 2008 को "अंडरस्टेंडिंग कनटेम्पोरेरि मदरसा एज्यूकेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री, भाषाविज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 22 अक्टूबर, 2008 को "नेचर ऐंड स्ट्रक्चर ऑफ लैंग्यूवेज" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. प्रताप भानु मेहता, निदेशक, नीत अनुसंधान केन्द्र ने 15 अक्टूबर, 2008 को आब्स्ट्रक्शन्स टु रिवोल्युशन फ्यूचर ऑफ हायर एज्युकेशन" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. कुमकुम राय ने 6 नवम्बर, 2008 को इंट्रोड्यूसिंग हिस्ट्री इन द मिडिल स्कूल : चैलेंजिस ऐंड स्ट्रेटिजीस" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. सुधांशु भूषण, न्यूपा, नयी दिल्ली ने 12 नवम्बर, 2008 को "फार्मस् ऑफ प्राइवेटाइजेशन इन हायर एज्युकेशन इन इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।

केन्द्र द्वारा आयोजित अन्य व्याख्यान

- प्रो. जेम्स एल्विस, यूनिवर्सिटी ऑफ हडर्सफील्ड, यू.के., ने 2 अप्रैल, 2008 को "रिटर्न टु क्लास, इकोनोमिज्म, इंडिविजुअलाइजेशन ऐंड पोस्ट कम्पलसरी एज्युकेशन ऐंड ट्रेनिंग" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सिद्धार्थ चंद्र, निदेशक, एशिया रिसर्च सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग, ने 13 अगस्त, 2008 को "द रिलेशनशिप बिटवीन रिजीम टाइप ऐंड एज्युकेशन स्पेंडिंग : ए क्रास नेशनल स्टडी" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. टिम अलेंडर, डिपार्टमेंट ऑफ एज्युकेशन, सिडनी यूनिवर्सिटी, ने 21 जनवरी, 2009 को "मोर देन जस्ट वन 'टी' : लोरेटो एज्युकेशन इन इण्डिया (1890–1930) व्याख्यान दिया।
- डॉ. रोहित धनखड़, संस्थापक एवं निदेशक, दिगान्तर स्कूल, जयपुर, "नोशन ऑफ नॉलेज इन नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एन.सी.एफ.), 2008 विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री, डॉ. रोहित धनखड़, प्रो. अविजित पाठक ने 13 फरवरी 2009 को गोलमेज समारोह में भाग लिया।

शिक्षकों द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियन्स् ऑफ एशिया (आई.ए.एच.ए.) का 20वां सम्मेलन, 14–17 नवम्बर, 2008

केन्द्र ने शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट के सहयोग और मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीच्युट ऑफ एशियन स्टडीज कोलकाता, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, और परियोजना–इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐंड डायस्पोरा स्टडीज, जेएनयू के साथ संयुक्त रूप से 14–17 नवम्बर, 2008 को जेएनयू, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियन ऑफ एशिया' के 20वें सम्मेलन का आयोजन किया। निसन्देह ही यह एक ऐसा विरला अवसर था जब एशिया के लगभग 400 सुप्रसिद्ध विद्वानों ने एक मंच पर साथ मिल कर एशिया को निश्चित आकार देने वाली विभिन्न घटनाओं एवं विषयों पर विचार–विमर्श किया। जैसी कि सम्भावना थी, इसमें एशिया की सभ्यताओं, राजनीतिक अस्तित्व और हिंदुत्व, इस्लाम, बौद्ध और सिख जैसे धर्मों और अन्य विविध मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त विभिन्न राजनीतिक मंच, जैसे 'सार्क', 'एसियान' पर भी विद्वानों के ध्यान को आकर्षित किया। अन्य देशों से आए विद्वानों ने विशेषकर भारत में जाति, संजातीयता की विशिष्टता और अन्य, विभिन्न सामाजिक संरचनाओं के बारे में गहन चर्चा की। सम्मेलन के उद्घाटन वक्तव्य का मुख्य विषय था 'आइडिया ऑफ एशिया'।

शिक्षा नीति

"एज्युकेशन पालिसी ऐंड प्रेक्टिस : इमर्जिंग सिनारिओ" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

केन्द्र ने 13–14 मार्च, 2009 को 'आसिस' कार्यक्रम के अन्तर्गत एज्युकेशन पालिसी विषयक थ्रस्ट एरिया के रूप में 'एज्युकेशन पालिसी ऐंड प्रेक्टिस : इमर्जिंग सिनारिओ" विषयक 2–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। भारत में शिक्षानीति और इसके निर्माण की समझ एवं विश्लेषण के लिए समाजशास्त्रियों के योगदान पर विचार–विमर्श करने के लिए एक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। यह महत्त्वपूर्ण है कि 1990 के दशक में शुरू की गई नव–उदारवादी आर्थिक नीतियों से विकासशील देशों सहित भारत में शिक्षा नीति की संरचना और ढांचे में परिवर्तन हुआ है। इसमें दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि राज्य शिक्षा नीति निर्माता संस्थाओं ने बदलते परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय परिदृश्य के अनुसार शिक्षा–नीतियों की समीक्षा नहीं की ताकि देश विश्व की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया जा सके। अतः यह जरूरी हो गया है कि भारत में शिक्षा नीति की समीक्षा एक नये दृष्टिकोण से की जाए और विशेष कर शिक्षा–नीति अध्ययन पर भी बल दिया जाए। भारत में अभी तक शिक्षा नीति की ओर समाजशास्त्रियों ने अपना व्यवस्थित ध्यान नहीं दिया है। भारत में शिक्षानीति का विश्लेषण और इस पर विचार–विमर्श केवल राजनीतिक संगठनों और नीति निर्माता नौकरशाही का विषय बन कर रह गया है।

कुल मिलाकर देश–विदेश के 24 वक्ताओं ने संगोष्ठी के उद्घाटन एवं समापन सत्र सहित 7 सत्रों में अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं को निम्नलिखित शीर्षकों के लिए वक्ताओं के 7 ग्रुप बनाए गए।

- स्टेट, सोसायटी ऐंड एज्युकेशन पॉलिसी इन इण्डिया।
- एज्युकेशन पॉलिसी मैकिंग : कनटेक्स्ट, प्रोसेस ऐंड डायनेमिक्स।
- एक्सेस, इक्विटी, क्वालिटी फोकस इन एज्युकेशन पॉलिसी
- ग्लोबलाइजेशन ऐंड एज्युकेशन पॉलिसी शिफ्ट्स।
- एज्युकेशनल गवर्नेस, रेग्यूलेशन ऐंड पॉलिसी इश्यूज
- एज्युकेशन पॉलिसी स्टडीज : सोशल साइंस पर्सपेक्टिव्स।
- एज्युकेशन पॉलिसी – पालिटिक्स ऐंड प्रोसेस।

- संगोष्ठी का उद्घाटन वक्तव्य प्रो. जी.एस. चड्ढा, सी.ई.ओ., साऊथ–एशियन यूनिवर्सिटी और सदस्य, प्रधानमंत्री की आर्थिक मामलों पर सलाहकार समिति, ने दिया। मुख्य भाषण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एस.के. थोरट ने दिया। इसमें विभिन्न केन्द्रों के अध्यक्षों सहित 36 प्रतिभागियों ने आलेख प्रस्तुत किए, 16 टीकाकार भी उपस्थित थे। इसमें 60 प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया। कुल मिलाकर संगोष्ठी के प्रत्येक सत्र में 100 से 125 तक प्रतिभागी थे, प्रत्येक ने भारत में शिक्षा नीति पर अपने महत्त्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी का आयोजन संयुक्त रूप से डॉ. सौमन चौधरी, डॉ. एस. श्रीनिवास राव, श्री अरविंद के मिश्रा और डॉ. वी. राव परिमाला ने केन्द्र की अध्यक्ष प्रो. गीता बी. नाम्बिसन और अन्य सभी संकाय सदस्यों के सक्रिय सहयोग से किया गया।

- बिनोद खदरिया ने 14–17 नवम्बर, 2008 को जेएनयू और इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली पर आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियंस ऑफ एशिया को 20वें सम्मेलन के आयोजन में सहयोग किया।

- बिनोद खदरिया ने 21–23 फरवरी, 2009 को विज्ञान भवन में मिनिस्ट्री आफ ओवरसिस इण्डियन अफेयर्स, भारत सरकार, और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्याकलय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इंडिया ई.यू. पार्टनरशिप इन मोबिलिटी, डाटा एग्रीमेंट, ऐंड पॉलिसी इन इंटरनेशनल माइग्रेशन "विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक के रूप में कार्य किया।

- एम. पदमा ने 14–19 दिसम्बर, 2008 तक गोवाहाटी में नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी के वार्षिक दीक्षान्त समारोह में "ऐट द एज ऑफ काग्निशन : काग्निशन इन ऐन इंटर सब्जेक्टिविटी शेयर्ड वर्ल्ड" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।

- एम. पाण्डा 20–25 जुलाई 2008 को 29वीं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलाजी, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित "रिसर्च ऐंड एप्लिकेशन्स इन कल्चरल साइकोलॉजी" विषयक संगोष्ठी के सह–आयोजक थे।

वर्किंग पेपर, पुस्तक समीक्षा

- ए.के. मिश्र, राष्ट्रीय ओपन स्कूलिंग संस्थान के लिए सीनियर सेकेण्ड्री साइकोलाजी पाठ्यपुस्तक भाग–I, II और III की समीक्षा की।
- ए.के. मोहन्ती, मर्जर ऑफ एस.एस.ए. ऐंड मिड–डे मील स्कीम : टु मैनी कुक्स टु स्पायल द ब्रोथ ?, द इकोनोमिक टाइम्स।
- ए.के. मोहन्ती, शुड यूजीसी रेग्यूलेट फारेन एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूशंस ? द इकोनामिक टाइम्स।

भेदभाव और अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम

सामाजिक अपवर्जन और समावेश नीति अध्ययन केन्द्रों के निदेशकों की राष्ट्रीय कार्यशाला

भेदभाव और अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम ने 26–28 फरवरी, 2009 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सामाजिक अपवर्जन और समावेश नीति अध्ययन केन्द्रों के 35 निदेशकों के लिए एक 3–दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला का विषय था – "अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन : कनसेप्ट्स, मैथड्स ऐंड इश्युज"। इस कार्यशाला के विस्तृत उद्देश्य थे : जाति, आदिवासी, धर्म और जेंडर के आधार पर भेदभाव और अपवर्जन की परिकल्पना करना; समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भेदभाव और अपवर्जन की प्रक्रिया की समझ विकसित करना; अर्थशास्त्र और राजनीति, सामाजिक समावेश के प्रति उपाय और विभिन्न नीतियों का अध्ययन करना; और सामाजिक समावेश पर आधारित नीतियों और कार्यक्रमों के विकास की खोज। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर सुखदेव थोरट ने उद्घाटन वक्तव्य दिया और हमारे कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रोफेसर जोया हसन ने समापन वक्तव्य दिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले कई प्रतिष्ठित विद्वानों में शामिल थे प्रेफेसर टी.के. ऊमन, प्रोफेसर राम पुनियानी, प्रोफेसर गोपाल गुरु, प्रोफेसर एस.एस. जोधका, प्रोफेसर विर्जिनियस सावसा, प्रोफेसर इमतियाज अहमद, डॉ. निकोलस जाउल, प्रो. जी. नाचारियाहा, प्रो. एस. माधेश्वरण, प्रो. पी.एम. कुलकर्णी, प्रो. गीता बी. नाम्बिसन, डॉ. निधी सदाना, राजेशेखर बिंद्रु और प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, सामाजिक अपवर्जन और नीति अध्ययन केन्द्रों के सभी निदेशकों सहित लगभग 30 विश्वविद्यालयों ने इसमें भाग लिया।

डॉ. अम्बेडकर अध्ययन यूनिट में एक दिवसीय संगोष्ठी

डॉ. अम्बेडकर अध्ययन यूनिट ने 7 मार्च 2009 को "द पॉलिटिक्स ऑफ एक्सपिरियंस" विषयक एक–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यूनिट के निर्देशक प्रो. गोपाल गुरु ने इस संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें प्रो. गोपाल गुरु, वी. रोड्रीग्स, सुंदर सारूककई, गुरप्रीत महाजन, पीटर रोनाल्ड डिसूजा, डॉ. ओयनाम भगत, डॉ. अजय गुडावर्थी, डॉ. राजर्षि दासगुप्ता ने व्याख्यान दिए।

भेदभाव और अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम द्वारा आयोजित व्याख्यान

- प्रो. जी. कृष्णा रेड्डी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, ने 11 सितम्बर, 2008 को "दलित्स ऐंड जस्टिस : डिफ्रेंट स्ट्रेंण्ड्स इन डिस्कोर्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. रामनारायण रावत, डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवानिया ने 5 नवम्बर, 2008 को "रिक्लेमिंग ए पास्ट : द फार्म्युलेशन ऑफ ए दलित एजेंडा बाइ चमार्स इन अर्ली ट्वेंटियथ सेंचुरी यू.पी." विषयक व्याख्यान दिया (राजनीतिक अध्ययन केन्द्र के सहयोग से)।
- डॉ. ए. बिमल अकोइजाम, सा.प.अ.के., जेएनयू ने 21 नवम्बर, 2008 को "एक्सक्लुजन, एक्सेप्शन ऐंड इस्ट्रेंजमेंट : द अदर साइज" ऑफ इनक्लुसिव इंडियन सेल्फ" विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. मनोरंजन मोहंती (दुर्गा बाई देशमुख प्रोफेसर, सीएसडी) ने फाउंडेशन फॉर क्रिटिकल सोशल रिसर्च के सहयोग से "कंधमाल ऐंड द सिविल राइट्स कैन वी थिंक ऑफ सोशल हीलिंग ?" विषयक व्याख्यान दिया तथा फादर टी.के. जॉन, विद्या ज्योति कॉलेज ऑफ थियोलॉजी ने परिचय कराया।
- डॉ. वाई.एस. अलोन (मॉडरेटर), कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान (के. स्टालिन द्वारा निर्देशित) ने 23 सितम्बर, 2008 को (महिला अध्ययन कार्यक्रम के सहयोग से) "इंडिया अनटच्ड : स्टोर्स ऑफ ए पीपल अपार्ट" विषयक स्क्रिनिंग–व–परिचर्चा की।

वर्किंग पेपर सीरिज का प्रकाशन

- कास्ट ऐंड कम्युनिटी बेस्ड लेबर मार्किट डिस्क्रिमीनेशन : ए पायलेट स्टडी इन नोयडा (डॉ. प्रवीण कुमार झा, आ.अ.नि.के.)
- मैपिंग सोसियो–इकोनामिक्स स्टेटस ऑफ इंडियन मुस्लिम : ए फैक्चुअल एनालिसिस (मैदुल इस्लाम)

सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम

विद्या परिषद ने अपनी दिनांक 30 अप्रैल, 2008 की 122वीं (ए) की बैठक में भेदभाव और अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करने का अनुमोदन किया। तत्पश्चात् जेएनयू ने अगले शैक्षिक वर्ष 2009–2010 के लिए प्रवेश हेतु घोषणा की; 16 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

सामाजिक विज्ञान संस्थान में महिला अध्ययन कार्यक्रम की स्थापना वर्ष 2000 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान से की गई थी। शुरू में इस कार्यक्रम का उद्देश्य इसे जेंडर परिप्रेक्ष्य में सामाजिक विज्ञानों के शिक्षण एवं शोध के अभिन्न अंग के रूप में शामिल किया जाना था। वर्तमान में इस कार्यक्रम में दो शिक्षक हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के कार्यों को समन्वित करने के लिए सामाजिक विज्ञान संस्थान से एक प्रोफेसर को निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति रोटेशन के आधार पर दो वर्ष के लिए होती है। कार्यक्रम की गतिविधियों में सहयोग करने के लिए एक स्थायी समिति है जिसके सदस्य सामाजिक विज्ञान संस्थान के शिक्षकों में से होते हैं। इसके अतिरिक्त, इसके कार्यकलापों और प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक सलाहकार समिति होती है जिसके सदस्य विश्वविद्यालय से और बाह्य संस्थानों के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ होते हैं।

शिक्षण

डॉ. जी. अरुणिमा ने मानसून सत्र (जुलाई–नवम्बर 2008) में 'जेंडर ऐड विजुअल कल्चर' शीर्षक एम.ए. वैकल्पिक कोर्स शुरू किया। डॉ. जानकी अब्राहम ने शीतकालीन सत्र (जनवरी–मई 2009) में वुमन'स मूवमेंट्स ऐंड जेंडर स्टडीज' शीर्षक एम.ए. वैकल्पिक कोर्स शुरू किया। ये दोनों कोर्स 4 क्रेडिट के हैं तथा महिला अध्ययन कार्यक्रम द्वारा चलाए जाने वाले एम.ए. के वैकल्पिक कोर्सों की संख्या हो गई है। 11वीं योजना के अन्तर्गत शिक्षक और अधिक कोर्स तैयार कर रहे हैं।

इन कोर्सों में ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के छात्रों सहित विभिन्न केन्द्रों के छात्रों ने अपनी रुचि दिखाई और अनेक अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने दोनों सत्रों में इन्हें पढ़ा।

नए पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्राप्त आवेदन–पत्रों की छंटनी की गई। छात्रों को मानसून सत्र (जुलाई 2009) से प्रवेश दिया जाएगा।

संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएं

शैक्षिक वर्ष के दौरान नियमित रूप से निम्नलिखित संगोष्ठियाँ आयोजित की गई :

- नियमित संगोष्ठी श्रृंखला
- फिल्म संगोष्ठी श्रृंखला
- अंतरविषयात्मक शोध छात्र संगोष्ठी
- विशेष कार्यशालाएं और संगोष्ठियाँ

इन संगोष्ठियों में शोधार्थियों, छात्रों, फिल्म निर्माताओं तथा कुछ विदेशी प्रतिभागियों को विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया। इन संगोष्ठियों में जेंडर से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा करने के लिए एक खुला मंच उपलब्ध हो सका। इनमें न केवल जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया बल्कि दिल्ली शहर के लोगों ने भी भाग लिया।

नियमित संगोष्ठी श्रृंखला

- डॉ. रश्मि सदाना, पोस्ट डॉक्टरल फेलो और लेक्चरर, एंथ्रोपोलॉजी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी ने 8 अप्रैल, 2008 को "ए मदर'स टंग इज इन द किचन : जेंडर ऐंड द स्पेशिएलाइजेशन ऑफ लैंग्वेज" विषयक व्याख्यान दिया।
- राधिका चोपड़ा, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 15 अप्रैल, 2008 को "सेंट अवे ब्वॉयज" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. मृणालिनी सिन्हा, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, पेंसिलवानिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए ने 9 सितम्बर, 2008 को "बियोंड यूरोप : वर्किंग विद जेंडर, मस्कुलिनिटी ऐंड वुमन" विषयक व्याख्यान दिया।
- मेम्बर्स ऑफ द सिटिजंस' : इनिशिएटिव कोलकाता ने 15 सितम्बर, 2008 को "द राइट टु डिगनिटी : सिंगुर, नंदीग्राम ऐंड द डिवलपमेंट डिबेकल" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. श्रीमती बासु, एसोसिएट प्रोफेसर, जेंडर ऐंड वुमन'स स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ केंटुकी ने 30 सितम्बर, 2008 को "प्लेइंग ऑफ कोर्टस : निगोशिएटिंग डाइवर्स ऐंड वायलेंस इन कोर्टस, पुलिस ऐंड मेडिएशन बोर्डस इन कोलकाता" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शेफाली चन्द्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, जेंडर ऐंड वुमन'स स्टडीज प्रोग्राम और द डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ

इलिनॉयस, अरबाना चम्पेन ने 14 अक्टूबर, 2008 को "लव इन द टाइम ऑफ सिटीजनशिप : कास्ट, कंजुगलिटी ऐंड द मेकिंग ऑफ ग्लोबल इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।

- डॉ. अनिकेत आलम, कार्डिनेटर, द पैनोस नेटवर्क फाउंडेशन ने 11 नवम्बर, 2008 को रिफॉर्म ऑफ द पॉलीएंड्रस फेमिली इन कॉलोनियल हिमाचल प्रदेश" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. आरोन गुडफेलो, एसोसिएट डायरेक्टर, प्रोग्राम फॉर वुमन, जेंडर ऐंड सेक्सुअलिटी, जॉन हापकिंस यूनिवर्सिटी ने 29 जनवरी, 2009 को "सफरिंग अनसर्टेनटी : गे फादर्स ऐंड द मीनिंग ऑफ पैटरनिटी" विषयक व्याख्यान दिया।

फिल्म संगोष्ठी शृंखला

- शिखा झिंगन, स्वतंत्र डाक्यूमेंटरी फिल्म निर्माता, दिल्ली और शिक्षण, पत्रकारिता विभाग, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 26 अगस्त, 2008 को 'बोर्न टु सिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- के. स्टालिन ने 23 सितम्बर, 2008 को "इंडिया अनटच्ड स्टोरीज ऑफ ए पीपल अपार्ट" विषयक व्याख्यान दिया। (डॉ. वाई.एस. अलोन, क.सौ.सं., जेएनयू ने मॉडरेट किया तथा भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम के साथ महिला अध्ययन कार्यक्रम ने सहयोग दिया।
- वाणी सुब्रामणियन, डाक्यूमेंटरी फिल्म निर्माता ने 30 अक्टूबर, 2008 को "इट'स ए ब्वॉय" विषयक व्याख्यान दिया।

अंतरविषयक शोध छात्र संगोष्ठी

- रेबेका जॉन, पी–एच.डी. शोध छात्र, विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू ने 21 अक्टूबर, 2008 को "इनविजीबल टच" (एवरी डे रिएलिटीज ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट इन पब्लिक स्पेसिज इन केरला) विषयक व्याख्यान दिया।
- ऊषा चन्द्रन, पी–एच.डी. शोध छात्रा, चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, भा.सा.सं.अ.सं., जेएनयू ने 6 नवम्बर, 2008 को "जेंडर डिस्क्रिमीनेशन एट द वर्कप्लेस इन अर्बन चाइना : ए पी–एच.डी. प्रपोजल" विषयक व्याख्यान दिया।
- लीसा केविग्लिया, ग्रेजुएट प्रोग्राम क्लस्टर ऑफ एक्सेलेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ हीडलबर्ग ने "सेक्स वर्ग इन काठमांडु : डिसकॉर्सिज अराउंड जेंडर, सेल्फ पर्सेप्शन ऐंड सेक्सुअलिटी" विषयक व्याख्यान दिया।

विशेष संगोष्ठियाँ एवं कार्यशालाएं

- 9 अगस्त, 2008 को वी. गीता द्वारा लिखित और मंगई द्वारा निर्देशित नाटक "कलक्कानावु आर ए ड्रीम ऑफ टाइम" पर संगोष्ठी।
- डॉ. मार्टिना रीकर, डायरेक्टर, द इंस्टीअ्यूट फॉर जेंडर ऐंड वुमन'स स्टडीज, अमेरिकन यूनिवर्सिटी, काइरो, इजिप्ट ने "द पॉलिटिक्स ऑफ कंपेरीजन : साइटिंग सिटीज, साइटिंग वुमन इन द हिस्टोरीकल प्रिजेंट" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. अमर कँवर, प्रो. प्रफुल बिदवई, प्रो. तनिका सरकार ने महिला अध्ययन कार्यक्रम द्वारा मेम्बर्स ऑफ सिटीजंस इनिशिएटिव, कोलकाता के सहयोग से आयोजित "डिसप्लेसमेंट ऐंड डिवलपमेंट" विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- प्रो. रवि श्रीवास्तव, सुश्री मिराई चटर्जी, डॉ. सुमंगला दामोदरन ने 18 मार्च, 2009 को आयोजित "वुमन इन द इंफॉर्मल सेक्टर" विषयक संगोष्ठी में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।

विजिटिंग फैकल्टी कार्यक्रम

महिला अध्ययन कार्यक्रम ने अगस्त, 2008 और मार्च, 2009 में दो विजिटिंग फेलो आमंत्रित किए :

- डॉ. मार्टिना रीकर, द इंस्टीट्यूट फॉर जेंडर ऐंड वुमन'स स्टडीज, द अमेरिकी यूनिवर्सिटी, काहिरा, मिस्र (1 अगस्त – 14 अगस्त, 2008)
- डॉ. हेनरिक डारन, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स ऐंड पॉलिटीकल साइंस (27 मार्च – 9 अप्रैल, 2009)

महिला अध्ययन कार्यक्रम ने जेएनयू में दो सप्ताह के लिए देश–विदेश के विद्वानों को एकत्रित करने के लिए इस कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में विद्वानों ने अपने शोध कार्यों से संबंधित विचार संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए, महिला अध्ययन कार्यक्रम के चल रहे कोर्सों को पढ़ाया तथा छात्रों, अन्य केंद्रों और संस्थानों के शिक्षकों के साथ विचार–विमर्श किया।

इन दोनों डॉ. मार्टिन रीकर और डॉ. हेनरि डॉनर का केंद्र में दौरा सफल रहा तथा उनके व्याख्यानों का विवरण महिला अध्ययन कार्यक्रम की गतिविधियों की सूची में दिया गया है।

पुस्तकालय

महिला अध्ययन कार्यक्रम के पुस्तकालय के लिए लगभग रुपये 1.68 लाख की पुस्तकें और डाक्यूमेंटरी फिल्म खरीदी गईं। इस समय पुस्तकालय में कुल 1150 पुस्तकें और 93 डॉक्यूमेंट्री फिल्में हैं। विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षकों के साथ–साथ इस शहर और देश के अन्य भागों के विद्वान भी पुस्तकालय का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं।

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट एक संस्थान स्तर का शोध यूनिट है। यह सामाजिक विज्ञान संस्थान में सन् 1971 से आधुनिक भारत में शिक्षा के इतिहास के क्षेत्र में शोध करने में संलग्न है। यह विश्वविद्यालय का सबसे पुराना शोध कार्यक्रम है। यूनिट का मुख्य कार्य अभिलेखागारों और पुस्तकालयों में उपलब्ध आधुनिक भारत में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक दस्तावेजों का पता लगाना, उनका प्रलेखन करने के बाद विषयानुसार क्रमबद्ध करके ऐतिहासिक मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित कराना है। हाल ही में यूनिट के शैक्षिक कार्यक्रमों ने महिला अध्ययन, गैर सुविधा संपन्न और राष्ट्रवादी शैक्षिक विचारधाराओं जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रगति की है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान यूनिट ने चल रही दो राष्ट्रीय परियोजना – नेशनलिस्ट एज्यूकेशन मूवमेंट इन इण्डिया : 1920–1947 के कार्य को आगे बढ़ाया। डॉ. सी.एच. राधा गायत्री के मध्य अक्टूबर 2008 में शोध अधिकारी के रूप में जवाइन करने के बाद इन क्षेत्रों पर कार्य की प्रगति में कुछ तेजी आई है। डॉ. गायत्री ने राष्ट्रीय अभिलेखागार, साहित्य अकादमी पुस्तकालय से डाटा एकत्रित करना शुरू कर दिया है और ख्याति प्राप्त विद्वानों के शोध अवधि के दौरान के निजी आलेखों की छंटनी भी शुरू कर दी है। यूनिट में अभी तक एकत्रित सामग्री को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है।

यूनिट ने 30 अगस्त 2008 को चौथे जे.पी. नायक स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया । यह व्याख्यान प्रो. एस.के. थोरट, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने "द हायर एज्यूकेशन इन इंडिया : स्टेटस, इमर्जिंग इश्यूज ऐंड एप्रोच इन द इलेबन्थ प्लान" विषय पर दिया। व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति ने की। यूनिट व्याख्यान को प्रकाशित करने के प्रयास कर रही है। यूनिट ने टिम अलेक्जेंडर, द यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी द्वारा व्याख्यान शृंखला का आयोजन भी किया।

यूनिट नवम्बर, 2008 में दिल्ली में आयोजित द इंटरनेशनल एसोसएशन ऑफ हिस्टोरियंस ऑफ एशिया के 20वें सम्मेलन की सह–आयोजक भी थी। यह सम्मेलन भारत में पहली बार हुआ था। इसमें पूरे विश्व से लगभग 400 विद्वानों ने भाग लिया। शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट के निदेशक प्रो. दीपक कुमार इस सम्मेलन के संयोजक थे तथा डॉ. जोसफ बारा और डॉ. नंदिता खादरिया "इमर्जेंस ऑफ नॉलेज सोसाइटीज ऐंड एज्यूकेशनल हिस्ट्री" विषयक पेनल के संयोजक रहे। इस पेनल में प्रस्तुत आलेख से एक पुस्तक प्रकाशित की जा रही है तथा प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है।

समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार

समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार की स्थापना जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्य समिति के निर्णय के अनुसार 1 दिसम्बर 1970 को सामाजिक विज्ञान संस्थान के एक भाग के रूप में हुई थी। यह अभिलेखागार भारत में हुए वामपंथी एवं राष्ट्रीय आंदोलन तथा अन्य महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलनों से संबंधित सामग्री का एक भण्डार है और इसकी शुरूआत स्व. श्री पी.सी. जोशी के व्यक्तिगत संग्रहों से हुई। इस अभिलेखागार में विभिन्न स्रोतों से अब तक पर्याप्त मात्रा में सामग्री एकत्रित की गई है। वर्तमान में अभिलेखागार विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन में स्थित है। अभिलेखागार के वर्तमान अध्यक्ष ने 1 सितम्बर 2007 को ज्वाइन किया था।

इस वर्ष अभिलेखागार ने 50 पुस्तकें/पम्फलेट्स खरीदे जो निम्नलिखित हैं :

- नेगलेक्ट ऑफ एज्यूकेशन इन द ओल्ड सिटी ऑफ हैदराबाद, सीपीआई(एम), हैदराबाद सिटी कमिटी, 2008.
- रेसिसटिंग नियोलिबरलिज्म : पोस्टिंग प्रोगेसिव अल्टरनेटिव्स पॉलिसी इंटरवेंशंस बाइ द लेफ्ट पार्टीज, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- पर्स्यूट ऑफ अल्टरनेटिव ऐंड प्रो–पीपल पॉलिसीज : द लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट गवर्नमेंट इन केरला, सीपीआई(एम) प्रकाशन.
- पीपल्स डायरी ऑफ फ्रीडम स्ट्रगल, सीताराम येचुरी द्वारा संपादित, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- पॉलिटीकल आर्गेनाइजेशनल रिपोर्ट–एडाप्टिड एट द XIX कांग्रेस ऑफ द सीपीआई(एम), सीपीआई(एम) प्रकाशन, कोयमबटूर, 29 मार्च – 3 अप्रैल, 2008.
- पॉलिटीकल रिजोल्यूशन एडाप्टिड एट द XIX कांग्रेस ऑफ द सीपीआई(एम), सीपीआई(एम) प्रकाशन कोयम्बटूर, 29 मार्च – 3 अप्रैल, 2008.

- पॉलिटीकल रिजोल्यूशन ऑफ सीपीआई एडाप्टिड एट द ट्वेंटियथ कांग्रेस ऑफ द सीपीआई, सीपीआई प्रकाशन, 23–27 मार्च, 2008.
- दिल्ली की कम्युनिस्ट पार्टी का इतिहास, आनंद गुप्ता, सीपीआई प्रकाशन, 2008.
- दलितों की समस्या, आगे रास्ता, डी. राजा, सीपीआई प्रकाशन, 2007.
- आल इंडिया यूथ फेडरेशन : ए ब्रीफ हिस्ट्री, अनिल राजिमवाले, आल इंडिया यूथ फेडरेशन, 2007.
- 20थ पॉलिटीकल रिजोल्यूशन ऑफ सीपीआई, सीपीआई प्रकाशन, 2008 (हिंदी में)
- सोशलिज्म इन द 21स्ट सेंचुरी – ऑल इंडिया सिंपोजियम, राजशेखर रेड्डी, एनआरआरआरसी, हैदराबाद, 2008.
- ओपिनियन ऑफ सीपीआई, इंडियन मुस्लिम–पास्ट, प्रिजेंट ऐंड फ्यूचर, शमीर फ़ैजी, सीपीआई प्रकाशन, 2007 (हिंदी में)
- आल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन–शार्ट हिस्ट्री 1936–2004, अनिल राजिमवाले, एआईएसएफ प्रकाशन, 2006.
- पॉलिटिक्स ऐंड पॉलिसीज – ए मार्क्सिस्ट पर्सपेक्टिव, प्रकाश करात, प्रजाशक्ति बुक हाउस, 2008 (एसीसी नं. 1342)
- द ग्रेट रिवाल्ट – ए लेफ्ट अप्रेजल, सीताराम येचुरी, पीपल्स डेमोक्रेसी पब्लिकेशन, 2008.
- रेसिस्टिंग नियोलिबरलिज्म : पोस्टिंग प्रोग्रेसिव अल्टरनेटिव्स पॉलिसी इंटरवेंशंस बाइ द लेफ्ट पार्टीज, सीपीआई(एम) प्रकाशन।
- अन द इण्डो–यूएस न्युक्लियर डील–क्वेश्चंस ऐंड आंनसर्स, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- लेफ्ट स्टेंड ऑन द न्युक्लियर डील, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- बिहाइंड द इण्डो–यूएस न्युक्लियर डील, शमीम फ़ैजी, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2007.
- सहमत मुक्तनाद, शामत प्रकाशन, 2008.
- बहश अनंत, शामत प्रकाशन, 2008.
- फाइट टु चेंज फूड पॉलिसीज ऑफ यूपीए गवर्नमेंट, बृंदा करात, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- एप्रोच पेपर ऑन रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ सेंटर स्टेट रिलेशंस, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- रिपोर्ट ऑन पॉलिटीकल डिवलपमेंट, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 12–14 अक्टूबर, 2008.
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड इंप्लिकेशंस फॉर इंडिया, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- उड़ीसा : इसाई समुदाय पर हमलों का पर्दाफाश, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- हिंदुत्व आतंक का नया चेहरा, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- फोरेस्ट राइट्स एक्ट : इनएक्टमेंट, प्रावीजंस ऐंड प्रासिजर्स, सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- डाक्यूमेंट्स ऑफ द 19थ कांग्रेस ऑफ द कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट), सीपीआई(एम) प्रकाशन, 2008.
- सहमत 20 इयर्स 1989 जनवरी, 2009, शामत प्रकाशन, 2008.
- पॉवर, पॉलिटिक्स, ऐंड द पीपल, पार्थासारथी गुप्ता।
- पी.सी. जोशी – ए बायोग्राफी (2 भाग), गार्गी चक्रवर्ती।
- मोहित सेन – एन आटोबायोग्राफी।
- चाइना ऐंड इंडिया – पॉलिटिक्स ऑफ इंक्रीमेंटल इंगेजमेंट।
- द क्लासिक पाप्युलर – अमर चित्र कथा, 1967–2007, नंदिनी चन्द्रा।
- कम्युनिज्म ऐंड नशनलिज्म इन कॉलोनियल इंडिया, गुप्ता।
- टु अपहोल्ड द वर्ल्ड, ब्रूस रिच।
- इंडिया सिंस इनडिपेंडेंस, बिपनचन्द्र, मृदुला मुखर्जी और ए. मुखर्जी।
- फिफ्टी इयर्स ऑफ रिपोर्टिंग साउथ एशिया – फॉरने करेसपोंडेंस, जॉन इलियट, बर्नार्ड इम्हासली और साइमन डेनियर।
- ईटिंग इंडिया, चित्रिता बनर्जी।
- द फ्यूचर ऑफ फ्रीडम, फरीद जकारिया।

- द इमाम ऐंड द इंडियन, अमिताव घोष
- आइडियोलॉजी – एन इंट्रोडक्शन, टेरी इगल्टन
- झूठा सच (2 भाग), यशपाल
- कामिंटर्न ऐंड द डेस्टिनी ऑफ कम्युनिज्म इन इंडिया 1919–1943
- मार्क्सिज्म सोशलिज्म इंडियन पॉलिटिक्स – ए व्यू फ्रॉम द लेफ्ट, रंधीर सिंह।
- द नक्सल चेलेंज – काज, लिंकजिज, ऐंड पॉलिसी आप्शंस, पी.वी. रमाना।
- रेड सन – ट्रेवल्स इन नक्सलाइट कंट्री, सुदीप चक्रवर्ती।
- माओइस्ट 'स्प्रिंग थंडर' – द नक्सलाइट मूवमेंट (1967–1972), अरुण प्रसाद मुखर्जी।

संबंधित विषयों पर तीन अंग्रेजी अखबारों – द हिंदू, हिंदुसन टाइम्स और द टेलीग्राफ की कतरने एकत्रित की जाती हैं। फिर इन्हें शोधार्थियों के संदर्भ के लिए विषय–वार पुस्तकों के रूप में बाइंड करके रखा जाता है।

अभिलेखागार ने निम्नलिखित अखबार/पत्रिकाएं मंगानी जारी रखी :

*	चिंता (मलयालम)	–	साप्ताहिक
*	देशाभिमानी (मलयालम)	–	दैनिक
*	गणशक्ति (बंगला)	–	दैनिक
*	प्रजाशक्ति (तेलुगु)	–	दैनिक
*	थीक्काथिर (तमिल)	–	दैनिक
*	नवां जमाना (पंजाबी)	–	दैनिक
*	देश सेवक (पंजाबी)	–	दैनिक
*	न्यू ऐज	–	साप्ताहिक
*	पीपल्स डेमोक्रेसी	–	साप्ताहिक
*	रेड स्टार	–	मासिक
*	लिब्रेशन	–	मासिक
*	मेनस्ट्रीम	–	साप्ताहिक

समीक्षाधीन अवधि के दौरान देश–विदेश के 159 शोधार्थियों ने विभिन्न शोध शीर्षकों पर अभिलेखागार की सामग्री का उपयोग किया। उनके शोध शीर्षकों में शामिल थे – बायोग्राफी आफ पी.सी. जोशी, सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी, मलयालम न्यूजपेपर, ई.एम.एस. आन नेक्सलाइट मूवमेंट ऐंड सीपीआई, पॉलिटिकल प्रिजनर्स, एम.एन. राय, टुवर्डस फ्रीडम, हिस्ट्री आफ सीपीआई, फाक सांग्स, हिस्ट्री ऑफ कम्युनिस्ट मूवमेंट्स, गवर्नमेंट ऑफ केरला 1951–1959, वुमन इन पंजाबी थिएटर, भारत में क्रांतिकारी आन्दोलन की वैचारिक विकास यात्रा और भगत सिंह का चिन्तन, पोजिशन ऑफ वुमन इन इण्डिया, हिन्दू मुस्लिम रिलेशंस, नन्दीग्राम, वुमन राइटिंग इन इण्डिया, वुमन ऐंड सोशल मूवमेंट्स, सीपीआई(एम) ऐंड कास्ट, मेरठ कंसपीरेसी केस (एमसीसी), कम्युनिस्ट मूवमेंट्स, कश्मीर कंफ्लिक्ट, तेलंगाना आर्म्ड स्ट्रगल, माओइस्ट इनसर्जेंसी इन इण्डिया ऐंड माइनिंग सोसायटी, चिपको आंदोलन, कुमायूँ ऐंड गढ़वाल ट्रेड यूनियन, नेशनलिस्ट मूवमेंट इन इंडिया 1942 आदि।

9 नवम्बर, 2008 को प्रो. अर्जुन सेनगुप्ता (ख्याति प्राप्त विद्वान) ने "यूनाइटिड फ्रंट ऐंड द कम्युनिस्ट मूवमेंट" विषयक 13वाँ पी.सी. जोशी स्मारण व्याख्यान दिया। इसमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया तथा व्याख्यान की प्रतियाँ काफी संख्या में वितरित की गईं।

यूपीओई योजना के अन्तर्गत अभिलेखागार के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

अभिलेखागार के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए उपयुक्त स्थान के लिए प्रयास जारी है। हमें आशा है शीघ्र ही उपयुक्त स्थान प्राप्त हो जाएगा।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

एम.फिल. छात्रों के लिए नए वैकल्पिक कोर्स

- एस.के. केजरीवाल, लाइफ लांग लर्निंग ऐंड डिवलपमेंट (4 क्रेडिट) (अध्ययन मण्डल/सा.वि.सं. द्वारा अनुमोदित)

केंद्र में आए विशेष अतिथि

- प्रो. रूयेप (कुलपति) और प्रो. ग्रेगर लैंग वोज्तासिक, यूनिवर्सिटी आफ एज्यूकेशन (वीनगार्टन) के जर्मन दल ने 16 फरवरी, 2009 को भारत और जर्मनी के संदर्भ में 21वीं सदी में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग हेतु प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप तथा जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र का दौरा किया; (डा. अजय कुमार द्वारा आयोजित)

केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ

- एम.सी. पाल ने 2 सितम्बर 2008 को भारतीय जन–संचार संस्थान सभागार में 'रोल आफ मीडिया इन मेनस्ट्रीम ऐंड इनहांसिंग वुमंस पालिटिकल पार्टीसिपेशन – द वे अहेड' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- एम.सी. पाल ने 20–21 मार्च 2009 को सा.वि.सं.–1, समिति कक्ष में आईएससीए के सहयोग से 'कैपेसिटी बिल्डिंग आफ यूथ्स फार डिवलपमेंट : प्राब्लम्स ऐंड पालिसी प्रिसक्रिप्शन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों आदि में पेनेलिस्ट/विशेषज्ञ सदस्य

- एम.सी. पाल ने 18 दिसम्बर 2008 को उपभोक्ता मामला विभाग, भारत सरकार द्वारा जीटीजैड (जर्मनी) के सहयोग से आयोजित 'स्ट्रेंथनिंग कंज्युमर प्रोटेक्शन इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी।
- एम.सी. पाल ने 7–8 नवम्बर 2008 को जीडी मोदी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदी नगर में आयोजित 'रोल आफ रीजनल बैंक्स इन इकोनामिक अपलिफ्टमेंट आफ वीकर सेक्शंस आफ रूरल सोसायटी' विषयक संगोष्ठी।
- एम.सी. पाल ने 7 मार्च 2009 को अंतरराष्ट्रीय महिला कांग्रेस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एक्सलेंस इन एज्यूकेशन फार वुमुस डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- अरूण कुमार ने 12–13 अप्रैल 2008 को झारखण्ड अल्टरनेटिव डिवलपमेंट फोरम, झारखण्ड द्वारा वाईएमसीए, रांची में आयोजित 'अल्टरनेटिव डिवलपमेंट इन झारखण्ड : पासिबिलिटीज ऐंड प्रैक्टिसेज' विषयक संगोष्ठी में 'वर्किंग टुवर्डस एन अल्टरनेटिव इन द करंट कंटेक्स्ट' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 17 मई 2008 को द फाउंडेशन फार पब्लिक इकोनामिक्स ऐंड पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा 'इंडिया हेबिटेट सेंटर में आयोजित 'चैलेंजिस बिफोर द थर्टींथ फाइनेंस कमिशन' विषयक संगोष्ठी में 'इंटर रीजनल डिफरेंसिएशन ऐंड द रोल आफ द फाइनेंस कमिशंस : सम मैक्रोइकोनामिक कंसीड्रेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 18 से 20 सितम्बर 2008 तक द इंडियन एकेदमी आफ सोशल साइंसेज और उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा शिमला में आयोजित 'सेज' विषयक सम्मेलन में 'द सोसियो इकोनामिक आस्पेक्ट्स आफ सेज्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 8 नवम्बर 2008 को सेंटर फार पब्लिक पालिसी में आयोजित 'करंट इंडियन इनफ्लेशन ऐंड पालिसीज टुवर्डस इट्स कंट्रोल' विषयक कार्यशाला में 'पर्सपेक्टिव आन करंट इंडियन इनफ्लेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 27 से 24 नवम्बर 2008 तक जेएनयू और एनआईपीएफपी द्वारा आयोजित 'थीअरि' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 7–8 दिसम्बर 2008 को सेंटर फार बजट ऐंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी इन इंडिया द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'टुवर्डस प्रोग्रेसिव फिस्कल पालिसी इन इंडिया' विषयक सम्मेलन में 'करंट ग्लोबल क्राइसिस, मैक्रोइकोनामिक सिनेरियों ऐंउ अल्टरनेटिव इंडियन फिस्कल पालिसीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 18 से 22 दिसम्बर 2008 तक इंडियन एकेडमी आफ सोशल साइंस द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोशल साइंस कांग्रेस में आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 19 दिसम्बर 2008 को आयोजित प्लेनरी–3 में 'इकोनामिक आस्पेक्ट्स आफ इंडिया एट द क्रास रोड्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- अरूण कुमार ने 20 दिसम्बर 2008 को 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस ऐंड अपरच्युनिटीज फार द फ्युचर' विषयक जन–व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 23 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली प्रबंधन अध्ययन संस्थान और वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एनडीआईएमएस, नई दिल्ली में आयोजित 'इम्पैक्ट आफ इकोनामिक रिसेशन इन यूएसए आन इंडियन इकोनामी' विषयक संगोष्ठी में 'द ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन इंडिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 23 से 25 जनवरी, 2009 तक आईएसएसए और पीपल'स एज्यूकेशन काउंसिल द्वारा अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'द प्लानेट अर्थ' विषयक संगोष्ठी में 'द प्लानेट एट ए टर्निंग प्वाइंट' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 14 मार्च 2009 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रेक्टिस : इमर्जिंग सिनेरियोज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एज्यूकेशन पालिसी : पालिटिक्स ऐंड प्रोसस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 15 मार्च 2009 को द साउथ एशियन डायलॉग आन इकोलाजीकल डेमोक्रेसी द्वारा यूएसओ हाउस, नई दिल्ली में आयोजित 'इकोलॉजीकल स्वराज' विषयक कार्यशाला में 'ग्लोबल इकोनॉमिक क्राइसिस ऐंड इंप्लिकेशंन फार एनवायरनमेंटल इश्यूज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 28 से 30 मई 2008 तक ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क द्वारा हॉलीडे हॉम, शिमला में आयोजित 'राइट्स ऐंड बजट' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'चैलेंजिज फेसिंग एज्यूकेशन इन इण्डिया ऐंड द बजट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 8–9 सितम्बर 2008 को द शंघाई एकेदमी आफ सोशल साइंसेज और शंघाई म्यूनीसीपल इंफार्मेशन आफिस द्वारा द स्टेट काउंसिल इंफार्मेशन आफिस आफ द पीपल्स रिपब्लिक आफ चाइना, शंघाई, चीन के सहयोग से आयोजित द थर्ड वर्ल्ड फोरम आन चाइना स्टडीज में 'इंपैक्ट आफ ब्लैक इनकम्स आन इनकम डिस्ट्रीब्यूशन ऐंड सोशल हारमनी इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 8–9 सितम्बर 2008 को द शंघाई एकेडमी आफ सोशल साइंसेज और शंघाई म्यूनिसीपल इंफार्मेशन आफिस द्वारा द स्टेट काउंसिल इंफार्मेशन आफिस आफ द पीपल्स रिपब्लिक आफ चाइना, शंघाई, चीन के सहयोग से आयोजित थर्ड वर्ल्ड फोरम आन चाइना स्टडीज में 'इनकम डिस्ट्रीब्यूशन ऐंड सोशल हारमनी : कंपेरीजन बिटवीन चाइना ऐंड इंडिया' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 5 से 7 नवम्बर 2008 तक आईएनएमएएनटीईसी द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'ब्रिक ऐंड ईयू : कॉपरेशन वर्सेज कंपिटिशन' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'द करंट ग्लोबल फाइनेंशियल ऐंड इकोनामिक क्राइसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 5 से 7 दिसम्बर 2008 तक द सेंटर फार द स्टडी आफ ला ऐंड गवर्नेंस, नेटवर्क आफ एशिया पेसिफिक स्कूल्स और इंस्टीट्यूशंस फार पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'स्ट्रेंथनिंग गवर्नेंस इन द एशिया पेसिफिक : पब्लिक सेक्टर रिफार्म्स फार कैपेसिटी बिल्डिंग इन अकाउंटेबिलिटी, ट्रांसपरेंसी ऐंड करप्शन कंट्रोल' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्लेनरी सत्र में 'द ब्लैक इकोनामी इन इंडिया ऐंड द रोल आफ वाच डॉग इंस्टीट्यूशंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 12 फरवरी 2009 को हिंद स्वराज की जन्मशती पर आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्यूमन सिविलाइजेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिवलपमेंट ऐंड स्वराज' विषयक सत्र में 'हिंद स्वराज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने जनवरी 2009 में द इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट रिसर्च द्वारा आयोजित 'मनी ऐंड फाइनेंस' विषयक 11वें सम्मेलन में 'रेग्युलेशन ऐंड कंपीटिटिव इक्विलीब्रिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने सितम्बर 2008 में आयोजित 'द वैल्यू आफ मनी इन कनटेम्पोरेरी कैपिटलिज्म' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनालिसिस आफ ए 3 गुड माडल इन आइडियाज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंजन मुखर्जी ने नवम्बर 2008 में आयोजित 'ग्रोथ इनइक्वेलिटी ऐंड इंस्टीट्यूशंस' विषयक जेएनयू – सीआईजीआई –

एनआईपीएफपी के सम्मेलन में 'द एफिकेसी आफ द इनविजीबल हैंड इन सिम्पल माडल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- आर.पी. सेनगुप्ता ने 28 से 30 अप्रैल 2008 तक द इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, दिल्ली और स्कूल आफ इकोनामिक्स, दिल्ली द्वारा आयोजित 'नेशनल इनकम ऐंड मैक्रोइकोनामिक एग्रिगेट्स इन ए ग्रोइंग इकोनामी' विषयक वीकेआरवी राव जन्मशती सम्मेलन में 'इनक्लुसिव इकोनामिक ग्रोथ ऐंड सस्टेनेबल इनर्जी डिवलपमेंट आफ इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.जी. दस्तीदार ने नवम्बर 2008 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'ग्रोथ, इनइक्वेलिटी ऐंड इंस्टीट्यूशंस' विषयक जेएनयू, सीआईजीआईएनआईपीएफसी के सम्मेलन में भाग लिया।
- के.जी. दस्तीदार ने मार्च 2009 में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड रिसेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- विकास रावल ने 15 नवम्बर 2008 को कोचिन में आयोजित 'फ्री सोफ्टवेयर' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- विकास रावल ने 4–5 दिसम्बर 2008 को आयोजित 'इकोनामिक रिस्ट्रक्चरिंग, हायर एज्यूकेशन ऐंड द लेबर मार्किट' विषयक आईसीएसएसआर – ईएसआरसी की संयुक्त कार्यशाला में भाग लिया।
- विकास रावल ने 21 से 24 दिसम्बर 2008 तक इंडियन स्टेहिस्टीकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा चाल्सा में आयोजित 'स्टडीइंग विलेज इकोनामीज : ए कॉलोक्विम आन मेथडोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस.के. जैन ने 23 से 25 जनवरी 2009 तक द इंडियन एकेडमी आफ सोशल साइंसेज और पीपल्स काउंसिल आफ एज्यूकेशन द्वारा अ.अ.स., जेएनयू में आयोजित 'द प्लानेट अर्थ : पीपल्स, सोसायटी ऐंड साइंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मार्किट ऐंड द कंटेम्पोरेरी इकोलाजीकल क्राइसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. जैन ने 15 दिसम्बर 2008 को अर्थशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित 'गांधी'ज विजन ऐंड न्यू डायरेक्शंस फार इकोनामिक थीअरि' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इश्यूज इन गांधीयन इकोनामिक थाट ऐंड एकेडमिक एजेंडा फार सीजीईटी, क्रिटिकल अप्रेजल आफ इकोनामिक थीअरि फ्राम ए गांधीयन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. जैन ने 17–18 अक्टूबर 2008 को द नेशनल इंस्टीट्यूट आफ साइंस टेक्नोलाजी ऐंड डिवलपमेंट स्टडीज, जर्मन रिसर्च फाउंडेशन और जर्मन सेंटर फार रिसर्च ऐंड हायर एज्यूकेशन, निस्ताद्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिसर्च पालिसी' विषयक दूसरी गोष्ठी में 'आन सम प्री–रिक्विजाइट्स फार क्वालिटी रिसर्च' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. जैन ने 23 अगस्त 2008 को गांधी पीस फाउंडेशन में आयोजित 'हिंद स्वराज' विषयक जन्मशती वार्ता में 'ग्लोबल गांधी फोरम ऐंड साउथ एशियन डायलॉक आन इकोलाजिकल डेमोक्रसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. जैन ने 12 से 14 फरवरी 2009 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'सेंटेनरी आफ हिंद स्वराज' विषयक अंडरस्टेंडिंग गांधीजी'स क्रिटिक आफ माडर्निटी इन हिंद स्वराज, सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्यूमन सिविलाइजेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा ने 6–7 मई 2008 को योजना बोर्ड, केरल सरकार में आयोजित 'सेंटर स्टेट फिस्कल रिलेशंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 14 मई 2008 को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार में आयोजित 'एग्रेरियन रिलेशंस इन इण्डिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 16 मई 2008 को एनसीईयूएस, भारत सरकार में आयोजित 'रिफार्मिंग लेबर लॉज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 11–12 अगस्त 2008 को उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ में आयोजित 'लैंड रिफार्म्स इन यू.पी.' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 25 से 27 अगस्त 2008 तक आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद में आयोजित 'एग्रेरियन रिलेशंस इन आन्ध्र प्रदेश' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 1–2 सितम्बर 2008 को केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम द्वारा आयोजित 'इम्पैक्ट बजटिंग ऐंड जेंडर बजटिंग' विषयक

संगोष्ठी में भाग लिया।

- प्रवीण झा ने 11 से 13 सितम्बर 2008 तक मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'इक्वेलिटी, इनक्लुजन ऐंड ह्युमन डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 12–13 सितम्बर 2008 को आईडीईएएस, नई दिल्ली में आयोजित 'वैल्यू आफ मनी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 14 सितम्बर 2008 को मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'एक्सट्रीमिस्ट एफेक्टिड एरियाज रिपोर्ट बाई द एक्सपर्ट ग्रुप आफ द प्लानिंग कमिशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 15–16 सितम्बर 2008 को आईएचडी और सीएसएच, नई दिल्ली में आयोजित 'नेशनल रूरल इंटलायमेंट गारंटी स्कीम इन इंडिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 17–18 सितम्बर 2008 को सीबीजीए, नई दिल्ली में आयोजित 'बजटिंग प्रायोरिटीज आफ द सेंट्रल गवर्नमेंट' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 26 से 28 सितम्बर 2008 तक योजना बोर्ड, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम में आयोजित 'सेंटर स्टेट फिस्कल रिलेशंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 4–5 अक्टूबर 2008 को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद में आयोजित 'लैंड रिफार्म्स : इमर्जिंग इश्यूज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 17–18 अक्टूबर 2008 को योजना बोर्ड, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम में आयोजित 'इश्यूज इन इंडियन पब्लिक फाइनेंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 29–30 अक्टूबर 2008 को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, गुवाहाटी में आयोजित 'लैंड मैनेजमेंट इन नार्थ–ईस्टर्न स्टेट्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 12–13 नवम्बर 2008 को सीबीजीए, नई दिल्ली में आयोजित 'स्ट्रेंथनिंग वुमंस वायसिज इन बजट्स ऐंड पालिसीज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 7–8 नवम्बर 2008 को नेशनल ज्यूडीशियल एकेडमी आफ इंडिया, भोपाल में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द ला : इम्पैक्ट आन द सबॉर्डीनेट ज्यूडीशियरी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 18 से 20 नवम्बर 2008 तक अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'इंडियन इकोनामी इन द टवेंटी फर्स्ट सेंचुरी : प्रास्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 29 नवम्बर 2008 को उत्कल विश्वविद्यालय और सीवाईएसडी, भुवनेश्वर में आयोजित 'पब्लिक पॉलिसी ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 8–9 दिसम्बर 2008 को सीबीजीए, नई दिल्ली में आयोजित 'टुवर्डस प्रोग्रेसिव फिस्कल पालिसी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 11–12 दिसम्बर 2008 को एनसीपीसीआर, आईएलओ और यूनिसेफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'राइट टु एज्यूकेशन ऐंड अबालीशन आफ चाइल्ड लेबर' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 13 से 15 दिसम्बर 2008 तक गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ में आयोजित इंडियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स के स्वर्ण जंयती सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 2–3 फरवरी 2009 को सीबीजीए और यूनिसेफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एफिकेसी आफ पब्लिक स्पेंडिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 10 फरवरी 2009 को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोयडा में आयोजित 'कंसेप्चुअलाइजिंग लेबर' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 17 फरवरी 2009 को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोयडा में आयोजित 'लेबर मार्किट रेग्युलेशन' विषयक

कार्यशाला में भाग लिया।

- प्रवीण झा ने 13 से 15 मार्च 2009 तक टीआईएसएस और आईडीईएएस, मुम्बई द्वारा आयोजित 'द क्राइसिस आफ नियो–लिबरलिज्म इन इंडिया : चैलेंजिज ऐंड अल्टरनेटिव्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 3 मार्च 2009 को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोयडा में आयोजित 'थीअरीज आफ लेबर मार्किट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 7 से 11 जुलाई 2008 तक इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर, इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन, टयुरिन, इटली में आयोजित 'लेबर इकोनामिक्स फार डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया, परिचर्चा की और अध्यक्षता की।
- प्रवीण झा ने 19 से 23 जनवरी 2009 तक अफ्रीकन इंस्टीट्यूट आफ एग्रेरियन स्टडीज, हरारे, जिम्बाबे में आयोजित 'सोशल मूवमेंट्स ऐंड द एग्रेरियन क्वेश्चंस इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 19–20 मई 2008 को सीएसआरसी, काठमांडु, नेपाल में आयोजित 'लैंड क्वेश्चन इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 2 जून 2008 को तियानजिन यूनिवर्सिटी, चीन में आयोजित कार्यशाला में 'डायमेंशंस आफ इंडिया'स रिसेंट सोसियो इकोनामिक डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- आर.पी. कुण्डु ने 29–30 दिसम्बर 2008 को जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित 'एक्सपेरिमेंटल ऐंड बिहेवरल इकोनामिक्स' विषयक सम्मेलन में 'लायबिलिटी रूल्स ऐंड इकोनामिक एफिशिएंसी : एन एक्सपेरीमेंटल एनालिसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 19 से 22 मई 2008 तक यूनिवर्सिटी आफ ट्यूरिन इटली में 'फ्राम द मार्शल प्लान टु द डब्ल्यू टी ओ : द वर्ल्ड इकोनामी सिंस वर्ल्ड वार–2' और 'द ग्लोबल फूड क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिए।
- जयती घोष ने 15 से 19 जून 2008 तक यूनिवर्सिटी हेगली स्टडी फेडरिको 11, नेपल्स, इटली में आयोजित 'स्टेट्स, मार्किट्स डेमोक्रेसी' विषयक सम्मेलन में 'ग्रोथ, इंप्लायमेंट ऐंड इनइक्वेलिटी इन चाइना ऐंड इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 19 सितम्बर 2008 को द गार्जियन न्यूजरूम, लंदन में द गार्जियन न्यूजपेपर और न्यू इकोनामिक्स फाउंडेशन, लंदन द्वारा आयोजित 'ट्रिपल क्रंच : कैन वी साल्व द क्रेडिट क्रंच, क्लाइमेट चेंज ऐंड एनर्जी शॉक्स विद द ग्रीन न्यू डील ?' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- जयती घोष ने 22–23 सितम्बर 2008 को मिनिस्ट्री आफ लेबर, अर्जेन्टिना द्वारा आईएलओ–ईसीएलएसी–यूएनडीपी, ब्यूनस आयरस के सहयोग से आयोजित 'इनकम डिस्ट्रीब्यूशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन : चैलेंजिस ऐंड पॉलिसी रिस्पांसिस' विषयक आईडीईएएस के सम्मेलन में 'वाट हैव वी लर्नड' शीर्षक गोलमेज की।
- जयती घोष ने 24–25 सितम्बर 2008 को फैक्लताद दे सियमसियास इकोनामिकास, यूनिवर्सिदाद दे ब्यूनस आयरस, ब्यूनस आयरस ममें आयोजित 'द इमर्जिंग ग्लोबल इकोनामी : इज देयर ए चैलेंज फ्राम द साउथ ?' विषयक आईडीईएएस सम्मेलन में 'इकोनामिक ग्रोथ ऐंड इंप्लायमेंट क्रिएशन इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 4–5 नवम्बर 2008 को जिनेवा में आयोजित 'स्ट्रेटिजीज फार पावर्टी रिडक्शन' विषयक यूएनआरआईएसडी की कार्यशाला में 'ग्रोथ, स्ट्रगल चेंज ऐंड पावर्टी रिडक्शन : द रोल आफ मैक्रोइकोनामिक पालिसीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 7 नवम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी साइंसेज पीओ, पेरिस में आयोजित 'इंडियन इकोनॉमी' विषयक कार्यशाला में 'ग्रोथ विद एक्सक्लुजन : द रिसेंट इकोनामिक एक्सपिरियंस आफ इंडिया' शीर्षक आलेखप प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 2 मार्च 2009 को द गार्जियन न्यूज पेपर, लंदन, यूके में आयोजित 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस' विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 8–9 मई 2008 को इब्से, रियो दे जनेरियो द्वारा आयोजित 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन ऐंड ग्लोबल गवर्नेंस' विषयक सम्मेलन में 'इंगेजिंग विद द बंसल प्रोसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 23 से 27 जून 2008 तक क्योटो, इक्वेडोर में आयोजित 'द बैंक आफ द साउथ' विषयक तकनीकी

कार्यशाला में 'बैंक आफ द साउथ ऐंड द न्यू रीजनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 28 जून 2008 को इस्तांबुल, टर्की में आयोजित 'द इंटरनेशनल इकोनामिक एसोसिएशन की 15वीं वर्ल्ड कांग्रेस में 'कैपिटल अकाउंट रेजिम्स, कैपिटल फ्लाज ऐंड फाइनेंशियल वलनरेविलिटी इन एशिया' विषयक सत्र में 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन ऐंड द न्यू डायनेमिक्स आफ ग्रोथ इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 26 से 28 अगस्त 2008 तक द कंज्युमर एसोसिएशन थर्ड वर्ल्ड नेटवर्क, पेनांग, मलेशिया द्वारा आयोजित 'द ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस, कैपिटल फ्लॉज ऐंड पॉलिसी रिस्पांसिज' विषयक सम्मेलन में 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन ऐंड द न्यू डायनेमिक्स आफ ग्रोथ इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 24–25 सितम्बर 2008 को मिनिस्ट्री आफ लेबर, इंप्लायमेंट ऐंड सोशल सिक्योरिटी, गवर्नमेंट आफ अर्जेंटीना और द फैकेल्टी आफ इकोनामिक्स, यूनिवर्सिटी आफ ब्यूनस आयरस, ब्यूनस आयरस द्वारा आयोजित 'द इमर्जिंग ग्लोबल इकोनामीज; इज देयर ऐंड अल्टरनेटिव फ्राम द साउथ ?' विषयक सम्मेलन में 'टेक्नोलॉजी ऐंड डिवलपमेंट इन चाइना ऐंड इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 15 दिसम्बर 2008 को द इंडियन सोसायटी फार लेबर इकोनामिक्स के वार्षिक सम्मेलन में 'द ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड द डिवलपिंग कंट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइससिस : द ऐंड आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक वेद गुप्ता स्मारक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने लॉयोला कालेज, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में 'द ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड इंडिया' विषयक फ्रा. डी'सूजा स्मारक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सेनगुप्ता ने 21 से 23 सितम्बर 2008 एआईएसडीआर सोसायटी, हेलसिंकी द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'एनुअल इंटरनेशनल सस्टेनेबल डिवलपमेंट रिसर्च कांफ्रेंस (एआईएसडीआरसी) में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड मॉडलिंग फार रिसार्स ऐंड इनकम अकाउंटिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सेनगुप्ता ने 21–22 मई 2008 को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली – एनआरसीटी, बैंकाक द्वारा संयुक्त रूप से बैंकाक में आयोजित 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड मॉडलिंग फार रिसॉर्स ऐंड इनकम अकाउंटिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 12–13 सितम्बर 2008 को आयोजित 'द वैल्यू आफ मनी इन कंटेम्पोरेरी कैपिटलीज्म' विषयक आईडीईएएस के सम्मेलन में भाग लिया।
- जयती घोष ने 13 से 15 मार्च 2009 तक टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई में आयोजित 'द डिक्लाइन आफ नियोलिबरलिज्म' विषयक आईडीईएएस के सम्मेलन में 'द ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस ऐंड द डिवलपिंग वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 8 नवम्बर 2008 को सेंटर फार पब्लिक पॉलिसी में आयोजित 'करंट इंडियन इनफ्लेशन ऐंड पॉलिसीज टुवर्डस इट्स कंट्रोल' विषयक कार्यशाला में समन्वयक रहे।
- अरूण कुमार ने 23 से 25 जनवरी 2009 तक आईएसएसए और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा जेएनयू में संयुक्त रूप से आयोजित 'द प्लानेट अर्थ' विषयक संगोष्ठी के सह आयोजक रहे।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- आर.पी. सिंह ने 9–10 अगस्त 2008 को सेंटर फार इंडिक स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मेसाचुसेट्स, डार्टमाउथ, यूएसए में आयोजित 'कांससनेस, माइंड ऐंड टाइम : ईस्टर्न ऐंड वेस्टर्न पर्सपेक्टिव्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कांससनेस ऐंड इनटेंशनलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 27 से 29 नवम्बर 2008 तक दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित 'फ्रीडम ऐंड रिस्पांसिबिलिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इमानुएल कांट आन फ्रीडम, राइट ऐंड रिस्पांसिबिलिटी : एन एनालिसिस आफ एनलाइनमेंट रेशनलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 16 से 18 फरवरी 2009 तक दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित 'मोरलिटी ऐंड ला :

एन इंटर–डिसिप्लीनरी डायलॉक' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डायलेक्टिक्स आफ मोरलिटी ऐंड लॉ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- आर.पी. सिंह ने 5 से 8 जनवरी 2009 तक आईसीपीआर और फिनोमेनोलॉजीकल सोसायटी, यूएसए द्वारा आयोजित 'फिनोमेनोलॉजी, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंडियन फिलोस्फी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कांससनेस ऐंड इनटेंशनलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने 29 से 31 जनवरी, 2009 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'मल्टीकल्चरलिज्म : स्पेनिश ऐंड इंडियन सिनेरियो' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अंडरस्टेंडिंग प्लुरलिटी इन मल्टी कल्चरलिज्म इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनाम भगत ने 27–28 मार्च 2009 को आईसीएसएसआर – एनईआरसी द्वारा शिलांग में आयोजित 'कांसट्रेंट्स ऐंड चैलेंजिज टु सोशल साइंस रिसर्च इन नार्थ ईस्ट इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटरनेशनल एक्सपिरियंस : टुवर्डस ए फिनोमेनोलॉजीकल मेथडोलॉजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनाम भगत ने 7 मार्च 2009 को राजनीति अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'द पॉलिटिक्स आफ एक्सपिरियंस' विषयक संगोष्ठी में 'फिनोलॉजी आफ एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनाम भगत ने16 से 18 फरवरी 2009 तक दर्शनशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड कल्चरल आइडेंटिटीज : फिलोस्फीकल चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड चैलेंजिज टु प्लुरलिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनाम भगत ने 9 से 11 फरवरी 2009 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई द्वारा मुम्बई में आयोजित 'लैंग्यवेज, माइंड ऐंड सोशल कंसट्रक्शन' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आन आइडेंटिटी एज सोशल कांसट्रक्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनाम भगत ने 5 से 9 जनवरी 2009 तक आईसीपीआर, नई दिल्ली और सीएआरपी, यूएसए द्वारा आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित फिनोमेलॉजी, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंडियन फिलोस्फी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'फिनोमेलॉजी आफ कल्चरल आइडेंटिटी एज प्रोजेक्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनाम भगत ने 15 से 17 मई 2008 तक दिव्य जीवन फाउंडेशन द्वारा शिलांग में आयोजित 'सिक्सटी इयर्स आफ नार्थ–ईस्ट : रिविजिटिंग द एक्सपिरियंस' विषयक अंतरराष्ट्रीय स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में पहले सत्र की सह–अध्यक्षता की।
- मंदीपा सेन ने 28–29 अप्रैल 2008 को द डिपार्टमेंट आफ सोशल, क्वांटीटेटिव ऐंड कॉग्नीटिव साइंसेज, यूनिवर्सिटी आफ मोडेना ऐंड रेजियो एमिलिया, इटली में आयोजित 'द इनटेंशनलिटी आफ फिनोमेनोलॉजी ऐंड द फिनोमेनोलॉजी आफ इनटेंशनलिटी' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'आन द वेरी डिसटिंक्शन बिटवीन द फिनोमेनल ऐंड द इनटेशनल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राजनीति अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा ने 11 दिसम्बर 2008 को लायसी लुइस ले ग्रांड में आयोजित 'द कंसेप्ट आफ ब्यूटी : ट्रांसकल्चरल पर्सपेक्टिव्स' विषयक पेनल परिचर्चा 'द क्रिएशन आफ ब्यूटी : इंडियन पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 5 नवम्बर 2008 को अं.अ.सं., जेएनयू में आयोजित 'इंडिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन इन द चेंजिंग वर्ल्ड आर्डर' विषयक इण्डो–बेल्जियम संगोष्ठी में 'इंडिया, द यूरोपीयन यूनियन, ऐंड ग्लोबल गवर्नेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 26 जून, 2008 को द इंस्टीट्यूट फ्रेंकाइस देज रिलेशंस इंटरनेशनल्स (आईएफआरआई) में आयोजित 'कास्टेइस्ट ऐंड रीजनल पार्टीज इन इण्डिया' विषयक गोलमेज में 'फेडरल कॉलीशंस ऐंड पालिटीकल स्टेबिलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 10–11 जून 2008 को ग्लोबल डायलॉक आफ द फोरम आफ फेडरेशंस ऐंड द कमिटी आफ द रीजंस, यूरोपीयन पार्लियामेंट, ब्रूसेल्स में आयोजित 'डायवर्सिटी ऐंड यूनिटी इन फेडरल कंट्रीज' विषयक कार्यशाला में 'डायवर्सिटी अनलीश्ड ऐंड फेडरेलाइज्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- बलवीर अरोड़ा ने 10–11 जून 2008 को ब्रूसेल्स, बेल्जियम में आयोजित 'डायवर्सिटी ऐंड यूनिटी इन फेडरल कंट्रीज' विषयक अंतरराष्ट्रीय गोलमेज वार्ता में 'इंडिया : डायवर्सिटी अनलीश्ड ऐंड फेडरेलाइज्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 30 मई 2008 को द रेवु कंफ्रंटेशंस, 227 बीडी सेंट जरमाइन, पेरिस द्वारा आयोजित 'यूरोपीयन कंसट्रक्शन' विषयक गोलमेज में 'एन इंडियन पर्सपेक्टिव आन यूरोपीयन कंसट्रक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 19 मई 2008 को सेंटर आफ ट्रांसकल्चरल स्टडीज आफ द यूनिवसइत लुइस लुमिइरे लियोन में आयोजित 'हॉरिजंस ऐंड लिमिट्स आफ रेसीप्रोकल नालेज इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषयक ट्रांसकल्चरल संगोष्ठी में 'रेसीप्रोकल नॉलेज इन ए श्रींकिंग वर्ल्ड : इंडियन पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 12 अप्रैल 2008 को एस्पेन इंस्टीट्यूट इंडिया और कंफीड्रेशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'यूरोप–इंडिया वार्ता में 'इंडिया'ज एक्सपिरियंस विद फेडरेलिज्म : लेशंस लर्न्ट ऐंड अनलर्न्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 12–13 अगस्त 2008 को गिरि विकास और योजना संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित 'लैंड रिफार्म्स इन यू.पी. : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्टस' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी में 'लैंड पालिसी इन ए पिरियड आफ ग्लोबलाइजेशन : सेज्स इन यू.पी.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 29 मई 2008 को द आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द न्यू पालिटिक्स आफ मायावती : इंप्लिकेशंस फार स्टेट ऐंड नेशनल पालिटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुधा पई ने 9 मई 2008 को राजनीति विज्ञान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय में 'द न्यू पालिटिक्स आफ मायावती : इंप्लिकेशंस फार स्टेट ऐंड नेशनल पालिटिक्स' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन को 26 जनवरी, 2009 को बरमिंघम यूनिवर्सिटी में आयोजित 'रिलिजन इन द पब्लिक ऐंड प्राइवेट डोमेन : इंप्लिकेशंस फार डिवलपमेंट पॉलिसी ऐंड प्रैक्टिस' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्लेनरी सत्र में 'सम कंसेप्चुअल इश्यूज' शीर्षक आलेख भारत से बाहर सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।
- गुरप्रीत महाजन ने 19–20 जनवरी 2009 को बरमिंघम यूनिवर्सिटी में आयोजित रिलिजंस ऐंड डिवलपमेंट प्रोग्राम में 'टारगेटिंग मार्जिनलाइज्ड माइनोरिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 16 दिसम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी आफ कोसंतांज में आयोजित 'सिमिलरिटी' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'ग्लोबल वैल्यूज ऐंड कल्चरल प्लुरलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने सन 2000 से भारत में आयोजित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में चुने हुए आलेख प्रस्तुत किए।
- गुरप्रीत महाजन ने 7 मार्च 2009 को अम्बेडकर अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू में आयोजित 'पालिटिक्स आफ एक्सपिरियंस' विषयक संगोष्ठी में 'द एंबीगाइटीज आफ एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 27 फरवरी 2009 को भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम में आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन : कंसेप्ट्स, इश्यूज ऐंड मेथड्स' विषयक संगोष्ठी में 'इश्यूज आफ पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 12 अप्रैल 2008 को विस्कांप, दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन फार पीस' विषयक संगोष्ठी में 'मल्टीकल्चरल एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी. राड्रिग्स ने 12 से 14 फरवरी 2009 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्युमन सिविलाइजेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक अंतरराष्ट्रीय हिंद स्वराज जन्मशती संगोष्ठी में 'थ्री टेक्स्ट्स : मार्क्स कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो, गांधी'ज हिंद स्वराज ऐंड अम्बेडकर'स एनिहिलेशन आफ कास्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा संगोष्ठी के एक आयोजक भी रहे।
- वी. राड्रिग्स ने 29–30 जनवरी 2009 को आईसीएसएसआर, सघरन रीजनल सेंटर, हैदराबाद में आयोजित 'इश्यूज कनफ्रंटिंग सोशल साइंसेज टुडे : ड्राइंग अप एन एजेंडा' विषयक आईसीएसएसआर गोलमेज में 'द न्यू पब्लिक्स : दलित्स ऐंड आदिवासीज इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी. राड्रिग्स ने 9–10 जनवरी 2009 को राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'द

पालिटिक्स आफ आइडेंटिटी : अल्टरनेटिव विजंस ऐंड फार्मेशंस फ्राम इंडिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'निगोसिएटिंग कनसेंसस : इंडियन पार्लियामेंट ऐंड रिप्रजेंटेशन आफ आइडेंटिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- वी. राड्रिग्स ने 1 से 17 जनवरी 2009 तक राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'सोशल जस्टिस इन इंडिया : थीअरि, मूवमेंट, इंस्टीट्यूशंस ऐंड पालिसी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रिफ्रेंशियल रेजिम इन कर्नाटका प्रायर टु देवराज उर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। (संगोष्ठी का समन्वयन किया तथा व्याख्यान दिया)
- वी. राड्रिग्स ने 19–20 नवम्बर 2008 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'हिंद नेशनलिस्ट आर्गेनाइजेशंस इन सोशल ऐंड पालिटिकल कांटेक्स्ट' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा अध्यक्षता की।
- वी. राड्रिग्स ने 25–26 सितम्बर 2008 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र और नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय द्वारा आयोजित 'इंटेरोगेटिंग स्टेट्स रिआर्गेनाइजेशन : कल्चर, आइडेंटिटी ऐंड पालिटीकल इकोनामी इन इनडिपेंडेंट इंडिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- वी. राड्रिग्स ने 30 जुलाई 2008 को सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली में आयोजित 'स्टडीइंग इंडियन पालिटीकल थॉट' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- वी. राड्रिग्स ने 17 से 22 दिसम्बर 2008 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'द इंडियन रिपब्लिक एट द क्रास रोड्स' विषयक भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस के सम्मेलन में 19 दिसम्बर 2008 को 'इंडियन पार्लियामेंट ऐंड इंडियन रिपब्लिक' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- गोपाल गुरु ने 2 से 5 दिसम्बर 2008 तक यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, फिलाडेल्फिया, यूएसए में आयोजित अंतरराष्ट्रीय दलित सम्मेलन में भाग लिया।
- पी. कानूनगो ने 2008 में द नेल्सन मंडेला सेंटर फार पीस ऐंउ कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वायलेंस, जस्टिस ऐंड रिकंसीलेशन : कम्युनलिज्म आफ अवर टाइम्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिजीनस' वर्सिज 'एलिचन' हिंदुत्व ट्राज बैटल लाइन्स इन अरूणाचल प्रदेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. कानूनगो ने वर्ष 2008 में राजनीति विज्ञान विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'हिंदुत्वा'ज इंगेजमेंट विद सिविल सोसायटी : द परिवार ऐंड बियोंड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी. कानूनगो ने जुलाई 2008 में ईसीएमएसएएस, मानचेस्टर में आयोजित 'हिंदुत्व रिहेबिलीटेट्स रामायना'ज शबरी इन ए टेम्पल' विषयक संगोष्ठी में 'कारविंग आउट ए वाइट मार्बल डेइटी फ्राम ए रगड ब्लेक स्टोन ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. कानूनगो ने 20 नवम्बर 2008 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'हिंदू नेशनलिस्ट आर्गेनाइजेशंस इन सोशल ऐंड पालिटिकल कांटेक्स्ट' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिंदुत्व मॉबिलाइजेशन अगेंस्ट दलित क्रिश्चियंस : द कंधमाल एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. कानूनगो ने 19–20 नवम्बर 2008 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र द्वारा आईसीएसएसआर तथा एएचआरसी, यूके के सहयोग से आयोजित 'हिंदू नेशनलिस्ट आर्गेनाइजेशंस इन सोशल ऐंड पालिटिकल कांटेक्स्ट' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संयोजक रहे।
- पी. कानूनगो ने 16 फरवरी 2009 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में क्रिस्टाफे जेफरेलाट द्वारा प्रस्तुत 'मिलिशियाज इन साउथ एशिया' विषयक आलेख की परिचर्चा में भाग लिया।
- पी. कानूनगो ने 26 से 28 फरवरी 2009 तक वि.अ.आ. के सहयोग से सेंटर फार सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन पालिसी के निदेशकों हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- विधु वर्मा ने 17 जनवरी 2009 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'सोशल जस्टिस' विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता की।
- विधु वर्मा ने 25 नवम्बर 2008 को डीआरसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'सर्वेज आन डेमोक्रेसी' विषयक कार्यशाला में परिचर्चा की।
- शेफाली झा ने 3–4 अप्रैल 2008 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'रिप्रजेंटिंग डाइवर्सिटी : आइडियाज ऐंड

इंस्टीट्यूशंस' विषयक सम्मेलन में 'वेन सिटीजंस आर ए माइनोरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 10 जनवरी 2009 को पीपल्स रिसर्च सोसायटी, भोपाल में आयोजित 'रिलिजन, कम्युनलिज्म ऐंड दलित' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 13 जनवरी 2009 को सीईसी में आयोजित 'थीअरीज आफ जस्टिस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 14 जनवरी 2009 को सीईसी में आयोजित 'थीअरीज आफ जस्टिस ऐंड द इंडियन कांटेक्स्ट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 19 जनवरी 2009 को रीजनल सेंटर, चण्डीगढ़ में आयोजित 'कंटेंट एनालिसिस' विषयक क्वालीटेटिव रिसर्च वर्कशाप में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 19 जनवरी 2009 को रीजनल सेंटर, चण्डीगढ़ में आयोजित 'विजुअल सोसियोलाजी' विषयक क्वालीटेटिव रिसर्च वर्कशाप में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 23 जनवरी 2009 को सीईसी में आयोजित 'कंसेप्ट्स आफ पावर ऐंड हिगमनी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 13 फरवरी 2009 को सीएसडी में आयोजित 'हिंद स्वराज' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिंद स्वराज ऐंड रिलिजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 23 फरवरी 2009 को विद्या ज्योति कालेज आफ थियोलॉजी में आयोजित 'सोशल साइंस इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : कांटेक्स्ट ऐंउ इश्यूज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनीन्द्र नाथ ठाकुर ने 3 से 5 दिसम्बर 2008 तक आयोजित कंसोर्टियम फार एज्यूकेशनल कम्युनिकेशन में 'एन इंट्रोडक्शन टु मार्क्सिज्म I, II, III' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आशा सारंगी ने 12 से 14 फरवरी 2009 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्युमन सिविलाइजेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय हिंद स्वराज जन्मशती संगोष्ठी में 'हिंद स्वराज : ए सिविलाइजेशनल–कल्चरल टेक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 14 से 17 नवम्बर 2008 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियंस आफ एशिया के 20वें सम्मेलन में 'लैंगवेज(स), कल्चर(स) ऐंड रीजन(स) : आइडेंटिटी पालिटिक्स इन इनडिपेंडेंट इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 12 से 14 नवम्बर 2008 तक जवाहरलाल नेहरू अध्ययन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'नेहरूवियन लिगेसी इन ए नियो–लिबरल इरा' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'नेहरू ऐंड द स्टेट(स) फार्मेशन आफ एन इंडियन नेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 9 से 12 नवम्बर 2008 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड युरेशिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेहरू ऐंड द कम्युनिकेटिव पब्लिक स्फेयर : मेकिंग आफ सिविल सोसायटी इन पोस्अ कॉलोनियल इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 25–26 सितम्बर 2008 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली में 'इंटेरोगेटिंग स्टेट्स रिआर्गेनाइजेशन : कल्चर, आइडेंटिटी ऐंड पालिटिकल इकोनामी इन इनडिपेंडेंट इंडिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'नेहरू ऐंड द स्टेट्स रिआर्गेनाइजेशन : द मेकिंग आफ पालिटीकल इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 3–4 अप्रैल 2008 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित 'रिप्रिजेंटिंग डाइवर्सिटी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'लिंग्विस्टिक डाइवर्सिटी इन ए फेडरल पालिसी : एन इंडियन एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 2 से 5 जनवरी 2008 तक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'जनजातिस लैंग्वेज, लिट्रेचर, हिस्ट्री, कल्चर' विषयक छोत्रो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्राइबल लैंग्वेज ऐंड कल्चरल पालिटिक्स इन कंटेम्पोरेरी इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अनुपमा राय ने 8 से 11 जनवरी 2009 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र में आयोजित द ला ऐंड सोशल साइंसेज नेटवर्क के उद्घाटन सम्मेलन में 'डिलेमाज आफ सिटीजनशिप' विषयक पेनल में 'अनरावलिंग द अलेफ : मैपिंग द टॉपोग्राफी आफ सिटीजनशिप इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनुपमा राय ने 27 से 29 मई 2008 तक द सिटीजंस कमिशन फार ह्युमन डिवलपमेंट और द यूनाइटिडनेशंस डेमोक्रेसी फंड द्वारा कनवेंशन सेंटर, इस्लामाबाद, पाकिस्तान में आयोजित 'स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेटिक प्रैक्टिसिज इन साउथ एशिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंस्टीट्यूशनलाइजिंग रेडिकल अनसर्टेनटीज : द इलेक्शन कमिशन आफ इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय गुडावर्थी ने 26–27 मार्च 2009 को राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'मिडिल क्लास ऐंड मास पालिटिक्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द पैराडाक्स आफ मिडिलक्लास' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय गुडावर्थी ने 7 मार्च 2009 को भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'आफ एक्सपिरियंस ऐंड रिकाग्निशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय गुडावर्थी ने मार्च 2009 में नेशनल सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'गवर्नेंस ऐंड सिविल सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अजय गुडावर्थी ने 24–25 फरवरी 2009 को सीएसडी, दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिंद स्वराज' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी दलित्स ऐंड फेमिनिस्ट्स : रिकवरिंग द कनवर्जेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय गुडावर्थी ने 23–24 जनवरी 2009 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : पालिसीज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डेमोक्रेसी ऐंड इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय गुडावर्थी ने 26–27 फरवरी 2009 को सेंटर फार सिविल सोसायटी, एलएसई, लंदन द्वारा आयोजित 'बियोंड एनजीओज : सिविल ऐंड अनसिविल सोसायटी' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एंटिनोमीज आफ पालिटिकल सोसायटी : इंप्लिकेशंस आफ अनसिविल डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय गुडावर्थी ने 18–19 जनवरी 2009 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग इन गवर्निंग डेमोक्रेसी ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

- ए. दुबे ने 16 से 18 अप्रैल 2008 तक न्यू ऑरलींस में आयोजित पाप्यूलेशन एसोसिएशन आफ अमेरिका की वार्षिक बैठक 2008 में भाग लिया तथा 'वु बेनेफिटेड फ्राम इंडिया'ज सर्जिंग इकोनामिक ग्रोथ ? एन एक्जामीनेशन आफ सोसियो रिलिजस ग्रुप डिस्पेयरिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- हिमांशु ने 26 जून से 8 जुलाई 2008 तक द मिनिस्ट्री आफ फारेन अफेयर्स, गवर्नमेंट आफ फ्रांस, पेरिस में आयोजित पेरोनलाइट दे एवेनिर प्रोग्राम में भाग लिया।
- हिमांशु ने अगस्त 2008 में लिंडाड, जर्मनी में आयोजित अर्थ विज्ञान में नोबल पुरस्कार विजेताओं की तीसरी द्विवार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए आईसीएसएसआर – डीबीटी यंग रिसर्चर चुने गए।
- ए. कुण्डु ने सितम्बर 2008 में स्टुटगार्ड, जर्मनी में आयोजित अर्थ सिस्टम इंजीनियरिंग, विल्डबैड में भाग लिया तथा जर्मनी सिटीज ऐंड मॉबिलिटी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. कुण्डु ने दिसम्बर 2008 में कोलम्बो में आयोजित 'रीजनल डिस्पेमरिटी' विषयक यूएनडीपी संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए. कुण्डु ने लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स में आयोजित 'द फ्यूचर आफ इंडियाज सिटीज, प्रोसीडिंग्स आफ अर्बन एज कांफ्रेंस' में भाग लिया।
- ए. कुण्डु ने मार्च 2009 में परिस में आयेजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंप्लायमेंट इन इंडिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- डी.के. मिश्रा ने 26 अक्टूबर 2008 को द स्मूल आफ ओरियंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लंदन में आयोजित 'ट्राइवल ट्रांजीशंस : न्यू रिसर्च इन द ईस्टर्न हिमालयाज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- डी.के. मिश्रा ने 28 नवम्बर 2008 को द ब्रिटिश एकेडमी लंदन में आयोजित 'द पालिटिक्स आफ नियो–लिबरलिज्म इन इंडिया : ट्रांस फार्मेशंस इन स्टेट ऐड सिटीजनशिप' विषयक द ब्रिटिश एसोसिएशन आफ साउथ एशियन स्टडीज की वार्षिक कार्यशाला में 'आइडेंटिटी इकोनामिक्स' एट द टाइम्स आफ नियो–लिबरल रिफार्म्स : इलस्ट्रेशंस फ्राम नार्थ ईस्ट इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.के. मिश्रा ने 29 जनवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल डिवलपमेंट, यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड, आक्सफोर्ड, यूके में आयोजित 'कंटेम्पोरेरी साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'इंस्टीट्यूशनल डाइवर्सिटी ऐंड कैपिटलिस्ट ट्रांसफार्मेशन इन द ईस्टर्न हिमालयाज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.के. मिश्रा ने 7 से 9 मार्च 2009 तक द इंस्टीट्यूट आफ कॉमनवेल्थ स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लंदन, लंदन में द कामनवेल्थ पालिसी स्टडी यूनिट द्वारा आयोजित 'द कामनवेल्थ ऐंड रिफार्म आफ द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशंस : टुवर्डस ए कनसेंसस आन ग्लोबल गवर्नेंस' विषयक सम्मेलन में 'इंटरडिपेंडेंट लिवलीहुड्स ऐंड रीजनल कॉपरेशन इन साउथ एशिया : इलस्ट्रेशंस फ्राम इण्डिया'ज नार्थ–ईस्टर्न नेबरहुड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.के. मिश्रा ने 30 मार्च से 1 अप्रैल 2009 तक यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग, एडिनबर्ग में आयोजित द ब्रिटिश सोसायटी फार साउथ एशियन स्टडीज के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इंस्टीट्यूशनल डायवर्सिटी ऐंड इकोनामिक ट्रांसफार्मेशन : स्टेट, मार्किट ऐंड कम्युनिटी इन अरूणाचल प्रदेश, इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पूनिया ने जुलाई 2008 में बीजिंग में आयोजित द इंटरनेशनल आर्काइव्स आफ द फोटोग्रेमेटरी, रिमोट सेंसिंग ऐंड स्पेशियल इंफार्मेशन साइंसेज के सम्मेलन में कार्टोग्राफिक विजुअलाइजेशन ऐंड लैंडस्केप मॉडलिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पूनिया ने 21 सिमम्बर से 4 अक्टूबर 2008 तक आयोजित 'जीआईएस फार अर्बन ऐंड रीजनल डिवलपमेंट इन वियतनाम/लाओ पीडीआर' विषयक एशियन अफ्रीकन जर्मन जीआईएस समर स्कूल प्रोग्राम में 'स्पेशियो–टेम्पोरल पैटर्न आफ अर्बनाइजेशन इन इंडिया : एजीआई साइंस एप्रोच' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. राजू ने 4 जून 2008 को रिसर्च स्कूल आफ पसिफिक ऐंउ एशियन स्टडीज, द आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा में आयोजित 'एप्रोप्रिएट मेथडोलाजी इन इवालुएटिंग जेंडर इंपावरमेंट प्रोजेक्ट' विषयक आरएमएपी रिसर्च संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. शर्मा ने 1 से 12 सितम्बर 2008 तक इंटरनेशनल सेंटर फार इंटीग्रेटिड माउंटेन डिवलपमेंट, काठमाण्डु, नेपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- ए. सूद ने 12–13 नवम्बर 2008 को जिनेवा में आयोजित 'बिजनेस, सोशल पालिसी ऐंड कार्पोरेट पालिटिकल इनफ्लुएंस' विषयक यूएनआरआईएसडी के सम्मेलन में 'चेंजिंग नेचर आफ स्टेट बिजनेस रिलेशंस इन इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार सोशल ऐंड लेबर मार्किट पालिसीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. जुत्शी ने 25 जून से 2 जुलाई 2008 तक यूनिवर्सिटी आफ सेल्जबर्ग, एज्यूकेशन डिपार्टमेंट, सेल्जबर्ग, आस्ट्रिया में विजिटिंग फैकल्टी इन रेजिडेंस के रूप में 'हायर ऐंड टेक्नीकल एज्यूकेशन स्टेटस इन इंडिया' और 'चाइल्ड लेबर, एज्यूकेशन एक्सक्लुजन ऐंड पावर्टी नेक्सस इन इंडिया' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- एस. बाथला ने आर.के. शर्मा और स्मृति वालिया के साथ मिलकर 14–15 फरवरी 2009 तक पंजाब स्कूल आफ इकोनामिक्स, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर में आयोजित 'सोशल ऐंड फीजीकल इंफ्रास्ट्रक्चर इन पंजाब : स्टेटस ऐंड इंप्लिकेशंस फार डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए 'इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट इन पंजाब : स्टेटस ऐंड इंटरलिंकेजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. बाथला ने ए.के. वशिष्ट, डी.आर. सिंह, एस.पी. भारद्वाज और प्रवीण आर्य के साथ मिलकर दिसम्बर 2008 में आयोजित द हयूमन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स के वार्षिक सम्मेलन के लिए 'प्राइस बिहेवियर इन फ्रूट्स ऐंड वेजिटेबल मार्किट्स' को–इंटीग्रेशन ऐंड इरर करेक्शन एनालिसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. बाथला ने आर.के. शर्मा के साथ मिलकर 14 से 16 दिसम्बर 2008 तक लखनऊ में आयोजित द इंडियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक के वार्षिक सम्मेलन के लिए 'ग्रोथ डिस्पेयरिटीज ऐंड डिटर्मीनेंट्स इन लेबर मार्किट्स इन रूरल अनआर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग : एनालिसिस इन द पोस्ट रिफार्म पीरियड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस. बाथला ने आर.के. शर्मा के साथ मिलकर 14 से 16 अक्टूबर 2008 तक नई दिल्ली में आयोजित 'हाउ द पुअर आर एफेक्टिड बाई ट्रेड' विषयक अंकटाड – डीएफआईडी के सम्मेलन में 'इम्पैक्ट आफ ट्रेड आन इंप्लायमेंट, वेजिज ऐंड लेबर प्रोडक्टिविटी इन अनआर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. बाथला ने 7 नवम्बर 2008 को इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, दिल्ली यूनिवर्सिटी एन्क्लेव में आयोजित 'डिवलपमेंट द फ्यूचर सोसियो–इकोनामिक सिनेरियोज फार इंडिया इन द कांटेक्स्ट आफ क्लाइमेट चेंज' विषयक परिचर्चा बैठक में भाग लिया।
- एस. बाथला ने 23–24 सितम्बर 2008 को द इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित 'द फ्यूचर आफ इंडियन एग्रीकल्चर : टेक्नोलाजी ऐंड इंस्टीट्यूशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बी.एस. बुटोला ने 26–27 अगस्त 2008 को केन्द्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित 'पृथ्वी ऐंड भूगोल' विषयक संगोष्ठी में 'एनसाइक्लोपीडिया आफ कंसेप्ट्स ऐंड टर्म्स यूज्ड इन जिओग्राफी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी.एस. बुटोला ने 2008 में 'माइक्रो फाइनेंस, इनक्लुसिव ग्रोथ ऐंड एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन रूरल इंडिया' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- बी.एस. बुटोला ने 28 मार्च 2009 को भूगोल विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान में 'नेचुरल रिसोर्स, इनक्लुसिव ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- बी.एस. बुटोला ने 2008 में 'नेचुरल रिसोर्स ऐंड ग्रासरूट्स डिवलपमेंट इन द पंचाचुली एरिया, उत्तराखंड' विषयक दो सत्रों की अध्यक्षता की तथा समापन भाषण दिया।
- बी. दास ने 24–25 अप्रैल 2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'डाटा यूजर्स कांफ्रेंस फार सेन्सस 2011' में भाग लिया।
- बी. दास ने 18–19 अगस्त 2008 को सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सा.वि.सं. जेएनयू में आयोजित 'हेल्थ सिस्टम डिवलपमेंट अंडर एनआरएचएम : मीटिंग द चैलेंज आफ इंटीग्रेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बी. दास ने 19–20 मार्च 2009 को लोधी रोड़ नई दिल्ली में आयोजित 'काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क आफ पार्टीसिपेटरी वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्रोम इन वेस्ट बंगाल ऐंड गुजरात' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. दास ने 20–21 मार्च 2009 को जेएनयू में आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग आफ यूथ फार डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 24–25 अप्रैल 2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'डाटा यूजर्स कांफ्रेस फार सेन्सस 2011' में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 18–19 अगस्त 2008 को सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सा.वि.सं.–1, जेएनयू में आयोजित 'हैल्थ सिस्टम डिवलपमेंट अंडर एनआरएचएम : मीटिंग द चैलेंज आफ इंटिग्रेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 20–21 मार्च 2009 को जेएनयू में आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग आफ यूथ फार डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए. दुबे ने 13 दिसम्बर 2008 को एडीआरआई द्वारा पटना में आयोजित 'इंटर–स्टेट ऐंड इंटरा स्टेट डिस्पेयरिटीज' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इंटरा स्टेट डिस्पेयरिटीज इन गुजरात, हरियाणा, केरल, उड़ीसा ऐंड पंजाब' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. दुबे ने 12 दिसम्बर 2008 को आईआईपीएस, मुम्बई में आयोजित 'मेथडोलॉजीकल इश्यूज इन मेजरिंग एमडीजीएस इन डिस्ट्रिक्ट्स आफ इंडिया' विषयक यूएनडीपीआईआईपीएस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए. दुबे ने 4 दिसम्बर 2008 को आयोजित 'हायर एज्यूकेशन इन इंडिया : क्वांटिटी – क्वालिटी डिबेट' विषयक आईसीएसएसआर – ईएसआरसी की संयुक्त कार्यशाला में भाग लिया।
- ए. दुबे ने 18 से 20 नवम्बर 2008 तक अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'इंडियन इकोनामी इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : प्रास्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रूरल इंडस्ट्रियलाइजेशन ऐंड पावर्टी इन उत्तर प्रदेश : ए डिसएग्रीगेटिड एनालिसिस' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- ए. दुबे ने 2–3 नवम्बर 2008 को हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जमानिया, गाजीपुर द्वारा आयोजित 'वुमन इन द अनआर्गेनाइज्ड सेक्टर इन ईस्टर्न यू.पी.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा उद्घाटन सत्र में व्याख्यान दिया।

- ए. दुबे ने 3 जून 2008 को राजीव गांधी अरूणाचल विश्वविद्यालय, इटानगर द्वारा इटानगर अरूणाचल डिवलपमेंट रिपोर्ट पर चर्चा करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया तथा 'पावर्टी इन अरूणाचल प्रदेश : एसेसमेंट ऐंड पालिसी इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. दुबे ने 16–17 जुलाई 2008 को नेशनल काउंसिल आफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च, नई दिल्ली और ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन, वाशिंग्टन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया पालिसी फोरम' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा सोनल देसाई, रीव वन्नेमान और रूक्मिणी बनर्जी के साथ मिलकर 'प्राइवेट स्कूलिंग इन इंडिया : ए न्यू एज्यूकेशनल लैंडस्केप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. दुबे ने 16 से 18 मई 2008 तक द यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैण्ड, कालेज पार्क और नेशनल काउंसिल आफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मेजरिंग ह्यूमन डिवलपमेंट' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा (i) इनकम मॉबिलिटी ऐंड पावर्टी डायनेमिक्स एक्रास सोशल ग्रुप्स इन इण्डिया, 1993–2005 (अर्जन वरश्यूर के साथ मिलकर) और (ii) न्यूट्रीएंट इनटेक्स इन इंडिया, 1993–94 टु 2004–05 (अनिल देवलालीकर के साथ मिलकर) शीर्षक दो आलेख प्रस्तुत किए।
- हिमांशु ने 18–19 नवम्बर 2008 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंडियन इकोनामी इन द ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी : प्रास्पेक्टस ऐंड चैलेंजिज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- हिमांशु ने 21– 24 दिसम्बर 2008 तक सिलीगुड़ी में आयोजित 'स्टडीइंग विलेज इकोनामीज : ए कालोक्विम आन मेथडोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- हिमांशु ने 13 से 15 मार्च 2009 तक टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई में आयोजित 'द क्राइसिस आफ नियो–लिबरलिज्म इन इंडिया : चैलेंजिज ऐंड अल्टरनेटिव्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 17 से 19 अक्टूबर, 2008 तक इंस्टीट्यूट फार सोशल ऐंड इकोनामिक चेंज, बंगलौर में आयोजित द इंडियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन के XXXवें वार्षिक सम्मेलन में 'टेकिंग इंडिया'ज सेक्स रेशियो एट बर्थ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 10–11 नवम्बर 2008 को द इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ और फ्रेडरिक एबर्ट स्फितुंग (एफईएस, भारत), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डेमोग्राफिक सिनेरियोज, इंप्लायमेंट ऐंड सोशल सिक्योरिटी इश्यूज आफ एज्ड इन साउथ एशिया' विषयक दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सम्मेलन में 'डेमोग्राफिक चेंजिज, अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिज फार इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 11–12 दिसम्बर 2008 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पाप्यूलेशन साइंस, मुम्बई में आयोजित 'मेथडोलॉजीकल इश्यूज इन डिस्ट्रिक्ट लेवल एमडीजीएस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इनफेंट ऐंड चाइल्ड मार्टेलिटी इन इंडिया : रिसेंट ट्रेंड्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 3–4 मार्च 2009 को द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पाप्यूलेशन साइंसेज, मुम्बई और द सेंटर फार रिसर्च ऐंड इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, चण्डीगढ द्वारा आयोजित 'पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज इन पंजाब' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फर्टिलिटी प्रिफ्रेंसिज ऐंड ट्रांजीशन' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 10–11 नवम्बर 2008 को द इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ और फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग (एफईएस, भारत), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डेमोग्राफिक सिनेरियोज, इंप्लायमेंट ऐंड सोशल सिक्योरिटी इश्यूज और एज्ड इन साउथ एशिया' विषयक दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए. कुण्डु ने दिसम्बर 2008 में कोलकाता में आयोजित 'अर्बनाइजेशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- डी.के. मिश्रा ने 3 जून 2008 को राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, इटानगर में आयोजित तथा योजना आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'स्टेट डिवलपमेंट रिपोर्ट आफ अरूणाचल प्रदेश' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- मिलाप पूनिया ने 11 अप्रैल 2008 को क्षे.वि.अ.के. जेएनयू में आयोजित 'ओजीसी स्टेंडर्डस फार सेंसर नेटवर्क्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सेंसर वेब इनेबलमेंट फार ट्रेफिक ऐंड पर्सेप्शनल स्टडीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिलाप पूनिया ने 3 अप्रैल 2008 को सीएसपी द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'जीआई साइंस फार एग्रीकल्चर फोरसाइट एनालिसिस फार एग्रीकल्चर सेक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मिलाप पूनिया ने 2 जून 2008 को सत्यभामा विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित 'सेंसर वेब इनेबलमेंट ऐंड वेब बेस्ड सेंसर नेटवर्क्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मिलाप पूनिया ने 15 सितम्बर 2008 को भोपाल में आयोजित 'रिसेंट एडवांसिज इन सैटेलाइट बेस्ड रिमोट सेंसिंग टेक्नोलाजी' विषयक सम्मेलन में 'हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिलाप पूनिया ने 4 से 6 नवम्बर 2008 तक गांधी नगर में आयोजित 'कॉले ब्रेटिव मैपिंग ऐंड स्पेस टेक्नोलाजी' विषयक आईएनसीए XXVIIIवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आर रमन के साथ मिलकर 'टेम्पोरल ऐंड स्पेशियल पैटर्न आफ लैंग्यूवेज/लैंडकवर चेंज एनालिसिस इन गढवाल हिमालया, इंडिया तथा यूजिंग रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिलाप पूनिया ने 23 दिसम्बर 2008 को फिक्की, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया आर ऐंड डी 2008 जियोस्पेशियल टेक्नोलाजीज इन इंडिया–चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक सम्मेलन में 'ह्युमन रिसार्सिज इश्यूज इन जियोस्पेशियल इंडस्ट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिलाप पूनिया ने एस. भूपेन्द्र के साथ मिलकर 18 से 20 दिसम्बर 2008 तक अहमदाबाद में आयोजित 'एडवांसिस इन रिमोट सेंसिंग टेक्नोलाजी ऐंड एप्लिकेशंस विद स्पेशल इम्फेसिस आन माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी और इंडियन सोसायटी आफ रिमोट सेसिंग के वार्षिक सम्मेलन में 'एसेसमेंट आफ द इम्पैक्ट आफ एंथ्रोपोजेनिक प्रोसेसिज आन द फोरेस्ट कैनोपी कवर्स इन द सरिस्का वाइल्डलाइफ सैक्चुअरी यूजिंग रिमोट सेंसिंग टेक्नीक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिलाप पूनिया ने पी. चांदना और जे.के. लढ़ा के साथ मिलकर 4 से 7 फरवरी 2009 तक नई दिल्ली में आयोजित 'कंजरवेशन एग्रीकल्चर' विषयक चौथी वर्ल्ड कांग्रेस में 'एस्टिमेशन आफ राइस रेजिड्यु बर्निंग एरियाज यूजिंग रिमोट सेंसिंग टेक्नोलाजी' शीर्ष्जक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिलाप पूनिया ने पी. चांदना, एम. पूनिया, जे.के. लढ़ा, यू.पी. सिंह, आर.के. गुप्ता, आर साहू और ओ इरेंसटीन के साथ मिलकर 4 से 7 फरवरी 2009 तक दिल्ली में आयोजित 'IV वर्ल्ड कांग्रेस आन कंजरवेशन एग्रीकल्चर' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'टार्गेटिंग प्रोडक्टिविटी इनहांसिंग टेक्नोलाजीज इन अंडर यूटीलाइज्ड लैंड्स आफ मिडिल ऐंड लोवर गंगेटिक प्लेंस आफ साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. राजू ने 2 मार्च 2009 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'डिसएबिलिटी ऐंड डिसनचांटमेंट : न्यू चैलेंजिज ऐंड इवाल्विंग डायरेक्शंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिसएबिलिटी, पब्लिक पॉलिसी ऐंड लॉ' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस. राजू ने 3–4 मार्च 2009 को आईआईपीएस, मुम्बई और सीआरआरआईडी, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज इन पंजाब, चण्डीगढ़' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मूविंग बियोंड 'जेंडर' : कंस्टेक्सुअललाइजिंग सर्वाइवल आउटकम्स इन पंजाब, पोइंटर्स फ्राम द स्टडी आन 'प्लानिंग, जेंडर, प्लानिंग फेमेलिज्म' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. राजू ने 3–4 मार्च 2009 को आईआईपीएस, मुम्बई और सीआरआरआईडी, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज इन पंजाब, चण्डीगढ़' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मिसिंग गर्ल्स : पास्ट प्रजेंट ऐंड फ्युचर' शीर्षक तृतीय सत्र की अध्यक्षता की।
- एस. राजू ने 24–25 अप्रैल 2008 को महापंजीयक और जनगणना आयुक्त का कार्यालय, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित 'डाटा यूजर्स' कांफ्रेंस सेंसस 2011' में भाग लिया।
- एस. सेन ने 19 मार्च 2009 को द सेंटर फार द सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पार्टिसीपेटरी एप्रोच टु वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सरवाइवल आफ इंस्टीट्यूशंस ऐड पोस्ट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट आफ वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम्स : सम पार्लियामेंटरी आब्जरवेशंस फ्राम थ्री मेजर स्टेट्स आफ इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. राजू ने 4 फरवरी 2009 को टेरी–स्विस एजेंसी फार डिवलपमेंट कॉपरेशन (एसडीसी) द्वारा आयोजित 'एडेप्टिंग टु क्लाइमेट चेंज : स्ट्रेटिजीज फार वाटर ऐंड फूड सिक्योरिटी इन इंडिया' विषयक सम्मेलन में 'बिल्डिंग क्लाइमेट चेंज – रिलेटिड एडेप्टिव स्ट्रेटिजीज इन टु पालिसीज फार इंप्लिमेंटेशन इन इंडियन एग्रिकल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. राजू ने 7 सितम्बर 2008 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली में आयोजित 'मेजररिंग ई–रीडनेस इमर्जिंग प्रैक्टिसेज आफ इंडिया–ब्राजील–साउथ अफ्रीका' विषयक कार्यशाला में 'मेजरमेंट आफ ई–रीडनेस इन इंडिया : मेथडोलाजीकल इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस. राजू ने 20 नवम्बर 2008 को ओईसीडी, नई दिल्ली में आयोजित 'आईसीटी मेजरमेंट फार नालेज इकोनामी' विषयक संगोष्ठी में 'इम्पैक्ट आफ आईसीटी इन इंडियन इकोनामी – द ई –रीडनेस इनडेक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. शर्मा ने सीमा बाथला और स्मृति वालिया के साथ मिलकर 14 से 15 फरवरी 2009 को पंजाब स्कूल आफ इकोनामिक्स, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित 'सोशल ऐंड फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर इन पंजाब : स्टेटस ऐंड इंप्लिकेशंस फार डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट इन पंजाब : स्टेटस ऐंड इंटरलिंकेजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. शर्मा ने 14 से 16 दिसम्बर 2008 तक लखनऊ में आयोजित इंडियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक के वार्षिक सम्मेलन के लिए 'ग्रोथ डिस्पेयरिटीज ऐंड डिटर्मिनेंट्स इन लेबर मार्किट्स इन रूरल अनआर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग : एनालिसिस इन द पोस्ट रिफार्म पीरियड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. शर्मा ने 14 से 16 अक्टूबर 2008 तक नई दिल्ली में आयोजित 'हाउ द पुअर आर एफेक्टिड बाई ट्रेड' विषयक अंकटाड – डीएफआईडी के सम्मेलन में 'इम्पैक्ट आफ ट्रेड आन इंप्लायमेंट, वेजिज ऐंड लेबर प्रोडक्टिविटी इन अनआर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.सी. शर्मा ने 23 से 25 अक्टूबर 2008 तक वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जिओलाजी में आयोजित 'माउंटेन बिल्डिंग ऐंड क्लाइमेट – टेक्टोनिक इंटरएक्शन' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टाइमिंग आफ द लेह क्वाटरनरी क्लाइमेटिक इवेंट्स ऐंड टोपोग्राफिक इवीडेंस फार अंडरस्टैंडिंग रीजनल टेक्टोनो–क्लाइमेटिक इंटरएक्शंस इन द हिमालयाज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.सी. शर्मा ने 6 जून 2008 को इंडियन ह्यूमन इकोलाजी काउंसिल, जयपुर में आयोजित 'क्लाइमेट चेंज ऐंड एडेप्टिव स्ट्रटिजीज विद रिफ्रेंस टु इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'रिस्पांस आफ द हिमालयन ग्लेशियर्स टु क्लाइमेट चेंज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.सी. शर्मा ने 25–26 फरवरी 2009 को सेंटर फार एडवांस स्टडी इन जियोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ में आयोजित 'क्वाटरनरी जियोलॉजीकल प्रोसेसिस, नेचुरल हजार्डस ऐंड क्लाइमेट चेंज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वर्ल्ड बियोंड ग्लोबल वार्मिंग फ्युचर प्रास्पेक्ट्स आफ ए लूमिंग कैटास्ट्राफे' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच. सिंह ने 5–6 मार्च 2009 को जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'सिटीज इन मिडिवल इंडिया' विषयक सम्मेलन में 'इवाल्युएशन ऐंड डिवलपमेंट आफ हिमालयन टाउंस विद स्पेशनल रिफ्रेंस टु लेह टाउन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. सूद ने 27 मार्च 2009 को नेहु, शिलांग में आयोजित 'कांसट्रेंट्स ऐंड चैलेंजिज आफ न्यू इनिशिएटिव्स आफ डिवलपमेंट फार द नार्थ–ईस्ट इंडिया' विषयक आईसीएसएसआर की संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए. सूद ने 7 जनवरी 2009 को इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट कम्युनिकेशन, चण्डीगढ़ में आयोजित 'फूड सिक्योरिटी' विषयक गोलमेज संगोष्ठी में 'मार्किटिंग रिफार्म, रेग्युलेटरी चेंजिज ऐंड फूड सिक्योरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. श्रीकेश ने 1से 3 नवम्बर 2008 तक कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'वाटर रिसोर्सिज इन इंडिया : कनसर्न्स, कंजरवेशन ऐंड मैनेजमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वाटर रिसार्स पोटेंशल इन पेनगंगा सब–बेसिन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. श्रीकेश ने 9 से 12 फरवरी 2009 तक द मरीन बायोलॉजीकल एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोचिन में आयोजित 'मरीन इकोसिस्टम्स चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज (एमईसीओ 09)' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी जे. सुन्दरसन, ए.एल. रामनाथन, एम.ए.ए. खान और प्रकाश चन्द के साथ मिलकर 'क्लाइमेट चेंज आन ओशन, कोस्टल इकोसिस्टम ऐंड स्माल आइलैण्ड्स : ए डिवलपमेंट एप्रोच' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. श्रीकेश ने 6–7 मार्च 2009 को सेंटर फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इंडिया, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया और नंद ऐंड जीत खेमका फाउंडशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंडिया'ज क्लाइमेट आप्शंस इन क्लाइमेट चेंज निगोशिएशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.डी. विमूरी ने 8 दिसम्बर 2008 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पाप्यूलेशन साइंसेज, मुम्बई में आयोजित 'डिस्ट्रिक्ट लेवल हाउसहोल्ड ऐंड फेसिलिटी सर्वे–3 न्यू दिल्ली' विषयक नेशनल डिसेमीनेशन कार्यशाला में भाग लिया।

- एम.डी. विमूरी ने 22 जुलाई 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 10वें जेआरडी टाटा स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- बी. जुत्शी ने 27–28 मार्च 2009 को भूगोल विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'नेशनल रिसार्सिज, इनक्लुसिव ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रोल आफ हायर एज्यूकेशन ऐंड इनोवेशन टुवर्डस इनक्लुसिव ग्रोथ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. जुत्शी ने 20–21 मार्च 2009 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में नेताजी एकेडमी आफ सब कांटीनेंटल स्टडीज के सहयोग से आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग आफ यूथ्स फार डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कैपेसिटी बिल्डिंग थ्रू स्किल डिवलपमेंट आफ यूथ्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. जुत्शी ने 7 मार्च 2009 को द इंटरनेशनल कांग्रेस आफ वुमन द्वारा भारत सरकार और यूनाइटिड नेशंस इंफार्मेशन सेंटर फार इंडिया ऐंड भूटान के सहयोग से आयोजित 'एक्सेलेंस इन एज्यूकेशन ऐंड वुमन डिवलपमेंट' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- बी. जुत्शी ने 20 अगस्त 2008 को कमला नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कंज्यूमर एवेयरनेस' कार्यशाला में 'कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट–1936 ऐंड इट्स रिलेवेंस फार कंज्यूमरिज्म ऐंड कंज्यूमर बिहेवियर' शीर्षक व्याख्यान दिया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- योगेन्द्र सिंह ने 27 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'हिंद स्वराज' विषयक कार्यशाला में 'सोसियोलाजी आफ नान–वायलेंस ऐंड पीस : ए गांधीयन एप्रोच' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- योगेन्द्र सिंह ने 31 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी में समापन भाषण दिया।
- दीपांकर गुप्ता ने अक्टूबर 2008 में कैफे सेवोयर ट्रेंच कल्चरल सेंटर में आयोजित 'इज देयर इन इंडियन मिडिल क्लास ?' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एहसानुल हक ने 3–4 अप्रैल 2008 को सीपीएस और एडवांस्ड इंस्टीट्यूट, शिमला द्वारा आयोजित 'रिप्रजेंटेशन आफ डाइवर्सिटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एहसानुल हक ने 13–14 मार्च 2009 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एहसानुल हक ने 7–8 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'इकोनॉमी, सोसायटी ऐंड सोसियोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एहसानुल हक ने 26–27 फरवरी 2009 को सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन : कंसेप्ट्स, मेथड्स ऐंड इश्यूज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एहसानुल हक ने 20–21 मार्च 2009 को आईएससीए, एनएएसएस, जेएनयू द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिग आफ यूथ फार डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एहसानुल हक ने 28 से 30 मार्च 2009 तक कश्मीर विश्वविद्यालय में आयोजित 'रिसर्च मेथडोलाजी इन सोशल साइंसेज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया, व्याख्यान दिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- एहसानुल हक ने 26 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित 'पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अविजीत पाठक ने 3 दिसम्बर 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'साइंस ऐंड कल्चर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अविजीत पाठक ने 27 जनवरी 2009 को स्पेनी भाषा केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'विविंग विद मल्टीप्लिसिटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अविजीत पाठक ने 3 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'फ्राम एकेडमिक सोसियोलाजी टु मोहनदास कर्मचन्द गांधी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- अविजीत पाठक ने 14 मार्च, 2009 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित एज्यूकेशनल पर्सपेक्टिव्स : सिइंग थ्रू सोसियोलाजीकल इमेजीनेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 23 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित 'जेंडर ऐंड ट्राइब्स : नीड फार मेथडोलाजीकल रिफाइनमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मैत्रीय चौधरी ने 14 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में समाजशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स में 'मीडिया इन कंटेम्पोरेरी इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 9 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में समाजशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स में 'सोसियोलाजी आफ जेंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने सितम्बर 2008 में जेएनयू एलुमनी की बैठक में 'सोसिओलाजिकल इंप्लिकेशंस आफ इंटरनेट ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 25 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित 'टाउन ऐंड कंट्री : रीडिंग पीजेंट्री इन टर्म्स आफ वर्क इन ए माडर्न वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 2008–2009 के दौरान लोकसभा टीवी पर आयोजित 'डिस्टेंस मैरिज्स, रिमैरिज ऐंड रिलिजस को एक्जिसटेंस' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 7–8 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'इकोनॉमी, सोसायटी, सोसियोलाजी' विषयक प्रो. एम.एन. पाणिनी अभिनन्दन संगोष्ठी की परिचर्चा में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 23 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज में आयोजित 'डिसएबिलिटी स्टडीज ऐंड सोसियोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 30–31 मार्च 2009 को सा.प.अ.के./सा.वि.सं. में आयोजित पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी की परिचर्चा में भाग लिया।
- वी. सुजाता ने 16 जुलाई 2008 को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'मेनस्ट्रीमिंग आयुष सिस्टम्स आफ मेडिसिन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- वी. सुजाता ने 28 मार्च 2009 को द दिल्ली फार्मास्युटिकल ट्रस्ट द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, लोधी रोड़, नई दिल्ली में आयोजित 'रिपोर्ट आफ द स्टडी आन कंज्यूमर प्रिफ्रेंसिज इन फार्मास्यूटिकल्स दिल्ली ऐड बंगलौर' विषयक परिचर्चा सत्र में भाग लिया।
- वी. सुजाता ने 23 मार्च, 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में 'द सिग्निफिकेंस आफ मेडिकल सोसियोलाजी इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 21 अगस्त 2008 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू में आयोजित 'सोसियोलाजी आफ इंडियन सिनेमा' विषयक साप्ताहिक संगोष्ठी में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 10 सितम्बर 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू द्वारा आयोजित अनुशीलन कार्यक्रम में 'इमर्जिंग लीडरशिप इन इंडियन पालिटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 19 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र) में 'क्रिटिक्विंग इंडियन सोसियोलाजी : पर्सपेक्टिव फ्राम बिलो' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 28 मार्च 2009 को द सेंटर फार एडवांस स्टडी ऐंड ग्लोबल स्टडीज प्रोग्राम, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'हिंद स्वराज सेंटेनरी प्रोग्राम : डायनेमिक्स आफ माडर्नाइजेशन, अंडरस्टेंडिंग द गांधीयन एप्रोच' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'क्रिटिक आफ अम्बेडकर आन गांधी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 1 से 3 अक्टूबर 2008 तक भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इरेडिकेटिंग क्रानिक पावर्टी इन इंडिया : पालिसी इश्यूज ऐंड चैलेंजिज' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'पालिटिक्स आफ पावर्टी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

- विवेक कुमार ने 7–8 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू में आयोजित 'इकोनामी, सोसायटी ऐंड सोसियोलाजी' विषयक प्रो. एम.एन. पाणिनी अभिनंदन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की परिचर्चा में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 30–31 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी में 'कार्पोरेट प्रोफेशंस ऐंड सोशल रिस्पासिंबिलिटीज' विषयक सत्र में परिचर्चा की।
- विवेक कुमार ने 30–31 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी में 'आइडेंटिटीज, नेशंस ऐंड स्पेसीज' विषयक सत्र में परिचर्चा की।
- बिमल अकोइजाम ने 28 नवम्बर 2008 को जामिया शिक्षक एकता ग्रुप द्वारा दयार–ए–मीर तक़वी मीर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'द अल्टरनेटिव गाइडलाइन्स टुवर्डस एनकाउंटर डेथ्स ऐंड स्ट्रेटिजीज आफ रेसिस्टेंस' विषयक गोलमेज में वक्ता के रूप में भाग लिया।
- बिमल अकोइजाम ने 30–31 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'इकोनॉमी, सोसायटी ऐंड सोसियोलाजी' विषयक पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- बिमल अकोइजाम ने 7–8 मार्च 2009 को आयोजित एम.एन. पाणिनी अभिनंदन संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- बिमल अकोइजाम ने 8 से 11 जनवरी 2009 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित द ला ऐंड सोशल साइंसेज रिसर्च नेटवर्क के उद्घाटन सम्मेलन में 'टेरर ला ऐंड बायो–पालिटिक्स : एक्सप्लोरिंग एक्स्ट्राआर्डिनरीनेस' विषयक सत्र में अध्यक्षता और परिचर्चा की।
- अमित कुमार शर्मा ने 30 जनवरी 2009 को लोकसभा टीवी पर आयोजित 'रिलिवेंस आफ गांधी ऐंड हिज आइडियाज' विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 5 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित सिनेमा ऐंड सोसायटी इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 7 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'इकोनामी, सोसाइटी ऐंड सोसियोलाजी' विषयक प्रो. एम.एन. पाणिनी अभिनंदन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- अमित कुमार शर्मा ने 30–31 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं. द्वारा आयोजित पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- जी. श्रीनिवासन ने 23 फरवरी 2009 को मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'नीड फार कॉलेब्रेशन आन रिसर्च आन एक्सक्लुजन ऐंड डिस्क्रीमिनेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. श्रीनिवासन ने 25 सितम्बर 2008 को लाइव इंडिया टीवी पर 'करप्शन इन इंडिया' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- जी. श्रीनिवासन ने 17 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र) में 'सोशल इकोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. श्रीनिवासन ने 7–8 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू में आयोजित 'इकोनामी, सोसायटी ऐंड सोसियोलाजी' विषयक प्रो. एम.एन. पाणिनी अभिनंदन संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- जी. श्रीनिवासन ने 1 से 3 अक्टूबर 2008 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'इरेडिकेटिंग क्रोनिक पावर्टी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- जी. श्रीनिवासन ने 30–31 मार्च 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित पी–एच.डी. शोध छात्र संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- जी. श्रीनिवासन ने 21 अगस्त 2008 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं. जेएनयू में आयोजित 'सिनेमा ऐंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- जी. श्रीनिवासन ने 18 सितम्बर 2008 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, फिल्म क्लब द्वारा आयोजित 'रंग दे बसंती' फिल्म पर परिचर्चा की अध्यक्षता की।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- एस. भादुरी ने 27–28 मार्च 2009 को इंस्टीट्यूट फार स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में आयोजित 'कार्पोरेट सेक्टर, इंडस्ट्रियलाइजेशन ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलनमें परिचर्चा की।
- एस. भादुरी ने 21–22 नवम्बर 2008 को सेंट जोसफ कालेज, कोहिमा में आयोजित 'रूरल डिवलपमेंट इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'काग्नीटिव फ्रेम ऐंड इंप्लायमेंट अपरच्युनिटी – द केस आफ झूम कल्टीवेटर्स इन नागालैण्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुजीत भट्टाचार्य ने 4 से 6 फरवरी 2009 तक भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, कानपुर में आयोजित 'लिबरलाइजिंग रिसर्च इन साइंस ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इनोवेशन एक्टिविटी इन द इंडियन साफ्टवेयर इंडस्ट्री : ए स्टडी आफ सलेक्ट साफ्टवेयर फर्म्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुजीत भट्टाचार्य ने 25 से 28 मई 2008 तक जिनेवा, स्विटजरलैण्ड में आयोजित जिनेवा फोरम : टुवर्डस ग्लोबल एक्सेस टु हैल्थ में 'इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी : रिसर्च, इनोवेशन ऐंड एक्सिस ऐंड अफोर्डेबिलिटी आफ मेडिसिंस इन डिवलपिंग कंट्रीज (ए केस स्टडी आफ इंडिया)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुजीत भट्टाचार्य ने 28 जुलाई से 1 अगस्त 2008 तक बर्लिन, जर्मनी में आयोजित 'वेबोमेट्रिक्स, इंफार्मेटिक्स ऐंड साइंटोमेट्रिक्स' विषयक चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा नवीं कालनेट बैठक में 'इज इंडिया डिवलपिंग कंपीटेंसी इन हाई टेक्नीलॉजी ? केस स्टडी आन इंडियन पेंटिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुजीत भट्टाचार्य ने 17 से 19 नवम्बर 2008 तक वमाको, माली में द ग्लोगबल मिनिस्ट्रियल फोरम आन रिसर्च फार हैल्थ में 'रिसर्च ऐंड इनोवेशन फार ड्रग डिवलपमेंट इन नेगलेक्टिड डिसीज : ए केस स्टडी आफ इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डीसूजा ने 12–13 जनवरी 2009 को एसटीईपीएस सेंटर द्वारा यूके–इंडिया रिसर्च इनिशिएटिव के सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित द नालेज सोसाइटी परिचर्चा में भाग लिया।
- रोहन डीसूजा ने 23–24 जनवरी 2009 को द इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल लॉ रिसर्च सेंटर और द स्कूल आफ ओरियंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, लंदन द्वारा जिनेवा, स्विटजरलैण्ड में आयोजित 'वाटर ला रिफार्म्स ऐंड द राइट टु वाटर : लेशंस फ्राम इंडिया' विषयक सम्मेलन में 'डज हिस्ट्री मैटर : रिथिंकिंग माडर्न इरिगेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डीसूजा ने 1–2 सितम्बर 2008 को पैनोस साउथ एशिया और कल्पवृक्ष मीडिया डायलॉक द्वारा गुवाहाटी, असम में आयोजित 'लार्ज डेम्स, हाइड्रो पावर ऐंड नार्थ–ईस्ट इंडिया' विषयक सम्मेलन में 'फ्रेमिंग इंडिया'ज हाइड्रोलिक क्राइसिस : द पालिटिक्स आफ द माडर्न लार्ज डैम इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनुप कुमार दास ने 28 से 31 जनवरी 2009 तक निस्तादस्, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल नेटवर्क एनालिसिस ऐंड एप्लिकेशंस (एसएनए 2009)' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कॉलेब्रेटिव डिजिटल लाइब्रेरी डिवलपमेंट इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनुप कुमार दास ने 5 से 7 नवम्बर 2008 तक पटियाला, पंजाब में आयोजित दक्षिण और मध्य एशिया हेतु सूचना साक्षरता कार्यशाला में 'इंफार्मेशन लिटरेसी कैपेसिटी डिवलपमेंट इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनुप कुमार दास ने 22 से 24 जनवरी 2009 तक चेन्नई में आयोति 'नालेज नेटवर्किंग इन आईसीटी ईरा' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंफार्मेशन लिटरेसी फार आल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रणव देसाई ने 14 से 16 दिसम्बर 2008 तक आईआरओएसटी, आईडब्ल्यूएएस और एनएएमएस ऐंड टी सेंटर द्वारा तेहरान, ईरान में संयुक्त रूप से आयोजित 'इंपावरमेंट आफ वुमन थ्रू साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इंटरवेंशंस' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'जेंडर इन इंडियन साइंस ऐंड टेक्नोलाजी : रिकाग्निशन आफ एक्सेलेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रणव देसाई ने 22 से 24 सितम्बर 2008 तक मेक्सिको सिटी, मेक्सिको में आयोजित 'न्यू इनसाइट्स फार अंडरस्टेंडिंग इनोवेशन ऐंड कंपिटेंस बिल्डिंग फार सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड सोशल जस्टिस' विषयक छठे ग्लोबेलिक्स अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्लोबलाइजेशन आफ इनोवेशंस : चेंजिंग नेचर आफ इंडिया'ज एस ऐंड टी कॉपरेशन पॉलिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गोविन्द माधव ने 2 से 27 मार्च 2009 तक अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित समाजशास्त्र में 31वें पुनश्चर्या कोर्स में भाग लिया।

- गोविन्द माधव ने 4 से 6 फरवरी तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में आयोजित 'लिबरलाइजिंग रिसर्च इन साइंस ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इम्पैक्ट आफ लिबरलाइजेशन आन सोशलाइजेशन आफ साइंस स्टुडेंट्स इन इंडियन एकेडेमिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गोविन्द माधव ने 27 से 29 दिसम्बर 2008 तक राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 34वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में 'रिप्रोडक्शन आफ टेक्नोसाइंटीफिक कल्चर इन इंडियन एकेडेमिया : एक्सप्लोरिंग द पैटर्न आफ सोशलाइजेशन आफ साइंस स्टुडेंट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- मोहन राव ने 17–19 मार्च 2008 तक हारवर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित 'हेल्थ इन चाइना ऐंड इंडिया : कंपेरीजंस, लेशंस ऐड पालिसीज' विषयक कार्यशाला में 'ग्लोबल इक्विटी इनिशिएटिव, हारवर्ड यूनिवर्सिटी, ऐंड पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन आफ इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहन राव ने 20 सितम्बर 2008 को ज्ञान विज्ञान वेदिके, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'हेल्थ सेक्टर रिफार्म्स ऐंड देयर इम्पैक्ट आन द इंडियन पीपल' विषयक संगोष्ठी में 'द पालिटिकल इकोनामी आफ हेल्थ इन द सैकेण्ड फेज आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- के.आर. नायर ने 9 से 13 सितम्बर 2008 तक क्रिश्चियन एड, लंदन में आयोजित 'एक्सेसीबिलिटी ऐंड अफोर्डेबिलिटी आफ हेल्थ केयर सर्विसेज फार द मार्जिनलाइज्ड सेक्शंस इन इंडिया' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- के.आर. नायर ने 16 से 18 मार्च 2009 तक कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित फाइनेंसिंग स्ट्रेटिजीज फार हेल्थ केयर' ईसीओएसओसी रीजनल मिनिस्ट्रियल मीटिंग में भाग लिया।
- के.आर. नायर ने 7 अप्रैल 2008 को भुवनेश्वर में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फार सोशल साइंसेज इन हेल्थ के वार्षिक सम्मेलन में 'एमडीजीए ऐंड हेल्थ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.आर. नायर ने 14 से 17 अक्टूबर 2008 आयोजित सम्मेलन में 'डब्ल्यूएचओ हाई लेवल कंसलटेशन टु एक्सलरेट प्रोग्रेस टुवर्डस एथिविंग मैटरनल ऐंड चाइल्ड हेल्थ एमडीजी गोल्स 4 ऐंड 5 इन साउथ ईस्ट एशिया' सत्र की अध्यक्षता की तथा 'सोशल डिटर्मिनेंट्स इंप्लिकेशंस फार एमएनसीएच प्रोग्रामिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.आर. नायर ने 22–23 अक्टूबर 2008 को कन्नूर विश्वविद्यालय में आयोजित 'हेल्थ ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के 'हेल्थ ऐंड डिवलपमेंट : द इमर्जिंग चेलेंजिज' शीर्षक प्रथम सत्र में 'हेल्थ डिवलपमेंट ऐंड द मिलेनियम कंसर्न्स : द ट्राजेक्ट्रीज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.आर. नायर ने 7–8 मार्च 2009 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में इंडियन एसोसिएशन आफ सोशल साइंसेज ऐंड हेल्थ के छठे सम्मेलन में 'पब्लिक हेल्थ इन इंडिया : करंट सिनेरियो' विषयक प्रथम संगोष्ठी में 'इज देयर ए क्राइसिस इन हेल्थ केयर इन इंडिया ? सम क्रिटिकल रिफ्लेक्शंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 25 सितम्बर 2008 को कम्युनिटी सेंटर फार वाइटल एजिंग और एकेडमिक अफेयर्स, बॉल स्टेट यूनिवर्सिटी मुनसी, इंडियाना (यूएस) द्वारा आयोजित किर्फ पैत्रिक लेक्चर सीरिज के तत्वावधान में 'हेल्थी एजिंग इन इंडियाना' विषयक आलेख प्रस्तुत किया। मार्क फ्रीडमैन ने संगोष्ठी आयोजित की
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 5 दिसम्बर 2008 को मिल्लर स्कूल आफ बिजनेस स्टडीज ऐंड एकेडमिक अफेयर्स, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी मुनसी, इंडियाना (यूएस) द्वारा आयोजित पाब्लो गोटरेट, ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री, हेल्थ न्यूट्रीशन ऐंड पाप्यूलेशन इन ह्यूमन डिवलपमेंट नेटवर्क आफ वर्ल्ड बैंक, की संगोष्ठी में 'इंटरनेशनल हेल्थ केयर फाइनेंसिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 18 फरवरी 2009 को कूपर साइंस सेंटर, ब्रेकन लाइब्रेरी और एकेडमिक अफेयर्स, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, मुनसी, इंडियाना (यूएस) द्वारा आयोजित ब्रेकन एनवायरनमेंटल लेक्चर सीरिज के तत्वावधान में राबर्ट एफ केनेडी की संगोष्ठी में 'अवर एनवायरनमेंटल डेस्टिनी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामिला बिष्ट ने 18–19 अगस्त 2008 को एनएचएसआरसी और सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जेएनयू के सौजन्य से आयोजित 'हेल्थ सिस्टम्स डिवलपमेंट अंडर एनआरएचएम : मीटिंग द चेलेंज आफ इंटीग्रेशन' विषयक संगोष्ठी में 'ह्यूमन रिसार्स डिवलपमेंट फार इंटिग्रेटिड सर्विस डिलिवरी' शीर्षक सत्र में परिचर्चा की।

- आर. दासगुप्ता ने अमेरिकन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, सेनडियागो, केलिफोर्निया की 136वीं वार्षिक बैठक में 'टुवर्डस मोलियो एंडगामे : नीड टु फोकस आन सोशल डिटर्मीनेंट्स' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- आर. दासगुप्ता ने 26 से 28 नवम्बर 2008 तक लंदन में आयोजित 'द वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ऐंड द सोशल डिटर्मिनेंट्स आफ हेल्थ' विषयक सम्मेलन में 'इक्विटी फ्राम द स्टार्ट : ए रिव्यू ऐंड सम लेशंस फ्राम इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. दासगुप्ता ने 11 से 13 सितम्बर 2008 तक नई दिल्ली में आयोजित ह्युमन डिवलपमेंट ऐंड कैपेबिलिटी एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में सोशल रेसिस्टेंस टु पोलियो इटेडिकेशन प्रोग्राम विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. दासगुप्ता ने मई 2008 में भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित एनआरएचएम फास्ट ट्रेक कोर्स में 'क्वांटीटेटिव ऐंड क्वालीटेटिव रिसर्च मेथड्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. दासगुप्ता ने 11 जुलाई 2008 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के लिए आयोजित पहली वार्षिक क्लिनिकल ऐंड इपिडिमियोलाजीकल रिसर्च मेथड्स ऐंड लीडरशिप' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में 'कम्युनिकेबल डिजीज' शीर्षक पेनल परिचर्चा की।
- आर. दासगुप्ता ने 28 अप्रैल से 2 मई 2008 तक डा. रामा बारू के साथ मिलकर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से आयोजित 'इपिडियोलॉजी' विषयक आधारभूत कोर्स में आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी को 26 अगस्त 2008 को एम.एस. रमैया मेडिकल कालेज, बंगलौर में आयोजित 'मेडिकल प्रिपेयर्डनेस आन मास केजुअलटी मैनेजमेंट' विषयक मॉकड्रिल के लिए एनडीएमए द्वारा प्रेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।
- सुनीता रेड्डी ने 21 से 24 अक्टूबर 2008 तक डीएमआईसीएस द्वारा हैदराबाद में आयोजित 'डिजास्टर मैनेजमेंट डब्ल्यूसीडीएम 2008' विषयक पहली विश्व कांग्रेस में 'डिजास्टर मिटिगेशन' विषयक सत्र की अध्यक्षता की तथा 'डिजास्टर मिटिगेशन' विषयक इम्पैक्ट आफ सुनामी ऐंड द रिहेबिलीटेशन प्रोसस इन द अण्डमान ऐंड निकोबार आइलैण्ड्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 26 दिसम्बर 2008 को मानव–शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन एंथ्रोपालाजीकल एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में 'काट इन टाइड आफ एड : सोसियो इकोनामिक ऐंड कल्चरल डिसरप्शंस अमंग द निकोबारीज आफ निकाबार आइलैण्ड्स आफ्टर द सुनामी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 13 जनवरी 2009 को डिफेंस फूड रिसर्च लेबोरेट्री, मैसूर में 'नेशनल गाइडलाइंस आन मिनिमम स्टेंडर्डस आफ फूड ऐंड न्यूट्रीशन फार डिजास्टर रिलीफ' पर खाद्य और पोषण पर गठित स्थायी समिति की सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।
- सुनीता रेड्डी ने 24–25 जनवरी 2009 को विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवनंतपुरम द्वारा आयोजित 'चैलेंजिज इन ह्यूमन डिवलपमेंट इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इमर्जेंस आफ मेडिकल ट्यूरीज्म इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 12 से 14 फरवरी 2009 तक फिक्की आडिटोरियम में आयोजित संगोष्ठी में 'कम्युनिटी प्रिपेयर्डनेस इन डिजास्टर सिचुएशंस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 21 से 23 फरवरी 2009 तक मानव–शास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित इंडियन नेशनल कंफीड्रेशन ऐंड एकेडमी आफ एंथ्रोपालोजिस्ट्स ऐंड इट्स कंट्रीब्यूशन टु पब्लिक हेल्थ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 27–28 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'इंडियन रूरल सोसायटी : ग्लोबलाइजेशन ऐंड इमर्जिंग क्राइसिस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रूरल अरबन हेल्थ डिस्पेयरिटीज इन इंडिया : न्यू इनिशिएटिव्स ऐंड मिसमैच्ड प्रायोरिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुनीता रेड्डी ने 7–8 मार्च को सामाजिक विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी द्वारा आयोजित 'इंडियन एसोसिएशन फार सोशल साइंसेज ऐंड हेल्थ' के छठे वार्षिक सम्मेलन में 'मेडिकल ट्यूरिज्म : इश्यूज आफ एथिक्स ऐंड इक्विटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- एस. चट्टोपाध्याय ने 8–9 दिसम्बर 2008 को सीबीजीए द्वारा आईएचसी, नई दिल्ली में आयोजित 'टुवर्डस प्रोग्रेसिव फिस्कल

पॉलिसी इन इंडिया' विषयक सम्मेलन में 'एसेसिंग टैक्स पालिसी ऐंड टैक्स कंप्लायंस इन इंडिया ड्यूरिंग द रिफार्म इरा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस. चट्टोपाध्याय ने 24–25 जनवरी 2009 को विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवनंतपुरम में आयोजित 'चेलेंजिज इन ह्युमन डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 13–14 मार्च 2009 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस इन इंडिया : इमर्जिंग सिनेरियोज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फाइनेसिंग ऐंड गवर्नेंस इन हायर एज्यूकेशन : इमर्जिंग इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 19 मार्च 2009 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन एज्यूकेशन' विषयक परिचर्चा बैठक में प्रस्तुत आलेख पर परिचर्चा की।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 27–28 मार्च 2009 को द इंस्टीट्यूट फार स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कार्पोरेट सेक्टर, इंडस्ट्रियलाइजेशन ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत आलेख पर परिचर्चा की।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 16 से 18 जनवरी 2009 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई में आयोजित 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी फोरम II, 2009 में 'द इमर्जिंग मार्किट फार हायर एज्यूकेशन इन इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 25–26 फरवरी 2009 को उच्चत्तर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित दक्षिण, दक्षिण–पश्चिम और मध्य एशिया के उपक्षेत्रीय सम्मेलन में 'हायर एज्यूकेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 28–29 अप्रैल 2008 को रायल सोसायटी, लंदन में आयोजित 'बिल्डिंग माइग्रेशन इन टु डिवलपमेंट स्ट्रेटिजीज' विषयक द डिवलपमेंट रिसर्च सेंटर आन माइग्रेशन, ग्लोबलाइजेशन ऐंड पावर्टी, यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स की कार्यशाला में 'पुलिंग दैम आउट आफ पावर्टी आर पुसिंग दैम एब्रोड फार बिजनेस ? एक्सोस आफ नर्सेज फ्राम इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 24 से 28 जून 2008 तक ओईसीडी, डिवलपमेंट सेंटर द्वारा जिनेवा में आयोजित ईएडीआई के 12वें सम्मेलन में 'डेमोग्राफी, डायसपोरा ऐंड डिवलपमेंट : एसेसिंग द रोल आफ माइग्रेशन इन इंडिया'ज ट्रांसफार्मेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'माइग्रेशन ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सत्र में भी भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 1–2 दिसम्बर 2008 इंटरनेशनल फ्यूचर प्रोग्राम, आर्गेनाइजेशन फार इकोनामिक कापरेशन ऐंड डिवलपमेंट द्वारा पेरिस में आयोजित 'द फ्यूचर आफ इंटरनेशनल माइग्रेशन टु आईसीडी कंट्रीज' विषयक कार्यशाला के लिए 'माइग्रेशन फ्राम साउथ एशिया टु द ओईसीडी कंट्रीज : रिफ्लेक्शंस आन द नेक्स्ट टु ऐंड हाफ डिकेड्स' विषयक आलेख पांच क्षेत्रीय आलेख में से एक आलेख के रूप में आमंत्रित किया गया।
- बिनोद खादरिया ने 24 से 28 जून 2008 तक जिनेवा में आयोजित ईएडीआई के 12वें सम्मेलन में 'माइग्रेशन' विषयक गोलमेज में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 14 से 17 नवम्बर 2008 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियंस आफ एशिया (आईएएचए) के 20वें सम्मेलन में 'एशियन डायस्पोराज ऐंड लेबर माइग्रेशंस' विषयक समान मेनल की अध्यक्षता की तथा आयोजक रहे।
- बिनोद खादरिया ने 1–2 दिसम्बर 2008 को ओईसीडी, पेरिस में आयोजित 'द फ्यूचर आफ इंटरनेशनल माइग्रेशन टु ओईसीडी कंट्रीज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 15–16 जनवरी 2009 को जोसफ स्टिगत्जि और द इनिशिएटिव फार पालिसी डायलॉक द्वारा कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित इंटरनेशनल माइग्रेशन विषयक कार्यदल की दूसरी बैठक में 'इंडिया' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- बिनोद खादरिया ने 21 से 23 फरवरी 2009 तक द मिनिस्ट्री आफ ओवरसीज इंडियन अफेयर्स, भारत सरकार और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया–ईयू पार्टनरशिप्स इन मॉबिलिटी : डाटा,

एग्रिमेंट्स ऐंड पालिसी इन इंटरनेशनल माइग्रेशन' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिफार्मिंग द वीजा रेजिम्स : ब्रीजिंग द पालिसी प्रैक्टिस गेप्स' विषयक तकनीकी सत्र IV की परिचर्चा में भाग लिया।

- बिनोद खादरिया ने 19–20 मार्च 2009 को यूनिवर्सिता इयाव दी वेनेजिया में आयोजित यूनेस्को के 'सोशल ऐंड स्पेशियल इनक्लुजन आफ इंटरनेशनल माइग्रेंट्स : अर्बन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस' विषयक सम्मेलन में अध्यक्षता की, माइग्रेंटस डिमांड फार द सिटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'इश्यूज' विषयक गोलमेज में पेनेलिस्ट रहे।
- बिनोद खादरिया ने 23–24 मार्च 2009 को संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय, न्यूयार्क में यूएनआईटीआर द्वारा आयोजित 'एलाइनिंग माइग्रेशन ऐंड डिवलपमेंट गोल्स' विषयक प्रवास और विकास श्रृंखला संगोष्ठी में (ए) सत्र–I में 'रिविजिटिंग पॉलिसी गोल्स फार माइग्रेशन ऐंड डिवलपमेंट, इश्यू 2 : (बी)' सत्र 2 : पर्स्युइंग पालिसी कोइरेंस बिटविन माइग्रेशन ऐंड डिवलपमेंट पालिसी ऐंड स्ट्रेटिजीज : मॉडल्स ऐंड प्रैक्टिसेज' विषयक व्याख्यान दिए।
- दीपक कुमार ने अगस्त 2008 में स्ट्राथ क्लाइट यूनिवर्सिटी, ग्लासगोव में 'सोसाइटी फोर सोशल हिस्ट्री आफ मेडिसिन' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 14 से 17 नवम्बर 2008 तक जेएनयू में आयोजित द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियंस आफ एशिया के 20वें सम्मेलन के संयोजन रहे।
- दीपक कुमार ने 24 जनवरी 2009 को रबिन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'पश्चिम बन गया इतिहास' विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 14 से 17 नवम्बर 2008 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियंस आफ एशिया के 20वें सम्मेलन में 'पब्लिक हेल्थ ऐंड मेडिसिन इन एशियन हिस्ट्री' विषयक पेनल में 'पब्लिक हेल्थ डिबेट्स : लेशंस फ्राम कालोनियल इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरविन्द मिश्रा ने 15–16 दिसम्बर 2008 को देशकाल सोसायटी द्वारा यूनिसेफ और प्रभात खबर के सहयोग से रांची में आयोजित 'क्लासरूम करिकुलम, प्लुरलिज्म ऐंड सोशल इनक्लुजन : वॉयसीज फ्राम द मार्जिन' विषयक कार्यशाला में 'पावर्टी ऐंड एकेडमिक एक्सेस : रिफ्लेक्शंस आन प्रिडिकामेंट आफ पुअर चिल्ड्रन इन स्कूल सेटअप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरविन्द मिश्रा ने 7–8 मार्च 2009 को देशकाल सोसायटी द्वारा यूनिसेफ, सरवर्थ, लखनऊ; नालंदा एज्यूकेशन ट्रस्ट, लखनऊ; प्रोएक्ट, लखनऊ और पूर्वांचल ग्रामीण विकास और प्रशिक्षण संस्थान, गाजीपुर द्वारा लखनऊ में आयोजित 'क्लासरूम करकुलम, प्लुरलिज्म ऐंड सोशल इनक्लुजन : बायॅयसिज फ्राम द मार्जिन' विषयक कार्यशाला में 'बाई डु डिसएडवांटेज्ड स्टुडेंट्स फेल इन स्कूल ? ए क्रिटिक आफ साइकोलॉजीकल थीअरि आफ इंटेलीजेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरविन्द मिश्रा ने 6 अगस्त 2008 को द डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ साइकोलॉजीकल रिसर्च, मेथडोलॉजी' विषयक कार्यशाला में 'यूजिंग डिसकोर्स एनालिसिस इन साइकोलॉजीकल रिसर्च' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 6 दिसम्बर 2008 को भा.प्रौ.सं., दिल्ली में आयोजित 'कल्चर स्टडीज प्रोग्राम' विषयक कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 14 से 17 दिसम्बर 2008 तक भा.प्रौ.सं., गुवाहाटी में नेशनल एकेडमी आफ साइकोलॉजी, इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में आयोजित 'एट द एज आफ काग्नीशन' विषयक संगोष्ठी में सह अध्यक्षता की और परिचर्चा की।
- ए.के. मोहन्ती ने 20 जनवरी 2009 को भा.सं.वि.मं., भारत सरकार, शास्त्री भवन, दिल्ली में 'एमएलई इन इंडिया' विषयक परिचर्चा ग्रुप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ए.के. मोहन्ती ने 21 जनवरी 2009 को यूनिसेफ शिक्षा अधिकारियों की बैठक में परिचर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ए.के. मोहन्ती ने 29–30 जनवरी 2009 को एनयूईपीए, दिल्ली में आयोजित 'फाउंडेशंस आफ एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ए.के. मोहन्ती ने 9–10 फरवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ एचडीएफएस, यूनिवर्सिटी आफ बड़ौदा, वदोदरा में आयोजित 'ह्युमन डिवलपमेंट ऐंड फेमिली स्टडीज : टेकिंग स्टॉक ऐंड मुविंग फारवर्ड' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

- ए.के. मोहन्ती ने 28 से 30 मार्च 2009 तक ओपीईपीए, भुवनेश्वर में कक्षा–III के लिए एमएलई पाठ्यचर्या सामग्री तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- ए.के. मोहन्ती को 20 से 25 जुलाई 2008 तक बर्लिन, जर्मनी में आयोजित XXIX इंटरनेशनल कांग्रेस आफ साइकोलाजी में 'रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस इन कल्चरल साइकोलाजी' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की अध्यक्षता करने और आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ए.के. मोहन्ती ने 27 से 31 जुलाई 2008 तक ब्रीमन, जर्मनी में आयोजित इंटरनेशनल कांग्रेस आफ इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ क्रास कल्चरल साइकोलाजी में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 27–28 अगस्त 2008 को टोकिया, जापान में आयोजित 'ग्लोबइाजेशन ऐंड लैंग्वेजिज' विषयक यूनेस्को – यूनाइटिडनेशंस यूनिवर्सिटी के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 12 से 15 जनवरी 2009 तक सीआईआईएल और एस. देव यूरोप द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'एमएलई टीचर ट्रेनिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 6 मार्च 2009 को रूसुवा, नेपाल में शिक्षकों के लिए आयोजित मल्टीलिंगुअल एज्यूकेशन (एमएलई) कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 7 मार्च 2009 को शिक्षा विभाग, नेपाल सरकार की काठमांडु, नेपाल में आयोजित 'मल्टीलिंगुअल एज्यूकेशन इन नेपाल' विषयक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 10–11 मार्च 2009 को काठमांडु, नेपाल में आयोजित 'मल्टीलिंगुअल एज्यूकेशन इन नेपाल : पालिसी ऐंड स्ट्रटिजीज' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत करने ताा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 12 से 14 फरवरी 2009 तक नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्युमन सिविलाइजेशन इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक हिंद स्वराज जन्मशती अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एज्यूकेशन ऐंड स्वराज विजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 30 मार्च 2009 को भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम, जेएनयू में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'रिसर्चिंग एक्सपिरियंसिज आफ एक्सक्लुजन ऐंड एज्यूकेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 13–14 मार्च 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस इन इंडिया : इमर्जिंग सिनेरियोज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्राइवेट स्कूल्स फार द पुअर ? च्वाइस नेटवर्क्स ऐंड पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 4 फरवरी 2009 को नेशनल कमिशन फार द प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट्स, दिल्ली द्वारा आयोजित 'कार्पोरल पनिशमेंट' विषयक बैठक में भाग लिया।
- एम. पांडा ने 9 से 13 सितम्बर 2008 तक यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, सेनडियागो में आयोजित 'इकोलाजीज आफ डाइवर्सिटीज : द डिवलपमेंटल ऐंड हिस्टोरीकल इंटरआर्टेकुलेशन आफ ह्यूमन मेडिएशनल फार्म्स' विषयक आईएससीएआर के सम्मेलन में 'गेम्स, पैटनर्स ऐंड प्रैक्टिसेज इन ट्राइबल कम्युनिटीज : मुविंग पेरिफेरल विजडम टु क्लासरूम मैथमेटीजेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एम. पांडा और जैड धलौवु ने 9 से 13 सितम्बर 2008 तक यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, सेनडियागो में आयोजित 'इकोलाजीज आफ डाइवर्सिटीज : द डिवलपमेंटल ऐंड हिस्टोरीकल इंटरआर्टेकुलेशन आफ ह्यूमन मेडिएशनल फार्म्स' विषयक आईएससीएआर के सम्मेलन में 'कांटेक्ट ऐंड टेंशंस बिटवीन हॉम ऐंड स्कूल मैथमेटिक्स इन इंडिया ऐंड जाम्बिया : थियोराइजिंग द कॉमन एपिस्टेमोलॉजीकल ग्राउंड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 9 से 13 सितम्बर 2008 तक बर्लिन, जर्मनी में आयोजित XXIX इंटरनेशनल कांग्रेस आफ साइकोलाजी, 'रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस इन कल्चरल साइकोलाजी' विषयक संगोष्ठी में 'होम ऐंड स्कूल मैथमेटिक्स : एपिस्टोमिक गिव ऐंड टेक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा और ए.के. मोहंती ने 20 से 25 जुलाई 2008 तक XXIX इंटरनेशनल कांग्रेस आफ साइकोलाजी, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित 'रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस इन कल्चरल साइकोलाजी' विषयक संगोष्ठी में 'एप्लिकेशन आफ कल्चरल साइकोलाजी फार

इंटरवेंशन इन एमएलई फार ट्राइबल चिल्ड्रन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एम. पांडा और जैड़ धलोवु ने 2008 में आईएसीसीपी, ब्रीमन, जर्मनी में 'एपिस्टेमोलाजीकल क्लेश : टेंशंस ऐंड कंफ्लिक्ट्स इन द जाम्बियन मैथमेटिक्स क्लासरूम' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 2008 में आईएसीसीपी ब्रीमन, जर्मनी में आयोजित 'कल्चर ऐंड काग्निशन' विषयक सत्र के अध्यक्ष रहे।
- एम. पांडा ने 13–14 मार्च 2009 को जेएनयू में आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस : इमर्जिंग सिनेरियोज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लैंग्वेज ऐंड सोसियो–कल्चरल रिसॉर्सिज आफ चिल्ड्रन इन द राइट टु एज्यूकेशन डिस्कोर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 21–22 फरवरी 2009 को इंडिया हेबिटेट सेंटर, दिल्ली में आयोजित 'राइट टु एज्यूकेशन' विषयक न्यायिक संगोष्ठी में 'चाइल्ड इन आरटीई बिल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 5 से 7 फरवरी 2009 तक महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वदोदरा में आयोजि 'ह्युमन डिवलपमेंट ऐंड फेमिली स्टडीज : टेकिंग स्टोक ऐंड मुविंग फोरवर्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'काग्निशन इन मार्जिनलाइज्ड कांटेक्स्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 14 से 19 दिसम्बर 2008 तक भा.प्रौ.सं., गुवाहाटी में आयोजित नेशनल एकेडमी आफ साइकोलॉजी के XVIIवें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित 'एट द एज आफ काग्निशन : काग्निशन इन एन इंटरसब्जेक्टिवली शेयर्ड वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में 'काग्निशन इन एन इंटरसब्जेक्टिवली शेयर्ड वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा एस. नाग ने 14 से 19 दिसम्बर 2008 तक भा.प्रौ.सं., गुवाहाटी में आयोजित नेशनल एकेडमी आफ साइकोलॉजी के XVIIवें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित 'एट द एज आफ काग्निशन : काग्निशन इन एन इंटरसब्जेक्टिवली शेयर्ड वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में 'टीचर – ए सब्जेक्ट आर ए टूल इन द कंसट्रक्टिव एप्रोच आफ एनसीएफ 2005 ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 14 से 19 दिसम्बर 2008 तक भा.प्रौ.सं., गुवाहाटी में आयोजित नेशनल एकेडमी आफ साइकोलॉजी के XVIIवें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष रहीं।
- एम. पांडा ने 29–30 मई 2008 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'फ्लैटनिंग डाइवर्सिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्कूल एज्यूकेशन ऐंड मेंटेनेंस आफ डाइवर्सिटी अमंग ट्राइबल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. पांडा ने 1–2 जुलाई 2008 को रीच 2 टेक (आर 2 के) और दस्रा द्वारा अहमदाबाद में आयोजित 'ट्राइबल एज्यूकेशन इन गुजरात' विषयक गोलमेज में भाग लिया।
- एम. पांडा ने 2008 में एआरटीएस द्वारा ब्रीमन, जर्मनी में आयोजित 'एडवांस्ड क्वालीटेटिव रिसर्च मेथड्स' विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- ध्रुव रैना ने 19 जून 2008 को इस्तांबुल में आयोजित साइंस ऐंड टेक्नोलाजी आफ द यूरोपीयन पेरिफरी की छठी बैठक में 'वाट डु प्रायोरिटी डिस्प्यूट्स बिटवीन सेंटर ऐंड पेरिफरी कंसील ? रिफ्लेक्शंस आन साइंस इन ट्वेंटियथ सेंचुरी इंडिया' विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 11 अक्टूबर 2008 को डबलिन में आयोजित 'कॉलोनियल कनेक्शंस : इंडिया, आयरलैण्ड ऐंड एज्यूकेशन : ए सिंपोजियम' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'साइंस एज्यूकेशन ऐंड द चेंजिंग कंसेप्शंस आफ द यूनिवर्सिटी इन कॉलोनियल इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 7 से 9 नवम्बर 2008 तक नेपाल में आयोजित 'वेरियंटोलॉजी 5 : आन डीप टाइम रिलेशंस आफ आर्ट्स, साइंसेज ऐंड टेक्नोलाजीज इन चाइना ऐंड एल्सवेयर' विषयक सम्मेलन में 'द वॉयेज आफ ली जेंटिल : डिसरफ्शन आफ द नरेटिव आफ प्रोग्रेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 12 नवम्बर 2008 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'नेहरूवियन लिगेसी इन ए नियोलिबरल इरा' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नीधामियंस ऐंड द बेगिनिंग्स आफ मार्क्स्टिस्ट हिस्ट्री इन नेहरूवियन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 1 से 3 दिसम्बर 2008 तक सेंट्रल यूरोपीयन यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट में आयोजित 'गांधी इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड : कंटेम्पोरेरी रिलिवेंस आफ गांधीयन थॉट' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'गांधी'ज डबल विजन आफ टेक्नोलॉजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ध्रुव रैना ने 29–30 जनवरी 2009 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय विचार–विमर्श बैठक में 'सोसियोलॉजी आफ साइंटिफिक नालेज इन द स्टडी आफ हायर एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 13–14 मार्च 2009 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रैक्टिस : इमर्जिंग सिनेरियोज' विषयक कार्यशाला में 'फ्राम साइंटीफिक थीअरिज टु रिफार्म्स इन हायर एज्यूकेशन : द टेरेन आफ सोसियोलाजी आफ साइंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 2 से 14 फरवरी 2009 तक आयोजित 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड द ह्यूमन सिविलाइजेशन इन द टवेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक हिंद स्वराज जन्मशती अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए हिस्टोरीकल ऐंड कनटेम्पोरेरी इंटेरोगेशन आफ गांधी'ज कंसेप्शन आफ टेक्नोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परिमाला राव ने 13–14 मार्च 2009 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'लोकेटिंग द इनेमीज : आर्यस, असुर'स, दास ऐंड दासमुस इन ऋग्वेदा' विषयक शैक्षिक नीति संगोष्ठी में भाग लिया।
- परिमाला राव ने 'वाट टु टीच ? ऐंड हूम टु टीच ? ए नेशनलिस्ट क्रिटिक आफ द कालोनियल एज्यूकेशन पालिसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 25–26 जून 2008 को बैंकाक में आयोजित 'शेल्टर्ड स्टेट्स, ट्रबल्ड पीपल्स, थ्रीएटन्ड कल्चर्स : कनटेम्पोरेरी प्रॉस्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिज फार एशिया'ज चेंज मेकर्स' विषयक आठवें एशिया फेलो सम्मेलन में 'ग्लोबलाइजेशन, अफरमेटिव एक्शन ऐंड हायर एज्यूकेशन रिफार्म्स इन मलेशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 19 से 25 मई 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ लंदन में आयोजित 'एज्यूकेशन, एक्सक्लुजन ऐंड सोशल जस्टिस इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषयक द्विराष्ट्रीय संगोष्ठी में मैरी लाल के साथ संयुक्त रूप से 'कास्ट, रेस ऐंड क्लास इंटरसेक्शंस इन एज्यूकेशन : रिविजिटिंग द इक्वेलिटी डिबेट्स इन इंडिया ऐंड यूके इन द एज आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 13–14 मार्च 2009 को आयोजित 'एज्यूकेशन पॉलिसी ऐंड प्रैक्टिस : इमर्जिंग सिनेरियोज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इक्वेलिटी ऐंड आर एक्सेलेंस : परसिस्टिंग डिलोमा इन हायर एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- जी. अरूणिमा ने नवम्बर 2008 में द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ द हिस्टोरियंस आफ एशिया के 20वें सम्मेलन का आयोजन किया।
- जी. अरूणिमा ने जनवरी 2009 में अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'वुमन, लैंड, नेशन ? आर सम क्वेश्चंस रिगार्डिंग राजा रवि वर्मा'ज विजन आफ माडर्न इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. अरूणिमा ने मार्च 2009 में ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'रि–सर्चिंग साउथ इंडिया हिस्ट्री' विषयक कार्यशाला में 'जेंडर ऐंड हिस्ट्री ट्रेंड्स ऐंड ट्राजेक्ट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. अरूणिमा ने फरवरी 2009 में फिल्म अध्ययन विभाग में आयोजित 'लैंड, लैंडस्केप, नेशन : आर रवि वर्मा'ज विजन आफ माडर्न इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी. अरूणिमा ने जनवरी 2009 में अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित 'प्राब्लेमेटिजिंग जेंडर, कम्युनिटी ऐंड आइडेंटिटी' विषयक संगोष्ठी में 'रिसर्च मेथडोलॉजी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- जी. अरूणिमा ने दिसम्बर 2008 में हिंद कालेज में आयोजित 'द सिटी ऐंड इट्स कल्चर्स' विषयक अंतरविषयात्मक संगोष्ठी में 'इन सर्च आफ द इलुसिव फ्लेनियुस : विजुअलाइजिंग द सिटी फ्राम इट्स मार्जिन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. अरूणिमा ने अक्टूबर 2008 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित 'जेंडर, आर्ट, हिस्ट्री : द रिलेशनशिप बिटवीन वुमन ऐंड आर्ट फ्राम द रिनेशां टु द कंटेम्पोरेरी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी. अरूणिमा ने सितम्बर 2008 में आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंटरडिसिप्लिनरिटी, कल्चर, मार्जिनलिटी इन द पेनल आन द इमर्जेंस आफ कल्चरल स्टडीज एज ए फील्ड इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- जी. अरूणिमा ने अगस्त 2008 में महिला विकास अध्ययन केंद्र और दिल्ली महिला अध्ययन विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'डिसएबिलिटी, जेंडर ऐंड सोसायटी : कंटेम्पोरेरी पर्सपेक्टिव्स ऐंड चैलेंजिज' विषयक संगोष्ठी में 'विजुअल कल्चर ऐंड डिसएबिलिटी' शीर्षक पेनल में परिचर्चा की।
- जी. अरूणिमा ने अगस्त 2008 में युगांतर, हैदराबाद में आयोजित 'माइनोरिटी वुमन निगोशिएटिंग सिटीजनशिप : द लोंग टर्म इम्पैक्ट आफ कम्युनल कंफ्लिक्ट आन मुस्लिम वुमन' विषयक कार्यशाला में परिचर्चा की।
- जी. अरूणिमा ने जून 2008 में सेंटर फार द स्टडी आफ कल्चर ऐंड सोसायटी, बंगलौर में आयोजित 'कालेज एज्यूकेशन : चैलेंजिज आफ द मार्किट, एकेडेमिया ऐंड पालिटीकल सोसायटी' विषयक कार्यशाला में 'डिसिप्लाइंस, इंटरडिसिप्लिनरिटी ऐंड द रि–वर्किंग आफ पेडागॉगी : द कंटेक्स्ट आफ वुमन'स स्टडीज इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. अरूणिमा ने मई 2008 में काट्टायम में आयोजित 'डुइंग हिस्ट्री बियोंड द डिसिप्लाइन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पेंटिंग, ओलियोग्राफी, फोटोग्राफी : आर वाट इज द रिलेशनशिप बिटवीन आर्ट ऐंड मैकेनिकल रिप्रोडक्शन इन द हिस्टोरियोग्राफी आफ कॉलोनियल इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. अरूणिमा ने मई 2008 में सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'द पालिटिक्स आफ मेडिकल प्लुरलिज्म इन कंटेम्पोरेरी इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में लीना अब्राहम द्वारा प्रस्तुत 'कल्चर मेडिसिन ऐंड आइडेंटिटी : केरला आयुर्वेदा इन मुम्बई' विषयक आलेख पर परिचर्चा की।
- जी. अरूणिमा ने अप्रैल 2008 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में 'फेमिनिज्म ऐंड द प्राब्लम आफ ऐक्सुअलिटी – आर सम क्वेश्चंस इन एथिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. अरूणिमा ने मार्च 2009 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र) में 'मैरिज, फेमिली, किनशिप : सम हिस्टोरीकल इश्यूज' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. अरूणिमा ने नवम्बर 2008 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) में 'जेंडरिंग द केनवास : सम क्वेश्चंस आन आर्ट ऐंड हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. अरूणिमा ने फरवरी 2009 में द सेंटर फार द स्टडी इन सोशल साइंसेज, कोलकाता द्वारा नेहु, शिलांग में पी–एच.डी. छात्रों के लिए शहरी अध्ययन में आयोजित चौथी वार्षिक सांस्कृतिक अध्ययन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- जानकी अब्राहम ने दिसम्बर 2008 में महिला अध्ययन संस्थान, जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित 'सिनिगोशिएटिंग इंटीमेसिज : मैरिज, सेक्सुअलिटीज, लिविंग प्रैक्टिसिज' विषयक सम्मेलन में 'मैरिज वीडियोज इन नार्थ केरला : टेक्नोलाजी, रिचुअल्स ऐंड आइडियाज अबाउट लव ऐंड कंजुगलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जानकी अब्राहम ने सितम्बर 2008 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में आयोजित 'मैरिज इन ग्लोबलाइजिंग कंटेक्स्ट्स : एक्सप्लोरिंग चेंज ऐंड कंटिन्युटी इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में 'मैरिज, मेट्रिलिनी ऐंड द आइडिया आफ द प्रोवाइडिंग हसबैंड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

- जोसफ बारा ने 14 से 17 नवम्बर 2008 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'फ्लैटनिंग डाइवर्सिटी : एज्यूकेशनल डिवलपमेंट्स इन माडर्न इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'ट्राइबल एज्यूकेशन इन पोस्ट इनडिपेंडेंस इंडिया : सम रिफ्लेक्शंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जोसफ बारा ने 17–18 नवम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियंस आफ एशिया के 20वें सम्मेलन में 'इमर्जेंस आफ नालेज सोसायटीज ऐंड एज्यूकेशनल हिस्ट्री' विषयक पेनल का समन्वयन किया तथा 'फ्रेक्चर्ड फोरेज इन पापुलर एज्यूकेशन इन माडर्न इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जोसफ बारा ने 10 जनवरी 2009 को सेंट थामस कालेज, त्रिचुर में आयोजित 'क्रिश्चियन कंट्रीब्युशंस टु हायर एज्यूकेशन : टुवर्डस ए हिस्ट्री' विषयक संगोष्ठी में 'आइडिया आफ ए क्रिश्चियन कालेज इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जोसफ बारा ने 10–11 मार्च 2009 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला और मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आइजोल में आयोजित 'द डायनेमिक्स आफ कल्चर, सोसाइटी ऐंड आइडेंटिटी : इमर्जिंग लिट्रेचर्स फ्राम नार्थ–ईस्ट इंडिया' विषयक

संगोष्ठी में 'एलियन कंसट्रक्ट ऐंड ट्राइवल कंटेस्टेशन इन कॉलोनियल छोटा नागपुर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- नंदिता खादरिया ने 7 से 9 सितम्बर 2008 तक आईसीएचआर, द्वारा आईआईजी, दिल्ली में आयोजित 'पीजेंट्स इन रशियन, सेंट्रल एशियन ऐंड इंडियन हिस्ट्री इन नार्थ–ईस्ट इंडिया : द ब्रह्मपुत्रा वेली इन द नाइनटींथ सेंचुरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नंदिता खादरिया ने 14 से 17 नवम्बर 2008 तक जेएनयू और आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियंस आफ एशिया के 20वें सम्मेलन में 'इमर्जेंस आफ नालेज सोसायटीज ऐंड एज्यूकेशनल हिस्ट्री' विषयक पेनल का समन्वयन किया तथा पेनल में 'पापुलर डिमांड फार हायर एज्यूकेशन : द जेनेसिस आफ हायर एज्यूकेशन इन असम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- एस.वाई. शाह ने 24 अप्रैल 2008 को तिरूवनंतपुरम में आयोजित 'डिजाइनिंग एन ओपन डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम फार प्रेरक्स' विषयक कार्यशाला में 'स्ट्रटिजीस आफ राइटिंग ओडीआई मैटेरियल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.वाई. शाह ने 10–11 अप्रैल 2008 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय में 'लाइफलोंग लर्निंग' विषयक सर्टिफिकेट कोर्स का प्रारूप तैयार करने के लिए आयोजित कोर्स लेखकों की बैठक में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 16 जुलाई 2008 को यूनिवर्सिटी आफ लंदन में आयोजित 'ओपन डिस्टेंस लर्निंग' विषयक पैनल राष्ट्रमण्डलीय सम्मेलन में 'डिजाइनिंग ए प्रोफेशनल डिवलपमेंट प्रोग्राम आन पार्टिसिपेटरी एडल्ट लर्निंग डाक्युमेंटेशन ऐंड इंफार्मेशन नेटवर्किंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.वाई. शाह ने 9 अगस्त 2008 को इंडियन एडल्ट एज्यूकेशन एसोसिएशन, नई दिल्ली की कार्य समिति की बैठक में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 7 सितम्बर 2008 को आयोजित द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडल्ट ऐंड लाइफलोंग एज्यूकेशन, नई दिल्ली की अंतरराष्ट्रीय परामर्श समिति की बैठक में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 14 मई 2008 को भारत सरकार और कंज्युमर वॉयस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कस्टमर सेटिसफेक्शन विद क्वालिटी आफ सर्विस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 8 सितम्बर 2008 को दिल्ली में आयोजित 'रेटेरिक वर्सिज रिएलिटी : स्टेट आफ ऐलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इतिहास' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 25–26 सितम्बर 2008 को आयोजित 'इंट्रोगेटिंग स्टेट रिकोग्नाइजेशन : कल्चर आइडेंटिटी ऐंड पालिटिकल इकोनामी इन इंडिपेंडेंट इण्डिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 11–12 दिसम्बर 2008 को द यूरोपीयन यूनियन, नालेज कमीशन, भारत सरकार, ईयूएनआईसी, डीयू द्वारा आयोजित 'मल्टिलिंग्वलिज्म ऐंड इंटरकल्चरल डायलाग इन ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 13–15 दिसम्बर 2008 को आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेस आफ ज्यूरिस आन टेरॅरिज्म, रूल आफ लॉ ऐंड ह्युमन राइट्स' में आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.सी. पाल ने 17–20 दिसम्बर 2008 को एस्पेन इंस्टीट्यूट इण्डिया द्वारा आयोजित 'आइडियाज इण्डिया 2008' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 26 फरवरी 2009 को आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन : कंसेप्ट्स, मैथड्स ऐंड इश्यूज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 20–21 मार्च 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग आफ यूथ्स फार डिवलपमेंट : प्राब्लम ऐंड पालिसी प्रिस्क्रिप्शन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 11 सितम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'रोल आफ मीडिया इन मेनस्ट्रीमिंग ऐंड इनहांसिंग वुमन'स पालिटिकल पार्टिसिपेशन – द वे अहेड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एम.सी. पाल ने 13–14 मार्च 2009 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन पालिसी ऐंड प्रेक्टिस : इमर्जिंग सेनारियो' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 12 मार्च 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'डज ट्रस्ट हैव ए हिस्ट्री' विषयक बैठक में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 7 मार्च 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'फोकल पाइन्ट आफ डिस्कशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 7 मार्च 2009 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'द पालिटिक्स आफ एक्सपिरिअन्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 23 जनवरी 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'नेताजी सुभाष कमिमोरेटिव लैक्चर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 15 जनवरी 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल जस्टिस इन इण्डिया : थीअरि मूवमेंट, इंस्टीट्यूट इंस्टीट्यूशन ऐंड पालिसी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 17 जनवरी 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस ऐंड इस्लामिक इकोनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. पाल ने 14–16 जनवरी 2009 को नई दिल्ली में आयोजित 'राइटिंग द नार्थईस्ट न्यूज पर्सपेक्टिव' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 18 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'कंज्यूमर प्रोटेक्शन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 28 नवम्बर 2008 को नई दिल्ली में 'इम्बेडिंग न्योलिबलिज्म इन ए पोस्टनिओलिबरल वर्ल्ड : द रोल आफ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. पाल ने 19–20 नवम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'हिन्दू नेशनलिस्ट आर्गेनाइजेशंस इन सोशल ऐंड पालिटिकल कंटेक्स्ट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 14 नवम्बर 2008 को नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अजय कुमार ने 4 दिसम्बर 2008 को कंफेडरेशन आफ इण्डियन इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया'स डेमोग्राफिक डिप्लोमा : टैलेंट चैलेंजिस फार सर्विसिस सैक्टर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रोल आफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज इन प्रमोटिंग लाइफलांग लर्निंग टु मीट द टैलेन्ट चैलेंजिस फार द सर्विसिस सैक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार ने 18–20 फरवरी 2009 को नेशनल टेस्टिंग सर्विस इण्डिया (सीआईआईएल, मैसूर और केएचएस, आगरा) द्वारा आईआईएमसी, नई दिल्ली में आयोजित 'टेस्टिंग ऐंड इवैल्युएशन (हिन्दी)' विषयक तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग तथा 'ट्राइबल लैंग्यूवेज्स/मदर टंग ऐंड लिट्रेसी एज्यूकेशन इन रूरल प्राइमरी स्कूल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 4 अप्रैल 2008 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोयडा में 'यूनियन बजट 2008–09' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 12–16 मई 2008 को तुरिन विश्वविद्यालय, इटली में 'फ्राम द मार्शल प्लान टु द डब्ल्युटीओ : एन ओवरव्यू आफ द इवोल्युशन आफ द पालिटिकल इकोनामी आफ द वर्ल्ड सिन्स डब्ल्युडब्ल्यु II' विषयक चार व्याख्यान दिए।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 19 मई 2008 को वियना इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल इकोनामिक स्टडीज 'इण्डियन इकोनामिक रिफार्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 31 जुलाई से 1 अगस्त 2008 को एशियन कालेज आफ जर्नलिज्म, चेन्नई में 'इंटरनेशनल फाइनेन्स ऐंड इंडिया' विषयक 2 व्याख्यान दिए।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 18 सितम्बर 2008 को सीबीएसएल, कोलम्बों में 'फाइनेंशल लिबरलाइजेशन ऐंड मैक्रोइकोनामिक पालिसी : द इण्डिया एक्सपिरिअन्स' विषयक श्रीलंका के केन्द्रीय बैंक का मासिक विशेष व्याख्यान दिया।

- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 19 सितम्बर 2008 को श्रीलंकन इकोनामिक एसोसिएशन के वार्षिक सत्र में 'इंफ्लेशन प्रोडक्टिविटी ऍंड ग्रोथ' विषयक मुख्य व्याख्यान दिए।
- दीपक नैय्यर ने 23 फरवरी 2009 को वर्ल्ड इंस्टीट्यूट फार डिवलपमेंट इकोनामिक रिसर्च, हेल्सिंकी में 'डिवलपिंग कंट्रीज इन द वर्ल्ड इकोनामी : द फ्युचर इन द पास्ट' विषयक 'वाइडर' वार्षिक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 12 मई 2008 को पेंगुइन इण्डिया और आक्सफोर्ड बुक स्टोर द्वारा आक्सफोर्ड बुक स्टोर, कनाट प्लेस, नई दिल्ली में आयोजित 'टु अपहोल्ड द वर्क : द मैसेज आफ अशोक ऍंड कौटिल्य फार द टवेन्टी फर्स्ट संचुरी शीर्षक ब्रूस रिच विषयक पुस्तक विमोचन के अवसर पैनल परिचर्चा में व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 26 मई 2008 को फोरम आफ आर्टिस्ट्स, कल्चरल एक्टिविस्ट्स ऍंड इंटेलेक्चुअल्स द्वारा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट हाल, कोलकाता में आयोजित बैठक में 'नन्दीग्राम ऍंड अटैक आन डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 29 जून 2008 को गुड़गांव में 'अखिल भारतीय कृषक खेत मजदूर संगठन की राज्य स्तरीय बैठक में 'सेज ऍंड द करंट इकोनामिक सिचुएशन आफ द मार्जिनेलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 30 जून 2008 को सेंटर फार पब्लिक पालिसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हायर एज्यूकेशन पालिसी आप्शंस' विषयक गोलमेज सम्मेलन में 'एक्सिस ऍंड इक्विटी इन हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 8 जुलाई 2008 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूथ वर्क' विषयक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में 'इण्डियन इकोनामी : कंसेप्ट्स ऍंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 9 जुलाई 2008 को इंटरकल्चरल रिसोर्सिस द्वारा आयोजित 'इवोल्युशन आफ ए मिक्स्ड इकोनामी ऍंड ग्लोबलाइजेशन आफ द इण्डियन इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 11 जुलाई 2008 को अर्थशास्त्र विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 'चैलेंजिंग फेसिंग हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 14 जुलाई 2008 को इंटरकल्चरल रिसोर्सिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'न्योलिबरलिज्म ऍंड कैपटेलिज्म ऍंड देयर सोशल फेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 2 अगस्त 2008 को साउथ एशियन डायलाग फार एनवायरनमेंटल डेमोक्रेसी, नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित 'पीपल'स रसिस्टेन्स इन नियामगिरि' विषयक कार्यशाला में 'डिसप्लेसमेंट ऍंड पीपल इन इण्डिया : इश्यूज इनवाल्व्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 13 अगस्त 2008 को आल इण्डिया डेमोक्रेटिक स्टूडेन्ट्स आर्गेनाइजेशन द्वारा टैगोर हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'नालेज कमीशन रिपोर्ट' अखिल भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नेशनल नालेज कमीशन : प्रोपेगेटिंग एन एलिटिस्ट व्यू आफ हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 11 सितम्बर 2008 को शंघाई अकादमी आफ सोशल साइंसिस, शंघाई, चीन में 'करंट इकोनामिक सिचुएशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 23 सितम्बर 2008 को सेंट स्टीफंस कालेज में 'द ब्लैक इकोनामी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 10 नवम्बर 2008 को एआरएसडी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द करंट ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस' विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 16 नवम्बर 2008 को अखिल भारतीय कर्मचारी संगठन द्वारा रामलीला मैदान में आयोजित 'ग्लोबल फाइनेंशल क्राइसिस : काजिस, कल्प्रिट्स इम्पैक्ट रैमिडीज ऍंड टास्क्स' विषयक संगोष्ठी में 'द करंट ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 26–27 नवम्बर 2008 को आइकोंगो और एनएनएफआई द्वारा गांधी दर्शन में आयोजित 'सिटिजन एक्शन फार इलैक्टोरल रिफार्म्स ऍंड गुड गवर्नेंस' विषयक संगोष्ठी में 'इलैक्शंस इन इण्डिया ऍंड द ब्लैक इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 4 दिसम्बर 2008 को रिसचर्स आफ गुजरात, अहमदाबाद द्वारा आयोजित परिचर्चा में 'द करंट ग्लोबल

इकोनामिक क्राइसिस : सम एनालिटिकल आस्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- अरूण कुमार ने 4 दिसम्बर 2008 को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग द करंट ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 24 दिसम्बर 2008 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर और वर्किंग ग्रुप आन अल्टरनेटिव स्ट्रेटजीस द्वारा आईआईसी में आयोजित 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस : इम्पैक्ट आन इण्डिया ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन द पुअर इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 17 जनवरी 2009 को अखिल भारतीय बैंक अधिकारी संध, महाराष्ट्र मुम्बई के 7वें सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में 'ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस ऐंड इम्पैक्ट आन इण्डिया ऐंड इट्स सर्विसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 3 फरवरी 2009 को मैत्रेयी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ग्लोबल फाइनेंशल क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने 24 मार्च 2009 को चर्च'स आक्जिलरी फार सोशल एक्शन (सीएएसए) द्वारा ब्यावर, राजस्थान में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में 'द ग्लोबल इकोनामिक क्राइसिस ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन द डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने जनवरी 2009 में अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में 'रेग्युलेशन ऐंड कम्पीटिशन' विषयक दो व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने फरवरी 2009 में सेंटर फार इकोनामिक पालिसी ऐंड पब्लिक फाइनेन्स, एशियन डिवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट और प्रातिची ट्रस्ट द्वारा पटना में आयोजित प्रोफेसर अमृत्यसेन जन व्याख्यान में बिहार पास्ट, प्रजेंट ऐंड फ्यूचर विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 1 जुलाई 2008 को द स्टडी इन इण्डिया प्रोग्राम आफ द यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद, द नार्डिक काउंसिल में 'आइडेंटिटी इश्यूज : कास्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 24 सितम्बर 2008 को आईजीआईडीआर, मुम्बई में 'कास्ट ऐंड क्लास इन उत्तर प्रदेश, 1901–1931 : लेसन्स फार द पालिसी आफ कास्ट बेस्ड रिजर्वेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 2 जनवरी 2009 को अर्थशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'पालिटिकल इकोनामी आफ कास्ट इन नार्दन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 21–23 जनवरी 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'इश्यूज इन मैक्रोइकोनामिक्स' और 'इश्यूज इन हैल्थ इकोनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- प्रदीप्त चौधरी ने 30 मार्च 2009 को सेंटर फार हिस्टोरिकल रिसर्च, ईएचईएसएस, पेरिस में 'कास्ट ऐंड इकोनामिक स्टेटस इन नार्दर्न इण्डिया 1901–1931' विषयक व्याख्यान दिया।
- विकास रावल ने 10 फरवरी 2009 को क्वीन एलिजाबेथ हाउस, यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड में 'प्रोडक्शन रिलेशंस ऐंड हाउसहोल्ड इनकम्प्स इन रूरल इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विकास रावल ने 19 फरवरी 2009 को स्कूल आफ ओरिएन्टल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लंदन में 'सम आस्पेक्ट्स आफ हाउसहोल्ड इनकम्स इन रूरल इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विकास रावल ने 27 फरवरी 2009 को डिवलपमेंट स्टडीज डिपार्टमेंट, यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट एंज्लिया में 'सम आस्पेक्ट्स आफ हाउसहोल्ड इनकम्स इन रूरल इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. जैने ने 22 दिसम्बर 2008 को द वैल्थ क्रिएटरस फॉर्म फार इकोलाजिकल रिस्पांसिबिलिटी और एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट (सीईडी, फिनलैण्ड) गांधी पीस फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'द कंटूर्स आफ इकोलाजिकल इकोनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. जैने ने 3–5 नवम्बर 2008 तक अन्तरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में 'हिंद स्वराज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. जैने ने 31 मई 2008 को जादवपुर विश्वविद्यालय में 'रूल्स, लाज ऐंड इंस्टीट्यूशंस' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर.पी. सेनगुप्ता ने 6 फरवरी 2009 को बंगाल इकोनामिक एसोसिएशन में 'एनर्जी इक्विटी ऐंड इंक्लुसिव इकोनामिक ग्रोथ आफ इण्डिया' विषयक वार्षिक सम्मेलन में डा. एस.एन. सेन स्मारक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सेनगुप्ता ने 5 दिसम्बर 2008 को प्रिंसिटन एनवायरनमेंटल इंस्टीट्यूट, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, यूएसए में 'हाई इकोनामिक ग्रोथ, इक्विटी ऐंड सस्टेनेबल एनर्जी डिवलपमेंट आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सेनगुप्ता ने 2 दिसम्बर 2008 को ब्रेन स्कूल आफ एनवायरनमेंटल साइंस ऐंड मैनेजमेंट, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, शान्ता बारबरा, यूएसए में 'हाई इकोनामिक ग्रोथ, इक्विटी ऐंड सस्टेनेबल एनर्जी डिवलपमेंट आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सेनगुप्ता ने 25 नवम्बर 2008 को 'बिफोर सेंटर फार साइंस ऐंड इंटरनेशनल अफेयर्स (एनर्जी टेक्नोलाजी इनोवेशन पालिसी (ईटीआईपी) ग्रुप) केनेडी स्कूल आफ गवर्नमेंट, हारवर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए में 'इश्यूज आफ सस्टेनेबल एनर्जी डिवलपमेंट आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- आर.पी. सिंह ने 3–4 नवम्बर 2008 को दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – विशेष सहायता कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रायोजित :
  - डायलाग, डायलेटिक ऐंड डिकंस्ट्रक्शन
  - माडर्न ऐंड पोस्टमाडर्न फिलास्फिकल क्वेस्ट विषयक व्याख्यान दिए।
- ओइनम भगत ने 13–15 मार्च 2009 को एनईआईएसपी, जेएनयू और सेंटर फार मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल द्वारा आयोजित 'वुमन इन ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशंस ऐंड वर्ल्डव्यूज' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- ओइनम भगत ने 7 फरवरी 2009 को गांधी पीस फाउंडेशन द्वारा जीपीएफ, नई दिल्ली में आयोजित 'पीस इज इसेसनल फार डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी व कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- ओइनम भगत ने 6 फरवरी 2009 को देव समाज कालेज फार वुमन, फिरोजपुर द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग फिलास्फी इन द टाइम्स आफ वार डेमोक्रेसी ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक आईसीपीआर प्रायोजित व्याख्यान दिया।
- ओइनम भगत ने 2 फरवरी 2009 को हेनरिक बोल स्टिफटंग, नई दिल्ली आफिस में 'नार्थईस्ट इंडिया' विषयक गोलमेज में मुख्य आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत ने 17–19 दिसम्बर 2008 को दर्शनशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'ग्रीक इपिस्टेमोलाजी ऐंड एथिक्स' विषयक 6 व्याख्यान दिए।

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- बलवीर अरोड़ा ने 17 अप्रैल 2008 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय में दक्षिणी सूडान के राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'इण्डियन पालिटिकल सिस्टम : स्ट्रक्चर्स ऐंड प्रोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 12 जून 2008 को साइंसिस पो इंस्टीट्यूट आफ पालिटिकल स्टडीज, पेरिस में पर्सिटेन्ट एन्टोगोनिज्म इन द इण्डियन यूनियन : ए फेडरलिस्ट रीडिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 13 जून 2008 को Les Grand Enjeux Internationaux के साप्ताहिक कार्यक्रम में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इण्डो–यूएस रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 13 अगस्त 2008 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में एशियान राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'द इण्डियन पालिटिकल सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 19 अगस्त 2008 को नई दिल्ली में निहोन फुकुशी यूनिवर्सिटी विजिटिंग स्कालर, नगोया को 'इण्डियन फेडरलिज्म ऐट वर्क : इमर्जिंग ट्रेन्ड्स ऐंड चैलेंजिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 20 अगस्त 2008 को यूरोपीय आयोग, नई दिल्ली में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट : इण्डिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन' विषयक परिचर्चा में 'यूरोप ऐंड इंडिया : स्ट्रेटजीस फार रिसिप्रोकल नालेज' विषयक व्याख्यान दिया।

- बलवीर अरोड़ा ने 11 नवम्बर 2008 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में राजनयिकों के लिए 46वें व्यावसायिक पाठ्यक्रम में 'द इण्डियन पालिटिकल सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 9 जनवरी 2009 को सेंटर फार फेडरल स्टडीज, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी और फोरम आफ फेडरेशंस में नेपाल पब्लिक आफिसिअल्स के लिए कम्पीटेंस डिवलपमेंट प्रोग्राम में 'इंटर–गवर्नमेंटल रिलेशंस : थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 16 जनवरी 2009 को गृह मंत्रालय, विज्ञान भवन एनेकसी में 'इंटरगवर्नमेंटल रिलेशंस इन फेडरल कंट्रीज, फोरम आफ फेडरेशंस ग्लोबल डायलाग ऐंड इंटर स्टेट काउंसिल' विषयक कार्यशाला में 'एक्जिक्युटिव मकेनिज्म आफ इंटरगवर्नमेंटल इंटरएक्शंस : फार्मल ऐंड इनफार्मल' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 12 फरवरी 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 47वें व्यावसायिक पाठ्यक्रम में 'द इण्डियन पालिटिकल सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 16 फरवरी 2009 को कमला नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'अफरमेटिव एक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 9 जनवरी 2009 को राष्ट्रीय रक्षा कालेज में 'द कंसेप्ट आफ नेशन स्टेट ऐंड इट्स रिलिवेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 2009 में सेंटर फार फेडरल स्टडीज, हमदर्द यूनिवर्सिटी में 'द कंसेप्ट आफ मल्टिकल्चरलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- एस. भल्ला ने 16–25 अक्टूबर 2008 को आईएएसआरआई, नई दिल्ली में 'प्राइस ट्रेन्ड्स ऐंड मार्किट इंटिग्रेशन' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'मार्किट कोइंटिग्रेशन : थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.एस. बुटोला ने 26 मई 2008 को प्रिंसिपल आर्मी पब्लिक स्कूल सदर बाजार रोड, दिल्ली कैंट द्वारा सेवारत शिक्षकों के लिए सोशल साइंसिस एनसीटी 2005 के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करने और 'इनडेवर' विषय पर स्कूलों में टीचिंग एनवायरनमेंटल स्टडीज के पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- बी.एस. बुटोला ने 7 अगस्त 2008 को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अकादमिक स्टाफ कालेज में 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट बायोडायवर्सिटी, हाट स्पाट्स ऐंड वाइल्ड लाइफ कंजरवेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.एस. बुटोला ने 14–17 नवम्बर 2008 को द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ एशिया द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'हैल्थ ऐज गवर्नमेंटेलिटी : डिकंस्ट्रक्टिंग द मिथ आफ गुड हैल्थ इन ए केस स्टडी आफ द नार्थ–ईस्टर्न रीजन आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.एस. बुटोला ने 4 दिसम्बर 2008 को भूगोल विभाग, नेहू, शिलांग में 'बायोपालिटिक्स ऐंड टाइम ऐज ए पालिटिकल टेक्नोलाजी टूल' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी. दास ने 19 दिसम्बर 2008 को 'इंट्रोडक्शन टु पाप्यूलेशन स्टडीज ऐंड डेमोग्राफी इन ट्रेनिंग आफ रिसोर्स पर्शन आन रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. दास ने 16 दिसम्बर 2008 को सीएसडी में 'ओवरव्यू आफ ग्राफिक इंफार्मेशन सिस्टम ऐंड रिमोट सेंसिंग इन ट्रेनिंग आफ रिसोर्स पर्सन आन रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. दास ने 19 दिसम्बर 2008 को सीएसडी में 'डेमोग्राफिक मेथड्स इन ट्रेनिंग आफ रिसोर्स पर्सन आन रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. दास ने 19 दिसम्बर 2008 को सीएसडी में 'स्टेटिस्टिकल मेथड्स यूजिंग एसपीएसएस इन ट्रेनिंग आफ रिसोर्स पर्सन आन रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. दास ने 7 फरवरी 2009 को आईआईआरएस देहरादून में 'रिसोर्सिस ऐंड रिसर्च एक्टिविटीज इन रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस' सीएसआरडी, जेएनयू टुवर्डस जिओग्राफी ऐंड रीजनल डिवलपमेंट एसएसी, आईएसआरओ' विषयक व्याख्यान दिया।

- ए. दुबे ने मार्च 2009 में वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा आयोजित 'पावर्टी : असेसमेंट ऐंड पालिसी इश्यूज इन रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- ए. दुबे ने 24 दिसम्बर 2008 को आईएसएस अधिकारियों के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 'एक्सक्लुसिव ग्रोथ इंक्लुसिव इनइक्वैलिटी, रोल आफ एज्यूकेशन ऐंड इंप्लायमेंट इन मीडिल लेवल' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. दुबे ने 13 फरवरी 2009 को लिंग राज कालेज, बेलगांव में 'स्टेटिस्टिकल टेक्नीक्स इन मैनेजमेंट, सोशल ऐंड बायोलाजिकल साइंसिस' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य व्याख्यान दिया।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 16 फरवरी 2009 को गोखले इंस्टीट्यूट आफ पालिटिक्स ऐंड इकोनामिक्स, पुणे में 'शेपिंग इण्डिया'स पाप्यूलेशन पालिसी ऐंड प्रोग्राम : इंटर्नल फैक्टर्स ऐंड एक्सटर्नल इंफ्लुएन्सिस' विषयक द्विभाषी पब्लिक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 18 जून 2008 को रिसर्च स्कूल आफ पेस्फिक ऐंड एशियन स्टडीज और कालेज आफ एशिया ऐंड द पेस्फिक, द आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा में साउथ एशिया पब्लिक लैक्चर श्रृंखला में 'बियांड हाई ग्रोथ : डिवलमेंट ऐंड जेंडर्ड डिस्कोर्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 7 जुलाई 2008 को डिपार्टमेंट आफ ह्युमन जिओग्राफी, रिसर्च स्कूल आफ पेस्फिक ऐंड एशियन स्टडीज, द आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा में डिसएपियरिंग डाटर्स : प्लानिंग फैमिलीज, प्लानिंग जेंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 10 जुलाई 2008 को भूगोल विभाग, वैकाटो विश्वविद्यालय, न्यूजीलैण्ड में 'कंटेक्सचुअलाइजिंग द मस्कुलिन चाइल्ड सैक्स रेशियो : द प्रोजेक्ट आफ माडर्निटी ऐंड रिकोनफिगर्ड चाइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 6 फरवरी 2009 को एनएमसीसी भारत में 'ए स्टडी आफ इ–रीडिंग्स ऐंड टोटल फैक्टर प्रोडक्टिविटी ग्रोथ आफ सेंट्रल पीएसई'स इन द मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सेन ने 4 जुलाई 2008 को टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाटर ग्रुप, नई दिल्ली में 'वाटरशेड प्रोग्राम्स इन इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार गवर्नेन्स ऐंड इंस्टीट्यूशंस – बिल्डिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. शर्मा ने 17 नवम्बर 2008 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार में 'हिमालयन ग्लेशियर स्टडीज : एन ओवरव्यू' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. शर्मा ने 12 दिसम्बर 2008 को गवर्नमेंट आफ सिक्किम कमीशन आन ग्लेश्यिर ऐंड क्लायमेंट चेंज, गंगटोक में 'ग्लेश्यिर इन सिक्किम : जिओमार्फोलाइजिकल इविडेंसिस आफ द पास्ट ट्रेन्ड्स ऐंड फ्युचर प्रास्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच. सिंह ने 18 अगस्त 2008 को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में 'इकोलाजी, इकोसिस्टम ऐंड सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच. सिंह ने 18 अगस्त 2008 को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में 'हिमालय–एनवायरनमेंट ऐंड सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच. सिंह ने 24 सितम्बर 2008 को स्टाकहोम यूनिवर्सिटी स्वीडन में 'एनवायरमेंट ऐंड सोसायटी इन हिल एरियाज आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच. सिंह ने 27 मार्च 2009 को भूपरा विश्वविद्यालय, थाईलैण्ड में 'ग्लोबलाइजेशन जेएनयू रिसर्च ऐंड अकादमिक सेट–अप ऐंड कलोबरेशन एरियाज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. श्रीकेश ने 2008 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधंन समिति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फ्लड रिस्क मिटिगेशन ऐंड मैनेजमेंट' विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 'फ्लड इन इण्डिया : काजिस ऐंड कंसर्न्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. श्रीवास्तव ने 30 मार्च – 2 अप्रैल 2009 को रोम में 'जेंडर ऐंड रूरल इंप्लायमेंट : डिफ्रेंसिएटिड पाथवेज आउट आफ पावर्टी' विषयक इंटरनेशनल एफएओआईएलओ – आईएफएडी कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- एम.डी. विमूरी ने 19 सितम्बर 2008 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में 'डाटा एनालिसिस फार फीडबैक ऐंड एक्शन' विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया।

- बी. जुत्शी ने 24 नवम्बर 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के अनुशीलन कार्यक्रम में 'टेपिंग रिसोर्सिस आफ सीनियर सिटीजन्स, अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी. जुत्शी ने 25 अगस्त 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा अकादमिक स्टाफ कालेज जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए अनुशीलन पाठ्यक्रम में 'सीनियर सिटिजन इन इण्डिया : चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज फार टेपिंग देयर रिर्सोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी. जुत्शी ने 14 मई 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा अकादमिक स्टाफ कालेज जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए अनुशीलन पाठ्यक्रम में 'ह्युमन राइट्स ऐंड डिफ्रेंटली एबल्ड पाप्यूलेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी. जुत्शी ने 25 अप्रैल 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए अनुशीलन पाठ्यक्रम में 'सीनियर सिटिजन्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- योगेन्द्र सिंह ने नवम्बर 2008 में आल इण्डिया सोशियोलाजिकल कांफ्रेंस, यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित 'सोशल प्राक्सिस कंसेप्चुअल कैटेगरी ऐंड सोशल चेंज : आबजर्वेशन फ्राम ए विलेज' विषयक प्रोफेसर एमएन श्रीनिवास स्मारक व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 19–20 जुलाई 2008 को सिओल, दक्षिण कोरिया में 'इमेजिंग रेस ऐंड हेगमनी इन एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'एलियन कंसेप्ट्स ऐंड एशियन रीएलिटी : सिचुएटिंग रेस, कास्ट ऐंड एथनिसिटी' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 28 जुलाई 2008 को बेरघोट फाउन्डेशन फार कंफ्लिक्ट स्टडीज, श्रीलंका में 'स्टेट ऐंड नेशन इन 21ट संेचुरी एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 22 अक्टूबर 2008 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन' विषयक प्रसिद्ध व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 5 नवम्बर 2008 को इंस्टीट्यूट आफ पार्लियामेंट्री स्टडीज, त्रिवेन्द्रम में 'स्टेटस ऐंड सोसायटीज इन साउथ इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिजीम टाइप्स ऐंड डिवलपमेंट ट्रांजेक्ट्री' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 21 नवम्बर 2008 को कोचीन में केरला सोसिओलाजिकल सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में 'यूथ ऐंड डिवलपमेंट' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 26 नवम्बर 2008 को समाजशास्त्र विभाग, नेहू, शिलांग में 'सोशल चेंज इन नार्थईस्ट इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेथडोलाजिकल इश्यूज इन एनालाइजिंग सोशल चेंज नार्थईस्ट इण्डिया' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 10 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय में 'इंपावरमेंट माडल्स आफ वुमन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इलिमिनेटिंग डोमेस्टिक वायलन्स एन इम्प्रेटिव फार इंपावरमेंट आफ वुमन' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 27 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इमर्जिंग रूरल क्राइसिस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द बिगनिंग्स आफ रूरल क्राइसिस इन इण्डिया' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- टी.के. ऊमन ने 30 मार्च 2009 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 'आन द हिस्टोरिकली आफ एक्सक्लुजन ऐंड द इम्प्रेटिव्स आफ इनक्लुजन' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- दीपांकर गुप्ता ने अगस्त 2008 में इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 'द लिबरल कंटीनेंट आफ अहिंसा' विषयक राजीव कपूर स्मारक व्याख्यान दिया।

- नन्दू राम ने नवम्बर 2008 में सेंटर फार द स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पालिसीज, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, बाम्बे में 'सोशल एक्सक्लुजन' विषयक संगोष्ठी में 'सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन : मेथड्स टु स्टडी' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- नन्दू राम ने 24 मार्च 2009 को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में संगोष्ठी में 'सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन : कंसेप्ट्स ऐंड मेथड्स' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- नन्दू राम ने सितम्बर 2008 में सेंटर फार सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पालिसी, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद में 'सोशल एक्सक्लुजन : कंटिन्यूटी ऐंड चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 10 अप्रैल 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'सोसिओलाजिकल अप्रोच टु एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 21 अप्रैल 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'एज्यूकेशन सोशल चेंज ऐंड माडर्नाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 22 अप्रैल 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'एज्यूकेशन अपरच्युनिटीज ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 8 मई 2008 को को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'एज्यूकेशन ऐंड ह्यूमन राइट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 30 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, कश्मीर विश्वविद्यालय में 'फाम्युलेशन आफ रिसर्च डिजाइन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 1 जुलाई 2008 को इण्डियन सोशल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में 'न्यू फार्म्स आफ सोशल एक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 7 जुलाई 2008 को वी.वी. गिरि श्रम संस्थान, नोयडा में 'लिमिट्स टु मेथड' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 4 दिसम्बर 2008 को कमला नेहरू कालेज, नई दिल्ली में 'गांधी ऐंड जेंडर क्वेश्चन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 10 दिसम्बर 2008 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में 'फिलोस्फी आफ सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 29 जनवरी 2009 को एनयूवीईए नई दिल्ली में 'कोर आइडियल्स आफ एज्यूकेशन ऐंड कंटेम्पोररि टाइम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 27 फरवरी – 1 मार्च 2009 को एथनोग्राफिक ऐंड फोक कल्चर सोसायटी, यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ द्वारा आयोजित 'टुवर्डस जेंडर इक्विटी इन इण्डिया : रिफ्लेक्शंस आन ट्राइबल ऐंड दलित वुमन' विषयक संगोष्ठी में 'इश्यूज ऐंड चैलेंजिस टु द इंपावरमेंट आफ दलित ऐंड ट्राइबल वुमन' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 25–27 सितम्बर 2008 को द सोसियोलाजी यूनिट, इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली, डिपार्टमेंट आफ ह्यूमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस, आईआईटी दिल्ली और डिपार्टमेंट आफ सोसियोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली द्वारा आईआईटी दिल्ली में आयोजित 'मैरिज इन ग्लोबलाइजिंग कंटेक्स्ट्स : एक्सप्लोरिंग कंटिन्युटी ऐंड चेंज इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'डाइवोर्स, रि मैरिज ऐंड विडोहुड' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- तिपलुत नोंगब्री ने 27 फरवरी – 1 मार्च 2009 को एथनोग्राफिक ऐंड फोक कल्चर सोसायटी द्वारा लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ में आयोजित 'जेंडर इक्वैलिटी इन इण्डिया : रिफ्लेक्शन आन ट्राइबल ऐंड दलित वुमन' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया तथा 'वुमन ऐंड वायलन्स' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- मैत्रेयी चौधरी ने 16 सितम्बर 2008 को कमला नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'अंडरस्टेंडिंग जेंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने जुलाई 2008 में काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के अनुशीलन पाठ्यक्रम में 'जेंडर ऐंड इण्डियन सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।

- मैत्रेयी चौधरी ने 27 मई 2008 को ओहियो यूएसईएफआई, दिल्ली में विजिटिंग प्रोफेसर की बैठक में 'कल्चर इन ए ग्लोबलाइजिंग इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 28 फरवरी 2009 को भीमताल में अकादमी आफ इलैक्ट्रानिक आर्ट्स के सम्मेलन में 'इंटरनेट ऐंड पैडागागी (डा. रतन रमन के सहयोग से)' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 16 सितम्बर 2008 को मिराण्डा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एनालाइजिंग द प्रिज्म आफ प्रिजुडिस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 10 मार्च 2009 को कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल में 'फारेस्टर्स, रिसोर्स कंफिलक्ट्स ऐंड एडेप्टेशंस' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 15 दिसम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया, यूएसए में 'स्टेट, पालिटिक्स ऐंड द रिप्रोडक्शन आफ कास्ट : द मेकिंग आफ दलित पालिटिकल एजेंसी इन पंजाब इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 10 अगस्त 2008 को राफ्तो फाउंडेशन, बर्जिन, नार्वे में 'पावर्टी ऐंड ह्युमन राइटिज्म' विषयक गोलमेज में व्याख्यान दिया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 7 अगस्त 2008 को यूनिवर्सिटी आफ लीड्स, लीड्स यू.के. में सोशल मूवमेंट्स फोर सोशल चेंज कंटेम्पोरॅरि इण्डिया : द रिव्यू आफ लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने मई 2008 में यूनिवर्सिटी आफ एस ओरेगन, यूएसए में 'अर्बन इण्डियन वुमन : स्प्रिचुएलिटी ऐंड सेक्सचुएलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने जुलाई 2008 में यूनिवर्सिटी आफ सेंट्रल फ्लोरिडा, यूएसए में 'मैनी निर्वाव्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने नवम्बर 2008 में 'समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'बुद्धिज्म : साइंस आफ माइन्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 26 नवम्बर 2008 को मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'चेंजिंग पैराडिग्म्स इन द स्टडी आफ ट्राइब्स' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया तथा 'जेंडर इन ट्राइबल सोसायटीज' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- वी. सुजाता ने 27–28 अगस्त 2008 को नेशनल हैल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर, गवर्नमेंट आफ इण्डिया द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'फील्ड मेथड्स इन हैल्थ रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 14 अप्रैल 2008 को ओ.एन.जी.सी. कर्मचारी कल्याण संघ, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा आयोजित 'अम्बेडकर द नेशनल बिल्डर' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 10 जून 2008 को स्कूल आफ सोशल वर्क, लोवोला यूनिवर्सिटी, शिकागो, यूएसए में वीडियो कांफ्रेसिंग पर 'सोशल डिवलपमेंट ऐंड प्लानिंग इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 30 अगस्त 2008 को कास्ट वाच यू.के. ऐस्टोन यूनिवर्सिटी, ब्रमिंघम, यू.के. द्वारा आयोजित 'कास्ट ऐंड सोशल कोहिज्म इनगेजिंग विद कम्यूनिटी' विषयक सम्मेलन में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 28 सितम्बर 2008 को प्रबुंद्ध वर्ग समाज, बरेली कालेज, बरेली द्वारा आयोजित 'बाबा साहेब अम्बेडकर ऐंड सोशल मूवमेंट्स इन 21ट सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 9 नवम्बर 2008 को बामसेफ टीचर'स विंग, नागपुर द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इण्डियन एज्यूकेशन पालिसी ऐंड सोशल जस्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 6 जनवरी 2009 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ लर्निंग मैनेजमेंट, नई दिल्ली में 'इण्डियन सोसायटी मार्किट ऐंड मैनेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 7 जनवरी 2009 को कांशीराम चेयर, डिपार्टमेंट आफ सोशल वर्क, यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ, लखनऊ द्वारा आयोजित 'इसेंसल्स आफ कांशीराम'स सोशल ऐंड पालिटिकल मूवमेंट' विषयक कांशीराम स्मारक व्याख्यान दिया।

- विवेक कुमार ने 8 जनवरी 2009 को सेंटर फार सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पालिसी, बाबा साहेब अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ में 'कंटेक्चुअलाइजेशन आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इवोल्विंग पालिसी आफ इनक्लुजन' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 23 जनवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'टुवर्डस ए सोसिओलाजिकल डेफिनेशन आफ द टर्म दलित' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 26 फरवरी 2009 को एस.सी./एस.टी. टीचर्स एसोसिएशन, विश्वेश्वराय इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 'डायनेमिक्स आफ शैडयूल्ड कास्ट ऐंड शैडयूल्ड ट्राइब (रिजर्वेशन ऐंड सीट्स) बिल 2008' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 4 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'दलित स्टेटस : कंटिन्यूटी ऐंड चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 24 मार्च 2009 को समाजशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित 'टीचिंग हिन्दू सोशल आर्डर : ए क्रिटिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 28 मार्च 2009 को नेशनल कंफिडरेशन आफ दलित आर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्राइवेट सैक्टर रिजर्वेशन ऐंड डेमोक्रेसी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 31 अक्टूबर – 1 नवम्बर 2008 को शहीद सुखदेव कालेज आफ बिजनेस स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इनोवेटिंग चेंज' विषयक सम्मेलन में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड लांग टर्म ग्रोथ' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- हरीश नारायणदास ने अक्टूबर 2008 में साउथ एशियन स्टडीज प्रोग्राम, यूनिवर्सिटी आफ लोवा में 'द बायोमेट्रिअलाइजेशन आफ मेडिसिन' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरीश नारायणदास ने अक्टूबर 2008 में इतिहास विभाग, लोवा विश्वविद्यालय में 'द फुल फर्निश्ड हाउस एटाप द हिल : रिलीफ ऐज शांता'स डावरी टु नेबर'स सन' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरीश नारायणदास ने अक्टूबर 2008 में इतिहास विभाग, लोवा विश्वविद्यालय में 'रि–एक्जाम्निंग डिजास्टर, रिकवरी ऐंड रिकंस्ट्रक्शन : नोट्स आन द सुनामी' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरीश नारायणदास ने दिसम्बर 2008 में साउथ एशियन इंस्टीट्यूट और कार्ल जेस्पर सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ हिडलबर्ग में आफ स्प्रिट्स सेंटेंस, माइन्ड्स ऐंड बाडीज : द बायो – मेट्रिअलाइजेशन आफ मेडिसिन ऐंड द एसिमेट्रिकल प्रोडक्शन आफ प्लुरलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरीश नारायणदास ने दिसम्बर 2008 में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट और कार्ल जेस्पर सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ हिडलबर्ग में 'आफ शास्त्रिक योगम्स ऐंड पालि हर्बल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरीश नारायणदास ने फरवरी 2009 में नेशनल सेंटर फार द बायोलाजिकल साइंसिस, टीआईएफआर, बंगलौर में 'द एभाघौटिक ऐज ए ब्रिज बिटवीन द क्लासिकल ऐंड द फाक इन ट्रेडिशनल इण्डियन नालेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरीश नारायणदास ने मार्च 2009 में आईसीआईसीआई सेंटर फार चाइल्ड हैल्थ ऐंड न्यूट्रिशन, पुणे में 'माडर्न मेडिसिन ऐंड इट्स मिमिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. बिमल अकोइजम ने 31 जनवरी 2009 को एमआरएफ और जामिया रिसर्च स्टुडेंट्स द्वारा जेएमआई, नई दिल्ली में आयोजित 'रिसर्च : आइडियाज, ऐक्ट ऐंड पालिटिक्स आफ राइटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. बिमल अकोइजम ने 12–23 जनवरी 2009 को आईसीएसएसआर, नार्दर्न रीजन द्वारा पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ में आयोजित 'एडवांस क्वालिटेटिव मेथड' विषयक कार्यशाला में 'मेटाफोरिक एनालिसिस आफ सेमिओटिक्स ऐंड कंजर्वेशन एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. बिमल अकोइजम ने 22 दिसम्बर 2008 को टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, मुम्बई में 'द आइडियाज आफ इण्डिया ऐंड नार्थ ईस्ट : पालिटिक्स आफ नालेज ऐंड इट्स रिएलिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।

- ए. बिमोल अकोइजम ने 18 अक्टूबर 2008 को एफआईपीए द्वारा कांगला हिल, इम्फाल में आयोजित '60थ ईयर आफ डेमोक्रेसी इन मणिपुर : कोमिमोरेशन आफ द मणिपुर लेजिस्लेटिव एसेम्बली इन 1949' विषयक संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।
- ए. बिमल अकोइजम ने 19–31 अक्टूबर 2008 को इंटर–कल्चरल रिसोर्सिस, नई दिल्ली और एफआईपीए, इम्फाल द्वारा एफपीए लैक्चर हाल, इम्फाल, मणिपुर, मणिपुर में आयोजित इंटरनेशनल आनर्स प्रोग्राम के लिए 'नेशंस ऐंड आइडेंटिटीज' विषयक व्याख्यान दिए।
- अमित कुमार शर्मा ने 24 दिसम्बर 2008 को कौटिल्य इंस्टीट्यूट पटना में 'फ्राम छठ पूजा गायत्री जपम : कल्चरल डायवर्सिटी इन वर्सिप इन नार्थ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 28 मार्च 2009 को नई दिल्ली में 'महात्मा गांधी ऐंड हिज हिन्द क्रिटिक्स' शीर्षक सत्र में व्याख्यान दिया।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- रोहन डीसूजा ने 22 सितम्बर 2008 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में इतिहास श्रृंखला के सीमान्त में 'डिबेटिंग द नेहरू लिगेसी : फलड कंट्रोल ऐंड मेकिंग आफ माडर्न इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- माधव गोबिन्द ने 26 सितम्बर 2008 को समाजशास्त्र विभाग, एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार में 'साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन रूरल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- माधव गोबिन्द ने 15 अप्रैल 2008 को सेंटर फार डिजास्टर मैनेजमेंट, एलबीएस नेशनल अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में 'साइंटिस्ट्स ऐंड एडमिनिस्ट्रेटिव इंटरफेस : ए सोसिओलाजिकल अंडरस्टेंडिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 24 नवम्बर 2008 को सिंघुवा विश्वविद्यालय, चीन में 'सैक्टोरल सिस्टम आफ इनोवेशन : आईसीटी साफ्टवेयर ऐंड फार्मा सेक्टर इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 24 नवम्बर 2008 को सिंघुवा विश्वविद्यालय, चीन में 'इण्डियन साइंटिफिक कम्यूनिटी कलोनिअल ऐंड पोस्ट–कलोनियल ट्रेन्ड्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 26 नवम्बर 2008 को सिंघुवा विश्वविद्यालय, चीन में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड चेंजिंग सोशल कंट्रेक्ट साइंस ऐंड सोसायटी : सम इंप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 28 नवम्बर 2008 को सिंघुवा विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में 'साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड इनोवेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 30 नवम्बर 2008 को तोंग्जी विश्वविद्यालय, शंघाई, चीन में 'इंटरनेशनलाइजेशन आफ आर ऐंड डी ऐंड ग्लोबल नेचर आफ इनोवेशन : इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 20 फरवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, नंयांग टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर मे 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड चेंजिंग स्ट्रक्चर आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 9 मार्च 2009 को राष्ट्रीय सिंगापुर विश्वविद्यालय में 'चेंजिंग स्ट्रक्चर आफ साइंस ऐज सोशल इंस्टीट्यूशन' विषयक व्याख्यान दिया।

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- के.आर. नायर ने 2 जुलाई 2008 को राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोयडा में 'क्वालिटेटिव मेथड्स इन लेबर रिसर्च' विषयक पाठ्यक्रम में 'क्वालिटेटिव रिसर्च : प्रिंसिपल्स, प्रेक्टिसिस ऐंड प्राब्लम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.आर. नायर ने 25–29, 2008 को इंटरनेशनल समर स्कूल आन इंटरनेशनल पब्लिक हैल्थ, बास्केन्ट यूनिवर्सिटी, अंकारा, टर्की (सह पाठ्यक्रम निदेशक) में 'सोशल डिटर्मिनेंट्स इन हैल्थ, क्वालिटेटिव मेथड्स, पालिसी शिफ्ट्स इन इंटरनेशनल पब्लिक हैल्थ' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 7–8 अप्रैल 2008 को इण्डियन एसोसिएशन आफ सोशल साइंस ऐंड हैल्थ, भुवनेश्वर में 'एमडी'स ऐंड हैल्थ' विषयक 5वें सम्मेलन में 'यूथ इन डिवलपमेंट डिस्कोर्स – सम पब्लिक हैल्थ पालिसीज ऐंड कंसर्न्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- संघमित्रा एस. आचार्य ने 24 सितम्बर 2008 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख, इण्डियाना, यूएस में डिस्क्रिमिनेशन ऍंड हैल्थ : सम इलस्ट्रेशन फ्राम इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 16 अक्टूबर 2008 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख, इण्डियाना, यूएस में 'सोशल स्ट्रेलिफिकेशन ऍंड हैल्थ' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 24 अक्टूबर 2008 को कालेज आफ नर्सिंग, बाल स्टेट हास्पिटल, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख, इण्डियाना, यूएस में 'हैल्थकेयर सर्विसिस इन इण्डिया – सम इश्यूज ऍंड कंसर्न्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 1 नवम्बर 2008 को सेंटर फार मल्टिकल्चरल स्टडीज, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख, इण्डियाना, यूएस में 'सोशल स्ट्रेटिफिकेशन ऍंड हैल्थकेयर एक्सिस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 17 नवम्बर 2008 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख, इण्डियाना, यूएस में 'सोशल इनइक्वैलिटीज इन हैल्थ केयर इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 20 जनवरी 2008 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख इण्डियाना, यूएस में 'हैल्थ सेनारियो इन इण्डियाना' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 23 फरवरी 2009 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख इण्डियान, यूएस में 'हैल्थ ऍंड सैक्सचुएलिटी अमंग यूथ–वाट मेक्स अमेरिकन यूथ डिफ्रेंट फ्राम एशियन' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य ने 22 मार्च 2009 को जान ऍंड जानिक फिशर इंस्टीट्यूट फार वेलनेस ऍंड कम्यूनिटी सेंटर फार वाइटल एजिंग, बाल स्टेट यूनिवर्सिटी, म्युनिख इण्डियाना, यूएस में 'एजिंग इन इण्डिया ऍंड द यूएस – सम पब्लिक हैल्थ इश्यूज ऍंड कंसर्न्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. दासगुप्ता ने 12 जुलाई 2008 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में यूजी और पीजी के मेडिकल छात्रों के लिए क्लिनिकल ऍंड इपिडेमिओलाजिकल रिसर्च मेथड्स और लीडरशिप ट्रेनिंग' कार्यशाला में 'क्वालिटेटिव स्टडी मेथड्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. दासगुप्ता ने 13 सितम्बर 208 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में 'रोल आफ एनजीओ'स इन एनआरएचएम' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. दासगुप्ता ने 23 अक्टूबर 2008 को स्टेट हैल्थ रिसोर्स सेंटर, छत्तीसगढ़ रायपुर में 'नेशनल अर्बन हैल्थ मिशन : पालिसी ऍंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. दासगुप्ता ने 12–13 दिसम्बर 2008 को नेशनल रूरल हैल्थ मिशन, उत्तराखण्ड, देहरादून में 'क्वांटिटेटिव ऍंड क्वालिटेटिव मेथड्स फार डिस्ट्रिक्ट हैल्थ एक्शन प्लानिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. दासगुप्ता ने 17 फरवरी 2009 को हैदराबाद में साउथ एशियन सैकीवाटर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में 'वाटर बार्न डिसिजिस : आउटब्रेक इनवेस्टिगेशन ऍंड मैनेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. दासगुप्ता ने 18 फरवरी 2009 को हैदराबाद में साउथ एशियन सैकीवाटर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में 'वाटर सप्लाई, सैनिटेशन, हाइजिन ऍंड हैल्थ' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुनीता रेड्डी ने 12 मार्च 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में 'हैल्थ केयर फ्राम द ग्रासरूट्स' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- एस. चट्टोपाध्याय ने 6 मई 2008 को आईआईपीए, नई दिल्ली में 'एज्यूकेशन ऍंड डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 30 जुलाई 2008 को नेशनल यूनिवर्सिटी आफ एज्यूकेशनल प्लानिंग ऍंड एडमिनिस्ट्रेशन बैठक में 'आपरेशनलाइजिंग एज्यूकेशनल लोन्स स्कीम ड्यूरिंग द 11थ फाइव ईयर प्लान' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 30 सितम्बर 2008 को नेशनल यूनिवर्सिटी आफ एज्यूकेशनल प्लानिंग ऍंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनयूईपीए) में 'माडल्स आफ एज्यूकेशनल लोन्स स्कीम' विषयक कुलपति के सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

- एस. चट्टोपाध्याय ने 21 नवम्बर 2008 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेन्स ऐंड पालिसी (एनआईपीएफपी) में 'इश्यूज इन पब्लिक फाइनेन्स फार द प्रोबेशनर्स आफ द इण्डियन रिवेन्यू सर्विस (एक्साइज ऐंड कस्टम)' विषयक पाठ्यक्रम में 'कम्पलाइन्स कास्टस : हाऊ टी मेजर ऐंड वाट डू दे मीन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 17 दिसम्बर 2008 को नूपा द्वारा आयोजित विभिन्न केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों में कार्यरत वित्त अधिकारियों/कुलसचिवों/उप कुलसचिवों के लिए प्लानिंग ऐंड मैनेजमेंट आफ यूनिवर्सिटीज फाइनेन्स में 'अल्टरनेटिव सोर्सिस आफ फाइनेसिंग हायर एज्यूकेशन' विषयक अनुशीलन पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 11 दिसम्बर 2008 को इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ फारेन ट्रेड (आईआईएफटी) में 'इकोनामिक ग्रोथ' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 16 दिसम्बर 2008 को अर्थशास्त्र विभाग, बी.आर. अम्बेडकर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ग्लोबल फाइनेंशल क्राइसिस' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 12 दिसम्बर 2008 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पालिसी में श्रीलंका सरकार के अधिकारियों को 'टैक्स कम्पालाइन्स कास्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिनोद खादरिया ने 2 मई 2008 को इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन, लंदन में 'ए सुपर पावर सेन्स सोशल कैपिटल रैशनैलिटी आफ प्लेजिंग टाइम, ट्रस्ट ऐंड ल्वायलिटी इन द लाइफ साइकिल आफ एज्यूकेशन ऐंड लर्निंग इन इण्डिया' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- बिनोद खादरिया ने 30 अप्रैल 2008 को डिवलपमेंट स्टडीज ऐंड इकोनामिक डिपार्टमेंट, स्कूल आफ ओरिएन्टल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, लंदन में संगोष्ठी में 'इंटरनेशनल माइग्रेशन इन इकोनामिक्स ऐंड डिवलपमेंट : पर्सपेक्टिव्स आन स्किल्ड ऐंड अनस्किल्ड एक्सोडस आफ लेबर फ्राम इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिनोद खादरिया ने 29 अप्रैल 2008 को इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन, लंदन इंटरनेशनल डिवलपमेंट सेंटर, 36–38 जार्डन स्वायर में 'एज्यूकेशन ऐंड इंटरनेशल डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी श्रृंखला में 'वाई डू डिवलव्ड कंट्रीज वांट ओवरसीज स्टूडेंट टु ओवरस्टे' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 3 मार्च 2009 को लेडी इर्विन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मल्टिलिंग्विलिज्म इन इण्डिया ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 13 मार्च 2009 को नेशनल फेडरेशन आफ इंडिजिनस पीपल्स आफ नेपाल, काठमाण्डु, नेपाल में 'मदर टंग बेस्ड मल्टिलिंग्विल एज्यूकेशन फार इंडिजिनस कम्यूनिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 26 सितम्बर 2008 को कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यूएसए में 'मल्टिलिंग्विज्म इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 28 अक्टूबर 2 नवम्बर 2008 को शिडलर कालेज आफ बिजनेस ऐंड ईस्ट–वेस्ट सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ हवाई, यूएसए में 'मल्टिलिंग्विज्म अंडर शिडलर' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 13 नवम्बर 2008 को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लांग बीच, यूएसए में 'लिविंग विद लैंग्यूवेज्स : अर्ली लैंग्यूवेज सोसिअलाइजेशन ऐंड निगोसिएशन आफ आइडेंटिटीज इन इंटरग्रुप कांटेक्ट इन मल्टिलिंग्विल कांटेक्स्ट्स' विषयक फुलब्राइट आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 22 अप्रैल 2008 को Dienstagscolloguim wisenschafts kolleg zu बर्लिन में 'हाऊ जेस्यूट सोर्सिस ऐंड हिस्टोरियोग्राफी शेप्ड द एनलाइटमेंट हिस्ट्री आफ मैथमेटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 24 अप्रैल 2008 को जेंट्रम माडर्न ओरिएन्ट बर्लिन में 'डिकोलोनाइजेशन ऐंड डिवलपमेंट : साइंस इन इनडिपेंडेंट इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 30 अप्रैल 2008 को डिपार्टमेंट आफ फिजिक्स, हिस्ट्री ऐंड फिलास्फी आफ साइंस, इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स, कार्ल वान ओसिटज्की यूनिवर्सिटी, ओल्डनबर्ग में 'माडर्न साइंस इन मेंकिंग : एक्सचेंज आफ साइंटिफिक नालेज बिटवीन इण्डिया ऐंड यूरोप (1700–1950)' विषयक व्याख्यान दिया।

- ध्रुव रैना ने 9 मई 2008 को डिपार्टमेंट आफ थीअरि आफ साइंस ऐंड हिस्ट्री आफ आइडियाज, गोटबोर्ज यूनिवर्सिटी में 'पोस्ट कलोनियअल थीअरि ऐंड हिस्ट्री आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 21 मई 2008 को डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री आफ साइंस, यूनिवर्सिटी आफ वियना में 'पोस्ट कलोनियल थीअरि ऐंड हिस्ट्री आफ साइंस वाट नेक्स्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 6 जन 2008 को इंस्टीट्यूट आफ साउथ एशियन स्टडीज, हीडलबर्ग में 'द हिस्ट्री आफ इण्डियन मेथमेटिक्स सीन थ्रू द प्रिज्मस आफ द फ्रेंच ऐंड स्काटिश एनलाइटमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 25 जून 2008 को मैक्स प्लेंक इंस्टीट्यूट फार द हिस्ट्री आफ साइंस, बर्जिन में 'द बिगनिंग आफ मार्किस्ट हिस्ट्री आफ साइंस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 16 अक्टूबर 2008 को फैकल्टी आफ एज्यूकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली में 'द रिलेवेंस आफ फिलास्फी आफ साइंस टु एज्यूकेशनल स्टडीज (ऐंड एबाउट साइंस इन द पार्टिकुलर)' विषयक व्याख्यान दिया।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- एस.के. केजरीवाल ने फरवरी 2009 में आरजीवाईएनडी, चेन्नई में 'यूथ ऐंड नेशनल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. केजरीवाल ने फरवरी 2009 में एज्यूकेशनल रिसर्च ऐंड डिवलपमेंट सेंटर, पुणे में 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन लाइफलांग लर्निंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.वाई शाह ने 8 जुलाई 2008 को स्कूल आफ एज्यूकेशन, द नोटिंघम यूनिवर्सिटी में 'कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फार एडल्ट एज्यूकेटर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.वाई शाह ने 18 सितम्बर 2008 को इण्डियन पावलो फ्रेरी इंस्टीट्यूट, कोलकाता में 'पसलो फ्रेरी स्मारक व्याख्यान दिया।
- एस.वाई शाह ने 27 अक्टूबर 2008 को स्कूल आफ एज्यूकेशन आरहस यूनिवर्सिटी में 'रोल आफ आईसीटी इन द प्रमोशन आफ लिट्रेसी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.वाई शाह ने 12 नवम्बर 2008 को स्कूल आफ एज्यूकेशन आरहस यूनिवर्सिटी में 'रोल आफ इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशंस इन एडल्ट ऐंड लाइफलांग एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. पाल ने 18 दिसम्बर 2008 को जीटीजी (जर्मनी) के सहयोग से डिपार्टमेंट आफ कंज्यूमर्स अफेयर्स द्वारा आयोजित 'स्ट्रेंथनिंग कंज्यूमर प्रोटेक्शन इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'रोल आफ एनजीओ'स इन कंज्युमर प्रोटेक्शन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. पाल ने 7–8 नवम्बर 2008 को मोदीनगर में 'रोल आफ रीजनल बैंक्स इन इकोनामिक अपलिफ्टमेंट आफ वीकर सैक्शंस आफ रूरल सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. पाल ने 7 मार्च 2009 को इंटरनेशनल कांग्रेस आफ वुमन द्वारा आयोजित 'एक्सिलेंस इन एज्यूकेशन फार वुमन'स डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अजय कुमार ने 17–19 नवम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी ऐंड हायर एज्यूकेशन डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट आफ मणिपुर और यूजीसी द्वारा प्रायोजित और अकादमिक स्टाफ कालेज, मणिपुर यूनिवर्सिटी (कांचिपुर) द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन' में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 6 व्याख्यान दिए।

समितियों/मण्डलों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- जयती घोष, सदस्य, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, (प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करना), भारत सरकार, अप्रैल 2009; (अवैतनिक) कार्यकारी सचिव, इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक्स एसोसिएट्स; सदस्य, शासी परिषद, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, मुम्बई; सदस्य, शैक्षिक सलाहकार परिषद, विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवन्तपुरम; सदस्य, जूरी, इंटरनेशनल ट्रेड रिसर्च अवार्ड, एक्जिम बैंक, बाम्बे; सदस्य, शासी निकाय, फोकस आन द ग्लोबल साउथ बैंकोक; सदस्य, शोध सलाहकार मण्डल, काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली; मण्डल सदस्य, सेंटर फार बजट ऐंड गवर्नेन्स एकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली और सदस्य, शासी परिषद, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ एज्यूकेशनल प्लानिंग ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली

- अरूण कुमार, इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस की कार्य परिषद के विशेष आमंत्री; डीएसए कमेटी, इकोनामिक्स डिपार्टमेंट आफ मुम्बई, यूनिवर्सिटी ऐंड गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर; सदस्य, अध्ययन मण्डल, अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और सदस्य, भारतीय सामाजिक चिंतन सलाहकार मण्डल, जर्नल आफ इण्डियन आकादमी आफ सोशल साइंसिस।
- अंजन मुखर्जी, सदस्य, शासी परिषद, एशियन विकास अनुसंधान संस्थान, पटना; सदस्य, निदेशक मण्डल, सेंटर फार इकोनामिक पालिसी ऐंड पब्लिक फाइनेंस, एडीआरआई और अध्यक्ष, अकादमिक अफेयर्स कमेटी; और सदस्य, संचालन मण्डल, इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ।
- प्रवीण झा, अवैतनिक आर्थिक सलाहकार और मण्डल सदस्य, सेंटर फार बजट ऐंड गवर्नेन्स एकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली; सदस्य, शोध और प्रकाशन के लिए गठित सलाहकार समिति, सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, कार्य दल, लेबर लाज नेशनल कमीशन फार द इंटरप्राइजिस इन द अनआर्गेनाइज्ड सैक्टर, गवर्नमेंट आफ इण्डिया; सदस्य, स्टेट एग्रेरियन रिलेशंस ऐंड द अनफिनिस्ड एजेंड आफ लैण्ड रिफार्म्स, मिनिस्ट्री आफ रूरल डिवलपमेंट, गवर्नमेंट आफ इण्डिया; सदस्य, अर्बेनाइजेशन ऐंड रिसोर्स यूज मानिटरिंग पर गठित तकनीकी सलाहकार समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; और सदस्य, न्यास मण्डल, सेंटर फार एनवायरनमेंट एज्यूकेशन ऐंड टेक्नोलाजी, केरल।
- आर.पी. सेनगुप्ता, अप्रैल से दिसम्बर 2008 के दौरान स्टील अथारिटी आफ इण्डिया की पूँजीगत परियोजनाओं के निवेश हेतु उप समितियों के निदेशक मण्डल की बैठकों में भाग लिया; सदस्य, संचालन समिति, सेंटर फार एक्सिलेंस आफ एनवायरनमेंटल इकोनामिक्स आफ द मद्रास स्कूल आफ इकोनामिक्स, चेन्नई और सदस्य, विशेषज्ञ समिति, इकोनामिक ऐंड सोशल इश्यूज, मिनिस्ट्री आफ एनवायरनमेंट आफ फारेस्ट, गवर्नमेंट आफ इण्डिया, नई दिल्ली।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- सत्य पी. गौतम, सदस्य, इतिहास में शोध उपाधि समिति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; सदस्य फैकल्टी आफ रिलिजस स्टडीज, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; सदस्य, फैकल्टी आफ इंडिक स्टडीज, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र; सदस्य, दर्शनशास्त्र में लघु शोध परियोजनाओं के पुरस्कार के लिए गठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समिति; सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम विभाग के लिए गठित सलाहकार समिति, दर्शनशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे; सदस्य, सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, गुरु नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर और सदस्य चौ. साहू इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस एज्यूकेशन, सोशल वर्क ऐंड होम साइंसिस को मानद विश्वविद्यालय के स्तर पर विचार हेतु मूल्यांकन के लिए गठित विश्वविद्यालय अनुदाया आयोग की विजिटिंग समिति।
- आर.पी. सिंह, सदस्य अध्ययन मण्डल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और सदस्य, आरडीसी चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- ओइनम भगत, कुलाधिपति के नामित (हरियाणा के राज्यपाल) दर्शनशास्त्र में शिक्षकों के चयन हेतु गठित चयन समिति, 2 वर्ष की अवधि 10–12–2010 तक, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र और सदस्य, सलाहकार समिति, सेंटर फार नार्थ ईस्ट इण्डिया स्टडीज ऐंड पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट इंटरनेशनल ट्रांसकल्चरा, पेरिस और सदस्य, साइंटिफिक काउंसिल ऐंड द स्टीरिंग कमेटी; निदेशक, ट्रांसकल्चुरा इण्डिया नेटवर्क, नई दिल्ली; सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, नैन्टेस, फ्रांस; सदस्य, साइंटिफिक कमेटी प्लुरिश, जर्नल आफ द डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी, कैपिटल नार्म्स यूनिवर्सिटी, बीजिंग, (2007...) और द इंटरनेशनल साइंटिफिक काउंसिल आफ ट्रांसकंटिनेंटल्स जर्नल आफ फ्रेंच रिसर्च इंस्टीट्यूट वर्ल्डवाइड (आर्मण्ड कोलिन, पेरिस); सदस्य, संचालन समिति, फ्रेंच रिसर्च इंस्टीट्यूट इन इण्डिया – सेंटर डे साइंसिस ह्युमैनिस, नई दिल्ली और Institut Francais de pondioherry (2006-08); और सदस्य, द इलैक्ट्रानिक जर्नल कम्पेरर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, Revue Electronigue des Comparaisons en sciences social पेरिस।
- सुधा पई, सदस्य, शासक मण्डल – दिल्ली कालेज आफ आर्ट्स ऐंड कामर्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, (जनवरी 2002 दिसम्बर 2008); सदस्य शासक मण्डल – गिरि विकास संस्थान, लखनऊ उत्तर प्रदेश जनवरी 2007 से; सदस्य, शासक मण्डल, गोविन्द बल्लभ पंत विकास संस्थान, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, (नवम्बर 2008 से), और सदस्य, विभागीय समिति, राजनीति विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद (फरवरी 2008 से)

- वी. रोड्रिग्स, सलाहकार, व्यक्तित्व परीक्षा मण्डल, सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2007, केन्द्रीय लोक सेवा आयोग 31 मार्च 2008 से 5 अप्रैल 2008 तक; सदस्य, संकाय चयन समिति, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; सेंटर फार स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली; इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला और कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा; सदस्य, आईसीएसएसआर, सीडीएस ऐंड आरआई / एनएएसएसडीओ; सदस्य, एनएएसी टीम, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, 25–28 फरवरी 2009; और सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र।
- प्रलय कानूनगो, सदस्य, चयन समिति, भारतीय संसद, 2008; सदस्य, साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी, इलैक्ट्रानिक जर्नल समाज, द साउथ एशियन मल्टिडिसिप्लिनरी अकादमिक जर्नल, पेरिस, 2008; सदस्य, राजनीति विज्ञान शोध समिति, भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, जेएमआई, 2008 और सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति, विशेष सहायता कार्यक्रम, मार्च 2009

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- ए. बनर्जी, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स इन इण्डिया; आजीवन सदस्य, द जिओग्राफिकल सोसायटी आफ इण्डिया; कोलकाता; आजीवन सदस्य, द इंस्टीट्यूट आफ इकोलाजी, इकिस्टिक्स ऐंड लैण्डस्केप, कोलकाता; आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन और आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग।
- बी.एस बुटोला, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, इण्डिया; आजीवन सदस्य, नार्थ ईस्टर्न इण्डिया हिस्ट्री एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, नार्थ ईस्टर्न हिल जिओग्राफर्स एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, सेंटर फार इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज आन नार्थ ईस्ट; सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड आफ ह्युमन जिओग्राफी, इंस्टीट्यूट फार ह्यूमन जिओग्राफी आईएनसी स्टेट आफ मसाचुसेट्स, यूएसए; सलाहकार, सोशल साइंस कंटेम्पोरॅरि इण्डिया II , राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली की कक्षा X की पाठ्य पुस्तक; और सम्पादक, पृथ्वी ऐंड भूगोल विषयक भूगोल में प्रयोग हेतु विश्वकोश।
- ए. दुबे, आजीवन सदस्य, द इण्डियन इकोनोमेट्रिक सोसायटी; आजीवन सदस्य, इण्डियन इकोनामिक एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन आफ कनाडियन स्टडीज; सदस्य, पाप्यूलेशन एसोसिएशन आफ अमेरिका; और सदस्य, उप समूह, हाउसहोल्ड सेविंग्स, आर.बी.आई.।
- बी. दास, आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन फार द जिओग्राफर्स इन इण्डिया; और आजीवन सदस्य, कोलकाता सोसिओ कल्चरल रिसर्च सेंटर।
- डी.एन. दास, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, इण्डिया; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, द जिओग्राफिकल सोसायटी आफ इण्डिया, कोलकाता; और आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग।
- ए कुण्डु, सदस्य राष्ट्रीस सांख्यिकी आयोग, 2006–09; अध्यक्ष विशेषज्ञ समूह, डाइवर्सिटी इंडेक्स, अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय, भारत सरकार, 2007–2008; अध्यक्ष समिति, हाउसिंग, उपाध्यक्ष, संचालन समिति, एनएसएसओ, भारत सरकार, आज तक; सदस्य, सम्पादक मण्डल, जर्नल नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशनल ऐंड प्लानिंग ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन, आज तक; सदस्य, सम्पादक मण्डल, जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, आज तक; सदस्य, सम्पादक मण्डल, मैनपावर जर्नल, आज तक; अध्यक्ष तकनीकी संचालन समिति, नेचुरल रिसोर्स एकाउंटिंग आज तक; अध्यक्ष, समिति, हाउसिंग स्टार्ट अप; सदस्य, संचालन समिति, सेंटर डे साइंसिस ह्युमेन ऐंड इंस्टीट्यूट फ्रांसिस डे पाण्डिचेरी, आज तक; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, पर्यावरण और वन मंत्रालय, आज तक; सदस्य, हाई लेवल टास्क फोर्स, अफोर्डएबल हाउसिंग, मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग ऐंड अर्बन पावर्टी एलिविएशन, आज तक; सदस्य, विद्या परिषद, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, आज तक; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नामिति, अकादमिक समिति राजकीय कालेज, छिंदवाड़ा, आज तक; सदस्य, सम्पादक मण्डल, जर्नल आफ अरूणांचल यूनिवर्सिटी, आज तक; सदस्य, अकादमिक समिति, इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, आज तक; सदस्य, शोध सलाहकार मण्डल, मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग ऐंड अर्बन पावर्टी एलिविएशन, आज तक; अध्यक्ष, प्रोजेक्टिंग हाउसिंग शार्टेज्स, मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग ऐंड अर्बन पावर्टी एलिविएशन, आज तक; और सदस्य, शोध सलाहकार समिति, अर्बेनाइजशन ऐंड माइग्रेशन, सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल, न्यूयार्क, आज तक।

- ए.एच. किदवई, सदस्य, राष्ट्रीय समिति, सामाजिक और आर्थिक कल्याण की प्रोन्नति हेतु गठित, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; एसोसिएट फेलो, इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स – इण्डिया; सदस्य, डाक्टरल कार्यक्रम के लिए गठित समिति, अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान संस्थान, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर; सदस्य, कार्य परिषद, महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा; सदस्य, शासी निकाय, साउथ दिल्ली पालिटेक्नीक, नई दिल्ली; और फेलो, इंस्टीट्यूट आफ टाउनप्लानर्स, इण्डिया।
- पी.एम. कुलकर्णी, अध्यक्ष, नेशनल एडवाइजरी कमेटी, लांजिट्युडिनल एजिंग स्टडी इन इण्डिया; सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संचालन समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, विद्या परिषद, अन्तरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुम्बई; तकनीकी सलाहकार समिति, भारत की 2011 की जनगणना; सलाहकार समिति, यूजीसी सेंटर फार स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पालिसी, बंगलौर यूनिवर्सिटी; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, एशियाई जनसंख्या अध्ययन; डेमोग्राफी इण्डिया; जर्नल आफ सोशल ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट; और सदस्य, जेआरडी टाटा पुरस्कार समिति।
- ए. महमूद, आजीवन सदस्य, रीजनल साइंस एसोसिएशन आफ इण्डिया; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द साइंटिफिक स्टडी आफ पाप्यूलेशन; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन आफ पाप्यूलेशन जिओग्राफर्स, इंटरनेशनल यूनियन फार द साइंटिफिक स्टडी आफ पाप्यूलेशन; पाप्यूलेशन एसोसिएशन आफ अमेरिका; और सदस्य, सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
- दीपक के मिश्रा, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी फार इकोलाजिकल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, नार्थ ईस्ट इण्डिया इकोनामिक एसोसिएशन; और सदस्य, ब्रिटिश एसोसिएशन आफ साउथ एशियन स्टडीज।
- एम. पुनिया, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर, इण्डिया; और आजीवन सदस्य, नेशनल काटोग्राफिक एसोसिएशन।
- पी. पणि, आजीवन सदस्य, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ जिओमार्फोलाजिस्ट्स; और आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग।
- एस. राजू, सदस्य, सम्पादक मण्डल, एन्टीपोड, यूके; सदस्य, सम्पादक मण्डल, जिओफार्म, यूके; सदस्य, सम्पादक मण्डल, जिओग्राफी कम्पास (आन लाइन), प्रोग्रेस इन ह्युमन जिओग्राफी, यूके; संस्थापक सदस्य, इंटरनेशनल जिओग्राफिक कमीशन, जिओग्राफी आफ जेंडर डिस्टिंग्युस्ड; सदस्य, डिपार्टमेंट आफ कम्यूनिटी हैल्थ, फैकल्टी आफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी आफ क्लर्जी, कनाडा; सदस्य, सामाजिक विज्ञान समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; सदस्य, केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति, तुगलकाबाद, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स (नागी) भारत; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसिओलाजिकल सोसायटी, इण्डिया; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन, इण्डिया; आजीवन सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन जिओग्राफर्स; और आजीवन सदस्य, द इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स।
- एस सेन, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग; आजीवन सदस्य, रीजन साइंस एसोसिएशन, इण्डिया; आजीवन सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन जिओग्राफर्स; और आजीवन सदस्य, नेशन एसोसिएशन आफ इण्डियन जिओग्राफर्स।
- एस. बाथला, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स।
- एम.सी. शर्मा, उपाध्यक्ष, इण्डियन सोसायटी फार ग्लेसिकोलाजिकल साइंस; सदस्य, सम्पादक मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ जिओमेटिक्स; सदस्य, क्वार्टनरी रिसर्च एसोसिएशन; और सदस्य, आयोग, ग्लेसियर्स ऐंड क्लाइमेट चेंज, गवर्नमेंट आफ सिक्किम।
- आर.के. शर्मा, सम्पादक, आईसीएसएसआर, एब्सट्रेक्ट्स ऐंड रिव्यूज की पत्रिका; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य इण्डियन इकोनामिक एसोसिएशन; और आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन।
- एच. सिंह, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, इण्डिया; सदस्य, स्थाई समिति, इंटरनेशनल सोसायटी आफ लद्दाख स्टडीज, यूके; सदस्य, एसोसिएशन आफ हिल जिओग्राफर्स; फेलो, इण्डियन सोसायटी फार ह्युमन इकोलाजी; सदस्य, अध्ययन मण्डल, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2005 से; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू; सदस्य, पी–एच.डी. समिति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला; सदस्य, अध्ययन मण्डल, पंजाबी

विश्वविद्यालय, पटियाला, 2004 से; और सदस्य, विशेषज्ञ समिति, नेशनल रिसोर्स डाटा मैनेजमेंट सिस्टम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

- एस. सिन्हा, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकानामिक्स; सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स इन इण्डिया; सदस्य, सलाहकार मण्डल, लैण्ड ऐंड पीपल सीरीज, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली; और सदस्य, भारतीय नदियों में गाद की समस्या पर अध्ययन हेतु गठित समिति, केन्द्रीय जल आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- ए. सूद, सदस्य, पंजाब शासन सुधार आयोग, पंजाब सरकार, चण्डीगढ़, भारत; जनवरी 2009; और अध्यक्ष, एक्सिस टु सोशल डिवलपमेंट, टास्क फोर्स, पंजाब शासन सुधार आयोग, पंजाब सरकार, चण्डीगढ़, भारत, फरवरी 2009
- आर. श्रीवास्तव, सदस्य, इंटरप्राइजिस इन आर्गेनाइज्ड सैक्टर, भारत सरकार के लिए गठित राष्ट्रीय आयोग, (सचिव के स्तर पर, भारत सरकार), मई 2006 – अप्रैल 2009; सदस्य, समूह, फेमिनिस्ट इकोनामिस्ट्स योजना आयोग द्वारा स्थापित (अध्यक्ष : डा. सैय्यद अहमद), 2008; सदस्य, उत्तर प्रदेश के विकास की रणनीति हेतु गठित समिति (अध्यक्ष : श्री बी.के. चतुर्वेदी), 2007–08; सदस्य, बिहार में कृषिक विकास हेतु लघु अवधि की विकास योजना तैयार करने हेतु गठित विशेषज्ञ समिति, (बिहार सरकार), 2007–08; सदस्य, शासी परिषद, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, सदस्य, शासक मण्डल, विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर; सदस्य, शासक मण्डल, जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद; सदस्य, शासक मण्डल, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रबंधन विश्वविद्यालय, दिल्ली; सदस्य, विद्या परिषद, सिक्किम विश्वविद्यालय, सदस्य, कार्य समिति, साउथ एशियन माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क; सदस्य, शैक्षिक सलाहकार समिति, एग्रो–इकोनामिक रिसर्च सेंटर, दिल्ली यूनिवर्सिटी; सदस्य, फैकल्टी बोर्ड आफ इकोनामिक्स, कामर्स, मैनेजमेंट ऐंड इंफार्मेशन साइंसिस, नार्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी; सदस्य, शासक मण्डल, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ; सदस्य, शैक्षिक समिति, मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादक मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स; सदस्य, सम्पादक मण्डल, सर्वेक्षण (जर्नल आफ नेशनल सैम्पल सर्वे आर्गेनाइजेशन); सदस्य, सम्पादक मण्डल, जर्नल आफ एग्रेरियन चेंज; सदस्य, सम्पादक मण्डल, सोशल चेंज; आजीवन सदस्य, इण्डियन इकोनामिक एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स; सदस्य, कार्य परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; और सदस्य, टास्क फोर्स डिवलपमेंट पर्सपेक्टिव आफ उत्तर प्रदेश, योजना आयोग, भारत सरकार।
- एस. श्रीकेश, आजीवन सदस्य, द इण्डियन सोसायटी आफ रिमोट सेंसिंग; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, इण्डिया; और सदस्य, वाटर रिसोर्सिस इन इण्डिया : कंसर्न्स, कनजर्वेशन ऐंड मैनेजमेंट (डब्ल्युआरआईआईएन) 2008 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजन समिति।
- एम.डी. विमुरी, सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स; सदस्य, सोसायटी फार एप्लाइड रिसर्च इन ह्युमैनिटीज; और सदस्य, सम्पादक मण्डल, डेमोग्राफी इण्डिया।
- बी. जुत्शी, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स इण्डिया; आजीवन सदस्य, इण्डियन नेशनल काटोग्राफिक एसोसिएशन; सदस्य, शोध मण्डल, भूगोल और क्षेत्रीय विकास विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर; सदस्य, केन्द्रीय सलाहकार मण्डल, बाल मजदूर, भारत सरकार, श्रम और रोजगार मंत्रालय, जून 2008 से; इण्डियन एसोसिएशन आफ पाप्यूलेशन स्टडीज; हिमालयन रिसर्च ऐंड कल्चरल फाउंडेशन; द चिल्ड्रन इमैनसिपेशन सोसायटी आफ इण्डिया; महासचिव, इनिसिएटिव फार सोशल चेंज ऐंड एक्शन – आईएससीए; और सलाहकार, जन कल्याण समिति, चकवाजा, वैशाली, बिहार।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- योगेन्द्र सिंह, सदस्य, रिसर्च सर्वे एडवाइजरी कमेटी, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली 2009; सदस्य, शासी मण्डल, सेंटर फार द स्टडीज इन सिविलाइजेशन, गवर्नमेंट आफ इण्डिया, नई दिल्ली, 2009; और सदस्य, शोध सलाहकार समिति, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, 2009
- तिपलुत नोंगब्री, सदस्य, राष्ट्रीय पुलिस मिशन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, भारत सरकार, हैदराबाद; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान संस्थान, नेहू, शिलांग; और सदस्य, अकादमिक परिषद, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश।

- सुसन विश्वनाथन, ब्रिटिश परिषद के परामर्शदाता, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; सदस्य, भारतीय समाजशास्त्र में योगदान करने के लिए गठित सम्पादक मण्डल।
- एस.एस. जोधका, सदस्य, सम्पादक मण्डल, सोशल चेंज सोशल साइंस शोध पत्रिका, सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2008; और सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार समिति, समाजशास्त्र की पत्रिका, इण्डियन सोसिओलाजिकल सोसायटी की पत्रिका।
- रेणुका सिंह ने मार्च 2009 में इण्डिया टुडे की बैठक में भाग लिया; और मई–जून 2008 में एस आर्गेन विश्वविद्यालय, यूएसए में विजिटिंग स्कालर के रूप में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा, विजिटिंग फैकल्टी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोशल डिफेंस, नई दिल्ली, 2008–09; विजिटिंग फैकल्टी, लेडी इरविन कालेज, नई दिल्ली, 2008–09 और विजिटिंग फैकल्टी, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय, 2008–09
- हरीश नारायण दास, विजिटिंग प्रोफेसर, द साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी, 6 दिसम्बर 2008 – 5 फरवरी 2009; और जर्मनी में आयुर्वेद पर अध्ययन करने के लिए 'बाइलेट्रेल फ्लोज' विषय पर अनुदान हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का यूजीसी–डीएएडी (पीपीपी) पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- सरदिन्दु भादुरी, सदस्य, संवीक्षा समिति, डानिश रिसर्च यूनिट आफ इंडस्ट्रियल डायनेमिक्स।
- सुजीत भट्टाचार्य, सदस्य, सम्पादक मण्डल, कोलनेट जर्नल आफ सेंदोमेट्रिक ऐंड इंफार्मेशन मैनेजमेंट; और सदस्य, सम्पादक मण्डल, आईआईएस न्यूज लैटर, इंटरनेशनल सोसायटी आफ सेंट्रोमेट्रिक्स ऐंड इंफार्मेटिक्स।
- रोहन डीसूजा, सदस्य, आयोजन समिति, द नालेज सोसायटी डिबेट्स, यूके–इण्डिया रिसर्च इनिसिएटिव के सहयोग से स्टेप्स सेंटर द्वारा नई दिल्ली में आयोति, 12–13 जनवरी 2009
- प्रणव एन. देसाई, एसोसिएट सम्पादक, इंटरनेशनल जर्नल आफ इंस्टीट्यूशंस ऐंड इकोनामिक्स; और क्षेत्रीय सम्पादक, साउथ एशिया वर्ल्ड रिव्यू आफ साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, इंटरसाइंस पब्लिशर्स।
- रोहन डीसूजा, एसोसिएट सम्पादक, कंजर्वेशन ऐंड सोसायटी एटीआरईई, बंगलौर।
- माधव गोविन्द, महासचिव, आरसी–13 (साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी), आल इण्डिया सोसिओलाजिकल सोसायटी, नई दिल्ली (2008–10); सदस्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली में साइंस ऐंड हैल्थ कम्यूनिकेशन में स्नातकोत्तर उपाधि के लिए सूत्रबद्ध हेतु गठित समिति; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, समाजशास्त्र, बीकानेर विश्वविद्यालय, राजस्थान।
- वी.वी. कृष्णा, सम्पादक, साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी, सेज प्रकाशन, लंदन और नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, नालेज बेस्ड इनोवेशन इन चाइना विषयक अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका, इम्राल्ड ग्रुप प्रकाशन, यूके, चाइना एसोसिएशन फार मैनेजमेंट आफ टेक्नोलाजी के सहयोग से; विजिटिंग सीनियर रिसर्च फेलो, एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर, सिंगापुर कमेटी, यूनेस्को, पेरिस; और सदस्य, यूरोपीयन यूनियन नेटवर्क्स (इरावटेक ऐंड इन्नो–पालिसी ट्रेंडचार्ट)

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- मोहन राव, कार्य समिति, द दिल्ली साइंस फोरम; सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज; सदस्य, नेशनल लेवल रिसोर्स कमेटी, परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार; सम्पादक मण्डल, जर्नल आफ सोशल पालिसी; और सलाहकार समिति, टीआईएसएस, 20 अक्टूबर 2008
- के.आर. नायर, सदस्य, शासक मण्डल, भास्कराचार्य कालेज आफ एप्लाइड साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- रामा वी. बारू, सदस्य, शासक मण्डल, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ हैल्थ मैनपावर रिसर्च, जयपुर; सदस्य, शासक मण्डल, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनन्द, गुजरात; सह अध्यक्ष और सदस्य, टास्क फोर्स ग्रुप, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप्स इन द नेशनल रूरल हैल्थ मिशन, स्वास्थ्य मंत्रालय; सदस्य, शोध संवीक्षा रिपोर्ट, हैल्थ विषयक पब्लिक रिपोर्ट, आईडीआरसी द्वारा वित्त पोषित; सदस्य, शैक्षिक सलाहकार परिषद, पब्लिक हैल्थ फाउंडेशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली; साउथ एशिया एडिटर – ग्लोबल सोशल

पालिसी, सेज द्वारा प्रकाशित' और सदस्य, रिसर्च विषयक टास्क फोर्स, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

- संघमित्रा एस. आचार्य, इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी, फ्युचर्स ग्रुप – ए कंस्टेला कम्पनी इनहेंसिंग ह्युमन हैल्थ; सदस्य, एथिक्स कमेटी, नेशनल इंस्टीट्यूट फार रिसर्च इन मेडिकल स्टेटिक्स, आईसीएमआर, नई दिल्ली; और सदस्य वर्ल्ड मेडिकल ऐंड हैल्थ पालिसी; सदस्य, सम्पादक मण्डल, जार्ज मेसन यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, यूएसए।
- रमीला बिष्ट, समिति सदस्य, हैल्थ पालिसी ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर उपाधि के पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए गठित समिति, मुम्बई विश्वविद्यालय, 2008
- आर दासगुप्ता, सदस्य, अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान संस्थान; सदस्य, प्रभारी, डेंगु नियंत्रण समिति, कंप्यूटर केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान; सदस्य सलाहकार समिति, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'पब्लिक हैल्थ मैनेजमेंट' में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए गठित; सदस्य, नेशनल टास्क फोर्स एलिमिनेशन आफ लिम्फेटिक फ्लेरियासिस, महा–निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं; सदस्य, पोलियो कार्यक्रम की संवीक्षा के लिए गठित विशेषज्ञ समिति, पब्लिक हैल्थ फाउंडेशन आफ इण्डिया; फैकल्टी इंटरनेशनल समर स्कूल 2006, हैल्थ ऐज ए ग्लोबल ऐंड लोकल चैलेंज, यूनिवर्सिटी आफ बिफील्ड, जर्मनी; बाह्य व्याख्याता, राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग कालेज, नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय; बाह्य पर्वेक्षक, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली; मूल्यांकनकर्ता, फोर्ड फाउंडेशन इंटरनेशनल फेलोशिप प्रोग्राम; परामर्शदाता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम; और नेशनल रूरल हैल्थ मिशन, द्वितीय आम संवीक्षा मिशन, राजस्थान।
- सुनीता रेड्डी, पीर रिव्यूवर आफ पेपर्स और कार्य परिषद की सदस्य, इण्डियन ऐन्थ्रोपोलाजिस्ट ऐंड इण्डियन ऐन्थ्रोपोलाजिकल एसोसिएशन; सदस्य, आन्ध्र प्रदेश में कोण्डा रेड्डी पर शोध हेतु गठित सलाहकार समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक कोआपरेशन ऐंड चाइल्ड डिवलपमेंट; और सदस्य, संचालन समिति, मिनिमम स्टेंडर्डस आफ वेरियस रिलीफ एक्टिविटीज, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एथारिटी, नई दिल्ली विषयक दिशा निर्देशों की रूपरेखा तैयार करने हेतु गठित टीम।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- तापस मजमूदार, अध्यक्ष, (अवैतनिक) अन्तर विश्वविद्यालय विषयक समिति, सेंटर फार हायर एज्यूकेशन पालिसी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; और मुख्य सलाहकार, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक।
- बिनोद खादरिया, सदस्य, अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार दिवस, सिविल सोसायटी दिवस, माइग्रेशन ऐंड डिवलपमेंट (जीएफएमडी) विषयक तृतीय ग्लोबल फोरम, एथेंस में यूनान द्वारा आयोजित, नवम्बर 2009; सदस्य, इण्डिया'स नेशनल माइग्रेशन पालिसी, मिनिस्ट्री आफ ओवरसीज इण्डियन अफेयर्स, गवर्नमेंट आफ इण्डिया के प्रारूप समिति, 2008; सदस्य, काउंसिल आफ ओवरसीज इंप्लायमेंट, एमओआईए द्वारा नामित, भारत सरकार (2008); सदस्य, सम्पादक मण्डल, एशियन ऐंड पेस्फिक माइग्रेशन जर्नल (जुलाई 2006); सदस्य, संचालन समिति, इंटरनेशनल जिओग्राफिकल यूनियन'स कमीशन फार पाप्यूलेशन मोबिलिटी ऐंड वल्नरेबिलिटी (2004); उपाध्यक्ष, (साउथ एशिया) एशिया–पेस्फिक माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क, यूनेस्को–मोस्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत एएनयू–आस्ट्रेलिया, (2008); क्षेत्रीय (कंट्री) समन्वयक, इण्डिया–एशिया–पेस्फिक माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क (2002); सदस्य, पाठ्यक्रम समिति, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली (2002); और अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विषय पर पाठ्यक्रम समिति, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली (2001)
- दीपक कुमार, सदस्य, इंटरनेशनल साइंटेरियम हिस्टोरिक कमेटी पेरिस; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, इतिहास की पत्रिका, जादवपुर विश्वविद्यालय; और सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, जर्नल आफ कम्पैरटिव टेक्नोलाजी ट्रांसफर, मिचिगन, यूएसए।
- अजीत के मोहन्ती, सदस्य, सलाहकार समिति, मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, सामाजिक विज्ञान संस्थान, सार्क विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की योजना के लिए गठित समिति; सदस्य, वैज्ञानिक समिति, एशियन एसोसिएशन आफ सोशल साइकोलाजी का अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी, दिल्ली; सदस्य, फुलब्राइट फेलोशिप, यूएसईएफआई, दिल्ली के लिए चयन समिति; सदस्य, चयन समिति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और हैदराबाद विश्वविद्यालय; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर; सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय; सलाहकार समिति, शैक्षिक मूल्यांकन विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद;

मनोविज्ञान में अध्ययन मण्डल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; वृहत शोध परियोजनाओं और सम्मेलन प्रस्तावों की संवीक्षा के लिए गठित समिति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; सम्पादकीय समिति, मनोविज्ञान में शोध का 5वां सर्वे, आईसीएसएसआर; डीआरएस, मनोविज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय के लिए गठित सलाहकार समिति; विशेषज्ञ समिति, इमोशंस इन स्कूल्स, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशनल साइकोलाजी ऐंड फाउंडेशन आफ एज्यूकेशन विषयक पर अध्ययन हेतु परियोजना के लिए गठित विशेषज्ञ समिति, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद; केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय पैनल (XIवी योजना); राष्ट्रीय विशेषज्ञ ग्रुप असेसमेंट इन एलिमेंट्री एज्यूकेशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद; और सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल आफ मल्टिलिंग्वलिज्म; सदस्य, सम्पादक मण्डल, लैंग्यूवेज पालिसी।

- ए.के. मिश्रा, सदस्य, सम्पादक मण्डल कक्षा XI-XII के लिए मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक, एनआईओएस, नई दिल्ली; और सदस्य, कक्षा X के लिए मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक, एनआईओएस, नई दिल्ली।
- गीता बी. नाम्बिसन, सदस्य, नेशनल रिसोर्स ग्रुप, महिला समाख्या, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, सलाहकार मण्डल, इण्डियन एज्यूकेशन रिव्यू, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादक मण्डल, द जर्नल कंटेम्पोरेरि एज्यूकेशन डायलाग; सदस्य, सलाहकार मण्डल, जर्नल आफ एज्यूकेशन पालिसी, रूटलेज, टेलर ऐंड फ्रांसिस ग्रुप, आक्सन, यू.के.; सदस्य, विभागीय सलाहकार मण्डल, शिक्षा विभाग, सामाजिक विज्ञान और मानविकी, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लया इस्लामिया; और सदस्य, परियोजना सलाहकार समिति, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, डीआरयू, आर के पुरम (राजकीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के अन्तर्गत)
- मिनाती पण्डा, सदस्य, छत्तीसगढ़ में एसएसए कार्यक्रम के मूल्यांकन के लिए संयुक्त पर्वेक्षण, 2007–08; और सदस्य, विभागीय सलाहकार मण्डल, मनोविज्ञान विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।
- ध्रुव रैना, परिषद सदस्य, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, नेशनल बुक ट्रस्ट; और सदस्य, सम्पादकीय मण्डल और शोध परिषद (आधुनिक काल), नेशनल कमीशन फार हिस्ट्री आफ साइंस, इण्डियन नेशनल साइंस अकादमी।
- परिमला राव, सदस्य, हिस्ट्री आफ वुमन ऐंड जेंडर इश्यूज विषयक एम.फिल. पाठ्यक्रम के लिए गठित समिति, महिला विकास अध्ययन केंद्र, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय।
- श्रीनिवास एस. राव, सदस्य, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली की कक्षा XI की समाजशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के लिए गठित विकास समिति।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- एस. केजरीवाल, सदस्य, ऐथिकल कमेटी, सेंट्रल काउंसिल आफ रिसर्च इन योगा ऐंड नेचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन) भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, श्रीपेरूमबदुर, चेन्नई, तमिलनाडु; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, एमजेपी रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उ.प्र.।
- एस.वाई. शाह, सदस्य, इण्डिया एडवाइजरी बोर्ड, वर्ल्ड लिट्रेसी आफ कनाडा; इंटरनेशनल टास्क फोर्स, एडल्ट लर्निंग डाक्युमेंटेशन ऐंड इनफार्मेशन नेटवर्क आफ यूनेस्को, इंस्टीट्यूट फार लाइफलांग लर्निंग, हम्बर्ग; सलाहकार समिति, सेंटर फार एडल्ट कंटिन्यूइंग एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ केरला; प्रौढ़ शिक्षा पर विश्वविद्यलय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; शोध समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग, नई दिल्ली; विस्तृत अध्ययन और विकास संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,नई दिल्ली; अध्ययन मण्डल, जनार्धन राय राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर; इवैल्युएशन विषयक नेशनल कोर ग्रुप; इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडल्ट ऐंड लाइफलांग एज्यूकेशन, नई दिल्ली की अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार समिति; अध्यक्ष, सम्पादकीय समिति, इण्डियन जर्नल आफ एडल्ट एज्यूकेशन; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में एडल्ट एज्यूकेशन में व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के लिए वरिष्ठ अंशकालिक परामर्शदाता, अप्रैल–सितम्बर 2008; उपाध्यक्ष और कार्य समिति के सदस्य, इण्डियन एडल्ट एज्यूकेशन एसोसिएशन; और उपाध्यक्ष, एशियन सोसायटी आफ लाइफलांग लर्निंग।

- एम.सी. पाल, सदस्य, मूल्यांकन समिति, इण्डो–जर्मन परियोजना, उपभोक्ता कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (2008–09); सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में गोपनीय कार्यशाल, 15–19 सितम्बर 2008
- अजय कुमार, सदस्य, सलाहकार मण्डल, डिपार्टमेंट आफ साइकोलाजी ऐंड फाउंडेशन फार एलिमेंट्री एज्यूकेशन, राष्ट्रीय शैक्षिक शोध और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादक मण्डल, डिवलपमेंट एज्यूकेशन ऐंड ग्लोबल लर्निंग की अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका, शिक्षा संस्थान, लंदन विश्वविद्यालय, लंदन; और सलाहकार कर्मचारी चयन आयोग, भारत सरकार (उत्तरी क्षेत्र), नई दिल्ली के साक्षात्कार मण्डलों/चयन समितियों के।
- टी. डोरा बाबू, सदस्य, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के प्राथमिक शिक्षकों के चयन (साक्षात्कार मण्डल के सदस्य) के लिए गठित चयन समिति।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियां

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- प्रवीण झा, 27 मई – 4 जून 2008 तक तिआनजिन यूनिवर्सिटी आफ फाइनेंस ऐंड इकोनामिक्स, तिआनजिन, चीन के विजिटिंग फेलो चुने गए।
- के.जी. दस्तीदार, 22 दिसम्बर 2008 से 4 जनवरी 2009 तक अर्थशास्त्र विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर चुने गए।
- विकास रावल को आईसीएसएसआर–ईएसआरसी (यू.के.) बाइलेट्रल कलोबरेशन प्रोग्राम के अन्तर्गत सोशल ऐंड पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ अल्सटर की फेलोशिप प्राप्त हुई।

राजनीति अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा, फ्रेंच रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज (आरएफआईइए), पेरिस और लिओन, फ्रांस की नेटवर्क की वैज्ञानिक परिषद में चुने गए।
- बलवीर अरोड़ा, Foundation maison des Sciences de l'Home, पेरिस, फ्रांस की अन्तरराष्ट्रीय मूल्यांकन समिति के सदस्य चुने गए।
- अजय गुडावर्थी, 2008 एसओएएस लंदन में चार्ल्स वालेक विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त हुई।
- टी.जी. सुरेश, अगस्त–नवम्बर 2008 तक इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स शंघाई अकादमी आफ सोशल साइंसिस, 7/622 हुएहई झांग लु, शंघाई, पीपल'स रिपब्लिक आफ चीन की विजिटिंग स्कालरशिप प्राप्त हुई।
- टी.जी. सुरेश को नवम्बर 2008 में स्कूल आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड पालिटिकल साइंसिस, शंगदोंग यूनिवर्सिटी, जिनान पीपल'स रिपब्लिक आफ चीन के विजिटिंग स्कालर चुने गए।
- टी.जी. सुरेश, जुलाई 2008 में इंस्टीट्यूट आफ साउथ एशियन स्टडीज, सिचुआन यूनिवर्सिटी, चेंग्दु–पीपल'स रिपब्लिक आफ चीन के विजिटिंग स्कालर चुने गए।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- डी.के. मिश्रा को अक्टूबर 2008 से मार्च 2009 तक द कामनवैल्थ स्कालरशिप कमीशन, यूनाइटिड किंगडम द्वारा आक्सफोर्ड डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल डिवलपमेंट, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूनाइटिड किंगडम में 'कामनवेल्थ अकादमिक स्टाफ फेलोशिप' प्रदान की गई।
- एस. राजू को 2008 में आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा में कुलपति की प्रसिद्ध प्रोफेसर फेलोशिप प्राप्त हुई।
- एच. सिंह, 4 सितम्बर 2008 को पर्यावरण और वन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, स्वामी श्रद्धानन्द कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित आईसीबीईएससीई के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में बायोडायवर्सिटी, एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मान प्राप्त हुआ।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- योगेन्द्र सिंह को 2008 में इण्डियन सोशल साइंस एसोसिएशन द्वारा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- टी.के. ऊमन को 5 मई 2008 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।
- विवेक कुमार को 4–6 सप्ताह की अवधि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सेंटर फार मौरिटियन स्टडीज, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मारीशस में 'इण्डियन डाइस्पोरा' विषय पर शोध करने के लिए चौथा टीईसी/यूजीसी कंसोर्टियम एग्रीमेंट स्कालरशिप प्राप्त हुई।

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- रामा वी. बारू को 2008 में यूनिवर्सिटी कालेज आफ लंदन, लंदन, यूके में बेल्जन फेलोशिप प्राप्त हुई।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- बिनोद खादरिया ने 9–11 जून 2008 को द यूनिवर्सिटी आफ वैकाटो द्वारा डिपार्टमेंट आफ लेबर, और द आफिस आफ एथनिक अफेयर्स, न्यूजीलैण्ड गवर्नमेंट में आयोजित 'पाथवेज, सरक्यूट्स ऐंड क्रासरोड्स : न्यू रिसर्च आन पाप्यूलेशन, माइग्रेशन ऐंड कम्यूनिटी डायनेमिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इण्डिया ऐंड इट्स 3–डी पजल : डेमोग्राफी, डाइस्पोरा ऐंड डिवलपमेंट' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार 14–17 नवम्बर 2008 को इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ एशिया' के 20वें सम्मेलन में अध्यक्ष चुने गए।
- दीपक कुमार ने अगस्त 2008 में सोसायटी फार सोशल हिस्ट्री आफ मेडिसिन, स्टार्थ क्लाइड यूनिवर्सिटी, ग्लासगों में मुख्य व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 24 जनवरी 2009 को पश्चिम बंगिया इतिहास संसद, रबिन्द्र भारतीय यूनिवर्सिटी, कोलकाता में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार 2006 से एसोसिएशन आफ साउथ एशियन एनवायरनमेंट हिस्टोरियन्स के उपाध्यक्ष चुने गए।
- दीपक कुमार 8–11 दिसम्बर 2008 तक जेएनयू, नई दिल्ली में 20वें इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ एशिया के अध्यक्ष व आयोजक चुने गए।
- एम. पाण्डा को वर्ष 2009–10 का कामनवैल्थ अकादमिक स्टाफ फेलोशिप प्राप्त हुई।
- पी. मिनाती सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, मूल्यांकन और मापन विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (2009–11)
- ध्रुव रैना सदस्य, सकांय समिति, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली 2009
- ध्रुव रैना, सदस्य, सलाहकार मण्डल और शोध परिषद, नेशनल कमीशन फार हिस्ट्री आफ साइंस, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 2002–2008
- ध्रुव रैना, सदस्य, निदेशक मण्डल (दिल्ली विश्वविद्यालय के नामित सदस्य), केशव महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय के मान्यता प्राप्त कालेज), 2008–09
- ध्रुव रैना, 2007–08 में The wissenschafsktstkolleg Ze बर्लिन , इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड स्टडी के फेलो चुने गए।
- ध्रुव रैना, सदस्य, सलाहकार मण्डल, नेशनल ट्रस्ट आफ इण्डिया।
- ध्रुव रैना मई–जून में सेंटर फार कंटेम्पोरेरि स्टडीज, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर में विजिटिंग प्रोफेसर चुने गए।
- ध्रुव रैना, परिषद सदस्य, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, 2005
- ध्रुव रैना, सम्पादकीय मण्डल, इण्डियन जर्नल फार द हिस्ट्री आफ साइंस, 2004–09
- ध्रुव रैना, सदस्य, सम्पादक मण्डल, वेस्ट Tidskrift for Vetenskapsstudier, स्वीडन।
- ध्रुव रैना को सितम्बर 2007 से बर्लिन की फेलोशिप प्राप्त हुई।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- जी. अरूणिमा को जनवरी 2009 में सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में सांस्कृतिक अध्ययन में विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त हुई।
- जी. अरूणिमा को फरवरी–मई 2008 में महिला अध्ययन विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 2008–09 का एसआरटीटी जेयू नेशनल फेलो से सम्मानित किया गया।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- एस.वाई शाह को ब्रिटिश अकादमी आफ हायर एज्यूकेशन और कामनवेल्थ यूनिवर्सिटी की फेलोशिप प्राप्त हुई।
- एस.वाई शाह को यूरोपीय आयोग की इरासमस मंडस विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त हुई।
- एस.वाई शाह को जवाहरलाल नेहरू साक्षरता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, विधि और अभिशासन के बीच विवादास्पद सम्बन्धों पर शोध और शिक्षण की रूपरेखा तैयार करते समय बहु–विषयक दृष्टिकोण अपनाता है। अभिशासन का अध्ययन अपने विभिन्न रूपों तथा स्थानों पर समसामयिक मामलों पर केंद्रीत है : जन संस्थानों का सुधार और लोक विधि; ऐसी प्रक्रिया और नियम बनाना और लागू कराना जो पूर्ण रूप से उपयुक्त, पारदर्शी और उत्तरदायी हों; और अभिशासन को लोकतंत्र और सिविल समाज के सुदृढ़ीकरण से और अधिक समाविष्ट एवं प्रतिभागी बनाने की चुनौती। पाठ्यक्रम के अन्तरविषयक दृष्टिकोण अभिशासन या विधि के प्रति सामाजिक विज्ञानों के मुख्य दृष्टिकोणों से भिन्न है और यह पता लगाने का प्रयास करता है कि कैसे विधि और अभिशासन की प्रक्रिया को राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और ऐतिहासिक प्रक्रियाओं में सन्निहित करे; कैसे अभिशासन की प्रक्रियाएं विभिन्न स्थानों यानी सरकार, नौकरशाही, न्यायपालिका समुदाय से परिवार तक वितरित हो जाती हैं; सामाजिक–विधिक जो न्याय की पहुंच और विशेष राजनीतिक विधिक शासन प्रणालियों में शासनीयता, संप्रभुता और अधिकारों का बोध। केंद्र के शैक्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विधि और अभिशासन पर उच्च स्तरीय शोध कराया जाता है।

केंद्र अभिशासन के सिद्धांत को व्यवहार में परिवर्तित करने के लिए वाद–विवाद, शोध कार्यों का आदान–प्रदान और राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षाविदों, सरकार, सिविल समाज तथा गैर–सरकारी सगठनों के बीच संवाद स्थापित करने का प्रयास करता है। केंद्र शिक्षकों और छात्रों द्वारा किए जा रहे शोध का प्रकाशन भी करता है। सक्रिय रूप से संगोष्ठियों तथा प्रतिष्ठित विद्वानों के वार्षिक व्याख्यान आयोजित करना केंद्र की गतिविधियों का अहम हिस्सा है। केंद्र एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के साथ–साथ सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में भी प्रवेश देता है।

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन

- केन्द्र ने 8–11 जनवरी, 2009 को "ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क इनागुरल कांफ्रेंस" का आयोजन किया।
- केन्द्र ने 5–7 दिसम्बर 2008 को एन.ए.पी.एस.आई.पी.ए.जी और एशियन डिवलपमेंट बैंक इंस्टीच्युट के सहयोग से "स्ट्रेंथनिग गवर्नेंस इन एशिया–पेसिफिक : पब्लिक सेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन रिफार्मस ऐंड केपसिटी बिल्डिंग टु इमप्रूव ट्रांसपरेंसी ऐंड अकाउंटेबिलिटी" विषयक सम्मेलन आयोजित किया।

केन्द्र में आए अतिथि

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में निम्नलिखित अतिथि आए और उन्होंने व्याख्यान दिए :

- सबीना गदिओके, जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नयी दिल्ली ने 4 अप्रैल 2008 को "द संसेशनल ऐंड इररेवरेंट ऑफ ब्लिट्ज पापुलर फोटोग्राफी इन पोस्ट–इंडिपेडेंस इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- ओरलेण्ड रूथवेन, डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल डिवलपमेंट, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, ने 11 अप्रैल, 2008 को "गवर्नमेंट इंस्पेक्टर्स ऐंड इथिकल बायर्स रेग्यूलेटिंग लेबर इन मुरादाबाद'स मैटलवेयर इंडस्ट्री", विषयक व्याख्यान दिया।
- जीन–लुईस हालप्रीन, प्रोफेसर ऑफ ला, पेरिस ने 25 अप्रैल, 2008 को "कम्पेयरिंग फ्रेंच ऐंड इण्डियन ला" विषयक व्याख्यान दिया।
- सुबीर सिन्हा, वरिष्ठ व्याख्याता, एस.ओ.ए.एस. ने 22 अगस्त, 2008 को "ट्रांसनेशनल डिवलपमेंट रिजाइम्स ऐंड द डिवलपमेंट ऑफ द कामंस इन इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- फिलिपा विलियम, डिपार्टमेंट ऑफ जिओग्राफी कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, ने 5 सितम्बर, 2008 को "निगोसिएटिंग आइडेंटिटी ऐंड एजेंसी इन ए नार्थ इण्डिया मुस्लिम मोहल्ला" विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.वी. मधुकर, निदेशक, पी.आर.एस. लेजिसलेटिव रिसर्च, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली, ने 19 सितम्बर, 2008 को "पार्लियामेंट ऐंड एम.पी'स पावरफुल और पावरलेस ?" विषयक व्याख्यान दिया।
- श्रीमती बासु, एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी, ने 30 सितम्बर 2008 को "प्लेंइंग ऑफ कोर्टस : निगोशिएटिंग डीवोर्स ऐंड वायलेंस इन कोर्टस, पोलिस ऐंड मीडिएशन बोर्ड्स इन कोलकाता विषयक व्याख्यान दिया। (इसका आयोजन महिला अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू के सहयोग से किया गया।)
- रोहन डीसूजा, विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, ने 24 अक्टूबर, 2008 को "फ्लड कंट्रोल ऐंड द मैकिंग ऑफ मॉडर्न इण्डिया" व्याख्यान दिया।

- विलयम विनिंग, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन ने 12 नवम्बर, 2008 को "इंप्लिकेशंस ऑफ ग्लोबलाइजेशन फॉर ला ऐज ए डिसीप्लीन" विषयक व्याख्यान दिया।
- सिटिफनी तावा लामा – रावल, वरिष्ठ शोध फेलो, सी.एस.एच. ओर नीरजा गोपाल जयाल, प्रोफेसर, जेएनयू ने 14 नवम्बर, 2008 को "द करंट थिंकिंग ऑन ऐंड प्रैक्टिस ऑफ पार्टिसिपेशन इन द फ्रेंच ऐंड इण्डियन डेमोक्रेसी" विषयक व्याख्यान दिया।
- बिक्रम जीत बतरा, इंडिपेंडेंट लायर, ऐंड फेलो, न्यूइण्डिया फाउंडेशन, ने 16 जनवरी, 2009 को "रबर स्टेंप और लास्ट होप ? : द इण्डियन प्रजीडेंट ऐंड मर्सी पीटिशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- डेनियल ड्रेच, एसोसिएट डायरेक्टर, रोबार्ट्स सेंटर फॉर कनाडियन स्टडीज तथा राजनीतिशास्त्र के प्रोफेसर, यार्क यूनिवर्सिटी ने 19 फरवरी 2009 को "ओवामा'स स्टनिंग विक्ट्री : विनिंग ऐंड लूजिंग इन ऐन इंटरनेट ऐज" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. ओलिविर गिराड, सी.एन.आर.एस., बर्लिन और डॉ. नवदीप माथुर, इण्डियन इंस्टीच्युट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, ने सेंटर दे साइंसिस ह्यूमैंस, नई दिल्ली, ने 20 फरवरी, 2009 को "रिसेंट ट्रेंड्स इन पबिलक पालिसी एनालिसिस इन फ्रांस ऐंड इण्डिया।
- कुमारलिंगम अमीर थालिंगम, फेकल्टी ऑफ ला, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, ने 13 मार्च 2009 को "क्रिमिनल ला रिफार्म्स ऐंड द एस 377 डीबेट" विषयक व्याख्यान दिया।
- सिमोन पुलवेर, यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया सांता बारबरा, ने 20 मार्च, 2009 को "ग्रीनिंग ऑयल कम्पनीज ? : एन एनालिसिस आफ कार्पोरेट क्लाइमेट चेंज स्ट्रेटिजीज विषयक व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियां

छात्रों को पुरस्कार/सम्मान

- रिबेका जान को निप्पान फाउंडेशन और तोक्यो फाउंडेशन की रिऔची सासाकावा यंग लीडर्स फैलोशिप फंड के अन्तर्गत जवाहरलाल नेहरू यंग लीडर्स फैलोशिप प्रदान की गई।
- आर.यू.एस. प्रसाद, 15 अप्रैल से 28 जुलाई, 2008, इस अवधि को 15 अप्रैल, 2009 तक बढ़ाया गया कि अवधि के लिए स्टेण्डर्ड सेंटर फार इंटरनेशनल डिवलपमेंट, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में विजिटिंग रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।
- शिप्रा भाटिया को आस्ट्रेलिया–इण्डिया काउंसिल रिसर्च फेलोशिप, 2008 प्राप्त हुई।
- काज़ी सैय्यद, डिवलपमेंट इन एशिया पेसिफिक डिजिटल रिव्यु 2009 में प्रकाशित इण्डियन चैप्टर ऑन आई.सी.टी. के सह–लेखक।
- काज़ी सैय्यद,, सह–सम्पादक "डिजिटल इनक्लुजन फॉर डिवलपमेंट केसिस फ्राम इण्डिया ऐंड साउथ एशिया", 2009.
- प्रियंका एम. विलाथ, सदस्य, संचालन समिति और प्रतिनिधि – सब–ग्रुप ऑन साउथ एशिया, एशिया पैसिफिक रिफ्यूजी राइट्स नेटवर्क, कुआलालम्पुर, मलेशिया।
- प्रियंका एम. विलाथ, नामित सदस्य, कार्यक्रम समिति, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ फोर्स्ड माइग्रेशन, 2009, साइप्रस में आयोजित होने वाला सम्मेलन।

सम्मेलनों में छात्रों द्वारा प्रस्तुत आलेख

- राजश्री चंद्रा अहूजा ने 9 जनवरी, 2009 को जेएनयू में आयोजित 'ला ऐंड सोशल साइंस नेटवर्क के उद्घाटन सम्मेलन में इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स : एक्सक्लुडिंग अदर राइट्स ऑफ अदर पीपल्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजश्री चंद्र अहूजा ने 29 मई, 2008 को सेंटर फॉर एप्लाइड फिलास्फी ऐंड पब्लिक एथिक्स तथा सेंटर फॉर इंटरनेशनल ऐंड पब्लिक ला, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित "इनसेंटिव्स फॉर ग्लोबल हेल्थ : पेटेंट ला ऐंड एक्सेस टु एसेंशिएल मेडिसिन" विषयक कार्यशाला में "द रोल ऑफ नेशनल लाज इन रिसाइक्लिंग कांस्टिट्यूशनल राइट टु हेल्थ विद 'ट्रिप्स' आब्लिगेशन्स : ऐन इग्जामिनेशन ऑफ द ग्लिविक पेटेंट केस इन इण्डिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.सी. झा ने इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेडक्रास और 'नालसार' द्वारा नालसार यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन में "इंप्लिमेंटेशन ऑफ द रोम स्टेचु इन द साउथ एशियन मिलिट्री लीगल सिस्टम्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- रिबेका जान ने 21 अक्टूबर 2008 को महिला अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू में 'इंस्टीट्यूशनल रिस्पोंसिस टु सेक्सुअल हेरासमेंट ऐट पब्लिक स्पेसिस विद स्पेशल रिफ्रेंस टु केरला' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियंका एम. विलाथ ने 12–13 मार्च, 2009 को यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज, डिपार्टमेंट ऑफ जिओग्राफी द्वारा आयोजित "एक्सपिरियंसिंग द स्टेट : मार्जिनलाइज्ड पीपल ऐंड द पालिटिक्स ऑफ डिवलपमेंट" विषयक सम्मेलन में "डिवलपमेंट–इंडयूस्ड डिस्प्लेस्ड पर्शंस ऐंड द स्टेट इन इण्डिया–स्पेशल इकोनोमिक जोन्स ऐंड द निओ–लिबरल डिलेमा", शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियंका एम. विलाथ ने नवम्बर, 2008 में कुआलालमपुर, मलेशिया में आयोजित 'एशिया पेसिफिक रिफ्यूजी राइट्स नेटवर्क विषयक पहला "एशिया पेसिफिक कंसलटेशन ऑन रेफ्यूजी राइट्स" सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. विगनेश ने 8–10 जून, 2008 को गेदारफ डिजिटल सिटी आरगेनाइजेशन द्वारा खारतुम, सुडान में आयोजित 5वें ईस्ट अफ्रीकन टेलीसेंटर लीडर्स फोरम में "इर्म्पोटेंस ऑफ नालेज एक्सचेंज" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विगनेश ने 5 सितम्बर, 2008 को डिपार्टमेंट ऑफ एक्सटेंशन एज्यूकेशन, केसातसार्त यूनिवर्सिटी, थाईलैण्ड द्वारा आयोजित "टेलीसेंटर्स फॉर डिवलपमेंट : एशिया लेण्डस्केप" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शिप्रा भाटिया ने 5–7 दिसम्बर, 2008 को 'नापसिपाग' के इंटरनेशनल कांफ्रेंस "द रोल आफ एन.जी.ओ.'स इन हेल्ड सेक्टर विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- सिलविआ यामवेम ने 5–7 दिसम्बर, 2008 को नापसिपाग के "द रोल ऑफ एन.जी.ओ'स इन हेल्थ विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इम्प्लायमेंट इन मणिपुर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नाजिया खान ने 25–27 फरवरी, 2009 को बंगलौर यूनिवर्सिटी और इण्डियन सोसायटी ऑफ क्रिमिनोलाजी, बंगलौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "टार्चर इन पुलिस कस्टडी : ए क्रिमिनोलॉजी स्टडी इन दिल्ली" विषयक व्याख्यान दिया।
- नाजीया खान ने 25–27 फरवरी, 2009 को बंगलौर यूनिवर्सिटी और इण्डियन सोसायटी ऑफ क्रिमिनोलॉज, द्वारा बंगलौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, बंगलौर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पुलिस वायलेंस : मार्किसस्ट ऐंड निओ–मार्क्सिस्ट एप्रोच आफ पावर इन सोसायटी" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

छात्रों के प्रकाशन

पुस्तकें

- यू.सी. झा – द मिलिट्री जस्टिस सिस्टम इन इण्डिया : एन एनालिसिस, दिल्ली : लेक्सिस–नेक्सिस बटरवर्थ, 2009.

आलेख

- आर.यू.एस. प्रसाद ने डिस्प्यूट रिजोल्युशन मेकैनिज्म्स इन द टेलीकाम सेक्टर : रिलेटिंग इंटरनेशनल प्रेक्टिसिस टु इण्डियन एक्सपिरियंस, स्टेनफोर्ड सेंटर फार इंटरनेशनल डिवलपमेंट, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, सितम्बर, 2008.
- आर.यू.एस. प्रसाद, द इम्पेक्ट ऑफ पालिसी ऐंड रेग्यूलेट्री डिसीजंस आन टेलिकाम ग्रोथ इन इण्डिया, स्टेनफोर्ड सेंटर फार इंटरनेशनल डिवलपमेंट, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, जुलाई, 2008.
- प्रियंका एम. विलाथ, "रिहेबिलिटेशन बीफोर डिसप्लेसमेंट : इनफो चैंज एजेण्डा ऑन द मूव : ए स्टडी ऑफ मूविंग पाप्युलेशन्स, द सब–कांटिनेंट द डिस्प्लेस्ड, डिस्पोजेस्ड, एक्साइल्ड ऐंड एविक्टिड, अंक–12, सेंटर फॉर कम्युनिकेशन ऐंड डिवलपमेंट स्टडीज, पुणे।
- प्रियंका एम. विलाथ, "रेसिस्टेंस टु डिस्प्लेसमेंट थ्रु फारेस्ट राइट एक्ट : रिफ्युजी वाच आन लाइन, सितम्बर, 2008
- प्रियंका एम. विलाथ, "डिवलपमेंट ऐंड डिस्प्लेस : राइट्स–बेस्ड थिओरेटिकल एनालिसिस", आर. मोदी (सं.), बियोंड रेलोकेशन : द इम्पेरिटिव ऑफ सस्टेनेबल रिसेटलमेंट, नई दिल्ली, सेज, 2009.
- एस. विगनेश, 'केटालाइजिंग' द श्रीलंकन टेलीसेंटर मूवमेंट", टेलीसेंटर मैगजीन, भाग–2, अंक–1, नई दिल्ली, भारत, 2008.
- एस. विगनेश, "टेलीसेंटर इथोस 2.0" टेलीसेंटर मैगजीन, भाग–1, अंक–1, नई दिल्ली, भारत, 2008.

- एस. विगनेश (काकोती, जौनिता के साथ), टेलीसेंटर स्टेक होल्डर्स कंडयूट्स ऑफ डिवलपमेंट", टेलीसेंटर मैगजीन, भाग–2, अंक–4, नई दिल्ली, भारत।
- एस. विगनेश (कश्यप के साथ), मैकिंग टेलीसेंटर्स कनड्यूट्स ऑफ डिवलपमेंट" टेलीसेंटर मैगजीन, भाग–2, अंक–3, नई दिल्ली, भारत, 2008.
- एस. विगनेश (प्रीफोनटेन, क्रिश्चिन, जयलक्ष्मी के साथ), फोर्जिंग ग्लोबल कालोब्रेशन्स : द टेलीसेंटर लीडर्स फोरम", टेलीसेंटर मैगजीन, भाग–2, अंक–1,नई दिल्ली, 2008.
- एस. विगनेश (अनाम शर्मा के साथ), "कैम्पस विद नो गेट्स" आई4डी मैगजीन, भाग–5, अंक–10, नई दिल्ली, भारत।
- मो. जाहिदुल इस्लाम बिसवा "द विलेज कोर्ट : ए नेगलेक्टिड बट पोटेंशिएल रूरल जस्टिस फोरम" द डेली स्टार, बंगलादेश, 2008.
- मो. जाहिदुल इस्लाम बिसवास, "जुडिसिएरी मस्ट टेक बोल्ड स्टेप्स टु गेट रिड ऑफ बैकलाग ऑफ केसिस" द डेली स्टार, बंगलादेश, 2008
- मो. जाहिदुल इस्लाम बिसवास, "इण्डिया फॉर डी.एम.ए. टेस्ट इन चाइल्ड मेंनटेनस सूट्स", द डेली स्टार, बंगलादेश, 2008.
- सोनी कुंजाप्पन, स्कोप ऑफ लीगल ऐंड इंस्टीच्युशनल रिफार्म्स फॉर विक्टिम्स ऑफ क्राइम : ऐन इम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ क्राइसिस इंटरवेंशन सेंटर फॉर द विक्टिम्स ऑफ सेक्सुअल एब्युज इन सर्टेन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ दिल्ली सम्पादकीय मण्डल द्वारा प्रकाशन हेतु चुना गया। जर्नल ऑफ राजस्थान पुलिस अकादमी (भाग–1, के लिए)।

छात्रों द्वारा चलायी जा रही शोध परियोजनाएं

- एन. भूपति, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो द्वारा वित्तपोषित, लोकल सेल्फ गवर्नेंस ऐंड पोलिसिंग विषयक परियोजना। मई 2007 से।
- सोनी कुंजाप्पन, विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू के माध्यम से पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो द्वारा वित्तपोषित "लोकल सेल्फ गवर्नेंस ऐंड पोलिसिंग" विषयक परियोजना।
- काजी सैय्यद, असम बेस्ट प्रैक्टिसिस, रिसर्चर इन गवर्नेंस नालेज सेंटर परियोजना, डी.ए.आर.पी.जी. और सी.एस.एल.जी., जेएनयू, 2008–2009.
- शिप्रा भाटिया, सीनियर रिसर्च कोआर्डिनेटर, गवर्नेंस नालेज सेंटर, डी.ए.आर.पी.जी., भारत सरकार की परियोजना।
- नाजिया खान, शोधार्थी गवर्नेंस नॉलेज सेंटर, डी.ए.आर.पी.जी., भारत सरकार की परियोजना।
- नाजिया खान और सोनी कुंजाप्पन, नालसा स्टडी टु सर्वे बेस्ट प्रैक्टिसिस ऐट कोलकाता जेल रिफार्म्स फॉर बैकहोम चिल्ड्रन ऑफ कनविक्ट्स।
- सिलविया यामबेम, कार्यकारी शोध समन्वयक, एन.ए.पी.एस.आई.पी.ए.जी. एशिया पैसिफिक ग्रुप।
- के. रश्मि, बेस्ट प्रैक्टिसिस स्टडी फॉर चैन्नई सिटी, जी.के.सी., डी.ए.आर.पी.जी., नई दिल्ली।
- अशोक कुमार कर्ना, ई–गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट इन कालाहाण्डी, उड़ीसा, जी.के.सी., डी.ए.आर.पी.जी., नई दिल्ली।

कोई अन्य सूचना

(क) विधि और सामाजिक विज्ञान शोध नेटवर्क

केन्द्र ने विधि और सामाजिक विज्ञान शोध नेटवर्क तैयार करने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इसका मूल उद्देश्य दक्षिण एशिया में विधि और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र को सुव्यवस्थित करना था। दिसम्बर 2007 में विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र जेएनयू में विचार–विमर्श करके 14 सदस्यों के साथ इस नेटवर्क की शुरुआत की गई। फोर्ड फांउडेशन से केन्द्र को प्राप्त अनुदान राशि के माध्यम से छात्र समन्वयक ने इस नेटवर्क को तैयार करने में सहयोग किया। डेढ़ वर्ष की अवधि में इस नेटवर्क के सदस्यों की 210 से अधिक हो गई है।

8–11 जनवरी, 2009 को फोर्ड फाउंडेशन नई दिल्ली और मैक्स प्लांक इंस्टीच्युट फॉर सोशल एंथ्रोपोलाजी, हाले के सहयोग से विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क विषयक सम्मेलन का उद्घाटन ही इस काल्पनिक समुदाय की पहली बैठक थी।

यह सम्मेलन चार दिन तक चला जिसमें सात सत्रों में एक सौ से अधिक आलेख प्रस्तुत किए गए। इसके तीन निरपवाद सत्रों में शामिल सुप्रसिद्ध शिक्षाविद थे – वीना दास, पीटर फिट्जपैट्रिक, प्रताप भानु मेहता, उपेंद्र बक्शी, जीन कोमारोफ, सुमन सहाय, रोजमेरी कोम्बे, सुंदर कौशिक, राजन और शैला जसानोफ। इस सम्मेलन के सभी 4 दिनों में देश–विदेश के तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें कुल मिलाकर विधि, समाज और राजनीति के क्षेत्रों को अन्तरविषयात्मक प्रकृति का बनाने के लिए शैक्षिक और राजनीतिक हितों के समावेश की ओर संकेत किया गया।

नेटवर्क का कार्य विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र से ही चलाया जा रहा है। इसका अगला सम्मेलन आल्टर्नेटिव ला फोरम और संस्कृति एवं समाज केन्द्र के सहयोग से बंगलौर में आयोजित किया जाएगा।

(ख) कांफ्रेंस ऑफ नेटवर्क ऑफ एशिया पेसिफिक स्कूल्स ऐंड इंस्टीच्युट्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस मलेशिया में स्थित मुख्यालय विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र में स्थानान्तरित किया गया है। इसमें विदेशों के 203 संस्थानों के सदस्य शामिल हैं। 'नेपसिपाग' एशिया महासागरीय क्षेत्रों में स्थित स्कूलों और लोक प्रशासन संस्थानों का नेटवर्क है। 'नेपसिपाग' और एशियन डिवलपमेंट बैंक इंस्टीच्युट के सहयोग से 5–7 दिसम्बर, 2008 को "स्ट्रेंथिंग गवर्नेंस इन एशिया–पेसिफिक पब्लिक सेक्टर एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स ऐंड केपिसिटी बिल्डिंग टु इम्प्रूव ट्रांसपिरेंसी ऐंड अकाउटेबिलिटी" विषयक सम्मेलन आयोजित किया। इसके आयोजन में स्थानीय संस्थानों ने भी सहयोग दिया। इस सम्मेलन के प्रतिभागियों में विशेषज्ञ, विद्वान, प्रैक्टिशनर और आमंत्रित मुख्य वक्ता शामिल हैं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था एशिया महासागरीय क्षेत्र में भ्रष्टाचार का सामना करने के लिए अभिशासन को सुदृढ़ बनाना था। इसमें प्रस्तुत आलेख में एशिया महासागरीय क्षेत्र में अभिशासन नीति निर्माण और प्रशासनिक सुधारों के प्रभाव के मूल्यांकन पर बल दिया गया है। इनके अतिरिक्त सह–विषयों के कुछ आमंत्रित आलेख भी थे – (1) भ्रस्टाचार से निपटने के लिए अभिशासन के प्रयास; (2) सरकार की पारदर्शिता और जवाब देही में सुधार लाना; (3) जनता की जवाबदेही को सुदृढ़ बनाना; (4) महिलाओं की प्रतिभागिता और सिविल समाज तथा मीडिया की भागीदारी। प्राप्त किए गए 51 आलेखों में से 23 आलेखों को पुस्तक में प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया। पुस्तक का शीर्षक है – "स्ट्रेंथनिंग गवर्नेंस इन द एशिया पैसिफिक मिथ : मीथ्स, रिएलिटीज, पैराडोक्सिस"। इस पुस्तक को 11 दिसम्बर, 2009 को यूनिवर्सिटी ऑफ उतारा, केदाह, मलेशिया में विमोचन किया जाएगा।

वर्किंग पेपर

केन्द्र ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित वर्किंग पेपर प्रकाशित किए :

- जयवीर सिंह, लेबर ला और स्पेशल इकोनोमिक जोंस इन इण्डिया (सी.एस.एल.जी. / डब्ल्यू.पी. 09 / 01)
- प्रतीक्षा बक्शी, हेबिहास कार्पस : जूनिडिकल नरेटिव्स ऑफ सैक्सुअल गवर्नेंस (सी.एस.एल.जी. / डब्ल्यू.पी. 09 / 02)
- राम सिंह, रिलेशनशिप बिटवीन लाइब्लिटी रिजाइम्स ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट : ए स्टडी ऑफ मोटर व्हीकल एक्सीडेंट्स इन इंडिया (सी.एस.एल.जी. / डब्ल्यू.पी. 09 / 03)
- विक्रम जीत बतरा, "कोर्ट ऑफ लास्ट रिसोर्ट : ए स्टडी ऑफ कंस्टीच्युशनल क्लिमेंसी फॉर कैपिटल क्राइम्स इन इण्डिया (सी.एस.एल.जी. / डब्ल्यू.पी. 09 / 04)
- ललित बतरा, ए रिव्यु ऑफ अर्बनाइजेशन ऐंड अर्बन पॉलिसी रिसर्च आरगेनाइजेशन्स इन साउथ एशिया (सी.एस.एल.जी. / डब्ल्यू.पी. 09 / 05)
- कुलदीप माथुर, पॉलिसी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन्स इन साउथ एशिया (सी.एस.एल.जी. / डब्ल्यू.पी. 09 / 06)

राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- नीरजा गोपाल जयाल ने 20–21 जून, 2008 को मास्को, रूस में आयोजित 'रशिया इन ट्वंटी–फर्स्ट सेंचुरी' विषयक सम्मेलन में "ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेंस ऐंड आइडेंटिटी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 23–24 अक्टूबर, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यू.के. में आयोजित 'लिवरहुलमें प्रोजेक्ट ऑन जैंडर्ड सेरेमनी ऐंड रिचुअल इन पार्लियामेंट" विषयक सम्मेलन में पैन परिचर्चा की।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 14 नवम्बर, 2008 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू के सहयोग से सेंटर देस साइंसिस ह्यूर्मेनस की "इमर्जिंग इश्युज इन द सोशल साइंसिस : फ्रेको–इण्डियन पर्सपेक्टिव्स" विषयक सेमीार सीरिज में "पार्टिसिपेशन इन इण्डिया : फ्रॉम पालिटिक्स टु डिवलपमेंट" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- नीरजा गोपाल जयाल ने 8–11 जनवरी, 2009 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित "ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क" के 'सिटीजन' सत्र के 2 पैनलों का संयोजन किया तथा "इन बट नाट ऑफ द स्टेट : सोशल सिटीजन इन वेस्टर्न इण्डिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 12–13 मार्च, 2009 को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यू.के. में आयोजित "एक्सपिरियंसिंग द स्टेट : मार्जेनलाइज्ड पीपल ऐंड द पालिटिक्स ऑफ डिवलपमेंट इन इण्डिया" विषयक सम्मेलन में "क्रेविंग द स्टेट : क्लेम्स टु सोशल सिटीजनशिप इन वेस्टर्न इण्डिया" विषयक मुख्य वक्तव्य दिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 17–18 मार्च, 2009 को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित "एलेक्सिस दे तोक्यूविले ऐंड द पालिटिक्ल डिवलपमेंट ऑफ द यू.एस. ऐंड इण्डिया" विषयक सम्मेलन में "ऐन इमेंस ऐंड (इन) कंम्पलीट डेमोक्रेसी : ए तोक्यूविलियन पर्सपेक्टिव ऑन इण्डिया'स एक्सपेरिमेंट विद डेमोक्रेटिक सिटीजनशिप" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने 2 अप्रैल, 2008 को ऐश इंस्टीच्युट ऑफ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस, कनेडी स्कूल ऑफ गवर्नेंस, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएस.ए. में आयोजित "इनोवेशन्स इन गवर्नेंस : एथिक्स ऐंड एकाउंटेबिलिटी इन पब्लिक सेक्टर" विषयक विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया।
- अमिता सिंह ने 17–19 अप्रैल, 2008 को हमदर्द स्कूल ऑफ ला, कमेटी फार बेलफेयर ऑफ वुमन प्रीजनर्स, ए.पी.डब्ल्यू.ए. लीगल ऐंड काल सेंटर ऐंड वुमन प्रीजनर्स वेलफेयर सोसायटी, द्वारा कराची में आयोजित "एक्सेस टु जस्टिस : लीगल ऐड ऐंड रिफार्म्स इन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम" विषयक संगोष्ठी में "जस्टिस सिस्टम इन साऊथ एशिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने कराची, पाकिस्तान में आयोजित विशेषज्ञों की बैठक और कैदियों की रिहाई के लिए इण्डो–पाक सहयोगात्मक कार्यक्रम में "पनाह ऐंड रिहेबिलिटेशन ऑफ वुमन प्रिजनर्स इन द कोरेक्शनल होम्स इन कराची" विषयक परिचर्चा की।
- अमिता सिंह ने 4–5 जून, 2008 को जी.डी.एन., वाशिंगटन, यू.एस.ए. में आयोजित "आल्टर्नेटिव इंस्टीच्युशनल एप्रोचिस टु एनशोयरिंग इफेक्टिव गवर्नेंस फॉर ग्रोथ, पावर्टी, रिडक्शन ऐंड द डिलिवरी ऑफ पब्लिक सर्विसिज" विषयक विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया।
- अमिता सिंह ने "स्ट्रेंथनिंग ऑफ गवर्नेंस इन एशिया–पेसिफिक : केपेसिटी बिल्डिंग फॉर एकाउंटेबिलिटी, ट्रांसपेरंसी ऐंड करप्शन कंट्रोल" नापसीपाग, नई दिल्ली, 5–7 दिसम्बर, 2008।
- अमिता सिंह ने "चैलेंजिस ऑफ गवर्नेंस इन साउथ एशिया" कठमाण्डु, नेपाल, 15–16 दिसम्बर, 2008।
- अमिता सिंह ने नापसीपाग कार्यकारी बैठक "एशिया–पेसिफिक रिसर्च डायमेंशंस, 'इनटान' कुआलालमपुर, मलेशिया, नेपाल, 15–16 दिसम्बर, 2008।
- अमिता सिंह ने 9 फरवरी, 2009 को आई.सी.टी. कम्युनिटी फॉर डिवलपमेंट, यूनेस्को, नयी दिल्ली में आयोजित "ई–गवर्नेंस प्रैक्टिसिस फॉर डिवलपिंग कंट्रीज" विषयक संगोष्ठी में "केपिसिटी बिल्डिंग टूल्स ऐंड डिपोजिट्री ऑफ पी.पी.पी." शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने 31 जनवरी से 3 फरवरी, 2009 तक कुवैत में आयोजित "सेवेंटा ग्लोबल रिसर्च प्रोजेक्ट" में "वैरायटी ऑफ गीवर्नेंस इफेक्टिव पब्लिक सर्विस डिलिवरी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने 26 फरवरी, 2009 को नयी दिल्ली में आयोजित "प्रोटेक्शन ऑफ (आई.डी.पी'स) इंटर्नली डिस्प्लेस्ड पीपल्स राइट्स थ्रू अवर कांस्टीच्युशनल प्रोविजंस, लास ऐंड पालिसीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने 3 मार्च, 2009 को आई.जी.जे., नयी दिल्ली में आयोजित "इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ वुमन" में रिवर्बिरेशन्स ऑफ होप : बिल्डिंग केपासिटीज ऑफ गवर्नमेंट्स ऐंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन टर्स फॉर सोशल चैंज ऐंड जैंडर जस्टिस" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 16–17 मार्च, 2009 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और साइंस दे लेजिस्लेशन कम्पेरी, पेरिस, फाउंडेशन मेसन देस साइंसिस दे आई। होम, पेरिस; इकोल नारमेल, सुपीरियर, पेरिस, एसोसिएशन हेनरी केपिटेंट दे एमिस पेरिस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "ला ऐंड ग्लोबलाइजेशन" विषयक संगोष्ठी में (जीन–लुईस हालपेरिन के साथ मिलकर लिखा) "फंडामेंटल राइट्स, मीनिंग कनटेंट ऐंड डिसक्रिमिनेशन : ए फ्रेंको–इण्डियन कम्पेरिजन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अमित प्रकाश ने 4–5 जुलाई, 2008 को ईस्टर्न रीजनल सेंटर, इंस्टीच्युट फॉर ह्यूमन डिवलपमेंट, दिल्ली द्वारा राँची में आयोजित "ह्यूमन डिवलपमेंट इन झारखंड : पर्सपेक्टिव ऐंड पॉलिसीज" विषयक संगोष्ठी में "ट्राइबल राट्स इन झारखंड" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 19 जून, 2008 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद और प्रेस क्लब, हैदराबाद द्वारा आयोजित "पॉलिटिक्स ऑफ डिवलपमेंट ऐंड आटोनोमी इन झारखंड" विषयक जन–व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 24–26 मई, 2008 को महार्निबन कलकत्ता रिसर्च ग्रुप, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित "डिवलपमेंट, डेमोक्रेसी ऐंड गवर्नेंस : ब्राड लेसंस फ्रॉम पोस्ट क्लोनिअल एक्सपिरियंसिस" विषयक गोष्ठी में "द गवर्नेंस डिस्कोर्स : इश्युज ऐंड द प्रोबल्मेटिक" शीर्षक परिचर्चा की।
- एन.के. डबास ने 25 अप्रैल, 2008 को इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीच्युट, दिल्ली में "इंस्टीच्युशनल ट्रांस प्लांट ऐज पोलिटिकल अपर्चुनिटी : द प्रैक्टिस ऐंड पालिटिक्स आफ इण्डियन इलेक्ट्रिसिटी रेग्यूलेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 15 सितम्बर, 2008 को ब्रुसेल्स में आयोजित "टुवर्ड्स ए कम्प्रीहेंसिव ऐंड अम्बिशस पोस्ट 2012 क्लाइमेट चैंज एग्रीमेंट इन कोपेनहेगन" विषयक यूरोपीय समुदाय के स्टेकहोल्डर सम्मेलन में "टुवर्डस ए प्रोडक्टिव कनवर्जन आन क्लाइमेट आन क्लाइमेट चैंज विद इण्डिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 16 सितम्बर, 2008 को नयी दिल्ली में आयोजित 'इरेडे 6थ फाउंडेशन डे' के अवसर पर "अनफिनिश्ड बिजनेस : वाई फूड सिक्युरिटी डिपेंडस आन इलेक्ट्रिसिटी रिफार्म" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 1 दिसम्बर, 2008 को अमरीकन यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन, डी.सी. में "इंटिग्रेटिड क्लाइमेट ऐंड डिवलपमेंट : ए डिस्कशन ऑफ डि–सेंटर्उ क्लाइमेट गवर्नेंस इन इण्डिया" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 21–23 जनवरी, 2009 को इण्डियन सोसायटी फॉर इकोलाजिकल इकोनोमिक्स, अहमदाबाद, गुजरात के द्विवार्षिक सम्मेलन में "क्लाइमेट चेंज ऐज ए प्रोबलम आफ मल्टी–लेवल गवर्नेंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 4 फरवरी, 2009 को द एनर्जी रिसर्च इंस्टीच्युट इंस्टीच्युट द्वारा आयोजित "एडाप्टिंग टु क्लाइमेट चैंज : स्ट्रेटिजीस फॉर वाटर ऐंड फूड सिक्युरिटी इन इण्डिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 26 फरवरी, 2009 को फोर्ड फाउंडेशन, नयी दिल्ली में आयोजित 'क्लाइमेट चैंज' विषयक कार्यशाला में "लोकेटिंग इण्डिया विदिन ग्लोबल क्लाइमेट चैंज डिस्कशन्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 3 मार्च, 2009 को वर्ल्ड बैंक में इंटिग्रेटिंग क्लाइमेट चेंज ऐंड डिवलपमेंट : लेसंस फ्राम इण्डिया फार मल्टीलेवल क्लाइमेट गवर्नेंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 3 मार्च, 2009 को द स्कूल आफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, जान होपकिंस यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डी.सी. में "इंडिग्रेटिड क्लाइमेट चैंज ऐंड डिवलपमेंट : ए डिसकशन आफ मल्टीलेवल गवर्नेंस इन इण्डिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 7 मार्च, 2009 को नई दिल्ली में आयोजित इण्डिया'स आप्शन्स इन क्लाइमेट चैंज निगोसिएशन" विषयक सी.पी.आर.–सी.ए.एस.आई. सम्मेलन में "टुवर्डस ए रिन्युड इण्डियन क्लाइमेट स्ट्रेटिजीज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.के. डबास ने 27 मार्च, 2009 को नई दिल्ली में आयोजित "रेग्यूलेशन, एनफोर्समेंट ऐंड गवर्नेंस इन एनवायरनमेंटल ला : कन्टेम्पोररि डिवलपमेंट्स इन इण्डिया ऐंड द यू.के." विषयक यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन कार्यशाला में "क्लाइमेट चैंज इन इण्डिया : टुवर्ड्स ए मॉडल ऑफ मल्टीलेवल गवर्नेंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयवीर सिंह ने 8–11 जनवरी, 2009 को विधि और अभिशासन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क' के उद्घाटन समारोह में इण्डियन रेग्युलेटरी बोडीज ऐंड सोशल कास्टस आफ अनबैलेंस्ड डेलिगेशंस विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयवीर सिंह ने 8–11 जनवरी, 2009 को विधि और अभिशासन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क' के उद्घाटन समारोह में हू इज ए वर्कर ? नार्मेटिव इम्प्लिकेशन्स फॉर इण्डियन लेबर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जेनिफर जलाल ने 29–31 मई, 2008 को मोट्रियल, कनाडा में कनाडियन ला सोसायटी ऐंड ला सोसायटी एसोसिएशन द्वारा

आयोजित 'ला ऐंड स्पेस' विषयक सम्मेलन में "फ्राम द बाजार टु द माल : एक्सप्लोरिंग सम इश्युज आफ अर्बन स्पेस ला ऐंड पोलिटिक्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- प्रतीक्षा बक्शी ने 7–11 जनवरी, 2009 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र द्वारा शुरू किए गए 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क' में एंकर थीं। उन्होंने विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र में 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क का उद्घाटन समारोह आयोजित किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नेटवर्क में 200 विद्वान और विधिवेत्ता सदस्य हैं।
- प्रतीक्षा बक्शी ने 7–11 जनवरी, 2009 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र की 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क' के उद्घाटन समारोह में "द होस्टाइल विटनेस ऐंड पब्लिक सिक्रेसी इन रेप ट्रायल्स इन इण्डिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- अमिता सिंह ने 17 फरवरी, 2009 को हरियाणा इंस्टीच्युट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, गुड़गाँव में "पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप ऐंड सर्विस डिलिवरी" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 20 फरवरी, 2009 को हरियाणा इंस्टीच्युट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, गुड़गाँव में "राइट टु इनफार्मेशन : लिमिटेशंस ऐंड गवर्नेस डायमेंशंस" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 3 दिसम्बर, 2008 को उपासला विश्वविद्यालय (नार्डियक सेंटर इन इण्डिया उपासला के सहयोग से), उपासला, स्वीडन में "रीजनल ऐंड इंडिजिनस पोलिटिक्स इन इण्डिया : आइडेंटिटी ऐंड डिवलपमेंट इन झारखण्ड स्टेट" विषयक जन–व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 2 दिसम्बर, 2008 को स्टाकहोम यूनिवर्सिटी (नार्डियक सेंटर इन इण्डिया, उपासला के सहयोग से), स्टाकहोम, यूनिवर्सिटी, स्टाकहोम, स्वीडन में "रीजनल ऐंड इडिजिनस पालिटिक्स इन इण्डिया : आइडेंटिटी ऐंड डिवलपमेंट इन झारखंड स्टेट" विषयक जन व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 21 नवम्बर, 2008 को यूनिवर्सिटी आफ कोपेनहेगन, डेनमार्क में "गवर्नेंस इन इण्डिया : एमपिरिकल इविडेंस फ्रॉम 20 स्टेट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 19 नवम्बर, 2008 को यूनिवर्सिटी आफ कोपेनहेगन, डेनमार्क में "सेंसस आफ इण्डिया : हिस्टोरिकल बैक ग्राउंड ऐंड कंटेम्पोरेरि एसेस टूल्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 26 नवम्बर, 2009 को "गवर्नेंस इन इण्डिया : एमपिरिकल इविडेंस फ्रॉम 20 स्टेट्स" विषयक व्याख्यान इंस्टीच्यूट ऑफ डिवलपमेंट स्टडीज, ब्रिटन, यू.के. में दिया।
- अमित प्रकाश ने 13 नवम्बर, 2008 को सेंटर दी स्टुडे दी–अफ्रिके नायरे, साइंसिस पो बोडाक्स, फ्रास में "राइट इक्वेलिटी ऐंड पोजिटिव डिस्क्रिमिनेशन इन इण्डिया : ट्राइबल पाप्युलेशन'स ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 26 सितम्बर, 2008 को इकोल नार्मेल सुपीरियर पेरिस फ्रांस में "गवर्नेस इन इण्डिया" एमपिरिकल इविडेंस फ्राम 20 स्टेट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित प्रकाश ने 25 सितम्बर, 2008 को इकोल नार्मेल सुनिरियर, पेरिस, फ्रांस में "ट्राइबल राइट्स, इक्वेलिटी ऐंड पोजिटिव डिस्क्रिमिनेशन : कांस्टीच्युशनल ऐंड लीगल स्ट्रक्चर्स इन इण्डिया" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तिया

- अमिता सिंह को इंटरनेशनल कांग्रेस आफ वुमन ने 3 मार्च, 2009 को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड फॉर पब्लिक सेक्टर रिसर्च" प्रदान किया।
- अमित प्रकाश को कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी, डेनमार्क में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया। नवम्बर 2008।
- अमित प्रकाश को साइंसिस पी.ओ. बोर्डाक्स, फ्रांस में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया, अक्टूबर–दिसम्बर 2008।
- अमित प्रकाश को फाउंडेशन दे ला मैसन देस साइंस दी ला–होम, पेरिस में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया।

मंडलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय के बाहर)

- नीरजा गोपाल जयाल, सदस्य, सेंटर एडवाइजरी रिव्यु ग्रुप, द सेंटर फार दे फ्यूचर स्टेट, इस्टीच्युट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, ससेक्स, यू.के. (2002 से); सदस्य, सलाहकार मण्डल, जेंडर्ड सेरामनी ऐंड रिचुअल इन पार्लियामेंट, ए लिवरहोम ट्रस्ट प्रोजेक्ट ऐट द डिपार्टमेंट आफ पालिटिक्स ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यू.के.; सदस्य, सम्पादकीय बोर्ड, द ग्लोबल रिव्यु आफ एथनोपोलिटिक्स; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, द इण्डिया रिव्यु (टेलर ऐंड फ्रांसिस); सदस्य, केंद्रीय सलाहकार समिति, पंचायतराज, भारत सरकार; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, ब्रुक सीरीज प्युलेरिटी इन साउथ एशिया" एंथम प्रेस, लंदन; संयोजक, राजनीति एवं अभिशासन पर कार्यक्रम योजना एवं सलाहकार ग्रुप, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, कल्चर मिडिया ऐंड गवर्नेंस स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया।
- अमिता सिंह, महासचिव, नापसिपाग (नेटवर्क आफ एशिया–पेसिफिक स्कूल्स ऐंड इंस्टीच्युट आन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस, कुआलालमपुर); बोर्ड आफ इंटरनेशनल पालिटिकल साइंस एसोसिएशन कमेटी आन ब्युरोक्रेसी, एडिटोरियल बोर्ड आफ जर्नल आन गवर्नेंस, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया; सम्पादकीय मण्डल, "ग्रासरूट गवर्नेंस", जर्नल अकादमी आफ ग्रासरूट्स स्टडीज ऐंड रिसर्च आफ इण्डिया, तिरूपति; यूनेस्को, "सोल्युशन्स एक्सचेंज ग्रुप आफ आई.सी.टी. कम्युनिटी फार डिवलपमेंट; सदस्य, इंटरनेशनल एथिक्स कमेटी आफ आई.सी.जी.ई.बी; नई दिल्ली; सदस्य, इण्डियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन थिअरि नेटवर्क (पी.ए.टी.–नेट), बोर्ड मेम्बर, यूनिवर्सिटी आफ नेब्रास्का, ओहामा, यू.एस.ए.; सदस्य, चयन समिति जुवेलिन जस्टिस एक्ट 2000, महिला और बाल विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार, दिल्ली;
- अमित प्रकाश, सदस्य, संचालन समिति और कार्य मण्डल, सी.ई.ई.यू.एन.–ट्रांजिशन वर्ल्ड रिसर्च नेटवर्क–ए नेटवर्क आफ कोआप्रेशन अमंग इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी इंस्टीच्युशंस ऐंड रिसर्च सेंटर्स प्रमोटिड बाई ए ग्रुप आफ इटालियन यूनिवर्सिटी इंस्टीच्युट्स; सदस्य, संचालन समिति और एग्जिक्युटिव बोर्ड आफ ट्रांजिशन स्टडीज रिव्यु – ए जर्नल पब्लिशिड बाई स्प्रिंगर वेन, न्यूयार्क; 11वीं पंचवर्षीय योजना 2008 के अन्तर्गत विशिष्ठता हेतु सक्षम विश्वविद्यालयों के लिए अनुदान राशि मुहैया कराने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योजना हेतु ड्राफ्ट प्रस्ताव तैयार करने के लिए कुलपति द्वारा गठित समिति के सदस्य।
- नवरोज के. डबास, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, जर्नल आफ एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, एनवायरनमेंटल पालिसी ऐंड गवर्नेंस; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, यूटिलिटी पालिसी; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, एनवायरनमेंटल रिसर्च लैटर्स।
- जयवीर सिंह, स्वास्थ्य और जीवन निर्वाह संबंधित सुरक्षा में वृद्धि करने हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की "प्रोमोटिंग कंजर्वेशन ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स ऐंड ट्रेडिशनल नालेज" विषयक यू.एन.डी.पी., सी.सी.एफ.–II परियोजना की संचालन समिति में योगदान किया।

विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र

विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र जेएनयू संस्कृति का अनुपालन करते हुए अपने शिक्षण और शोध कार्यक्रमों में अन्तरविषयक अध्ययन पर बल देता है। इस संबंध में 2008–09 के दौरान कई नए शुरुआती कदम उठाए गए जिनके परिणामस्वरूप छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई आधारभूत संरचना का विकास हुआ और शिक्षण में बृहत दृष्टिकोण को अपनाया गया। केन्द्र के शिक्षकों और छात्रों ने कई राष्ट्रीय संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में भाग लिया तथा विभिन्न शैक्षिक गतिविधियां भी आयोजित कीं जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

केन्द्र अपनी स्थापना से ही संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष विभिन्न व्याख्यानों की श्रृंखला आयोजित करता आ रहा है। इस वर्ष डॉ. हरी राम मिश्रा द्वारा 'संस्कृत फिलास्फी आफ लैंग्यूवेज' विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

निम्नलिखित विद्वानों ने केन्द्र का दौरा किया और उन्होंने संस्कृत से संबंधित विषयों पर कई व्याख्यान दिए –

- प्रोफेसर कमलेश दत्त त्रिपाठी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. कपिल कपूर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
- प्रो. नरेन्द्रनाथ पाण्डेय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. गया चरण त्रिपाठी, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली।
- प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, हरीसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश।
- डॉ. सी.बी. पटेल, निदेशक, उड़ीसा राज्य संग्रहालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा।
- डॉ. अने कुंगा शोदरोन, डिपार्टमेंट आफ रिलिजन, जार्ज वाशिंग्टन यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, यू.एस.ए.।
- प्रो. क्रिस्टिन चोजनकी, प्रो. आफ इण्डियन लैंग्यूवेज्स ऐंड कल्चर्स, यूनिवर्सिटी ऑफ लियानउ, फ्रांस।

नये पाठ्यक्रम (केन्द्र द्वारा शुरू किए गए नियमित/उपचारात्मक पाठ्यक्रम)

एम.फिल.

एस.के. 616, स्टडीज इन नव वैशेषिका, प्रो. शशिप्रभा कुमार

एम.ए.

एस.के. 567, वैशेषिका फिलोस्फी, प्रो. शशिप्रभा कुमार

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन

- गिरीश नाथ झा ने 25–26 मार्च 2009 को (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) गोवा विश्वविद्यालय, के सहयोग से गोवा में इण्डियन लैंग्यूवेजिस कारपोरा (आईएलसीआई) परियोजना के लिए कार्यशाला आयोजित की।
- गिरीश नाथ झा ने 14 नवम्बर, 2008 को संस्कृत केन्द्र में बच्चों के लिए पंचतत्र पेंटिंग/स्केचिंग इवेंट और कार्यशाला आयोजित की।
- हरीराम मिश्रा ने अगस्त, 2008 के दौरान संस्कृत सप्ताह के भाग के रूप में विशेष व्याख्यानों की श्रृंखला आयोजित की। ये व्याख्यान 'संस्कृत फिलास्फी ऑफ लैंग्यूवेज' विषय पर आधारित थे।

केन्द्र में आए विशेष अतिथि

- वी.एन. शुक्ला, सीडेक, नोएडा।
- डॉ. सी.बी. पटेल, उड़ीसा राज्य संग्रहालय, भुवनेश्वर।
- डॉ. अने कुंगा शोरडोन डिपार्टमेंट ऑफ रिलिजन, जार्ज वाशिंग्टन यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन।

कोई अन्य महत्वपूर्ण सूचना

- डॉ. गिरीश नाथ झा को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से निम्न लिखित बृहत परियोजनाएं प्राप्त हुईं :
  - 'विलपमेंट ऑफ संस्कृत कंप्यूटेशनल टूलकिट ऐंड संस्कृत हिन्दी मशीन ट्रांसलेशन' इस परियोजना में जेएनयू सहित 7 संस्थान/विश्वविद्यालय, भागीदार हैं।

- इण्डियन लैंग्यूवेजिज कारपोरा इनिसिएटिव (आईएलसीआई) विषयक संगोष्ठी परियोजना में 10 विश्वविद्यालय/संस्थान शामिल हैं, जेएनयू इस संगोष्ठी में प्रमुख रूप से भागीदार है।

केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन

- शशिप्रभा कुमार ने 28 जनवरी, 2009 को संस्कृत भवन, नई दिल्ली में निःश्रेयास के तत्वावधान में आधुनिक भारतीय विचारों की श्रृंखला में दयानन्द सरस्वती ऐंड राममोहन राव' विषयक 2 विशेष व्याख्यान आयोजित किए।
- शशिप्रभा कुमार ने 1 नवम्बर 2008 को वेद संस्थान, नई दिल्ली में निःश्रेयास के तत्वावधान में निघंटु ऐंड वेदार्थ विषयक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता।

- गिरीश नाथ झा ने 20–21 जून, 2008 को संस्कृत अध्ययन विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबद द्वारा आयोजित संस्कृत संगोष्ठी के अन्तर्गत 'पीओएस टैगिंग फॉर संस्कृत' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 2008 में केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय में 'हिन्दी–इंग्लिश–बोडो डिक्शनरी' विषयक कार्यशालाओं की श्रृंखला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 1 मार्च, 2009 को भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार, आईआईटी, हैदराबाद में 'इण्यिन लैंग्यूवेज टेक्नोलाजीस ऐंड प्रोडक्ट्स सैक्शनल कमेटी (एलआईटीटी 20) की द्वितीय बैठक में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 27 नवम्बर 2008 को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, सीजीओ कम्पलेक्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टेक्नोलाजी डिवलपमेंट फॉर इण्डियन लैंग्यूवेजिस' वर्किंग ग्रुप की बैठक में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 29–30 सितम्बर, 2008 को सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत सरकार, सीजीओ कम्पलेक्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वैलिडेशन/मोडिफिकेशन ऑफ द यूनिकोड सीएलडीआर हिन्दी डाटा' विषयक बैठक में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 23–27 जून, 2008 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपेरेशन ऑफ सोर्स बुक ऑफ साइंटिफिक थाट्स इन संस्कृत लिट्रेचर (मैथमेटिक्स इन संस्कृत–इंग्लिश वर्जन)' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 17–21 नवम्बर, 2008 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपेरेशन ऑफ सोर्स बुक आफ साइंटिफिक थाट्स इन संस्कृत लिट्रेचर (आर्किटेक्चरल साइंस इन संस्कृत–इंग्लिश वर्जन)' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामनाथ झा ने 21–9 अगस्त, 2008 को अकादमिक स्टाफ कालेज राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 'संस्कृत वांग्मय में निहित प्राचीन भारतीय विज्ञान एवं शास्त्र (वर्तमान संदर्भ में उपयोगिता)' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 26–28 मई, 2008 को कैसल कैंडोल्फो, रोम, इटली में आयोजित 'हिन्दू–क्रिश्चियन डायलाग' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वैदिक विजन आफ गाड, मैन ऐंड नेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 19–22 दिसम्बर, 2008 को तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु में 'ऋग्वेद' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ऋग्वेदिक व्यूज ऑफ लाइफ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 12–14 अक्टूबर, 2008 को मिथिक सोसायटी बंगलौर में आयोजित मिथिक सोसायटी शताब्दी समारोह में 'इण्डियन हैरिटेज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वेदाज : द फाउंडेशन सोर्स ऑफ स्प्रिचुएलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 28 अप्रैल, 2008 को संस्कृत सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वैदिक दर्शन इन दयानन्दकृतमाहदकवम' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 21–24 अप्रैल, 2008 को नेशनल सेंटर फॉर हिस्ट्री ऑफ साइंस और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर द्वारा मैसूर में आयोजित 'एटामिक थिअरी ऑफ वैशेषिका' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 18–22 अगस्त, 2008 को जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता में आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'वैशेषिक ओंटोली' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

- रजनीश कुमार मिश्रा ने 4–6 जून, 2008 को परमार्थ निकेतन ऋषिकेश में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिन्दूइज्म' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 25 जून, 2008 को हाउस ऑफ लन्दन, लन्दन में आयोजित 'इण्डियन गवर्नेन्स सिस्टम्स' विषयक प्रोफेसर कपिल कपूर के लार्ड व्याख्यान में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 27 जून – 5 जुलाई, 2008 को क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट, नार्थ आयरलैण्ड, यू.के. में कैटेलाग्ड ऑफ इण्डियन/संस्कृत मैन्युस्क्रिप्ट के सम्मेलन में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 3 जुलाई, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ अल्सटर, कोलेरियन (नार्थ आयरलैण्ड, यू.के.) में आयोजित 'इण्डो–ब्रिटिश एन्थोलाजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 5–7 अगस्त, 2008 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इण्डियन पोइटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 21–24 अगस्त 2008 को केरल साहित्य अकादमी, त्रिचूर में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इण्डियन पोइटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 3–5 सितम्बर, 2008 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इण्डियन पोइटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 23–27 अक्टूबर, 2008 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इण्डियन पोइटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 30 अक्टूबर – 1 नवम्बर, 2008 को परमार्थ निकेतन, राजस्थान में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिन्दुस्तान' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 15–18 दिसम्बर, 2008 को द सेंटर ऑफ डाइसपोरा ऐंड कल्चर, हेमचन्द्र आचार्य नार्थ गुजरात यूनिवर्सिटी, पाटन (गुजरात) में आयोजित 'इण्डियन गुजराती डाइसपोरा' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 22–25 दिसम्बर, 2008 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इण्डियन पोइटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 30 दिसम्बर – 4 जनवरी, 2009 को परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ हिन्दुस्तान' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्रा ने 9–13 फरवरी, 2009 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री लिखने हेतु 'संस्कृत लिंग्विस्टिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- सी उपेन्द्र राव ने 4–5 मार्च 2009 को फाउंडेशन ऑफ सार्क राइटर्स ऐंड लिट्रेचर (एफओएसडब्ल्यूएसी) एपेक्स बाडी ऑफ सार्क द्वारा आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित 'बुद्धिज्म ऐज ए पीसमेकर इन पोस्ट मॉडर्न सार्क' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वर्ल्डपीस थ्रू निर्वाण' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी उपेन्द्र राव ने 2008 में जनपद सम्पदा द्वारा आईजीएनसीए, नई दिल्ली में आयोजित 'रामकथा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द लीजेंड ऑफ राम इन बुद्धिज्म ऐंड जैन लिट्रेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी उपेन्द्र राव ने 6–7 फरवरी, 2009 को संस्कृत विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित 'द कंट्रीब्यूशन ऑफ आन्ध्राज टु संस्कृत पोइटिक्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द करेक्ट्राइजिस्टिक्स ऑफ उदाहरण पोइम्स बाई द स्कालर्स ऑफ पोइटिक्स फ्राम आन्ध्रा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी उपेन्द्र राव ने 1–3 दिसम्बर, 2008 को कालीदास अकादमी ऑफ संस्कृत म्युजिक ऐंड फाइन आर्ट द्वारा भारती कालेज में आयोजित 'कालीदास महोत्सव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फैमिली रिलेशंस इन कालीदास'ज वर्क्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी उपेन्द्र राव ने मैरिस स्टेला कालेज (आटोनोमस), विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'श्री रामचन्द्र लाघु काव्य संघर्ष समीक्षा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सी उपेन्द्र राव ने 15–17 जनवरी, 2009 को तिब्बतन इंस्टीट्यूट सारनाथ में आयोजित 'बुद्धिज्म ऐंड साइंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सी उपेन्द्र राव ने 23–29 जून, 2008 को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ बुद्धिष्ट स्टडीज, यूएसए द्वारा इरोमी यूनिवर्सिटी अटलांटा, यूएसए में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय बुद्धिष्ट सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द इंफ्लुएन्स ऑफ गांधवयुहा सूत्र ऑन बोधिचर्यावात्रा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- गिरीशनाथ झा ने 22 फरवरी, 2009 को भंडारकर ओरिएन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे में 'मेथड्स ऐंड इश्यूज इन कंप्यूटर प्रोसेसिंग ऑफ पाणिनी' विषयक व्याख्यान दिया।
- गिरीशनाथ झा को 25 नवम्बर, 2008 को तिरुपति संस्कृत विद्यापीठ में जेएनयू में विकसित संस्कृत साफ्टवेयर का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- गिरीशनाथ झा ने 16 नवम्बर, 2008 को डीपीएसएचआरडी, सेंटर, द्वारका, नई दिल्ली में 'मल्टिमीडिया इ–लर्निंग फार संस्कृत' विषयक व्याख्यान दिया।
- गिरीशनाथ झा ने 7 नवम्बर, 2008 को संस्कृत विभाग, पाली और प्राकृत, एमडी विश्वविद्यालय रोहतक में 'इश्यूज इन संस्कृत एनपीएल ऐंड ई–लर्निंग' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- गिरीशनाथ झा ने 28 सितम्बर, 2008 को हरियाणा संस्कृत अकादमी, भिवानी में 'संस्कृत ऐंड कंप्यूटर' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- गिरीशनाथ झा ने 29–31 अगस्त, 2008 को यूनिवर्सिटी ऑफ बर्जिन, नार्वे द्वारा आयोजित 'अनाफोरा रिजोल्युशन–II विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- रामनाथ झा ने 16 नवम्बर, 2008 को दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी द्वारा डीपीएस कैम्पस में आयोजित 'संस्कृत ऐंड साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- रामनाथ झा ने 16 मार्च 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में 'इंट्रोडेक्शन टु योगा ऐंड सांख्या' विषयक व्याख्यान दिया।
- रामनाथ झा ने 16 मार्च 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में 'पूर्व मीमांसा ऐंड उत्तर मीमांसा (वेदांत) : ऐन ओवर व्यू' विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 13 मार्च, 2009 को संस्कृत परिषद् कमला नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कैरियर आप्शंस इन संस्कृत' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 9 और 16 मार्च, 2009 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिलली में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के लिए (i) वेदास : एन इंट्रोडक्शन; (ii) वैशेषिक ऐंड न्याया : एन इंट्रोडक्शन' विषयक व्याख्यान दिए।
- शशिप्रभा कुमार ने 27 फरवरी, 2009 को महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वुमन ऐंड रिलिजन' विषयक संगोष्ठी में 'वुमन ऐंड आर्य समाज' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 27 फरवरी, 2009 को लाल श्री बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में 'रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- शशिप्रभा कुमार ने 11 दिसम्बर, 2008 को संस्कृत विभाग, लक्ष्मीबाई कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में 'कंटेम्पोर्निटी ऑफ संस्कृत' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 21 सितम्बर, 2008 को सीनियर सिटिजन'स फोरम, नोयडा में "वैदिक विजन ऑफ इनक्लुसिवनेस' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 11 मई, 2008 को समर स्कूल ऑफ प्रकृति, भोगीलाल लहर चन्द इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डोलौजी, दिल्ली में 'सिग्निफिकेंस ऑफ प्रकृति ऐज ए गैस्ट ऑफ आनर' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।

- शशिप्रभा कुमार ने अप्रैल, 2008 में डिपार्टमेंट ऑफ ह्युमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस, आईआईटी, दिल्ली में 'वैशेषिका मेटाफिजिक्स' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 15 नवम्बर, 2008 को डीपीएस सोसायटी, द्वारका, नई दिल्ली में भारत और विदेश में स्थित सभी डीपीएस स्कूलों में संस्कृत के सभी शिक्षकों को 'द रिलिवेन्स ऑफ संस्कृत लिट्रेचर इन एज्यूकेशन' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- सी उपेन्द्र राव ने 10 दिसम्बर, 2008 को आर्य कन्या महाविद्यालय, छत्तीसगढ़ में 'द ड्यूटी ऑफ वुमन टु प्रोपगेट संस्कृत' विषयक व्याख्यान दिया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- गिरीश नाथ झा, नामित सदस्य, अध्ययन मण्डल, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन ऐंड इंटरप्रिटेशन, महात्मा गाँधी इंटर नेशनल हिन्दी यूनिवर्सिटी, वर्धा; और सदस्य, स्थाई, विशेषज्ञ समिति, सीएलडीआर, सूचना और प्रौगोगिकी मंत्रालय, भारत सरकार।
- शशिप्रभा कुमार, अध्यक्ष, जुरी वाचस्पति पुरस्कार, के.के. बिड़ला फाउंडेशन, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, इग्नका, नई दिल्ली में पुस्तकों की खरीद हेतु गठित समिति; सदस्य, अकादमिक मण्डल, संस्कृत अकादमी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद; सदस्य, विद्या परिषद् और शोध मण्डल, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानद विश्वविद्यालय), नई दिल्ली; और संस्थापक और प्रबंधन ट्रस्टी, निःश्रेयास, ए प्राइवेट ट्रस्ट फार प्रमोगेशन ऑफ इण्डियन फिलास्फी ऐंड कल्चर, नोएडा।

आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र

मानव रोगों की समझ, रोकथाम और निवारण के लिए जैव–चिकित्सा–शास्त्र विज्ञान के क्षेत्र में 'आणविक चिकित्सा–शास्त्र' एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्थापित आणविक चिकित्सा–शास्त्र का विशेष केन्द्र भारत में इस तरह का पहला केन्द्र है।

इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य आणविक और कोशिकीय जीव विज्ञान के उच्च उपकरणों का अनुप्रयोग करते हुए मानव रोग के अध्ययन क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्य को प्रोत्साहन देना है। केन्द्र ने उन युवा विज्ञानियों–नैदानिक और गैर–नैदानिक को प्रशिक्षण देने के लिए अपने शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है, जो आधारभूत चिकित्साशास्त्र अनुसंधान के क्षेत्र में अध्ययन करने के इच्छुक हैं। केंद्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा विशेषकर दो प्रकार के विज्ञानी तैयार करने के लिए बनाई गई है, जो चिकित्सा–शास्त्र के क्षेत्र में हो रही प्रगति में अपना योगदान कर सकें। पहली तरह का विज्ञानी मुख्यतः एक ऐसा चिकित्सक होना चाहिए, जिसके पास आधारभूत नैदानिक उपाधि हो और चिकित्सा–शास्त्र में आणविक स्तर पर प्रयुक्त आधुनिक जीव–विज्ञान की जानकारी हो। दूसरा विज्ञानी आधुनिक जीव–विज्ञानी है, लेकिन उसे चिकित्सा संबंधी समस्याओं के निवारण में उत्पादों हेतु उत्पाद के प्रयोग में चिकित्साशास्त्र की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए ताकि वह अपना उत्पाद समाज को प्रस्तुत कर सके। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केन्द्र ने निम्नलिखित अध्ययन कार्यक्रम शुरू किए हैं।

आयुर्विज्ञान स्नातकों और आधारभूत विज्ञान के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र ने आणविक चिकित्सा–शास्त्र के क्षेत्र में प्री–पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। केन्द्र निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया में शिक्षण एवं शोध गतिविधियां चला रहा है :

- मेटाबोलिक डिसार्डर्स (डायबिटीज टाईप–2, कार्डियोवास्कुलर डिजीज, रिप्रोडक्टिव डिसार्डर्स, न्यूक्लियर हारमोन रिसेप्टर्स इन हेल्थ ऐंड डिजीज)
- इनफेक्शस डिजीज्स (मलेरिया, हेपेटाइटस सी, लीश्मेनियासिस, हेलिकोबेक्टर पैथोजेनेसिस, केन्डिडियासिस, होस्ट माइक्रोब रिलेशनशिप, टाइट जंक्शंस इन बेक्टीरियल ऐंड वायरल पैथोजेनेसिस)
- डायग्नोस्टिक्स (जैनेटिक प्रोफाइलिंग आफ पैथोजनिक फंगस ऐंड डिवलपमेंट आफ जेनेटिक टूल्स टु आइडेंटीफाई पैथोजेनिक आर्गेनिज्म्स)

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोठियाँ/बैठकें

(i) प्रो. सी.के. मुखोपाध्याय और प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने 23–24 अप्रैल, 2008 को हेल्मोत्ज इंस्टीट्यूट, जर्मनी के साथ संयुक्त रूप से "इंफेक्शियस डिजीज" विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।

(ii) केन्द्र ने "फ्रंटियर्स इन मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक चौथी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

यह संगोष्ठी 13–14 फरवरी, 2009 को आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष विशेष केन्द्र, जेएनयू और उपासला यूनिवर्सिटी, सिडनी द्वारा संयुक्त रूप से सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू के ऑडिटोरियम में आयोजित की गई थी। संगोष्ठी की शुरुआत जेएनयू के कुलदेशिक प्रो. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा परिचय और स्वागत वक्तव्य से हुई। डॉ. राकेश के. त्यागी, अध्यक्ष, आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र, जेएनयू और डॉ. शांतनु दास गुप्ता, उपासला यूनिवर्सिटी स्वीडन ने भी वक्तव्य दिए।

डॉ. अमित घोष, सुप्रसिद्ध विज्ञानी, एनआईसीईडी, कोलकाता ने बी.के. बछावत स्मारक व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने जीवन भर के योगदानों और अनुभवों को "ग्रोइंग जेनेटिक डाइवर्सिटी अमंग टॉक्सिजेनिक वाइब्रियो कोलेरा स्ट्रेंस : इवाल्युशन टुवर्डस हायर वायरलेंस" विषयक व्याख्यान के अन्तर्गत प्रस्तुत किया।

डॉ. अनूप मिश्रा, डिपार्टमेंट ऑफ डायबटीज ऐंड मेटाबॉलिक डिजीज्स, फोर्टीज हॉस्पिटल, नई दिल्ली ने "द मेटाबॉलिक सिंड्रोम : स्कोर्ज फॉर मॉडर्न इंडिया" विषयक वी.के. रामालिंगास्वामी स्मारक व्याख्यान दिया। केन्द्र द्वारा निर्धारित प्रतिमानकों के अनुसार प्रथम स्मारक व्याख्यान सामान्यतः ख्याति प्राप्त आधारभूत शोधार्थी द्वारा दिया जाता है तथा दूसरा नैदानिक शोधार्थी द्वारा। प्रो. अनिंद्या दत्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया, यूएसए और प्रो. अनुराधा लोहिया, बोस इंस्टीट्यूट कोलकाता द्वारा दो विशेष व्याख्यान दिए गए।

13–14 फरवरी, 2009 को पूर्ण दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी के सत्रों में कवर किए गए क्षेत्र हैं – इंफेक्शियस डिजीज्स; प्रोटीन : स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन; जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स ऐंड सिस्टम्स बायोलॉजी; इम्युनोलॉजी; कैंसर बायोलॉजी; पैथोजन बायोलॉजी ऐंड रोल ऑफ न्यूट्रिएंटस इन डिजीज्स। ऐसे सक्रिय शोधार्थी जिन्होंने अपने विशेषज्ञता के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान

दिया है, को उपासला विश्वविद्यालय, स्वीडन और कई भारतीय आधारभूत और आयुर्विज्ञान संस्थानों तथा प्रसिद्ध विश्वविद्यालययों से आमंत्रित किया गया।

डॉ. वी.एम. कोटच, महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली और प्रो. समीर के ब्रह्मचारी, महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् ने प्रतिभागियों को अपने विचारों, संदर्शताओं और भारतीय विज्ञान में उनके संबंधित संगठनों की भूमिका के बारे में बताया। प्रो. समीर के. ब्रह्मचारी ने "ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी" के महत्त्व पर चर्चा की। यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की नई पहल है। प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने 'द इबाल्युशन आफ जेएनयू विद टाइम, विषयक व्याख्यान दिया। इसमें उन्होंने जेएनयू की उपलब्धियां, उपलब्ध सुविधाएं और भावी शोध अपेक्षाओं का वर्णन किया। संगोष्ठी का समापन आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र में शिक्षक डॉ. सुमन कुमार धर के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए मुख्य अतिथि

- डॉ. पूनम तनेजा, आर्कचरसएक्सटीटीएम माइक्रोडिसेक्शन सिस्टम, यूएसए ने नवम्बर, 2008 में "लेजर कैप्चर माइक्रोडिसेक्शन" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. शांतनु दास गुप्ता और लीफ किरसबॉम, उप्पासला यूनिवर्सिटी सिडनी, दिसम्बर, 2008 में केन्द्र में आए और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संयुक्त रूप से आयोजित करने के लिए डॉ. सुमन के. धर के साथ चर्चा की।
- डॉ. नीरजा करनानी, डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमेस्ट्री ऐंड मोलक्यूलर जेनेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए ने 18 मार्च, 2009 को "फंक्शनल जीनोमिक्स : फाइंडिंग न्यू एलेज इन ओल्ड टाउन" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सुधाकर झा, डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमेस्ट्री ऐंड मोलक्यूलर जेनेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए ने 18 मार्च, 2009 को "रोल ऑफ क्रोमेटिन रिमोडलर्स इन ट्रांसक्रिप्शन ऐंड डीएनए डेमेज रिस्पांस" विषयक व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- राम गोपाल निठारवाल, पी–एच.डी. छात्र ने डॉ. शांतनु दास गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ मोलक्यूलर ऐंड सेल बायोलॉजी, बायोमेडिकल सेंटर, उप्पासला यूनिवर्सिटी, स्वीडन की प्रयोगशाला का दौरा किया तथा 3 माह की अवधि (1 जून, 2008 से 31 अगस्त, 2009 तक) के लिए अपने प्रयोग किए।
- अतुल शर्मा, पी–एच.डी. छात्र ने 26 से 30 दिसम्बर, 2008 तक जापान सोसाइटी सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटीफिक रिसर्च, बंगलौर में संयुक्त रूप से आयोजित "जीनोम रेग्युलेशन : फ्राम नैनोबायोलॉजी टु पैथोजेनेसिस" विषयक जेएसपीएस–डीएसटी एशियन एकेडमिक संगोष्ठी 2008 में "हेलिकोबैक्टर पायलोरी सिंगल स्ट्रेंडिड डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन (एचपीएसएसबी) : ए टूल टु स्टडी डीएनए रेप्लिकेशन इन स्लो ग्रोइंग पैथोजेनिक बैक्टेरिया" विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया तथा व्याख्यान दिया।
- सुबोध कुमार, पी–एच.डी. छात्र ने 19 से 21 जनवरी, 2009 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "नवल अपडेट्स इन रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी ऐंड कंपेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसक्रिप्शनल क्रास टॉक बिटवीन एंड्रोजन ऐंड जीनोबायोटिक रिसेप्टर पीएक्सआर : एन इमर्जिंग पर्सपेक्टिव इन प्रोस्टेट कैंसर थेरेपी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत करने के लिए सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।
- मोहम्मद अशरफ डार, पी–एच.डी. छात्र ने 6–7 मार्च, 2009 को जीवन विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित "बायोस्पार्क्स–2009" विषयक वार्षिक शोध सम्मेलन में भाग लिया तथा "मैकेनिज्म ऑफ डीएनए कैप्चर बाई प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम गाइरेस बी सबयूनिट" विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- सुबोध कुमार, पी–एच.डी. छात्र ने 6–7 मार्च, 2009 को जीवन विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित "बायोस्पार्क्स–2009" विषयक वार्षिक शोध सम्मेलन में "इनहिबिटरी क्रास टॉक बिटवीन एंड्रोजन रिसेप्टर ऐंड जीनोबायोटिक रिसेप्टर पीएक्सआर डिफाइंस एन अनएक्सप्लोर्ड मैकेनिज्म ऑफ एक्शन ऑफ एंटी एंड्रोजेनिक ड्रग्स" शीर्षक मौखिक प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता।
- मनीषा, पी–एस.डी. छात्रा ने 10 से 12 मार्च, 2009 तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित "मैकेनिज्म ऑफ माइक्रोबॉयल पैथोजेनेसिस" विषयक 10वीं सर दोराबजी टाटा संगोष्ठी में "इनवेंटरी ऑफ ड्रग इफलक्स पंप्स इन द पैथोजेनिक फंगी केंडिडा अल्बीकंस" विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।

कोई अन्य सूचना

शिक्षण एवं शोध सहयोग

केन्द्र ने विश्वविद्यालय के अन्य विज्ञान संस्थानों तथा अनेक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षण एवं शोध स्तर पर परस्पर सहयोग किया। केन्द्र ने एम्स, सफदरजंग अस्पताल, जी.बी. पंत अस्पताल, इंटरनेशनल सेंटर फार जैनेटिक्स इंजीनियरिंग ऐंड बायोटेक्नोलाजी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी, क्लीवलैंड क्लिनिक फाउंडेशन, यू.एस.ए. हार्वर्ड स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ, बोस्टन, यूएसए; मिशिगन यूनिवर्सिटी सेंटर फार मेडिसन, यूनिवर्सिटी आफ मेडिसन, क्योटो, जापान और सेंट ज्यूड चिल्ड्रन'स रिसर्च हॉस्पीटल, यूएसए के साथ संयुक्त रूप से कई शोध आलेख पीयर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित किए।

केन्द्र की भावी योजनाएं

जैसा कि देखने में आया है, केन्द्र मेडिकल स्नातकों को अपना कैरियर शोध में शुरू करने के लिए सफलतापूर्वक आकर्षित कर रहा है। यह इस बात से साबित होता है कि केन्द्र में पंजीकृत छात्रों में से 20% छात्र चिकित्सा–शास्त्र के क्षेत्र से होते हैं। केन्द्र ने सहयोगात्मक उच्च शोध कार्य भी शुरू किया है, जैसाकि प्रकाशनों से स्पष्ट होता है। केन्द्र के शिक्षकों और सम्बद्ध शिक्षकों तथा अन्य विज्ञानियों के बीच सहयोगात्मक शोध से केन्द्र की प्रारंभिक सफलता पर प्रकाश पड़ता है। इसके साथ ही अगले पाँच वर्षों में केन्द्र का उद्देश्य आयुर्विज्ञान और आधारभूत विज्ञानों के छात्रों को आधुनिक जीव विज्ञान में गहन शोध हेतु प्रशिक्षित करने के लिए आकर्षित करना है। यह आधुनिक जीव विज्ञान में विज्ञानियों की भावी पीढ़ियों के लिए उच्च स्तरीय शोध को सुनिश्चित करेगा, जिससे भारत की निश्चित रूप से पहचान बनेगी। अगले पाँच वर्षों में हम अपने वर्तमान लक्ष्यों को जारी रखेंगे और इसके अतिरिक्त, नए शिक्षकों की नियुक्तियाँ की जाएंगी तथा स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिजाइन, मोलक्यूलर थेराप्यूटिक्स, जेनेटिक्स डिसआर्डर्स, आंकोलॉजी, विरोलॉजी जैसे मोलक्यूलर मेडिसिन के अन्य क्षेत्रों के शोध पर अधिक बल दिया जाएगा।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- एस.के. धर ने अक्टूबर, 2008 में वेल्कम ट्रस्ट, लंदन में आयोजित सीनियर फेलोज की बैठक में भाग लिया।
- आर.के. त्यागी को 13 से 16 दिसम्बर, 2008 तक यूजीसी–एसएपी के अन्तर्गत मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित "मम्मालियन सेल कल्चर, जीन एक्सप्रेशन ऐंड एनालिसिस" विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।
- एस.के. धर ने 18–19 दिसम्बर, 2008 को भा.प्रौ.सं., चेन्नई में आयोजित 77वीं एस.बी.सी. बैठक में "रोल ऑफ ओरिजिन रिकाग्निशन कंपलेक्स (ओआरसी) इन डीएनए रेप्लिकेशन ऐंड सेल साइकल रेग्युलेशन इन ह्यूमन मलेरिया पैरासाइट प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने 26–30 दिसम्बर, 2008 तक जेएनसीएएसआर, बंगलौर में आयोजित "जेएसपीएस–डीएसटी एशियन एकेडमिक संगोष्ठी में "प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम ओरिजन रिकाग्निशन कंपलेक्स (ओआरसी); ससेंशन रोल इन डीएनए रेप्लिकेशन ऐंड पॉसीबल लिंग विद साइलेंसिंग वायरूलेंस जींस" विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. त्यागी ने 19 से 21 जनवरी, 2009 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित सोसाइटी फार रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी ऐंड कंपेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी की 28वीं राष्ट्रीय बैठक में सत्र की अध्यक्षता की।
- एस. एजाज ने 13–14 फरवरी, 2009 को आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली अैर उप्पासला विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "फ्रंटियर्स इन मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक चौथी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "टाइट जंक्शंस एज रेग्युलेटर्स ऑफ एपिथेलियाल सेल पालेरिटी ऐंड प्रॉलिफ्रेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. घोष ने 13–14 फरवरी, 2009 को आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र जेएनयू, नई दिल्ली और उप्पासला विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "फ्रंटियर्स इन मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "बैक्टेरियल कॉलोनाइजेशन वीएस. इन्नेट इम्युनिटी इन द स्माल इनटेस्टाइन" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. एजाज ने 24–28 फरवरी, 2009 तक एस्चुएरी आइलैण्ड, पूवार, केरल में आयोजित यंग इनवेस्टिगेटर्स की बैठक में "मैकेनिज्म्स ऑफ रेग्युलेशन ऑफ एपिथेलियाल टाइट जंक्शंस" विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- एस.के. धर ने 10 से 12 मार्च, 2009 तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित 10वीं सर दोराब जी टाटा संगोष्ठी में "प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम आरिजन रिकाग्निशन कंपलेक्स (ओआरसी) : ए मास्टर रेग्यूलेटर ऑफ पैरासाइट डीएनए रेप्लिकेशन ऐंड वायरूलेंस जीन एक्सप्रेशन" विषयक व्याख्यान दिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- सी.के. मुखोपाध्याय ने 23–24 अप्रैल, 2008 को हेमोलत्ज इंस्टीट्यूट, जर्मनी और जेएनयू द्वारा मानेसर, हरियाणा में संयुक्त रूप से आयोजित "इनफेक्शियस डिजीज" विषयक संगोष्ठी में "रोल ऑफ आयरन इन मैक्रोफेज लीशमेनिया इंटरएक्शन" विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. मुखोपाध्याय ने 2 सितम्बर, 2008 को श्री बुद्ध कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अलप्पुझा, केरल में आयोजित "मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया।
- आर.के. त्यागी ने 2 सितम्बर, 2008 को श्री बुद्ध कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अलप्पुझा, केरल में आयोजित "मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में "रिटेंशन ऐंड ट्रांसमिश्यान ऑफ एक्टिव सेलुलर मेमोरी फ्राम प्रोजेनिटर टु प्रोजेनी वाया लिजेंड एक्टिवेटिड ट्रांसक्रिप्शन फैक्टस : द कंसेप्ट ऑफ बीआईओपीआई टिंग" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. त्यागी ने 15 दिसम्बर, 2008 को इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई में "ग्रीन फ्लुरेसेंट प्रोटीन : द जर्नी ऑफ ए नॉबल डिस्कवरी" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने अक्टूबर, 2008 में इम्टेक, चण्डीगढ़ में "प्लैज़्मोडियम फैल्सीपेरम ऑरिजन रिकाग्निशन कंपलेक्स (ओआरसी) : डाइवर्स रोल इन पैरासाइट डीएनए रेप्लिकेशन ऐंड वायरूलेंस जीन एक्सप्रेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. धर ने नवम्बर, 2008 में आईसीजीईबी, नई दिल्ली में "यूनिक टॉपोआइसोमिरेजिज इन प्लैज्मोडियम फैल्सीपेरम" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने 26 मार्च, 2009 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में "हेलिकोबैक्टर पायलोरी : रिवीलिंग डीएनए रेप्लिकेशन इन ए स्लो ग्रोइंग पैथोजेनिक बैक्टेरिया" विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने अक्टूबर, 2008 में यूनिवर्सिटी ऑफ हीडलबर्ग, जर्मनी में "न्यूक्लियर ऐंड आर्गनेल डीएनए रेप्लिकेशन इन प्लैज्मोडियम फैल्सीपेरम" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

- आर.के. त्यागी को सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव बायोलौजी ऐंड कंपेरेटिव एंडोक्रिनोलाजी द्वारा फेलो, रिप्रोडक्शन ऐंड एंडोक्रिनोलॉजी (एफआरई) बनाया गया, 2009
- एस.के. धर को वर्ष 2009 के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- सी.के. मुखोपाध्याय, सदस्य, इंटरनेशनल बायो आयरन सोसाइटी, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान की कई डॉक्टरल समितियाँ, शैक्षिक समिति, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ; आईसीजीईबी, नई दिल्ली; समन्वयन–हेल्मोलज्ज इंस्टीट्यूट जर्मनी–जेएनयू कार्यशाला, 'इंफेक्शियस डिजीज्स' 2008; शैक्षिक समिति – इंटरनेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी ऐंड जेनेटिक इंजीनियरिंग, नई दिल्ली, 2008 से 2010 तक; शैक्षिक समिति – कोशिकीय और अणुजीव विज्ञान केन्द्र, 2008–2010; और नोडल अधिकारी, VI कार्यदल बैठक, बेसिक रिसर्च इन मॉडर्न बायोलॉजी, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2008।
- आर.के. त्यागी, संपादकीय सदस्य, "द जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी ऐंड रिप्रोडक्टशन"; तदर्थ समीक्षक, जर्नल ऑफ हिस्टोकेमिस्ट्री ऐंड साइटोकेमिस्ट्री, बायोकिमा बायोफिजिका एक्टा (मोलक्यूलर सेल रिसर्च), एफईबीएसलेटर्स, बीएमसी कैंसर, इंडियन जर्नल ऑफ फार्माकोलौजी; विशेषज्ञ समीक्षक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदान की जाने वाली डॉ. डी.एस. कोठारी पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति; सदस्य, सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी ऐंड कंपेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी, भारत; सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी (पंजी.); सदस्य, चयन समितियाँ, शोध प्रबंध सलाहकार समितियाँ, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ; और विजिटिंग प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज, भारतीदशन यूनिवर्सिटी, तिरूचिरापल्ली
- एस.के. धर, सदस्य, कई शोध प्रबंध सलाहकार समितियाँ, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; शैक्षिक समिति, इम्टेक, चण्डीगढ़; और उप समन्वयक, वर्क पैकेज 2 (डब्ल्यू पी 2), एमएएलएसआईजी–यूरोपियन प्रोग्राम।

अकादमिक स्टाफ कालेज

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अकादमिक स्टॉफ कालेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। पिछले 20 वर्षों के दौरान कॉलेज शिक्षकों, शोधार्थियों और नीति निर्माताओं के बीच बौद्धिक विचार–विमर्श के लिए एक आकर्षक केन्द्र के रूप में उभरा है।

इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और कॉलेज–शिक्षकों को उनके बौद्धिक विकास के अतिरिक्त समसामयिक विषयात्मक वाद–विवाद और भाषण की कला में अद्यतन कराना है। कॉलेज विभिन्न विषयों में अपनी स्थापना से ही पुनश्चर्या कोर्स और अनुशीलन कोर्स आयोजित कर रहा है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है इनका मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को उन सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी देना है, जिनका आज की भारतीय उच्च शिक्षा सामना कर रही है। प्रतिभागियों को अच्छे शिक्षक बनाने हेतु उनकी दक्षता को बढ़ाया जाता है। बहु–विषयक दृष्टिकोण तथा शिक्षा शास्त्रियों और भारतीय समाज के बीच के संबंधों को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया जाता है। कॉलेज में आयोजित होने वाले विचार–विमर्श और वार्ताओं से यहाँ आने वाले शिक्षकों तथा विद्वानों को समसामयिक मुद्दों के बारे में समझने में सहायता मिलती है।

अनुशीलन कोर्सों का आयोजन कॉलेज के शिक्षकों द्वारा किया जाता है। कॉलेज द्वारा आयोजित किए जाने वाले कोर्सों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क्र.सं.	कोर्स का नाम	अवधि	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	पी–एच.डी. धारक
1.	61वाँ अनुशीलन कोर्स	25 अगस्त से 19 सितम्बर 2008 तक	32	16	16	20
2.	62वाँ अनुशीलन कोर्स	05 जनवरी से 27 फरवरी 2009 तक	25	17	08	04
3.	63वाँ अनुशीलन कोर्स	2 फरवरी से 27 फरवरी 2009 तक	21	10	11	07
4.	64वाँ अनुशीलन कोर्स	2 मार्च से 27 मार्च 2009 तक	32	20	12	10

पुनश्चर्या कोर्स :

क्र.सं.	कोर्स का नाम	अवधि	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला धारक	पी–एच.डी.
1.	37वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र)	25 अगस्त से 19 सितम्बर 2008 तक	26	18	08	08
2.	28वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास)	10 नवम्बर से 05 दिसम्बर 2008 तक	22	13	09	10
3.	पहला विंटर स्कूल	29 दिसम्बर से 23 जनवरी 2008 तक	22	15	07	06
4.	11वाँ पुनश्चर्या कोर्स (कंप्यूटर विज्ञान)	10 नवम्बर से 5 दिसम्बर 2008 तक	17	10	07	01
5.	14वाँ पुनश्चर्या कोर्स (जीवन विज्ञान)	5 से 30 जनवरी, 2009 तक	22	13	09	16
6.	दूसरी प्राचार्य कार्यशाला	19 से 23 जनवरी 2009 तक	07	06	01	06
7.	8वाँ पुनश्चर्या कोर्स (भौतिक विज्ञान)	2 से 27 फरवरी, 2009 तक	20	17	03	09
8.	38वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र)	2 से 27 मार्च, 2009 तक	22	12	10	06
9.	31वाँ पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र)	2 से 27 मार्च, 2009 तक	27	17	10	11

कॉलेज के सभी पाठ्यक्रमों में देश के ख्यातिप्राप्त विद्वानों और बुद्धिजीवियों ने सहायता की और भाग लिया।

पुनश्चर्या कोर्सों का समवयन प्रो. अमरेश दुबे और डॉ. हिमांशु (अर्थशास्त्र), डॉ. अरविन्द सिन्हा और डॉ. संगीता दासगुप्ता (इतिहास), प्रो. डी.के. लोबियाल (कंप्यूटर विज्ञान) और प्रो. एस.के. गोस्वामी (जीवन विज्ञान), डॉ. सुजाता (समाजशास्त्र), डॉ. सत्यब्रत पटनायक (भौतिक विज्ञान) और प्रो. सुब्रता गुहा (अर्थशास्त्र) द्वारा किया गया। जेएनयू के विभिन्न संस्थानों के अतिरिक्त अकादमिक स्टाफ कॉलेज उन सभी को धन्यवाद देता है जिन्होंने कोर्सों का सफल और नियोजित समन्वयन किया है।

अधिकतर विद्वानों ने अपनी विशेषज्ञता को प्रतिभागियों के साथ बांटने के लिए हमारे अनुरोध को स्वीकार किया। यह उनका सहयोग ही है कि जेएनयू शैक्षिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने वाला एक उपयुक्त स्थान बन गया है। जेएनयू के विभिन्न संस्थानों के अतिरिक्त, कॉलेज कई संस्थानों से सहयोग प्राप्त करता है। ये संस्थान निम्नलिखित हैं जहाँ से हम विशेषज्ञ आमंत्रित करते हैं :

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज, गुड़गाँव
- कोलकाता विश्वविद्यालय
- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
- सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, सीपीआर
- महिला विकास अध्ययन केन्द्र
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
- इंडियन मेट्रोलॉजीकल डिपार्टमेंट, नई दिल्ली
- इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
- भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस ऐंड स्ट्रेटिजिक एनालिसिस, इड्सा
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया
- राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला
- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान
- अंतरराष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरी और जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र
- आईएनएमएएस, लखनऊ रोड, दिल्ली
- अन्तर विश्वविद्यालय त्वरिन केन्द्र
- पर्यावरण और वन मंत्रालय
- सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
- राष्ट्रीय शिक्षा योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय
- एनआईएटीएडीएस
- राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान
- योजना आयोग, नई दिल्ली
- योजना और वास्तुकला विद्यालय

वर्ष 2008–2009 के दौरान अकादमिक स्टाफ कॉलेज द्वारा आयोजित पाठ्यक्रमों में योगदान देने वाले विशेषज्ञ थे – प्रोफेसर बिपिन चन्द्र, तपस मजूमदार, योगेन्द्र सिंह, इमेरिटस प्रोफेसर, जेएनयू, प्रो. सतीश चन्द्र, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष, प्रो. इरफान हबीब, ख्याति प्राप्त इतिहासकार, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, प्रो. आन्द्रे बेटल, अध्यक्ष, आईसीएसएसआर, प्रो. जे.एस. ग्रेवाल, अध्यक्ष, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, प्रो. मृणाल मिरी, पूर्व कुलपति, नेहु, प्रो. अमित रे, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय त्वरित केन्द्र, ए.के. सिंह, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, दीपक पेंटल, कुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय, किरीत पारिक, सदस्य, योजना आयोग, प्रो. वी.एस. चौहान, निदेशक, आईसीजीईबी, सी.पी. भांबरी, पी.के. भट्टाचार्य, पैट्रिकदास गुप्ता, के.एल. कृष्णा, एस. महेश्वरी, कुलदीप माथुर, मनोरंजन मोहंती, टी.के. ऊमन, टी.एस. पापोला, ए.के. रे, अमरीक सिंह, सी. राजामोहन, वरिष्ठ निदेशक, पर्यावरण और वन मंत्रालय तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, तथा जेएनयू और कई अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थान। इनके अतिरिक्त, कई विदेशी विद्वानों ने भी कालेज में व्याख्यान दिए।

पी–एच.डी. धारक प्रतिभागी

कॉलेज के कोर्सों में ऐसे प्रतिभागी भी आते हैं जिन्होंने या तो पी–एच.डी. उपाधि प्राप्त कर ली है या पी–एच.डी. शोध प्रबंध पर कार्य कर रहे हैं। इससे कॉलेज को शैक्षिक चुनौति मिलती है क्योंकि अधिक से अधिक उच्च डिग्री धारक प्रतिभागी अपेक्षा करते हैं कि कोर्सों का स्तर और विषय–वस्तु उनके अनुभव तथा ज्ञान के अनुरूप हो।

अकादमिक स्टाफ कॉलेज में आए विद्वान

- प्रोफेसर डेविड वेबरमैन, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ फिलास्फी, सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट, हंगरी
- एलेन सरवांके, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ जेंडर स्टडीज, सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट, हंगरी
- डॉ. मैथ्यू मैककार्टने, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनामिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, इंग्लैण्ड
- प्रोफेसर राबर्ट डगलस जेसफ, डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, लंकास्टर, प्रोफेसर आफ सोसियोलॉजी, लंकास्टर यूनिवर्सिटी, इंगलैण्ड

अकादमिक स्टॉफ कॉलेज ने इंटरनेशनल एज्यूकेशन इंस्टीट्यूट (यूएसए) के तत्वावधान में संयुक्त राज्य अमरीका के विभिन्न विश्वविद्यालय के शैक्षिक प्रतिनिधि मण्डलों को आमंत्रित करना शुरू किया है। डॉ. राकेश बाताबयाल, उप निदेशक ने उन्हें संगठन और भारतीय उच्च शिक्षा पद्धति की प्रकृति तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय का इतिहास और इसकी वर्तमान गतिविधियों के बारे में बताया। राजनीति विज्ञान में पुनश्चर्या कोर्स के प्रतिभागियों (इनमें से अधिकतर जेएनयू के एल्युमनि थे) ने व्याख्यान के बाद विचार–विमर्श में भी भाग लिया।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भारतीय विद्वान

प्रो. विजय बरूआ	दर्शनशास्त्र
प्रो. के. राजेन्द्रन	रंगमंच (एनएसडी)
प्रो. के.के. मुखोपाध्याय	तंत्रिका विज्ञान (एम्स)
डॉ. लालजी सिंह	सी.सीएम.बी. (हैदराबाद)
भास्कर घोष	पूर्व सचिव, आई. एण्ड बी. कल्चर
जे.एम. लिनदोह	पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

कॉलेज ऐसा केंद्र रहा है जो पिछले 7 वर्षों से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दे रहा है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के 16 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनकी पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय में नियुक्ति हुई। यह एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है और ये प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक भविष्य में कई अकादमिक स्टाफ कॉलेजों में विशेषज्ञ के रूप में अपना योगदान देंगे। इसलिए यह प्रशिक्षण काफी महत्त्वपूर्ण है। इस तरह जेएनयू के युवा शिक्षकों को मुद्दों, चिन्ताओं और शैक्षिक अनुशीलन और पृष्ठभूमि को बेहतर रूप से समझने का भी अवसर मिला।

विभिन्न क्षेत्रों से भारतीय विद्वान

डॉ. माधो गोविन्द	सा.वि.सं.	पुनश्चर्या कोर्स – समाजशास्त्र
डॉ. के.वी. विजयलक्ष्मी	अ.अ.सं.	पुनश्चर्या कोर्स – राजनीति विज्ञान
डॉ. मनीष दाभाड़े	सा.वि.सं.	पुनश्चर्या कोर्स – राजनीति विज्ञान
डॉ. तूलिका प्रसाद		पुनश्चर्या कोर्स
डॉ. प्रीति सिंह	अ.अ.सं.	पुनश्चर्या कोर्स
डॉ. स्वपन राज जैन		पुनश्चर्या कोर्स

अकादमिक स्टॉफ कॉलेज के शिक्षकों की शैक्षिक गतिविधियाँ

- प्रो. कुणाल चक्रवर्ती (निदेशक) : ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू
- डॉ. राकेश बातावयाल, एसोसिएट प्रोफेसर/उपनिदेशक

समन्वयन

4 अनुशीलन कोर्स

- 25 अगस्त से 19 सितम्बर, 2008 तक
- 5 जनवरी से 30 जनवरी, 2009 तक
- 2 फरवरी से 27 फरवरी, 2009 तक
- 2 मार्च से 27 मार्च, 2009 तक
- प्राचार्य कार्यशाला : 19 जनवरी से 23 जनवरी, 2009 तक
- प्रथम विंटर स्कूल "फ्रंटियर्स इन ह्युमैनटीज", 29 दिसम्बर, 2008 से 23 जनवरी, 2009 तक

प्रतिभागिता

- 18 जुलाई से 12 अगस्त, 2008 तक यूनिवर्सिटी ऑफ बुखारेस्ट में आयोजित "रोमानियन लैंगवेज ऐंड सिविलाइजेशन" विषयक समर स्कूल में भाग लिया तथा यूनिवर्सिटी ऑफ बुखारेस्ट का इसी समर स्कूल का डिप्लोमा प्राप्त किया।
- 29 जून से 12 जुलाई, 2008 तक द डिपार्टमेंट ऑफ जेंडर स्टडीज, सेंटर यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट, हंगरी में आयोजित "पॉलिटिक्स ऑफ बिलांगिंग : जेंडर, रेस ऐंड नेशन" विषयक समर यूनिवर्सिटी में भाग लिया।

व्याख्यान

- अकादमिक स्टॉफ कॉलेज में आयोजित अनुशीलन कोर्स में "इंस्टीट्यूशनल हिस्ट्री : ए हिस्ट्री ऑफ जेएनयू" विषयक व्याख्यान।
- 1 मार्च, 2008 को कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली में "कंटेम्पोरेलिटी ऑफ हिस्ट्री" विषयक व्याख्यान।
- भारतीय जन–संचार संस्थान, नई दिल्ली में कोर्स में गुट निरपेक्ष देशों के प्रतिभागियों के लिए "इंट्रोड्यूसिंग इंडियन हिस्ट्री" विषयक व्याख्यान।

शोध आलेख

'जेंडर, स्टेट ऐंड वुमंस एक्टीविज्म', आगामी अंक में, (सं.) मार्टा वरात, डिपार्टमेंट ऑफ पाप्यूलेशन स्टडीज, इंस्टीट्यूट ऑफ सोसियोलॉजी, जेगिएलोनियन यूनिवर्सिटी, कराकोव, पोलैण्ड

अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ

- 14 से 18 जुलाई, 2008 तक यूनिवर्सिटी ऑफ वार्सा में आयोजित 5वें अंतरराष्ट्रीय ईस्टर्न यूरोपियन हिस्ट्री सम्मेलन में "आइडिया ऑफ एम्पायर" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 17 से 19 मार्च, 2009 तक इतिहास विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित) "अंडरस्टेंडिंग वायलेंस इन कंटेम्पोरेरी इंडिया : इश्यूज ऐंड ट्रेंड्स" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वायलेंस ऑफ नेशन बिल्डिंग" शीर्षक सत्र में "वायलेंस ऐंड नेशन" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 29–30 मार्च, 2009 को ओकेडी इंस्टीट्यूट, गुवाहाटी में नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली तथा ओमियो कुमार दास इंस्टीट्यूट फॉर सोशल चेंज ऐंड डिवलपमेंट, गुवाहाटी द्वारा आयोजित "एथनिसिटी, रीजन ऐंड नेशन : इंडिया'ज नार्थ ईस्ट" विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी में "इन डिफेंस ऑफ नेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

छात्र गतिविधियाँ

I. छात्रों की संख्या

विश्वविद्यालय में वर्ष 2008–2009 के दौरान दाखिल और 1.9.2008 को पंजीकृत छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी :

शैक्षिक वर्ष 2008–2009 के दौरान दाखिल छात्रों की संख्या का विवरण :

क. एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.पी.एच./ पी–एच.डी.

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	64	27	20	05	36	152
सामाजिक विज्ञान संस्थान	116	37	24	03	30	210
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	73	12	10	05	29	129
जीवन विज्ञान संस्थान	09	03	02	01	05	20
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	07	02	02	02	07	20
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	08	02	–	–	06	16
भौतिक विज्ञान संस्थान	08	01	–	–	02	11
सूचना–प्रौद्योगिकी संस्थान	06	02	01	–	04	13
कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान	15	06	03	–	01	25
जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान	01	01	–	–	01	03
आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र	02	01	–	–	02	05
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	07	02	01	–	02	12
विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	11	04	01	01	02	19
कुल	**327**	**100**	**64**	**17**	**127**	**635**

ख. एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए.

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	56	09	08	02	14	89
सामाजिक विज्ञान संस्थान	159	39	25	08	31	262
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	81	11	09	05	23	129
जीवन विज्ञान संस्थान	13	05	02	–	05	25
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	18	05	03	01	08	35
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	08	03	01	–	05	17
भौतिक विज्ञान संस्थान	14	02	01	–	02	19
कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	15	03	01	–	–	19
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	14	04	01	01	05	25
कुल	**378**	**81**	**51**	**17**	**93**	**620**

ग. बी.ए. (ऑनर्स)

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	133	44	13	04	86	280

घ. वर्ष 2008–2009 में पूर्णकालिक अध्ययन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विदेशी छात्रों का देश–वार विवरण –

क्र.सं.	देशों के नाम	छात्रों की संख्या	क्र.सं.	देशों के नाम	छात्रों की संख्या
1	आस्ट्रेलिया	02	19	नेपाल	19
2	अफगानिस्तान	05	20	नांबिया	01
3	बंगलादेश	02	21	ओमान	01
4	बेल्जियम	01	22	रूस	01
5	चीन	04	23	दक्षिण कोरिया	16
6	इथोपिया	03	24	स्विटजरलैंड	01
7	फ्रांस	01	25	श्री लंका	04
8	फिजी	02	26	सोमालिया	01
9	जार्जिया	01	27	स्पेन	02
10	इंडोनेशिया	01	28	सुडान	01
11	ईरान	08	29	थाईलैंड	06
12	इराक	01	30	तंजानिया	01
13	जापान	03	31	तिब्बत	03
14	पाकिस्तान	01	32	इंगलैंड	01
15	फिलिस्तीन	02	33	अमरीका	04
16.	मंगोलिया	03	34.	ताजिकिस्तान	01
17	मारीशस	02	35.	वियतनाम	02
18	बेलारूस	01	36.	यमन	01
			कुल		**109***

* – एब्सेंशिया श्रेणी में : 84
– प्रवेश परीक्षा के माध्यम से : 25

109

च. अंशकालिक पाठ्यक्रम (भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान)

पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व./शारी.रूपसे विक.	कुल
प्रवीणता प्रमाण–पत्र	35	05	01	16	57
प्रवीणता डिप्लोमा	24	08	04	06	42
उच्च प्रवीणता डिप्लोमा	26	05	–	12	43
कुल	**85**	**18**	**05**	**34**	**142**

छ. छात्रों की कुल संख्या (1.9.2008 के अनुसार)

अध्ययन पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक./ वि.छा./अ.पि.व.	कुल
एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.सी.एच./सीधे पी–एच.डी.	2267	483	293	656	3699
एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए.	911	193	121	373	1598
बी.ए.	367	161	47	153	728
कुल	**3545**	**837**	**461**	**1182**	**6025**

जेएनयू : एक अद्वितीय प्रयोग

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने पिछले 40 वर्षों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं शिक्षण के लिए एक अद्वितीय प्रयोग के रूप में पहचान बनाई है। इसमें भारतीय शिक्षा पद्धति का आधुनिक और परम्परागत लोकाचारों का मिश्रण है। यहाँ परम्परागत और गैर–परम्परागत, औपचारिक और अनौपचारिक तथा संरचनागत शिक्षा का मिश्रण करने का प्रयास किया गया है। यह विश्वविद्यालय अरावली पर्वतमाला की छोटी–छोटी पहाड़ियों पर स्थित होने के कारण आगन्तुकों को सहस ही आकर्षित कर लेता है। जब इस स्थान पर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तो यहाँ पर छितरी हुई वनस्पतियां, बहुत कम लोग और सुविधाएं लगभग न के बराबर थी। यही क्षेत्र अब घनी वनस्पतियों के परिसर के रूप में बदल गया है तथा शैक्षिक और पठ्येत्तर गतिविधियाँ होती रहती हैं और छात्र–शिक्षक ज्ञानार्जन तथा परस्पर विचारों के आदान–प्रदान में संलग्न रहते हैं।

जिन शिक्षकों ने इस विश्वविद्यालय के विकास और विस्तार में अत्यधिक योगदान दिया है, वे सेवानिवृत्ति के बाद भी इससे अनौपचारिक रूप से जुड़े हुए हैं। इसी कारण इस विश्वविद्यालय ने विकास के साथ–साथ शैक्षिक ऊँचाइयों को प्राप्त किया है और बौद्धिक विशिष्टता के लिए विश्वस्तरीय केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इस परिसर को शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध करने में छात्रों ने भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

चूँकि विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान कराना है, इसलिए उन्हें सभी आवश्यक बौद्धिक और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं ताकि वे सर्वोत्तम ज्ञानार्जन कर सकें। विश्वविद्यालय का अंतर–हाल प्रशासन छात्रों को छात्रावास, खेल–कूद, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक और मनोरंजन जैसी शैक्षिक और पाठ्येत्तर सुविधाएं मुहैया करा रहा है। विश्वविद्यालय में सुविधाओं, नियमों–विनियमों का विवरण छात्र विवरणिका में उपलब्ध रहता है।

जेएनयू का आदर्श एवं दृष्टिकोण इसके परिसर में निर्मित विभिन्न भवनों के ले आउट प्लान और वास्तुकला में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। जेएनयू की स्थापना वास्तव में एक अद्वितीय प्रयोग था जिसमें शैक्षिक परिसर तथा छात्रों, शिक्षकों और गैर–शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों के आवास साथ–साथ हैं। शैक्षणिक परिसर के चारों ओर सर्कुलर सड़क (विद्यापथ के रूप में प्रस्तावित) है। उत्तरी द्वार से आने वाली सड़क प्रशासन भवन के पास 'टी जंक्शन' (कला मार्ग) बनाकर सर्कुलर सड़क से मिलती है। पूर्वी द्वार (कुलपति आवास के पास) से आने वाली सड़क 'टी जंक्शन' बनाकर ओल्ड नर्सरी के पास (विज्ञान मार्ग) सर्कुलर सड़क से मिलती है। इस प्रकार, कला मार्ग उत्तर द्वार की ओर से आने के लिए एक प्रवेश प्वाइंट है तथा दूसरा प्रवेश प्वाइंट पूर्वी द्वार की ओर से आने के लिए विज्ञान मार्ग है। ये सड़कें विद्या पथ के साथ मिलती हैं। विद्या पथ संस्थानों, पुस्तकालय और प्रशासन–भवन के चारों ओर है।

वास्तविक अर्थों में जेएनयू एक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय है, क्योंकि यहाँ भारत के सभी क्षेत्रों और विदेशों से छात्र तथा शिक्षक आते हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अपने दीक्षान्त भाषण में विश्वविद्यालय की भूमिका के बारे में संक्षिप्त रूप से बताया था। इस कथन को जेएनयू ने अपने लक्ष्य के रूप में अपनाया जो कि इसके सभी दस्तावेजों में दर्शाया जाता है, जैसे –

> "विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानवता, सहनशीलता, तर्कशीलता, चिंतन प्रक्रिया और सत्य की खोज की भावना को स्थापित करना होता है। इसका उद्देश्य मानव जाति को निरन्तर महत्तर लक्ष्य की ओर प्रेरित करना होता है। अगर विश्श्वविद्यालय अपने कर्तव्य ठीक से निभाएं तो यह देश और जनता के लिए अच्छा होगा।"

जब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना के बारे में संकल्पना की जा रही थी उसी समय शिक्षा आयोग (1964–66) ने विचार–विमर्श लगभग पूरा कर लिया था और इसकी रिपोर्ट की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा की जा रही थी। रिपोर्ट ने उच्च शिक्षा के तेजी से बदलते परिदृश्य को नोट किया तथा टिप्पणी की कि :

"विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों, कार्यों, संगठन में गहन बदलाव कर रहे हैं तथा तीव्र विकास की प्रक्रिया में हैं। उनके कार्य शिक्षण और ज्ञान के प्रसार की परम्परागत कार्यप्रणाली को लम्बे समय तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वे नए कार्यक्षेत्र ग्रहण कर रहे हैं तथा पुराने कार्यक्षेत्रों में भी गहन विस्तार हो रहा है। आधुनिक समय में विश्वविद्यालयों के निम्नलिखित कार्य हैं :

- नये ज्ञान की खोज करके इसका विस्तार करना और प्रबलता तथा निर्भीकता से सत्य का अनुसरण करना। पुराने ज्ञान और विश्वास की व्याख्या नयी अपेक्षाओं और अन्वेषणों के संदर्भ में करना;
- जीवन के सभी रास्तों पर सकारात्मक नेतृत्व प्रदान करना। कुशल युवाओं की पहचान करना और क्षमता को सम्पूर्ण रूप से विकसित करने के लिए उनकी सहायता करना;
- शिक्षा के प्रसार से समानता और सामाजिक न्याय को उन्नत करने तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक मतभेदों को कम करने के प्रयास करना;
- शिक्षकों तथा छात्रों और उनके माध्यम से व्यष्टि तथा समाज में "आदर्श जीवन" के लिए अपेक्षित दृष्टिकोण एवं मूल्यों का पोषण करना (शिक्षा आयोग, 1966, पृ. 274–5)

शिक्षा आयोग ने उच्च शिक्षा के लिए अनुदेशात्मक तथा शोध कार्यों को स्वीकार करते हुए व्यक्तिगत रूप से छात्रों की अभिलाषाओं तथा कल्याण को स्पष्ट किया। आयोग ने व्यष्टि तथा समाज के विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका पर बल दिया है। आयोग के उद्देश्य छात्रों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक जरूरतों तथा कल्याण का ध्यान रखते हुए छात्रों को सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मौलिक रूप से अन्तर्निहित

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक छात्रों को प्रदान की गई सेवाओं एवं सुविधाओं से सम्बन्धित एक विस्तृत ब्लुप्रिंट तैयार किया। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते अपने राष्ट्रीय चरित्र पर बल देते हुए विश्वविद्यालय ने अपनी प्रवेश नीति में देश के कोने–कोने से छात्रों को प्रवेश की सम्भावनाओं का समावेश किया। प्रवेश नीति में आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े और क्षेत्रीय रूप से अर्धविकसित पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए प्रवेश सुनिश्चित किया गया है। दूरदराज के क्षेत्रों से आए छात्रों ने दिल्ली महानगर की मंहगी सुविधाओं की तुलना में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई सेवाओं और सुविधाओं पर निर्भर करना सहज समझा।

जीरो टालरेंस टुवर्डस रेगिंग

रेगिंग के प्रति जीरो टालरेंस पालिसी ने जेएनयू को अन्य संस्थानों की तुलना में एक विशिष्ट संस्थान बना दिया है। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्र नये छात्रों का हर तरह से ध्यान रखते हुए उनका पूरे उत्साह से स्वागत करते हैं। हमने जेएनयू में सभी का आदर करना और उनके साथ मानवता तथा गरिमा के साथ व्यवहार करना सीखा है। हम वरिष्ठ और कनिष्ठ; पुरुष व महिला, छात्रों और कर्मचारियों के बीच परस्पर किसी प्रकार का ऐसा भेद नहीं करते जो मानवीय गरिमा के मूल्यों की अवहेलना करते हैं। विशिष्टता की ऊंचाइयों को पाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए एक दूसरे से सीखना–सिखाना ही जेएनयू के लोकाचार को परिलक्षित करता है, जो एक दिन में नहीं हुआ।

आवासीय सुविधाएं

छात्रों को छात्रावासों की आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। जिनका प्रबन्धन खण्ड के रूप में हाल आफ रेजिडेंस द्वारा किया जाता है। प्रत्येक खण्ड में छात्रों तथा शिक्षकों के लिए आवास की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस तरह की व्यवस्था करने के पीछे मूल उद्देश्य यही था कि छात्रों के बीच परस्पर और छात्रों तथा शिक्षकों के बीच विचारों का आदान–प्रदान हो सके। प्रत्येक छात्रावास के दो खण्ड के चार कोनो पर वार्डनों के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में शुरू से ही छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के लिए छात्रावासों के प्रबन्धन में उनकी प्रतिभागिता का प्रावधान किया गया है। इसके लिए छात्रावासों तथा मैस समितियों के प्रतिनिधियों का चयन किया जाता है।

जेएनयू में चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में छात्रावासों की संख्या में भिन्नता है। इन खण्डों के नाम देश के चार दिशात्मक क्षेत्रों के अनुसार रखे गए हैं और छात्रावासों के नाम इन क्षेत्रों की नदियों के नाम पर हैं। ये खण्ड निम्न प्रकार से हैं –

1. **उत्तराखंड :** यह उत्तरी क्षेत्र में है तथा इस खंड में चार छात्रावास हैं : गंगा, यमुना, झेलम और सतलज। गंगा और यमुना महिला छात्रावास हैं तथा झेलम और सतलज पुरुष छात्रावास।

2. **दक्षिणापुरम्** : यह दक्षिण क्षेत्र में है तथा इस खंड में तीन छात्रावास हैं : कावेरी, पेरियार और गोदावरी। गोदावरी महिला छात्रावास है तथा कावेरी और पेरियार पुरुष छात्रावास।

3. **पूर्वांचल** : यह पूर्वी क्षेत्र में है तथा इस खंड में चार छात्रावास हैं। ब्रह्मपुत्र एक पुरुष छात्रावास है। एक विवाहित शोध छात्र छात्रावास है। इसमें दो ब्लॉक हैं, एक का नाम महानदी है तथा दूसरे का नाम सुबांसिर तथा एक छात्रावास पोस्ट डॉक्टर फैलोज के लिए है। लोहित और चन्द्रभागा मिश्रित छात्रावास है।

4. **पश्चिमाबाद** : यह पश्चिमी क्षेत्र में है। प्रारंभ में इसमें तीन छात्रावास – नर्मदा, साबरमती और ताप्ती बनाने की योजना थी। इसमें माही–माण्डवी एक जुड़वा छात्रावास भी जोड़ा गया है। नर्मदा और माही–माण्डवी पुरुष छात्रावास हैं। साबरमती और ताप्ती छात्रावास में पुरुषों और महिलाओं की अलग–अलग विंग है तथा इन छात्रावासों में मेस की कॉमन सुविधा है। पिछले कुछ वर्षों में जगह की कमी और अतिरिक्त छात्रावास सीटों की मांग के कारण इस खण्ड में माही, माण्डवी, लोहित और चन्द्रभागा छात्रावासो का भी निर्माण किया गया। महिलाओं हेतु बनाए गए 'कोयना' नामक एक बड़े छात्रावास का अब उपयोग किया जा रहा है तथा एक अन्य मिश्रित छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

अन्य सुविधाएं

1. स्वास्थ्य सेवाएं

परिसर में स्वास्थ्य सेवाएं विशेष महत्व की मानी जाती हैं क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में छात्र रहते हैं तथा अध्ययन करते हैं। जेएनयू ने निदान और उपचार सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की है। इस समय ये सुविधाएं प्रातः 8.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक और शाम 4.00 बजे से 9.00 बजे तक उपलब्ध होती है। स्वास्थ्य केन्द्र प्रशिक्षित विशेषज्ञों के माध्यम से परामर्श सुविधाएं भी मुहैया कराता है। व्याख्यान, वाद–विवाद अैर परिचर्चाएं आयोजित करके बिमारियों की रोकथाम तथा जागरुकता अभियान पर भी जोर दिया जाता है।

2. पुस्तकालय सेवाएं

जेएनयू पुस्तकालय एक अति आधुनिक और सुसज्जित विश्वविद्यालय पुस्तकालय है। यह 9 मंलि टॉवरनुमा भवन विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर के बीचों बीच स्थित है। इसमें लगभग 10,90,208 पुस्तकें और 1,14,539 पत्रिकाओं के पुराने भाग उपलब्ध हैं। पुस्तकालय से एम.फिल./पी–एच.डी./एम.टेक. के प्रत्येक छात्र को 6 पुस्तकें और एम.ए./एम.एस.सी./एम.सी.ए. तथा बी.ए. के प्रत्येक छात्र को 04 पुस्तकें प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक दिन सामान्य कार्य अवधि के अतिरिक्त पुस्तकालय अंतिम सत्र की परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रत्येक सत्र में 45 दिन के लिए मध्य रात्रि तक खुला रहता है। यह पुस्तकालय सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ देश का एक अति आधुनिक पुस्तकालय है। पुस्तकालय में बड़ी संख्या में पाठ्य पुस्तकें, कैसेट/फ्लॉपी में भी उपलब्ध हैं। पिछले वर्षों में एम.फिल./पी–एच.डी. छात्रों द्वारा प्रस्तुत नक्शों के अतिरिक्त, पुस्तकालय के पास नक्शों और एटलस का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है।

केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त, एक्जिम बैंक पुस्तकालय, इतिहास केन्द्र का पुस्तकालय और प्रलेखन सुविधाएं ऐसे मुख्य केन्द्र हैं जहाँ विशेष रुचि के क्षेत्रों में परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन समय–समय पर पुस्तकालय में पुस्तकें और पत्रिकाएं मंगाता रहता है। छात्र सही प्रकार से पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। यहाँ बड़ी संख्या में शोध छात्र बाहर से पुस्तकें और पत्रिकाएं पढ़ने के लिए आते हैं। छात्र हमेशा इन सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने का प्रयास करते हैं। हाल ही में पुस्तकालय में मरम्मत का कार्य चल रहा है। साइबर अनुभाग को खोलने के साथ ही शायद यह एक ही समय इतनी सारी साइबर सुविधाएं मुहैया कराने वाला एक मात्र पुस्तकालय बन गया है।

3. खेल–कूद

जेएनयू में खेल–कूद स्टेडियम है। यहाँ औपचारिक और अनौपचारिक खेल–कूद गतिविधियाँ चलती रहती हैं। खेल–कूद कार्यालय में विभिन्न खेलों के क्लब हैं, जो बहुत ही सक्रिय हैं इनमें से कुछ हैं :

(i) पर्वतारोहण क्लब
(ii) वैट और पॉवर लिफ्टिंग क्लब
(iii) फुटबाल क्लब
(iv) क्रिकेट क्लब

(vi) टेनिस क्लब
(vii) एथलेटिक क्लब
(viii) जूडो और ताइक्वांडो क्लब
(ix) स्केटिंग क्लब
(x) बैडमिंटन क्लब

ये सभी क्लब सदस्यता प्रदान करते हैं तथा संयोजक का चुनाव करते हैं। संयोजक गतिविधियों का आयोजन करता है। अंतर–संस्थान और वार्षिक खेल–कूद प्रतिभागिताओं के अतिरिक्त प्रति वर्ष अंतर–छात्रावास प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, सभी छात्रावास टेबलटेनिस और बैडमिंटन खेलने की व्यवस्था भी करते हैं। सभी छात्रावासों में छोटा जिम होता है जिसमें छात्र अपने आपको चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए कसरत कर सकते हैं। यह ठीक ही कहा जाता है कि मजबूत शरीर में ही कुशाग्र बुद्धि होती है। इनडोर बैडमिंटन कोर्ट छात्र गतिविधि केन्द्र में स्थित है।

योग केन्द्र प्रति दिन 50–60 व्यक्तियों को योगाभ्यास करा रहा है। यद्यपि, जगह की कमी है तथा इसे अधिक जगह की आवश्यकता है। इसकी सेवाएं शिक्षकों, स्टाफ–सदस्यों और छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। छात्रों के बीच अल्पकालीन क्रेश कोर्स काफी लोकप्रिय हैं।

4. राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरुआत छात्रों को सामाजिक सेवा के प्रति संवेदन तथा उसमें शामिल करने के लिए काफी पहले मा.सं.वि.मं. द्वारा की गई है। छात्र उत्साही और समर्पित होते हैं। थोड़े से प्रोत्साहन तथा उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने से समाज में काफी सकारात्मक बदलाव कर सकते हैं। जेएनयू में राष्ट्रीय सेवा योजना ग्रुप है जिसकी गतिविधियाँ संकाय सदस्य द्वारा समन्वित की जाती हैं। सामाजिक सेवा के शैक्षिक पहलू पर बल दिया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इस योजना की महत्त्वपूर्ण विशेषता है।

5. सांस्कृतिक गतिविधियाँ

मानव अपनी तीव्र इच्छाओं को अभिव्यक्त तथा उच्च आवश्यकताओं को पूरा करना चाहता है। भाषा अभिव्यक्ति का एक माध्यम है लेकिन दुर्भाग्यवश यह एक अधूरा माध्यम है। जेएनयू में सांस्कृतिक क्लब मानव के क्रियाकलापों को प्रोत्साहित कर रहा है। विभिन्न व्यक्तित्व लक्षणों का विकास करने के लिए क्लब वाद–विवाद, परिचर्चाएं, नाटक, संगीत, चित्रकला आदि गतिविधियों का आयोजन करता है ताकि छात्रों में उपलब्धि हासिल करने का ज़ज्बा उत्पन्न हो सके। इसी उद्देश्य के लिए छात्र गतिविधि केन्द्र भवन का निर्माण किया गया है। निम्नलिखित क्लब सदस्यता शुल्क के माध्यम से कई प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित करने में सक्रिय रहे। क्लबों की सहायता अनुभवी और योग्य समन्वयक तथा शिक्षक द्वारा की जाती है जो सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित करने में क्लब की सहायता करते हैं। ये क्लब हैं :

(क) संगीत क्लब
(ख) फिल्म क्लब
(ग) फोटोग्राफी क्लब
(घ) नाट्य क्लब
(च) वाद–विवाद क्लब
(छ) साहित्यिक क्लब
(ज) यूनेस्को क्लब
(झ) प्रकृति एवं वन्य–जीव क्लब
(ञ) ललित कला क्लब

क्लब संस्थाओं के सहयोग से केन्द्र और संस्थानों में भी सांस्कृतिक गतिविधियों का समन्वयन करते हैं। प्रत्येक छात्रावास मुख्यतः मार्च माह में 'कल्चरल नाइट' का आयोजन करते हैं। कभी–कभी दिल्ली के अन्य सांस्कृतिक ग्रुप भी परिसर में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करते हैं। दिल्ली और बाहर की क्षेत्रीय सांस्कृतिक संस्थाएं भी कभी–कभी परिसर में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करती हैं और विविधताएं प्रस्तुत करती हैं। छात्रों की अपनी क्षेत्रीय सांस्कृतिक संस्थाएं होती हैं जो विशेष अवसरों पर सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन करती हैं।

6. विदेशी छात्र संघ

जेएनयू में विदेशी छात्रों की पर्याप्त संख्या है। उन्हें विश्वविद्यालय छात्रावासों में ही भारतीय छात्रों के साथ आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाती है ताकि वे सांस्कृतिक आदान–प्रदान कर सके और अधिक से अधिक सीख सकें। इन छात्रों ने एक संघ का गठन किया है जो कि उनके चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा चलाया जाता है। इसका संचालन अध्यक्ष द्वारा किया जाता है। इनकी गतिविधियाँ क्लब एक सलाहकार द्वारा समन्वित की जाती हैं, जो कि एक शिक्षक होता है। छात्र गतिविधि केन्द्र में संघ का कार्यालय होता है। विश्वविद्यालय में विभिन्न क्लबों द्वारा आयोजित की जाने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों की तरह वे सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करते हैं। यह विदेशी छात्रों को भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचय प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

छात्रावासों का विवरण

छात्रावास का नाम	छात्रावास की प्रकृति	छात्रावास की क्षमता
गंगा छात्रावास	छात्राएं	308
गोदावरी छात्रावास	छात्राएं	318
कोयना छात्रावास	छात्राएं	544
चन्द्रभागा छात्रावास	छात्र और छात्राएं	348
लोहित छात्रावास	छात्र और छात्राएं	294
ताप्ती छात्रावास	छात्र और छात्राएं	369
साबरमती छात्रावास	छात्र और छात्राएं	371
सतलज छात्रावास	छात्र	299
कावेरी छात्रावास	छात्र	308
नर्मदा छात्रावास	छात्र	204
ब्रह्मपुत्र छात्रावास	छात्र	384
माही छात्रावास	छात्र	170
माण्डवी छात्रावास	छात्र	170
झेलम छात्रावास	छात्र	282
पेरियार छात्रावास	छात्र	330
यमुना छात्रावास	कामकाजी महिला	191
महानदी (विवाहित शोध छात्र छात्रावास)	विवाहित छात्र	86
	कुल	4976

कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना जेएनयू अधिनियम 1966 (1966 का 53) के अन्तर्गत की गई थी। यह वर्ष 1969 में अस्तित्व में आया। अधिनियम की पहली अनुसूची में परिभाषित किए गए इसके उद्देश्य निम्नलिखित है :

> *"विश्वविद्यालय उन सिद्धांतों की अभिवृद्धि का प्रयास करेगा, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यंत काम किया जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अंतरराष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।*

इस लक्ष्य की दिशा में विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति का संवर्धन करेगा और ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और शिक्षकों को उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और शिक्षकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरुकता और बोध की अभिवृद्धि करेगा तथा उन्हें इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों में मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- विश्वविद्यालय में अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों;
- विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु विभिन्न देशों से आए छात्रों और शिक्षकों के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा।"

उपरोक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय का हमेशा यही प्रयास रहा है कि ऐसी नीतियाँ और अध्ययन कार्यक्रम विकसित किए जाएं जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहले से उपलब्ध सुविधाओं में मात्र विस्तार न होकर राष्ट्रीय संसाधनों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि करें तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को विशिष्ट बनाएं। इस प्रकार विश्वविद्यालय ने ऐसे कार्यक्रमों को पहचाना है तथा उन पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है जो राष्ट्र की उन्नति एवं विकास के लिए संगत हों।

विभिन्न आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमियों तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों को आकर्षित करने के लिए विश्वविद्यालय भारत में 51 शहरों (78 केन्द्रों) और एक विदेश में प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है ताकि दूर–दराज के क्षेत्रों सहित छात्र प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकें तथा विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय ने ऐसे महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं कि देश के सभी भागों से छात्र विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकें ताकि यह सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय बन सके। भारत सरकार की राष्ट्रीय नीति के अनुसार विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहा है कि शिक्षकों, शैक्षिक कार्यक्रमों और स्टॉफ सदस्यों में अ.जा./अ.ज.जा., अ.पि.व., शारीरिक रूप से विकलांग आदि से संबंधित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। शैक्षिक संस्थानों में अ.पि.व. के लिए भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन से पहले विश्वविद्यालय में अ.पि.व. को प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराने के लिए अ.पि.व. के उम्मीदवारों को प्रवेश में अतिरिक्त अंकों (डेप्रिवेशन प्वाइंट) का लाभ दिया जाता था। इस उद्देश्य के लिए विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रयास किए है :

प्रवेश में आरक्षण

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 22.5% सीट अ.जा./अ.ज.जा. (15% सीट अ.जा. और 7.5% सीट अ.ज.जा.) के उम्मीद्वारों, 3% सीट शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वारों और 27% सीट अ.पि.व. (क्रीमीलेयर को छोड़कर) के उम्मीद्वारों के लिए आरक्षित हैं। अधिक विवरण के लिए वार्षिक प्रतिवेदन का छात्र गतिविधियाँ अध्याय देखें।

छात्रावासों में आरक्षण

छात्रावासों में भी 15% सीट अ.जा., 7.5% सीट अ.ज.जा. और 3% सीट विकलांग उम्मीदवारों (वी.एच, एच.एच., और ओ.एच. प्रत्येक

के लिए 1–1% सीट) के लिए आरक्षित हैं। अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीदवारों में से यदि किसी एक वर्ग में उम्मीद्वार उपलब्ध नहीं होते हैं तो अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों में दूसरे वर्ग के उपलब्ध उम्मीद्वारों को वह सीट दे दी जाती है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 14 छात्रावासों और एक विवाहित शोध छात्रावास में छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या 1430 थी। इसमें अ.जा./अ.ज.जा./शा.वि. और विदेशी छात्र भी शामिल हैं। छात्रावास–वार विवरण निम्न प्रकार से है :

छात्रावास का नाम	1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 के दौरान छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या
कावेरी छात्रावास	84
पेरियार छात्रावास	113
सतलज छात्रावास	117
झेलम छात्रावास	103
नर्मदा छात्रावास	84
गंगा छात्रावास	132
गोदावरी छात्रावास	98
साबरमती छात्रावास (छात्र)	31
साबरमती छात्रावास (छात्राएं)	43
ताप्ती छात्रावास (छात्र)	45
ताप्ती छात्रावास (छात्राएं)	49
ब्रह्मपुत्र छात्रावास	20
माही छात्रावास	72
मांडवी छात्रावास	54
लोहित छात्रावास (छात्र)	37
लोहित छात्रावास (छात्राएं)	90
चन्द्रभागा छात्रावास (छात्र)	79
चन्द्रभागा छात्रावास (छात्राएं)	67
* यमुना कामकाजी महिला छात्रावास	77
विवाहित शोध छात्र छात्रावास	35
कुल	**1430**

31.03.2009 को वर्ष 2008–2009 के दौरान छात्रावास आबंटन का विवरण :

			आवेदन किया	आबंटित	शेष
बी.ए. / एम.ए.	(पुरुष)	:	449	449	0
	(महिला)	:	365	205	160
एम.फिल.	(पुरुष)	:	363	363	0
	(महिला)	:	269	179	90
विदेशी छात्र	(पुरुष)	:	54	54	0
	(महिला)	:	72	72	0
जारी	(पुरुष)	:	41	41	0
	(महिला)	:	18	18	0
बी.ए. / एम.ए. / एम.फिल. (पी–II)	(पुरुष)	:	48	48	0
	कुल	:	1679	1429	250

श्रेणीवार विवरण निम्नलिखित हैं :

बी.ए. / एम.ए. / एम–एस.सी. / एम.सी.ए. (छात्र)

	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	अ.पि.व.	कुल
आवेदन किया	200	108	21	11	109	449
आबंटित	200	108	21	11	109	449

बी.ए. / एम.ए. / एम–एस.सी. / एम.सी.ए. (छात्राएं)

	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	अ.पि.व.	कुल
आवेदन किया	250	32	37	02	44	365
आबंटित	110	32	37	02	24	205

एम.फिल. / पी–एच.डी. (छात्र)

	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	अ.पि.व.	कुल
आवेदन किया	179	58	27	12	87	363
आबंटित	179	58	27	12	87	363

एम.फिल. / पी–एच.डी. (छात्राएं)

	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	अ.पि.व.	कुल
आवेदन किया	168	17	34	17	33	269
आबंटित	97	17	34	17	14	179

जारी छात्र (छात्र)

	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	कुल
आबंटित	35	03	01	02	41

जारी छात्र (छात्राएं)

	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	कुल
आबंटित	15	02	01	–	18

शैक्षिक पदों में आरक्षण

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अ.जा./अ.ज.जा.) :

विश्वविद्यालय ने सहायक प्रोफेसर के स्तर तक अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों हेतु क्रमशः 15% और 7.5% तक आरक्षण पहले ही लागू कर दिया है। अभी हाल ही में विश्वविद्यालय ने का.प. के संकल्प दिनांक 11.04.2007 के अनुसार प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर के शैक्षिक पदों में अ.जा./अ.ज.जा. के लिए आरक्षण लागू है।

अन्य पिछड़ा वर्ग

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए सहायक प्रोफेसर के स्तर तक आरक्षण का.प. के संकल्प दिनांक 11.04.2007 से लागू किया है।

शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वार

सहायक प्रोफेसर के स्तर तक आरक्षण का.प. के संकल्प दिनांक 29.11.1999 के अनुसार लागू किया गया था जबकि एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के स्तर तक शैक्षिक पदों के लिए आरक्षण का.प. के संकल्प दिनांक 11.04.2007 से लागू किया गया है।

शैक्षणिक पदों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./शा.वि. के लिए आरक्षण की स्थिति :

पद	मंजूर पद	भरे गए	आरक्षित भरे गए पद					
			अ.जा.	अ.ज.जा.	ओ.एच.	वी.एच.	एच.एच	अ.पि.व.
प्रोफेसर	168	103	–	–		–	–	–
एसोसिएट प्रोफेसर	287	196	–	–		–	–	–
सहायक प्रोफेसर	273	193	27	11	02	–	–	–
			(13.98%)	(5.69%)	(1.4%)			

गैर–शैक्षणिक पदों के लिए आरक्षण

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति

विश्वविद्यालय ने अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों के लिए ग्रुप 'सी' और 'डी' पदों पर भर्ती में आरक्षण की शुरूआत 1975 में और ग्रुप 'ए' और 'बी' पदों में 1978 में की।

शारीरिक रूप से विकलांग

शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वारों के लिए गैर–शैक्षणिक पदों में आरक्षण की शुरूआत का.प. के संकल्प संख्या 6.5 दिनांक 29.11.1999 के अनुसार हुई थी।

अन्य पिछड़ा वर्ग

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए गैर–शैक्षणिक पदों में आरक्षण नीति ग्रुप 'सी' और 'डी' पदों के लिए का.प. के संकल्प संख्या 5.8 दिनांक 17.01.1994 के अनुसार और ग्रुप 'ए' और 'बी' पदों के लिए का.प. के संकल्प संख्या 6.5 दिनांक 02.07.1997 के अनुसार प्रभावी हुई।

गैर–शैक्षणिक पदों के लिए अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./शा.वि. के लिए आरक्षण की स्थिति :

ग्रुप	मंजूर पद	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	शा.वि.	कुल	खाली पद
ए	102	50	14 (13.7%)	03 (2.94%)	03 (2.94%)	01 (0.98%)	71	31
बी	142	83	16 (11.18%)	06 (4.19%)	07 (4.89%)	01 (0.69%)	113	30
सी	592	367	92 (15.54%)	17 (2.87%)	21 (3.54%)	06 (1%)	503	89
डी	680*	309	379 (55.73%)	17 (2.5%)	42 (6.17%)	08 (1.17%)	655	25
कुल	**1517**	**809**	**401**	**43**	**73**	**16**	**1342**	**175**

स्टाफ मकानों में आरक्षण

भारत सरकार की नीति के अनुसार विश्वविद्यालय के मकान आबंटन नियमों में अ.जा./अ.ज.जा. के लिए मकानों के आबंटन में भी आरक्षण का प्रावधान है। टाइप–I और टाइप–II के मकानों में 10% मकान अ.जा./अ.ज.जा. के लिए तथा टाइप–III और IV में 5% मकान आरक्षित हैं। **वर्ष 2008–2009 के अनुसार मकान आबंटन की स्थिति निम्न प्रकार है –**

अ.जा./अ.ज.जा. को मकान आबंटन की स्थिति :

टाइप	कुल मकान		अ.जा.		अ.ज.जा.	
	गै.शै.	शै.	गै.शै.	शै.	गै.शै.	शै.
जीरो	108		18		05	
टाइप–I	305		25		13	
टाइप–II	134		13		07	
टाइप–III	60		05		01	
टाइप–IV	29	80	02	05	–	02

- शै. – शैक्षणिक
- गै.शै. – गैर शैक्षणिक

क्र.सं.	मकान का टाइप	मकानों की कुल संख्या		को आबंटित मकान			
				अ.जा.		अ.ज.जा.	
1.	टाइप – जीरो	108		18		05	
2.	टाइप – I	305		25		13	
3.	टाइप – II	134		13		07	
4.	टाइप – III	60		05		01	
5.	टाइप – IV	109		07		02	
	शैक्षणिक – गैर-शैक्षणिक	शै.	गै.शै.	शै.	गै.शै.	शै.	गै.शै.
		80	29	05	02	02	–
6.	ट्रांजिट हाउस	100		05		02	

समान अवसर कार्यालय

विश्वविद्यालय में एक 'समान अवसर कार्यालय' है। इस प्रकार का कार्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों में शायद पहला है। यह विश्वविद्यालय के अ.जा./अ.ज.जा. और शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को सलाह देता है। समान अवसर कार्यालय में एक मुख्य सलाहकार (प्रो. तुलसीराम); एक सलाहकार (डॉ. मिलाप चन्द शर्मा) हैं। इस कार्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल./पी–एच.डी. स्तर पर छात्रों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए उपचारात्मक कोर्सों सहित उपयुक्त कार्यक्रम/योजनाएं तैयार करना और इनके कार्यान्वयन पर निगरानी रखना;
- विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय और अन्य शैक्षणिक सामग्री हेतु सरकार और अन्य वित्तीय एजेंसियों के साथ सम्पर्क स्थापित करना;
- शैक्षणिक, वित्तीय और अन्य मामलों में जानकारी प्रदान करना और एक सलाह केन्द्र के रूप में कार्य करना;
- विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों के बीच स्वस्थ और अन्तर्वैयक्तिक संबंध बढ़ाने हेतु अनुकूल सामाजिक वातावरण तैयार करना;
- शैक्षणिक विचार–विमर्श हेतु शिक्षकों और अनुसूचित जाति के छात्रों के बीच अन्तर्वैयक्तिक संबंध विकसित करने में सहायता करना;
- यदि कोई भेदभाव की समस्या आती है तो उसको देखना और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की सहायता करना।

विकलांगों के लिए अवरोध मुक्त सुविधाएँ :

विश्वविद्यालय में विकलांगों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में अवरोध मुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने पहले ही अधिकतर छात्रावासों, केन्द्रीय पुस्तकालय और संस्थानों के भू–तल में ढलानदार रास्ते और शौचालय बनाए हैं ताकि विश्वविद्यालय शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए सुविधाजनक बना रहे। दृष्टिहीन छात्रों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केन्द्रीय पुस्तकालय के भू–तल में हेलन–केलर इकाई नाम एक पृथक इकाई स्थापित की गई है। इस विशेष इकाई में दृष्टिहीन छात्रों को अध्ययन में सुविधा के लिए स्क्रीन रीडिंग और स्पीच साफ्टवेयर सहित 20 कंप्यूटर और एक स्केनर लगाया गया है। सभी संस्थान शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के प्रयोग के लिए वील चेयर और चार्जीएबल बैटरी के साथ टेप रिकार्डर उपलब्ध करा रहे हैं।

"डिसएबिलिटी ऐंड डिसचेंटमेंट : न्यू चैलेंजिज ऐंड इवाल्विंग डायरेक्शन" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन

यह सम्मेलन शैक्षिक जगत् में अपनी तरह का पहला सम्मेलन था। इसमें शारीरिक विकलांग लोगों के लिए कार्य कर रहे प्रसिद्ध शिक्षाविदों, युवा विद्वानों, प्रशासकों और कार्यकर्ताओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। यह सम्मेलन समान अवसर कार्यालय द्वारा जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी विजुअली चैलेंज्ड फोरम (परिसर में दृष्टिहीन छात्रों/विद्वानों का एक सक्रिय ग्रुप) के सहयोग से आयोजित किया गया।

2–3 मार्च, 2009 को आयोजित यह दो–दिवसीय सम्मेलन 5 सत्रों में विभाजित किया गया था। इस सम्मेलन में भाग लेने वाले वक्ता प्रतिभागी विभिन्न संस्थानों से थे। उनके नाम हैं : प्रो. सरस्वती राजू (जियोग्राफर और शिक्षक, क्षे.वि.अ.के., सा.वि.सं., जेएनयू), श्री निरेदीमल्ली अन्नावारम (युवा विद्वान, सा.प.अ.के., सा.वि.सं., जेएनयू), डॉ. रमेश कुमार सरीन (राजनीति विज्ञान विभाग, सत्यवती कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. विनोद कुमार (मनोविज्ञान विभाग, लेडी श्रीराम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. रामबाबू (टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई), डॉ. श्रीलता जुव्वा (विभागाध्यक्ष, डिसएबिलिटी स्टडीज, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुम्बई), डॉ. गंगाधरन (इतिहास विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), एस महेश पणिक्कर (युवा विद्वान और शिक्षक, लेडी श्रीराम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. कृष्ण डोरा (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली), प्रो. गोपाल गुरु (राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू), प्रो. जानकी अब्राहम (अध्यक्ष, महिला अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू), डॉ. रेणुका अदलखा (वरिष्ठ फेलो, महिला विकास अध्ययन केन्द्र), डॉ. अनिता घई (स्कॉलर, जेंडर ऐंड डिसएबिलिटी और शिक्षक, जीसस और मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. नवनीत सेठी (अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र, भा.सा.सं.अ.सं., जेएनयू), प्रो. आनंद कुमार (सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, सा.वि.सं., जेएनयू), डॉ. सैम तारापोरेवाला (विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र, सेंट जेवियर कॉलेज, मुम्बई विश्वविद्यालय और निदेशक, जेवियर्स रिसॉर्स सेंटर फॉर बिजुअली चैलेंज्ड), जॉर्ज अब्राहम (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्कोर फाउंडेशन और संथापक, दृष्टिहीनों के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड), ए.के. मित्तल (अध्यक्ष, आल इंडिया कंफीड्रेशन ऑफ द ब्लाइंड और कोषाध्यक्ष, वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन), श्री मानिक सहाय (महा प्रबंधक, उत्तर रेलवे) और श्रीमती शांति राघवन (प्रबंध निदेशक और न्यासी, इनेबल इंडिया फाउंडेशन, बंगलौर)

सम्मेलन की अध्यक्षता समान अवसर कार्यालय, जेएनयू के सलाहकार डॉ. मिलापचन्द शर्मा द्वारा की गई थी। इस सम्मेलन में भारत के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जेएनयू में कुलदेशिक–II प्रो. आर. कुमार मुख्य अतिथि थे।

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राधिकरण जेएनयू कोर्ट की बैठक 20 जनवरी, 2009 को कुलाधिपति प्रो. यश पाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर रिपोर्ट और विश्वविद्यालय का लेखा-परीक्षित प्राप्ति एवं व्यय का विवरण तथा तुलन-पत्र प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्रस्तुत किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 03 बैठकें हुईं। ये बैठकें 21 अप्रैल ; 03 सितम्बर और 16 दिसम्बर, 2009 को हुईं। इन बैठकों में कार्यसूची की अनेक मदों पर विचार-विमर्श किया गया और प्रशासनिक मामलों पर महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

विद्या परिषद की बैठक 30 अप्रैल, 05 जून और 24 नवम्बर, 2008 को हुई। इसमें कार्य परिषद् के समक्ष पेश की जाने वाली मदों सहित अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वित्त समिति की बैठक में वर्ष 2008-2009 के संशोधित अनुमानों और वर्ष 2009-2010 के विश्वविद्यालय के बजट अनुमानों को अनुमोदित किया गया और कुछ महत्त्वपूर्ण वित्तीय मामलों पर निर्णय लिए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए चयन समितियों की कई बैठकें आयोजित हुईं। इस अवधि के दौरान 45 शिक्षक नियुक्त किए गए। इनमें 09 प्रोफेसर, 17 एसोसिएट प्रोफेसर और 19 सहायक प्रोफेसर शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, विभिन्न कैडरों में 67 गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्यों की नियुक्तियाँ भी की गईं।

50 शिक्षकों को आवधिक/असाधारण अवकाश/अध्ययन अवकाश मंजूर किए गए या उनके अवकाश में वृद्धि की गई। उन्होंने अपना शोध कार्य पूरा करने/अन्य संस्थानों में नियुक्तियाँ/अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त करने, आदि के लिए अवकाश लिया था। इस अवधि के दौरान, कुल 07 शिक्षक और 41 गैर-शैक्षणिक कर्मचारी विश्वविद्यालय की सेवा से सेवा-निवृत्त हुए/त्यागपत्र दिया।

सम्पदा शाखा

समीक्षाधीन अवधि के दौरान मकान आबंटन समिति की छः, परिसर विकास समिति की तीन तथा परिसर यातायात योजना समिति की नौ बैठकें हुईं। यद्यपि, समीक्षाधीन अवधि के दौरान नए मकान नहीं बनाए गए फिर भी, मकान आबंटन समिति द्वारा खाली पड़े कई टाइप के मकान पात्र शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों को आबंटित किए गए।

जन-सम्पर्क कार्यालय

विश्वविद्यालय के जन-सम्पर्क कार्यालय ने विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनेक प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी कीं। समाचारों में जेएनयू से संबंधित प्रकाशित रिपोर्ट और शिकायतों से संबंधित प्रेस कतरने प्रशासन की जानकारी हेतु भेजीं तथा आवश्यकतानुसार उचित स्पष्टीकरण/उत्तर-प्रत्युत्तर जारी किए। जन-सम्पर्क कार्यालय ने जन-साधारण को शैक्षिक तथा प्रशासनिक मामलों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी तथा विश्वविद्यालय में आए महत्त्वपूर्ण अतिथियों तथा शिष्ट मण्डलों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी के लिए लिखित रूप से पूछताछ करने वालों को भी उत्तर भेजे।

जन-सम्पर्क अधिकारी ने विश्वविद्यालय की द्विमाषिक पत्रिका 'जेएनयू न्यूज' का प्रकाशन भी जारी रखा। इन्होंने इसका सम्पादन और प्रकाशन विश्वविद्यालय की ओर से किया। यह पत्रिका सूचनाओं की कमी को पूरा करती है तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न घटकों एवं शेष शैक्षिक विश्व समुदाय के मध्य सीधा संवाद स्थापित करती है। जन-सम्पर्क अधिकारी कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट को भी हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार करके प्रकाशित किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान जन-सम्पर्क अधिकारी कार्यालय ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित करने, नए नियुक्त शिक्षकों के लिए अनुशीलन कार्यक्रम आयोजित करने और विश्वविद्यालय के वार्षिक दिवस पर व्याख्यान आयोजित करने में विश्वविद्यालय की सहायता की।

अतिथि गृह

जेएनयू के दो अतिथि गृहों – अरावली और अरावली इंटरनेशनल में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 3500 से अधिक अतिथियों को कमरे उपलब्ध कराए गए। उक्त अवधि में तीसरे गोमती अतिथि गृह में मरम्मत कार्य चल रहा था। इन अतिथियों में शोध सामग्री या अन्य शैक्षिक उद्देश्यों के लिए देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षा संस्थानों से दिल्ली आए शिक्षक तथा शोध छात्र शामिल हैं। विश्वविद्यालय के सरकारी अतिथियों, शिक्षकों तथा स्टाफ के अतिथियों, छात्रों के माता–पिताओं और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अतिथियों को भी अल्पकालिक अवधि के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

हिन्दी एकक

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हिंदी एकक ने विश्वविद्यालय में कार्यरत लिपिक वर्गीय कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए 5–दिवसीय कार्यशाला और हिंदी टिप्पण तथा मसौदा लेखन का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला 8 से 12 सितम्बर, 2008 तक केन्द्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई। इसमें 17 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने परीक्षा में भाग लिया। सबसे अधिक अंक पाने वाले प्रथम तीन प्रतिभागियों को हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर कुलदेशिक, प्रो. रामाधिकारी कुमार ने नकद पुरस्कार प्रदान किए। इनके अतिरिक्त, इस वर्ष 05 सांत्वना नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र दिए गए। इसी प्रकार की कार्यशाला अधिकारियों के लिए भी आयोजित की गई ताकि वे अपने अधीनस्थ स्टाफ सदस्यों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित और मार्गदर्शित कर सकें। इसमें 08 अधिकारियों ने भाग लिया। उन्हें भी नकद पुरस्कार और प्रमाण–पत्र दिए गए।

हिंदी एकक ने 29 सितम्बर, 2008 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के डीन प्रो. वरयाम सिंह ने अतिथि वक्ता, विश्वविद्यालय के ***कुलदेशिक प्रो. रामाधिकारी कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा*** महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. नामवर सिंह ने इस समारोह की अध्यक्षता की। हिंदी सलाहकार डॉ. रंजीत कुमार साहा और कुलसचिव श्री अवैस अहमद ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षकों, छात्रों, अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हिंदी एकक ने 21–22 अगस्त, 2008 को 'हिंदी का भविष्य– भविष्य की हिंदी' विषयक दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में सात सत्र थे जिनमें मीडिया, अनुवाद, भाषा और साहित्य, शिक्षा, राजभाषा, विज्ञान और समाज विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया, विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की और आलेख प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. बी. भट्टाचार्य ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की तथा प्रो. नामवर सिंह ने मुख्य व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सर मार्क टुली मुख्य अतिथि थे तथा ख्यातिप्राप्त लेखक श्री कुंवर नारायण मुख्य अतिथि वक्ता थे।

एकक ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट, प्रवेश सूचनाओं, भर्ती के लिए विज्ञापनों, अधिसूचनाओं/परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों आदि से संबंधित अनुवाद का कार्य भी किया।

मुख्य कुलानुशासक कार्यालय

विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखने से संबंधित विश्वविद्यालय के परिनियम–32 में उल्लेख है कि छात्रों से संबंधित सभी अनुशासन और अनुशासनिक कार्रवाई संबंधी शक्तियाँ कुलपति में निहित होंगी। परिनियम 10 (3) में उल्लिखित है कि कार्यपरिषद् द्वारा मुख्य कुलानुशासक की नियुक्ति की जाएगी।

विश्वविद्यालय में मुख्य कुलानुशासक कार्यालय की स्थापना वर्ष 1986 में हुई थी। इस समय एक मुख्य कुलानुशासक और दो कुलानुशासक (इनमें से एक महिला कुलानुशासक है) हैं। मुख्य कुलानुशासक का कार्यालय विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। यह कार्यालय परिसर में शांति और सौहार्द बनाए रखने का कार्य करता है तथा यह दण्डात्मक उपायों की बजाय सुधारात्मक उपायों में अधिक विश्वास रखता है। फिर भी, अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों के विरुद्ध उचित अनुशासनिक कार्रवाई की जाती है।

विधि प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में जेएनयू विधि प्रकोष्ठ की स्थापना हालही में की गई है।चूँकि विश्वविद्यालय को समय–समय पर बहुत से विधिक और तकनीकी प्रश्नों का सामना करना पड़ता है इसलिए इस प्रकोष्ठ की स्थापना की

गई है। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से विधि विशेषज्ञ की आवश्यकता रहती है। कई न्यायालयों में विभिन्न प्रकार के मुकदमेबाजी के मामले लंबित हैं जिनके लिए लगातार निगरानी की आवश्यकता है। विधिक सलाह का कार्य अब विधि प्रकोष्ठ में ही किया जाता है। विधि प्रकोष्ठ में विधिक दस्तावेजों, करारनामों, समझोता ज्ञापनों, निविदाओं का पुनरीक्षण, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न महत्त्वपूर्ण निर्णयों की व्याख्या तथा विश्लेषण, सुझाव आदि से संबंधित कार्य किए जाते है।

इसके अलावा, सहायक कुलसचिव (विधि प्रकोष्ठ) को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सहायक जन सूचना अधिकारी के रूप में पदनामित किया गया है।

सुरक्षा कार्यालय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सुरक्षा शाखा द्वारा जेएनयू में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए :

- प्लासटिक के परिचय पत्र तैयार करने की प्रणाली की स्थापना।
- परिसर में विभिन्न जगहों पर 14 बार लगी आग पर सफलतापूर्वक नियंत्रण किया गया तथा उसे बुझाया गया।
- माननीय श्री मार्टिन लूथर किंग–3 के जेएनयू दौरे के समय सफल सुरक्षा इंतजाम।
- सभी संस्थान भवनों के लिए एक्सेस कंट्रोलिंग सिस्टम की सुविधा।
- सभी संस्थानों और जेएनयू परिसर के प्रवेश द्वार के लिए सीसीटीवी कैमरा सिस्टम्स।

विश्वविद्यालय वित्त

I. लेखा और लेखा–परीक्षा पद्धति

विश्वविद्यालय के लेखे पांच भागों में रखे जाते हैं :

1. अनुरक्षण (योजनेतर) खाता : यह खाता विश्वविद्यालय के राजस्व, प्राप्तियों और अनुरक्षण खर्च से सम्बन्धित है।
2. विकास (योजना) खाता : इस खाते में विश्वविद्यालय के खर्च से संबंधित लेन–देन का खाता रखा जाता है, जिसकी पूर्ति पंच–वर्षीय योजना के आबंटन तथा अन्य अनुमोदित योजनागत योजनाओं से की जाती है।
3. उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता : इस खाते में केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी., सी.एस.आई.आर. और आई. सी.एस.एस.आर., आदि द्वारा वित्त–पोषित विशेष शोध परियोजनाओं, सम्मेलनों और अन्य प्रयोजनों तथा विदेशी निकायों और वाहन अग्रिम निधि, गृह निर्माण अग्रिम निधि, शैक्षिक विकास निधि आदि से संबंधित लेखा–जोखा रखा जाता है।
4. ऋण, जमा आदि खाता : इस खाते में जमाओं और कार्पस निधि आदि से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का हिसाब रखा जाता है।
5. अध्येतावृत्ति खाता : इस खाते में "एट एनी वन गिविन टाइम बेसिस" योजना के अन्तर्गत शोध अध्येतावृत्तियों से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का लेखा–जोखा रखा जाता है।

विश्वविद्यालय का वित्तीय वर्ष भारत सरकार के अनुरूप यानी 1 अप्रैल से अगले वर्ष की 31 मार्च तक होता है। विश्वविद्यालय ने नकद आधार लेखा पद्धति के स्थान पर प्रोद्भूत लेखा पद्धति अपना ली है। विश्वविद्यालय के लेखों की वार्षिक लेखा–परीक्षा भारत के नियन्त्रक और महालेखा–परीक्षक की ओर से लेखा–परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व द्वारा की जाती है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के परीक्षित लेखे अगले वर्ष की 31 दिसम्बर तक सदन के पटल पर रखे जाने अपेक्षित होते हैं।

II. बजट

1. वर्ष 2008–2009 के संक्षिप्त बजट आकलन, संशोधित आकलन और प्राप्ति तथा व्यय के वास्तविक आंकड़े नीचे तालिका–1 और 2 में दिए गए हैं :

तालिका–1
(प्राप्तियाँ)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2008–2009	संशोधित आकलन 2008–2009 (रुपये लाखों में)	वास्तविक 2008–2009
1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	11662.49	13316.55	12181.82
2.	विकास (योजना) खाता	4820.95	9947.76	9745.25
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	2852.00	3560.89	9977.92
4.	ऋण, जमा आदि खाता	5126.11	5391.05	320.26#
5.	अध्येतावृत्ति खाता	1478.8	1888.1	581.93*

* "भविष्य निधि, विश्वविद्यालय अंशदान, गृहनिर्माण अग्रिम, वाहन" नामक कुछ शीर्षों की गणना प्रोद्भूत लेखांकन पद्धति के अन्तर्गत उद्दिष्ट निधि खाते में की जा रही है।

\# प्रायोजित अध्येतावृत्तियाँ भी शामिल है।

तालिका–2
(व्यय)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2008–2009	संशोधित आकलन 2008–2009 (रुपये लाखों में)	वास्तविक 2008–2009
1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	11662.49	13316.55	12119.96
2.	विकास (योजना) खाता	4820.95	9947.76	5360.16
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	2041.15	2144.85	5684.27
4.	ऋण, जमा आदि खाता	4784.54	5234.54	185.76#
5.	अध्येतावृत्ति खाता	1478.8	1888.10	610.12*

III. भाग–I – अनुरक्षण (योजनेतर) बजट/संशोधित आकलन/वास्तविक व्यय

वर्ष 2008–2009 के लिए अनुरक्षण, व्यय और बजट का संक्षिप्त विवरण :

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2008–2009	संशोधित आकलन 2008–2009 (रुपये लाखों में)	वास्तविक 2008–2009
1.	स्थापना व्यय	11662.49	13316.55	6912.80
2.	शैक्षिक व्यय			802.24
3.	प्रशासनिक व्यय			1906.65
4.	मरम्मत और अनुरक्षण व्यय			385.32
5.	पूर्व अवधि के व्यय			–
6.	सेवा निवृत्त लाभ हेतु भुगतान			1410.65
7.	पूर्व में भुगतान किए गए व्यय			0.94
8.	अनुरक्षण व्यय			498.24
9.	अनुरक्षण स्थायी परिसम्पत्तियाँ			203.12
		कुल		12119.96

* "भविष्य निधि, विश्वविद्यालय अंशदान, गृहनिर्माण अग्रिम, वाहन" नामक कुछ शीर्षों की गणना प्रोद्भूत लेखांकन पद्धति के अन्तर्गत उद्दिष्ट निधि खाते में की जा रही है।

\# प्रायोजित अध्येतावृत्तियाँ भी शामिल है।

भाग–II–विकास (योजना) व्यय

वर्ष 2008–2009 के विकास खर्च की मुख्य मदें नीचे दी गई हैं :

(क) राजस्व	(रुपये लाखों में)	
1. स्थापना व्यय	62.95	1306.60
2. शैक्षिक व्यय	1134.11	
3. प्रशासनिक व्यय	50.77	
4. मरम्मत और अनुरक्षण व्यय	58.77	
5. पूर्व अवधि के व्यय		
(ख) पूंजीगत व्यय –		
1. योजनागत स्थायी परिसम्पत्तियाँ	1254.81	4053.56
2. योजनागत अग्रिम	2798.75	
	कुल व्यय	**5360.16**

III. *परियोजनाएं*

विभिन्न भारतीय और विदेशी एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्तियाँ और अदायगियाँ (2008–2009)

क्र.सं.	वित्त–पोषक एजेंसी का नाम	परियोजनाओं की संख्या	प्राप्तियाँ (रुपयों में)	व्यय (रुपयों में)
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	31	6565460.00	4143893.00
2	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद्	01	1400.00	5129.00
3	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	31	14718893.00	12915267.00
4	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	11	58767911.00	6069821.00
5	डीओईएन	04	4941000.00	4324296.00
6	विदेशी निकाय	41	43194411.00	32061195.00
7	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	68	50859500.00	45267373.00
8	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	55	56089906.00	65125773.00
9	वेलकम ट्रस्ट	2	3751648.00	7460013.00
10	अन्य निकाय	37	53189207.00	27700423.00
11	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	05	353528.00	163200.00
12	संगोष्ठियाँ		7822467.00	7669858.00
	कुल	**286**	**300255331.00**	**2129066241.00**

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति (जीएसकैश)

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति की स्थापना विशाखा बनाम राजस्थान सरकार की याचिका में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 1997 में जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के आधार पर की गई थी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न रोकने और निवारण हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत निर्धारित किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय की सिफारिशों का अनुपालन करते हुए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने इन मार्गदर्शी सिद्धांतों का क्रियान्वयन करने हेतु वर्ष 1999 में यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति की स्थापना की थी।

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति का मुख्य कार्य – शिकायतों को देखने और जाँच करने की औपचारिक प्रक्रिया के माध्यम से यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निवारण करना है। द्वितीय, यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति हमारे जीवन में जेंडर की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य करती है ताकि जेंडर संवेदनशीलन और यौन उत्पीड़न के विरुद्ध रक्षा उपाय किए जा सकें तथा परिसर में जेंडर संवेदनशीलता, समानता और सहनशीलता की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

यह रिपोर्ट तीन भागों में प्रस्तुत है :

- गतिविधियाँ और कार्यक्रम
- मामले और सूचना का अधिकार
- चुनौतियाँ जिनका सामना किया गया
- सिफारिशें

गतिविधियाँ और कार्यक्रम

वर्ष 2008 के दौरान की गतिविधियाँ और कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :

- समिति ने 2 जुलाई, 2008 में प्रवेश के समय नए छात्रों के लिए पेम्फलेट निकाला। इस मेम्फलेट में जीएसकैश के आपातकालीन सुरक्षा नम्बर हैं। यह जीएसकैश की स्थापना, इसके कार्य और इसके साथ आसानी से सम्पर्क स्थापित करने, विशेषकर नए छात्रो को जीएसकैश के बारे में जानकारी देने के लिए निकाला गया था।
- 3 से 5 सितम्बर, 2008 तक तीन जन बैठकों व नए छात्रों के स्वागत का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ प्रोफेसरों व समिति के पूर्व सदस्यों ने व्याख्यान दिए।
- 17 से 19 अक्टूबर, 2008 तक 'छोड़ ना यार' विषयक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसमें जेएनयू के छात्र कलाकार थे। यह नाटक यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और छेड़छाड़ से संबंधित समस्याओं पर आधारित था। इस नाटक की पटकथा छात्र समुदाय के बीच कई दौर की चर्चा के बाद तैयार की गई थी। इसमें छः एपिसोड थे। प्रत्येक मंचन के बाद परिचर्चा का आयोजन किया गया।

स्वयं सेवकों के साथ बैठक और परिचर्चा

सर्वप्रथम स्वयं सेवक बनाए गए तथा उनके साथ जीएसकैश को मजबूत बनाने के विभिन्न तरीकों पर विचार–विमर्श किया गया। स्वयंसेवकों की बैठक में लगभग 30 लोगों ने भाग लिया तथा जीएसकैश की गतिविधियों के बारे में छात्रों से सुझाव प्राप्त किए गए।

छात्रावास अध्यक्षों के साथ बैठक और परिचर्चा

किसी प्रकार की अप्रत्यासित घटना को रोकने के लिए ऐहतियाती उपाय के रूप में छात्रावास अध्यक्षों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षों को माही–माण्डवी की वर्ष 2007 में हुई कल्चरल नाइट और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के बारे में संक्षिप्त में बताया गया। अध्यक्षों से उन कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में पूछा गया जो कि आने वाले वर्ष में आयोजित करना चाहते हैं।

इसका उद्देश्य जेंडर असंवेदनशील कार्यक्रमों को रोकना था। अध्यक्षों को उनके संबंधित छात्रावासों में जेंडर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा यह जीएसकैश के सहयोग से किया जा सकता था।

ऐहतियाती उपाय के रूप में होस्टल नाइट के बारे में डीन (छात्र) को भी लिखित में देने का निर्णय लिया गया ताकि कार्यक्रम सभी समुदाय सदस्यों के लिए मनोरंजक रहे। अध्यक्षों से सुझाव देने के तथा जीएसकैश से किसी प्रकार की अपेक्षित सहायता लेने के लिए कहा गया।

प्रो. चिंतामणि महापात्रा, संकाय सदस्य, जीएसकैश ने सुझाव दिया कि अगले वर्ष से छात्रावासों की कल्चरल नाइट में जेंडर संवेदनशीलता पर छोटे से कार्यक्रम होने चाहिए। अध्यक्ष डॉ. मंदिरा दत्ता ने सुझाव दिया कि छात्रावास अध्यक्षों द्वारा जीएसकैश के साथ मिलकर जेंडर संवेदनशीलता पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएं। यह अधिक से अधिक छात्रों के पास पहुँचने का एक सही साधन है।

होली पोस्टर

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जीएसकैश ने ऐहतियाती उपाय के रूप में और जागरूकता फैलाने के लिए होली पर पोस्टर लगाए। छात्र प्रतिनिधियों ने निश्चय किया कि होली के ग्रिटिंग्स के साथ–साथ वे ग्रिटिंग पर कुछ कोटेशन भी लिखेंगे। चुने गए कुछ शीर्षक निम्नलिखित है :

- राइज अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट
- साइलेंस इन नाट द आंसर टु सेक्सुअल हरासमेंट : प्रोटेस्ट
- द विकटिम इज नाट रिस्पांसीबल फॉर सेक्सुअल हरासमेंट
- स्पीक आउट

यह महसूस किया गया कि इस प्रकार के तरीके समुदाय में बड़े पैमाने पर विभिन्न तरह के संदेश पहुँचाने के लिए सचमुच काफी प्रभावी होते हैं। इनके विषय यौन उत्पीड़न से संबंधित विभिन्न धारणाओं और बोध को ध्यान में रखते हुए चुने गए थे। प्रायः हम देखते हैं कि जब कोई व्यक्ति यौन उत्पीड़न का शिकार होता है तो वह स्वयं को इसका दोषी मानता है और शर्मिंदगी महसूस करता है। जिनके साथ यौन उत्पीड़न हुआ है वे आगे आकर यौन हिंसा या उत्पीड़न के बारे में नहीं बताते हैं। दूसरी तरफ वे इस प्रकार के कार्य को सहन करते रहते हैं और चुपचाप शिकार बनते रहते हैं।

वर्तमान जीएसकैश समिति के पास समुदाय को संवेदनशील बनाने की प्रक्रिया शुरू करने का कार्य था। यौन उतपीड़न एक ऐसा कार्य है जिसे सहन नहीं करना चाहिए बल्कि पीड़ित अथवा अन्य कोई तीसरे व्यक्ति जो इस प्रकार के मामलों के प्रति जागरूक है, के द्वारा रिपोर्ट की जानी चाहिए या विरोध किया जाना चाहिए। जीएसकैश का विश्वास है कि कोई भी लगातार पीड़ित न हो। यहाँ तक कि इस प्रकार के मामलों के चश्मदीद भी अपनी तरफ से आवाज उठाए और मूक–दर्शक नहीं बनें।

- **प्रवेश के समय नए छात्रों के लिए पेम्फलेट**

विश्वविद्यालय ज्वाइन करने वाले नए छात्रों के आने से पहले समिति महसूस करती है कि जुलाई के अन्त में प्रवेश के समय नए छात्रों में जीएसकैश से संबंधित पेम्फलेट वितरित किए जाने चाहिए। विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमियों से जेएनयू आने वाले छात्रों को ध्यान में रखते हुए समिति ने जीएसकैश के बारे में नए छात्रों को संवेदनशील बनाने का निर्णय लिया तथा इसके द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ चलाई गई।

- **जन–बैठक व नए छात्रों का स्वागत**

नए प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन जन–बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जीएसकैश और इसके कार्यों के बारे में नए छात्रों को बताना था तथा समिति के कार्यों और समाज में इसकी वृहत्त भूमिका के बारे में विस्तृत परिचर्चा करना था।

इन बैठकों में छात्रों, कुछ स्टाफ–सदस्यों तथा शिक्षकों ने भाग लिया। पितृसत्तात्मक समाज में जीएसकैश की भूमिका के बारे में वक्ताओं और जेएनयू समुदाय द्वारा चर्चा की गई।

- **नुक्कड़ नाटक**

जीएसकैश की प्रत्येक टीम प्रत्येक वर्ष दर्ज मामलों की जाँच करती है तथा विभिन्न तरीकों से समुदाय के पास पहुँचने का प्रयास करती है। किसी परिसर को एक जेंडर संवेदनशील बनाने में समुदाय की प्रतिभागिता काफी प्रभाव डालती है। जैसे–जैसे जेएनयू का विस्तार हुआ, समुदाय को सक्रीय और प्रतिभागी बनाना एक बड़ी चुनौति बन गया।

छात्रों, अन्य सदस्यों और समुदाय के लोगों में आपस में गाली का बड़े स्तर पर प्रयोग करना दुःखद है। सहायता ग्रुप कुछ ही हैं। संक्षिप्त में कह सकते हैं कि ऐसी स्थिति में जीएसकैश के पास न्याय के लिए आए सभी मामलों पर जीएसकैश के नियम के अंतर्गत निर्धारित समय में सुनवाई करना आसान नहीं है। इस स्थिति में मामलों की सुनवाई की बजाय रोकथाम के उपाय अपनाना बेहतर होते हैं।

जीएसकैश ने लगातार तीन दिन नुक्कड़ नाटकों के आयोजन द्वारा इस प्रकार के उपाय लागू करने का प्रयास किया है। पिछले अनुभव के आधार पर जीएसकैश ने छात्रों और स्वयं सेवकों के सहयोग से कई गम्भीर परिचर्चाओं और विचार–विमर्शों के बाद नाटकों के विषय निर्धारित किए।

श्री लोकेश जैन नुक्कड़ नाटकों के समन्वयक थे, उन्होंने इसके लिए छात्रों को विश्वास और धैर्य के साथ तैयार करने में काफी प्रयास किए और समय दिया। समिति को विश्वास है कि यह छोटा सा प्रयास लक्षित ग्रुप पर सही प्रभाव डालेगा और जेंडर जागरूकता फैलाने तथा विश्वविद्यालय परिसर को जेंडर संवेदनशील बनाने में एक सही कदम होगा।

वार्षिक रिपोर्ट की प्रस्तुति

वार्षिक रिपोर्ट 8 दिसम्बर, 2008 को प्रस्तुत की गई। वार्षिक रिपोर्ट जेएनयू समुदाय के सामने प्रस्तुत की गई। इसमें जीएसकैश के कुछ पूर्व अध्यक्षों और जेएनयू समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया। परिचर्चाओं के आधार पर कुछ सिफारिशें सुझाई गई। ये रिपोर्ट के अंत में दी गई हैं।

- **सूचना के अधिकार के मामले**

पिछले वर्ष के चार मामलों सहित सूचना के अधिकार के 13 मामले थे। इनमें से लगभग 11 सूचना के अधिकार के मामलों के उत्तर दिए गए। सभी मामले पूरे हो चुके हैं। दो मामलों में जाँच की सिफारिश की गई।

2008 में पंजीकृत मामलों का संक्षिप्त विवरण

क्र.सं.	शिकायत की प्रकृति	वर्ष	शिकायत की छानबीन/जाँच	परिणाम
1.	छात्र बनाम छात्र	2008	सीएससी–शिकायतकर्ता ने परिसर छोड़ा	केस बंद
2.	छात्र बनाम छात्र	2008	सीएससी–प्रतिवादी परिसर में नहीं था	केस बंद
3.	छात्र बनाम छात्र	2008	सीएससी–प्रतिवादी उपलब्ध नहीं था	केस बंद
4.	छात्र बनाम छात्र	2008	जाँच पूरी हो चुकी है।	शिफारिशें लागू की गईं
5.	छात्र बनाम शिक्षक	2008	सीएससी–जाँच पूरी होने वाली है।	–
6.	छात्र बनाम छात्र	2008	सीएससी–पूरी हो चुकी है।	जाँच की सिफारिश की गई
7.	छात्र बनाम छात्र	2008	सीएससी–पूरी हो चुकी है।	सिफारिशें लागू की गई
8.	शिक्षक बनाम स्टाफ	2008	सीएससी–पूरी हो चुकी है।	जाँच की सिफारिश की गई
9.	छात्र बनाम छात्र	2008	शिकायतकर्ता उपलब्ध नहीं है।	केस बंद
10.	छात्र बनाम बाहरी व्यक्ति	2008	–	वसंत विहार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज
11.	घरेलू हिंसा	2008	–	जीएसकेस ने पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई।

एल्युमनी मामले और प्लेसमेंट्स

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क : जेएनयू को इस बात का गर्व है कि पिछले 35 वर्ष के दौरान 80,000 से अधिक पूर्व छात्र – समाज विज्ञान, विज्ञान, लोक सेवा, साहित्य, मीडिया, विदेशी भाषा, पत्रकारिता, राजनीति, तकनीकी, प्रबंधन आदि क्षेत्रों में फैले हुए हैं। यह संस्था लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2003 से कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए स्थायी समिति का गठन किया गया है। इस समय प्रो. आनंदकुमार जेएनयू के पूर्व छात्रों से संबंधित मामलों और प्लेसमेंट्स के मुख्य सलाहकार हैं।

समिति का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों तथा विश्वविद्यालय से संबंधित अन्य के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना है। जेएनयू अपने पूर्व छात्रों को महत्त्वपूर्ण स्टेकहोल्डर के रूप में मान्यता देता है ताकि जेएनयू लगातार अच्छी शिक्षा प्रदान कर सके। जेएनयू को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपने पूर्व छात्रों से 21वीं शताब्दी में अपनी योजना संबंधी दिशा–निर्देश तैयार करने में सहयोग प्राप्त हो सकता है।

जेएनयू के पूर्व छात्र सामुदायिक सेवा उपलब्ध करा सकते हैं, जेएनयू के लिए गुडविल एम्बेसेडर के रूप में कार्य कर सकते हैं, विश्वविद्यालय को शोध के सीमांत क्षेत्रों पर सुझाव, कैरियर सलाह और वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करा सकते हैं। शोध और परियोजनाओं में शैक्षिक और तकनीकी सहयोग भी हो सकता है।

इस कार्यालय के माध्यम से हमने भारत और विश्व के विभिन्न भागों में जेएनयू के पूर्व छात्रों और जेएनयू के पूर्व छात्रों के संगठनों के साथ सम्पर्क स्थापित किया है। हमने पहले ही जेएनयू के लगभग 5000 पूर्व छात्रों की निर्देशिका तैयार की है जो ऑनलाइन उपलब्ध हैं। बचे हुए छात्रों की निर्देशिका शीघ्र ही तैयार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कोई भी पूर्व छात्र इस निर्देशिका में शामिल होने के लिए alumnus@mail.ac.un पर विवरण भेज सकता है।

यह कार्यालय विभिन्न संभावित नियोजकों और जेएनयू के छात्रों के बीच अपने संस्थानों और केन्द्रों के माध्यम से सम्पर्क स्थापित करने में भी सहायकता करता है। इस उद्देश्य के लिए कई प्लेसमेंट एजेंसियों और विश्वविद्यालयों ने हमसे सम्पर्क स्थापित किया है।

जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान

संस्थान की सलाहकार व चयन समिति की बैठकें दिनांक 22.4.2008, 20.6.2008, 23.9.2008, 9.12.2008, 18.2.2009 और 12.3.2009 को हुई। इनका चुनाव जेएनयू के शैक्षिक समुदाय की रुचि के मुख्य क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए किया गया है ताकि इन क्षेत्रों में शोध एवं परस्पर विचारों के आदान–प्रदान को बढ़ावा दिया जा सके और विश्वविद्यालय के शैक्षिक समुदाय को इनकी उपस्थिति से लाभ प्राप्त हो सके।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान चयनित फेलोज में से निम्नलिखित फेलो में विभिन्न अवधियों के दौरान संस्थान ज्वाइन किया :

- डॉ. वेसिलियोइस सायरस, यूनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी, फिनलैण्ड, 21.6.2008–02.9.2008
- प्रो. फिलिप ओल्डन बर्ग, अनुबद्ध सह–प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ पॉलिटीकल साइंस, सदर्न एशियन इंस्टीट्यूट, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, यूएसए, 01.07.2008–30.08.2008
- प्रो. वीणा तलवार ओल्डनबर्ग, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, बरूच कॉलेज, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क, यूएसए, 01.07.2008–30.08.2008
- प्रो. रिचर्ड विलियम एलेन, प्रोफेसर और अध्यक्ष, सिनेमा स्टडीज, न्यूयार्क यूनिवर्सिटी, यूएसए, 04.07.2008–23.08.2008
- प्रो. क्रिस्टाइन चोजनाकी, यूनिवर्सिटी ऑफ लियोन, लियोन, फ्रांस, 11.07.2008–23.02.2009
- डॉ. वरेना विडॉर्न, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, वियना, आस्ट्रिया, 01.10.2008–02.11.2008
- श्री सीन मैकएलिस्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, वियना, आस्ट्रिया, 01.10.2008–01.11.2008
- डॉ. क्लॉज वान्ड्रोवेक, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, वियना, आस्ट्रिया, 04.10.2008–19.10.2008
- डॉ. निकोलस शिंडेल, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, वियना, आस्ट्रिया, 06.10.2008–11.10.2008
- डॉ. मिशेल अलराम, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, वियना, आस्ट्रिया, 06.10.2008–11.10.2008
- प्रो. देबोराह के. साल्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, वियना, आस्ट्रिया, 06.10.2008–01.11.2008
- प्रो. अरी सितास, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वाजुलु–नाटाल, डरबन, दक्षिण अफ्रीका, 02.11.2008–31.12.2008
- प्रो. ब्रिंसले सेमारू, फेकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज ऐंड एज्यूकेशन, द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट इंडीज, सेंट आगस्टाइन, ट्रिनीडाड ऐंड टोबेको, वेस्ट इंडीज, 10.11.2008–19.01.2009
- प्रो. सी.जे. दे वेट, रोड्स यूनिवर्सिटी, दक्षिण अफ्रीका, 04.01.2009–17.01.2009
- डॉ. प्रितम सिंह, आक्सफोर्ड ब्रूक्स यूनिवर्सिटी, यूके, 19.01.2009–31.08.2009
- प्रो. एम. जन्नेती, यूनिवर्सिटी ऑफ सलेरनो, इटली, 08.01.2009–18.02.2009
- डॉ. मीरा नंदा, जॉन टेम्पलटन फाउंडेशन, यूएसए, 16.01.2009–15.01.2010
- प्रो. अलवीरा कारवाजल, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ रियो दे जनेरियो, ब्राजील, 18.01.2009–11.02.2009
- डॉ. एम. मैककार्टने, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, इंगलैण्ड, 18.01.2009–08.06.2009
- डॉ. ए.एल. केपलर, स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन, वाशिंगटन, यूएसए, 27.01.2009–03.03.2009

- डॉ. बेसिले लेकलेरे, लायसी चार्ली, डेनीनेस, फ्रांस, 20.02.2009—31.03.2009
- प्रो. राबर्ट डगलस जेसप, डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, लंकास्टर, लंकास्टर यूनिवर्सिटी, इंगलैण्ड, 25.02.2009—06.04.2009
- डॉ. न्गाई—लिंग सुम, प्रोग्राम डायरेक्टर, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंफॉर्मेशन एज, लंकास्टर यूनिवर्सिटी, इंगलैण्ड, 25.02.2009—06.04.2009
- प्रो. एलेन सरवोंका, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ जेंडर स्टडीज, सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बेडापेस्ट, हंगरी, 02.03.2009—03.04.2009
- प्रो. डेविड वेबरमैन, डिपार्टमेंट ऑफ फिलास्फी, सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बेडापेस्ट, हंगरी, 02.03.2009—03.04.2009
- प्रो. चार्ल्स मियरवेदर, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया, 16.03.2009—24.04.2009

उपरोक्त सभी विद्वानों ने विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के बाहर संबंधित विभागों में व्याख्यान दिए तथा संगोष्ठी/सम्मेलनों में भाग लिया। लगभग सभी फेलो ने अपने शोध कार्य हेतु जेएनयू, नेहरू स्मारक संग्रहाल और पुस्तकालय और राष्ट्रीय अभिलेखागार पुस्तकालय का भरपूर उपयोग किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने अपनी स्वयं की वेबसाइट तैयार की है, जो निम्न है : www.jnu.ac.in/jnias

निम्नलिखित विद्वान फेलो के रूप में चुने गए तथा वे जून 2009 से ज्वाइन करेंगे :

- प्रो. ओलुतायो चार्ल्स एडेसिना, यूनिवर्सिटी आफ इबादान, नाइजीरिया।
- डॉ. मिशेल डच, यूनिवर्सिटी ऑफ इरफर्ट, जर्मनी।
- प्रो. जीन बौतियर, इकोल देज हौतेज एतुदेज अन साइंसेज सोशियाल, मर्सीले, फ्रांस।
- डॉ. एन्टी रूओत्सला, यूनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी, फिनलैण्ड।
- डॉ. हेलेन सुसन्ना लैम्बर्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, ब्रिस्टल, यूके।
- प्रो. स्टिफन बॉरबले, यूनिवर्सिटी क्लुज नेपोका, रोमानिया।
- प्रो. विलियम एस. साक्स, कॉर्ल जेस्पर्स सेंटर, साउथ एशियन इंस्टीट्यूट, हीडलबर्ग, जर्मनी।
- डॉ. डेयर क्लब, यूनिवर्सिटी ऑफ लोवा, यूएसए।
- प्रो. मार्टा द्वोराइ, पेरिस यूनिवर्सिटी, पेरिस, फ्रांस।
- प्रो. विनीता दयाल, रूटजर्स यूनिवर्सिटी, यूएसए।
- प्रो. बी.आर. टॉलिंसन, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, इंगलैण्ड।
- प्रो. ईसा जी. शिवजी, यूनिवर्सिटी ऑफ दार—ए—सलाम, तंजानिया।
- प्रो. रॉय एम. मैकलियोड, यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, सिडनी, आस्ट्रेलिया।
- प्रो. जेम्स जी. मनोर, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, इंगलैण्ड।
- प्रो. मारिया क्रिस्टिना मर्कुजो, यूनिवर्सिटी ऑफ रोम, इटली।
- डॉ. एम्मा एलिजाबेथ मावड्सले, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यूके।
- प्रो. पीटर एलेक्जेंडर, यूनिवर्सिटी ऑफ जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका।
- प्रो. पॉल ग्रीनफ, यूनिवर्सिटी ऑफ लोवा, यूएसए।
- डॉ. सुनील शर्मा, हारवर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए।
- प्रो. जयतीलाल, यूनिवर्सिटी ऑफ मिचिगन, यूएसए।
- प्रो. हंस हेनरिक हॉक, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस, यूएसए।
- प्रो. जोसफ बोरोज, रूटजर्स यूनिवर्सिटी, यूएसए।
- प्रो. रजनी के. कंथ, हारबर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए।
- डॉ. मोती लर्नर, तेल अवीव यूनिवर्सिटी, इजरायल।
- डॉ. मानबेन्द्र नाथ दास, यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसविले, केंटुकु, यूएसए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने अन्य संस्थानों के सहयोग से निम्नलिखित संगोष्ठियाँ/वार्ताएं आयोजित कीं :

- 14 अगस्त, 2008 को "ग्रीक लिगेसी इन मिडिवल ऐंड मॉडर्न इंडिया" विषयक कार्यशाला आयोजित की। इस संगोष्ठी में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध इतिहासकारों ने भाग लिया।

- अक्टूबर, 2008 में कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के सहयोग से संस्थान के आस्ट्रियाई फेलोज द्वारा काबुल म्यूजियम के क्यूरेटर्स और कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के छात्रों के लिए "आर्ट ऑफ इंडिया एशिया–अर्ली इकोनाग्राफी विद ए स्पेशल फोकस ऑन द आर्ट ऐंड आर्कियोलॉजी ऑफ सेंट्रल एशिया ऐंड गंधार" विषयक एक माह अवधि की कार्यशाला आयोजित की गई।
- कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के सहयोग से "गंधार ऐंड अफगानिस्तान" विषयक चार जन–व्याख्यान :
  - डॉ. नमन बहुजा, एसोसिएट प्रोफेसर, कला और सौन्दर्यशास्त्र, जेएनयू ने 6 अक्टूबर, 2008 को "द एपरीडे गोड्स ऐंड रिचुअल्स ऑफ गंधार" विषयक व्याख्यान दिया।
  - डॉ. मिशेल अलराम, संस्थान फेलो ने 10 अक्टूबर, 2008 को "मोनेटरी हिस्ट्री ऑफ गंधार फ्राम द ग्रेको – बैक्ट्रियंस टु द कुशाण'स" विषयक व्याख्यान दिया।
  - प्रो. देबोराह क्लिमबर्ग–साल्टर, संस्थान फेलो ने 20 अक्टूबर, 2008 को "द आर्ट ऑफ प्री–इस्लामिक कपिसा, पैरवा, बुककारा ऐंड हद्दा" विषयक व्याख्यान दिया।
  - डॉ. वरेना डिोर्न, संस्थान फेलो ने 24 अक्टूबर, 2008 को 'फंडुकिस्तान' विषयक व्याख्यान दिया।
- 10 नवम्बर, 2008 को संस्थान में डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, प्रो. वी.सी. और वारविक विश्वविद्यालय के अन्य विद्वान और जेएनयू के विभिन्न संस्थानों, केन्द्रों के प्रतिनिधियों के बीच शैक्षिक सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए परिचर्चा आयोजित की गई।
- 15 से 17 नवम्बर, 2008 तक इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियंस ऑफ एशिया के 20वें सम्मेलन का पेनल संख्या–4, संस्थान में आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. आदित्य मुखर्जी ने की।
- 19 नवम्बर, 2008 को ग्राहम शॉ, हेड, एशिया पेसेफिक ऐंड अफ्रीका कलेक्शंस, पेनी बुक, हेड, इंडिया ऑफिस रिकॉर्डस और ब्रिटिश पुस्तकालय से अन्य व्यक्तियों के साथ "डिस्कवर द ब्रिटिश लाइब्रेरी" विषयक सत्र का आयोजन किया।
- 19 नवम्बर, 2008 को संस्थान में किंग्स कॉले संगोष्ठी आयोजित की गई इसमें प्रो. रिचर्ड ड्रेयटन, रोड्स प्रोफेसर, इंपीरियल हिस्ट्री, डॉ. जॉन विल्सन और डॉ. नंदिनी चटर्जी (सभी डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, किंग्स कॉलेज लंदन से है) ने व्याख्यान दिए।
- 18–19 फरवरी, 2009 को "द डायनेमिक्स ऑफ रिलिजस प्लुरलिज्म–कंफिलक्ट्स, एसिमिलेशन ऐंड इनोवेशन इन प्री–मॉडर्न इंडिया" विषयक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का समन्वयन प्रो. किस्टाइन चोजनाकी, संस्थान फेलो और डॉ. नज़फ हैदर, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा किया गया।
- 5–6 मार्च, 2009 को ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र के सहयोग से "सिटीज इन मिडिवल इंडिया, 1200–1800" विषयक एक दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग

भारत सरकार और विभिन्न विदेशी सरकारों के बीच हुए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के तहत विश्वविद्यालय को विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों से शैक्षिक संबंध स्थापित करने, विनिमय कार्यक्रमों और द्विपक्षीय समझौतों के साथ–साथ सहयोगात्मक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रस्ताव–पत्र प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय भी सुप्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग का प्रस्ताव विश्वविद्यालय के पास विचाराधीन है और अंतिम चरण में है। समझौते दो प्रकार के हैं – संस्थान स्तर पर सहयोग का समझौता और विश्वविद्यालय स्तर पर समझौता ज्ञापन जहाँ सहयोग में एक से अधिक संस्थान शामिल हैं।

समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) के तहत सहयोग के क्षेत्र सामान्यतः निम्नलिखित हैं और ये निधि की उपलब्धता पर निर्भर हैं :

(क) शिक्षकों का विनिमय,
(ख) छात्रों का विनिमय,
(ग) संयुक्त शोध गतिविधियां,
(घ) संगोष्ठियाँ और शैक्षिक बैठकों में प्रतिभागिता,

(च) शैक्षिक सामग्री और अन्य सूचनाओं का आदान–प्रदान,
(छ) विशेष अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रम,
(ज) प्रशासनिक प्रबन्धकों/समन्वयकों का विनिमय, और
(झ) संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम।

01 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 के दौरान निम्नलिखित विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए :

- मिनिसोटा स्टेट यूनिवर्सिटी , मंकाटो, यूएसए
- क्वींसलैण्ड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, आस्ट्रेलिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोंसतांज, जर्मनी
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस सारबॉन (पेरिस–IV), पेरिस, फ्रांस
  क. *पेरिस सारबॉन (पेरिस–IV), और जेएनयू के बीच समझौता ज्ञापन का अनशेष
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबॉर्न, आस्ट्रेलिया
- कीमयुंग, दायगु, कोरिया
- यूनिवर्सिदाद देल नार्ते यूनिनार्ते, प्रागवे
- द यूनिवर्सिटी लिबर दे ब्रूसेल्स (यूएलबी), बेल्जियम व्रिजे यूनिवर्सितेत, ब्रूसेल
- यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, कावेंट्री, यूके
- क्वींस यूनिवर्सिटी ऑफ बेलफास्ट, यूके
- किंग्स कॉलेज ऑफ लंदन, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन
- बायलोरूसियन स्टेट, मिंस्क, बेलारूस
- मार्क ब्लॉच (यूएमबी) स्ट्रासबर्ग, फ्रांस
- स्टॉकहाम यूनिवर्सिटी, स्वीडन

01 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 के दौरान निम्नलिखित विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए :

- दाइतो बुंका यूनिवर्सिटी, टोकियो, जापान के साथ अनुबंध
- यूनिवर्सिटी ऑफ पादोवा, इटली
- सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी, रशिया
- क्युंग ही साइबर यूनिवर्सिटी, रिपब्लिक ऑफ कोरिया
- क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया
- मोनाश यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया
- इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटीकल साइंसेज, पांटीफिसिया यूनिवर्सिदाद केटोलिका दे चिली
- यूनिवर्सिटी देल देसरॉलो
- फेकल्टी ऑफ आर्ट्स ऐंड ह्यूमैनटीज, यूनिवर्सिटी ऑफ कालोन, जर्मनी
- इंटरनेशनल ऑफ मिटिरियोलॉजीकल इंस्टीट्यूट, स्टॉकहाम, यूनिवर्सिटी स्वीडन
- डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटीकल साइंस, पॉनिटीफिसिया यूनिवर्सिदाद जवेरियाना, बोगोटा, कोलम्बिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ वियना
- यूनिवर्सिटी ऑफ रूयेन
- किरगिज रशियन स्लाविक यूनिवर्सिटी (बिशकेक)
- फैकल्टी ऑफ पॉलिटीकल साइंस ऐंड लॉ ऑफ बुरुफा यूनिवर्सिटी, थाइलैण्ड

01 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 की अवधि के दौरान सृजित चेयरों का विवरण :

- मराठी चेयर

केन्द्रीय सुविधाएं

विश्वविद्यालय पुस्तकालय

जेएनयू पुस्तकालय एक अति आधुनिक और सुसज्जित विश्वविद्यालय पुस्तकालय है। यह 9 मंजिला टावरनुमा भवन विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर के बीचों बीच स्थित है तथा विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र है। पुस्तकालय के अधिकतर कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो गया है तथा बचे हुए कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो रहा है। पुस्तकालय वर्ष भर प्रातः 9.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक खुला रहता है तथा परीक्षा के दिनों में यह प्रत्येक सत्र में 45 दिन के लिए मध्य रात्रि तक खुला रहता है। तथापि, पठन कक्ष की सुविधाएं वर्ष भर मध्य रात्रि तक उपलब्ध रहती हैं। इसके सभी पठन कक्ष वातानुकूलित हैं।

विश्वविद्यालय के नेत्रहीन छात्रों की विशेष जरूरतों को देखते हुए पुस्तकालय के भू–तल में हाल ही में नवीकृत पठन कक्ष में एक विशेष इकाई 'हेलन केलर' के नाम पर स्थापित की गई है। पुस्तकालय के भू–तल में ओपेक और इंटरनेट पर पढ़ने हेतु छात्रों के प्रयोग के लिए बीस कंप्यूटर लगाए गए हैं। पुस्तकालय ने शिक्षकों और विकलांग छात्रों के लिए नए नवीकृत पठन कक्ष में इंफार्मेशन ब्राउजिंग यूनिट की भी स्थापना की है। पुस्तकालय ने छात्रों और शोधार्थियों के लिए आन लाइन स्रोत सामग्री उपलब्ध कराने हेतु भू–तल पर एक साइबर पुस्तकालय की स्थापना की है और इसमें 200 कंप्यूटर उपलब्ध हैं।

पाठकों के लिए सेवाएं

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कुल मिलाकर 9153 छात्र, शिक्षक और देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के विद्वानों ने पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठाया।

स्रोत सामग्री का आदान–प्रदान

जेएनयू पुस्तकालय 'डिवलपिंग लाइब्रेरी' (डेलनेट), 'इंफॉर्मेशन ऐंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर' (इनफिलिबनेट) का सदस्य बन गया है। इनफलिबनेट द्वारा शुरू की गई दस्तावेज वितरण सेवा के अन्तर्गत पुस्तकालय ने अनुरोध पर पत्रिका आलेख उपलब्ध कराए हैं। पुस्तकालय ने डेलनेट के माध्यम से 364 दस्तावेज उधार लिए और 547 दस्तावेज उधार दिए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय ने लगभग 4698 पुस्तकें प्राप्त कीं। इनमें से 1115 पुस्तकें सुप्रसिद्ध विद्वानों और संगठनों से उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं। समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में पुस्तकालय में कुल संग्रह 5,51,463 था। पुस्तकों की खरीद पर रु. 31.65 लाख की राशि खर्च हुई और पत्रिकाओं पर रु. 3.32 करोड़ की राशि खर्च की गई।

पुस्तकालय ने 941 पत्रिकाएं मंगाई और 105 पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं।

मानविकी प्रभाग (अफ्रो–एशियाई और यूरोपीय भाषाएं)

पुस्तकालय में फ्रेंच, जर्मन, पुर्तगीज, रूसी और स्पेनी भाषाओं की दुर्लभ पुस्तकें उपलब्ध हैं। उर्दू, अरबी, फारसी जैसी प्राच्य भाषाओं और अन्य भारतीय भाषाओं की भी पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध हैं और इनकी काफी मांग होती है। भारतीय और विदेशी विद्वान इन दुर्लभ पुस्तकों का उपयोग करते हैं।

एक्जिम बैंक – जेएनयू अर्थशास्त्र पुस्तकालय

जेएनयू अर्थशास्त्र पुस्तकालय – एक्जिम बैंक – की स्थापना जुलाई, 2000 में जेएनयू पुस्तकालय के भाग के रूप में हुई थी। यह पुस्तकालय लघु शैक्षिक परिसर में प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थित है। इस पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान संस्थान और अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के शोध छात्रों और शिक्षकों के उपयोग के लिए 8957 से अधिक पुस्तकें और 56 पत्रिकाओं के 2270 पुराने भाग उपलब्ध हैं।

वेब–ओपेक

पुस्तकालय अपने प्रचालन में डिजिटल पुस्तकालय प्रौद्योगिकी अपना रहा है। पुस्तकालय ने अपना वेब–ओपेक (आन लाईन लाइब्रेरी कैटलाग) शुरू किया है, जिससे विश्व में कहीं भी सर्च किया जा सकता है। फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, अरबी, फारसी, उर्दू, हिंदी आदि की भाषायी पुस्तकों सहित जेएनयू पुस्तकालय की सभी पुस्तकों को जेएनयू पुस्तकालय के वेब ओपेक से सर्च किया जा सकता है। वेब ओपेक जेएनयू वेबसाइट के पुस्तकालय पेज पर स्थापित है।

पुस्तकालय स्टॉफ की संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रतिभागिता :

- कृष्ण गोपाल ने अप्रैल, 2008 में गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित "सार्क : प्रॉब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- सोमेश ने 18 अगस्त, 2008 को इनफलिबनेट द्वारा जेसीसीसी के लिए बंगलौर में आयोजित "रिसोर्स शेयरिंग" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- कृष्ण गोपाल ने 4–5 सितम्बर, 2008 को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित "पॉलिटीकल डिवलपमेंट इन भूटान" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तु किया।
- कृष्ण गोपाल ने 4से नवम्बर, 2008 तक करुन्या विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में आयोजित "नालेज लाइब्रेरी ऐंड इंफॉर्मेशन नेटवर्किंग" विषयक एनएसीएलएलआईएन 2008 सम्मेलन में भाग लिया।
- हर्षबाला और एन.के. उप्पल ने 12 से 15 नवम्बर, 2008 तक टीआईएसएस, मुम्बई में आयोजित आईएलए सम्मेलन में भाग लिया।
- कृष्ण गोपाल ने 2 से 4 दिसम्बर, 2008 तक लंदन में आयोजित "नॉलेज अबाउट द आनलाइन इंफॉर्मेशन फॉर मॉडर्न लाइब्रेरी" विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- शशि और अमर ने 3 से 6 दिसम्बर, 2008 तक लाइब्रेरियंस कल्चरल फोरम और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "डिजिटाइजेशन ऐंड डिजिटल लाइब्रेरी यूजिंग डी स्पेस" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एस. मूर्ति और सोमेश ने 24 से 27 फरवरी, 2009 तक इनफलिबनेट, अहमदाबाद द्वारा पाण्डीचेरी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केलिबर 2009 में भाग लिया।

विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र ने वैज्ञानिक उपस्करों की डिजाइन, विकास, और मरम्मत से संबंधित 243 कार्य किए। इनमें से अधिकतर कार्य मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कारपेन्ट्री और इलेकट्रोनिक क्षेत्र से संबंधित थे।

उपकरणों का निर्माण

विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र की डिजाइन और निर्माण सुविधा का उपयोग विभिन्न विज्ञान संस्थानों के शोधार्थियों द्वारा किया गया तथा उनके लिए कई उपकरणों तथा उपकरणों के पार्ट्स का निर्माण भी किया गया।

विश्वविद्यालय के कंप्यूटरों का अनुरक्षण

विश्वविद्यालय का कंप्यूटर अनुरक्षण प्रकोष्ठ लगभग 3000 कंप्यूटरों और इनसे संबंधित पेरिफेरल्स मुख्यतः प्रिंटर, यूपीएस और स्केनर तथा विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षकों को दिए गए कंप्यूटरों के हार्डवेयर का अनुरक्षण कार्य कर रहा है।

अतिथि व्याख्यान

समीक्षाधीन अवधि के दौरान उच्च यंत्रीकरण सुविधा, विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र के निदेशक शतेन्द्र कुमार शर्मा ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

- 30 मार्च, 2009 को उच्च यंत्रीकरण सुविधा, जेएनयू में आयोजित सीएसआईआर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "स्केनिंग ट्यूनलिंग माइक्रोस्कॉपी" विषयक व्याख्यान दिया।
- 30 मार्च, 2009 को उच्च यंत्रीकरण सुविधा, जेएनयू में आयोजित सीएसआईआर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "एक्स–रे स्पेक्ट्रोस्कॉपी" विषयक व्याख्यान दिया।
- 13 मार्च, 2009 को एसएलआईईटी (पंजाब) में आयोजित "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिकल एनालिसिस ऐंड सिंथेसिस" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रिसेंट ट्रेंड्स इन केमिकल एनालिसिस यूजिंग एक्स–रेज" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- 21 से 23 नवम्बर, 2008 तक आईएचबीटी, पालमपुर में आयोजित "एनालिटीकल साइंस, एनालिटीकल इनोवेशंस फॉर प्रोसस ऐंड टेक्नोलॉजी डिवलपमेंट" विषयक संगोष्ठी में "रिसेंट ट्रेंड्स इन इलेक्ट्रान माइक्रोस्कॉपी" शीर्षक व्याख्यान दिया।

उच्च यंत्रीकरण सुविधा

उच्च यंत्रीकरण सुविधा एक विशेषकृत प्रयोगशाला है। इसमें 15 आधुनिकतम उपकरण हैं। इसकी स्थापना भौतिक, पर्यावरणीय, जीव, सम्बद्ध और अन्तरविषयात्मक विज्ञानों के क्षेत्र में शोध के लिए एक ही स्थान पर सभी एनालिटीकल उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। यह जेएनयू के जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जीवन विज्ञान संस्थान, भौतिक विज्ञान संस्थान, आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र और सामाजिक विज्ञान संस्थान (भौतिक शोध के क्षेत्र में) के कुछ शोध में भी, के साथ–साथ दिल्ली और दिल्ली से बाहर के शैक्षिक शोध संस्थानों तथा निजी कंपनियों/उद्योगों को अन्तर विषयात्मक शोध सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

उच्च यंत्रीकरण सुविधा में उपलब्ध उपकरण

- टीईएम (जेओल) 2100 एफ, एसईएम (जैडईआईएसएस) ईवीओ 40, लेजर कंफोकल माइक्रोस्कॉप (ओलम्पस एफबी 1000), फ्लो साइटोमीटर और सेल सॉर्टर (डेको), ईडीएक्सआरएफ (पेनालिटीकल), रमन (वेरियन) के साथ एफटीआईआर, जीसीएमएमएस मास स्पेक्ट्रोमीटर (शिमात्जु), कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसिस (एजिलेंट), एक्सआरडी (पाउडर), (पेनालिटीकल), एक्सआरडी प्रोटीन और मैक्रोकोलक्यूल्स (ब्रुकर), डब्ल्यूडीएक्सआरएफ (ब्रुकर), स्टॉप फ्लो (एप्लाइड फोटोफिजिक्स) के साथ सीडी, लिक्विड नाइट्रोजन प्लांट (स्टर्लिंग), टाइम रिजाल्वड फ्लोरसेंस/ल्युमिनिसेंस स्पेक्ट्रोमीटर (एडिनबर्ग), सर्फेस प्लाजमोन रिजोनेंस स्पेक्ट्रोमीटर (आटोलैब एसप्रिट)

उच्च यंत्रीकरण सुविधा निम्नलिखित सुविधाएं स्थापित करने की प्रक्रिया में है :

- एमएमआर 500 एमएचजेड (ब्रुकर), मास स्पेक्ट्रोमेट्री फेसिलिटी, लाइव इमेजिंग फेसिलिटी, पीपीएमएस (फीजीकल प्रोपटी मेजरमेंट सिस्टम)

इस समय उच्च यंत्रीकरण सुविधा उच्च यंत्रीकरण सुविधा के प्रयोक्ताओं के साथ–साथ दो मुख्य प्रशिक्षण गतिविधियों को तकनीकी और बौद्धिक सहायता उपलब्ध करा रहा है :

- इस सुविधा के प्रयोक्ताओं को तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराता है। उपकरणों पर विश्लेषणों के बारे में बताता है तथा बौद्धिक सहायता उपलब्ध कराता है। प्रयोग के परिणामस्वरूप उपलब्ध डाटाओं का विश्लेषण करके बताता तथा प्रयोक्ताओं के लिए भविष्य के प्रयोगों के लिए डिजाइन तैयार करता है।
- यह उच्च यंत्रीकरण सुविधा में उपलब्ध उपकरणों के लिए प्रशिक्षित/दक्ष मानव शक्ति तैयार करने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए अन्य प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के शोध विद्वानों, छात्रों, शिक्षकों और कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए उच्च यंत्रीकरण सुविधा में इन उपकरणों के अनुप्रयोग के बारे में अल्पावधि के कोर्स/कार्यशालाएं/संगोष्ठियाँ/वार्ताएं/ट्यूटोरियल्स/प्रशिक्षण आदि आयोजित किए जाते हैं।
- उच्च यंत्रीकरण सुविधा के वर्तमान स्टाफ सदस्यों को इन उपकरणों के अनुप्रयोग के बारे में नवीनतम विकास और अद्यतन के विषय में प्रशिक्षित करता है।

तकनीकी और बौद्धिक सहयोग

- इन उपकरणों पर प्रयोक्ताओं को विश्लेषणों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराकर इस सुविधा के प्रयोक्ताओं को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराता है।
- प्रयोगों के परिणामस्वरूप उपलब्ध डाटाओं का विश्लेषण करके बताता है तथा प्रयोक्ताओं के लिए भविष्य के प्रयोगों के लिए डिजाइन तैयार करता है।
- सुविधा को सुचारू रूप से चलाने तथा सभी प्रयोक्ताओं के लिए प्रशिक्षण/कार्यशालाएं आयोजित करने में मदद करता है।

शैक्षिक गतिविधियाँ

- उच्च यंत्रीकरण सुविधा में उपलब्ध उपकरणों की तकनीक और अनुप्रयोग के बारे में समर ट्रेनिंग
- शोध छात्रों को सह–निर्देशन
- उनके स्वयं के शोध अनुदानों से शोध कार्य चलाना

- जेएनयू के अन्य विज्ञान संस्थानों के स्नातकोत्तर और पी–एच.डी. छात्रों को संबंधित विषयों पर उच्च यंत्रीकरण सुविधा में सैद्धान्तिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।

यह उल्लेखनीय है कि उच्च यंत्रीकरण सुविधा जेएनयू के शिक्षकों से जो कि उच्च यंत्रीकरण सुविधा में उपलब्ध और आने वाले उपकरणों के विशेषज्ञ हैं, की स्हायता से सुचारू रूप से कार्य करता है। उच्च यंत्रीकरण सुविधा प्रत्येक दो माह में प्रयोक्ताओं की बैठक बुलाता है, उनसे सभी उपकरणों और सुविधाओं के बारे में चर्चा करता है तथा सुझाव प्राप्त करता है ताकि उच्च यंत्रीकरण सुविधा का प्रयोग अधिक से अधिक हो तथा अंतरविषयात्मक शोध और शैक्षिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सके। इससे बौद्धिक और वैज्ञानिक आदान–प्रदान/सहयोग को सर्जनात्मक तरीके से प्रोत्साहन मिलेगा। यह शोध सुविधा जेएनयू के सभी संस्थानों के लिए है। इसलिए यह सुविधा शैक्षिक, शोध और वैज्ञानिक सेवा उपलब्ध कराने के रूप कार्य करता है तथा अंतरविषयात्मक शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों आदि में सहायता करता है।

भविष्य की योजनाएं

उच्च यंत्रीकरण सुविधा बुद्धिजीवियों की शोध में सर्जनात्मक ढंग से सहायता करना चाहती है। जिससे वैज्ञानिक दक्षता का विकास हो और उनके शोध कार्यों को पैटेंट मिले तथा प्रकाशित हो और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मान्यता मिले। सुविधा का प्रयोग अधिक से अधिक होना चाहिए ताकि यह उच्च यंत्रीकरण सुविधा के समान उपकरणों/सुविधाओं की विशेषज्ञ प्रशिक्षित/दक्ष मानव शक्ति तैयार कर सके। उच्च यंत्रीकरण सुविधा का विकास इस तरह से होना चाहिए जिससे यह जेएनयू के सभी वैज्ञानिक समुदाय की जरूरतों को पूरा कर सके और यह विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शोध और विकास का अभिन्न अंग बन सके।

उच्च यंत्रीकरण सुविधा द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/संगोष्ठियाँ

- गैबरीले मौरेर, ब्रुकर एएक्सएस माइक्रोएनालिसिस, जीएमबीएच, जर्मनी ने 9 सितम्बर, 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान के समिति कक्ष में "इनर्जी, डिसपर्सिव स्पेक्ट्रोमेटरी" विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. गर्ट नाल्जे, ब्रुकर एएक्सएस माइक्रोएनालिसिस, जीएमबीएच, जर्मनी ने 9 सितम्बर, 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान के समिति कक्ष में "इलेक्ट्रान बैक स्फटर डिफरेक्शन" विषयक व्याख्यान दिया।
- मैथ्यू पॉप, एप्लाइड फोटो फिजिक्स, यूके ने 10 सितम्बर, 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान के समिति कक्ष में "एन इंट्रोडक्शन टु सीडी यूजिंग चिरासकन" विषयक व्याख्यान दिया।
- 14 से 24 अक्टूबर, 2008 तक बेकमैन कोल्टर, भारत द्वारा उच्च यंत्रीकरण सुविधा में "फ्लो साइटोमेट्री" विषयक प्रशिक्षण दिया गया।
- 17–18 नवम्बर, 2009 को जीओल एशिया प्रा.लि. नई दिल्ली, भारत द्वारा उच्च यंत्रीकरण सुविधा में "ट्रासंमिशन इलैक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी" विषयक प्रशिक्षण दिया गया।
- सुरेश चौहान, डीएसएस, इमेजटेक, भारत ने 26 नवम्बर, 2008 को समिति कक्ष, आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र में "एडवांस्ड माइक्रोस्कॉपी बेस्ड फ्लुरोसेंस इमेजिंग" विषयक व्याख्यान दिया।
- 5 से 7 जनवरी, 2009 तक जेएनयू में "एडवांस्ड एनालिटीकल इंस्ट्रमेंटेशन ऐंड एप्लिकेशंस–2009 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- झेंग हुआ, एक्सआरएफ एप्लिकेशन–स्पेशलिस्ट, पेन एनालिटीकल शंघाई नैब, चीन ने 20 मार्च, 2009 को जी.वि.सं., जेएनयू के ऑडिटोरियम में "एप्लिकेशन ऑफ ईडीएक्सआरएफ" विषयक व्याख्यान दिया।

उच्च यंत्रीकरण सुविधा में आए अतिथि

उच्च यंत्रीकरण सुविधा में भारत और विदेशों के कई प्रतिष्ठित विद्वान आए तथा उन्होंने सुविधा की स्थापना की बहुत प्रशंसा की। उनमें से कुछ भविष्य में इस सुविधा का उपयोग करने के इच्छुक हैं तथा इस सुविधा का अधिकाधिक उपयोग हो इसलिए इसमें और सुधार के लिए विचार प्रस्तुत किए। इनमें से कुछ प्रतिष्ठित अतिथि निम्नलिखित हैं :

डॉ. इरफान ए. गाजी, हैदराबाद विश्वविद्यालय; वी.एस. चौहान, निदेशक, आईसीजीईबी; डॉ. सुदीप चट्टोपाध्याय, निदेशक, एनआईपीजीआर; डॉ. ए. सुरोलिया, निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान; डॉ. हेंज विर्क, वाइस प्रेसिडेंट, डीएफजी; डॉ. हेनिंग रोड, स्टाकहोम यूनिवर्सिटी, स्वीडन; डॉ. डेविड शेरमान, एसबीआरआई, सीटल; प्रो. शिवेन्द्र सिंह, यूनिवर्सिटी पीट्सवर्ग कैंसर इंस्टीट्यूट, यूएसए; प्रो. एस.के. थोरट, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; डॉ. एम.के. भान, सचिव, जै.प्रौ.वि.; प्रो. डी. दास, भा.प्रौ.सं., खड़कपुर; डॉ. राजेश अग्रवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ

कोलरेडो, डेनेवर, यूएसए; प्रो. एच.ई. ब्लुम, चेयरमैन, यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल, फ्रीबर्ग; प्रो. जर्गेन क्रेफ्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्जर्ग, जर्मनी; डॉ. जॉन गेबलर, वाटर्स, मास स्पेक्ट्रोमेट्री; डॉ. लक्ष्मी अधिकारी, बायोकॉन, बंगलौर; प्रो. बी.के. तिवारी, नेहु, शिलांग; प्रो. एन.एम. रामास्वामी, डायरेक्टर, बायोटेक, अन्ना यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर; प्रो. हेमलता बलराम, जेएनसीएएसआर, बंगलौर; प्रो. एस.बी.आई. बंदोपाध्याय, यूएनएसडब्ल्यू/एसएमएसई, सिडनी; डॉ. टिम रिले, वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर, वाटर्स मार्स स्पेक्ट्रोमेट्री, यूएसए; डॉ. ए.के. डिंडा, एम्स, नई दिल्ली; डॉ. नीना सिंह, केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी; डॉ. इयान सेंडर्स, वाइस प्रेसिडेंट, ब्रुकर मास स्पेक्ट्रोमेट्री; प्रो. अभय हर्सुलकर, आईआरएसएचए, बीवीयू, पुणे; डॉ. ए. भारथी, एमएसडी, आईजीसीएआर; प्रो. आशुतोष तिवारी, यूनिवर्सिटी ऑफ युटाह, यूएसए; डॉ. वी.एम. कोइच, सेक्रेटरी डीजी, आईसीएमआर; प्रो. एस.के. ब्रह्मचारी, डीजी, सीएसआईआर; डॉ. शांतनु दासगुप्ता, उप्पासला यूनिवर्सिटी, स्वीडन; डॉ. जेरी एल. वर्कमैन, मिसूरी, यूएसए; प्रो. मार्टिन हेंसन, यू.के. डॉ. टी. रामास्वामी, सचिव, वि.प्रौ.वि., भारत सरकार; डॉ. हिदिएकी ओकामोतो, जनरल मैनेजर, निक्कोन, जापान; डॉ. जॉन रोंत्री, यूरोपियन डायरेक्टर, वाटर्स मास स्पेक्ट्रोमेट्री।

जेएनयू संस्थानों के प्रकाशन (उच्च यंत्रीकरण की सुविधा के उपयोग से)

- एस.जे. सिंह, जे. प्रकाश, एस. पटनायक और ए.के. गांगुली, पोटेशियम फ्लोराइड डॉप्ड एलएओएफईएएस मल्टी बैंड सुपरकंडक्टर : एविडेंस ऑफ एक्सट्रीमली हाई अपर क्रिटिकल फील्ड, यूरोफिज. लेट. 84 : 57003, 2008
- एस.जे. सिंह, जे. प्रकाश, ए.के. गांगुली और एस. पटनायक, सुपरकंडक्टिविटी एट 11.3 के इंडस्यूस्ड बाइ कोबाल्ट डॉपिंग इन सीईओएफईएएस सॉलिड स्टेट कम्युनीकेशन, 149:189, 2009
- जे. प्रकाश, एस.जे. सिंह, एस. पटनायक और ए.के. गांगुली, सुपरकंडक्टिविटी एट 42.7 के इन सीईओ$_1$–एक्सएफ$_{\text{एक्स}}$ एफईएएस विद अपर क्रिटिकल फील्ड ऑफ 94. टी फिजिका सी. 82:469, 2009
- एस.जे. सिंह, जे. प्रकाश, एस. पटनायक और ए.के. गांगुली, इन हॉसमेंट इन सुपरकंडक्टिंग ट्रांजीशन ट्रेम्प्रेचर ऐंड अपर क्रिटिकल फील्ड ऑफ एलएओ 0.8 एफ 0.2 एफईएएस विद एंटी मनी डॉपिंग, सुपर कंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, 22:045017, 2009
- जे. प्रकाश, एस.जे. सिंह, एस. पटनायक और ए.के. गांगुली, कंपोजिशनली कंट्रोल्ड सेमिमेटल टु सुपर कंडक्टिंग ट्रांजीशन इन एनएएफ–डॉप्ड एलएओएफईएएस : इनहांसमेंट इन टीसी ड्यू टु एनए–डॉपिंग, फिजिका सी, 469:300, 2009
- जे. प्रकाश, एस.जे. सिंह, एस. पटनायक और ए.के. गांगुली, अपर क्रिटिकल ील्ड, सुपर कंडक्टिंग इनर्जी गैप्स, ऐंड सीबैक कॉएफिशिएंट इन एलए$_{0.8}$ टीएच$_{0.2}$ओएफईएएस. जे. फिज, कंडे. मैट. 21:175705, 2009

जीवन विज्ञान संस्थान

- आर. जैन, एस. कुमार, एस. गौरीनाथ, एस. भट्टाचार्य, ए. भट्टाचार्य, एन–ऐंड सी–टर्मिनल डोमेंस ऑफ द कैल्शियम बाइंडिंग प्रोटीन ईएचसीएबीपीआई ऑफ द पैरासाइट एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका डिस्पले डिस्टिंक्ट फंक्शंस, पीएलओएसवन, 4(4) : ई 5269, 2009
- मोनिका शर्मा, रमन मनोहरलाल चुघ, सनील शुक्ला, संजीवनी धामगाएं तुलिका प्रसाद, सुरेश वी. अम्बुदकर और राजेन्द्र प्रसाद, कर्स्यूमिन माड्युलेट्स इफलक्स बाइ यीस्ट एबीसी मल्टीड्रग ट्रांसपोर्टर्स ऐंड इज सिनरजिस्टिक टु एंटिफंगल्स, एंटीमाइक्रोबायल एजेंट्स ऐंड किमोथेरेपी, 53(8) : 3256–3265, 2009

आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र

- एम.ए. डार, डी. प्रुस्ती, एन. मंडल और एस.के. धर, ए यूनिक 45 एमिनो एसिड रीजन इन द टापरिम डोमेन ऑफ प्लैज्मोडियम फैल्सीपेरम गिरेस बी इज एशेंशल फॉर डीएनए बाइंडिंग, डीएनए डिपेंडेंट एटीपेस स्टिम्यूलेश्यान ऐंड डीएनए क्लीवेज, युकार्योटिक सेल, 2009 (प्रेस)

उच्च यंत्रीकरण सुविधा

- हमीद सैफ, तुलिका प्रसाद, दिब्येन्दु बनर्जी, अपर्णा चन्द्रा, चिन्मय के. मुखोपाध्याय, श्यामल के. गोस्वामी, अली अब्दुल लतीफ, ज्योत्सना चन्द्रा, प्रणब मुखर्जी, महमूद गन्नौम और राजेन्द्र प्रसाद, आयरन डेप्रिवेशन इनड्यूसिज ईएफजीआई मेडिएटिड हाइफाल डिवलपमेंट इन कैंडिडा अल्बीकंस विदआउट एफेक्टिंग बायोफिल्म फॉर्मेशन, एफईएमएस यीस्ट रिसर्च, 8(5) : 744–755, 2008
- सुधांशु शुक्ला, तुलिका प्रसाद और राजेन्द्र प्रसाद, पुस्तक अध्याय, "मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ एंटीफंगल ड्रग रेसिस्टेस", "एंटीमाइक्रोबॉयल रेसिस्टेंस – द मॉडर्न इपिडेमिक, करंट स्टेटस ऐंड रिसर्च इश्यूज" बंगलौर में आयोजित फंगल इनफेक्शन इन

इंडिया : मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ इमर्जिंग एंटीफंगल रेसिस्टेंस" विषयक IXवीं सर दोराबजी टाटा संगोष्ठी की माइक्रोबायल रेसिस्टेंस विषयक कार्यवाही पर पुस्तक, मैकमिलन प्रकाशन, अध्याय VI–बेसिक रिसर्च : पृ. 213–228, 2009

- मोनिका शर्मा, रमन मनोहरलाल चुघ, सुनीत शुक्ल, संजीवनी धमगाए, तुलिका प्रसाद, सुरेश वी. अम्बुदकर और राजेन्द्र प्रसाद, कर्स्युमिन माड्यूलेट्स इफलक्स बाइ यीस्ट एबीसी मल्टीड्रग ट्रांसपोर्टर्स ऐंड इज सिनरजिस्टिक टु एंटीफंगल्स, एंडीमाइक्रोबायल एजेंट्स ऐंड किमोथेरेपी 53(8) : 3256–3265, 2009
- नगेन्द्रनाथ मिश्रा, तुलिका प्रसाद, नीरज शर्मा और डी.के. गुप्ता, मेम्ब्रान फ्लुइडिटी ऐंड लिपिड कंपोजिशन ऑफ फ्लुकोनाजोल रेसिस्टेंट ऐंड ससेप्टीबल स्ट्रेंस ऑफ केंडिडा अल्बीकंस आइसोलेटिड फ्राम डायबेटिक पेशंट्स, ब्राजीलियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 39 : 219–225, 2008
- नगेन्द्रनाथ मिश्रा, तुलिका प्रसाद और रंधीर सिंह, "लिपिडोमिक्स : ए नवल एप्रोच फोर बायोलॉजीकल सिस्टम", बायोटेक्नोलॉजी–टिश्यू कल्चर टु प्रोटियोनिक्स, (सं.) पी.सी. त्रिवेदी, प्वाइंटर प्रकाशक, जयपुर, अध्याय–12, पृ. 254–261, 2008
- नगेन्द्रनाथ मिश्रा, तुलिका प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, नीरज शर्मा, और डी.के. गुप्ता, लिपिड राफ्टः बायोलॉजी ऐंड पैथोजेनेसिस एप्टा माइक्रोबायोलॉजीका एट इम्युनोलॉजिका हंगेरिका, 2009 (प्रेस में)
- आर. सिंह, आर. प्रसाद, जी. सुमना, के. अरोड़ा, एस. सूद, आर.के. गुप्ता और बी.डी. मल्होत्रा, "एसटीडी सेंसर बेस्ड आन न्युक्लिक एसिड फंक्शनलाइज्ड नैनोस्ट्रक्चर्ड पॉलीएलाइन", बायोसेंसर्स ऐंड बायोइलेक्ट्रोनिक्स, 24, 2232–2238, 2009
- अजय कुमार, अंजु यादव, सी.एस. चनोटिया, आई.ए. खान और आई. अली, केमिकल कंपोजिशन ऐंड एंटीमाइक्रोबायल एक्टिविटी ऑफ द वालेटाइल आयल ऑफ वलेरियाना जटामांसी, इंडियन पर्फ्यूमर, 52(2) :34–38, 2008
- अजय कुमार, सी.एस. राघव, एस.एस. छोकर और आई.ए. खान, कंपोजिशन ऐंड एंटीमाइक्रोबायल एक्टिविटी ऑफ अजवान (केरम कॉप्टीकम एल.) सीड आयल्स फ्रॉम द डिफरेंट प्लेसिज इन इंडिया, इंडियन पर्फ्यूमर, 52(2) : 61–64, 2008
- अजय कुमार, इफेक्ट ऑफ हाइ बॉयलर्स एडल्ट्रेंट्स इन मेंथा अरवेंसिस ऑयल, द एशियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल केमिस्ट्री, 3(1 और 2) : 10–13, 2008

उच्च यंत्रीकरण सुविधा के स्टाफ सदस्यों/सहयोगी शोध छात्रों को प्रशिक्षण/उनकी उपलब्धियाँ

- अजय कुमार (स्टाफ सदस्य) और आशुतोष सिंह (सहयोगी शोध छात्र) ने 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2008 तक सीएससी, मुम्बई में शिमाद्जु एनालिटीकल (इंडिया) प्रा.लि. द्वारा आयोजित "बेसिक फंडामेंटल्स ऑफ जीसी–2010, जीसीएमएस, जीसी साल्यूशन साफ्टवेयर ऐंड मेंटेनेंस" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- अजय कुमार (स्टाफ सदस्य) और आशुतोष सिंह (सहयोगी शोध छात्र) ने 30 सितम्बर, 2008 को तॉशविन एनालिटकल प्रा.लि. द्वारा मुम्बई में आयोजित "शिमाद्जु क्रोमेटोग्राफी सेमिनार ऑन पर्फ्यूमरी, फ्लेवर्स ऐंड फ्रेग्रांसिज" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

व्याख्यान/आलेख प्रस्तुत किए

- तुलिका प्रसाद ने 4 दिसम्बर, 2008 को रेनबक्सी आर ऐंड डी सेंटर III, रेनबक्सी रिसर्च लेबोरेट्रीज, गुड़गाँव, हरियाणा में "फाइंडिंग नवल स्ट्रेटिजीज टु कांवेट ड्रग रेसिस्टेंस इन केंडिडा" विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलिका प्रसाद ने 28 जनवरी, 2009 को जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, सीजीओ कांपलेक्स, नई दिल्ली में "करेक्ट्राइजेशन ऑफ नवल मैकेनिज्म ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस मेडिएटिड बाई ईएफजीआई, ए मॉर्फोजेनिक रेग्यूलेटर इन केंडिडा अल्बीकंस, ए पैथोजेनिक यीस्ट" विषयक व्याख्यान दिया।

कार्यक्रमों में प्रतिभागिता/आयोजन

- तुलिका प्रसाद ने 14 से 24 अक्टूबर, 2008 तक बेकमैन कौल्टर द्वारा उ.यं.सु. में आयोजित "फ्लो साइटोमेट्री" विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 17–18 नवम्बर, 2008 को जेयोल एशिया प्रा.लि. द्वारा उ.यं.सु. में आयोजित "ट्रांसमिशन इलेक्ट्रान माइक्रोस्कॉपी" विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 5 से 7 जनवरी, 2009 तक एडवांस्ड एनालिटीकल इंस्ट्रूमेंटेशंस ऐंड एप्लिकेशंस–2009 की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

सहयोगी पी–एच.डी. शोध छात्रों की उपलब्धियाँ

- आशुतोष सिंह ने 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2008 तक शिमाद्जु एनालिटीकल (इंडिया) प्रा.लि. द्वारा सीएससी, मुम्बई में आयोजित "बेसिक फंडामेंटल्स ऑफ जीसी–2010, जीसीएमसी, जीसी साल्यूशन साफ्टवेयर ऐंड मेंटेनेंस" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- आशुतोष सिंह ने 30 सितम्बर, 2008 को तोशविन एनालिटीकल प्रा.लि. द्वारा मुम्बई में आयोजित "शिमाद्जु क्रोमेटोग्राफी सेमिनार आन फर्फ्यूमरी, फ्लेवर्स ऐंड फ्रेग्रांसिज" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- आशुतोष सिंह ने 5 स 7 जनवरी, 2009 तक उच्च यंत्रीकरण सुविधा, यूसिक, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "एडवांस्ड एनालिटीकल इंस्ट्रूमेंटेशन ऐंड एप्लिकेशंस" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- सुधांशु शुक्ल, तुलिका प्रसाद और राजेन्द्र प्रसाद, "मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ एंटीफंगल ड्रग रेसिस्टेंस", "एंटी माइक्रोबायल रेसिस्टेंस द मॉडर्न इपिडेमिक कंट स्टेटस ऐंड रिसर्च इश्यूज" बंगलौर में आयोजित "फंगल इंफेक्शन इन इंडिया : मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ इमर्जिंग एंटीफंगल" विषयक माइक्रोबॉयल रेसिस्टेंस IXथ सर दोराबजी टाटा संगोष्ठी की कार्यवाही पर पुस्तक, मैकमिलन प्रकाशन, अध्याय–VI, बेसिक रिसर्च; पृ. 213–228, 2009
- नगेन्द्रनाथ मिश्रा, तुलिका प्रसाद और रंधीर सिंह, "लिपिडोमिक्स : ए नवल एप्रोच फॉर बायोलॉजीकल सिस्टम", बायोटेक्नोलॉजी–टिश्यु कल्चर टु प्रोटियोमिक्स, (सं.) पी.सी. त्रिवेदी, प्वाइंटर प्रकाशन जयपुर, अध्याय–12, पृ. 254–261, 2008

शोध पत्र/पुस्तकों में अध्याय/शोध आलेख

- सैफ़ हमीद, तुलिका प्रसाद, दिब्येन्दु बनर्जी, अपर्णा चन्द्रा, चिन्मय के. मुखोपाध्याय, श्यामल के गोस्वामी, अली अब्दुल लतीफ, ज्योत्सना चन्द्रा, प्रणब मुखर्जी, महमूद गन्नौम और राजेन्द्र प्रसाद, आयरन डेप्रिवेशन इंड्युसिज ईएफजीआई मेडिएटिड हाइफाल डिवलपमेंट इन केंडिडा अल्बीकंस विदआउट एफेक्टिंग बायोफिल्म फार्मेशन, फेम्स. यीस्ट रिसर्च, 744–755, 2008
- सुधांशु शुक्ल, तुलिका प्रसाद और राजेन्द्र प्रसाद, "मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ एंटीफंगल ड्रग रेसिस्टेंस", "एंटीमाइक्रोबॉयल रेसिस्टेंस – द मॉडर्न इपिडेमिक, करंट स्टेटस ऐंड रिसर्च इश्यूज" बंगलौर में आयोजित "फंगल इंफेक्शन इन इंडिया : मोलक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ इमर्जिंग एंटीफंगल रेसिस्टेंस" विषयक माइडोबॉयल रेसिस्टेंस IXथ सर दोराव जी दादा संगोष्ठी की कार्यवाही पर पुस्तक, मैकमिलन प्रकाशक, अध्याय–VI, बेसिक रिसर्च : पृ. 213–228, 2009
- मोनिका शर्मा, रमन मनोहरलाल चुघ, सुनीत शुक्ल, संजीवनी धामगाएं, तुलिका प्रसाद, सुरेश वी. अम्बुदकर और राजेन्द्र प्रसाद, कर्स्युमिन माड्यूलेट्स इफलक्स बाई यीस्ट एबीसी मल्टीड्रग ट्रांसपोर्टर्स ऐंड इज सिनरजिस्टिक टु एंटीफंगल्स, एंटीमाइक्रोबॉयल एजेंट्स ऐंड किमोथेरेपी, 58(8) : 3256–3265, 2009
- नगेन्द्रनाथ मिश्र, तुलिका प्रसाद, नीरज शर्मा और डी.के. गुप्ता, मेम्ब्रान फ्लुइडिटी ऐंड लिपिड कंपोजीशन ऑफ फ्ल्युकोनेजोल रेसिस्टेंट ऐंड ससेप्टीबल स्ट्रेंस ऑफ केंडिडा अल्बीकंस आइसोलेटिड डायबेटिक पेशंट्स, ब्राजीलियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 39 : 219–225, 2008
- नगेन्द्रनाथ मिश्र, तुलिका प्रसाद और रणधीर सिंह, 'लिपिडोमिक्स : ए नॉवल एप्रोच फार बाइलोजिकल सिस्टम', बायोटेक्नोलॉजी–टिशु कल्चर टू प्रोटीओमिक्स, सम्पादक पी.सी. त्रिवेदी, प्वाइंटर पब्लिशर, जयपुर, अध्याय–12, पृ. 254–261, 2008
- नगेन्द्रनाथ मिश्र, तुलिका प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, नीरज शर्मा और डी.के. गुप्ता, लिपिड राफ्ट : बायोलॉजी ऐंड पैथोजेनेसिस एक्टा माइक्रोबायोलॉजिका एट इम्युनोलॉजिका, हंगेरिका, 2009 (प्रेस में)
- आर. सिंह, आर. प्रसाद, जी. सुमना, के. अरोड़ा, एस. सूद, आर.के. गुप्ता और बी.डी. मल्होत्रा, "एसटीडी सेंसर बेस्ड ऑन न्युक्लिक एसिड फंक्शनलाइज्ड नैनोस्ट्रक्चर्ड पॉलिएनलाइन", बायोसेंसर्स ऐंड बायोइलेक्ट्रोनिक्स 24, 2232–2238, 2009

सम्मेलन/संगोष्ठी आलेख

- तुलिका प्रसाद ने मार्च, 2009 में जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित "बायोस्पार्क

2008" विषयक 7वें वार्षिक शोध सम्मेलन में "रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसीज एज माड्यूलेटर ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस इन यीस्ट्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- तुलिका प्रसाद ने जनवरी, 2009 में जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली में "करेक्ट्राइजेशन ऑफ नवल मैकेनिज्म ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस मेडिएटिड बाइ ईएफजीआई, ए मार्फोजेनिक रेग्युलेटर इन कैंडिडा अल्बीकंस, ए पैथोजेनिक यीस्ट" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- तुलिका प्रसाद ने दिसम्बर, 2008 में रेनबक्सी आर ऐंड डी सेंटर III, रेनबक्सी रिसर्च लेबोरेट्रीज, गुड़गाँव, हरियाणा में "फाइंडिंग नवल स्ट्रेटिजीज टु कांबेट ड्रग रेसिस्टेंस इन कैंडिडा" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- कविता अरोड़ा ने 9 से 12 फरवरी, 2009 तक साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्युक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में आयोजित एपीएम इंडिया चैप्टर बैठक, एमआरएसआई के 20वीं वार्षिक आम बैठक और "न्यू जनरेशन कंपोजिट्स ऐंड हाइब्रिड मैटेरियल्स : कंसेप्ट्स टु एप्लिकेशंस" विषयक संगोष्ठी में "एप्लिकेशं ऑफ कंडक्टिंग पॉलममर्स टु जीनोसेंसर्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शोध परियोजनाएं

- तुलिका प्रसाद को, "अनरावलिंग द रोल ऑफ आयरन एज नवल माड्युलेटर ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस ऐंड मॉर्फोजेनेसिस इन कैंडिडा अल्बीकंस" विषयक परियोजना पर शोध कार्य करने हेतु एक वर्ष के लिए यंग साइंस स्कॉलर अवार्ड 2008 प्राप्त हुआ।
- तुलिका प्रसाद को, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ नवल मैकेनिज्म ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस मेडिएटिड बाइ ईएफजीआई, ए मॉर्फोजेनिक रेग्युलेटर इन कैंडिडा अल्बीकंस, ए पैथोजेनिक यीस्ट" विषयक शोध परियोजना पर तीन वर्ष तक कार्य करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आईवाईबीए 2008 शोध अनुदान प्रदान किया गया।
- के. अरोड़ा, "डिवलपमेंट ऑफ जीनोसेंसर फॉर अर्ली डिटेक्शन ऑफ साल्मोनेला", जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2009

राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- तुलिका प्रसाद ने 19 मार्च, 2009 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित रेनबक्सी साइंस फाउंडेशन की XVवीं वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 6–7 मार्च, 2009 को जी.वि.सं., जेएनयू में आयोजित "बायोस्पार्क 2009" विषयक 7वें वार्षिक शोध सम्मेलन में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 27–28 फरवरी, 2009 को जेएनयू में आयोजित "जेएनयू साइंस फेस्टिबल 2009" में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 20 फरवरी, 2009 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "प्रोटेक्टिंग इनवेंशंस थ्रू पैटेंट्स" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 13–14 फरवरी, 2009 को आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली और उप्पासला विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा संयुक्त रूप से जेएनयू में आयोजित "फ्रंटियर्स इन मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 19–20 दिसम्बर, 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "नवल स्ट्रेटिजीज फॉर टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 14 से 24 अक्टूबर, 2008 तक उच्च यंत्रीकरण सुविधा, जेएनयू में आयोजित "फ्लो साइटोमेट्री" विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 5 से 7 जनवरी, 2009 तक जेएनयू में आयोजित "एडवांस्ड एनालिटीकल इंस्ट्रूमेंटेशन ऐंड एप्लिकेशंस–2009" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 7 नवम्बर, 2008 को क्राउन प्लाजा, नई दिल्ली में आयोजित "इन वाइवो मोलक्यूलर इमेजिंग" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- तुलिका प्रसाद ने 12 सितम्बर, 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "एवेयरनेस ऐंड रिलेवेंस ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी इन यूनिवर्सिटी रिसर्च" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- के. अरोड़ा ने 12 सितम्बर,2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "इंडियन पैटेंट रिसर्च" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- के. अरोड़ा ने 19–20 दिसम्बर, 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "नवल स्ट्रेटिजीज फॉर टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- के. अरोड़ा ने 13–14 फरवरी, 2009 को आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित "फ्रंटियर्स ऑफ मोलक्यूलर मेडिसिन" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- के. अरोड़ा ने 6–7 मार्च, 2009 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "बायोस्पार्क–2008" में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- तुलिका प्रसाद ने 28 जनवरी, 2009 को जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली में "करेक्ट्राइजेशन ऑफ नवल मैकेनिज्म ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस मेडिएटिड बाई ईएफजीआई, ए मार्फोजेनिक रेग्युलेटर इन केंडिडा अल्बीकंस, ए पैथोजेनिक यीस्ट" विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलिका प्रसाद ने 4 दिसम्बर, 2008 को रेनबक्सी आर ऐंड डी सेंटर III, रेनबक्सी रिसर्च लेबोरेट्रीज, गुड़गाँव, हरियाणा में "फाइंडिंग नवल स्ट्रेटिजीज टु कांबेट ड्रग रेसिस्टेंस इन केंडिडा" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियाँ

- तुलिका प्रसाद जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वर्ष 2008 के लिए इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स पुरस्कार के लिए चुनी गई।
- तुलिका प्रसाद रेनबेक्सी साइंस फाउंडेशन द्वारा रेनबक्सी स्कालर, 2008 के रूप में चुनी गईं।
- तुलिका प्रसाद को वर्ष 2008–2009 के लिए लीवन डिजीज ब्रांच, एनआईडीडीके, एनआईएच, बथेस्डा, मेरिलैण्ड, वाशिंगटन, डीसी, यूएएस का दौरा करने के लए एनआईएच विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त हुई।
- तुलिका प्रसाद इंसा यंग साइंटिस्ट पुस्कार, 2010 के लिए नामित हुईं।
- के. अरोड़ा को मैटेरियल रिसर्च द्वारा वर्ष 2009 के लिए जी.सी. जैन स्मारक सर्वोत्तम शोध प्रबंध पुरस्कार 2009 प्रदान किया गया।
- के. अरोड़ा को वर्ष 2008–2009 के लिए जैव–प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट पुरस्कार (आइवाईबीए) 2008 दिया गया।
- के. अरोड़ा को भाष्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रसिद्ध एलुमनी पुरस्कार 2009 प्रदान किया गया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- तुलिका प्रसाद, सदस्य, अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी।

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो, जेएनयू का गठन विश्वविद्यालय रोजगार ब्यूरो हेतु राष्ट्रीय सेवा के वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इन सिफारिशों का अनुमोदन श्रम मंत्रालय द्वारा वर्ष 1962 में किया गया था। ब्यूरो वर्ष 1976 से दिल्ली प्रशासन के सहयोग से अपना कामकाज कर रहा है।

विश्वविद्यालय का एक वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर–इन्चार्ज होता है और वह ब्यूरो के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय ब्यूरो को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है। ब्यूरो जेएनयू छात्रों के लिए रोजगार पंजीकरण, व्यक्तिगत सलाह और जरूरतमंद छात्रों का मार्गदर्शन भी करता है।

शिक्षकों के प्रकाशन

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान

पुस्तकें

- शिव प्रकाश, मबीना हेग कनिव्यासी (कविताओं की कन्नड़ पुस्तक), सितम्बर 2008
- ईरा भास्कर, रिचर्ड अलेन के साथ, द इस्लामिक कल्चर्स आफ बाम्बे सिनेमा, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2009
- कविता सिंह, (सह सम्पादक), वेयर इन द वर्ल्ड : कनटेम्पोररि इण्डियन आर्ट इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन, देवी आर्ट फाउंडेशन, नई दिल्ली 2008

शोध आलेख/पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- शिव प्रकाश, इण्डियन लिट्रेचर 246, 'टु मा आन डैथ बैड' विषयक कविता का अनुवाद (पाँच क्रमों में कविता), सं. मालचन्द तिवारी, जुलाई–अगस्त 2008
- शिव प्रकाश, इण्डियन लिट्रेचर 246, तेमसुला आवो की 'सांग्स फ्राम अदर लाइफ' पुस्तक समीक्षा, जुलाई–अगस्त 2008
- शिव प्रकाश, इण्डियन लिट्रेचर 247, मकरन्द साठे द्वारा सम्पादित 'विजय तेंदुलकर ओमनीबस' पुस्तक समीक्षा, सितम्बर–अक्टूबर 2008
- शिव प्रकाश, इण्डियन लिट्रेचर 248, 'दसिमिया द डिवाइन वीवर' नवम्बर–दिसम्बर 2008
- शिव प्रकाश, इण्डियन लिट्रेचर 249 'ए वुमन ऐंड ए विलेज' विषयक त्रेपन सिंह चौहान की दो कविताओं का अनुवाद, जनवरी–फरवरी 2009
- शिव प्रकाश, इण्डियन लिट्रेचर 249, शरद पाटिल की कास्ट फ्युडल सर्विट्यूड पुस्तक समीक्षा, जनवरी–फरवरी 2009
- विष्णुप्रिया दत्त 'जात्रा ऐंड द मार्जिनेलाइजेशन आफ माइथोलाजिकल थीम्स थिएटर ऐंड डेमोक्रेसी' (सं.) रवि चतुर्वेदी, रावत प्रकाशन, जयपुर, 2008
- पारूल दवे मुखर्जी, 'द सित्रासूत्र ऐंड द पालिटिक्स आफ आथेंटिसिटी' (सं.) के.के. चक्रवर्ती, तत्वबोध, भाग–II , नेशनल मिशन फार मैन्युस्क्रिप्ट्स, इन्दिरा गांधी नेशनल सेंटर फार द आर्ट्स और मुंशीराम मनोहरलाल पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृ. 126–140, 2008
- कविता सिंह, आर्ट हिस्ट्री ऐंड डेमोक्रेसी : कीनोट एड्रेस (सं.) फेडेरिको क्रेश्ची, साउथ अफ्रीकन आर्ट हिस्ट्री इन एन अफ्रीकन कंटेक्स्ट' यूनिवर्सिटी आफ विटवाटर स्ट्रेंड, जोहन्सबर्ग, साउथ अफ्रीका
- कविता सिंह, रिपेट्रेटिंग फार तिब्बत' (सं.) जे ऐंडरसन क्रासिंग कल्चर्स : कंफ्लिक्ट, माइग्रेशन ऐंड कनवरजेंस द मीनगुनियाप्रेस, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी पब्लिशिंग, मेलबोर्न, पृ. 109–115, 2009
- कविता सिंह, मैटेरियल फंटेसी : द म्युजियम इन क्लोनियल इण्डिया फार इण्डिया : आर्ट ऐंड विजुअल कल्चर, 1857–2007, (सं.) गायत्री सिन्हा, मार्ग प्रकाशन और बोधी आर्ट गैलरी, मुम्बई 2009
- कविता सिंह, 'फंटेसीज आफ हिस्ट्री इन इण्डियन पेंटिंग' हदीथ, कुवैत नेशनल म्युजियम, कुवैत की पत्रिका, 2008
- कविता सिंह, 'वेयर इन द वर्ल्ड' आलेख की पुस्तक प्रस्तावना आलेख, देवी आर्ट फाउंडेशन, नई दिल्ली, 2008
- कविता सिंह, 'आर वी रैडी फार द फ्री सरकुलेशन आफ आर्टिफैक्ट्स' द आर्ट न्यूजपेपर, लंदन, जून 2008
- एन.पी. आहुजा, 'ए पैंथम रिडिस्कवर्ड ?' (सं.) जे ऐंडरसन क्रासिंग कल्चर्स कंफ्लिक्ट, माइग्रेशन ऐंड कनवर्जेंस, द मीनगुनिया प्रेस, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी प्रेस, मेलबोर्न, पृ. 109–115, 2009
- एन.पी. आहुजा, इण्डिया : ए टेल आफ मार्किट्स : वाईल द कंटेम्पोरॅरि मार्किट्स थ्राइव्स, द रेग्युलेशन रिगार्डिंग एन्टिक्विटीज डिस्पैरिटली नीड रिफार्म' द आर्ट न्यूजपेपर : एनालिसिस, लंदन, अंक–194, सितम्बर 2008
- एन.पी. आहुजा, बुक रिव्यूज : (सं.) डोरिस एम श्रीनिवासन, आन द कस्प आफ एन ईरा, आर्ट इन द प्रि–कुषाण वर्ल्ड, ईजे ब्रिल लीडन 2007 और 'सोन्या रिया क्वेंटेनिला, हिस्ट्री आफ अर्ली स्टोन स्कल्पचर ऐट मथुरा, सीए 150 बीसी 100 सीई' ईजे ब्रिल

पब्लिशर्स, लीडन, 2007, साउथ एशियन स्टडीज, भाग–24, द ब्रिटिश एसोसिएशन फार साउथ एशियन स्टडीज, द ब्रिटिश अकादमी, लंदन, पृ. 144–147, 2008

- रंजनी मजूमदार, 'दैड इलुसिव आब्जेक्ट आफ सिनेमा' जर्नल आफ टेलिविजन और न्यू मीडिया सेज इंटरनेशनल, भाग–10, अंक–1, 2009
- वाई.एस. अलोन, 'विजुअल ट्रेडिशन ऐंड आर्ट पेडागोगी : प्रिसेप्शन आफ एक्सक्लुजंश' द जर्नल आफ इंटर डिसिप्लिनरी पालिसी रिसर्च ऐंड एक्शन, भाग–2 अंक–4, पृ. 34–43, अक्टूबर–दिसम्बर 2008
- ईरा भास्कर और रिचर्ड अलेन, 'इस्लामिकेट इमेजनरीज इन बाम्बे सिनेमा' द बुक रिव्यू, भाग–33, अंक–2, फरवरी 2009

मीडिया आलेख/प्रदर्शनी कैटेलाग निबन्ध/पुस्तक समीक्षा

- कविता सिंह, सांवत शुक्ल और नमन आहुजा ने देवी आर्ट फाउंडेशन के लिए दिसम्बर 2008 में एक्जिविशन कैटेलाग फार वेयर इन द वर्ल्ड, में मैटेरियल मीन्स, क्यूरेट किया।
- कविता सिंह, अली काजिम, फार गैलरी इस्केप, नई दिल्ली और ग्रीन कार्डमोन गैलरी, लंदन, 2008
- सांवत शुक्ल, कैटेलाग एसे आन शोवन कुमार फार द एक्जिविशन लाइव वायर्स, विजुअल आर्ट सेंटर, केनेडी रोड, हांगकांग, आर्ट कोन सल्ट द्वारा प्रकाशित, मई 2008
- सांवत शुक्ल, बुक रिव्यू आफ इण्डिया 20 : कनवर्शेशंस विद कंटेम्पोरॅरि आर्टटिस्ट्स, (सं.) अनूप मेहता, द बुक रिव्यू, भाग 32, अंक–6, जून 2008
- सांवत शुक्ल, एक्सवेटिंग ए मैमोरी : सुरंजन बसु ऐट द खोज वर्कशाप 2001, सीगुल फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित, रेट्रोस्पेस्टिव कैटेलॉग आन सुरंजन बसु, 1 नवम्बर 2008
- सांवत शुक्ल, रिफिगरिंग द रेलिक : सिरेमिक स्कल्पचर बाई विनीत कैकर, म्युजियम आर्ट गैलरी, कोलाबा मुम्बई, द फाइन आर्ट कम्पनी, मुम्बई द्वारा प्रकाशित, सितम्बर 2008
- सांवत शुक्ल, रिव्यू आफ एक्जिविशन, (सं.) जय झरोटिया, द रैंडम आर्डर आफ बीइंग : आर्ट ऐंड डील मैग्जीन, अंक–26, भाग–5, अंक–4, आर्ट कोंसल्ट द्वारा प्रकाशित, अप्रैल 2008
- सांवत शुक्ल, फार्म्स आफ शेयरिंग, प्रोबिर गुप्ता के वर्तमान कार्यों पर निबन्ध, अलेक्जिया गोयथे गैलरी, लंदन द्वारा प्रकाशित
- एन.पी. आहुजा, 'द घाटा : सम रिफ्रेंसिस एन्शिएन्ट ऐंड माडर्न'सा सीरीज बन, अन्तर्गत कलाकार बन्दीप सिंह के फोटोग्राफ्स की प्रदर्शनी', क्लेमी शीफील्ड, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, पृ. 36, 2008
- एन.पी. आहुजा, आर्ट इज माई रिलिजन ..... इंटरव्यू विद अनुपम पोद्दार, वेयर इन द वर्ल्ड, (सं.) कविता सिंह, सांवत शुक्ल, नमन आहुजा, देवी आर्ट फाउंडेशन, दिसम्बर 2008
- एन.पी. आहुजा, 'द हैण्ड लीड्स द आई लीड्स द हैण्ड' (सं.) देसमोंड लेजारो, गैलरी केमोल्ड प्रिस्कोट रोड, मुम्बई, अगस्त 2008
- एन.पी. आहुजा, इन फोकस : देवी प्रसाद कैमरावर्क दिल्ली, भाग–1, अंक–4, पृ. 16–17, जून 2008
- वाई.एस. अलोन, 'एक्सकेवेटिंग द हिस्ट्री आफ प्रिजेंट आईज– रि–कास्ट, एक्जिविशन कैटेलाग फार सेवी सरकार', (सं.) पारूल दवे मुखर्जी, अप्रैल 2008
- विष्णुप्रिय दत्त, मीडिया आर्टिकल्स (न्यूजपेपर ऐंड नान टेक्नीकल मैग्जीन्स) : खोज जर्नल, (सं.) सौम्यव्रत चौधरी
- रंजनी मजूमदार, रिव्यू आफ हिन्दी एक्शन सिनेमा : इंडस्ट्रीज, नैरेटिव्स, बाडीस वैलेंटिना विताली, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2008 बुक रिव्यू भाग–33, अंक–2, फरवरी 2009
- ईरा भास्कर, रिचर्ड अलेन के साथ, मुस्लिम कल्चर्स आफ बाम्बे सिनेमा, फिल्म फैस्टिवल कैटेलाग फार द फेस्टिवल 'मुस्लिम कल्चर्स आफ बाम्बे सिनेमा , द कल्चरल फाउंडेशन' अबु धाबी में आयोजित तथा न्यूयार्क यूनिवर्सिटी अबु धाबी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित, 26 फरवरी 21 मार्च 2009
- रंजनी मजूमदार,, मैन्युस्क्रिप्ट रिव्यूवर, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, सेज प्रकाशन, रूटलेज इण्डिया।

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

पत्रिका आलेख

- आर. भट्ट, डायरेक्टिड इवोल्युशन आफ एन एन्टि ह्युमन रेड ब्लड सेल एन्टिबाडी, ए. गुप्ता और वी.के. चौधरी, एमएबीएस 1–1–13, 2009
- आर. भट्ट, डिफ्रेंसियल बिहेवियर आफ मिसेंस म्युटेशंस इन द इंटरसबनिट कंटेक्ट डोमेन आफ द ह्युमन पाइरूवेट काइनेस एम$_2$ आइसोजाइम, के अख्तर, वी. गुप्ता, ए. कौल, एन. आलम और आर.एन.के. बामजेई, जे बायोल केम, 284, 11971–11981, 2009
- आर. भटनागर, ए. चावला और एस. मिढ़ा, इफिकेसी आफ रिकम्बिनेन्ट ऐंथ्रेक्स वैक्सीन अगेंस्ट बैसिलस एंथ्रासिस एअरोसोल स्पोर चैलेंज : प्रि–क्लिनिकल इवैल्युएशन इन रैबिट्स ऐंड रेसस मंकीज बायोटेक्नोलाजी जर्नल, 4, 1–9, 2009
- आर. भटनागर, एम. कौर, एच. चुग, एच. सिंह, एस. चन्द्रा, एम. मिश्रा और एम. शर्मा, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ इम्यूनोडोमिनेन्ट बी सेल इपिटाप आफ द सी टर्मिनस आफ प्रोटेक्टिव एन्टिजन आफ बैलिसस एंथ्रासिस, मोलिक्युलर इम्यूनोलाजी, 2009
- आर. भटनागर, एम. कौर, ए. राय, रेबीज डीएनए वैक्सीन : द इम्पैक्ट आफ एमएचसी क्लास I ऐंड क्लास II टार्गेटिंग सिक्वेंसिस आन इम्यून रिस्पांस ऐंड प्रोटेक्शन अगेंस्ट लीथल चैलेंज वैक्सीन 2009, 26–27 मार्च (15) (2009)
- आर. भटनागर, एस. मिढ़ा, जिनेटिक इम्यूनाइजेशन विद जीपीआई एंकरड एन्थाक्स प्रोटेक्टिव एन्टिजन रेजिस कम्बाइन्ड सीडी I डी – ऐंड एमएचसी II रिस्ट्रिक्टिड एन्टिबाडी रिस्पांसिस बाई नेचुरल किलर टी सेल मिडिएटिड हैल्प वैक्सीन 2009 (2009)
- आर. भटनागर, एम.सी. जोशी, ए. शर्मा, एस. कांत, ए. बिराह, जी.पी. गुप्ता, एस.आर. खान और एन. बनर्जी, एन इनसेक्टिसाइडल ग्रोइल प्रोटीन विद चिटिन बाइंडिंग एक्टिविटी फ्राम जेनोरहैबडस नेमटोफिला जे बायोल केम 17 अक्टूबर 2008 (42), 28287–96, 2008
- आर. भटनागर और एस. मिढ़ा, एन्थ्रेक्सप्रोटेक्टिव एन्टिजन एडमिनिस्टर्ड बाई डीएनए वैक्सिनेशन टु डिस्टिंक्ट सबसेलुलर लोकेशंस पोटेंशल्स ह्युमरल ऐंड सेलुलर इम्यून रिस्पांसिस यूरोपीयन जर्नल आफ इम्यूनोलाजी 39(1), 159–77, 2008
- आर. भटनागर, एस. कनोडिया, एस. अग्रवाल और पी. सिंह, बायोकेमिकल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ अलेनाइन रैक्मास स्पोर प्रोटीन आफ बैसिलस एन्थ्रोक्स, बायोकेम मोल बायोल रिपोर्ट्स 31 जनवरी 2009, 42 (1), 47–52, 2008
- आर. भटनागर, एस. अग्रवाल, पी. कुलश्रेष्ठ और डी.बी. मुक्कु, ए इनोलेस बाइन्ड्स टु ह्युमन प्लामिनोजिन आन द सर्फेस आफ बैसिलस एन्थ्रासिस, बायोकिम. बायोफिज एक्टा, 1784, 986–94, 2008
- यू. पति, एस. सुभांकर और एस चन्द्रा, स्ट्रेस रिस्पांस आफ ए पी 53, होमोलाग इन द रेडिओरिस्टिन्ट एसएफ 9 इंसैक्ट सेल्स, इंट जे रैड बायोल 2009 85(3), 238–249, 2009
- यू. पति, एस.के. दुबे, ए.के. शर्मा, यू. नारायण और के. मिश्रा, डिजाइन, सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ सम बायोएक्टिव कंजुगेट्स आफ करकुमिन विद ग्लाइसिन, ग्लुटेमिक एसिड, वैलिन ऐंड डिमेथाइलनेटिड पीपरिक एसिड ऐंड स्टडी आफ देअर एन्टिमाइक्रोबायोल ऐंड एन्टि–प्रोलिफरेटिव प्रोपर्टीज, यूरो. जे मेड केम. 43:837–846 (2008)
- ए. दीक्षित, एस. अग्रवाल, राजकुमार और पी. गुप्ता, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ ए पाजिटिव रेगुलरटी सिस–एलिमेंट विदिन द अपस्ट्रीम रीजन आफ सी. जु. जे बायोकेम 144, 741–52, 2008
- ए. दीक्षित, वी. शर्मा और पी. गुप्ता, इन सिलिको आइडेंटिफिकेशन आफ प्युटिव ड्रग टार्गेट्स फ्राम डिफ्रेंट मेटाबोलिक पथवेज आफ एअरोमोनस हाइड्रोफीलिया, सिलिको बायोलाजी 8, 0026, 2008 (आनलाइन), बायोइंफार्मेशन सिस्टम्स ईवी 8, 331–338, 2008
- डी. चौधरी, एम. गौर, एन. पुरी, आर. मनोहरलाल, वी. रवि, जी. मुखोपाध्याय और आर. प्रसाद, एमएफएस ट्रांसपोर्टस आफ द ह्युमन पैथोजेनिक यीस्ट कैंडिडा अल्बिकेंस बीएमसी जिनोमिक्स, 9, 579, 2008
- आर. आर्या, ए. भट्टाचार्या और के.एस. सैनी, डिक्टोस्टेलियम डिस्कोडियम – ए प्रोमोसिंग एक्सप्रेशन सिस्टम फार द प्रोडक्शन आफ यूकारियोटिक प्रोटीन्स, फैसेब जे, 2008
- आर. आर्या, के. नन्दा, एम. चटर्जी, एस. मुखर्जी, के.ए. सैनी, एस. दस्तीदार और ए. रे, आप्टिमाइजेशन ऐंड वैलिडेशन आफ ए रिपोर्टर जीन एसे फार स्क्रीनिंग आफ फास्फोडिस्टेरेस इनहिबिटर्स इन ए हाई थ्रूपुट सिस्टम बायोटेक्नोल जे. 3(9–10), 1276–1279, 2008

मीडिया आलेख

- आर. भटनागर, 19 मार्च 2009 को हिन्दू समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख 'जेएनयू प्रोफेसर मेक्स इम्प्रूब्ड वैक्सीन फार रैबिट्स'।
- आर. भटनागर, 'द साइंसिस आफ सक्सेस' शीर्षक आलेख हिन्दुस्तान टाइम्स (हारिजन्स) में प्रकाशित।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

पुस्तकें

- डी.पी. विद्यार्थी, शेड्यूलिंग इन डिस्ट्रिब्युटिड कंप्यूटिंग सिस्टम : एनालिसिस डिजाइन ऐंड माडल्स, स्प्रिंगर, यूएसए, दिसम्बर 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- डी.पी. विद्यार्थी, 'कंप्यूटेशनल मोबाइल ग्रिड : ए कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर आन मोबाइल डिवाइसिस' (सं.) वी. गोदारा, रिस्क असेसमेंट ऐंड मैनेजमेंट इन पर्वेसिव कंप्यूटिंग : आपरेशनल लीगल, एथिकल ऐंड फाइनेंशल पर्सपेक्टिव्स आईजीआई ग्लोबल पब्लिकेशंस, यूएसए, अक्टूबर 2008

सम्मेलन/संगोष्ठी आलेख

- के.के. भारद्वाज (के.एस. सेंथिल कुमार के साथ) , 'एक्सप्लोरेशन स्ट्रेटजी बेस्ड आन टेरीन कवरेज फार मल्टिपल रोबोट्स यूजिंग जिनेटिक एल्गोरिथम : इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ऐंड टेक्नोलाजी सम्मेलन की कार्यवाही, कैलिफोर्निया, यूएसए, 1–3 अप्रैल 2008
- के.के. भारद्वाज (सरोज के साथ) 'ए पैरालिल जिनेटिक प्रोग्रामिंग अप्रोच फार आटोमेटिड डिस्कवरी आफ सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स विद फ्युजी हिरारकी' इंफार्मेशन प्रोसेसिंग विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, बंगलौर, भारत, 8–10 अगस्त 2008
- के.के. भारद्वाज (के.एस. सेंथिल कुमार के साथ), 'स्पैनिंग ट्री बेस्ड टेरीन कवरेज बाई मल्टि रोबोट्स इन अननोन एनवायरनमेंट्स : कंट्रोल कम्यूनिकेशन ऐंड आटोमेशन (इंडिकान 2008)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन की कार्यवाही, आईआईटी, कानपुर, 11–13 दिसम्बर 2008
- के.के. भारद्वाज (के.एस. सेंथिल कुमार के साथ), 'एन इफिसिएन्ट ग्लोबल आप्टिमाइजेशन अप्रोच टु मल्टी रोबोट पथ एक्सप्लोरेशन प्रोब्लम यूजिंग हाईब्रिड जिनेटिक एल्गोरिथम : इनफार्मेशन ऐंड आटोमेशन फार सस्टेनेबिलिटी (आईसीआईएएफएस 2008)' विषयक चौथे अन्तरराष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन की कार्यवाही, कोलम्बो, श्रीलंका, 12–14 दिसम्बर 2008
- एस. बालासुंदरम (रामपाल सिंह के साथ), एक्टिव सेट फ्युजी सपोर्ट वैक्टर एपसिलन इनसेंटिव रिग्रेशन अप्रोच' एडवांस्ड कंप्यूटर थीअरि ऐंड इंजीनियरिंग विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईईईई प्रेस, 153, 20–22 दिसम्बर 2008
- सोनाझारिया मिंज (अहमद बालिद के साथ) 'इम्प्रूविंग मल्टि एजेंट इवोल्युशनरी टेक्नीक्स विद लोकल सर्च फार जाब शाप शेड्यूलिंग प्राब्लम' आईईईई/डब्ल्युआईसी/इंटेलिजेंट एजेंट टेक्नोलाजी विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, आस्ट्रेलिया, दिसम्बर 2008
- सोनाझारिया मिंज (अहमद बालिद के साथ), 'मल्टि एजेंट बेस्ड जिनेटिक एल्गोरिथम फार जाब–शाप शैड्यूलिंग प्राब्लम पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस, दिल्ली, दिसम्बर 2008
- डी.के. लोबियाल (ए.के. मिश्रा के साथ), 'एपिसमेलिफेरा प्रि–एमआईआरएनए प्रिडिक्शन यूजिंग डिसिजन ट्री बेस्ड क्लासीफायर कंप्यूटर ऐंड आटोमेशन इंजीनियरिंग (आईसीसीएई 2009)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में थाईलैण्ड, पृ. 123–126, 6–9 मार्च 2009
- डी.के. लोबियाल (ए.के. मिश्रा के साथ), 'एक्सप्लोरिंग डोमिनेटिंग फीचर्स फ्राम एपिस मेलिफेरा प्रि–एमआईआरएनए', एडवांस्ड कंप्यूटर थीअरि ऐंड इंजीनियरिंग (आईसीएसीटीई 2008) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, पृ. 363–367
- डी.के. लोबियाल (यासर महमूद ए. हमीद के साथ), 'एन एडेप्टिव एनर्जी इफिसिएन्ट एमएसी प्रोटोकोल फार वायरलैस एडहाक नेटवर्क्स वायरलैस कम्यूनिकेशंस, नेटवर्किंग ऐंड मोबाइल कंप्यूटिंग' विषयक चौथे आईईईई अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, वाईकाम 08, दलियन चीन, 12–14 अक्टूबर 2008

- डी.के. लोबियाल (यासर महमूद, ए. हमीद के साथ), 'इफैक्ट आफ द कैरियर सेंसिंग रेंज आन द पर्फामेन्स आफ द मोबाइल एडहाक नेटवर्क्स' इम्बेडिड सिस्टम्स, मोबाइल कम्यूनिकेशन ऐंड कंप्यूटिंग, आईसीइएमसी2 विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यवाही में, बंगलौर, 11–14 अगस्त 2008
- डी.के. लोबियाल (यासर महमूद, ए. हमीद के साथ), 'आईपीसीएम/काऊपो : एन एफिशिएन्ट पावर सेविंग स्कीम फार मल्टि होप वायरलैस एडहाक नेटवर्क्स वायरलैस नेटवर्क्स, आईसीडब्ल्युएन 8 – वर्ल्डकाम्प 08 लैस वैग्स, नवेदा,' यूएसए, पृ. 452–458, 14–17 जुलाई 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (एम. लुत्फी ऊमर खानबरी के साथ), 'मोबिलिटी मैनेजमेंट माडल फार हैल्थकेयर सर्विसिस हाई पर्फामेन्स कंप्यूटिंग नेटवर्क्रिंग ऐंड कम्यूनिकेशन सिस्टम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, आर्नाल्डो, फ्लोरिडा, यूएसए, 7–10 जुलाई 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (जाहिद रजा के साथ), 'ए फाल्ट टालरेन्ट ग्रिड शैडयूलिंग माडल टु मिनिमाइज टर्नएराउन्ड टाइम हाई पर्फामेन्स कंप्यूटिंग नेटवर्किंग ऐंड कम्यूनिकेशन सिस्टम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, आर्नाल्डो, फ्लोरिडा, यूएसए, 7–10 जुलाई 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (एम लुत्फी ऊमर खानबरी के साथ), 'जीए बेस्ड मोबिलिटी मैनेजमेंट माडल फार हैल्थकेयर सर्विसिस' पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट विषयक प्रथम अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यवाही में, नई दिल्ली, भारत, 12–14 दिसम्बर 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (सैमा खान और जाहिद रजा के साथ), ए रेपल्कि बेस्ड को शैडयूलर (आरबीएस) फार कंप्यूटेशनल ग्रिड्स' कंप्यूटिंग सीआईसी 2008 विषयक 17वां अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, मैक्सिको सिटी, मैक्सिको, 3–5 दिसम्बर 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (रेखा कश्यप के साथ), 'ए सिक्यूरिटी प्रिआरिटाइज्ड शैडयूलिंग माडल फार कंप्यूटेशनल ग्रिड', हाई पर्फामेन्स कंप्यूटिंग एचपीसी एशिया काउसिंग, ताईवान, 2–5 मार्च 2009
- आर.के. अग्रवाल (मंजु बाला के साथ), 'कार्नेल पैरामीटर्स सलेक्शन फार एसवीएम क्लासिफिकेशन : एडाबूस्ट अप्रोच पर्वेसिव कंप्यूटिंग ऐंड मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस, नई दिल्ली, 12–14 दिसम्बर 2008
- आर.के. अग्रवाल (रजनी बाला और मंजु बाला के साथ), 'डिस्क्रिमिनेंट फंक्शन रिविजिटिड फार इंक्रीमेंटल लर्निंग', कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स ऐंड इमेज प्रोसेसिंग विषयक 6ठा अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, भुवनेश्वर, 16–19 दिसम्बर 2008
- आर.के. अग्रवाल (मंजुबाला और रजनी बाला के साथ), 'इंक्रिमेंटल फ्रेमवर्क फार फीचर सलेक्शन ऐंड बेसियान क्लासिफिकेशन फार मल्टिवैरिएट नार्मल डिस्ट्रिब्युशन' आईईईई इंटरनेशल एडवांस कंप्यूटिंग कांफ्रेंस, पटियाला, 6–7 मार्च 2009
- टी.वी. विजय कुमार (नीरज जैन के साथ), 'फ्रीक्वेंट क्वेरीज सलेक्शन फार मैटेरिअलाइज्ड व्यूज कंस्ट्रक्शन इन डाटा वेयरहाउस' क्वांटिटेटिव मेथड्स आपरेशंस ऐंड इंर्फोशन टेक्नोलाजी (आईसीग्यूएमओआईटी 2008) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, हैदराबाद, 24–25 अक्टूबर 2008
- टी.वी. विजय कुमार (आलोक घोषाल के साथ), 'ग्रीडी एल्गोरिथम्स फार मैटेरिअलाइज्ड व्यूज सलेक्शन' डाटा मैनेजमेंट (आईसीडीएम 2009) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, गाजियाबाद, 10–11 फरवरी 2009, पृ. 101–111
- टी.वी. विजय कुमार (आलोक घोषाल के साथ), 'ए रिडयूस्ड लेटिक ग्रीडी एल्गोरिथम फार सलेक्टिंग मैटेरिअलाइज्ड व्यूज' इंफार्मेशन सिस्टम्स टेक्नोलाजी ऐंड मैनेजमेंट (आईसीआईएसटीएम 2009) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, कम्यूनिकेशंस इन कंप्यूटर ऐंड इंफार्मेशन साइंस (सीसीआईएस) भाग 31, स्प्रिगरवेरलाग, 12–13 मार्च 2009, पृ. 6–18
- जाहिद रजा, (डी.पी. विद्यार्थी के साथ), 'ए फाल्ट टालरेन्ट ग्रिड शैड्यूलिंग माडल टु मिनिमाइज टर्नराउन्ड टाइम हाई परफार्मेन्स कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग ऐंड कंप्यूनिकेशन सिस्टम्स' आर्लान्डो फ्लोरिडा, यूएसए, 6–10 जुलाई 2008
- जाहिद रजा (सैमा खान और डी.पी. विद्यार्थी के साथ), 'ए रिप्लिका बेस्ड को–शैड्यूलर (आरबीएस) फार कंप्यूटेशनल ग्रिड्स, कंप्यूटिंग सीआईसी 2008' विषयक 17वां अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन मैक्सिको सिटी, मैक्सिको, 3–5 दिसम्बर 2008
- अदिति शरण (हाजरा इमरान और मंजुलता जोशी के साथ), 'ए ट्रेनेबल डाक्यूमेंट समराइजर यूजिंग बेसियान अप्रोच' इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजी (आईसीईटीईटी 2008) विषयक प्रथम आईईईई द्वारा प्रायोजित सम्मेलन, नागपुर, 16–18 जुलाई 2008

- अदिति शरण (सोनुलाल गुप्ता के साथ), 'ए कम्पैरटिव स्टडी आफ लिंक बेस्ड अप्रोचिस फार फाइंडिंग वैब कम्यूनिटीज' डाटा मैनेजमेंट (आईसीडीएम 2009) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, गाजियाबाद, 10–11 फरवरी 2009, पृ. 283–92

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध आलेख

- कर्मेषु (शचि शर्मा के साथ), 'बायोमाडल पैकिट डिस्ट्रिब्युशन इन लास सिस्टम्स यूजिंग मैक्सिमम टी सैलिस एन्ट्रोपी प्रिसिंपल' आईईईई ट्रांस काम, 56, अंक–9, 2008, पृ. 1530–1535
- कर्मेषु (शलभ भटनागर और विवेक मिश्रा के साथ), 'आप्टिमल पैरामीटर ट्रांजेक्ट्री एस्टिमेशन इन पैरामेटेराइज्ड एसडीईएस : एन एल्गोरिथमिक प्रोसिजर' माडलिंग ऐंड कंप्यूटर सिम्युलेशंस (टीओएमएसीएस) विषयक एसीएम ट्रांजिशन, 19, अंक–2, आलेख 8 : 1–27, 2009
- के.के. भारद्वाज (रेखा कंदवाल के साथ), 'क्युम्युलेटिव लर्निंग टेक्नीक्स इन प्रोडक्शन रूल्स विद फ्युजी हिरारकी (पीआरएफएच) सिस्टम' एक्सपेरिमेंटल ऐंड थीअरेटिकल आर्टिफिसिअल इंटेलिजेंस की पत्रिका, टेलर ऐंड फ्रेंसाइज, यूके, भाग–20, अंक–2, जून 2008, पृ. 111–132
- के.के. भारद्वाज (मोहम्मद याहिया एच अल शामरी के साथ), 'फ्युजी–जिनेटिक अप्रोच टु रिकमण्डर सिस्टम्स बेस्ड आन ए नावल हाइब्रिड यूजर माडल' एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लिकेशंस, ऐल्सवियर, भाग–35, अक्टूबर 2008, पृ. 1386–1399
- के.के. भारद्वाज (मोहम्मद याहया एच अल शामरी के साथ), 'फ्यूज कंप्यूटेशनल माडल्स फार ट्रस्ट ऐंड रेप्युटेशन सिस्टम्स' इलैक्ट्रानिक कामर्स रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस ऐल्सवियर, भाग–20, नवम्बर 2008, पृ. 569–571
- एन. परिमाला (एस आर एन रेड्डी के साथ), 'प्रोफेसर सलेक्शन फार इम्बेडिड सिस्टम डिजाइन कंप्यूटर्स ऐंड एप्लिकेशंस' की अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका, एक्टा प्रेस, भाग–30, अंक–4, 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (लुत्फी एम ऊमर खानबरी के साथ), ''ए जीए बेस्ड इफैक्टिव फाल्ट टालरेन्ट माडल फार चैनल एलोकेशन इन मोबाइल कंप्यूटिंग विहिकुलर टेक्नोलाजी विषयक आईईईई ट्रांजैक्शन, 57, 3 मई 2008
- डी.पी. विद्यार्थी (मोहम्मद अनबार के साथ), 'ए माडल फार हीडर कम्प्रेशन कंटेक्स्ट ट्रांस्फर इन सेलुलर आईपी', कंप्यूटर्स ऐंड साफ्टवेयर विषयक अन्तरराष्ट्रीय समीक्षा, सितम्बर 2008
- आर.के. अग्रवाल (रजनी बाला के साथ), 'इंक्रीमेंटल बेसियान क्लासिफिकेशन फार मल्टिवैरिएट नार्मल डिस्ट्रिब्युशन डाटा' पैटर्न रिकोग्निशन लेटर, भाग–29, 2008, 1873–1876
- टी.वी. विजयकुमार (अतुल श्रीधर और आलोक घोषाल के साथ), 'कंप्यूटिंग फुल डिस्जंक्शन यूजिंग कोजो इंटरनेशनल टेक्नोलाजी ऐंड मैनेजमेंट', स्प्रिंगर वेरलाग, भाग–10, अंक–1, मार्च 2009, पृ. 3–20

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- जे. बिहारी, 'रिव्यू : बायोलाजिकल कोरिलेट्स आफ लो लेवल इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर' जनरल ऐंड एप्लाइड टेक्सिकोलाजी (प्रकाशनाधीन), 2009
- वी.के. जैन, बी. बिशोई और ए. प्रकाश, 'ए कम्पैरटिव स्टडी आफ एअर क्वालिटी इंडेक्स बेस्ड आन फैक्टर एनालिसिस ऐंड यूएस ईपीए मेथड्स फार एन अर्बन एनवायरनमेंट' जर्नल आफ एअरोसोल ऐंड एअर क्वालिटी रिसर्च 9(1), 2009, पृ. 1–17
- ए.एल. रामनाथन, एस. बोस, ए. जैन और वी. रवि, 'केमिकल फ्रेक्शनेशन आफ हैवी मेटल्स इन चन्ना इंडिका एल ग्रोव आन इंडस्ट्रियल वेस्ट अमेंडिड साइल' जे हैजर्डस मैटेरियल्स, 160(1), 2008, पृ. 187–193
- ए.एल. रामनाथन, एस. बोस, एस. चन्द्रायन, वी. रवि और ए.के. भट्टाचार्य, 'ट्रांजेक्शन आफ मेटल्स इन पी प्लांट्स ग्रोन आन वैरियस अमेंडमेंट आफ इलैक्ट्रोप्लेटिंग इंडस्ट्रियल स्लज', बायोरिसोर्स टेक्नोलाजी, 99(10), 2009 4467–4475
- ए.एल. रामनाथन, एस. बोस. जे. वेदामती और वी. रवि, 'मेटल अपटेक ऐंड ट्रांसपोर्ट बाई टाइपा एन्गुस्तावा एल ग्रोन आन मेटल कंटेनिमेटिड वेस्ट अमेंडिड साइल : एन इम्पिलिकेशन आफ फाइटोरिमेडिएशन' जिओडर्मा, 145(1–2), 2008, 136–142
- ए.एल. रामनाथन और आर. चौहान, 'इवैल्युएशन आफ वाटर क्वालिटी आफ भिरकनिका मैनग्रोव सिस्टम, उड़ीसा ईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया' इण्डियन जर्नल आफ मैरीन साइंसिस 37(2), 2008, 159–165
- ए.एल. रामनाथन, आर. चौहान और टी.के. आध्या, 'असेसमेंट आफ मीथेन ऐंड नाइट्स आक्साइड् फ्लक्स इन द मैनग्रोव्स आफ ईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया' जिओफ्लुइड्स 8(4), 2008, 321–332
- ए.एल. रामनाथन, एस. चिन्दम्बरन, पी. आनन्दन, के. श्रीनिवासमूर्ति, एम.वी. प्रसन्ना और एस.ए. वसुदेवन, 'स्टेटिस्टिकल अप्रोच टु आइडेंटिफाई द हाइड्रोजिओकेमिकली एक्टिव इजिम्स इन ग्राउन्डवाटर्स आफ ईरोड डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु' एशियन जर्नल आफ वाटर, एनवायरनमेंट ऐंड पाल्युशन 5(3), 2008 123–135
- ए.एल. रामनाथन, एस. चिदम्बरन, एम.वी. प्रसन्ना, पी. आनन्दन, के. श्रीनिवासमूर्ति, 'स्टडी आन द इम्पैक्ट आफ सुनामी आन शैलो ग्राउन्डवाटर फ्राम पोर्टनोवा टु पम्पुहर, यूजिंग जिओइलैक्ट्रिकल टैक्नीक साउथ ईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया' इण्डियन जर्नल आफ मैरीन साइंसिस, 37(2), 2008, 121–131
- ए.एल. रामनाथन, एस. चिदम्बरन, सेंथाली कुमार जी, एम.वी. प्रसन्ना, जान पीटर ए और के. श्रीनिवासमूर्ति, 'ए स्टडी आन द हाइड्रोलाजी ऐंड हाइड्रोजिओकेमिस्ट्री आफ ग्राउन्डवाटर फ्राम डिफ्रेंट डेफ्थ्स इन ए कोस्टल एक्विफायर : अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, इण्डिया' एनवायरनमेंटल जिओलाजी दोई 10, 2008
- ए.एल. रामनाथन, एम. कुमार, के. कुमारी और यू.के. सिंह, 'हाइड्रोजिओकेमिकल प्रोसिस इन द ग्राउन्डवाटर एनवायरनमेंट आफ मुक्तसर, पंजाब : कनवेंशनल ग्राफिकल ऐंड मल्टिवैरिएट स्टेटिस्टिकल अप्रोच' एनवायरनमेंटल जिओलाजी 53(3), 2008, 553–574
- ए.एल. रामनाथन, एम. कुमार और ए.के. केशरी, 'अंडरस्टेंडिंग द एक्सटेंट आफ इंटरएक्शन बिटवीन सर्फेस ऐंड ग्राउंडवार थ्रू मेजर आमोन केमिस्ट्री ऐंड मल्टिवैरिएट स्टेटिस्टिकल टेक्नीक्स' हाइड्रोलाजिकल प्रोसिस, 23(2), 2008, 297–310
- ए.एल. रामनाथन, एम. कुमार, बी. शर्मा, एम.एस. राव और बी. कुमार, 'न्यूट्रिएन्ट केमिस्ट्री ऐंड सैलिनिटी मैपिंग आफ द दिल्ली एक्विफायर, इण्डिया : सोर्स आइडेंटिफिकेशन पर्सपेक्टिव' एनवायरनमेंटल जिओलाजी 56(6), 2009, 1171–81
- ए.एल. रामनाथन और एम.बी.के. प्रसाद, 'डिजाल्व्ड आर्गेनिक न्यूट्रिएन्ट्स इन द पिचवारम मैनग्रोव वाटर्स आफ ईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया', इण्डियन जर्नल आफ मैरीन साइंसिस, 37(2), 2008, 146–152
- ए.एल. रामनाथन और एम.बी.के. प्रसाद, 'सेडिमेंट्री डायनेमिक्स इन ए ट्रापिकल एस्टुरिन मैनग्रोव इकोसिस्टम न्यूट्रिएन्ट' कोस्टल ऐंड सेल्फ साइंस, 2008, 8060–66
- ए.एल. रामनाथन और एम.बी.के. प्रसाद, 'डिस्ट्रिब्युशन आफ रेयर अर्थ रिलिमेंट्स इन द पिचवारम मैनग्रोव सेडिमेंट्स आफ साउथ ईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया' जर्नल आफ कोस्टल रिसर्च, 24(1), 2008, 126–134

- ए.एल. रामनाथन, जी. सिंह, जे. मजूमदार, आर. चौहान, आर.के. रंजन, के. राजकुमार और एस.सी. शान्ता, 'ए स्टडी आफ माइक्रोबायल डायवर्सिटी ऐंड इट्स इंटरएक्शन विद न्यूट्रिएन्ट्स इन द सेडिमेंट्स आफ सुन्दरबन मैनग्रोव्स' इण्डियन जर्नल आफ मैरीन साइंसिस, 37(2), 2008, 166–180
- ए.एल. रामनाथन, आर.के. रंजन और जी. सिंह, 'इवैल्युएशन आफ जिओकेमिकल इम्पैक्ट आफ सुनामी आन पिचवारम मैनग्रोव इकोसिस्टम, साउथईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया' एनवायरनमेंटल जिओलाजी (55), 2008, 687–697
- ए.एल. रामनाथन, आर.के. रंजन और जी. सिंह, 'हैवी मेटल इनरिचमेंट्स ड्यू टु सुनामी इन पिचवारम मैनग्रोव्स सेडिमेंट्स' एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट, 147, 2008, 389–411
- ए.एल. रामनाथन, एस. सेंथाली कुमार, नैनीवाल और एस. चिदम्बरम, 'इवैल्युएशन आफ हाइड्रोकेमिस्ट्री आफ ग्राउन्ड वाटर्स यूजिंग स्टेटिस्टिकल अप्रोच इन द कुड्डालोर रीजन' टीएन इण्डिया, इण्डियन जर्नल आफ मैरीन साइंसिस 37(2) 2008, 186–192
- ए.एल. रामनाथन, ए. सिंह, जी. सिंह, आर.के. रंजन और पी. त्रिपाठी, 'केमोडायनेमिक्स आफ ट्रेस मेटल फ्रेक्शंस इन सर्फेस सेडिमेंट्स आफ द पैंडोह लेक, लेसर हिमालय इण्डिया' एनवायरनमेंटल जिओलाजी डीओआई 10, 2008
- ए.एल. रामनाथन और एस.के. श्रीवास्तव, 'जिओकेमिकल असेसमेंट आफ ग्राउन्डवाटर क्वालिटी इन विसिनिटी आफ भाल्सवा लैण्डफिल, दिल्ली, इण्डिया, यूजिंग ग्राफिकल ऐंड मल्टिवैरिएट स्टेटिस्टिकल मेथड्स' एनवायरनमेंटल जिओलाजी, 53, 2008, 1509–1528
- के. दत्ता, के. चौधरी, आई घोष, 'एक्सेसिव रिएक्टिव आक्सिजन स्पीसीज इंड्यूसिस अपोपटोसिस इन फाइब्रोब्लास्ट्स : रोल आफ माइट्रोकोंड्रिअली एक्सयुम्युलेटिड हाइल्युरोनिक एसिड बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एचएबीपी 1/पी 32/जीसी 1 क्युआर)' एक्सपेरिमेंटल सेल रिसर्च, 314, 2008, 651–667
- वी.के. जैन, ए.के. गौतम, ए.बी. चेतानी और एस. देवोत्ता, 'ए न्यू स्कीम टु प्रिडिक्ट केआटिक टाइम सीरीज आफ एअर पाल्युटेंट कंसेंट्रेशंस यूजिंग आर्टिफिसिअल न्युरल नेटवर्क ऐंड नियरेस्ट नेबर सर्चिंग' एटमास्फेरिक एनवायरनमेंट 42(18), 2008, 4409–4417
- वी.के. जैन, एस. गुप्ता और ए. श्रीवास्तव, 'पार्टिकल साइज डिस्ट्रिब्युशन आफ एअरोसोल्स ऐंड एसोसिएटिड हैवी मेटल्स इन किचन एनवायरनमेंट्स' एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट, 142 (1–3), 2008, 141–148
- वी.के. जैन, यू. कुमार और ए. प्रकाश, 'करेक्ट्राइजेशन आफ केआस इन एअर पाल्युटेंट्स : ए वोल्टेरा–वाइनर कोरंगबर्ज सीरीज ऐंड न्यूमेरिकल ट्राइट्रेशन अप्रोच', एटमास्फेरिक एनवायरनमेंट, 42, 2008, 1537–1551
- वी.के. जैन, यू. कुमार और ए. प्रकाश, 'एन इनवेस्टिगेशन आफ $ओ_3$ सेंस्टिविटी टु एनओएक्स ऐंड वीओसी इन द अर्बन एटमास्फियर आफ दिल्ली' एअरोसोल ऐंड एअर क्वालिटी रिसर्च 8(2), 2008, 147–159
- वी.के. जैन, एच. शर्मा और जेड.एच. खान, 'एटमोस्फेरिक पालिसाइक्लिक एअरोमेटिक हाइड्रोकार्बन्स (पीएएचएस) इन द अर्बन एअर आफ दिल्ली ड्यूरिंग 2003' एनवायरनमेंट मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट भाग 147, (1–3), 2008, 43–45
- वी.के. जैन और ए. श्रीवास्वत, 'सोर्स एपोर्शनमेंट आफ सस्पेंडिड पार्टिकुलेट मैटर्स इन ए क्लीन एरिया आफ दिल्ली' ए नोट ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट डी : ट्रांसपोर्ट ऐंड एनवायरनमेंट, 13(1), 2008, 59–63
- वी.के. जैन और ए. श्रीवास्तव, 'सोर्स अपोर्शनमेंट आफ टोटल सस्पेंडिड पार्टिकुलेट मैटर इन कोर्स ऐंड फाइन साइज रेन्ज्स ओवर दिल्ली' जर्नल आफ एअरोसोल ऐंड एअर क्वालिटी रिसर्च, 8(2), 2008, 188–200
- वी.के. जैन, ए. श्रीवास्तव और एस. गुप्ता, 'विन्टर टाइम साइज डिस्ट्रिब्यूशन ऐंड सोर्स अपोर्शनमेंट आफ टोटल सस्पेंडिड पार्टिकुलेट मैटर ऐंड एसोसिएटिड मेटल्स इन दिल्ली' एटमास्फेरिक रिसर्च, 92(1), 2009, 88–99
- वी.के. जैन और जहीरूद्दीन, 'एन एक्सपर्ट सिस्टम फार प्रिडिक्टिंग द इफैक्ट्स आफ स्पीच इंटरफियरेन्स ड्यू टु नॉएज पाल्यूशन आन ह्युमन यूजिंग फ्यूजी अप्रोच' एक्सपर्ट सिस्ट्म्स विद एप्लिकेशंस, 35(4), 2008, 1978–1988
- बी. गोपाल, 'लिम्नोलाजी इन डिवलपिंग कंट्रीज' एसआईएल न्यूज 52, जून 2008, पृ. 7–8
- पी.एस. खिलारे, आर.आर. हक, टी. अग्रवाल, वी श्रीधर, एस. बालचन्द्रन, 'स्पेशल ऐंड टेम्पोरल वैरिएशन आफ बीटेक्स इन द अर्बन एटमास्फियर आफ दिल्ली, इण्डिया' द साइंस आफ द टोटल एनवारनमेंट, 392(1), 2008, 30–40

- पी.एस. खिलारे, एस रे, टी अग्रवाल और वी श्रीधर, 'असेसमेंट आफ पीएएचएस इन साइल एराउन्ड द इंटरनेशनल एअरपोर्ट इन दिल्ली, इण्डिया' जर्नल आफ हैजर्डर्स मैटेरियल्स 156(1–3), 2008, 9–16
- पी.एस. खिलारे, आर.आर. हक, वी. श्रीधर, टी. अग्रवाल, एस. बालचन्द्रन, 'टेम्पोरल वैरिएबिलिटी आफ बेन्जेन कंसन्ट्रेशन इन द एम्बिएन्ट एअर आफ दिल्ली : ए कम्पैरटिव असेसमेंट आफ प्रि ऐंड पोस्ट – सीएनजी पीरियड्स' जर्नल आफ हैजर्डर्स मैटेरियल्स, 154(1–3), 2008, 1013–8
- पी.एस. खिलारे, टी. सिंह, वी. श्रीधर और टी. अग्रवाल, 'विजिविलिटी इम्पेरिंग एअरोसोल्स इन द अर्बन एटमास्टियर आफ दिल्ली' एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट 141(1), 2008, 67–77
- एस. भट्टाचार्य, आर. जैन, शांति रोक्का, जे.एन. प्रधान, एन. गुलियन और ए. भट्टाचार्य, 'कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन1 आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ट्रांसिएन्टली एसोसिएट्स विद कैगोसाइट कप्स इन ए कैल्सियम इंडिपेंडेंट मैनर' सेल माइक्रोबायल, 10, 2008, 1373–1389
- जे.के. त्रिपाठी, एम.के. जैसवाल, पी. श्रीवास्तव, आर. इस्लाम, 'फिजिबिलिटी आफ द एसएआर टेक्नीक आन क्वार्टज सैण्ड आफ टेरॅसिस आफ एनडब्ल्यु हिमालय : ए केस स्टडी फ्राम देवप्रयाग' जिओकोनोमेटेरिया, 31, 2008, 45–52
- एस. भट्टाचार्य, ए. झिंगरन, पी.के. पदनाभन, ए. सिंह, के. अनामिका, ए.ए. बाक्रे, ए. भट्टाचार्य, एन. श्रीनिवासन और आर. मधुबाला, 'करेक्ट्राइजेशन आफ द एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका आर्निथाइन डिकार्बोक्सिलेस लाइक एन्जाइम' पीलास नेज़ल ट्राप डिस, 2, 2008
- एस. भट्टाचार्य, जी.डी. झिंगन, एस.के. पाणिग्रहि और ए. भट्टाचार्य, 'द न्यूक्लस इन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड एन्टामोइबा इनवेडेन्स इज लोकेटिड ऐट द न्यूक्लियर पेरिफेरी' मोल बायोकेम पैरासिटोल, 2009 (प्रकाशनाधीन)
- आई एस ठाकुर और जी. कौशिक, 'आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ डिस्टिलरी स्पेंट वाश कलर रिड्यूसिंग बैक्टेरिया ऐंड प्रोसिस आप्टिमाइजेशन बाई टगुची अप्रोच' बायोडिटेरिएशन बायोडिग्रेडेशन, 63, 2009, 420–426
- आई एस ठाकुर और जी. कौशिक, 'आइसोलेशन आफ फंगी ऐंड आप्टिमाइजेशन आफ प्रोसिस पैरामीटर्स फार डिकलराइजेशन आफ डिस्टिलरी मील एफ्लुएन्ट' वर्ल्ड जे माइक्रोबायोल, 2009
- आई एस ठाकुर और ए. शर्मा, 'करेक्ट्राइजेशन आफ पेन्टाक्लोरोफेनोल डिग्रेडिंग बैक्टेरियल कंसोर्टियम फ्राम केमोस्टेट' बुल एनवारयन कंटेन टेक्सिकोल, 81, 2008
- आई एस ठाकुर और ए. शर्मा 'इनरिचमेंट आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ पेंटाक्लोरोफिनोल डिग्रेडिंग बैक्टेरियम एसिनेटो बैक्टर एसपीआईएसटीपीसीपी–3 फ्राम एफ्लुएन्ट डिस्चार्ज साइट' बायोडिग्रेडेशन, 2009
- आई एस ठाकुर और अंजली सिंघल, 'डिकलराइजेशन ऐंड डिटोक्सिफिकेशन आफ पल्प ऐंड पेपर मील एफ्लुएन्ट बाई क्रिप्टोकोकस' एसपी, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 2009
- आई एस ठाकुर और अंजली सिंघल, 'आप्टिमाईजेशन आफ ग्रोथ मीडिया फार इंहेंस्ड प्रोडक्शन आफ लैक्कस बाई क्रिप्टोकोकस एल्बिड्स ऐंड इट्स एप्लिकेशन फार बायोरिमेडिएशन आफ केमिकल्स इंडस्ट्रियल वेस्टवाटर' जर्नल आफ एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग ऐंड साइंसिस, 2009
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 'अल्ट्रासोनिक इम्पैक्ट आन बैक्टेरियल पाप्यूलेशन इन सीवेज सैम्पल' इंटरनेशनल जर्नल आफ एनवायरनमेंटल ऐंड वेस्ट मैनेजमेंट, 2(3), 2008
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 'फिफ्टी गिगाहर्टज माइक्रोवेव एक्सपोजर इफैक्ट आफ रैडिएशंस आन रैट ब्रेन' एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री ऐंड बायोटेक्नोलाजी, 2008
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 'होल बाडी एक्सपोजर इफैक्ट ऐंड बायोलाजिकल इंटरएक्शन आफ लो लेवल इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड्स' साइंस ऐंड कल्चर, भाग 74, 2008, 301–96
- जे. बिहारी, एम. कुमार और के.के. केशरी, 'लो फ्रिक्वेंसी अल्ट्रासोनिक इरैडिएशन आफ एक्टिवेटिड स्लज', इंटरनेशनल जर्नल आफ एनवायरनमेंटल पाल्युशन, 2009 (प्रकाशनाधीन)

- जे. बिहारी, डी.के. तिवारी और पी. सेन, 'टाइम ऐंड डोज – डिपेंडेंट एन्टिमाइक्रोबायल पोटेंशल आफ एजी नैनोपार्टिकल्स सिन्थेसाइज्ड बाई टाप डाउन अप्रोच', करंट साइंस, 95(5), 2008, 647–655
- डी. मोहन, के.पी. सिंह, पी. कुंवर, एन.बी. सिंह, ए. मलिक, वी.के. सिंह, 'कीमोमेट्रिक्स असिस्टिड स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक डिटर्मिनेशन आफ पाइरिडाइन इन वाटर' एनालिटिका किमिका एक्टा, 630(1), 2008, 10–18
- वी. राजमणि, पी. मेहता और जे.के. त्रिपाठी, 'वेदरिंग आफ एम्फिबोलाइट इन द डिफ्रेंट क्लाइमेंट जोन्स आफ मैसूर प्लेट्यू, साउथर्न इण्डिया : रिलेटिव इम्पोर्टेन्स आफ जिओलाजी वर्सिस क्लायमेट इन राक वेदरिंग' जिओकिम कास्मोकिम एक्टा, 2009
- वी. राजमणि, जे.के. त्रिपाठी, वी.पी. मालवीय, 'वेदरिंग आफ लोवर क्रस्टल राक्स इन द कावेरी रीवर कैचमेंट साउर्थन इण्डिया : इंप्लिकेशंस टु सेडिमेंट जिओकेमिस्ट्री' केमिकल जिओलाजी, 2009
- के.जी. सक्सेना, एस. मिश्रा, आर.के. मैखुरी, सी.पी. काला और के.एस. राव, 'वाइल्ड लीफी वेजिटेबल्स : ए स्टडी आफ देयर सबसिस्टेन्स डाइटिक सपोर्ट टु द इनहैबिटेंट्स आफ नन्दा देवी बायोस्फेयर रिजर्व इण्डियाा' जर्नल आफ एथनोबायोलाजी ऐंड एनथोमेडिसिन, 4(15), 2008
- के.जी. सक्सेना, के. सिंह, आर.के. मैखुरी और के.एस. राव, 'करेक्ट्राइजिंग लैण्ड यूज डायवर्सिटी इन विलेज लैण्डस्केप फार सस्टेनेबल माउन्टेन डिवलपमेंट : ए केस स्टडी फ्राम इण्डियन' हिमालय एनवायरनमेंटलिस्ट, 28, 2008, 429–445
- एस. मुखर्जी, 'काजमिक इन्फ्लुएन्स आन सन अर्थ एनवायरनमेंट' सेंसर्स, 8, 2008, 7736–7752
- एस. मुखर्जी, 'रोल आफ सैटेलाइट सेंसर्स इन ग्राउन्डवाटर एक्सप्लोरेशन', सेंसर्स, 8, 2006–2016, 2008
- एस. मुखर्जी और पी. मुखर्जी, 'असेसमेंट ऐंड कम्पैरिजन आफ क्लासिफिकेशन टेक्नीक्स फार फारेस्ट इनवेंट्री एस्टिमेशन : ए केस स्टडी यूजिंग आईआरएस–आईडी इमेजरी' इंटरनेशनल जर्नल आफ जिओइंफार्मेटिक्स, (स्वीकृति) 2009
- एस. मुखर्जी, एस. शास्त्री, सी.के. सिंह, पी.के. श्रीवास्तव और एम. गुप्ता, 'इफैक्ट आफ कैनल आन लैण्ड यूज/लैण्ड कवर यूजिंग रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस' जे इण्ड साक रैम सेन, स्प्रिंगर, 2009 (स्वीकृति)
- एस. मुखर्जी, एस. शास्त्री, सी.के. सिंह, बी. कुमारी आर. कुमारी, आर. अवतार, ए. सिंह, ए. मुखर्जी और बी. सिंह, 'जिनेटिकली मोडिफाइड काटन स्पीसीज डिटेक्शन बाई लिस–3 सैटेलाइट डाटा' नेचर प्रिसिडिंग्स, 2008
- एस. मुखर्जी, 'रिटर्न आफ कोसी रीवर इनड्यूस्ड बाई तिब्बत अर्थक्वेक' नेचर प्रिसिडिंग्स, 2008
- एस. मुखर्जी, 'सन अर्थ काज्मिक कनेक्शन टु अण्डरस्टेंड अर्ली वार्निंग आफ अर्थक्वेक्स' जर्नल आफ अर्थ साइंस इण्डिया 2(2), 2009, 83–93
- एस. मुखर्जी, एस.के. सिंह, सी.के. सिंह, एस.के. कुमार और आर. गुप्ता, 'स्पेशल टेम्पोरल मानिटरिंग आफ ग्राउन्डवाटर यूजिंग मल्टिवैरिएट स्टेटिस्टिकल टेक्नीक्स इन बरेली डिस्ट्रिक्स आफ उत्तर प्रदेश, इण्डिया' जर्नल हाइड्रोल हाइड्रोमिक, 57, 2009, 1, 45–54
- एस. भट्टाचार्य, एस.के. पाणिग्रही, जी.डी. झिंगन, एस.ए. भट्टाचार्य और पेट्रि जुनियर डब्ल्यु.ए., 'प्रमोटर एनालिसिस आफ पालिंड्रोमिक ट्रांसक्रिप्शन यूनिट्स इन द राइबोसोमल डीएनए सर्कल आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका' युक सेल, 8, 2009, 69–76
- एन.जे. राजू, पी. राम और एस. डे, 'ग्राउन्डवाटर क्वालिटी इन द लोवर वरूण रीवर बेसिन, वाराणसी डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश, इण्डिया' जर्नल आफ जिओलाजिकल सोसायटी आफ इण्डिया, भाग–73, 2009, पृ. 178–192
- जे.के. त्रिपाठी, एस. सेनसरमा और वी. राजमणि, 'पेट्रोग्राफी ऐंड जिओकेमिकल करेक्ट्राइजिस्टिक्स आफ द सेडिमेंट्स आफ द स्माल रीवर हेमवती, साउथ इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार प्रोविनेन्स ऐंड वेदरिंग प्रोसिस' सेडिमेंट्री जिओलाजी, 205, 2008, 111–125
- जे.के. त्रिपाठी, पी. श्रीवास्तव, आर. इस्लाम, एम.के. जैसवाल, 'फैशन ऐंड फेज आफ लेट प्लेस्टोसिन एग्रेडेशन ऐंड इनसिजिन इन अलकनन्दा रीवर, वेस्टर्न हिमालय, इण्डिया' क्वाटर्नरी रिसर्च, 70, 2008, 68–80
- वी. सुब्रामणियन, यू.के. सिंह, एम. कुमार, पी.के. झा, आर. चौहान और ए.एल. रामनाथन, 'असेसमेंट आफ द इम्पैक्ट आफ लैण्डफिल आन ग्राउन्डवाटर क्वालिटी : ए केस स्टडी आफ द पिराना साइट इन वेस्टर्न इण्डिया' एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट, 141, 2008, 309–321

- के. मुखोपाध्याय,तहशिना शिरीन एम., वेणुगोपाल एस.के., घोष डी, बी. धवन और आर. गडपल्ली, 'इन विट्रो एन्टिमाइक्रोबायल एक्टिविटी आफ अल्फा मेलानोसाइट स्टिमलेटिंग हार्मोन अगेंस्ट मेजर ह्युमन पैथोजीन स्टेफिलोककस एयुरस' पेप्टाइड्स, 2009

पुस्तकें

- जे. बिहारी, 'बायोफिजिकल बोनबिहेवियर : प्रिंसिपल्स ऐंड ऐप्लिकेशंस' जान विले ऐंड संस, 2009
- ए.एल. रामनाथन, पी. भट्टाचार्य, ए.बी. मुखर्जी, जे. बन्डस्च, डी. चन्द्रशेखरम, ए.के. केशरी (सं.), 'ग्राउंडवाटर फार सस्टेनेबल डिवलपमेंट : प्राब्लम्स पर्सपेक्टिव्स ऐंड चैलेंजिस, टेलर ऐंड फ्रांसिस' ए.ए. बल्कमा, द नीदरलैण्ड्स, 2008, 484
- ए.एल. रामनाथन, आर. कृष्णामूर्ति, बी.सी. ग्लेवोविक, ए. कानन, डी.आर. ग्रीन, जैड हैन, एस. तुफी और टी. अगर्दी (सं.), 'इंटिग्रेटिड कोस्टल जोन मैनेजमेंट द ग्लोबल चैलेंज, रिसर्च पब्लिशिंग हाउस, सिंगापुर, 2008, पृ. 800
- बी. गोपाल, ए. चटर्जी और पी. गौतम, 'सेक्रेड वाटर्स आफ द हिमालय डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इण्डिया' नई दिल्ली, 6, 2008
- आई.एस. ठाकुर, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलाजी : बेसिक कंसेप्ट्स ऐंड एप्लिकेशन, आई.के. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, मुम्बई ऐंड बंगलौर, 2005 (2009 में संशोधित)
- आई.एस. ठाकुर, इंडस्ट्रियल बायोटेक्नोलाजी : प्राब्लम्स ऐंड रेमेडीज, आईके इंटरनेशनल प्रोइवेट लिमिटिड, नई दिल्ली, मुम्बई ऐंड बंगलौर, 2006 (2009 में संशोधित)

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- ए.एल. रामनाथन और अंशुमाली, 'फिजिकल फ्रेक्शनेशन आफ ट्रेस मेटल्स इन सर्फेस सेडिमेंट्स आफ द लेक प्रदोह लेसर हिमालय, इण्डिया' (सं.),, चौबे, कंजर्वेशन ऐंड रेस्टोरेशन आफ लेक्स, एनआईएच रूड़की, उत्तराखण्ड, इण्डिया, 2008
- बी. गोपाल और डी घोष, 'नेचुरल वेटलैण्ड्स : वेस्टवाटर ट्रीटमेंट' (सं.) जार्गेसन और बी.डी. फैथ, इनसाइक्लोपीडिया आफ इकोलाजी ऐंड इकोलाजिकल इंजीनियरिंग, भाग–3, एल्सवियर, एम्सटर्डम ऐंड आक्सफोर्ड, 2008, पृ. 2493–2504
- बी. गोपाल, इंटिग्रटिड रीवर बेसिन अप्रोच टु वेटलैण्ड कंजरवेशन, एशियन वेटलैण्ड्स संगोष्ठी की कार्यवाही, आईयूसीएन वियतनाम, हनोई, 2008
- बी. गोपाल, जंक वुल्फगैंग जे, फिनलेशन सी मैक्स और ब्रीन चार्ल्स एम, 'प्रिजेंट स्टेट ऐंड फ्युचर आफ ट्रापिकल वेटलैण्ड्स' (सं.) एन पालुनिन, एक्वाटिक इकोसिस्टम्स : ट्रेन्ड्स ऐंड ग्लोबल प्रास्पेक्ट्स, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, केम्ब्रिज, यूके, फाउंडेशन फार एनवायरनमेंटल कंजरवेशन, 2008, पृ. 141–154
- बी. गोपाल,एन.वी.सी. पालुनिन, ए जेजी निकोलस, एच.जे. स्टीफन, वी. जेटकोट और एम. एनेटी, 'सिन्थेसिस : ट्रेन्ड्स ऐंड ग्लोबल प्रास्पेक्ट्स आफ द अर्थ'स एक्वाटिक इकोसिस्टम्स' (सं.) एन. पालुनिन, एक्वाटिक इकोसिस्टम्स : ट्रेन्ड्स ऐंड ग्लोबल प्रास्पेक्ट्स केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, केम्ब्रिज, यूके, फाउंडेशन फार एनवायरनमेंटल कंजरवेशन, 2008, पृ. 350–362
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 50 जीएचजेड माइक्रोवेव एक्सपोजर इफैक्ट आफ रैडिएशंस आन आफ स्प्रिंग ऐंड रैड ब्रेन, इनफ्रेरिड ऐंड टेराहर्टज वेव्स, (आईआरएमडब्ल्यु – टीएचजैड) 978–1–4244–2120–6/08 (आन लाइन)
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 'इफैक्ट आफ मोबाइल फोन रैडिएशन एक्सपोजर आन रिप्रोडक्टिव सिस्टम आफ मेल रैट्स, माइक्रोवेव' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2008, पृ. 564–567
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 'होल बाडी 900 एमएचजेड रैडिएशन एक्सपोजर इफैक्ट आन एनजाइम एक्टिविटी इन मेल विस्टर रैट्स रेडिएशन साइंस (यूआरएसआई)' की 29वीं अन्तरराष्ट्रीय यूनियन, पृ. 1–4, (आन लाइन)
- जे. बिहारी और के.के. केसरी, 'कम्पैरटिव स्टडी आफ 900 एमएचजेड ऐंड 2.45 जीएचजैड रैडिएशन इफैक्ट आन रिप्रोडक्टिव सिस्टम आफ मेल रैट्स' (सं.) आर.एस. शर्मा, रजना, रिसेंट एडवांसिस ऐंड चैलेंजिस इन रिप्रोडक्टिव हैल्थ रिसर्च, इण्डियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च पब्लिकेशन, 2008, पृ. 277–291
- जे. बिहारी और डी. प्रकाश, 'सिनरजिस्टिक रोल आफ हाइड्रोक्सिपेटाइट नैनोपार्टिकल्स ऐंड पल्सड इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थैरपि टु प्रिवेन्ट बोन लास इन रैट्स फालोइंग एक्सपोज्ड टु सिमुलेटिड माइक्रोग्रेविटी, रिसेंट एडवांसिस इन माइक्रोवेव थीअरि ऐंड एप्लिकेशंस, 2008, पृ. 572–573

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- प्रीति सिंह, 'टुवर्डस सोशल चेंज : चिली'स इनोवेटिव अप्रोचिस ऐंड स्ट्रेटजीस' वर्ल्ड फोकस, पृ. 74–77, फरवरी 2009

यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- राजेन्द्र के जैन, 'द यूरोपीयन यूनियन ऐंड सार्क : द फर्स्ट एनलार्जमेंट ऐंड आफ्टर' एशिया पेस्फिक जर्नल आफ ईयू स्टडीज, सिओल, विशेष अंक, भाग–6, अंक–1, 2008, पृ. 83–99
- राजेन्द्र के जैन, 'इंडिया – ईयू स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' इकोनामिक पेपर्स 43, (वार्सा : इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज, वार्सा स्कूल आफ इकोनामिक्स), 2008 पृ. 81–90
- गुलशन सचदेवा, 'इण्डिया ईयू इकोनामिक लिंकेज्स : नीड टु ब्रोडन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–45, अंक–4, 2008
- गुलशन सचदेवा, 'इण्डिया ऐंड द ईयू : टाइम टु डे ब्यूरेक्रेटाइज स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप, स्ट्रेटजिक एनालिसिस, रूटलेज, भाग–33, अंक–2, 2009

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र

- एस. बंसल, 'च्वाइस ऐंड डिजाइन आफ रेग्यूलेटरी इंस्ट्रूमेंट्स इन द प्रिजेंस आफ ग्रीन कंज्युमर्स' रिसोर्स ऐंड एनर्जी इकोनामिक्स, 30, 2008, 345–368
- अलोकेश बरूआ, 'पर्सपेक्टिव्स आन ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट इन द नार्थ ईस्ट : द लुक ईस्ट पालिसी ऐंड बियांड' (संतोष दास के साथ) मार्जिन – द जर्नल आफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च, भाग–2, अंक–4, नवम्बर 2008
- मीता के. मेहरा, 'इंटरएक्शन बिटवीन ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट पालिसीज विद स्पेशल इंट्रेस्ट पालिटिक्स, द एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट इकोनामिक्स, प्रस्तुत, संशोधित किया जाना है, प्रकाशन हेतु पुनः प्रस्तुत।
- ए.एस. रे,, 'लर्निंग ऐंड इनोवेशन इन द इण्डियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री : द रोल आफ आईपीआर ऐंड अदर पालिसी इंटरवेशंस' रिसीस इलैक्ट्रानिक्स जर्नल आफ कम्यूनिकेशन इंफार्मेशन ऐंड इनोवेशन इन हैल्थ, भाग–2, अंक–2, 2008
- अपर्णा साहनी और राजीव कुमार, 'रेजुवनेटिंग सार्क : द स्ट्रेटजिक पेआक्स फार इण्डिया' ग्लोबल इकोनामी जर्नल, बर्कले इलैक्ट्रानिक प्रेस, भाग 8(2), 2008
- अभिजीत सेनगुप्ता, 'डज कैपिटल एकाउन्ट कनवर्टबिलिटी लोवर इनफ्लेशन', इंटरनेशनल इकोनामिक जर्नल, भाग–22, अंक–4, दिसम्बर 2008, पृ. 471–487
- गुरबचन सिंह, 'फाइनेंशल सैक्टर रिफार्म्स', इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–43, अंक–36, 6 सितम्बर 2008

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'वेपन्स आफ मास डिस्ट्रक्शन ट्रांस्फर्स इन एशिया : एन एनालिसिस' इंटरनेशनल स्टडीज, नई दिल्ली, भाग–45, अंक–1, पृ. 45–73, 2008
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'तिब्बतन अपराइजिंग : चाइना'स रिस्पांसिस' वर्ल्ड फोकस, अंक–339, अप्रैल 2008, पृ. 127–134
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'साइनो–रशियन रिलेशंस : अनवेलिंग आफ पर्मानेंट पीस' वर्ल्ड फोकस, अंक–344, भाग–9, अंक–8, अगस्त 2008, पृ. 316–318
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'चाइना'स पीस पावर' एअर पावर जर्नल, भाग–4, अंक–1, जनवरी–मार्च 2009, पृ. 63–78
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'अपरच्युनिटीज इन टाइम्स आफ टरमाइल : चाइना'स वाइट पेपर 2009' वर्ल्ड फोकस अंक, अंक–351, भाग–30, अंक 3, मार्च 2009

- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'बीजिंग ओलम्पिक्स : ए टर्ब्युलेंट जर्नी इन टु फेम' वर्ल्ड फोकस इश्यू, अंक 351, भाग–30, अंक 3, मार्च 2009, पृ. 91–94

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- येशी शोयदन, 'पैराडाक्स आफ इंटरनेशनल सिस्टम इन द केस आफ तिब्बत क्वेश्चन' वर्ल्ड फोकस, अंक–4, अप्रैल 2008
- राजेश राजगोपालन, वरूण साहनी के साथ 'इण्डिया ऐंड द ग्रेट पावर्स : स्ट्रेटजिक इम्प्रेटिव्स, नार्मेटिव नैसिसिटीज' साउथ एशियन सर्वे, 15:1, जनवरी–जून 2008, पृ. 5–32

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- मंदिरा दत्ता, 'इण्डिया–अफगानिस्तान रिलेशंस : अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस : वर्ल्ड फोकस, इण्डिया'स फारेन पालिसी' इश्यू ऐंड चैलेंजिस, नवम्बर– दिसम्बर 2008, 347–348 वार्षिक अंक
- शरद के. सोनी, 'इण्डिया'स रिस्पांस टु तिब्बतन अनरेस्ट 2008' हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, नई दिल्ली, भाग–13, अंक–1, जनवरी–मार्च 2009, पृ. 102–110
- शरद के. सोनी, 'द यूनाइटिड नेशंस ह्युमन राइट्स काउंसिल (फस्ट सेशन) : ए रिपोर्ट' हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, नई दिल्ली, भाग–12, अंक 2, अप्रैल–जून 2008, पृ. 91–98
- शरद के. सोनी, 'मंगोलियन कजाक डाइसपोरा : स्टडी आफ लार्जेस्ट एथनिक माइनार्टी इन मंगोलिया बायोमंथली जर्नल आफ मंगोलियन ऐंड तिब्बतन करंट सिचुएशन' ताईपेई, ताईवान, भाग–17, अंक–3, मई 2008, पृ. 31–49
- शरद के. सोनी, 'प्रमोटिंग ट्रेडिशनल कल्चर इन कंटेम्पोरॅरि मंगोलिया' बुलिटिन द आईएएमएस न्यूज इंफोर्मेशन आन मंगोल स्टडीज, उलानबटार, अंक 2(40), 2007 और अंक–1(41), 2008 पृ. 106–113
- महेश रंजन देबाता, 'सेंट्रल एशियन स्टडीज इन जेएनयू : पालिटिक्स, इकोनामी ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस' (सं.) ज्योत्सना बक्शी, सेंट्रल–एशिया इण्डिया डायलाग : बिल्डिंग ए पार्टनरशिप आन द फाउण्डेशन आफ रिच कल्वरल ऐंड हिस्टोरिकल हैरिटेज, ताशकन्द, एलबीएससीआईसी ऐंड एमजीआईसी, 2008, पृ. 22–37
- महेश रंजन देबाता, 'थ्री इविल फोर्सिस इन जिन जियांग : रोल आफ शंघाई कोआपरेशन आर्गेनाइजेशन' (सं.) एल के शोतवकोवा, जी एम स्मागुलवा और एसएम नुरझानोवा, कोआपरेशन बिटवीन सेंट्रल एशिया कंट्रीज ऐंड इण्डिया : द हिस्टोरिकल रिलेशंस ऐंड पर्सपेक्टिव्स, 2008, पृ. 20–26
- महेश रंजन देबाता, 'टेररिज्म इन चाइना'स जिंगजियांग रीजन : एन ओवरव्यू' जर्नल आफ साइंस ऐंड सोसायटी, भाग–1, अंक–1, 2007–08, पृ. 57–67

पुस्तकें

कनाडियन, यूएस और लेटिन–अमरीकी अध्ययन केंद्र

- चिन्तामणि महापात्रा, 'द यूएस अप्रोच टु द इस्लामिक वर्ल्ड इन पोस्ट 9/11 ईरा' अकादमिक फाउण्डेशन, नई दिल्ली, 2009

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र

- आलोकेश बरूआ, 'द डब्ल्यूटीओ इण्डिया : इश्यूज ऐंड निगोसिएटिंग स्ट्रेटजीस' (आगामी)
- मनोज पंत, 'नार्थ ईस्टर्न रीजन : विजन 2020' उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार, मई 2008
- अभिजीत सेनगुप्ता (राजीव कुमार के साथ), 'इण्डिया ऐंड द ग्लोबल इकोनामी' अकादमिक फाउण्डेशन, प्रकाशक, 2008

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- अल्का आचार्य, 'चाइना ऐंड इण्डिया : पालिटिक्स आफ इंक्रीमेंटल इनगेजमेंट', हर आनन्द पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2008

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- जयती श्रीवास्तव, 'ए क्रिटिकल लुक ऐट इकोनामिक गवर्नेन्स इन इण्डिया : द केस आफ नेशनल फारेन ट्रेड पालिसी' जयपुर : कट्स इंटरनेशनल (भारत में नार्वे और आक्सफेम नोविब, द नीदरलैण्ड्स के साहयोग से), 2008

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- गंगनाथ झा, 'सोसायटी ऐंड पालिटिक्स इन साउथईस्ट एशिया, अनामिका प्रकाशक, नई दिल्ली, 2009'
- के. वारिकू (सं.) 'हिमालयन फ्रंटियर्स आफ इण्डिया' रूटलेज, लंदन, न्यूयार्क, 2009, पृ. 220
- के. वारिकू (सं.) 'कल्चरल हैरिटेज आफ जम्मू ऐंड कश्मीर' पेंटागन, नई दिल्ली : 2009, पृ. 338
- के. वारिकू (सह–लेखक) 'कल्चरल हैरिटेज आफ कश्मीरी पण्डित्स' पेंटागन, नई दिल्ली, 2009 xxxviii पृ. 363
- मंदिरा दत्ता, (सं.) 'इमर्जिंग अफगानिस्तान इन द थर्ड मिलेनियम' पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, फरवरी 2009

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- अनुराधा एम. चिनॉय, 'वुमन वार ऐंड पीस, सिक्यूरिटी काउंसिल रिजोल्युशन 1325, पीस वुमन एक्रास द ग्लोब' स्वीटजरलैण्ड ऐंड संगत, नई दिल्ली, 2009
- अनुराधा एम. चिनॉय, 'द जेंडर ऐंड ह्युमन सिक्यूरिटी डिबेट : इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज' बुलेटिन, भाग 40, अंक–2, मार्च 2009, पृ. 44–49
- अनुराधा एम. चिनॉय, 'आर्म्स ट्रेड ट्रीटी ऐज द वे फारवर्ड' (सं.) बीनालक्ष्मी नेपरम, इण्डिया ऐंड द आर्म्स ट्रेड ट्रीटी, इण्डियन रिसर्च प्रेस, नई दिल्ली, 2009
- अनुराधा एम. चिनॉय, 'सिक्यूरिंग डिवलमेंट' 2008
- अनुराधा एम. चिनॉय,'इण्डिया ऐंड रशिया : एलियस इन द इंटरनेशनल पालिटिकल सिस्टम : एलियस इन द इंटरनेशनल पालिटिकल सिस्टम' साउथ एशियन सर्वे, भाग–15, अंक–1, जनवरी–जून 2008, पृ. 49–62
- अनुराधा एम. चिनॉय, 'द सिचुएशन आफ वुमन इन आर्म्ड कंफ्लिक्ट' (सं.) लैरी मेबी और के.सी. सौम्या, द 1977 प्रोटोकोल्स एडिशनल टु द जिनेवा कनवेंशंस की 30वीं वर्षगाँठ, रेडक्रास, नई दिल्ली की अन्तरराष्ट्रीय समिति, 2008
- अजय कुमार पटनायक, 'स्ट्रेटजिक सिग्निफिकेंस आफ साइबेरिया फार रशिया' (सं.) सुचन्दना चटर्जी, अनिता सेनगुप्ता और सुस्मिता भट्टाचार्य, 'एशियाटिक रशिया : पार्टनरशिप ऐंड कम्यूनिटीज इन यूरेशिया', शिप्रा प्रकाशक दिल्ली, 2009
- अजय कुमार पटनायक, 'इण्डिया–सेंट्रल एशिया : द क्वाड्रिलेट्रल फ्रेमवर्क' (सं.) पी.एल. दास, इमर्जिंग एशिया इन फोकस : इश्यूज ऐंड प्राब्लम्स, अकादमिक एक्सिलेन्स, मुम्बई, 2008
- अजय कुमार पटनायक, 'सेंट्रल एशिया इन इण्डो–रशियन स्ट्रेटजिक कैलकुलेशंस' (सं.) पी.एल. दास और अन्द्रेई नजरकिन, इण्डो–रशियन डिप्लोमेटिक रिलेशंस : सिक्सटी ईयर्स आफ इनड्यूरिंग लिगेसी, अकादमिक एक्सिलेन्स, मुम्बई, 2008
- अरूण कुमार मोहन्ती, 'रशियन–ईरानियन रिलेशंस इन द कंटेम्पोररि वर्ल्ड' (सं.) अनवार आलम, ईरान ऐंड पोस्ट 9/11 वर्ल्ड आर्डर : रिफ्लेक्शन आन ईरानियन न्यूक्लियर प्रोग्राम, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2009, पृ. 60–74
- अरूण कुमार मोहन्ती, 'ब्रिक रिवोल्युशन इन मोलडोवा', यूरेसियन रिपोर्ट, भाग–2, अंक–4, 2009, पृ. 47–57
- अरूण कुमार मोहन्ती, 'आर्थोडाक्स चर्च ऐंड फार्मेशन आफ रशियन आइडेंटिटी' (सं.) रंजना सक्सेना और रोशमी दोरास्वामी, रशिया ऐट द क्रासरोड्स : लैंग्यूवेज, लिट्रेचर कल्चर ऐंड सोसायटी इन द 21 सेंचुरी' उण्डाप्रियाल, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2009
- अरूण कुमार मोहन्ती, 'रिफ्लेक्शंस आन कजाक इकोनामिक ट्रांसफार्मेशन' यूरेशियन रिपोर्ट, भाग–2, अंक–3, 2008, पृ. 64–73
- अरूण कुमार मोहन्ती, 'इण्डो–रशियन ट्रेड ऐंड इकोनामिक कोआपरेशन', हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, भाग–12, अंक–2, 2008, पृ. 51–65
- अरूण कुमार मोहन्ती, 'जेंसिस आफ रशिया–जार्जिया कंफ्लिक्ट' यूरेशियन रिपोर्ट, भाग–2, अंक–2, 2008, पृ. 53–68

- संजय कुमार पाण्डेय, 'रशिया ऐंड इण्डिया : पुटिंग बैक रिलेशंस आन एन इवन कील' (सं.) पी.एल. दास और अन्द्रेई एम नजरकिन, इण्डो–रशियन डिप्लोमेटिक रिलेशंस' सिक्सटी ईयर्स आफ इनड्यूरिंग लिगेसी अकादमिक एक्सिलेंस, नई दिल्ली, 2008, 114–129
- संजय कुमार पाण्डेय, 'रशियन फारेन पालिसी अंडर पुतिन : प्राग्मेटिज्म अनबाउण्ड' वर्ल्ड फोकस, भाग–29, अंक–8, अगस्त 2008, पृ. 311–315
- संजय कुमार पाण्डेय, 'इण्डो–किरगिज रिलेशंस : द सर्च फार न्यू हारिजन्स' (सं.) के. संथानम और रमाकान्त द्विवेदी, इण्डिया किरगिज रिलेशंस : पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स अनाम्या प्रकाशक, नई दिल्ली, 2008, पृ. 1–15
- संजय कुमार पाण्डेय, 'इण्डिया इन द रशियन फारेन पालिसी डिबेट' (सं.) परमजीत सहाय, इण्डिया–यूरेशिया : द वे अहेड, सेंटर फार रिसर्च इन रूरल ऐंड इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, चण्डीगढ़, 2008, पृ. 24–36
- अर्चना उपाध्याय, इण्डिया'स फ्रेजिल बाडरलैण्ड्स : डायनेमिक्स आफ टेररिज्म इन नार्थ ईस्ट इण्डिया, आई बी वौरिस, लंदन, 2009
- फूल बदन, 'सिक्यूरिटी प्राब्लम्स इन सेंट्रल एशिया : रोल आफ शंघाई कोआपरेशन आर्गेनाइजेशन' (सं.) पी.एल. दास, इमर्जिंग एशिया इन फोकस इश्यूज ऐंड प्राब्लम्स, अकादमिक एक्सिलेंस, नई दिल्ली, 2008
- प्रीति डी दास (सह लेखक अमर बसु के साथ), 'ए टेक्सस्टबुक आफ रशियन लैंग्यूवेज, सनराइज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- नलिन कुमार महापात्रा, 'डान्स आफ द ड्रेगन : सीआईएस ऐंड एससीओ ऐज रीजनल कोआपरेशन मकेनिज्म इन यूरेशिया' (सं.) पी.एल. दास, इमर्जिंग एशिया इन फोकस : इश्यूज ऐंड प्राब्लम्स, अकादमिक एक्सिलेन्स, मुम्बई, 2008, पृ. 273–288
- के.बी. ऊषा, 'अरल सी क्राइसिस इन सेंट्रल एशिया : ए रिव्यू आफ इम्पैक्ट आफ एनवायरनमेंटल डिग्रेडेशन इन ए ह्यूमन सिक्यूरिटी पर्सपेक्टिव' क्लायमेट, एनर्जी ऐंड एनवायरनमेंट विषयक शोध आलेख, भाग–1, अंक, जुलाई–दिसम्बर 2008, पृ. 9–41
- के.बी. ऊषा, 'पोस्ट–वार नेशन बिल्डिंग इन अफगानिस्तान : द यूएस रेटोरिक आफ वुमन'स लिब्रेशन ऐंड डेमोक्रेसी' इण्डियन जर्नल आफ पालिटिक्स ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस, भाग–1, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2008, पृ. 253–26
- के.बी. ऊषा, 'इन सर्च आफ ह्युमन सिक्यूरिटी' (सं.) रतनमुत्थु सुगाथन और कमल किशोर मिश्रा, रैण्डम प्लुरल्स, वर्ल्ड मीनिंग ऐंड पर्सपेक्टिव, अनु–अंजली प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 237–243
- के.बी. ऊषा, 'बाबा साहेब बी.आर. अम्बेडकर ऐज मार्डन पालिटिकल थिंकर चैम्पिएनिंग वुमन'स राइट्स' (सं.) रतनमुत्थु सेनगुप्ता और कमल किशोर मिश्रा, रेण्डम प्लुरल्स : वर्ल्ड मीनिंग ऐंड प्रास्पेक्टिव, अनु–अंजली प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 183–197

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- जी. डायटल, 'शियाज ऐंड सुन्नीज इन इराक : ए वाइडनिंग रिफ्ट', इन वार आन इराक : 2003, जीएसपी, नई दिल्ली, 2008
- जी. डायटल, 'इराक एससीओ ऐंड द ग्राण्ड चेसबोर्ड' (सं.) राजेन्द्र एम अभ्यंकर, वेस्ट एशिया ऐंड द रीजन : डिफाइनिंग इण्डिया'स रोल, अकादमिक फाउण्डेशन, नई दिल्ली, 2008
- जी. डायटल, 'रि–इनगेजिंग विद ईरान' (सं.) आई.पी. खोसला, इण्डिया ऐंड द गल्फ, कोणार्क प्रकाशक, नई दिल्ली, 2009
- जी. डायटल, 'ईरान सउदी अरेबिया ऐंड द बॉम्ब', जर्नल आफ साउथ एशियन ऐंड मीडिल ईस्टर्न स्टडीज, (विलानोवा), भाग–31, अंक–4, 2008
- जी. डायटल, 'सब स्टेट आइडेंटिटी ऐंड स्टेट सिक्यूरिटी : द सैक्टेरियन डिवाइड इन इराक' (सं.) दिलीप लाहिरी : इमर्जिंग सिक्यूरिटी कंसर्न्स इन वेस्ट एशिया, मैकमिलन इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली, 2009
- ए.के. दुबे (सं.), 'फ्रांस ऐंड अफ्रीका ऐंड इण्डियन पर्सपेक्टिव', कलिंग, दिल्ली, 2009
- ए.के. दुबे (सं.), इण्डिया ऐंड फ्रेंकाफोन अफ्रीका अण्डर ग्लोबलाइजेशन, कलिंग, दिल्ली, 2008
- पी.सी. जैन, 'नान–रेजिडेन्ट इण्डियन इण्टरप्रन्यूर्स इन द यूनाइटिड अरब अमीराम्त्स, मानक प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, आगामी 2009

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत समूह

- कमल मित्रा चिनॉय, 'फ्राम 'नाम' लीडरशिप टु एलाइन्स विद इम्पेरिलिज्म' (सं.) के.एस. पार्थासारथी, निरन्थर, बी.वी. काक्किल्य संभावना ग्रन्थ, एम.एस. कृष्णन मेमोरियल ट्रस्ट, बंगलौर, 2009, पृ. 491–500
- कमल मित्रा चिनॉय, 'इण्डिया'स फारेन पालिसी शिफ्ट्स ऐंड द कैल्कुलस आफ पावर' (सं.) एस.के. पाण्डे, इण्डो–यूएस न्यूक्लियर डील : ए रिफ्रेंस कम्पाइलेशन दिल्ली यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स, दिल्ली, 2008, पृ. 234–254
- निवेदिता मेनन, 'सैक्सचुअल्टी, कास्ट, गवर्नमेंटेलिटी : कंटेस्ट ओवर' जेंडर इन इण्डिया, फेमिनिस्ट रिव्यू, अंक–91, 2009
- निवेदिता मेनन, 'थिंकिंग थ्रू द पोस्टनेशन' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 7 मार्च 2009
- निवेदिता मेनन, 'सिटिजनशिप ऐंड द पैसिव रिवोल्युशन : इंटरप्रेटिंग द फर्स्ट अमेंडमेंट' (सं.) राजीव भार्गव, पालिटिक्स ऐंड ऐथिक्स आफ द इण्डियन कंस्टीट्यूशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- चिन्तामणि महापात्रा, 'रिफलेक्शंस आन इण्डिया–आस्ट्रेलिया–यूएस स्ट्रेटजिक ट्राइएंगल' (सं.) डी. गोपाल, इण्डिया–आस्ट्रेलिया रिलेशंस : कनवरजेन्सिस ऐंड डाइवरजेंसिस, शिप्रा, नई दिल्ली, 2008
- चिन्तामणि महापात्रा, 'अमेरिकन हेगमनी इन वाना रीजन : चैलेंजिस फार इण्डिया' (सं.) अनवार आलम, इण्डिया ऐंड वेस्ट एशिया इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन, न्यू सेंचुरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- चिन्तामणि महापात्रा, 'यू.एस. ताईवान रिलेशंस : कल्क्रम आफ एशियन स्टेबिलिटी' (सं.) एम.जे. विनोद, योंग कुआंग जेर और एस.वाई. सुरेन्द्र कुमार, सिक्यूरिटी चैलेंजिस इन द एशिया पेस्फिक रीजन : द ताईवान फैक्टर, विवा बुक्स, नई दिल्ली, 2009
- चिन्तामणि महापात्रा, 'प्राडिगम शिफ्ट इन इण्डो–यूएस रिलेशंस : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' (सं.) आर.एस. यादव और सुरेन्दर ढांढा, इण्डिया'स फारेन पालिसी : चेंजिंग ट्रेंड्स, शिप्रा, नई दिल्ली, 2009
- चिन्तामणि महापात्रा, 'अमेरिकन डिबेट आन ईरान'स न्यूक्लियर प्रोग्राम' (सं.) अनवार आलम, ईरान ऐंड पोस्ट 9/11 वर्ल्ड आर्डर, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2009
- प्रीति सिंह, 'सोसियो–इकोनामिक इनइक्वैलिटी आफ ट्राइब्ल्स इन इण्डिया' (सं.) डी. गोपाल और एलन मेने, कल्चरल डायवर्सिटी, गवर्नेन्स ऐंड पालिसी : इण्डिया–आस्ट्रेलिया, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- प्रीति सिंह, 'करंट डिस्कोर्स आन इनडिजिनस ट्रायबल राइट टु सेल्फ गवर्नमेंट : ए कम्पैरटिव एनालिसिस आफ कनाडा ऐंड इण्डिया' (सं.) क्रिस्टोफर एस राज और एम.सी. एन्ड्रू मल्टिकल्चरलिज्म पब्लिक पालिसी ऐंड प्राब्लम एरियाज इन कनाडा, मानक, नई दिल्ली, 2009
- प्रीति सिंह, 'इलुसिव जस्टिस : डेनियल फ्रेम फार द ट्राइबल पुअर इन इण्डिया' (सं.) अमीता सिंह और नसीर असलम जहीद, स्ट्रेंथनिंग गवर्नेंस थ्रू एक्सिस टु जस्टिस, पीएचआई लर्निंग, नई दिल्ली, 2009

यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- उमा सलमा बावा, 'द स्ट्रेटजिक शेप आफ द वर्ल्ड' (सं.) अमित दासगुप्ता, द स्ट्रेटजिक शेप आफ द वर्ल्ड, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- उमा सलमा बावा, 'द ईयू ऐंड इण्डिया : चैलेंजिस टु ए स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' (सं.) जिओवानी ग्रेवी और अल्वारो डे वैस्कोंस्लोस, पार्टनरशिप फार इफैक्टिव मल्टिलैटरिज्म ईयू रिलेशंस विद ब्राजील, चाईना, इण्डिया ऐंड रशिया, मई 2008
- उमा सलमा बावा, 'इण्डिया ईयू रिलेशंस : बिल्डिंग ए स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' (सं.) रिचर्ड बाल्म और ब्रेन ब्रिज्स, यूरोप–एशिया रिलेशंस, बिल्डिंग मल्टिलेटररिज्म्स, बासिंग्स्टोक, हैम्पसायर, पालग्रेव, 2008
- शशिकान्त झा, 'कंसिक्वेंसिस आफ कास्ट पालिटिक्स' (सं.) प्रवीन कुमार झा, इंपावरिंग मार्जिनेलाइज्ड कम्यूनिटीज, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2008

- राजेन्द्र के. जैन, 'द यूरोपीयन यूनियन ऍंड रीजनल कोआपरेशन इन साउथ एशिया' (सं.) शैजिया अजीज बुलवर्स, ईयू इण्डिया रिलेशंस : ए क्रिटिक फाउन्डेशन बुक्स, नई दिल्ली, 2008, पृ. 77–95
- राजेन्द्र के. जैन, 'इण्डिया ईयू स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' (सं.) रीमुण्ड सीडलमैन और एन्ड्रेस वैसिलच, यूरोपीयन यूनियन ऍंड एशिया : ए डायलाग आन रीजनलिज्म ऍंड इंटररीजनल कोआपरेशन, बेडन–बेडन–नोमोस वेरलाग, 2008, पृ. 277–298
- राजेन्द्र के. जैन, 'द ईयू ऍंड इण्डिया'स लो प्रोफाइल रिलेशंस' (सं.) सुसान ग्रेटस, आईबीएसए : एन इंटरनेशनल एक्टर ऍंड पार्टनर फार द ईयू ? वर्किंग पेपर–63, फ्रीड, मैरिडाड, जुलाई 2008, पृ. 21–24
- राजेन्द्र के. जैन, 'टीचिंग द ईयू इण्डिया' (सं.) मार्टिन हालैण्ड, सिल्वियो जोरा और पीटर रेयान, द फ्युचर आफ यूरोपीयन स्टडीज इन एशिया, एशिया यूरोप फाउंडेशन, सिंगापुर, ईयू इंस्टीट्यूट इन जापान, कांसई, नेशनल सेंटर फार रिसर्च आन यूरोप, 2008, पृ. 125–128
- राजेन्द्र के. जैन, 'द यूरोपीयन यूनियन ऍंड ईरान', (सं.) अनवार आलम, ईरान ऍंड पोस्ट 9/11 वर्ल्ड आर्डर, न्यू सेंचुरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009, पृ. 41–49

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र

- अलोकेश बरूआ, 'इंट्रोडक्शन' (आर एम स्ट्रेन के साथ) (सं.) अलोकेश बरूआ और रोबर्ट एम स्ट्रेन, द डब्ल्युटीओ ऍंड इण्डिया : इश्यूज ऍंड निगोसिएटिंग स्ट्रेटजीस, ओरिएन्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली (आगामी)
- अलोकेश बरूआ, 'ट्रेड ऍंड इंडस्ट्रियल परफार्मेन्स सिन्स द डब्ल्युटीओ रिफार्म्स : वाट इण्डियन इविडेन्स सजेस्ट' (देवाशीष चक्रबर्ती और पावेल चक्रबर्ती के साथ) (सं.) अलोकेश बरूआ और रोबर्ट एम. स्ट्रेन, द डब्ल्यु टी ओ ऍंड इण्डिया : इश्यूज ऍंड निगोसिएटिंग स्ट्रेटजीस, ओरिएन्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली
- अलोकेश बरूआ, 'ओपननेस ऍंड रीजनल इनइक्वैलिटी : हाऊ डज इण्डिया परफार्म (पावेल चक्रबर्ती और संचारी राय के साथ)' (सं.) अलोकेश बरूआ और रोबर्ट एम. स्ट्रेन, द डब्ल्युटीओ ऍंड इण्डिया : इश्यूज ऍंड निगोसिएटिंग स्ट्रेटजीस, ओरिएन्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, (आगामी)
- मीता मेहरा, 'ट्रेड एनवायरनमेंट ऍंड नेचुरल रिसोर्सिस : ए डिवलपिंग कंट्री पर्सपेक्टिव' (सं.) के. चौपड़ा और वी. दयाल, हैण्डबुक आफ एनवायरनमेंटल इकोनामिक्स इन इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (आगामी)
- मनोज पंत, 'इण्डो–यूएस ट्रेड रिलेशंस : ए स्ट्रेटजिक अप्रोच' इण्डिया–यूएस रिलेशंस : एड्रेसिंग द चैलेंजिस आफ द 21स्ट सेंचुरी, (सं.) एन एस सिसोदिया, पीटर आर लेवाय, सी सेमुल और रोबिन वाकर, मैग्नम बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, सितम्बर 2008
- मनोज पंत, 'डज ओपननेस प्रमोट कम्पटीशन : ए केस स्टडी आफ इण्डियन मैन्युफैक्चरिंग' मनोरंजन पटनायक के साथ, रीडिंग्स इन इण्डियन एग्रीकल्चर ऍंड इंडस्ट्री, (सं.) के.एल. कृष्णा और उमा कपिला, अकादमिक फाउन्डेशन, नई दिल्ली, 2009
- अपर्णा साहनी, 'एनवायरनमेंटल कम्पलाइन्स इन इण्डिया' (सं.) तारांतिनो, गवर्नेंस, रिस्क ऍंड कम्पलाइन्स हैण्डबुक : टेक्नोलाजी फाइनेन्स, एनवायरनमेंटल ऍंड इंटरनेशनल गाइडेन्स बेस्ट प्रेक्टिसिस, अध्याय–29, विले प्रकाशक, 2008
- अभिजीत सेनगुप्ता, 'हाऊ हज कैपिटल एकाउन्ट कनवर्टबिलिटी इम्पैक्ट इनफलेशन' (सं.) ए पाठक और एस.एन. घोषाल, कैपिटल एकाउन्ट कनवर्टबिलिटी, इकोनोमिक ग्रोथ ऍंड इंफ्लेशन, द आईसीएफआई यूनिवर्सिटी प्रेस, दिसम्बर 2008
- अभिजीत सेनगुप्ता, 'टुवर्ड ए कम्पटीटिव मैन्यु फैक्चरिंग सैक्टर' (सं.) राजीव कुमार और अभिजीत सेनगुप्ता, इण्डिया ऍंड द ग्लोबल इकोनामी, अकादमिक फाउन्डेशन, मई 2008

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'चाइना'स मैरिटाइम स्ट्रेटजी इन एशिया पेस्फिक : ए व्यू फ्राम इण्डिया' (सं.) पी.वी. राव, इण्डिया ऍंड एशियान : पार्टनर्स ऐट समिट, नालेज वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2008, पृ. 253–278
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'राइजिंग चाइना' इन साउथ एशिया डिफेंस ऍंड स्ट्रेटजिक ईयरबुक 2008, पंचशील प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'साइनो–ईरानियन रिलेशंस : काबलिंग ए यूनाइटिड फ्रन्ट' (सं.) अनवार आलम, ईरान ऍंड पोस्ट 9/11 वर्ल्ड आर्डर : रिफलेक्शंस इन ईरानियन न्यूक्लियर प्रोग्राम, न्यू सेंचुरी प्रकाशन, दिल्ली, 2008, पृ. 75–100

- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'चाइना'स इंटरएक्शन विद साउथ एशिया : न्यू बिगनिंग्स' (सं.) टी निर्मला देवी और अदलुरी सुब्रमणियम राजू, इनविजनिंग ए न्यू साउथ एशिया, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009, पृ. 203–219
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'चाइना'स नेशनल डिसिजन मेकिंग प्रोसिस : की इंस्टीट्यूशंस, एक्टर्स ऐंड थीम्स' (सं.) राहुल के. भोसले, इण्डिया'स कम्प्रीहेंसिव नेशनल पावर : सिनर्जी थ्रू ज्वाइंट डिसिजन–मेकिंग कंजोव्स प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009, पृ. 139–152
- श्रीकांत कोंडापल्ली, 'राइज आफ चाइना ऐंड टेरिटोरियल डिस्प्युट्स' (सं.) सिन हुआन माइकल सिअवो और चेंग यी लिन, राइज आफ चाइना : बीजिंग'स स्ट्रेटजीस ऐंड इंप्लिकेशंस फार द एशिया पेस्फिक, रूटलेज, लंदन, 2009, पृ. 148–167
- जितेन्द्र उत्तम, 'कम्यूनिज्म', कम्यूनिस्ट मैनिफैस्टो ऐंड प्रोटेक्शनिज्म इन साइक्लोपीडिया आफ द ऐज आफ इम्पेरिलिज्म, 1800–1914 वेस्टपोर्ट कनेक्टीकट ग्रीनवुड प्रेस, 2008
- जितेन्द्र उत्तम, खजुराहो टेम्पल कम्पलेक्स' देवदासीज ऐंड सिक्खिज्म इनसाइक्लोपीडिया आफ लव, कोर्टशिप ऐंड सेनसुएलिटी, भाग–2, वेस्टपोर्ट, कनेक्टीकट : ग्रीनवुड प्रेस, 2008

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- येशी शोयदन, 'रोल आफ इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया इन द यूएन पीसकीपिंग आपरेशंस' कनवरजेंसिस ऐंड डायवरजेंसिस' (सं.) डी. गोपाल, इण्डिया आस्ट्रेलिया रिलेशंस : कनवरजेन्स ऐंड डायवजेन्स, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- येशी शोयदन, 'डेमोक्रेटाइजेशन आस्पेक्ट आफ द पीस बिल्डिंग इन अफगानिस्तान : द रोल आफ यूनाइटिड नेशंस' (सं.) नलिनी कांत झा, डेमोक्रेसी नेशन बिल्डिंग ऐंड पीस इन साउथ एशिया, चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' हरआनन्द प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- येशी शोयदन, 'मेनस्ट्रीमिंग द जेंडर इन डेमोक्रेटाइजेशन आफ अफगानिस्तान : द रोल आफ यूनाइटिड नेशंस' (सं.) मंदिरा दत्ता, इमर्जिंग अफगानिस्तान इन द थर्ड मिलेनियम, पेंटागन प्रेस, दिल्ली, 2009
- राजेश राजगोपालन, 'पालिसी आप्शंस फार पीसफुल न्यूक्लियर प्रोग्राम्स : मल्टिलेटरलाइजेशन आफ द न्यूक्लियर फ्युल साइकल' (सं.) हानेस स्वोबोडा और जैन मैरिनस विरस्मा, पीस ऐंड डिस्आर्मामेंट : ए वर्ल्ड विदाउट न्यूक्लियर वेपन्स' सोशलिस्ट ग्रुप इन द यूरोपीयन पार्लियामेंट, ब्रूसेल्स, 2009
- राजेश राजगोपालन, 'फोर्स ऐंड कम्प्रोमाइज्ड : इण्डिया'स काउन्टरइनसर्जेन्सी ग्रेंड स्ट्रेटजी' (सं.) पी.आर. कुमारस्वामी और ईआन कोपलैण्ड, साउथ एशिया : द स्पेक्टर आफ टेररिज्म एबिन्डन, रूटलेज, नई दिल्ली, 2009
- राजेश राजगोपालन, 'द फ्युचर आफ द न्यूक्लियर नान–प्रालिफ्रेशन रिजीम' (सं.) एन.एस. सिसौदिया, वी. कृष्णप्पा और प्रियंका सिंह, प्रालिफ्रेशन ऐंड इमर्जिंग न्यूक्लियर आर्डर इन द टवेन्टी फर्स्ट सेंचुरी, अकादमिक फाउन्डेशन, आईडीएसए, नई दिल्ली, 2009
- राजेश राजगोपालन, 'एस्योर्ड रिटालेशन : द लाजिक आफ इण्डिया'स न्यूक्लियर स्ट्रेटजी' मुथ्थैया अलगप्पा, द लांग शैडो : न्यूक्लियर वेपन्स ऐंड सिक्यूरिटी इन 21स्ट सेंचुरी एशिया', स्टेंडफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, स्टेंडफोर्ड सीए, 2008

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- गंगनाथ झा, 'इण्डिया–थाईलैण्ड रिलेशंस इन द हेडेज आफ कलोनियल ईरा' (सं.) लिपि घोष, कनक्टिविटी ऐंड बियांड : इण्डो–थाई रिलेशंस थ्रू ऐज्स, द एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता, 2009, 141–153
- के. वारिकू, 'इण्डिया'स गेटवे टु सेंट्रल एशिया' (सं.) के. वारिकू, हिमालयन फ्रंटियर्स आफ इण्डिया रूटलेज लंदन/न्यूयार्क, 2009, पृ. 1–13
- के. वारिकू, 'ग्रेट गेम आन कश्मीर फ्रंटियर्स' (सं.) के. वारिकू, हिमालयन फ्रंटियर्स आफ इण्डिया रूटलेज, लंदन/न्यूयार्क, 2009, पृ. 4–35
- के. वारिकू, 'अमरनाथ द अबोड आफ द गाड आफ इमोर्टेलिटी' (सं.) के. वारिकू, कल्चरल हैरिटेज आफ कश्मीरी पंडित्स पेंटागन, नई दिल्ली, 2009, पृ. 130–138
- के. वारिकू, 'कश्मीरी पंडित'स इन रेट्रोस्पेक्ट ऐंड प्रास्पेक्ट' (सं.) के. वारिकू, कल्चरल हैरिटेज आफ कश्मीरी पंडित'स, पेंटागन, नई दिल्ली, 2009, पृ. 336–359

- के. वारिकू, 'श्राइन्स ऐंड पिलिग्रम्स प्लेसिस आफ कश्मीर' (सं.) के. वारिकू, कल्चरल हैरिटेज आफ जम्मू ऐंड कश्मीर, पेंटागन, नई दिल्ली, पृ. 149–166
- मनमोहिनी कौल, 'इण्डिया–एशियान रिलेशंस इन द 21स्ट सेंचुरी : फ्राम रेट्रोस्पेक्ट टु प्रोस्पेक्ट्स' इंस्टीट्यूट फार साउथईस्ट एशियन स्टडीज आफ वियतनाम द्वारा प्रकाशित की जानी है ।
- मनमोहिनी कौल, 'एशियान ऐंड ईस्ट एशियन कम्यूनिटी : द इश्यू आफ लीडरशिप' (सं.) प्रभाकर, चेंजिंग डायनेमिक्स आफ ईस्ट एशियन कम्यूनिटी, रोल आफ जापान ऐंड इण्डिया पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू
- अम्बरीश ढ़ाका और एम.आर. मिश्रा, 'डूरण्ड लाइन–राइजिंग जिओपालिटिकल स्टेक्स इन यूएस'स वार आन टेरर' इमर्जिंग अफगानिस्तान इन द थर्ड मिलेनियम, (सं.) मन्दिरा दत्ता, पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 199–214
- शरद के सोनी, 'द साइबेरियन रिपब्लिक आफ तुवा : लिंकेज्स विद मंगोलिया' (सं.) सुचन्दना चटर्जी अनिता सेनगुप्ता और सुस्मिता भट्टाचार्य, एसियाटिक रशिया, पार्टनरशिप ऐंड कम्यूनिटीज इन यूरेशिया, शिप्रा प्रकाशन और मकाइयास, दिल्ली, 2009, पृ. 101–115
- शरद के सोनी, 'इण्डो–मंगोलिया टाइज : इंप्लिकेशंस फार रीजनल कोआपरेशन इन नार्थ ईस्ट एशिया' (सं.) सुधीर कुमार सिंह, पोस्ट 9/11 इण्डियन फारेन पालिसी, चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज, पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, 2009, पृ. 190–199
- शरद के सोनी, 'एथनिक कजाक्स इन मंगोलिया : ए केस स्टडी आफ देयर सोसिओ–इकोनामिक स्टेटस' (सं.) एल.के. शूतबकोवा, जीएम स्मागुलोवा और एसएम नुरजानोवा, कोआपरेशन बिटवीन सेंट्रल एशियन कंट्रीज ऐंड इण्डिया : द हिस्टोरिकल रियल्टीज ऐंड पर्सपेक्टिव्स, करगाण्डा, 2008, पृ. 29–43
- जी. विजयचन्द्र नायडू 'इंडिया ऐंड ईस्ट एशियन मल्टिलेटरलिज्म' (सं.) एन.एस. सिसौदिया और एस. दत्ता, चेंजिंग सिक्यूरिटी डायनेमिक्स इन साउथईस्ट एशिया, मैगनम बुक्स, नई दिल्ली, अप्रैल 2008
- जी. विजयचन्द्र नायडू, 'इण्डिया ऐंड साउथईस्ट एशिया : एन एनालिसिस आफ द लुक ईस्ट पालिसी' (सं.) पी.वी. राव, इण्डिया ऐंड एशियान : पार्टनर्स ऐट समिट, नालेज वर्ल्ड, नई दिल्ली, जून 2008
- जी. विजयचन्द्र नायडू, 'एशियान ऐट 40 : ग्रुपिंग फार डायरेक्शन' (सं.) एस.डी. मुनि, एशियन स्ट्रेटजिक रिव्यू 2008, अकादमिक फाउण्डेशन ऐंड इडसा, नई दिल्ली, अगस्त 2008

आलेख और पुस्तक समीक्षा

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- शरद के. सोनी, 'रिव्यूड साइबेरिया इन फोकस, प्रोसीडिंग्स आफ द कांफ्रेस, यूरेशिया रीजनल पर्सपेक्टिव्स, नोवोसिबिरिस्क, टुवर्डस फ्रीडम ऐंड मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता, इण्डियन क्वार्टर्ली, नई दिल्ली, 2007, भाग–64, अंक–4, अक्टूबर–दिसम्बर 2008
- गंगनाथ झा, 'इण्डिया'स डायलाग पार्टनरशिप विद एशियान' इण्डिया क्वार्टर्ली, भाग LXIV, अंक–4, अक्टूबर–दिसम्बर 2008, पृ. 1–34
- गंगनाथ झा, 'स्ट्रगल आफ मलेशियन इण्डियन' विशेष व्याख्यान I दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2008, पृ. 1–13

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- सराबनी राय चौधरी, 'डॉट जस्ट से वाट यू मीन कंटेक्सचुअलाइज इट : ए लीडरशिप स्टडी एक्रास 17 कंट्रीज' जर्नल आफ वर्ल्ड बिजनेस (प्रस्तुत)

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- सीमा बैद्या, 'द पोस्ट अमेरिकन वर्ल्ड' (सं.) फरीद जकरिया, इण्डिया क्वार्टर्ली में प्रकाशित, अक्टूबर–दिसम्बर 2008

यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- शीतल शर्मा, मार्जिनेलाइजेशन (ऐंड एक्सक्लुजन) आफ इमिग्रन्टस, इंटरनेशनल स्टडीज, 45,2, 155–156, बुक रिव्यू आफ इमिग्रन्ट्स ऐट द मार्जिन्स : ला, रेस ऐंड एक्सक्लुजन इन साउथर्न यूरोप, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयार्क, 2005 (सं.) किट्टी कलविता, 2008
- शीतल शर्मा, नीड ऐंड रिलिवेन्स आफ टीचर्स एज्यूकेशन प्रोग्राम : ए पर्सपेक्टिव : जर्नल आफ इण्डियन एज्यूकेशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, भाग–35, अंक–2, अगस्त 2008
- शीतल शर्मा, लोकेशनल डिसएडवांटेज : मैनस्ट्रीम, भाग XLVI, अंक 19, पर्सपेक्टिव पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, अप्रैल 2008

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- ए.के. पाशा, यूएस इनवेजन आफ इराक ऐंड आफ्टर मैथ : इन गल्फ स्टडीज प्रोग्राम मोनोग्राफ वार आन इराक : 2003, गल्फ अध्ययन कार्यक्रम, नई दिल्ली, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, 2008, पृ. 1–26
- ए.के. पाशा, 'ईरान ऐंड पोस्ट 9/11 वर्ल्ड आर्डर : रिफ्लेक्शंस आन ईरानियन न्यूक्लियर प्रोग्राम' (सं.) अनवार आलम, 'ईरानियन न्यूक्लियर प्रोग्राम : रीजनल रिस्पांसिस' न्यू सेंचुरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- ए.के. पाशा, 'डेमोक्रेटाइजेशन इन द जीसीसी स्टेट्स इन इण्डिया' (सं.) आर.एम. अभ्यंकर, वेस्ट एशिया ऐंड द रीजन : डिफाइनिंग इण्डिया'स रोल, अकादमिक फाउंडेशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 581–608
- ए.के. पाशा, इण्डिया ऐंड द अरब वर्ल्ड : चैलेंजिस ऐंड अपच्युनिटीज, इंस्टीट्यूट आफ मार्केटिंग ऐंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली, ईयरबुक 2008, पृ. 13–25
- ए.के. पाशा, यूएस इनवेजन आफ इराक ऐंड इण्डो इराक रिलेशंस : जाधवपुर जर्नल आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, भाग–11–12, 2006–2008, पृ. 181–212
- ए.के. पाशा, 'नेचर ऐंड कंसीक्वेंसीज आफ द इमर्जिंग चैलेंजिस टु इण्डिया फ्राम गल्फ' इण्डिया ऐंड द गल्फ (सं.) आई.पी. खोसला, कोणार्क, नई दिल्ली, 2009, पृ. 100–145
- ए.के. पाशा,'इमर्जिंग चैलेंजिस टु इण्डिया इन द गल्फ/वेस्ट एशियन रीजन', वर्ल्ड फोकस, नवम्बर,–दिसम्बर, अंक 347–348, पृ. 419–429

मीडिया आलेख

यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- उम्मु सलमा बावा, 'इंटरव्यू, टर्निंग ए न्यू लीफ : इंटिग्रेटिंग विद नाटो विल टेक फ्रान्स क्लोजर टु द यूएस' बिजनेस वर्ल्ड, 11 जुलाई 2008

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- मंदिरा दत्ता, वन वर्ल्ड साउथ एशिया' विषयक बचपन बचाओ आन्दोलन के बाल पंचायत कार्यक्रम के बारे में रेडियो पर साक्षात्कार, 8 नवम्बर 2008
- मंदिरा दत्ता, 'अफगानिस्तान रिफ्यूजीस इन दिल्ली' विषय पर शार्ट नोट, द टेलीग्राफ, सितम्बर 2008
- मंदिरा दत्ता, 'इण्डिया आफ्टर 100ईयर्स आफ इंडिपेंडेंस' विषयक शार्टनोट, स्टेटसमैन, अगस्त 2008
- मंदिरा दत्ता, 'रिकंस्ट्रक्शन प्रोसिस इन अफगानिस्तान' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का नोट, जेएनयू न्यूज बुलेटिन में प्रकाशित, मई 2008(2)
- मंदिरा दत्ता, दरी सर्विसिस, आल इण्डिया रेडियो को साक्षात्कार, अप्रैल 2008

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'चाइना'स स्ट्राइक हार्ड पालिसी इन तिब्बत' 25 अप्रैल 2008
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'द चाइनीज थ्रेट इन द इण्डियन ओसन' 8 मई 2008
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'द लांग रोड अहेड' साकाल टाइम्स, 14 जून 2008, पृ. 6
- श्रीकांत कोण्डापल्ली,'ड्रेगन बिगिन्स टु क्राल' सैल्यूट, नई दिल्ली, भाग–1, अंक–2, 5 जुलाई 2008, पृ. 6
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'सेटल फास्ट' सैल्यूट भाग–2, अंक–5, 9अगस्त 2008, पृ. 5
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'रोड अहेड फार एशिया' विषयक चेरिस का साक्षात्कार, इण्डिया ऐंड ग्लोबल अफेयर्स, नई दिल्ली, भाग–2, 2008, पृ. 155–161
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'द चाइनीज ड्रेगन नो लांगर क्रोचिंग इण्डिया ऐंड ग्लोबल अफेयर्स' भाग–3, अंक–3, सितम्बर 2008, पृ. 18–29
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'इण्डिया–चाईना मिलिट्री आपरेशन : पोर्टेण्ड्स फार फ्युचर इनगेजमेंट' पीस फोरम, ताईपेई, 29 अगस्त 2008, अंक–15
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'अंडरस्टेंडिंग चाइना'स स्टेंड ऐट वियना' रेडिफ. काम, 6 सितम्बर 2008
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'ब्रिजिंग द स्ट्रेट्स (राष्ट्रपति माजिंग जिओ का साक्षात्कार)' इण्डिया ऐंड ग्लोबल अफेयर्स, भाग, अंक, अक्टूबर–दिसम्बर 2008, पृ. 138–144
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'इंटरव्यू आफ चाइना–स फारेन मिनिस्टर यंग जिची' इण्डिया ऐंड ग्लोबल अफेयर्स, भाग–1, जनवरी–मार्च 2009, पृ. 129–138
- श्रीकांत कोण्डापल्ली, 'चाइना मिडिएटिंग बिटवीन इण्डिया ऐंड पाकिस्तान', रेडिफ काम, 5 जनवरी 2009

कोई अन्य सूचना

अन्य प्रकाशन/प्रस्तुत आलेख/शोध और सम्मेलन आलेख/समीक्षा आलेख

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र

- ए.एस. रे, 'शिफ्टिंग कोआर्डिनेट्स आफ इण्डिया'स स्टांस ऐट द डब्ल्यूटीओ : अंडरस्टेंडिंग द डोमेस्टिक्स ऐंड इंटरनेशनल इकोनामिक ड्राइवर्स' (सं.) अमृत नर्लिकर और ब्रेन्दन वाइकर्स, लीडरशिप ऐंड चेंज इन द दोहा निगोसिएशंस, ब्रिल लंदन (सब्यसाची साहा के साथ) आगामी, (स्वीकृत)
- ए.एस. रे, 'इण्डिया'स ट्रस्ट विद टेक्नोलाजी : द वे फारवर्ड एनर्जी वाटर ऐंड टेक्नोलाजी फार इण्डिया'स नेशनल इंट्रेस्ट' केएए और आईसीआरआईईआर द्वारा प्रकाशित (सब्यसाची के साथ), (स्वीकृत)
- ए.एस. रे, 'टु कंट्रीब्यूट आर नाट टु कंट्रीब्यूट : माइक्रोथिओरेटिकल माडल्स आफ ओपन सोर्स साफ्टवेयर (ओएसएस)' परिचर्चा आलेख संख्या 09–9, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली, (सुभाशीष बेरा के साथ), मार्च 2009
- ए.एस. रे, 'इण्डिया'स स्टांस ऐट द डब्ल्युटीओ : शिफ्टिंग कोआर्डिनेट्स, अनआल्टर्ड पैराडिग्म, परिचर्चा आलेख संख्या–09–06, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली, (सब्यसाची के साथ), जनवरी 2009
- ए.एस. रे, 'को इवोल्युशन आफ आईपीआर पालिसी ऐंड टेक्नोलाजिकल लर्निंग ऐंड डिवलपिंग कंट्रीज : ए गेम थिओरेटिक माडल' परिचर्चा आलेख संख्या 09–04, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, जेएनूय, नई दिल्ली, (सरदिन्दु भादुरी के साथ), जनवरी 2009
- ए.एस. रे, 'इमर्जिंग थ्रू टेक्नोलाजिकल कैपेबिलिटी : एन ओवरव्यू आफ इण्डिया'स टेक्नोलाजिकल ट्राजेक्ट्री' वर्किंग आलेख संख्या – 227, इण्डियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इन्टरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस, नई दिल्ली, नवम्बर 2008
- ए.एस. रे, 'द इंटरफेस बिटवीन इकोनामिक डिवलपमेंट, हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट इन इण्डिया : एन इकोनोमेट्रिक इनवेस्टिगेशन' वर्किंग आलेख 2008–56, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेन्स ऐंड पालिसी, नई दिल्ली, (ए.एल. नागर, अपर्णा साहनी और सयान सामन्त के साथ), अक्टूबर 2008

- ए.एस. रे, 'फाइनेंसिंग आफ हैल्थ केयर इन इण्डिया : इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' हैल्थ फार मिलियन्स, फरवरी–मार्च और अप्रैल–मई 2008
- अपर्णा साहनी और राजीव कुमार, 'वाई साफ्टा : कामनवैल्थ सैक्ट्रिएट ऐंड कट्स, इंटरनेशनल रिसर्च पेपर, 2008
- अभिजीत सेनगुप्ता, 'ट्रेड मिसइनवाइसिंग : ए चैनल फार डी फैक्टो कैपिटल एकाउन्ट कनवर्टबिलिटी' इला पटनायक और अजय शाह के साथ

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- राजेश राजगोपालन, 'ए डिट्रेंस स्ट्रेटजी अगेंस्ट टेररिज्म', 2 दिसम्बर 2008
- राजेश राजगोपालन, 'हाऊ डू द कैंडिडेट स्टेक अप विज ए विज इण्डिया' ओआरएफ यूएस इलैक्शन मानीटर, अंक–4, मई 2008

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- जी. विजयचन्द्र नायडु, 'जापान'स चेंजिंग सिक्यूरिटी पालिसीज : द क्वेस्ट फार नार्मल पावर स्टेटस : पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन 7–8 अप्रैल 2008
- जी. विजयचन्द्र नायडु, 'इमर्जिंग ईस्ट एशियन सिक्यूरिटी : इज इण्डिया ए फैक्टर' एशियन सिक्यूरिटी विषयक दिल्ली पालिसी ग्रुप द्वारा आयोजित संगोष्ठी, 28 अगस्त 2008
- जी. विजयचन्द्र नायडु, 'यूएस ऐंड ईस्ट एशिया : फ्राम एलियस ओनली टु एलियस ऐंड फ्रेंडस स्ट्रेटजी' इण्डिया ऐंड एशिया पेस्फिक सिक्यूरिटी विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी, दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केन्द्र, एस वी विश्वविद्यालय, तिरूपति द्वारा आयोजित, 13–15 अक्टूबर 2008
- जी. विजयचन्द्र नायडु, 'शिफ्टिंग अमेरिका'स ईस्ट एशिया पालिसीज : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया' 12 नवम्बर 2008 को इडसा द्वारा आयोजित इण्डिया ऐंड ईस्ट एशिया' विषयक संगोष्ठी।
- जी. विजयचन्द्र नायडु, 'इण्डिया–जापान रिलेशंस : इमर्जिंग कंटूर्स आफ स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' 15–16 दिसम्बर 2008 को इंस्टीट्यूट फार डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस और जापान इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल अफेयर्स में 'इण्डिया–जापान रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में प्रस्तुत।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- ए.के. पाशा, 'लिविंग इस्लाम, इस्लामिक रिफार्म्स : ए माडर्न अप्रोच टु इस्लाम ऐंड बुखारी' रिच हिस्ट्रीज इन द बुक रिव्यू, नई दिल्ली, भाग–33, अंक–3, मार्च 2009, पृ. 28–29
- ए.के. पाशा, 23 मार्च 2009 को जीएसपी, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरेरि यूएई ऐंड द इमर्जिंग इण्डो–यूएई टाइज' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- ए.के. पाशा ने 6 मार्च 2009 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में 2009–14 की योजना के लिए 'जीएसपी' विषयक एएसपी की स्थाई सलाहकार समिति में आलेख प्रस्तुत किया । इसमें मनोरंजन मोहन्ती, शिव कुमार, मुस्ताक काव, जमीला, सुरजन दास शामिल थे।
- ए.के. पाशा ने 6 मार्च 2009 को इंटरनेशनल कलोबरेशन यूनिट के डॉ. अनिल भट्टी के साथ कुलाधिपति डा. अहमद के नेतृत्व में ईरान'स सिस्टन और ब्लुचिस्तान विश्वविद्यालय के 25 सदस्यों के प्रतिनिधि मण्डल के साथ विचार–विमर्श किया।
- ए.के. पाशा ने 27 फरवरी 2009 को डा. पी.के. प्रधान द्वारा प्रायोजित इड्सा, नई दिल्ली में 'जीसीसी'स न्यू अवतार ऐंड इनविगोरेटिंग इण्डिया'स इंट्रेट्स' विषयक संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 3 जून 2008 को सेंटर फार पेस्फिक एशिया स्टडीज, स्टाकहोम में 'चाइना इन एशिया : पैराडक्स आफ इंटिग्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 20 जून 2008 को इंटिग्रेटिड डिफेंस स्टाफ–सिक्यूरिटी रिस्क्स, काम द्वार यूएसआई में आयोजित संगोष्ठी में 'चाइना'स डिसिजन मेकिंग प्रोसिस : की इंस्टीट्यूटशंस, ऐक्टर्स ऐंड थीम्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 4 अक्टूबर 2008 को नेहरू सेंटर मुम्बई में 'इण्डिया–चाइना मिलिट्री रिलेशंस : कंसर्न्स ऐंड रिस्पांसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 16 अक्टूबर 2008 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'शंघाई कोआपरेशन आर्गेनाइजेशन : चाइनीज पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 13 नवम्बर 2008 को राजरतनम स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, ननयांग टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी सिंगापुर में 'द बेहमाथ आन द मूव : चाइना'स मिलिट्री आर्गेनाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 17–18 नवम्बर 2008 को चाईना सेंटर फार कंटेम्पोरॅरि वर्ल्ड अफेयर्स रोजा लक्जम्बर्ग फाउन्डेशन, बीजिंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी में 'इण्डिया'स आउटलुक आन चाइना फ्राम हिस्ट्री टु द प्रिजेन्ट : एन आउटलाइन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 27 नवम्बर 2008 को आर्मी रीजनल ट्रेनिंग सेंटर, शिमला में 'चाइना'स एयर फोर्स माडर्नाइजेशन ऐंड कैपेबिलिटीज इन टु 2025' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 29 नवम्बर 2008 को कोमाजावा यूनिवर्सिटी द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित संगोष्ठी में 'चाइना ऐंड वेस्ट एशिया रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्रीकांत कोण्डापल्ली ने 4 दिसम्बर 2008 को सेंटर फार एयर पावर स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाइना'स एयरोस्पेस पावर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जितेन्द्र उत्तम ने 26–29 मार्च 2009 को एसोसिएशन फार एशियन स्टडीज, शिकागो, इलिनोइस में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में 'ब्रेन कोरिया–21 : लिंकिंग स्टेट' मार्किट ऐंड सोसायटी फार टेक्नोसाइंटिफिक एक्सिलेन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- लालिमा वर्मा ने 6–8 मार्च 2009 को 'ग्लोबल प्रोफाइल आफ जेपनीज स्टडीज : ट्रेन्ड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्रेन्ड्स इन जापान'स एशिया पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सराबनी राय चौधरी ने दिसम्बर 2008 में 'नालेज, नेशन ऐंड मूवमेंट्स' विषयक कार्यशाला में 'आस्ट्रेलियन फारेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट इनटु इण्डिया : इट्स ग्रोथ ऐंड अपरच्युनिटीज रिट्रीट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सराबनी राय चौधरी ने मार्च 2009 में इण्डियन काउंसिल फार इंटरनेशनल इकोनामिक रिलेशंस में 'जापान'स फारेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट इन इण्डिया : लेसन्स लर्न्ट फ्राम फर्म लेवल सर्वेज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. वाराप्रसाद शेखर, 'टेक्नोलाजी ट्रांस्फर इन साइनो–जेपनीज रिलेशंस : द कंटेक्स्ट, कंफ्लिक्ट ऐंड कोआपरेशन' चाइना रिपोर्ट, 44:2, 2008, पृ. 153–174

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- मनमोहनी कौल, 'पीर रिव्यू' ह्यूमन इन सिक्यूरिटी सिक्यूरिटी इन ईस्ट एशिया' (595 पृष्ठ) यूनाइटिड नेशंस यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित, अप्रैल 2008

यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- उम्मु सलमा बावा ने 19 से 20 जून 2008 तक द वाल्टर एच शोरेन्स्टेन एशिया पेस्फिक रिसर्च सेंटर द्वारा स्टेंडफोर्ड यूनिवर्सिटी और द आब्जरवर रिसर्च फाउंडेशन आफ इण्डिया, स्टेंडफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए में आयोजित 'डज साउथ एशिया एक्जिट प्रास्पेक्ट्स फार रीजनलिज्म इन साउथ एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कम्पैरटिव हिस्ट्रीज आफ रीजनल इंटिग्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उम्मु सलमा बावा ने 15 से 16 सितम्बर 2008 तक गिगा जर्मन इंस्टीट्यूट आफ ग्लोबल ऐंड एरिया स्टडीज, हमबर्ग, जर्मनी द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'आइडियाज ड्राइवन फारेन पालिसी फार इण्डिया इन फर्स्ट रीजनल पावर्स नेटवर्क (आरपीएन)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उम्मु सलमा बावा ने 17 से 19 फरवरी 2008 तक द हेनरिक बाल फाउन्डेशन, बर्लिन, जर्मनी द्वारा आयोजित 'यूरोपीयन गवर्नेंस आफ माइग्रेशन : द पालिटिकल मैनेजमेंट आफ मोबिलिटी, इकोनामी ऐंड सिक्यूरिटी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइग्रेशन इन एन इंटरकनेक्टिड वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- उम्मु सलमा बावा ने 25–26 नवम्बर 2008 को Institud d Etudes Europeennes, Universite Libre de Bruxelles ब्रूसेल्स, बेल्जियम द्वारा ईयू, इंशा में आयोजित 'द ईयू ऐंड ईस्ट एशिया विदिन एन इवोल्विंग ग्लोबल आर्डर : आईडियाज, एक्टर्स ऐंड प्रोसिस' विषयक सम्मेलन में 'एन इण्डियन पर्सपेक्टिव आन द ईयू'स इंटरनेशनल रोल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उम्मु सलमा बावा ने 13–14 दिसम्बर 2008 को सीईआरआई, पेरिस, एसडब्ल्युपी (बर्लिन, नई दिल्ली), नई दिल्ली द्वारा आयोजित ईयू–इण्डिया परिचर्चा में भाग लिया।
- उम्मु सलमा बावा ने 23 फरवरी 2009 को इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स और यूरोपियन यूनियन इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंडिया ऐंड ईयू अप्रोचिज टू सिक्योरिटी विषयक पैनल परिचर्चा में इंडियाज अप्रोच टू सिक्योरिटी विषय पर चर्चा की ।
- शशिकान्त झा ने 21–22 नवम्बर 2008 को इण्डो–हंगेरियन डिप्लोमेटिक रिलेशंस की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'इण्डो–हेंगेरियन कल्चरल रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'द वर्क आफ हंगेरियन सोशल साइंटिस्ट्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र के. जैन ने 11 अप्रैल 2008 को यूरोपीयन यूनियन सेंटर फार एक्सिलेंस, यूरोपीयन स्टडीज सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ पिट्सबर्ग, पिट्सबर्ग में 'द ईयू ऐंड द डिवलपिंग वर्ल्ड' 2008 जीन मानेट संगोष्ठी में 'डज द यूरोपीयन यूनियन मैटर इन ए पोस्ट 9/11 वर्ल्ड ? ईयू– इण्डिया/पाकिस्तान रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र के. जैन ने 17–18 जून 2008 को द नार्डिक इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेटवर्क फार यूरोपीयन स्टडीज द्वारा यूनिवर्सिटी आफ हेलसिंकी और फिनिश फारेन मिनिस्ट्री, हेलसिंकी में आयोजित 'चाइना ऐंड इण्डिया ऐज द यूरोपीयन यूनियन'स स्ट्रेटजिक पार्टनर्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इनगेजिंग द यूरोपीयन सुपरपावर : इण्डिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र के. जैन ने 25–27 सितम्बर 2008 को यूरोपीयन यूनियन सेंटर्स नेटवर्क और द ईयू एसोसिएशन एशिया पेस्फिक, क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैण्ड के सहयोग से द नेशनल सेंटर फार रिसर्च आन यूरोप द्वारा आयोजित 'यूरोप इन द चेंजिंग वर्ल्ड : चैलेंजिस, प्राइआर्टीज ऐंड रिसर्च कलोबरेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ईयू इन इण्डिया : पास्ट, प्रजेंट ऐंड फ्युचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजेन्द्र के. जैन ने 5 नवम्बर 2008 को आईईईयूएलबी, इंस्टीट्यूट फार यूरोपीयन स्टडीज, ब्रूसेल्स फ्री यूनिवर्सिटी, बेल्जियम, इंस्टीट्यूट आफ यूरोपीयन स्टडीज, पीयूबी और जेएनयू द्वारा बेल्जियम के शाही महाराज के आगमन के अवसर पर आयोजित 'इण्डिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन इन ए चेंजिंग वर्ल्ड आर्डर' विषयक संगोष्ठी में 'द यूरोपीयन यूनियन इन ए चेंजिंग वर्ल्ड आर्डर : की चैलेंजिस फ्राम एन इण्डियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 21–23 मई 2008 को इस्तानबुल, टर्की में 'चाईना–इण्डिया रशिया : सिक्यूरिटी ऐंड स्ट्रेटिजिक कोआपरेशन इन एशिया' विषयक थर्ड इंटरनेशनल टर्किश एशियन कांग्रेस में 'सिचुएशन इन अफगानिस्तान : नीड फार ए रीजनल अप्रोच टु डिवलपमेंट ऐंड सिक्यूरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 27–28 नवम्बर 2008 को इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स और एमजीआईएमओ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया–रशिया स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप : चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक सम्मेलन में 'इण्डिया–रशिया इकोनामिक लिंकेज्स : ए क्रिटिकल असेसमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 21 नवम्बर 2008 को हंगेरियन इंफार्मेशन ऐंड कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'हंगेरियन इकोनामिक डिबेट्स ऐंड देयर इम्पैक्ट आन इकोनामिक लिट्रेचर ऐंड इण्डियन इकोनामिक थिंकिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- भास्वती सरकार ने 24–26 अप्रैल 2008 को द इंस्टीट्यूट फार यूरोपीयन स्टडीज द्वारा Vrije Universit ब्रूसेल्स और The Institu d Etudes Europeennes, The universite Libre de ब्रूसेल्स, ब्रूसेल्स में आयोजित 'द ईयू इन इंटरनेशनल अफेयर्स 2008' विषयक गार्नेट सम्मेलन में 'द डिफिकल्टी आफ डिफ्रेंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शीतल शर्मा ने 16–18 मार्च 2009 को डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, फैकल्टी आफ सोशल ऐंड पालिटिकल साइंसिस, गदजाह मेदा यूनिवर्सिटी, योग्यकर्ता द्वारा आयोजित यूरोपीयन स्टडीज इन इण्डोनेशिया की प्रथम बैठक में 'बिल्डिंग पीस ऐंड प्रास्पेरिटी थ्रू इंटिग्रेशन इन यूरोप' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'डायवर्स वी आर, बट यूनाटिड वी स्टेण्ड : अंडरस्टेंडिंग यूनियन आफ यूरोप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- अलोकेश बरूआ ने 11–12 नवम्बर 2008 को मिजोरम विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनगेजमेंट्स आफ डिवलपिंग कंट्रीज इन रीजनल ट्रेडिंग अरेंजमेंट्स (आरटीएएस) – एन असेसमेंट अण्डर अंकटाड – डीएफआईडी – जीओआई प्रोग्राम' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन 'स्ट्रेटजीस ऐंड प्रिपेयर्डनेस फार ट्रेड ऐंड ग्लोबलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक परियोजना में 'रीजनल ट्रेडिंग अरेंजमेंट्स ऐंड द डब्ल्युटीओ : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया विद स्पेशल रिफ्रेंस टु द नार्थईस्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- मौसमी बासु ने 12–13 जून 2008 को यूनिवर्सिटी आफ सेंट एन्ड्रूज में 'थिंकिंग (विद) आउट बार्डर्स' विषयक संगोष्ठी में 'कंटेस्टिड टेरेन्स : एक्सप्लोरिंग द अंडरकरंट्स आफ निओ–लिबरल डिवलपमेंटलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- येसी शोयदन ने 23–24 अप्रैल 2008 को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में आयोजित 'रिकंस्ट्रक्शन प्रोसिस इन अफगानिस्तान' विषयक संगोष्ठी में 'मेनस्ट्रीमिंग द जेंडर इन डेमोक्रेटाइजेशन आफ अफगानिस्तान : द रोल आफ यूनाइटिड नेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- येसी शोयदन ने 9 दिसम्बर 2008 को जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बान में 'द यूनाइटिड नेशंस पीस बिल्डिंग इन कोसोवो : एन एनालिसिस आफ कोआर्डिनेशन इश्यू' शीर्षक परियोजना आलेख प्रस्तुत किया।
- सिद्धार्थ मल्लावारपु ने 6 नवम्बर 2008 को साउथ एशियन इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल अफेयर्स में 'स्टेपिंग अप टु द प्लेट : इमर्जिंग पावर्स ऐंड इंटरनेशनल रिस्पांसिबिलिटी' विषयक कार्यशाला में 'इंडिया : इमर्जिंग पावर इन ए डिफिकल्ट रीजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सिद्धार्थ मल्लावारपु ने 25–26 मार्च 2009 को ली कौन येव स्कूल आफ पब्लिक पालिसी, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर द्वारा आयोजित 'अपग्रेडिंग इंटरनेशनल स्टडीज इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में 'डिवलपमेंट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि इन इण्डिया : ट्रेडिशंस, कंटेम्पोरॅरि, पर्सपेक्टिव्स ऐंड ट्राजेक्ट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अर्चना नेगी ने 25 जून 2008 को यूरोपीयन एसोसिएशन आफ डिवलपमेंट ऐंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स जिनेवा, स्विटजरलैण्ड के 12वें आम सम्मेलन में 'कोहरन्स इन ग्लोबल गवर्नेन्स : द कास्ट आफ ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अर्चना नेगी ने 10 अप्रैल 2008 को एमिटी इंस्टीट्यट आफ ग्लोबल लीगल एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च, नोयडा में 'वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में 'ट्रेड एन एनवायरनमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती श्रीवास्तव ने 18 दिसम्बर 2008 को साइंस पालिटिक रिलेशंस इंटरनेशनल्स टेरिटरि Indtitut d Etudes Politiguss de Borderaux, B0rdeaux फ्रांस द्वारा आयोजित 'La regulationdans les relations internationals et transnationals : ver un objet de recherche collectif' विषयक संगोष्ठी में 'ट्रांसनेशनल पालिटिक्स आर रसिस्टेन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती श्रीवास्तव ने 1 से 2 जुलाई 2008 तक कट्स इंटरनेशनल, जयपुर द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रेड ऐंड इकोनामिक्स आन नेशनल फारेन ट्रेड पालिसी आफ इण्डिया : वाई सिविल सोसायटी'स इनवाल्वमेंट इज रिक्वायर्ड' विषयक ग्रासरूट्स रिचाउट ऐंड नेटवर्किंग इन इण्डिया के तहत प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इकोनामिक गवर्नेंस इन इण्डिया ऐंड नेशनल फारेन ट्रेड पालिसी : प्रिलिमिनरी फाइंडिंग्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती श्रीवास्तव ने 4 जून 2008 को द नार्वे इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, ओसलो, नार्वे और कट्स इंटरनेशनल जयपुर, इण्डिया द्वारा नुपी, ओसलो, नार्वे में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पुअर : हाऊ मार्जिनेलाइज्ड ग्रुप्स हैव बीन अफैक्टिड ऐंड बेनिफिटिड फ्राम इंडियन ट्रेड पालिसी' विषयक सम्मेलन में 'इकोनामिक गवर्नेंस इन इण्डिया : ए केस आफ नेशनल फारेन ट्रेड पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- सीमा वैद्य ने 24–26 मार्च 2009 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'गल्फ ऐंड इमर्जिंग एशिया : डिफाइनिंग रीजनल आर्किटेक्चर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सिविल सोसायटी इन कुवैत' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सीमा वैद्य ने 23 मार्च 2009 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरेरि यूएई ऐंड इण्डो–यू.ए.ई. रिलेशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सिविल सोसायटी इन यू.ए.ई.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सीमा वैद्य ने 11 फरवरी 2009 को इण्डियन एसोसिएशन फार सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज तथा अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडी, जेएमआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ईरान ड्यूरिंग 30 ईयर्स आफ इस्लामिक रिवोल्युश' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डायनेमिक्स आफ रीजनल सिक्यूरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सीमा वैद्य ने 18 जनवरी 2009 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली और मैक. गिल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'वर्ल्ड'स रिलीजंस आफ्टर सितम्बर 11 एन एशियन पर्सपेक्टिव' विषयक ग्लोबल कांग्रेस में 'डायनेमिक्स आफ पालिटिकल इस्लाम इन कंफ्लिक्ट ऐंड पीस : ए केस स्टडी आफ वेस्ट एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सीमा वैद्य ने 21–23 अक्टूबर 2008 को अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज और सेंटर फार वेस्ट एशियन स्टडीज, जेएमआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड द मेजर पावर्स इन सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशिया : चैलेंजिस ऐंड अपच्युनिटीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटरएक्शंस बिटवीन इण्डिया ऐंड यूएसए इन सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशिया : ए नैरेटिव आफ द पोस्ट अमेरिकन वर्ल्ड, वेयर डज इण्डिया स्टेंड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सीमा वैद्य ने 16–17 जून 2008 को द इंस्टीट्यूट फार पालिटिकल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज द्वारा तेहरान, ईरान में आयोजित 'फाउंडेशंस फार रीजनल कोआपरेशन, स्टेबिलिटी ऐंड सिक्यूरिटी' विषयक 18वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'काउंटरिंग रीजनल थ्रेट्स ऐंड चैलेंजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत ग्रुप

- कमल मित्रा चिनाय ने मार्च 2009 में लाहौर में 'इण्डो–पाकिस्तान रिलेशंस ऐंड प्रास्पेक्ट्स फार पीस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- कमल मित्रा चिनाय ने सितम्बर 2008 में बीजिंग में एनजीओ'स (डीलिंग विद द करंट वर्ल्ड सिचुएशन) के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- कमल मित्रा चिनाय ने मार्च 2009 में काठमाण्डु में 'पावर्टी एज्यूकेशन, साउथ एशियन एलाइन्स फार पावर्टी इरैडिकेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- निवेदिता मेनन ने 10–12 नवम्बर 2008 को रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड यूरेशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सिविल सोसायटी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- निवेदिता मेनन ने 8–9 जून 2008 को सीआरईए (क्रिएटिंग रिसोर्सिस फार इम्पावरमेंट इन एक्शन, दिल्ली) द्वारा समर स्कूल पुणे में 'सैक्सचुअलिटी ऐंड राइट्स' विषयक संगोष्ठी में 'सैक्सचुअलिटी ऐंड नेशनलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- निवेदिता मेनन ने 11 जनवरी 2009 को सीएसएलजी, जेएनयू में आयोजित 'ला ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कनवरसेशन आन ला ऐंड इम्पायर' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- निवेदिता मेनन ने 18 जनवरी 2009 को पब्लिक सर्विस ब्राडकास्टिंग ट्रस्ट द्वारा आईआईसी, दिल्ली में आयोजित 'मेकिंग माइग्रन्ट : डायलाग्स थ्रू फिल्म' शीर्षक परिचर्चा श्रृंखला में भाग लिया तथा 'फिलिस्तीन ऐंड द क्वेश्चन आफ नेशनहुड' शीर्षक पैनल में परिचर्चा की।
- निवेदिता मेनन ने 12–14 फरवरी 2009 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट द्वारा आईआईसी, दिल्ली में 'द सेंटिनरी आफ हिन्द स्वराज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फेमिनिज्म ऐंड स्वराज' शीर्षक सत्र आयोजित किया।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- प्रदीप्त बंदोपाध्याय, इरविन डी. कुन्ट्ज, 'कंप्यूटेशनल इनवेस्टिगेशन आफ काइनेटिक्स आफ क्रास लिकिंग रिएक्शंस इन प्रोटीन्स : इम्पोर्टेन्स इन स्ट्रक्चर प्रिडिक्शन' 91–68, 2009, तत्समान लेखक।
- बी.आर. मेहर, एम.वी. सतीश कुमार और प्रदीप्त बन्धोपाध्याय, 'मोलिक्युलर डायनेमिक्स सिम्युलेशन आफ एचआईवी प्रोटीएज विद पोलराइजेबल ऐंड नान पोलराइजेबल फोर्स फील्ड' इण्डियन जर्नल आफ फिजिक्स, 83, 81, 2009 (आमंत्रित आलेख)
- प्रदीप्त बंदोपाध्याय, 'टु सर्फेस मोन्टे कार्लो विद बेसिन होपिंग : क्वांटम मैकेनिकल ट्रांजेक्ट्री ऐंड मल्टिपल स्टेशनरी पाइन्ट्स आफ वाटर क्लस्टर्स' जे केम फिज, 128, 134103, 2008
- एस. त्यागी, सी. वैज, वी. गुप्ता, आर. भाटिया, एस. महेश्वरी, ए. श्रीनिवासन और ए. भट्टाचार्य, 'सीआईडीएमआईआरएनए : ए वैब सरवर फार प्रिडिक्शन आफ नावल एमआईआरएनए प्रिकर्सर इन ह्युमन जिनोम' बायोकेम बायोफिज रेज काम, 372(4), 831–4, 2008
- ए. बिश्नोई, ए. श्रीवास्तव, ए राय और ए. भट्टाचार्य, 'एमजीडीडी : माइकोबेक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस जिनोम डायवर्सिटी डाटाबेस', बीएमसी जिनोमिक्स, 9:373, 2009
- अनिरबन बनर्जी और इन्दिरा घोष, 'ए न्यू कंप्यूटेशनल माडल टु स्टडी मास इनहोमोजेनिटी ऐंड हाइड्रोफोबिसिटी इनहोमोजेनिटी इन प्रोटीन्स' यूरोपीयन बायोफिजिक्स जर्नल, 13 फरवरी 2009
- ए हुसैनी, एस.एच. रानाडे, इन्दिरा घोष और पी. खाण्डेकर, 'सिम्पल सिक्वेंस रिपीट्स इन डिफ्रेंट जिनोम सिक्वेंसिस आफ शिगेला ऐंड कम्पेरिजन विद हाई जीसी ऐंड एटी–रिच जिनोम्स' डीएनए सिक्व 19(3), जून 2008, 167–76
- इला जी. लिखोव, ए. कृष्णामाचारी और डी. थोमस सिनेडर, 'डिस्कवरी आफ नावल ट्युमर सप्रेसर पी 53 रिस्पांस एलिमेंट्स यूजिंग इनफार्मेशन थीअरि' न्यूक्लिक एसिड्स रेस 36 : जून 2008, 3828–3833
- जी. गुप्ता, ए. प्रसाद, एच.पी. सिंह और आर रामास्वामी, 'एनालिटिकल सिग्नल एनालिसिस आफ स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स' फिजिकल रिव्यू ई, 77 : 2008
- ए. प्रसाद, एस.के. दाना आर. कर्नाटक, जे. कुर्थत्स, बी. ब्लासियुस और आर. रामास्वामी, 'द फेज–फिलप बाइफरकेशन इन टाइम डिले कपल्ड सिस्टम्स' केआस, 18, 2008
- टी. उमेशकान्त सिंह, ए. नन्दी और आर. रामास्वामी, 'को–एक्जिस्टिंग अट्रेक्टर्स इन पिरिडिकली माड्युलेटिड लाजिस्टिक मैप्स' फिजिकल रिव्यू ई, 77, 2008
- टी. उमेशकान्त सिंह, ए. नन्दी और आर. रामास्वामी, 'सिंक्रोनाइजेशन विद केआटिक ड्राइविंग' फिजिकल रिव्यू ई (रैपिड कम्यूनिकेशन), 78, 2008
- एम. श्रीमाली, ए. प्रसाद, आर. रामास्वामी और यू. फ्युडल, 'द नेचर आफ अट्रेक्टर्स बेसिन इन मल्टिस्टेबल सिस्टम्स' इंटरनेशनल जर्नल आफ बाईफरकेशन ऐंड केआस, 18, 2008
- ए. प्रसाद, जे. कुर्थस और आर. रामास्वामी, 'द इफैक्ट आफ टाइम–डिले आन एनामलस फेज सिंक्रोनाइजेशन' फिजिक्स लेटर्स ए : 372, 2008, 6150–54
- एस. ओसवाल, एन. साहनी, ए. भट्टाचार्य, एस.एस. कामथ और आर. मुत्थुस्वामी, 'यूनिक मोटिफ्स आइडेंटिफाई पीआईजी – ए प्रोटीन फ्राम ग्लाइकोसिलट्रांसफिरेस आफ जीटी 4 फैमिली' बीएमसी इवोल बायोल 4:8, जून 2008, 168
- वाई. रघुनाथन, सुब्बाराव नायडु, कम्पमन थोरस्टेन, मैक गियरी रॉस, आर यांग पाल और कोबे बोस्टजन, 'आइडेंटिफिकेशन आफ इनहिबिटर्स आफ डेंगु वायरस ई प्रोटीन' जे कम्यूट एडिड मोल डेस 23, 2009, 333–341
- एन. शाहपर खान, बैरा इस्लाम, वाई रघोथामन, ए. सुल्तान, सुब्बाराव नायडु, यू असद खान, 'इंटरएक्शन आफ माइटोजेनथ्रोन विद ह्युमन सेरम अल्बुमिन : स्पेक्ट्रोस्कोपिक ऐंड मोलिक्युलर माडलिंग स्टडीज' यूरोपीयन जर्नल आफ फार्मास्युटिकल साइंसिस, 18:35(5), दिसम्बर 2008

- एन. शाहपर खान, बैरा इस्लाम, वाई रघोथामन, जिया कमर, आर. रामास्वामी और यू. असद खान, 'करेक्ट्राइजेशन आफ डाक्सोरूबिसिन बाइंडिंग साइट ऐंड ड्रग इंड्यूस्ड अल्ट्रेशन इन द फंक्शनली इम्पोर्टेन्ट स्ट्रक्चरल स्टेट आफ आक्सिहीमोग्लोबिन' जर्नल आफ फार्मास्युटिकल ऐंड बायोमेडिकल एनालिसिस 48, 2008, 1096–1104

पुस्तकें

- आर गोडबोले और आर रामास्वामी, 'लीलावती'स डाटर्स द वुमन साइंटिस्ट्स आफ इण्डिया' इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस, बंगलौर, 2008
- लवकेश विग, 'मल्टिपल रोबोट टीमिंग : कोलिशन फार्मेशन : फ्राम साफ्टवेयर एजेन्ट्स टु रोबोट्स' (पेपरबैक), वीडीएम वेरलाग, 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- ए. प्रसाद, एम. अग्रवाल और आर. रामास्वामी, 'स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स इन ड्राइवन डिले – डायनेमिक्स इन नानलिनियर डायनेमिक्स' (सं.) एम. डेनियल और एस. राजशेखर, नैरोसा, नई दिल्ली, 2009, पृ. 299–304

सम्मेलन आलेख और पोस्टर

- एन गुप्ता और आर रामास्वामी, 'प्रिफेस टु द प्रोसीडिंग्स आफ द कंफ्रेस पीएनएलडी 2007' प्रामना जर्नल आफ फिजिक्स, 70 : 2008, 955–57
- इ.जे. नग्मा, ए. नन्दी, आर. रामास्वामी, एम.सी. रोमानो और जे. कुर्थस, 'रिक्रेंसिस आफ स्ट्रेंज अट्रेक्टर्स' प्रामना जर्नल आफ फिजिक्स, 70, 2008, 1039–46
- ए. नन्दी और आर. रामास्वामी, 'सिंक्रोनाइजेशन आफ कपल्ड स्टाकेस्टिक ओसिलेटर्स ' द इफैक्ट आफ टोपोलाजी' प्रामना जर्नल आफ फिजिक्स, 70, 2008, 1065–74
- अरविन्द मेहर ने 4 से 6 दिसम्बर 2008 तक बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता में आयोजित 'इंटिग्रेटिंग फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथमेटिक्स ऐंड बायोलाजी टु अण्डरस्टेंड लिविंग सिस्टम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर आलेख प्रस्तुत किया।
- गोपालकृष्णन भार्गवी, एम वाई रघोथामन और सुब्बाराव नायडु ने 19–20 दिसम्बर 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बीसीआर–एबीएल काइनेस म्युटेशंस : कंप्यूटेशनल स्टडीज ऐंड एक्सप्लेनेशन आफ इमेटिनिब रसिसटेन्स इन क्रानिक मेलोइड ल्युकेमिया' शीर्षक बेस्ट पोस्टर प्रस्तुत किया।
- वी. रामचन्द्रन, श्रीरिन अवस्थी, एम.वाई. रघोथामन, सुब्बाराव नायडु और बी.एन. मलिक ने 15–16 फरवरी 2009 को द एजिंग ब्रेन और माइन्ड होटल ताजमहल, नई दिल्ली में आयोजित टीएन श्रीनिवासन न्यूरोलिंक्स 2009 में 'आइडेंटिफिकेशन आफ बाइंडिंग साइड ऐंड स्पेसिफिसिटी आफ अमिनो एसिड रेजिड्यूस देयर फार इंटरएक्शन विद नार्डेनेलाइन ऐंड इट्स नोन अगोनिस्ट्स ऐंड एन्टोगोनिस्ट्स : एन इन सिलिको आफ द बीटा 2 एन्ड्रेनोरिसेप्टर' शीर्षक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- नन्दी सौम्यदीप और हेमरन अनमोल ने 22 से 26 मार्च 2009 तक आईएमटेक चण्डीगढ़ में आयोजित 'ओपनसोर्स फार कंप्यूटर ऐडिड ड्रग डिस्कवरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। अनमोल को इस सम्मेलन में पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.ए. रहमान, 'ट्रांसलेशन आफ सम अरेबिक स्टोरीज इनटु उर्दू' थकफातुल हिन्द (आईसीसीआर की अरबी पत्रिका)
- एस.ए. रहमान, 'ट्रांसलेशन आफ सम अरेबिक स्टोरीज इनटु उर्दू' अकलम वैद्य (ईएफएलयू की अरबी पत्रिका) हैदराबाद
- मुजीबुर रहमान, 'महमूद दार्विश : ए पोइट आफ रसिस्टेन्स ऐंड लव' द वर्ल्ड दुबई, यूएई, सितम्बर 2008
- मुजीबुर रहमान, 'अल अलिया मलायनन, मोहम्मद फहे 'ब्लैक बाक्स' 'आफ लव ऐंड रिलेशनशिप्स', अब्दुल फतह साबरी, द पोइटिक आस्पेक्ट्स इन अमीराति स्टोरी, अल अलिया मलायनन, डेजर्ट द चार्मिंग स्वीटहर्ट, ऐंड एनन; 'पोइट्री आफ रिवोल्युशन' और 'पोइम्स बाई अरब फिलिस्तीनियन पोइट महमूद दर्विश' (अरबी से अंग्रेजी में अनुवाद, सलीज टाइम्स का 30वीं विशेष वार्षिक अंक, 30 अप्रैल 2008) 231, 252–253, 254
- रिजवानुर रहमान, नगेन्द्र कुमार सिंह, इनसाइक्लोपीडिया आफ मुस्लिम बायोग्राफी : इण्डिया, पाकिस्तान ऐंड बंगलादेश, भाग 1–5, दिल्ली; एपीएच 2001; एमआरके अफरीदी और आरिफ अली खान, इनसाइक्लोपीडिया आफ इस्लामिक फिलास्फी, भाग 1–5, नई दिल्ली, पेंटागन प्रेस, 2006; मसूद अली खान और शेख अजहर इकबाल, इनसाइक्लोपीडिया आफ इस्लाम, भाग 1–10, कामनवैल्थ प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005; तरू बहल और एम.एच. सैय्यद, इनसाइक्लोपीडिया आफ मुस्लिम वर्ल्ड, भाग 1–15, अनमोल, नई दिल्ली, 2003; मोहम्मद ताहिर, इनसाइक्लोपीडिक सर्वे आफ इस्लामिक कल्चर, भाग 1–20, अनमोल, नई दिल्ली, 1997, आगा खान यूनिवर्सिटी के मुस्लिम सिविलाइजेशन एब्सट्रेक्ट हेतु, 2008
- मोहम्मद कुतुबुद्दीन, पुस्तक समीक्षा, थकफातुल हिन्द, (द आईसीसीआर की अरबी पत्रिका), भाग 59, अंक 1–2, 2008
- मोहम्मद कुतुबुद्दीन, पुस्तक समीक्षा, थकफातुल हिन्द, (आईसीसीआर की अरबी पत्रिका), भाग–59, अंक–4, 2008

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी, 'सिम्बोलिज्म इन महाभारत : ए फिलास्फिक डिस्कोर्स' (चीनी में) Shenzhen Daxue yindu, yanjiu Tongxum (न्यूजलैटर आफ इण्डियन स्टडीज, शेनजन यूनिवर्सिटी), भाग–1, अंक–2, 2009, पृ. 10–14
- प्रियदर्शी मुखर्जी, 'द फारगोटन चैप्टर इन माडर्न इण्डियन हिस्ट्री : सुभाष चन्द्र बोस, द इण्डियन लिब्रेशन मूवमेंट ऐंड हिज एसोसिएशन विद चाइना (चीनी में)' Shenzhen Daxue yindu, yanjiu Tongxum (न्यूजलैटर आफ इण्डियन स्टडीज, शेनजन यूनिवर्सिटी), भाग–1, अंक–2, 2009, पृ. 14–20
- सबरी मित्रा, 'फ्राम पाप्यूलेराइजेशन आफ कल्चर टु पाप्यूलर कल्चर : डिस्कोर्स ऐंड प्रेक्सिस इन चाईना' जर्नल आफ स्कूल आफ लैंग्यूवेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर स्टडीज, 2008, पृ. 103–115
- एम.एल. भट्टाचार्य, 'लुकिंग बियांड होम ऐंड आइडियाज फ्राम द वेस्ट : जेएसएल, 2009
- बी.आर. दीपक, 'ताओ फेलोशिप (कमीशन फार रिलिजस हारमनी, सीबीसीआई, नई दिल्ली की अर्धवार्षिक पत्रिका)' भाग–16, अंक–2, जुलाई 2008, पृ. 17–18
- बी.आर. दीपक, 'चाइना ऐंड द दलाई लामा : इट इज इन चाइना'स इंट्रेस्ट टु इनगेज द दलाई लामा इन मीनिंगफुल टाक्स' साउथ एशिया एनालिसिस ग्रुप आलेख सं. 3107, 17 मार्च 2009
- गीता कोचर, 'बीजिंग ओलम्पिक : ए हैण्ड – इन हैण्ड अप्रोच' पीपल'स डेली, चाईना, 12 अगस्त 2008
- गीता कोचर, 'चाइना'स अर्बन पुअर : एन एक्सपेंडिंग सोशल स्ट्राटम' परिचर्चा आलेख, चाइना पालिसी इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ नाटिंघम, अक्टूबर 2008

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- संतोष के. सरीन और आई. सेनगुप्ता, 'द क्राफ्ट आफ मेकिंग ऐंड ब्रेकिंग : रिस्पांसिस टु ट्रेडिशन/स इन एडी होप ऐंड आगा शाहिद अली', भाग 68, अंक–3, 2008, पृ. 284–293

- मकरंद प्रांजपे, 'रबिन्द्रनाथ टैगोर : माडर्न इंटेलेक्चुअल्स आफ एशिया' एशियन लिट्रेचर की पत्रिका, भाग–3, अंक–4, 2008, पृ. 286–294 (कोरियन अनुवाद के साथ प्रकाशित)
- मकरंद प्रांजपे, 'ट्रूथ इज रथलैस' रिव्यू आफ द वर्ल्ड इज वाट इट इज : द एथोराइज्ड बायोग्राफी आफ वी.ए. नायपाल, पेट्रिक फ्रेंच, इण्डिया टुडे, 12 मई 2008, पृ. 70–71
- मकरंद प्रांजपे, 'बीटनीक प्लाट' डेबोराह बाकर के. ब्ल्यु हैण्ड की समीक्षा, द वीक, 24 अगस्त 2008, पृ. 66–67
- मकरंद प्रांजपे, 'कश्मीर शैविज्म ऐंड सूफीज्म : ए डायलाग हयु मैग्जीन, भाग 3, अक्टूबर 2008, पृ. 104–109
- जी.जे.वी. प्रसाद, 'राइटिंग इण्डिया राइटिंग इंग्लिश' (जेएमआर गौड़ व्याख्यान का उद्घाटन), लेमुरिया, भाग–2, 2008
- सौगाता भादुरी, 'इफ ओनली लाइफ आफर्ड सेकण्ड चान्स... ' पुस्तक समीक्षा, भाग 32, अंक 6, जून 08
- धनंजय सिंह, 'भरथरी ऐंड इण्डियन फिलास्फी आफ लैंग्यूवेज' थिंक इण्डिया, भाग–12, अंक, 2009

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- किरण चौधरी, 'ट्रांसलेटिंग हाइब्रिड टेक्स्ट इन/आन कास्मोपालिटिन स्पेसिस (ए केस आफ फ्रेंच क्यूबेकर टेक्स्ट्स इन सेक्युलर हिन्दी)' जेएसएल, ट्रांसलेशन स्टडीज विषयक विशेष अंक, 2008
- एन. कमला, 'Traduire la diversite : un roman montrealais en anglais' 2008
- अभिजीत कारकून, 'इंट्रोडक्शन टु फ्रेंच कनेडियन स्टडीज' सेंटर फार कनाडियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ केरला की वेबसाइट पर, 2008
- अभिजीत कारकून, 'डिस्कवरिंग अल्जीरिया : द इण्डियन वे', अल्जीरिया टुडे अंक–11, नवम्बर–दिसम्बर 2008
- आशिष अग्निहोत्री, 'Le Tamarinier' (प्रेम कुमार मणि की इमलियन विषयक हिन्दी से फ्रेंच में अनुवाद) Rencontre avecl Inde भाग–37, अंक–1, 2008
- आशिष अग्निहोत्री, 'Postface : un point sur mohan Rakesh ou ler rethetralisation du theater : Renconter avec l Inde' भाग–37, अंक–2, 2008, N spcial : theatre indien

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- रेखा वी. राजन, 'द कास्ट क्वेश्चन इन द दानिश–हाल ऐंड द इंग्लिश हाल मिशन इन द ऐट्टींथ सेंचुरी' स्टार्स, जर्नल, (ह्युमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस), भाग–2, अंक–2, 2008, पृ. 9–25
- रेखा वी. राजन, 'Post aus Indien' जर्मन स्टडीज इन इण्डिया, न्यू सीरीज, भाग–1, 2008, पृ. 11–19
- राजेन्द्र डेंगले, 'मेमोरीज टु रिमेम्बर : लक्ष्मीबाई तिलक'स स्मृतिचित्र–रिलिजन ऐज इमेंसिपेटरी इन कलोनिअल मेघशास्त्र' जेएसएल, 2008, पृ. 75–85
- राजेन्द्र डेंगले, 'वाल्टर बेंजामिन'स Die Aufgable des Uberetzers - A footnote' ट्रांसलेशन ऐज कल्चरल प्राक्सिस, ईयरबुक आफ गोयथे सोसायटी आफ इण्डिया, 2008
- चित्रा हर्षवर्धन, 'ट्रांसलेटिंग ग्लोबल पालिटिकल कल्चर' जेएसएल, ट्रांसलेशन स्टडीज विषयक विशेष अंक, 2008

भारतीय भाषा केंद्र

- चमन लाल, 'डा. अम्बेडकर : द ह्युमैनिस्ट' द ट्रिब्यून, चण्डीगढ़, 11 अप्रैल 2008
- चमन लाल, 'सच की खोज' जनसत्ता, दिल्ली, 20 अप्रैल 2008
- चमन लाल, 'डा. अम्बेडकर : ऐन अम्बेडकर आफ ह्युमिनिटी' मेनस्ट्रीम, दिल्ली, 19 अप्रैल 2008
- चमन लाल, 'आन द हिन्दी नावल जमीन' भारतीय लेखक, दिल्ली, मई 2008
- चमन लाल, 'भगत सिंह विद इंट्रोडक्शन' विषयक दस कविताएं, मेनस्ट्रीम, दिल्ली, नवम्बर–दिसम्बर 2008
- चमन लाल, 'स्वराजबीर की कविताओं का हिन्दी अनुवाद' वसुधा, जनवरी 2009

- चमन लाल, 'भगत सिंह की मूरत' (फाहमिदा रियाज'स उर्दू पोइम विद इंट्रोडक्शन), कथादेश, मार्च 2009
- के. नाचीमुत्थु, 'यूरोपीयन कंट्रीब्युशन टु तमिल स्टडीज' Uyarayvu, मद्रास यूनिवर्सिटी, 2008, 397–410
- के. नाचीमुत्थु, 'मिनकारप्पू – शार्ट स्टोरी कलेक्शन आफ मेलनमई पोन्नुस्वामी – एन एप्रिसिएशन' चिंकाथिर, अरिमा नोक्का में भी प्रकाशित, अप्रैल अंक, अप्रैल 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'महाभारत टेक्स्ट ऐंड ट्रेडिशन इन तमिल ऐंड मलयालम' डीएलए न्यूज, अगस्त–नवम्बर 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'यूरोपीयन कंट्रीब्युशन टु तमिल स्टडीज' Uyarayvu, मद्रास यूनिवर्सिटी, 2008, पृ. 397–410
- रामबक्ष जाट, 'बेतरतीब बातें' बनस लिट्रेचर आफ द वेस्ट इंडीज विषयक विशेष अंक, भाग–3, वर्ष 41
- देवेन्द्र कुमार चौबे, 'हिन्दी नवजागरण का एक नया अध्याय' सृजन संदर्भ, अक्टूबर–दिसम्बर 2008

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- सुषमा जैन, 'मिसुजु व उनकी कविता' शताब्दी समारोह स्मारिका, जापान में हिन्दी और उर्दू का शिक्षण, टोकियो यूनिवर्सिटी आफ फारेन स्टडीज, दिसम्बर 2008
- पी.ए. जार्ज, 'प्रोस्पेक्ट्स आफ जेपनीज लैंग्यूवेज एज्यूकेशन इन इण्डिया : प्रजेंट ऐंड फ्युचर', वर्ल्ड फोकस, भाग–349, अंक–23, 26 जनवरी 2009

भाषा विज्ञान केन्द्र

- अन्विता अब्बी, 'इज ग्रेट अंडमानिस जिनेलाजिकल ऐंड टाइपोलाजिकली डिस्टिंक्ट फ्राम ओंज ऐंड जार्वा लैंग्यूवेज साइंस' 2008
- अन्विता अब्बी, द लास्ट वर्ल्ड : ए मल्टिलिंग्वल इंटरएक्टिव डिक्शनरी आफ द ग्रेट अंडमानिज लैंग्यूवेज हिन्दी' जनवरी–मार्च 2009, पृ. 228–235
- वैश्ना नारंग, 'लिंग्विस्टिक ऐंड अफेक्टिव पिच इन पंजाबी स्पीकिंग केसिस आफ स्ट्रोक : ए स्टडी इन द न्यूरोलाजी आफ पिच फंक्शंस' इण्डियन लिंग्विस्टिक्स भाग–69, अंक–1–4, 2008, पृ. 267–74
- वैश्ना नारंग और मियांग चा, 'फैक्टर्स इन डिवलपमेंट आफ लैंग्यूवेज टीचिंग मेथड्स' माडर्न इंग्लिश एज्यूकेशन (जर्नल आफ द माडर्न इंग्लिश एज्यूकेशन सोसायटी, साउथ कोरिया), भाग–9, अंक–2, 2008, पृ. 1–20
- वैश्ना नारंग, 'जीरो टाइम, द ग्रेट अंडमानीज ट्राइब ऐंड इट्स पर्सेप्शन आफ टाइम' आर्मेटा, जर्नल आफ एप्लाइड एन्थ्रोपोलाजी, टाइम ऐंड सोशल चेंज' विषयक विशेष अंक, भाग–3, 2008
- फ्रेंसन मंजली, 'फ्राम द एक्चुअल टु द विरचुअल वाया मेटाफोरिकल कल्चरल वर्ल्डस' यूनिवर्सिटी आफ मुम्बई, जर्नल आफ लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर स्टडीज, भाग–1, अंक–2, 2008, पृ. 168–191

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख्तर महदी, 'Eshgh der masnavi-e-manvi' (लव ऐज रिफर्ड मथनवी ए – मौलाना रूमी, बयाज) एआईपीटीए की वार्षिक पत्रिका, नई दिल्ली 2008
- अख्तर महदी, 'ईरान धमकियों के साये में (ईरान अंडर द शैडो थ्रेट्स)' राष्ट्रीय सहारा, दैनिक, दिल्ली।
- अख्तर महदी, 'इस्लाम बनाम आल्मी सम्राज, फतेहकौन, (इस्लाम वर्सिस इंटरनेशनल इम्पेरिलिज्म)' राष्ट्रीय सहारा, दैनिक, दिल्ली और सहाफत, दैनिक, दिल्ली।
- अख्तर महदी, 'भटके हुए आहू को फिर सुए हरम ले चल' राष्ट्रीय सहारा, दैनिक, दिल्ली और सहाफत, दैनिक, दिल्ली।
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'गज़ल' खण्ड ए मि कोनी' दानिश पर्शियन त्रैमासिक पत्रिका, अंक–93, इस्लामाबाद, 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'गजल, सराय–ए–बेदिल' दानिश, पर्शियन, त्रैमासिक पत्रिका, अंक–91, इस्लामाबाद, 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'मोबेहेसा (उर्दू में तहकीकी रवायत)' आजकल मासिक, नई दिल्ली, अप्रैल 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'इंटरव्यू (डिफ्रेंट कल्चरल लिट्रेसी इश्यूज)' जाम–ए–नूर, मासिक, नई दिल्ली, 2008

- अख्लाक अहमद अंसारी, 'मूलनिवासी, ईरान और भारत में' मूलनिवासी समाचार, पाक्षिक, नई दिल्ली, 1–15 दिसम्बर 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'ईरान में बेदिल–शेनासी', बज्म–ए–सहारा, मासिक, नई दिल्ली, फरवरी 2009

रूसी अध्ययन केन्द्र

- वरयाम सिंह, 'वी कुपरयानोव की सात कविताओं का रूसी से हिन्दी में अनुवाद' पक्षधर, 2009
- मीता नारायण, 'रशिया–दैन ऐंड नाऊ' रशियन फिलोलाजी, भाग–27, ईएफएलयू, हैदराबाद, अप्रैल 2008
- रंजना बनर्जी, 'एथनो लिंग्वल करेक्ट्राजिस्टिक्स आफ अलेक्जेंडर ओस्ट्रोवस्की'स प्लेज' रशियन फिलोलाजी, अंक–27, ईएफएलयू, हैदराबाद, अप्रैल 2008
- रिचा सावंत, 'रशियन सोसायटी ऐट द बिगनिंग आफ द XXI सेंचुरी – विग्नेट्स फ्राम कंटेम्पोरॅरि रीडर्स' रशियन फिलोलाजी, अंक–27, ईएफएलयू, हैदराबाद, अप्रैल 2008

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लैटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.पी. गांगुली, 'द वायेज, डिस्कवरी आफ अमेरिका' ला कल्चर हिस्पानिका, जर्नल आफ द इण्डो–लेटिन अमेरिकन एसोसिएशन, कोलकाता, द्वितीय अंक, जनवरी 2009
- अनिल धींगरा, Religion e secularizacom ma India : Agalia, Revist e eiencias sociales e Humanidades, एसोसिएशन ग्लेगा डा लिंगुआ, स्पेन, अंक 93/94, 2008
- इंद्राणी मुखर्जी, 'ओक्आविओ पाज'स पालिटिकल इनक्लिनेशंस इन टोडाज कंटेस्ट' ला कल्चरा हिस्पैनिका, जर्नल आफ द इण्डो–लेटिन अमेरिकन एसोसिएशन, कोलकाता, द्वितीय अंक, जनवरी 2009, पृ. 18–28
- इंद्राणी मुखर्जी, 'रीडिंग ओक्टोवियो पाज टुडे' हिस्पैनिक हारिजन, अंक–27, 2009, पृ. 44–57

पुस्तकें

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.ए. रहमान, 'तरजमा : फन और रिवायत' (अरबी के हवाले से) (उर्दू में) 2008
- एस.ए. रहमान, 'ट्रांसलेशन आर्ट ऐंड ट्रेडिशन' (विद रिफ्रेंस टु अरेबिक), (अंग्रेजी में) 2008
- मुजीबुर रहमान, 'सुनील खिलनानी, फिकरातुल हिन्द (द आइडिया आफ इण्डिया, फ्राम इंग्लिश टु अरेबिक)' आबुधाबी : अथारिटी फार कल्चर ऐंड हैरिटेज, यूएई, 2009

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी, 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ऐंड द इण्डियन लिब्रेशन मूवमेंट इन ईस्ट एशिया : डिक्लासिफाइड डाक्यूमेंट्स इन चाइना ऐंड इण्डिया' हर आनन्द प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- प्रियदर्शी मुखर्जी, 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस : कंटेम्पोरॅरि एंसिडोट्स, रेमनिसाइंसिस ऐंड वारटाइम रिपोटैज, हरआनन्द प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008'
- सबरी मित्रा, 'चाइनीज वुमन राइटर्स ऐंड जेंडर डिस्कोर्स (1976–1996)' बुक प्लस, नई दिल्ली, 2008

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- मकरन्द प्रांजपे, (सं.) साइंस स्प्रिचुएलिटी ऐंड द माडर्नाइजेशन आफ इण्डिया, एन्थम प्रेस, नई दिल्ली, 2008
- मकरन्द प्रांजपे, (सं.) सैक्रेड आस्ट्रेलिया : पोस्ट कैक्युलर कंसिड्रेशंस, क्लाउड्स आफ मागेलना, मेलबोर्न 2009
- सौगाता भादुरी, (सं.) ट्रांसलेटिंग पावर, कथा, नई दिल्ली, 2008
- सौगाता भादुरी, (सं.) लेस योगा शास्त्र दे पातंजलि (अनुवाद) गुलियन क्लाज कोरसिनी, मोनाको, एडिशंस अल्फी, 2008
- पदमिनी मोंगिया, पचक पचक : ए स्टोरी आफ क्रकोडाइल्स, यंग जुबान, नई दिल्ली 2008

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- आशा पुरी (अनुवाद) गुई सोर्मन, अमेरिका : इन पर्स्युट आफ हैपीनेस (मेड इन यूएसए फ्रेंच से अंग्रेजी में) फुल सर्कल, नई दिल्ली, 2008
- आशा पुरी (अनुवाद) गुई सोर्मन, द जीनियस आफ इण्डिया (Le Genie de l'Ind, फ्रेंच से अंग्रेजी में) फुल सर्कल, नई दिल्ली, 2008

भारतीय भाषा केन्द्र

- चमन लाल, दलित साहित्य एक मूल्यांकन (हिन्दी), राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 2008
- चमन लाल, गदर पार्टी नायक : करतार सिंह सराभा (पंजाबी) एनबीटी, दिल्ली, 2008
- चमन लाल, भगत सिंह : विचारवान इंकलाबी (पंजाबी), नवयुग प्रकाशक, दिल्ली, 2009
- चमन लाल, भगत सिंह (हिन्दी) मेधा, दिल्ली, 2009
- रामबक्ष जाट (सं.) प्रेमचन्द : संकलित कहानियां, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2008
- देवेन्द्र चौबे, बद्रीनारायण ऐंड हितेन्द्र पटेल (सं.) 1857 : भारत का पहला मुक्ति संघर्ष, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2008
- ओ.पी. सिंह (सं.) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ग्रंथावली (6 खण्ड), प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2008

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रेम मोटवानी (अनुवाद) यामामोटा एटसुओ और डी.पी. शर्मा, गरूड इन एशियन आर्ट, भारतीय कला प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- प्रेम मोटवानी (अनुवाद) सुजुकी टोकुटारो, टीपीएम गैलप्स एक्रास द ग्लोब, टीपीएम क्लब आफ इण्डिया ऐंड कंफेड्रेशन आफ इण्डियन इंडस्ट्री (सीआईआई), दिल्ली, 2008
- सुषमा जैन और नीरा कोंगरी, सह लेखक, टीचिंग मैटेरियल, कोर्स I, II, III, IV ब्लाक्स 1–12 इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में जापनी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स, 2008–09
- अनिता खन्ना और मंजुश्री चौहान (सं.) अन्त का आरम्भ, बीआर पब्लिशिंग कारपोरेशन, दिल्ली, 2009
- वैजयन्ती राघवन (सं.) इण्डिया ऐंड कोरिया थ्रू द ऐजिस : हिस्टोरिकल रिलिजस ऐंड कल्चरल पर्सपेक्टिव्स, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

भाषा विज्ञान केन्द्र

- वैश्ना नारंग, एक्विजिशन स्टडीज आन इण्डियन बाइलिंग्वल चिल्ड्रन विषयक अर्जन अध्ययन (मैपिंग लैंग्यूवेज माइन्ड ऐंड ब्रेन : स्टडीज इन बाइलिंग्वस्टिक्स विषयक परियोजना की रिपोर्ट, भाग–1, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07 की विशिष्टता हेतु दक्षता के अन्तर्गत जेएनयू द्वारा प्रायोजित परियोजना), यश प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- वैश्ना नारंग, कम्यूनिकेशन डिस्आर्डर्स : स्टडीज आफ अफेसिया अकेलकुलिया ऐंड डायसोर्बिया (मैपिंग, लैंग्यूवेज, माइन्ड ऐंड ब्रेन : स्टडीज इन बायोलिंग्वस्टिक्स विषयक परियोजना की रिपोर्ट, भाग II, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07 की विशिष्टता हेतु दक्षता के अन्तर्गत जेएनयू द्वारा प्रायोजित परियोजना) यश प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- वैश्ना नारंग और आर.एन.के. बामजेई, 'वाइसिस ऐंड जेन्स (मैपिंग, लैंग्यूवेज, माइन्ड ऐंड ब्रेन : स्टडीज इन बायोलिंग्वस्टिक्स विषयक परियोजना की रिपोर्ट, भाग III, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07 की विशिष्टता हेतु दक्षता के अन्तर्गत जेएनयू द्वारा प्रायोजित परियोजना) यश प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख्तर महदी, रूदकी, अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन स्मारिका, सिस्टन, ईरान 2009
- अख्लाख अहमद अंसारी, 'हिन्दुस्तान में फारसी सहाफत की तारीफ (हिस्ट्री आफ पर्शियन जर्नलिज्म आफ इण्डिया)' एज्यूकेशन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008
- अख्लाख अहमद अंसारी (सं.) धूप–छाव (मनमोहन आलम का कविता संग्रह), एज्यूकेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2009

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- राजीव सक्सेना (सं.) पर्सपेक्टिव्स ए इनोवैसिओनेस (द सेंटर'स जर्नल हिस्पानिक हारिजन को 25वां अंक का पुनःमुद्रण), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2009
- राजीव सक्सेना, La ensenanza de espanol como langua extranjera en la India desarrollo y desafios, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- प्रियदर्शी मुखर्जी, द फोकलोरिस्टिक आसपेक्ट्स आफ द करेक्टर्स इन द नावल जर्नी टु दे वेस्ट (सं.) लोकेश चन्द्र और राधा बनर्जी, जुआंग ऐंड द सिल्क रूट, इन्दिरा गांधी सेंटर फार द आर्ट्स और मुंशीराम मनोहरलाल पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2008, पृ. 123–134
- बी.आर. दीपक, 'कंफ्युशियस ऐंड कंफ्युशियन इंफ्लुएन्स इन कोरिया (सं.) रविकेश मिश्रा, इण्डिया ऐंड कोरिया, पर्सपेक्टिव आन लैंग्यूवेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 229–241

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- संतोष के. सरीन, आस्ट्रेलियन लिट्रेचर इन इण्डिया : रिसर्च प्राइआर्टीज, (सं.) वोल्फगैंग जैक और माइकल किनली, लिट्रेचर्स इन इंग्लिश : प्राइआर्टीज आफ रिसर्च, इन्सबुक (आस्ट्रिया), स्टफनबर्ग वेरलाग, 2008, पृ. 395–408
- संतोष के. सरीन, 'एंग्लिसिसेशन आफ द मार्जिनेलाइज्ड इट्स आर्टिकुलेशंस इन एशिया पेस्फिक' (सं.) एडविन थुम्बू, राइटिंग एशिया : द लिट्रेचर्स इन इंग्लिश, भाग–1 फ्राम द इनसाइड, एशिया पेस्फिक लिट्रेचर इन इंग्लिश, इथोस बुक्स, सिंगापुर, 2007, पृ. 438–448 (यह पुस्तक अप्रैल 2008 के बाद उपलब्ध थी)
- मकरन्द प्रांजपे, इण्डियन आल्टरनेशंस : अरबिन्दो, अम्बेडकर ऐंड आफ्टर' (सं.) तक्षी शोगिमन और कैरी जे नीडरमैन वेस्टर्न पालिटिकल थाट्स इन डायलाग विद एशिया लैनहम, लेक्सिंटन बुक्स, 2008, पृ. 209–234
- मकरन्द प्रांजपे, 'इण्डिया'स ट्रूथ्स : क्रिटिसिज्म एक्रास बाडर्स फार एन आल्टर पोस्ट क्लोनिअलिज्म' (सं.) ग्लोसिया रेनाटे गोनक्लेव्स, न्यू चैलेंजिस इन लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर, बेलो होरिजोनेट : फैकल्टी आफ लैटर्स, यूएफएमजी, 2009, पृ. 287–305
- जी.जे.वी. प्रसाद, 'कर्नाड, तुगलक, इण्डिया' (सं.) लक्ष्मी सुब्रामणियम, माडर्न इण्डियन ड्रामा : इश्यूज ऐंड इंटरवेशंस, श्रृष्टि, नई दिल्ली, 2008
- जी.जे.वी. प्रसाद, 'आल्वेज इन द पोइट'स आई : निसिल इजकाइल'स इण्डिया' (सं.) हैवोवी अंकलेसराय, निसिल इजकाइल रिमेम्बर्ड, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2008
- जी.जे.वी. प्रसाद, 'ग्रिम्स : इन क्वेस्ट आफ रिलकटेन्ट हीरोज' (सं.) मीनाक्षी भारत, रूशदी द नावलिस्ट : फ्राम ग्रिम्स टु द एनचांट्रिस आफ फ्लोरेन्स, पेनक्राफ्ट, नई दिल्ली, 2009
- सौगाता भादुरी, 'द एथिक्स आफ अनसर्टेनिटी : रिस्पांसिबिलिटी ऐंड फेथ इन विटजेनस्टेनिया'स फिलास्फी' (सं.) केसी पाण्डेय, पर्सपेक्टिव आन विटजेनस्टेइन'स अनसेएबल रीडबर्थी, नई दिल्ली, 2008, पृ. 39–54
- सौगाता भादुरी, 'इंट्रोडक्शन : ट्रांसलेटिंग पावर–अप्रोचिंग द दयाड' और 'ट्रांसलेटिंग पावर–मस्ट रीड्स' (सं.) सौगाता भादुरी, ट्रांसलेटिंग पावर, कथा, नई दिल्ली, 2008, पृ. 229–235
- धनन्जय सिंह, 'इण्डियन थिओरिटिकल टेक्स्ट ऐंड इंग्लिश स्टडीज' श्रवण के. शर्मा, द वेदिक पथ, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वारा, 2008, पृ. 81–85

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- किरण चौधरी, 'इंट्रोडक्शन' La marche vers la liberte फ्रेंच भाषा में प्रेमचन्द की चयनित कहानियाँ, हरमेटन, पेरिस, 2009
- अभिजीत कारकून, फर्नाडिज बेर्नाड ऐंड बेलहोल्ट नेथाली, Cultue et gestion en Inde (कल्चर ऐंड मैनेजमेंट इन इण्डिया) (सं.) इडुआरडो डैविल, जीन पाइरे ड्युपियस और जीन फ्रेंकोइस Genstion en contexte Interculturel, appraches, problematigues,

pratigues et plongees (मैनेजमेंट इन इंटरकल्चरल कंटेक्स्ट : अप्रोचिस, प्राब्लम्स प्रेक्टिस ऐंड इनसाइट, Montreal : Les presses de I'Universite Laval and Tele-universite, Universite de Quebee a Montreal (Teluq-UQAM) 2008

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- रेखा वी. राजन, Du sollst dir kein bildnis machen : Indien - Imaginationen in der deutschen literture nach 1945 (सं.) एकल हिलमेस, projektion - Imaginationen - Erfahrangen : Indienbilder der europaischen Literature, Ramsched Gardez 2008, पृ. 201–11
- राजेन्द्र डेंगले, Was ist der mensch ? (सं.) डेटलेव जेनटेन, वोल्कर गेरहार्ट Was ist der mensch ? बर्लिन और न्यूयार्क, 2008, पृ. 37–39

भारतीय भाषा केन्द्र

- के. नाचीमुत्थु, 'इंट्रोडक्शन टु एस विवेकानन्दन' नागराज कोइल, काव्य प्रकाशन, 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'इंट्रोडक्शन टु एस विवेकानन्दन' निलन कटाई, काव्य प्रकाशन, 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'इंट्रोडक्शन टु श्रीनिवासन अप्पिलाक्कियाकट्टुरैकल' काव्य प्रकाशन, 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'इंट्रोडक्शन टु राजेन्द्रन, मुथुवन पजानकुडिकल' सेकर पथिप्पकम, 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'इंट्रोडक्शन टु विजयलक्ष्मी, इरावल्पाजानकुडिइनार' सेकर पथिप्पकम, 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'इंट्रोडक्शन टु अजी, विराकोलियम प्रयोका विवेकम ओप्पयु' सेकर पथिप्पकम, 2008
- के. नाचीमुत्थु, 'कम्बानुम केरलामम' कम्बन मलार, कोवई कम्बन कजाकम, 2008, पृ. 15–27
- के. नाचीमुत्थु, 'द इंफ्लुएन्स आफ संगम लिट्रेसी क्वेशंस आन मलयालम पोइट्री' प्लेटिनम जुबली समारोह, भाग–5, वी. शानमुघम, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, 2008
- देवेन्द्र कुमार चौबे, 'संगठित प्रतिरोध का जन ऐतिहासिक संदर्भ' (सं.) देवेन्द्र चौबे, बद्रीनारायण और हितेन्द्र पटेल, 1857 : भारत का पहला मुक्ति संघर्ष, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2008
- देवेन्द्र कुमार चौबे, 'आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास की समय सीमा (1857 से अब तक)' (सं.) शम्भूनाथ, हिन्दी शिक्षण : नए भविष्य की तलाश, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 2008
- देवेन्द्र कुमार चौबे, 'स्त्री के सामाजिक इतिहास लेखन के कुछ स्रोत' (सं.) व्यासमणि त्रिपाठी, महादेवी वर्मा : व्यक्तित्व और कृतित्व, हिन्दी साहित्य कला परिषद, पोर्टब्लेयर, 2008

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- स ुषमा जैन, 'हिन्दी ट्रांसलेशन आफ पोइम्स आफ तकाशी अरिमा' (सं.) अनीता खन्ना और मंजुश्री चौहान, अन्त का आरम्भ, बी.आर. पब्लिशिंग कारपोरेशन, दिल्ली, 2009
- अनीता खन्ना, 'सम रिफ्लेक्शंस आफ द महाभारत इन जेपनीज लिट्रेचर' (सं.) कल्याण कुमार चक्रवर्ती, टेक्स्ट ऐंड वैरिएशंस आफ द महाभारत, कंटेक्सचुअल रीजनल ऐंड परफार्मेटिव ट्रेडिशंस' नेशनल मिशन फार मैन्युस्क्रिप्ट्सस, इन्दिरा गांधी नेशनल सेंटर फार आर्ट्स, नई दिल्ली, 2009, पृ. 81–88
- अनीता खन्ना, 'हिन्दी ट्रांसलेशन आफ पोइम्स आफ तकाशी अरिमा' (सं.) अनीता खन्ना और मंजुश्री चौहान, अन्त का आरम्भ, बी.आर. पब्लिशिंग कारपोरेशन, दिल्ली, 2009
- मंजुश्री चौहान, 'हिन्दी ट्रांसलेशन आफ पोइम्स आफ तकाशी अरिमा' (सं.) अनीता खन्ना और मंजुश्री चौहान, अन्त का आरम्भ, बी.आर. पब्लिशिंग कारपोरेशन, दिल्ली, 2009
- पी.ए. जार्ज, 'कानरियु (कोरियन वेव) इन जापान' (सं.) वैजयन्ती राघवन, इण्डिया ऐंड कोरिया थ्रू द एजिज हिस्टोरिकल, रिलिजस ऐंड कल्चरल पर्सपेक्टिव्स, मानक प्रकाशन, दिल्ली, 2009

- पी.ए. जार्ज, 'इण्डो–जापान रिलेशंस इन द न्यू एशियन ऐज ऐंड जेपनीज स्टडीज इन इण्डिया' (Asia shin ed jiolri no nichin Kankei to indo ni okeru nihon Kenkyu) (सं.) योजाबुरो शिराथा और जैनहु लियु, जेपनीज स्टडीज : पास्ट प्रजेंट ऐंड फ्युचर – ब्रेकिंग न्यू ग्राउन्ड फार रिसर्च इन जेपनीज कल्चर, इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फार जेपनीज स्टडीज, क्योटो, जापान, 2009

भाषा विज्ञान केन्द्र

- अन्विता अब्बी, 'वैनिशिंग डायवर्सिटी ऐंड सबमर्जिंग आइडेंटिटीज' (सं.) आशा सारंगी, लैंग्यूवेज ऐंड पालिटिक्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2008
- अन्विता अब्बी, 'लिंग्विस्टिक एरिया : जेनरेटिव सिमांटिक्स ऐंड रिडुप्लिकेशन' (सं.) वी. प्रकासम, इनसाइक्लोपीडिया आफ द लिंग्वस्टिक साइंसिस : इश्यूज ऐंड थीअरीज, ऐलाइड पब्लिशर्स, दिल्ली, 2008
- वैश्ना नारंग, 'एकोस्टिक फोनेटिक्स' (सं.) वी. प्रकासम, इनसाइक्लोपीडिया आफ द लिंग्विस्टिक साइंसिस : इश्यूज ऐंड थीअरीज, ऐलाइड पब्लिशर्स, दिल्ली, 2008
- फ्रेंसन मंजली, 'ट्रांसलेशन ऐंड इमेजिनेशन' (सं.) सौगाता भादुरी, ट्रांसलेटिंग पावर, कथा, नई दिल्ली, 2008, पृ. 186–196

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अख्लाक अहमद अंसारी, 'एन्ट्री फार द इनसाइक्लोपीडिया आफ पर्शियन लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर इन द सब कंटिनेंट' ईरानी अकादमी आफ पर्शियन लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर, तेहरान, ईरान, 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'बेगम हजरत महल, साम्राज्यवाद के खिलाफ' (सं.) देवेन्द्र चौबे, बद्रीनारायण और हितेन्द्र पटेल, 1857 : भारत का पहला मुक्ति संघर्ष, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'इंट्रोडक्शन' (सं.) जफर अंसारी, मनकबत–ए ..., नई दिल्ली, 2008
- अख्लाक अहमद अंसारी, 'इंट्रोडक्शन' (सं.) जफर इकबाल, बिसमिल आजिमाबादी : शख्सियत और शायरी, एज्यूकेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008

रूसी अध्ययन केन्द्र

- शंकर बासु, 'द प्रोसिस आफ कल्वरल ट्रांजिशन इन रशिया' (सं.) मनु मित्तल, कल्चर ऐंड सोसायटीज इन ट्रांजिशन, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- रितु एम. जैरथ, 'रिइंवेंशन आर ट्रांसफार्मेशन : रशिया ऐट द क्रासरोड्स' (सं.) रंजना सक्सेना और रश्मि दोरायस्वामी, रशिया ऐट द क्रासरोड्स : लैंग्यूवेज, लिट्रेचर, कल्चर ऐंड सोसायटी इन द XXI सेंचुरी, नई दिल्ली, 2008

जीवन विज्ञान संस्थान

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- राजेन्द्र प्रसाद, 'रिस्पांसिस आफ पैथोजेनिक ऐंड नान–पैथोजेनिक यीस्ट स्पाइसीज टु स्टेराइड रिवील द फंक्शनिंग ऐंड इवोल्युशन आफ मल्टिड्रग रसिस्टेन्स ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क्स' दिदयेन्दु बनर्जी, गैलीलिलांडाइस, सुदांशु शुक्ला, गौरंग मुखोपाध्याय, क्लाड जैक और फेडरिक डेवाक्स, यूकरियोटिक सेल, 7(2), 2008, 67–68
- राजेन्द्र प्रसाद, 'मल्टिड्रग ट्रांसपोटर्स सीएसीडीआरएलपी ऐंड सीएएमडीआर I पी आफ कैनडिडा अल्बिकेंस डिस्प्ले डिफ्रेंट लिपिड स्पेसिफिसिटीज : बोथ एरगोस्टेरोल ऐंड स्पिंगोलिपिड्स आर इसेसनल फार टार्गेटिंग आफ सीएसीडीआर I पी टु मेम्ब्रेन रैफ्ट्स' (सं.) रितु पसरिजा और स्नेह लता पवार, एन्टिमाइक्रोबायल एजेंट्स ऐंड कीमोथेरपि, 52(2), 2008, 694–704
- राजेन्द्र प्रसाद, रमन मनोहर लाल, नसीम अख्तर गौर, स्नेह लता पवार और जोयकिम मोरर्सचासर, 'ट्रांस्क्रिप्शनल एक्टिवेशन ऐंड इंक्रीज्ड एमआरएनए स्टेबिलिटी कंट्रीब्यूट टु ओवरएक्सप्रेशन आफ सीडीआर I इन एजोल रसिस्टेंट कैनडिडाअल्बिकेन्स', एन्टिमाइक्रोबायल एजेन्ट्स ऐंड कीमोथेरपि, 52(4), 2008, 1481–92
- राजेन्द्र प्रसाद, सैफ हमीद, तुलिका प्रसाद, दिब्येन्दु बनर्जी, अपर्णा चन्द्र, चिनमय के. मुखोपाध्याय, श्यामल के. गोस्वामी, अली अब्दुल लतीफ, ज्योत्सना चन्द्र, प्रणब मुखर्जी और महमूद घनौम, 'आयरन डेप्रिवेशन इंडयूस्ड ईएफजीआई मिडिएटिड हाइफल डिवलपमेंट इन कैनडिडा अल्बिकेंस विदाउट अफेक्टिंग बायोफिल्म फार्मेशन : एफईएमएस ईस्ट रिसर्च, 8(5)', 2008, पृ. 744–55
- राजेन्द्र प्रसाद, वर्षा राय, मनीषा गौड़, अन्तरेश कुमार, सुधांशु शुक्ला और सुधा कामथ, 'ए नावल कैटेलिटिक मकेनिज्म फार एटीपी हाइड्रोलिस इंप्लाइड बाई द एन टर्मिनल न्यूक्लिओटाइड बाइडिंग डोमेन आफ सीडीआर Iपी, ए मल्टिड्रग एबीसी ट्रांसपोर्टर आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स' बायोकिम बायोफिज एक्टा, 1778(10), 2008, 2143–53
- राजेन्द्र प्रसाद, रोलेण्ड वाकी, आइवोना गैबरिल, जेफ्री एफ बेकर, जान डब्ल्यु पेनी और स्लावोमिर मिलवस्की, 'इनहेंस्ड सस्पेक्टिबिलिटी टु एन्टि फंगल ओलिगोपेप्टाइड्स इन यीस्ट स्ट्रेन्स ओवरएक्सप्रेसिंग एबीसी मल्टिड्रग इफ्लक्स पम्प्स : एन्टिमाइक्रोबायल एजेंट्स ऐंड कीमोथेरपि' 52(11), 2008, 4057–4067
- राजेन्द्र प्रसाद, मनीषा गौड़, निधि पुरी, रमन मनोहरलाल, वर्षा राय, गौरंग मुखोपाध्याय और देवप्रिया चौधरी, 'एमएफएस ट्रांसपोर्टोम आफ द ह्युमन पैथोजेनिक यीस्ट कैनडिडा अल्बिकेंस, बीएमसी जिनोमिक्स' 579(9), 2008
- राजेन्द्र प्रसाद, स्नेहलता पवार, रितु पसरिजा, 'मेम्ब्रेन होमोइयोस्टासिस ऐंड मल्टिड्रग रसिस्टेन्स इन यीस्ट' बायोसाइंस रिप, 28(4), 2008, 217–228
- राजेन्द्र प्रसाद, सुधांशु शुक्ला और तुलिका प्रसाद, 'मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ एन्टिफंगल ड्रग रसिस्टेन्स' माइक्रोबायल रसिस्टेंस 9वीं टाटा स्मारक संगोष्ठी की कार्यवाही में, बंगलौर, 'फंगल इनफैक्शन इन इण्डिया, मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ इमर्जिंग एन्टि फंगल रसिस्टेन्स' बंगलौर, 11 मार्च 2008, 213–227, 2009
- के.सी. उपाध्याय, एम.के. राजपूत, 'केयर एल ए, टीवाई3–जिप्सी लाइक एलटीआर रेट्रोट्रांस्पोसोन इन द फूड लैग्यूम चिकपी (साइसर एरिटिनम)' जिनेटिका, जनवरी 2009
- आर.के. सक्सेना, एम.आई. गिलमोर और एम.डी. हेज, 'आइसोलेशन ऐंड क्वांटिटेटिव एस्टिमेशन आफ डीजल एक्जास्ट ऐंड कार्बन ब्लैक पार्टिकल्स इनगेस्टिड बाई लंग इपिथेलियल सेल्स ऐंड एल्वेलर मैक्रोफेज्स इन विट्रो बायोटेक्नीक्स' 44, 2008, 799–805
- आर.के. सक्सेना, एस. खण्डेलवाल, 'ए रोल आफ फास्फेटिडाइलसेरिन एक्सटर्नलाइजेशन इन क्लियरेन्स आफ यंग इरिथ्रोसाइट्स एक्सपोज्ड टु स्ट्रेस बट नाट इन इलिमिनेटिंग एजिंग पाप्यूलेशंस आफ इरिथ्रोसाइट एक्सपेरिमेंटल जिरेंटोलाजी' 43, 2008, 764–70
- आर.के. सक्सेना, पी.वी. ललिता, एस. विश्वास और सी.आर. पिल्लई, (2008) 'प्रोडक्शन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ डोमेन I+II ऐंड एएमए–I इक्टोडोमेन फ्राम इण्डियन पी, फाल्सिपेरम एलिलेस, वैक्सीन 26, 2008, 4526–35'

- आर.के. सक्सेना, एन. सलम, एस. गुप्ता, एस. शर्मा, एस. पहुजणि, ए. सिन्हा, के. नटराजन, 'प्रोटेक्टिव इम्युनिटी टु माइकोबैक्टिरियम ट्युबरकुलोसिस इंफेक्शन बाई कीमोकाइन ऐंड साइटोकिन कंडीशन्ड सीएफपी–10 डिफ्रेसिएटिड डेंड्रेटिक सेल्स' प्लासवन 3(8), 2008, ई 2869
- आर.के. सक्सेना, ए. गुप्ता, एन. सलम, वी. श्रीवास्तव, आर. सिंगला, डी. बहेड़ा, के.यू. खैयाम, आर. कोर्डे, पी. मल्होत्रा और के. नटराजन, 'वोल्टेज गेटिड कैल्सियम चैनल्स निगेटिवली रेग्यूलेट प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी टु माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस, प्लासवन' 4(4), 2009, ई 5305
- आलोक भट्टाचार्य, आर. जैन, जे. शांति रोक्का, एन. पधान, एस. भट्टाचार्य और एन गुलियन, 'कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन 1 आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ट्रांसिएटली एसोसिएटिड विद फैगोसाइटिक कप्स इन ए कैल्सियम इंडिपेंडेंट मैनर', सेल माइक्रोबायल 10, 2008, 1373–1389
- आलोक भट्टाचार्य, एस. त्यागी, सी. वैज, वी. गुप्ता, आर. भाटिया, एस. महेश्वरी और ए. श्रीनिवासन, 'सीआईडी–एमआईआरएनए : ए वैव सर्वर फार प्रिडिक्शन आफ नावल एमआईआरएनए प्रिकर्सर इन ह्युमन जिनोम, बायोकेम बायोफिज रेस काम, 372(4)' 2008, 831–41
- आलोक भट्टाचार्य, एन. ओसवाल, एन. साहनी, एसएस कामथ और आर मुत्थुस्वामी, 'यूनीक मोटिफ्स आइडेंटिफाई पीआईजी – ए प्रोटीन फ्राम ग्लाइकोजिलट्रांसफिरेस आफ जी–टी4 फैमिली' बीएमसी इवोल बायोल जून 4 2008, 168
- आलोक भट्टाचार्य, ए. बिश्नोई, ए. श्रीवास्तव, आर. राय, 'एमजीडीडी : माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस जिनोम डायवर्सिटी डाटाबेस', बीएमसी जिनोमिक्स 9:373, 2009
- आलोक भट्टाचार्य, एस.एम. मुस्तफी, आर.बी. मुतालिक, आर. जैन, के. चन्द्र और के.वी. चेरी, 'स्ट्रक्चरल करेक्ट्राइजेशन आफ ए नावल सीए 2+ बाइंडिंग प्रोटीन फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका : स्ट्रक्चरल बेसिस फार द आब्जर्ब्ड फंक्शनल डिफ्रेंसिस विद इट्स आइसोफार्म, जे बायोल इनआर्ग केम मार : 14(3)' 2009, 471–83
- आलोक भट्टाचार्य, आर. जैन, एस. कुमार, एस. गौरीनाथ और एस. भट्टाचार्य, 'एन ऐंड सी टर्मिनल डोमेन्स आफ द कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन ईएचसीएबीपी 1 आफ द पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका डिस्प्ले डिसिंडक्ट फंक्शन, प्लास वन : 4(4)' 2009
- आलोक भट्टाचार्य, एस.के. पाणिगृहि, जी.डी. झिंगम, आई सोम, डब्ल्यु ए पेट्रि, एस. भट्टाचार्य, 'प्रमोटर एनालिसिस आफ पैलिनड्रोमिक ट्रांसक्रिप्शनल यूनिट्स इन द राइबोसोमल डीएनए सर्कल आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका' युक सेल 8, 2009, 69–76
- सुधा एम. कौशिक, अंजली डाइक, 'सोल्युशन स्ट्रक्चर आफ एनके 1 अगोनिस्ट फाइलोमेडुइज्म बाउंड टु डीपीसी माइसेल्स' जर्नल आफ स्ट्रक्चरल बायोलाजी, 2009, प्रकाशनाधीन
- सुधा एम. कौशिक, इन्द्र चन्द्रशेखर और गीता सुब्बाराव, 'मोलिक्युलर माडलिंग आफ द पेप्टाइड अगोनिस्ट – बाइडिंग साइट इन न्यूरोकाइनिन–2 रिसेप्टर' जे. केमिकल इंफार्मेशन ऐंड माडलिंग 2009, प्रकाशनाधीन
- सुधा एम. कौशिक, नजमा जहीर बाकर, आशिया ताहा, प्रदीप कुमार, पी. मैकलिन, आर.के. काले, आर. सिंह, दीपक शर्मा, 'ए मेटाबोलिक ऐंड फंक्शनल ओवरव्यू आफ ब्रेन एजिंग लिंक्ड टु न्यूरोलाजिकल डिस्आर्डर्स' बायोजिरेंटोलाजी, 2009, प्रकाशनाधीन
- आर.एन.के. बामजेई, के. अख्तर, वी. गुप्ता, ए. कौल, एन. आलम, आर. भट्ट, 'डिफ्रेंसियल बिहेवियर आफ निसेन्स म्युटेशंस इन द इंटरसब्निट कंटेक्ट डोमेन आफ ह्युमन पाइरूवेट काइनेस एम 2 आइसोजाइम, जे बायोल केम, 1 मई 2009
- आर.एन.के. बामजेई, एस. शर्मा, ई. राय, पी. शर्मा, एम. जेना, एस. सिंह, के. दरविशी, ए.के. भट्ट, ए.जे. भंवर, पी.के. तिवारी, 'द इण्डियन आरिजन आफ पैटर्नल हैप्लोग्रुप आर 1 ए सबस्टेंटिएट्स आटोक्थोनस आरिजन आफ ब्राह्मिन्स ऐंड द कास्ट सिस्टम' जे हम जिनेट 54(1), 2009, 47–55
- आर.एन.के. बामजेई और पी. भट्टाचार्य, 'बायोफिजिकल स्टडीज विद पैरालल स्ट्रांडिड ओलिगोडुप्लेक्स' जेम 431(1–2), 15 फरवरी 2009, 13–7

- आर.एन.के. बामजेई, एस. गोचैट, एस. धर, आर. पाल और पी. गुप्ता, 'एक्सप्रेशन आफ डीएनए डैमेट रिस्पांस जीन्स इंडिकेट प्रोग्रेसिव ब्रेस्ट ट्युमर' कैंसर लिट 273(2) 18 जनवरी 2009, 305–11
- आर.एन.के. बामजेई, एन. श्रीवास्तव, एस. गोचैट, डी. बोर पी, 'रोल आफ एच2 ए एक्स इन डीएनए डैमेज रिस्पांस ऐंड ह्युमन कैंसर्स' म्युटेट रेस 681(2–3), मार्च–जून 2009, 180–8
- आर.एन.के. बामजेई, शैलेश गोचैट, अवधेश भट्ट, सुवार्कर शर्मा, योगेन्द्र पाल सिंह, पवन गुप्ता, 'कनकोमिटेंट प्रिजेंस आफ म्युटेशंस इन माइटोकोंड्रियल जिनोम ऐंड पी 53 इन कैंसर डिवलपमेंट – ए स्टडी इन नार्थ इण्डियन स्पोरेडिक ब्रेस्ट ऐंड इसोफेजियल कैंसर पेशंट्स' इंट जे कैंसर, 123(11), 1 दिसम्बर 2008, 2580–6
- पी.के. यादव, 'एक्सप्रेशन आफ टार्गेटिड राइबोजाइम अगेंस्ट आरएनए कम्पोनेंट आफ ह्युमन टेलोमिरेस ऐंड एसोसिएटिड चेन्जस, आर सुरेश कुमार, बी.सी. दास, कम्यूनिकेटिड टु इंटरनेशनल जर्नल आफ कैंसर।
- आर. मधुबाला, ए. झींगरन, बी. चावला, एस. सक्सेना और एम.पी. बरेट, 'पैरामोमाइसिन : अपटेक ऐंड रसिस्टेन्स इन लीशमैनिया डोनोवानी' मोल बायोकम पैरासिटोल, 164(2) 2009, 111–7
- आर. मधुबाला, स्वाती मण्डल, महेन्द्र महरजन, सुदिप्तो गांगुली, मिताली चटर्जी, सरमन सिंह और फ्रेडरिक एस. बकनर 'हाईथ्रुपुट स्क्रीनिंग आफ अमेस्टिगोटेस आफ लीशमैनिया डोनोवानी क्लिनिकल आइसोलेट्स अगेंस्ट ड्रग्स यूजिंग ए कोलोरिमेट्रक लैक्टामेस अवे, इण्डियन जर्नल आफ एक्सपेरिमेंटल बायोलाजी, 47, 2009, प्रकाशनाधीन
- आर. मधुबाला, ज्योति रथ, वी.एस. गौरी, स्वाती चट्टोपाध्याय, प्रसाद के. पदनाभन और एन. श्रीनिवासन, 'ए ग्लुटेथिओन स्पेस्फिक एल्डोज रिडक्टेस आफ लीशमैनिया डोनोवानी ऐंड इट्स पोटेंशल इंप्लिकेशंस फार मेथाइलग्लाइआक्सल डिटाक्सिफिकेशन पथवे' जीन 429(1–2), 2009
- आर. मधुबाला, महेन्द्र महरजन, सुषमा सिंह और मिताली चटर्जी, 'रोल आफ एक्वाग्लाइसेरोपोरिन (एक्यूपी I) जीन ऐंड ड्रग अपटेक इन एन्टमनी – रसिस्टेंट क्लिनिकल आइसोलेंट्स आफ लीशमैनिया डोनोवानी, अमेरिकन जर्नल आफ ट्रोपिकल मेडिसिन ऐंड हाइजिन, 79(1), 2008, 69–75
- आर. मधुबाला, अनुपम झिंगरन, अंकुर शर्मा, अलिना आर सिमोनियन, पासी सोइनियन, जोयको वेपसालेनियन और अलेक्स आर खोमटोव, नावल एग्मेटिन एनालाग, जी गानिडिनोआक्सिप्रोफिलेमाइन (जीएपीए) इफिसिएन्टली इनहिबिट्स प्रोलिफरेशन आफ लीशमैनिया डोनोवानी बाई डिप्लेशन आफ इंट्रोसेलुलर पालिएमाइन लेवल्स, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिक्स रिसर्च कम्यूनिकेशन, 375, 2008, 168–172
- आर. मधुबाला और मंजु जैन, 'करेक्ट्राइजेशन ऐंड लोकेलाइजेशन आफ ओआरएफएफ जीन फ्राम द एलडी I लोकस आफ लीशमैनिया डोनोवानी जीन' 416(1–2), 2008, पृ. 1–10
- आर. मधुबाला, अनुपम झिंगरन, प्रसाद के. पद्मनाभन, सुषमा सिंह, कृष्णपाल अनामिका, अभिजीत ए. बाकरे, सुधा भट्टाचार्य, आलोक भट्टाचार्य और नारायण स्वामी श्रीनिवासन, 'करेक्ट्राइजेशन आफ द एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका आर्निथाइन डिकार्बोक्सिलेस लाइफ एन्जाइम प्लास निग्लेक्टिड ट्रापिकल डिसीज्स, 2(1), 2008
- आर. मधुबाला, स्वाती चट्टोपाध्याय और प्रसाद के पद्मनाभन, 'ग्लाइआक्सिलेस पथवे आफ पैरासाइटिक प्रोटोजोवा : ए प्रमोसिंग कीमोथेप्युटिक टार्गेट' करंट ड्रग टार्गेट्स, 19(11), 2008, 957–65
- आर. मधुबाला, अनुपम झिंगरन, मिताली चटर्जी, 'इपिडेमिओलाजी ऐंड डायग्नोसिस, चेप्टर I : लीशमैनिया आफ्टर द जिनोम' (सं.) पीटर जे. माइलर और निकोलस फासेल, हारिजन साइंटिफिक प्रेस/कैस्टर अकादमिक, अप्रैल, 2008
- आर. मधुबाला, पी. भोमकर, सी.पी. उपाध्याय, एम. सक्सेना, ए. मुत्थुस्वामी और एन शिव प्रकाश, (2008), साल्ट स्ट्रेस एलिविएशन इन ट्रांसजेनिक विग्ना मुंगो एल हीप्पर (ब्लैकग्राम) बाई आवर एक्सप्रेशन आफ द ग्लाइआक्सोलेस I जीन यूजिंग ए नावल केस्ट्रम येलो लीफ कर्लिंग वायरल प्रमोटर' मोलिक्युलर ब्रीडिंग 22(2), 2008, 169–182
- एन.बी. सरीन, देब राय एस, एम. सक्सेना, पी. भोमकर, एम. पूगिन, टी हान, जेनरेशन आफ मार्कर फ्री साल्ट टालरेन्ट ग्लाई I ऐंड द क्रे जीन अंडर इंड्यूसिबल प्रोमोटर, प्लांट सेल, टिश्यू ऐंड आर्गेन कल्चर, 95:1–11, 2009

- एन.बी. सरीन, बी. चट्टोपाध्याय, ए.के. सिंह, टी. यादव, सी.एम. फोगाट और एस. चक्रवर्ती, 'इनफेक्टिव आफ द क्लोन्ड कम्पोनेंट्स आफ ए बेगोमोवायरस : डीएनए वीटा कम्पलेक्स काजिंग चिली लीफ कर्ल डिसीज इन इण्डिया, आर्काइव्स आफ वीरोलाजी, 152(3), 2008, 7.5.7121
- एन.बी. सरीन, 'यू.एस. प्रसाद, मनोज कुमार और एस. मोहन जैन, 'लिट्जी ब्रीडिंग फार जिनेटिक इम्प्रूवमेंट इन : ब्रीडिंग प्लांटेशन क्राप्स' ट्रापिकल स्पीसीज, (सं.) एस. मोहन जैन और पी.एम. प्रियदर्शन, स्प्रिंगर, 2008, पृ. 217–246
- एन.बी. सरीन और मोहम्मद असलम युसुफ, 'ओवर एक्सप्रेशन आफ वाईटीएमटी जीन इन ब्रासिका जुंशिया फार वैल्यू एडिशन ऐंड एबिओटिक स्ट्रस एलिविएशन, यूटिलाइजेशन आफ बायोटेक्नोलाजी इन प्लांट साइंसिस' (सं.) डा. आई.डी. आर्या और डा. सरिता आर्या, एफआरआई, 2008, पृ. 111–123
- एन.बी. सरीन और मीतु गुप्ता, 'हैवी मेटल इंड्यूस्ड डीएनए चेंजिस इन एक्वाटिक मैक्रोफाइट्स : रैंडम एम्पलिफाइड पालिमार्फिक डीएनए एनालिसिस ऐंड आइडेंटिफिकेशन आफ सिक्वेंस करेक्ट्राइज्ड एम्पलिफाइड रीजन मार्कर इन जर्नल आफ एनवायरनमेंटल साइंस' पीपी भाग–21, अंक–5, 2008
- एन.बी. सरीन, मीतु गुप्ता, पल्लवी शर्मा और आलोक कृष्ण सिन्हा, 'डिफ्रेंसियल रिस्पांस आफ आर्सेनिक स्ट्रेस इन टु वैरायटीज आफ ब्रासिका जुंशिया एल केमास्फियर 74 : 2008, 1201–1208
- एस.के. गोस्वामी, एम. संघमित्रा, आई तालुकदार, एन. सिंगारपु, के.वी. सिन्धु, एस. कटेरिया, 'डब्ल्युई–40 रिपीट प्रोटीन एसजी 2 एनए हैज मल्टिपल स्लाइस वैरिएन्टस विद टिश्यू रिस्ट्रिक्टिड विद ग्रोन रिस्पांस प्रोपर्टीज' जीन 420(1) 15 अगस्त 2008, 48–56
- एस.के. गोस्वामी, एस. मुखर्जी, आई. लेकली और डी.के. दास, 'फ्रेसली क्रस्ट गार्लिक इज ए सुपिरियर कार्डिप्रोटेक्टिव एजेंट दैन प्रोसीड गार्लिक' जर्नल आफ एग्रीकल्चरल ऐंड फूड केमिस्ट्री, रिव्यू, (सं.) एस.के. गोस्वामी, डी.के. दास, रिस्विरेटोल ऐंड कीमोप्रिवेंशन, कैंसर लैट, 2 मार्च 2009, प्रकाश्नाधीन
- एस. चक्रबर्ती, टोमेटो लीफ कर्ल वायरसिस फ्राम इण्डिया, इनसाइक्लोपीडिया आफ वीरोलाजी, भाग–5 (सं.) बी.डब्ल्युजे माही और एमएचवी वैन रेगन मोर्टल, आक्सफोर्ड, 2008, पृ. 124–134
- एस. चक्रबर्ती, आर. वानिथरानी, बी. चट्टोपाध्याय और सी.एम. फौगाट, मोर विरूलेंट रिकम्बिनेशन ऐंड एसिमेट्रिक सिनरजिस्म बिटवीन टु डिस्टिंक्ट स्पाइसीज आफ काजिंग टोमेटो लीफ कर्ल डिसीज इन इण्डिया जर्नल आफ जनरल विरोलाजी, 89(3), 2008, 818–828
- एस. चक्रबर्ती, बी. चट्टोपाध्याय, ए.के. सिंह, टी. यादव, सी.एम. फौगाट और एन.बी. सरीन, 'इनफेक्टिविटी आफ द क्लोंड कम्पोनेंट्स आफ ए बेगोमोवायरस : डीएनए बीटा काजिंग चिली लीफ कर्ल डिसीज इन इण्डिया, आर्काइव्स आफ विरोलाजी 153(3), 2008, 533
- एस. चक्रबर्ती, बी. चट्टोपाध्याय, ए.के. सिंह, टी. यादव और एन.बी. सरीन, 'चिली लीफ कर्ल डिसीज इन इण्डिया इज काज्ड बाई द को इनफैक्शन आफ ए बेगोमोवायरस ऐंड ए बीटा सैटेलाइट इण्डियन जर्नल आफ विरोलाजी, 19(1), 2008, 121
- एस. चक्रबर्ती, पी. कुमारी, बी. चट्टोपाध्याय और ए.के. सिंह, 'बायोलाजिकल ऐंड मोलिकुलर करेक्ट्राइजेशन आफ ए बेगोमोवायरस एसोसिएटिड विद टोमेटो लीफ कर्ल डिसीज फ्राम धनबाद, इण्डियन जर्नल आफ विरोलाजी, 19(1), 2008, 122
- एस. चक्रबर्ती, बी. जार्ज अख्तर और बी. चट्टोपाध्याय, 'एक्सप्रेशन ऐंड प्यूरिफिकेशन आफ रिप्लिकेशन इनिसिएटर प्रोटीन (रिप) आफ टोमेटो लीफ कर्ल गुजरात, 2008
- एस. चक्रबर्ती, बी. शर्मा और आर.डी. अम्बेडकर, 'ए वैरी लार्ज सी–लूप इन इजीएफ डोमेन IV इन करेक्ट्राइजिस्टिक आफ द पी28 फैमिली आफ ओकाइनेट सर्फेसप्रोटीन्स, जेमोल माडल 15(3), 2009, 309–21
- ए.के. सक्सेना, बी. शर्मा और एम.के. जैसवाल, 'ईजीएफ डोमेन II आफ प्रोटीन पीबी28 फ्राम प्लाज्मोडियम बरघेई इंटरएक्ट्स विद मोनोक्लोनल ट्रांसमिशन ब्लाकिंग एन्टिबाडी 13.1, जे मोल माडल 15(4), 2009, 369–82
- ए.के. सक्सेना और बी. शर्मा, 'होमोलाजी माडलिंग ऐंड फाइलेजिनेटिक इलाटिओशिप्स आफ प्लाज्मोडियम पी 25 सर्फेस प्रोटीन्स बीएमसी रिसर्च नोट्स (स्वीकृति), 2009

- ए.के. सक्सेना, डब्ल्यु यिमिन और डी.एन. गार्बोजी, 'प्लाज्मोडियम पी25 सर्फेस प्रोटीन्स : पोटेंशल मलेरिया ट्रांसमिशन ब्लाकिंग वैक्सीन्स, यूकारियोटिक सेल 6(8), 2007, 1260–1265
- ए.के. सक्सेना, वी. यादव, एम. कुमार, एन. टुटेजा और ए.के. जौहरी, 'फास्फेट ट्रांसपोर्टर फ्राम एक्जिनिकली कल्टीवेबल आर्बेस्कुलर माइकोर्हिजा लाइक फंगस इरिफारमोसपोरा इंडिका ऐंड इट्स रोल इन द फास्फेट ट्रांसफर टु द प्लांट्स, जे. बोल केम, 2009
- ए.के. सक्सेना और डेविड एन गार्बोजी, 'स्ट्रक्चर आफ फ्री ऐंड एन्टीजन बाउन्ड फार्म आफ फैब फ्रग्मेंट आफ मलेरिया ट्रांसमिशन ब्लाकिंग एन्टिबाडी ? ए2 अगेंस्ट पी. विक्स पी25 प्रोटीन एक्टा क्रस्टालोजर डी बायोल क्रस्टालोजर, 2009
- एस. सरन, आर. घोष, ए. छाबड़ा, पी.ए. फाटेल, एस.के. सम्राट, जे. शर्मा, ए. गोसाई, डी. मोहन्ती, आर.एस. गोखले, 'डिसेक्टिंग द फंक्शनल रोल आफ पालिकेटाइड सिंथेथिस इन डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोडियम : बायोसिंथेसिस आफ द डिफ्रेंसिएशन रैग्युलेटर फैक्टर 4 मेथाइल–5 पेंटाइलबेंजनी–1, 3, डिओल जे बायोलकेम 283(17) 25 अप्रैल 2008, 11348–54
- एस. सरन, आर. दिव्या नायर, रत्ना घोष, अल्जु मनोचा और राजेश सी. गोखले, डिलिनेटिंग रोल आफ टु इसेंशनल फास्फोपेंटेथिनाइल ट्रांसफिरेसिस इन डिक्टिओस्टेलियम डिस्कोडियम (प्रस्तुत)
- एस. सरन, रोल आफ एचडीएसी'स इन द डिवलपमेंट ऐंड डिफ्रेंसिएशन आफ डिक्टिओस्टेलियम डिस्कोडियम (सं.) रेखा लोहिया, पाइन्सखेम बोक स्वेर और श्वेता सरन, 4–6 दिसम्बर 2008 को पुणे में 'स्टेम सेल्स ऐंड पैटर्न फार्मेशन' विषयक अखिल भारतीय सेल बायोलाजी सम्मेलन।
- एस. सरन, 'आइडेंटिफिकेशन ऐंड एक्सप्रेशन पैटर्न्स आफ द होमिओडोमेन कंटेनिंग जीन्स आफ डिक्टिओस्टेलियम डिस्कोडियम' (सं.) हिमांशु मिश्रा, अभिषेक सिंह और श्वेता सरण 4–6 दिसम्बर 2008 को पुणे में 'स्टेम सैल्स ऐंड पैटर्न फार्मेशन' विषयक अखिल भारतीय सेल बायोलाजी सम्मेलन।
- एस. सरन, 4–6 दिसम्बर 2008 को आगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट पुणे में 'स्टेम सेल्स ऐंड पैटर्न फार्मेशन' विषयक अखिल भारतीय सेल बायोलाजी सम्मेलन व संगोष्ठी।
- डी. शर्मा, अमर ज्योति और पल्लवी सेठी, 'एजिंग एक्सिलरेट्स द प्रोग्रेशन ऐंड मैनिफेस्टेशन आफ सीजर्स इन पोस्ट ट्रामेटिक माडल आफ इपिलेप्सी' न्यूरोसाइंस लेट 453 : 2009, 86'91
- डी. शर्मा, अमर ज्योति और पल्लवी सेठी, 'करकुमिन प्रोटेक्ट्स फ्राम इलैक्ट्रोबिहेवियरल प्रोग्रेशन आफ सीजर्स इन आयरन इंडयूस्ड एक्सपेरिमेंटल माडल आफ इपिलेप्टोजिनेसिस, इपिलेप्सी ऐंड बिहेवियर 14 : 2008, 300–308
- डी. शर्मा, आशिया ताहा, मोनिका मिश्रा और एनजेड बाकर, 'रिस्पांस आफ एनए$^+$,के$^+$ एटपेस एक्टिविटी टु द ओल्ड रैट ब्रेन रीजन्स' इण्डियन जे एक्स बायोल, 46 : 2008, 852–854
- डी. शर्मा, पल्लवी सेठी, अमर ज्योति और ऐजाज हुसैन, 'अलुमिनियम इंडयूस्ड इलैक्ट्रोफिजिओलाजिकल' बायोकेमिकल ऐंड कोग्निटिव मोडिफिकेशंस इन द हिप्पोकैम्पस आफ एजिंग रैट्स, न्यूरोटाक्सिकोलाजी 29 : 2008, 1069–79
- डी. शर्मा, एन. सिन्हा, ए. ताहा और एन.जेड़. बाकर, 'एक्सोजिनस एडमिनिस्ट्रेशन आफ डिहाइड्रोइपेंड्रोस्टेरोन एटेन्यूटस लास आफ सुपरआक्साइड डिस्म्युट्स एक्टिविटी इन द ब्रेन आफ ओल्ड रेट्स, इण्डियन जे बायोफी बायोकेम 45 : 2008, 57–60
- डी. शर्मा, पी. कुमार, ए. ताहा, आर.के. काले और एन.जेड़. बाकर, 'इफैक्ट आफ डिहाइड्रोइपेंड्रोस्टेरोन (डीएचईए) आन मेम्ब्रेन फंक्शन इन एजिंग रैट ब्रेन रीजन्स, बायोजिरेंटोलाजी 9 : 2008,235–246
- डी. शर्मा, के. जेनी और एस. सिंह, 'इफैक्ट आफ पैराडाक्सिकल स्लीप डैप्रिवेशन आन आक्सिडेटिव स्ट्रेस पैरामीटर्स इन ब्रेन रीजन्स आफ एडल्ट ऐंड ओल्ड रैट्स' बायोजिरेंटोलाजी, 9 : 2008, 153–162
- आर.पी. सिंह, के. रैना, जी. दीप, डी. चान और आर. अग्रवाल, 'सिलिबिनिन सप्रेसिस ग्रोथ आफ ह्युमन प्रोस्टेट कार्सिनोमा पीसी–3 आर्थोटापिक जेनोग्राफ्ट वाया एक्टिवेशन आफ एक्ट्रासेलुलर सिग्नल रेग्युलेटिड काइनेस 1/2 ऐंड इनहिबिशन आफ सिगनल ट्रांसड्यूसर्स ऐंड एक्टिवेटर्स आफ ट्रांसक्रिप्शन सिग्नेलिंग, क्लिनिकल कैंसर रिसर्च' 15 : 2009, 613–21

- आर.पी. सिंह, एस. राय, एम. ग्यु, के. रामास्वामी, सी. अग्रवाल, एस श्रीवर्दन, आर.ए. स्कालफनी और आर. अग्रवाल, 'पी 21/सीआईपी1 ऐंड पी27/किप 1 आर इसेसनल मोलिक्युलर टार्गेट्स आफ इनिसिटोल हैक्साफास्फेट फार इट्स एन्टिट्युमर इफिकेसी अगेंस्ट प्रोस्टेस्ट कैंसर, कैंसर रिसर्च 69, 2009, 1166–73
- आर.पी. सिंह, ए. त्यागी, के. रामास्वामी, के. रैना, इ.एफ. रिडेंटि, डवेयर नील्ड एल.डी., आर.ए. रैडक्लिफ, ए.एम. मैलकिंशन और आर. अग्रवाल, 'ग्रोथ इनहिबिशन ऐंड रिग्रेशन आफ लांग ट्युमर्स बाई सिलिबिनिन : माड्यूलेशन आफ एन्जिओजेंसिस बाई मैक्रोफेज एसोसिएटिड काइनेस ऐंड न्यूक्लियर फैक्टर – कप्पा बी ऐंड सिग्नल ट्रांसड्युसर्स ऐंड ऐक्टिवेटर्स आफ ट्रांसक्रिप्शन 3' कैंसर प्रिवेंशन रिसर्च, 2009, 74–83
- आर.पी. सिंह, टी.जे. कैग, एस.वाई ली, आर. अग्रवाल और डी.एस. यिम, 'एन्टी ट्यूमर एक्टिविटी आफ आक्सिपिसेडानिन फ्राम आस्टेरिकम कोरियनम अगेंस्ट ह्युमन प्रोटेस्ट कार्सिनोमा डीयू 145 सेल्स' एक्टा ओंकोलाजिका, 27 मार्च 2009, 1–6
- आर.पी. सिंह, के. रैना, एस. राजमणिकम, जी. दीप, एम. चित्जहाथ और आर. अग्रवाल, 'स्टेज पेस्फिक इनहिबिट्री इफैक्ट्स ऐंड एसोसिएटिड मकेनिज्म आफ सिलिबिनिन आन ट्युमर प्रोग्रेशन ऐंड मेटासटेसिस इन ट्रांसजेनिक एडेनोकार्सिनोमा आफ द माउस प्रोस्टेट माडल' कैंसर रिसर्च, 68, 2008, 6822–30
- आर.पी. सिंह, के. रैना, जी. शर्मा, आर अग्रवाल, 'सिलिबिनिन इनहिट्स एस्टेबिलिस्ड प्रोस्टेट टृयुमर ग्रोथ, प्रोग्रेशन, इनवेजन ऐंड मेटास्टेसिस ऐंड सप्रेसर ट्युमर एन्जिओनेसिस ऐंड इपिथेलियल मेसलकाइमल ट्रांजिशन इन ट्रांसजेनिक एडेनोकार्सिनोमा आफ द माउस प्रोस्टेट माडल माइस, क्लिनिकल कैंसर रिसर्च, 14, 2008, 7783–80
- आर.पी. सिंह, बी. वेलमुरगन, ए. त्यागी और आर. अग्रवाल, 'इनहिबिशन आफ एजोक्सीमिथेन इंड्यूस्ड कोलोनिक एबरेन्ट क्रिप्ट फोकी फार्मेशन बाई सिलिनिन इन मेल फिशर 344 रैट्स कैंसर प्रिवेंशन रिसर्च, 2008, 367–84
- आर.पी. सिंह, जी. दीप, के. रैना, एन.एच. ओबरलीज, डी.जे. कोल और आर. अग्रवाल, 'आइसोलेशन इनहिबिट्स एडवांस्ड ह्युमन प्रोस्टेट कैंसर ग्रोथ इन एथिमिक न्युड माइस : कम्पेरिजन विद सिलिमेरिन ऐंड सिलिबिनिन' इंटरनेशनल जर्नल आफ कैंसर, 123, 2008, 2750–8
- आर.पी. सिंह, एम. चित्जहाथ, जी. दीप, सी. अग्रवाल और आर. अग्रवाल, 'सिलिबिनिन इनहिबिट्स साइटोकाइन इंडयूस्ड सिग्नेलिंग कैसकेड्स ऐंड डाउनरेग्यूलेट्स इंड्यूसिबल नाट्रिक आक्साइड सिंथेस इन ह्युमन लंग कार्सिनोमा ए549 सेल्स, मोलिक्युलर कैंसर थेरपि 7; 2008, 1817–26
- आर.पी. सिंह, एस. राय, सी. अग्रवाल, एस श्रीवर्दन, आर स्कलाफनी और आर. अग्रवाल, 'डाउनरेग्युलेशन आफ बोथ पी21/सीआईपी1 ऐंड पी27/केआईपी1 प्रोड्यूस ए मोर एग्रेसिव प्रोस्टेट कैंसर फेनोटाइप' सेल साइकल 12, 2008, 1828–35
- आर.पी. सिंह, एस. राय, सी. अग्रवाल, एस. श्रीवर्दन, आर. स्कलाफनी और आर. अग्रवाल, 'डाउनरेग्युलेशन आफ बोथ पी21/सीआईपी1 ऐंड पी27/केआईपी1 प्रोड्यूस ए मोर एग्रेसिव प्रोस्टेट कैंसर फेनोटाइप, सेल साइकल 12, 2008, 1828–35
- एस.एस. कामथ, एम. नोंगखलाव, डी.के. झा, जेडब्ल्यु हाकेंस्मिथ और आर. मुत्थुस्वामी, 'डीएनए स्ट्रक्चरल रिकोग्निशन बाई एडाड, ए मैम्बर आफ एसडब्ल्युआई/एसएनएफ फैमिली डीएनए – डिपेंडेंट मोलिक्युलर मोटर डोमेन्स' न्युक्लिक एसिड रिसर्च, 2009 (स्वीकृति)
- एस.एस. कामथ, जी पाण्डेय और टी फातमा, 'स्पेस्फिक इंटरएक्शन आफ द लेगुन लेक्टिन्स, कानकेनेवलिन ए ऐंड पीनट एग्लुटिन, विद फाइकोसाइनिन, फोटोकेम फोटोबायोल, 2009 (स्वीकृति)
- एस.एस. कामथ, जी. पाण्डेय, टी. फातमा और एस.एम. कौशिक, 'स्पेस्फिक इंटरएक्शन आफ जैकेलिन विद फाइकोसाइनिन, ए फ्लोरसेंट फाइकोबिलिप्रोटीन, जे. फोटोकेम. फोटोबायोल बी बायोल, 2009 (स्वीकृति)
- एस.एस. कामथ, पी. सिंह, जे. कौर और बी. यादव, 'डिजाइन सिंथेसिस ऐंड इवैल्युएशन आफ एक्रीडोन डेरिवेट्स यूजिंग कैनडिडा अल्बिकेन्स – सर्च फार एमडीआर माड्युलेटर्स लेड टु आईडेंटिफिकेशन आन एन एन्टि कैन्डिडायासिस एजेंट' बाईआर्ग मेड केम, 2009 (स्वीकृति)
- एस.एस. कामथ, एन ओसवाल, एन.एस. साहनी, ए. भट्टाचार्य, आर. मुत्थुस्वामी, 'यूनिक मोटिफ्स आइडेंटिफाई पीआईजीए प्रोटीन्स फ्राम ग्लाइकोसिलट्रांसफिरेसिस आफ द जीटी4 फैमिली, बीएमसी इवोल बायोल, जून 4; 8 : 168, 2008'

- एस.एस. कामथ, 'फ्रेम आफ साइंस कर साइंस 94(11) 2008, 1363–1364
- ए. पारीक, एच.आर. कुशवाह, ए.के. सिंह, एस.के. सोपोरी और एस.एल. सिंगला पारीक, 'जिनोम वाइड एक्सप्रेशन एनालिसिस आफ सीबीएस डोमेन कंटेनिंग प्रोटीन्स इन अरेबिडोप्सिस थैलिना (एल)' हिंथ ऐंड ओरिजा सैटिवा एल रिवील्स देयर डिवलपमेंटल ऐंड स्ट्रेस रेग्यूलेशन, बीएमसी जिनोमिक्स, 2009, प्रकाशनाधीन।
- ए. पारीक, जी. कुमार, आर.एस. पुर्ती, और एस.एल. सिंगला पारीक, 'मेंटिनेंस आफ स्ट्रेस रिलेटिड ट्रांसक्रिप्ट्स इन टालरेंट कल्टीवर एट ए लेवल हायर देन सेंसिटिव वन अर्पीयर्स टु बी ए कंजर्वड सेलिनिटी रिस्पोंस अमंग प्लांट्स' प्लांट सिग्नेलिंग ऐंड बिहेवियर 4(5) (प्रकाशनाधीन) 2009
- ए. पारीक, आर. करन और एस.एल. सिंगला पारीक, 'हिस्टीडाइन काइनेस ऐंड रिस्पांस रेग्यूलेटर जीन्स ऐज दे रिलेट टु सैलिनिटी टालरेन्स इन राइस' फंक्शनल ऐंड इंटग्रेटिव जिनोमिक्स 2009
- ए. पारीक, पी. सिंह और एस.एल. सिंगला पारीक, 'हिट्रोलोगस एक्सप्रेशन आफ ए सैलिनिटी ऐंड डिवलपमेंटली रेग्यूलेटिड राइस साइक्लोफिलिन जीन (ओएससीवाईपी 2) इन इ कोली ऐंड एस सेरिविसिअ कंफर्म्स टालरेन्स टुवर्डस मल्टिपल एबिओटिक स्ट्रेसिस' मोल बायोटेक्नोलाजी, 2009, (प्रकाशनाधीन)
- ए. पारीक, जी. कुमार, आर.एस. पुर्ती, एम.पी. शर्मा और एस.एल. सिंगला पारीक, 'फिजिओलाजिकल रिस्पांसिस अमंग ब्रासिका स्पीसीज अंडर सैलिनिटी स्ट्रेस शो स्ट्रांग कोरिलेशन विद ट्रांसक्रिप्ट एबन्डेन्स फार एसओएस पथवे रिलेटिड जीन्स जर्नल आफ प्लांट फिजिओलाजी, 2009 (प्रकाशनाधीन)
- ए. पारीक, एस. कुमारी पंजाबी, नी. सबरवाल वी, एच.आर. कुशवाह, एस.के. सोपोरी और एस.एल. सिंगला पारीक, 'ट्रांसक्रिप्टोम मैप फार सीडलिंग स्टेज स्पेस्फिक सैलिनिटी स्ट्रेस रिस्पांस इंडिकेट्स ए स्पेस्फिक सैट आफ जीन्स ऐज कैन्डिडेट फार सैलाइन टालरेन्स इन ओरिजा सैटिवा एल, फंक्शनल ऐंड इंटरग्रेटिव जिनोमिक्स 9(1) : 2009,109–123
- ए. पारीक, आर.एस. पुर्ती, जी. कुमार और एस.एल. सिंगला पारीक, 'इनवाइटिड कंट्रीब्युशन टुवर्डस सैलिनिटी टालरेन्स इन ब्रासिका : एन ओवरव्यू' फिजिकल मोल बायोल प्लांट्स, 14 : 2008, 15–22
- ए. पारीक, ए.के. सिंह, एम.डब्ल्यु. अंसारी और एस.एल. सिंगला पारीक, 'इनवाइटिड कंट्रीब्यूशन रेंजिंग सैलिनिटी टालरेन्स राइस, रिसेंट प्रोग्रेस ऐंड फ्युचर्स पर्सपेक्टिव्स' फिजिओल मोल बायोल प्लांटस 14 : 2008, 23–32
- ए. पारीक, एस.एल. सिंगला पारीक, एस.के. यादव, एम.के. रेड्डी और एस.के. सोपोरी, 'इनहेंसिंग साल्ट टालरेन्स इन ए क्राप प्लांट बाई ओवरएक्सप्रेशन आफ ग्लाइकोलेस 2' टांसजेनिक रिसर्च 17 : 2008, 171–180
- एस. गौरीनाथ, आर. रंजन, ए. अहमद, पी. शर्मा, 'डिसेक्शन आफ मकेनिज्म इनवाल्वड इन द रेग्युलेशन आफ प्लाजमोडियम फाल्सिपेरम कैल्सियम डिपेंडेंट प्रोटीन काइनेस 4 (पीएफसीडीपीके4)' जे बायोल केम, 23 मार्च 2009
- एस. गौरीनाथ, आर. जैन, एस. कुमार, एस. भट्टाचार्य और ए. भट्टाचार्य, एन ऐंड सी टर्मिनल डोमेन्स आफ द कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन ईएचसीएबीपी1 आफ द पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका डिस्प्ले डिस्टिंक्ट फंक्शंस, प्लास वन 4(4), 5269, 2009
- एस. गौरीनाथ, एच. कृष्णा, एम. कुमार, एस. कुमार, एस. जैन और एन. आलम, 'क्रस्टल स्ट्रक्चर आफ नेटिव ओ एसिटिल सेरिन सल्फाइड्राइलेस फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्स कम्पलेक्स विद सिस्टीन : स्ट्रक्चरल इविडेंस फार सिस्टीन बाइंडिंग ऐंड लेक आफ इंटरएक्शंस विद सेरिन एक्टाइल ट्रांसफिरेस प्रोटीन्स 72, 2008, 1222–1232
- एस. गौरीनाथ, जे.ए. ब्राउन, वाई युतिंग, एल रेशटनिकोवा, डी. सुवेज्स, जे. कोर्डोस, एफ. हाबर, आर फ्युटल्जेल, एल. नित्रेय और सी. कोहन, एन अन स्टेबल हैड रोड जंक्शन में प्रमोट फोल्डिंग इनटु द कम्पैक्ट आफ स्टेट कंफरमेशन आफ रेग्यूलेटिड माइयोसिन्स, जे मोल बायोल, 325, 2008, पृ. 1434–1444
- ए.के. जोहरी, एम. कुमार, वाई यादव, एन टुटेजा, एन्टिआक्सिडेंट एन्जाइम्स एक्टिविटीज इन मेइज प्लांट्स कोलोनाइज विद पिरिफारमासपोरा इंडिका माइक्रोबायोजी, 155 : 2009, 780–790

- ए.के. जोहरी, वाई. यादव, एम. कुमार, एन टुटेजा और ए.के. सक्सेना, फास्फोट ट्रांसपोर्टर फ्राम एक्सिनिकली कल्टिवेबल आर्बेसकुलर माइकोर्हिजा लाइक फंगस पिरिफारमास्पोरा इंडिका ऐंड इंट्स रोल इन द फासफेट ट्रांफर टु द प्लांट्स जर्नल आफ बायोलाजिकल केमिस्ट्र, 2009
- ए.के. जोहरी, ए. शर्मा, डी. आर्या, एम. ओहरी, ए. कुमारी, एस. मणि, ए. सिंह, जी. मेहता और डी. नायर, सेरोटाइपिंग इनवेशन टु ऐंड इम्यून रिस्पांस आफ ग्रुप ए स्ट्रेपटोकोकस अंडर डिफ्रेंट फिजिओलाजिकल कंडीशंस (माइकोबायोलाजी यूके को प्रकाशन हेतु प्रस्तुत) 2009
- एस.एल. पवार, आर. मनोहरलाल, एन.ए. गौड़, जे. मोर्सछासर और आर. प्रसाद, 'ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिवेशन ऐंड इंक्रीज्ड एमआरएनए स्टेबिलिटी कंट्रीब्यूट टु ओवरएक्सप्रेशन आफ सीडीआर1 इन एजोल रसिस्टेंट कैनडिडा अल्बिकेन्स एन्टिमाइक्रोब एजेन्ट्स कीमोथर, 52(4), 2008, 1481–92
- एस.के. झा और वी. मदन, वाट इज स्लीप ऐंड वाई इज इट नीडिड ? इंट जे लाइफ साइंस ऐंड टेक 1(1), 2008, 9–23
- एस.के. झा, जे. सेब्ट, एस.जे. अटोन, टी. कोलमैन, एम.सी. डोमोलिन और एम.जी. फ्रेंक : द नान बेन्जोडिअजेपाइन हिप्नोटिक जोल्पिडेम इम्पैरिस स्लीप डिपेंडेंट कोर्टिकल प्लास्टिसिटी स्लीप 31, 2008, 1381–91
- एस.के. झा, ए थरबर, डी. कोलमैन और एम.जी. फ्रेंक, 'ए प्रिलिमिनरी स्टडी आफ स्लीप ओंटोजेंसिस इन द फिरेट (मस्टेला प्युटोरियस फ्युरो)' बिहेव ब्रेन रेस 189 : 2008, 41–51
- एस.के. झा, बी.एन. मलिक और वी. मदान, 'रेपिड आई मूवमेंट स्लीप रेग्यूलेशन बाई माड्यूलेशन आफ नार्डरएनर्जिक सिस्टम' (सं.) जे.एम. मोन्टी, एस.आर. पाण्डी पेरूमल और सी.एम. सिन्टम, न्यूरोकेमिस्ट्री आफ स्लीप ऐंड वेकफुलनेस, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस,, न्यूयार्क, 2008, 59–84
- एस.के. झा, एस.जे. अटोन, जे. सेब्ट, एम. डोमोलिन, एन. स्टेननेट्ज, टी. कोलमैन, एन. नायडु और एम.पी. फ्रेंक, 'मकेनिज्म आफ स्लीप डिपेंडेंट कंसोलिडेशन आफ कोर्टिकल प्लास्टिसिटी' न्यरोन, 61(3), 2009, 454–66
- एस.के. झा और बी.एन. मलिक, 'प्रिजेंस आफ 1 एनई – एर्जिक ऐंड गाबा – ए रिसेप्टर्स आन एमपीओएएच थर्मोसेंसिटिव न्यूरोन्स ऐंड देयर रोल इन इंटिग्रेटिंग ब्रेनस्टेम ए रास इनपुट्स इन थर्मोरेग्युलेशन इन रैट्स' न्यूरोसाइंस 158(2), 2009, 833–44
- एस.के. झा, वी.ई. यूबेल, सी.ई. नस, वी.वी. संतारिली, एस.एल. गरशन, जेम्स सी. बरो जे.सी., एस.आर. स्टाफर, एच.जी. सेलनिक, के.एस. कोबालन, जे.जे. रेंजर, एस. अटोन, जेसेब्ट, एम. डोमोलिन, टी. कोलमैन आफर एम.जी. फ्रेंक, टी–टाइप कैल्सियम चैनल्स रेग्यूलेट कोर्टिकल प्लास्टिसिटी इन वाइवो, न्यूरोरिपोर्ट, 20(3), 2009, 257–62
- एस.के. झा, एन. सु, एस.के. झा, टी कोलमैन और एम.जी. फ्रेंक, 'पैराडाक्सिकल इफैक्ट्स आफ द हिप्नोटिक जोप्लिडेम इन नियोनेटल फिरेट' बिहेव ब्रेन रेस, 20(1), 2009, 233–236
- ए.बी. टिक्कु, एस.के. अब्राहम और आर.के. काले, 'प्रोटेक्टिव इफैक्ट आफ द क्रुसिफेरम वैजिटेबल मस्टर्ड लीफ (ब्रासिका कम्पेसट्रिस) अगेंस्ट इन वाइवो क्रोमोसोमल डैमेज ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इंड्यूस्ड बाई गामा रेडिएशन ऐंड जेनोटाक्सिक केमिकल्स' एनवायरनमोल म्युटेजिन, 49(5), 2008, 335–342
- एन. पुरी और पी.ए. रोची, 'मास्ट सेल्स प्रोसिस डिस्टिंक्ट सेक्रेटरी ग्रेनुल सबसेट्स हूज एक्सोसाइटोसिस इज रेग्यूलेटिड बाई डिफ्रेंट एसएनएआरई आइसोफार्म्स' प्रोक नेटल एकाड साइंस यूएसए, 105(7), 2008, 2580–2585
- जयश्री पाल, ए.के. राय और आर. चक्रबर्ती, डिडेक्शन आफ गैर्डिया, एन्टामोइबा ऐंड क्रिप्तोस्पोरिडियम इन अनप्रोसेस्ड फूड आइटम्स फ्राम नार्दन इण्डिया, वर्ल्ड जे माइक्रोबायोल बायोटेक्नोल 24 : 2008, 2879–2887
- जयश्री पाल, सरनजीत प्रसाद कुमार और सुब्रामणियन, प्युरिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ आर्सेनाइट आक्सीडेस फ्राम अर्थोबैक्टर, स्पे बायोमेटल्स, 2009
- जयश्री पाल, रवि वर्मा और विनीत आहुजा, प्रिक्वेंसी आफ सिंगल न्यूक्लिओटाइड पालिमार्फिज्म इन एनओडी1 जीन आफ अल्सरेटिव पोलिटिस पेशंट्स : ए केस कंट्रोल स्टडी इन द इण्डियन पाप्यूलेशन, बीएमसी मेडिकल जिनेटिक्स, (संशोधित पाण्डुलिपि जमा की) 2009

- एस.के. अब्राहम, ए.बी. टिक्कू और आर.के. काले, प्रोटेक्टिव इफैक्ट आफ द कुसिफेरियस वैजिटेबल मसटर्ड लीफ (ब्रासिका कम्पेसट्रिस) अगेंस्ट इन वाइवो क्रोमोसोमल डैमेज ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इंडयूस्ड बाई गामा रैडिएशन ऐंड जेनोटाक्सिस केमिकल्स एनवायरनमेंटल ऐंड मोलिक्युलर टैजेनसिस 49(5), 2008, 335—342
- नजमा जहीर बाकर, ए मेटाबोलिक ऐंड फंक्शनल ओवरव्यू आफ ब्रेन एजिंग लिंक्ड टु न्यूरोलाजिकल डिस्आर्डर्स (सं.) आशिया ताहा, प्रदीप कुमार, वी. मैकलिन, एस.एम. कौशिक, आर.के. काले, आर. सिंह और दीपक शर्मा, बायोजिरेंटोलाजी, 2009 (प्रकाशनाधीन)
- नजमा जहीर बाकर, एन ए + के एटपेस एक्टिविटी इन रिसपांस टु एक्सोजेनस डिहाइड्रोइपिनड्रोस्टेरोन एडमिनिस्ट्रेशन इन एजिंग रैट ब्रेन, (सं.) आशिया ताहा, एम. मिश्रा और दीपक शर्मा, इण्डियन जे बायोकेम बायोफिज 46 : 2008, 852—854
- नजमा जहीर बाकर, इफैक्ट आफ डिहाइड्रोइपिनड्रोस्टेरोन (डीएचईए) आन मोनोमिन आक्साइड एक्टिविटी, लिपिड परआक्सिडेशन ऐंड लिपोप्युजन एक्युम्युलेशन इन एजिंग रैट ब्रेन रीजन्स (सं.) प्रदीप कुमार, आशिया ताहा, दीपक शर्मा और आर.के. काले, बायोजिरेंटोलाजी (4) 235—46, 9 अगस्त 2008
- नजमा जहीर बाकर, एक्सोजिनस एडमिनिस्ट्रेशन आफ डिहाइड्रोपिनड्रोस्टेरोन एटेन्यूट्स लास आफ सुपरआक्साइड डिस्म्युटेस एक्टिविटी इन द ब्रेन आफ ओल्ड रैट्स (सं.) एन. सिन्हा, आशिया ताहा, डी. शर्मा, इण्डियन जे बायोकेम बायोफिज, भाग 45, 2008, पृ. 57—60

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- एस.के. गोस्वामी, 'एनालिसिस आफ जीन रेग्यूलेशन बाई रिएक्टिव आक्सिजन स्पीसीज इन मेथड्स, रिडाक्स सिग्नेलिंग' (सं.) डी.के. दास, मैरी इन्न लिबर्ट, इंक, 2009
- आर.पी. सिंह, तारिक ए. भट्ट, ए. मित्तल, 'प्रिवेंशन आफ एन्जिओजेंसिस ऐंड मेटास्टेसिस, कीमोप्रिवेंशन आफ कैंसर ऐंड डीएनए डैमेज बाई डाइट्री फैक्टर्स' (सं.) एस. क्नासमुल्लर, डी.एम. डिमैरिनी, आई. जानसन, सी. गेरहासर, विले वीसीएच वेरालाग जीएमबीएच ऐंड कं. केजीकेए, वेनहेम, 2009, पृ. 163—183
- आर.पी. सिंह, ए. मित्तल, 'एन्टिकैंसर ऐंड इम्यूनोमाड्यूलेट्री प्रापर्टीज आफ टिनोस्पोरा, हर्बल ड्रग्स : एथनोमेडिसिन टु माडर्न मेडिसिन' (सं.) के.जी. रामावत, स्पिंगर वेरलाग बर्लिन हिडलबर्ग, 2009, पृ. 195—204
- एस.एल. पवार, हिना सनवाल और राजेन्द्र प्रसाद, 'एटीपी बाइंडिंग कैसिट (एबीसी) ट्रांसपोर्टर्स इन यीस्ट देयर रोल इन मल्टिड्रग रसिस्टेंस ऐंड सरवाइवल, ए बुक आन एबीसी ट्रांसपोटर्स इन माइक्रोआर्गेनिज्म : रिसर्च इनोवेशन ऐंड वैल्यू ऐज टार्गेट्स अगेंस्ट ड्रग रसिस्टेंस' अलिका पोन्टी सकरे : कैस्टर अकादमिक प्रेस द्वारा प्रकाशित, 2009

सम्मेलन/संगोष्ठी आलेख

- पी.के. यादव ने 17—18 नवम्बर 2008 को राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान में आयोजित 'ह्युमन वायरिसिस ऐंड ट्रांसलेशनल मेडिसिन' विषयक संगोष्ठी में 'जेनेशन आफ रिकम्बिनेंट मीजल्स वायरस एक्सप्रेशन ह्युमन सीडी4' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, आस्मा भास्कर, जितेन्द्र भादुरी और ज्योति बाला।
- पी.के. यादव ने 19—20 दिसम्बर 2008 को 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आरएनए एप्टामर्स रिकोग्नाइजिंग ग्लुटेथिओन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, ज्योति बाला और आशिमा भास्कर।
- पी.के. यादव ने 19—20 दिसम्बर 2008 को 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टेलोमिरेस : ए पोटेंशल थेराप्यूटिक टार्गेट फार कैंसर प्रिवेशन ऐंड ट्रीटमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, अखिल वार्ष्णेय और सुरेश कुमार।
- पी.के. यादव ने 19—20 दिसम्बर 2008 को 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट आफ कैंसर' विषयक अनतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मीजल्स वायरस ऐज ए टार्गेटिड ड्रग डिलिवरी विहिकल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, आशिमा भास्कर, जितेन्द्र बघाई और ज्योति बाला।

- पी.के. यादव ने 25 नवम्बर 2008 को एमएस विश्वविद्यालया, बड़ोदरा में आयोजित 'आरएएनआई' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आरएनए टूल्स ओपनिंग न्यू विस्टास आफ इन्क्वायरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, रमेश यादव, विन्सेंट दमाई, रवीन्द्र कुमार, आर. सुरेश कुमार, चंचल कुमार, आशिमा भास्कर, ज्योति बाला और अखिल वार्ष्णेय।
- पी.के. यादव ने 26 नवम्बर 2008 को वल्लभ विद्यानगर में आयोजित 'पैशन टु मिशन इन मोलिक्युलर बायोलाजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'न्यू रोल्स फार न्यूक्लिक एसिड्स : प्रोटेस्ट्स आफ फाइंडिंग टार्गेट्स ऐंड थेराप्यूटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.के. यादव ने 31 जनवरी 2009 को कालेज आफ कामर्स, पटना में आयोजित 'थेराप्यूटिक न्यूक्लिक एसिड्स' विषयक पटना साइंस सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.के. यादव ने फरवरी 2009 में एसवीबीपीयू, मेरठ में 'बायोटेक्नोलाजी इन एग्रीकल्चर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एप्लिकेशंस आफ न्यू बायोलाजिकल इंफार्मेशन इन क्लिनिक, एग्रीकल्चर ऐंड इंडस्ट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.के. यादव ने मार्च 2009 में सीएएस इन बाटनी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 'जीन्स टु एनवायरनमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्पेक्युलेटिंग आन एन इविजिनेटिक रिवोल्युशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.बी. सरीन ने इम्प्रूविंग अबायोटिक स्ट्रेस टालरेन्स ऐंड वैल्यु एडिशन इन प्लांट्स थ्रू मैनिपुलेशन आफ टोकोफेरल बायोसिंथेटिक पाथवे विषयक आलेख।
- पी.सी. रथ ने जनवरी 2009 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बी.डी. शर्मा चिकित्सा विश्वविद्यालय, रोहतक में आयोजित मेडिकल बायोटेक्नोलाजी' विषयक सम्मेलन में 'इंटरफेरान ऐंड टीएनएफ पाथवे जीन्स, कैंसर सिग्नेलिंग नेटवर्क्स ऐंड मोलिक्युलर थेराप्युटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह, ए. तारिक, आर. भट्ट, ए. पाल और आर. अग्रवाल, फिश्टिन ने 19–20 दिसम्बर 2008 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'नावल स्ट्रेटजीस फार टार्गेटिड प्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए पोटेंशल एन्टिएन्जिओजेनिक फाइटोकेमिकल' शीर्षक आलेख।
- ए. पारीक, एस. कुमार, पंजाबी सबरवाल, वी.आर. करन, एच.आर. कुशवाह, जी. कुमार और एस.एल. सिंगला पारीक ने 8–11 फरवरी 2009 को वियना विश्वविद्यालय, वियना, आस्ट्रिया में आयोजित 'प्लांट एबियोटिक स्ट्रस टालरेन्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'टुवर्डस अण्डरस्टेंडिंग हाऊ प्लांट्स सेल्स एबियोटिक स्ट्रेसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. पारीक ने एस.एल. सिंगला पारीक, के.के. साहू, ए.के. सिंह, ए. मुस्ताफिज और एस.के. सोपोरी ने 8–11 फरवरी 2009 को वियना विश्वविद्यालय, वियना आस्ट्रिया में आयोजित 'प्लांट एबियोटिक स्ट्रेस टालरेन्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्रिपेयरिंग फ्युचर राइस प्लांट टुवर्डस ट्राई ऐंड सेलाइन एरियाज : इंजीनियरिंग ग्लाइआक्सोलेज पाथवे' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन. पुरी ने 12–14 दिसम्बर 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की 35वीं वार्षिक बैठक में 'डिस्टिंक्ट सेक्रेटरी ग्रेनुल सब्सेट्स इन मास्ट सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन. पुरी, एन. कुमारी और आर.के. सक्सेना ने 12–14 दिसम्बर 2008 को जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित इण्डियन इम्युनोलाजी सोसायटी की 35वीं वार्षिक बैठक में 'इफेक्शन विद बीसीजी काजिस एन इंफेल्ट्री रिस्पांस इन लंग इपिथेलियल सेल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन. पुरी ने मार्च 2009 में जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित बायोस्पार्क्स में, 'रोल आफ स्नार्स इन रेग्यूलेटिड एक्सोसाइटोसिस फ्राम मास्ट सेल्स रिवील्स हेट्रोजेनिटी इन मास्ट सेल सेक्रेटरी ग्रेनुल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. अब्राहम, एन स्कप, यू. समीद और एच. स्टापर, 'एन्टिजिनो टाक्सिक इफैक्ट्स आफ द फाइटोस्ट्रोजिन पिलार्गोनिडिन क्लोराइड ऐंड द पेलिफिनोल क्लोरोजिनिक एसिड' 2008
- एन. जेड़ बाकर ने अक्टूबर 2008 में वुरबर्ग, जर्मनी में आयोजित 'आक्सिडेटिव स्ट्रेस ऐंड जिनोमिक डैमेज' विषयक कार्यशाला में 'Gesellschaft fur umwelt-Mutationsforschung e.V' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एन. जेड़ बाकर ने 28–29 नवम्बर 2008 को गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में सोसायटी फार न्यूरोकेमिस्ट्री की वार्षिक बैठक और 'मोलिक्युलर आस्पेक्ट्स आफ ब्रेन एजिंग ऐंड न्यूरोलाजिकल डिस्आर्डर्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'माड्यूलेशन आफ ऐज रिलेटिड न्यूरोल मार्कर्स बाई हारमोन्स इन रैट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, प्रदीप कुमार, आशिया ताहा, दीपक शर्मा और आर.के. काले।
- एन. जेड़ बाकर ने 13–15 फरवरी 2009 को कामिनेनी एज्यूकेशनल सोसायटी, हैदराबाद में 'जिनेटिक ऐंड मोलिक्युलर डाइग्नोसिस इन माडर्न मेडिसन (जीएमडीएमएम–09)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिवर्शल आफ मेम्ब्रेन फंक्शन इन डाइबेटिक हर्ट बाई ट्रिगोनेला फोइनम ग्रेइकम ऐंड इंसुलिन' शीर्षक आलेख, प्रस्तुत किया, प्रदीप कुमार, आशिया ताहा और आर.के. काले।
- एन. जेड़ बाकर ने 19–21 मार्च 2009 को लखनऊ में सोसायटी फार फ्री रेडिकल रिसर्च इण्डिया की 8वीं वार्षिक बैठक और एडवांसिस इन फ्री रेडिकल रिसर्च : न्यूरल प्रोडक्ट्स, एन्टिआक्सिडेंटस ऐंड रेडियोप्रोटेक्टर्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ब्रेन एन्टिआक्सिडेंट स्टेटस इन एजिंग ऐंड डायबिटीज लिंक्ड टु न्यूरोलाजिकल डिस्आर्डर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, आशिया ताहा, प्रदीप कुमार, आर.के. काले और दीपक शर्मा।

भौतिक विज्ञान संस्थान

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- एच.बी. बोहिदार, शिल्पि बोरल और अनीता सक्सेना, 'यूनिवर्शल ग्रोथ आफ माइक्रो–डोमेन्स ऐंड जिलेशन ट्रांजिशन इन एजर हाइड्रोजेल्स' जे फिज केम, बी 112, 3625, 2008
- एच.बी. बोहिदार, 'काइनेटिक्स आफ सेल्फ आर्गेनाइजेशन आफ पालिएम्फोलाइट नैनो पार्टिकल्स इन साल्युशंस' बुल मैटर साइंस, 31, 391, 2008
- एच.बी. बोहिदार, 'कोअसरवेट्स : ए नावल स्टेट आफ मैटर' जे. सर्फ साइंस टेक, 24, 2008, पृ. 105–124
- एच.बी. बोहिदार, प्रदीप कुमार और सोमनाथ कारमेकर, 'एनामलस सेल्फ एग्रेशन आफ कार्बन नैनोपार्टिकल्स इन पोलर, नानपोलर ऐंड बाइनरी साल्वेंट्स' जे फिज केम, सी 112, 2008, 15113
- एच.बी. बोहिदार और निशा पवार, 'हाइड्रोफोबिक हाइड्रेशन मिडिएटिड यूनिवर्सिल सेल्फ एसोसिएशन आफ कोलाइडल नैनोक्ले पार्टिकल्स' कोलोइड्स ऐंड सर्फेसिस ए 333, 120, 2008
- शंकर पी. दास और जी.एफ मेजांको, 'फलक्चुएटिंग नानलिनियर हाइड्रोडायनेमिक्स डज नाट सपोर्ट एन एर्गोडिक–नानएरगोडिक ट्रांजिशन' फिजिकल रिव्यू ई. भाग–79, 2009
- शंकर पी. दास और सुनील पी. सिंह, 'नानइक्विलिब्रियम डायनेमिक्स आफ एन अमोर्फस सालिड' फिजिकल रिव्यू ई. भाग 79, 031504, 2009
- आर. घोष, एफ. गोल्डफ्रेब, जे. घोष, एम. डेविड, जे. रगिरो, टी. चंलिरे, जे.एल. ली गाउट, एच. गिल्स और एफ ब्रेटनकर के साथ 'आब्जरवेशन आफ अल्ट्रा नैरो इलैक्ट्रोमैग्निटिकली इंडयूस्ड ट्रांसपरेंसी ऐंड स्लो लाइट यूजिंग प्योरली इलैक्ट्रानिक स्पिन्स इन ए हाट एटामिक वैपर' यूरोफिजिक्स लैटर्स 82, 54002, 2008
- आर. घोष, पी. कुमार और ए. प्रसाद के साथ 'स्टेबल फेज लाकिंग आफ एन एक्सटर्नल–केविटी डायोड लेजर सब्जेक्टिड टु एक्सटर्नल आप्टिकल इंजेक्शन' जर्नल आफ फिजिक्स बी : एटामिक ऐंड आप्टिकल फिजिक्स मोलिक्युलर 41, 135402, 2008
- आर. घोष, पी. कुमार और ए. प्रसाद के साथ 'स्ट्रेंज बाइफरकेशन ऐंड फेज लाक्ड डायनेमिक्स इन म्युचुअली कपल्ड डायोड लेजर सिस्टम्स' जर्नल आफ फिजिक्स बी एटामिक ऐंड आप्टिकल फिजिक्स मोलिक्युलर, 2009 (प्रकाशनाधीन)
- सुभाशीष घोष, रूचि अग्रवाल, प्रमोद कुमार और अजीत कुमार महापात्रा के साथ, 'थिकनेस डिपेंडेंस आफ स्पेस चार्ज लिमिटिड करंट ऐंड इंजेक्शन लिमिटिड करंट इन आर्गेनिक मोलिक्युलर सेमिकंडक्टर्स' एप्लाइड फिजिक्स लैटर्स, 93, 073311, 2008
- सुभाशीष घोष, डी. कबिराज, ए. राय और जे.सी. पिविन के साथ, 'डिसोसिएशन आफ एच रिलेटिड डिफैक्ट कम्पलेक्सिस इन पी यूजिंग हाई एनर्जी लाइट आयोन्स' जर्नल आफ एप्लाइड फिजिक्स 104, 33711, 2008
- सुभाशीष घोष, रूचि अग्रवाल और प्रमोद कुमार के साथ, 'मकेनिज्म आफ रसिस्टिव स्विचिंग इन 3, 4, 9, 10 पेरिलेंटिट्रेकार्बोक्सिक डाइनहिड्राइड (पीटीसीडीए) सैणविच्ड बिटवीन मेटल इलैक्ट्रड्स' आईईईई ट्रांस, आन इलैक्ट्रान डिकसिस, 55, 2975, 2008
- सुभाशीष घोष, 'इफैक्ट आफ डिस्आर्डर ऐंड स्ट्रेन इन कंपाउण्डस एल एन$_{1-2}$ सी $_{0.6}$ सीयू$_3$ ओ$_{7.8}$ (एल = एल ए पी आर एन डी ऐंड एस एम) एल$_{1.2}$ एन डी बी ए$_{1.2}$ सी ए $_{0.6}$ सीयू$_3$ ओ$_7$ सुपर कंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नोलाजी 21085007, 2008
- के. कृष्णन, लुण्डबर्ग मीका, यू निंग, एस. ओ. हर्मकोरी और डेनिन माइकल, 'कैम्पेरिजन आफ लो एम्पिलिट्यूड ओसिलरी शीयर इन एक्सपेरिमेंटल ऐंड कंप्यूटेशनल स्टडीज आफ माडल फोम्स' फिजिकल रिव्यू ई, 79, 041405, 2009
- ब्रजेश कुमार, 'इमर्जिंग रेडिएशन इन एन एटम फील्ड सिस्टम ऐट ट्वाइस रिसोनेन्स' जे फिज ए मैथ थीअरि, 2009 (प्रकाशनाधीन)
- ब्रजेश कुमार, 'एक्जेक्ट साल्युशन आफ द इनिफिनिट यू–हबर्ड प्राब्लम ऐंड अदर माडल्स इन वन डाइमेंशन' फिजिक्स रेव बी 79, 155121, 2009
- दीपक कुमार, 'डिफ्युजन आफ इंटरएक्टिंग पार्टिकल्स इन वन डायमेंशन' फिजिक्स रेव ई 78, 021133(1–7), 2008

- टी. मोहन्ती, एस. धौसी, ए. त्रिपाठी और डी. कांजिलाल, '250 केईवी एआर$^{2+}$ आयोन बीम इंड्यूस्ड ग्रेन ग्रोथ इन टिन आक्साइड थिन फिल्मस' सर्फ कोट टेक, 203, 2009, 2410–2414
- टी. मोहन्ती, एम. ठाकुरदेसाई, जे. जान, टी.के. गुण्डु राव, प्रताप राय चौधरी, वी. भट्टाचार्य और डी. कांजीलाल, 'सिंथेसिस आफ नैनोडायमेंशनल टिटनिमम आक्साइड थिन फिल्मस' जे नैनोसाइंस नैनोटैक्नोल 8, 2008, 4231–4237
- टी. मोहन्ती, वाई. बत्रा और डी. कांजीलाल के साथ 'फार्मेशन आफ कंट्रोल्ड सेमिकंटक्टर नैनोस्ट्रक्चर्स बाई डेन्स इलैक्ट्रानिक एक्साइटेशंस' न्युकल इंस्ट्रम ऐंड मैथ बी 266, 2008, 3107–3112
- टी. मोहन्ती, आर. बिस्वाल, जे. जान, डी. बहेरा, पी. मलिक, डी. कांजीलाल, प्रताप रायचौधरी, और एन.सी. मिश्रा के साथ 'पाइंट डिफैक्ट क्रिएशन बाई लो फलएन्स स्विफ्ट हैवी आयोन इरैडिएशन इंड्यूस्ड लो एनर्जी इलैक्ट्रोन इन वाईबी$_2$ सीयू$_3$ ओ$_{7वाई}$' सुपरकंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नोल 21, 085016
- पी. मुखोपाध्याय और एम.आर. अजय कुमार, 'नैफ्थालिन च्वाइस हाइड्रेजिमिड : रेडिकल एनिओन्स ऐंड आईसीटी ऐज न्यू बायोमाडल प्रोब्स फार डिफ्रेंसियल सेंसिंग आफ ए लाइब्रेरी आफ अमिनेस' केमिकल कम्यूनिकेशंस एडवांस आर्टिकल, 2009
- एस.एस.एन. मूर्ति और एल.पी. सिंह, 'डाइलेक्ट्रिक ऐंड कैलोरिमेट्रिक स्टडी आफ ओरिटेशनली डिस्आर्डर्ड फेज इन टु कम्पोनेंट सिस्टम्स' जे फिज केम, 112, 2008, 2606–2615
- एस.एस.एन. मूर्ति और गीता सिंह, (2008) 'ए नोट आन टेम्प्रेचर डिपेंडेंस आफ टीजी आफ बाइनरी एक्वियस साल्युशंस' थर्म केम एक्टा, 469, 2008, 116–119
- एस.एस.एन. मूर्ति, एल.पी. सिंह के साथ 'स्टडी आफ सेकण्ड्री रिलेक्सेशन इन डिस्आर्डर्ड प्लास्टिक क्रस्टल्स आफ आइसोसाइनोसाइक्लोहेक्सन, साइनोसाइक्लोहेक्सन ऐंड 1 साइनोएडेमेनटेन' जे केम फिज, 129, 094501–094511, 2008
- अखिलेश पाण्डेय और संदीप कुमार, 'नानयुनिफार्म सरकुलर इनसेम्बलेस' फिज रेव ई 78, 026204, 2008, पृ. 21
- अखिलेश पाण्डेय और संतोष कुमार, 'यूनिवर्शल स्पेक्ट्रल कोरिलेशंस इन आर्थोगोनल यूनिटरी ऐंड सिम्पलेटिक यूनिटरी क्रासओवर इंसेम्बलेस आफ रैंडम मैट्रिक्स' फिज रिव ई 79, 026211, 2009, 4 पृष्ठ
- अखिलेश पाण्डेय और विनायक, 'ट्रांजिशन फ्राम पैशन टु सरकुलर यूनिटरी इंसेम्बल' प्रामना जे फिज, 2009, पृ. 15 प्रकाशनाधीन।
- एस. पटनायक, डी. श्रीकला, वी. सिंह, ए. बनर्जी और बी.आर. मेहता, 'कंट्रोल आफ एक्सचेंज इन कोबाल्ट नैनोपार्टिकल्स बाई पार्शियल आक्सिडेशन' जे केम फिज सी 112, 36, 13882, 2008
- एस. पटनायक और एस.डी. कौशिक, 'मैग्नेटिक फील्ड डिपेंडेंस आफ वोर्टेक्स एक्टिवेशन एनर्जी : ए कम्पैरिजन बिटवीन एमजीबी$_2$ एनबीएस$_2$ ऐंड बीआई$_2$ एसआर$_2$ सीए$_2$ सीयु$_3$ ओ$_{10}$' प्रामना जे फिज 71, 1335, 2008
- एस. पटनायक, अभिनव सिंह, प्रदीप ठाकुर, के.चा.डब्ल्यु. चोई, अंगदी बस्वराज और एस. कौशिक, 'फेरोमैग्नेटिज्म ऐंड मेटल सेमिकंडक्टिंग ट्रांजिशन इन फी डोप्ड जेडएओ थिन फिल्म्स' जे फिज, डी 41, 155002, 2008
- एस. पटनायक, डी. श्रीकला, वी. सिंह और ए. बनर्जी, 'सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ कोबाल्ट नैनोस्फेयर्स नैनोकब्स ऐंड नैनोडाइसिस' जे नैनोसाइंस नैनोटेक्स, 9, 2009 (प्रकाशनाधीन)
- एस. पटनायक, एस.जे. सिंह, जे. प्रकाश और ए.के. गांगुली, 'पोटेशियम फ्लोराइड डोप्ड एलएओएफई ऐज मल्टि बैन्ड सुपरकंडक्टर : इविडेंस आफ एक्सटर्नली हाई अपर क्रिटिकल फील्ड' यूरोफिज लेट 84, 57003, 2008
- एस. पटनायक, एस.जे. सिंह, जे. प्रकाश और ए.के. गांगुली, 'सुपरकंडक्टिविटी ऐट 11.3 के इंडयूस्ड बाई कोबाल्ट डोपिंग इन सीईओएफईएएस' सालिड स्टेट कम्यूनिकेशन, 149, 189, 2009
- एस. पटनायक, जे. प्रकाश, एस.जे. सिंह और ए.के. गांगुली, 'सुपरकंडक्टिविटी ऐट 42.7 के इन सीईओ$_{1-X}$ एफ$_X$ एफईएएस विद अपर क्रिटिकल फील्ड आफ 94 टी' फिजिका सी, 82, 469, 2009
- एस. पटनायक, एस. जे. सिंह, जे. प्रकाश और ए.के. गांगुली, 'इनहेसमेंट इन सुपरकंडक्टिंग ट्रांजिशन टेम्प्रेचर ऐंड अपर क्रिटिकल फील्ड आफ एलएओओ 8 एफओ2 एफई एएस विद एन्टिमनी डोपिंग' सुपरकंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, 22, 045017, 2009

- एस. पटनायक, जे. प्रकाश, एस.जे. सिंह और ए.के. गांगुली, 'अपर क्रिटिकल फील्ड सुपरकंडक्टिंग एनर्जी गैप्स ऐंड सीबैक कोइफिसिएन्ट इन एलए$_{0.8}$ टीएच$_{0.2}$ ओएफई एएस' जे फिज कंड मैट, 21, 175–705, 2009
- एस. पटनायक, जे. प्रकाश, एस.जे. सिंह और ए.के. गांगुली, 'कम्पोजिशनली कंट्रोल्ड सेमिमेटल टु सुपरकंडक्टिंग ट्रांजिशन इन एन एएफ डोप्ड ला ओएफईएएस : इनहेंसमेंट टीसी ड्यु टु ने–डोपिंग' फिजिका सी 469, 300, 2009
- आर. राजारमण, 'एस्टिमेट्स आफ इण्डिया'स फिसिल मैटेरियल स्टाक्स, साइंस ऐंड ग्लोबल सिक्यूरिटी' गार्डन ऐंड ब्रीच, यूके, भाग–16, अंक–3, पृ. 74–87, 2008
- आर. राजारमण, 'न्यूक्लियर फालआउट डिफेंस सिक्यूरिटी आफ इण्डिया' भाग–1, अंक–3, पृ. 42–47
- आर. रामास्वामी, के. गुप्ता, ए. प्रसाद और एच.पी. सिंह, 'एनालिटिकल सिगनल एनालिसिस आफ स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स' फिजिकल रिव्यू ई, 77, 046220–1–5, 2008
- आर. रामास्वामी, ए. प्रसाद, एस.के. दाना, आर. कर्नाटक, जे. कुर्थ्स और बी. ब्लासिब, 'द फेज फ्लिप बाइफरकेशन इन टाइम डिले कपल्ड सिस्टम्स' केआस 18, 0231111–1938, 2008
- आर. रामास्वामी, टी. उमेशकान्त सिंह और ए. नन्दी, 'कोएक्जिस्टिंग अट्रक्टर्स इन पीरिडियकली माड्यूलेटिड लाजिस्टिक मैप्स' फिजिकल रिव्यू ई 77, 066217–1–8, 2008
- आर. रामास्वामी, टी. उमेशकान्त सिंह और ए. नन्दी, 'सेनारियोज फार जनरेलाइज्ड सिंक्रोनाइजेशन विद केआटिक ड्राइविंग' फिजिकल रिव्यू ई (रैपिडकम्यूनिकेशन) 78, 025205–1–4, 2008
- आर. रामास्वामी, एम. श्रीमाली, ए. प्रसाद और यू. फ्युडल, 'द नेचर आफ अट्रक्टर बेसिन्स इन मल्टिस्टेबल सिस्टम्स' इंटरनेशनल जर्नल आफ बाईफरकेशन ऐंड केआास 18, 2008, 1675–88
- आर. रामास्वामी, ए. प्रसाद और जे. कुर्थ्स, 'द इफैक्ट आफ टाइम डिले टाइम आन एनामलस फेज सिंक्रोनाइजेशन' फिजिक्स लैटर्स ए 372, 2008, 6150–54
- ए.के. रस्तोगी, सी.एस. यादव के साथ 'ट्रांसपोर्ट ऐंड मैग्नेटिक प्रापर्टीज आफ एफई$_{1/3}$ वीएसई$_2$' जे फिजिक्स : कंडेंस मैटर 20, 415212–218, 2008
- ए.के. रस्तोगी, सी.एस. यादव के साथ, 'ट्रांसपोर्ट ऐंड मैग्नेटिक प्रापर्टीज आफ एफई$_X$ वीएसई$_2$ ($X = 0–0.33$)' जे. फिज. कंडेंस मैटर 20, 465219–225, 2008
- ए.के. रस्तोगी, सी.एस. यादव और ए.के. निगम के साथ 'थर्मोडायनेमिक प्रापर्टीज आफ फेरोमैग्नेटिक माट – इंसुलेटर जीएवीएस$_8$ फिजिका बी 403, 2008, 1474–1475
- एस. सेन, डी. अन्द्रेता, एस.वाई पोनोमरेव, डी.एल. बेवरिज और एम.ए. बर्ज, 'डायनेमिक्स आफ वाटर ऐंड आयोन्स नियर डीएनए : कम्पैरिजन आफ सिमुलेशन टु टाइम – रिजोल्वड स्टाक्स – शिफ्ट एक्सपेरिमेंट्स' जे एम केम साक 131, 2009, 1724–1735

पुस्तकें

- एस. पुरी और वी.के. वाधवां,(सं.) 'काइनेटिक्स आफ फेज ट्रांजिशंस' सीआरसी प्रेस, टेलर ऐंड फ्रेंसाइज, बोका रैटोन, 2009
- आर. रामास्वामी और आर. गोडबोले, 'लीलावती'स डाटरर्स : द वुमन साइंटिस्ट्स आफ इंडिया इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस, बंगलौर, 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- पी. मुखोपाध्याय, एन. फुतिजा, एस.आई. कवानो और एस. सिनकई, 'डिवलपमेंट जर्नी फ्राम थ्रू सेकण्ड जेनरेशंस आफ आर्गेनोजेल्स, बाटम अपनैनोफैब्रिकेशन : सुपर मोलिक्यूल्स, सेल्फ असेम्बलीज ऐंड आर्गेनाइज्ड फिल्म्स' (सं.) के. अरिगा और एच.एस. नालवा, अमेरिकन साइंटिफिक पब्लिशर्स 2009
- आर. राजारमण, 'इम्पिलिकेशंस आफ द इण्डो–यूएस न्यूक्लियर डील फार'स एनर्जी ऐंड मिलिट्री प्रोग्राम्स, इण्डो–यूएस न्यूक्लियर डील' (सं.) पी.आर. चारी, रूटलेज, नई दिल्ली, 2009, पृ. 123–142

- आर. राजारमण, 'इण्डिया ऐंड द एफएमसीटी, कन्ट्री पर्सपेक्टिव्स आन द चैलेंजिस टु ए फिसिल मैटेरियल्स (कटआफ) ट्रीटी' आईपीएफएम, विशेष भाग, 2008
- आर. रामास्वामी, ए. प्रसाद और एम. अग्रवाल, 'स्ट्रेंजनानकेआटिक अट्रक्टर्स इन ड्राइवन डिले – डायनेमिक्स इन नानलीनियर डायनेमिक्स' (सं.) एम. डेनाइल और एस. राजशेखर, नैसेसा, नई दिल्ली, 2009, पृ. 299–304
- आर. शाह, 'बायोग्राफिकल आर्टिकल न्यू चैलेंजिस अहेड, लीलावती'स डाटर्स' नामक पुस्तक में, इण्डियन अकादमी आफ साइंसिस द्वारा प्रकाशित, 2008

सम्मेलन आलेख

- शंकर पी. दास और एम. प्रिया, 'इलास्टिक बिहेवियर इन ए सुपरकूल्ड लिक्वड : ए नानलीनियर हाइड्रोडायनेमिक माडल ए रिसेंट डिवलपमेंटस इन नानलीनियर डायनेमिक्स' (सं.) एम डेनियल और एस. राजशेखर, नैरोसा, 2008, पृ. 49
- शंकर पी. दास और बी. सेनगुप्ता, 'नानलीनियर फ्लक्चुएटिंग हाइड्रो डाइनेमिक्स ऐंड ऐजिंग इन स्ट्रक्चरल ग्लासिस, रिसेंट डिवलपमेंट्स इन नानलीनियर डायनेमिक्स' (सं.) एम. डेनियल और एस. राजशेखर, नैरोसा, 2008, पृ. 269
- आर. घोष, प्रमोद कुमार और अवधेश प्रसाद के साथ, 'स्टेबल फेज लाकिंग आफ ए डायोड लेजर सब्जेक्टिड टु एक्सटर्नल आप्टिकल इंजेक्शन केआटिक माडलिंग ऐंड सिम्युलेशन, अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, चैनिया क्रीट, ग्रीस, 3–6 जून 2008
- आर. घोष, जे. घोष, एफ गोल्डफरेब, एम. डेविड, जे. रूगिरो, टी. चनलिरी, जे.एल. ली गोइट, एच. गिल्स और ए.के. ब्रेटनकर के साथ 14–17 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में फाइबर आप्टिक्स ऐंड फोनोटिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इलैक्ट्रोमैग्निटिकली इंडयूस्ड ट्रांसपरेंसी ऐंड सो लाइट इन ए हाट वेपर आफ 4 ही अण्डरगोइंग कोलिजन्स' फोटोनिक्स 2008' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. घोष, पी. कुमार और आर. प्रसाद के साथ 14–17 दिसम्बर 2008 को नई दिल्ली में 'फाइबर आप्टिक्स ऐंड फोटोनिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रोबस्ट फेज लाकिंग बिदिन द स्ट्रेंज बाइफरकेशन विण्डो इन ए कपल्ड डायोड लेजर सिस्टम फोनोटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, 2008
- आर. घोष, जे. घोष और डी. कुमार के साथ 24–29 जनवरी 2009 को सैन जोस, सी.ए. यू.एस. में 'ओपीटीओ : इंटिग्रेटिड आप्टो इलैक्ट्रानिक डिवाइसिस' विषयक संगोष्ठी में 'इम्पैक्ट आफ नान–एडियाबेटिक फील्ड्स ऐंड डिसिपेशन आन क्वांटम स्टोरेज ऐंड रिट्राइवल' आलेख संख्या 7226–26 एडवांसिस इन स्लो ऐंड फास्ट लाइट–II' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. घोष ने 24–29 जनवरी 2009 को सैन जोस, सीए यूएसए में 'ओपीटीओ : इंटिग्रेटिड आप्टोइलैक्ट्रानिक डिवाइसिस' विषयक संगोष्ठी में 'रिएलिस्टिक थीअरि आफ इलैक्ट्रोमैग्नेटिकली इंडयूस्ड ट्रांसपरेंसी ऐंड स्लो लाइट इन ए हाट एटामिक पैपर (आलेख संख्या–7226–19)' एडवांसिस इन स्लो ऐंड फास्ट लाइट–II' विषयक सम्मेलन में प्रस्तुत किया।
- एस. पटनायक और डी. श्रीलेखा, 'साइज इफैक्ट्स आन द मैग्नेटिक प्रापर्टीज आफ कोबाल्ट नैनोक्यूब्स' डीएई सालिड स्टेट फिजिक्स संगोष्ठी की कार्यवाही में प्रकाशित, 53, 395, 2008
- एस. पटनायक, एस.जे. सिंह, जे. प्रकाश और ए.के. गांगुली, 'आयरन अर्सेनिक बेस्ड लयर्ड सुपरकंडक्टर एलए$_{0.8}$ के$_{0.2}$ ओ$_{0.8}$ एफ$_{0.2}$ एफईएएस विद टीसी 26.45 के डीएई सालिड स्टेटे फिजिक्स' संगोष्ठी की कार्यवाही में प्रकाशित, 953, 923, 2008
- एस. पटनायक और ए.के. सिंह, 'मल्टिफेरोसिटी इन बीआई$_2$ एफई$_4$ ओ$_9$ नियर रूम टेम्प्रेचर डीएई सालिड स्टेट फिजिक्स' संगोष्ठी की कार्यवाही में प्रकाशित 52, 1147, 2008
- एस. पटनायक, ए.के. सिंह, एस.डी. कौशिक और वी. सिरिगुड़ी ने 16–20 मार्च 2009 को पिट्सबर्ग, यूएसए में अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की बैठक में 'ओरिजन आफ मल्टिफेरोसिटी इन हेक्सागोनल वाइ$_{1-X}$ डीवाई$_X$ एमएनओ$_3$' शीर्षक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. पुरी, के. बिन्दर, एस.के. दास और जे. हारबैक, 'सिम्युलेशन आफ सर्फेस–कंट्रोल्ड फेज सैप्रेशन इन सिल्ट पेरिस : डिफ्युजिव जिंजबर्ग लैण्डायु काइनेटिक्स वर्सेस मोलिक्युलर डायनेमिक्स' सीसीपी 2007 की कार्यवाही में प्रकाशित (सं.) एम. मार्शल और पी. गिरलिंग्स, कम्प फिज काम, 179, 2008
- एस. पुरी, 'काइनेटिक्स आफ फेज सैप्रेशन ऐंड राइटिंग ऐट सर्फेसिस रिसेंट डिवलपमेंट्स इन नानलीनियर डायनेमिक्स' की कार्यवाही में प्रकाशित (सं.) एम. डेनियल और एस. राजशेखर, नैरोसा, नई दिल्ली, 2009, पृ. 183–190

- एस. पुरी, 'काइनेटिक्स आफ फेज सैप्रेशंस इन काइनेटिक्स आफ फेज ट्रांजिशंस' (सं.) एस. पुरी और वी.के. वाधवा, पृ. 1—61, सीआरसी प्रेस, (टेलर ऐंड फ्रांसिस) बोका रातोन, 2009
- आर. रामास्वामी और एन. गुप्ता, 'प्रिफेस टु द प्रोसिडिंग्स आफ द कांफ्रेस पीएनएलडी 2007' प्रामना जर्नल आफ फिजिक्स 2008, 70, 955—957
- आर. रामास्वामी, इ.जे. नग्मा, ए. नन्दी, एम.सीरोमानो और जे. कुर्थ्स, 'रिकरेन्स आफ स्ट्रेंज अट्रटर्स' प्रामना जर्नल आफ फिजिक्स 2008, 70, 1039—1046
- आर. रामास्वामी और ए. नन्दी, 'ए सिंक्रोनाइजेशन आफ कपल्ड स्टाकेस्टिक ओसिलेटर्स : द इफैक्ट आफ टोपोलाजी' प्रामना जर्नल आफ फिजिक्स 2008; 70 : 1065—1074
- ए.के. रस्तोगी, टी.एस. त्रिपाठी और जी.एस. तिवारी के साथ, 'ए मैग्नेटोमीटर फार द क्राइओजिन—फ्री सिस्टम : एक्सट्रक्शन ऐंड इंटिग्रेशन मेथड' 53वीं डीएई—एसएसपी संगोष्ठी 2008 की कार्यवाही में प्रकाशित, पृ. 557—558

मीडिया आलेख

- आर. राजारमण, 'प्रिपेयर फार कट आफ' संपादित, पृष्ठ, द टाइम्स आफ इण्डिया, 23 फरवरी 2009
- आर. राजारमण, 'टुवर्डस ए जीरो न्यूक्लियर वेपन वर्ल्ड' संपादित पृष्ठ, द हिन्दू, 3 जनवरी 2009
- आर. राजारमण, 'इंप्लिकेशंस आफ इण्डिया ज्वाइनिंग द न्यूक्लियर क्लब' द इकोनामिक टाइम्स, 16 सितम्बर 2008
- आर. राजारमण, 'न्यूक्लियर डील्स'स बैनिफिट्स विल फ्लो फ्रा द च्वाइसिस वी मेक हेयरआफ्टर' मेल टुडे, 11 सितम्बर 2008

सामाजिक विज्ञान संस्थान

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- सी.पी. चन्द्रशेखर, 'नालेज ऐंड द एशियन चैलेंज : सोशल साइंटिस्ट' अंक–424–425 सितम्बर–अक्टूबर 2008
- जयती घोष, 'मस्ट बैंक्स बी पब्लिकली ओन्ड : इकोनामिक ऐंड पालिटिकली वीकली' भाग–XLIV अंक–13, 28 मार्च–3 अप्रैल 2008
- जयती घोष, 'द कास्ट्स आफ कपलिंग : द ग्लोबल क्राइसिस ऐंड द इण्डियन इकोनामी' कैम्ब्रिज जर्नल आफ इकोनामिक्स, फाइनेंशन क्राइसिस विषयक विशेष अंक, 33, जुलाई 2009, 725–739 (सी.पी. चन्द्रशेखर के साथ)
- जयती घोष, 'माइग्रेशन ऐंड जेंडर इम्पावरमेंट : रिसेंट ट्रेन्ड्स ऐंड इमर्जिंग इश्यूज' मानव विकास शोध आलेख, यूएनडीवी, न्यूयार्क, नवम्बर 2008
- जयती घोष, 'पावर्टी रिडक्शन इन चाइना ऐंड इण्डिया' द पालिसी इंप्लिकेशंस आफ रिसेंट ट्रेन्ड्स यूएनडेसा वर्किंग आलेख, यूएन, न्यूयार्क, आगामी।
- एस.के. जैन, 'इफिसिएन्सी आफ लायबिलिटी रूल्स विद मल्टिपल विक्टम्स' पेस्फिक इकोनामिक रिव्यू 14 + 1, 2009, पृ. 119–134
- एस.के. जैन, 'इकोनामिक एनालिसिस आफ लीगल रूल्स : सम कंसेप्चुअल इश्यूज ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट रिव्यू' भाग–1, अंक–1, 2008
- अंजन मुखर्जी, 'द स्टेबिलिटी आफ ए कम्पीटिटिव इकोनामी : ए रिकंसीड्रेशन', इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोनामिक थीअरि, 4, तकाशी निगेशी के सम्मान में विशेष अंक, जून 2008, 317–336
- अंजन मुखर्जी, 'इंट्रोडक्शन 2007 जेएनयू कांफ्रेंस ऑन इंस्टीट्यूशंस', पेस्फिक इकोनामिक रिव्यू, 14, 1 फरवरी 2009, पृ. 22–23 (मनमोहन अग्रवाल और सतीश जैन के साथ)
- अंजन मुखर्जी, 'इफिकेसी आफ द इनविजिबल हैण्ड इन सिम्पल माडल्स, कंटेम्पोरॅरि इश्यूज ऐंड आइडियाज इन सोशल साइंसिस' दिसम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'यूनियन बजट 2008–09 : फाल्टी एसम्शंस' भारतीय सामाजिक चिन्तन, भाग–7, अंक–1, (नई श्रृंखला), अप्रैल–जून 2008, पृ. 20–27
- अरूण कुमार, 'करंट इंफ्लेशन : डिकंस्ट्रक्टिंग द अण्डरलाइंग सोशल फैक्टर्स' मैनस्ट्रीम, 23–29 मई 2008
- अरूण कुमार, 'अण्डरस्टेंडिंग द फाल्टरिंग नेशनल ऐंड ग्लोबल ग्रोथ प्रास्पेक्ट्स' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XLIII अंक–28, 12–18 जुलाई 2008, पृ. 15–19
- अरूण कुमार, 'ग्लोबल फाइनेंशल क्राइसिस ऐंड गवर्नमंट इंटरवेंशन : सरप्लस जेनरेशन, गियरिंग रेशियो, ऐसिमिट्री आफ फाइनेंशल मल्टिप्लायर ऐंड अदर कंसीड्रेशंस, एकांउटेंसी बिजनेस ऐंड द पब्लिक इंट्रेस्ट' भाग–8, अंक–1, 3 फरवरी 2009
- अरूण कुमार, 'टैकलिंग द करंट ग्लोबल इकोनामिक ऐंड फाइनेंशल क्राइसिस : गवर्नमेंट इंटरवेंशन हैज टु गो बियाण्ड डिमाण्ड मैनेजमेंट' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XLIV अंक–13, 28 मार्च 2009, पृ. 151–7
- के.जी. दस्तीदार, 'आन प्राक्यूरमेंट आक्शंस विद फिक्स्ड बजट्स' रिसर्च इन इकोनामिक्स, भाग–62, 2008, पृ. 72–91
- सुब्रत गुहा, 'डायनेमिक्स आफ द कंजप्शन–कैपिटल रेशियो, द सेविंग रेट ऐंड द वैल्थ डिस्ट्रिब्यूशन इन द न्योक्लासिकल ग्रोथ माडल' मैक्रोइकोनामिक डायनेमिक्स, 12(4), 2008, 481–502
- सुब्रत गुहा, 'न्योक्लासिकल ग्रोथ ऐंड द डिस्ट्रिब्यूशन आफ कंजम्पशन' पेस्फिक इकोनामिक रिव्यू, 14(1), 2009, 24–45
- विकास रावल, मधुर स्वामीनाथन और नीलाद्री धर, 'आन डायवर्सिफिकेशन आफ रूरल इनकम्स : ए व्यू फ्राम थ्री विलेज्स आफ आन्ध्र प्रदेश' इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, 51(2), 2008

- विकास रावल, वी.के. रामचन्द्रन और विकास रावल ने 19–20 सितम्बर 2008 को यूनिवर्सिटी आफ नार्दन ब्रिटिश कोलम्बिया और सिमोन फ्रेसर यूनिवर्सिटी, वेंकावर द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन (सं) ऐंड लेबर : चाईना, इण्डिया ऐंड द वेस्ट' विषयक सम्मेलन में 'द इम्पैक्ट आफ लिबरलाइजेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन आन इण्डिया'स एग्रेरियन इकोनामी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विकास रावल, के. नागराज, पार्थ साहा और विकास रावल ने 4–5 दिसम्बर 2008 को 'इकोनामिक रिस्ट्रक्चरिंग, हायर एज्यूकेशन ऐंड द लेबर मार्किट ऐंड सोशल इनइक्वैलिटीज' विषयक आईसीएसएसआर, ईएसआरसी की संयुक्त कार्यशाला में 'डिफ्रेंसिएशन इन रूरल इण्डिया : असेस्ट होल्डिंग्स आफ हाउसहोल्ड्स इन एफएएस–पीएआरआई विलज्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया ।
- विकास रावल ने 21–24 दिसम्बर 2008 को इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आयोजित 'स्टडींग विलेज इकोनामिक्स : ए कलोवियम आन मेथडलाजी' विषयक संगोष्ठी में 'मेथडोलाजिकल इश्यूज इन एस्टिमेशन इन रूरल हाउसहोल्ड इनकम्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया ।
- विकास रावल ने सोशल ऐंड पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी आफ अल्सटर, जार्डन्सटाउन में 'इकोनामिक पालिसीज, टेनेन्सी रिलेशंस ऐंड हाउसहोल्ड इनकम्स : इन साइट्स फ्राम थ्री सलेक्टिड विलेज्स इन इण्डिया' शीर्षक संगोष्ठी आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा, पीटर आयुर के साथ, 'लेबर मार्किट रिफार्म्स इन इण्डिया : बार्किंग अप द रोंग ट्री' द इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–52, अंक–1, जनवरी–मार्च 2009
- प्रवीण झा, पूजा पावर्ती के साथ, 'द टविस्टिड ट्राइस्ट : सम रिफ्लेक्शंस आन इनक्लुजन ऐंड क्वालिटी इन द पब्लिक प्रोविजनिंग आफ एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इण्डिया' द इण्डियन जर्नल आफ ह्युमन डिवलपमेंट, भाग–2, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2008
- प्रवीण झा, 'ट्रांसनेशनल माइग्रेशन इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन : इश्यूज प्रास्पेक्ट्स ऐंड कंसर्न्स' (सं) जे.बी. फ्रोटेल्स, डायलेमाज इन ग्लोबलाइजेशन : एक्सप्लोरिंग ग्लोबल ट्रेन्ड्स ऐंड प्रोग्रेसिव साल्यूशंस' ग्लोबल प्रोग्रेसिव फोरम, मार्च 2009
- आर.पी. कुण्डु, 'इफिसिएन्सी आफ लायबिलिटी रूल्स विद इंटरडिपेंडेंट कास्ट्स आफ केयर' पेस्फिक इकोनामिक रिव्यू 14:1, 1 मार्च 2009, 71–88

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- ए. बनर्जी, 'रीजनल डायमेंशंस आफ एचआईवी/एड्स एपिडेमिक इन इण्डिया : एन इमर्जिंग कंसर्न्स' (चन्द्रमल्लिका बिश्वास के साथ), जिओग्राफिकल रिव्यू आफ इण्डिया, भाग 69(2), जून 2008, पृ. 195–208
- एस. बाथला, 'एग्रीकल्चर रिफार्म्स ऐंड मार्किट इंटिग्रेशन : ए स्पैशल एनालिसिस आफ फूड ऐंड नान–फूड कमोडिटिज' जर्नल आफ सोशल ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट, भाग–10(2), 2008
- एस. बाथला, 'रीजनल डायमेंशंस आफ इंटर–क्राप डायवर्सिफिकेशन इन इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार प्रोडक्शन ऐंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथ, एग्रीकल्चर सिचुएशन इन इण्डिया' भाग 64(12), 2008
- बी.एस. बुटोला, 'अंडरस्टेंडिंग भूटिया सोसायटी ऐंड इट्स वुमन पाप्यूलेशन थ्रू द एनालिटिकल स्टडी आफ प्रावर्ब्स द इम्ब्लेम आफ ओरल हिस्टोरियोग्राफी' (चतरंजन दास के साथ), मैन इन इण्डिया, भाग–88, अंक–4, अक्टूबर–दिसम्बर 2008, पृ. 653–654
- ए. दुबे, 'प्राइवेट स्कूलिंग इन इण्डिया : ए न्यू एज्यूकेशनल लैण्डस्केप' (सोनल देसाई, रीव वाणिमन और रूकमणि बनर्जी के साथ) इण्डिया पालिसी फोरम 2008–09, भाग–5, सेज प्रकाशंस, एनसीएईआर, नई दिल्ली, 2009, पृ. 1–58
- ए. दुबे, 'नेटवर्क्स इन द ट्रेडिशनल इकोनामी : इविडेंस फ्राम इण्डिया' (वेगार्ड इवर्सन, कुणाल सेन और अर्जन वेरस्कूर के साथ), जर्नल आफ डिवलपमेंट स्टडीज, भाग–45, अंक–4, 2009, पृ. 522–543
- ए. दुबे, 'सर्वेज बाई नेशनल काउंसिल आफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च' (अभिलाषा शर्मा के साथ) डेमोग्राफी इण्डिया, भाग–37, 2008, पृ. 70–81(पूरक)
- हिमांशु, 'सोशल सैक्टर : कंटिन्युएशन आफ पास्ट प्राइआर्टीज' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 12 अप्रैल 2008
- हिमांशु, 'वर्ल्ड बैंक्स न्यू पावर्टी एस्टिमेट्स : वाट आर दीज न्यू पावर्टी एस्टिमेट्स ऐंड वाट डू द इम्प्लाई' इकोनामिक ऐंड

पालिटिकल वीकली, 25 अक्टूबर 2008

- पी.एम. कुलकर्णी, 'रिलिजियस डिफ्रेंसिअल्स इन फर्टिलिटी इन इण्डिया : इज देयर कनवरजेन्स ?' (मनोज अल्गराजन के साथ) इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, XLIII (48), 2008, पृ. 44–53
- पी.एम. कुलकर्णी, 'इंसिडेंस आफ लो बर्थ–वेट इन इण्डिया : रीजनल वैरिएशंस ऐंड सोसिओ इकोनामिक डिस्पैरिटीज' (रमेश चेलान और लोपमुद्रा पाल के साथ) जर्नल आफ हैल्थ डिवलपमेंट 3 (1 व 2) 2008 पृ. 147–162
- डी.के. मिश्रा, 'क्राइसिस इन द टी सैक्टर : ए स्टडी आफ आसाम टी गार्डन्स' (वी. उपाध्याय और ए शर्मा के साथ) द इण्डियन इकोनामिक जर्नल, भाग–56, अंक–3 2008, पृ. 39–56
- पी. पणि, 'ए कम्पैरटिव स्टडी आफ द स्पेक्ट्रल रिस्पांस कर्व्स ऐंड द असेसमेंट आफ डिफ्रेंट लैण्ड यूज ऐंड लैण्ड कवर फीचर्स इन द पार्ट आफ सुन्दबन एरिया' वेस्ट बंगाल यूजिंग जिओइंफार्मेटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ इंफार्मेशन टेक्नोलाजी ऐंड नालेज मैनेजमेंट, भाग–1, अंक–2, 2008, पृ. 219–226
- पी. पणि, 'असेसमेंट आफ गुली इरोजन इन ए पार्ट आफ लोवर चम्बल वैली यूजिंग डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग ऐंड जीआईएस एनवायरनमेंट' नेसा बुल, जिओग्राफिकल साइंस, भाग–1, अंक–1, 2008, पृ. 23–26
- पी. पणि, 'रेवाइन इरोजन इन इण्डिया ए जिओस्पैशल स्टडी आफ लोवर चम्बल वैली' जिओग्राफी ऐंड यू, भाग–9, अंक–52, 2009, पृ. 20–25
- एम. पूनिया, 'इंटिग्रेटिड लैण्ड यूज लैण्ड कवर (एलयूएलसी) मैपिंग फार असेसिंग नेट सोन एरिया इन इण्डियन वेस्टर्न हिमालयन इको रीजन (डब्ल्युएचईआर) यूजिंग आईआरएसपी6 ए डब्ल्यु आईएफएस डाटा' (एम.सी. पोखाल और पी.के. जोशी के साथ), एशियन जर्नल आफ जिओइंफार्मेटिक्स, भाग–8(2), 2008, पृ. 11–19
- एम. पूनिया, 'ए क्रिटिकल इवैल्युएशन आफ कार्टोसैट 1' (पी. सेठ, एच. पाण्डेय और वी.के. डडवाल के साथ) इंटरनेशनल जर्नल आफ जिओइंफार्मेटिक्स, भाग 4(1), 2008, 51–56
- एम. पूनिया, 'आइडेंटिफाइंग बायोमास वर्न्ड पैच्स आफ एग्रीकल्चर रेजिड्यू यूजिंग सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग डाटा' (वी.पी.नौटियाल और वाई कान्त के साथ) करंट साइंस, भाग 94(9), 2008, पृ. 1185–1190
- एम. पूनिया, 'ओपन जिओ स्पैशल कंसोर्टियम स्टेंडर्डस फार सेंसर नेटवर्क्स' करंट साइंस, भाग 95(7), 2008, पृ. 8–23
- एस. राजू, 'डिस्पेंसिंग विद डाटर्स : टेक्नोलाजी सोसायटी, इकोनामी इन नार्थ इण्डिया' (मैरी जान, रविन्दर कौर, रजनी पालरीवाल के साथ), इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली 44(15), 2008, पृ. 16–19
- एम.सी. शर्मा, 'स्पेशल ऐंड टेम्पोरल वैरिएबिलिटी आफ सेडिमेंट ऐंड डिजाल्ड लोड्स फ्राम टु एल्पाइन वाटरशेड्स आफ द हिमालयाज' (ओ. सिंह, ए. सारंगी और पी. सिंह के साथ), कैटना एल्सवियर, भाग–76, 2008, पृ. 27–35
- एम.सी. शर्मा, 'हिप्सोमेट्रिक इंटिगल एस्टिमेशन मेथड्स ऐंड इट्स रिलिवेन्स आन इरोजन स्टेटस आफ नार्थ वेस्टर्न लेजर हिमालयन वाटरशेड्स' (ओ. सिंह और ए. सारंगी के साथ) वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट, स्प्रिगर, भाग–22, 2008, पृ. 1545–1560
- आर.के. शर्मा, 'ट्रेड प्रोटेक्शन आफ इण्डिया'स मिल्क प्रोडक्ट्स : स्ट्रक्चर ऐंड पालिसी इंप्लिकेशंस' (के. इलुमेलई के साथ संयुक्त रूप से), इण्डियन जर्नल आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स, भाग 63, अंक–1, 2008
- आर. श्रीवास्तव, 'टुवर्डस यूनिवर्सल सोशल प्रोटेक्शन इन इण्डिया इन ए राइट बेस्ड पैराडिग्म' इण्डियन जर्नल आफ ह्युमन डिवलपमेंट, भाग–2, अंक–1, जनवरी–जून 2008, पृ. 111–132
- आर. श्रीवास्तव, 'एज्यूकेशन, स्किल्स ऐंड द इमर्जिंग लेबर मार्किट इन इण्डिया' द जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–51, अंक–4 (की नोट आलेख), अक्टूबर–दिसम्बर 2008, पृ. 759–782
- बी. जुत्शी, 'कंज्यूमर रिड्रेशल सिस्टम इन इण्डिया' योजना, भाग–53, फरवरी 2009
- बी. जुत्शी, 'हायर ऐंड टेक्निकल एज्यूकेशन इन इण्डिया : चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज' इण्डियन जर्नल आफ यूथ अफेयर्स, नई दिल्ली, भाग 12, अंक 1, जनवरी–जून 2008, पृ. 29–40

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- मोहन राव, 'द पालिटिकल इकोनामी आफ हैल्थ इन द सेकण्ड फेज आफ ग्लोबलाइजेशन', हैल्थ फार द मिलियन्स, भाग–33, अंक 6, अप्रैल–मई 2008
- के.आर. नायर और सोनाली साहनी कपूर 'कमीशन आन सोशल डिटर्मिनेंट्स इन हैल्थ' ए पीस मील मूव, इण्डियन जे. मेड रेस 29, फरवरी 2009, पृ. 117–119
- रामा वी. बारू, 'फुल मील आर पैकेज्ड डील ?' ए कमेंट्री इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 14 जून 2008, पृ. 20–22
- रामा वी. बारू, एम. देशपाण्डे, आर. दास गुप्ता और ए. मोहन्ती, 'द केस फार कुक्ड मील्स : कंसर्न्स रिगार्डिंग द प्रपोज्ड पालिसी शिफ्ट्स इन द मिड डे मील ऐंड आईसीडीएस प्रोग्राम्स' इण्डियन पेडिट्रिक्स, 2008, पृ. 445–449
- रामा वी. बारू, आर. दास गुप्ता, एम. देशपाण्डे और ए. मोहन्ती, 'फुल मील आर पैकेज डील ? रिलिवेन्स आफ कुक्ड मील्स इन फीडिंग प्रोग्राम्स' इकोनोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 14 जून, 2008, पृ. 20–22
- रामा वी. बारू, 'द केस फार कुक्ड मील्स : कंसर्न्स रिगार्डिंग द प्रपोज्ड पालिसी शिफ्ट्स इन द मिड डे मील ऐंड आईसीडीएस प्रोग्राम्स' इण्डियन पेडिआट्रिक्स, भाग–45, 2008, पृ. 445–449
- संघमित्रा एस. आचार्य, 'हैल्थ ऐंड सैक्सचुएलिटी अमंग यूथ इन उत्तराखण्ड (इण्डिया) मैन ऐंड डिवलपमेंट' भाग–30, अंक–3, सितम्बर 2008
- संघमित्रा एस. आचार्य, 'अण्डरस्टेंडिंग फिलिपिनो यूथ – सम इश्यूज इन हैल्थ ऐंड सैक्सचुएलिटी' इण्डियन जर्नल आफ यूथ स्टडीज, भाग–13, अंक–1, जनवरी–जून 2009, पृ. 23–34
- रमिला बिष्ट, 'द पोस्ट कलोनियल योक : एग्रीकल्चरल डिकलाइन ऐंड माइग्रेशन इन गढ़वाल, उत्तराखण्ड, इण्डिया' जर्नल आफ हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट (आगामी)
- आर. दासगुप्ता, एस. भट्टाचार्य, 'ए टेल आफ टू ग्लोबल हैल्थ प्रोग्राम्स : स्मालपाक्स इरैडिकेशन'स लेसन्स फार द एन्टिपोलियों कैम्पेन इन इण्डिया' अमेरिकन जर्नल आफ पब्लिक हैल्थ, भाग–99, अंक–7, 2009, पृ. 1176–1184
- आर. दासगुप्ता, एस. चतुर्वेदी, वी. आदिश, के.के. गांगुली, एस. राय, एन.के. अरोड़ा और एल. सुशांत, 'सोशल डिटर्मिनेंट्स ऐंड पोलियो एण्डगेम : ए क्वालिटेटिव स्टडी इन हाई रिस्क डिस्ट्रिक्ट्स आफ इण्डिया' इण्डिया पेड्रिआटिक्स, भाग 45, 2008, पृ. 357–365
- आर. दासगुप्ता, वी. कुमार, जी.एल. दरमस्त, वी. आदिश, ए. सागर, पी. कुमार, एस. चतुर्वेदी और एस. राव, 'ए क्वालिटेटिव स्टडी आफ रचना प्रोग्राम प्रोसिस, जान हाफ्किन यूनिवर्सिटी, इण्डिया क्लीन प्रोग्राम इवैल्युएशन नेटवर्क, 2008'
- आर. दासगुप्ता, एस. चतुर्वेदी, 'एस्टिमेशन आफ ट्रू इंसिडेंस आफ पोलियो : सम मेथडोलाजिकल इश्यूज, इण्डियन पेड्रिआक्टिक्स, भाग 45, 2008, पृ. 158–159
- सुनीता रेड्डी, 'हैल्थ आफ ट्राइबल वुमन ऐंड चिल्ड्रन ' एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव' इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, 2008–38, पृ. 61–74
- सुनीता रेड्डी, 'रिएग्जामिनिंग डिजास्टर्ड्स, रिकवरी ऐंड रिकंस्ट्रक्शन : सोशल साइंस पर्सपेक्टिव्स ऑन सुनामी, यूनाइटिड नेशन इंटरनेशनल स्ट्रेटिजी फॉर डिजास्टर रिडक्शन एशिया ऐंड पेसिफिक का वार्षिक प्रकाशन – डिजास्टर रिस्क रिडक्शन, 'डिजास्टर रिडक्शन इन एशिया ऐंड पेसिफिक – आईएसडीआर इनफोर्म्स : अंक 4',2008

पुस्तकें

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- जयती घोष, 'नेवर डन ऐंड पुअरली पेड : वुमन'स वर्क इन ग्लोबलाइजिंग इण्डिया' वुमन अनलिमिटेड, नई दिल्ली, 2008
- जयती घोष, 'आफ्टर क्राइसिस एडजस्टमेंट, रिकवरी ऐंड फ्रेजिलिटी इन ईस्ट एशिया' संपादित भाग, सह सम्पादक – सी.पी. चन्द्रशेखर, तुलिका, नई दिल्ली, 2009, आगामी।

- प्रवीण झा, (एस दास, एस.एस. मोहन्ती और एन.के. झा के साथ) 'पब्लिक प्रोविजनिंग फार एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इण्डिया' सेज प्रकाशक, नई दिल्ली, 2008
- प्रवीण झा, (मारियो नेगरी और इन्द्रानिल मुखोपाध्याय के साथ) 'इण्डिया : कंट्री फैक्ट्स ऐंड कम्पेन गाइड' शीट फार मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स यूनाइटिड नेशंस, इकोनामिक ऐंड सोशल कमीशन फार एशिया ऐंड पेस्फिक बैंकाक।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- मणिदीपा सेन, 'थिंकिंग अबाउट द वर्ल्ड : एन एसे इन डे रे थाट्स ऐंड द एक्सटर्नलिस्ट/इंटरनलिस्ट डिबेट' भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, 2008

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- जोया हसन, 'पालिटिक्स आफ इंक्लुजन : कास्ट माइनार्टी ऐंड अफरमेटिव एक्शन' आक्सफोर्ट यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2009
- आशा सारंगी, (सं.) लैंग्यूवेज ऐंड पालिटिक्स इन इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2008 (यह पुस्तक पालिटिक्स विषयक श्रृंखला का एक भाग)

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- बी. दास, (सं.) जेंडर इश्यूज इन डिवलपमेंट : कंसर्न्स फार 21ट सेंचुरी, रावत प्रकाशन, जयपुर, 2009
- ए. कुण्डु, 'एनवायरनमेंटल एकाउंटिंग : एक्सप्रेशंस इन मेथडोलाजी' (माइकल वान हाफ के साथ सम्पादित), मानक प्रकाशन, 2008
- ए. कुण्डु, 'इण्डिया : अर्बन पावर्टी रिपोर्ट' (इडी) यूएनडीपी और भारत सरकार, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2008
- बी. जुत्शी, 'प्रयास जुविनल ऐड सेंटर सोसायटी : रीचिंग आउट द अनरीच्ड' ए रिफ्लक्टिव एनालिस 2007, प्रयास और सुआस एज्यूकेशनल डिवलपमेंट, यूनाइटिड किंगडम द्वारा सहायता प्राप्त, जनवरी 2009
- बी. जुत्शी, 'आफ साइड : चाइल्ड लेबर इन फुटबाल स्टिचिंग ए केस स्टडी आफ मेरठ डिस्ट्रिक्ट आफ उत्तर प्रदेश, बचपन बचाओ आन्दोलन पब्लिकेशन, अक्टूबर 2008

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- योगेन्द्र सिंह, 'सोशल साइंसिस : कम्यूनिकेशन, एन्थ्रोपोलाजी ऐंड सोसियोलाजी' सेंटर फार स्टडी इन सिविलाइजेशंस, नई दिल्ली, 2009
- टी.के. ऊमन, 'रिकंसिलेशन इन पोस्ट गोधरा गुजरात : द रोल आफ सिविल सोसायटी, पियर्सन इवैल्युएशन, नई दिल्ली, 2008
- दीपांकर गुप्ता, 'द केज्ड फोइनिक्स : विल इण्डिया फ्लाई' पेंगुइन वाइकिंग, नई दिल्ली।
- नन्दू राम, 'कास्ट सिस्टम ऐंड अनटचएबिलिटी इन साउथ इण्डिया' मानक प्रकाशंस, दिल्ली, 2008
- नन्दू राम, 'दलित इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया' भाग–1, (सं.) सिद्धान्त प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- नन्दू राम, 'अम्बेडकर दलित्स ऐंड बुद्धिज्म' (सं.) मानक प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- अविजित पाठक, 'रिकालिंग द फारगोटन : एज्यूकेशन ऐंड मोरल क्वेस्ट' आखर बुक्स, नई दिल्ली, 2009
- विवेक कुमार, (सह सं.) डायनेमिक्स आफ चेंज ऐंड कंटिन्युटी इन द ईरा ग्लोबलाइजेशन : वायसिस फ्राम द मार्जिन्स, सनराइज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- सरदिन्दु भादुरी, 'पोस्ट एक्सपिरिअन्स, कोग्निटिव फ्रेम्स ऐंड इंटरप्रिन्युरशिप : सम इकोनामेट्रिक इविडेंस फ्राम द इण्डियन फार्मास्युलिटिकल इंडस्ट्री इकोनामिक्स ऐंड इवोल्युशन' विषयक आलेख संख्या 0804, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स, जेना, जर्मनी, 2008 (हेगन वोर्च के साथ)
- सरदिन्दु भादुरी, 'इंनफार्मल वैल्युज ऐंड फार्मल पालिसीज : ए स्टडी आफ जेपनीज टेक्नोलाजी पालिसी ऐंड इट्स सिग्निफिकेंस फार इण्डिया' आईसीआरआईईआर वर्किंग पेपर–219, नई दिल्ली, आईसीआरआईईआर, 2008, (जनश्रुति चन्द्र के साथ)

- सरदिन्दु भादुरी, 'को–इवोल्युशन आफ आईपीआर पालिसी ऐंड टेक्नोलाजिकल लर्निंग इन डिवलपिंग कंट्रीज : ए गेम थिअरेटिक माडल' परिचर्चा आलेख संख्या – 09–04 मैक्सिको सिटी : ग्लोब्लिक्स 2008 और नई दिल्ली अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकस केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2009 (अमित शोवोन रे के साथ)
- अनूप कुमार दास, (सं.) 'डिजिटल आर्काइविंग आफ आडियो कंल्टे यूजिंग विनिसिस ऐंड ग्रीन स्टोन साफ्टवेयर : ए मैन्युअल फार कम्यूनिटी रेडिया मैनेजर्स' यूनेस्को, नई दिल्ली, 2009
- वी.वी. कृष्णा, (सं.) 'इण्डियन कंट्री प्रोफाइल : इरावाच रिसर्च इनवेंट्री रिपोर्ट फार इण्डिया ब्रूसेल्स : यूरोपीय आयोग, 2009
- वी.वी. कृष्णा, (सं.) 'इन्नो पालिसी ट्रेन्डचार्ट – पालिसी ट्रेन्ड्स ऐंड अप्रेजल रिपोर्ट – इण्डिया 2008' इंटरप्राइज डायरेक्टोरेट जनरल यूरोपीयन कमीशन, ब्रुसेल्स, 2009

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- रामा वी. बारू (सं.) स्कूल हैल्थ सर्विसिस इन इण्डिया : द सोशल ऐंड इकोनामिक कंटेक्स्ट्स, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- ध्रुव रैना और एस. इरफान हबीब, 'इंटरसैक्टिंग फ्रेम्स : कोलोनिअलिज्म, नेशनलिज्म ऐंड द इंस्टीट्यूशनलाइजेशन आफ साइंस इन इण्डिया : द कल्चरल हिस्ट्री आफ मैनकाइन्ड, यूनेस्को, भाग–8, रूटलेज, 2008
- ध्रुव रैना और एस. इरफान हबीब, 'द नेशनल मूवमेंट इन इण्डिया ऐंड द क्रिएशन आफ ए साइंटिफिक ऐंड इंडस्ट्रियल रिसर्च सिस्टम' द कल्चरल हिस्ट्री आफ मैनकाइन्ड, यूनेस्को, भाग–8, रूटलेज, 2008
- ए.के. मोहन्ती, एम. पाण्डा, आर फिलिप्सन और टी. कांगस, मल्टिलिंग्विल एज्यूकेशन फार सोशल जस्टिस : ग्लोबलाइजिंग द लोकल, ओरिएन्ट ब्लैकशान, नई दिल्ली, 2009
- ए.के. मोहन्ती, एम. पाण्डा, टी. स्कुटनाब कांगस और आर. फिलिप्सन, 'मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन फार सोशल जस्टिस : ग्लोबलाइजिंग द लोकल' ओरिएन्ट ब्लैकशान, नई दिल्ली, 2009

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम

- वाई. चिन्ना राव, 'पर्सपेक्टिव्स आन इकोनामिक्स डिवलपमेंट ऐंड सोशल चेन्ज' (सं.) रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, जयपुर, 2009

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

- चौ. राधा गायत्री, 'फीमेल मेडिकल एज्यूकेशन इन क्लोनियल इण्डिया' अंजना इंटरनेशनल बुक्स, दिल्ली, 2008

प्रोढ़ शिक्षा समूह

- एस.वाई. शाह, (सं.) 'इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स आन एडल्ट ऐंड लाइफलांग एज्यूकेशन, सलेक्टिड पेपर्स, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडल्ट ऐंड लाइफलांग एज्यूकेशन, नई दिल्ली, 2008
- एस.वाई. शाह, 'फंडिंग एडल्ट एज्यूकेशन प्रोग्राम्स इन इण्डिया : ए रिव्यू आफ पालिसी, प्रोसिस पैटर्न ऐंड प्राब्लम्स' इण्डियन पावलो फ्रेरी इंस्टीट्यूट, कोलकाता, 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

- सी.पी. चन्द्रशेखर, 'फाइनेंसियल मार्किट्स ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया ऐंड चाइना' (जर्मनी में) (सं.) करीन कब्लबाक और कार्नेलिया स्टारिज, फाइनेंसियल मार्किट्स ऐंड इकोनामिक डिवपलमेंट, आस्ट्रियन रिसर्च फाउंडेशन फार इंटरनेशनल डिवलमेंट, वियना, 2008
- सी.पी. चन्द्रशेखर, 'फाइनेंसियल पालिसीज, यूनाटिड नेशंस' डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक ऐंड सोशल अफेयर्स, नेशनल डिवलपमेंट स्ट्रेटजीस : पालिसी नोट्स, यूनाइटिड नेशंस न्यूर्याक, 2008
- अरूण कुमार, 'फिश्किल पालिसी : मिसिंग द अपरच्युनिटी टु डू मोर, अल्टरनेटिव सर्वे ग्रुप' (सं.) अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, इण्डिया–2007–2008, दानिश बुक्स, नई दिल्ली, 2008

- अरूण कुमार ने 'मिसजजिंग द मैक्रो सोनारियो लीडिंग द इकोनामी टुवर्डस ए स्लोडाउन, अल्टरनेटिव सर्वे ग्रुप्स' (सं.) अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, इण्डिया 2007–08, दानिश बुक्स, नई दिल्ली, 2008
- दीपक नैय्यर, 'लर्निंग द अनलर्न फ्राम डिवलपमेंट' आक्सफोर्ड डिवलपमेंट स्टडीज, सितम्बर 2008
- दीपक नैय्यर, 'द राइज आफ चाइना ऐंड इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार डिवलपमेंट कंट्रीज' (सं.) फिजिप आर्टिसिस और जान एटवेल, इश्यूज इन इकोनामिक डिवलपमेंट ऐंड ग्लोबलाइजेशन, पाल ग्रेव, लन्दन, 2008
- दीपक नैय्यर, 'इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट' (सं.) जोसफ स्टिगलिट्ज और नार्सिस सीरा, द वाशिंगटन कंसेंसस रिकंसिडर्ड, टुवर्डस ए न्यू ग्लोबल गवर्नेन्स आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, आक्सफोर्ड, 2008
- अंजन मुखर्जी, 'जस्टिफाइंग बिलफ्स : द रोल आफ इकोनामिक थीअरि' (सं.) एन. जयराम और आर.एस. देशपाण्डेय, फुटप्रिन्टस आफ डिवलपमेंट ऐंड चेंज, ए सेज इन मैमोरी आफ वी.के.आर.वी. राव, अकादमिक फाउन्डेशन, जुलाई 2008
- प्रदीप्त चौधरी, 'अनइंप्लायमेंट इन ए ट्रेडिशनल एग्रेरियन इकोनामी : थीअरि ऐंड इविडेंस' (सं.) एस.के. भौमिक, रिफार्मिंग इण्डियन एग्रीकल्चर : टुवर्डस इंप्लायमेंट जेनरेशन ऐंड पावर्टी रिडक्शन, एसेज इन द आनर आफ जी.के. चड्ढा, सेज प्रकाशन, दिल्ली, जुलाई 2008, पृ. 345–362
- प्रदीप्त चौधरी, 'कास्ट इकोनामी ऐंड सोसायटी ऐंड पालिटिक्स इन इण्डिया' (सं.) आर.एस. शिकारा, गवर्नेंस प्राब्लम्स, प्रास्पेक्ट्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स, नेताजी सुभाष बोस आई.एन.ए. ट्रस्ट ऐंड होप इण्डिया पब्लिकेशंस, दिल्ली, जनवरी 2009, पृ. 265–276
- एस.के. जैन, 'द मेथड आफ मेजोरिटी डिसिजन ऐंड रेशनैलिटी कंडीशंस इन एथिक्स, वैलफेयर ऐंड मेजरमेंट, भाग–I, आरग्यूमेंट्स फार ए बैटर वर्ल्ड : एसेज इन आनर आफ अमृत्यसेन' (सं.) कौशिक बासु और रवि कंबुर, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयार्क, 2009, पृ. 167–192
- जयती घोष, 'साउथ एशिया' फार हैण्डबुक आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स, (सं.) ए. कृष्णा दत्त और जैम रोज, मैकमिलन, 2008 (प्रभात पटनायक के साथ)
- जयती घोष, 'इनफार्मेलाइजेशन ऐंड वुमन'स फोर्स पार्टिसिपेशन : ए कंसिड्रेशन आफ रिसेंट ट्रेंड्स इन एशिया' (सं.) शहराजोब रजवी, द जेंडर्ड इम्पैक्ट आफ लिबरलाइजेशन : टुवर्डस इम्बेडिड लिबरलाइजेशन, रूटलेज, 2008
- जयती घोष, 'द केस फार कास्ट बेस्ड कोटाज इन हायर एज्यूकेशन' (सं.) एस.के. थोरट और नरेन्द्र कुमार, इन सर्च आफ इनक्लुसिव पालिसी : एड्रेसिंग ग्रडिड इन इक्वैलिटी, रावत प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- आर.पी. सेनगुप्ता, 'एनर्जी, इक्विटी ऐंड इनक्लुसिव इकोनामिक ग्रोथ आफ इण्डिया' डा. एस.एन. सेन स्मारक व्याख्यान, अर्थबिक्शन, भाग 17, अंक–4, (बंगाली इकोनामिक एसोसिएशन की पत्रिका) कोलकाता, मार्च 2009
- आर.पी. सेनगुप्ता, 'नेचरल रिसोर्सिस, नेशनल एकाउन्ट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट (सह लेखक शालिनी सक्सेना) (सं.) अमिताभ कुण्डु और माइकल वान हाफ, एनवायरनमेंटल एकांटिंग : एक्सप्लोरेशंस इन मेथडोलाजी, मानक प्रकाशक, नई दिल्ली, 2008
- आर.पी. सेनगुप्ता, 'ग्लोबल वार्मिंग ऐंड सस्टनेबल एनर्जी डिवलपमेंट आफ इण्डिया' (सं.) अनीता गुप्ता चट्टोपाध्याय, ग्लोबल वार्मिंग : ए थ्रेट टु द वर्ल्ड, मुरलीधर गर्ल्स कालेज, कोलकाता, 2008

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- बलवीर अरोड़ा, 'इंटरएक्शन इन फेडरल सिस्टम' (सं.) जान किनकैड और रूपक चट्टोपाध्याय, यूनिटी इन डायवर्सिटी लर्निंग फ्राम ईच अदर, वाइवा बुक्स, नई दिल्ली, 2009 (सह लेखक बेरिल रेडिन और चेरिल सौन्दर्स के साथ)
- सुधा पई, 'दलित कांसियसनेस ऐंड मूवमेंट्स इन द यूनाइटिड प्रोविन्सिस : क्लोनियल लिगेसीज' (सं.) संयुक्ता दास गुप्ता और राजशेखर बासु, नैरेटिव्स आफ द एक्सक्लुडिड : कास्ट इश्यूज इन क्लोनियल इण्डिया, के.पी. बागची ऐंड कम्पनी, कलकत्ता, , 2008
- वी. रोड्रिग्स, 'टु डिस्कोर्सिस आन डेमोक्रेसी इन इण्डिय' (सं.) राजेश बासरूर, चैलेंजिस टु डेमोक्रेसी इन इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2009
- गोपाल गुरु, 'डेमोक्रेसी इन सर्च आफ डिग्निटी' (सं.) उज्ज्वल कुमार सिंह, हयुमन राइट्स ऐंड पीस : आइडियाज, लाज इंस्टीट्यूशंस ऐंड मूवमेंट्स, सेज, नई दिल्ली, 2009

- गोपाल गुरु, 'कांस्टिट्यूशनल जस्टिस : पोजिशनल ऐंड कल्चरल' (सं.) राजीव भार्गव, पालिटिक्स ऐंड एथिक्स आफ द इण्डियन कंस्टीट्यूशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2008
- शेफाली झा, 'राइट्स वर्सिस रिप्रजेंटेशन : डिफाइनिंग माइनार्टी इंट्रेस्ट्स इन द कंटिन्यूएन्ट एसेम्बली' (सं.) राजीव भार्गव, पालिटिक्स ऐंड ऐथिक्स आफ द इण्डियन कंस्टिट्यूशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2008
- अनुपमा राय, 'इंट्रोडक्शन : ह्युमन राइट्स ऐंड पीस : आइडियाज ऐंड विजन' (सं.) उज्ज्वल कुमार सिंह, ह्युमन राइट्स ऐंड पीस, आइडियाज, लाज इंस्टीट्यूशंस ऐंड मूवमेंट्स, सेज, नई दिल्ली, 2009
- अनुपमा राय, 'सिटिजनशिप' (सं.) राजीव भार्गव और अशोक आचार्य, पालिटिकल थीअरि : ए रीडर पियरसन, दिल्ली, 2008
- अनुपमा राय, 'ह्युमन राइट्स इन अवर टाइम्स : ए कंटिन्युइंग स्ट्रगल फार इक्वैलिटी, लिबरेशन ऐंड डिग्निटी' आफ्टरवर्ड टु द साउथ एशियन एडिशन आफ मिकलाइन आर इशे, द हिस्ट्री आफ ह्युमन राइट्स, ओरिएन्ट लांगमैन, दिल्ली 2008 (यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया प्रेस, बर्कले द्वारा पहली बार प्रकाशित, 2004)
- अनुपमा राय, 'प्रिवेंटिंग एट्रोसिटीज अगेंस्ट शैडयूल्ड कास्ट्स ऐंड शैड्यूल्ड ट्राइब्स' (सं.) कमला शंकरन और उज्ज्वल कुमार सिंह, टुवर्डस लीगल लिट्रेसी : एन इंट्रोडक्शन टु लाज इन इण्डिया' आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2008
- अजय गुडावर्दी, 'ह्युमन राइट्स मूवमेंटस इन इण्डिया : स्टेट सिविल सोसायटी ऐंड बियांड' (सं.) उज्ज्वल सिंह, ह्युमन राइट्स ऐंड पीस, सेज, दिल्ली 2009
- अजय गुडावर्दी, 'इंट्रोडक्शन : राइट्स मूवमेंट्स ऐंड इंस्टीट्यूशंस' (सं.) उज्ज्वल सिंह, ह्युमन राइट्स ऐंड पीस, सेज, दिल्ली, 2009
- अजय गुडावर्दी, 'एन्टिनोमिज आफ पालिटिकल सोसायटी : इंप्लिकेशंस आफ अनसिविल डिवलपमेंट' (सं.) सिस्का रावेन्टोस, डेमोक्रेटिक इनोवेशन इन द साउथ, क्लाक्सो ब्यूनस आयरस, 2008
- अजय गुडावर्दी, 'गवर्नेन्स ऐंड रसिस्टेन्स : इंप्लिकेशंस आफ द न्यू डिवलपमेंट माडल इन आन्ध्र प्रदेश' (सं.) जी.एस. गणेश, ट्रांसफार्मेशन, ट्रांजिशन आर स्टेगनेशन ? अण्डरस्टेंडिंग चेंज इन ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड, मिड्स, मद्रास, 2008
- अमीर अली, 'द प्रिडिकेमेंट आफ इण्डिया'स मुस्लिम्स : बीटवीन माइनोरर्टीजेशन ऐंड मार्जिनेलाइजेशन' द रिलिजन्स ऐंड डिवलपमेंट प्रोग्राम, यूनिवर्सिटी आफ ब्रमिंघम और आईआईडीएस, नई दिल्ली को जून 2008 में प्रस्तुत।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- ए. बनर्जी, 'अर्बन चेंलेंजिस इन द 21ट सेंचुरी इण्डिया : अर्बेनाइजेशन ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन एनवायरनमेंट ऐंड इंफ्रास्टक्चर' अर्बन एनवायरनमेंट ऐंड जिओइंफार्मेटिक्स' (सं.) कल्पना मार्कण्डेय और एस. सिमहादरी, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- बी.एस. बुटोला, 'डिवलपमेंट इश्यूज ऐंड रीजनल डिस्पैरिटीज, यूनिट–9 इन ए बुक स्टेट पालिटिक्स इन इण्डिया' सामाजिक विज्ञान संस्थान, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2008
- बी.एस. बुटोला, 'एन्टीनोमिज आफ डिवलपमेंट, डायलेक्टिक्स आफ स्ट्रेजजिक वर्सिस कम्यूनिकेटिव एक्शन इन द नार्थ–ईस्टर्न रीजन आफ इण्डिया' पुस्तक शीर्षक – पाप्यूलेशन, डिवलपमेंट ऐंड कंफ्लिक्ट्स इन नार्थ ईस्ट इण्डिया, (सं.) सुजीत डेका, 2008
- बी. दास, 'जेंडर इश्यूज इन डिवलपमेंट : कंसर्स फार 21ट सेंचुरी' (सं. विमल खवास के साथ संयुक्त रूप से) इन जेंडर इश्यूज इन डिवलपमेंट, रावत प्रकाशन, 2009
- डी.एन दास, 'जेंडर डिफ्रेंसिस अमंग ओल्ड पर्शन्स : ए स्टडी बेस्ड आन द 2001 पाप्यूलेशन सेंसस आफ इण्डिया' (सह लेखक – एम.डी. विमुरी), (सं.) भास्वती दास और विमल खवास, जेंडर इश्यूज इन डिवलपमेंट, रावत प्रकाशन, 2009
- ए. दुबे, 'सेग्मेंटिड स्कूलिंग : इनइक्वालिटीज इन प्राइमरी एज्यूकेशन' (सोनाल्डे देसाई और सेसली एडम्स के साथ) (सं.) न्यूमैन कैथेरिन और सुखदेव थोरट, ब्लाक्ड बाई कास्ट : डिस्क्रिमिनेशन ऐंड सोशल एक्सक्लुजन इन माडर्न इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2009, पृ. 275–302
- ए. दुबे, 'डिटर्मिनेंटस आफ पोस्ट हायर सेकण्ड्री इनरोलमेंट इन इण्डिया' विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008, पृ. 139–98
- ए. दुबे, 'रोल आफ क्रिश्चिएनिटी इन फोस्टरिंग लिट्रेसी ऐंड एज्यूकेशन इन नार्थ–ईस्टर्न रीजन : स्टेस्टिकल इविडेंस' (परोनिका पाला के साथ), (सं.) टी.बी. सुब्बाराव, जे पुथनपुरकल और एस.जे. पुकुनिल, क्रिश्चिएनिटी ऐंड चेंज इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2008, पृ. 62–92

- ए. कुण्डु, 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट : मेथडोलाजिकल इश्यूज फार नेचुरल रिसोर्स एकाटिंग' (सं.) ए कुण्डु और माइकल वान हाफ, एनवायरनमेंटल एकांउंटिंग : एक्सप्लोरेशंस इन मेथडोलाजी, मानक प्रकाशन, 2008
- ए. कुण्डु, 'एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन ऐंड पावर्टी लिंक्ड वल्नेबिलिटी इन डिवलपिंग कंट्रीज : डिजाइजिंग इफैक्टिव इंटरवेंशनबेस्ड आन साइंटिफिक एकाउंटिंग, एशिया पेस्फिक फार इंटरनेशनल अण्डरस्टेंडिंग', सिओल, 2008
- ए. कुण्डु, 'द फ्युचर आफ इण्डिया'स सिटीज' अर्बन ऐज सम्मेलन की कार्यवाही, लन्दन स्कूल आफ इकोनामिक्स, लंदन, 2008
- ए. कुण्डु, 'अर्बेनाइजेशन ऐंड माइग्रेशन : एन एनालिसिस आफ ट्रेन्ड, पैटर्न ऐंड पालिसीज इन एशिया, ह्युमन डिवलपमेंट रिसर्च पेपर,' यूनाइटिड नेशंस डिवपलमेंट प्रोग्राम, 2009
- ए. कुण्डु, 'एक्सिस टु बेसिक अमेनिटीज ऐंड अर्बन सिक्यूरिटी : एन इंटर स्टेट एनालिसिस विद फोकस आन सोशल सस्टेनेबिलिटी आफ सिटीज इण्डिया' (सं.) ए कुण्डु, सोशल डिवलपमेंट रिपोर्ट, यूएनडीपी ऐंड गवर्नमेंट आफ इण्डिया, नई दिल्ली, 2008
- डी.के. मिश्रा, 'स्ट्रक्चरल इन इक्वैलिटीज ऐंड इंटरलिंक्ड ट्रांसैक्शंस इन एग्रेरियन मार्किट्स : रिजल्टस आफ ए फील्ड सर्वे' (सं.) एस.के. भौमिक, रिफार्मिंग इण्डियन एग्रीकल्चर : टुवर्डस इम्प्लायमेंट जेनरेशन ऐंड पावर्टी रिडक्शन, एसेज इन द आनर आफ जी.के. चड्ढा, सेज, नई दिल्ली, 2008
- डी.के. मिश्रा, 'प्राग्डिगम आफ डिवलपमेंट : ए क्रिटिक' (सं.) समीर कुमार दास, ब्लिस्टर्स आन देयर फीट : टेल्स आफ इंटरनली डिस्प्लेस्ड पर्शन्स इन इण्डिया'स नार्थ–ईस्ट, सेज, नई दिल्ली, 2008, पृ. 284–290
- पी. पणि, 'वेस्टलैण्ड इंवेंट्री ऐंड वाटरशेड एरिया मैनेजमेंट यूजिंग रिमोट सेंसिग ऐंड जीआईएस इन ए हार्ड राक तराइन'' (एस.एन. मोहपात्रा और देवीदयाल सिन्हा के साथ), न्यू टेक्नोलाजीस फार रूरल डिवलपमेंट हैविंग पोटेंशल आफ कामर्शिलाइजेशन, (सं.) जयप्रकाश शुक्ला, एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 2009, पृ. 16–21
- एस. राजू, 'जेंडर डिफ्रेंसिअल्स इन एक्सिस टु हायर एज्यूकेशन' विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, नवम्बर 2008, पृ. 79–102
- एस. राजू, 'एजेंसी स्ट्रक्चर ऐंड वुमन ऐज सिचुएटिड सब्जेक्ट्स : चेंजिंग द टर्म्स आफ जेंडर्ड डिस्कोर्स ऐंड एक्सप्लोरिंग वेज टु क्रेक द जेंडर्ड कोड्स' (सं.) भास्वती दास और विमल खवास, जेंडर इश्यूज इन डिवलपमेंट : कंसर्न्स फार द 21ट सेंचुरी, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 7–19
- एस. सेन, 'वाटरशेड प्रोग्राम्स ऐंड रूरल डिवलपमेंट इन इण्डिया' (सं.) रोबर्ट वासन और के. लाहिड़ी दत्ता, वाटर फर्स्ट सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 243–256
- एस. सेन लैण्डयूज ऐंड वर्कफोर्स स्ट्रक्चर इन पेरि–अर्बन एरियाज : लिवलिहुड इंप्लिकेशंस इन थ्री मैट्रोपोलिटन सिटीज इन इण्डिया' (सं.) आभा लक्ष्मी सिंह और शाहब फैजल, अर्बन एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, बी.आर. पब्लिकेशन कारपोरेशन, दिल्ली, 2008, पृ. 317–347
- एच. सिंह, 'एनवायरनमेंटल कंस्ट्रन्ट्स ऐंड चेंजिंग एग्रीकल्चरल इकोनामी इन ए हाई एल्टिट्यूड रीजन – ए केस स्टडी आफ लाहौल स्पीति डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश' (विशाल वार्पा के साथ संयुक्त रूप से), मैनेजमेंट स्ट्रेटजीस फार द इण्डियन हिमालयाज : डिवलपमेंट ऐंड कंजरवेशन, (सं.) एम.एस.एस. रावत और डी.पी. सिंह, ट्रांसमीडिया प्रकाशन, श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखण्ड, 2009, पृ. 165–192
- एस. सिन्हा, 'आइडेंटिफिकेशन आफ एज्यूकेशनली बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स' विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008
- एस. सिन्हा, 'एक्सिस टु हायर एज्यूकेशन' (आर श्रीवास्तव के साथ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008
- एस. सिन्हा, 'इंक्लुसिव पालिसी ऐंड हायर एज्यूकेशन' (आर श्रीवास्तव के साथ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008
- एस. श्रीकेश, 'टेमिंग द रीवर : कंसर्न्स ऐंड पालिसीज इन मैनेजिंग द फ्लड्स' (सं.) आर. आनन्द डिजास्टर मैनेजमेंट ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट : इमर्जिंग इश्यूज ऐंड कंसर्न्स विषयक पुस्तक, 2008
- आर. श्रीवास्तव, 'मीटिंग सोशल सैक्टर गोल्स : एन असेसमेंट आफ द अप्रोच आफ द ट्वेल्थ फाइनेन्स कमीशन' (सं.) ए.के. सिंह, टवेल्थ फाइनेन्स कमीशन रिकमंडेशंस ऐंड देयर इंप्लिकेशंस फार द स्टेट फाइनेन्स ए.पी.एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई दिल्ली, 2008

- आर. श्रीवास्तव, 'लैण्ड इंस्टीट्यूशंस, पालिसी ऐंड रिफार्म्स इन इण्डिया' (एन.सी. सक्सेना और एस.के. थोरट के साथ) (सं.) अशोक गुलाटी और फेन शेंगेंन, द ड्रेगन ऐंड द एलिफेन्ट : एग्रीकल्चरल ऐंड रूरल रिफार्म्स इन चाईना ऐंड इण्डिया, जान हापकिन्स प्रेस, न्यूयार्क और आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2008
- आर. श्रीवास्तव, 'इंटर—सोशल ग्रुप डिस्पैरिटीज इन एक्सिस टु हायर एज्यूकेशन' (सच्चिदानन्द सिन्हा के साथ), हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : इश्यूज रिलेटिड टु एक्सपेंशन, इनक्लुसिवनेस, क्वालिटी ऐंड फाइनेन्स, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008, पृ. 103—110
- आर. श्रीवास्तव, 'फाइनेंसिंग हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया—एस्टिमेंट फार 15% इनरोलमेंट अण्डर द 11थ प्लान हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : इश्यूज रिलेटिड टु एक्सपेंशन, इनक्लुसिवनेस, क्वालिटी ऐंड फाइनेन्स' विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008, पृ. 277—293
- आर. श्रीवास्तव, 'इनक्लुसिवनेस ऐंड एक्सिस आफ सोशल ग्रुप्स टु हायर एज्यूकेशन' हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : इश्यूज रिलेटिड टु एक्सपेंशन, इनक्लुसिवनेस, क्वालिटी ऐंड फाइनेन्स, (सच्चिदानंद सिन्हा के साथ), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008, पृ. 111—138
- बी. जुत्शी, 'नेचुरल डिजास्टर्स इन इण्डिया : ए केस स्टडी आफ ड्राट्स इन इण्डिया ऐंड इट्स मैनेजमेंट स्ट्रेटजीस डिजास्टर मैनेजमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट' (सं.) राजेश आनन्द, एन.सी. जेना और सुधीर सिंह, पेंटागन प्रेस, जनवरी 2009
- बी. जुत्शी, 'स्टेटस आफ एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इण्डिया : रूरल ऐंड पुअर सैक्शंस डिजर्व बैटर गवर्नेन्स : प्राब्लम्स, प्रास्पेक्ट्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स' (सं.) आर.एस. चिकारा, होप इण्डिया प्रकाशक, दिसम्बर 2008

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- सरदिन्दु भादुरी, 'पैटेनटिंग बायोटेक्नोलाजी' (सं.) होल्जर पैटजल्ट और थामस ब्रेनर, हैण्डबुक आफ बायो इंटरप्रिन्यूशिप, बर्लिन, स्प्रिगंर, 2008
- सुजीत भट्टाचार्य, 'इंडस्ट्रियल आर ऐंड डी इन इण्डिया : कंटेम्पोरेरि सेनारियो' इण्डिया साइंस ऐंड टेक्नोलाजी—2008, निसताद्स, नई दिल्ली, 2009
- सुजीत भट्टाचार्य, 'इनोवेशन एक्टिविटी इन इण्डियन साफ्टवेयर इंडस्ट्री' (सं.) बी.के. पटनायक और नादिया एस्लोवा, लिबरलाइजिंग रिसर्च इन साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, सेंट पिट्सबर्ग द रशियन अकादमी आफ साइंसिस, 2009
- रोहन डीसूजा, 'रीवर लिंकिंग ऐंड इट्स डिस्कंटेंट्स : द फाइनल प्लंग फार सप्लाई साइट हाइड्रोलाजी इन इण्डिया' (सं.) के. लाहिड़ी दत्ता और रोबर्ट जे वेसन, वाटर फर्स्ट : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस फार नेशंस ऐंड कम्यूनिटीज, इन साउथ एशिया सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, लन्दन, 2008
- अनूप कुमार दास, 'कलेक्शन डिवलपमेंट इन डिजिटल इंफार्मेशन रिपोजिट्रीज इन इण्डिया' डिजिटल इंस्टीट्यूशनल रिपोजिट्रीज इन इण्डिया' डिजिटल इंस्टीट्यूशनल रिपोजिट्रीज : केस स्टडीज, आईएफएआई यूनिवर्सिटी प्रेस, हैदराबाद, 2008
- अनूप कुमार दास, 'इमर्जिंग नालेज इकोनामी इन इण्डिया ऐंड रोल आफ इंफार्मेशन लिट्रेसी' लाइब्रेरी ऐंड इंफार्मेशन सिस्टम्स : फ्राम आलेक्जेंडियन हैरिटेज टु सोशल नेटवर्किंग एसेज इन आनर आफ प्रो. एस. पार्थासारथी, रंगनाथन सेंटर फार इंफामेंशन स्टडीज, चेन्नई, 2009
- अनूप कुमार दास, 'रोल आफ लाइफलांग लर्निंग इन इमर्जिंग नालेज इकोनामी इन इण्डिया' चेंजिंग लाइब्रेरी सेनारियो इन डिजिटल ईरा, प्रोफेसर अलाका बुरागोहैन फेस्चटरिफ्ट वाल्यूम, आसाम कालेज लाइब्रेरियन्स एसोसिएशन, गुवाहाटी, 2008
- प्रणव देसाई, 'चैलंजिस आफ एग्रो—बायोटेक्नोलाजीस इंटेक्चुअल प्रार्पीज राइट्स ऐंड ग्लोबलाइजेशन' टेक्नोलाजी ऐंड मार्केटिंग स्ट्रेटजी, आरसीएफएआई यूनिवर्सिटी प्रेस, हैदराबाद, 2008

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- मोहन राव, 'टु चाइल्ड नार्म्स ऐंड पाप्यूलेशन पालिसी' (सं) मेरी ई जान, वुमन'स स्टडीज इन इण्डिया, पेंगुइन, नई दिल्ली, 2008, पृ 297—304
- रामा वी. बारू, 'स्ट्रक्चरल एडजेस्टमेंट ऐंड हैल्थ : द चेंजिंग रोल आफ नान—गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस' (सं.) ए सरकार, एनजीओ'स ग्लोबलाइजेशंस' (सं.) ए. सरकार, एनजीओ'स ग्लोबलाइजेशन ईरा : डिवलपमेंटल ऐंड आर्गेनाइजेशनल फैक्ट्स, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

- रामा वी. बारू, 'आइडोलाजी ऐंड हैल्थ सैक्टर रिफार्म्स : ए स्टेट लेवल एनालिसिस' (सं.), गिरीश कुमार हैल्थ सैक्टर रिफार्म्स इन इण्डिया : इश्यूज ट्रेन्ड्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स, मनोहर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
- रामा वी. बारू और एस. धालेव, 'महिला समाख्या अप्रोचिस टु वुमन'स हैल्थ' (सं.) के. झंद्याला, जुबान प्रकाशक, आगामी।
- ए.एम. नन्दी, 'हैल्थ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप्स इन इण्डिया : स्टेपिंग स्टोन्स फार इम्प्रूविंग वुमन'स रिप्रोडक्टिव हैल्थ केयर' (सं.) एम. तिमारमन, यूएनयू प्रकाशन, 2009
- संघमित्रा एस. आचार्य, 'कास्ट ऐंड पैटर्नस आफ डिस्क्रिमिनेशन इन रूरल पब्लिक हैल्थ केयर सर्विसिस' ब्लाक्ड बाई कास्ट इकोनामिक डिस्क्रिमिनेशन ऐंड सोशल एक्सक्लुजन इन माडर्न इण्डिया', (सं.) सुखदेव थोरट और कैथेरिन एस न्यूमैन, दिल्ली आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2009
- रमिला बिष्ट, 'कास्ट, जेंडर हैल्थ : द एक्सपिरिअन्सिस आफ वर्क ऐंड चाइल्ड बिरिंग अमंग दलित वुमन आफ गढ़वाल, दलित वुमन'स हैल्थ ऐंड ह्युमन राइट्स' विषयक इमराना कादिर द्वारा सम्पादित आगामी पुस्तक।
- आर. दासगुप्ता, 'यूनिवर्सल इम्यूनिजेशन प्रोग्राम (यूआईपी) : द जर्नी ऐंड द टेंशंस' (सं.) चिकारा, गवर्नेन्स : प्राब्लम्स, प्रास्पेक्ट्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स, होप इण्डिया प्रकाशक, गुड़गांव, 2009

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- एस. चट्टोपाध्याय, 'सिक्किम विकास रिपोर्ट, योजना आयोग भारत सरकार में प्रकाशित अध्याय, अकादमिक फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2008
- एस. चट्टोपाध्याय, सह लेखक : फिस्किल पालिसी इन अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, 2007–08, द डिकलाइन आफ द डिवलपमेंट स्टेट, दानिश बुक्स, दिल्ली, 2008
- बिनोद खादरिया, 'इण्डियन डाइसपोरा इन द न्यू वर्ल्ड नार्थ अमेरिका' यूनिट 11 इन डाइसपोरा ऐंड ट्रांसनेशनल कम्यूनिटी : बुक–1, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, एमएसओई–002, एम.ए. समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम के लिए, पृ. 7–19
- बिनोद खादरिया, 'इमिग्रेशन ऐंड इमिग्रेशन पालिसीज ऐंड देयर इंप्लिकेशंस' यूनिट 14 इन डाइसपोरा ऐंड ट्रांसनेशल कम्यूनिटी।
- दीपक कुमार, 'फारेन फिलन्थ्रोपी ऐंड मेडिकल रिसर्च इन इण्डिया' (सं.) के.एल. टुटेजा और एस. पठानिया, हिस्टोरिकल डायवर्सिटीज, मनोहर प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- दीपक कुमार, 'साइंटिफिक सर्वेज इन ब्रिटिश इण्डिया' (सं.) उमा दासगुप्ता, साइंटिफिक इंस्टीट्यूशंस इन इण्डिया, पीएचआईएसपीसी सीरीज, पियरसन लांगमैन, नई दिल्ली, 2009 (आगामी)
- ए.के. मोहन्ती, 'परपच्युएटिंग इनइक्वैलिटी : लैंग्यूवेज डिसएडवांटेज ऐंड कैपेबिलिटी डेप्रिविएशन आफ ट्राइबल मदर टंग स्पीकर्स इन इण्डिया' (सं.) डब्ल्यु हरबर्ट, एस मैककोनेल – जिनेट, ए मिल्लर और जे. वाइटमैन, लैंग्यूवेज ऐंड पावर्टी क्लीवडन, यूके, मल्टिलिंग्वल मैटर्स, 2008, पृ. 102–126
- ए.के. मोहन्ती, 'मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन फार इंजिडिनस चिल्ड्रन : इस्केपिंग द विसियस साइकल आफ लैंग्यूवेज डिसएडवांटेज इन इण्डिया' (सं.) सी. स्टार्क, ग्लोबलाइजेशन ऐंड लैंग्यूवेजिस : बिल्डिंग आन अवर रिच हैरिटेड, यूनेस्को, पेरिस, 2009, पृ. 132–146
- ए.के. मोहन्ती, 'मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन : ए ब्रिज टु फार' (सं.) ए.के. मोहन्ती, मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन फार सोशल जस्टिस : ग्लोबलाइजिंग द लोकल, ओरिएन्ट ब्लैशान, नई दिल्ली, 2009, पृ. 5–17
- ए.के. मोहन्ती, एम. मिश्रा, यू. रेड्डी और जी. रमेश 'ओवरकमिंग द लैंग्यूवेज बैरियर फार ट्राइबल चिल्ड्रन : एमएलई इन आन्ध्र प्रदेश ऐंड उड़ीसा' (सं.) ए.के. मोहन्ती, मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन फार सोशल जस्टिस : ग्लोबलाइजिंग द लोकल, ओरियन्ट ब्लैकशान, नई दिल्ली, 2009, पृ. 278–291
- ए.के. मोहन्ती और एम. पाण्डा, 'लैंग्यूवेज मैटर्स, सो डज कल्चर : बियाण्ड द रेटोरिक आफ कल्चर इन मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन (सं.) ए.के. मोहन्ती, एम. पाण्डा, टी. स्कुतनाव कांगस और आर. फिल्पसन, मल्टिलिंग्वल एज्युकेशन फार सोशल जस्टिस : ग्लोबलाइजिंग द लोकल, ओरिएन्ट ब्लैकशान, नई दिल्ली, 2009, पृ. 295–312

- ए.के. मोहन्ती, और एम. पाण्डा, टी. स्कुटनब कांगस, आर. फिलिप्सन, 'एम.एल.ई कंसेप्ट्स, गोल्स नीड्स ऐंड एक्सपेंस' (सं.) स्कुतनब कांगस, आर. फिलिप्सन, ए.के. मोहन्ती, एम. पाण्डा, सोशल जस्टिस थ्रू मल्टिलिंग्वल एज्यूकेशन, मल्टिलिंग्वल मैटर्स, यू.के., 2009, पृ. 313–334
- ध्रुव रैना, नालेज, (सं.) अकीरा इरीय और पाइरी व्येस सौनिर, ट्रांसनेशनल डिक्शनरी आफ वर्ल्ड हिस्ट्री, पालग्रेव बुक्स, 2009, पृ. 620–626
- एस. श्रीनिवास राव, 'इण्डिया'स लैंग्यूवेज डिबेट्स ऐंड एज्यूकेशन आफ लिंग्विस्टिक्स माइनार्टीज' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–43, अंक–36, 2008, पृ. 63–69
- एस. श्रीनिवास राव, 'द स्कूलिंग आफ इमिग्रेन्ट चिल्ड्रन इन कनाडा : ए क्रिटिक आफ मल्टिकल्चरल एज्यूकेशन' (सं.) क्रिस्टोफर एस. राज और मैरी मैक एन्ड्रू, मल्टिकल्चरलिज्म : पब्लिक पालिसी ऐंड प्राब्लम एरियाज इन कनाडा ऐंड इंडिया, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009, पृ. 245–267

शोध आलेख

दर्शनशास्त्र केंद्र

- आर.पी. सिंह, 'गांधी आन नान–वायलन्स इन द कंटेक्स्ट आफ इनलाइटमेंट रेशनैलिटी ऐंड ग्लोबलाइजेशन' द इक्फई जर्नल आफ हिस्ट्री ऐंड कल्चर, भाग–2, अंक–4, अक्टूबर 2008, पृ. 24–31
- आर.पी. सिंह, 'डायलाग, डायलेक्टि ऐंड डिकंस्ट्रक्शन, सोक्रेट, कांट, हेगल ऐंड डेरिडा' यवनिका अंक–11, 2008, पृ. 73–95
- आर.पी. सिंह, 'विटजेंस्टेन आन एथिक्स ऐंड वैल्युज लुडविग विटजेंस्टेन एथिक्स ऐंड रिलिजन' (सं.) के.सी. पाण्डेय, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, पृ. 103–110
- आर.पी. सिंह, 'स्प्रिचुअल प्लिग्रमेज : इण्डियन ऐंड वेस्टर्न पर्सपेक्टिव्स : स्प्रिचुएलिटी लाजिक ऐंड साइंस, साइंस स्प्रिचुएलिटी ऐंड द माडर्नाइजेशन आफ इण्डिया' (सं.) एम. प्रांजपे, एन्थम प्रेस, लंदन, 2008, पृ. 15–46
- आर.पी. सिंह, 'रिव्यू आफ पी.के. मोहपात्रा'स एथिक्स ऐंड सोसायटी : एन एसे इन एप्लाइड एथिक्स', संधान, भाग–8, अंक–1, जनवरी–जून 2008, पृ. 75–80
- ओइनम भगत और एस.एस. बरलिंगे, 'एस्थेटिक्स पैरामीटर्स इन इण्डियन ट्रेडिशन : इन एस्थेटिक थीअरीज ऐंड फार्म्स इन इण्डियन ट्रेडिशन' (सं.) कपिला वात्सयायन और डी.पी. चट्टोपाध्याय, पीएचआईएसपीसी, नई दिल्ली, 2008
- ओइनम भगत, 'स्टेट आफ स्टेट्स : मैपिंग इण्डिया'स नार्थईस्ट' वर्किंग आलेख संख्या–12, ईस्ट–वेस्ट सेंटर, वाशिंगटन, नवम्बर 2008

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- सुधा पई, चेंजिग डालेक्टिक्स आफ दलित एस्पीरेशंस : डिमांड फार अफरमेटिव एक्शन' इण्डियन जर्नल आफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, ए रिव्यू आफ इकोनामिक ऐंड सोशल डिवलपमेंट, 'अफरमेटिव एक्शन' विषयक विशेष अंक, (सं.) लार्ड मेघनाद देसाई, नई दिल्ली, भाग–44, अंक–2, अक्टूबर 2008
- गुरप्रीत महाजन, 'हायर एज्यूकेशन रिजर्वेशन इन इण्डिया'स इकोनामिक ग्रोथ : एन एक्जामिनेशन' वर्किंग पेपर 36, सेंटर फार इंटरनेशनल गवर्नेंस, वाटरलू, कनाडा, सितम्बर 2008
- प्रलय कानूनगो और अदनान फारूकी, 'ट्रेकिंग मोदित्व : एन एनालिसिस आफ द 2007 गुजरात इलैक्शंस कम्पैन' कंटेम्पोरॅरि पर्सपेक्टिव्स, भाग–2, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2008
- प्रलय कानूनगो, 'हिन्दुत्व'स फ्युरी अगेंस्ट क्रिश्चियन्स इन उड़ीसा' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 13 सितम्बर 2008
- आशा सारंगी, 'स्टेट्स रिआर्गेनाइजेशंस : कंटेम्पोरॅरि कंसर्न्स इन सोशल साइंसिस, जनवरी 2009
- आशा सारंगी, 'ट्राइबल लैंग्वेजिस ऐंड द कल्चरल पालिटिक्स इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया' मूविंग वर्ल्डस, ए जर्नल आफ ट्रांसकल्चरल राइटिंग्स, भाग–9, अंक–1, यूनिवर्सिटी आफ लीड्स, यूके (चोटरो आदिवासी वायसिस ऐंड स्टोरीज विषय पर विशेष अंक), 2009
- अनुपमा राय, 'द एम्बिवैलेन्स आफ सिटीजनशिप : द आईएमडीटी एक्ट (1983) ऐंड द पालिटिक्स आफ फारक्लुजन इन आसाम' क्रिटिकल एशियन स्टडीज (कंसर्न्ड एशियन स्कालर्स की पूर्व पत्रिका), भाग–41, अंक–1, मार्च 2009 (सह लेखक)

- अनुपमा राय, 'इनजेंडरिंग सिटिजनशिप : एन एजेंडा फार ए प्राक्सिस आफ सिटीजनशिप' इण्डियन हिस्टोरिकल रिव्यू, (जेडर पर विशेष अंक), दिसम्बर 2008
- अनुपमा राय, 'बिटवीन इनकम्पासमेंट ऐंड क्लोजर : द माइग्रन्ट ऐंड द सिटिजन इन इण्डिया' कंट्रीब्यूशन टू इण्डियन सोसियोलाजी, भाग–42, अंक–2, मई–अगस्त 2008
- अजय गुडावर्दी, 'हयुमन राइट्स मूवमेंट्स इन इण्डिया : स्टेट सिविल सोसायटी ऐंड बियांड' कंट्रीब्यूशन टू इण्डियन सोसियोलाजी, 42,1, 2008
- अजय गुडावर्दी, 'गांधी, दलित्स ऐंड फेमिनिस्ट्स : रिकवरिंग द कनवर्जेंस' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 31 मई 2008
- रिंकु लाम्बा, 'नान डोमिनेशन ऐंड द स्टेट : ए रिस्पांस टु द सबआल्टर्न क्रिटिक' मैक्स वेबर में प्रकाशित, वर्किंग आलेख श्रृंखला, यूरोपीयन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट 2008
- राजर्षि दासगुप्ता, 'द सीपीआई (एम) मशीनरी' इन वेस्ट बंगाल : टु विलेज नैरेटिव्स फ्राम कूच बिहार ऐंड माल्दा, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XLIV अंक–9, 28 फरवरी 2009

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- टी.के. ऊमन, 'डिस्जंक्शन बिटवीन फील्ड, मेथड ऐंड कंसेप्ट : एन अप्रेजल आफ एमएन श्रीनिवास' सोसिआलाजिकल बुलेटिन, भाग 57(1), 2008, पृ. 60–81
- दीपांकर गुप्ता, 'द माडर्न गांधी : आईआईसी, क्वाटर्ली, भाग 35(2), 2008
- दीपांकर गुप्ता, 'सिविल सोसायटी ऐंड इट्स ट्रांसफार्मेशन' रामकृष्ण इंस्टीट्यूट कलकता की पत्रिका, 2008
- दीपांकर गुप्ता, 'द चेंजिंग विलेजर' संगोष्ठी, अंक–589, दिल्ली, 2008
- एहसानुल हक, 'कल्चरल इंटरप्रिटेशन आफ द पीस आफ चाइल्डबर्थ, नेचर आफ बर्थ असिस्टेंस ऐंड इनफेन्ट मार्टेलिटी इन इण्डिया' इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, भाग 38(1), 2008
- मैत्रेयी चौधरी, 'मल्टिकल्चरलिज्म : द स्टोरी फ्राम द इण्डियन पाइंट आफ व्यू' इंटरनेशनल जर्नल आफ ह्युमेनिस्टिक आइडोलाजी, 1:2, 2009, 67–90
- सुसन विश्वनाथन, सुनामी न्यूईयर संयुक्ता : ए जर्नल आफ वुमन'स स्टडीज, भाग–8, 2007–08
- सुसन विश्वनाथन, 'ड्रीम्स ऐंड डैथ' इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, भाग–38(1), 2008
- सुरेन्दर एस. जोधका, 'कास्ट ऐंड द कारपोरेट सैक्टर' द इण्डियन जर्नल आफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, भाग–44(2), अक्टूबर, 2008, पृ. 185–93
- आर. रोबिन्सन, 'बिटविन किन ऐंड कम्यूनिटी : मुस्लिम वुमन ऐंड द फैमिली इन द वेक आफ एथनिक स्ट्राइफ इन वेस्टर्न इण्डिया' एशियन पाप्यूलेशन स्टडीज, 42(2), 2008, 177–194
- आर. रोबिन्सन, 'निगोसिएटिंग ट्रेडिशंस : पाप्यूलर क्रिश्चिएनिटी इन इण्डिया' एशियन जर्नल आफ सोशल साइंस, 37(1) 2009, 29–54
- रेणुका सिंह, 'वायलन्स इन मैरिज्स' स्टडीज इन सोसियोलाजी, भाग–12, दिसम्बर 2007, अगस्त 2008 में प्रकाशित।
- नीलिका मेहरोत्रा, 'एक्सप्लोरिंग कंस्ट्रक्ट्स आफ इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी ऐंड पर्सनहुड इन हरियाणा ऐंड दिल्ली' इण्डियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज (डिसएबिलिटी, जेंडर ऐंड सोसायटी विशेष अंक), भाग 15(2), (शुभांगी वैद्य के साथ), 2008, 317–340
- नीलिका मेहरोत्रा, 'कल्चर वर्सिस कोअर्सन : अदर साइड आफ निर्मल ग्राम योजना' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XLIII 3, (एस.एम. पटनायक के साथ) 43, 2008, 25–27

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

- सुजीत भट्टाचार्य, 'ए पैटर्न बेस्ड इवैल्युएशन आफ टेक्नोलाजिकल इनोवेशन कैपेबिलिटी इन एट इकोनोमिक रीजन्स इन पीआर चाइना' वर्ल्ड पेटेंट इंफार्मेशन, भाग–31, अंक–2, 2009, पृ. 104–110

- रोहन डीसूजा, 'फ्रेमिंग इण्डिया'स हाइड्रोलिक क्राइसिस : पालिटिक्स आफ द मार्डर्न लार्ज डैम' मंथली रिव्यू, भाग–60, अंक–3, 2008, पृ. 112–124
- रोहन डीसूजा, 'मेकिंग बैकवार्डनेस : हाऊ टु इमेजिन द नार्थ–ईस्ट ऐज ए डिवलपमेंट डिफिसिट' ईस्टर्न क्वाटर्ली, भाग–4, अंक 3–4, 2008, पृ. 207–217
- अनूप कुमार दास, 'ओपन एक्सिस टु रिसर्च लिट्रेचर इन इण्डिया : कंटेम्पोरॅरि सेनारियो' आईएसएसआई न्यूजलैटर, भाग–5, अंक–1, 2009, पृ. 9–14
- प्रणव एन. देसाई, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इनोवेशंस : चेंजिग नेचर आफ इण्डिया'स साइंस ऐंड टेक्नोलाजी कोआपरेशन पालिसी' इंटरनेशनल जर्नल आफ इंस्टीट्यूशंस ऐंड इकोनामिक्स, भाग–1, अंक–1, 2009, पृ. 52–77
- वी.वी. कृष्णा, 'यूनिवर्सिटी–इंडस्ट्री साइंस रिलेशंस, साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी' विषय पर विशेष सम्पादन, भाग–14, अंक–1, 2009

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- बिनोद खादरिया, 'इण्डिया : स्किल्ड माइग्रेशन टु द डिवलपड कंट्रीज, लेबर माइग्रेशन टु द गल्फ' (सं.) स्टीफन कैसल और राहुल डेलगडो वाइज, माइग्रेशन ऐंड डिवलपमेंट : पर्सपेक्टिव्स फ्राम द साउथ, इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन फार माइग्रेशन, जिनेवा, 2008, पृ. 79–112
- ए.के. मोहन्ती और एस. दीक्षित, 'डिवलपमेंट आफ हिस्टोरिकल अंडरस्टेंडिंग अमंग 9–14 ईयर ओल्ड चिल्ड्रन' फिजियोलाजिकल स्टडीज, 2009
- ध्रुव रैना, 'साइंस ईस्ट ऐंड वेस्ट' (सं.) हिलैन सेलिन, इनसाइक्लोपीडिया आफ साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड मेडिसन इन नार्थ–वेस्टर्न कल्चर्स, स्प्रिंगर वेरलाग, हिडलबर्ग, न्यूयार्क, 2008, पृ. 1934–1944
- ध्रुव रैना, 'इन सर्च आफ ए हिस्टोरिओग्राफी आफ जेस्यूट साइंस इन सेवन्टीन्थ ऐंड एट्टींथ सेंचुरी इण्डिया' (सं.) सीजफ्रेड जेलिंस्की और एकार्ड फरलस, वैरिएन्टोलाजी 3 : आन दीप टाइम रिलेशंस आफ आर्ट्स साइंसिस ऐंड टेक्नोलाजीस इन चाइना ऐंड एल्सवियर, वेरलाग डेर बुचन्दलंग वाल्वर कोनिग, कोल्न, 2008, पृ. 333–346
- ध्रुव रैना, 'वाकिंग इन आन ए ब्रोकन लेग' Das jahrbuch des wissensehaftskollegs 2009 आगामी
- ध्रुव रैना, 'हाऊ जेस्युट सोर्सिस ऐंड हिस्टोरियोग्राफी शेप्ड द एनलाइटनमेंट हिस्ट्री आफ मेथेमेटिक्स' Das jahrbuch des wissensehaftskollegs 2009 आगामी
- ध्रुव रैना, 'कंटेक्सचुअलाइजिंग प्लेफेयर ऐंड कोलब्रूक आन प्रूफ ऐंड डिमांस्ट्रेशन इन द इण्डियन मेथमेटिकल ट्रेडिशन (1780–1820)' (सं.) करीन चेमला, द हिस्टोरिग्राफी आफ मेथमेटिकल प्रूफ, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, (आगामी)
- ध्रुव रैना, 'द फ्रेंच जेस्युट मैन्युस्क्रिप्ट्स आन इण्डियन एस्टोनोमी : द नैरेटोलाजी ऐंड मिस्ट्री सराउंडिंग ए लेट सेवन्टींथ अर्ली एटीन्थ सेंचुरी प्रोजेक्ट' (सं.) फ्लोरेन्स ब्रेटली, Bibliothegues, encyclopedies, musees Archives : La constitution des collections gui ont fourni ses soures a l historire des secienes बोस्टन स्टडीज इन द फिलास्फी आफ साइंस, आगामी।
- ध्रुव रैना, 'आन मेटाहिस्ट्री ऐंड ए परपोर्टडली होमलैस टेक्स्ट : रिफ्लेक्शंस अपोन एन एट्टींथ सेंचुरी, साउथ एशियन ट्रेवलर'स इम्प्रेशन आफ माडर्न यूरोपीयन साइंस' (सं.) सिगफ्रिड जेलिंस्की और एकार्ड फरलस, वैरिएन्टोलाजी 4 : आन डीप टाइम रिलेशंस आफ आर्ट्स, साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन चाइना ऐंड एल्सवियर, वेरलाग डेर बुचन्डलंग वाल्टर कोनिंग, कोल्न, 2009, आगामी।
- ध्रुव रैना, 'द नेचरलाइजेशन आफ माडर्न साइंस इन साउथ एशिया : ए हिस्टोरिकल ओवरव्यू आफ द प्रोसिस आफ डोमेस्टि केशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन' (सं.) जर्गन रेन, ग्लोबलाइजेशन आफ नालेज ऐंड इट्स कंसिक्वेंसिस, एमआईटी प्रेस (आगामी)
- परिमाला राव, 'नेशनलिज्म ऐंड द विजिबिलिटी आफ वुमन इन पब्लिक स्पेस : तिलक'स क्रिटिसिज्म रखमाबाई ऐंड रामाबाई : द इण्डियन हिस्टोरिकल रिव्यू XXXV अंक–11, जुलाई 2008
- परिमाला राव, 'न्यू इनसाइट्स इनटु द डिबेट्स आन रूरल इनडेब्टनेस इन द नाइनटींथ सेंचुरी' डेकन इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 24 जनवरी 2009

- परिमाला राव, 'गांधी, अनटचएबिलिटी ऐंड द पोस्टकलोनियल प्रिडिकेमेंट, सोशल साइंटिस्ट' भाग–37, अंक–1–2, जनवरी–फरवरी 2009

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम

- वाई चिन्ना राव, 'दलित एज्यूकेशन ऐंड कंससनेस इन आन्ध्र' पर्सपेक्टिव्स आन इकोनामिक डिवलपमेंट ऐंड सोशल चेंज, (सं.) रावत प्रकाशन, नई दिल्ली/जयपुर, 2009
- वाई चिन्ना राव, 'लेबर एज्यूकेशन इन मद्रास प्रेसिडेन्सी लेट 19थ ऐंड अर्ली 20थ सेंचुरी आन्ध्रा' साउथ इण्डिया जर्नल आफ सोशल साइंसिस, भाग–6, अंक–2, दिसम्बर 2008
- वाई चिन्ना राव, 'कम्यूनिटीज आन द मार्जिस : दलित कंसाइंसनेस इन कलोनियल साउथ इण्डिया' (सं.) राजशेखर बासु और संयुक्ता दासगुप्ता, नैरेटिव्स आफ द एक्सक्लुडिड : कास्ट इश्यूज इन कलोनियल इण्डिया, के. बागची ऐंड कम्पनी, कोलकाता, 2008

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- एस.वाई. शाह, 'लाइफलांग लर्निंग इन इण्डिया : अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस' इण्डियन जर्नल आफ एडल्ट एज्यूकेशन, 70, 2009, 15–39
- एस.वाई. शाह, 'इण्डियन सेनारियो आफ लाइफलांग लर्निंग' यूनिवर्सिटी न्यूज, 46, 2008, 1–12
- एस.वाई. शाह, 'लाइफलांग लर्निग इन इण्डिया' इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में लाइफलांग एज्यूकेशन में स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम के लिए मापदण्ड।
- एस.वाई. शाह, 'एडल्ट एज्यूकेशन इन फाइव ईयर प्लान्स इन इण्डिया' इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में लाइफलांग एज्यूकेशन में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र कार्यक्रम के लिए मापदण्ड।
- एस.वाई. शाह, 'एज्यूकेशन फार पीपल : कंसेप्ट आफ ग्रुण्डविग' टैगोर, गांधी ऐंड रीडर्स सर्विस' विषयक अशोक भट्टाचार्य की पुस्तक की समीक्षा इण्डियन जर्नल आफ एडल्ट एज्युकेशन, कोलकाता, 69, 2008, 93–96
- एस.वाई. शाह, 'पर्सपेक्टिव्स आन इण्डियन एडल्ट एज्यूकेशन' डा. पीडर्सन के साथ साक्षात्कार, आईएईए न्यूज लैटर 18, 2009, 4–6
- एम.सी. पाल, 'यूथ ऐंड फिनोमेनन आफ ड्रग एब्यूज मिनेस' इण्डियन जर्नल आफ यूथ अफेयर्स, नई दिल्ली, भाग–12, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2008, पृ. 120–138
- एम.सी. पाल, 'ग्लोबलाइजेशन, कंज्यूमेरिज्म ऐंड कंज्यूमर राइट्स प्रोटेक्शन इन इण्डिया : पालिसी चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज' इण्डियन जर्नल आफ यूथ अफेयर्स, विश्व युवक केन्द्र, नई दिल्ली, जनवरी–जून 2009, पृ. 39–49
- एम.सी. पाल, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड प्रोटेक्शन आफ कंज्यूमर राइट्स इन इण्डिया' (सं.) ब्रिगेडियर आर.एस. छिकारा, गवर्नेन्स : प्राब्लम्स, प्रोस्पेक्ट्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स, होप इण्डिया प्रकाशन, गुड़गांव, 2009
- एम.सी. पाल, 'इकोनामिक ग्रोथ ऐंड इंप्लायमेंट' योजना, मार्च 2009
- अजय कुमार, 'डिवलपमेंट एज्यूकेशन ऐंड डाएलाजिकल लर्निंग इन द 21ट सेंचुरी' डिवलपमेंट एज्यूकेशन ऐंड ग्लोबल लर्निंग की अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित, भाग–1, अंक–1, 2008 (इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन, लंदन यूनिवर्सिटी, लंदन की संदर्भ पत्रिका)

आलेख

दर्शनशास्त्र केन्द्र

- मणिदीपा सेन, 'सिंग्युलर थाट, कम्यूनिकेशन ऐंड इंटरप्रिटेशन' (सं.) कांति लाल दास और अनिरबन बनर्जी, लाजिक ऐंड ओंटोलाजी : नार्थ बंगाल स्टडीज इन फिलास्फी, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2008

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- जानकी अब्राहम, 'हू हैज फोटोग्राफ्स ? ए जर्नी इनडु होम्स इन थोलेसरी' केरला आर्ट कनेक्ट आगामी, इण्डिया फाउंडेशन फार द आर्ट्स कनेक्ट आगामी, इण्डिया फाउंडेशन फार द आर्ट्स की पत्रिका।

मीडिया आलेख

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

- जयती घोष, फ्रन्टलाइन पत्रिका में प्री आक्युपेशंस कालम में 'करंट अफेयर्स' विषयक नियमित पाक्षिक कालम।
- जयती घोष, मैक्रोस्केन इन बिजनेस लाइन न्यूज पेपर के लिए मैक्रोइकनोमिक इश्यूज पर नियमित पाक्षिक कालम (सी.पी. चन्द्रशेखर के साथ)
- जयती घोष, गणशक्ति नामक बंगाली अखबार में करंट इकोनामिक मैटर्स' विषयक पर नियमित साप्ताहिक कालम।
- जयती घोष, डेक्कन क्रानिकल में इकोनामिक इश्यूज पर नियमित साप्ताहिक कालम।
- जयती घोष, एशियन ऐज में इकोनामिक इश्यूज' विषय पर नियमित साप्ताहिक कालम।
- सी.पी. चन्द्रशेखर, फ्रन्टलाइन में 'इकोनामिक पर्सपेक्टिव्स' विषय पर नियमित पाक्षिक कालम (पाक्षिक पत्रिका)
- सी.पी. चन्द्रशेखर, बिजनेस लाइन में 'मैक्रोस्केन' विषय पर जयती घोष के साथ संयुक्त रूप से पाक्षिक कालम (फाइनेंशल डेली)
- अरूण कुमार, 'आइडेंटिफाइंग द एलीट : एअर ट्रेवल इज नाट द राइट इंडिकेटर' द ट्रिब्यून, 1 अप्रैल 2008
- अरूण कुमार, 'लर्निंग विदाउट वैल्यूज : इरैशनल फी हाइक इन एलीट इंस्टीट्यूशंस' द ट्रिब्यून, 29 अप्रैल 2009
- अरूण कुमार, 'इंफ्लेशन आन द राइज : सोशल टेंशंस ए नेचुरल कोरोलरी' द ट्रिब्यून, 13 मई 08
- अरूण कुमार, ए ट्रिक्स्टर'स बजट, कम्बैट ला, मई–जून 2008
- अरूण कुमार, इंडेक्स आफ हैपीनेस : लैट'स लर्न लेसंस फ्राम भूटान द ट्रिब्यून, 17 जून 2008
- अरूण कुमार, हू इज वरीड एबाउट द नेशनल इंट्रेस्ट ? मेनस्ट्रीम, भाग XLVI अंक–32, 2 जुलाई 2008
- अरूण कुमार, नाट इन अवर इंट्रेस्ट : न्युक्लियर डील एम्स टु प्रमोट यूएस डिजाइन्स, द ट्रिब्यून, 3 अगस्त 2008
- अरूण कुमार, 'द इनक्रीज इन सैलरीज : हाऊ द गवर्नमेंट गिव्स लैस टु इट्स स्टाफ' द ट्रिब्यून, 27 अगस्त 2008
- अरूण कुमार, 'कश्मीर ऐंड आइडिया आफ इण्डिया : वेली पीपल नीड टु चेंज देयर विजन' द ट्रिब्यून, 8 दिसम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'सोसिओ इकोनामिक आस्पेक्ट्स आफ सेज्स' सोशल एक्शन, भाग–58, जुलाई–सितम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'द मेल्टडाउन : यूएस सैण्डकेसल्स आर कोलेप्सिंग' द ट्रिब्यून, 30 सितम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'फाइनेशियल क्राइसिस वर्सेन्स : पब्लिक नीड्स टु नो द ट्रूथ' द ट्रिब्यून, 11 जून 2008
- अरूण कुमार, 'ग्रोइंग अनसर्टेनिटी : टाइम टु इनवेस्ट इन रीयल इकोनामी' द ट्रिब्यून, 5 नवम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'इंट्रेस्ट्स आफ द जाबलैस : ए रेडिकल एजेंडा फार ओबामा', द ट्रिब्यून, 20 नवम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'एक्ट्रार्डिनरी टाइम्स' अनएक्सपेक्टिड हैपनिंग्स ऐंड रीयल इकोनामी, मेनस्ट्रीम, 28 नवम्बर – 4 दिसम्बर 2008
- अरूण कुमार, 'साइन आफ सिस्टेमिक क्राइसिस : यूएस कम्पनीज टू बिग टु फेल बट फेलिंग' द ट्रिब्यून, 13 दिसम्बर 2008
- अरूण कुमार, '2008 : ए डिफिकल्ट ईयर : रिलीफ नाट इन साइट सून' द ट्रिब्यून, 1 जनवरी 2009
- अरूण कुमार, 'इवेन्टफुल ईयर 2008 : डिसेंडिंग इनटु द प्रिसिपीस टेक्सिनडिआ आनलाइन काम, 5 जनवरी 2009
- अरूण कुमार, 'द सत्यम सेज : देयर आर अदर बिजनेस फ्राड्स आलसो, द ट्रिब्यून, 24 जनवरी 2009
- अरूण कुमार, 'आब्जरवेशंस आफ ए ब्रीफ ट्रिप टु शंघाई : माडर्निटी ट्रोसिंग ट्रेडिशन' मेनस्ट्रीम, गणतंत्र दिवस पर विशेष अंक, भाग XLVII, अंक–6, 23–29 जनवरी 2009, पृ. 47–51
- अरूण कुमार, 'इण्डिया'स ग्रोथ स्टोरी कैल्कुलेशंस मे गो रांग' द ट्रिब्यून, 3 फरवरी 2009
- अरूण कुमार, 'एनालिसिंग द सत्यम अफेयर' प्वाइंटर्स टु बिजनेस फ्राड इन इण्डिया, मेनस्ट्रीम, 14 फरवरी 2009
- अरूण कुमार, 'गवर्नमेंट इन डिनाइल मोड' बजट फोल्स टु टैकल फाइनेंशियल क्राइसिस, द ट्रिब्यून, 18 फरवरी 2009
- अरूण कुमार, 'द स्टेट आफ द इकोनामी रिफ्लेक्टिड इन द इंट्रिम बजट 2009–10' मेनस्ट्रीम, 21 फरवरी 2009, पृ. 5–6

अखबार और गैर तकनीकी पत्रिकाएँ

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- टी.के. ऊमन, लिमिटलैस प्लूरलिज्म फ्रंटियर्स आफ जस्टिस का समीक्षा आलेख : डिस्एबिलिटी, नेशनल्टी, स्पीसीज मेम्बरशिप बाई मार्था सी नुसबौम, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2007, बिब्लियो, ए रिव्यू आफ बुक्स, भाग–8, 2008, 30–31
- टी.के. ऊमन, इण्डियन सोसायटी : क्लैस आफ पर्सपेक्टिव्स, मनोरमा ईयर बुक, 2009, कोट्टायम 2009, 578–583
- टी.के. ऊमन, ए टोटलिटेरियन सोसायटी द हिन्दू पत्रिका, 10 अगस्त 2008 (स्वतंत्रता दिवस अंक), 1 और 2

- मैत्रेयी चौधरी, टीचर्स मैन्युअल (एनसीईआरटी) 2009, एनसीएफ 2005 पर आधारित और एनसीईआरटी की समाजशास्त्र की पाठ्यपुस्तक।
- सुसन विश्वनाथन, रिलिजन इन ए सेक्लुर स्टेट : मथाई जैचेरियाह की क्रिश्चियन स्प्रिचुएलिटी फार न्यू डे इन इण्डिया विषयक पुस्तक की समीक्षा, द हिन्दू, 14 अक्टूबर 2008
- विवेक कुमार, 'कल्चरल हेट्रोजेनिसिटी ऐंड एक्सक्लुजन इन इण्डिया' मेनस्ट्रीम, भाग XIVI अंक–19, 26 अप्रैल 2008
- विवेक कुमार, 'मायावती'स न्यू अवतार' साकाल टाइम्स, महाराष्ट्र, 1 अगस्त 2008
- विवेक कुमार, 'डेमोक्रेसी ऐंड सेल्फ रिप्रजेंटेशन' मेनस्ट्रीम, 4 अक्टूबर 2008
- विवेक कुमार, मैनीक्राइसिस बोग मुम्बई, डेक्कन डेराल्ड, 2 नवम्बर 2008
- विवेक कुमार, 'खैरलांजी : ए स्ट्रेंज ऐंड बिटर क्राप' बुक रिव्यू तहलका, 29 नवम्बर 2008
- अमित कुमार शर्मा, 'समाजशास्त्र की शास्त्रीय परम्परा' (एम.ए. प्रथम, पेपर–1, स्नातकोत्तर (समाजशास्त्र) के लिए पाठ्यपुस्तक, नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना, 2009
- अमित कुमार शर्मा, 'भारतीय समाजशास्त्र के प्रमुख उपागम' (स्नातकोत्तर प्रथम, पेपर IV समाजशास्त्र के लिए पाठ्यपुस्तक) नालंदा मुक्त विश्वविद्यलय, 2009
- अमित कुमार शर्मा, 'हिन्दी सिनेमा का लोकशास्त्र' संवेद, 21 मार्च 2009
- अमित कुमार शर्मा, 'भारतीय समाज की अन्तरधारा' सब लोग, मार्च 2009
- अमित कुमार शर्मा, 'युवा मानस का बहुरंग' सब लोग, जनवरी 2009
- अमित कुमार शर्मा, 'महात्मा गांधी का सभ्यता मूलक विमर्श' प्रभात खबर, दीपावली विशेषांक, रांची, 2008
- अमित कुमार शर्मा, प्रदीप तिवारी 'भारतीय सिनेमा और उत्तर भारत की लोक संस्कृति' आगाह, भाग 7, मुम्बई 2009
- हरीश नारायण दास, 'मेनस्ट्रीमिंग आयुष ऐंड आयुषिंग आब्सटेट्रिक्स' (सं.) दर्शन शंकर।
- हरीश नारायण दास, मेनस्ट्रीमिंग आयुष, हैल्थ फार द मिलियन्स विशेष अंक, जून–जुलाई और अगस्त 2008, 34 (2 और 3) 2008, 33–37

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- मोहन राव, 'मर्डरर्स आइडेंटिटीज ऐंड पाप्यूलेशन पैरेनोरिआ' हिमल, भाग–21, अंक–9, सितम्बर 2008
- संघमित्रा एस. आचार्य, कम्पैरटिव एनालिसिस आफ द यूथ इन द फिलीपीन्स ऐंड इण्डिया
- संघमित्रा एस. आचार्य, यूथ ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया फ्राम सोशल पालिसी टु पब्लिक हैल्थ अप्रोच, डिस्क्रिमिनेशन ऐंड हैल्थ : सम इलस्ट्रेशंस फ्राम इण्डिया।
- संघमित्रा एस. आचार्य, सोशल स्ट्रेटिफिकेशन ऐंड हैल्थ केयर एक्सिस इन इण्डिया, सम रिफ्लेक्शंस फ्राम सलेक्टिड विलेज्स।
- संघमित्रा एस. आचार्य, हैल्थ ऐंड सैक्सचुएलिटी अमंग यूथ–वाट मेक्स अमेरिकन यूथ डिफ्रेंट फ्राम एशियन।

मोनोग्राफ/वर्किंग आलेख

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

- सी.पी. चन्द्रशेखर, 'ग्लोबल लिक्विडिटी ऐंड फाइनेंशियल फ्लोज टु डिवलपिंग कंट्रीज : न्यू ट्रेन्ड्स इन इमर्जिंग मार्किट्स ऐंड देयर इंप्लिकेशंस' जी 24 वर्किंग पेपर, जिनेवा, अंकटाड, 2008
- सी.पी. चन्द्रशेखर, 'रि विजिटिंग द पालिसी एनवायरनमेंट फार इनजेंडरिंग इंप्लायमेंट इनटेंसिव इकोनामिक ग्रोथ' आईएलओ बैकग्राउण्ड पेपर, नई दिल्ली, आईएलओ, 2008
- सी.पी. चन्द्रशेखर, 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन ऐंड द न्यू डायनेमिक्स आफ ग्रोथ इन इण्डिया' टीडब्ल्युएन ग्लोबल इकोनामी सीरीज 13, पिनांग, थर्ड वर्ल्ड नेटवर्क, जनवरी 2009

पुस्तक समीक्षा

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

- रोहन डीसूजा, 'ट्रम्फ आफ द एक्सपर्ट : एग्रेरियन ड्राक्ट्रिन्स आफ डिवलपमेंट ऐंड द लिगेसीज आफ ब्रिटिश कलोनिअलिज्म' विषयक जोसफ मोरगन हाज'स की पुस्तक समीक्षा, ओहियो यूनिवर्सिटी प्रेस, 2007, एथेंस, आईएसआईएस (यूनिवर्सिटी आफ शिकागो प्रेस), 99(3) सितम्बर 2008, पृ. 653–4
- रोहन डीसूजा, 'बिकमिंग इण्डिया : वेस्टर्न फ्रन्टियर अण्डर ब्रिटिश रूल' विषयक अनिकेत आलम की पुस्तक समीक्षा, न्यू दिल्ली फाउण्डेशन बुक्स, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस 2008, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, XLIII अंक–48, 29 नवम्बर 2008, पृ. 26–27

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- सुधा पई, 'कम्यूनिटी ऐंड नेशन एसेज आन आईडेंटिटी ऐंड पालिटिक्स इन ईस्टर्न इण्डिया' विषयक पपिया घोष की पुस्तक संवीक्षा, (ओयूपी, नई दिल्ली 2008) पुस्तक समीक्षा, भाग–32, अंक–4, अप्रैल 2008
- अनुपमा राय, 'द पालिटिक्स आफ पर्सनल लॉ इन साउथ एशिया : आइडेंटिटी, नेशनलिज्म ऐंड द यूनिफार्म सिविल कोड' विषयक पार्था एस घोष की पुस्तक समीक्षा, पुस्तक समीक्षा, दक्षिण एशिया, विशेष अंक, मार्च 2009
- अजय गुडावर्दी, 'एक्सप्लेनिंग इण्डियन डेमोक्रेसी' विषयक सुसान और लियोड रूडोल्फ की पुस्तक समीक्षा, आईईएसएचआर, मार्च 2009 (आगामी)

अखबार आलेख

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- सुधा पई, 'पोलर अट्रक्शन : स्ट्रक्चरल रियल्टीज विलपुट द ब्रेक्स आन मायावती'स एम्बिशंस' द इण्डियन एक्सप्रेस, 12 अगस्त 2008
- सुधा पई, 'द न्यू ओल्ड स्टोरी आफ बिजनौर' द इण्डियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली, 3 अप्रैल 2008
- अजय गुडावर्दी, 'द ट्रेप ऐट द सेंटर' ओप–एड इण्डियन एक्सप्रेस, 17 अप्रैल 2008
- राजर्षि दासगुप्ता, 'इंडस्ट्रिलाइजेशन विदाउट लैण्ड एलिनेशन' द इकोनामिक टाइम्स, 2 सितम्बर 2008

रिपोर्ट और आमंत्रित आलेख

- सीमा बाटला, 'इम्पैक्ट आफ ट्रेड आन इंप्लायमेंट, वेजिज ऐंड लेबर प्रोडक्टिविटी इन अनआर्गेनाइज्ड मैन्यूफैक्चरिंग इन इण्डिया' (आर.के. शर्मा के साथ), यूएनसीटीएडी न्यू दिल्ली को प्रस्तुत।
- ए. दुबे, 'इनकम ऐंड इनइक्वैलिटी इन इण्डिया : ए डिसएग्रीगेटिड एनालिसिस फ्राम एनसीएईआर इनकम सर्वे' (राजेश शुक्ला के साथ) वर्ल्ड बैंक को प्रस्तुत, अगस्त 2008
- ए. दुबे, 'कास्ट डोमिनेन्स ऐंड इनक्लुसिव ग्रोथ : इविडेन्स फ्राम ए पैनल डाटा सेट फार इण्डिया' (एडरियान कलविज, बरकेट किबेड, अर्जन वेस्स्कूर और वगिर्ड इवर्सेन के साथ) वर्ल्ड बैंक को प्रस्तुत, जून 2008
- ए. दुबे, 'कंजंम्पशन, इनकम ऐंड इनइक्वैलिटी इन इण्डिया' वर्ल्ड बैंक को प्रस्तुत, जून 2008
- ए. दुबे, 'डिवलपमेंट ऐंड प्रोफेशनल कम्पीटेंस आफ पेराटीचर्स' स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को प्रस्तुत रिपोर्ट, 2008
- एस. राजू, 'प्लानिंग फैमिलीज, प्लानिंग जेंडर : द एडवर्स चाइल्ड सैक्स रेशिया इन सलेक्टिड डिस्ट्रिक्ट्स आफ मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब' (मैरी जान, रविन्दर कौर, रजनीद पालरिवाला और अल्पना सागर के साथ) एक्शन ऐड और आईडीआरसी, नई दिल्ली, 2008, पृ. 1–9
- एस. सेन, 'इण्डिया – ए रेडिनेस असेसमेंट रिपोर्ट 2006' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2008
- एस. सेन, 'ई–रेडिनेस बेस पेपर : इण्डिया फार आईबीएसए (इण्डिया–ब्राजील–साउथ अफ्रीका) ई–रेडिनेस : इमर्जिंग प्रेक्टिसिस,' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, अक्टूबर 2008

- ए. सूद, 'ग्रोथ ऐंड इक्विटी : पालिसी डिमांड्स कमिटमेंट्स ऐंड परफार्मेन्स सिटिजन्स रिपोर्ट आन गवर्नेन्स ऐंड डिवपलमेंट' सोशल वाच इण्डिया, 2009
- आर. श्रीवास्तव, 'ए स्पेशल प्रोग्राम फार मार्जिनल ऐंड स्माल फार्मर्स, नेशनल कमीशन फार एन्टरप्राइजिज इन द अनआर्गेनाइज सेक्टर, नई दिल्ली, भारत सरकार, नवम्बर, 2008

पुस्तकें/शोध आलेख समीक्षा

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

- एस. राजू, 'इनजेंडरिंग गवर्नेन्स इंस्टीट्यूशंस : स्टेट, मार्किट ऐंड सिविल सोसायटी' (सं.) स्मिता मिश्रा पाण्डा, सेज प्रकाशन, 2006, सोशल चेन्ज 2008

सम्मेलन और संगोष्ठी आलेख

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- टी.के. ऊमन ने 25 फरवरी 2009 को दिल्ली में समाजशास्त्र विभाग की स्वर्ण जयंती की 'लोकेशन इन द 21ट सेंचुरी : द पासिबल फ्युचर्स आफ सोसिओलाजी ऐंड सोशल एन्थ्रोपोलाजी' संगोष्ठी में 'इंप्लिकेशंस आफ शिफ्टिंग लोकेशन : ट्रांजेक्ट्रीज आफ एन्थ्रोपोलाजी ऐंड सोसिओलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 22–24 जनवरी 2009 को 'टेक्नोलाजी, पब्लिक पालिसी ऐंड डिवलपमेंट : शिफ्टिंग कंटेक्स्ट्स, ट्रांसफार्मिंग एजेंडाज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'च्वाइस आफ टेक्नोलाजी ऐंड द पालिटिक्स आफ एग्रीकल्चरल पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- दीपांकर गुप्ता ने मई 2008 में ब्रमिंघम यूनिवर्सिटी में 'टुवर्डस ए न्यू नार्मल : रिपैरेशन ऐंड रिहैबिलिटेशन आफ राइट विक्टम्स आफ मुम्बई ऐंड अहमदाबाद पोस्ट कंफ्लिक्ट रिजोल्युशंस' शीर्षक संगोष्ठी आलेख प्रस्तुत किया।
- दीपांकर गुप्ता ने 12–13 जनवरी 2009 को 'माई फेवरिट लेवी स्ट्रास' विषयक संगोष्ठी में 'टु ट्रांसफार्म आर ट्रांसमोर्फ : फ्राम ट्रेफिक लाइट्स टु टोटेमिज्म टु कास्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नन्दू राम ने नवम्बर 2008 में सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू की साप्ताहिक संगोष्ठी में 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन इन इण्डियन सोसायटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- तिपलुत नोंगब्री ने 13–15 मार्च 2009 को नार्थ ईस्ट इण्डिया स्टडीज प्रोग्राम, जेएनयू और सेंटर फार मणिपुर स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मणिपुर, इम्फाल द्वारा आयोजित 'वुमन इन ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशंस ऐंड वर्ल्ड व्यूज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु द ट्राइबल सोसायटीज आफ नार्थ–ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'एक्सक्लुजन प्रेक्टिसिस : द मार्जिनेलाइजेशन आफ वुमन इन ट्रेडिशन ऐंड पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुसन विश्वनाथन ने 13 अक्टूबर 2008 को एशिया पेस्फिक लिट्रेरी राइटर्स की बैठक में 'आन एनालाइजिंग फैक्ट ऐंड फिक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुसन विश्वनाथन ने 4 अक्टूबर 2008 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एशियन हिस्टोरियन'स के सम्मेलन में 'रमणस्रमम : क्वेश्चंस आफ फेमिनिस्ट पब्लिकेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुसन विश्वनाथन ने जनवरी 2009 में विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'द अरूणाचल माउन्टेनस्केप : इकोलाजी ऐंड लॉ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुसन विश्वनाथन ने 18 जनवरी 2009 को 'सेंटर फार द स्टडी आफ कम्पैरेटिव रिलिजन्स ऐंड सिविलाइजेशंस' जामिया मिल्लिया इस्लामिया में (एम.सी. गिल यूनिवर्सिटी, कनाडा के सहयोग से) 'रमनमहर्षि'स आश्रम ऐंड द क्वेश्चंस आफ इंटरफेथ डायलाग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुसन विश्वनाथन ने 13 फरवरी 2009 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला में 'पीजेंट्री इन इण्डिया : आस्पेक्ट्स आफ एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुजन' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

- सुसन विश्वनाथन ने 7 मार्च 2009 को एम.एन. पाणिनी'स फेस्चस्क्रिफ्ट की संगोष्ठी में 'इमेंजिंग द रिवर्किंग कैटेगरीज परटेनिंग टु पीजेंट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 5 मार्च 2009 को इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, दिल्ली में 'रिथिंकिंग सोशल कैटेगरीज' विषयक संगोष्ठी में 'कम्यूनिटीज ऐंड सिटिजनशिप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 3 मार्च 2009 को सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग कंट्रीज, दिल्ली में प्रोफेसर डी.एल. सेठ के सम्मान में आयोजित संगोष्ठी में 'टुवर्डस ए पालिटिकल थीअरि आफ कास्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 24 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, मार्जिनेलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिवलपमेंट, डेप्रिवेशन ऐंड मार्जिनेलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 19 फरवरी 2009 को आईएलओ सब रीजनल आफिस, दिल्ली द्वारा आयोजित 'डैब्ट बांडेज इन इण्डिया' विषयक कार्यशाला में 'बांडेज ऐंड बियाण्ड, नालेज शेयरिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 6 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में साप्ताहिक संगोष्ठी में 'ए फारगोटन रिवोल्युशन : रिविजिटिंग एग्रेरियन चेंज इन हरियाणा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 20 जनवरी 2009 को ब्रमिंघम यूनिवर्सिटी, लंदन में 'टार्गेटिंग मार्जिनेलाइज्ड माइनार्टीज : रिलिजन ऐंड कम्यूनिटी इन द परस्यूट आफ डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 20 जनवरी 2009 को यूनिवर्सिटी आफ ब्रमिंघम में 'टार्गेटिंग मार्जिनेलाइज्ड माइनार्टीज : रिलिजन ऐंड कम्यूनिटी इन द परस्यूट आफ डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुरेन्दर एस. जोधका ने 28 दिसम्बर 2008 को जयपुर में इण्डियन सोसिओलाजिकल सम्मेलन में 'मार्जिनेलिटीज : ओल्ड ऐंड न्यू' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- रोविना रोबिन्सन ने 18–20 जून 2008 को सेंटर आफ ओवरसीज हिस्ट्री और सेंटर आफ स्टडीज आन आर्ट ऐंड आर्कियोलाजी, तोमर, पुर्तगाल द्वारा आयोजित 'क्रिश्चिएनिटी ऐंड इम्पायर : कंसेप्ट्स ऐंड हिस्टोरिओग्राफी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सैक्रिड रिप्रिजेंटेशंस आफ इण्डियन कैथोलिक कम्यूनिटीज : ए कम्पैरटिव एनालिसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रेणुका सिंह ने जनवरी 2009 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में वर्ल्ड रिलिजन्स की ग्लोबल कांग्रेस में 'बुद्धिस्ट विज्डम इन द वायलन्स – रिडन वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रेणुका सिंह ने फरवरी 2009 में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में 'डिवलपमेंट डेप्रिवेशन ऐंड मार्जिनेलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में 'वुमन, एज्यूकेशन ऐंड आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रेणुका सिंह ने मार्च 2009 में आईआईसी, दिल्ली में सार्क सम्मेलन में 'बुद्धिज्म ऐज ए पीस मेकर इन पोस्ट–माडर्न' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रेणुका सिंह ने मार्च 2009 में आईजीएनसीए, दिल्ली में 'ऐथिक्स, कल्चर ऐंड पाप्यूलेशन जिनोम प्रोजेक्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 21–22 अगस्त 2008 को वुमन'स स्टडीज ऐंड डिवलपमेंट सेंटर के सहयोग से सेंटर फार वुमन'स डिवलपमेंट स्टडीज द्वारा दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित 'डिसएबिलिटी, जेंडर ऐंड सोसायटी : कंटेम्पोरॅरि पर्सपेक्टिव्स ऐंड चैलेंजिस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक्सप्लोरिंग कंस्ट्रक्ट्स आफ इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी ऐंड पर्सनहुड इन हरियाणा ऐंड दिल्ली' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 20 नवम्बर 2008 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में साप्ताहिक संगोष्ठी में 'रिविजिटिंग ट्राइबल डिवलपमेंट : ए केस आफ बस्तर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 24–26 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट, डेप्रिवेशन ऐंड मार्जिनेलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्राइबल डिवलपमेंट रिविजिटिड : ए केस आफ बस्तर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- नीलिका मेहरोत्रा ने 27 फरवरी से 1 मार्च 2009 को एथनोग्राफिक ऐंड फोक कल्चर सोसायटी, लखनऊ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'टुवर्डस जेंडर इक्वैलिटी इन इण्डिया : रिफ्लेक्शंस आन ट्राइबल ऐंड दलित वुमन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में 'मैन द वैरियर, वुमन ऐंड वर्कर : द स्टोरी आफ कंटिन्यूइंग बाइनरी अपोजिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 13–15 मार्च 2009 को नार्थ–ईस्ट इण्डिया स्टडीज प्रोग्राम, जेएनयू, नई दिल्ली और सेंटर फार मणिपुर स्टडीज, मणिपुर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित वुमन इन ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशंस ऐंड वर्ल्ड व्यूज इन नार्थ ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'मैन द वैरियर, वुमन ऐंड वर्कर : द स्टोरी आफ कंटिन्यूइंग बाइनरी अपोजिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी. सुजाता ने 1–2 मई 2008 को जेएनयू में आयोजित 'द पालिटिक्स आफ मेडिकल प्लुरिज्म इन कंटेम्नपोरॅरि इण्डिया' विषयक कार्यशाला में 'द पेशन्ट ऐज ए नोअर, प्रिंसिपल ऐंड प्रेक्टि्स इन सिद्ध मेडिसिन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी. सुजाता ने 19–20 दिसम्बर 2008 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली में 32वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में 'आर्गेनाइजेशंस, डिसिप्लिन्स ऐंड सोसायटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 22–24 जुलाई 2008 को यूनिवर्सिटी आफ कोलम्बो और एक्शन ऐड इंटरनेशनल के सहयोग से इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी आफ पिराडिनिया द्वारा केण्डी, श्रीलंका में आयोजित 'इमेजिन न्यू साउथ एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ह्युमन राइट्स इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 21–22 दिसम्बर 2008 को सेंटर फार सोशल एक्सक्लुजन ऐंड डिस्क्रिमिनेशन, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, मुम्बई द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन : अम्बेडकररियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 12 नवम्बर 2008 को जवाहरलाल नेहरू अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अम्बेडकर'स आइडिया आफ नेशन ऐंड नेशनलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 15 जनवरी 2009 को राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सोशल जस्टिस इन इण्डिया : थीअरि, मूवमेंट, इंस्टीट्यूशंस ऐंड पालिसी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल जस्टिस ऐंड डिफ्रेंट शेड्स आफ दलित मूवमेंट्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 14 फरवरी 2009 को डा. अम्बेडकर चेयर, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेचर आफ दलित पालिटिक्स इन कंटेम्पोरेरी इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 21 फरवरी 2009 को फाउंडेशन फार इण्डिया डिवलपमेंट इनिशिएटिव और शहीद भगत सिंह (सांध्यकालीन) कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित, 'इंडियन डायसपोरा इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कास्ट इन इंडियन डायसपोरा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 24 फरवरी 2009 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट, डेप्रिवेशन ऐंड मार्जिनालाइजेशन इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंटेक्सचुएलाइजेशन आफ सोशल एक्सक्लुजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 28 फरवरी 2009 को एथनोग्राफिक ऐंड फाक कल्चर सोसायटी द्वारा समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित 'टुवर्डस जेंडर इक्वेलिटी इन इण्डिया : रिफ्लेक्शंस आन ट्राइबल ऐंड दलित वुमन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में 'लोकेटिंग दलित वुमन इन इण्डियन सोसायटी ऐंड वुमन मूवमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- हरीश नारायण दास ने सितम्बर 2008 में यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग में आयोजित 'रिचुअल डायनेमिक्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सेक्रामेंट्स फार द डेड ?' स्टिल बर्थ्स ऐंड द साइंस आफ ग्रिविंग इन एन अमेरिकन हॉस्पीटल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. बिमल अकोइजाम ने 13 से 15 मार्च 2009 तक उत्तर पूर्वी अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू और सेंटर फार मणिपुर स्टडीज, मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा इंफाल में आयोजित 'वुमन इन ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूशंस ऐंड वर्ल्ड व्यूज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक्सरसाइजिंग द डिफरेंशिएल्स : स्पेक्टेकल ऐंड लैंगवेज आफ प्रोटेस्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ए. बिमल अकोइजाम ने 20 से 22 फरवरी 2009 तक द सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली में आयोजित आशिष नंदी फेस्टक्रिफ्ट वाल्युम कार्यशाला में 'टेरेन्स आफ ह्युमन पोटेंशियल्स ऐंड प्लेफुलनेस : आन आशिष नंदी, सेल्फ ऐंड वायलेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. बिमल अकोइजाम ने 7 फरवरी 2009 को गांधी पीस फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'पीस इज एशेंसल फार डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पैराडाक्स आफ गांधी ऐंड इंडियन स्टेट : रिलिवेंस फार मणिपुर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. बिमल अकोइजाम ने 5 फरवरी 2009 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित साप्ताहिक संगोष्ठी में 'नेशन ऐंड इट्स अदर्स : ए सोशल साइकोलॉजी आफ आइडेंटिटी पालिटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित कुमार शर्मा ने 25–26 जुलाई 2008 को एसआईटीए, हैदराबाद में आयोजित 'पॉलिटिक्स इन कंटेम्पोरेरी इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'आन द नीड आफ ए पालिटीकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. श्रीनिवास ने 21 से 23 फरवरी 2009 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित इंडियन नेशनल कंफीड्रेशन ऐंड एकेडमी आफ एंथ्रोपॉलोजिस्ट्स (आईएनसीएए) की चौथी इंटर कांग्रेस में 'पालिटिक्स आफ/फार ऐंड बाइ दलित मिडिल क्लास' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. श्रीनिवास ने 29–30 अप्रैल 2008 को डा. अम्बेडकर केंद्र, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग कास्ट ऐंड सोशल एक्सक्लुजंस' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्लास माबिलिटी ऐंड कास्ट डिस्क्रिमिनेशन : द केस आफ दलित मिडिल क्लास' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम

- वाई. चिन्ना राव ने 20 जून 2008 को सेंटर फार द स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पालिसी, आन्ध्रा विश्वविद्यालय में 'कास्ट बेस्ड सोशल एक्सक्लुजन ऐंड रिजर्वेशन पालिसी इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वाई. चिन्ना राव ने 1 से 3 अक्टूबर 2008 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'इरेडिकेटिंग क्रानिक पावर्टी इन इंडिया : पालिसी इश्यूज ऐंड चैलेंजिज' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- वाई. चिन्ना राव ने 6–7 अक्टूबर 2008 को अर्थशास्त्र विभाग, आन्ध्रा विश्वविद्यालय में आयोजित 'ह्युमन डिवलमेंट ऐंड सोशल एक्सक्लुजन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल एक्सक्लुजन ऐंड द दलित क्वेश्चन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- वाई. चिन्ना राव ने 21–22 अक्टूबर 2008 को सेंटर फार द स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पालिसी, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज में आयोजित 'इंटरोगेटिंग कास्ट, सोशल एक्सक्लुजन ऐंड सोशल जस्टिस : थीअरिटीकल, आइडियोलाजीकल ऐंड एक्सपेरीमेंटल डिस्कार्सेज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अंडरस्टेंडिंग सोशल एक्सक्लुजन : कंसेप्ट्स, थीअरीज ऐंड कांटेक्स्ट इन हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई. चिन्ना राव ने 20 दिसम्बर 2008 को द सेंटर फार द स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पॉलिसी और द सेंटर फार बैंकिंग स्टडीज, डिपार्टमेंट आफ कामर्स ऐंड मैनेजमेंट, आन्ध्रा विश्वविद्यालय में आयोजित 'पर्सपेक्टिव्स आफ सोशल जस्टि विद फोकस आन शेड्यूल्ड कास्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विदर सोशल जस्टिस ? स्पलिंटर ग्रुप्स ऐंड स्प्रिंकल्ड मॉसेज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वाई. चिन्ना राव ने 11 जनवरी 2009 को अम्बेडकर इंटरनेशनल मिशन द्वारा दिल्ली में आयोजित 'रिजर्वेशन इन प्राइवेट सेक्टर' विषयक संगोष्ठी में 'हाउ प्राइवेट इज द प्राइवेट सेक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई. चिन्ना राव ने 15–16 जनवरी 2009 तक समाजशास्त्र और सामाजिक मानव–शास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित 'मीडिया ऐंड सोसायटी' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'दलित एट्रोसिटीज ऐंड मीडिया रिस्पांसिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वाई. चिन्ना राव ने 23–24 जनवरी 2009 को उच्च अध्ययन केंद्र, राजनीति विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित 'हायर एज्यूकेशन : पालिसीज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिजर्वेशंस इन हायर एज्यूकेशन : आस्पेक्ट्स आफ एक्सक्लुजन ऐंड डिस्क्रिमिनेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- वाई. चिन्ना राव ने 3 मार्च 2009 को अम्बेडकर अध्ययन संस्थान, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'दलित्स ऐंड हायर एज्यूकेशन : नो रिजर्व बिल आफ 2008' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- वाई. चिन्ना राव ने 7–8 मार्च 2009 को इतिहास और पर्यटन प्रबंधन विभाग, काकतीय विश्वविद्यालय में आयोजित '1857 : द रोल आफ पीजेंट्स, आर्टिसंस, सर्विसिंग कास्ट्स, ट्राइब्स ऐंड वुमन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में '1857 सिपॉय म्यूटिनी ऐंड द रोल आफ दलित्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

संपादित पुस्तकों में आलेख

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- टी.के. ऊमन ने 'प्रोटेस्ट अगस्त डु प्लेसमेंट बाई डिवलपमेंट प्रोजेक्ट्स : द इण्डियन केस' एच.एम. माथुर (सं.), इंडिया : सोशल रिपोर्ट 2008, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 75–85, 2008
- टी.के. ऊमन ने 'सोशल ट्रांसफार्मेशन इन इनडिपेंडेंट इंडिया : फ्राम प्लांड डिवलपमेंट टु लिवरलाइजेशन' एन जयराम और आर.एस. देशपाण्डे (सं.) फूट प्रिंट्स आफ डिवलपमेंट ऐंड चेंज, एकेडमिक फाउंडेशन, नई दिल्ली, 345–370, 2008
- टी.के. ऊमन ने 'वर्किंग बैकवर्ड, टु सोशल जस्टिस थ्रू इक्वेलिटी ऐंड सिटीजनशिपःसिचुएटिंग इंडिया' पी.वाई. जोगदांद (सं.) ग्लोबलाइजेशन ऐंड सोशल जस्टिस : पर्सपेक्टिव्स चैलेंजिस ऐंड प्रेक्टिसिज, रावत प्रकाशन, जयपुर, 49–65, 2008
- टी.के. ऊमन ने 'डा. बी.आर. अम्बेडकर ऐंड रिआर्गेनाइजेशन आफ इंडियन स्टेट्स : क्रिटिकल एप्रेसिएशन' नंदूराम (सं.) अम्बेडकर, दलित्स ऐंड बुद्धिज्म, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 21–45, 2008
- टी.के. ऊमन ने 'कल्चर चेंज अमंग द ट्राइब्स आफ नार्थ ईस्ट इंडिया' टी.बी. सुब्बा (सं.) क्रिश्चिएनिटी ऐंड चेंज इन नार्थ–ईस्ट इंडिया, कंसेप्ट प्रकाशन कंपनी, नई दिल्ली, 3–14, 2009
- दीपांकर गुप्ता, 'कास्ट' टी. शेफर रिचर्ड (सं.) एनसाइक्लोपीडिया आफ रेस ऐंड एथनिसिटी, भाग–1, लास एंजिल्स, सेज प्रकाशन, 2008
- नंदू राम, 'डेप्रिवेशन ऐंड डिसकंटेंट अमंग दलित्स इन कंटेम्पोरेरी इंडिया' नंदू राम (सं.) इंट्रोडक्शन टु दलित्स इन कंटेम्पोरेरी इण्डिया, भाग–1, सिद्धांत प्रकाशन नई दिल्ली, 1–36, 2008
- नंदू राम, 'दलित मूवमेंट्स इन इंडिया : ए पर्सपेक्टिव फ्राम द बिलो' नंदूराम (सं.) दलित्स इन कंटेम्पोरेरी इंडिया, भाग–1, सिद्धांत प्रकाशन, नई दिल्ली, 37–64, 2008
- नंदू राम, 'इंट्रोडक्शन' नंदूराम (सं.) अम्बेडकर, दलित्स ऐंड बुद्धिज्म, मानक प्रकाशन, दिल्ली, 1–20, 2008
- तिपलुत नौंगब्री, 'एथनिसिटी ऐंड जेंडर : आइडेंटिटी पालिटिक्स अमंग द खासी' मेरी ई. जान (सं.), वुमंस स्टडीज इन इंडिया, पेंगुइन, दिल्ली, 482–491, 2008, तिपलुत नोंगब्री, डिवलपमेंट, एथनिसिटी ऐंड जेंडर, रावत प्रकाशक, दिल्ली से पुनः मुद्रित, 2003
- मैत्रेयी चौधरी, 'सिटीजंस, वर्कर्स ऐंड कल्चरल इमब्लेम्स : एन एनालिसिस आफ द फर्स्ट प्लान डाक्यूमेंट आफ इंडिया 1938' मेरी जान (सं.) वुमन स्टडीज रीडर, पेंगुइन, दिल्ली, 143–144, 2008 (पुनः मुद्रित)
- एस. एस. जोधका, 'द डिक्लाइन आफ एग्रीकल्चर' एस.के. भौमिक (सं.) रिफार्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर : टुवर्डस इंप्लायमेंट जनरेशन ऐंड पावर्टी रिडक्शन, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- एस. जोधका, 'चेंजिंग कास्ट ऐंड लोकल डेमोक्रेसी' डेविड गेलनर और कृष्णा हछेथु (सं.) लोकल डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया : माइक्रो प्रोसेसिज आफ डेमोक्रेटाइजेशन इन नेपाल ऐंड इट्स नेवर्स, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 327–349, 2008
- रोवेना रॉबिंसन, 'द क्वेश्चनेयर मेथड : ए क्रिटिक फ्राम ए क्वालिटेटिव पर्सपेक्टिव' अनिरूद्ध प्रसाद, रामकृष्ण मुखर्जी और बेनी ए इक्का (सं.) सोशल रिसर्च मेथडालाजी इन एक्शन, भाग–2 : स्ट्रेटिजिज आफ डिवलपमेंट रिसर्च रांची, झारखंड, जेवियर इंस्टीट्यूट आफ सोशल सर्विस, 425–434, 2008
- नीलिका मेहरोत्रा, 'सिचुएटिंग ट्राइबल वुमन' आर.बी.एस. वर्मा और नदीम हसनैन (सं.), स्टडी आफ वुमंस प्राब्लेमेटिक इन इंडिया : एसोसिंग कंटेम्पोरेरी स्टेट आफ द आर्ट, सीरियल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009 (पुनः मुद्रित)
- विवेक कुमार, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड दलित्स इन इंडिया' विवेक कुमार (सं.) डायनेमिक्स आफ चेंज ऐंड कंटीन्युटी इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन : वायसिज फ्राम द मार्जिंस, सन राइज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

- हरीश नारायणदास, 'इंडियन सिस्टम आफ मेडिसिन, बायोटेरोरिज्म ऐंड द साइंस आफ इपिडेमिक्स' शंभु प्रसाद (सं.) पालिसी मैटर्स : इन साइट फ्राम सिविल सोसायटी इंगेजिंग विद साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, नालेज इन सिविल सोसायटी फोरम (केआईसीएस), हैदराबाद, 2008
- अमित कुमार शर्मा, '1957 की क्रांति' देवेन्द्र चौबे (सं.) भारत का पहला मुक्ति संघर्ष, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2008
- अमित कुमार शर्मा, 'दौर : एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण' रवीन्द्र त्रिपाठी (सं.) मीडिया : फिल्म विशेषांक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली, 2009
- जी. श्रीनिवास, 'दलित आइडेंटिटी इन एन एज आफ ग्लोबलाइजेशन' बी.वी. मुरली, स्टालिन जे. कुमार, विवेक कुमार और तेनेपल्ली हरी (सं.) द डायनेमिक्स आफ चेंज ऐंड कंटीन्यूटी इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन : द वॉयसिस फ्राम द मार्जिन्स, सनराइज प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- जी. श्रीनिवास, 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल मॉबिलिटी अमंग द मिडिल क्लास दलित्स' एल.सी. मलैय्या और के.बी. रत्ना कुमारी (सं.) दलित्स ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट : कंटेम्पोरेरी इश्यूज ऐंड इमर्जिंग पैटर्न्स, अभिजीत प्रकाशन, 213–226, 2008

आन लाइन प्रकाशन

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- संघमित्रा एस. आचार्य, 'क्रुसेडर्स आफ एनवायरनमेंटल क्लीनलीनेस' एम.एस.एन इंडिया, 14 अक्टूबर 2008, यूआरएल– http//content.msn.co.in/msncontribute/story.aspx ? Page ID=79c 41633-ec 20-4809-b5fe-637 fbcd 6b5 ca
- संघमित्रा आचार्य, 'कैन सिनेमा एड्रेस सम कंसर्न्स आफ एचआईवी/एड्स ?' एमएसएन इंडिया, 14 अक्टूबर 2008, यूआरएल – http//content.msn.co.in/msncontribute/story.aspx ? Page ID=91a 8-3674-4bb4-alc 7-3acf 1688875e
- संघमित्रा आचार्य, 'पाप्यूलेशन रिसर्च ब्यूरो डिस्कशन विद कैथटिन स्काट' मार्क माथर और रमिरेज हरननरेज, ग्रोइंग अप इन एन अमेरिका – हाउ आर चिल्ड्रन फेयरिंग इकोनामिकली ? 29 अक्टूबर 2008 (100pm EDT webcast) www.prb.org

कोई अन्य सूचना

परिचर्चाएं

दर्शनशास्त्र केंद्र

- मंदीपा सेन ने 13 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज जेएनयू में 64वें अनुशीलन कोर्स में 'लाजिकल कनसिक्वेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मंदीपा सेन ने 16 मार्च 2009 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भा.प्रौ.सं., दिल्ली में 'क्रिटिकल थिंकिंग' विषयक कोर्स के छात्रों के लिए 'लाजीकल कनसिक्वेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मंदीपा सेन ने 17 फरवरी 2009 को सेंटर आफ काग्निटिव साइंस, दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'ब्रिजिंग द गैप बिटवीन द माइंड ऐंड द वर्ल्ड : ए रिलुक इन टु द क्वालिटेटिव/इंनटेंशनल डिस्टिंक्शन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

आयोजित संगोष्ठियां और कार्यशालाएं (विश्वविद्यालय से बाहर)

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- बलवीर अरोड़ा ने प्रो. एलन ले पिचन, प्रेसिडेंट आफ द इंस्टीट्यूट इंटरनेशनल ट्रांसकल्चुरा, पेरिस के सहयोग से 'कल्चर्स आफ गवर्नेंस' विषयक तीन कार्यशालाएं आयोजित कीं।
- बलवीर अरोड़ा ने 29–30 अक्टूबर 2008 को चाइनीज एकेडमी आफ सोशल साइंसेज, बीजिंग में 'कल्चर्स आफ गवर्नेंस ऐंड यूनिवर्सल वैल्यूज' विषयक पहली कार्यशाला आयोजित की। इसका सह–निर्देशन प्रो. हुआंग पिंग, डायरेक्टर आफ द इंस्टीट्यूट आफ अमेरिकन ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज आफ सीएएसएस ने किया।

- बलवीर अरोड़ा ने 20 से 23 नवम्बर 2008 तक प्रो. पीटर डीसूजा, निदेशक, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला और डा. एंजेला लिबराटोर, डारेक्टर, रिसर्च आफ द यूरोपीयन कमीशन के सहयोग से नई दिल्ली और शिमला में 'कल्चर्स आफ गवर्नेंस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन' विषयक दूसरी कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला की कार्यवाही प्रकाशनाधीन है।
- बलवीर अरोड़ा ने 1 दिसम्बर 2008 को प्रो. पैट्रिक देशाएज, डायरेक्टर, द ट्रांसकल्चुरा स्टडीज सेंटर, लियोन के सहयोग से यूनिवर्साइट लुमिएर, लियोन में 'कल्चर्स आफ गवर्नेंस ऐंड ग्लोबल गवर्नेंस' विषयक तीसरी कार्यशाला आयोजित की।

अन्य सूचनाएं

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

- ए. दुबे ने वर्ष 2008–2009 के दौरान मुख्य और लघु शोध परियोजनाओं (विशेष सहायता कार्यक्रम) हेतु गठित वि.अ.आ. की समितियों में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- ए. दुबे ने 20 से 30 अप्रैल 2008 के दौरान डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैण्ड का दौरा किया।
- ए. दुबे ने 15 जून से 18 जुलाई 2008 तक स्कूल आफ डिवलपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट एंजलिया का दौरा किया।
- ए. दुबे ने 25 अक्टूबर से 11 नवम्बर 2008 तक डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक्स, आरहस यूनिवर्सिटी, आरहस, डेनमार्क का दौरा किया।
- ए. दुबे ने 11 से 26 जनवरी 2009 के दौरान स्कूल आफ डिवलपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट, एंजलिया का दौरा किया।
- ए. दुबे ने 15 से 29 मार्च 2009 के दौरान डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक्स, आरहस यूनिवर्सिटी, आरहस, डेनमार्क का दौरा किया।
- एस. राजू ने 7 मार्च 2009 को अकादमिक स्टाफ कालेज, अलीगढ़ में पी–एच.डी. छात्रों हेतु विशेष विचार–विमर्श कार्यक्रम में 'पोस्ट माडर्निज्म ऐंड कंसेप्चुअल शिफ्ट्स : इंप्लिकेशंस फार रिसर्च मेथडोलाजी' विषयक दो व्याख्यान दिए और विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

पुस्तकें

- अमिता सिंह, (कपिल कपूर, रविन्द्रनाथ भट्टाचार्य के साथ) (सं.) गवर्नेंस ऐंड पावर्टी रिडक्शन : बियोंड द केज आफ बेस्ट प्रेक्टिसिस, दिल्ली, पी.एच.आई. लर्निंग, 2009
- अमिता सिंह, (जस्टिस नासर असलम जाहिद के साथ) (सं.) गवर्नेंस ऐंड एक्सेस टु जस्टिस, दिल्ली, पी.एच.आई. लर्निंग, 2009

शोध आलेख

- नीरजा गोपाल जयाल, 'लेफ्ट बिहाइंड ? वुमन, पालिटिक्स ऐंड डिवलपमेंट इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' द ब्राउन जर्नल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, भाग–14, अंक–2, स्प्रिंग/समर 2008
- नीरजा गोपाल जयाल और जुडिथ हेयर, 'द चैलेंज आफ पोजिटिव डिस्क्रिमिनेशन इन इण्डिया' सीआरआईएसई वर्किंग पेपर सं. 55, आक्सफोर्ड : सेंटर फार रिसर्च आन इनइक्वेलिटी, ह्यूमन सिक्यूरिटी ऐंड एथनिसिटी, क्वीन एलिजाबेथ हाउस, यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड, 2009
- अमिता सिंह, 'एक्सप्लोरिंग ए क्रिटिकल ट्रेडिशन इन कम्युनिकेशन रिसर्च : ए कल्चरल डिस्कोर्स, कल्चर डाइवर्सिटी गवर्नेंस ऐंड पालिसी : इण्डिया–आस्ट्रेलिया' (सं.) डी. गोपाल एवं अलान माइन, शिप्रा, नई दिल्ली, पृ. 174–186, 2009
- अमित प्रकाश, 'राइट्स ऐंड सोशल जस्टिस फार ट्राइबल पाप्युलेशन इन इण्डिया' मार्जिनेलिटीज ऐंड जस्टिस (सं. पी. बैनर्जी एवं संजय चतुर्वेदी) नई दिल्ली, सेज, पृ. 95–131 2009
- नवरोज के. डबास और डी. नरसिम्हा राव, रेग्यूलेट्री प्रैक्टिस ऐंड पालिटिक्स : लेशंस फ्राम इंडिपेंडेंट रेग्यूलेशन इन इण्डियन इलैक्ट्रीसिटी, यूटिलिटी पालिसी, भाग 16, पृ. 321–331, 2008
- नवरोज के. डबास, 'द रोल आफ इंडिपेंडेंट रेग्यूलेट्री एजेसीज इन गवर्नेंस : ए ब्रीफ थिओरेटिकल रिव्यु विद एप्लीकेशन टु इलेक्ट्रिसिटी ऐंड वाटर इन इण्डिया' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, पृ. 43–54, 4 अक्टूबर 2008
- नवरोज के. डबास, 'इंस्टीट्यूशनल ट्रांसप्लांट ऐज पालिटिकल अपरच्युनिटी : द प्रेक्टिस ऐंड पालिटिक्स आफ इण्डियन इलेक्ट्रिसिटी रेग्यूलेशन' सीएलपीई रिसर्च पेपर सं. 31/2008, 3 अक्टूबर 2008

- जयवीर सिंह, 'कंजप्शन इफेक्ट्स ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिवलपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर थ्रू एन आइडिअल रेग्यूलेट्री फ्रेमवर्क' नई दिल्ली, सीयूटीएस इंस्टीट्यूट फार रेग्यूलेशन ऐंड कम्पीटिशन।
- जयवीर सिंह, 'कंजुमर्स, कंजुमर प्रोटेक्शन ऐंड कंजप्शन इफेक्ट इन द टेलिकाम इंडस्ट्री, योजना, फरवरी 2009
- प्रतीक्षा बक्शी, 'एक्सेस टु जस्टिस ऐंड रूल आफ (गुड) ला : द कनिंग आफ जुडिशियल रिफार्म इन इण्डिया' इण्डियन जर्नल आफ ह्युमन डिवलपमेंट, भाग–2, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2008
- प्रतीक्षा बक्शी, 'फेमिनिस्ट कंट्रीब्युशन टु सोशिओलाजी आफ ला : ए रिव्यु' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 18, अंक 43, पृ. 79–85, अक्टूबर 2008

संस्कृत अध्ययन केन्द्र

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- गिरीश नाथ झा, ए कामन पार्ट्स आफ स्पीच टेगसेट फ्रेमवर्क फार इण्डियन लैंग्यूवेजिस, शंकरन भास्करण के साथ सह–लेखक, एल.आर.ई.सी. 2008 6थ लेंग्यूवेज रिसोर्सिस ऐंड इवेल्युएशन कांफ्रेंस, मोरक्को, 26 मई 1 जून 2008
- गिरीश नाथ झा, 'भारत में भाषा प्रौद्योगिकी : एक सर्वेक्षण' (दिवाकर मणि, दिवाकर मिश्रा के साथ) गंवेषणा, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
- गिरीश नाथ झा, संस्कृत एनालिसिस सिस्टम, मांझी भद्र के साथ सह–लेखक, कंप्यूटर विज्ञान में व्याख्यानों के नोट्स 5402, स्प्रिंगर/हीडलबर्ग, (सं. पी. अम्बा कुलकर्णी, पी. गेरार्ड हयूट), पृ. 116–133, 2009
- गिरीश नाथ झा, सिमांटिक प्रोसेसिंग इन पाणिनी'स कारक सिस्टम, (सुधीर के. मिश्र के साथ) कंप्यूटर साइंस सीरीज में व्याख्यानों के नोट्स, स्प्रिंगर/बर्लिन/हीडलबर्ग (सं. पी. गेरार्ड ह्यूट, अम्बा पी. कुलकर्णी, पीटर स्कार्क) पृ. 239–252, 2009
- गिरीश नाथ झा, इनफ्लेक्शनल मार्फोलाजी एनालाइजर फार संस्कृत, संस्कृत कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स (कंप्यूटर साइंस पर व्याख्यान नोट) स्प्रिंगर बर्लिन/हीडलबर्ग (सं.) गेरार्ड पी. हयूट, अम्बा पी. कुलकर्णी, पीटर स्कार्क, पृ. 219–238, 2009
- गिरीश नाथ झा, एन एल्गोरिद्म फार मारफो–फोनिक प्रोसेसिंग आफ संस्कृत, सह–लेखक – सचिन कुमार, दिवाकर मिश्र, 'मैथड्स ऐंड माडल्स इन कंप्यूटिंग' विषयक तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान, जेएनयू, अलाइड पब्लिशर्स, 9 दिसम्बर 2008
- गिरीश नाथ झा, आर्किटेक्चर आफ डायना–कंटेक्ट वेब–एप्लिकेशन, आमंत्रित आलेख, रिक्वायरमेंट वर्कशाप आन एसेसमेंट नीड्स आफ वेबसाइट आफ एनिमल साइंसिस, डेयरी साइंस, एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च एलोंग विद ट्रांसफर आफ टेक्नोलाजी अंडर एनएआईपी फंडिड एग्रोवेब सब–प्रोजेक्ट (कम्पोनेट–1) राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, अक्टूबर 2008
- राम नाथ झा, 'द फिलास्फी आफ उपनिषद ऐंड ताओइज्म प्रीवेलिंग इन कोरियन कल्चर' 'इण्डिया ऐंड कोरिया' थ्रू द एजिस हिस्टोरिकल, रिलिजस ऐंड कल्चरल पर्सपेक्टिव (सं.) वैजयंती राघवन, मानक पब्लिकेशंस प्राइवेट लि., प्रथम संस्करण, 2009
- शशि प्रभा कुमार, 'पाश्चात्य तत्व शास्त्रेतिहास द हिस्ट्री आफ वेस्टर्न फिलास्फी इन संस्कृत' (पी. श्री रामाचंद्रुदु) आक्सफोर्ड जर्नल आफ हिंदु स्टडीज, यूके, 2:123–128, 2009
- शशि प्रभा कुमार, 'वैशेषिका वियु आफ धर्म : एज ए सोर्स आफ अभ्युदय ऐंड निश्रेयस : सोवेनियर' 44वां अखिल भारतीय ओरिएंटल सम्मेलन (सं. रणवीर सिंह) पृ. 262–269, कुरूक्षेत्र, 2008
- शशि प्रभा कुमार, 'वैदिक विजन आफ इनक्लुसिवनेस ऐंड इंटरकनेक्टिड नेस' वायस आफ शंकरा, भाग 33, अंक 1, पृ. 97–120, मद्रास, 2008
- हरिराम मिश्रा, 'महाभाष्य में प्रयुक्त सामाजिक न्यायों का विश्लेषण : कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा विदिशा, एम.पी. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2–4 अगस्त 2008
- हरिराम मिश्रा, कालिदास एवं भवभूति के द्वारा प्रस्तुत करूणा रस की समीक्षा, कालिदास समिति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, एम.पी. में 2–4 अगस्त 2008 को आयोजित कालिदास समारोह में प्रस्तुत आलेख।

- हरिराम मिश्रा, वाल्मिकी रामायण में उपमानमूलक अर्थ वैशिष्ट्य : सुंदरकांड के विशेष संदर्भ में, कालिदास संस्कृत अकादमी, एम.पी. संस्कृत परिषद, उज्जैन द्वारा चित्रकूट, सतना (एम.पी.) में 6–8 दिसम्बर 2008 को आयोजित 'वाल्मिकी रामायण' विषयक संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेख।
- हरिराम मिश्रा, 'संस्कृत लिंग्विस्टिक ट्रेडिशन विद स्पेशल रिफ्रेंस टु शिक्षा टेक्स्ट' संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा 5–7 फरवरी 2009 को इलाहाबाद में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- हरिराम मिश्रा, कादम्बिनी में प्रयुक्त उपमानों का अर्थ वैशिष्टय, कालिदास संस्कृत अकादमी, एम.पी. संस्कृत परिषद, उज्जैन द्वारा 7–8 फरवरी को रीवा में आयोजित बाणभट्ट विषयक संगोष्ठी।
- हरिराम मिश्रा, 'संस्कृत नाट्य के आधार तत्व' राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानद विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा भारत भवन, एम.पी. में 20–22 मार्च को आयोजित संगोष्ठी।
- हरिराम मिश्रा, भागवत पुराण : इट्स इनफ्लुऐंस आन भक्ति मूवमेंट, आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली द्वारा 27–29 मार्च 2009 को आयोजित 'रीजनल वैरिएशंस आफ द पुराणस' विषयक संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेख।
- रजनीश कुमार मिश्र, इंटररिलेटिडनेस आफ लोक और शास्त्र इन द इण्डियन इंटेलेक्चुअल ट्रेडिशन' 18–20 मार्च 2009 को न्यू नालंदा महाविहार (मानद विश्वविद्यालय) द्वारा नालंदा में आयोजित 'रिलेशन इन लिंग्स्टिक, सोशल ऐंड फिलास्फिकल पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेख।
- सी. उपेन्द्र राव, 'एनवारयनमेंटल अवेयरनेस इन 'सुत्तपिटक' आफ पाली लिट्रेचर' सुमेद्या वार्षिक रिसर्च जर्नल आफ डिपार्टमेंट आफ स्पेशल पाली ऐंड प्राकृत, विश्वभारती शांति निकेतन।
- सी. उपेन्द्र राव, 'ए स्टडी आफ फाइन आर्ट्स इन संस्कृत लिट्रेचर' विश्वेश्वरानंद इंडोलाजिकल जर्नल, पृ. 242–244, 2008

पुस्तकें

- राम नाथ झा, ए रीडर इन इण्डियन फिलास्फी – सांख्य दर्शन (विद आरिजनल संस्कृत टेक्स्ट ऐंड एनोटेटिड इंग्लिश ट्रांसलेशन)
- शशि प्रभा कुमार (सं.) संस्कृत, संस्कृति ऐंड संस्कार, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- शशि प्रभा कुमार (सं.) इण्डियन व्यु आफ लाइफ, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- हरिराम मिश्रा, पालीपाइयामीमांसा, संशोधित द्वितीय संस्क्रण, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, 2009
- सी. उपेन्द्र राव, वांग्मय वल्लारी (संस्कृत में) ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2008

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- शशि प्रभा कुमार, पर्सोना आफ वुमन इन द वेदास' वुमन इन एंशिएंट ऐंड मीडिवल इण्डिया, पीएचआईएसपीसी, भाग–4, पार्ट–2, (सं.) भुवन चंदेल, पृ. 31–42, नई दिल्ली, 2009
- शशि प्रभा कुमार, 'संस्कृत ऐज ए कैरियर आफ इण्डिया'स कल्चरल कंटिन्युटी, संस्कृत, संस्कृति ऐंड संस्कार' (सं. एस.पी. कुमार) पृ. 204–215, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- शशि प्रभा कुमार, 'वैदिक जीवन दृष्टि' भारतीय जीवन दृष्टि (सं. एस.पी. कुमार) विद्यानिधि प्रकाशन, पृ. 57–75, दिल्ली, 2009
- शशि प्रभा कुमार, प्रो. गोविंद चन्द्र पाण्डेय द्वारा प्रणीत वैदिक संस्कृति : एक अनुशीलन' फिलास्फी, कल्चर ऐंड वैव्य (सं. आर.पी. प्रधान) आईसीपीआर, पृ. 116–134, नई दिल्ली, 2008, दो शोध परियोजनाएं।

कोई अन्य सूचना

- गिरीश नाथ झा को यूनिवर्सिटी आफ बर्गेन, नार्वे द्वारा 29–31 अगस्त 2008 को आयोजित 'एनाफोरा रिजोल्युशन–2 (वार–2)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में परिचर्चा के लिए आमंत्रित किया गया।

आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र

- एन.के. दास, एस. बिश्वास, एस. सोलंकी और सी.के. मुखोपाध्याय, 'लीश्मैनिया डोनोवानी डिप्लेट्स लेबाइल आयरन पुल टु एक्सप्लाइट आयरन अपटेक कैपेसिटी आफ मैकोफेज फार इट्स इंट्रासेलूलर ग्रोथ' सेल माइक्रोबायोल, 2, 2009, 83–94

- एन. तपरियाल, सी. मुखोपाध्याय, डी. दास, पी.एल. फाक्स और सी.के. मुखोपाध्याय, 'रिएक्टिव आक्सिजन स्पीसीज रेग्यूलेट सेरूलोप्लाज्मिन बाई ए नावल एमआरएनए डिके मकेनिज्म इनवाल्विंग इंट्स 3 – अनट्रांसलेटिड रीजन : इंप्लिकेशंस इन न्यूरोडिजेनरेटिव डिसीज्स' जे बायोल केम 284, 2009, 1873–1883
- एम. गौड़, एन. पुरी, आर. मनोहरलाल, वी. रवि, जी. मुखोपाध्याय, डी. चौधरी और आर. प्रसाद, एमएफएस ट्रांसपोर्टोम आफ द ह्युमन पैथोजेनिक यीस्ट कैनडिडा अल्बिकेन्स, बीएमसी जिनोमिक्स 7, 2008, 579
- डी. बनर्जी, जी. लिलैडाइस, एस. शुक्ला, जी. मुखोपाध्याय, सी. जैक, एफ. डिवैक्स और आर. प्रसाद, 'रिस्पांस आफ पैथोजेनिक ऐंड नान–पैथोजेनिक यीस्ट स्पीसीज टु स्टेराइड्स रिवील द फंक्शनिंग ऐंड इवोल्युशन आफ मल्टिड्रग रसिस्टेंस ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क्स, यूकारियोटिक सेल, 7 : 2008, 68–77
- एस.आर. पोंडुगुला, सी. ब्राइमर क्लाइन, जे.यु.ई.जी. शेच्ड, आर.के. त्यागी और टी. चेन, 'ए फास्फोमिमेट्रिक म्युटेशन ऐट थ्रिओनाइन–57 एबोलिशिस ट्रांसएक्टिवेशन एक्टिविटी ऐंड आल्टर्स न्यूक्लियर लोकेलाइजेशन पैटर्न आफ ह्यूमन प्रिग्नेन X रिसेप्टर' ड्रग मेटाबोलिज्म ऐंड डिस्पोजिशन 37 : 2009, 719–730
- एस. नेगी, एम.ए. अकबाशा और आर.के. त्यागी, 'क्लिनिकल कोरिलेट्स इन ड्रग हर्बल इंटरएक्शंस मिडिएटिड वाया न्यूक्लियर रिसेप्टर पीएक्सआर एक्टिवेशन ऐंड साइटोक्रोम पी450 इंडक्शन' जर्नल आफ इण्डोक्रिमनोलाजी ऐंड रिपोडक्शन 12 : 2008, 1–12
- ए. शर्मा आर.जी. निथारवाल, बी. सिंह, ए. डार, एस. दासगुप्ता और एस.के. धर, 'हेलिकोबैक्टर पाइलोरी सिंगल–स्ट्राडिड डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऐंड माडयूलेशन आफ एच पाइलोरी डीएनबी हेलिकेस एक्टिविटी' एफईबीएस जे 276 (2) 2009, 519–31
- ए. गुप्ता, पी. मेहरा और एस.के. धर, 'प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम आरिजिन रिकोग्निशन कंप्लेक्स सब्निट 5 : फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऐंड रोल इन डीएनए रिप्लिकेशन फोसी फार्मेशन' मोलमाइक्रोबायोल 69(3), 2008, 646–65
- डी. पुस्ती, पी. मेहरा, एस. श्रीवास्तव, ए.वी. शिवेन्ज, ए. गुप्ता, एन. राय और एस.के. धर, 'निकोटिनेमिड इनहिबिट्स प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम सर 2 एक्टिविटी इन विट्रो ऐंड पैरासाइट ग्रोथ' एफईएमएस माइक्रोबायोल लेट 282(2), 2008, 266–272

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- सी.के. मुखोपाध्याय, एस. बिश्वास और आर. मुखर्जी, 'रिएक्टिव आक्सिजन स्पीसीज इन द रेग्यूलेश्खन आफ हाइपोक्सिया इंड्यूसिबल फैक्टर–1 इन नार्मोक्सिआ, हैंडबुक आफ द मेथड्स फार स्टडींग रिडाक्स सिग्नेलिंग की पुस्तक प्रकाशन मैरी एन्न लिबर्ट, न्यूयार्क, सम्पादित दीपक के. दास, (प्रकाशनाधीन)

शिक्षकों द्वारा चलायी जा रही शोध परियोजनाएं

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान

- आर. मजुमदार, "इंटरनेशनल सर्कुलेशन आफ इण्डियन सिनेमा : साइलेंट सिनेमा टु द प्रेजेंट शीर्षक परियोजना में रोजी थामस, डायरेक्टर ऑफ सेंटर फार रिसर्च ऐंड एज्युकेशन इन आर्ट्स ऐंड मीडिया, (सी.आर.ई.ए.एम.), यूनिवर्सिटी आफ वेस्टमिनिस्टर, लंदन, यू.के. के साथ अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग।
- ईरा भास्कर, "मेलोड्रामा ऐंड इण्डियन सिनेमा : डायलाग आन द ट्रांस–नेशनेलिटी आफ ए सिनेमेटिक एस्थेटिक" विषयक परियोजना में प्रो. क्रिश्चिना श्लेडहिल, यूनिवसिटी आफ सुंदरलेण्ड, यू.के. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग कर रहे हैं। इसका वित्त पोषण ब्रिटिश अकादमी द्वारा किया जा रहा है।
- विष्णुप्रिया दत्ता, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की परियोजना – "प्रोफेशनल ऐंड सेमि प्रोफेशनल वुमन परफार्मर्स इन वुमन परफार्मर्स इन इण्डियन पाप्युलर परफार्मर्स"

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

- आर. भट्ट, "हाई प्रीसिसन माइक्रोकेलोरिमिट्री फेसिलिटी फार मानिटरिंग बायोमोलिक्युलर स्टेबिलिटी ऐंड इंटरएक्शन्स", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–2010
- आर. भटनागर, "करेक्ट्राईजेशन ऑफ डी.एन.ए. जाइरेस फ्राम बेसिलस एंथ्रासिस : ए पोटेंशिएल टार्गेट फार न्यू ड्रग्स", भारतीय अनुसंधान परिषद्, (2008–2011)
- आर. भटनागर, "डिवलपमेंट ऑफ बाइस्पेस्फिक सिंगल चेंज एंटीबॉडी न्यूट्रलाइजिंग एडिमा टाक्सिन ऐंड लेथल टाक्सिन आफ एंथ्रेक्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- आर. भटनागर, "डिवलपमेंट ऑफ माइको–बैक्टिरियल ऐंटिजन डिलिवरी सिस्टम यूजिंग एंथ्रेक्स एडिनेलेट साइक्लेस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, (2006–2009)
- आर. भटनागर, "क्रिएशन ऑफ पी. फेसिलिटी फॉर स्टडिंग डेंजरस पैथाजंस विद स्पेशल रिफ्रेंस टु एंथ्रेक्स एंथ्रेक्स काजिंग पैथाजन बेसिलस एंथ्रोसिस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2007–2010)
- आर. भटनागर, "डिवलपमेंट ऑफ डी.एन.ए. वैक्सिन अंगेस्ट एंथ्रेक्स, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2008–2010)
- आर. भटनागर, "क्रिएशन ऑफ केटालिटिकली इनएक्टिव वेरिएंटस ऑफ एडिमा फैक्टर ऐंड लेथाल फैक्टर फ्राम बी. एंथ्रेसिस ऐंड इट्स एप्लिकेशन इन वैक्सिन डिवलपमेंट एगेंस्ट एंथ्रेक्स, वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद (2006–2009)
- आर. भटनागर, डिवलपमेंट ऑफ मायोबैक्टिरियल एंटिजन डिलिवर सिस्टम सिस्टम यूजिंग एंथ्रेक्स टाक्सिन कम्पोनेंट्स, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (2006–2009)
- आर. भटनागर, डिवलपमेंट ऑफ डी.एन.ए. वैक्सिन अगेंस्ट रेबीज यूजिंग ट्रार्गेटिड वेक्टर्स फॉर वेटरनरी यूज, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2005–2008)
- एस.के. कार, "लांगिच्युडिकल स्टडी ऑफ टी.बी. पेशंट ऐंड देअर हैल्दी पी.पी.डी. पोजिटिव हाउस होल्ड कंट्रेक्ट्स फॉर डिटर्माइनिंग द इम्यूनोलाजिकल सिग्नेचर" भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद।
- एस.के. कार, "फेब्रिकेशन ऑफ ए चीप ऐंड इफेक्टिव वाटर प्यूरिफिकेशन डिवाइस सुटेबल फॉर यूज इन रूरल इण्डिया", एम.पी.सी.एस.टी., भोपाल।
- एस.के. कार, "टाक्सिकोलाजिकल इफेक्ट्स ऑफ चितोसन, आल्गिनेट ऐंड चितोसन आल्गिनेट नेनोपार्टिकल्स वेन फेड ओरली टु माइस ऐंड रेट बोथ ... पेनिकुलाटा एक्सट्रेक्ट, एम.पी.सी.एस.टी, भोपाल।
- ए. दीक्षित, "क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ जी.ए.एल.ई. जीन ऑफ एरोमोनास हाइड्रोकिला", भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, (मई 6, 2005 – मई 5, 2008)
- ए. दीक्षित, डिवलपमेंट ऑफ डी.एन.ए. बेस्ड वैक्सिन अगेंस्ट एरोमोनस एस.पी.पी. इम्प्लायिंग कंजर्व्ड आउटर मैम्ब्रेन प्रोटीन जीन (एल.ए.एम.बी.)", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, (2 जून 2008 से 1 जून 2011)

- के.जे. मुखर्जी, 'मेटाबोलिक इंजीनियरिंग आफ ई कोली टु रिमूव द बोटलनेक्स इन रिकंबिनेंट प्रोटीन एक्सप्रेशन' जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–2008
- के.जे. मुखर्जी, "डिवलपमेंट ऑफ नोवल प्लेटफार्म फॉर रिकम्बिनेंट प्रोटीन एक्सप्रेशन यूजिंग क्यूसेंट सेल्स, जैव–प्रौद्योगिकी पर भारत–यू.के. सहयोगात्मक परियोजना, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, (2006–2008)
- के.जे. मुखर्जी, "ट्रांसक्रिप्शन प्रोफार्मिंग ऐंड स्ट्रक्चर्ड माडलिंग ऑफ रिकम्बिनेट ऑफ ई. कोली हाई सेल डेनसिटी कल्चर फॉर द डिवाइन ऑफ इम्प्रूव्ड होस्ट स्ट्रेंस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, (2008–2011)
- एस. तिवारी, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ यूबिक्यूटीन–प्रोटिएसम पाथवे इन प्रोटोजोआन पेरासाइट ई. हिस्टोलिटिका" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2006–2009)
- एस. तिवारी, "एनालिसिस ऑफ यूबिक्यूटीन–प्रोटिएसम मिडिऐटिड क्वालिटी कंट्रोल ऑफ मैम्बेन ऐंड सेक्रेट्री प्रोटींस इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका", रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (2008–2011)
- आर. आर्य, "एक्सप्रेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ बाइफंक्शनल एनजाइम यू.डी.पी.4–एन एसेटिलग्लुकोसामिन 2–एनिमिरेस/एन–एसेटिलमेनोसिमेन काइनेज इन डिक्टिओस्टेलियम डिस्कोडियम", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2008–2009)
- आर. भट्ट, स्टेबिलिटी, फोल्डिंग ऐंड एग्रेगेशन स्टडीज ऑफ रिकम्बिनेंट ह्यूमन a-B ऐंड Y सुनुक्लिंस ऐंड द इफेक्ट ऑफ मेटल आयोन्स ऐंड ऑन एग्रेगेशन (अप्रायोजित)
- आर. भट्ट, प्रिवेंशन ऑफ फिबरिल फार्मेशन इन प्रोटीन्स बाई यूजिंग स्ट्रक्चर स्टेबलाइजिंग कंपाउंडस यूजिंग लाइसोजाइम ऐज ए माडल प्रोटीन (अप्रायोजित)
- ए. दीक्षित, वेक्सिन डिवलपमेंट एगेंस्ट एरोनोमस हाइड्रोफिला (अप्रायोजित)
- ए. दीक्षित, डिफ्रेंसिएशन इनड्यूसिंग एबिलिटी ऑफ एम. चरंसिया (अप्रायोजित)
- ए. दीक्षित, स्टडीज ऑन नेपिन–लाइक जीन फ्राम एम. चरंसिया (अप्रायोजित)
- ए. दीक्षित, 'रेग्यूलेशन ऑफ सी–जुन जीन एक्सप्रेशन इन नार्मल ऐंड प्रोलिफ्रेशन लीवर सेल्स, प्यूरिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर (स) इनवाल्व्ड इन रेग्यूलेटिंग द एक्सप्रेशन ऑफ सी–जुन जीन इन रिजेनरेटिंग रेट लीवर ऐंड क्लोनिंग ऑफ देअर जीन्स (अप्रायोजित)
- एम.एस. राजन, "ई.जी.टी.आर. म्यूटेशंस इन लंग कार्सिनोमा" (अप्रायोजित)

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

- जे. बिहारी, "बायोकेमिकल कोरिलेट्स ऑफ कंबाइंड इफेक्ट्स ऑफ लो लेवल एक्स्ट्रीमली लो फ्रिक्वेंसी मैगनेटिक फील्ड ऐंड 2.45 जी.एच.जैड. माइक्रोवेव रेडिएशन आन डिवलपिंग रेट ब्रेन" जेएनयू–यूपीओई, (पूरी हो चुकी)
- जे. बिहारी, "इफेक्ट ऑफ माइक्रोवेव आन रिप्रोडिक्टव पैटर्न इन मेल रेट्स, आई.सी.एम.आर., (पूरी हो चुकी)
- जे. बिहारी, "मीलीमीटर वेव इफेक्ट्स आन डिवलपमेंट ऑफ रेट्स", चरण–II, (पूरी हो चुकी)
- एस. भट्टाचार्य, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ ए रिट्रोट्रांसपोजेबल एलिमेंट इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2005–2008)
- एस. भट्टाचार्य, "इंजीनियरिंग द रिट्रोट्रांसपोजिश ऑफ इ.एच. लाइन/साइन डिराइव्ड रिपोर्टर्स इन ई. हिस्टोलिटिका, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2006–2009)
- एस. भट्टाचार्य, जिनोमिक लोकलाइजेशन ऑफ रिट्रोट्रांसपोसंस इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड एंटामोइबा डिस्पार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (2007–2010)
- आई. घोष, "प्रोटिओमिक एनालिसिस टु आइडेंटिफाई हयालुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन1 (एच.ए.बी.पी.) इंटरएक्टिंग प्रोटीन ऐंड इल्युसिडेशन ऑफ देअर पासिबल रोल इन सेल साईकल रेग्यूलेशन", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2005–2008)
- आई. घोष, "सर्च फॉर सिंगल न्यूक्लिओटाइड पोलिमार्फिन (एस.एन.पी.) ऑफ हयालाडेरिन ऐंड इट्स डिसीज एसोसिएशन इन इण्डियन पाप्यूलेशन वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2007 – जारी है।

- आई. घोष, "रेग्यूलेशन ऑफ आक्सिडेंट इंडयूस्ड प्रोग्राम्ड सेल डेथ बाई ओवरएक्सप्रेशन ऑफ एच.ए.बी.पी.1 इन मैमेलियन सेल्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 2005–2009
- वी.के. जैन और के. कुमार, "ऐन इनवेस्टिगेशन ऑफ इंटरडिपेंडेंस अमंग एन.ओ.एक्स., ओ–3 ऐंड वी.ओ.सी.एस., इन द अर्बन एटमासफियर ऑफ दिल्ली", वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद 2008–2009
- वी.के. जैन और के. कुमार, "ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ द स्पेक्ट्रल करेक्ट्रेस्टिक्स ऑफ डान कोरस इन डिफ्रेंट साउंड स्केप्स इन द रिज फोरेस्ट इन दिल्ली", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2008–2009
- वी.के. जैन और के. कुमार, "ए स्टडी ऑफ द अर्बन हीट आइसलेण्ड फार्मेशन ऐंड इट्स रिलेशनशिप विद एरोसोल्स इन दिल्ली; पर्यावरण विभाग, दिल्ली राजधानी क्षेत्र सरकार, 2008–2009
- वी.के. जैन और एस. यादव, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ सल्फेट ऐंड नाइट्रेट आयोंस इन एरोसेल्स अराउंड द थर्मल पावर प्लांट्स इन इण्डिया, एन.टी.पी.सी. इण्डिया लि., नोएडा, 2008–2009
- पी.एस. खिलारे, एक्युमुलेशन ऑफ पोलीसाइक्लिक ऐरोमेटिक हाईड्रोकार्बन्स ऐंड ट्रेस मेटल्स इन दिल्ली सायल्स",
- पी.एस. खिलारे, "असेसमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल क्वालिटी विद रिस्पेक्ट टु केमिकल ऐंड रेडिओलाजिकल कंटामिनेशन इन द वेसिनिटी थर्मल पावर प्लांटस इन दिल्ली"
- यू.सी. कुलश्रेष्ठा, "मानिटरिंग नेटवर्क आफ एरोसोल ऐंड प्रीसिपिटेशन केमिस्ट्री मिजरमेंट इन साउथ एशिया अंडर एटमास्फरिक ब्राउन कलाउड प्रोजेक्ट" एक – इण्डो–स्विडन परियोजना, जिसे आई.आई.सी.टी. हैदराबाद से पर्यावरण विज्ञान संस्थान, जेएनयू में स्थानान्तरित किया गया, 2005–2009
- के. मुखोपाध्याय, "एडाप्टिव रिस्पोंस ऑफ स्टेफीलोकोकस आरेस टु होस्ट केटियोनिक एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइस" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2009–2012)
- के. मुखोपाध्याय, "इंटरऐक्शन ऑफ एल्फा–मलेनोसाइट्स स्टिम्युलेटिंग हार्मोन विद स्टेफिलोकोकस आरेस : मकेनिज्म ऑफ बेक्टिरिसाइडल एक्टिविटी : भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 2008–2011
- एस. मुखर्जी, एस्टिमेशन ऑफ काटन ग्रोइंग एरिया ऐंड यील्ड इन भटिंडा डिस्ट्रीक्ट ऐंड एडज्वानिंग एरियास आफ पंजाब बाई यूजिंग मल्टी–स्पेक्ट्रल सेटेलाइट डाटा, विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग, भारत सरकार, 2006–2008
- एस. मुखर्जी, इनफ्लुऐंस ऑफ सन ऐंड अदर कास्मिक फैक्टर्स ऑन एनवायरनमेंट ऑफ द स्पेस अराउण्ड अर्थ एशिया कार्यालय (जापान), एरोसोल रिसर्च ऐंड डिवलपमेंट यूनिट (नासा), यू.एस.ए., 2006–2008
- एस. मुखर्जी, डेलिनिएशन ऑफ थीमैटिक लेयर्स (हाइड्रोजिओलॉजी) आई यूजिंग हाई रिजोल्युशन सेटेलाइट डाटा, एन.आई.सी., योजना आयोग (2006–2009)
- वी. राजामणि, जिओ केमिस्ट्री ऑफ सर्फेस सेडिमेंट्री प्रोसेसिस ऐंड फार्मेशन ऑफ अल्युविएल कार्मलेण्ड इन द कावेरी रिवर बेसिन ऐंड एस्टाब्लिशमेंट ऑफ ए नेशनल फेसिलिटी फॉर जिओकेमिकल रिसर्च (एन.एफ.जी.आर.), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, मार्च 2002 से नवम्बर, 2008
- एन.जे. राजू, पोटेंशिएल प्लोरोसिस प्रोबलम्स इन पार्ट्स ऑफ सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट् उत्तर प्रदेश : इट्स जिओकेमिस्ट्री, जेनेसिस ऐंड हेल्थ इम्प्लिकेशन", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2008–2011
- ए.एल. रामनाथन, इम्पेक्ट ऑफ सबसर्फेस ग्राउंडवाटर डिस्चार्ज ओन द कोस्टल वाटर्स आफ इण्डिया ऐंड रशिया ए कंपेरिटिव स्टडी', सी.ई.एस.एस., जेएनयू, एनामलाई विश्वविद्यालय, इण्डिया ऐंड पेसिफिक इंस्टीच्युट ऑफ ओशियानोलोजी, व्लादिकोस्टोक, रशिया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की एक संयुक्त परियोजना (2006–2010)
- ए.एल. रामनाथन, "डिफ्लुरिडेशन स्टडीज यूजिंग नेचुरल मेटिरियल्स फॉर सेफ ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई", पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार (2008–2010)
- ए.एल. रामनाथन, बायोजिओकेमिस्ट्री ऑफ सुंदरवन मैनग्रोव्स, इण्डिया, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार (2007–2009)
- ए.एल. रामनाथन, टार्गेटिंग सेफ एक्विफर्स फॉर ड्रिंकिंग वाटर इन आर्सेनिक एफेक्टिड रीजन इन बलिया ऐंड गाजीपुर ऐंड असम, सिदा, स्वीडन, (2007–2009)

- ए.एल. रामनाथन, "डिग्लेशिएशन ऐंड एसोसिएटिंग कंसिक्वेंसिस इन द गंगोत्री ग्लेशियर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
- ए.एल. रामनाथन, "डाई ट्रेसर ऐंड हाईड्रो जिओकेमिकल एप्रोच (2007–2009)
- ए.एल. रामनाथन, "मास बैलेंस स्टडीज इन छोटा शिगरी ग्लेशियर्स, हिमाल्यास एस.ए.सी., अहमदाबाद, भारत सरकार, दिस. 2006 से मार्च 2009
- ए.एल. रामनाथन, क्लाइमेट चैंज इमपेक्ट ऑन द हाइड्रोलोजिकल साइकिल ऐंड आन द वाटर रिर्सोसिस ऑफ छोटा शिगरी ग्लेशियर्स, आई.आर.डी. फ्रांस, इण्डो–फ्रेंच (सी.आई.एफ.आई.पी.आर.ए.), 2008–2009
- के.जी. सक्सेना, कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ बिलोग्राउंड डायवर्सिटी, ग्लोबल एनवायरनमेंटल फेसिलिटी, यूनाइटिड नेशनल एनवायरनमेंट प्रोग्राम और ट्रापिकल सायल बायोलाजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीच्युट द्वारा प्रायोजित परियोजना।
- के.जी. सक्सेना, "कलचरल लेण्डस्केप्स : दबेसिस फॉर लिंकिंग बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन विद सस्टेनेबल डिवलपमेंट आफ नार्थ–ईस्टर्न हिल रीजन", विषयक परियोजना का वित्तपोषण 'यूनेस्को', नयी दिल्ली/मैक आर्थर फाउंडेशन द्वारा किया गया है।
- के.जी. सक्सेना, प्रोमोटिंग सस्टेनेबल लेण्ड मैनेजमेंट इन मार्जिनल रीज्स आफ इण्डियन हिमालया ऐंड कम्पेयरेबल रीजन ऑफ एशिया", यूनाइटिड नेशन्स यूनिवर्सिटी, तोक्यो द्वारा प्रायोजित परियोजना।
- आई.एस. ठाकुर, आप्टिमाइजेशन ऑफ बायोपल्पिंग ऐंड बायोब्लीचिंग प्रोसेसिस ऑफ कमिशन फार रिमूवल ऑफ कलर ऐंड आरगेनिक कम्पाउंड्स फ्राम पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुऐंट", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अप्रैल, 2006, अक्टूबर, 2010
- आई.एस. ठाकुर, आप्टिमाइजेशन ऑफ प्रोसेस पैरामीटर्स फार डीकलराइजेशन ऐंड डीटाक्सिफिकेशन ऑफ मीडियम स्केल पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुऐंट", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, अक्टूबर 2008–सितम्बर 2010
- आई.एस. ठाकुर, "मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन ऑफ अल्कालोफिलिक बेक्टिरियल कंर्सोटियम फॉर डिग्रेडेशन ऑफ डायोक्सिन–लाइक कम्पाउंड्स इन द एनवायरनमेंट", सी.एस.आई.आर., भारत सरकार, अप्रैल, 2006–अक्टूबर 2009
- एस. यादव, एरोसोल्स जिओकेमिस्ट्री .. इट्स मार्जिन्स, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग की फास्ट ट्रेक परियोजना, 2004–2008, नवम्बर, 2008 में पूरी हुई।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- राजेंद्र के जैन, "द यूरोपीयन यूनियन ऐंड पाकिस्तान सिंस 9/11"

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- अपर्णा साहनी, संगीता बंसल और मीता मेहरा, "एनवायरनमेंटल इकोनोमीज विद ऐन इंटरनेशनल डायमेंशन" विषयक परियोजना शिक्षण सामग्री तैयार करने हेतु यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया द्वारा यू.एन.सी.टी.ए.डी., जिनेवा के सहयोग से चलाई गई है।
- अपर्णा साहनी, इण्डिया–ई.यू. ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट एग्रीमेंट : एनवायरनमेंट सर्विसिस सेक्टर स्टडी, वाणिज्य मन्त्रालय और आई.सी.आर.आई.ई.आर.
- ए.एस. रे, "पब्लिक फंडिड रिसर्च, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ऐंड आई.पी.आर. इन इण्डिया"
- ए.एस. रे, "इण्डिया'स स्टांस ऐट द डब्ल्यू.टी.ओ. ऐंड इट्स रोल इन शेपिंग द फ्यूचर ऑफ डब्ल्यू.टी.ओ."
- अभिजीत सेनगुप्ता, "लिबरलाइजेशन ऑफ बैंकिंग ऐंड इंश्योरेंस सर्विसिस इन द कनटेक्स्ट ऑफ ऐन इण्डो–ई.यू.
- अभिजीत सेनगुप्ता, "ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट एग्रीमेंट फॉर आई.सी.आर.आई.ई.आर.'स स्टडी आन इण्डिया–ई.यू. ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट एग्रीमेंट

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- अर्चना नेगी, जुलाई–अक्टूबर 2008 में भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान के विश्व व्यापार संगठन केन्द्र के लिए "ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट" विषयक रिसर्च एजेण्डा तैयार करने के लिए चलाई गई परियोजना।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- मंदिरा दत्ता, 2 वर्षीय परियोजना में सह–मुख्य अन्वेषक (2007–2009) "केपेसिटी बिल्डिंग फॉर पावर्टी इराडिकेशन", प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार।
- मंदिरा दत्ता, "गर्ल स्कूल ड्रापाउट प्रोग्राम" अखिल भारतीय क्रिश्चियन उच्च शिक्षा कार्यक्रम, कनाडियन टीचर्स फेडरेशन, कनाडा द्वारा प्रायोजित परियोजना, दिसम्बर, 2008
- मंदिरा दत्ता, "प्रोफेशनल डिवलपमेंट प्रोग्राम फॉर ट्रेनिंग ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स" – आल इण्डिया प्राइमरी टीचर्स फेडरेशन, नई दिल्ली का कार्यक्रम जिसे कनाडियन टीचर्स फेडरेशन कनाडा द्वारा प्रायोजित किया गया, दिसम्बर, 2008
- मंदिरा दत्ता, "चैंज इनिशिएटिव्स", कोलकाता, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना।
- मंदिरा दत्ता, "कोलकाता म्युनिसिपल कार्पोरेशन, कोलकाता, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार, नवम्बर, 2008
- मंदिरा दत्ता, "पश्चिम बंग राज्य शिशु शिक्षा मिशन" कोलकाता प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार, नवम्बर, 2008
- अमित बतरा, परियोजना निदेशक, "इम्पेक्ट ऑफ राइजिंग इंटरनेशनल क्रूड आयल प्राइसिस ऑफ इण्डियन इकोनोमी", पेट्रोलियम फेडरेशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित परियोजना। पेट्रोफेड को अक्टूबर, 2008 में रिपोर्ट जमा कर दी गई।
- अमित बतरा, "प्रेफरेंशिएल ट्रेडिंग एग्रीमेंट इन एशिया – टुवर्डस एन एशियन इकोनोमिक कम्युनिटी" शीर्षक पुस्तक का सम्पादन किया, प्रकाशक – अकेडमिक फाउंडेशन, नई दिल्ली, 2008
- अमित बतरा, समीक्षा आलेख, "साउथ एशिया कार्पोरेशन ऐंड डिवलपमेंट रिपोर्ट 2008 : ए रिव्यु" साउथ एशियन इकोनोमिक जर्नल, भाग 10, अंक–1, 2009 (आगामी)
- अमित बतरा, "इकोनामिक रिकंस्ट्रक्शन ऐंड डिवलपमेंट इन कन्फ्लिक्ट/पोस्ट कन्फ्लिक्ट इकोनोमीज" शीर्षक आलेख 'कन्फ्लिक्ट', श्रीलंका में प्रकाशित हुआ, द रोड अहेड, वी.आर. राघवन (सं.) 2009, मैकमिलन

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- संजय कुमार पाण्डेय, "चैलेंजिस टु इण्डियन फेडरलिज्म : पोलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी ऐंड सेल्फ डिटर्मिनेशन" विषयक परियोजना सेंटर दे साइंस ह्यूमेन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित। यह नागालैण्ड और मिजोरम में 'आइडेंटिटी पालिटिक्स' और 'सेपरेटिस्ट मूवमेंट' का तुलनात्मक अध्ययन है।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- सीमा वैद्य, 'रोल ऑफ सिविल सोसायटी इन द पालिटिकल प्रोसेस : ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ कुवैत ऐंड यू.ए.ई.' विषयक परियोजना के अन्तर्गत दोनों देशों का 19 दिवसीय दौरा किया। यह परियोजना पूरी हो चुकी है और इसका वित्त–पोषण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम द्वारा किया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

- प्रदीप्त बंदोपाध्याय, "केटालिटिक मकैनिज्म ऑफ बीटा–लेक्टामेस" शीर्षक सी.एस.आई.आर. परियोजना, 2007–2010
- आलोक भट्टाचार्य, "डेसीफिरिंग आर.एन.ए. 'रेग्यूलान्स' : कंस्ट्रक्शन, एनालिसिस ऐंड वेलिडेशन ऑफ एम.आई. आर.एन.ए. बेस्ड रेग्यूलेट्री नेटवर्क, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2006–2009
- आलोक भट्टाचार्य, 'एस्टाबलिशमेंट ऑफ नेशनल डाटाबेस आन टुबरकुलोसिस', जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, मार्च 2008 – मार्च 2009
- आलोक भट्टाचार्य, "एनालिसिस ऑफ एंटामोइबा हिस्टोलिटिका जिनोम सिक्वेंस, कंप्यूटेशनल एनालिसिस यूजिंग कम्पेरिटिव जिनोमिक मैथड्स ऑफ एक्सपेरिमेंटल वेलिडेशन", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, मई 2008 – अप्रैल, 2011
- इंदिरा घोष, "डिवलपमेंट ऑफ आटोमिस्टिक एप्रोच फॉर डिसक्राइबिंग एक्साइटिड स्टेट्स ऑफ बायोलाजिकल सिस्टम्स", विषयक परियोजना का वित्त पोषण संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाता है, 2008–2010

- इंदिरा घोष, "प्रीडिक्शन ऑफ टाक्सिसिटी", यूरोपीय आयोग द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 2008–2011
- आर. रामास्वामी, "एक्सप्लोरिंग द आरगेनाइजेशन ऑफ जीनोमिक डी.एन.ए. वाया सेगमेंटेशन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2005–2008

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

- एस.के. सरीन, "सोशिओलिंग्विस्टिक्स ऑफ इंगलिश इन अर्बन इण्डिया", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित परियोजना चल रही है, 2008–2010
- मकरंद पांजपे, "साइंस ऐंड स्प्रिचुअलिटी इन माडर्न इण्डिया", ग्लोबल पर्सपेक्टिव इन साइंस द्वारा वित्तपोषित परियोजना चल रही है।
- जी.जे.वी. प्रसाद और सौगाता भादुरी, सहयोगी (नीलम श्रीवास्तव और वैदिक भट्टाचार्य, न्यूकेसल यूनिवर्सिटी फ्रांसिका ऑरसिनी, एस.ओ.ए.एस., यूनिवर्सिटी आफ लंदन और मालाश्री लाल एवं दिलीप मेनन, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ) "रिसर्च नेटवर्क इन पोस्टक्लोनिअल ट्रांसलेशन : द केस आफ साउथ एशिया", लिबरहुम फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित परियोजना चल रही है। 2008–2011.
- सौगाता भादुरी, "कथा ट्रांसलेशन फॉर इक्विटी नेटवर्क" (के.टेन) सीड परियोजना, कथा द्वारा वित्तपोषित, 2008–2009 पूरी हो चुकी।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

- के. माधवन, द यूरोप–साउथ एशिया मेरीटाइम हेरिटेज प्रोजेक्ट, "टीचिंग मैथडोलाजिस, डिसटेंस लर्निंग ऐंड मल्टीमीडिया कोर्स मैटिरियल्स डिवलपमेंट विषयक एशिया लिंक प्रोग्राम, यूरोपीय आयोग द्वारा प्रायोजित परियोजना चल री है, 2006–2009"
- किरण चौधरी और आशीष अग्निहोत्री, "सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन फ्रेंच फॉर हिन्दीफोन लर्नस" और "सर्टिफिकेट कोर्स प्रोग्राम इन फ्रेंच फार एंग्लो–लर्नर्स", इग्नू द्वारा प्रायोजित परियोजना पूरी हो चुकी है, 2008–2009

जर्मन अध्ययन केन्द्र

- राजेन्द्र डेंगले, जर्मन डिपार्टमेंट्स ऑफ फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन और दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से "सलेक्टिड कंटेम्पोरेरी हिंदी प्रॉज टेक्स्ट्स" की जर्मन में अनुवाद विषयक परियोजना, परियोजना चल रही है तथा प्रकाशित होनी है।

भारतीय भाषा केन्द्र

- एस.एम. अनवार आलम, "ए कंप्रीहेंसिव हिस्ट्री ऑफ उर्दू नॉवल इन इंडिया ऐंड पाकिस्तान" विषयक शोध परियोजना (वर्ष 2000 से चालू), वि.अ.आ. से वित्तपोषित, परियोजना चल रही है।
- देवेन्द्र कुमार चौबे (सह–अन्वेषक) गिरीश नाथ झा (परियोजना संचालक) के साथ "आईएलसीआई–इंडियन कोरपोरा इनिशिएटिव" सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) द्वारा प्रायोजित, संस्कृत अध्ययन केन्द्र, फरवरी, 2009–2011, परियोजना चल रही है।
- ओमप्रकाश सिंह, "आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन हिंदी आलोचना : परम्परा और विकास की दिशाएं", वि.अ.आ. द्वारा वित्तपोषित, परियोजना चल रही है।

भाषा विज्ञान केन्द्र

- वैश्ना नारंग, "लैंगवेज ऐंड ब्रेन आर्गेनाइजेशन इन नॉर्मेटिव मल्टीलिंगुआलिज्म" भाषा और बोध के क्षेत्र में तीन वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की परियोजना, काग्निटिव साइंस रिसर्च इनिशिएटिव के अन्तर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित, परियोजना चल रही है।
- वैश्ना नारंग, 'डिवलपमेंट आफ यूनिकोड फार मेजर इण्डियन लैंग्वेजिज', द ब्रेल कांउसिल आफ इण्डिया और नेशनल इंस्टीट्यूट फार द विजुअली हैंडीकेप्ड की परियोजना चल रही है।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अखलाक़ अहमद अंसारी, "कलेक्शन ऐंड कंपाइलेशन ऑफ अजहर अली आजाद काकोरवी'ज कंपलीट पर्सियन ऐंड उर्दू वर्क्स" विषयक परियोजना चल रही है।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- एस.पी. गांगुली, "रिविजिटिंग द फर्स्ट इंडियन ट्रांसलेशन ऑफ डान क्विजोट इन इंडिया" विषयक एईसीआई, स्पेन और स्पेनी मिशन, भारत द्वारा प्रायोजित परियोजना पूरी हो चुकी है।
- राजीव सक्सेना, "डिजिटल आस्पेक्ट्स ऑफ एक्विजिशन ऑफ स्पेनिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज इन इंडिया" विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, परियोजना चल रही है।

जीवन विज्ञान संस्थान

- आर. प्रसाद, "ट्रांसक्रिप्टॉम, एमडीआर ट्रांसक्रिप्शन रेग्यूलेटर्स ऐंड माइक्रोएरेज ऑफ ह्युमन पैथोजन कैंडिडा", इण्डो–फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, (आईएफसीपीएआर), 2006–2009
- आर. प्रसाद, "मोलक्यूलर बेसिस ऑफ मल्टीड्रक रेसिस्टेंस जीन रेग्यूलेशन इन कैंडिडा अल्बीकंस", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–2008
- आर. प्रसाद, "सिग्नल कास्केड्स इन पैथोजेनिक कैंडिडा इन रिस्पांस टु स्टेरॉयड्स/ड्रग्स", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2006–2009
- आर. प्रसाद, "ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क रेग्यूलेटिंग मल्टीपल ड्रग रेसिस्टेंस (एमडीआर) इन कैंडिडा अल्बीकंस", इण्डो–जर्मन (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग), 2007–2009
- आर. प्रसाद, "कापरेशन नेटवर्क ऑफ नेशनल कांटेक्ट प्वाइंट्स विद ए स्पेशल फोकस आन थर्ड कंट्रीज इन द एरिया ऑफ फूड क्वालिटी ऐंड सेफ्टी ऐंड फूड, एग्रीकल्चर ऐंड बायोटेक्नोलॉजी", सेंटर नावेम, फूड एन सीओ, यूरोपियन कमिशन, 2007–2009
- आर. प्रसाद, "मोलक्यूलर आस्पेक्ट्स ऑफ मॉर्फोजेनेसिस एंटीफंगल रेसिस्टेंस इन ह्यूमन फंगल पैथोजन कैंडिडा अल्बीकंस" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2007–2010
- आर. प्रसाद, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल स्टडी ऑफ ए मल्टीड्रग एबीसी ट्रांसपोर्टर ऑफ द ह्यूमन फंगल पैथोजन कैंडिडा अल्बीकंस" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- आर. प्रसाद, "क्रिएटिंग ए सर्किल बाई एक्सटेंडिंग द बायो एनसीपी नेटवर्क टु थर्ड कंट्री एनआईपीएस" (बायो सर्किल), यूरोपियन कमिशन, 2008–201
- आर. प्रसाद, "स्ट्रेटिजीज टु कांबेट मल्टीड्रग रेसिस्टेस (एमडीआर) इन ह्युमन पैथोजेनिक कैंडिडा स्पेसीज", इण्डो–स्विस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग), 2009–2011
- के.सी. उपाध्याय, "फंक्शनल जीनोमिक्स ऑफ प्लांट रिट्रोट्रांसपोजंस", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2008–2011
- के.सी. उपाध्याय, "मोलक्यूलर स्टडीज आन इंटरएक्शन ऑफ पायरीफारमोस्पोरा इंडिया ऐंड रिजोबेक्टेरिया" (मल्टी–पी I, बाई – इंस्टीट्यूशनल परियोजना) जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–2012
- आर.के. सक्सेना, "रिस्पांस टु पीएएमपीएस ऐंड साइटोकाइनेज इन सिलिका एक्सपोजर : रिलेशन टु द डिवलपमेंट ऑफ सिलिको–ट्यूबरक्लोसिस", भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् परियोजना, 2007–2010
- आर.के. सक्सेना, "टु एक्सप्लोर द रिलेशनशिप बिटवीन द एज ऑफ एरिथ्रोसाइट्स इन ब्लड सर्क्युलेशन ऐंड देयर ससेप्टीबिलिटी टु स्ट्रेस ऐंड एनेमिया इंड्यूसिंग एजेंट्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2009–2012
- आर.के. सक्सेना, "इंटरएक्शंस ऑफ कॉर्बन नैनो पार्टिकल्स ऐंड देयर केमिकली मॉडीफाइड फॉर्म्स विद सेल्स ऐंड ऑर्गन्स इन विट्रो ऐंड इन वाइवो" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2009–2012
- आर.एन.के. बामजेई, "सेंटर ऑफ एप्लाइड ह्युमन जेनेटिक्स", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2007–2012

- आर.एन.के. बामजेई, "हाई–थ्रुपुट जीनोमिक एनालिस इन ह्युमन कंपलेक्स डिसआर्डर्स" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2007–2012
- आर.एन.के. बामजेई, "जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म इन द ट्राइवल पाप्यूलेशन ऑफ नार्थ मध्यप्रदेश इन रिलेशन टु जीनोमिक डाइवर्सिटी ऐंड ससेप्टीबिलिटी टु ट्यूबरकुलोसिस" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2007–2010
- आर.एन.के. बामजेई, "एनालिसिस ऑफ जेनेटिक डिटर्मीनेंट्स ऑफ टी^{2} डीएम ऐंड देयर रोल इन इट्स ससेप्टीबिलिटी इन सम नार्थ वेस्ट पाप्यूलेशन ग्रुप्स", जैव–प्रौद्योगिकी, 2008–2011
- पी.के. यादव, "एक्सप्रेशन ऑफ टिलोमिरेज एसोसिएटिड जीन्स इन कैंसर सेल्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- आर. मधुबाला, "ग्लोबल इनफेक्शियस डिजीज्स ट्रेनिंग ग्रांट फ्राम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ", यूएसए, 2006–2011, निदेशक : केन स्टुअर्ट, यूएसए, सह–निर्देशक : मेरिलिन पारसंस रोल : को–डायरेक्टर http://www.sbri-india-gid. org/ home/workshop.asp
- आर. मधुबाला, "रोल पी–I फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ लीशमानिया जीन्स बाइ टेट्रासाइक्लिन–रिस्पांसिव रिप्रेसर/आपरेटर सिस्टम" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2005–2008
- आर. मधुबाला, "रोल पी–I पॉलीएमाइन बायोसिंथेटिक एंजाइम्स एज ड्रग टार्गेट्स इन लीशमानिया डोनोवानी" वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2005–2008
- आर. मधुबाला, ""रोल पी–I करेक्ट्राइजेशन ऑफ द मोलक्यूलर मैकेनिज्म्स आफ पैरोमॅनीसीन ट्रांसपोर्ट इन लीशमानिया डोनोवाली ऐंड डिटर्मीनेशन आफ द पैरोमामीसीन सेंसीटीविटी आफ विसराल लीशमानियासिस क्लिनीकल आइसोलेट्स" इंस्टीट्यूट आफ वन वर्ल्ड हेल्थ ग्रांट (आईओडब्ल्यूएच, सेन फ्रांसिस्को, यूएसए), 2006–2008
- आर. मधुबाला, "ए यूविक्विटिन कंजुगेटिड लीशमानियल जीन (ओआरआरएफ) एचएडीएनए वैक्सिन अगेंस्ट बोथ एंटीमोनियल ससेप्टीबल ऐंड रेसिस्टेंट स्ट्रेंस आफ एल. डोनोवानी", रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से लाइफ साइंस रिसर्च बोर्ड ग्रांट, 2008–2011
- आर. मधुबाला, "रोल पी–I करेक्ट्राइजेशन ऑफ हाइपुसाइन पाथवे इन एल डोनोवाली" वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2008–2011
- आर. मधुबाला, ""रोल पी–I डिवलपमेंट ऑफ नावल लीड कंपाउंड्स फॉर एंटीमोनियल रेसिस्टेंट लीशमानिया डोनोवानी" इंडो–रशियन परियोजना, 2009–2011
- आर. मधुबाला,"इवाल्युएशन ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस इन लीशमानिया डोनोवानी बाई इंप्लिमेंटिंग ए नॉवल सेल डेथ एसे" इण्डो–स्विस संयुक्त शोध कार्यक्रम (आईएसजेआरपी) 2009
- एन.बी. सरीन, "ओवरएक्सप्रेशन ऑफ पीआर10 जीन क्लोंड फ्रॉम साल्ट स्ट्रेस टालरेंट सेल लाइंस ऐरकिस हाइपोजिया इन ग्राउंट नट कल्टीवर (स) फॉर एबायोटिक स्ट्रेस टालरेंस" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–2012
- एन.बी. सरीन, "डिवलपमेंट ऑफ डिजीज रेसिस्टेंट ब्रासिका जुंसिया बाइ ट्रांसफार्मेशन विद एमएसआर ए I जीन" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–2012
- एन.बी. सरीन, "डिवलपमेंट ऑफ इनहांस्ड एबायोटिक स्ट्रेस टालरेंस इन ब्रासिका जुंसिया ट्रांसफोर्म्ड विद ग्लाइआक्सेलेज I ऐंड ग्लाइआक्सेलेज II जींस" बी., 2009–2012
- एन.बी. सरीन, "माड्युलेशन ऑफ वाई – टोकोफेरोल मिथाइल ट्रांसफिरेज (वाई–टीएमटी) जीन एक्सप्रेशन इन ट्रांसजेनिक ब्रासिका जुंसिया फॉर इनक्रीज्ड ए–टोकोफेरोल प्रोडक्शन", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2006–2010
- एस.के. गोस्वामी, "बायोकेमिकल ऐंड मोलक्यूलर एनालिसिस ऑफ रीडोक्स रिग्नेलिंग इन कॉर्डियाक मायोसाइट्स अंडर एड्रेनर्जिक स्ट्रेस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, जनवरी, 2007–2010
- एस.के. गोस्वामी, "आइडेंटीफिकेशन ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ द स्पलाइस वेरिएंट्स ऑफ द ट्यूमर एंटीजन एसजी2एनए" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, जुलाई, 2007–2010
- एस.के. गोस्वामी, "द रोल ऑफ एसजी2एनए इन टिश्यु डिफरेंसिएशन ऐंड चिक इम्ब्रयोनिक डिवलपमेंट" ए. गास्कादबी, आगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के सहयोग से, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रस्तुत।

- के. नटराजन, "फंक्शनल डिसेक्शन ऑफ नावल ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेटरी सर्किट्स इन द जीनोम ऑफ ह्युमन पैथोजेनिक फंगस केंडिडा अल्बीकंस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग रोल–पी I, 2009–2012
- के. नटराजन, "एक्जामीनेशन ऑफ द मेलानोसाइट–केराटिनोसाइट नेटवर्क इन विटिलिगो", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग रोल–सीओ–पी I, 2008–2011
- के. नटराजन, "डिसेक्टिंग द रोल ऑफ इवोल्युशनरिली कंजर्वड टीएएफ 9 कोफैक्टर इन ट्रांसक्रिप्शनल एक्टीवेशन इन सैकैरोमाइसीज सेरेविसी", वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद्, रोल–पी I, 2008–2011
- ए.के. नंदी, "मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन ऑफ ए नावल ऐराबिडॉप्सीस म्यूटेंट दैट माड्युलेट्स डिजीज रेसिस्टेंस ऐंड सेलीसाइलिक एसिड सिग्नेलिंग", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2006–2009
- ए.के. नंदी, "जनरेशन आफ ब्राड स्पेक्ट्रम डिजीज रेसिस्टेंट ट्रांसजेनिक राइस प्लांट्स थ्रू ओवरएक्सप्रेशन ऑफ ऐराबिडॉप्सीस एनपीआर I जीन", वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद्, 2006–2009
- ए.के. नंदी, "रोल ऑफ सर्पिन, ए कंजर्वड प्रोटिएज इनहिबिटर इन रेग्यूलेटिंग प्लांट डिजीज डिफेंस रिस्पांसिज" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2007–2010
- ए.के. नंदी, "क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ ईएचवाई I, ए रेग्यूलेटरी जीन ऑफ लाइट सिग्नेलिंग फ्रॉम ऐराबिडॉप्सीस थेलियाना (एजसीओ–पी I)" जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2007–2010
- ए.के. नंदी, "फंक्शनल एनालिसिस ऑफ राइस एमवाईसी2 ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर फेमिली इन राइस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2008–2011
- एस. चक्रबर्ती, "मोलक्यूलर डाइवर्सिटी ऑफ बिगोमोवायरसीज कॉजिंग चिली लीफ कर्ल डिजीज ऐंड आइडेंटीफिकेशन आफ वीरूलेंस फैक्टर्स", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2007–2010
- एस. चक्रबर्ती, "स्ट्रेटिजी फॉर इंजीनियरिंग ब्रांड स्पेक्ट्रम रेसिस्टेंस अगेंस्ट जेमिनीवायरसिज", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–2009
- एस. चक्रबर्ती, "मोलक्यूलर डिटर्मीनेंट्स ऑफ सुपरवीरुलेंट स्यूडो–रिकंबीनेंट ऐंड एसीमेट्रिक सिनर्जीस्म बिटवीन जीनोमिक कंपोनेंट्स आफ टु डिस्टिंक्ट विगोमोवायरसीज कॉजिंग सिवियर लीफ कर्ल डिजीज आन टोमेटो इन इंडिया", इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर साइंस, स्वीडन, 2006–2008
- एस. चक्रबर्ती, "मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन ऑफ पिपर लीफ कर्ल जेमिनीवायरस ऐंड डिवलपमेंट ऑफ डीएनए बेस्ड स्क्रीनिंग टेक्नीक", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–2008
- ए.के. सक्सेना, "स्ट्रक्चर एनालिसिस ऑफ द ट्रांसपोर्टर एसोसिएटिड विद एंटीजन प्रोसेसिंग (टीएपी) रिसर्च ग्रांट (नं.–7185/एनएस–ईएमआरआईआई)", वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद् भारत, अक्टूबर, 2006–अक्टूबर, 2009
- एस. शरन, "रोल ऑफ पॉलीएमाइंस इन द डिवलपमेंट ऐंड डिफरेंसिएशन ऑफ डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोइडियम", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत, 2008–2011
- एस. शरन, "एपिजेनेटिक कंट्रोल ऑफ सेल डिफरेंसिएशन इन डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोडियम विद रेस्पेक्ट टु हिस्टोन डीसेटाइलेसीज", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत, 2008–2011
- एस. शरन, "एनालिसिस ऑफ कास्पेस–इनडिपेंडेंट सेल डेथ पाथवे : द रोल ऑफ ट्रांसग्लुटेमाइनेज इंजाइम यूजिंग डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोडियम एज ए मॉडल सिस्टम", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत, 2005–2008
- डी. शर्मा, "रिस्पांस ऑफ एफईसी13 इंड्यूस्ड पोआट ट्रॉमेटिक एपिलिप्सी टु द कर्स्यूमिन इन रैट ब्रेन रीजंस", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2009
- आर.पी. सिंह, "पी I – टार्गेटिंग सेल सिग्नेलिंग ऐंड सेल साइकिल प्रोग्रेशन फॉर द इंटरवेंशन आफ प्रोस्टेट कैंसर बाई डेकरसिन", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- ए. पारीक, "एक्सप्लोरिंग द मेजर सेलिनिटी स्ट्रेस एसोसिएटिड क्यूटीएल "साल्टोल" इन ओराइजा सतिबा एल, फार सर्चिंग नवल कंडीडेट जींस", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजना चल रही है, 2008–2010

- ए. पारीक, "पेप्टाइडिल प्रालिल सिस–ट्रांस आइसोमिरेज : रोल इन स्टोरेज प्रोटीन डिपोजिशन इन वीट ऐंड रिलिवेंस टु इंडस्ट्री", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित।
- एस. गौरीनाथ, "थ्री डाइमेंशनल स्ट्रक्चर डिटर्मीनेशन ऑफ कैल्शियम बाइंडिंग प्रोटीन–2 फ्राम एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्स कंपलेक्सिज विद सेलुलर टार्गेट्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- एस. गौरीनाथ, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ कैल्शियम सेंसर प्रोटींस फ्राम एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका", सह–अन्वेषक : प्रो. आलोक भट्टाचार्य और प्रो. के.वी.आर. चारी, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- एन. मंडल, "ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेशन ऑफ पी53 ऐंड पी53 फेमिली मेम्बर्स, पी63 ऐंड पी 73", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग
- एन. मंडल, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ जाइरेस एंजाइम फ्राम प्लैजमोडियम फैल्सीपेरम", स्पेशल प्रोग्राम फार रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग इन ट्रॉपिकल डिजीज्स, वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (टीडीआर, डब्ल्यूएचओ)
- आर. मुथुस्वामी, "टु डिलिनीट द डीएनए डिपेंडेंट एटीपी हाइड्रोलाइसिस मेडिएटिड बाई डीएनए डिपेंडेंट एटीपेस ए", रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, 2008–2011
- आर. मुथुस्वामी, "एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ एसएमएआरसीएएल I इन कैंसर", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2009–2012
- आर. मुथुस्वामी, "एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ एसएमएआरसीएएल I इन सेल साइकिल", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–2012
- ए.के. जोहरी, "आइसोलेशन, आइडेंटीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ प्रमोटर रीजन आफ फास्फेट ट्रांसपोर्टर (पीआईपीटी) जीन फ्राम रूट एंडोफाइट फंगस पायरीफारमोस्पोरा इंडिका", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2008–2011
- ए.के. जोहरी, "डिवलपमेंट ऑफ द ट्रांसफॉर्मेशन सिस्टम फॉर द पायरीफारमोस्पोरा इंडिका", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2008–2011
- ए.के. जोहरी, "मोलक्यूलर इपिडिमियोलॉजी ऑफ ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस इन नार्थ इंडिया : आइडेंटीफिकेशन ऑफ रीजन स्पेसिफिक वैक्सीन कंडीडेट्स", भारत–जर्मन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् और बीएमबीएफ, जर्मनी, 2009–2011
- ए.के. जोहरी, "आइडेंटीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ यूनिवर्सल ऐंड इफेक्टिव वैक्सिन कंडीडेट्स अगेंस्ट ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस यूजिंग रिवर्स वैक्सिनोलॉजी एप्रोचिज", भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (समीक्षाधीन), 2009–2013
- ए.के. जोहरी, "रोल ऑफ फास्फेट ट्रांसपोर्टर जीन फ्रॉम पायरीफारमोस्पोरा इंडिका ऐंड इन बेनिफिशियल इंटरएक्शन टु प्लांट एबायोटिक स्ट्रेस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (आईसीजीईबी के साथ), (समीक्षाधीन), 2009–2012
- एस.एल. पंवार, "रोल ऑफ माइटोकांड्रिया इन मल्टीड्रग रेसिस्टेंस इन केंडिडा अल्बीकंश आईवाईबीए", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- एस.एल. पंवार, "एक्सप्लोरिंग द लिंग बिटवीन मेम्ब्रान एनवायरनमेंट ऐंड मल्टीड्रक रेसिस्टेंस इन ह्युमन पैथोजेनिक फंगस केंडिडा अल्बीकंस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–2012
- एस.के. झा, "रोल ऑफ स्लीप इन द कंसॉलीडेशन ऑफ फीयरफुल मेमोरी इन द रैट", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2008–2009
- एस.के. झा, "रोल ऑफ स्लीप इन द कंसॉलीडेशन ऑफ रिवार्ड लर्निंग मेमोरी इन द रैट", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2009
- ए.बी. टीकू, "माड्यूलेशन ऑफ रेडिएशन इंड्यूस्ड हेमाटोपोयटिक इंजरीज बाइ अलॉय वीरा", विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्तुत।
- एन. पुरी, एज सीओ पी–I "टु एक्सप्लोर द रिलेशनशिप बिटवीन द एज आफ एरिथ्रोसाइट इन ब्लड सरक्युलेशन ऐंड देयर ससेप्टीबिलिटी टु स्ट्रेस ऐंड एनेमिया इंड्यूसिंग एजेंट्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, 2008–2011
- एन. पुरी, एज सीओ पी–I "इंटरएक्शंस ऑफ कॉर्बन नैनो पार्टिकल्स ऐंड देयर कैमिकली मॉडीफाइड फॉर्म्स विद सेल्स ऐंड ऑर्गन्स इन विट्रो ऐंड इन वाइवो", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, 2008–2011
- जे. पॉल, "रेप्लिकेशन ऑफ राइबोसोमल डीएनए इन एंटामॉयबा इनवेडन्स ट्रोफोजॉइट्स ऐंड सिस्ट्स", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 2005–2009

- जे. पॉल, "आइडेंटीफिकेशन ऐंड मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन ऑफ बैक्टेरियल फ्लोरा इन इनफ्लेमेटरी बाउल डिजीज", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मंजूर परियोजना, 2007–2010
- एम.जेड. बाक़र, "मेटाबॉलिक ऐंड मोलक्यूलर चेंजिज इन डायबिटिक रैट टिश्यूज : देयर कंट्रोल ऐंड रिवर्सल बाई एंटीडायबिटिक कंपाउंड्स", (डॉ. डी. शर्मा के साथ संयुक्त रूप से), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की परियोजना, 2006–2009
- एम.जेड. बाक़र, "माड्यूलेशन ऑफ मेम्ब्रान लिंक्ड फंक्शंस ऐंड ग्लुकोज ट्रांसपोर्टर (जीएलयूटी4) इन एक्सपेरीमेंटल डायबिटीज ऐंड एजिंग", वि.अ.आ. इमेरिटस, 2007–2009

भौतिक विज्ञान संस्थान

- एच.बी. बोहिदार, "स्ट्रक्चर प्रोपर्टी रिलेशनशिप आफ अगर जेल्स ऐंड कंपलेक्सिज", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–2009
- शंकर पी. दास, "स्लो डायनेमिक्स इन ए मेटास्टेबल लिक्विड", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, परियोजना, 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2010, सं. 03 (1036) 05/ईएमआर II
- आर. घोष, "लेजर प्रिपेयरेशन ऐंड स्टोरेज ऑफ नान–क्लासीकल स्टेट्स ऑफ लाइट ऐंड मैटर", इण्डो–फ्रेंच नेटवर्किंग रिसर्च प्रोग्राम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग – फ्रेंच मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स, 2005–2009
- आर. घोष, "मेमोरी इफेक्ट्स इन थ्री–लेवल सिस्टम्स", सहयोगात्मक शोध परियोजना, इण्डो–फ्रेंच सेंटर फार द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत और द फ्रेंच मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स, जनवरी, 2009 – दिसम्बर, 2011
- शुभाशीष घोष, "फेब्रीकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ एयर स्टेबल आर्गेनिक फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर (ओएफईटी) बेस्ड ऑन स्माल आर्गेनिक मोलक्यूल्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2008–2011
- शुभाशीष घोष, "मॉडीफिकेशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक एनवायरनमेंट इन सीयूओ2 प्लेन्स इन कपरेट एचटीएससी यूजिंग हाई इनर्जी लाइट आयन इरेडिएशन", वि.अ.आ., 2007–2010
- बृजेश कुमार, "स्टडीइंग द क्वांटम फेज ट्रांजीशन बिटवीन द एसयू (2) सिमेट्र–ब्रोकन लोंग रेंज आर्डर्ड एंटीफेरोमेग्नेटिक फेजिज ऐंड द स्पानटेनियशली स्पिन डिमेराइज्ड सिंगलेट ग्राउंड स्टेट्स इन द मॉडल्स ऑफ फ्रस्ट्रेहिड क्वांटम स्पिंस", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, फास्ट ट्रेक परियोजना, 2006–2009
- टी. मोहन्ती, "आयन बीम डायरेक्टिड सेल्फ आर्गेनाइजेशन ऑफ मेटल आक्साइड नैनोवायर्स ऐरे ऐंड देयर इंटीग्रेशन इन टु डाय–सेंसीटाइज्ड सोलर सेल्स", डीएई–बीआरएनएस, बीएआरसी, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित, 2008–2011
- टी. मोहन्ती, "सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन वन डाइमेंशनल (आईडी) टिन आक्साइड नैनोस्ट्रक्चर्स ऐंड देयर मॉडीफिकेशंस बाइ आयन बीम", अन्तर–विश्वविद्यालय त्वरित केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित, 2007–2010
- एस. पुरी, "पैटर्न फॉर्मेशन इन ग्रेनुलर मैटेरियल्स", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जनवरी, 2006 – जनवरी, 2009
- एस. पटनायक, "इलेक्ट्रोनिक एनिसोट्रापी ऑफ एमजीबी$_2$" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (जून 2008 में पूरी हो चुकी है।)
- एस. पटनायक, "स्टडी ऑफ मैग्नेटोइलेक्ट्रिक कपलिंग ऐंड इट्स कोरिलेशन विद क्रिस्टल स्ट्रक्चर इन डाप्ड ऐंड प्योर वाईएमएनओ$_3$" (सीएसआर–बीएआरसी मुम्बई) परियोजना चल रही है।
- एस. पटनायक, "स्टडी ऑफ पेनेट्रेशन डेफ्थ ऐंड लेक्ट्रॉनिक एनिसोट्रापी इन ऑक्सीनिकटाइड सुपरकंडक्टर्स", वि.अ.आ., मार्च, 2009 में मंजूर
- आर. रामास्वामी, "एक्सप्लोरिंग द आर्गेनाइजेशन ऑफ जीनोमिक डीएनए बाया सिगमेंटेशन", जै.प्रौ.वि., भारत सरकार, 2005–2008
- एस. सेन, "कंसट्रक्शन ऐंड मल्टी–साइट कमिशनिंग ऑफ मल्टीपल फ्लोरसेंस कोरिलेशन स्पेक्ट्रोमीटर्स (एफसीएस, ए सिंगल मोलक्यूल बायोफोटोनिक टूल)", सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–2012

सामाजिक विज्ञान संस्थान

दर्शनशास्त्र केन्द्र

- ओइनाम भगत, "टुवर्डस ए डिसिप्लाइन ऑफ एथनो फिलास्फी इन इंडिया", कैपेसिटी बिल्डिंग फंड, जेएनयू के माध्यम से स्वतंत्र परियोजना।

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

- जी. अजय, "अफरमेटिक एक्शन ऐंड इनइक्वेलिटीज : ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड नेपाल", लंदन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर संयुक्त परियोजना तथा ब्रिटिश एकेडमी द्वारा वित्तपोषित, जनवरी, 2009
- टी.जी. सुरेश ने 18 से 20 अक्टूबर, 2008 तक शंघाई, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चीन में आयोजित "चाइना ऐंड साउथ एशिया : कॉपरेशन ऐंड कम्युनीकेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "द सॉर्सिस ऑफ इंडिया'ज इंटरनल सिक्योरिटी चैलेंजिज" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी.जी. सुरेश ने 6 नवम्बर, 2008 को स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड पॉलिटीकल साइंसेज, शेनडांग यूनिवर्सिटी, जीनान, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चीन में "द ग्लोबल राइज आफ चाइना : ए व्यू फ्राम इंडिया", विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी.जी. सुरेश ने 5 नवम्बर, 2008 को स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड पॉलिटीकल साइंसेज, शेनडांग यूनिवर्सिटी, जीनान, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चीन में "अंडर स्टेंडिंग द ग्लोबल राइज आफ इंडिया : इकोनामी, पॉलिटिक्स ऐंड मीडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी.जी. सुरेश ने 4 नवम्बर, 2008 को स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड पॉलिटीकल साइंसेज, शेनडांग यूनिवर्सिटी, जीनान, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चीन में "पब्लिक पॉलिसी ऐंड इंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म्स इन चाइना" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी.जी. सुरेश ने 25 जून, 2008 को ग्रेजुएट स्कूल, इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया एशियन स्टडीज, सिचुआन यूनिवर्सिटी, चेंगदु, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चीन में "ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिफॉर्म्स इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी.जी. सुरेश ने 10 जून, 2008 को स्कूल ऑफ मार्क्सिज्म, चाइना वेस्ट नॉर्मल यूनिवर्सिटी, नानचोंग सिटी, सिचुआन प्रॉविंस, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चीन में "इकोनॉमिक रिफॉर्म्स इन इंडिया ऐंड चाइना : ए कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- रिंकु लाम्बा ने नवम्बर, 2008 में ओटावा, कनाडा में आयोजित "सेक्युलर स्टेट्स ऐंड रिलिजस डाइवर्सिटी" विषयक एथनीसिटी ऐंड डेमोक्रेटिक गवर्नेंस कार्यशाला में "नॉन डोमीनेशन ऐंड द स्टेट : ए रिस्पांस टु द सबाल्टर्न क्रिटिक" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा यही आलेख संशोधित करके जनवरी, 2009 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित एलएएसएस नेटवर्क उद्घाटन सम्मेलन में प्रस्तुत किया।
- रिंकु लाम्बा ने जून, 2008 में बेंकावुर में आयोजित द कनाडियन पॉलिटीकल साइंस एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में "द स्टेट अगेंस्ट इटसेल्फ : एन एनालिसिस ऑफ द स्तासी रिपोर्ट" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजर्षि दासगुप्ता ने मार्च, 2009 में राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित "पॉलिटिक्स ऑफ एक्सपिरियंस" विषयक संगोष्ठी में "इम्बॉडीइंग एक्सपिरियंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजर्षि दासगुप्ता ने फरवरी, 2009 में नई दिल्ली में आयोजित हिंद स्वराज जन्मशती अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "द गाँधीयन फेज ऑफ इंडियन मार्क्सिज्म" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजर्षि दास गुप्ता ने दिसम्बर, 2008 में कोलकाता रिसर्च ग्रुप द्वारा आयोजित "रीडिंग फ्रांत्ज फेनन इन कोलकाता" विषयक सम्मेलन में "टॉर्चर एज वार, टॉर्चर एज ला" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजर्षि दासगुप्ता ने अक्टूबर, 2008 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित "एक्सप्लोरिंग नॉन वायलेंस" विषयक सम्मेलन में "ए क्रिटिक ऑफ रिवोल्युशनरी वायलेंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजर्षि दासगुप्ता ने मई, 2008 में द सेंटर फॉर द स्टडी इन कल्चर ऐंड सोसाइटी, बंगलौर में "एसेटिक मस्कुलिनिटी : द पॉलिटिक्स ऑफ कम्युनिस्ट सेल्फहुड" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

- एस. बाथला (आर.के. शर्मा के साथ), "इम्पैक्ट ऑफ ट्रेड आन इंप्लायमेंट, वेजिज ऐंड लेबर प्रोडक्टिविटी इन अनआर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग इन इंडिया ऐंड द स्टेट लेवल", अंकटाड, अक्टूबर, 2008
- एस. सेन, "ई–रेडिनेस फॉर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज ऐंड देयर इफिशिएंसी", नेशनल मैन्यूफैक्चरिंग, कंपीटिटिवनेस काउंसिल, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
- एम.सी. शर्मा, "पैलिओएनवायरनमेंटल रिकंसट्रक्शन ऐंड ग्लेशियल क्रोनोलॉजी इन एन डब्ल्यू गढ़वाल", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना।

- एस. श्रीकेश, "डिवलपमेंट ऑफ सोसियो–इकोनामिक प्रोफाइल फॉर इंटीग्रेटिड डिवलपमेंट ऐंड इकोलॉजीकल मॉडलिंग ऑफ सलेक्टिड माइक्रो वाटरशेड्स इन उत्तरांचल : खुलगाद वाटरशेड" प्रारूप परियोजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रस्तुत।
- एस. बाथला (आर.के. शर्मा के साथ), "क्राप डाइवर्सीफिकेशन थ्रू कांट्रेक्ट फार्मिंग ऐंड आर्गेनाइज्ड रिटेल चेन्स : प्रास्पेक्ट्स फॉर हायर इनकम ऐंड इंप्लायमेंट" विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित, 2009–2011
- एस. बाथला, "मार्किट इंटीग्रेशन ऑफ एग्रीकल्चरल कमोडिटीज : एन एनालिसिस ऑफ सलेक्टिड सेरील्स, ऑयल सीड्स ऐंड हर्टीकल्चरल क्राप", 'पॉलिसी एनालिसिस ऐंड मार्किट इंटेलीजेंस' विषयक विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित नेशनल एग्रीकल्चरल इनोवेशन परियोजना, इंडियन एग्रीकल्चरल स्टेटिस्टिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा चलाई जा रही है।
- ए. दुबे, "मैटरनल ऐंड चाइल्ड हेल्थ", यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैण्ड, यूएसए।
- ए. दुबे, "पैरेन्टल एज्यूकेशन ऐंड चाइल्ड आउटकम्स" यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैण्ड, यूएसए।
- हिमांशु, "इंडिया'ज इकोनामिक रिवोल्युशन : ए पर्सपेक्टिव फ्राम सिक्स डिकेड्स आफ इकोनामिक डिवलपमेंट इन पालनपुर, ए नार्थ इंडियन विलेज", लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स और सेंटर दे साइंसेज ह्यूमैंस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
- ए. कुंडू, "पेरी अर्बन डिवलपमेंट इन द कांटेक्स्ट आफ वाटर सप्लाई फेसिलिटीज", आईडीएस, ससेक्स, यूके द्वारा प्रायोजित।
- एस. राजू, "मैपिंग ऐंड इंटरप्रेटिंग वुमंस वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन ऐंड लेबर मार्किट्स इन इंडिया" आइएलओ, नई दिल्ली।
- एस. सेन, "पोस्ट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऐंड यूज आफ वाटरशेड डिवलपमेंट फंड इन वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम इन इंडिया", एक्सटर्नल कंसलटेंट फॉर डिवलपमेंट सपोर्ट सेंटर, अहमदाबाद।
- एस. सेन, "ई–रेडिनेस एसेसमेंट रिपोर्ट आफ इंडिया" सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
- एम.सी. शर्मा, "स्नोलाइन मॉनीटरिंग ऐंड ग्लेशियर फ्लक्चुएशंस इन मियार बेसिन, लाहौल स्पिती, हिमाचल प्रदेश", एसएसी/इसरो द्वारा प्रायोजित परियोजना।
- एम.सी. शर्मा, "क्वार्टरनरी ग्लेशियल हिस्ट्री आफ जेमु बेसिन", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सिक्किम सरकार (केवल फील्ड विजिट प्रायोजित)
- आर.के. शर्मा, "रूरल लिवलीहुड डाइवर्सीफिकेशन इन ए हिली रीजन : ए केस स्टडी ऑफ उत्तरांचल", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।
- एस. श्रीकेश, "डिवलपमेंट ऑफ सोसियोइकोनामिक प्रोफाइल फॉर इंटीग्रेटिड डिवलपमेंट ऐंड इकोलॉजीकल माडलिंग ऑफ सलेक्टिड माइक्रो वाटरशेड्स इन उत्तरांचल", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- ए. बनर्जी, "पर्सपेक्टिव्स आफ रीजनल डिवलपमेंट इन गोवा : प्रॉब्लम्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स"
- बी. दास, "पर्सपेक्टिव्स आफ रीजनल डिवलपमेंट इन गोवा : प्रॉब्लम्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स"
- डी.एन. दास, "पर्सपेक्टिव्स आफ रीजनल डिवलपमेंट इन गोवा : प्रॉब्लम्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स"
- डी.एन. दास, "अर्बन बेसिक एमेनिटीज इन द स्लम्स ऑफ कोलकाता : ए स्टडी आन सोशियो–इकोनामिक ऐंड डेमोग्राफिक डिटर्मीनेंट्स"
- ए.के. किदवई, "सन लाइट आन ए ब्रोकन कॉलम : फ्रेक्चर्ड फेमिलीज ऐंड रिस्ट्रक्चर्ड लोकेलिटीज इन पोस्ट पार्टिशन लखनऊ"
- एम, पूनिया, "दिल्ली ट्रांजिट इंटर आपरेबिलिटी प्रोजेक्ट, ओपन जियोस्पाटियल कंसोर्टियम
- एस. राजू, "जेंडर ऐंड स्पेस : वुमन ऐंड माइग्रेशन इन अर्बन इंडिया : जेंडर ऐंड वुमन इंटरप्रिन्योर्स ऐंड अर्बन लेबर मार्किट्स"
- आर.के. शर्मा,"रोल ऑफ कार्पोरेट ऐंड गवर्नमेंट आर्गेनाइजेशंस इन एग्रीकल्चरल मार्केटिंग : ए केस स्टडी ऑफ ए फ्यू सेंटर्स इन पंजब, हरियाणा ऐंड हिमाचल"

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- दीपांकर गुप्ता, "हाउ 'वाइट' इज कॉटन : स्टडी ऑफ कॉटन फॉर्मिंग इन सिक्स इंडियन स्टेट्स"
- दीपांकर गुप्ता, "पोस्ट कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन : अहमदाबाद ऐंड मुम्बई, राइट विक्टिम्स"

- नंदू राम, "अनटचेबिलिटी इन अर्बन एरियाज : ए कंपेरेटिव स्टडी इन इलाहाबाद ऐंड कुरुक्षेत्र सिटीज", अम्बेडकर चेयर, जेएनयू के सहयोग से, अप्रैल, 2008 – मार्च, 2009
- नंदू राम, "सोशल एक्सक्लुजन एट एन अर्बन फ्रिंज : ए स्टडी इन टु फ्रिंजेज इन इलाहाबाद, यूपी", कैपेसिटी बिल्डिंग फंड।
- अविजीत पाठक, "सोसियोलॉजी ऑफ रिलीजन", जेएनयू से सहयोग, अक्टूबर, 2008 – मार्च, 2009
- सुसन विश्वनाथन, "सोसियोलॉजी ऑफ स्माल टाउंस ऐंड ग्लोबलाइजेशन, मिशनरी हिस्ट्रीज"
- एस.एस. जोधका, "इन सर्च ऑफ ए दलित इंटरप्रिन्योर : बैरियर्स ऐंड सपोर्ट्स इन द लाइफ ऑफ सेल्फ इंप्लायड शिड्युल्ड कास्ट्स", इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ दलित स्टडीज, नई दिल्ली (के साथ), 2008
- एस.एस. जोधका, "ए फोरगोटन रिवोल्यूशन : रिविजिटिंग एग्रेरियन चेंज इन हरियाणा", 2008
- रेणुका सिंह, "क्रास कल्चरल मैरिज"
- रेणुका सिंह, "यूथ ऐंड सोशल चेंज"
- नीलिका मेहरोत्रा, "जेंडरड डिस्कॉर्सेज इन द नार्थ ईस्ट"
- नीलिका मेहरोत्रा, "डिसएबिलिटी राइट्स आर्गेनाइजेशंस"
- हरीश नारायणदास, "असिमेट्रीकल ट्रांसलेशंस : माइंड ऐंड बॉडी इन इंडियन ऐंड यूरोपियन मेडिसिन"
- हरीश नारायणदास, "आयुर्वेद इन जर्मनी"
- अमित कुमार शर्मा, "सन वर्शिप इन नार्थ–इंडिया" सीएएस, सा.वि.सं., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आंशिक वित्तपोषित, परियोजना चल रही है।
- वी. सुजाता, "इपिस्टेमोलॉजीकल प्लुरलिज्म ऐंड बिलाटरेलिज्म : आयुर्वेदा इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड", यूजीसी–डीएएडी परियोजना, 2009–2011
- वी. सुजाता, "सिद्धा मेडिसिन इन कंटेम्पोरेरी इंडिया" सीएस प्रोग्राम, सा.प.अ.के., जेएनयू

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- के.आर. नायर, "ई–लर्निंग इन पब्लिक हेल्थ", जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज और बेलफेल्ड यूनिवर्सिटी
- रामा वी. बारू, "स्कूल हेल्थ एज ए पार्ट ऑफ द यूनिवर्सिटी स्कूल रिसॉर्स नेटवर्क", सर रतनटाटा ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित
- रमिला बिष्ट, "डिवलपमेंट ऑफ ए सेल्फ सस्टेनिंग मैनेजमेंट सिस्टम फॉर प्राइमरी हेल्थ केयर इन रूरल उत्तराखंड" विषयक आरोही कास्सर ट्रस्ट की परियोजना का मूल्यांकन अध्ययन, परियोजना रिपोर्ट अक्टूबर, 2008 में प्रस्तुत।
- रमिला बिष्ट, "सर्विस एवेलेबिलिटी मैपिंग ऑफ एचआईवी/एड्स सर्विसेज इन महाराष्ट्र महाराष्ट्र" एक तकनीकी रिपोर्ट, 2008, अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत।
- रमिला बिष्ट, "हसबैंड टु वायफ वायलेंस इन इंडिया : एन ओवरव्यू ऑफ लॉ, पालिसीज ऐंड एटिट्यूड्स" (के. देवकी, एलएसई और अर्नेस्टिना कोस्ट, एलएसई के साथ), परियोजन चल रही है।
- रमिला बिष्ट, "कम्युनिटी डिटर्मीनेट्स ऑफ सी–सेक्शन अपटेक इन महाराष्ट्र", (तिजियाना लियोन, एलएसई; अर्नेस्टिना कोस्ट, एलएसई और अनिल कुमार, टीआईएसएस के साथ), परियोजना चल रही है।
- रमिला बिष्ट, "द इवाल्युशन ऑफ द इंडियन 'मेडिसिटी' ए सोशल साइंस पर्सपेक्टिव", (सुसान एफ. मुर्रे, किंग्स कॉलेज लंदन और एम्मा पिचफोर्थ, एलएसई के साथ), परियोजना चल रही है।
- रमिला बिष्ट, "इनफ्लुएंस ऑफ एज्यूकेशनल एटेनमेंट आन हेल्थ ऐंड सोशल स्टेटस ऑफ वुमन इन गढ़वाल", द बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडीज, टीआईएसएस, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित, परियोजना चल रही है।
- रमिला बिष्ट, "क्रिटिकल इवालुएशन ऑफ पब्लिक पार्टनरशिप इन द प्रॉविजन ऑफ हेल्थ केयर", (वर्ष 2008 में द इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नेंस, मुम्बई द्वारा अनुमोदित और वित्तपोषित), परियोजना चल रही है।

- आर. दासगुप्ता, "प्रोग्राम बिल्डिंग फार द यूनिवर्सिटी – स्कूल रिसॉर्स नेटवर्क, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एज्यूकेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित, परियोजना चल रही है।"
- सुनीता रेड्डी, "लोकेटिंग लिवली हुड ऐंड हेल्थ इश्यूज अमंग द वलनरेबल पाप्यूलेशन ऑफ सुनामी एफेक्टिड इन अंडमान ऐंड निकाबार आइलैण्ड्स", वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित, 2006–2009

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- एस. चट्टोपाध्याय, "सस्टेनेबिलिटी ऑफ द एज्यूकेशन सिस्टम इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन", (डॉ. आर.एन मुखोपाध्याय, अर्थशास्त्र विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय के सहयोग से), उनके डीआरएस कार्यक्रम के अन्तर्गत, वि.अ.आ.।
- एस. चट्टोपाध्याय, "एज्यूकेशन ऐंड सोशल जस्टिस इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन", परियोजना का विशिष्ट क्षेत्र है "पब्लिक फंडिंग ऐंड एक्सेस टु हायर एज्यूकेशन : एन इंडिया–यूके कंपेरिजन" जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र की टीम के सदस्य (इंस्टीट्यूट ऑफ एज्यूकेशन, लंदन के साथ संयुक्त रूप से), डॉ. विंसेंट कारपेंटियर, आईओई, श्री बिनय पाठक, रिसर्च स्कालर, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र के सहयोग से, 16 से 18 मई, 2008 तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एज्यूकेशन, लंदन को शोध परिणाम प्रस्तुत।
- बिनोद खादरिया, "इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐंड डायसपोरा स्टडीज, इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐंड डायसपोरा स्टडीज", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान में शुरू की गई परियोजना, बिनोद खादरिया, प्रोफेसर (अर्थशास्त्र), जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र परियोजना के निदेशक हैं। यह परियोजना जेएनयू और प्रवासी भारतीय (कार्य) मंत्रालय, भारत सरकार के बीच हुए अनुबंध से 'इंटरनेशनल माइग्रेशन' में शोध कार्यक्रम शुरू करने हेतु शुरू की गई है। परियोजना का उद्देश्य शोध कार्यक्रम आयोजित करना तथा शैक्षिक जगत और नीति निर्माताओं को अंतरापृष्ठ उपलब्ध कराना है। कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रशिक्षण माड्यूल्स प्रकाशन, विजिटिंग स्कालर्स को आमंत्रित करना और भारत के साथ–साथ विश्व स्तरीय महत्त्व के मुख्य प्रवसन विषयों पर अन्य उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से सहयोगात्मक प्रयास करना। पहली मुख्य गतिविधि के रूप में परियोजना ने 14 से 17 नवम्बर, 2008 तक नई दिल्ली में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियंस ऑफ एशिया के 20वें सम्मेलन का सह–आयोजन किया। इसने 21 से 23 फरवरी, 2009 तक विज्ञान भवन में प्रवासी भारतीय (कार्य) मंत्रालय के साथ संयुक्त रूप से "इंडिया–ईयू पार्टनरशिप्स इन मॉबिलिटी : डाटा, एग्रिमेंट्स ऐंड पॉलिसी इन इंटरनेशनल माइग्रेशन" विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। हाल ही में वर्किंग पेपर की शृंखला प्रकाशन की प्रक्रिया में है।
- ए.के. मोहंती और एम. पांडा (सह–निदेशक), "एमएलई+ (फ्राम अदर टंग टु मदर टंग ...), बीवीएल फाउंडेशन, नीदरलैण्ड द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 2009–2011
- ए.के. मोहंती और एम. पांडा (सह–निदेशक), "नेशनल एमएलई रिसॉर्स सेंटर (एनएमआरसी)", यूनिसेफ, भारत द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 2009–2011
- ए.के. मोहंती (सेबाइन इहर्स्ट, क्रिस्टाइन हेलट और ओफेलिया गार्सिया के साथ), "स्टडी ऑफ टीचर्स एटिट्यूड्स टुवर्डस लिंग्विस्टिक ऐंड कल्चरल डाइवर्सिटी इन फोर सिटीज", विषयक सहयोगात्मक परियोजना।
- ए.के. मोहंती और एम. पांडा, "फ्राम मदर टंग टु अदर टंग : फेसिलिटेटिंग ट्रांजिशन इन मल्टीलिंग्वल एज्यूकेशन आफ ट्राइबल चिल्ड्रन इन इंडिया", (बर्नार्ड वेन लियर फाउंडेशन, द नीदरलैण्ड)।
- एस. श्रीनिवास राव, "एंड टर्म इवाल्युएशन ऑफ रूरल एज्यूकेशन प्रोग्राम 'जनपहल' ऑफ 'बोध' इन राजस्थान'स अलवर डिस्ट्रिक्ट", चार सदस्यों के दल द्वारा अध्ययन किया गया और 'बोध' द्वारा सहायता की गई, दिसम्बर, 2008
- गीता बी. नाम्बिसन, यूनिवर्सिटी स्कूल रिसॉर्स नेटवर्क (यूएसआरएन), समन्वयक, यूएसआरएन और परियोजना निदेशक, कॉलेब्रेटिव लिंकेजिज इंटरवेंशंस ऐंड रिसर्च, सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई (नवम्बर, 2006–जनवरी–2010), सहयोगात्मक परियोजना।
- गीता बी. नाम्बिसन, थर्ड एनुअल रिव्यू ऑफ द कॉलेब्रेटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन एज्यूकेशन एट द टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, एसआरटीटी, अक्टूबर, 2008 – दिसम्बर, 2009

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- जी. अरुणिमा, "जेंडर ऐंड सेकर्ड जियोग्राफीज : ए स्टडी ऑफ रिलिजन इन केरला" विषयक परियोजना का पुस्तकालय से संबंधित कार्य वर्ष भर चला तथा अभिलेख संबंधी कार्य ग्रीष्म में किया जाएगा।
- जानकी अब्राहम, "द जेंडरिंग ऑफ अरबन पब्लिक स्पेसिज : ए केस स्टडी ऑफ ए टाउन इन नार्थ इंडिया" विषयक परियोजना पर शोध कार्य जारी है तथा इस परियोजना के लिए क्षेत्रीय कार्य बीकानेर, राजस्थान में किया जा रहा है। एक व्याख्यात्मक ग्रंथ–सूची तैयार की जा रही है।

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

- जोसफ बारा, "स्कूलिंग द 'ट्रुएंट' ट्राइब : ब्रिटिश कॉलोनियल कंपलशंस ऐंड एज्यूकेशनल इवॉल्युशन इन छोटा नागपुर, 1874–1930" इतिहास में अध्ययन को प्रस्तुत।
- जोसफ बारा, "एलियन कंस्ट्रक्ट ट्राइबल कनटेस्टेशन इन कॉलोनियल छोटानागपुर : द मिडियम ऑफ क्रिश्चियनिटी", आगामी इकोनामिक ऐंड पालिटीकल वीकली में।
- राधा गायत्री, "वरान्दा डिसपेंसरी टु हॉस्पीटल : फिमेल मेडिकल मिशनरीज ऐंड सेंट स्टीफंस हॉस्पीटल, दिल्ली", स्टेट, पब्लिक हेल्थ ऐंड मेडिसिन : 19थ ऐंड 20थ सेंचुरी इंडिया, (सं.) माधुरी शर्मा (आगामी)।

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एम.सी.पॉल, "कंज्युमर प्रोटेक्शन इन इंडिया", (4 क्रेडिट) (प्रक्रिया में)
- अजय कुमार, "इम्पैक्ट ऑफ फेयर ट्रेड अडेरेंस ऑन मेम्बर प्रोड्यूसर्स ऐंड एफटीएफआई पार्टनर्स, बेस लाइन स्टडी रिपोर्ट", फेयर ट्रेड प्लस–इंडिया और फेयर ट्रेड फोरम इंडिया द्वारा प्रायोजित, अगस्त, 2008
- एस.के. केजरीवाल, "अल्फ्रेड मार्शल : इकोनामिस्ट ऑफ एज्यूकेशन' एज्यूकेशन ऐंड 'अडल्ट एज्यूकेटर", परियोजना चल रही है।
- एस.वाई शाह, "रोल ऑफ अडल्ट एज्यूकेशन इन स्ट्रेंथनिंग सिविल सोसाइटी इन इंडिया ऐंड ब्रिटेन", ब्रिटिश एकेडमी आफ हायर एज्यूकेशन, परियोजना चल रही है।
- एस.वाई शाह, "ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ यूरोपियन ऐंड एशियन पॉलिसीज आन लाइफलोंग लर्निंग", यूरोपियन कमिशन, परियोजना चल रही है।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

- नीरजा गोपाल जयाल, "नेशनवाइड सर्वे ऑफ वुमंस पार्टिसिपेशन इन पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस" पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, 2007–2008, अप्रैल, 2008 में रिपोर्ट प्रकाशित।
- नीरजा गोपाल जयाल, "टाकविले ऐंड द लाइफ ऑफ डेमोक्रेसी इन द यूएस ऐंड इंडिया" विषयक मेम्बर ऑफ द एपीएसए (अमेरिकन पॉलिटीकल साइंस एसोसिएशन) पुस्तक परियोजना, ईरा कत्जनेल्शन और पार्था चटर्जी द्वारा सह–संपादित।
- अमिता सिंह, "गवर्नेंस नालेज सेंटर – कैपेसिटी बिल्डिंग फार पावर्टी रिडक्शन", प्रशासनिक सुधार विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, परियोजना चल रही है।
- अमिता सिंह, "गवर्नेंस इन एशिया–पेसिफिक : एचिविंग एमडीजीएस", नेटवर्क ऑफ एशिया–पेसिफिक स्कूल्स ऐंड इंस्टीट्यूट्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस, नई दिल्ली, परियोजना चल रही है।
- अमिता सिंह, "सेव द गार्डन, सेव द वर्कर", उत्तरी बंगाल के दुआर क्षेत्र के चाय बागान कर्मी, (मार्च, 2009 में शामिल)
- नवरोज के. डबास, "स्ट्रेंथनिंग रेग्यूलेशन इन इलेक्ट्रीसिटी ऐंड वाटर सेक्टर्स फॉर इम्प्रूव्ड सर्विस डिलिवरी", प्रयास इनर्जी ग्रुप पुणे के सहयोग से।
- नवरोज के. डबास, "इलेक्ट्रीसिटी गवर्नेंस इनिशिएटिव", प्रयास इनर्जी ग्रुप, पुणे के सहयोग से।
- नवरोज के. डबास, "नेशनल एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज" विषयक गोलमेज, भा.प्रौ.सं., मद्रास, सीआईएसईडी और प्रयास, पुणे के सहयोग से।

संस्कृत अध्ययन केन्द्र

- गिरीशनाथ झा, "इंडियन लैंग्वेजिज कोरपोरा इनिशिएटिव (आईएलसीआई), यह परियोजना डॉ. गिरीशनाथ झा के नेतृत्व में 10 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के संघ द्वारा चलाई जा रही है, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, 2009–2011
- गिरीशनाथ झा, "डिवलपिंग कंप्यूटेशनल टूल्स फॉर संस्कृत ऐंड संस्कृत–हिंदी मशीन ट्रांसलेशन", सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, 2008–2011
- शशिप्रभा कुमार, "बृहत वैशेषिक कोश", मुख्य अन्वेषक, वि.अ.आ. मुख्य शोध परियोजना (परियोजना चल रही है), 2006–2009
- सी. उपेन्द्र राव, "पाली शब्द कल्पतरू" (एक बहुभाषिक पाली शब्दकोश परियोजना), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इसकी 'मुख्य शोध परियोजना' योजना के तहत वित्तपोषित।

आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र

- एस.के. धर, "फंक्शनल एनालिसिस आफ रेप्लिकेशन ऐंड सेल साइकिल रेग्यूलेटिड जींस इन प्लैज्मोडियम फैल्सीपेरम", द वेलकम ट्रस्ट, यूके, 2003–2008
- जी. मुखोपाध्याय (प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, प्रो. आशिष दत्ता के सहयोग से), "मोलक्यूलर आस्पेक्ट्स ऑफ कैंडिडासिस", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–2008
- सी.के. मुखोपाध्याय, "रोल ऑफ आयरन इन ग्रोथ ऑफ लीशमानिया डोनोवानी ऐंड इन इंटरएक्शन विद मैक्रोफेज", द वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यूके, 2005–2010
- जी. मुखोपाध्याय, "एनालिसिस ऑफ द स्ट्रक्चरल फीचर्स ऑफ द हेलिकोबैक्टर पायलोरी टाइप IV सेक्रेशन सिस्टम ऐंड इट्स इंटरएक्शंस विद होस्ट सेल", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2006–2009
- आर.के. त्यागी, "इंटेरोगेटिंग द रोल ऑफ ए नवल जीनासेंसर 'स्टेरॉयड ऐंड जीनोबायोटिक रिसेप्टर' इन मेटाबॉलिज्म ऐंड एलिमिनेशन ऑफ एंडोक्राइन डिसरप्टर्स ऐंड पेस्टिसाइट्स", वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, 2006–2009 (चौथे वर्ष यानी जुलाई 2010 तक अवधि में विस्तार)
- सी.के. मुखोपाध्याय, "इनवेस्टीगेशन आन रेग्यूलेशन ऑफ ट्रांसफेरिन रिसेप्टर बाई इंसुलिन", भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 2007–2009
- आर.के. त्यागी, "माड्यूलेटरी इफेक्ट्स आफ हर्बल ड्रग इनग्रेडिएंट (स) आन ट्रांसक्रिप्शन प्रिगनेन ऐंड जीनोबायोटिक रिसेप्टर (पीएक्सआर) : इवोल्युएशन फार थेराप्यूटिक पोटेंसी ऐंड हेल्थ सेफ्टी एसेस्मेंट", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2007–2010
- एस.के. धर (डॉ. शांतनु दासगुप्ता, उप्पासला विश्वविद्यालय, स्वीडन के सहयोग से), "डीएनए रेप्लिकेशन रिस्टार्ट मैकेनिज्म इन हेलिकोबैक्टर पायलोरी", इण्डो–स्वीडन लिंक ग्रांट, 2007–2009
- एस.के. धर, "कंट्रोल ऑफ डीएनए रेप्लिकेशन इनिसिएशन ऐंड सेल साइकिल रेग्युलेशन इन टु इम्पोर्टेंट ह्युमन पैथोजंस : प्लैज्मोडियम फैल्सीपेरम ऐंड हेलिकोबैक्टर पायलोरी", विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इसकी जीव–विज्ञान में स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति योजना के तहत वित्तपोषित।
- एस. एजाज, "ए स्टडी आन द मैनेनिज्म्स ऑफ रेग्यूलेशन ऑफ पैरासेलुलर पर्मिबिलिटी बाइ द टाइट जंक्शन प्रोटीन, आक्लुडिन", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 2009–2012

क. विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य

(1.4.2008 से 31.3.2009 तक)

1	प्रो. यशपाल, कुलाधिपति	अध्यक्ष
2	प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति	
3	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलदेशिक	
4	प्रो. रामाधिकारी कुमार, कुलदेशिक	
5	प्रो. अशोक झुनझुनवाला	25.04.2008 तक
6	डॉ. सैयद. ई. हसनैन	25.04.2008 तक
7	डॉ. अनिल काकोदकर	25.04.2008 तक
8	श्री पी. साईनाथ	25.04.2008 तक और पुनः 28.08.2008 से
9	प्रो. रणबीर सिंह	28.08.2008 से
10	डॉ. विभा धवन	28.08.2008 से
11	प्रो. वी. कन्नन	28.08.2008 से
12	प्रो. पुष्पेश पन्त	31.12.2008 तक
13	प्रो. वाई.के. त्यागी	01.01.2009 से
14	डॉ. सोनाझरिया मिंज़	08.08.2008 तक
15	डॉ. अभिजीत कारकुन	08.08.2008 तक
16	प्रो. कमल मित्र चिनॉय	29.08.2008 से
17	डॉ. रोहन डी'सूज़ा	29.08.2008 से
18	प्रो. आर.के. काले	02.03.2009 तक
19	प्रो. एच.बी. बोहिदार	
20	श्री अवैस अहमद, कुलसचिव और कोर्ट के सदस्य–सचिव	31.01.2009 (दोपहर बाद) तक
21.	प्रो. वी.के. जैन, कार्यकारी कुलसचिव और कोर्ट के सदस्य–सचिव	31.01.2009 (दोपहर बाद) से
22	श्रीमती रेवती बेदी, वित्त अधिकारी	
23	डॉ. डी.के. लोबियाल	
24	डॉ. कृष्ण गोपाल	19.11.2008 तक
25	डॉ. एस. चन्द्रसेखरन, कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष	20.11.2008 से
26	प्रो. पी.के. यादव	31.07.2008 तक
27	प्रो. वरयाम सिंह	04.12.2008 तक
28	प्रो. वी.के. जैन	02.07.2008 तक और पुनः 01.08.2008 डीओएस
29.	प्रो. के.जी. सक्सेना	03.07.2008 से
30	प्रो. हरजीत सिंह	
31	प्रो. आर. मधुबाला (09.10.2008 तक बतौर प्रोफेसर और पुनः 03.03.2008 से डीन के रूप में)	09.10.2008 तक और पुनः 03.03.2009 से
32	प्रो. आर.एन.के. बामजई	10.10.2008 से
33	प्रो. एन. परिमाला	
34	प्रो. रूपमंजरी घोष	
35	प्रो. पारुल दवे मुखर्जी	31.08.2008 तक
36	प्रो. एच.एस. शिवा प्रकाश	01.09.2008 से
37	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	06.05.2008 तक

38	प्रो. इंदिरा घोष	07.05.2008 से
39	प्रो. अपर्णा दीक्षित	
40	प्रो. अजय कुमार दुबे	
41	प्रो. अब्दुल नफे	08.11.2008 तक
42	प्रो. चिंतामणि महापात्रा	09.11.2008 से
43	डॉ. गुरुबचन सिंह	13.05.2008 तक
44	डॉ. संगीता बंसल	14.05.2008 से
45	प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली	
46	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती	31.12.2008 तक
47	प्रो. राजेश राजगोपालन	01.01.2009 से
48	प्रो. तुलसी राम	08.01.2009 तक
49	प्रो. अनुराधा एम. चिनॉय	09.01.2009 से
50	प्रो. पी. सहदेवन	
51	प्रो. आर.के. जैन	
52	प्रो. भरत एच. देसाई	01.01.2009 से
53	प्रो. बी.एस. चिमनी	31.12.2008 तक
54	प्रो. अख्तर महदी	
55	प्रो. अनीता खन्ना	
56	डॉ. एच.के. अदलखा	31.08.2008 तक और पुनः 10.10.2008 से
57	प्रो. प्रियदर्शी मुखर्जी	01.09.2008 से
58	प्रो. एफ.यू. फारुक़ी	30.06.2008 तक
59	प्रो. एस.ए. रहमान	01.07.2008 से
60	प्रो. एस.बी. ससालती	08.07.2008 तक
61	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	09.07.2008 से
62	प्रो. आर.एन. मेनन	
63	प्रो. चरणजीत सिंह	27.12.2008 से
64	प्रो. एन. कमला	
65	प्रो. एस.के. सरीन	
66	प्रो. अन्विता अब्बी	
67	प्रो. चमन लाल	23.07.2008 से
68	प्रो. वी.बी. तलवार	22.07.2008 तक
69	प्रो. ए.के. धींगरा	01.02.2009 से 12.03.2009 तक
70	श्री अपराजित चट्टोपाध्याय	31.01.2009 तक
71	प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर	01.01.2009 से
72	प्रो. प्रदीप्ता के. चौधुरी	23.07.2008 तक
73	प्रो. के.जी. दस्तीदार	24.07.2008 से 31.12.2008 तक
74	प्रो. वी. रोड्रिग्स	
75	प्रो. वी.वी. कृष्णा	15.07.2008 तक
76	प्रो. पी.एन. देसाई	24.07.2008 से
77	प्रो. मोहन राव	
78	प्रो. गीता बी. नाम्बिसन	
79	प्रो. नीलाद्रि भट्टाचार्य	
80	प्रो. तिपलुत नोंगब्री	
81	प्रो. आर.के. शर्मा	
82	प्रो. आर.पी. सिंह	09.01.2009 तक

83	प्रो. सत्य पी. गौतम	10.01.2009 से 26.02.2009 तक
84	डॉ. ओइनम भगत	27.02.2009 से
85	डॉ. आर.के. त्यागी	
86	प्रो. जी. मुखोपाध्याय	06.10.2008 से
87	प्रो. शशि प्रभा कुमार	12.03.2009 तक
88	डॉ. राम नाथ झा	13.03.2009 से
89	प्रो. अमिता सिंह	09.10.2008 तक
90	प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	10.10.2008 से
91	प्रो. सी.एस. राज	31.12.2008 तक
92	प्रो. शशी कांत झा	01.01.2009 से
93	प्रो. कुलभूषण वारिकू	31.01.2009 तक
94	प्रो. मनोज पंत	01.02.2009 से
95	प्रो. गुलशन डायटल	09.10.2008 तक
96	प्रो. जी.सी. पंत	10.10.2008 से 16.01.2009 तक
97	प्रो. आलोकेश बरुआ	21.01.2009 से
98	डॉ. ताहिर असगर	
99	डॉ. एस.एस. देवड़ा	09.10.2008 तक
100	डॉ. के.पी. विजयलक्ष्मी	10.10.2008 से
101	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	09.10.2008 तक
102	प्रो. सविता पांडे	10.10.2008 से
103	डॉ. एस.के. भारद्वाज	
104	डॉ. भास्वती सरकार	09.10.2008 तक
105	अम्बरीश ढाका	10.10.2008 से
106	श्री एम.एस. दाभडे	09.10.2008 तक
107	डॉ. सिद्धार्थ मल्लावारपू	10.10.2008 से
108	प्रो. एस.के. जैन	
109	प्रो. रामप्रसाद सेनगुप्ता	09.10.2008 तक
110	प्रो. अमिताभ कुन्डू	10.10.2008 से
111	प्रो. दीपक नैय्यर	09.10.2008 तक
112	प्रो. अतिया हबीब किदवई	10.10.2008 से
113	प्रो. कुमकुम राय	13.10.2008 तक
114	डॉ. अतुल सूद	14.10.2008 से
115	प्रो. रामा वी. बारू	10.10.2008 तक
116	डॉ. पी.के. झा	11.10.2008 से
117	डॉ. इन्दीवर कामतेकर	11.11.2008 तक
118	डॉ. राधिका सिंघा	12.11.2008 से
119	डॉ. ए.के. शर्मा	
120	डॉ. एस. श्रीनिवास राव	09.10.2008 तक
121	सुश्री ज्योति अटवाल	10.10.2008 से
122	डॉ. अनुराधा बनर्जी	03.09.2008 तक
123	डॉ. हीरामन तिवारी	04.09.2008 से
124	प्रो. एस.पी. गांगुली	31.01.2009 तक
125	प्रो. वैश्ना नारंग	01.02.2009 से
126	प्रो. शंकर बासु	
127	प्रो. मो. असलम इस्लाही	
128	श्री. आर.सी. गुप्ता	09.10.2008 तक

129 प्रो. सबरी मित्रा	10.10.2008 से 20.01.2009 तक
130 डॉ. बशीर अहमद	21.01.2009 से
131 डॉ. मानिकलाल भट्टाचार्य	09.10.2008 तक
132 प्रो. मधु साहनी	09.10.2008 तक
133 डॉ. सौगाता भादुरी	10.10.2008 से
134 डॉ. नवनीत सेठी	16.12.2008 तक
135 डॉ. एस. शोभा	17.12.2008 से
136 श्री एस.के. सन्याल	09.10.2008 तक
137 डॉ. ए.ए. अन्सारी	10.10.2008 से
138 डॉ. के.एम. इकरामुद्दीन	22.09.2008 तक
139 डॉ. रिजवानुर रहमान	23.09.2008 से
140 डॉ. वाई.एस. अलॉन	
141 डॉ. आशिष कुमार नंदी	
142 डॉ. एस. गौरीनाथ	
143 प्रो. अरुण के. अत्री	
144 डॉ. पी.एस. खिलारे	03.09.2008 तक
145 डॉ. कस्तूरी मुखोपाध्याय	04.09.2008 से
146 डॉ. आर. पालराज	22.02.2009 तक
147 डॉ. जे.के. त्रिपाठी	23.02.2009 से
148 प्रो. एस. बालासुन्दरम	10.10.2008 से
149 श्री सुशील कुमार	24.01.2009 तक
150 डॉ. डी.पी. विद्यार्थी	25.01.2009 से
151 प्रो. संजय पुरी	
152 डॉ. बृजेश कुमार	
153 डॉ. सत्यब्रत पटनायक	06.10.2008 से
154 डॉ. एन.एस. साहनी	06.10.2008 से
155 प्रो. के.जे. मुखर्जी	25.02.2009 तक
156 डॉ. श्यामला मैत्रयी रजाला	26.02.2009 से

157 निदेशक, कोशिकीय और अणु जीव-विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद
158 निदेशक, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम
159 निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
160 निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई
161 निदेशक, रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर
162 कमांडर, सेना कैडेट महाविद्यालय, देहरादून
163 कमांडेंट, सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे
164 कमांडेंट, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला
165 कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे.
166 कमांडेंट, सेना दूरसंचार इंजीनियरी महाविद्याविद्यालय, महू
167 कमांडेंट, सेना इलैक्ट्रानिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद
168 निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लान्ट्स, लखनऊ.
169 निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरी और जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली,
170 निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
171 निदेशक, सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़.
172 निदेशक, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलरेटर सेंटर, नई दिल्ली.
173 निदेशक, नेशनल सेन्टर फार प्लांट जीनोमिक रिसर्च, नई दिल्ली
174 श्री अलोक कुमार मेहता, संसद सदस्य

175 श्री बासुदेब बर्मन, संसद सदस्य
176 श्रीमती अर्चना नायक, संसद सदस्य
177 डॉ. सैयद शाहनवाज़ हुसैन, संसद सदस्य
178 श्री एस. सुधाकर रेड्डी, संसद सदस्य
179 श्री संदीप दीक्षित, संसद सदस्य

180	श्री दिग्विजय सिंह, संसद सदस्य	07.03.2009 तक
181	श्री अरुण शौरी, संसद सदस्य	07.03.2009 तक
182	श्री जनार्दन द्विवेदी, संसद सदस्य	07.03.2009 तक
183	डॉ. के. कस्तूरीरंगन, संसद सदस्य	07.03.2009 तक
184	डॉ. वी.के. आत्रे	30.11.2008 तक
185	श्रीमती शोभना भरतिया	30.11.2008 तक
186	प्रो. एन.एल. मित्रा	30.11.2008 तक
187	प्रो. ए.एस. कोलास्कर	30.11.2008 तक
188	डॉ. ए. कलानिधि	30.11.2008 तक
189	श्री एच.के. दुआ	30.11.2008 तक
190	श्री पी.आर. दासगुप्ता	30.11.2008 तक
191	प्रो. एन. बालाकृष्णन	30.11.2008 तक
192	डॉ. बी. येगंनारायन	30.11.2008 तक
193	डॉ. ई. हरिबाबू	30.11.2008 तक
194	श्री प्रफुल बिदवाइ	30.11.2008 तक
195	डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन	30.11.2008 तक
196	श्री एस.एस. कोहली	30.11.2008 तक
197	श्री एस.पी. तलवार	30.11.2008 तक
198	श्री वाई.सी. नन्दा	30.11.2008 तक
199	श्री ए.एन. बुच	30.11.2008 तक
200	प्रो. रूपा बी. शाह	30.11.2008 तक
201	डॉ. एन. मारकन्दन	30.11.2008 तक
202	डॉ. आर.ए. माशेलकर	30.11.2008 तक
203	प्रो. एम.एस. रघुनाथन	30.11.2008 तक
204	प्रो. अवधेश गुप्ता	30.11.2008 तक
205	प्रो. पंजाब सिंह	
206	प्रो. एन.के. गुप्ता	

ख. कार्य परिषद् के सदस्य

(1.4.2008 से 31.3.2009 तक)

01	प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति	–	अध्यक्ष
02	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलदेशिक		
03	प्रो. आर.के. काले	–	31.07.2008 तक
04	प्रो. वी.के. जैन	–	12.07.2008 तक और पुनः 01.08.2008 से
05	प्रो. पारुल दवे मुखर्जी	–	31.08.2008 तक
06	प्रो. पी.के. यादव	–	31.07.2008 तक
07	प्रो. हरजीत सिंह	–	01.09.2008 से
08	प्रो. रूपमंजरी घोष	–	01.08.2008 से
09	प्रो. वरयाम सिंह	–	30.11.2008 तक
10	प्रो. एन. परिमाला	–	03.07.2008 से
11	प्रो. इंदिरा घोष	–	01.12.2008 से
12	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	–	06.05.2008 तक
13	डॉ. सैयद ई. हसनैन	–	25.04.2008 तक
14	प्रो. अशोक झुनझुनवाला	–	25.04.2008 तक
15	डॉ. अनिल काकोदकर	–	25.04.2008 तक
16	श्री पी. साईनाथ	–	25.04.2008 तक और पुनः 28.08.2008 से
17	प्रो. पुष्पेष पंत	–	31.12.2008 तक
18	प्रो. एच. शिवा प्रकाश	–	01.01.2009 से
19	डॉ. सोनाझरिया मिंज	–	08.08.2008 तक
20	डॉ. अभिजीत कारकून	–	08.08.2008 तक
21	प्रो. रणबीर सिंह	–	28.08.2008 से
22	डॉ. विभा धवन	–	28.08.2008 से
23	प्रो. वी. कन्नन	–	28.08.2008 से
24	प्रो. कमल मित्र चिनॉय	–	29.08.2008 से
25	डॉ. डी.के. लोबियाल	–	29.08.2008 से
26	डॉ. रोहन डी'सूजा	–	29.08.2008 से
27	निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरी और जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली,	–	27.04.2008 तक
28	निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लान्ट्स, लखनऊ.	–	01.07.2008 तक
29	कमांडेंट, सेना इलैक्ट्रानिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद	–	27.04.2008 तक
30	कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे	–	01.07.2008 से
31	श्री अवैस अहमद, कुलसचिव और कार्य परिषद् के सचिव	–	31.01.2009 तक
32	प्रो. वी.के. जैन, कार्यकारी कुलसचिव और कार्य परिषद् के सचिव	–	31.01.2009 से (दोपहर बाद)

ग. विद्या परिषद के सदस्य
(1.4.2008 से 31.3.2009 तक)

01	प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति	अध्यक्ष
02	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलदेशिक	
03	प्रो. रामाधिकारी कुमार, कुलदेशिक	
04	प्रो. पुष्पेश पन्त	31.12.2008 तक
05	प्रो. वाई.के. त्यागी	01.01.2009 से
06	प्रो. पी.के. यादव	31.07.2008 तक
07	प्रो. आर. मधुबाला	09.10.2008 तक और पुनः 03.03.2009 से
08	प्रो. वरयाम सिंह	04.12.2008 तक
09	प्रो. शंकर बासु	
10	प्रो. वी.के. जैन	02.07.2008 तक और पुनः 01.08.2008 से
11	प्रो. के.जी. सक्सेना	03.07.2008 से
12	प्रो. अमिताभ कुन्डू	
13	प्रो. हरजीत सिंह	
14	प्रो. एन. परिमाला	
15	प्रो. रूपमंजरी घोष	
16	प्रो. पारुल दवे मुखर्जी	31.08.2008 तक
17	प्रो. एच.एस. शिवा प्रकाश	01.09.2008 से
18	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	06.05.2008 तक
19	प्रो. इंदिरा घोष	07.05.2008 से
20	प्रो. अपर्णा दीक्षित	
21	प्रो. आर.के. काले	02.03.2009 तक
22	प्रो. एच.बी. बोहिदार	
23	प्रो. ए.के. दुबे	
24	प्रो. सच्चिदानन्द सिन्हा	
25	डॉ. कृष्ण गोपाल (कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष)	19.11.2008 तक
26	डॉ. चन्द्रशेखरन (कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष)	20.11.2008 से
27	प्रो. अब्दुल नफे	08.11.2008 तक
28	प्रो. चिन्तामणि महापात्रा	09.11.2008 से
29	डॉ. गुरबचन सिंह	30.04.2008 तक
30	डॉ. संगीता बंसल	14.05.2008 से
31	डॉ. श्रीकांत कोंडापल्ली	
32	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति	31.12.2008 तक
33	प्रो. राजेश राजगोपालन	01.01.2009 से
34	प्रो. तुलसी राम	08.01.2009 तक
35	प्रो. अनुराधा मित्रा चिनॉय	09.01.2009 से
36	प्रो. पी. सहदेवन	

37	प्रो. आर.के. जैन	
38	प्रो. भरत एच. देसाई	01.01.2009 से
39	प्रो. बी.एस. चिमनी	31.12.2008 तक
40	प्रो. अखतर महदी	31.12.2008 तक
41	प्रो. अनीता खन्ना	
42	डॉ. एच.के. अदलखा	31.08.2008 तक और पुनः 10.10.2008 से
43	प्रो. प्रियदर्शी मुखर्जी	01.09.2008 से
44	प्रो. एफ.यू. फारुकी	30.06.2008 तक
45	प्रो. एस.ए. रहमान	01.07.2008 से
46	प्रो. एस.बी. ससालती	08.07.2008 तक
47	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	09.07.2008 से
48	प्रो. आर.एन. मेनन	
49	प्रो. चरणजीत सिंह	27.12.2008 से
50	प्रो. एन. कमला	
51	प्रो. एस.के. सरीन	
52	प्रो. अन्विता अब्बी	
53	प्रो. चमन लाल	23.07.2008 से
54	प्रो. वी.बी. तलवार	22.07.2008 तक
55	प्रो. ए.के. धींगरा	01.02.2009 से 12.03.2009 तक
56	श्री अपराजित चट्टोपाध्याय	31.01.2009 तक
57	प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर	01.01.2009 से
58	प्रो. प्रदीप्त के. चौधुरी	23.07.2008 तक
59	प्रो. के.जी. दस्तीदार	24.07.2008 से 31.12.2008 तक
60	प्रो. वी. रोड्रिग्स	
61	प्रो. वी.वी. कृष्ण	23.07.2008 तक
62	प्रो. पी.एन. देसाई	24.07.2008 से
63	प्रो. मोहन राव	
64	प्रो. गीता बी. नाम्बिसन	
65	प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य	
66	प्रो. तिपलुत नोंगब्री	
67	प्रो. आर.के. शर्मा	
68	प्रो. ओइनाम भगत	27.02.2009 से
69	प्रो. आर.पी. सिंह	09.01.2009 तक
70	प्रो. सत्य पी. गौतम	10.01.2009 से 26.02.2009 तक
71	डॉ. आर.के. त्यागी	
72	प्रो. शशि प्रभा कुमार	12.03.2009 तक
73	डॉ. राम नाथ झा	13.03.2009 से
74	प्रो. अमिता सिंह	09.10.2008 तक
75	प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	10.10.2008 से
76	प्रो. सी.एस. राज	31.12.2008 तक
77	प्रो. शशी कांत झा	01.01.2009 से
78	प्रो. कुलभूषण वारिकू	31.01.2009 तक

79	प्रो. मनोज पंत	01.02.2009 से
80	प्रो. गुलशन डाइट्ल	09.10.2008 तक
81	प्रो. जी.सी. पंत	10.10.2008 से 16.012009 तक
82	प्रो. आलोक बरुआ	21.01.2009 से
83	डॉ. ताहिर असगर	
84	डॉ. एस.एस. देवड़ा	09.10.2008 तक
85	डॉ. के.पी. विजयलक्ष्मी	10.10.2008 से
86	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	09.10.2008 तक
87	प्रो. सविता पांडे	10.10.2008 से
88	डॉ. एस.के. भारद्वाज	
89	डॉ. भास्वती सरकार	09.10.2008 तक
90	डॉ. अम्बरीश ढाका	10.10.2008 से
91	श्री एम.एस. दाभड़े	09.10.2008 तक
92	डॉ. सिद्दार्थ मल्लावारपू	10.10.2008 से
93	प्रो. एस.के. जैन	
94	प्रो. रामप्रसाद सेनगुप्ता	09.10.2008 तक
95	प्रो. अमिताभ कुन्डू	10.10.2008 से
96	प्रो. दीपक नय्यर	09.10.2008 तक
97	प्रो. अतिया हबीब किदवई	10.10.2008 से
98	डॉ. पी.के. झा	11.10.2008 से
99	डॉ. रामा वी. बारू	10.10.2008 तक
100	डॉ. अतुल सूद	14.10.2008 से
101	डॉ. कुमकुम राय	13.10.2008 तक
102	डॉ. इंदीवर कॉमतेकर	11.11.2008 तक
103	डॉ. राधिका सिंघा	12.11.2008 से
104	डॉ. ए.के. शर्मा	
105	डॉ. एस. श्रीनिवास राव	09.10.2008 तक
106	सुश्री ज्योति अट्वाल	10.10.2008 से
107	डॉ. अनुराधा बनर्जी	03.09.2008 तक
108	डॉ. हीरामन तिवारी	04.09.2008 से
109	प्रो. एस.पी. गांगुली	31.01.2009 तक
110	प्रो. वैश्ना नारंग	01.02.2009 से
112	प्रो. मो. असलम इस्लाही	
112	डॉ. बसीर अहमद	21.01.2009 से
113	डॉ. आर.सी. गुप्ता	09.10.2008 तक
114	प्रो. सबरी मित्रा	10.10.2008 से 20.01.2009 तक
115	डॉ. माणिकलाल भट्टाचार्य	09.10.2008 तक
116	डॉ. मधु साहनी	09.10.2008 तक
117	डॉ. सौगाता भादुरी	10.10.2008 से
118	डॉ. एस. सोभा	17.12.2008 से
119	डॉ. नवनीत सेठी	16.12.2008 तक
120	श्री एस.के. सान्याल	09.10.2008 तक
121	डॉ. ए.ए. अन्सारी	10.10.2008 से

122 डॉ. रिजवानुर रहमान	23.09.2008 से
123 डॉ. के.एम. इकरामुद्दीन	21.09.2008 तक
124 डॉ. वाई.एस. अलॉन	
125 प्रो. आर.एन.के. बामजेई	10.10.2008 से
126 डॉ. आशिष कुमार नन्दी	
127 डॉ. एस. गौरीनाथ	
128 प्रो. अरुण के. अत्री	
129 डॉ. कस्तूरी मुखोपाध्याय	04.09.2008 से
130 डॉ. पी.एस. खिलारे	03.09.2008 तक
131 डॉ. आर. पॉलराज	22.02.2009 तक
132 डॉ. जे.के. त्रिपाठी	23.02.2008 से
133 श्री सुशील कुमार	24.01.2009 तक
134 डॉ. डी.पी. विद्यार्थी	25.01.2009 से
135 प्रो. एस. बालासुन्दरम	10.10.2008 से
136 डॉ. डी.के. लोबियाल	
137 डॉ. बृजेश कुमार	
138 प्रो. संजय पुरी	
139 डॉ. के.जे. मुखर्जी	25.02.2009 तक
140 डॉ. सत्यब्रत पटनायक	06.10.2008 से
141 डॉ. श्यामला मैत्रीय रजाला	26.02.2009 से
142 प्रो. जी. मुखोपाध्याय	06.10.2008 से
143 डॉ. एन.एस. साहनी	06.10.2008 से
144 प्रो. महेश्वर राय	
145 डॉ. यू.सी. जोशी	
146 प्रो. के. नारायणन नायर	
147 डॉ. स्वप्न के. घोष	
148 कर्नल राजीव डोभाल	30.04.2008 तक
149 ब्रिगेडियर वी.के. नारंग	16.05.2008 से 11.03.2009 तक
150 श्री यू.पी. रायबोले	
151 ब्रिगेडियर आर. सुब्रामणियम	24.03.2009 से
152 डॉ. अयूब क़ादरी	01.11.2008 तक
153 डॉ. ललित सी. गर्ग	02.11.2008 से
154 ब्रिगेडियर पी.आर. दत्ता राय	01.11.2008 तक
155 ब्रिगेडियर रमेश प्रकाश अत्री	02.11.2008 से
156 डॉ. एन. मधुसूदन राव	
157 मेजर जनरल राजीव वी. दत्त	20.03.2009 से
158 मेजर जनरल के. बबय्या	31.08.2008 तक
159 डॉ. एस.पी.एस. खनूजा	01.11.2008 तक
160 डॉ. प्रदीप चक्रबर्ती	
161 प्रो. सी.आर. सुब्रामण्य	01.11.2008 तक
162 प्रो. वी. लक्ष्मीनारायणन	02.11.2008 से
163 डॉ. शाहिद जमील	01.11.2008 तक

164	डॉ. शैलजा भट्टाचार्य	
165	डॉ. सुदीप चट्टोपाध्याय	17.06.2008 तक
166	डॉ. निरंजन चक्रबर्ती	21.07.2008 से
167	प्रो. पंकज शरण	
168	प्रो. अमिया देव	01.11.2008 तक
169	प्रो. राम दास अकेला	02.11.2008 से
170	प्रो. मदन मोहन चतुर्वेदी	05.12.2008 तक
171	प्रो. नीरा चन्दोक	01.11.2008 तक
172	प्रो. सुब्रत लाहिरी	24.11.2008 से
173	प्रो. आर.सी. कुहाड़	01.11.2008 तक
174	प्रो. संतोष सत्य	02.11.2008 से
175	प्रो. मालिनी भट्टाचार्य	
176	प्रो. नूपुर प्रकाश	
177	प्रो. टी.पी. सिंह	
178	प्रो. राम गुहा	01.08.2008 से
179	डॉ. ए.के. चक्रवर्ती	06.08.2008 से
180	श्री अवैस अहमद, कुलसचिव और विद्या परिषद के सचिव	31.01.2009 तक (दोपहर बाद)
181	प्रो. वी.के. जैन, कुलसचिव और विद्या परिषद के सचिव	31.01.2009 से (दोपहर बाद)

घ. वित्त समिति के सदस्य

(1.4.2008 से 31.3.2009 तक)

1. प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य — अध्यक्ष
   कुलपति
   जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

2 श्री एम.एस. वर्मा
   (भूतपूर्व अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक)

3 प्रो. कंचन चोपड़ा
   पूर्व निदेशक
   आर्थिक विकास संस्थान
   दिल्ली विश्वविद्यालय
   दिल्ली–110007

4 श्रीमती ऊषा सहजपाल
   (भूतपूर्व सी.जी.ए, भारत सरकार)

5 श्रीमती रेवती बेदी
   वित्त अधिकारी और वित्त समिति की सचिव
   जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

शिक्षक

क. विश्वविद्यालय के शिक्षक (31.3.2009 के अनुसार)

1. जैव-प्रौद्योगिकी संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	राकेश भटनागर	1. डी. चौधरी	1. एस.एस. मैत्रा
2.	संतोष कार		2. सुश्री श्यामला मैत्रेयी रवाला
3.	उत्तम के. पति		3. स्वाति तिवारी
4.	सुश्री अपर्णा दीक्षित		4. रंजना आर्य
5.	राजीव भट्ट		
6.	के.जे. मुखर्जी		

2. विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	एस.के. शर्मा/निदेशक		1. सुश्री तूलिका प्रसाद
			2. सुश्री कविता अरोड़ा

3. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	कर्मेषु	1. आर.सी. फोहा	1. टी.वी. विजय कुमार
2.	के.के. भारद्वाज	2. डी.के. लोबियाल	2. सुशील कुमार
3.	जी.वी. सिंह	3. देव प्रकाश विद्यार्थी	3. ज़ाहिद रज़ा
4.	पी.सी. सक्सेना (पुनर्नियुक्ति 24.8.2009 तक)	4. रमेश कुमार अग्रवाल	4. सुश्री अदिति शरण
5.	सी.पी. कट्टी		
6.	एस. बालासुन्दरम		
7.	सुश्री एन. परिमाला		
8.	सुश्री सोनाझरिया मिंज		

4. पर्यावरण विज्ञान संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	वी. राजमणि (पुनर्नियुक्ति 19.8.2009 तक)	1. सुश्री कस्तूरी मुखोपाध्याय	1. इलोरा घोष
2.	जितेन्द्र बिहारी	2. कृष्ण कुमार	2. आर. पॉलराज
3.	वी.के. जैन	3. अशोक प्रियदर्शन डिमरी	3. सुदेश यादव
4.	के.जी. सक्सेना	4. दिनेश मोहन	4. जयंत कुमार त्रिपाठी
5.	सुश्री सुधा भट्टाचार्य	5. सतीश चन्द्र गरकोटि	5. सुश्री मीनाक्षी दुआ
6.	अरुण के. अत्री	6. एन. जनार्दन राजू	6. अरुण कुमार श्रीवास्तव
7.	इन्दु शेखर ठाकुर		7. सुदीप मित्रा
8.	सौमित्र मुखर्जी		
9.	ए.एल. रामनाथन		
10.	पंडित सुदन खिलारे		
11.	उमेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ		

5. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3.	सी.एस. राज अब्दुल नफे चिन्तामणि महापात्रा	1. सुश्री के.पी. विजयलक्ष्मी 2. ए.आर.एम. सलीम किदवई	1. सुश्री प्रीति सिंह

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3.	आलोकेश बरुआ मनोज पन्त अमित एस. रे	1. गुरबचन सिंह 2. सुश्री संगीता बंसल 3. सुश्री मीता केसवानी मेहरा 4. सुश्री अपर्णा साहनी 5. अभिजीत सेन गुप्ता	

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2.	सुश्री लालिमा वर्मा श्रीकान्त कोंडापल्ली	1. एच.एस. प्रभाकर 2. सुश्री अलका आचार्य 3. स्राबनी राय चौधुरी 4. सुश्री रितू अग्रवाल 5. डी.वी. शेखर	1. जितेन्द्र उत्तम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3. 4. 5. 6.	पी.के. पंत अमिताभ मट्टू सी.एस.आर. मूर्ति वरुण साहनी राजेश राजगोपालन एस.एस. जायसवाल	1. एस.एस. देवड़ा 2. सुश्री येशी शोयदान 3. सुश्री मौशमी बासु 4. सुश्री जयती श्रीवास्तव	1. मनीष सीताराम दाबड़े 2. सिद्धार्थ मल्लवारपू 3. सुश्री अर्चना नेगी 4. कृष्णेन्द्र मीणा 5. जे. मदन मोहन 6. हैप्पीमन जैकब

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3.	सुश्री अनुराधा मित्र चिनॉय ए.के. पटनायक तुलसी राम	1. ताहिर असगर 2. संजय कुमार पाण्डेय 3. अरुण कुमार मोहंती 4. सुश्री अर्चना उपाध्याय	1. फूल बदन 2. सुश्री प्रीति डी. दास 3. राजन कुमार 4. नलिन कुमार महापात्रा 5. सुश्री के.बी. ऊषा

दक्षिण, मध्य, दक्षिण-पूर्व एशियाई और दक्षिण-पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	के. वारिकू	1. सुश्री शंकरी सुन्दररमण	1. अम्बरीश ढाका
2.	सुश्री उमा सिंह	2. सुश्री अमिता बत्रा	2. संजय कुमार भारद्वाज
3.	एम.पी. लामा	3. सुश्री मंदिरा दत्ता	3. नवल किशोर पासवान (अस्थाई)
4.	गंगनाथ झा	4. खरत राजेश श्रीकृष्ण	4. शरद कुमार सोनी
5.	पी. सहदेवन		5. महेश रंजन देबाता
6.	पार्था एस. घोष		6. तसेतन नामग्याल
7.	सुश्री मनमोहिनी कौल		
8.	जी. विजयचन्द्र नायडू		
9.	सुश्री सविता पाण्डेय		
10.	संगीता थपलियाल		

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	सुश्री गुलशन डायटल	1. अश्विनी कुमार महापात्रा	1. सुश्री सीमा बैद्य
2.	जी.सी. पन्त	2. बंसीधर प्रधान	
3.	अजय कुमार दुबे		
4.	ए.के. पाशा		
5.	एस.एन. मालाकार		
6.	पी.सी. जैन		
7.	पी.आर. कुमारस्वामी		
8.	ए.के. रामाकृष्णन		

यूरोपियन अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	शशि कांत झा	1. गुलशन सचदेवा	1. भास्वती सरकार
2.	आर.के. जैन		2. सुश्री शीतल शर्मा
2.	सुश्री उम्मू सलमा बावा		

अंतरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	वाई.के. त्यागी	1. वी.जी. हेडगे	
2.	बी.एस. चिमनी		
3.	भरत एच. देसाई		

अंतरराष्ट्रीय संबंध में एम.ए. पाठ्यक्रम

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	कमल मित्र चिनॉय		
2.	(सुश्री) निवेदिता मेनन		

6. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3.	एस.ए. रहमान मोहम्मद असलम इस्लाही फैज़ुल्लाह फारुक़ी	1. ए. बशीर अहमद 2. मुजीबुर रहमान	1. रिज़वानुर रहमान 2. मो. कुतबुद्दीन

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3. 4.	सैय्यद ऐनुल हसन सुश्री जेड.एस. काजमी अख़्तर मेंहदी मोहम्मद सिदिक़ नियाजमद	1. एस.ए. हुसैन	1. ए.ए. अंसारी 2. एस.के. इश्तियाक़ अहमह

जापानी, कोरियाई और उत्तर-पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3. 4. 5.	पी.के. मोटवानी सुश्री सुषमा जैन सुश्री अनीता खन्ना सुश्री मंजुश्री चौहान पी.ए. जॉर्ज	1. सुश्री वी. राघवन	1. सुश्री नीरा कोंगरी 2. रविकेश 3. सुश्री एम.वी. लक्ष्मी 4. सुश्री जनश्रुति चन्द्र 5. सुश्री नीरजा समाजदार 6. कौशल कुमार 7. सुश्री रूपा पोपली

चीनी और दक्षिण-पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2.	प्रियदर्शी मुखर्जी सुश्री सबरी मित्रा	1. माणिक लाल भट्टाचार्य 2. हेमन्त के. अदलखा 3. बी.आर. दीपक	1. देवेन्द्र रावत 2. सुश्री दयावंती 3. सुश्री गीता कोचर 4. राकेश कुमार

भाषा विज्ञान केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3. 4.	सुश्री अन्विता अब्बी सुश्री वैश्ना नारंग पी.के.एस. पाण्डेय फ्रेंसन डी. मंजली	1. सुश्री ए. किदवई	1. हरी माधब रे 2. सुश्री यांकी मोदी

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3.	एस.के. सरीन मकरंद आर. प्रांजपे जी.जे.वी. प्रसाद	1. सौगाता भादुरी 2. सुश्री पद्मिनी मोंगिया 3. सुश्री नवनीत सेठी	1. धनंजय सिंह

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	के. मादवन	1. अभिजीत कारकून	1. सुश्री एस. शोभा
2.	जी.डी. शिवम (पुनर्नियुक्ति 7.1.2010 तक)	2. धीर सारंगी	2. आशिष अग्निहोत्री
3.	सुश्री किरण चौधरी	3. अजीत कन्ना	3. सुश्री आशा पुरी
4.	सुश्री एन. कमला		4. एस.टी. चेरियन
5.	सुश्री विजयलक्ष्मी राव		

जर्मन अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	अनिल भट्टी (पुनःर्नियुक्ति 2.8.2009 तक)	1. आर.सी. गुप्ता	1. प्रणाल चिरमुले
2.	सुश्री रेखा वैद्याराजन	2. सुश्री चित्रा हर्षवर्धन	
3.	एस.बी. ससालती	3. सुश्री साधना नैथानी	
4.	राजेन्द्र डेंगले		
5.	बालासुन्दरम् सुब्रामणियन		
6.	सुश्री मधु साहनी		

भारतीय भाषा केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	मोहम्मद शाहिद हुसैन	1. मज़हर महदी हुसैन	1. आर.पी. सिन्हा
2.	चमन लाल	2. सैय्यद मोहम्मद ए. आलम	2. राम चन्द्र
3.	वीर भारत तलवार	3. गोविन्द प्रसाद	3. गंगा सहाय मीना
4.	कृष्णास्वामी नाचिमुथू	4. रणजीत कुमार साहा	4. एन. चन्द्र सेगरन
5.	मोइनूद्दीन ए. जिनाबाड़े	5. देवेन्द्र कुमार चौबे	
6.	राम बक्श जाट	6. के.एम. इकरामुद्दीन	

रूसी अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	ए.के. बासु (पुनर्नियुक्ति 15.11.2009 तक)	1. सुश्री मीता नारायण	1. किरण सिंह वर्मा
2.	वरयाम सिंह	2. सुश्री रंजना बनर्जी	2. अजय कुमार करनाती
3.	रामाधिकारी कुमार (पुनर्नियुक्ति 28.1.2010 तक)	3. अरुणिम बंदोपाध्याय	3. सुश्री मीनू भटनागर
4.	शंकर बासु	4. सुश्री रिचा सावंत	4. आशुतोष आनन्द
5.	आर.एन. मेनन		
6.	चरणजीत सिंह		
7.	सुश्री मनु मित्तल		
8.	नासर शकील रूमी		
9.	सुश्री रितु मालती जैरथ		

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	एस.पी. गांगुली	1. अपराजित चट्टोपाध्याय	1. सुश्री मीनू बख्शी
2.	ए.के. धींगरा		2. एस.के. सन्याल
3.	सुश्री इंद्रानी मुखर्जी		3. राजीव सक्सेना
			4. सुश्री मीनाक्षी सुन्द्रियाल
			5. गौरव कुमार

7. जीवन विज्ञान संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	राजेन्द्र प्रसाद	1. के. नटराजन	1. सुश्री एस.एस. कामथ
2.	के.सी. उपाध्याय	2. पी.सी. रथ	2. सुश्री नीलिमा मण्डल
3.	राजीव के. सक्सेना	3. आशीष कुमार नंदी	3. एस. गौरीनाथ
4.	आलोक भट्टाचार्य	4. सुप्रिय चक्रवर्ती	4. सुश्री रोहिनी मुथुस्वामी
5.	सुश्री सुधा महाजन कौशिक	5. अजय कुमार सक्सेना	5. अतुल कुमार जोहरी
6.	आर.एन.के. बामजेई	6. सुश्री श्वेता शरन	6. सुश्री स्नेह लता भदोरिया
7.	आर.के. काले	7. दीपक शर्मा	7. मल्लिकार्जुन शकराद
8.	सुश्री आर. मधुबाला	8. राणा प्रताप सिंह	8. सुशील कुमार झा
9.	पी.के. यादव	9. अश्वनी पारीक	9. सुश्री आशु भान टिक्कु
10.	सुश्री नीरा बी. सरीन		10. सुश्री नीति पुरी
11.	बी.एन. मलिक		
12.	बी.सी. त्रिपाठी		
13.	एस.के. गोस्वामी		

8. आणविक चिकित्सा-शास्त्र विशेष केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	जी. मुखोपाध्याय	1. राकेश कुमार त्यागी	1. सुश्री साइमा ऐजाज़
2.	सी.के. मुखोपाध्याय	2. एस.के. धर	2. दीपांकर घोष

9. भौतिक विज्ञान संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	दीपक कुमार	1. एस. पटनायक	1. बृजेश कुमार
2.	आर. रामास्वामी		2. सुश्री तनूजा मोहन्ती
3.	अखिलेश पाण्डेय		3. प्रीतम मुखोपाध्याय
4.	ए.के. रस्तोगी		4. सोभन सेन
5.	एच.बी. बोहिदार		5. सुश्री आमला भावे
6.	संजय पुरी		6. कपिलांजन कृष्ण
7.	सुश्री रूपमंजरी घोष		
8.	शंकर प्रसाद दास		
9.	सुबीर कुमार सरकार		
10.	एस.एस.एन. मूर्ति		
11.	प्रसेनजीत सेन		
12.	सुभाशीष घोष		
13.	देबाशीष घोषाल		
14.	सुश्री रिद्दी शाह		

10. सामाजिक विज्ञान संस्थान

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	अंजन मुखर्जी(आरबीआई चेयर के अंतर्गत)	1. पी.के. झा	1. सुश्री अर्चना अग्रवाल
2.	सुश्री उत्सा पटनायक	2. सुब्रत गुहा	2. अशोक
3.	प्रभात पटनायक (सुखमोय चेयर के अंतर्गत)	3. विकास रावल	3. राजेन्द्र प्रसाद कुंडु
4.	रामप्रसाद सेन गुप्ता	4. सुजॉय चक्रवर्ती	
5.	दीपक नैय्यर		
6.	एस.के. जैन		
7.	अभिजीत सेन		
8.	सी.पी. चन्द्रशेखर		
9.	अरुण कुमार		
10.	सुश्री जयती घोष		
11.	पी.के. चौधरी		
12.	के.जी. दस्तीदार		
13.	सुगातो दासगुप्ता		

ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	दिलबाग सिंह (पुनर्नियुक्त 9.1.10 तक)	1. योगेश शर्मा	1. सुश्री आर. महालक्ष्मी
2.	सुश्री मृदुला मुखर्जी	2. इंदीवर काम्तेकर	2. हीरामन तिवारी
3.	आदित्य मुखर्जी	3. सुश्री राधिका सिंघा	3. सुश्री ज्योति अटवाल
4.	नीलाद्री भट्टाचार्य	4. सैयद नजफ हैदर	4. सुश्री संगीता दासगुप्ता
5.	कुणाल चक्रवर्ती	5. जोय एल.के. पचाऊ	
6.	सुश्री कुमकुम राय	6. नंदिता प्रसाद सहाय	
7.	भगवान सिंह जोश	7. अरविंद सिन्हा	
8.	तनिका सरकार	8. पीयूष एम.सी. (मालेकंदाथी)	
9.	रजत दत्ता	9. सुश्री सुप्रिया वर्मा	
10.	रणबीर चक्रवर्ती		
11.	सुश्री विजय रामास्वामी		
12.	सुश्री एच.पी. रे		
13.	सुचेता महाजन		
14.	जानकी नायर		

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	अमिताभ. कुन्डू	1. सच्चिदानन्द सिन्हा	1. डी.एन. दास
2.	सुश्री ए.एच. किदवई	2. अतुल सूद	2. पदमिनी पणि
3.	हरजीत सिंह	3. मिलाप चन्द शर्मा	3. सुश्री भास्वती दास
4.	असलम महमूद (पुनःनियुक्ति 9.11.09 तक)	4. दीपक कुमार मिश्रा	4. हिमांशु (अस्थायी)
5.	एस.के. थोरट	5. एस. श्रीकेश	
6.	एम.डी. विमूरी	6. सुश्री सुचरिता सेन	
7.	सुश्री सरस्वती राजू	7. मिलाप पुनिया	
8.	आर.के. शर्मा	8. सीमा बाथला	
9.	आर.एस. श्रीवास्तव	9. भूपेंद्र जुत्शी	
10.	पी.एम. कुलकर्णी	10. सुश्री अनुराधा बनर्जी	
11.	बलबीर सिंह बुटोला		
12.	अमरेश दुबे		

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	बलबीर अरोड़ा	1. सुश्री शेफाली झा	1. टी.जी. सुरेश
2.	सुश्री जोया हसन	2. मनिंदर नाथ ठाकुर	2. अजय गुडावर्थी
3.	आर.के. गुप्ता	3. सुश्री आशा सारंगी	3. अमीर अली
4.	सुश्री सुधा पई	4. अनुपमा राय	4. राजर्षि दासगुप्ता
5.	सुश्री गुरप्रीत महाजन		5. सुश्री रिंकू लांबा
6.	वी. रोड्रीग्स		
7.	गोपाल नारायण गुरु		
8.	पी.आर. कानूनगो		
9.	सुश्री विधु वर्मा		

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	वी.वी. कृष्णा		1. सरदिंदु भादुरी
2.	पी.एन. देसाई		2. रोहन डीसूज़ा
			3. माधव गोविंद

सामाजिक चिकित्सा-शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	के.आर. नायर	1. सुश्री रितु प्रिया मेहरोत्रा	1. सुश्री सुनीता रेड्डी
2.	मोहन राव	2. सुश्री संघमित्रा शील आचार्य	2. जी.पी. राजेशराव (अवकाश रिक्ति पर 6.1.2010 तक)
3.	सुश्री रामा वी. बारू	3. सुश्री रमिला बिष्ठ	
		4. राजीब दासगुप्ता	

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	नन्दू राम	1. सुश्री रेणुका सिंह	1. अमित के. शर्मा
2.	ऐहसानुल हक	2. वी. सुजाथा	2. गुर्रम श्रीनिवास
3.	आनन्द कुमार	3. विवेक कुमार	
4.	अविजित पाठक	4. हरीश नारायणदास	
5.	सुश्री तिपलुत नोंगब्री	5. सुश्री नीलिका मेहरोत्रा	
6.	सुश्री मैत्रेयी चौधरी	6. अंगमछा बिमल अकोइजाम	
7.	सुश्री एस. विश्वनाथन		
8.	रियाज़ पंजाबी		
9.	एस.एस. जोधका		
10.	सुश्री रोवेना तेरेसा रॉबिन्सन		

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	बी.के. खादरिया	1. सोमन चट्टोपाध्याय	1. अरविन्द कुमार मिश्रा
2.	दीपक कुमार	2. सुश्री मिनाती पाण्डा	2. परिमाला वी. राव
3.	ए.के. मोहन्ती	3. एस.एस. राव	
4.	सुश्री गीता बी. नाम्बिसन		
5.	ध्रुव रैना		

दर्शनशास्त्र केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2.	आर.पी. सिंह एस.पी. गौतम	1. भगत ओयनम 2. मनदीपा सेन	

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
		यागाति चिन्ना राव	

महिला अध्ययन कार्यक्रम

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
		सुश्री जी. अरुणियम	1. सुश्री जानकी अब्राहम (अस्थायी)

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2. 3.	एस.वाई. शाह एस.के. केजरीवाल एम.सी. पॉल	1. अजय कुमार	1. तदेपल्ली दोरा बाबू

11. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2.	सुश्री नीरजा गोपाल जयाल सुश्री अमिता सिंह	1. अमित प्रकाश	1. जयवीर सिंह 2. सुश्री जेनिफर जलाल 3. सुश्री प्रतीक्षा बक्शी

12. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	सुश्री इन्दिरा घोष	1. नरेंद्र सिंह साहनी 2. ए.एम. लिन 3. सुप्रतिम सेनगुप्ता 4. प्रदीप्ता बन्दोपाध्याय	1. ए. कृष्णमाचारी 2. लौकेश विग

13. संस्कृत अध्ययन केन्द्र

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1.	सुश्री शशि प्रभा कुमार	1. सी. उपेन्द्र राव 2. गिरीश नाथ झा 3. सन्तोष कुमार शुक्ल	1. रजनीश कुमार मिश्र 2. हरी राम मिश्र 3. राम नाथ झा

14. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

	प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. 2.	सुश्री पारुल दवे मुखर्जी एच.एस. शिव प्रकाश	1. सुश्री कविता सिंह 2. सुश्री बिष्णुप्रिया दत्त 3. सुश्री शुक्ला सावंत 4. सुश्री इरा भास्कर 5. सुश्री रंजनी मजूमदार 6. नमन पी. अहूजा	1. वाई.एस. अलॉन

ख. इमेरिटस/ऑनरेरी प्रोफेसर
(31.3.2009 के अनुसार)

इमेरिटस प्रोफेसर

I. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
1. प्रोफेसर एम.एस. राजन
2. प्रोफेसर आर.पी. आनन्द

II. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
1. प्रोफेसर नामवर सिंह
2. प्रोफेसर मोहम्मद हसन
3. प्रोफेसर के.एन. सिंह
4. प्रोफेसर एस. डे
5. प्रोफेसर एच.एस. गिल

III. जीवन विज्ञान संस्थान
1. प्रोफेसर पी.एन. श्रीवास्तव
2. प्रोफेसर आशिष दत्ता

IV. सामाजिक विज्ञान संस्थान
1. प्रोफेसर रोमिला थापर
2. प्रोफेसर बिपिन चन्द्रा
3. प्रोफेसर जी.एस. भल्ला
4. प्रोफेसर जी.के. चड्ढा
5. प्रोफेसर तापस मजूमदार
6. प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह
7. प्रोफेसर टी.के. ऊम्मन
8. प्रोफेसर डी. बनर्जी
9. प्रोफेसर अमित भादुरी

V. भौतिक विज्ञान संस्थान
1. प्रोफेसर आर. राजारमन

ऑनरेरी प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम	केन्द्र/संस्थान
1.	प्रो. मनमोहन सिंह	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
2.	प्रो. वाई.के. अलघ	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
3.	प्रो. एस.के. खन्ना	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
4.	प्रो. जे.एन. कपूर	कं.प.वि.सं.
5.	प्रो. एन.के. गांगुली	आ.चि.वि.के.

ग. 1.4.2008 से 31.3.2009 के दौरान नियुक्त शिक्षकों की सूची

प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र/संस्थान	कार्यारम्भ तिथि
1	प्रो. इन्दिरा घोष (सुश्री)	सू.प्रौ.सं.	09.04.2008
2	प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली	अं.अ.सं.	11.07.2008
3	प्रो. निवेदिता मेनन (सुश्री)	अं.अ.सं.	01.08.2008
4	प्रो. उमेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ	प.वि.सं.	09.08.2008
5	प्रो. राम बक्ष जाट	भा.सा.सं.अ.सं.	30.09.2008
6	प्रो. संगीता थपलियाल	अं.अ.सं.	21.10.2008
7	प्रो. एस.एस. जसवाल	अं.अ.सं.	25.11.2008
8	प्रो. रॉवेना तेरेसा रॉबिन्सन	सा.वि.सं.	01.12.2008
9	प्रो. ए.के. रामाकृष्णन	अं.अ.सं.	17.12.2008

एसोसिएट प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र/संस्थान	कार्यारम्भ तिथि
1	डॉ. रमिला बिष्ठ (सुश्री)	सा.वि.सं.	01.07.2008
2	डॉ. रितु अग्रवाल (सुश्री)	अं.अ.सं.	21.07.2008
3	डॉ. पद्मिनी मोंगिया (सुश्री)	भा.सा.सं.अ.सं.	21.07.2008
4	डॉ. अजीत कन्ना	भा.सा.सं.अ.सं.	01.08.2008
5	डॉ. दिनेश मोहन	प.वि.सं.	26.08.2008
6	डॉ. विवेक कुमार	सा.वि.सं.	29.08.2008
7	डॉ. हरीश नारायणदास	सा.वि.सं.	29.08.2008
8	डॉ. सत्यब्रत पटनायक	भौ.वि.सं.	18.08.2008
9	डॉ. आशा सारंगी (सुश्री)	सा.वि.सं.	08.09.2008
10	डॉ. मो. इकरामुद्दीन	भा.सा.सं.अ.सं.	22.09.2008
11	डॉ. अंगमचा बिमल अकोइजाम	सा.वि.सं.	01.10.2008
12	डॉ. अनुपमा रॉय (सुश्री)	सा.वि.सं.	15.10.2008
13	डॉ. सतीष चन्द्र गरकोटी	प.वि.सं.	25.10.2008
14	डॉ. खरत राजेश श्रीकृष्णन	अं.अ.सं.	06.11.2008
15	डॉ. संजय चक्रवर्ती	सा.वि.सं.	11.12.2008
16	डॉ. अभिजीत सेन गुप्ता	अं.अ.सं.	01.01.2009
17	डॉ. एन. जनार्दन राजू	प.वि.सं.	25.02.2009

सहायक प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र/संस्थान	कार्यारम्भ तिथि
1	डॉ. श्यामला मैत्रेयी	जै.प्रौ.सं.	11.04.2008
2	डॉ. स्वाती तिवारी (सुश्री)	जै.प्रौ.सं.	01.05.2008
3	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कुण्डू	सा.वि.सं.	14.05.2008
4	डॉ. नीति पुरी (सुश्री)	जी.वि.सं.	27.05.2008
5	डॉ. रंजना आर्य (सुश्री)	जै.प्रौ.सं.	02.06.2008
6	डॉ. एन. चन्द्र सेगरन	भा.सा.सं.अ.सं.	04.08.2008
7	डॉ. तूलिका प्रसाद (सुश्री)	यूसिक/वि.वि.यं.कें.	22.08.2008
8	डॉ. कविता अरोड़ा टक्कर (सुश्री)	यूसिक/वि.वि.यं.कें.	27.08.2008
9	डॉ. जी.पी. राजेशराव (अवकाश रिक्ति पर 06.01.2010 तक)	सा.वि.सं.	15.09.2008
10	डॉ. परिमाला वी. राव (सुश्री)	सा.वि.सं.	18.09.2008
11	अदिति सेन डे (सुश्री)	भौ.वि.सं.	03.12.2008
12	डॉ. मो. कुतबुद्दीन	भा.सा.सं.अ.सं.	23.12.2008
13	डॉ. राजर्षि दासगुप्ता	सा.वि.सं.	01.10.2008
14	डॉ. रिंकू लांबा (सुश्री)	सा.वि.सं.	06.10.2008
15	डॉ. हैप्पीमन जैकब	अं.अ.सं.	02.12.2008
16	डॉ. सुदीप मित्रा	प.वि.सं.	15.01.2009
17	डॉ. आमला भावे (सुश्री)	भौ.वि.सं.	01.01.2009
18	डॉ. तसेतन नामग्याल	अं.अ.सं.	04.02.2009
19	डॉ. कपिलांजन कृष्णन	भौ.वि.सं.	03.03.2009

घ. 1.4.2008 से 31.3.2009 के दौरान पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर अंतिम रूप से सेवानिवृत्त शिक्षक

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र/संस्थान	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	प्रो. ज्योतिंद्र जैन	क.सौं.सं.	04.06.2008
2	प्रो. आई.एन. मुखर्जी	अं.अ.सं.	09.09.2008
3	प्रो. एम.एन. पाणिनी	सा.वि.सं.	28.02.2009
4	प्रो. बृज गोपाल	प.वि.सं.	06.03.2009

च. 1.4.2008 से 31.3.2009 के दौरान त्याग–पत्र देने वाले शिक्षक

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र/संस्थान	त्यागपत्र देने की तिथि
1	प्रो. विभा सुराना (सुश्री)	भा.सा.सं.अ.सं.	15.12.2008
2	प्रो. डी.एन. राव	सा.वि.सं.	01.01.2009

छ. 1.4.2008 से 31.3.2009 के दौरान स्थायी हुए शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पदनाम	केन्द्र/संस्थान	स्थायीकरण तिथि
1	प्रो. पारुल दवे मुखर्जी	प्रोफेसर	क. और सौं.सं.	01.06.2006
2	प्रो. तुलसी राम	प्रोफेसर	अं.अ.सं.	26.12.2006
3	प्रो. मोहम्मद सिदिक नियाजमंद	प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	05.10.2007
4	डॉ. अजय कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.	02.08.2006
5	डॉ. मनिंदर नाथ ठाकुर	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.	18.08.2006
6	डॉ. सरबनी राय चौधुरी	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.	26.12.2006
7	डॉ. प्रीतम मुखोपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर	भौ.वि.सं.	29.12.2006
8	डॉ. अर्चना उपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं..	30.03.2007
9	डॉ. एस. सेनगुप्ता	एसोसिएट प्रोफेसर	सू.प्रौ.सं.	30.03.2007
10	डॉ. ऋचा सावंत	एसोसिएट प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	25.09.2007
11	डॉ. धीर सारंगी	एसोसिएट प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	14.09.2007
12	डॉ. अशोक प्रियदर्शन डीमरी	एसोसिएट प्रोफेसर	प.वि.सं.	08.01.2008
13	डॉ. मीनाक्षी सुन्दरियाल	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	20.12.2006
14	श्री गौरव कुमार	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	28.12.2006
15	श्री रंजन कुमार	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.	28.12.2006
16	डॉ. भासवती दास	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.	06.02.2007
17	डॉ. शरद कुमार सोनी	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.	28.02.2007
18	श्री कौशल कुमार	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.	22.02.2007
19	डॉ. नीरजा सिंह	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	21.02.2007
20	डॉ. एस. सेन	सहायक प्रोफेसर	भौ.वि.सं.	26.02.2007
21	डॉ. प्रीति सिंह	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.	27.02.2007 (दोपहर बाद)
22	श्री हरि माधब रे	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	26.03.2007
23	श्री गंगा सहाय मीना	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	02.04.2007
24	डॉ. ए. कृष्णमाचारी	सहायक प्रोफेसर	सू.प्रौ.सं.	21.05.2007
25	डॉ. आशु भान टिक्कू	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.	06.06.2007
26	सुश्री रूपा पोपली	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	02.07.2007
27	सुश्री यांकी मोदी	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	09.07.2007
28	डॉ. टी. डोरा बाबू	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.	12.09.2007
29	डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव	सहायक प्रोफेसर	प.वि.सं.	01.10.2007
30	श्री आशुतोष आनन्द	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	26.12.2007 (दोपहर बाद)
31	डॉ. धनंजय सिंह	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.	05.12.2007 (दोपहर बाद)

ज. 1.4.2008 से 31.3.2009 के दौरान स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	केन्द्र/संस्थान	स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्ति तिथि
1		प्रो. वसन्त जी गद्रे	भा.सा.सं.अ.सं. 01.08.2008

परिशिष्ट–III

शोध छात्रों को प्रदान की गई उपाधियां (1.4.2008 से 31.3.2009 तक)

पी–एच.डी.

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. सुश्री पायल पाहवा, "आन मल्टीपल मल्टीडाइमेंशनल क्यूब्स डिजाइनिंग ऐंड क्वेरींग", प्रो. एन. परिमाला, 10.06.2008
2. मोहम्मद याहया हैदी अल–सामरी, "फ्यूजी ऐंड जेनेटिक अलगोरीथम एप्रोचिज टु रिकामेंडर सिस्टम्स", प्रो. के.के. भारद्वाज, 6.10.2008
3. श्री रामपाल सिंह, "आन द एप्लिकेशन आफ स्पोर्ट वेक्टर मशीन ऐंड एक्स्ट्री लर्निंग मशीन मेथड्स फार रिग्रेशन ऐंड क्लासीफिकेशन प्राब्लम्स", प्रो. एस. बालासुन्दरम, 26.12.2008
4. श्री यासर महमूद अब्दुलहमीद हुसैन, "इनर्जी कंजरवेशन इन मोबाइल एडहाक वायरलेस नेटवर्क्स", डा. डी.के. लोबियाल, 14.01.2009

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

5. श्री परमानंद शर्मा, "मास बैलेंस ऐंड केमिकल करेक्ट्राइस्टिक्स आफ छोटा शिगरी ग्लेशियर–बी, लाहौल स्पिती वैली, हिमाचल प्रदेश", प्रो. ए.एल. रामनाथन, 15.4.2008
6. श्री विवेक राय, "रोल आफ हाइअल्युरोनन बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एचएबीपी 1) इन स्केलेटल मसल डिफरेंसिएशन", प्रो. कस्तूरी दत्ता, 26.6.2008
7. श्री अमित प्रकाश, "परफार्मेंस इवाल्युएशन आफ वेरियस मॉडलिंग एप्रोचिज फार प्रिडिक्टिंग कंसनट्रेशन आफ एयरपाल्यूमेंट्स इन दिल्ली", प्रो. वी.के. जैन, 02.07.2008
8. सुश्री रागिनी कुमारी, "एस्टीमेशन आफ ऑटोमोबाइल इमिशंस इन दिल्ली इन रिलेशन टु वेहिकुलर स्पीड ऐंड रिलेटिड एनवायरनमेंटल पॉलिसी", प्रो. अरूण के. अत्री, 22.07.2008
9. श्री उमेश कुमार सिंह, "पाथवेज आफ आर्सेनिक ऐंड अदर टॉक्सिक मेटल्स इन वाटर ऐंड सॉयल अराउंड राखा ऐंड मोसावनी माइन्स आफ झारखंड ऐंड एल्युवियल बेल्ट आफ वेस्ट बंगाल", प्रो. वी. सुब्रामणियन; और डा. ए.एल. रामनाथन, 30.07.2008
10. सुश्री कामना सचदेवा, "ए स्टडी आफ कार्बनेसियस एयरोसॉल्स इन दिल्ली", प्रो. अरूण के. अत्री, 6.10.2008
11. सुश्री तृप्ति अग्रवाल, "एक्युमुलेशन एनालिसिस आफ पॉलीसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकॉर्बन्स (पीएएचएस) इन सर्फेस सॉयल्स आफ दिल्ली रीजन", प्रो. पी.एस. खिलारे, 13.10.2008
12. सुश्री ऊषा मीणा, "इफेक्ट आफ ओजान स्ट्रेस आन डिफरेंट स्टेजिज आफ प्लांट ग्रोथ, यील्ड ऐंड फोलियर इमिशन आफ वीओसीएस इन सम क्राप प्लांट्स", प्रो. अरूण के. अत्री और प्रो. सी.के. वार्ष्णेय (संयुक्त निर्देशक), 25.11.2008
13. श्री अंकित टंडन, "स्टेटिस्टिकल एनालिसिस आफ ओजोन कॉलम ओवर इंडिया", प्रो. अरूण के. अत्री, 25.11.2008
14. सुश्री रीता चौहान, "बायोकेमिकल प्रोसेसिज इन भिटारकनिका मैनग्रोव इकोसिस्टम, ईस्ट कोस्ट आफ इंडिया", प्रो. ए.एल. रामनाथन, 1.12.2008
15. सुश्री अलिफाह वाई. कगालवाला, "इफेक्ट आफ हैवी मेटलसन माइक्रोबायल ग्रोथ ऐंड एक्टिविटी ड्यूरिंग द डिकंपोजीशन आफ वेटलैण्ड प्लांट्स", प्रो. बृज गोपाल, 8.12.2008
16. सुश्री अंजली सिंघल, "आप्टीमाइजेशन आफ प्रोसस पैरामीटर्स फार बायोपलपिंग ऐंड ट्रीटमेंट आफ पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लएंट", प्रो. आई.एस. ठाकुर, 17.12.08
17. श्री संदीप गुप्ता, "ए कंपेरेटिव स्टडी आफ पालिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकॉर्बन्स (पीएएचएस) ऐंड हैवी मेटल्स इन इनडोर ऐंड आउटडोर एनवायरनमेंट्स आफ दिल्ली", प्रो. वी.के. जैन, 29.12.2008

18. श्री कुमार सुरनजीत प्रसाद, "आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ आर्सेनिक आक्सीडाइजिंग बैक्टेरिया – एन अटेम्पट टु सॉल्व द आर्सेनिक प्राब्लम", डॉ. ए.एल. रामनाथन और डॉ. जयश्री पाटिल (सह–निर्देशक), 5.1.2009

19. श्री अनुराग लिंडा, "स्नो ऐंड आइस मास बजट आफ छोटा शिगरी ग्लेशियर, लाहौल स्पिती वैली", हिमाचल प्रदेश 2003–2007, डॉ. ए.एल. रामनाथन, 03.02.2009

जीवन विज्ञान संस्थान

20. सुश्री गीतांजली दास, "रैपिड आई मूवमेंट स्लीप डेप्रिवेशन इंक्रीजेज एनए–के. एटी पेस एक्टिविटी बाई नोराडरेनलाइन मेडिएटिड रिड्यूस्ड मेम्ब्रान लिपिड पेरॉक्सीडेशन ऐंड कैल्शियम इनफ्लक्स इन टु द न्यूरॉन्स आफ रैट ब्रेन", प्रो. बी.एन. मलिक, 17.7.2008

21. सुश्री रूचि जैन, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ कैल्शियम बाइंडिंग प्रोटींस ऐंड डायनेमिन लाइक प्रोटीन आफ एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका", प्रो. अलोक भट्टाचार्य, 6.11.2008

22. श्री अमर ज्योति, "एंटीएपिलेप्टिक एक्शन आफ करक्युमिन ऐंड एल–डेप्रेनिल आन आयरन इंड्यूस्ड एक्सपेरीमेंटल एपिलेप्टोजेनेसिस इन द ब्रेन आफ एजिंग रेट्स", डॉ. दीपक शर्मा, 11.12.2008

23. सुश्री संघमित्रा मिश्रा, "एन असेसमेंट आफ द रोल आफ एसजी 2 एन ए ऐंड एफ ओ एस वी इन हायरट्राफी आफ एच9 सी2 कार्डियाक मायोब्लास्ट्स", डा. श्यामल के गोस्वामी, 2.04.2008

24. श्री शैलेष गोछैत, "जीनोटाइपिक ऐंड एक्सप्रेशन स्टेटस आफ होमोलोगास रिकंबीनेशन – डबल स्ट्रांड ब्रेक (एच आर – डी एस बी) रिपेयर पाथवे जीन्स इन स्पोरेडिक ब्रेस्ट कैंसर पेशंट्स", प्रो. आर.एन.के. बामजेई, 2.4.2008

25. सुश्री बिमला सिंह, "कीमो मोड्यूलेटरी पोटेंशल आफ ट्राचीस्परयम एमी ऐंड फोइनीकुलम वलगरे आन म्युरिन स्कीन ऐंड फारस्टमक पेपिलोमेगेनेसिस", प्रो. आर.के. काले, 8.4.2008

26. सुश्री एस. नंदिनी, एनालिसिस आफ द रेग्यूलेशन आफ विजिलिन ऐंड एसजी2 एन ए ड्यूरिंग चिक कॉर्डियाक डिवलपमेंट, प्रो. श्यामल के. गोस्वामी, 12.12.2008

27. श्री राणा प्रताप सिंह, "फंक्शनल जीनोमिक्स आफ बी जिप ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेटर्स इन कैंडिडा अल्बीकंस", डॉ. के. नटराजन, 29.12.2008

28. श्री हिमांशु के. प्रसाद, "जीनोम वाइड आइडेंटीफिकेशन आफ ट्रांसक्रिप्शनल रेग्यूलेटर्स ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन इन केंडिडा अल्बीकेंस", डॉ. के. नटराजन, 29.12.2008

29. श्री रवि राजवंशी, "डिवलपमेंट आफ अबायोटिक स्ट्रेस टालरेंट ब्रासिका जुंसिया विद ग्लाइआक्सेलेज 1 ऐंड ग्लाइआक्सेलेज 2 जीन्स अंडर इनड्यूसीबल/कांस्टीट्यूटिव प्रोमोटर्स यूजिंग पीएमआई ऐंड क्रे–लाक्स सिस्टम", प्रो. नीरा भल्ला सरीन, 31.12.2008

30. श्री सिद्धार्थ दत्ता, "रेग्यूलेशन आफ क्लोरोप्लास्ट बायोजेनेसिस ऐंड प्रोटीन इम्पोर्ट", प्रो. बी.सी. त्रिपाठी, 02.02.2009

31. श्री नरेन्द्र पधान, "आइडेंटीफिकेशन, करेक्ट्राइजेशन ऐंड स्ट्रक्चरल स्टडीज आफ सलेक्टिड कैल्शियम बाइंडिंग प्रोटींस आफ एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका", प्रो. अलोक भट्टाचार्य, 12.02.2009

32. श्री रमन मनोहरलाल, "डिफरेंशल रेग्यूलेशन आफ मल्टीड्रग रेसिस्टेंस जीन (स) इन द क्लीनीकल आइसोलेट्स आफ पैथोजेनिक यीस्ट केंडिडा अल्बीकेंस", प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, 24,02.2009

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

33. श्री आनंद कुमार वर्मा, "एनालिसिस आफ एक्सप्रेशन आफ ह्यूमन पी35 ऐंड पी40 जीन्स ऐंड देयर असेम्बली टु फोर्म बायोएक्टिव इंटरल्युकिन–12 इन ए ममोलियन सेल लाइन ऐंड इट्स बायोरिएक्टर आप्टिमाइजेशन इन कल्चर", डॉ. एस.एस. मैत्रा और प्रो. एस.के. कार (सह निर्देशक), 04.08.2008

34. सुश्री शुची मिढ़ा, "जनरेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ डीएनए वैक्सिन अगेंस्ट एंथ्रेक्स इनेबलिंग डिलिवरी आफ प्रोटेक्टिव एंटिजन (पीए 63) टु एप्रोप्रिएट प्रोसेसिंग पाथवेज", प्रो. राकेश भटनागर, 02.02.2009

35. श्री सौरभ सिंह, "द इफेक्ट आफ साल्वेंट एनवायरनमेंट आन द स्टेबिलिटी, फोल्डिंग ऐंड एग्रेगेशन आफ ह्यूमन डी क्रिस्टेलिन", प्रो. राजीव भट्ट, 2.2.2009

36. श्री सुजीत कुमार, "इफेक्ट आफ पोलर एप्रोटिक साल्वेंट्स आन द स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स आफ प्रोटींस : ए केस स्टडी आफ जाइलेनेज इन डीएमएसओ – वाटर मिक्सचर्स" डॉ. देवप्रिय चौधरी और प्रो. के.जे. मुखर्जी (सह निर्देशक), 30.03.2009

भौतिक विज्ञान संस्थान

37. श्री इन्द्रजीत नायक, "ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टीज आफ सम नियोबियम ऐंड वेनेडियम कैलकोजिनाइड कंपाउंडस : जीएएक्स एनबीएसई 2 सीयू (जैडएन) वी2एस4 ऐंड जीए (सीयू) वी4एस8", प्रो. अशोक कुमार रस्तोगी, 23.4.2008
38. श्रीमती रूचि अग्रवाल, "एक्सपेरीमेंट्स विद आर्गेनिक मोलक्यूलर सेमीकंडक्टर्स : मैकेनिज्म आफ चार्ज कैरियर ट्रांसपोर्ट", प्रो. सुभाशीष घोष, 28.4.2008
39. श्री संतोष जी, "एनोमेलस थर्मल कंडक्शन इन वन डाइमेंशन", प्रो. आर. रामास्वामी, 20.06.2008
40. श्री सैयद रशीद अहमद, "डायनेमिकल प्रोपर्टीज आफ ग्रेनुलर मैटेरियल्स", प्रो. संजय पुरी, 1.07.2008
41. श्री अमिताभ नंदी, "ए पीरियोडिक, पीरियोडिक ऐंड स्टोकेस्टिक ड्राइविंग : सिंक्रोनाइजेशन ऐंड कंट्रोल इन नानलिनियर सिस्टम्स", प्रो. आर. रामास्वामी, .6.08.2008
42. श्री सुनील प्रताप सिंह, "स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स आफ द इम्परफैक्ट क्रिस्टल ऐंड अमोरफस सालिड", प्रो. शंकर प्रसाद दास, 30.09.2008
43. श्री जमील अख्तर, "ए स्टडी आफ एमई वी आयन इरेडिएशन इनड्यूस्ड रिआर्डर्ड स्ट्रक्चर इन क्रिस्टेलाइन सिलिकान ऐंड इट्स डिवाइस इंप्लिकेशंस", प्रो. प्रसेनजीत सेन, 5.11.2008
44. सुश्री वंदना, "ए स्टडी आफ कंसेंट्रिक रिंग पैटर्न फॉर्मेशंस इन नीडल–प्लेट एक्सप्लोडिंग सिस्टम्स", प्रो. प्रसेनजीत सेन, 3.12.2008
45. श्री सोमदत्त कौशिक, "इफेक्ट्स आफ पिनिंग डिसआर्डर आन मल्टीबैंड ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टीज आफ सुपरकंडक्टिंग मैग्नेशियम डिबोरिड", डॉ. सत्यब्रत पटनायक, 6.02.2009
46. श्री ओम प्रकाश, "प्लुओरेसेंस प्रोपर्टीज आफ एल्युमिनियम, कॉपर, आयरन ऐंड सिल्वर मैनोपार्टीकल्स", प्रो. प्रसेनजीत सेन, 11.02.2009
47. सुश्री जोयी घोष, "कोहरेंट मैनीपुलेशन ऐंड स्टोरेज आफ लाइट इन थ्री–लेवल एटोमिक मीडिया", प्रो. रूपमंजरी घोष, 25.03.2009

संस्कृत अध्ययन विशेष केन्द्र

48. श्रीमती शारदा नारायणन, "कंसेप्ट आफ जति ऐंड द्रव्य विद स्पेशल रिफरेंस टु वाक्यापदीय", डॉ. हरिराम मिश्र, 15.04.2008

आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र

49. सुश्री वंदना कुमारी सिंह, "अल्टरेशन आफ माइक्रोफेजिज जीन एक्सप्रेशन ड्यूरिंग लीशमानिया डोनोवानी इनफेक्शन", प्रो. सी.के. मुखापाध्याय और प्रो. आर. मधुबाला (संयुक्त पर्यवेक्षक), 22.09.2008
50. श्री नरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, "माड्यूलेशन आफ एंड्रोजन रिसेप्टर फंक्शन बाई एंडोक्राइन डिसरप्टर्स", डॉ. राकेश के. त्यागी, 28.01.2009

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

51. श्री उमेश चन्द्र झा, "मिलिट्री जस्टिस सिस्टम्स इन इंडिया", प्रो. नीरजा गोपाल जयाल, 30.07.2008
52. सुश्री रूचि पंत, "प्रोटेक्शन ऐंड इम्पावरमेंट आफ इंडीजीनस प्लांट ब्रीडर कम्युनिटीज इन इंडिया", प्रो. अमिता सिंह, 5.11.2008
53. सुश्री राजश्री चन्द्र अहुजा, "इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स ऐंड द पालिटिक्स आफ नॉलेज : क्वेश्चंस आफ नालेज, प्रोपर्टी ऐंड राइट्स", प्रो. नीरजा गोपाल जयाल, 06.03.2009

कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

54. श्री रियु जू–यीओल, ए स्टडी आन एक्टर प्रीप्रेशन आफ कनटेम्पोरेरि इंडियन थिएटर – द यूज आफ द स्टेनीस्लावेस्की सिस्टम ऐंड द न्यायशास्त्र इन प्रोफेशनल एक्टर ट्रेनिंग, डा. बिष्णुप्रिय दत्ता, 28.11.2008

सामाजिक विज्ञान संस्थान

55. श्री क्षेत्री राजीव सिंह, "लार्ज डेम्स ऐंड द पालिटिकल डायनेमिक्स इन नार्थीस्ट इण्डिया : एन एक्सप्लोरेशन थ्रू द केस आफ मणिपुर", प्रो. वी. रोड्रीग्स, 4.4.2008
56. सुश्री सीमा मलिक, "वैश्नवीज्म ऐंड वैश्नव पिलग्रिमेज सेंटर्स इन मध्य प्रदेश ऐंड छतीसगढ़ (ए.डी. 600–1300)", प्रो. विजय रामास्वामी, 9.4.2008
57. श्री सुरेन्द्र गिरी, "ए स्टडी आफ द टुबरक्लोसिस प्रोग्राम इन नेपाल : ए सिस्टम्स पर्सपेक्टिव", डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 09.04.2008
58. सुश्री केशाम राजश्री, "मैरिज रिचुअल्स ऐंड किनशिप सिस्टम्स अमंग द मैइतीज आफ मणिपुर : ए सोशिओलजिकल स्टजी", डॉ. अमित कुमार शर्मा, 9.4.2008
59. श्री प्रद्युम्न बाग, "डिवलपमेंट ऐंड द रिप्रोडक्शन आफ ड्राट : ए सोशिओलाजिकल स्टडी आफ द इफेक्ट्स आफ गवर्नमेंट पालिसिस इन कालाहाण्डी (उड़ीसा)", प्रो. एम.एन. पाणिनी, 16.4.2008
60. सुश्री कंचारला वेलेंटिना, "मेस्क्युलिनीटिज ऐंड वाइफ बेट्रींग : ए सोशिओलाजिकल स्टडी आफ अपर कास्ट्स ऐंड दलित्स इन रूरल आंध्र प्रदेश", डा. रेणुका सिंह, 16.4.2008
61. श्री कपिला खेमुंडु, "इण्डियन सोशिओलाजी ऐंड इट्स इंगेजमेंट विद वेल्युज–ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ सलेक्ट डिसकोर्सिस", प्रो. आनन्द कुमार, 25.4.2008
62. सुश्री रूपा बासु, "डिस्ट्रिबुशनल आसपेक्ट्स आफ वाटर पोल्यूशन कंट्रोल प्रोग्राम्स : ए केस स्टडी आफ एन–सी.टी. दिल्ली", प्रो. डी.एन. राव, 05.05.2008
63. श्री फायक अबेदेल रहमान अली आकयलेह, "इकानोमिक्स आफ ओपननेस ऐंड ईट्स इंप्लिकेशंस फार ग्रोथ ऐंड इंप्लायमेंट : ए केस स्टडी आफ जार्डन (1970–2003)", प्रो. जयती घोष, 15.5.2008
64. श्री मरियादास अल्फ्रेड, "एन एनालिसिस आफ द चैंजिंग पैटर्न आफ सेविंग्स ऐंड इनवेस्टमेंट इन श्रीलंका (1961–2000)", प्रो. अरूण कुमार, 15.5.2008
65. सुश्री सबिता सिंह, "द इंस्टीट्यूशन आफ मैरिज इन मिडिवल राजस्थान", प्रो. दिलबाग सिंह, 01.5.2008
66. श्री मनीष प्रियदर्शी, "माइग्रेशन पैटर्न, लेवल आफ इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड एक्सेस टु हैल्थ केयर सर्विसिज इन स्लेक्टिड स्लम्स इन दिल्ली", प्रो. असलम महमूद, 1.5.2008
67. श्री अमित कुमार सिंह, "पैटर्नस ऐंड प्रोसेस आफ अर्बन डिवलपमेंट इन झारखण्ड : ए केस स्टडी आफ राँची सिटी", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 1.5.2008
68. सुश्री रेशमी बनर्जी, "फूड सिक्युरिटी इन ए फेडरल पोलिटी : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ पंजाब ऐंड वेस्ट बंगाल", प्रो. बलवीर अरोड़ा, 2.5.2008
69. श्री अनिल कुमार राय, "एनवायरनमेंटल ऐंड सोशल इम्पेक्ट असेसमेंट आफ पोर्ट सिटीज : केम्पेरिटीव केस स्टडी आफ कांडला इन इण्डिया ऐंड हेलिफाक्स इन कनाडा", प्रो. अतिया हबीब किदवई, 6.5.2008
70. श्री गुरुमयूम अमरजीत शर्मा, "कल्चरल रिप्रजेंटेशन ऐंड पालिटिक्स आफ कम्युनिटी रिथिंकिंग आइडेंटिटी फार्मेशन इन द नार्थ–ईस्ट रीजन आफ इण्डिया", प्रो. जोया हसन, 27.5.2008
71. श्री सदानंद मित्रा, "रिप्रोडेक्टिव मार्बिडिटी इन बंगलादेश : पैटर्नस, डिटर्मिनेंटस ऐंड ट्रीटमेंट सीकिंग बिहेवियर इन ढाका डिस्ट्रिक्ट", प्रो. सुदेश नांगिया, 28.5.2008
72. श्री देबासिस गिरी, "माइनारिटी आइडेंटिटी इन ए रूरल सेटिंग : ए कम्पेरिटीव स्टडी आफ टु विलेजिस इन उड़ीसा", प्रो. दीपांकर गुप्ता, 3.6.2008
73. सुश्री अर्चना प्रसाद, "लेबर रिओर्गेनाइजेशन ऐंड सोशल कम्प्लाएंस आडिट : ए स्टडी आफ गार्मेंट फैक्टरीज इन नोएडा ऐंड गुड़गाँव", प्रो. मैत्रीयी चौधरी, 9.7.2008

74. श्री बोधीस्त्वा कार, "फ्रेमिंग असम : प्लांटेशन कैपिटल, मेट्रोपालिटन नालेज ऐंड ए रिजीम आफ आइडेंटिटीज 1790–1930", प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य, 11.7.2008

75. श्री प्रशांत शुक्ल, "फ्राम डायलेक्टिक टु कम्युनिकेटिव एक्शन : ए क्रिटिकल ऐंड कम्पेरिटिव स्टडी आफ कांट, हेगल ऐंड हेबरमास", प्रो. आर.पी. सिंह, 11.7.2008

76. सुश्री मल्लिका, "एज्यूकेशन आफ तिब्बतन रेफ्यूजीज इन इण्डिया : इश्युज आफ कल्चर, एथनिक आईडेंटिटी ऐंड अपरच्युनिटी", प्रो. गीता बी. नाम्बिसन, 2.7.2008

77. सुश्री अंजलि भाटिया, "फूड ऐंड आइडेंटिटी : ए सोशिओलाजिकल स्टडी आफ सलेक्ट कलिनरी प्रैक्टिसिस", प्रो. अविजित पाठक, 15.7.2008

78. श्री अकरम घादिमी, "ग्लोबलाइजेशन, नान–गवर्नमेंटल आरगेनाइजेशन्स ऐंड ह्यूमन'स राइट्स : ए कम्परिटिव स्टडी आफ ईरान ऐंड इण्डिया" डा. शेफाली झा, 30.7.2008

79. सुश्री सुश्री पाणिग्राही, "कल्चरल कंसिक्वेंसिस आफ फोर्सड माइग्रेशन : ए स्टडी आफ कश्मीरी पंडित्स इन द कैम्पस इन दिल्ली", प्रो. मैत्रयी चौधुरी, 5.8.2008

80. सुश्री अमृता वांगू, "द रोल आफ नेटवर्किंग इन गुड गवर्नेंस इन सिविल सोसायटी : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ सलेक्टिड वालेंट्री आरगेनाइजेशंस वर्किंग इन द फील्ड आफ एनवायरनमेंट ऐंड हैल्थ इन द सिटी आफ दिल्ली", प्रो. मैत्रयी चौधुरी, 7.8.08

81. श्री क्षेत्रीमायुम इकोकांता सिंह, "द सोशल डायनेमीज्म आफ शुमंग लीला आफ मणिपुर : ए सोशिओलाजिकल एनालिसिस आफ सम आफ इट्स कंटेम्पोरेरी मेनिफेस्टेशन", प्रो. सुसान विश्वनाथन, 8.8.2008

82. श्री संजय कुमार साहा, स्टाक मार्किट वेल्युएशन ऐंड कार्पोरेट इनवेस्टमेंट : ए स्टडी आफ द इण्डियन इकानामी इन द पोस्ट लिबरलाइजेशन पीरियड, प्रो. प्रभात पटनायक, 18.8.2008

83. सुश्री स्निग्धा सिंह, "जेंडर रिलेशंस इन रीजनल कनटेक्स्ट्स : ए स्टडी आफ अर्ली हिस्टोरिकल वोटिव इंसक्रिप्शंस (सैकिंड सेंचुरी बी.सी.ई.)", डा. कुमकुम राय, 29.08.2008

84. सुश्री रूपा रानी टी.एस., "वैल्युज इन सैकेंड्री स्कूल साइसिंस एज्यूकेशन : एन एनालिसिस आफ करिकुलर आब्जेक्टिव्स ऐंड पर्सेपशंस आफ टीचर्स ऐंड स्टुडेंट्स", प्रो. अजीत कुमार मोहन्ती, 28.08.2008

85. श्री शक्ति कुमार, "डिमाण्ड फार एग्रीकल्चरल क्रेडिट इन उत्तर प्रदेश : ए केस स्टडी आफ फैजाबाद डिस्ट्रिक्ट", प्रो. आर.के. शर्मा, 3.9.2008

86. श्री इंद्रानील डे, "फिश्कल डिसंट्रेलाइजेशन ऐंड एक्सेस टु बेसिक सर्विसिस इन रूरल इण्डिया विद रिफ्रेंस टु वाटर सप्लाई ऐंड सेनिटेशन इन वेस्ट बंगाल", प्रो. रवि श्रीवास्तव, 3.9.2008

87. श्री सुरेंद्र मोहन मिश्र, "एग्रीकल्चर ऐंड एनवायरनमेंट : ए स्टडी आफ द डिबेट्स इन द सेंट्रल लेजीस्लेचर आफ इण्डिया : 1937–1957", प्रो. दीपक कुमार, 05.9.2008

88. सुश्री श्वेता गौड, द डिवलपमेंट आफ डेजर्ट टूरिज्म ऐंड इट्स इनफ्लुऐंस आन स्माल स्केल इंडस्ट्रीज ऐंड हेंडिक्राफ्ट्स : ए केस स्टडी आफ वेस्टर्न राजस्थान, प्रो. एम.एच. कुरेशी, 4.9.2008

89. सुश्री बीना राय, "द पैटर्न आफ यूटिलाइजेशन आफ मेटर्नल ऐंड चाइल्ड हैल्थ सर्विसिज इन नेपाल", प्रो. सुदेश नांगिया, 19.9.2008

90. सुश्री स्नेहा, "द पालिटिक्स आफ लैंग्यूवेज ऐंड आइडेंटिटी इन हायर एज्यूकेशन : पंडित मदन मोहन मालवीय ऐंड द एस्टेब्लिसमेंट आफ बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी", डा. ध्रुव रैना, 12.9.2008

91. सुश्री बिजॉय राय, "प्राइवेट इनवेस्टमेंट इन पब्लिक सेक्टर मैडिकल केयर इंस्टीट्यूशंस : ए स्टडी आफ प्रोसेसिस इन टेरटरी ऐंड सैकेंड्री लेवल केयर इन सिक्स डिस्ट्रिक्ट्स आफ वेस्ट बंगाल", प्रो. इमराना कादिर और डा. रितु प्रिय मेहरोत्रा, 24.9.2008

92. सुश्री रंजीता डान, "सेल्फ–एस्टीम, एडजेस्टमेंट ऐंड अकादमिक अचीवमेंट आफ ब्लाइंड स्टुडेंट्स इन इंटिग्रेटिड ऐंड नान–इंटिग्रटिड स्कूल्स", प्रो. ए.के. मोहन्ती, 24.9.2008

93. श्री सुमेल सिंह सिद्दु, "कनटेस्टिंग वीजन आफ सिख आइडेंटिटी इन पंजाब : 1800–1930", प्रो. भगवान एस. जोश, 22.09.2008

94. श्री शरद रंजन, "डिटर्मिनेंट्स आफ रूरल नान–फार्म इम्प्लायमेंट : ऐन एसेसमेंट बेस्ड आन विलेज स्टडीज इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश", प्रो. सी.पी. चंद्रशेखर, 20.10.2008

95. सुश्री परमीता मुखर्जी, "इनडोर एयर पोल्युशन ऐंड हैल्थ : इफेक्ट आफ कुकिंग स्मोक आन रेस्पिरेट्री इनफेक्शंस इन स्लम आफ दिल्ली", डा. एस. सिन्हा, 20.10.2008

96. सुश्री स्मिथा राज, "द रोल आफ स्टेट इन द प्रोविजनिंग आफ रूरल क्रेडिट इन द इरा आफ लिबरलाइजेशन : ए स्टडी आफ रीजनल रूरल बैंक्स ऐंड माइक्रो क्रेडिट सेल्फ हैल्प ग्रुप्स इन कर्नाटका", डा. प्रवीण झा, 20.10.2008

97. सुश्री नीरजा सिंह, "द 'राइट' ऐंड द राइट बिग पालिटिक्स इन द कांग्रेस 1934–1948", प्रो. आदित्य मुखर्जी 20.10.2008

98. श्री पंकज दीप, "इम्प्लिमेंटेशन आफ ट्राइबल डिवलपमेंट पालिसीज : ए स्टडी आफ द ट्राइबल सब–प्लान इन जी उद्यागिरि ऐंड काशीपुर ब्लाक्स इन उड़ीसा", प्रो. प्रलय कानूनगो, 3.11.2008

99. श्री मैथ्यू जार्ज, "इंटर प्रेटिंग फीवर टाइप केयर इन केरला'स सोशियो–कल्चरल कंटेक्स्ट", डा. अल्पना डी. सागर और डा. हरीश नारायण दास, 03.11.2008

100. सुश्री कमला दौलाखण्डी भारद्वाज, "सेल्फ, सोशिओलाइजेशन ऐंड लीडरशिप : ए स्टडी आफ वुमन ऐंड द एंटी–लीकर मूवमेंट इन उत्तरांचल", डा. मिनाती पांडा, 10.11.2008

101. श्री जनजीनी बी.एन., "एपिस्टेमोलाजी आफ कामन मैथमेटिकल नालेज : ए स्टडी आफ जाम्बियन चिल्ड्रन'स आउट आफ स्कूल ऐंड इन–स्कूल मैथमेटिक्स प्रैक्टिसिज", डा. मिनाती पाण्डा, 28.11.2008

102. सुश्री शरीना बानू सी.पी., "एज्यूकेशन ऐंड आइडेंटिटी कंस्ट्रक्शन अमंग मुस्लिम्स इन केरला : ए स्टडी आफ स्लेक्ट स्कूल्स इन मालाप्पुरम डिस्ट्रिक्ट", प्रो. अविजित पाठक, 3.12.2008

103. सुश्री लक्ष्मी आर्य, "रेप लाज ऐंड ट्रायल्स इन क्लोनिअल टाइम्स (ब्रिटिश इण्डिया ऐंड द प्रिंसली स्टेट आफ मैसूर, 1860–1947", प्रो. तनिका सरकार, 03.12.2008

104. श्री अनिल प्रसाद, "द प्राब्लम आफ आरिजन : द पालिटिक्स आफ इंडिजिनिएटी इन पोस्ट–1830 ब्रिटिश गुइआना", प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य, 3.12.2008

105. मुरारी कुमार झा, "द सोशल ऐंड इकोनामिक वर्ल्ड आफ इण्डियन मर्चेंट्स इन मीडिवल गुजरात," डा. योगेश शर्मा, 05.12.2008

106. सुश्री मनु चतुर्वेदी, "एंग्रो–इंडस्ट्रियल लिंकेजिस इन उत्तर प्रदेश : ए केस स्टडी आफ शुगर ऐंड इडिबल आयल इंडस्ट्रीज", प्रो. एम.एच. कुरेशी, 15.12.2008

107. सुश्री अजयल्यु न्युमई, "नान गवर्नमेंटल आरगेनाइजेशंस (एन.जी.ओ'स) ऐंड डिवलपमेंट : ए सोशिओलाजिकल स्टडी आफ स्लेक्टिड एन.जी.ओ.'स इन मणिपुर", प्रो. एम.एन. पाणिनी, 30.12.2008

108. श्री बर्टन क्लीटस, इंडिजिनस ट्रेडिशंस ऐंड प्रैक्टिसिस इन मेडिसिन ऐंड द इम्पेक्ट आफ क्लोनिअलिज्म इन केरला 1900–1950, प्रो. सुचेता महाजन और डा. हरीश नारायणदास, 06.02.2009

109. सुश्री लीला पी.यू., रिलिजस, बीलीफस ऐंड मेडिकल प्रेक्टिसिस : ए सोशिओलाजिकल स्टडी आफ अष्टावैद्यास आफ केरला, डा. अमित कुमार शर्मा, 23.01.2009

110. श्री संजय गर्ग, हिस्ट्री आफ द करंसी लेजिस्लेशंस आफ द ईस्ट इण्डिया कम्पनी, 1772–1835, प्रो. आदित्य मुखर्जी, 06.02.2009

111. सुश्री मंदिरा मुखर्जी, "बासमती राइस कल्टीवेशन इन इण्डिया अंडर ए ग्लोबलाइज्ड ट्रेड रिजीम", प्रो. आर.के. शर्मा और डा. रमेश चंद, 11.02.2009

112. सुश्री अनीता, "एज्यूकेशनल अटेनमेंट ऐंड आक्युपेशन आफ वुमन इन हरियाणा (ए जिओग्राफिकल एनालिसिस)", प्रो. ए. मोहम्मद और प्रो. सुदेश नांगिया, 23.02.09

113. सुश्री आर. उमा महेश्वरी, आइडेंटिटीज इन कनफ्लिक्ट : जैनिज्म इन अर्ली तमिलाकम, प्रो. कुणाल चक्रवर्ती, 26.02.2009

114. श्री ईश्वर सिंह, "फेजिस ऐंड टाइमिंग आफ ग्लेशिएशन इन द भागिरथी वेली, उत्तरांचल", डा. मिलाप चंद शर्मा, 23.02.2009

115. सुश्री रीना कनौजिया, ए क्रिटिकल ऐंड कम्पेरिटीव स्टडी आफ डाक्ट्राइन आफ आत्मा इन शंकराचार्य ऐंड स्प्रिट (जीआईईएसटी) इन जीडब्ल्यूएफ हेगल, प्रो. आर.पी. सिंह, 9.3.2009

116. श्री जंगखोमंग गुइटे, "कैथोलिक्स इन ए प्रोटेस्टेंट एनक्लेव : द कैथोलिक्स कम्युनिटी ऐंड द इंगलिश कम्पनी इन मद्रास, 1640–1730 एडी", डा. योगेश शर्मा, 13.02.2009
117. सुश्री चियोका तोरी, "ए कम्पेरिटिव स्टडी बिटवीन इण्डियन ऐंड जेपनीज प्रोस्टिच्युशन", प्रो. योगेन्द्र सिंह (सह निर्देशक), 26.02.2009
118. श्री महेश प्रताप सिंह, "कांट्रेक्ट फार्मिंग ऐंड इमर्जिंग अग्रेरियन स्ट्रक्चर : द केस आफ पंजाब", डा. सुचरिता सेन, 17.3.2009
119. श्री नोबूयोशी कोजिमा, पीजेंट फार्मेशंस इन ए रीजनल डेलिनिएशन : गेंगेटिक बिहार ऐंड द इस्टर्न यूनाइटिड प्रोविंसिस, 1900–1947, प्रो. भगवान एस. जोश, 31.3.2009

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

120. सुश्री मोनिका चेनसोरिया, "यू.एस. रिस्पोंस टु चाइना'स न्यूक्लियर ऐंड मिसाइल प्रोलिफिरेशन 1993–2003", डा. चिंतामणि महापात्रा, 10.04.2008
121. सुश्री सरला जैन, "आसियान ऐंड कम्बोडिया : एन एनालिसिस आफ कनफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड पीस कीपिंग, 1987–2003", प्रो. गंगनाथ झा, 10.4.2008
122. सुश्री मल्लिका जोसफ, "इंटरनेशनल कोआप्रेशन आन प्रिवेंशन आफ क्राइम : ए स्टडी आफ इंटरपोल", प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति, 29.04.2008
123. श्री रणविजय, "स्टेट पालिसी, रिर्सोस सकेयरसिटी ऐंड वायलेट कनफ्लिक्ट : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ चितागोंग हिल ट्रेक्ट्स ऐंड द गाजा स्ट्रिप", प्रो. वरूण साहनी, 29.04.2008
124. श्री अजिताभ, "अफगानिस्तान ऐंड सेंट्रल एशियन रिपब्लिक्स : ए स्टडी आफ बाइलेट्रल रिलेशंस ड्यूरिंग द तालिबान पीरियड", प्रो. के. वारिकु, 16.04.2008
125. श्री सुमंत रागला, "यू.एस. रिलेशंस विद कनाडा इन द पोस्ट–कोल्ड वार इरा : ए स्टडी आफ सिक्योरिटी, इकोनोमिक ऐंड एनवायरनमेंटल इश्युज, 1990–2004", डा. चिंतामणि महापात्रा, 18.4.2008
126. सुश्री वीरागोनी श्रीशा, "द ह्यूमेनिटेरियन रोल आफ इंटरनेशनल रिलीफ एजेंसीस इन श्रीलंका'स एथनिक कनफ्लिक्ट सिंस 1983", प्रो. पी. सहदेवन, 22.4.2008
127. श्री मनोरंजन पटनायक, "कोर्पोरेट गवर्नेंस, प्रोडक्ट मार्किट कम्पीटिशन ऐंड फर्म परफार्मेंस : ए स्टडी आफ इण्डियन कर्पोरेट सेक्टर", प्रो. मनोज पंत, 23.04.2008
128. श्री प्रकाश चंद्र झा, "कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव्स आन फिस्कल फेडरलीज्म इन ब्राजील, कनाडा ऐंड इण्डिया : ए स्टडी इन इंटर–गवर्नमेंटल ट्रांसफर्स", प्रो. अब्दुल नफे, 7.5.2008
129. श्री महेश कुमार चाउलागी, "बैलेंस आफ प्रोब्लम्स बिटवीन इण्डिया ऐंड नेपाल", प्रो. आई.एन. मुखर्जी, 2.6.2008
130. सुश्री अमृता डे, "सी पायरेसी ऐंड मेरिटाइम टेररीज्म इन साउथीस्ट एशिया : इम्प्लिकेशंस फार रीजनल सिक्युरिटी इन पोस्ट कोल्ड वार पीरियड", डा. मनमोहिनी कौल, 2.6.2008
131. सुश्री सरोज रानी, "रीजनल इकोनोमिक इंटिग्रेशन : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ सेंट्रल एशियन ऐंड साउथ एशियन रीजंस", डा. ताहिर असगर, 6.6.2008
132. श्री जेम्स आर. रूओलंगुल, "पालिटिक्स आफ रीजनल इंटिग्रेशन इन द थर्ड वर्ल्ड : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ आसियान मर्कोसर और एस.ए.डी.सी.", प्रो. वरूण साहनी, 1.7.2008
133. श्री सरोज कुमार रथ, "यू.एस.–यू.के. स्पेशल रिलेशनशिप 1990–2003", प्रो. सी.एस. राज, 3.6.2008
134. श्री राजेश कपूर, "एन्टी–मिलेट्रीज्म ऐंड रीमिलेट्राइजेशन इन पोस्ट–कोल्ड वार जापान", डा. एच.एस. प्रभाकर, 15.7.2008
135. श्री जुबीन थामस जैकब, द प्रोविंसीज इन चाइना, रीजनलीज्म ऐंड ट्रांजेक्शनल लिंकेजिस सिंस द 1990'स, डा. अल्का आचार्य, 7.7.2008
136. सुश्री रंजना बाजपेई, "एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन ब्राजील'स अमेजन रीजन : ए क्रिटिकल स्पेशियल एनालिसिस", डा. एस.एस. देवड़ा, 2.5.2008

137. श्री अरविंद कुमार, "एज्यूकेशनल डिवलपमेंट इन रशिया, 1991–2004", डा. ताहिर असगर, 04.08.2008
138. श्री अरविंद बालाजी येलेरी, "चाइना'स पोस्ट कोल्ड वार, न्यू सिक्यूरिटी पैराडिग्म : ए केस स्टडी आफ इट्स पालिसी टुवर्डस वेस्ट एशिया", डा. डी. वाराप्रसाद शेखर, 5.8.2008
139. सुश्री जयश्री विवेकानंदन, "इण्डिया'ज स्ट्रेटिजिक प्रैक्टिस : ए केस स्टडी आफ मुगल ग्रैंड स्ट्रेटिजी, 1556–1605 आरगेनाइजेशन ऐंड डिसार्मामेंट", प्रो. राजेश राजगोपालन, 18.8.2008
140. श्री शैलेश कुमार चौरसिया, "पालिसी पोजिशंस विदिन द ग्लोबल साउथ आन इश्युज आफ ग्रीन हाऊस गैस इमिशन", डा. एस. मालावारपु, 20.08.2008
141. सुश्री शशिबाला, टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट'स क्वालिटी आफ वर्कफोर्स ऐंड लेबर मार्किट अबजार्ष्शन : ए केस स्टडी आफ इण्डिया, प्रो. मनोमोहन अग्रवाल और डा. संगीता बंसल, 08.09.2008
142. श्री मुकेश कुमार मिश्र, कांस्टिट्यूशनल डिवलपमेंट ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन कजाकिस्तान, 1991–2002, प्रो. के. वारिकु, 9.9.2008
143. श्री प्रणव कुमार, इण्डिया'स एनर्जी सिक्युरिटी : प्रोटेंशिएल आफ द गल्फ आफ गुइनिआ, प्रो. एस.एन. मालाकार, 3.9.2008
144. श्री फजुर रहमान सिद्दिकी, कंस्ट्रक्शन आफ कंसेप्ट आफ इस्लामिक स्टेट इन द राइटिंग आफ सैय्यद कुतब, प्रो. गुलशन डाइटल, 3.9.2008
145. श्री नीरज तोमर, टेररीज्म इन जिओस्ट्रेटिजी : ए केस स्टडी आफ पाकिस्तान'स एक्टिविटीज इन काश्मीर पंजाब ऐंड शिनजियांग, डा. एस.एस. देवड़ा, 3.9.2008।
146. श्री विनोद जे., इण्डिया'स पालिसी टुवर्ड्स द एन.आर.आई. कम्युनिटी इन यू.एस. सिंस 1998, प्रो. उमा सिंह, 3.9.2008
147. श्री अमित्व चौधरी, ई–कामर्स बेस्ड एप्लीकेशंस : सलेक्टिड स्टडीज इन इण्डिया ऐंड बंगलादेश, प्रो. आई.एन. मुखर्जी, 06.1.2008
148. श्री चंदर भान यादव, यू.एस. स्ट्रेटिजी इन क्लाइमेट चैंज नैगोसिएशंस सिंस क्यातो प्रोटोकोल, प्रो. पुष्पेश पंत, 14.10.2008
149. श्री प्रियव्रत माझी, तुर्कमेनिस्तान–रशिया रिलेशंस, 1991–2005, प्रो. अजय कुमार पटनायक, 19.11.2008
150. श्री सुजीत दत्ता, चाइना'स पोस्ट–माओ डिप्लोमेसी : स्टाइल ऐंड सबस्टेंस इन बार्डर नेगोसिएशन विद इण्डिया, प्रो. पुष्पेश पंत, 19.11.2008
151. श्री अली अकबर रजमजू, "इरान'स पालिसी टुवर्डस सऊदी अरेबिया डयूरिंग द खातमी पीरियड", प्रो. गुलशन डायटल, 10.12.2008
152. श्री स्पोंती बरूआ, यूरोपियन सिक्युरिटी ऐंड डिफेंस पालिसी सिंस द 1999 हेलसिंकी समित, प्रो. आर.के. जैन, 20.11.2008
153. श्री ओम प्रसाद गद्दे, पावर सेक्टर रिफार्म्स इन इण्डिया ऐंड बंगलादेश 1991–2003 : ए कम्पेरिटिव स्टडी, प्रो. महेंद्र पी. लामा, 04.12.2008
154. श्री ब्यासदेब बहेरा, "साइनो–नेपालीज रिलेशंस ड्यूरिंग 1990स", प्रो. महेंद्र पी. लामा, 04.12.2008
155. सुश्री समीना हमीद, डोमेस्टिक पेट्रोलियम सबसिडी ऐंड आयल रिर्सोस मैनेजमेंट : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ इण्डिया ऐंड ईरान इन 1990स, प्रो. गुलशन डायटल, 10.12.2008
156. श्री ए. कानन, एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रोच टु कम्बेटिंग डेजर्टिफिकेशन इन द जी.सी.सी. कंट्रीज, प्रो. गुलशन डायटल, 13.01.2009
157. श्री अल सैयद मेक्कावी झाकी अवाद, इजिप्ट ऐंड इंडिया : ए स्टडी आफ पालिटिकल ऐंड कल्चरल रिलेशंस, 1947–1964, प्रो. ए.के. पाशा, 10.02.2009
158. श्री इमकोंगमेरेन, इजराइली–पेलिस्तिनियन पीसमेंकिंग ड्यूरिंग अल–अक्सा इंतिफादा : द रोल आफ यूनाइटिड स्टेट्स (2000–2004), प्रो. गुलशन डायटल, 19.02.2009
159. दीपेंदर कुमार, कोपिंग विद क्लाइमेट चैंज : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ बंगलादेश ऐंड इण्डिया, प्रो. आई.एन. मुखर्जी, 10.02.2009
160. श्री सुनील कुमार अग्रवाल, मिटिगेटिंग ग्लोबल क्लाइमेट चैंज : ए लीगल स्टडी आन द क्योटो प्रोटोकाल मैकेनिज्म, प्रो. भरत एच. देसाई, 10.02.2009

161. श्री मोनट्री विवासुख, "आसियान रिस्पोंस टु पालिटिक्स आफ न्यू रीजनलीज्म : ए स्टडी आफ स्ट्रेजिक ऐंड इकोनामिक डायमेंशंस 1991–2005", डा. एस. सुंदररमण, 19.02.2009

162. श्री उदय कुमार, रामाकृष्णा बी.एन., आस्पेक्ट्स आफ फ्लेक्सिबिलिटी इन द इम्प्लिमेंटेशन आफ इंटरनेशनल लेबर स्टेण्डर्ड्स इन इण्डिया, प्रो. वाई.के. त्यागी, 18.02.2009

163. सुश्री सारिका मल्होत्रा, इण्डियन डायस्पोरा इन ब्रिटिश मलाया : ए हिस्टोरिकल ऐंड कल्चरल एनालिसिस, प्रो. गंगनाथ झा, 05.03.2009

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

164. सुश्री अँचल विश्नोई, "कम्पेरिटिव एनालिसिस ऐंड इवोल्युशनरी रिलेशनशिप अमंग जिनोम्स", प्रो. आलोक भट्टाचार्य, 22.08.2008

165. श्री विवेक, सेगमेंटेशन एनालिसिस आफ जिनोम्स : स्टेटिस्टिकल फीचर्स ऐंड एप्लीकेशन इन मोलिक्युलर इवोल्युशन, प्रो. राम रामास्वामी, 10.12.2009

166. श्री कमल रावल, "कंप्यूटेशनल एप्रोचिस इन द आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ कंप्लेक्स बायोलाजिकल सिग्नल्स : एप्लीकेशंस टु मोबाइल जैनेटिक एलिमेंट्स", प्रो. राम रामास्वामी, 17.12.2008

भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

167. सुश्री अली असगर, "सियुऐटिंग मुनीर नियाजी इन माडर्न उर्दू पोइट्री" (जदीद उर्दू शायरी में मुनीर नियाजी का मकाम), डा. मजहर हुसैन, 08.04.2008

168. श्री फकीर शहीर अब्बासी, "द कनसेप्ट आफ महबूब इन माडर्न उर्दू गजल", डा. मजहर हुसैन, 08.04.2008

169. श्री नवलेंद्र कुमार सिंह, "शिव प्रसाद सिंह के उपन्यासों में काशी का बदलता स्वरूप", डा. देवेंद्र कुमार चौबे, 11.01.2008

170. श्री नुरूल हक सिवानी, "हिस्टोरिकल ऐंड लिट्रेरी इम्पोर्टेंस आफ इण्डिया (एपिस्टोलोग्राफी) इन इण्डो–पर्शियन लिट्रेचर : एन इवेल्युऐटिव स्टडी", प्रो. एस.ए. हसन, 21.04.2008

171. श्री गौरी शंकर रैना, "टेलीविजन, चैलेंजिस ऐंड पासिबिलिटीज", डा. रमण प्रसाद सिन्हा और प्रो. मैनेजर पाण्डेय (संयुक्त निर्देशक) 22.04.2008

172. सुश्री नीलम, "यशपाल के कथा साहित्य में अभिव्यक्त स्त्री अस्मिता", डा. गोविंद प्रसाद, 9.5.2008

173. श्री मुबासिर आलम, "द मूवमेंट फार द इमांसिपेशन आफ मुस्लिम वुमन ड्यूरिंग लास्ट क्वार्टर आफ 19थ ऐंड फर्स्ट हाफ आफ द 20थ सेंचुरीज इन इजिप्ट ऐंड इंडिया ऐज रिफ्लेक्टिड इन अराबिक ऐंड उर्दू लिट्रेचर : ए कम्पेरिटिव स्टडी", प्रो. एफ.यू. फारूकी, 8.5.2008

174. मोहम्मद अलीम, "थीम आफ नेशनलीज्म इन अरेबिक ऐंड उर्दू पोइट्री ड्यूरिंग 1920–1975 : ए स्लेक्टिव, कम्पेरिटिव स्टडी", प्रो. एफ.यू. फारूकी, 08.5.2008

175. मो. अफ्फान, "नजीब महफूज ऐंड मुल्क राज आनन्द, ए क्रिटिकल ऐंड कम्पेरिटिव स्टडी आफ द सोशल ऐंड कल्चरल वेल्युज ऐज डिपिक्टिड इन देअर राइटिंग्स", प्रो. एस.ए. रहमान, 14.5.2008

176. श्री तुलसीदास माझी, "डिसक्रिप्टिव उड़ीया मार्फोलाजी इन द पाणियन माडल", प्रो. पी.के.एस. पाण्डेय, 27.5.2008

177. सुश्री हुमा खान, फेमिनिस्ट आइडेंटिटी इन उर्दू शार्ट स्टोरीज (विद रेफ्रेंस टु रिप्रजेंटेटिव फीमेल शार्ट स्टोरी राइटर्स आफ इण्डिया ऐंड पाकिस्तान), डा. एस.एम. अनवार आलम, 2.6.2008

178. श्री लियाकत अली आफाकी, "चैंजिंग पैटर्नस आफ अरेबिक मीडिया इन गल्फ कंट्रीज ड्यूरिंग द लास्ट क्वार्टर आफ 20थ सेंचुरी : एन एनालिटिकल स्टडी", प्रो. एफ.यू. फारूकी, 30.6.2008

179. श्री आदित्य प्रकाश, "लैंग्यूवेज लायलटी, मैनटेनेंस ऐंड शिफ्ट : ए केस स्टडी आफ कुमाऊनी लैंग्यूवेज स्पोकन इन दिल्ली", प्रो. पी.के.एस. पाण्डेय, 30.06.2008

180. श्री इकबाल अहमद, "ए क्रिटिकल स्टडी आफ हालि'स बायोग्राफी", प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 03.07.2008

181. मोहम्मद जैनुल अबेदिन अंसारी, "इम्पोर्टेंट इंस्टीट्यूशंस फार प्रमोशन आफ उर्दू ड्रामा इन दिल्ली आफ्टर इंडिपेंडेंस" (विद स्पेशल रेफ्रेंस टु नेशनल स्कूल आफ ड्रामा), प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 04.07.2008

182. सुश्री एनुरा असामिदिनोवा, "नालेज बेस फार रशियन इंग्लिश मशीन ट्रांसलेशन डायवर्जेंसिस", प्रो. पी.के.एस. पाण्डे, 14.07.2008

183. श्री सैय्यद मुस्तफा अथर, "सोशिओ कल्चरल लाइफ आफ इण्डिया ऐज रिफ्लेक्टिड इन पर्शियन वर्क्स आफ मिर्जा गालिब", प्रो. अख्तर महदी, 08.07.2008

184. श्री सत्यभान सिंह राजपूत, "डिपिक्शन आफ रूरल वुमन इन रशियन लिट्रेचर (1956–1985)", डा. रितु एम. जैरथ, 08.07.2008

185. श्री बालेंद्र सिंह यादव, "द सोसायटी ऐंड कल्चर आफ बुंदेलखंड ऐज रिफ्लेक्टिड इन वृंदावनलाल वर्मा'स नावेल्स", प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 30.07.2008

186. मधुमिता चक्रवर्ती, "लिविंग आन द ऐज : इमेजिस आफ वुमन इन द राइटिंग्स आफ बेसी हैड ऐंड महाश्वेता देवी", प्रो. हरीश नारंग, 26.08.2008

187. श्री वसीम अख्तर, "डिपिक्शन आफ कन्टेम्पोरेरि सोसायटी इन उर्दू ऐंड हिंदी नावलिस्ट : आफ्टर 1980", डा. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 01.09.2008

188. श्री विवेकानंद उपाध्याय, पोइटिक लैंग्यूवेज आफ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला'स, डा. ओम प्रकाश सिंह, 01.09.2008

189. सुश्री दीप्ति लारोइआ, "फिल्मिंग द लाइन : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ सलेक्टिड पार्टिशन नरेटिव ऐंड देअर फिल्मिक रेंडिशंस", डा. सुगाता भादुरी, 04.09.2008

190. श्री शान वेनबो, रिथिंकिंग मेटाफर : ए फिलास्फीकल ऐंड लिंग्विस्टिक इंक्वेरी इन टू द इंटरप्ले आफ लिट्रल ऐंड नान लिट्रल मिनींग्स, प्रो. फ्रांसेन डी. मंजली, डा. शबरी मित्रा (सह निर्देशक), 01.09.2008

191. सुश्री सोनिला सैनी, "क्राइसिस ऐंड रिस्पोंस इन रामायण (वाल्मिकी) शाहनामा ऐंड इलियड : ए कम्पेरिटिव स्टडी", प्रो. एस.के. सरीन और प्रो. कपिल कपूर, 05.09.2008

192. श्री लियाकत अली, "स्कोप आफ मार्डन टेक्नालाजी इन टीचिंग अरेबिक ऐज ए फारेन लैंग्यूवेज", प्रो. एस.ए. रहमान, 12.09.2008

193. मो. कुतुबुद्दीन, रोल आफ दारूल उलूम नदवातुल उलेमा, लखनऊ, इन प्रमोटिंग अरेबिक लिट्रेचर ऐंड इस्लामिक स्टडीज : एन एनालिटिकल ऐंड क्रिटिकल स्टडी, प्रो. एस.ए. रहमान, 15.09.2008

194. सुश्री नंदनी चौधरी, द ब्लैक वुमन स्पीक्स : ए स्टडी आफ फ्लोरा न्वापा ऐंड बुची इमेचेता, प्रो. एच.सी. नारंग, 21.10.2008

195. श्री ई. सुहैल, मुस्लिम कम्युनिटी आफ मालाबार ऐंड देयर लिट्रेरी स्ट्रगल्स अगेंस्ट द क्लोनिअल पावर्स : एन इवेल्युएशन, प्रो. एम.ए. इस्लाही, 12.11.2008

196. सुश्री पल्लवी प्रकाश, एक्सप्रेशन आफ सोशल सिनेरिओ इन द फिक्शन आफ कृष्णा सोबती, डा. ओम प्रकाश सिंह, 13.12.2008

197. मोहम्मद आलम, मेटाफरिक ट्रेंडस इन उर्दू प्रोज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु रजब अली बेग सुरूर, मोहम्मद हुसैन आजाद, अबुल कलम आजाद और काजी अब्दुल सत्तार, डा. मजहर हुसैन, 23.12.2008

198. सुश्री फरजानेह आजम लतफी, ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ फिलास्फीकल ग्राउंड आफ गालिब ऐंड हाफिज विद रिफ्रेंस टु मिस्टिसिज्म ऐंड जिनोस्टिसिज्म, प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 31.12.2008

199. श्री जमशेद अहमद, पेररल ट्रेंड्स आफ उर्दू नज्म ड्यूरिंग द प्रोग्रेसिव पीरियड, डा. ख्वाजा मो. इकरामुद्दीन, 07.01.2009

200. श्री अब्दुल कयूम, कम्पेरिटिव स्टडी आफ नेशनल ऐंड सोसायटल कनसेप्ट्स इन द राइटिंग्स आफ सर सैय्यद ऐंड अबुल कलाम आजाद, डा. ख्वाजा मो. इकरामुद्दीन, 21.01.2009

201. श्री सौबन सईद, ए ग्लासरी आफ अल्युजंस इन उर्दू पोइट्री, डा. एस.एम. अनवार आलम, 27.01.2009

202. मो. हुसैन जामी, द आटोबायोग्राफिकल नावेल इन उर्दू : ए स्टडी आफ प्रेजेंटेशन आफ द सेल्फ ऐंड सोसायटी, डा. मजहर महदी हुसैन, 10.02.2009

203. सुश्री तुलिका चंद्रा, टीचिंग इंग्लिश टु अंडर ग्रेजुएट्स आफ मास कम्युनिकेशन : ई.एस.पी.–एम.सी., प्रो. वैश्ना नारंग, 23.02.2009

204. श्री लोकेश कुमार गुप्ता, भक्ति सम्वेदना और मीरा का काव्य, डा. रंजीत कुमार साहा और प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल (संयुक्त निर्देशक), 19.02.2009

205. श्री जमाल अहमद, डिपिक्शन आफ अर्बन लाइफ इन उर्दू शार्ट स्टोरीज आफ्टर इण्डिपेंडस, डा. मजहर महदी हुसैन, 10.02.2009

206. सुश्री ऋचा, अनाकाजेटिविटी ऐंड द काजेटिव आल्टरनेशन इन हिंदी : ए मिनिमलिस्ट, डा. आयशा किदवई, 02.03.2009

207. श्री ऋषि भूषण चौबे, डिस्कोर्स आन वुमन इन हिंदी नावेल्स आफ द लास्ट डिकेड आफ 20थ सेंचुरी, डा. राम चंद्र, 24.03.2009

208. सुश्री सुष्मिता के.ई. सोशिओ–कल्चरल स्टडी आफ सम प्रोमिनेंट नावेल्स ट्रांसलेटिड फ्राम मलयालम टु हिंदी (1970–2000), डा. रंजीत कुमार साहा, 09.03.09

209. श्री प्रदीप कुमार सिंह, (01/54/एम.एच./18), पोइट्री आफ कुँवर नारायण : मिथ ऐंड रिएलिटी, डा. रंजीत कुमार साहा और प्रो. केदारनाथ सिंह, (संयुक्त निर्देशक), 12.03.2009

210. श्री गुफरान अहमद खान, कल्चर ऐंड थाट इन उर्दू गज़ल इन फर्स्ट हाफ आफ 20थ सेंचुरी, डा. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 17.03.2009

211. अबु सलीम, ए क्रिटिकल स्टडी आफ लाइफ ऐंड वर्क्स आफ अली दाराती, प्रो. एस.ए. हसन, 24.03.2009

212. श्री श्रीनिवास त्यागी, मार्डन कांशसनेस इन द ऐज आफ भारतेंदु ऐंड लिट्रेचर आफ भारतेंदु हरिशचंद्र, डा. देवेंद्र कुमार चौबे, 12.03.2009

213. श्री अब्दुन नूर, द कांट्रिब्युशन आफ मदरसास आफ बनारस ऐंड देयर डिस्टींग्युशड टीचर्स टु द प्रमोशन आफ अरेबिक स्टडीज इन उत्तर प्रदेश, प्रो. एस.ए. रहमान, 25.03.2009

कोशिकीय और आणविक जीव विज्ञान केंद्र

214. श्री कौशलेंद्र त्रिपाठी, आरगेनाइजेशन आफ इंट्रान्यूक्लियर लेमिन डोमैंस, डा. वीणा के. परनायक, 28.04.2008

215. सुश्री एस.एन.सी.एल. पुष्पावली, "रोल आफ आर.एन.ए. इंटरफेरेंस म्युटेशंस आन ट्रांसजीन साइलेंसिंग इन ड्रोसोफिला", डा. उत्पल भाद्रा, 29.04.2008

216. सुश्री सौम्या बी.एल., "एनालिसिस आफ स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन आफ डिसिक्रिट कंटिनुअस पेप्टाइड और प्रोटीन मोडयूल्स", डा. आर. नागराज, 12.05.2008

217. श्री जोबिन वार्के, "इनवेस्टिगेशंस आन द एन्टीमाइक्रोबायल पेप्टाइडस डिफेंसिस : इम्पोर्टेंट कम्पोनेंटस आफ इननेट इम्युनिटी इन मैमल्स ऐंड एथ्रोपोड्स", डा. आर. नागराज, 14.05.2008

218. श्री मरूथाचलम रवि, "एनालिसिस आफ मीओटिक नान–रिडक्शन इन द दयाद मुटेंट आफ अरेबिदोपिस ऐंड डिजाइन आफ ए स्क्रिनिंग स्ट्रेटिजी फार सप्रेसर्स आफ दयाद", डा. इमरान सिद्दिकी, 15.7.2008

219. श्री राम पी. कुमार, बी.के.एम. (गता रिपीट्स) एसोसिएटिड क्रोमेटिन डोमेन बाउंड्रीज आफ ह्यूमन वाई क्रोमोसोम, डा. राकेश कुमार मिश्र और डा. ललित सिंह, 22.7.2008

220. श्री गोपाल जी झा, करेक्ट्राइजेशन आफ जेंथेमोनस आरिजी पी.वी. आरिजी टाइप 2 प्रोटीन सिक्रेशन सिस्टम इफेक्टर्स – रोल इन विरुलेंस ऐंड इंडक्शन आफ राइस डिफेंस रिस्पोंसिस, डा. रमेश वी. सोंती, 30.7.2008

221. श्री एम. हेम कुमार रेड्डी, स्टडी आफ सेक्स ऐंड स्पीसीस–स्पेस्फिक हिट्रोक्रोमोटिन फ्राम द माउस वाई क्रोमोसोम, डा. रचेल ए.जे. और डा. लाल जी सिंह (सह निर्देशक),06.08.2008

222. सुश्री स्वप्न महुरकर, जिनोमिक ऐंड प्रोटेमिक एनालिसिस आफ ट्रापिकल काल्सिफिक पेनक्रिएटिटीज ऐज ऐ माडल टु अंडरस्टेण्ड एक्सोक्राइन ऐंड ऐडोक्राइन डयाफंक्शन आफ पेनक्रियास, डा. डी.आर. चंदक और डा. लालजी सिंह, 11.08.2008

223. सुश्री वसन्ती देसारी, क्रोमेटिन स्ट्रक्चरल फीचर्स इन आरगेनाइजेशन ऐंड रेग्यूलेशन आफ होमिओटिक जीन कलस्टर्स, डा. राकेश के. मिश्र, 22.08.2008

224. श्री राजेंद्र सिंह, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करक्ट्राइजेशन आफ पोटेंशिएल नावेल सैक्स–डिटर्मिनेशन जीन (स) ऐंड मोलिकुलर बैसिस आफ सेक्स रिवर्सल इन ह्यूमन, डा. के. थांगराज और डा. लालजी सिंह, 27.08.2008

225. श्री रंजन तमुली, जैनेटिक ऐंड मोलिकुलर स्टडीज आन जिनोम डिफेंस सिस्टम इन न्यूरोस्पोरा, डा. दुर्गा दास पी. कास्बेकर, 12.12.2008

226. श्री आशीष कुमार सिंह, मोलिकुलर बैसिस आफ कोल्ड एडाप्टेशन इन साइक्रोफिटिक बैक्टीरिया : आइडेंटिफिकेशन आफ जींस रिक्वायर्ड फार ग्रोथ ऐट लो टेम्प्रेचर, डा. एस. शिवाजी, 15.01.2009

227. श्री हृदयेश दीक्षित, जैनेटिक एनालिसिस आफ वुमन विद ओविरियन फेलियर, डा. लालजी सिंह, 30.01.2009

228. सुश्री एन ऊषा, जिनेटिक एनालिसिस करेक्ट्राइजेशन आफ ए नावेल टार्गेट आफ होमिओटिक जीन फंक्शन इन ड्रोसोफिला, डा. एल.एस. शशिधर, 03.02.2009

229. सुश्री श्वेता द्विवेदी, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ए यूनीक एडिटिंग डोमेन आफ थ्रीओनील–टी आर.एन.ए. सिंथेटेस फ्राम एन आर्किया, डा. आर. शंकरानारायण, 20.02.2009

230. श्री जोश सिबास्तियन, केंडिडेट जीन एप्रोचिस टु स्टडी जीन अफेक्टिंग मीओटिक क्रोमोसोम आरगेनाइजेशन इन अरेबिडोसिस थालियाना, डा. इमरान सिद्दिकी, 16.03.2009

231. श्री राघवेंद्र एम. श्रीवास्तव, रोल आफ एन.के.आर.–पी2 / एन.के.जी.2डी ऐज टयूमर रिकाग्निशन ऐंड एक्टिवेशन रिसेप्टर आन डेंड्रीटिक सेल्स, डा. अशोक खार और डा. एस. शिवाजी, 16.03.2009

232. श्री अमित दास, करेक्ट्राइजेशन आफ विरुलेंस एसोसिएटिड फंक्शंस आफ ए राइज पैथाजन : स्टडीज आन एडहेंसिन लाइक फंक्शंस, डा. रमेश वी. सोंती, 23.03.2009

233. श्री ए. वाणियाराजन, माइटोकोंड्रिअल डी.एन.ए. वेरिएशंस ऐंड डिसीजिस इन इण्डिया पाप्यूलेशन, डा. के. थंगाराजन और डा. लालजी सिंह, 24.03.2009

केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान

234. श्री रमेश चंद्र नायक, करेक्ट्राइजेशन, सब–सेल्युलर लोकलाइजेशन ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ एक्टिंग बाइंडिंग प्रोटीन(स) इन लीश्मेनिया, डा. सी.एम. गुप्ता, 07.04.2008

235. श्री अम्ब्रीश कुमार, "इनवेस्टिगेशंस ऐंड रेप्लिकेशन आफ द प्लाजमोडियम फेल्सिपेरम एपिकोप्लास्ट जिनोम", डा. समन हबीब, 15.04.2008

236. श्री सत्येंद्र सूर्यवंशी, "फार्माकोकाइनेटिक स्टडीज आफ 16 – डीहाइड्रो प्रेगनेनोलोन, ए हाइपोलिपिडिमिक ऐजंट ऐंड पैटर्न प्रोफाइलिंग : स्टैण्डर्डाइजेशन आफ हर्बल प्रीप्रेशन सी.टी.1", डा. आर.सी. गुप्ता, 17.04.2008

237. श्री नरेश चंद्र बाल, "बायोफिजिकल ऐंड बायोकैमिकल करेक्ट्राइजेशन आफ पेप्टाइडल–टी आर.एन.ए. हाइड्रोलेसिस एच.37 आर.वी.", डा. आशीष अरोड़ा, 22.04.2008

238. सुश्री पारुल मिश्रा, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ हयालुरोनेट लाइऐस (एच.वाई.एल.पी.2) फ्राम स्ट्रेप्टोकोकस प्योजीन्स बैक्टिरिओफेज 10403", डा. विनोद भाकुनी, 09.05.2008

239. श्री विलियम रेसिकन सुरिन, "बायोकेमिकल स्टडीज आन थ्रामबोसिस ऐंड इट्स माडयूलेशन बाई एंटी थ्रामोबोटिक ड्रग्स", डा. मधु दीक्षित, 09.06.2008

240. श्री राजीव कुमार जैन, "ट्रर्गेट साइट्स आन ह्यूमन स्पर्म फार नावेल, नान डिटर्जेंट स्पर्मिसिडल मोलिक्यूलस यूजफूल ऐज प्रोफिलेक्टिक कंट्रासेटिव्स विद डयूल प्रोटेक्शन", डा. गोपाल गुप्ता, 09.06.2008

241. श्री ऋषि शर्मा, मोलिक्यूलर ऐंड सेलुलर ऐंड सेल्युलर मैकेनीज्मस इनवाल्वड इन द न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स आफ न्यूरोप्रोटेक्टिव आफ न्यूरोट्रोपिंस फालोइंग सेरेब्रेल इशैमिआ / रिप्रफ्यूशन इंजरी, डा. राम रघुबीर, 05.09.2008

242. श्री मनीष कुमार गुप्ता, क्यू.एस.ए.आर. ऐंड माडलिंग स्टडीज आन एन्टी मलेरिया ऐंड एंटी टुबरकुलोसिस एजेंट्स, डा. वाई.एस. प्रभाकर, 08.10.2008

243. श्री रोहित सलुजा, मोलिक्यूलर ऐंड बायोकेमिकल स्टडीज आन नाइट्रिक आक्साइड सिन्थेज इन पोलि मार्फो न्यूक्लियर न्यूकोसाइट्स अंडर नार्मल ऐंड पैथालाजिकल कंडीशंस, डा. मधु दीक्षित, 14.10.2008

244. श्री ऋषि कुमार, स्ट्रक्चरल स्टडीज आफ सिंथेसिस मोलक्यूल्स आफ बायोलाजिकल इमोर्टेंस, डा. प्रकाश आर मलिक, 11.08.2008

245. श्री संजीव नोइल, डिफ्रेंसिएल जीन एक्सप्रेशन इन माइस लीवर फालोइंग एक्यूट एक्सपोजर टु 8 – एमिनोक्विनोलिन डेरिवेटिव्स, डा. श्रीकांत कुमार रथ, 05.08.2008

246. श्री नसीब सिंह, "स्टडीज आन द एप्लिकेशन आफ ग्रीन फ्लोरसेंट प्रोटीन ट्रांसफेक्टिड लीश्मैनिया डोनोवानी फार एन्टिलीश्मैनियल स्क्रीनिंग", डा. अनुराधा दुबे, 30.06.2008

247. श्री प्रसाद वुरे, "नोमिओनिक सर्फेक्टिंट बेस्ड डिलीवरी सिस्टम्स बियरिंग साइक्लोस्पोरिन एज द माडल ड्रग", डा. पी.आर. मिश्रा, 02.07.2008

248. सुश्री मधुमिता चटर्जी, "रोल आफ एस्कार्बिक एसिड इन नाइट्रिक आक्ससाइड मिडिएटिड माड्यूलेशन आफ पालिमार्फोन्युक्लियर ल्युकोसाइट फंक्शंस", डा. मधु दीक्षित, 30.06.2008

249. सुश्री नीता गुप्ता, "करेक्ट्राइजेशन आफ अपस्ट्रीम रेग्युलेट्री सिक्वेंसिस आफ कासा ओपरान इनवाल्वड इन फैटी एसिड सिंथेसिस टाइप 2 (एफएएस) पथवे इन माइकोबैक्टेरियम टयुबरक्लोसिस", डा. भूपेन्द्र एन. सिंह, 30.06.2008

250. श्री रबी शंकर भट्ट, "बायोएवेलएबिलिटी इनहेंसमेंट फार ए हाइली इफैक्टिव एन्टिहाइपरलिपिडेमिक एजेंट 16 – डिहाइड्रोप्रिग्नेनलोन ऐंड द इवैल्युएशन आफ इट्स ड्रग–ड्रग इंटरएक्शन पोटेन्शल", डा. जी.के. जैन, 30.06.2008

251. सुश्री सोनिया मल्होत्रा, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल स्टडीज आन स्ट्रेपटोकोकस पाइओजेनसिस बैक्टेरिओफेज हाइल्युरोनिडेस", डा. विनोद भकुनी, 16.12.2008

252. सुश्री सुदीप्ति गुप्ता, "करेक्ट्राइजेशन ऐंड माड्यूलेशन आफ द इंटरएक्शन बिटवीन एचआईवी–1 एसेसरी प्रोटीन एनईएफ ऐंड इट्स सेलुलर होस्ट प्रोटीन्स", डा. आर.के. त्रिपाठी, 11.12.2008

253. श्री सजल कुमार दास, "डायवर्सिटी ओरिएन्टिड आर्गेनिक सिंथेसिस आफ बायोलाजिकली इम्पोर्टेन्ट मोलिक्युल्स", डा. गौतम पण्डा, 02.01.2009

254. श्री वेद प्रकाश वर्मा, "सिंथेसिस ऐंड एन्टिमलेरियल असेसमेंट आफ नावल आर्गेनिक परआक्साइड्स", डा. चन्दन सिंह, 12.01.2009

255. श्री मुकेश सामन्त, "स्टडीज आन एक्सप्रेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ प्रोटिओफास्फोग्लाइकेन्स (पीपीजीएस) आफ लीश्मैनिया डोनोवानी", डा. अनुराधा दुबे, 06.02.2009

256. श्री अमित लूथरा, "स्ट्रक्चरल स्टडिज आन हाइपोथेटिकल प्रोटीन(स) फ्राम माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस एच 37 आरवी", डा. आर. रविशंकर, 18.02.2009

257. श्री सरविन्द मणि त्रिपाठी, "स्ट्रक्चरल स्टडीज आन लेटेंट फेज मेटाबोलिक पथवे प्रोटीन(स) फ्राम माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस एच 37 आरवी", डा. आर. रविशंकर, 18.02.2009

258. श्री सुरेश एल. मेहता, "स्टडीज आन सेलुलर ऐंड मोलिक्यूलर मकेनिज्म आफ स्ट्रोक डैमेज इन डायबिटीज", डा. राम रघुबीर, 26.02.2009

259. सुश्री तृप्ति श्रीवास्तव, "स्ट्रक्चरल स्टडीज आन ट्रांसक्रिप्शनल रेग्युलेट्री ऐंड मेटाबोलिक प्रोटीन(स) फ्राम माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस एच 37 आर वी", डा. आर. रविशंकर, 13.3.2009

260. श्री हिमांशु अग्रवाल, "आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ कोरिसमेट म्युटेज फ्राम माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस एच 37 आर वी", डा. आशीष अरोड़ा, 6.3.2009

261. श्री मिर्जा साकिब बेग, "आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ स्टेज स्पेस्फिक जीन(स) इन एमास्टिगोट फ्राम आफ लीश्मैनिया डोनोवानी थ्रू माइक्रअरे", डा. नीना गोयल, 30.3.2009

262. सुश्री नीता अस्थाना, "अंडरस्टेंडिंग द स्ट्रक्चर फंक्शन रिलेशनशिप इन सम नेचुरली आकरिंग एन्टिमाइक्रोबायल पेप्टाइड्स ऐंड डिजाइन आफ नावल पेप्टाइड्स विद एन्टीमाइक्रोबायल एक्टिविटी", डा. जे. कान्ती घोष, 25.3.2009

263. श्री रमेश, "कीमोथैरपि आफ विस्केरल लीश्मैनियासिस : मोलिक्युलर ऐंड बायोकेमिकल अप्रोच", डा. सुमन गुप्ता, 31.3.2009

अन्तरराष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी और जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली

264. श्री अमजद हुसैन, "रोल आफ पीपीयू इन एचआईवी–1 पैथोजेनसिस", डा. शाहिद जमील, 22.4.2008

265. सुश्री कलैवनीविवेहन्थन, "ट्रांसक्रिप्शनल रेग्युलेशन आफ को–स्टिम्युलेट्री मोलिक्यूल सीडी–80 इन म्युरिन बी लिम्फोसाइट्स", डा. कनूरी वी एस राव, 28.4.2008

266. श्री ए. रमेश, "मोलिक्युलर क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ फुल लेंथ सीडीएनए क्लोन्स इनकोडिंग फार एन्जाइम्स इनवाल्व्ड इन एस्कार्बेट–ग्लुटेथिओन पथवे फ्राम पेनिसेटुम ग्लाकम टु अंडरस्टेंड देअर क्रुसियल रोल इन आक्सिडेटिव स्ट्रेस टालरेन्स", डा. एम.के. रेड्डी, 18.4.2008

267. श्री कुलभूषण, "प्रोटीन–प्रोटीन ऐंड आरएनए प्रोटीन इंटरएक्शंस आफ द एसएआरएस कोरोनेवायरस", डा. सुनील के. लाल, 26.8.2008

268. श्री कार्तिक पधान, "मोलिक्युलर करेक्ट्राइजेशन आफ द एसएआरएस कोरोनेवायरस ओआरएफ 3ए प्रोटीन", डा. शादिल जमील, 4.11.2008

269. श्री नसीर सलाम, "कैमोकाइन ऐंड कैमोकाइन रिसेप्टर मिडिएटिड इम्यून रिस्पांसिस टु माइकोबैक्टेरिअल एन्टीजन", डा. के. नटराजन, 14.11.2008

270. सुश्री थामिलरसी के, "मोलिक्युलर एनालिसिस आफ स्पोडोपेटरा लिटुरा इम्यूनिटी", डा. राज के. भटनागर, 29.12.2008

271. श्री गीता राम, "स्टडीज टुवर्डस द यूटिलाइजेशन आफ द कोडोनसफ्लिंग मेथड फार द डिवलपमेंट आफ प्रोटीन ऐंड पेप्टाड इनहिबिटर्स अगेंस्ट प्रोटीन टार्गेट्स आफ एम टयुबरक्लोसिस", डा. आनन्द रंगनाथन, 27.1.2009

272. श्री प्रकाश चन्द्र मिश्रा, "आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ बाक्स सी/डी स्माल न्यूक्लियर आरएनए (स्नोआरएनए) इन मलेरिया पैरासाइट्स" , डा. अमित शर्मा, 10.2.2009

273. सुश्री कोसालय कलिप्पन, "आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ होस्ट फैक्टर्स, स्पेसियली ओरिजिन रिकोग्निशन कम्पलैक्स ऐंड रैड 54 प्रोटीन्स ऐंड इलुसिडेशन आफ देअर फंक्शनल रोल्स इन जिमिनिवायरल डीएनए रिप्लिकेशन", डा. सुनील के मुखर्जी, 20.3.2009

274. सुश्री रचना होरा, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल स्टडीज आन कंजर्ब्ड साइटोप्लाज्मिक डोमेन्स आफ प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम इरिथ्रोसाइट मेम्ब्रेन प्रोटीन 1 (पीएफईएमपी1) फैमिली" 26.3.2009

सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एयरोमेटिक प्लांट्स, लखनऊ

275. श्री सरजीत सिंह ठाकुर, "एन्जाइम ऐंड जीन थेरपि यूजिंग आक्सेलेट डिग्रेटिंग एन्जाइम फार किडनी स्टोन ट्रीटमेंट", प्रो. आशीष दत्ता, 23.8.2008

राष्ट्रीय पादप जिनोम अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

276. सुश्री भूमिका शोकीन, "जिनोम एनालिसिस यूजिंग डीएनए वेस्ड मोलिक्यूलर मार्कर्स इन कैथरंथस रोसयूज", डा. सभ्यता भाटिया, 23.5.2008

277. श्री नीरज कुमार सेठी, "डीएनयू बेस्ड मोलिक्युलर फार मैपिंग ऐंड टेगिंग जींस आफ एग्रोनोमिक इम्पोर्टेन्स इन चिकपी", डा. सभ्यता भाटिया, 28.7.2008

278. श्री किश्वर जहान, "मोलिक्युलर क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ डिहाइड्रेशन–रिस्पांसिव टबी लाइक प्रोटीन जीन फ्राम चिकपी सारइसर (एरिटिनम एल)", डा. निरंजन चक्रबर्ती, 27.8.2008

279. श्री ललित अग्रवाल, "मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ एएमए1 इन पोटैटो ऐंड इट्स ओवरएक्सप्रेशन इन स्वीट पोटैटो", डा. निरंजन चक्रबर्ती, 7.10.2008

280. सुश्री विनीता त्रिपाठी, "क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ ड्राटइंडयुसिबल प्रोटीन काइनेस", डा. देबासीस चट्टोपाध्याय, 28.1.2009

281. श्री श्रीरमैया एन जी, "फंक्शनल एनालिसिस आफ जेडबीएफ–1, ए जेड–बाक्स इंटरएक्टिंग बीएचएलएच प्रोटीन इन एराबिडोप्सिस थैलियाना", डा. सुदीप चट्टोपाध्याय, 28.2.2009

राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

282. सुश्री वीनू चानना, "कम्पैरेटिव स्ट्रक्चरल प्रोटिओमिक्स आफ सीड प्रोटीन्स विद एलर्जिक एक्टिविटी", डा. दिनकर एम सालुंकी, 22.5.2008

283. सुश्री प्रीति सक्सेना, "इनवेस्टिगेशन आफ टाइप–3 पालिकेटाइड सिन्थेसिस ऐंड रिलेटिड प्रोटीन्स इन द बायोसिथेसिस आफ नावल लिपिड्स", डा. राजेश एस गोखले, 25.7.2008

284. श्री पंकज कामरा, "सब्सट्रेक्ट स्पेसिफिसिटी आफ एसाइलएडिनाइलेट ऐंड ग्लाइकोजिलिट्रांसफरेस सुपर फैमिली : एन इन सिलिको एनालिसिस", डा. देबासीस मोहन्ती, 6.8.2008

285. सुश्री विभु कंचन, "इवैल्युएशन आफ प्राइमरी ऐंड मेमोरी इम्यून रिस्पांसिस यूजिंग पालिमर इंट्रेप्ड एन्टिजन्स", डा. ए.के. पाण्डा, 7.8.2008

286. श्री संजय प्रेमी, "मोलिक्युलर एनालिसिस आफ द ह्युमन वाई क्रोमोसोम इन पेशेंन्ट्स विद सैक्स क्रोमोसोम रिलेटिड एनामलीज (एससीआरए) ऐंड मेल्स एक्सपोज्ड टु नेचुरल बैकग्राउन्ड रेडिएशन", डा. शेर अली, 24.9.2008

287. सुश्री दीपा सिकरीवाल, "ओसिनोफिल डिराइव्ड न्यूट्रोटाक्सिन : इन साइट इनटु द मकेनिज्म आफ एक्शन", डा. जैनेन्द्र के बत्रा, 19.11.2008

288. सुश्री दिव्या अन्ना बर्गिस, "स्टडीज इन द बायोलाजी आफ एमएचसी क्लास2 मोलिक्यूल्स", डा. सत्यजीत रथ, 19.11.2008

289. सुश्री सोमा रोहतगी, "मोलिक्युलर एनालिसस आफ टी सेल डिपेंडेंट बी सेल रिस्पांसिस टु पार्टिकुलेट बैक्टेरियल एन्टीजन", डा. देवेन्द्र सहगल, 27.1.2009

290. श्री सतीश खुराना, "रोल आफ हीमैटोपोइटिक स्टेम सेल्स इन जेनरेशन ऐंड रिजेनरेशन आफ लीवर", डा. अशोक मुखोपाध्याय, 23.2.2009

291. सुश्री हर्षिता भटनागर, "आटो–एन्टिजेनिसिटी आफ हीमोग्लोबिन : एन्टिजेनिक, बायोलाजिकल ऐंड जिनेटिक एनालिसिस", डा. राहुल पाल, 13.2.2009

292. श्री नवीन शर्मा, "मोलिक्युलर एनालिसिस आफ सेलुलर रिस्पांसिस इंड्यूस्ड बाई सलमोनेला फ्लेजलिन", डा. अयुब कादरी, 12.3.2009

अन्तर विश्वविद्यालय त्वरित केंद्र, नई दिल्ली

293. श्री देबदुलाल कबिराज, "हाई एनर्जी लाइट आयोन इरैडिएशन : ए नावल मेथड फार डिफेक्ट इंजीनियरिंग इन–3–4 सेमिकंडक्टर्स", प्रो. सुभाशीष घोष, 17.7.2008

294. श्री संदीप कुमार, "आयोन बीम मोडिफिकेशन आफ मेटल–सिलिकोन जंक्शंस", डा. डी कांजीलाल, 8.8.2008

295. सुश्री योगिता, "सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ जीई नैनोपार्टिकल्स", डा. डी. कांजीलाल, 18.9.2008

296. श्री यशपाल सिंह कठेरिया, "सिंथेसिस ऐंड मोडिफिकेशन आफ सिलिकोन कारबाइड बाई आयोन बीम्स", डा. डी. कांजीलाल, 19.9.2008

297. श्री योगेन्द्र कुमार मिश्रा, "सिंथेसिस ऐंड मोडिफिकेशन आफ मेटल नैनोपार्टिकल्स बाई एनर्जेटिक आयोन्स", डा. डी.के. अवस्थी, 23.9.2008

रमन अनुसंधान संस्थान, बंगलौर

298. श्री सजल कुमार घोष, "इंफ्लुएन्स आफ स्ट्रोंगली बाउन्ड काउन्टरआयोन्स आन द फेज बिहेवियर आफ आयोनिक एम्फिफिलेस", डा. वी.ए. रघुनाथन, 9.4.2008

299. श्री सुतिरथ राय चौधरी, "जिओमेट्रिक फ्लोज ऐंड ब्लैक होल एन्ट्रापी", प्रो. जोसफ सैमुअल, 22.5.2008

300. श्री शांतनु कुमार पाल, "सिंथेसिस करेक्ट्राइजेशन ऐंड सेल्फ एसेम्बली आफ फंक्शनलाइज्ड साफ्ट नैनोमैटेरियल्स", प्रो. संदीप कुमार, 12.6.2008

301. सुश्री अनीजा एम., "इनवेस्टिगेशन ऐंड नानलनियर इफैक्ट्स इंड्यूस्ड इन कंडेंस्ड मैटर बाइइंटेंस लेजर फील्ड्स", डा. रेजी फिलिप, 24.7.2008

302. सुश्री चन्द्रेयी सेनगुप्ता, "एचआई कंटेंट आफ ग्लेक्सिस इन ग्रुप्स", डा. बी. रमेश, 26.9.2008

303. श्री मराठे राहुल सुरेश, "ए स्टडी आफ फलक्युएशंस ऐंड ट्रांसपोर्ट इन नान–इक्विलिब्रियम सिस्टम्स", डा. अभिषेक धर, 19.1.2009

सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़

304. सुश्री नीतू सक्सेना, "इंजीनियरिंग टिम बैरल एन्जाइम(स) टुवर्डस डिफाइन्ड, आल्टर्स फंक्शंस" , डा. के.वी. राधाकिशन, 5.5.2008

305. श्री विजय कुमार, "स्ट्रक्चर बेस्ड एक्टिविटी स्टडीज आफ डी हाइडेंटोइनेस फ्राम बैलिसस एसपी.एआर 9", डा. के वी राधाकृष्ण, 5.5.2008

306. सुश्री मेघना ठाकुर, "स्टडीज आन द इंटरएक्शन आफ ए माइकोबैक्टेरियल यूकारियोटिक टाइप सेरीन/थ्रिऑनिन काइनेस विद इट्स सबस्ट्रेट(स) ऐंड द रोल आफ प्रोटीन फास्फेटेज इन द प्रोसिस", डा. प्रदीप के. चक्रबर्ती, 5.5.2008

307. सुश्री अनुराधा घोष, "मोलिक्युलर ऐंड बायोकेमिकल एनालिसिस आफ नाइट्रोफेमोल डिग्रेडिंग पथवेज ऐंड स्टडी आफ बैक्टेरियल डायवर्सिटी इन कंटामिनेटिड साइल", डा. आर.के. जैन, 16.5.2008

308. श्री रोहन धीमन, "स्टडी आफ टीएनएफ–मिडिएटिड डेथ सिग्नेलिंग बाई विरुलेंट ऐंड एविरुलेंट माइकोबैक्टेरिया" डा. शेखर मजूमदार, 23.5.2008

309. सुश्री सुमन यादव, "स्ट्रक्चर फंक्शन स्टडीज आफ स्ट्रेपटोकाइनेस", डा. गिरीश साहनी, 20.6.2008

310. सुश्री शेफाली सैंगर, "करेक्ट्राइजेशन आफ न्यू बायोकैटालिस्ट्स फार द एसिमेट्रिक आक्सिडेशन आफ आर्गेनिक सल्फाइड्स", डा. आर.एस. जॉली, 5.8.2008

311. सुश्री रितु शर्मा, "बायोकैटालिटिक मेथड्स फार द सिंथेसिस आफ काइरल कम्पाउन्ड्स", डा. आर.एस. जॉली, 6.8.2008

312. सुश्री सुदेश पवारिया, "स्ट्रक्चर फंक्शन स्टडीज आन माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस हीमोग्लोबिन्स ऐंड इलुसिडेशन आफ देअर बायोलाजिकल रिलिवेन्स", डा. कनक एल दीक्षित, 21.10.2008

313. श्री मनीष कुमार, "डिवलपमेंट आफ बायो इंफार्मेशन टूल्स फार फंक्शनल एनोटेशन आफ प्रोटिओमेस", डा. जी.पी.एस. राघव, 27.11.2008

314. मोहम्मद सुहेल आलम, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ विब प्रोटीन्स फ्राम माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस एच 37 आरवी", डा. पुष्पा अग्रवाल, 4.12.2008

315. श्री एस. कृष्णामूर्ति, "द स्टडी आफ प्रोकार्रियोटिक डायवर्सिटी आफ ए लैण्डफिल एनवायरनमेंट यूजिंग ए पालिफेसिक टैक्सोनामिक अप्रोच", डा. तपन चक्रबर्ती, 13.1.2009

316. श्री संकल्प गुप्ता, "स्टडीज आन रेग्युलेट्री प्रोटीन्स रिलिवेंट टु फास्फेट एसिमिलेशन आफ माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस", डा. दिब्येन्दु सरकार, 29.1.2009

317. श्री संजीव कुमार चन्द्रायन, "फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी आफ हाइपरथर्मोफिल प्रोटीन", डा. पूर्णानन्द गुप्तसरमा, 27.1.2009

318. श्री कमलेश कुमार बिष्ट, "स्टडीज आन द रोल आफ डीएनए पालिमेरास इन क्रोमेटिन आर्गेनाइजेशन आफ फिशन यीस्ट", डा. जगमोहन सिंह, 30.3.2009

मास्टर आफ फिलास्फी (एम.फिल.)

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

1. श्री पंकज कुमार, "टार्गेटिंग सेफ एक्विफर्स फार ड्रिंकिंग वाटर विद स्पेशल रिफ्रेंस टु आर्सेनिक कंटामिनेशन इन भागलपुर (बिहार) ऐंड गाजिपुर (उत्तर प्रदेश) इण्डिया", डा. ए.एल. रामनाथन, 13.10.2008

2. श्री दिव्य प्रकाश, "सिनेरजिस्टिक इफैक्ट आफ हाइड्रोक्सिएपेटाइट नैनोपार्टिकल्स ऐंड पल्स्ड इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड टु प्रिवेन्ट ओस्टेओपोसिस इन रैट इनड्यूस्ड बाई सिम्युलेटिड माइक्रोग्रेविटी", प्रो. जे. बिहारी, 17.11.2008

3. श्री नसीर शफी भट्ट, "ए कैम्पैरटिव स्टडी आफ सीजनल वैरिएशंस इन द मैक्सिमम मिक्सिंग हाइट इन द एटमास्फोरिक एनवायरनमेंट आफ दिल्ली ऐंड मुम्बई", प्रो. वी.के. जैन, 31.10.2008

4. श्री उमेश चन्द्र नायक, "स्क्रीनिंग आफ माइक्रोआर्गेनिज्म फार प्रोडक्शन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ लिपास फार प्रिपेरेशन आफ लैदर", प्रो. आई.एस. ठाकुर, 25.11.2008

5. सुश्री माधुरी, "इन विट्रो एन्टिमाइक्रोबायल एक्टिविटी आफ अल्फा–मेलएनोसाइट स्टिम्युलेटिंग हार्मोन अगेंस्ट मेजर ह्युमन पैथोजीन स्टेफीलोकोकस आरेस", डा. कस्तूरी मुखोपाध्याय, 25.11.2008

6. श्री ओम प्रकाश राम, "एटमास्फेरिक कंसंट्रेशन आफ आर्गेनोक्लोरीन पेस्टिसाइड्स इन द नेशनल कैपिटल रीजन आफ दिल्ली", प्रो. पी.एस. खिलारे, 15.12.2008

7. श्री रामोतार, "असेसमेंट आफ वाटर रिसोर्सिस आफ केन–बेतवा रीवर लिंकिंग एरिया – ए जीआईएस अप्रोच", प्रो. एस. मुखर्जी, 19.1.2009

8. श्री अभिजीत सरकार, "ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ द इनडोर ऍंड आउटडोर नाइज लेवल्स ड्यू टु एअरक्राफ्ट ट्रेफिक इन दिल्ली", डा. कृष्ण कुमार, 30.1.2009

9. श्री दिनेश कुमार, "ए स्टडी आफ स्पैक्ट्रल करेक्ट्रस्टिक्स आफ नाइज ड्यू टु डान ऍंड डस्क कोरस आफ बर्ड्स इन सम अर्बन साउन्डस्केप्स आफ दिल्ली" डा. कृष्ण कुमार, 25.2.2009

10. सुश्री जोयलता लैश्राम, "इकोलाजिकल करेक्ट्राइजेशन आफ सलेक्टिड विलेज लैण्ड स्केप्स इन मणिपुर", प्रो. के.जी. सक्सेना, 24.3.2009

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

11. श्री सी इलैयाराजा, "द इंटरनेशनल क्राइम आफ जिनोसाइड : इवोल्विंग जुरिस्प्रूडेन्स", प्रो. वाई.के. त्यागी, 7.4.2008

12. श्री वैंगजिन, "द एन्टि डम्पिंग ला ऍंड प्रेक्टिस आफ चाइना", प्रो. वाई.के. त्यागी, 7.4.2008

13. सुश्री गरिमा रतन, "कंजरवेटिव पार्टी आफ कनाडा सिन्स 1984 : फ्राम पालिटिकल पार्टी टु डिस्कोर्स", प्रो. अब्दुल नफे, 7.4.2008

14. सुश्री विजया दीक्षित, "इंडस्ट्रियल ग्रोथ ऍंड एनवायरनमेंटल डिग्रेडेशन इन बंगलादेश : पोस्ट इकोनामिक रिफार्म्स सेनारियो", प्रो. एम.पी. लामा, 7.4.2008

15. श्री विकास कुमार, "डिसएबिलिटी ऍंड ह्युमन राइट्स इन इण्डिया ऍंड श्रीलंका : ए कम्पैरटिव स्टडी", प्रो. एम.पी. लामा, 7.4.2008

16. सुश्री अनु प्रसन्ना, "यूएन डिसएबिलिटी कंवेंशन : मेजर इश्यूज", प्रो. वाई के त्यागी, 7.4.2008

17. सुश्री रूकमणि गोहैन, "मैक्सिको'स हाइड्रोकार्बन रिसोर्सिस : पालिसी डिवलपमेंट्स सिन्स 1989", प्रो. अब्दुल नफे, 10.4.2008

18. प्रो. रोबर्टसन असीम, "कनाडा ऍंड मल्टिलेटरलिज्म : 1995–2005", प्रो. क्रिस्टोफर एस. राज, 22.4.2008

19. सुश्री अर्चना मिश्रा, "द यूनाइटिड स्टेट्स – उजबेकिस्तान स्ट्रेटजिक रिलेशंस 1991–2007", डा. एम. सलीम किदवई, 18.4.2008

20. श्री रोनाल्ड के थनग्ओ, "एग्रीकल्चरल सबसिडीज आफ द यूरोपीयन यूनियन ऍंड इट्स इम्पैक्ट आफ डिवलपिंग कंट्रीज", डा. गुलशन सचदेवा, 29.4.2008

21. सुश्री अभिशिक्ता आचार्य, "एक्सप्लोरेशन आफ रिवील्ड कम्पैरटिव एडवांटेड इन ब्राजील ऍंड इण्डिया : ए डिसएग्रीगेटिड लेवल एनालिसिस विद स्पेशल फोकस आन बाईलेट्रल ट्रेड", प्रो. अब्दुल नफे, 22.5.2008

22. सुश्री खालिद अब्दुल्ला अब्देलवाब अहमद, "कनाडा'स इकोनामिक ऍंड पालिटिकल रिलेशंस विद गल्फ कोआपरेशन काउंसिल कंट्रीज", प्रो. अब्दुल नफे, 2.6.2008

23. सुश्री एस. स्वर्ण लता, "ट्रेडिशनल मेडिसिन ऍंड इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स : बेसिक इश्यूज", डा. वी.जी. हेगड़े, 22.5.2008

24. सुश्री निशा सेंगर, "ट्रेफिकिंग इन वुमन ऍंड चिल्ड्रन फ्राम बंग्लादेश टु इण्डिया", प्रो. आई.एन. मुखर्जी, 22.5.2008

25. सुश्री जुंग हो वोन, "इण्डो–यूएस न्यूक्लियर रिलेशंस सिन्स 1998 : डायलाग टु ए डील", प्रो. क्रिस्टोफर एस. राज, 2.6.2008

26. श्री देवकी नन्दन, "अमेरिकन डिबेट आन चाइना थ्रेट 1994–2004", डा. चिन्तामणि महापात्रा, 2.6.2008

27. श्री चिरंतन कुमार, "डिवलपमेंट डिस्प्लेसमेंट ऍंड रिहैबिलिटेशन इन बंगलादेश : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ कपताई डैम ऍंड जमुना मल्टिपरपज ब्रिज प्रोजेक्ट", प्रो. पार्थ एस. घोष, 1.7.2008

28. सुश्री निमिशा पाण्डेय, "द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशनल रिजीम फार इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी प्रोटेक्शन : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ द वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी आर्गेनाइजेशन ऍंड द वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन", डा. अर्चना नेगी, 1.7.2008

29. सुश्री भावना पारीक, "इण्डिया बंग्लादेश ट्रेड्स रिलेशंस सिन्स 1991", प्रो. पार्थ एस. घोष, 1.7.2008

30. श्री अतुल हरि मिश्रा, "रि–विजिटिंग टेरिटोरिएलिटी : कम्पेरिंग द हिस्ट्रीज आफ द डूरण्ड, मैकमोहन ऍंड रेडक्लिफ्स लाइन्स", डा. सिद्धार्थ मल्लावारपु, 8.7.2008

31. श्री योगेन्द्र सिंह, "कंस्ट्रक्टिव इनगेजमेंट : ए स्टडी आफ इण्डिया म्यांमार रिलेशंस", डा. शंकरी सुन्दररमण, 23.7.2008
32. सुश्री मानसी सिंह, "यू.एस. रिस्पांस टु 9/11 : कम्बेटिंग टेररिज्म", प्रो. उम्मु सलमा बावा, 4.8.2008
33. सुश्री शौनिक नवानी, "आफशोर आउटसोर्सिंग इन इण्डो–यू.एस. रिलेशंस", प्रो. सीएस. राज, 8.8.2008
34. सुश्री मिति शेखर, "डेमोक्रेटिक डेफिसिट इन द यूरोपीयन यूनियन", प्रो. राजेन्द्र के. जैन, 3.9.2008
35. श्री कुणाल पिंगुआ, "सेंट्रल एशियन हाइड्रो–कार्बन्स ऐंड इण्डिया'स एनर्जी सिक्युरिटी", डा. ताहिर असगर, 3.9.2008
36. मो. काशिफ इमाम, "द चेंजिंग सोशल स्टेट्स आफ वुमन इन उज्बेकिस्तान : 1991–2001", डा. ताहिर असगर, 3.9.2008
37. सुश्री मिसु किम, "हाउसहोल्ड्स सेविंग बिहेवियर इन इण्डिया : एलोकेशन आफ फाइनेंसिअल असेट्स", प्रो. मनोज पंत, 3.9.08
38. श्री अतुल कुमार, "चाईना'स इनफार्मेशन वारफेयर : ट्रेन्ड्स ऐंड कैपेबिलिटीज", डा. श्रीकान्त कोंडापल्ली, 3.9.2008
39. सुश्री सुमीथा एम, "इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार द आइल ऐंड गैस इंडस्ट्री आफ रशिया : 1991–2005", डा. ताहिर असगर, 3.9.2008
40. श्री गिरीश चन्द्र मलिक, "अमेरिकन पालिसी आफ प्रमोटिंग डेमोक्रेसी इन इराक", प्रो. चिन्तामणि महापात्रा, 30.9.2008
41. सुश्री कियुशिंग्ल्यु गोल्मी, "द रोल आफ इण्डिया अंडर यूनाइटिड नेशंस पीसकीपिंग आपरेशंस इन लाइबेरिया ऐंड सिरा लिओन", प्रो. ए.के. दुबे, 30.9.2008
42. श्री प्रिय रंजन कुमार, "इजराइल'स रिलेशंस विद रशिया, 1990–2006", प्रो. पी.आर. कुमारस्वामी, 17.10.2008
43. सुश्री एम.एस. प्रतिभा, "मिसाइल डिफेंस ऐंड चाइना'स स्ट्रेटजिक फोर्स माडर्नाइजेशन", प्रो. श्रीकान्त कोंडापल्ली, 17.10.2008
44. श्री प्रफुल्ल कुमार ओझा, "पाकिस्तान अंडर मुशर्रफ रिजीम : इंटरनल ऐंड एक्सटर्नल डायनेमिक्स", प्रो. उमा सिंह, 19.11.2008
45. सुश्री कविता चलक्काल, "प्रोटेक्शन आफ माइग्रेटरी स्पीसीज आफ वाइल्ड एनीमल्स इन इंटरनेशनल ला विद स्पेशल रिफ्रेंस टु 1979 बान कनवेंशन", प्रो. भरत एच. देसाई, 19.11.2008
46. श्री शिबु एम.पी., "इंफार्मेशन वारफेयर : एनालिसिंग द इंटरप्ले आफ आफेंसिव ऐंड डिफेंसिव आपेशंस", डा. जे. मदन मोहन, 19.11.2008
47. श्री देबेन्द्र साहु, "चेंजिंग डायनेमिक्स आफ जापान रिपब्लिक आफ कोरिया रिलेशनशिप : 1998–2007", डा. सराबनी राय चौधरी, 19.11.08
48. श्री अंजन कुमार साहु, "कालाबाघ डैम ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन एनवायरनमेंटल सिक्यूरिटी इन पाकिस्तान", प्रो. उमा सिंह, 28.11.2008
49. श्री रोहन मंडल, "मंगोलिया–इण्डिया रिलेशंस इन द पोस्ट कोल्ड वार पीरियड", डा. शरद के. सोनी, 28.11.2008
50. श्री मुकेश कुमार, "सोसिओ इकोनामिक ऐंड कल्चर इंटरएक्शंस बिटवीन इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया इन द 19टींथ सेंचुरी", डा. नवल के. पासवान, 28.11.2008
51. सुश्री चित्रा एन., "डोमेस्टिक डायमेंशंस आफ द वाटर पालिसी आफ इजराइल (1948–2006)", प्रो. पी.आर. कुमारस्वामी, 28.11.2008
52. सुश्री पदमम ए., "ए रिवोल्युशन इन मिलिट्री अफेयर्स इन नान–वेस्टर्न स्टेट्स : कम्पेरिंग चाइना ऐंड इण्डिया", डा. जे. मदन मोहन, 20.11.2008
53. सुश्री प्रिया नायक, "इण्डिया'स निगोसिएटिंग स्ट्रेटजी ऐट द वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन : ए केस स्टडी आफ बार्गेनिंग एलिआंसिस इन कैनकम", प्रो. पुष्पेष पंत, 20.11.2004
54. श्री राजीव रंजन, "वाटर सिक्यूरिटी आफ चाइना : कंफ्लिक्ट ऐंड कोआपरेशन इन साउथ ऐंड साउथईस्ट एशिया", प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली, 20.11.2008
55. सुश्री गायत्री दीक्षित, "जिओग्राफिकल इम्पोरटेंस ऐंड इंट्रेस्ट आफ साउथ अफ्रीका इन साउथर्न अफ्रीकन डिवलपमेंट कम्यूनिटी", प्रो. अजय दुबे, 11.12.2008

56. श्री नरेश कुमार वर्मा, "जिओपालिटिक्स आफ न्यूक्लियर ऐंड अदर एनर्जी रिसोर्सिस : ए केस स्टडी आफ कोरियन पेनिनसुला इन द पोस्ट–कोल्ड वार ईरा", डा. एस.एस. देवड़ा, 11.12.2008

57. श्री रामावतार मीणा, "जिओस्ट्रेटजिक कंसीड्रेशंस एथनिक कंफ्लिक्ट्स : ए केस स्टडी आफ ब्लूचिस्तान", डा. एस.एस. देवड़ा, 11.12.2008

58. श्री प्रसाद एम.वी., "फिलिस्तीन–इजराइल कंफ्लिक्ट इन ब्रिटेन'स वेस्ट एशिया पालिसी : द पोस्ट कोल्ड वार फेज", डा. बंशीधर प्रधान, 11.12.2008

59. श्री एल. सौनलमथंग नगैहते, "स्ट्रेटजिक कंवरजेंस : साउथ कोरिया ऐंड चाइना रिलेशंस सिन्स 1998", डा. जितेन्द्र उत्तम, 11.12.2008

60. सुश्री सुमन सिंह, "इस्लामिक फंडामेंटलिज्म इन बंग्लादेश सिन्स 1990'स", डा. संजय के भारद्वाज, 18.12.2008

61. सुश्री नबिला सादिक, "वुमन इम्पावरमेंट : ए स्टडी आफ रिप्रजेंटेशन इन द यूएस कांग्रेस 1992–2006", डा. के.वी. विजयलक्ष्मी, 18.12.2008

62. श्री कुणाल अले, "भूटान'स अप्रोच टु ग्रास नेशनल हैपीनेस : ए स्टडी आफ सोसिओ–इकोनामिक डायमेंशंस", प्रो. इंदिरा नाथ मुखर्जी, 18.12.2008

63. श्री मुन्धे रोहिदास यशवन्त, "स्टेटस आफ हिन्दु माइनार्टी इन बंग्लादेश", डा. संजय भारद्वाज, 18.12.2008

64. श्री कुन्दन कुमार, "ब्रिटिश इंट्रेस्ट्स इन द अरेबियन पेनिनसुला : ए स्टडी इन हिस्ट्रीओग्राफी", प्रो. सी.पी. जैन, 19.12.2008

65. सुश्री सबा फिरदौस, "सोशल कंस्ट्रक्टिविज्म ऐज ऐन अप्रोच टु इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन", प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति, 31.12.2008

66. सुश्री हुदरोम रेणुका, "कोरियन कल्चर वेव : एनालाइजिंग इट्स इम्पैक्ट आन साउथ कोरिया'स रिलेशन विद एशियन कंट्रीज", डा. जितेन्द्र उत्तम, 17.3.2009

67. श्री हरीश चन्द्र, "इंटरनेशनल ह्युमन राइट्स रिजीम ऐंड इण्डिया", डा. जयती श्रीवास्तव, 18.2.2009

68. श्री कुमार गौरव, "मोनार्की इन वेस्ट एशिया : ए केस स्टडी आफ जार्डन", डा. ए.के. मोहपात्रा, 18.2.2009

69. श्री दरयाल रोको अनल, "द यूनाइटिड नेशंस ऐंड इंटरनेशनल टेररिज्म इन द पोस्ट कोल्ड वार ईरा", डा. अर्चना नेगी, 19.2.2009

70. श्री शिवाजी भास्कर, "तुर्किश–रशियन रिलेशंस इन पोस्ट कोल्ड वार ईरा : फ्राम कम्पिटीशन टु कोआप्रेशन", डा. ए.के. मोहपात्रा, 18.2.2009

71. सुश्री अवंतिका लाल, "द काउंटर इनसर्जेंसी स्ट्रेटजी आफ द पाकिस्तान आर्मी इन फेडरली एडमिनिस्ट्रड ट्राइबल एरियाज (एफएटीए)", डा. सविता पाण्डेय, 11.2.2009

72. श्री बनेश्वर कुमार शर्मा, "रोल आफ अपोजिशन इन बंग्लादेश पालिटिक्स सिन्स 1991", डा. संजय कुमार भारद्वाज, 18.2.2009

73. श्री जसवीर खिचर, "जिओपालिटिक्स आफ आइल : ए केस स्टडी आफ वेनेजुअला", डा. एस.एस. देवड़ा, 18.2.2009

74. सुश्री सुरिन्दर मोहन, "ए कम्पैरटिव स्टडी आफ पालिटिक्स इकोनामी ऐंड सोसायटी आफ जम्मू ऐंड कश्मीर ऐंड पाकिस्तान आक्युपाइड कश्मीर", प्रो. उमा सिंह, 3.3.2009

75. सुश्री रेणु सिंह, "गोल्डन क्रिसेंट एज एन एपिसेंटर आफ ओपियम ट्रेड : काजिस ऐंड इफैक्ट्स", डा. सविता पाण्डेय, 3.3.2009

76. श्री खींव राज जांगिड़, "द न्यू हिस्टोरियन्स ऐंड इजराइली पालिसी टुवर्डस द फिलिस्तियन्स", प्रो. पी.आर. कुमारस्वामी, 3.3.2009

77. श्री चकाली ब्रह्मा, "रशिया–इण्डिया डिफेंस कोआपरेशन (2000–07)", डा. रंजन कुमार, 17.3.2009

78. श्री थिपरापु लक्ष्मी नारायण, "राइट्स आफ विक्टम्स आफ क्राइम अंडर इंटरनेशनल लॉ", प्रो. वाई.के. त्यागी, 3.3.2009

79. श्री चिरंजीब साहू, "जापान'स ग्रोइंग इंट्रेस्ट्स इन द सब–सहारन रीजन 1993–2005", प्रो. लालिमा वर्मा, 9.3.2009

80. श्री विनोद कुमार यादव, "इवोल्युशन आफ पालिटिकल पार्टीज इन हंग्री, 1990–2006", प्रो. शशिकांत झा, 5.3.2009

81. श्री पानु ओंग्री पाजो, "एनर्जी स्ट्रेटजी इन पोस्ट–माओ चाइना : सिक्यूरिंग आइल रिसोर्सिस", डा. डी. वाराप्रसाद शेखर, 5.3.2009

82. मोहम्मद इख्लाक, "यूरोपीयन यूनियन'स डिवलपमेंट पालिसी सिन्स 2000", डा. भास्वती सरकार, 17.3.2009

83. श्री शिशिर तिवारी, "इंटरनेशनल लीगल प्रोटेक्शन आफ कल्चरल हैरिटेज ड्यूरिंग आर्म्ड कंफ्लिक्ट्स : ए प्रिलिमिनरी स्टडी", प्रो. भरत एच. देसाई, 11.2.2009

84. सुश्री प्रियदर्शनी पाण्डा, "कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट इन वेस्ट एशिया, पीस इनिसिएटिव्स अंडर द बुश एडमिनिस्ट्रेशन", प्रो. चिन्तामणि महापात्रा, 11.2.2009

85. श्री शशांक प्रताप सिंह, "एथनिक कंफ्लिक्ट ऐंड ह्युमन सिक्यूरिटी : विद रिफ्रेंस टु द राइट टु लाइफ इन श्रीलंका", प्रो. पी. सहदेवन, 11.2.2009

86. श्री विस्मय बासु, "फारेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट ऐंड टेक्निकल एफिसिएन्सी : आर फारेन फर्म्स मोर एफिसिएन्ट", प्रो. अलोकेश बरूआ, 11.2.2009

87. श्री विकास, "रशिया–यू.एस. बाईलेट्रल रिलेशंस, 1991–1999", प्रो. ए.एम. चिनाय, 11.2.2009

88. सुश्री अहिल्या सिआल, "इम्पैक्ट आफ एथनिक कंफ्लिनक्ट आन वुमन इन ट्रांसकैकेसिया : ए केस स्टडी आफ जार्जिया–अब्खाजिया कंफ्लिक्ट", डा. के.बी. ऊषा, 3.3.2009

89. सुश्री उपासना खोंड, "द यूनाइटिड नेशंस ऐंड द राइट्स आफ द चाइल्ड : कंसेचुअलाइजेशन ऐंड इम्पलिमेंटेशंस" डा. येशी शोयदान, 5.3.2009

90. सुश्री नेहा कुमार, "रोल आफ बेलिस्टिक मिसाइल डिफेंस इन द यूएस (यूनाइटिड स्टेट्स) न्यूक्लियर डिट्रेंस डिस्कोर्स : ए स्टडी आफ पोस्ट–कोल्ड वार डिबेट्स", प्रो. स्वर्ण सिंह, 5.3.2009

91. सुश्री श्वेता शर्मा, "द प्रपोज्ड रिपब्लिक आफ कोरिया–जापान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स", डा. सराबनी राय चौधरी, 5.3.2009

92. श्री अभिलाष गोपीनाथ, "डिसप्यूट सेटलमेंट इन आरटीए'स ऐंड डब्ल्यूटीओ : ए कम्पैरटिव लीगल एनालिसिस", प्रो. बी.एस. चिमनी, 5.3.2009

93. सुश्री प्रज्ञा अत्री, "फाइनेंशल असेट्स ऐंड नान–फाइनेंशल असेट्स : रोल आफ टैक्सेशन इन डिटरमिनिंग एलोकेशन", डा. गुरूबचन सिंह, 5.3.2009

94. श्री राहुल राज, "साउथ कोरिया–जापान हिस्ट्री टेक्स्टबुक कंट्रोवर्सी : इम्पैक्ट आन बाइलेट्रल रिलेशंस", डा. जितेन्द्र उत्तम, 5.3.2009

95. श्री ओपांगमेरेन जमीर, "आयल सिक्यूरिटी इन इंटरनेशनल पालिटिक्स : द यूनाइटिड स्टेट्स पालिसी टुवर्डस सऊदी अरेबिया", डा. जयती श्रीवास्तव, 3.3.2009

96. सुश्री रूही, "रोल आफ द यूनाइटिड नेशंस हाई कमिशनर फार रिफ्यूजीस इन पोस्ट–कोल्ड वार पीस कीपिंग आपरेशंस", डा. येशी शोयदान, 16.1.2009

97. श्री चेतन टोकस, "इकोनामिक ऐंड पालिटिकल क्राइसिस इन जिम्बाबे, 1980–2006", प्रो. एस.एन. मालाकार, 16.1.2009

98. श्री कुमार पदमपणि बोरा, "नार्थ–ईस्ट इण्डिया ऐज ए गेटवे टु आसियान : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स", प्रो. मनमोहनी कौल, 15.1.2009

99. श्री सतेन्द्र प्रसाद, "चेंज ऐंड एडेप्टेशन इन इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन : ए स्टडी आफ द यूनाइटिड नेशंस इंडस्ट्रियल डिवीलपमेंट आर्गेनाइजेशन", प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति, 13.1.2009

100. श्री दिलीप कुमार चौधरी, "नाम्बिया–इण्डिया रिलेशंस 1990–2007", प्रो. एस.एन. मालाकार, 13.1.2009

101. सुश्री दीपमाला, "जनजाति आइडेंटिटी ऐज ए फैक्टर इन ए नेपाली पालिटिक्स", प्रो. पार्था एस. घोष, 13.1.2009

102. श्री बोटोवी एच चिशी, "द रोल आफ केयरटेकर गवर्नमेंट इन बंग्लादेशी पालिटिक्स सिन्स 1990", डा. संजय के भारद्वाज, 13.1.2009

103. श्री नगेन्द्र सिंह शेखावत, "द रोल आफ केयरटेकर गवर्नमेंट इन बंग्लादेशी पालिटिक्स सिन्स 1990", प्रो. गंगनाथ झा, 15.1.2009

104. सुश्री अरुनिता फुकन, "यूएस ऐज ए फैक्टर इन द इवोल्युशन आफ चाइना'स स्पेस प्रोग्राम : ए स्टडी आफ चाइना'स टिल्ट टुवर्डस बिल्डिंग स्पेस वेपन्स", प्रो. स्वर्ण सिंह, 16.1.2009

105. श्री चन्दन कुमार कुशवाहा, "आस्ट्रेलिया'स डायलाग पार्टनरशिप विद द आसियान, 1997–2006", प्रो. गंगनाथ झा, 16.1.2009

106. श्री उपेन्द्र कुमार यादव, "फारेन पालिसी आफ उज्बेकिस्तान, 1991–2007", डा. फूल बदन, 16.1.2009

107. श्री बालाजी एल, "लीगल रेग्युलेशन आफ ट्रांसबाउन्ड्री मूवमेंट्स आफ हैजर्डस इलैक्ट्रानिक वेस्ट्स – ए स्टडी", प्रो. भरत एच. देसाई, 16.1.2009

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

108. सुश्री क्रान्ति बिस्वास, "ए स्टडी आफ द मल्टिकल्चरल डिस्कोर्स इन आस्ट्रेलियन चिल्ड्रन'स लिट्रेसी", प्रो. एस.के. सरीन, 3.4.2008

109. श्री अशोक कुमार, "अंतराल में अभिव्यक्त स्त्री अस्मिता(वुमन आईडेंटिटी ऐज डेपिक्टिड इन अंतराल)", डा. ज्योतिसर शर्मा, 3.4.2008

110. श्री रोशन लाल जहेल, "WAHRHEIT UND SPRACHE : EINE UNTERSUCHUNG DER BEZIEHUNG ZWISCHEN WAHRHEIT UND SPRACHE IN INGEBORG BACHMANNS PROSATEXTEN" प्रो. रेखा वी. राजन, 9.4.2008

111. श्री अमरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, "कुँवर नारायण के काव्य में परम्परा और प्रयोग का द्वन्द्व", डा. ओम प्रकाश सिंह, 7.4.2008

112. श्री मुनील कुमार वर्मा, "संस्मरण की परम्परा और स्मृतिलेखा", डा. गोबिन्द प्रसाद, 9.4.2008

113. श्री जावेद इकबाल भट, "कश्मीर रिविजिटिड : लास आफ शंगरिला", प्रो. मकरन्द प्रांजपे, 22.4.2008

114. श्री धीरेन पालीवाल, " L'IMAGE DU RAJASTHAN DANS LES DOCUMENTAIRES FRNCAIS" डा. एन. कमला, 16.4.2008

115. श्री सैदुर रहमान "ALMADRIS AL ISLMIA LIWILAYATIL BANGAL AL GARBIYA WA DORUHA FIDDIRASATIL AT ARABIYA" डा. रिजवानुर रहमान, 15.4.2008

116. श्री जाकिर हुसैन, "द जामिया सलाफिया इन बनारस ऐंड द रोल आफ इट्स प्रोमिनेंटस टीचर्स इन द प्रमोशन आफ अरेबिक ऐंड इस्लामिक लर्निंग्स", प्रो. एफ.यू. फारूकी, 8.4.2008

117. श्री विराज काफले, "नेपालीज इंग्लिश लिट्रेचर : एन इंट्रोडक्शन", प्रो. मकरन्द प्रांजपे, 15.4.2008

118. सुश्री गोगाटे नीना दुर्गेश, "TRADUCTION FEMINISTE POSTCOLONIALE DES NOUVELLES D ASSIA DJBAR" प्रो. एन. कमला, 16.4.2008

119. श्री धनन्जय कुमार, "राजेश जोशी की कविताओं का आलोचनात्मक अध्ययन (प्रतिरोध की संस्कृति के विशेष सन्दर्भ में)" डा. गोविन्द प्रसाद, 22.4.2008

120. सुश्री जानेत लालवम्पुई सी, "द डांसिंग बाडी : ए स्टडी आफ द रिप्रजेंटेशन आफ सैक्सुअल्टी इन बालिवुड आइटम नम्बर्स", डा. सौगाता भादुरी, 2.5.2008

121. सुश्री श्वेता वर्मा, "अरबी से हिन्दी अनुवाद की समस्याएं (खलील गिब्रान की रचना 'नास्तिक' में संदर्भ में)", प्रो. चमनलाल, डा. मुजीबुर रहमान, 5.5.2008

122. सुश्री नीलाक्षी शर्मा, "एब्सोल्युट सेल्फहुड : एन एनालिसिस आफ मार्लोवियन प्रोटेगोनिस्ट", डा. सौगाता भादुरी, 8.5.2008

123. श्री फैजन अहमद, "कंट्रीब्युशन आफ अहमद रजा खान बरेलवी टु इण्डो–पर्शियन लिट्रेचर", डा. अख्लाक अहमद अंसारी, 12.5.2008

124. सुश्री स्मृति सिंह, "रिप्रजेंटेशन आफ विजुअल डिसएबिलिटी इन इण्डियन माइथोलोजी ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन माडर्न लिट्रेचर ऐंड सोसायटी", डा. सौगाता भादुरी, 15.5.2008

125. श्री के. मुथुवेल, "LES PROBLEMES DE TRADUCTION DES PROVERBES TAMOULS EN FRANCAIS" डा. जी.डी. शिवम, डा. शोभा शिवशंकरन, 8.5.2008

126. श्री ओम प्रकाश, "MUSLIME IN DEUTSCHLAND : EINE STUDIE DER TURKISCHEN MUSLIMISCHEN JUGEND IN EUTSCHLAND", प्रो. रेखा वी. राजन, 13.5.2008

127. श्री अब्दुल खालिक कासिम अहमद हसन, "अरेबिक स्पीकर्स लर्निंग इंग्लिश ऐज ए फारेन लैंग्वेज : ए स्टडी इन ईए", प्रो. वैश्ना नारंग, 29.5.2008

128. श्री मो. शहनवाज आलम, "ख्वाजा अल्ताफ हुसैन हाली पर्शियन लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर", डा. सैयद अख्तर हुसैन, 5.6.2008

129. श्री अब्दुन नासीर अली, "Al-Madaris Al-Arabiah WA Al-Islamiah Fi Mudiriyat Siwan : Injaaat WA Muqtarahat Dirasah Tahliliyah" डा. मुजीबुर रहमान, 3.6.2008

130. सुश्री समीरा मन्ना, "L Evolution De la Culture Ouebcoise : Une Etude comparee De salut Galarneau (1967) Et Le Temps Des Galarneau (1993) parjacques Godbout" डा. अभिजीत कारकून, 20.6.2008

131. श्री शादाब अनवार, "सर सैयद अहमद खान'स कंट्रीब्यूशन टु पर्शियन स्टडीज", डा. सैयद अख्तर हुसैन, 7.7.2008

132. श्री शारिद जमाल अंसारी, "डिवलमेंट आफ पर्शियन प्रोज राइटिंग ड्यूरिंग औरंगजेब'स पीरियड विद स्पेशल रिफ्रेंस टु रूकात–ए–आलामगिरी", डा. अख्लाक अहमद अंसारी, 10.7.2008

133. श्री अहमद बाबिकर अली बाबिकर, "मदर टंग इंटरफियरेन्स इन सेकण्ड लैंग्यूवेज लर्निंग : ए केस आफ सुडानीज लर्नर्स आफ इंग्लिश ऐट स्कूल", प्रो. वैश्ना नारंग, 29.5.2008

134. सुश्री देबश्री बासु, "द सबलेटर्न सेक्सुअल : ए स्टडी आफ लेस्बियन डिटेक्टिव फिक्शन", डा. सौगाता भादुरी, 1.9.2008

135. मो. अजीमुद्दीन, "सह कतरा–ए–खून : ए न्यू अप्रोच टु सोसिओपालिटिकल लाइफ आफ ईरान", प्रो. एस.ए. हसन, 29.8.2008

136. श्री दलपत सिंह राजपुरोहित, "रज्जब और गोपालदास की सर्वांगी का तुलनात्मक अध्ययन", प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 25.8.2008

137. श्री सत्यार्थ अनिरूद्ध पंकज, "भक्ति संवेदना एवं आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का लालित्य संबंधी चिंतन", प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 25.8.2008

138. श्री प्रेम कुमार, "जसवन्त सिंह का रचना कर्म : (भाषा भूषण के विशेष संदर्भ में)", प्रो. रमण प्रसाद सिन्हा, 25.8.2008

139. श्री जिल्लुर रहमान, "पर्सनेल्टी आफ अलामा अब्दुल अजीज रहीमाबादी ऐंड हिज अकादमिक अचीवमेंट्स : एन एनालिटिकल स्टडी", डा. रिजवानुर रहमान, 27.10.2008

140. श्री एम. वसीकुल खैर, "रोल आफ मदरसा'स इन प्रमोशन आफ उर्दू लैंग्यूवेज (ए केस स्टडी आफ नदवातुल उलेमा, लखनऊ)", डा. एस.एम. अनवार आलम, 30.10.2008

141. सुश्री सपना डोगरा, "हिमाचली फोकटेल्स : ट्रांसलेशन ऐंड इंटरप्रिटेशन", प्रो. संतोष के सरीन, 5.11.2008

142. सुश्री कल्पना पाण्डेय, "शाकुंतलम के हिन्दी अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन", डा. रंजीत कुमार साहा, 5.11.2008

143. श्री रूपम दत्ता, "Question d'identit:Les traductions Du Gitanjli De Tagore En Anglais ET En Francais", प्रो. एन. कमला, 6.11.2008

144. श्री अम्बरीश त्रिपाठी, "बिटवीन टु वर्ल्डस का हिन्दी अनुवाद और इसका बौद्धिक विश्लेषण", डा. रंजीत कुमार साहा, 11.11.2008

145. सुश्री अल्पना त्रिपाठी, "हिन्दी के आरम्भिक नाटक और उनका रंगमंच", डा. रमण प्रसाद सिन्हा, 12.11.2008

146. श्री रंजीत कुमार रजक, "हिन्दी में अनुदित 'द गाड आफ स्माल थिंग्स' (मामूली चीजों का देवता) की भाषिक एवं संरचनात्मक शैली का तुलनात्मक अध्ययन", डा. रंजीत कुमार साहा, 18.11.2008

147. श्री एम.जी. ललित आनन्द, "द क्लेक्ट कंस्ट्रक्शन इन सिनहाला", डा. आयशा किदवई, 18.11.2008

148. श्री संदीप कुमार जैसवाल, "गुलाब और बुलबुल : संवेदना और शिल्प", डा. गोबिन्द प्रसाद, 18.11.2008

149. श्री विकास श्रीवास्तव, "ए क्रिटिकल स्टडी आफ ब्रिजिस कादिर का कुनबा : हिन्दुस्तानी अडेप्शन आफ लोर्का'स द हाउस आफ बर्नादा अल्बा", डा. अपराजित चट्टोपाध्याय, 25.11.08

150. श्री राघिब अख्तर, "अदबी साइबरस्पेस और उर्दू अदब (लिट्रेरी साइबरस्पेस और उर्दू लिट्रेचर)", डा. के.एम. इकरामुद्दीन, 24.11.2008

151. सुश्री सोनिया तुली, "LA CULTURE PLURIELLE A TRAVERS UNE LECTURE ACTIVE DES CONTES DANS LES COURS DE FLE" प्रो. किरण चौधरी, 25.11.2008

152. श्री शीतांशु कुमार, "फोर्ट विलियम कालेज और हिन्दी भाषा", प्रो. नामवर सिंह और प्रो. वीर भारत तलवार, 10.12.2008

153. श्री चन्दन कुमार, "कितने पाकिस्तान में इतिहास, संवेदना और शिल्प", डा. ओम प्रकाश सिंह, 10.12.2008

154. श्री मनीष कुमार सोनी, "ओमप्रकाश वाल्मिकी की आत्मकथा 'जूठन' के अंग्रेजी अनुवाद का सांस्कृतिक एवं भाषिक विश्लेषण", प्रो. चमन लाल, 5.12.2008

155. सुश्री सुनीता, "मनु भंडारी के उपन्यास 'आपका बंटी' के अंग्रेजी अनुवाद का भाषिक और सामाजिक विश्लेषण", प्रो. चमन लाल, 5.12.2008

156. मो. फिरोज अख्तर, "अर्शादुल कादिर का असलूब लाला जार के हवाले से", डा. के.एम. इकरामुद्दीन, 17.12.2008

157. श्री कौशल कुमार मधुकर, "मुक्तिबोध की फंटेसी का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन", डा. रमण प्रसाद सिन्हा, 12.12.2008

158. श्री गिबु सबु एम., "ए सिनटैक्टिको सिमांटिक एक्सपोजिशन आफ मलयालम एक्सप्लिकेटर कम्पाउन्ड वर्ब्स", डा. आयसा किदवई, 10.12.2008

159. सुश्री बन्दना भारती, "रोडरमल और जयरतन पी लाल द्वारा अनुदित गोदान के अंग्रेजी अनुवादों का मूल हिन्दी पाठ के साथ तुलनात्मक अध्ययन (प्रथम पांच परिच्छेदों तक)", प्रो. वीर भारत तलवार, 10.12.2008

160. सुश्री शबनम नाज, "तरक्की पसन्द तनकीद और मोहम्मद हसन", डा. के. एम. इकरामुद्दीन, 17.12.2008

161. सुश्री सुप्रीति सेठी, "स्टेट्स आफ गैशा इन द जेपनीज सोसायटीज ऐज पोर्टेड इन उदेकुरबे ऐंड निगोरी : ए स्टडी थ्रू द पर्सपेक्टिव आफ जेंडर", प्रो. अनिता खन्ना, 16.12.2008

162. श्री रीमा सिंह, "बाई (ब्यूटी) इन तनिजाकी जुनिजिरी'स वर्क्स : ए केस स्टडी आफ शिसेई शुनकिनशो ऐंड टेड कु मुशी", डा. पी.ए. जार्ज, 24.12.2008

163. श्री अजय कुमार, "रिअलिज्म ऐंड द कल्चर इंडस्ट्री : एन इवेल्युएटिव स्टडी आफ भोजपुरी फाक सांग्स", डा. सौगाता भादुरी, 24.2.2009

164. श्री निशांत के नारायण, "Zur Entwicklung und Erweiterung Der Lesekompetenz Als Lehrziet in DaF", डा. मधु साहनी, 26.12.2008

165. श्री सैयद अहमद, "उर्दू के अहम सफर नामों का तजजियाती मुताला (1975 के बाद)", प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 26.12.2008

166. सुश्री अंजु लता, "नासिरा शर्मा कृति संगसर : एक आलोचनात्मक अध्ययन", डा. गोबिन्द प्रसाद, 29.12.2008

167. सुश्री निखत मोखतर, "प्रवीण शाकिर की शायरी में निसाई हिसियात", डा. मजहर हुसैन, 29.12.2008

168. श्री मोहम्मद अकबर, "रशीदुल खैरी के अफसानों का तजजियाती मुताला तुफान ए अश्क के हवाले से", प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 31.3.2009

169. श्री अमित सिंह, "ओरेलिटी ऐंड अफ्रीकन ड्रामा : रीडिंग सलैक्ट प्लेज बाई नगुगी वा थिओंग 'ओ'", प्रो. संतोष के. सरीन और प्रो. हरीश सी. नारंग, 6.2.2009

170. सुश्री ओन्द्रिला लाहिड़ी, "कलकत्ता : ट्रेवलिंग थ्रू इट्स टेक्स्ट्स ऐंड टाइम", डा. सौगाता भादुरी, 12.2.2009

171. श्री कमर शबन, डा. अब्दुल्लाह अब्बास नदवी, "लाइफ ऐंड वर्क्स : एन एनालिटिकल स्टडी", प्रो. एस.ए. रहमान, 11.2.2009

172. सुश्री आइनम कमला कुमारी, "द लीजेंड्स आफ सनमही : ए क्रिटिकल इंट्रोडक्शन", प्रो. मकरन्द प्रांजपे, 9.2.2009

173. श्री बी.आर. अलामेलु, "जेंडर इन डाइसपोरा : ए केस स्टडी आफ वुमन करेक्टर्स इन एम.जी. वसंजी'स शार्ट स्टोरी कलैक्शंस उहरू स्ट्रीट (1992) ऐंड ऐल्विस रजा (2006)", प्रो. एस.के. सरीन और प्रो. हरीश नारंग, 2.1.2009

174. श्री मोहम्मद कमर, "डिवलपमेंट आफ तफसीर स्टडीज इन इण्डिया विद स्पेशल रिफ्रेंस टु तफसीर अल–महैमी : एन एनालिटिकल स्टडी", प्रो. एस.ए. रहमान, 25.3.2009

175. सुश्री ज्योति कुमारी, "सामाजिक और साहित्यिक इतिहास में मीरा बाई की छवियां", डा. राम चन्द्र, 13.1.2009

176. श्री राजेश कुमार शर्मा, "सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटकों में राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ", प्रो. चमन लाल, 23.1.2009

177. श्री अजय कुमार वर्मा, "1857 का विद्रोह और अवध में लोक जीवन : 'पाहिघर' उपन्यास के सन्दर्भ में", प्रो. चमन लाल, 23.1.2009

178. श्री अभिषेक कुमार पटेल, "मनु भंडारी के उपन्यास महाभोज के अंग्रेजी अनुवाद का भाषिक तथा सामाजिक विश्लेषण", प्रो. चमन लाल, 16.1.2009

179. सुश्री नैया, "हिन्दी के आरम्भिक स्त्री कथाकार", डा. रमण प्रसाद सिन्हा, 12.1.2009

180. श्री बिपुल कुमार, "जगदीश चन्द्र माथुर के नाटक कोणार्क में सत्ता और कला का द्वन्द्व", डा. ओम प्रकाश सिंह, 9.1.09

181. सुश्री शिफालिका शेखर, "नागार्जुन द्वारा हिन्दी में अनुदित विद्यापति पदावली का विश्लेषणात्मक अध्ययन", प्रो. चमन लाल, 16.1.2009

182. श्री अब्दुर रफे, "जदीद उर्दू कसीदा निगारी", डा. मजहर महदी हुसैन, 7.1.2009

183. सुश्री देशपाण्डेय श्वेता संजीव, "UNE ETUD TERMINOLIOGIOUE DE LA CUISNE", प्रो. एन. कमला, 20.1.2009

सामाजिक विज्ञान संस्थान

184. श्री राउत संतोष ईश्वरदास, "कंटेक्सचुअलाइजिंग सेल्फ ऐंड कल्चर : एन इंक्वायरी इनटु सम फिलोस्फिकल इश्यूज", डा. मणिदीपा सेन, 9.4.2008

185. श्री फरदिनन्द बनतैलंग बसन, "एथनिक आइडेंटिटीज ऐंड इश्यूज आफ डिवलपमेंट ए केस स्टडी आफ मेघालय", डा. विधु वर्मा, 7.4.2008

186. सुश्री स्वाति पाल, "द पालिटिक्स आफ केयर इन फेमिनिस्ट थीअरि", डा. शेफाली झा, 9.4.2008

187. सुश्री पियाली सरकार, "जेंडर डायमेंशन इन लेबर माइग्रेशन : ए स्टडी आफ वुमन वर्कर्स इन द कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री इन दिल्ली", डा. विधु वर्मा, 8.4.2008

188. सुश्री सुम्बुल फराह, "डेमिसेटिस्फाइंग मदरसाज : ए सोसिओ हिस्टोरिकल एनालिसिस आफ मदरसाज इन इण्डिया इन द लाइट आफ कंटेम्पोरॅरि डिस्कोर्स", प्रो. आनन्द कुमार, 7.4.2008

189. श्री बी. लालजरलिअना, "कलोनिअलिज्म, क्रिश्चियन मिशनरीज ऐंड चेंजिंग पैटर्न आफ एज्यूकेशन इन मिजो सोसायटी : ए क्रिटिकल स्टडी", प्रो. अविजित पाठक, 2.4.2008

190. श्री सुधोवेनी सत्यनारायण, "एन इंस्टीट्यूशनल अप्रोच टु द डिक्लाइन आफ टांक इरिगेशन", प्रो. आर.के. शर्मा, 16.4.2008

191. सुश्री सरस्वती करकेट्टा, "प्रोसिस पैटर्न्स ऐंड ट्रेन्ड्स आफ अर्बेनाइजेशन इन नार्थ ईस्टर्न स्टेट्स आफ इण्डिया", डा. अनुराधा बनर्जी, 16.4.2008

192. सुश्री अन्विता भुवन, "फिस्कल फेडरलिज्म इन इण्डिया आफ्टर द टवेल्थ फाइनेन्स कमीशन : ट्रेन्ड्स ऐंड इश्यूज", प्रो. बलबीर अरोड़ा, 7.4.2008

193. श्री ओम प्रकाश कोली, "पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस इन राजस्थान : ए स्टडी आफ इट्स स्ट्रक्चर ऐंड रोल इन रूरल डिवलपमेंट", डा. एम.एच. कुरेशी, 16.4.2008

194. श्री रामैया रंजन पटेल, "फूड सिक्यूरिटी अमंग द ट्राइबल पाप्यूलेशन आफ उड़ीसा : ए केस स्टडी आफ गजपती डिस्ट्रिक्ट", प्रो. आर.के. शर्मा, 16.4.2008

195. सुश्री के रेणुका देवी, "स्टडींग द कैथारोल कुम्बाबा : एज ए सोर्स फार द अर्ली हिस्ट्री आफ मणिपुर", डा. कुमकुम राय, 22.4.2008

196. सुश्री रूपा के एल, "फूड सेफ्टी लाज इन इण्डिया : ए स्टडी आफ प्रिवेंशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1954 ऐंड फूड सेफ्टी स्टेंडर्डस एक्ट 2006 ऐंड देयर एप्लिकेशंस", डा. सुनीता रेड्डी और डा. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 22.4.2008

197. सुश्री दिया राव, "टेक्नोलाजी ऐंड अर्बन वाटर स्केयरसिटी : ए केस स्टडी आफ दिल्ली जल बोर्ड", डा. रोहन डिसूजा, 22. 4.2008

198. सुश्री नवनीता सिन्हा, "हैबिट्स ऐंड पर्फामेटिविटी : एक्जामिनिंग क्वेश्चंस आफ जेंडर आइडेंटिटी थ्रू द राइटिंग्स आफ पीयरे बार्ड्यु ऐंड जुदिथ बटलर", प्रो. गुरुप्रीत महाजन, 22.4.2008

199. श्री शैलेन्द्र कुमार, "ग्रोथ आफ सिटीज ऐंड अर्बन एंग्लोमेरेशंस ऐंड देयर सोसिओ–इकोनामिक कोरिलेट्स इन इण्डिया 1961–2001", प्रो. असलम महमूद, 16.4.2008

200. श्री शाहिद, "इम्पैक्ट आफ ग्लोबलाइजेशन आन स्कूल एज्यूकेशन इन इण्डिया : इमर्जिंग इश्यूज ऐंड कंसर्न्स", डा. एस. श्रीनिवास राव, 22.4.2008

201. सुश्री अराधना नायक, "क्लासरूम अचीवमेंट आफ स्टुडेंट्स इन मदर टंग मीडियम ऐंड इंग्लिश मीडियम स्कूल्स : ए कम्पैरटिव स्टडी", प्रो. अजीत कुमार मोहन्ती, 22.4.2008

202. सुश्री नेन्सी टिर्की, "रीजनल डायमेंशंस आफ एज्यूकेशनल डिस्पैरिटी : ए केस स्टडी आफ झारखंड", डा. दीपक कुमार मिश्रा, 16.4.2008

203. श्री तपन कुमार महानन्द, "स्टेट फार्मेशन आफ मार्डन उड़ीसा : 1936–56", डा. आशा सारंगी, 22.4.2008

204. सुश्री सौम्या परिहार, "द समाजवादी पार्टी : आइडोलाजी, स्ट्रेटजी ऐंड सोशल बेस", प्रो. जोया हसन, 22.4.2008

205. श्री जे नवयथा, "इण्डिया'स पालिसी टुवर्डस इट्स डाइसपोरा : ट्रेन्ड्स सिन्स इंडिपेंडेंस", डा. प्रलय कानूनगो, 25.4.2008

206. श्री दीपांकर दास, "जेंडरिंग वैदिक रिचुअल्स : ए केस स्टडी आफ द स्रोत सैक्रीफाइसिस इन द सतपथ ब्राह्मण", डा. कुमकुम राय, 5.4.2008

207. श्री सुनील बाबू सी.टी., "सोसिओलाजी ऐंड द पालिटिक्स आफ नालेज : आरिजिन ऐंड डिवलपमेंट आफ सोसिओलाजी इन इण्डियन", डा. वी. सुजाता, 25.4.2008

208. श्री मृत्युंजय कुमार, "दलित्स इन हायर एज्यूकेशन इन पोस्ट इंडिपेंडेंट ईरा : ए सोसिओलाजिकल एनालिसिस", प्रो. नन्दू राम, 25.4.2008

209. सुश्री नीरू नागर, "रिफ्लेक्शन आफ सोशल साइंसिस इन स्कूल एज्यूकेशन : ए क्रिटिकल इंक्वायरी", प्रो. अविजित पाठक, 25.4.2008

210. सुश्री केतकी द्विवेदी, "सोशल सिक्यूरिटी इन अनआर्गेनाइज्ड सैक्टर इन इण्डिया : ए सोसिओलाजिकल स्टडी", डा. अमित कुमार शर्मा, 25.4.2008

211. श्री भास्कर कौशिक, "मीनिंग ऐंड सेन्स इन द फिलास्फीज आफ चार्ल्स टेलर ऐंड जीन ल्युक नेन्सी", प्रो. गुरुप्रीत महाजन, 2.5.2008

212. सुश्री मालिनी भट्टाचार्जी, "द इमर्जेन्स आफ हिन्दुत्व इन ए रीजन : ए केस स्टडी आफ आसाम", डा. प्रलय कानूनगो, 2.5.2008

213. श्री वेंकटेश, "लिबरलाइजेशन ऐंड लेबर राइट्स : ए स्टडी आफ पालमपुर माइग्रेंट लेबर (1980–2005)", डा. आशा सारंगी, 2.5.2008

214. श्री नितिन कुमार, "इण्डियन मर्चेंट्स ऐंड द इंग्लिश कम्पनी इन साउथर्न कोरोमण्डल इन द 17टींथ सेंचुरी", डा. योगेश शर्मा, 1.5.2008

215. श्री भैरू लाल यादव, "स्पैशल वैरिएशंस इन एचआईवी प्रिवलेन्स इन हाई प्रिवलेन्स स्टेट्स इन इण्डिया : एन एनालिसिस आफ डाटा फ्राम सेंटिनल साइट्स", प्रो. के.एम. कुलकर्णी, 7.5.2008

216. सुश्री इम्तिरेनला लांगकुमेर, "स्टेट्स आफ आवो नागा वुमन इन रिलिजस इंस्टीट्यूशंस इन नागालैण्ड", प्रो. सुसन विश्वनाथन, 8.5.2008

217. सुश्री इशा सान्याल, "द सोसिओलाजी आफ बाडी ऐंड डिजाइर : ए केस स्टडी आफ सलेक्टिड हिन्दी फिल्म्स", डा. अमित कुमार शर्मा, 8.5.2008

218. सुश्री अमृता राव, "डिटर्मिनेंट्स आफ द शेयर आफ सर्विसिस इन नेशनल इनकम : ए पैनल डाटा एनालिसिस", डा. सुब्रता गुहा, 8.5.2008

219. श्री चेतन चौहान, "एग्रेरियन डिस्ट्रेस ऐंड इनडेबिटडनेस इन इण्डिया : ए स्टेट लेवल एनालिसिस", डा. सुचरिता सेन, 8.5.2008

220. मो. फैज आलम अशरफी, "लैण्ड डिस्ट्रिब्युशन करेक्ट्राइजिस्टिक्स एक्रास इकोनामिक ऐंड सोशल ग्रुप्स : ए माइक्रो लेवल एनालिसिस", डा. सुचरिता सेन, 8.5.2008

221. श्री अजय कुमार, "ए कम्पैरटिव स्टडी आफ फर्टिलिटी ट्रांजिशन इन तमिलनाडु ऐंड उत्तर प्रदेश", डा. दीपक कुमार मिश्रा, 8.5.2008

222. सुश्री स्मिता लिन्डा, "साइट स्युटेबिलिटी एनालिसिस फार वेस्ट डिस्पोजल एराउन्ड अर्बन रांची यूजिंग रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस टेक्नीक्स", डा. मिलाप चन्द्र शर्मा, 8.5.2008

223. सुश्री तोनुका डे, "डिटर्मिनेंट्स आफ वुमन'स न्यूट्रिशनल हैल्थ स्टेट्स : रिविजिटिंग द मैटर्नल डिप्लेशन, डिबेट इन द कंटेक्स्ट आफ इण्डिया", प्रो. पी.एम. कुलकर्णी, 8.5.2008

224. श्री रचना भगत, "डेमोग्राफिक सोशल ऐंड इकोनामिक प्रोफाइल आफ शैडयूल्ड ट्राइब्स इन इण्डिया", प्रो. सुदेश नांगिया और डा. भास्वती दास, 8.5.2008

225. सुश्री बीना प्रभा टिर्की, "मैटर्नल हैल्थ केयर यूटिलाइजेशन अमंग ट्राइबल वुमन इन ईस्टर्न मिड इण्डियन ट्राइबल बेल्ट – एन एनालिसिस आफ एनएफएचएस–2 डाटा (1998–1999)", डा. दीपेन्द्र नाथ दास, 8.5.2008

226. श्री पवन कुमार पटेल, "मोनार्की, माओइज्म ऐंड क्वेस्ट फार डेमोक्रेसी : पालिटिक्स आफ स्टेट्स फार्मेशन इन कंटम्पोरॅरि नेपाल", प्रो. एस.एस. जोधका, 19.5.2008

227. श्री आदित्य गोयनका, "द एनसिएस इम्पायर एज्यूकेशन ऐंड कलोनिअल इन मिड–नाइनटींथ सेंचुरी इण्डिया", प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य, 19.5.2008

228. सुश्री जया सिन्हा, "एन एनालिसिस आफ स्टेट गवर्नमेंट फाइनेंसिंग आफ हायर एज्यूकेशन : ए केस स्टडी आफ टु यूनिवर्सिटीज इन बिहार", डा. सौमन चट्टोपाध्याय, 19.5.2009

229. सुश्री सिवकोर्न क्रिसनसुवन, "डिसिप्लिंस, कलोनिअलिज्म ऐंड सावर्निटी : इंग्लिश लिट्रेचर इन थाइलैण्ड ऐंड इण्डिया", डा. ध्रुव रैना, 19.5.2008

230. श्री आदित्य सरकार, "वर्क रेग्युलेशन ऐंड एनजाइटी : टुवर्डस ए हिस्ट्री आफ अर्ली फैक्टर ला इन बाम्बे, 1875–1885", प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य, 19.5.2008

231. श्री देर किशार शंकर, "सेल्फ नालेज, फर्स्ट पर्शन अथारिटी ऐंड एन एक्सटर्नलिस्ट एकाउन्ट आफ द माइन्ड", डा. मणिदीपा सेन, 19.5.2008

232. श्री अभिनन्दा भोई, "मैपिंग द इण्डियन टेलिकम्यूनिकेशन सैक्टर : टुवर्डस ए सैक्टरल सिस्टम आफ इनोवेशन", प्रो. वी.वी. कृष्णा, 19.5.2008

233. श्री एच.एन. मुआन लाल, "एथनिसिटी ऐंड पालिटिकल मोबिलाइजेशन इन मणिपुर : ए केस आफ जो ट्राइब्स इन चुरचन्दपुर डिस्ट्रिक्ट", डा. टी.जी. सुरेश, 19.5.2008

234. श्री अरिजित दास, "स्पेशल वैरिएशन आफ इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट इन इण्डियन स्टेट्स 1980–81 टु 1995–96", प्रो. अंजन मुखर्जी, 2.6.2008

235. सुश्री सरस्वती बरूआ, "एसोसिओलाजिकल स्टडी आफ सिटीज", प्रो. मैत्रेयी चौधरी, 12.6.2008

236. श्री मनीष कुमार श्रीवास्तव, "कनवर्जेन्स इन क्लाइमेट चेंज इंस्टीट्यूशंस ऐंड कंसिक्वेंसिस फार डिवलपिंग कंट्रीज : ए स्टडी आफ सुपरक्रिटिकल टेक्नोलाजी एडोप्शन बाई एनटीपीसी", डा. एस. भादुरी, 12.6.2008

237. श्री लिजु के.एम., "सोशल आर्गेनाइजेशन आफ पालिएटिव केयर : ए केस स्टडी आफ ए कम्यूनिटी पालिएटिव केयर सेंटर इन मल्लापुरम डिस्ट्रिक्ट, केरला", प्रो. के.आर. नायर, 2.6.2008

238. सुश्री पी.एम. अराथी, "एबर्टिंग जेंडर जस्टिस : लेजिस्लेटिंग एबोर्शन इन सलेक्टिड कंट्रीज आफ साउथ एशिया – ए प्रिलिमिनरी एनालिसिस", प्रो. मोहन राव, 2.6.2008

239. श्री एकनाथ बोस, "इम्पैक्ट आफ एक्सपोर्ट्स आन मैन्युफैक्चरिंग : ए केस स्टडी आफ गार्मेन्टस इंडस्ट्री इन इण्डिया", डा. अतुल सूद, 19.6.2008

240. श्री प्रमोद कुमार राउत, "चेंजिंग एग्रेरियन स्ट्रक्चर ऐंड लेबर माइग्रेशन : ए स्टडी आफ उड़ीसा", प्रो. एस.एस. जोधका, 11.7.2008

241. श्री शिवम, "ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ इण्डियन डाइसपोरा इन द यूएसए", डा. अमित कुमार शर्मा, 10.2.2009

242. श्री प्रशांत केसरवानी, "द रिलेवेंस आफ सोशल कैपिटल फार पब्लिक हैल्थ : रिवाइविंग द डिबेट", डा. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 9.7.2008

243. श्री तनमय गांगुली, "एन इकोनामिक एनालिसिस आफ कम्पैरटिव निग्लिजेंस", प्रो. सतीश के. जैन, 14.7.2008

244. श्री अरकादिप्त घोष, "पालिटिकल बिजनेस साइकिल इन क्राइम : ए स्टडी आफ द फिफ्टीन मेजर इण्डियन स्टेट्स (1975–76 टु 1998–99)", डा. सुगातो दासगुप्ता, 15.7.2008

245. सुश्री बर्षा डेका, "अंडरस्टेंडिंग एथनिसिटी ऐंड आटोनामी मूवमेंट्स इन आसाम : ए स्टडी आफ बोडो ऐंड मिशिंग ट्राइब्स", डा. टी.जी. सुरेश, 8.7.2008

246. मो. आफताब आलम, "निओ लिबरल कंसेप्शन आफ सिविल सोसायटी : कंसिक्वेंसिस फार डेमोक्रेसी ऐंड डिवलपमेंट", डा. शेफाली झा, 31.7.2008

247. श्री मुरली कुचीभोटला, "पार्टिशन पालिटिक्स ऐंड इकोनामिक ग्रोथ इन इण्डिया", डा. सुगातो दासगुप्ता, 7.8.2008

248. श्री ललित कुमार, "इफैक्ट आफ ग्लोबलाइजेशन आन पब्लिक हैल्थ : ए क्रास कंट्री एनालिसिस आफ द कोरिलेशन बिटवीन हैल्थ इंडिकेटर्स ऐंड हैल्थ एक्सपेंडिचर", डा. सुब्रता गुहा, 5.8.2008

249. सुश्री सरोबोन्टी चट्टोपाध्याय, "लिबरलाइजेशन ऐंड इंट्रेस्ट रेट पालिसी इन इण्डिया", प्रो. प्रभात पटनायक, 18.8.2008

250. श्री आशिष कुमार झा, "एन इकोनामिक एनालिसिस आफ टेकिंग्स", प्रो. सतीश जैन, 18.8.2008

251. श्री प्रेम कुमार, "सोसिओ इकोनामिक डिफ्रेंसिएशन ऐंड सेग्मेंटेशंस आफ सिटीज : ए वार्ड लेवल एनालिसिस इन सलेक्ट मिलियन प्लस म्युनिस्पिल कारपोरेशंस विद फोकस आन स्लम", प्रो. अमिताभ कुण्डु, 18.8.2008

252. सुश्री दीपाश्री बाउल, "रिआर्डिंग द सिटीस्केप : स्पेशल रिआर्गेनाइजेशन ऐंड डिस्आर्डर इन दिल्ली आफ्टर 1911", प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य, 28.8.2008

253. श्री अनीश वनैक, "चेंजिंग द प्लाट : प्रापर्टी रिलेशंस इन कलोनिअल दिल्ली 1857–1920", प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य, 28.8.2008

254. श्री एस. श्रवण कुमार, "टेक्सटाइल ट्रेड ऐंड इंडस्ट्री इन सेवन्टींथ सेंचुरी नार्दन कोरोमण्डल", डा. योगेश शर्मा, 1.9.2008

255. सुश्री इशिता मेहरोत्रा, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड फीमेल लेबर : ए स्टडी आफ द एग्रीकल्चर ऐंड इंडस्ट्रियल सैक्टर", प्रो. प्रलय कानूनगो, 12.9.2008

256. सुश्री गीतांजलि त्यागी, "द वर्ल्ड आफ रायल राजपूत वुमन : ऑनर, रिलेटिड रिचुअल्स ऐंड प्रेक्टिसीज", प्रो. दिलबाग सिंह, 5.9.2008

257. श्री कौशिक गांगुली, "आन सम पैराडाक्सिस इन थीअरि आफ वोटिंग : रि–विजिटिंग द इश्यू आफ रिप्रजेंटेटिवनेस", प्रो. सतीश जैन, 22.9.2008

258. सुश्री श्वेता सिंह, "काटन ऐंड इकोनामिक रिफार्म्स इन इण्डिया 1991–2006 : आउटपुट ट्रेड ऐंड कंजेप्शन", प्रो. उत्सा पटनायक, 22.9.2008

259. सुश्री शर्मिस्था सिन्हा, "फीमेल वर्क पार्टिसिपेशन इन एग्रीकल्चर सैक्टर : ट्रेन्ड्स फ्राम सेंशस ऐंड एनएसएस", डा. विकास रावल, 22.9.2008

260. श्री पदमेश्वर डोले, "इनफार्मेशनल एसिमेट्री इंट्रेस्ट रेट्स ऐंड रूरल फाइनेंशल इंस्टीट्यूशंस, इण्डिया", प्रो. डी.एन. राव, 20.10.2008

261. श्री पतित पबन दास, "राइट टु लाइफ इन मेडिकल एथिक्स : ए प्ली फार मोरल कंटेक्सुलाइजिंग", डा. ओइनम भगत, 20.10.2008

262. सुश्री अमृत गोल्डर, "ए कम्पैरटिव स्टडी आफ नार्थ–साउथ ऐंड साउथ–साउथ आरटीए'स : टु केस स्टडीज", प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर, 28.11.2008

263. श्री अरिन्दम बासक, "अर्बेनाइजेशन रीजनलाइजेशन ऐंड अर्बन करेक्ट्रास्टिक्स इन इण्डिया (1981–2001)", प्रो. अतिया एच. किदवई, 5.12.2008

264. श्री कुणाल अले, "भूटान'स अप्रोच टु ग्रास नेशनल हैपीनेस : ए स्टडी आफ सोसिओ इकोनामिक डाइमेंशंस", प्रो. इन्द्र नाथ मुखर्जी, 18.12.2008

265. श्री मुन्धे रोहिदास यशवन्त, "स्टेटस आफ हिन्दू माइनार्टी इन बंगलादेश", डा. संजय भारद्वाज, 18.12.2008

266. श्री कुन्दन कुमार, "ब्रिटिश इंट्रेस्ट्स इन द अरेबियन पेनिनसुला : ए स्टडी इन हिस्टोरिओग्राफी", प्रो. पी.सी. जैन, 19.12.2008

267. श्री हर्ष वर्धन शाह श्याम, "ए क्रिटिकल एनालिसिस आफ मीडिया टेक्स्ट्स (टीवी) ऐंड आडिएन्स रिस्पांस इन कंटेम्पोरॅरि सोसायटी", डा. अमित कुमार शर्मा, 23.1.2009

268. सुश्री तान्या सिन्हा, "द वेल आफ फ्लेक्सिबल चेंज रेट : द पर्वेसिवनेसनेस आफ स्टेट इंटरवेंशन इन कंटेम्पोरॅरि एक्सचेंज रेट मार्किट्स", प्रो. प्रभात पटनायक, 23.1.2009

269. सुश्री मौतुशी मजूमदार, "ए कम्पैरटिव स्टडी आफ द प्रिवैलेंस आफ डोमेस्टिक वायलन्स इन राजस्थान, उत्तर प्रदेश, केरला ऐंड तमिलनाडु बेस्ड आन एनएफएचएस–3 (2005–06)", प्रो. एम.डी. विमुरी, 26.3.2009

270. सुश्री समीरा वर्मा, "कंस्ट्रक्टिंग ऐंड कंटेस्टिंग, जेंडर आइडेंटिटी बर्थ ऐंड डैथ इन द गृहसुत्रास ऐंड द महाभारत", डा. कुमकुम राय, 31.3.2009

271. श्री मुदित त्रिवेदी, "मल्टिपल पाथवेज इन द इमर्जेंस आफ कम्पलेक्स सोसायटीज", प्रो. एच.पी. रे, 26.3.2009

272. सुश्री प्रियंका मिश्रा, "द आइडिया आफ द डैथ इन हेडगर'स बीइंग ऐंड टाइम", डा. ओइनम भगत, 23.3.2009

273. श्री राकेश कुमार पटेल, "रिप्रजेंटेशन आफ इण्डियन डाइस्पोरा इन पाप्यूलर हिन्दी सिनेमा : ए सोसिओलाजिकल स्टडी", डा. विवेक कुमार, 11.2.2009

274. श्री जितेन्द्र राम, "चेंजिंग स्टेटस आफ दलित्स इन पोस्ट इंडिपेंडेंट बिहार", प्रो. नन्दू राम, 17.3.2009

275. श्री चाखो कया माओ, "एज्यूकेशन ऐंड इम्पावरमेंट : ए स्टडी आफ मणिपुर वुमन", प्रो. एहसानुल हक, 17.3.2009

276. श्री जितेन्द्र सिंह बीका, "डिटर्मिनेंट्स ऐंड सोशल करेक्ट्रास्टिक्स आफ डिफ्रेंटली एबल्ड पाप्यूलेशन इन इण्डिया", डा. बी. जुत्शी, 23.3.2009

277. श्री सूरज भान गढ़वाल, "सोशल इनइक्विटीज इन एज्यूकेशनल अटेनमेंट्स इन इण्डिया : ए स्पेशल एनालिसिस", डा. सच्चिदानन्द सिन्हा, 23.3.2009

278. श्री विजय कुमार, "चिल्ड्रन'स इकोनामिक एक्टिविटीज : ए स्पेसिओ टेम्पोरल एनालिसिस", डा. बी. जुत्शी, 26.3.2009

279. मोहम्मद तुफैल, "इंटरनल माइग्रेशन ऐंड ग्रोथ आफ अर्बेनाइजेशन इन इण्डिया 2001 : ए स्टेट लेवल एनालिसिस", प्रो. असलम महमूद, 17.3.2009

280. सुश्री रूचि श्री, "प्राइवेटाइजेशन आफ वाटर : कंटेक्सचुअलाइजिंग द कंटेम्पोरॅरि डिबेट्स इन इण्डिया", डा. मनिन्दर एन. ठाकुर, 23.3.2009

281. सुश्री दिव्या चेरियन, "कम्यूनिटी, आइडेंटिटी ऐंड लोकेशन : द मेव'स मीणाज, भील्स ऐंड बावरियाज इन ऐट्टींथ सेंचरी मारवाड़", डा. नंदिता प्रसाद सहाय, 31.3.2009

282. श्री पोल प्रबोधन अरविन्द, "जर्नलिज्म आफ अर्ली ट्वेन्टीथ सेंचुरी महाराष्ट्र : एक्जामिनिंग जर्नलिस्टिक राइटिंग्स आफ नान ब्राह्मण ऐंड अनटचेएबल मूवमेंट्स 1920–1930", प्रो. सुचेता महाजन, 6.3.2009

283. सुश्री आयुस्मती दास, "मैटर्नल हैल्थ केयर यूटिलाइजेशन इन इण्डिया : इट्स पैटर्न्स डिटर्मिनेंटस ऐंड इम्पैक्ट्स", प्रो. असलम महमूद, 23.3.2009

284. श्री विनोद राजा ए, "डिटर्मिनेंट्स आफ फार्मर'स स्यूसाइड : ए केस स्टडी आफ अनन्तपुर डिस्ट्रिक्ट आफ आन्ध्र प्रदेश", डा. बी. जुत्शी, 23.3.2009

285. श्री जान रोसंगपुई, "पर्सेप्शन आफ हैल्थ ऐंड मेडिकल एज्यूकेशन इन मणिपुर", प्रो. दीपक कुमार, 24.3.2009

286. सुश्री निहारिका मोहपात्रा, "टुवर्डस ए सोसिओलाजी आफ डिजास्टर्स इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया : ए स्टडी आफ सुनामी ऐंड सुपर साइक्लोन", प्रो. एस.एस. जोधका, 24.3.2009

287. श्री शिवम, "ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ इण्डियन डाइस्पोरा इन द यूएसए", डा. अमित कुमार शर्मा, 10.2.2009

288. श्री आशीष कुमार दास, "द अनएनडिंग नक्सलिज्म : इंट्रोगेटिंग डिवलपमेंट इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश", प्रो. आनन्द कुमार, 22.1.2009

289. श्री सुनान्दो बासु, "एन एनालिसिस आफ द टेकिंग डाक्ट्रिन ऐंड जस्ट कम्पैनसेशन", प्रो. सतीश के. जैन, 23.1.2009

290. श्री अश्विनी कुमार, "ए माडल आफ डिमांड फार हैल्थ इंस्युरेंस", प्रो. डी.एन. राव, 23.1.2009

291. श्री हर्षवर्धन शाह श्याम, "ए क्रिटिकल एनालिसिस आफ मीडिया टेक्स्ट (टीवी) ऐंड आडिएन्स रिस्पांस इन कंटेम्पोरॅरि सोसायटी", डा. अमित कुमार शर्मा, 23.1.2009

292. सुश्री तान्या सिन्हा, "द वेल आफ फ्लेक्सिबल एक्सचेंज रेट : द पर्वेसिवनेस आफ स्टेट इंटरवेंशन इन कंटम्पोरॅरि एक्सचेंज रेट मार्किट्स", प्रो. प्रभात पटनायक, 23.1.2009

293. श्री राकेश सैनी, "ग्लेशियर डाइनेमिक्स, वाटर रिसोर्स असेसमेंट ऐंड लैण्डस्केप इवोल्युशन इन मियार बेसिन लाहुल हिमालयाज एचपी इण्डिया", डा. मिलाप चन्द शर्मा, 17.3.2009

294. श्री धमेन्द्र शर्मा, "मोबिडिटी इन उत्तर प्रदेश इट्स लेवल्स, पैटर्न्स ऐंड डिटर्मिनेंट्स : ए रीजनल एनालिसिस", प्रो. असलम महमूद, 17.3.2009

295. सुश्री कावेरी देब, "रीजनल इकोनामिक कोआपरेशन इन साउथ एशिया ऐंड इट्स इम्पैक्ट अपोन द एलडीसी'स आफ द रीजन", प्रो. दीपक नैयर, 16.3.2009

296. सुश्री अवन्ती मुखर्जी, "एक्सप्लोरिंग इंटर स्टेट वैरिएशंस इन वुमन'स पेड ऐंड अनपेड वर्क इन इण्डिया", प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर, 16.3.2009

297. श्री शारदा प्रसाद, "फैक्टर्स इंफ्लुएंसिंग ऐलिंग ऐंड हास्पिटेलाइजेशन इन इण्डिया : एन एनालिसिस आफ एनएसएसओ 52 (1995–96) ऐंड 60थ राउन्ड (2004) डाटा", प्रो. एम.डी. विमुरी, 4.3.2009

298. श्री बिनोयज्योति दास, "सोशल कंस्ट्रक्शन आफ रोमांटिक लव इन हिन्दी सिनेमा : ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ सलेक्टिड फिल्म्स फ्राम 1973–2007", डा. अमित कुमार शर्मा, 9.3.2009

299. श्री राजेश कुमार, "रिथिंकिंग हैपीनेस ऐंड ड्यूटी : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ अरस्टिोटल ऐंड कांट", प्रो. आर.पी. सिंह, 9.3.2009

300. श्री रोहिन अनहल, "डिटर्मिनेंट्स आफ इनवेस्टमेंट इन रिन्यूएबल एनर्जी : ए पैनल डाटा एनालिसिस", प्रो. प्रदीप्त चौधरी, 12.3.2009

301. श्री अर्पण कुमार राव, "द डिटर्मिनेंट्स आफ इनवेस्टमेंट डिस्पैरिटी इन द आर्गेनाइज्ड इंडस्ट्रियल सैक्टर आफ इण्डिया", प्रो. सुब्रता गुहा, 12.3.2009

302. सुश्री पौशाली राय, "सायल इरोजिन असेसमेंट इन गेज वाटरशेड छत्तीसगढ़", डा. एस. श्रीकेश, 4.3.2009

303. श्री तीरथांकर मंडल, "द इम्पैक्ट आफ एक्सपोर्ट ऐंड रिसर्च ऐंड डिवलपमेंट इन नालेज प्रोडक्शन : द केस आफ आईटी सैक्टर इन इण्डिया", डा. सौमन चट्टोपाध्याय, 3.3.2009

304. श्री शास्वत कुमार, "इम्पावरमेंट आफ वुमन : ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ शैडयूल्ड कास्ट वुमन इन उत्तर प्रदेश", प्रो. एहसानुल हक, 23.2.2009

305. सुश्री नमिता सुन्दरी नायक, "एन एस्टिमेट आफ पावर्टी अमंग डिप्राइब्ड सोशल ग्रुप्स 1999–2000", प्रो. उत्सा पटनायक, 23.1.2009

306. श्री बिबेक भुयान, "एनवायरनमेंटल चेंज ऐंड एन एक्सपर्ट आफ डिपेंडेंसी आन वेटलैण्ड : ए केस स्टडी आफ दीपोर बील, आसाम", डा. एस. श्रीकेश, 3.3.2009

307. सुश्री कमलेश, "रोल आफ कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन इन स्कूल एज्यूकेशन : ए केस स्टडी आफ टु विलेज्स आफ डिस्ट्रिक्ट जीन्द, हरियाणा", प्रो. आदित्य मुखर्जी, 3.3.2009

308. सुश्री अर्पिता मित्रा, "इन क्वेस्ट आफ द नेशनल सेल्फ : बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ऐंड रबिन्द्रनाथ टैगोर, 1880–1920", प्रो. सुचेता महाजन, 4.3.2009

309. श्री चन्दन बोस, "द प्रोडक्शन ऐंड कंजप्शन आफ क्लीनलीनेस : एन एन्थ्रोपोलाजिकल स्टडी इनटु मैनुअल स्केवेनजिंग", प्रो. सुससन विश्वनाथन, 6.2.2009

310. सुश्री अक्षप्तिका रतन, "एजिंग आइडेंटिटी ऐंड डैथ", डा. रेणुका सिंह, 24.2.2009

311. श्री बिनोद आर्या, "सोशल चेंज थ्रू पालिटिक्स : ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ दलित्स इन उत्तर प्रदेश", डा. विवेक कुमार, 24.2.2009

312. श्री एस विगनेश, "हेट्रोडाक्सी ऐंड डिसेंट इन तमिल कल्चर : सिचुएटिंग द कंट्रिब्युशन आफ पेरियार ऐंड द नान–ब्राह्मण मूवमेंट इन तमिलनाडु", डा. वी सुजाता, 3.3.2009

313. सुश्री ज्योत्सना सिंह, "स्पोर्ट्स, नेशन ऐंड पाप्यूलर इमेजनरीज : ए सोसिओलाजिकल रीडिंग", प्रो. अविजित पाठक, 3.3.2009

314. श्री विद्या सागर त्रिगुण, "डिटर्मिनेंट्स आफ फर्टिलिटी प्रिफरेन्स इन इण्डिया : ए कम्पैरटिव एनालिसिस आफ तमिलनाडु ऐंड बिहार", डा. अनुराधा बनर्जी, 23.2.2009

315. श्री अनिल कुमार, "प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स आफ सेक्यूलरिज्म : ए फिलास्फिकल स्टडी", प्रो. सत्य पी गौतम, 24.2.2009

316. सुश्री रशैल ए बर्गिस, "फ्राम आर्किओलाजिकल सोर्सिस टु आस्पेक्ट्स आफ अर्ली सोशल फार्मेशन इन केरला : ट्रेड ऐंड कम्यूनिकेशन इंडिसेज", प्रो. विजय रामास्वामी, 18.2.2009

317. सुश्री रचना मेहरा, "वुमन एब्डक्टिड ड्यूरिंग द पार्टिशन आफ इण्डिया : ए क्रिटिकल एनालिसिस", प्रो. सुचेता महाजन, 18.2.2009

318. सुश्री सोनाली साहनी, "इंटरनेशल डिस्कोर्स आन सोशल डिटर्मिनेंट्स आफ हैल्थ : ए क्रिटिकल रिव्यू", प्रो. के.आर. नायर, 22.1.2009

319. सुश्री सुभा रानी गरगावा, "इकोनामिक ग्रोथ ऐंड सोशल कोहिजन इन ए फेडरल पालिटी : स्पेशल इकोनामिक जोन्स इन इण्डिया", प्रो. बलवीर अरोड़ा, 18.2.2009

320. सुश्री सुधी चौधरी, "स्नोलाइन फ्लुक्चुएशन ऐंड लेट क्वाटर्नरी क्लाइमेट रिकंस्ट्रक्शन इन चन्द्रभागा बेसिन, हिमाचल प्रदेश", डा. मिलाप चन्द्र शर्मा, 12.2.2009

321. श्री रफी पी, "द मेडिकल बायोटेक्नोलाजी इंडस्ट्री इन इण्डिया : ए प्रिलिमिनरी रिव्यू", प्रो. मोहन राव, 12.2.2009

322. सुश्री दोरोथी लालेन्जिओ, "एक्सप्लोरिंग चिल्ड्रन'स हैल्थ इन नार्थ ईस्ट स्टेट्स : ए केस स्टडी आफ चाइल्ड वैलफेयर प्रोग्राम्स इन साइकोट विलेज, चुरचन्दपुर, मणिपुर", डा. सुनीता रेड्डी, 12.2.2009

323. सुश्री लेखा डी भट्ट, "स्टेट ऐंड द इंडिजिनस सिस्टम्स आफ मेडिसिन ड्यूरिंग पोस्ट–इंडिपेंडेंस : ए क्रिटिकल एनालिसिस", प्रो. के.आर. नायर, 12.2.2009

324. श्री अजीजुर रहमान आजमी, "इम्पैक्ट आफ न्यू इकोनामिक चैलेंजिस आन हैण्डलूम वीवर्स इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश", प्रो. आनन्द कुमार, 2.1.2009

विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र

325. सुश्री आर मेनका, "द नेशनल रूरल इम्प्लायमेंट गारंटी एक्ट : ए स्टडी आफ इट्स इंप्लिमेंटेशन ऐंड इम्पैक्ट", प्रो. नीरजा गोपाल जयाल, 1.8.2009

326. श्री चेतन बी सिंघई, "रेलवे रिफार्म्स : ए ट्रांजिशन फ्राम रेग्युलेशन टु ए प्राइवेटाइजेशन", प्रो. अमिता सिंह, 4.8.2008

327. सुश्री नाजिया खान, "टारचर इन पुलिस कस्टडी केस स्टडीज इन दिल्ली", प्रो. अमिता सिंह, 12.12.2008

328. श्री सोनी कुंजप्पन, "इवैल्युएशन आफ इन सर्विस ट्रेनिंग आफ पुलिस इन इण्डिया", प्रो. अमिता सिंह, 26.12.2008

329. श्री शेहर शाह, "इंस्टीट्यूशनल रिस्पांस टु कंफ्लिक्ट : ए केस स्टडी आफ जम्मू ऐंड कश्मीर", डा. एन.के. डबाश, 14.1.2009

330. सुश्री साइलविआ यमबेम "एन इम्पैक्ट असेसमेंट आफ द स्पेशल इंप्लायमेंट जेनरेशन प्रोग्राम इन मणिपुर", प्रो. अमिता सिंह, 24.2.2009

331. श्री सैयद सुल्तान काजी, "प्रोस्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिस आफ इंफारमेशन कम्युनिकेशन टेक्नालाजी इन नाथ ईस्ट इण्डिया : ए केस स्टडी आफ सीआईसी'स", प्रो. अमिता सिंह, 24.2.2009

332. श्री विश्वजीत गिरि, "वुमन इन द अनआर्गेनाइज्ड सैक्टर : केस स्टडीज इन कटक ऐंड भुवनेश्वर", प्रो. अमिता सिंह, 24.2.2009

333. सुश्री धान्या के एस, "ग्लोबल स्टेंडर्डस ऐंड लोकल कंटेस्टेशंस : लीगल रिजीम्स आफ फारेस्ट ऐंड द इंडिजिनस पीपल्स इन केरला", डा. अमित प्रकाश, 4.3.2009

334. श्री शोमी ब्रियन रायखान, "डिस्प्यूट रिजोल्युशन सिस्टम आफ द तांगखुल नागाज (उखरूल डिस्ट्रिक्ट–मणिपुर), डा. प्रतीक्षा बक्शी, 18.2.2009"

विशेष संस्कृत अध्ययन केन्द्र

335. सुश्री मंजु सिंह, "भक्ति रसः सिद्धान्त दर्शन एवं अनुप्रयोग (उत्पल देव कृत शिवस्तोतावली के विशेष सन्दर्भ में)", डा. हरी राम मिश्रा, 3.4.2008

336. श्री विजेन्द्र सिंह, "पाणिनी प्रोक्तकृत्– प्रत्ययों का अर्थवैशिष्ट्य (शिशुपालवध नवसर्गपर्यन्त के विशेष सन्दर्भ में)", डा. हरी राम मिश्रा, 30.6.2008

कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

337. सुश्री आस्था गांधी, "मैपिंग ओडिसी : ट्रेनिंग, प्रेक्टिस ऐंड परफार्मेन्स इन द प्रजेंट कंटेक्स्ट", डा. बिष्णुप्रिया दत्ता, 3.12.2008

338. सुश्री सिल्विया पास्कल रेगैरिओ, "बेले डान्स : हिस्ट्री मिथ ऐंड परफार्मर'स रिएल्टीज", डा. बिष्णुप्रिया दत्ता, 3.12.2008

339. श्री अवधेश कुमार सिंह, "पैंथी डान्स : ए कल्चरल मैनिफेस्टेशन आफ अनटचएबल्स", प्रो. एच.एस. शिवप्रकाश, 16.1.2009

340. श्री एस करमेगम, "हीलिंग रिचुअल ऐंड थीएटर : अंडरस्टेंडिंग चट्टरूपट्टु पर्फामेन्स आफ कनिक्करर आफ साउथ इण्डिया", प्रो. एच.एच. शिवप्रकाश, 6.2.2009

341. सुश्री नाइरा शोवगरियन, "विंग्ड कम्पोजिट फिगर्स इन अर्ली इण्डियन आइकोनोग्राफी : स्टाइलिस्टिक एनालिसिस ऐंड क्लासिफिकेशन, सिरका थर्ड सेंचुरी बीसी टु थर्ड सेंचुरी एडी", डा. नमन पी अहुजा, 20.3.2009

342. सुश्री अनिशा सक्सेना, "रिलिजस डायनेमिक्स ऐंड मार्फिंड इमेज्स – केस स्टडी आफ सचिया माता टेम्पल, ओसियां, जोधपुर", डा. कविता सिंह और प्रोफेसर ज्योतिन्द्र जैन, 17.3.2009

343. सुश्री ऋषिका महर्षि, "लुक हू इज व्यूइंग : एन अटेम्पट ऐट स्टडिंग रिचुअल परफोमेन्सिस बेस्ड आन द स्ट्रक्चरल ऐंड डायनेमिक कंडीशंस आफ आडिशन रिसेप्शन", डा. विष्णु प्रिया दत्ता, 15.1.2009

विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम

344. सुश्री सुमाल्था बी.एस., "स्ट्रक्चर, कम्पीटशन ऐंड परफार्मेन्स आफ इण्डियन म्युचुअल फंड्स इन द कंटेक्स्ट आफ फाइनेंशल लिबरलाइजेशन", डा. के. पुष्पांगदन और डा. एन शान्ता, 17.7.2008

345. श्री प्रभु दास जी, "प्रोडक्ट मार्किट कम्पटीशन ऐंड आर ऐंड डी : ए फर्म्स लेवल स्टडी आफ इण्डियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री", डा. सुनील मणि और डा. एम. परमेश्वरन, 15.7.2008

346. श्री रिकिल चिरमांग, "एज्यूकेशन ऐंड माइग्रेशन : फ्राम द नार्थ ईस्टर्न रीजन इन इण्डिया", डा. एस. इरूदया राजन और चिनाप्पन गैस्पर, 9.1.2009

347. श्री राजेश जी.के. "डिफ्यूजन आफ बाइवोल्टिन हाइब्रिड सिल्कवर्म इन इण्डिया", प्रो. पी. मोहनन पिल्लई और डा. एम. परमेश्वरन, 5.3.2009

348. श्री मन्टु कुमार महालिक, "हाउसिंग प्राइस बिहेवियर इन द अर्बन इण्डिया : ए केस स्टडी आफ भुवनेश्वर", डा. एन विजयमोहनन पिल्लई और डा. ऋषिकेश मलिक, 5.3.2009

349. सुश्री अनूपा एस नायर, "कम्पटीशन इन इण्डियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज आइडेंटिफिकेशन, एनालिसिस ऐंड इम्पैक्ट", प्रो. के. पुष्पांगदन और डा. एम परमेश्वरन, 5.3.2009

मास्टर आफ टेक्नोलाजी (एम.टेक.)

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. श्री राजेश सिंह, "सिमिलियरिटी डिटर्मिनेशन ऐंड डाक्यूमेंट क्लस्टरिंग इन वैक्टर स्पेस माडल", डा. आदिति शरण, 15.4.2008
2. श्री पीयूष कुमार श्रीवास्तव, "ए स्टडी आफ डायनेमिक्स माडल आफ जीन रेग्यूलेट्री नेटवर्क", डा. आर.के. अग्रवाल, 29.4.2009
3. सुश्री सोनिया वाधवा, "इंट्रोपैरेबिलिटी ऐंड सिंक्रोनाइजेशन आफ कम्पोनेंट्स", प्रो. परिमाला एन., 6.8.2008
4. श्री आशिष, "आब्जेक्ट क्लासिफिकेशन इन इमेज डाटा यूजिंग रफ सेट थीअरि", डा. एस. मिंज, 5.9.2008
5. श्री अंशु कुमार सिन्हा, "कम्पोनेंट अडेप्टेशन यूजिंग टाइप ऐंड पैटर्न बेस्ड टेक्नीक", श्री सुशील कुमार, 4.9.2008
6. श्री आशिष, "आब्जेक्ट क्लासिफिकेशन इन इमेज डाटा यूजिंग रफ सेट थीअरि", डा. एस. मिंज, 5.9.2008
7. श्री पिनाकी चक्रबर्ती, "डिजाइन ऐंड इंप्लिमेंटेशन कंसिड्रेशन फार ए पैडेगोगिकल आब्जेक्ट ओरिएन्टिड सिस्टम", प्रो. पी.सी. सक्सेना, 19.11.2008
8. श्री संजीव, "रैंडम एक्सिस सिस्टम विद फाइनाइट बुफेस इन नाइजी पैरामीटर्स एनवायरनमेंट : मोन्टो कार्लो स्टडी", प्रो. कर्मेषु, 19.11.2008
9. श्री बुद्ध सिंह, "पावर कंट्रोल मैक प्रोटेकोल फार वायरलैस सेंसर नेटवर्क", डा. डी.के. लोबियाल, 1.12.2008
10. श्री पूरन प्रसाद कुंजुर, "ग्रेनुलर कंप्यूटिंग बेस्ड क्लस्टरिंग", डा. सोनझारिया मिंज, 12.12.2008
11. श्री आलोक घोषाल, "व्यू मैटेरिअलाइजेशन", डा. टी.वी. विजयकुमार, 26.12.2008
12. श्री गौरव कुमार राजपूत, "डिटेक्शन आफ स्टेगोइमेजिस", डा. आर.के. अग्रवाल, 12.3.2009
13. श्री यशपाल सिंह, "फ्रिक्वेंट पैटर्न माइनिंग इन मल्टिडाइमेंशनल डाटा यूजिंग ग्रेनुलर कंप्यूटिंग", प्रो. सोनझारिया मिंज, 12.3.2009
14. श्री अमित कुमार, "कम्बाइनिंग स्पैम मास ऐंड कंटेट एनालिसिस अप्रोचिस फार लिंक स्पैम डिटेक्शन", प्रो. के.के. भारद्वाज, 18.2.2009
15. श्री सुधीर कुमार शर्मा, "स्टडी आफ आईएसआई डिस्ट्रिब्युशन इन प्रिजेंस आफ डिफ्रेंट सोर्सिस आफ नाइज इन एलआईएफ माडल", प्रो. कर्मेषु, 16.2.2009
16. सुश्री सुषमा, "मल्टि क्राइटेरिया रिकमंडर सिस्टम्स", प्रो. के.के. भारद्वाज, 18.2.2009
17. सुश्री लेला राज्य लक्ष्मी, "फ्यूजी ओटोंलाजी मर्जिंग फार द सिमांटिक वेब", प्रो. के.के. भारद्वाज, 18.2.2009
18. श्री सुनील कुमार भारती, "कम्पैरटिव स्टडी आफ जिनेटिक क्रासओवर आपरेटर्स फार टास्क पार्टिशनिंग प्राब्लम", डा. डी.पी. विद्यार्थी, 6.2.2009
19. श्री नितिन कुमार जैन, "आन पैरललाइजेशन आफ जनरल रिकरेन्स रिलेशन", प्रो. सी.पी. कट्टी

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

20. श्री मोहम्मद रेहान, "आइडेंटिफिकेशन आफ सबट्रेक्ट स्पेस्फिसिटी डिटरमाइनिंग रेजिड्यूस इन ए प्रोटीन फैमिली", डा. ए.एम. लिन, 14.8.2008
21. श्री सरबाशीष दास, "आइडेंटिफिकेशन आफ सिंगल न्यूक्लिओटाइड पालिमार्फिज्म ऐंड इनवर्शन्स इन जिनोमिक सिक्वेंसिस", प्रो. आलोक भट्टाचार्य, 13.8.2008
22. श्री राहुल, "स्टोकेस्टिक माडलिंग आफ सेपटेशन इन एशरिकिया कोली यूजिंग एमसीईएलएल", डा. सुप्रतिम सेन गुप्ता, 15.9.2008
23. श्री राकेश कुमार तिवारी, "विरचुअल स्क्रीनिंग फार डिजाइनिंग नावल इनहिबिटर्स अगेंस्ट डिहाइड्रोपिटरेट सिन्थेस (डीएचपीएस) एनजाइम इनवाल्वड इन फोलेट बायोसिन्थेटिक पाथवे इन प्लाजमोडियम फाल्सिपरेम ऐंड अदर बैक्टेरियल आर्गेनिज्म", डा. नायडू सुब्बाराव, 3.10.2008
24. श्री राकेश पाण्डेय, "टैम्पोरल पैटर्न्स इन एक्सटेंडिड सिस्टम्स विद स्टोकेस्टिक डायनेमिक्स", प्रो. आर. रामास्वामी, 30.9.2008